

মহাভারতম্

মহবি-জীক্ষবৈপায়নবেদব্যাস-প্রণীতম্

প্রমান জগে

দৰ্শনাচাৰ্য্য

শ্রীমন্নীলকণ্ঠকতয়। ভারতভাবদীপ-

সমাধ্যয়া টাক্যা

ম্হামহোপাধ্যায়-ভারতাচার্য্য-

ত্রীহরিদাসসিদান্তবাগীশভট্টাচার্য্যেণ প্রণীত্য়া

ভারতকৌধূদীসমাখ্যমা টীক্রা তৎকুত-বঙ্গাসুবাদেন চ দহিত্য

কলিকাড়া ৪১ সংখ্যকপুরিবর্ত্ত সিদ্ধান্তরিছালয়াৎ সিদ্ধান্তবাদীশেলৈর প্রকাশিতক কলিকাতা ৪১ সংখ্যকসূরিবন্ধ স্থ-সিদ্ধান্তয়ত্ত্ব

মহকারিসম্পাদক- প্রীহেমচন্দ্রভট্টাচার্য্যেণ মুদ্রিতম্।

Beu 3555

G 19259



निद्वपन

ভগ্ৰানের অভ্যতে মহাভারতের ভাল্পর প্রকাশিত হইল। এই প্রকী প্রকাশ ক্রিতে অপেলাকত অধিক সময় লাগিলাছে। তাহার কারণ, এই পরে বিভিন্নভাবে চারিটা एकर विषय উপश्वित इदेशाहिल । अधाय, कुल्लाखर छेल्डापक द्व करियात वस अख्य इदेशन, সেই দুক্ত নিবৃতি করাইবার নিমিত ভগবান বেববাাস বালা বৃত্রাবের নিকট উপত্তি হইছা যে সুক্র উৎপাত্তের বর্ণনা করিলাছেন, ভারার মধ্যে বহুত্ব জোতিথিক বিয়ত সলিবেশিত च्याद्य , दमहे च्यादनत क्रीका कविवाद मध्य च्याकानिक च्यानक व्याविषय प्रशासनाइना कविटक इहेराइड । नत्त-"यपादियश्यः त्यायक्षितः छात्रावक" देखि त्याकाकीकृत याच्या कविदाव मध्य वादा वहेंदाने विस्तितकात विकक वस्तव मध्यक विदार सक् মহাভারতের বহুপুথনে অত্সভান কবিতে হইহাছিল এবং সেই প্রসংগ কুল্পারবের দুখ-कारत्व मध्किश हे दिशाम के विवाद विभिन्द करिएक व्यानक मनत व्यक्ति विकास विवादि । ডা'র শুর ভগ্রন্থীভার অফিল্লবারেত অভিবাতকলে টাকা ও ব্রাহ্বার লিখিবার সময়ে বহু বিষয় প্রালোচন। করা আবক্ত হুইং।ছিল। চ্যুর-ফল্লেস্ড ভুক্রার ভুগ্রন-वी काव न्छन हीका, बकाइकार क खारमवार्थ विविद्यक रापटे सुरव वाजिसारक । तम विभाग धारे हेंद्र वेख्नका त्य, मगन् ध्रम खगवान् नववाडाका, गरीडीमिनिकालक्ष्मी लिक्क्कामी ल लहमहाग-পরিআলকাচাট্য মধুত্তনব্রস্থতী এড়তি মহাপুর্যগণ যে এবের ধাবা। করিলা পিলাছেন, त्नहें अध्यक केंपरत आयात यह अने केंद्र नग्या याकित यात्रा कविवाद करा क्कालन करा যে অভান বাতুলভার পরিচঃ দেওলা মাত্র, ভারা আমি উহার প্রভাক প্রেদকর ব্যাব্যা कवियात मगरपटे मान मान धावना कवियाछि। एकानि मधाननी एक नौका दाविया गाहेबाव मगर्य मध्यत्य जीवन व्यादक (रवामा) छन्ति छ इट्टान रवाम खादा महिल्लान कविया पाहेबाव উপায় থাকে না, তেমন সম্পূর্মহাভারতের চীকা করিতে প্রত্ত হইবা অভ্যন্ত ত্তত বলিয়া ভগৰদ্গীতা পরিত্যাস করিয়া দিবং করা যাইতে পাবে না ; ইহা ভাবিয়া পাকি অনুসারে पदाबक जिला कतियाति। एटव-विधि मकताति महाजनसङ्ग्रहान महानम्दा रयगम প্রেটি প্রমংকেরও সাম হইছা খাকে এবং দিক লাও লাভি বিশাল প্রাণি পরিপূর্ব महायान रमकम कार्विकाली अकृष्टियन कान हए, तमहेकम जनवन्ति वा वा। वा का आ। व शान स्ट्रेंटर यनियां मध्य कड़ा अनक्छ नट् ।

তবে এ কথা সাহস করিয়া বলা যাইতে গাবে হে, ওপবান্ শহরাচারাপ্রভৃতির সহয়ে কোন বৈদেশিকভাবের আবিভাব না হওছাত প্রক্রিপারপ্রভৃতিরও আবিভাব হয় নাই। ফুডরাং ভারার প্রতিবাদক্ষে ভগ্রান্ শহরাচার্যগ্রভভ্তিরও যাখা ঘামাইতে হয় নাই।



পরিশেষে বজরা—বর্তমান সময়ে ভারতবিধে ভগরন্থীতার বত্তর সাহরণ বাহির হর্রাছে। ভারার মধ্যে অনেক মনীধীই পাঠকের হৈথোর দিকে লক্ষা না রাখিলা আপন আপন ভারাছবার অরাজ বিভ্রুত করিয়া যথেই কৃতিত ধেনাইবাছেন; কিন্তু আমি ভগরন্থীতার ভারপালারার সেজপ বিভ্রুত করিছে পারি নাই। কারণ, তাঁহাহের লক্ষ্য—একমাত্র ভগরন্থীতা। আর আমার লক্ষ্য—সম্পূর্ণ মহাভারত। যে গোক কেবল একটা জলাপথে সম্ভবণ করে, যে ভারাতে যথেই নৈপুরা সেগাইতে পারে। আর যে লোক সম্পূর্ণ মহানন্ধীতে সম্ভবণ করিছে, সে লোক কোন এক জালগার নৈপুরা দেবাইয়া পরিপ্রায় ক্ষাত্র ইবার সাহ্য করিছে পারে না ভ্রের না। ভরে এই ভগরন্থীতার ভারপার্যাক্রার পাছিবার সময়ে কোন পাঠবই থৈয়া হারাইবেন না। একপ ভ্রমা করা হায়।

পাঠান্তৰে লিখিত দাছেতিক অক্ষরগুলির বিশরণ।

শি-আখার শিতামং প্রাশীচল্লবাচন্দভিমহাশ্বলিখিত প্রবিদ্ধেশীর পুরুক।

वा-वाश्रमवन्याधिमार्गाधिक वानीश्रामनीव पृष्टिक श्रुवक ।

ব-বছৰাদীসংবাদশপ্ৰকাণালগদুলিত শক্তিমবছদেশীঃ পুত্ৰক।

हा-दामनाशिमाध्यापिक वृक्षिक माजिनाकानुक्य ।

নি-নিৰ্থপাণ্ডব্ছবৃতিত কুছবোগ্ৰহণাৰিত পুজৰ :

বিশেষ বিশেষ ছানে অভান্ত পুত্ৰত আধ্বিদে বাবল্ড চুইলাছে। ইতি-

ক্ষিকাভা ৪১ নং প্রেবেন নিছাপ্রবিভালন। ১৩৪৩ সাল, ১৮ দাস্তন।



পাঠকমে মহাভারতের রুহৎ স্চীপত্র।

ভীরণর্ব।

चित्रम	नुहेश्य	লোকাৰ	दिगा	পুঠাৰ	গোৰাৰ
देवनामाहस्यत विकाहे मुख्यिका			व्यस्तकत्राविक्य मानादिश		
अन्दरम्बद्धव व्यर्थ	3	3,	উংগাত কথম	59	53-
दिनन्नावदम्य क्रिक्षवात्रव	1.0	₹.	पृष्टद्वाःद्वेत निक्द्वे बाधकत्वेक		
সুকলেতের পশ্চিম আগে পূর্বমু	E41		वृष्णिवृधित छेनासन	100	4.5
णा धवगरनत व्यवस्थान	49	4	बूट्य कडरायन कथन	50	tibe-
बाच-भाग माग्रह ·		5.	मूर्णत पश्चित्र कथन	10b	Stre
fon fon degerenn fon fon			आया व भारता शव		
माम कडन जनः विकिश्च साम			\$43 ··· ··	8.8	52-
किए गांव		33+	ভূমিকাশ কথন \cdots	16	244
क्रिया भटकत पृथित्यस्य जिल्ला-			পঞ্জ ভূত ও ভাছার ওব কথন	15	ġ-
भूगमा व समय करा	13	16-	মৰ খাঁপ ও ভাৰার শিল্পন		
वृश्वविवास पृष्ठदारहेव विकारी			এবং শশবামক গুইচী ভাগ		
मार्ग्य कविष्य दिवस्थ			\$45 m m	£5	54-
Offer are sur	30	9+	চন্দ্রবর্তন পশনাথক ভাগের		
যুদ্ধের সমগ্র বিষয় প্রত্যেক			ছ्वा वर्णन	43	50
मर्गानभवाद मञ्जाक			(अकाटसरे ठटका नाम-ननाक)	10	
द्वनवादिगद्द वद माज ···	55	13-	व्यक्तित्य स्वत्यस्य क्यम	48	0-
			देवमां अनवंदक कृत्यत्र क निरंबत		
नामाविध इर्गक्न कथन	2.0	3.9-	व्यवद्यास	58	93=
বেবভাগ্ৰভিমাৰ মূৰ্ল পণ	2.0	59	रेक्सारमञ् केखरत विवयुक्त-		
বিভিন্ন পশুডে বিভিন্ন পত্তর			প্ৰত, ভাছায় পাৰ্যে বিল্-		
উৎপত্তি এবং অকালে বৃদ্ধানিক			স্বোৰত এবং ভাহাতে গঞাৰ		
चुम्म । छ क्यातिकम पूर्वकम			স্বস্থিতি · · · · ·	54	84-
क्थ् य	31	3-	স্থা স্থা কথন	65	83-

<u>তি</u> পাঠক্রমে ভীক্সপর্বের রহৎ স্চীপত্র।

	-				
বিবয	পুঠাছ	cateta	विषक्ष	शृक्षेत्र	য়োদাদ
উত্তত্ত্তাদেশ বর্ণন	12	4.5	এই শ্লোকেৰ ভাৰত-		
सब दीननामध्येक वश्वरकत			কৌমুদ্যটিকার কুরুপাওব	_	
यर्गम \cdots 😶	- 45	3.8+	যুদ্ধের সম ও তারিখ-		
त्महे कर्त्रका करमद वरम					
ষ্যাদ নদের (পর্বের) উৎপত্তি	35	8.9	প্ৰভূতিৰ সংক্ষিপ্ত		
বৰ কথন	59	4-	है डिश्म	28P-	2
ভারতবর্ষ বর্ণন	lek.	(C)	ভীয় ও জোণের প্রভার		
ন্ধ কুল্পৰ্য ক্ৰম	- 60	22	भा ठवलपानीतराय	543	9
शायकनदर्गन मही कथन	les.	3.8-	কৌরবহোদ্ধানের প্রতি ভীছের	t	
ভাৰতবৰ্ষের দেশ কথন	63	02-	विश्वदेशन ।।। ।।।	262	b**
हाति वृत्तव चवका वर्गन	28	6-	कुक्शरक बृह्यहरा	3.60	Stew
দুভয়াট্রের সহিত সকলেয়			भावतभाग वृद्द्द्द्रमा	369	59-
CHE WICHIGATE MACE			ज्ञरकायव भृष्यकारम रकोवद-		
मानवन्द्रमध मधारे प्रवित्ते			গ্ৰেৰ পশ্চিমমূৰে এবং পশ্চিম	BIET	
THE THE THE	23	54	नाक्ष्यमध्यम् भूग्रेम्दर व्यवकान	5.55	4.
		V-	কৌৰব্যুদ্ধৰ প্ৰভাৱকৰি৷	238	260
माकवीरता वर्गना	23	ų- 5-	टकोडवटेम्स्यम्भंदन पुषिक्रित्तव		
কুপথীপানি বৰ্ণনা প্ৰাংগৰ পৰিয়াণ ও আকাৰ	3+4	9-	विशास धामा चार्यसम्बद्धाः		
	230		আখাস দান	334	3-
সভ্যকর্ত গুতবাটোর নিকটে		42-	ध्यक्रमय धुर्वाखनगार	354	3 -
ভীথের পত্ন কথন	354	-	ভারতকোনুদীটীকায় ভগ	বিদ-	
			গীতার প্রকিপ্রবাদের	100	
ভীমেৰ পতন গুনিয়া বৃত্তবাটো					
dis 111 111	223	2.	প্রতিবাদ	72 €	
ভীমের প্তন্ত্রণ রু হয়াট্রের চিন্নাল			বঙ্গাসুবাদে ভগবদ্গীতা	E.	
Family	259	3.6=	প্রক্রিপ্রবাদের প্রতিবাদ	456	
ब्रह्माइटक मण्डाच विश्वकान	2.0%	3-	ভগবস্থী हात काममागाद्य		
ব্যাদের বরে স্ত্রের ক্ষ্মত।			व्यक्तिविद्यामस्यात्	577	Rie-
Refer to the medianess	207	1-	a marica providure	224	55-
ছ:শাসনের প্রতি ভ্রেলাধনের ভীমরকার উপরেল	2.0		० व्यवसाय कर्षस्यात्	533	3-
	304	25-	s वसारक खानद्रशान्	10+2	3:
रेमसम्बद्धाः	702	3-	र जगारिक मुझानरपांच	984	5-
যুকারস্তদিন কথন	284	2	५ व्यवसार्य स्ताबरयांच	000	5-

তা পাঠক্ৰমে ভীমপূৰ্বের বৃহৎ সূচীপত্ত।

विवय	जु ते।क	লোকাৰ	বিষয় পুঠা	क जानक
१ प्यशास्य कानस्यान	03.	3=	(এইগানে "ম্বলি পুক্ৰো লাল:"	
b Majica Sucates	5+2	34	रेशाहि डी(चाडि)	
 अवराट्य द्वांच व्यावाच 			যুদিষ্টিবকর্ত ভীমের জ্যোপার-	
अम्बाम	80.	37	জিলানা এবং বুধিটিবকে পুনবংহ	
> Mutten familien	88=	>-	আবিধার কর ভাছের	
३३ व्यवगादय विचन्नवस्त्रीत	K55	3-	Bates 558	844
३२ व्यमाद्य डिक्ट्सल	die.	- 5=	मुविभिवाणिय दशादयव जिल्लाहे	
To statica catacatan-			গ্ৰন, অভিযাদন ও ওঁাহার	
বিভাগ্যোগ	450	2-	वरशायात विकास अवर	
३६ ज्यादिक खन्जविकान			Cटारमेर हरकपत ··· घथर	64-
द्याम	493	54	मृष्तिवाणिय क्रम क नहसाव	
			নিকটে গমন এবং পূজাব্য	
३७ अवसार्य जेकरमाञ्चरताम	Ette	24	कदशानकथन ५५०	68-
দৃশ্বিভাগ্রহাগ	444		इक्काकर्ष्ट्र स्निद्धाय कर्णन	
	232	3-	निकरी पाछवणक बाहेबाव	
>१ व्यक्तारा अवस्थात्रविकाश-			প্রস্থাব ও কর্বের উদ্ভব ৬৭৪	let-
E 014	49.5	31	স্থাকে আনিবার স্বস্থ	
इक्त अवारित दम्माक्षद्रद्राच	9+3	5-	बुविधितव कोवयदेग्हासान,	
कारवरकोप्योजनाय गीरा	व		पृष्णित छाशा चीकात अवः	
লোকসংখ্যাধি নিত্তপ্ৰ	550	9	উহার পাত্রপ্রকে গ্রম ৬১৫	5-3-
कुक्शाश्चरवत गुक्त सर्वेन कदिया	a a		ভীয়ের প্রথম দিনের	
शक व्याकारन दमनगत्रनामित				- 260
व्यागयन	969	\$-	युक्तावस्त्र ७५-२	38-
ভীপপ্রভৃতিকে অভিবাদন ও			ভাষ ও সন্দ্রপ্রভৃতি হুই	
উহালের অনুমতির কল			वृद्दे करमद वृष्ट ७०५	
मुविद्यापित शिषश्चकृतित			উত্তরণক্ষের বিপুথানবৃদ্ধ ৭০০	35
নিকটে গ্ৰম	54.5	40	ভীমগ্রন্থ পাচলন কৌরব-	
শ্ৰিটির প্রভৃতিকে আনিতে			रवीत महिल मिलियात यूक १३६	94
८मिवा कोवयरेम्लग्रम्ब			অভিম্ঞার নারামের জন্ম	
অংকোচন।	bles	25-	विदार्के अञ्चलि वन क्षत्र वर्षेत	
ভীমকে বৃদিটিতের অভিবাদন			EC 258	124-
धार की थ स पुरिष्ठितंत्र			महरुक्त-भनाकतृक विवाहभूत	
करवानकवन	562	43-	केंग्रह्म वर्ष 🛷 ५३५	Wy-

তি পাঠক্রমে ভান্নপরের বৃহৎ সূচীপতা।

			and the second		
বিবহ	সুঠাছ	(आवाह	विषर	नेश्रक	লোকাদ
বিয়াটপুত্র খেতের সন্ধিত্র			र्फश्रम कीरमन बाधश्रकृति		
वृश्यमध्यकृष्टित पुष \cdots	511	9.6=	चहेविश त्रयन कार्यन	5+2	92
कीटचर शामन मूख 🚥	SEP	b+	ভীয়ের হাজন মুখ্য 👓	brig.	£ 4+
त्यरखद्रशासन वृत्तः	507	২ ৭ -	चीप्रकत्त्व महारवद, मता च		
कीय क त्वरश्च मूच	4ot	8 ==	কেন্দ্ৰানের বধ	P38	199
क्षीप्रकर्ष्य दर्व स्थव	589	55.0-	ভীত্ব ভীমের বৃত্ত \cdots	144	5 (30)
रमञ्जूष किया पुत्रवारहेत		-	क्षत्रचामा, नता च इरनद		
इसे ल केंद्रबर्ग •••	584	20	मुक्ति वृत्रेद्वारवय पूष्प	148	
जीव्या वाथम विद्रम			ভূব্যোগনের পুত্র সম্মণ ও		
যুদ্ধ সমান্তি	980	03	व्यक्तिम्हास मुख्य •••	646	b-
कृत्क्ष निक्दी पुचित्रक					
আব্দেশ ও অক্ষেত্র উলানীর			रुप्रतिव नावस्तिक वस		
धारा कीरश्य महायुक्त कथन	995	3	पुर्वरायस्य व वकाव समाव		×0.
যুদ্ধিরিকে রুজের আখান			अविद्यान्त	240	28-
RIFE *** ***	114	35.	व्यक्तिकान माहारमान कव		
gfeftenge gegrent			चाक्ट्रवर चात्रधन	PRT	54-
উरशामना	399	-63 -	অক্ষেৰ সহিত ভীমগ্ৰহুতিৰ		
बृहेक्रद्रक वृक्षं संवान	191	69.	क्रिमेश बेंक	254	26-
যুদিটিয়ের নির্দেশক্ষণে পার্ডর	नदक		অৰ্ছনের জয় ও তীমে	1	
ক্ষোকাৰণবৃহত নিৰ্বাণ	1986	80	षिठीग्रमित्तम यूक-		
भूदगाश्मककृष दकोश्यदशका	दश		শমাণ্ডি	2-05	-c,©
केटकमा ••• •••	110	8+	ভীমেৰ প্ৰকৃত্যুত হচনা	prod:	ą-
टकोबनगटक मुख्यकता	-559	241	শারবদকে ঋষ্ঠভর্যহ-		
ভীগোৰ বিভীয়দিন-			2541	P 08	5.54
মূদারন্ত	913	Q-	ভীম্মের তৃতীয়দিশ-		
ভীম ও অর্থানের মুখ	dek	50-	যুদ্ধবন্ত	৮৩৬	20-
কুকের খনে ভাষের			-		
अहरकत	59.5	435	Agega ··· ··	531	30
रक्षान क वृत्रहारक्षत गुन	120	6-	তীমের সহিত হুগোননের	No. P. Co.	39+
ভীম ও কলিম্পৈতের চুক	bee	t-	যুদ্ধ ও মুক্সা	P89	294
ভীমকর্ক কনিক্যালপুত্র			ভীম ও মুখ্যোধনের	-	-
म्बर्भारतस्य दस्	6.00	-38	व्यापन्त्रवयः	643	co.
क्रीमकर्क्क जास्मादनद वर	b+3	Sir.	ভীক্ষের বাজন মুদ্দ ···	PER	- RAT

বিষয়	भू केरच	লোকাক	ৰিষ্ ত	न्हे र	catola
ভীম্মের ভীবণ বিক্রম মেধিয়া			পাত্ৰপথীয় হপ্ৰনেত হতিত		
कृत्कर यस यस			কোরবদকীয় দল জনের বুল	2+2	43-
चाटनाहमा	555	459+	ভৌরবস্তবৈজ্ঞের সহিত্ত		
অঞ্নের সাহায্যের জন্ম			ভীমদেনের মূক	216	20-
সাভে। বির আগমন ও			व्यक्तिकार विक्रमण विकास	21-9	5 B-
भनादगान भाउददेशक्यात्व			डीप्रकार्ड क सक्षरियक्त	93+.	310
ক্রতি উপদেশ ···	6.00	55	যাত্যাৰ ও ভৃতিভাগত বুৰ	225	3-
क्षीप्राक यथ करियाद प्रम			ভূখোখনের সহিত্ত ভীমের যুক		
स्वनीत्रकक वादनभूक्षक			ख कीरवद दुग्हें।	22.	28-
कृद्यात गमन	25.4	34-	ভীয়দেনগড়ক আট জন		
कृष्याक लामादिवाद करा			इंडराहेश्रहत्र	355	904
चार्याम् छद्यकार ग्रम			क्त्ररक्त धरादा कीदार पूर्व	10,54	43
এবং নিক্স করণ	1-18	ab-	ভগৰতের সবিত অটোবনচের		
ক্লাক্ত প্ৰবাহ অনুনৰণে			माराज्य ••• •••	25.8	11-
अरादवाह्य	P-24	210	ভাগোর চতুর্থনিমের		
ঐজ্ঞান্তবিহন কৰিছা			সুস্থাপ্তি	202	99-
चास्र्रां तत्र दकोवयभक्त सद	633	225-	भावनगर्यन घर व स्वत्रातन		
ভীগা শভৃতির শিবিরে			वस्त्रवात द्वारोरद्वेत कर क		
গ্ৰন ও ভীমের তৃতীয়	-		C414	200	3+
	P62	303-	পা এবগুপের ক্রবিষ্টে		
দিনের যুক্ষনমাথি		-	दुरशान्त्रत अस्त्र श्रीरपन	24+	WX+
कीरका गरेशक पूर्व	200		GEN AND THE SERVICE	261	83-
अंत्रेत	P.P.R.	3.			1.50
श्रह्मान गरेगान गूर्ड			নাধারণের অভন্ধানা ও দেবদপের প্রতি ত্রপার উক্তি	263	ls+
ज्ञासन \cdots 👭	P.P.4	Per	State at at a ser and a ser a		
शिक्षात क्ष्रुश्मित्वत			त्रव करि ।।।	245	.61-
गुकार छ	644	23-		247	41
कीच स व्यक्तित देववदम्ब	624	301	अधारतंत्रहे वर्गस्य केरणम		
অভিনহাৰ সহিত অৰ্থামা	_		अपूर्वादक चार्त्राक वर कहा		
Ad the state of th	695	.5-		295	50-
	938	30	नावाक्षणकर्तक जिल्ला सूच-		
वृत्तेत् ॥ कर्ष् क सम्भवत् · · ·	P23	22	একৃতি খৰ হাঁতে কাৰণ-		
मृहेश्वर वृक्त नता पुरस्य	F33	61-	The section will be	293	3.5=
ant o desires de	-				

পাঠক্রমে ভীমাননের বৃহৎ সূচীপত্ত।

विगर	जु के।क	ट्याकाक	विनद	शृक्षेत्र	८ आंक्रक
ভীমগ্ৰহাশিত নাৰাগণ্ডৰ	268	2-	ভীগ্রের পঞ্চমদিনের		
निक कविवास क्रम पूर्वगापर	নৰ		যুদ্ধসমাশ্রি	2025	.P. 4.
প্রতি ভীমের উপরেশ	251	29-	गांवरगरक मक्तर्रह-	3-34	25-
कोत्रवगरक मक्यवृश्यक्ता	392	5	वहरा ।	>>>0	8-
পাঙ্গপথে জেনবৃংঘনিশাণ	222			,.	
ভীগ্নের পঞ্চমধিনের			कोरनगरक कोकवृश्-		
যুদ্ধারস্ত	292	56-	Fred +	3+24	3/87
তীয় ও তীমপ্রভৃতির		~~	ভীমের বর্তদ্বিন		
शक्तगृष 🗥 🚥	295	241	युव्यक्त	2+24	20-
क्षेत्र व चर्न्नश्चित्र पूर्		-	ব্যোগ ও তীবের বৃদ্ধ	5+56	22-
All and the State State	Pl=3	5.	मन्द्रस्य व्यक्ति शृक्त्वारहेव		
ভীবের সহিত দুখে লাভাতি		**	অম (এই স্থানে অংকালের		
र्णवासय	226	2.5-	নৈজনপথে ব্যৱহা আন্তব্য		
पार्क्न । व वार्यवादास मृद्ध अर		2.31	विवह चा(क) 👵	3.2.	-th-
मयान्यः चल्नाम् वृत्	11		मण्यककृष बुक्यारहेव		
শ্বধায়ার পরিবল্প	223	0.	feagra	3+25	08+
			कीरमत शक्कि बार्खबाडे		
क्षीय क सर्वापरमंत्र मूख		3.5-	शास्त्र युक्त	5+1/1	60-
অভিমন্তার বাজন পুরারক	2442	28-	वृत्रेष्ट्रावसङ्ग कीरमन		
অভিনতার দহিত বুংছ			अञ्चलक जना कीरमत तथ		
	2000	105-	পুঞ্চ দেখিয়া সারখির সন্থিত		
শাহাবিষ ভীগণ গুৰু	Step	3-	কংগাপকথন	3+0×	Ir E -
সাভাতি ও ভূরিপ্রবার হৃত			ভীম ও ধুইছালের সহিত		
ধাৰং সেই বুখে সাতাকিব			वार्कवादेशस्यव युक्त	5 4 15 9	Sabe
मध्डवर्गात्व न्ताएन छ			धा खेबा हेपटबंद छेपटब		
মাত। কিব দশনৰ পুত্ৰের			प्रदेशस्त्रव द्धारमाञ्च-		
व्यक्ति	3449	79	व्यक्तिम चनः डिव्हास्ट		
মাতাকির পুত্রবংগর সহিত			মেহে *** ***	3.408	>38=
कृतिसदाव मूक अरः			্লোবক ইক প্রজাপুপ্রহোগে		
মাতাহিত দশ জন			शास्त्राहेषरगढ देश्यसमाह	3101	250
भूटकरहे दर	Seale	She	नृविद्विद्वय चारमरन		
সাংযুক্তির ও ভৃতিপ্রধার			অভিময়াপ্রভৃতি মাধ্য জন		
पूर्व तृष	5+5+.	2.5/	ৰথীৰ ভাষাত্ৰসৱৰ		589-

পাঠক্ষে	ভালপূৰ্বের ভালপূৰ্বের	রুহং সূঠীপত্র।	
		_	

£.

ţ

£

Berie

			,		
विषद	পৃষ্ঠাস্ব	CHITT	रिम	পুঠাৰ	क्षांकाक
জোপের ভীবৰ মুক্ত 🚥	5151	295	ধুইড়ালের সন্ধিত বৃংক		
জীম ও ছংগ্যাধনের যুক্ত	5483		चूरवेशवरम्ब श्वःश्रव ···	2+6-5	Sp-
ভীমের গড়িত খুংখ			्डो पर नहिंद अ डश्च हु द्व		
श्वर्यमध्यम् नदश्चमः	5+69		9 44194 *** ***	Sept	4.10-
অভিনয়ার কহিছ অটি			कृष्टवारहेव चारकम अवः		
सन् ५ जवाहेशुरुवार युक्	. + 6 8	2.5	सकाकादक केरहाद व्यवस्थ		
্রৌপনীর পুরস্পের সহিত			ত ভিরম্বার 🔐	549/5	5-
शासंबाहेत्रसम्ब वृक्त	5-49	71	देवाबादनव महिल पृथ्य विश्व		
छी रजाङ वर्छ करनद			o चङ्गित्या मराचर	2452	58+
गुक्तमाखि	>-6>	৬৪	ভগৰতেৰ স্থিত মূৰ		
क्षीय ७ दृश्यादस्य नवन्त्र			प्रहादकरहत् भशक्य	2+55	24-
উল্ল-গ্রন্থাকি ···	2 e let		শংগার বহিত্র নকুগ ও		
क्षीयवदेगधनियान	Salet	. 5-	अक्षा कर गुरु सङ्ग्रह		
कारुविकारताह व विका			मञ्ज छव द्वर अहरमद्वव		
दृश्यापारक श्रीवाकपुर			मृत्य पृत्य भर घटडा १८०		
व्याचामस क विनमाक्ष्मी			महत्राञ्च अनगरन •••	3120	64
মামক ৩৭৭ বাস ···	5457	2-	্তুৰিটাকেঃ সহিত্য সুক্ষোঞ্চল	n a	
কৌরবপকে মঞ্চলনায়ক			भद भद छ भगादन	2+33	5+
	5.00	13-			
ৰ্ট্ৰিকাণ ০০ ০০ পাওবপ্ৰে বছনামক বৃহহ			कें करवज़रे भूका रे	5518	24-
व्यवसाय विश्वास राज्य		20	C 444 - 1844-1		
कीट्यन मश्चमित्रन	, , , ,	~ -	ध्याः इदेश्यकृत समामक	5546	44.
			wie ungen niem femen-		
যুদ্ধারস্ত		2.0	প্রাফৃতিক মৃত্য ও পরাক্ষ	33+9	1 544
অক্নের ভীবণবৃদ্ধ ও কৌ			অন্ত্ৰত সহিত্ৰ কৌৱনথে	कारमञ्	
ইসজের পরংজত 🗝	5440	30	ভূৰুৰ ছুক্ত ০০ ০০		40-
ভীয় ও মধুনের বৃদ		· ·	প্ৰাণ্ডিত শিৰ্থীৰ প্ৰতি		
জ্যেণ ও বিহাটের বৃদ	- 54 No	4.94	বুদিরিবের উজি 🐡	3538	53-
ক্ষোপক ভূক বিরাটপুত্র		-	2 -5 6		
नाधारम् । विश्वादिकं भनावः	. 2472	5.2-	अहांबर	227F	41-
শিশকী ও অবধানার মুছ		3 %	ভীয়ের সভিত যুগ্ডে বুবিটারে		
	\$154	3.4	भूत्र(क्या ००० ००० भूत्र(क्या ००० ०००		₹-
সভেংকির বৃহিত বুকে সদ প্রাংশ	- अक्षर - अक्षर	ža.	ভীমের ভূম্ব হুদ্ধ		5%
Tall Ag	2 - 5 -				

ি পাসক্রমে ভারাপর্বের রহৎ সূচীপত্র।

বিষয়	পুঠ ছ	会有节	fees	পূঠার	প্লোকাছ
Same materials			ইতাবানের সহিত মুক্তে		
ভীয়ের সপ্রদিনের			শকু'নর স্কু জুগণের বধ	25.94	4.5
যুদ্ধনমা প্র	2252	8.5	यः प्रकड्न हैकावस्त्र		
স্থাতিখুৰে লিভিতে বোৰ্ডাৰে	াৰ -		34 m m	2298	65-
कुत्र वेत्र भागत १६ मान	2000	12	হ উন্দেছের কচিত্র যুক্		
Ban 14 推荐等原作品联系	14+	2	কবিবৰ ভল্ল ড্ৰ'ৰ প্ৰেৰ		
इक देवल का मुख्यु वर्गन	12.00	2	भारत करा है इस शहरका है	a)	
भ वर राज गुल देव			दक्षामान्य वाकात मध्यत्व	US 54	2
ाह्र्र र त दुर्भियान		5.5	भूगर विश्व के कुल कराड भन		
क्षाद्रभाव च. हेंच, सज्ज-			প্রধান রাক্ষরবর্ধ 👵	3311	4.5
			ड सार्यन्त च र पाउँ ६		
रुक्ष'वञ्च	2000	52	\$658 85 4	25 MB	54-
	1. 2	5	६,३ ००६५ महिन्		
भौद्भात महत्र युच्च भौत्युत			\$ KILKLAG ZA	27.43	93.
4)3(4)(4)	228+	2-	प्रवृत्तिमध्यम् नावत्यात् चक		
는, 나무장의 성원이 선생되			পে গপ্ত জড়ির আপেনন্		
श्चास्थ्य ।।। •••	228+	24	এবং ঘটোংকচের স্থান্ত		
क्षी प्रवाशकात का विषय्त्र ह			নীকা বুদ্ধ	3363	€ 5-
取品 P mas Am Bas 8Ac	इंद दृष्ट		त्मके गुण्या प 3 रक्टक खरू	22%5	50-
mig. Purada a a dita d	1 1 1 2 2 2	54	भागे एकत्वय महाराख्य छक्न		
Broke feets grottene			न'र मनक ह [ि] व समन कवः		
कारणम ७ जो दश है 👙	16.6	65	६व वितरे शक्त विद्यावद्या	2289	33-
माध्यान विकास दुवन कुन			कृत्यान्यस्य अवाद्य शेष्यव		
भ दिन्न ५ मधारत । स्वत्र व	.568		41342	1594	5-
		1	भ अवत्याकारमञ् महिन्द		
44 feit eine in		al a	্কারবহে ৬'বের কুতুল যুক	5595	58
পাশুবদ্ধের কারণ মৃত্যু		C3-	६ ३ १क्टब्र ६ राष्ट्रक		
देवायात्मय पविषय	2344	7	,कोन्दरीमहरूत भन कर	23+2	8+-
धारे पात्रम कावल्टकोन्ही			कृत्यत्तिकत्व भारकत्त		
मिक्षि विश्वक विद्यालय			ইংগৰ উত্তৰ এক		
differing the factory			ল টাংকচেক প্রচিত্র		
বিচৰ নিখিক সংহ	2264		भगव रहक ८ छाउ व	49.49	5+
भ छन्छ। क डेटावारमव			ভগদরের সর্ভিত লগতক		
যুদ্ধে আনিধার করেন	254W	. :	ব্যাহ্বাদের ভর্মর মুদ্ধ	24.5	11



বিষয়	श्रीकाष व	গ্ৰাকাক	বিশহ	পুর্ব ছ	লোকাড়
ভগদত্তের সহিত ঘটোৎকচেং	=		ভীয়ের ন্যাদ্রের		
項集	7528 p.	11	সুক্রারপ্ত	১২৫৭	34-
ইবাবানের ব্য শুনিখ্য			व्यवस्थानम् ।		
्षम्(सर् भारतम् 🚁 🎀	1523647	5	PERSIA DE TE	3-110-	₹3-
্লীন্দেন্দ গুঁক কুছৰণ ৯০ <mark>ন্</mark> য			न्यात्र देनसभ्य द्वस्ति हे		5-
्षत्र भूरमञ्जूष 🕬 - 💎	. 8 - 5	4+ .	्ष्यम्पूरवट शुक्त कदः द्वशीनदर		
म ताः गु%्तदर्ग _{यः}	4.2	168-	म् प्रति संवास्त्र । । । चन्द्रियर पूज करा प्रदानात	335%	6.
ভীয়ের অউম্দিনের			चांचित्रशा ७ चक्रपृत्वव	\$4.4-	-
যুদ্ধসমাপ্তি .	,5 5g	92-	4944 54 ***	5293	63+
কৰ্ম শকৃষি ও ভ্লোগনের			भारत्रका प्राताद्वक स्वर		
স্থিত তুংগাধ্যের মূল্ধা	7598	3-	শ্বভিম্পুরে নিকট		
			भवाभिक इंडेवा नमावद	5898	334
আপেন শিবির হটকে			অভিনন্ধৰ সৃহিত্য জীবেৰ বু	% 52.9b	No.
দ্ৰবাড়ী জীমপিবিংর			व्यक्तिप्रशास माशस्त्राह वक		
বিশেষ অভিসংবর সহিত্	\ \ #L	53-	े चार्क्टनर चाल्यन <i>व स्ट</i> प्तर		
क्रमाध्यक संबन	25ch	3.40	अरह दुख्या । । । । । ।	3859	45-
खीरचर सिनिटर बाडेर			সায়েকি ৰ অগ্ৰামান যুদ	32.19	\$51
कृत्वाविद्यत् वद्याकाव-			অৰ্থামাৰ বাহাহেৰে ক্য		
व्य ागम	2387	29-	CRICHA भागमन ···	2399	44-
क् रवं १५८नत श्राहि होदश्रव			অঞ্নের আগমন ও জেলে	व	
সাজোশ উল্লি	2588	64	সহিত্য বৃদ্ধ 👵 😁	Skini	630
শন্তদিৰলে জীকের ভীৰণ			কৌৰবগৃথলৈক্সে সহিত্য		
All and the miner	5354	52-	কীবের মৃত্য \cdots 💮 😁	2300	des
ब्दशायस्य निव्यक्तियस			ভীয়েৰ ভীৰণ মুখ 😁	2399	\$1
প্রভাবের্থন ও জ্বোদনের			উচৰ গৈলেৰ তুম্ব বৃদ	2552	31
क्रफि कर्यराभिष्कतः	23.95	2.94	অৰ্জ্যনের সহিত কৃষে নিগণ	इंट्रबंब	
কৌৰ্য্পক্ষৰ মুখনিশাণ	24.83	816	প্রাক্ত 🕶 👓	253h	än.
पृहेक्।दब्रव काकि काक् दनव			উভলভীয় প্রধান যোগানে	व	
कर्तवासिर्वाप	Naca	144	कीवन वृष्ट \cdots 💮 😁	59++	344
কৌরুবশক্ষে স্কতেডাভত্র-			कृत्यावरतम् आस्ट्रय		
ন্যুক্ বৃহেনিআৰ	269	4	গুল সন্তত্ব দ্বিক		
भावतमदम बद्दाद द			इक्शकदर्ग ••• •••		24
क्रमा	27.65	>-	- শংশ্যর সংগ্রে বৃতি টাবে র স্	A 2022	tie-



18

প্রেক্টম ভারপ্রের রহং স্টাপ্র।

f ং সহ	+1७ ≒	इं⊺द प	Ťe	न्हें।इ	ধ্যোকাছ
ু এই বুকুক ১ পুর্বলন্দ্র ব	*		tex go a material		
कृतकात्र, जिनसम्बद्धाः कीटचन			411 - E 9 10 - 978		
THE R. SECTION P. LANS.	a .	april 1	3 4 7 9 4	,010	8
हो दा <i>व न व्</i> लिचन कर्			Fee 1, 2 2 + 14" Fee		
पाइ १० रम इ १० व खर्स			T _m 9 _k 4	290	4 0 -
	3.749	- 11	महत्त्व प्रकृतिम् स		
			W 4 * 154 21 4		
er nage april face			er ints or	5451	2.90
4 '	3.5	20	क्षेत्रकृत शहर दहसव	, , ,	
Pidady an Berbeitere	124.8	45	for is it or at her		
क्षारशांत्र नवभ मनसूच-			गा क्वरेमक्विवानक्रिकाः		
मध्रिष्	5 व्यक्त	3	भूदरक मन	4 * 5 4	≥ 5-
চুক্তবিশ্ব ক্লেক্ত লাভিক					
म वृद्धारण पृष्टम	,230		e'दर ५० मात्रांश्य		
m garred att were	445	F1	2 4	5.5 500	25-
क्रामन गरिया भारतमध्य		*	「日本」 日本 日本 大大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大 大		
भाषानिक सम्बद्धाः । भाषानिक स्थापना		(9	factor	2094	5-
e santage far			± \$179 5=v+3 Q		
@ 4 45 1. W	. 1	t a	ाक्त अस चुन्द्र के	2449	b+
Migras waranna		12	 इंद्रेश राज के ददांचे 		
	- 4		क्या गाम इसने अहि ह		
শ ন পাঞ্চলগণের খালন লিবিবে	-,, -	20	कृत्यानस्य पुष	5094	Ste
क् र वर्ग हुई, ईक्र ए क्रिक्टराज्य नामन क्रिक्टर			চল শনকটুক বহুনকে		
Mark as Sin was a	h FE .		िक दार्थन	2018	२०-
कुक अर्थ गमके भ प्रकृत छ। कुक अर्थ गमके भ प्रकृत छ।		いき	ব্যস্থ ব প্রচি স দেব		
			के माणकरम	2004	6.
मृत्य किरीयम सामग्रहमा संग्रह	2 4 3	4.	্দ প্ৰভূত অৰ্থ নাৰ		
বুক্রেরনার এর ্কংরর ব্রেরনার এক কর্	***		21 1 5 3 1 fn 100	5.225	- 06
भागम्बद्ध युक्त स्थान	18.2		चोद्रस्य मिन स् अवस्थ _न		
ভাষের দশম্পন্নর			\$1 \$1 \$1 \$ \$	2.586	5
युक्ष'द छ	2000	29	ইংহার সম্ভারত্র		
भा सद्यम् ६ ५० । कोर्नोहर्गाम्			ूर्ण देव [े] । क्षत्र दाद	38.59	2.85
	715		दस्यद्भः चुन्यः स्थः इ. १४४		
হীজের বিক্ষ	5.245	5.5	পার আত্মানি উপস্থিত		



পাঠক্ৰমে জীৱাপৰ্যের বৃহৎ মৃঠীপত্র।

रिवर्ष -	정류병	Mid A	िबरु	পূঠাক	८ज्ञांक फ
হ ধ্যাধ্য পুলিকীবেক প্ৰাচি			STE S A PREME THESE		
सरियात के 3 तर अटकेंग	1820		क्षीत के का सरकत	28.98	£2-
বিপতীকে অগুবালী করিছ।			49,00 × 10 05 10		
अञ्चल १ प्रक्रिय			catagorate a carrier		
ग्रह्म १०६	2525	26	भागत्व	2532	b-5~
Georgia de Sicha			পুৰাশ্ব ১ইন, বুলু চট্ট		**
ब लपुक	2 B = 4	2.4			
क्षीरपन महाक्षीमन मृद्ध व			ভার্গ্রের পংল	28/2	20
भा उन्देसक्रमण्डाव	3821	55-	के इन विन्यान तमा हा	-504	-4
निभंशी खहात करिया छ			कीरवर अधि देशनगरी	3893	3 lin
श्रीच काट एक श्रद्धात			nure die mienen genn	পী	
क्रदेश नाहे	1603	br+*	इंड विराह्म व को बुस्ता भ		
ত্-পাবনের অভু ছ পরাক্ষ	5882	25-	MINING P & ET IN	2 4/4 2	48.5
कार्व्यस्थय भागा गुळ	2505	1.41	6 30 6 8 931 7 9		
অন্তাৰ নিক্ত ভূপাসক			CAT IN AND	42.8	
হা সুতির পরাজ্য	1884	224	e`ाद्रद च ∗ाय सं द्रवस्त्वत		
উভয়প্তকৰ চুত্ৰ যুদ্ধ	/882	204-	मानस हत । वोतदमाकत		
भवकरायमञ् चक्रिकाव			विवाद	3.95-6	336-
অংগ ভাষ্পত্ত প্ৰতাই দশ			के (क) मारमञ्जाल		
श्रद्ध लाङ्चरेमस्रदम्	1561	2.0	पुरस्ताहर ६ अन	. 500	
क्षेत्रकत्र वह मध्यवस्थात			Brackways in a		
শার বির ১৫ হ র দ্রান্ত।			নিকটে ছাত্মসভন সংখ্য		
শভানীকের বধ 👵	3606	44-	₩%2 *** ***	3530	44-
को स्पन्न समृह मुख	5858	5-	ল ছেব উপধান- বা চল		
माञ्चलकपुत्र वाद वाद			2 Km 2 3*(v4 3*****		
भौरणक मध्य रक्षमञ	29.26	3 &	THINKS & ATTER		
यस मान कीट्यत			क्रमाधार	5834	90-
নিপ্রযুদ্ধবিধ্যক্ত					
ও অংশবরী মণিপ্রভূতির			ভীমের মাণেলে অফ্নকর্		
,	354+	24	च (इंद के पद सराज्य के पार्ट के प्रतिकास		04
			ভীশ্বত তুক প্রিধ সমন বেশ ভীশ্বত চিকিৎসা কবিক ব	2922	43
শিশতীয় কাণে ভাল্প				*	
(यसना इस ना, चात			ভকু 5 কামভাগাৰ্থ আগায় ১ শীলাখন খাল সম	er .	
शक्रात्व गांद्र गांक्रव			७ के दार है के हैं कि होते.		
(यमना व्याप्ता, धारे विवय			अस्ति का	24++	654

পাচক্ৰমে জীলপৰ্বের সূহৎ সূচীপত্র

১৬

विष्य	পূহ'হ	হে'কাহ	िवचय	পূর্ব ফ	প্লেকাছ
⊌रिश्चव तक द र रष्ट करिंद√			८म दिगर अपरे ५८ वट		
अक्ट्लर् शिवि.व श्रह न	184	du	141 57'5 ·	2.624	40
শর্পির প্রাক্তার হাত্রব			শীব্দঃ নিকটো কর্মের আপম	4	
बिक् हे हैं - उभद्रकड़े जाता _{रक}			s क प्रपवित्रद्वान	74.4	25
ध्य ५१ घ्रव (शर्थ)	4+4	5	র জিলবুংক সভাইর দিং		
के द्वाराम्य रागः, व प्राप्तः	5 F		कर्नेद श्रीत है है स्थित		
इति व साम दिल व हा अभारम			निश्चाल प	2829	5*
電音 せいむか な 1か 3 mills			क्षेत्रक वर्षक प्रकेशकर व		
क्षांचाम्य	2+8	55=	神保	5454	3-
শেশুক বুক আলোলন প্ৰিল			भरद्वत्रदग्र महिल भिक्ष		
NAME OF A PARTY OF THE PARTY OF	8+3	2.4	হইধার জন্ম কণের প্রতি		
অন্তর্ক বংশর বং			ভীমের উপন্ধেশ	265.4	80
क्षेप्रकार मध्यम चार्च मुख्या ।			উঞ্জিবহে ধর্ণের প্রতিকাম	\$45+	₹.0+
বিদ্যালপুঞ্জন স্থাবৈ			ভাষের নিকটে কর্বের		
等作 App.	, E + 10	2.6+	মুক্তম'ত ও পদ প্রার্থন	2688	95.
(सहै च.स इशिमणक्य मद			কৰ্ণেৰ প্ৰতি ভীমেৰ		
ভীয়কত্ৰ অ ক্ নৰ প্ৰশাস	24.0	43.	সুখাত্মতি ধান 🕠	2450	98-
ভীগ্ৰহণ হংগ প্ৰব প্ৰতি			कोरभद मिवडे इटेट कर्त्व		
সন্ধি কবিবাৰ উপচনশ	5455	54+	द्धावास । । ।	>458	රක

পাঠকানে ভীক্সবের বৃহৎ সূতীপত সমাপ্ত 🕬



ভীন্মপরের অধ্যায় ও শ্লোকসংখ্যা।

মহানি ব্যক্ত বিদ্যালয় সহাজ্ঞাবহের আদিশই জিছার অনাগ্র লগন। ক্রিয়াছেন—
"অধ্যাধানণ পাস প্রোক্ত তথ্য সন্তাপন পরে
শক্ত বে কাল্ড চতুরাকী হির্দিন শক্ষণি কীন্তি হ : ,
ব্যান্তেন ব্যক্তির্ভিত সংখ্যাত ভীত্তকাণি হেবরণ

भाषार करें के प्रात्रकी ३३० भाषाय करूर ४४००० द्वार भारकः। जिल्लाकि ए जिल्लाकि। दमिद्दाके हेदान मण्युन भिन पुत्रः १८३८न ।

खनाः	еисчи	टब्राक्ताका चन्द्रायमञ्ज		লোকসংখ্যা		with course	স্পেক্ষণ প্রা		
5	***	With I	3.6	***	98	***	45	***	10+
a		40	2.9	111	10,00	441	63	441	90
46	4.4	trin	Rin	*41	825		60		93
		8.5	45	444	13		4.0	400	584
4	***	55	100	4 = 4	6.5	4.7	44	444	54
b		41	2 03		10 s		44		2.0
5	8.2.4	905	44		Re	- 5	115	P 1	6+
- b		25	100	4.4	05	9.5	Lie .	4-1-7	19
2		15	1019	444	4.1	444	(3	444	3,066
		16	-4		CL		2.4		9.8
		0.4	4.8		4.4		9	***	5+5
		10	₽ ₹		9.1		4		фа
10		. 5	30		4.3		75		le*
76		59	59				68		5.4
2.4			5 4		3.5		58		9.7
1		19			+0		4.5	4.7	\$ R
1		5+	3		95		-		4.1
41		Ŀr	3.5		+ 5		L. P.		4
		3.4	23				•		5
•			2.7				5.6		9.9
4		43	8		5.4				1.6
4.4		→ ≖	5.5		3		2		2.4
40		4.0	500		4.7		3+		0.2
et \$1		•	5.2		t u		2.5		155
1.6		2 7			9.2		44		0.5

J-55

2438

1000



১৮ - এতি প্রপ্তির ক্রামি ও জোকদংখ্যা।

क्षता	m 37 in	2 250	255	3 * 2	第135 8	7	क्ष्म हुआता,	4,617	亚黑 色。
5.5	140	ক্ষণ	20		6.2	444	5+9		0.0
53		579	. ≥2		H4		1.596		÷.
46	*11	9.5	935	4	300	1.7	5+5		Чч
50		19.3	96.5	_	80		517		1.9
6.6		4.5	24		6.5	***	Sele	- 44	9,5
5-5		e c	9.0		50.6	+	5+3		7.0
pa,	1.0	65	25	+	6.0		55+		94
6-9	+ +	0.5	2.5	(***	46	b F	333		4
6-0	**1	93	26		9+		334		582
tell		N m	99	-	5.5	7	220		ŗ
69	2.13	5+	3++	47	92.9		538		1 10
515		35	2+2		10.1	**	554		· q
Gran	4.69	59	2+4	0.4	le ti	252	55%		9.0
5/3	***	80	3=0	d	Side		257	h (- h	1639
		- 1			6.0				par ,

57x-653 + 3029 + 30 3 + 900 + 60 - + 663 0064

ভীত্মপর্বের উপপর্ব।

১ তথ্যস্থতি নিজে কান্স কুন্তিক ক শাস্ত্ৰীক কাক , ড শ শুন্ধুক্ত কৰ





ভীশপৰ্ব্ব

:0:---

(১) জন্মত্রিনিকার্লর₍₎

প্রথমোইধ্যায়ঃ।

The second secon

ন, ৰামণা নমায় হয় নগালৈৰ নাৰে' ভ্ৰমন্ । দেখাৰ সৰক ঠাইকাৰ ভাৰো জয়নুনী বাদং ॥ জনমেজন্ম উৰাচ।

কথং যুসুদিৰে বাবাঃ কুক শন্বদোগকঃ । পাথিকাত মহাভানে, নানাদেশদন্শভাঃ ॥ . .

ভারएटको भूगी

कृतिरकारः भइतमन्त्रको एत या एडल्क्टा । मानून्यम् सिनि विनि वेश प्रशेष्टां है। भौतना , इद्योशि का म अन् इश्तम । भूकाश र शि देष्ट क्रिकार्या इद्योगन्ति द्या मन्त्रको नाष्ट्रम । सिक्षित्रहरू कि विभाग मन्त्रकात् इस्त निष्य । प्रारम्भूत स्थानि मार्गी स्वतंत्रकात् इस्त निष्य ।

অধ সম্ভাগায়ে চলি নাজানীর এব এবকানিছি নালবন পার্বপ্রধানিক কানির প্রমনী জানকশ্বেশাসনানিছেনিয়া স্থানিক ক্ষিত্র উপনার্ বাদরাধনিকল প্রস্থিত্যালাক্ষিত্র কিছিল ভাষেত্র জন্মিক উপত। কথ বিভি নাক্ষপ্রভিনাক্ষণ্ডির্ল্বে প্রাণিশিকা সংক্রিক স্থান বাদস্থিতিব

(>) প্রথিবাপ্ত মহাভাগা লি, সাধিবা ক্মহাতানা ব ব ব ।

₹

বৈশম্পায়ন উবাচ।

ম নালান্ত বিবাং কুকপ্রথেত্সালকাং।

নালকোত্র কুক্তাহাত্র শুনু হা পূথিবাপারত ।

নালকীয়া, কুল্লেড্রা পা একাং সহস্মালকার।

নালিকান্দ্র কিলাস্ট্রা লাজবালা, ॥আ

নালা নাল্লাংয়া, সাম্যুদ্ধনিকান্দ্র ক্রিকান্দ্র করে।

বালা স্থানিকান্দ্র ক্রিকান্দ্র ক্রিকান্দ্র

ভারতকৌস্থী

भारत्व कृष्य रहा । १९७० - भारत्य के विकास स्थाप स्थाप के विकास स्थाप के विकास स्थाप के विकास स्थाप के विकास स्

ର । ୧୯ ୧୯୬୬ - ୨ ଲେ ୧୯୯୪ - ୭ ଲକ୍ଷର ୧୯୯୬ ୧୯୭୧ - ୧୯ ୧୯୬୬ - ୧୯୬୯ ବେଟ୍ବେଟ୍ର

18 1 14 54 1 BH 1859 45 68

ভারতভাবদীপ:

कि कि साम कि कुन्त प्रावाहरू सम्मान स्थान कि उर्दावहरूर।

भारत कर रहा कि कि कहा कि सहार दिन है के साम सम्मान कि उर्दावहरूर।

भारत कर रहा साम है कि कि कि साम कि साम कि साम कि साम कि साम कि कि हो साम कि सा

ভাৰমেট্য বলিলেন নাৰাৰ কেৰেবগৰ, পাণ্ডৰগণত সোমকগণ এব নানাচ্ছেশ হইতে আগত মহাত, ৰাজগৰ কি ভাৰে মুখ্য ক'ৰৱাছিলেন গুলিয়ে।

বৈশপ্যান সামালন প্রছে । কোকেবগ্র, পাশ্বগ্র ও সোহক্রণ এবং অকাল বীবদ্র স্থাপিত কুকাজেবোরে ভাবে মুদ্ধ কবিয়াভিক্রেন, ভারা অপেনি শ্বেশ কর্মনাই।

মহাবল ও জয় ভিল বা পাণ্ডের। সে মকগণের সহিত কুকাজেরে অবতীর্ব ইইয়া কোববগণের অনিমূখে অবভান কবিলেন ৮০%

্ষ পুরুক্তির মধ্যকার বা শার নি ্র সংব্ধান্য মহারধাণ—পি। (৪, ব্যক্তিন্ত সংগ্—পি। অভিবাৰ চ জুন্ধি গা বিহান্ত্ৰিকা বাহিনাৰ্।

১. ডুম্থাঃ পশ্চিমে ভাগে কৰিণত সলৈনিকাঃ ॥৫॥ (বুৰ্কৰ্)
সমত্পক্ষাৰ্থি শিকিবানি সহ ক্ষাঃ।
কাৰ মে,স বিধিবং কু জীপুত্ৰা হুবিভিত্য ॥৬॥
শ্কেষ প্ৰিনি সৰ্বা বাক্ষাৰশেষিতা।
নিৰ্প্তাৰ প্ৰিনি সৰ্বা বাক্ষাৰশৈষিতা।
মাৰ ভূপতি সূৰ্বা, হি জুল্বা,পতা স্থান্য্।
হাবদেৰ সমায়ত বলং প্ৰিৰ্ণতম গাচ॥
এক্ষাঃ সৰ্বান্তি মূলা বহুত্ন,জন্ম।
স্বান্ত্ৰা ক্ষাংতি মূলা বহুত্ন,জন্ম।

धारण्डकोग्रहो

্বলাকি সুক্ষভিনকাতি প্ৰশাস্থ সাধাৰ বিলেশ শক্ত তুক ভাষাৰ সক্ত তুল কুলাকান ঘডিতু পাচসকু। অনি বামনিধনা ১৮ বা

सम्बद्धिः सम्बद्धान्यकार रहतः र दृष्टाचान् राष्ट्रकार्यकार रक्षा विकि पर मृद्धानि । तुष्य जना प्रसम्बद्धान्यकाम् । इतिराधि १६८१ । द्वारीतः । इतिराधि व्यवस्य प्रस्ति । स्थानम् ।।

ভারতভাষদীপ:

क्ष्मित्राह क्षा करा, हा प्रकृष पा हुन के हैं है तथा है। तक कि ति राग के विश्वपति है पर इंडिट्रिय के इस के स्थापित के कि केटलोर अस्थापित करिया के हैं है कि विश्वपति है है जिस्सार के स्थापित करिया

বেলাধায়নৰ লা, বৃদ্ধাতিনন্দী, লাভার প্রভাবে হয়। তিয়াখা এব সন্ধাসনি কৌৰবগণনের অভিযুক্ত জী পাভাবের সকলে হজায় কাববকাহিনার সন্ধার্য উপস্থিত হইয় স্কালেপ্রের পাভায়নালে নিলাপ্রের মতা প্রমূপ্য সামাবিষ্ট হউলোল 18—৫॥

কুড়ানকন স্থিতির প্রেটি সমস্পঞ্কের বহিতেশে স্থাবিধানে সহস্ সহস্থ দিবিধ নিয়াৰ করাইয়াছিলেন ১১৪

দংকালে বলেক, বৃদ্ধ ও স্থালোকমার গৃহে অবশিষ্ট ভিল, কিন্তু অহ ও সক্ষম পুক্ষ, কি বা এথ এ চতী গৃহে ছিল না। পুত্ৰা পুথিবী যেন শৃতা হটয়া পিয়াছিল ৪৭৪

বাজ্যোষ্ঠ । স্থা ভগ্র পের মান্টা স্থান সমূপু করেন, তত সাল সইতেই সৈয়া আসিয়া ছল ॥৮॥

র অভাগতর পুরুষ্ হত্তবাদ্ধীয় পি। (১) সংখ্যাত প্রকাশত পি।

হাত থানি ইবার, বাজ সর্বাণ প্রথমীক।

হা বিশ্বন সব্বান ভালতে ভালতে ভালতে মার্কিন হিলা

হা বালত বিশ্বনাত আগতার হা হা বিভিন্ন ।

হা বালত বিশ্বনাত প্রথমার হার্কিন হিলা

হা বালত বিশ্বনাত প্রথমার হার্কিন হিলা

হা বালতে বিশ্বনাত বিশ্বনাত হা ক্রেনি হিলা

হা বালতে বালতে বালতে বিশ্বনাত হা হার্কিন ইপ্রিটির ।

হা বালতে বালতে বালতে বালতে বালতে বালতে বালতে ।

হার্কিন স্বান্ত বালতে ব

क्रांत्रक्षेत्र्यो

ভারত ভারধীপঃ

ব । ১ ১ ২০ ০ বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ

ন্তৰ্ভেশ সভাৱ পৰ কভা সুদ্ধিৰ ভূত। আভূতিক সহিত সমস্ত সৈৰ্থোৱ আৰু ভূত্ৰাৰ্থক সভাত তা ধৰাৰ ভূতা ভ্ৰাৰেণ্ডিক আল্দেশ কাৰ্ণোনা ৪১০॥

আৰি মুখটৰ 'শল 'শল সভল্পৰ শিল ভিন্ন প্ৰাণ ৰামকৰণ কৰিলেন। ছোঃতিকাৰণ এই যা, সেইকপ নাম বাংগ্ৰে, ভাচাকে পাওবপক ব্ৰিয়া মতে আমিতে পাৰিকে ১৯১৫

হ্তেৰে সন্মুখন'ত ভ্ৰৱতিল, সুনিউৰ ও ভ্ৰোগোধন উভয়েই আপ্ৰি আপাৰ সিংক্ৰিৰ চিক্ৰিৰণ নাম ও সংভ্ৰগতিৰ তিবিলন আচন

ান্ত ন্দৰ্গ গুলাই বাবার নি বা দানৰ হাতার, বা বংগল স্বাহানাস্ নি বন্দ লং কাবেবিলাক না ন্দৰ বারোত্তির এবারেনী বা নাবা, স্ফাক্তিবিশ্বাহাত নি, প্রস্থারকেইনিবুল্ন—িনি (১৯) প্রেবস্থার বানিব भाष्ट्रशाहभाद्यः द्विवाद्यं वृक्ष्यः ।

वद्या नाभभव्यकः नावृद्धः भदिवादिव्य ॥ ५ ॥

कृत्यं छ्ट्यायन कर्ताः भदि भाष्ट्रहेश्विकाः ।

मदि मद्विवाद्या कर्ताः भदि भाष्ट्रहेश्विकाः ।

मदि मद्विवाद्या द्विवादिव्य क्ष्यः ॥ ५ ६॥ (युधाकप्)

कृतः शक्षकः सः द्विवादिव्य क्षित्या भाष्ट्यः ।

वृत्रक्षित्वयाम् वाक्ष्यकः विद्यावान् ॥ ५ ६॥

सद्यावान् वर्त्वरको ६ व्यक्ष्यक्षमञ्जद्यो ।

मद्विवाद्या भाष्ट्या वर्ष्यक्षम् ।

भाष्ट्या भुक्षमवाद्यः । निद्या भाष्ट्यः ।

स्वाद्यः भ्रवत्यकः ।

स्वादः भ्रवत्यकः ।

छ। ब्रह्म को भूगो

সাধুতাবাদেশি নাবাসনাথায় হ ভিন্তু পাল ভাগ ভাগ সনা সন্থাত (১৫ ১৫)
সাধার্থী বি ইংল্মনাম বাসুত্, মূলে ভাগ বনাবাদিশি ভাগ । ১৮
সেখি সহায়ুগ নাবাহাসমূল, বিশ্ব হ হাল কাল । ১২।
সংক্ৰি কেন্দ্ৰীয়া বনাহাস হিন্দ্ৰীয়া লোক কাল । ১৮।

ওলিকে মহান্না হুলেল্যন প ওবংশের ফাছারা দেখিয়া সন্তু বাহার সহিছ মিলিভ হুইয়া পাওবংশর বিপক্ত ব হুবচন কবিলেন্য, শ

সুংখ্যাদনের মণ্ডের উপরে . শহরর ছব ধারণ কাল্যাভ এব তিনি আহুলারে পার্বেটিত ভাইর ভাকীদলান্দের বহিম্যাভন ইবা দেশিয়া সমস্ত পাশুবলৈল আন নদত এইল, .সনাপ হবা সকলে মত শ্যাধননি কবিছা ইপিলেন এবা বাজাক বেব, সকল দিক্ ভাইতে . নহা বাজাবতি আবহা কাবলাংখ নাম

ভখন বলবান কৃষ্ণ ও পাত্ৰণণ আপন সৈতু সগতে আনন্দিত দেখিয়া নিজেয়াও আনন্দিত ভউপোন 15৩।

পুক্ষাশ্রের কৃষ্ণ ও আফুন হার গাক্র। আপেন ক্রেছানিগাকে আনিক্ত ক্রেছা দেবা সাহযুগলের ধর্মন কর্মেন হারে

বাহনগাৰের সহিত বিপ্রত্যান্তার। কুজের পাক্তরাল্য ও অফ্লের দেব্দর। শামের ধানি ও নয় বিচাও মূত উচাগ কবিল।) লগ

১৪ প্ৰিৰণৰত ৰংগৰ বাদি ১৪ এলা পাঞ্জন চুকনকিন সমূ প্ৰিৰণ বাব বাদি, ৬ টে মণুল্পনাৰ কুছ, নেৰ জলুগত্ত্ব দিং ১৭৮ সংকাৰ্থাণাৰ পি, ২০ত হকা সমাধ্যা বাধাৰ । না ক্ষাভূমিনগা ঘোষ্টা বংগ্ৰানি। ्टर् के इका समन्द्र स्वाइन्ट्र स्था ।

दिन ने स्मार्थित स्वाइन स्वाइन स्वाइन स्वाइन ।

दिन ने स्मार्थित स्वाइन स्

कारकरको पूरी

I a guardus go wee, more of go go and 1 71

AN THE THE THE PERSON OF THE PARTY OF THE PA

医黄子 甲 电 2 25 25 25 25 00 00 00 11 11 11

ক কল, মাতু দেশৰ প্ৰদ 'সোপ্তৰণ দ্ব হা নাই হ'ব হয়, সেইনুপে ভাগন হুগা 'দিনৰ সাধান ভ কইই' ভাগতে হ

ভূপতা এইকেদ সা দ্বিলা, কিনুধা নাম সাইছে কা, ধলা না এক বিস্কুল ন তে হাৰ্য সাহত আৰু মহাৰু কা কা স্থান নাম না

হাধন .এ , সকল লক সকল সাক্র উপার্বক ও মা সে কাই। কালাজার হাহি, .মন আঙ্ভ লপায়, নাধ ভাইল ৪১,৪

র হার পার বার্ রাজ্য রাজ্য রাজ্য আ করণ করিয়া নের সৈন্তার্থকে আহ্যার করের জন্মরাই ছিল আহ্যার করের সংক্রম বার্ড হ্রাড সংক্রম নাম করের জন্মরাই ছিল বার্ডার্থা

ব চালিট - ইজিলেজ সম্প্রেক কার্ দেই ইনর সৈকা ক্ষেত্র হাতা আভাসু মার্কান ও মান কর চইয় কুকিং কারে মার্কান করেছে কারেছে না গলা ৪০০৪

ান্দ হ'লে, নদশ পার ক্রান্দর এখন না বা কার্ব লি বান বাবছ চার পি, ও পান্দলে নিজ নিজ নিগ বান কার্মি পার্লারের সহজ্ঞান বা ব্রানি । वर्गा है (सनगणहाभानहुकः स कु सहनः।

गुभार छ समझ द्वार छ द्वार स्वार द्वार ॥ ५॥

मृन्य गृह कु विकासि स्वार द्वार (वर्गाय ।

भित्र पूर्व राज्य । स्वार व्यार स्वार (वर्गाय ।

का राज्य स्वार क्ष्म स्वार (वर्गाय । ॥ २०॥

का राज्य स्वार कि । क्ष्म व्यार (वर्गाय । ॥ २०॥

कार कु स्वार कि । कुक्म व्यार स्वार ।

क्षा स्वार खाला (भाषा कु कु स्वार कु स्वार । ॥ २०॥

क्षा स्वार खाला (भाषा कु कु स्वार कु स्वार । ॥ २०॥

ভারতকোম্পী

নিত্তত বিভিত্ত সূত্ৰ আহে পিছিন, প্ৰকাৰম ৷

মধ্য প্রান্থ কোলে এ ছত্ কাজেরতা হাত, গ্রেগ

र्ति । स्थाप १६८० व्याप्ति । स्थाप स्टब्र । वार्षात् कात्र इ.स.च्या १ प्रस्ति १९४० व्याप्ति । स्थाप स्टब्र्स्स । वार्षात् कात्र श्रास्त्रताहेक्के । बहुनाहराक्ष्म (ब्रास्ट १०४०

স্তুটার। সাম, পালন্ম তাজনা দলপতিক ভ্রতভাতি নামন করে। আনহা কা ভ্রম করে বিশ্ববৃথিতি পুর তার কর্তিক সংক্ষা করে। তার করি কাম। করি সমধ্যক কলে জালালাপ্তানী করি করে।

क्षावकसारमीन:

প্রয়ক্তা উপ ভাষ চলাল চুটাই স্থাত্র সংখ্যাত্র কাম নেই চুটাই সৈক্তার সেই সংখ্যালনটা আনু এই হুইড়াছিল ১০৭৪

পাত্ৰখন ও মাধ্ৰাইগৰ সেই কৈলুসমত আন্তন কৰিছেছিলন বলিহা বালক, কৃষ্ণ গ্ৰিলাক্ষাত্ৰ অবহুগনে অবনিই থাকায় সমতা প্ৰিৰাই কেন্পুল কইয়া বিয়াভিশ এক সক্ষম পুক্ষ, আৰু, ৰথ ও কৃষ্ণী ,তন অত্য ,মাংটই ভিশা না বাহৰঃ

ভরতভার । আহার দাব সেই কোবের, লাগত ও সেমেকের যুক্তির নিয়ম স্থাপন কবিলেন এবং সে বিবয়ে শশুর কবিলেন ১০বং

গুল নিকৃতি পাইলে, আবার আবাদের পূক্তের হ'য় যথাসভূব প্রশোর জী ভ চটকে, কিন্তু পুন্ধায় আমাদের চলনা হটকে না ১২৭ঃ

aa) मुख्य मुध्यिते अतः सि । (२९) दम्मतः यसः,र^{त्ता} स् ४ जर कण्ठरः भूत—सावतानि বাচা মুদ্ধে প্ৰস্তে নে ব বৈৰ পৰিবাধনম্।
নিজ্যান্তঃ প্ৰনামন বে হতব 'ং পদাচন এইল॥
বকী চ ব মনা হা কোন বিজন গছাবা বিং ।
আধ্যনাতী প্ৰাংশ সভ পাল কোনৰ ৬ এই গনাইল।
মৃত কোনৰ মৃত্যান নাম্যান্ত নামিক নামিক মান্ত।
আন নাম্যা প্ৰভাৱন নামিক নামিক নামিক মানিক মান্ত।
আন নাম্যা প্ৰভাৱন নামিক কোন নিজ্যান্ত।
আন মৃত্যান বিক্যা চ না হত্ব ং কলাচন ॥ ২১॥
১৯০ নাম্যান বিক্যা চ না হত্ব ং কলাচন ॥ ২১॥

ভারতকৌমুদী

Extens a compara, a comparation, the comparation of the comparation of

राजिक र ते , १९४५ ता का त्र । विस्त्र स्वर्णन ४०३१

ভারতভাবদীপ:

the matter and a second to the second to the

হ নাধনৰ বাবা, ভাইপ ভাত চাইনল, বংকার বাই পাডিয়াস করিছে হাইবে; আবামান নাম্নধা হাইবে নিবিট চাইবে, কখনও ভাহাদিমকে ব্যাক্রা অইবে না ॥১৮॥

ভিৰমন্দন। রথী বথারোধীর সভিদ, গজারেটো গজারোগীর সভিত, অবংবোলা অধারোলার সভিত্তর পদা ভাপ্রা হর সভিত মুদ্ধ করিবেন ॥১৯॥

্নাগাড়া, হাড়, ইংলাচ ও দ'কে মাধুল রে বিপাদকে বলিয়া আমারা প্রচার কবিব , কিন্তু বিষয় ব, বিচৰল ,লাক্তে প্রার কবিব ন ॥১০॥

অক্টোর সহিত গুলো পর্ব, শ্রণবেদ, প্রাল্ধ, কীগেশস্থ ও ব্রারিহীন পোক্রে অমেরা ক্লন্ত অংগাত কবিব ন. ১৩১৪

(২৮) বভোষ্থপারত নাম্বাধার বাবার, বাজা মুক্ত প্রতানাম্নির (০৮, স্থোবন সাহে মধ্বন পি. ১১, প্রেগসত্সংমুক্ত, প্রেড, নি। ন সূত্র ন ধুর্বির ন চ শর্ম্বাপনায়ির।
ন ভেবিশালবাদের প্রহত্রণে কলকন ॥৩১॥
এবং তে সমনা র হা কৃকপান্তব্যালকাঃ।
বিষয়ে প্রমণ জ্মার প্রেক্সাণাং প্রস্প্রম্ ॥৩৩॥
নিবিশ্য চ মহাল্পে হত্ত পুরুষ্টভাং।
হল্টকপাঃ ভ্যান্যো বছুরং সহসৈনিকাং॥৩৪॥
ইতি ই.মহাভারতে প্রস্তি ক্যো সংহি গ্যাণ বৈশ্যিকাং লিলাপ্রপূর্বি
জ্যাব্রবিনিয়াতে সৈত্তিক্ষেত্র প্রহাতিধ্যারঃ॥০॥

ব্বিতীয়োহধ্যায়ঃ।

বৈশস্থায়ন উবাচ।

ততঃ পূর্বপেরে দৈতো সন্কের ভগবান্সিঃ। স্বব্রদ্বিদাণ (এক্ডা বাংসং স্বার্তীভতঃ ৪১॥

ভারতকোমুদী

নৈতি। স্তিষ্ সাহিল সংকৰ্, দুগৰু ভাৰৰতে কৰু বোলসভানিয়, লাজাপনাহিশ্
ধীলান্তিকে লজন হুৰু বাদৰীলক্ষালো বাদেশ্য বাদকৰু। সলক সামান্দলক মেন্ত বেন্ত অব্যাহিত সময়ে নিজন স্থান বিজ্ঞান কৰা অসাত ব্লাদলনানিতি ভাৰ নথা
নিৰিক্ষেতি নিৰিক্ত বাদ্নমন্ত্ৰীয় অমান ক্ষেত্ৰীয় বেচ্চা ইতি ম্বাম্বোল চাছ লিভালনাসালন ক্ষালেন নুড়া, বিল্ছাক্ষাৰ মহাভাৰনীকৈ বি ভাৰত্বিন্দাসমায় বা ভাক্ষাতি অস্থ্যতিনিক্ষাৰ প্ৰায়ন্ত্ৰীয় হ'ব

ত কাইটি অনুর পার দেকে পুরদিধবস্থিত বীৰংগৈলত পশ্চিমাসগ্রতিত পাওৱ সৈয়াক, ভশবান্ মণেও ব্যাবান । ভারণতি নাবিনি ভ্রাতান টুডিলিব, মাবন

স্তুতিপাঠক, ভাববাহা, অসুদামা এব ভেবা ও শহাপ্রভূতিবালবাদকগণের উপরে কোন প্রকারে আমর প্রধার কবিব না' ৮২২৮

সেই কৌরধ্পাওর ও সোমকের। এইকপ নিয়ম করিয়া প্রশপ্র দেখিটো থাকিয়া অভাস্থ বিশ্বয়াপর হইকেন চঃঃ॥

ভাষার পর দৈলগণের সভিত সেই পুকরশের মহামার যথাজানে স্বস্থিত হইয়া আনেশিতে ও প্রস্তৃতির হইলেন গেওঃ

£



দ্বিষ্তি রহে সংয়ের এব বান্ধি পিলেমহছ । প্ৰ, কেন্দ্ৰী এগ বান্দ্ৰ বাহ দ্বিষ্তিহ ॥২॥ বৈ হৈ এইছে বাহানৰ বহজ দিনহ বাহাছ । শেষ চন্ত্ৰণ হ'ব বাহা প্ৰতি মানহছ্। সংগ্ৰাহাটি ।

হৈছেল। জা কিংশ কিন্তু ক্ৰেড্ৰেল চুজা হিলা, ।

ক হ'লছে কিংশ কিংল কিন্তু কলা কুছি ল'কল ।

ক্ৰুজাৰ্ক, কিন্তু হ'ল ক'লে মান্তু কুছি ।।

ক্ৰিডাৰ্ক, কিন্তু হ'ল ক'লে মান্তু কুছি ।।

চিক্ৰিজাৰ্ক, কিন্তু হ'ল ক্ৰেডাৰ গ্ৰেছ্যাল ॥ ৬॥

कारकारको प्रशे

को सभी क्षा के स्थार प्रत्य प

देनल्लाएम र ल्ह्सन कन्मकर २० इ.सालो, अम्बर्गकराख्य, पृथिष्ठित स्वार्थापमध्य इति लियाम्बर, क्यार्ट्ट अम्बर्ध नव्यत्वे खडाक्मकी क्रिया कृति, क्रिया सम्बद्धानाय स्वार्थाम अस्तर्थ नव्यत्वे खडाक्मकी क्रिया क्रिया स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ ख्राया स्वार्थ स्वार्थ

্ৰেদ্বাসে ক্ৰিলেন - 'সংজ । ্টান'র পুৰণগোৰ ও অকাক বাহগাণের কাল নিকটবারী চইহাছে। সুদ্বা উ'হ'ব মৃত্ত প্রত্যাব প্রত্যাবার সাহায় ক্রিবেন ।৪৮

ভবতনকন। শিকার কলেকে ও চইবা বিনেটু চইব্য লাগিবল, উচ। কাল প্রিবেইনেরট ফল ইচা পুনির ভুনি কোক করিব ন ॥৫॥

্ত সংকলত সমস্থা সকলে প্ৰশাসন্ধ কাৰ হয় ও। এই বিশেশীৰ সংকাশম ৰ কৰা নি বিশ্বাসকৰ কাৰক নি । একি ভ্ৰিডুলি চাইড মাকোন্তে চাইজুখা পুত্ৰ নিশাম্য পি ব্ৰক্ষ €

ধৃতরাষ্ট্র উবাচ।

ন বে এনে জ্যুতিবৰণ সফটুণ সংক্ৰিসভ্য । ; বুজনে হাছৰে শ্ৰুবং গুৰু কেব কেজসং ৮৭॥ বৈশাশধাসন উবাচ ।

ক্তিমনিজ্ঞতি দক্তি সংহামণ কোতুনিজ্ঞতি। বৰ পানীখ্ৰো বা সং সঞ্চায়ে বৰ কলে। ॥১॥ ব্যাস উৰ্চি।

এষ , ই সজ্যো র জন্। যুদ্ধে স্থানিজ হি।
এইজা স্বী সংঘালে ন পারে আংশ নাবছ হি ॥ ॥
হলুষ সংখালা ব,হন্। নিকেইন্স সমাধান ।
ব্যাহিষ হি , ই যুক্ত স্বাজন্ত হলিছাহি॥ হল।
পাক বং বাহ প্রাক বা দিব বং যদি বা নিনি ।
মন্ধা চিন্তি সম্পি স্বাধ্বিক স্থান হল

कात्रदको भूगो

নাধি না বড়া, নাজ্যি গালে সংগ্ৰহন্ত হয় সভা কন্ত্ৰ ক কংগালোক । কংগালোক জীত বালন্দ্ৰ ল আগালোক নাম কৰাই আৰু অক্তাই নাম কৰাই । চাৰুবাহি সকলাৰ নাজুক, হাই আহিমান নাম কৰাই । সংগ্ৰহি সকলাৰ নাজুক, হাই আহিমান নাম কৰাই ।

নারন্থ। পুর্ণ গুমি যদি এই বৃদ্ধে নামার ইড় কণ্, শবে , আয়োকে আনুষ্ঠিন কৰি, ভূমি এই বৃদ্ধেশ দেশ

শুহর টুত লংগ্রন 'বজাবিশ্রাস । জামি জাশিসদ ,দধিয়ে উভা কবি না ; কিন্তু আপনার প্রাধ্ব এই মুগ্রের বিবরণ সম্পতি ও ৮০ত চাই ॥৭॥

বৈশশগ্রেন ব লালেন সুদ্রাষ্ট্র হলন ক বলার ইন্দ্র না করিলে এবং ভাষার বিবরণ জানবার ইন্দ্র ক'রাজ, বর্দানসম্থ ,বদবাস স্থেয়কে বর দান করিলেন লেন

্ৰেদ্ৰণাস্বলিলেন বাজাণ এই সভায়, সানাৰ নিকট এই মৃক্ষৰ বিৰয়ণ কলিবেন। কাৰণ, শ্ৰেষ সমস্বিষয়ই ইয়াৰ প্ৰাক্চটাৰ ॥১॥

র।ছা। এই সজয় দিবচেল্সমধিত চট্য , চানার নিকট গুজের বিবরণ ধলিবেন এবা ইনি সক্তির হইবেন ॥১০॥

(৮) এতখিন নে**জতি হ**ই **ব্** শি।

बाहर सर्वतिहर है।

বৈন্ধ শত্ত নি চুলংছে ডি নিন্দ বালি চতিত জাবত গাবলনিক। ভাৰন্যুভদেহ ভিনেকেন্ত ॥১২॥ इ. इ. की दिलार कमा कुला । इद्देश । । পাধ্য নাক সংব্যাং প্রে । ছ' ন হা ৬৪ ॥১৩॥ 'দকীন্ম দলববাত। নাপিতে চিভুলছ সি , ন ১৮ই শাসংখ সংগ্ৰাপু বার্ক চারা কেইবা জাসাই Burkil

বৈশ স্পায়ন উবাচ।

্ৰয়ক্ষ ভাৰৰ ন্ৰাজনা ধাপিলামইঃ। कर्त्रद वक उपरुष्ण श्रम वर्षे देवरात संगठना। ছত মৃত্য হত বৈ ভে । ভবিষ্তি মহ'ল কালং। +কৈ ব ড নিমিকানি ভাগৰ জু পালজালৈ ॥১৬॥

कारकरको युग्ने

with many fire of a work warning to been notes a to a special commence of 20. 1 70 7 GNIX 7 - 6 * p* - 4 .16

শুৰ্ব প্ৰাৰ্থ চনক লা অপ্ৰচামত ভটক, কি বা (৮৫-৪ ভটক বা शा द्रावर्ष इएक, द्रमन के कर्ण बहुन घरन छ राष्ट्र किए कविरत, द्रम समञ्ज्ञ সক্ষেত্র জানিজে পারিবেন ৪১১র

्क स चारु एक रक सिमान के नहांक भारतिहत मा। कि ना भारतिमा केकारक क्राय करिएवं में अब अबे अवम क्षेत्रिक भाजमाने अने मुक्त करेएक मुक्ति भाषेद्दन १५५।

सदहरणहा अद अप ५ इडे मक्स (क दव स आसदग्राम के सि सिन्दा তুমি লোক করিও মা ৫১৩৫

নব্রেটা তথা নব । পুদ্র ভূমি উচ্চ কুতা মোক করিছে পার না अद , कड़ है है हो कि बादन के दिए के भारत भा बहुत । यह ते समा साहक ने, मिर्दे पिरकरे क्या इटेर्च 8588

বৈলিশপায়ন পলিলেন — অভিনয় পথি য়ে কেবেবগণ্যৰ প্ৰিশামত ও মহায়া ভগবান বেদবালে এই কল ব'লছা পুনবায় বৃত্ত'বু'ক ব'ললেন – ১৯৫৪

্য প্ৰৱ্নত্ত সংল্য দি (১০ ২৭ জন্ত । শ্ৰেম্পি নিমিৰ্যনি स्थापार्थं अन्यक्ताः 🚝

4

4,

প্রেনা সুধানত কাকানত কলানত সভিতা বটকং।
সাল্যান্তি নাজ্যাতে বু সম্বাম নাজ কুইছে ॥১৭॥
মান্তি প্রাম্যান্তিনা বিজ্ঞান
ক্রান্তিনা ভালান্তি হিছিল লাইছে।
কিন্তান্তিনা লাইছিল ভালান্তিনা ভালান্তিনা বিজ্ঞান
কিন্তান্তিনা লাইছিল ভালান্তিনা ভালান্তিনা লাইছে।
উচ্চ পুর্বাপ্তের সভ্যো নিতার প্রাম্যান্তিন লাইছে।
উদ্যান্তিমন্ত্র সভ্যো নিতার প্রাম্যান্তিন লাইছিল।
উদ্যান্তিমন্ত্র সভ্যান্তিন প্রিক্তিন স্থান্তিনা

सात्रहरको भूगो

ইবিটার। নিমির নি লক্ষণ নি ভবদ নি ভ সন্ত নি চত্ত হ ক্ষেন্ট বি । ক্ষে অধি প্রতিবিশ্বর । সম্ব দি স্কুল্ন নি চুব অভায়ন ক নি-বর্ম ধর্ম। এব কামাসকল সভা হ্রিকে প্রিক্তির তা নিজ্যনি ম, অধিবংশক, অভায়েশনা অভিন প্রিক্তির ইব্রাইটি ক্রেছে বি তিনিক্ষাইর প্রিক্তিকির স্বাধ্যার

ভারতভাবদীপঃ

মহার্তি । এই মৃশ্জ হংকত্র ক্ষত হইবে ,সইক্স চয়ত্রক লাক্ষ্ সকলই মামি লক্ষ্য করিছেছি এ: ৮৪

স্থোন, গুল (শকুন, ককে ও কর (হাড়ছিল। পাতী ককের সহিত মিলিছি হাইয় ধার্ডের উপরে পড়িছেড়ে এব সম্বেড হাইছেডে। শে

এই স্কল মাসংভাজী পকী যুদ্ধ নিকটাটো দেখিলেছে, ডাই চকীও আৰপ্ত ভাৰ নাম ভাজৰ কৰিৱে বিলিয়া আৰম্ভি ছ হট্য ছে ॥ এ॥

ভয়স্থক ও ভয়স্বন্তি কলপাক্ষমত্য নিজুব বৰ কৰ্ছা সহাজ পঞ্চীৰ মধ্যে। আকিয়া দক্ষিণ্ডিকে যাইক্ষতে সংখ্য

ভরতন্দন : নিজ্ঞ নিজ্জ পাই - প্রেজ্জন । ও সাম্প্রাধ সময়ে উদয় ও অস্ত্রাংল কতক্তলি কবর স্থামহলকে পবিশেষ্টন করে মহলা

(১৭ বারং পি, সম্প্রস্থালারসূত্র বার ১০ সাচ্চ্য প্রকাশ পি ১১) বচর চিত্রশব্ধ করণ ১৮ প্রকাশ বি মহাভারতে

न्त्र के काल पुत्री

शाहर का वर्णा था

भक्त महाकार कृत है के देश कार रहा तह उससे यह भारत (अवर्ष्ट्राव्य)

অব্যব পুথবার বার বাজারা ও পার্দরার বার বাওপুরেরা সুদ্ধে নিহন্ত ছাইয়া ভূতল আবৃত্ত বহা লয়ন ব ব্রেন ১৮৭৮

নত, ভাতুমধানতে ন শিত কৰা বৰ জানত নন্ধ ম শিব ৰ জান (২০) জনক জন্ম চীন পজ্বন্দন্ত পিৰা ব্যাহিত ভূমিন কুলা বিটি লাং পিব আনুন্দি বর্থ আ সুস্পাল্য (১) ৬লো: ।
প্রাণি নুষ্টে বার্থ (বার্ল নিশা প্রাক্তির শ্বর প্রাণি নিশা করে প্রাণ্ডির করে কর্মান্তি চ কর্মান্ত হ ।
কর্মনির প্রাণিরক্ষালয় করিছে প্রাণ্ডির চ লব হল আর্মান্ত লা ভূমনির করে করে করে করে করে লাল্য ।
আনুন্দির প্রাণ্ডির করি লাল্য মন্তর্গালয় ।
ক্রাকিলান নাল্য লেড চাল্য নুস্টার দার্লান্ত লাল্য ।
ক্রাকিলান নাল্য লেড চাল্য নুস্টার দার্লান্ত লাল্য ।
ক্রাক্তির মান্তরিক বিশ্বর দার্লান্ত লাল্য ।
ক্রাক্তির মান্তরিক বিশ্বর দার্লান্ত লাল্য ।
ক্রাক্তির মান্তরিক বিশ্বর দার্লান্ত লাল্য ।
আক্রের্ণান্ত্র প্রদ্বাহন্ত লাল্য লাল্য নাল্য ।
আক্রের্ণান্ত্র প্রদূল্য লাল্য লাল্য লাল্য ।

ভারতকৌমুদী

থাক্ষণীক কৰি । বুৰদ্ধক বিভূতক প্ৰতিপ্ৰত নাৰ্থ নাৰ্থক কৰি । আৰ্ক্ষিক সংগ্ৰহণ কৰি আৰু কৰি কৰিছে । মান্তৰ কৰি । সংগ্ৰহণ কৰিবলৈ আৰু দ্বাৰ্থক কৰিছে । কুম্বিল কৰি । প্ৰদৰ্শ প্ৰতিশ্বত আৰু দ্বাৰ্থক

मुद्दीर वर्षिक प्रशिक्षाति स्थान सम्मृत्यान्तकातः । या, क्षेत्रतः १४ तिस्यानः अभ्यक्षप्रतितः क्षेत्रितित्वतः । यस्पै जनवनार्थः व्यक्तात्र इक्षात्र वर्षाः वर्षिक विश्व कृषीदभारतः सम्मृतित प्रारोष् । नजक्षप्रति प्रति । १२।

ভাৰতভাৰদীপঃ

श्चा मृत्याभावि क्षारम्भितः वक्षरम्भाग्यक्षयं १२५ - २४४ वर्गतः पृत्यकः पुत्रकः प्रत्यान्यः भागत्वाव्यक्ष्यः इत् भागत्वाव्यक्षरद्वाद्वः इत्तराव्यक्षाव्यक्षित्वकः चे भूभगत्वः पर वर्णाण्यः १ १ - १ - १ मृत्यः भागवस्यः विकासः विकासः वर्णाः वर्ण

আৰু কাল প্ৰাচট হাতিছে শ্বৰ ও বিভাল মূহ কাৰ, ভাগাণৰ ভ্ৰছৰ যুৱ আকাশে শুমিছে পাই হয়ৰ

সেবাছানের আহিমাক্তি কথনত কংশে, কথনত চাংস, কথনত মুখ দিয়া। সম্ভাবমন করে, কথনত হথাজে হয় এব কথনত পাছিছা যায় এই ব

মধ্যাল। আহতে নাকবিলেও হৃত্তিজ্লি লগাকতে তেওঁ কহিছণাপ্ত বিশাস রথ সকল মুক্তুন ভইয়াও চলিতে গণাক গণা

কোকিল, কুডলিয়া, চাধ, ভাল, ভাক, সাংসাও মাধ সকল ভাতহয় হব কার ৪২৮৪

⁽২৮) প্ৰকল্পতে চনলৈ চ লি।

উন্ন সহা হালাকে কিবল লাইসন ইকো।
কলাং পাল্ডকালী চ মালস্বাধী চ ভাৰত । ॥ ২০০০
যা চিম কিবলত, ব জন্। তৈনোকো সাকুসজাৰ, ।
মালকাতা ভ প্ৰেল কৰিছা, পুছাভ কুৰা ॥ ২০০০
কেবলত কৰা কিবলৈ কিবলৈ কিবলৈ লাইয়া
হানাক চ মহ কোৰ জানিক ভাৰতে কিবল ।
ব হন নাক কিবলৈ নিমাৰ্ভ ভাৰিকাৰ ॥ ২০০০
ব হন নাক কিবলৈ নিমাৰ্ভ ভাৰিকাৰ ॥ ২০০০

ই ৰ নীয়ত নালাধ শালসংহ জেলা সংহিত্যেও হৈছেলিক লোও ওঁলোপ কৰি । জন্ম নালিক, বনা ছহুপোৰক থকা কামা বিভাবেশহৰালেং ॥০॥

ভারতকোস্দী

স্থারডাভারদীপ:

तारहण है र ते तार तार प्रमुख्य ती है कि प्रश्नित के क्षित्र स्थान के क्षित्र क्षित्र के क्षित्र क्षित्र क्षित्र के क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित क्षित्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षत्र क्षत्र

इ. २ ६ ६० व. व. इ. चर्या मान्यताल विकास इत्रहार करा

সাণাণ্ডিমকলার লা অধ্যার পুটে পতিত হটয়। তৌর এথনি কারে এবং অক্টোন্যুক লোভার মার পত্রবাধ্যি কবিচাত পাওয়া যায়॥১৯॥

হা হিসেত্ৰ ও সংঘ্সজ্যাকগুল ভিগদাত প্ৰাৰ পায় আৰু ভ্ৰাডানাৰ্থ । মেম দুলি ও মাং সংব্যাং বি

বাজা বিজ্যান্ত দিন সাবং বজিয়া বিজ্যান্ত সেই অক্টেট্র এই বশিষ্ঠকে পৃষ্ঠদিকে রাশিয়াছেন ১০১৪

র হা। এই শ্লিপ্রত রোজিশনক রকে উপ্পিছিত কার্ড ব্রিয়াছেন এবং চল্ছের কলম্ব, তিলে তিত ত্রিগতে। সাম্বা প্রতার ভয় তাইবে॥৭১॥

াক। উচ্চত্র প্রতার নিশে স্কুম্রিক ব ব বা নি। (১১) আন্তেচ মহানোর ভানিত ক্রাম্থন ব বব, মন্তেচন্দ্রতার্থনিত ক্রেড্লম্ নি



তৃ তীয়োহধ্যায়ঃ।

नाम हेता ।

भवा ८० म् श्रक्षात्त्व इयद्यु या इत्ति छ नाः ।

व्यान्त्र श्रक्षण्यत्त प्रमान्ति व्यक्तिया ॥ ॥

व्यान्त्र श्रक्षण्यत्त व्यक्तिया व्यक्तिया ॥ ॥

व्यान्त्र श्रक्षण्यत्त व्यक्तिया व्यक्तिया ॥ ॥ ॥

विद्यान्ति इत्यादाः अञ्चलका विद्यार्थ्यः ।

विद्यान्ति इत्यक्ति व द्विष्य अञ्चलका । ॥ ॥

व्यक्तिया विद्यार्थाः व व्यक्तिया विद्यार्थ्यः ॥ ॥

व्यक्तिया विद्यार्थाः व व्यक्तिया विद्यार्थित ।

विद्यानाः विद्यार्थाः व व्यक्तिया विद्यार्थाः ॥ ॥

विद्यानाः विद्यार्थाः व व्यक्तिया विद्यार्थाः ॥ ॥

विद्यानाः विद्यार्थाः व व्यक्तिया विद्यार्थाः ॥ व्यक्तिया ।

विद्यानाः विद्यार्थाः व व्यक्तिया ।

कारकरको मृत्री

च्यतं है जि. च्याना किर्याण संगत्ता, स्वित्त प्राचित त्य १००० है डि. यहा याहा संगता विद्वारिक सिक्षा प्राची संग्वेड त्या किर्योज्ञ राज्य १००० व्यान स्वाप्त के स्वाप्त के प्राची स्व

হব ইক্তি হব গ্ৰহণ হন কৰা দিৱ ভাষুণ্থকি ।।
পাতিবা ইছি, পাতাৰ সহস্থা, কৰাৰ হা হাছাত্তিন লগৰ কুটির বিবিচাং বিশেষ প্ৰহেম্য কিল্কুক্ত হবি ১০০০ তা। বিবাস আনক্ষিত্তন । তাৰে কুট্ন সংক্ষা আৰু কুট্য পাতিব ২০০

----(::)----

মার, মেন্ধরা মাকালেও সকলো নহাভর্তর মেন্ধকন খুন যায় এব বেদনিপার্ভ বাহনগণের অকাবিন্দুসকল পভিত্তয়॥২০॥

্বেদ্বাসে বিভিন্নেন প্ৰৱে গছে গদ ৪ জবিংশিছে, পুৰতৰ ন বাদেৰ সহিত্ ৰুমণ কৰিছেছে এব সফাৰুক সকল খাহাছে ভাতুর ফল ৪ পুপা নিধাইণিছছে॥১॥

গ্ৰিটী ৰাজনামানো অধিনীম্বাকৃতি পুত্ৰসকল অসৰ উ'বং ৰ'ছন ধৰ মা.স্তোহী প্ৰগ্ৰ প্ৰিগৰেৰ সহিত হিলিভ চইয়া প্ৰশ্ব :ডাউন কৰি-

তেতে ।২॥ ১ পরা বেণেয় প্রক্ষেত্র বিশ্ব স্বাধারক সভারেণ্ড বাব বিশ্ होर व न न्ह हुनाएस हिए हैं व नक्ष्य विभाग । देश्य हर न या र न्ह क्ष्म स्ति श्रुप्त र दे ॥६॥ १ अस्ति न न देश स्त्र श्रुप्त स्त्र भिष्ट ।। स्तुर न न देश स्त्र श्रुप्त है । स्त्र के निश्च स्त्र श्रुप्त है । स्त्र स्त

ভারতকোম্দী

- width did no his air . Also highlight w

ब्रिट हेर्डि । चारुमात्राक फार कहार १५०

পালি। গ্রন্থ মত নাগ্রন্থ বিভাগর । ভারতভারদীপঃ

হণ ইনি ব পাট ও ১০০০ ব টা ওই বব এক ন সন্মাণ্ডিয়। ২—১। টক ভি লাজসভাত ব ১— ত ব এই পাছন কৰাছ মুল্ডিল্লেম্ শাহৰৰ কৰাৰ সভাতৰ পা আ আ আ এই ইনি নিশ্ব আভাতৰ ভান পি এক। পুৰ্বাল্ডনাত নিজনত সহাধান স্থাত চন্দ্ৰানিস্কৃতিক কাৰ্ডান্ড ইপাৰে:

ক্ষতিক্থনি বিশ্ব কংকগ্লি চ্ন্ন্ন, কংকগ্লি পালাচনা, ক্ষকগুলি বিশিল্প, কাৰ্কগলি বিল্পক কংকগ্লি 'অপুন্ত এন ক্ষেত্ৰালি পালা নিক্টালিল্প-মৃত্যু তাইনা অনুক্ৰমণ্ডল কৰিছে লাভিন্ন ক্ষিত্ৰতে ক্ষাৰাৰ ক্ষতক্থনি পালা ভিন্মিটি মুখ নামিল কৰিব অনুক্ৰমণ্ডক বৰ কৰিছেছে ক্ৰমণাজ্যুক্তি পালি-পান বিপাল, শিখাৰুক, চন্দ্ৰ ও নাক্ষণাজ্য হঠন ক্ষিত্ৰতে এই পাল্ডাকুতি পালি-

ক্তে,। আবাৰ টোমাৰ বু সদানীতে ভাৰাৰভাষণাগণকে দেখা মাইতেতে, উহোৱা গ্ৰুণ্ডিৰ পক্ষা ও মাধ প্ৰদৰ কবিংক্তিন দংগ

বাদা। অসু গোলংস্কে, কলুব শগালকে এবা ১৭ কুকুবকৈ উংপাদন করিছেছে, আর শুক্পজিগনও জনসলস্চত রব কবিছেছে ॥।॥

কভক্ষণি স্থা চারিটা ও পাচটা করিয়া করা প্রধান কবিছেছে, আবার সেই ক্যাঞ্জিও শ্লিবাম। এই রাসিশ্যাস, পাহিত্যাস্থ ও নাচিত্রাভ ॥৭॥

(৭) স্থিম কাল্ডিং প্রভারত্তে লবা ব বা নি।

হাতিমাশ্চ'বিষ্টুৰ লাই স্পান্ত' কালচেট্টিটিটাই। মহোক্তিমানিৰ ৰিন্তি শিশ্চিক সভাপান্ত ॥ । মহোক্তিমান্ত্ৰীয় অগ্তানি বুংকাৰ, । পালে'হপানানি বুকোৰ জাগ্ডের কুমুল'নি চ ॥১০৪ (মুখাকম্) বিষ্ণাৰ্থিশিচ ৰ'জুলি, বুজে, নাপুলিশ্লনিটা। জাভাজি কুম্পান্ত ভূমির্কি ই ভ্রাইণ ত চ ॥১১॥

छ। बन्हर्को भूगी

"ক্ষে কাল নেটা সক জন হন হনক । ১৩ ৬ ১০১০ সংগ দিসনসভাবেচল বিস্কৃতি যানক্ষোলবেল প্ততিব্যাহয়, সংসহ্য দিনক জন

तिस्ता है। हैंग त गाम विषय १० ६ १० विष । प्रयक्ष वृति वृष्णि संभव में १। वार्गास्त दिक्त स्तु । वार्गास । धन दो स्म सुन । स्मा स्म कृत्या वाद्रा स्था । इन्हें र प्रकृतिविष्ठ १८ म्यून । वाद्र स्थान । स्थान । स्थान । विभिन्न क्ष्म स्थान । अस्ति । अस्ति । उद्देश कृत । स्थान । स्थान ।

ভারতভাবদীপ:

শুকুল বাংগ নটা সংগণি নলিনা জনান। নগত গাড়াইন পিশব বাব ব্যুকুছি শহানি মাহাজি টুংপালানি জুল শাল এক । জনুল নি চাজাল বিচাৰ না বাছিল হাত্ৰ হলে। ব্যুক্ত ব্যুক্তি দৌশাল লাই লাগা, বা নি বাংলাল বলাত ভালত ভিতাৰ না কলাল হাত্ৰি পাছেললৈ স বাহিলাঃ কা নুক্ত পৰ্যালি সংগ্ৰাহ কলালত ভালত বাহৰালা বাহন সংলিক ন্যুক্ত

সমাস্থ নীচসনাজের পদপ্রভাত বিক্লাপ ,লাভেবা গুরুত্ব ত্রের স্চল, করত কামত তাসিতেতে, ক্ষমত নাডিতেতে এব ক্ষমত গাতিতেতে ক্ষম

সাপ্তবাধী এই সকল দেববিগ্র কালপ্রেবিত হটগুই যেন আকালে ভাবী সর্বনাশের বিষয় লিখিতেছে সুকানী ও স্টিলারা নিজ্যা পরস্প্রের প্রতি ধাবিত হটকেছে এব কান গুড় নগ্রগুলকে ও কয়া কেলিতেছে। আর পদ্ম, নীলোক্সল ও স্টেচাক্সল কুক্ত ভতিত্তি এন চিন্দ্

সকল দিক হইটে ভয়তৰ ৰাষ্বাহটেছ, ধাল নিয়তি পাইছেছে না, (১০) অঞ্জনতিমণুশি ৰ ব্ৰাশিঃ ্শার্ক শ্রুপ্ত ক্রিক সংগ্রুক্র (শিক্টির)
আন বং হি বিলেক্সেল ক্রেকা নার পশ্চিত ॥১২॥
শ্বার্ক হুলাইব্লেক, পুর্জ, ক্রেন ভিডার।
সম্বেশ্বিক (গ্রুণ ক্রিক্তি মহার্ক্ত ॥১৯॥
মহার্ক্তাব্রেক ব্রুণ স্বান্ত চার্ক্তাব্র ॥১৯॥
৬০ ব্রুণ ক্রেকা সুর্গত্ত ক্রিকার্ক ॥১৯॥

छ। बडरको भूकी

The state of the s

पुर्यात्तः प्रतः तः पुर्यक्षपुर्णः भगीत् प्रत्यक्षः पुर्वत्यक्षः विकासः स्थाप्तरास्त्री सर्वतः । तत् एकः व त्यात्रस्यकः स्वतः त्रिष्टः व व व व व व भूगा तत्तः र तुत् २ ति क्षणिति क्षतः भूतः सः मा अध्यक्षः विम् । इति स्वतः विकासः स्व धुरम्

ভারতভাবদীপ:

কের ডিরানজারকে জাহিতান কবিয়া সামীনজারে অবস্থান কবির্চছে। স্থানবা ুদ্ধিংশ্বভাগের কার্বগণেরই আভাব দেশিক্তাংছে ১৯১৪

অভিনয়খন ধ্যকে চুপুরামকতকে আজনন করিয়া বহিয়াতে আভতব সে, উভয় সৈকেবল ভয়নৰ অনকল কবিৰে ৮, ১৪

(95) 東州 海野美洲東京 新

6000 2 ...

শুকার প্রেষ্ঠিপদে পূর্বে সমাক্ষ্য বিবোচতে।

উত্তরে চু পরিজ্মান সহিতঃ সমুগীকাতে ॥১৫॥

শ্রাব্যা প্রতঃ প্রক্রান হয় সমূম ইব পাবকঃ।

প্রক্রা ক্রেজিন নকরে জ্যোজানাক্র্যা ভিত্তি ॥১৬॥

প্রবঃ প্রক্রিটা লোকমপ্রক্রা প্রক্রিটা

ক্রিজিন প্রত্তিবর্তি ।

ক্রিজিন প্রত্তিবর চিব বিত্তি । প্রক্রিটা ॥১৮॥

ক্রিজিন প্রত্তিবর চিব বিত্তি । প্রক্রিটা ॥১৮॥

अध्यक्षिक्र

কাম হ'ত। তাৰে প্ৰাণে কক, সন্ধা তাৰক ইব, প্ৰামাণিক সন চনা নালনিক কৰা সম্প্ৰিক কৰা কৰি কৰিছিল কৰে বাংলাৰ কৰে এই এই নামি বাংলাৰ কৰি নামি বাংলাৰ কৰি কৰিছিল কৰ

ভারতভাবদীপ:

পুকাং ভাষণনাম আয়ে সম্ভাই পেতিক্রে। পার্থাতে, উপগ্রত্তুন সভিতি সমিষ্ট ভূত পদান নাজাহাম্টিলাজাকৈ ম ভাষামিজাভিতি ।১৫॥ ১জালের জালীয় উপায়ত ১৫কুল ভা জিলা ১৮৯।

নজন ব্যু ইউয়া নহানকংক বিহাহেন, বৃহক্ষতি আবশ্নকায় ইডিয়াছেন, আব শনি ন্যানক্ষক সাক্ষণ ক্রিয় পিছা দিয়েছেন ⊭েগা

শুকু পূর্বনোজ্পদন্ত যোৱেছণ করিয়া দিপ্তি পাইতেছেন এবা ডিমি উত্তরভাজপ্তন্তক্রে মাইয়া ক্রবপ্তারের সহিত মিলিভ ইইয়া সংক্রে দেখিতে-ছেন্টানে

বাত্ধ্যযুক্ত অধিক্ষায় প্ৰজ্ঞিত হইয়া উল্টেখণত তেওবী নক্ষ ভোষাকে আফুনণ ক'বয়া বহিষ্ণহৈ ১১৬৮

(1) अस श्रम्भाति पारम् र सि। G17257



বার কুলিকা ক্রা, চি শারণা পাবিকার্শ।
বার্থি করি সংগ্রাকি বিবারি বার করি আনিলা
সর্গরার পুলিবি শারণা দিনা
প্রেশাস সর্গরার করি শারণাশ শারণা দিনা
ভার না স্বাধার করি স্থানি বারণার করি বারণার
বারণার করি স্থানি বারণার বারণার

ভाরতকোম্দী

for the section became and a section of a section of a section of the section of

ভাৰতভাৰদীপ:

ই আল ক্ৰানজৰ ভাষ্ট্ৰভাৱে সাম লাক ভ আৰু গছৰ কুছু চিত্ৰ, ভ আ ক্ৰিনজাতৰ মান্ত আৰু বেশ্চিশিনজয়াক গৰ চন্দু ভ পুলাক পীড়ন কৰি-কেইছে ব্যাপ

হার অভিন্ত সাম উদ্দেশ মাজসাধার বাব করে করে করে করিয় ক্রীমানা সামায়ে ব্রাপার ভার র পা মারাবি ও আবশানামারের সাইয়ে ভারত্যার করেয়ার্ড ৮১৮০

পুপরী সনস্পর্কে জালুত চর্ম লক্ষণ জনী হর্টলুছেন বুটে, কিন্তু বর্চ মধ্যেই পাঁচটা শিখা এবা অনুনক লাজুবেট শান্ত শিখা ভর্মান্ত ১১৯৪

٩

নিত্ৰিক বিচিম্নির লেখা যা মধ্যালি ক্লিয়া ক্লেম্।
বিজ্ঞা পালাগ্য ন স্থানি সংহালা সম্পত্তিম্ মহলা
আনি বন থকা ভাষা ন স্থানিম্মিক জ চ।
ক্রিটানা সকলোক ভবিত্যি মহলেম্য মহলা
কুনিরা কোলি গ্রেছা সকলো ডুপ্সমহাকুলা।
কুনিনা বৈশ্যে বাজন্য পাল্যাহ সহভাষা ।
কুনিনা বৈশ্যে বাজন্য পাল্যাহ সহভাষা ।
আন্তিরা কাল্যান্ত বা হর্তি মুক্তিজাং।
আন্তিরা সন্তর্গ ক্রিটানা মহল্যা মহল্যা মহলা
ক্রিলালিক বন, ক্লিয়া ম্বিশ্যা
বিশ্বিক স্থানিক বন, ক্লিয়া মুক্তিরা হিল্পা
বালাবিক স্থানিক বন, ক্লিয়া মুক্তিরা হিল্পা

सारकरको पूरी

শাগান ই বা তে বাহুবি গুলুন প্রতি পর্যালন্ত্র বালি করে।

নিলেক্টিটি মান্ত লৈ লাগালুক করিছা লগত নাল্যালন্ত্র করিছা লাগ্যালন্ত্র করিছালি করিছালি করিছালি করিছালি করিছালিক ক

ভারতভাবদীপ:

এট এগাট ট মাচাদের অধীন, সংকোষ অধান , স্টাগো সকল বংগের টোষ্ণার পারে বচে (বাং) ইউটে বস্তু নি,সাত্র করিট্ডট্ড ১০০৪

আসা, জলা, কৰচ ও সংগ্ৰহণী হাৰৰ আ পুৰণ দি শিলু আৰু পি পাইসভিছে, সংখ্যা মহামানী ই ভাইগৰ ৮২১৮

ভব্যন্তন বাজ । পাওণগণের সাহাত কৌববগণের যুগত পুথিবীকে বাজ্ব পোটাব'হবে এব ভাঙাতে ধ্বজন্ত লাভইবে ভেলা ১১৭।

উজ্জোগ্য পাতৃপালগ্ৰ ক এয়গ্ৰের জীবননাশক মহাভায়র সভন কবিছে আকিয়া সকল দিকেই বৰ ক্ষিয়া বেড়াইতেছে ১২৪০

্বের। বাজা নদাত বছরে লোলিকা ছক্ষান বছ—লি, একলকাবিচরবাং বসুদাং বেচরা নিকা, বাজা ব্যাস সংকোলোকিছে ছক্ষাবিচ। নিঃ শক্তি হৈব ব্যক্তেন্দ । প্রস্থানিক প্রতি। সপ্রীলগ্রেরবাল স্থাবচ্ছাল্ডে প্রতি ॥২৬॥ মুব্যুম্বল্ডিয়ের ৮ ছেই প্রতিবিদ্ধানী। বিশ্বালা, সহজেয়ের বৃহত্তি ইন্স্ট্রের ॥২৭॥

ভারতকৌ মূদী

रकर र प्राप्त प्रतिकृत इति से तिस्स् चर

प्रकार के क्षा प्रकार के स्वार्थ के स्वार्थ

ভারতভাবদীপ:

তকপক, একন্মন ও তক্ষৰ তক্ষকৰে পক্ষা কুৰু কইয় রাতিছে আকাশে বি ৰণ কৰিছে পশ্বৰণ কক্ষৰ কৰ্মক গোন ভ্যত্য ৰক কৰিছেছে ॥১৫॥

রভের্তার বর্জনাল সমায় সম্ভূ অসুট যেন অলিবেশ্ছে এব বিশালে,

কু ই সংক্ষণণৰ প্ৰভাগ যেন অন্ন নক্ষরের প্রয়ে আকৃত হওঁতেইছে ॥১৬॥।

বৃহত্য ২ এল নাএই তুইটা ইজিল হাতই এক এক ধালিতে এক এক বংসাকর অনানকাজস্থা ইইয়াও বতনানে বিশাধ্যক্তের নিকটে আসিয়া রহিয়াছে (ইকা ছাঃবাং ॥১৭॥

ন । বাব সাচ্চৰ কাজনের প্রক্তির সংখ্যালার লগে স্থাবজ্বে হৈ কাজ্বি । এই ব্যালান সংখ্যালার লগে স্থাবজ্বি । এই ব্যালান সংখ্যালার হি

हन्सानिहान्द्रभी श्रष्टाद्वत्यकः वि श्रद्धानित्तेष् । व्यवदेश देश प्रकार अव्यक्षित्र व्यवद्धः ॥ १५॥ श्रात् (च्टा प्रितः भदः अवस्त्र स्थाप्त द्वः ॥ १५॥ विद्याप्त को सान्द्र आहि वर्षात्र द्वारा वृत्या । द्वित्राप्त । इत्यक्षित्र स्थाप्त व्यवद्धः । द्वित्राप्त विष्णा साम्यक्ष व्यवद्धः । द्वित्राप्त विषणा साम्यक्ष अवस्त्र ।

खातजरको भूको

চুক্তি এ দুখন নিকেণ্ডত জ হৈ প্ৰেন্ধ সিবিস্ক হ'ব দশ হ'ব। দশ হ'ব। ব ব ব প্ৰিকুষ্ট হাজ এই ব পৰ ক পূৰ্ম দ্বৰ কাৰ্ম নিকিন্ধ হ'ব প্ৰেষ্টেশ হ'ব হ'ব। ব ব ব ব ব ব প্ৰাপ্তি । ব এক দেশ ব ব কাৰ্ম কাৰ্ম কৰিব হ'ব।

व्याच कर होता मुललहरू एन जिल्लाहरू मुक्तपुर विभाग नद १० ।

কুত্ৰ বিনিঃ হপুৰ পাছৰ কাজু প্ৰহ কটু, মানৰ পুৰবুল, ব পাছ নামু কপুৰ অন্যান্ধৰপৰ লোক প্ৰায় ব কৰা হ'ল কাজুৰ কাজিব পা নাক'ৰ হ প্ৰেয় নকাৰ ব বজাৰ অভাপত আৰু প্ৰায় বুলাৰ প্ৰস্তান জিলাৰ সাধান নামিক ব' ইতিনান কৰা কোজুৰ কুলাই বহু বিজ্ঞান। ইনানাৰ জ্ঞান্তৰ বুলাই বাকে সন্মান্ধ কুছিছে। স্ট্ৰাংশ্যেই লোকা লগতে

ভাহতভাবদীপ:

ইনি ইন্ত্রিকা প্রাথম এবং চক সাম বিছি ম্নাজনিপাই দল পর্যাশত হিন্তু ক্রিকার মান্ত্রিকা হা কেনা চক সাম বিছি ম্নাজনিকার সাধ্যাপ্রাথমিক ইন্সালিকার সাম্বালিকার বিশ্বাল করে। বিশ্বাল করে করে বিশ্বাল করে ব

চন্দ্র ও সুধা এই ভূটটা প্রচই একদিনে এক মুখোদনী একাত বঙাই বঙাই হ হইয়াছে। স্থানা ইচাবং পুনিনা ও অনাবজা ভিন্ন অসুনিখিছে গ্রন্থ ইট্যা লোককষ্ট কমেন কবিহেছে ১৮৮৪

সকল দিকেই শুলিবহন তুইনত থাকায় সকল দিক্ট বিনীঃ চ্টয়াছে এব ভয়ত্ত বিপোতিক মেহ সকল বাহিতে বকু বহন স্বিতেহে ১২৯॥

(२०) भ्रतक्ष्य, द दद नि संभू, इ ५०० में ५० प्रेष्ट द, बत नि



ক্রনিক্স ব'ল বাস্ত্রে ধূমকে সুম্বস্থিত। বিষয়ণ বলাত্ন, ত আ ক্রন্তর্নীর মহৎ ॥ ৩১॥ বিষয় পাঠের সংবাস নকাত্রের বিশ্বপথতে । । বুলা সংগ্রাকে ভীক্রণ ক্রন্ত্রিক্সন্তর্ন ॥ ৩২॥

লারদোক মুদী

স্থাক নি শুন চৰ্ম কাশ কিল স্থাক কামস্থিত কৰে কৰে ক্ৰাই আনহা, আৰু আৰু আৰু ক্ৰাই কৰিছে কৰিছে প্ৰায় কৰিছে আনহাত প্ৰায় কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছে আনহাত প্ৰায় কৰিছে ক

ভারতভাবদীপঃ

কের ও টাতল সন্কর লোকজ্য স্থন। কবিছে থাকিয়া যথাক্রমে তীক্ষ নক্ষা কবিকাকে পিছন কবিয়া কবিকানকরে ও অবিনীনকরে আসিয়া বহিষ্যাতে ॥১০॥

নামু ব'ব বার ধ্যকেত্র দিলে বভিত চইকেছে। প্তরা এই বাসু অভি-ভয়ত্ব রোদনের প্রনা কবিজেভ ॥৩১॥

्नर वृष्ट सम्मानगढ नेक्स दान

চতুর্নীং প্রদৰীং কলাচিলপি যোচশীন্। ইমায়ে নাভিজানামি ভূতপূর্বাং ত্রোদশীন্॥০০৮

<u>अधिकत्काभृती</u>

ভারতভাবদীপ:

क्रिक्तिन्तिन्ति मृथ्यित स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापति

নর্মণে। বৃধ্যার গুরুত্ব ভয়ের ক্রনা করিছে গাকিয়া প্রহার্থী, পুরবায়াটা ও পুরভারপদন করে যার যার সকার করিতেশ্য ॥ ।

প্রায়ই পানর ডিখিতে, একটা ডিখিব কার হইলে চর্কশ ডিগ্রে এবং একটা ডিখি বৃদ্ধি পাইলে যোড়শ ডি ছাতে একট এবং ১ইটা খাকে ইছাই জানি, কিন্তু এক ব্রয়োগশীতেই যে চন্দ্র ও সূর্যা উভয়েবই হবেন পূরের ইইয়াছে ইছা জানি না একা

(७०) प्रत्नेश क (वाक्नीयू-न्या व वा 'स. हेमाच साहिक प्रत्येष्ट वर्षा अध्यक्षीयू-न्य इ.,- ब्राडिकासाम समावकार भटामधेम् -सि ।



চন্দ্ৰী হ ছাৰেক হন তি না নশান হাপাইনি গ্ৰেণাৰে পিজাই সাকাপ বিশা ॥ ১১॥ হা সংখ্যা প্ৰত্যাৰ্থনি হাস্চেচ্চালী । লোগী নৱ জুসম্পূল অভুও ভাই বাজ্যাং, তথা। পাত্ৰীৰ বিলালী নজা সাহিদ্যালী নাম নিশান নিশান দেনাবিশালী কুপাশ্চ নজান্তি হালন উব্যাহ্যা

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীপ:

এক নৰ্ন আনাৰ এক ত্ৰেনিশীভিনিত্য চন্দ্ৰ ও পুৰ্বা এই ছত্ত হুত্তই আড়-আজু ইউমাজন স্থান্ত প্ৰিমা ও অমানেতা ভিন্ন অনু ভাষেত্ত এইণ্ ইংমাৰ এ চন্দ্ৰ প্ৰথাই লোককল্ কবিবেন লগ্ডা

জাৰ ব গৰ ক্লাপ্তেৰ চতুক্ৰীয়ে ক্কেছৰ মা সৰ্তী চইয়া ছল। স্তৰাং সেই সুদ্ধে বা ক্ষেত্ৰ কুছাৱা মুখ পূৰ্ব কৰিয়াও চুলু চইয়ে ন, ৪০০৪

নদান্ত লর স্থোত প্রতিকৃত্তান্ত ৪ লাড্ডে এব সেগুলির ওল রক্তবর্ণ ইইয়াছে, আর কুপথালি ফেন উদ্গাল করিছে পাকিয়া সূবের লায় স্কুন করিছেডে এবন

द्र इद्रेशक देशक्षेत्रम् कि. द्रेशको द्राप्तिम् कर अव्यक्षिका कि. द्रेश द्रिक्ष द्रिक्ष कर्म क्षेत्रिकृष्टा देश— वा व क्षेत्रि প্রস্তারের সনিবারির শ্রাশ্রিস্মপ্রার্থ।
মহা তৈব নিশাং শৃষ্ট্রেন্ডং সম্বাক্ষাও ॥ হও॥
বিনিংস্থ হা মহে ক্রাভিত্তির স্থারের স্থারে দিশ্য।
সেবের গ্রেম্পতির ভূতর ভোজে মহলিছিঃ।
ভূমিকালসহ প্রাণ্ড ভূমির কাজতি কেবিলা। হল।
কৈলাসমন্দরণারে ভংগ হিম্পত্রে বিহর।
সহল্যে মহাক্ষা কর্ম প্রতি বিহর বিহর।
মহ ভূরা ভূনিকালে চহারর সাধ্যার প্রস্থা।

छाउउदको यूपी

८वलामु६ ठरछी व ,का भग्रेखा वसकाराम् ॥४०॥

ভারভভারদীপ:

क्षेत्रिक्षितात्र क्ष्रिक्ष देशक १८७० जनद्व यसी भगत्यु (१६) १ र क स्थापन स्वा सम्बद्धिक्षाल्यः नार्धात्रीत क्ष्रा पृत्य क्रमा हा ४००० यह समा रेज्युत हार स्था भहापूर तुत्र हृता पह्नकृत्व देशक्ष्म स्वद्रागमात क्षात्रः अस्य स्थान फारुक्य हारकार्य

ইংশ্রেক বড়েক জুলা পাঞাশালো ও নগ বড়ুকু ইড সকল পণ্ডিত ইইন্ডেছে। অঙ্কেব অভি বা'ব্রভাতেই ডেনেরা ছুনী, তর্ফল লাভ কবিকে ৮৭॥

বিশালে উক্ষা সকল আ কৰে তেউড়ে নিবিত তেউয়া সকল গৈকেব অঞ্চলত নাই ক্ৰিড়েছিল। এখন মহখিবা প্ৰস্প্ৰ প্ৰস্প্ৰেৰ নিকট খাইফ, ব লয়াড়েন যে, "পু থাৰা সহত সহজ্বভোৰ বক্ত পান ক্ৰিড়েন" গ'লা

কিলাস, মন্দর ও হিনাসম্প্রতি প্রভের সহস্ত সহস্ত স্থান্তালালে ভয় হুট্যা প্রভিত হুট্ডেছে ॥১৯॥

ভূমিকশ্পের সময়ে চারিট সমুক্তর ও ত তইয় পু'ধবীশক সকালেত করিয়। পুথকু পুথকু ভাগেই বেন ভারভূমি অভিক্রম করিছেছে ৪৭০।

তেও, বুলাম্পতে জতন চলা—পি তেল বিনালিত মতে ব টি প্রিট্রত ইক্সাম্যক্ষেত্রতার হব, হিম্বতে, বিজ্ঞোধন বা ব বা বিজ



বুলালুম্নর কাস্ত্রে ব বাং শক্ষর বিশ্ব।

আন্তর্গা ক্ষর বাং বিষয় নাইছিল গাল্ড গাল্ড

कादश्रको मुनी

निष्य । विषय विषय विषय विषय । श्रीका विषय । विषय । विषय विषय । विषय । विषय विषय । विषय विषय । विषय

ভারতভাবদীপ:

ক্রণেক্ষণক বা ভয়মধ ক'লু সকল বুজসমূহকে মালোচিত করিয়া বৃতিত চুইবেছে এব অব্যায় ও বঙ্গের মাঘাণ্ড বুজ সকল ওয় চুইবেছে ৮৭১॥

বাজ । থানে ও নগাৰে কুজ ও যাজগুর সকল পাছিয়া ফাইছেছে, রাজালোনা আড্ডি পিলে পৰ আয় ভারত শাল ক বহা নীল, বস্তু ও পাঁতবৰ্ণ হ্রতেছে এব ভারত শিশা কম বর্লি চ লংকছে ও ফুলিক বাছিল হুল্কেছে। আনে স্পর্ল, গান্ধ ভারস বিশ্বতি এইছা পিয়াছে ৮৮২—৮১।

ধ্যত ল বার বার কশিশত হর্ষয়া ব্যোদগার করিছেছে এবং দেরী ও চক্ অভারব্য কর্তেছে গ্রাধ

কাৰসমূহ সমূত অনুচলিকাৰ উপায়ে সকল্পিকে ব্যায়গুলে ব্সিয়, ভয়ুক্র রব কবিসেছে ১৮৪৮

155, মুক্তাছারব্রাবি লি।

भविभित्ति है सम्भा नायाण्य ग्रामिति ।

निभागत्ति स्वकाद्ध व कर्या भृतिके कि हाम् ॥८५॥

भागतः श्रिक्ष सम्भ वास्ताः द्वाल्य ।

निभागतः श्रिक्ष सम्भ वास्ताः स्वला स्वाः ॥८५॥

कर्मात्र क्रिक्ष कर्याम् भृतिके सम्भ ।

त्याक क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्राम् ।

त्याक क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष म्याः ॥८५॥

कर्म क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष ।

स्वा क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष ।

स्वा क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष ।

स्वा क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष वा ॥८५॥

स्वा क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष वा ॥८५॥

देवनम्मात्रन हेवाह ।

পিতৃপটো নিশ্মৈতক্ৰৱাবস্থাত এইছিলন্। দিন্ট্যেত্হ পুৰা মত্তে ভবিষ্যতি নৰ্কাং ॥৫০॥

ভারতকৌমুলী

ব্ভারর পানী অনবধ্য 'পাঞ্চা পাক' এইকপ গুরুত্ব রব কবিছেছে এব ভারারা ঘাইয়া রাজাদের সায়ের জন্ম ইংগাদের ধ্বাস্থ উপাধে বসিলোচ ১৯৬১

৪৪ হতী সকল নয়ন মুদিত কৰিছা বিদ, ও মূত্র ভাগে কৰিছে গাওিয়া ফুলিপ্তে চউড়েছে, সম্প্র আবট বিষয় ভট্যাছে এব অভাল চড়া বাইয়া ভলে ময় হউয়াছে ।৪৭৪

ताप्राप्तित स्व (मत स्वा) এই स्व (७१६, फिना ६ व्याप्तिक दिविद कुलक्षिते व्यानवृक्ष क्षेत्रस्य ॥६৮॥

ভরতন্দ্র। ভূমি এই সমক শুনিয়া এখনই কালোচিত কালা করিবার চেঠা করা, মাচাতে এই লোকশুলি একেবারে উদ্ভেদ ন পায় এখন।

हेन्याल्यास्य क्रिट्लम मृष्टवाहे, थिए दिल्लाइमर এই मकल क्य छनिस

(৪৮) মহারোধ, শিব ব রা নাজি। ১৯৯) আবাং প্রস্থারসহাধি, পি (৫-) •ভবিছতি ন কলেল—শিঃ

¢

ক্ষেত্ৰিক বিন্তুৰি যদি ব্ধ, নি সংস্তৃধ । বীৰ্ত্ৰিক সন্দান সুখা প্ৰিস্থিতি তাৰ নামা আ ইছাক নাম পাৰে কোত্ৰ দামায় লা মহাত্ৰিম্ব ধু কানাৰু প্ৰসাল, মুখু প্ৰাণা ক্ৰিন্যু মহাহত্ৰে এবং।

বৈশপ্যায়ন উবাচ।

াল ব্নিস্তাং সুক্তাং কথাতের বাজসভ্য। বুংলার্থ্য পুরুত্য সামেন্থ্য এই প্রস্থার আ সাম্ভার এই সামে পুনের্থ্য এই ক্ষিতঃ। অসাল এই ত্রিকু । জ্লাং সংক্রিট্ড জেপ্র আসাল

ভারতকোম্দী

का हार पर श्वास का प्रमाण है। देश देश पर्याम् १८६ हेर्द्वाह (केल ट्वाहक) महत्त्वहत्व सहत्वहत्व । । ।

क्षा १ १ ६ ५००६ ४०५% युव्य १०० ६०<mark>० १४ । अस्त्रीय</mark> स्टब

ভারতভাবদীপ:

त्वस्ता विश्व प्रतिशास मान्य १९५५ च व्यक्तिय मान्य १६६० मान्य । र प्राचन के से किन्य प्रतिश्व प्रतिश्व प्रतिश्व के स्वार्थ के स्वर

কা এথখোল ল ল এখাল্যা সাভাল বে মৃথক, নিহত কন, তেবে ওতি।বং, বার-লোগক মংসম নিকৰ ভুলা ভূপ ১৮৮৮ কা সংক্রম ৮৭১॥

পুরুষা সংগ্রের এবং (১৯) প্রান্ত (রে কার্যু) ইত্রের্কি কার্যুর এব পর্যুল্যুক মহাসুধ সংগ্রেক রোজ ৮০০০

বিশ্বপারনার লালেনা র জাশস্তে। পুরু ধূমবার এইরপে বলিংলা, করিং শ্রু বেদবানে ভারে ই হনক বিহা কলা বলিয়া বিশেষকংশে ধানে করিলেন ॥৭৩॥

্ৰদ্বং(সা.সট ভাগে কিতৃকাল ধানে কার্য পুন্রায় এই কথা ব্লিল্লন --'বাছাশ্রেণ নিশ্চয়ৰ কাল ভাগং সাহার করে ১২১॥

(৩) লাজনা কংগাছ ধ হ বা নি (১) মহা তাৰ্য বি । (৫০) এক ব্নিকাছের ক কাম হা নি ৫০ কলা সাক্ষিত্ত ভাল্য নালি। স্করের চ পুনরে কান্ নের বিজ্ঞতি লাখণ্য।
ফালালাল বৈ কুক্লাফা সফল্লিজনলাল তথা এববা।
স্থাল দশ্য প্রান্ত সমূহে, আসি বার্ণে।
জুলা জ্ঞতিবলা প্রাক্তির মনাপ্রিয়ম্ রেডের ।বুলাক্স্)
কালোলাল পুরুক্তেল এব জালোলা বিশাপেতে।।
ন বব, পুতারেত বেলে হিতা নৈব ক্লক্ষন এবালা
ক্লাহে স এনা সংক্রাক্তির ক্লিক্সা সনালন্য।
কালোলাল্পেলাজানি শক্ষা সতি ম্বাপেনি এবালা
ক্লজ্ঞতিবলালায় তব্যব চ মহাজিতান্।
কাল্ডা বালাক্রেণ তব জালোলাক্তি । ।

सावकदकोन्यो

ক্ষেত্ৰ কা ইং কিন্দি স্থাপাৰ্থ চিবৰাং , ন বিজ্ঞিন বিশাহে স্থাপন্ধ হৈ শুধাৰ্য কাৰ নিজ্ঞান কাৰ্যা হা জাপিবৰ মাজুকৰ নিজ — ৰ না কাল ইং কাৰ্যাৰ কিন্তুল, নাশ্ৰাহত মি হিংলাং সাম স্থানি ইপি লগত নাৰ্থ ক্যা কিপিছে হা সন্ধান কুলবৰা ক্ষা , সাকুলবাৰ আৰ এন সংহকাষ হাৰ সংশ্ৰেষ, ভাৱে শ্ৰেষ্ট্ৰ সংশ্ৰেষ কাৰ্যাৰ ইয়ান সমুহপ্ৰশাস্থা হাছে।

ভারতভাবদীপঃ

भिष्म, क्रमा भवार प्रवास्त्राच्या स्वास्त्र स्वास्ति । ११० विद्या स्वास देव स्वास स्

বাছে । এই কংগই তেখোর পুএকপে ছাল্মগ্রে । বিদে হি সার প্রসা করেন। করেন, হি সা কোন প্রকারেই হি চ কার ন ॥৫৭॥

যে লোক সনাধন কুলধ্য নই কৰে, ভাষাকে সেই কুল্ধগাই নই কৰে। বাজা। তুনি কালের প্রভাবেই বিপদেব কালে সম্পদ্ধ বিপ্থেই চলিখাছ ॥१৮৯ নবনাথ। এই বন্ধ ও বাজ্যাবের বিনামের জকাই রাজ্যকপে ভোনার অন্থ ক্রিয়াছিল ॥१৯॥

(৫৮) - সুলধ্যা বিকাশ তত্ত্বাৰ বা নি

1

धुडवाडे डेवाड।

হল্য নকৰে। কৰি নাগৰ নক্ষা ল'কালাকে বিশিল্পী ুম মধাপম্। আন্ত তি লাম্ছা নাজৰি । পাক্ষা মাকাপি লোকা হাক্ষেৰ বিজ্ঞান্ত আ

ভারতকৌসুদী

कृत्रकृष्टि । अन्तर्या निषय सञ्ज

भू प्रति । पा द त्य स्थाप मा भ विश्वत भाषाम् ।। इत र र प्रथम ए द स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप प्रश्न प्रथम इत र र प्रथम प्रथम स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप प्रश्न प्रथम स्थाप र प्रथम स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप

ভারতভারমীপ:

নেদ— বাংসা পারণ হ'ল না ব্যক্তির হাজা ক্রডীড়ি সহস্ক ব্যবস্থা আন্তর্ম নাল্য নাল লাভ বাংসাধিতিলালো পার্ধা ছেলাক ব্যবহা কমি প্রায়শ্য

তুর্ব র,ও া ান ব করা একেকারেই লোপে পাইছে বলিয়াছে আছ-এব পুর্গণকে সধা সেখাও হোমার রাজ্য দিয়া কি কইকে, যাচাছে তুমি পাশী ক্ইডেছ ।৬০।

ুমি যশ, ক'ব ও ধথা রাজ কৰিয়া পাঠালাভ কৰিবে। সভাএৰ পাণ্ডাৰের। রাজা লোভ ককক, আৰি ,ক'বংবিংশ পাৰে হুটক ॥৪১॥

্ৰেদ্যাস এইকপ্ৰলিভে লাগিলে, বাকাৰিং অফিকানকন সূত্ৰাই উহোৱ বাকো ৰাধ দিয়া পুনধায় এই বাকা ব'লেলেন ৫৭০#

পুতরার বলিংশন-- পতে,। অংশনি বেমন মসল ও অনুসলের বিষয় ভানেন, আমিও কেন্দ্রী সে কিম্ম জানি একা সম্পদ্ ও বিপ্তের বিষয়ও আমার যথাপকপেট জান আছে। কিন্তু মানুষ আহেঁ মুখ্ন চট্যা থাকে। সুতরা আনাকেও মানুষ বলিংলাই জানুন ১৮%

াজন হীৰ পৰমু বৈৰণপালন টকাছ নি । ২০ একাজকতি কাৰ্ব নি, প্ৰাৰজ্ঞ মাধ্যমূলনাৰি। (২০)ল-স্থাৰেটালিল্যাৰ কানি। প্ৰদাদকে হামজুলপ্তাৰ। হ'বে গতিল শ্বিতাচ বীৰ ! ! ম চাপি তে সম্পান মহৰে। ম চ'ৰকা কত্ৰহা মতিৰোঁ ॥৬৪॥ হেংহি ৰকাপ্ৰসৃতিৰ্চ যশঃ কীতিশ্চ ভাৰতা।

হিং হি ৰক্ষপ্ৰসূত্ৰিক যশং কাভেশ্চ ভাৰতা। কুকাণাং পাভৰানাঞ্জাভান্ত পি পিৰামহ: ॥১৫॥

ব্যাস উবাচ।

বৈচিত্রবিহাঁ। নুপতে। মতে সন্দিবউতে। অভিবংশ মধাকাস তেত্তি তব সংখ্যম ॥৬৬॥

ध्रवदाहे खेबात ।

মানি লিজানি লংগায়ে ভবার বিজ্ঞায়তান্। তানি স্বাণি ভগ্রন্ । ্শাছুমিছে,মি ভর্তঃ ॥৬৭॥

वाान छेवाछ।

প্রসায় লা: পাণক উদ্ধ্যমিঃ প্রদায়েলাব ইনিয়েগা বিধ্যঃ। পুনায় গলানচাত্ হীনাং প্রবান্তি জ্যাতৈ সম্বান্তনা রূপমাতঃ ॥৬৮॥

छात्रवटको युगी

ক্ষেত্ৰ না আৰু কয়, দশ্ভিত সংগ্ৰহণ , তামংগ্ৰহণ (গ্ৰহণ ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্

সম্পূর্ব চ বৈচিত ক্লাজন ব্যাসন্থ জাতি ১৯ বা আ আপানক্র সং মানগ্র ৮ বিজ্ঞান প্রস্তুক চিজ্ঞান বিজ্ঞাক গণ বিজ্ঞাল নাম ১৯৭৮

কে অতুকানীয়প্রভাব। ভানিজেদ। মহবি। আনি আপনাকে প্রসন্ন করিছেছি, আপনি আনাদের গতি এব উপদেয়া। সেপুরেরাও আমার বলীভূত মহে, আধার আমার বৃদ্ধিও অংশা করিবার যোগা নহে ৪৮৪৪

আপুনি ভর্তৰ শীয়গণের ধ্যাপ্রতি, যশ ও ক'বিঁব কাবৰ এব আপুনিট শাইরাষ্ট্রণৰ ও পাত্রবাবের মনেনীয় পিশামহ' ০৬৭০

বেদবলেস বলিলেন বিচিত্রীয়ান-গন রাজ। ভোমার মনে যালা আছে, উচ্চাতুসারে ভাত বল ; আমি ভোমার সাল্য দূব কারব ১৮৬০

ধুত্র।টু বলিলেন-- 'ভগদন । যুদ্ধে ভয়লাতের যেওল পৃথলকণ, সেই সকল লক্ষণ আমি মধামগ্রপে ভনিতে উচ্চা কবি'।১৭।

(১৪, আরুলপ্রধ্য কর একা কিছে ছবি —ব বর নি, নিচাপিতে বলগা মেকারণিত—নি ২৫) আহি ধর্ম লাক্ষ্ম মল, কার্মি ছবিং নি। ১৯১৪ বৈচিত্রনীয় লাক্ষেত্র পি, ভত্ত লাক্ষ্—নি। গন্ধীৰ গোষাৰ চন্দ্ৰ সংশাহিত পাছ সুন্দ্ৰ বিভাগৰ বিশ্ব বিশ্ব কৰি বিশ্ব বিশ্ব কৰি বিশ্ব

कावक्रको भूषो

ল জিয়াৰ তৃত্বিকাজ ° সম চলতু(বছ ভিলুক কৰ্∥৭২।

स्थाद"र प्रति विकास को लिए एक प्रति के का व्यवस्था के का का का का का का का का का

त है के रुष्या तार प्रकास रुष्य प्रदेश है जातात है सुत स्वर्थ, क्ष्मित स्वर्थ, क्ष्मित स्वर्थ, क्ष्मित स्वर्थ, क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित स्वर्थ, क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्ष्मित क्षमित क्षमि

कार के का प्रकार अनुकारक का का नामि किया कर कर कर

ভারতভাবদীপ:

নিক্ষা । ইতু ই না ব্য পাছতে নাম বাংলাকে ওঞ্জে ছবালি

সদ্ধানে কলাজন ্রাম কবিবার সমার অভিবাতিশ্বিদ্ধানী কিবল, দাকাববিদি শিশা, স্মহীন্ত বাহ আভ্তিব পরিত্তাক বুট গুলিকে মহিটির দাবী জ্যাব লাজন ব্জন ৪৮৮॥

শাস্ত্র গার্টার শব্দ, মুদক্ষের বিশাল ধর নাত্রর চন্দ্র ও সূপোর নিশাল কির্নু, এই প্রশাস্ত্রেও নহয়িবা ভাষী ভয়ের লক্ষণ ব্লেন্ড সংক্র

যানাৰ সন্ধা ক'কেব নৰ্ভতৰ এক হ'চ বা পুছ চৰকৈ নিৰ্ভি চইয়াছে কিবা যি ব ক বংকছে, ভাজাৰের পিছান যাজাবা গালেন, ভাজাৰ ক্ষেত্ৰ হৈছে। ছিবা কৰে, আৰু কাজাৰা সংস্থানাকৈ, কি জাৰা যাজাত নিৰ্ভি কৰে, এইগুলিও ভাত্ৰে কাজাৰ শাণানা

র'আগেরা বলেন যে কার্যে সময়ে সকুন, রাজ্য স্ব, ক্রে ক্র ও কুড়-লিয়া পক্ষী মধ্য বৰ করে একা স্কিশ্দিকে ভাকে, সেই মাত্রায় নি-চয়ই যুক্ত কর হর 1958

(৭২) হেবিট্ডবালনাম্ লি :

কটো বাচত্তবা সভা গোধানা বত্ত ভাৰত।
ন প্ৰায়তি ক্ষাণ্ডৰ তে তৰ্তি র্ণোদ্ধিন্ ॥৭ থা
ইটা বাচঃ প্ৰতিক্তি দক্ষিণাঃ প্ৰিকিছঃ।
প্ৰচাহ সন্ধাৰমভ্যুহ্মতো চ প্ৰিকিছঃ ॥৭৪॥
ক্ষান্তব্যুহ্মতো চ প্ৰায়েশিকাঃ ॥৭৪॥
ক্ষান্তব্যুহ্মতা ক্ষাভ্যুহ্মতা ।
সদা হৰ্ণিচ যোধানা ক্ষাভ্যুহ্ম লক্ষ্যু ॥৭৫॥

ভারতকোমুদী

ଅଟ୍ୟାନିସ୍ଟିଞ୍ଜ ୧୯୪୪ଟର ଓ ଅଟି-୧୭୭୯ର ବର୍ଷ ଓ ୨୯ଟି ଅଟେ ଅଟିନ, ଅଧିକାଞ୍ଜିଆ ଆଧାର ପ୍ରାତିୟାରୀ ଓ ଜନ୍ମିକା ଅନ୍ତର ହେଲା ବର୍ଷ ଅଟେ ଓଡ଼ ୧୯୫ ୧୯୬।

क्ष होता कर प्याप महरू विकल देवन देख देखा निर्माण । १५०

হত ইবি। বিশংলাসিকা কাবইজা নালজ, ইতা হড় জিন্তি নিজ্পতি বাৰাংনি, প্ৰিবিকাশ বিশাল্টিসভা ভাৰত নিজ্ঞান বৈতি কলি বিশাল বিশাল বিশাল বিটি, শশ্বাং উন্সভিজ্ঞান বাভ ইবি শেষ্, কল্লেড প্ৰিবেচিক বিভিন্ন আনি জিন্তু সংখ্যাব্যক্তি নিজ্ঞান অভ্যানি এপন।

बारकति । अधिकृताः शाकाशिकाः । द्रांशानाः देशक व स । १६।

ভারতভাবদীপ:

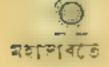
সিকিপ্তক উদ্ধা ্য প্ৰায় অধ্যানসাজ অনুনা নিবেনভাটান চান বকা প্ৰতিষ্ঠা প্ৰীয়ক্তি হ পৰ উল মৃতিতে মাৰিত ই এ স্থিনা সাকান্তঃ অন্তঃস্থান্ত্ৰাক্ত স্থান্তলৈ প্ৰচেষ্ট প্ৰায়েশ্ব কৰোম্ব স্থানি দ্বিষ্ঠি। ব্ৰুচাৰ প্ৰতিয়েশিক মৃত্যু মাৰ্ক্তীত কৰা কাল্যক্ত আৰু ন্ধান্তৰ স্থানিকাৰ

ভালাথার, বশা ও ধার্ডির লাক কি ব আশোর হেমারব যে যাতার আগতিমধুর তম্ব ব বাত দের সৈধা তেজো বলিয়া ওল্পেকা চয়, তি,চারা সেই যারাভ শাক্রনিগারে ভায় করিতে পারেন ১৭১৮

চৰতন্তন ! মাজ্যদৰ প্ৰে স্কুগ্ৰের আনক্ষ্মুক্ত বাব্য ও আধ্বেশায় চলিত্ত আকে এব আলা মান হয়ন, উচ্চারাই যুদ্দম্য হউতে উঠিপ হন।৭০॥

বিপক্ষিক্ষাধা প্রতিষ্ঠ নিজ বৈশ্বস্থানৰ 'জ্যাত কবিলাম' এইরপ অনীষ্ট হারু, বিপক্ষিক্ষাধ্যা প্রবেশ করিবার ইচ্ছাকারী আপন সৈক্ষাধ্যের 'জয় জ ক রবচ' ইড়াকোর উপার বাকা, পিছনের দিকে উৎসাহস্চক বাকা এবং সংখ্যের দিকে বিপক্ষের প্রতি নিষেধ্যকো এই শুলি ভায়ের ক্ষাণ এ৭৪॥

্বর) অত্র প্রবাদে বংগদ বংগদ বংগদিশে ক্রিকিজ্ঞান। প্রথম সভাব্যস্থান প্রকাশ প্রতিষ্ঠেতি হ' ইতি নি পাঠিছ।



অনুগণ বাহবে বান্তি নগজেশি বহাংসি হ।

অনুগণ বাহবে বান্তি নগজেশি বহাংসি হ।

এই নি জামানানাং লক্ষণানি বিশাংপতে । ।

এই বিপরা হানি মুন্ত গাং জনাবিপ । ॥৭৭॥

অল্লাং বা মহলাং বা সেনাগ্যিতি নিশ্চয়ঃ।

হর্ষে নামগণতৈকে। জনলক্ষণমূচাতে ॥৭৮॥

ইকো নিনে নারহিতি মেনাং হ্মহ বামপি।

হাং নিন মনুনিটোড়ে গোধাং শ্বতবা অপি ॥৭০॥

হুনিব্বত্র চৈব পাভগ্লা মহতী চমুং।

হপেনিব মহত্বেগঃ অস্তা মুনগণা ইব ॥৮০॥

शत इरकाधूनी

সাহল চিনির সভ্য সভ্তরত সুদ্র বা ্ন্যা, বার বি, পর্বির সভ্সাক্তি অংকলি অবন্ন্ত্র ভূনি পুন্ধ চিকল আপুন্ধ ভিন্তু হাকল

এ বান ত বিপর বাম হোন প্রতান প্রতান প্রতিন্দাপ্রতা নার্থণ।
১৯ বংগীনীত বিশক্ষেত্র কর হ্রেনি এব হ্রসভূব পিতি নার, ১৯৮৪
এক টাতি তার প্রতান নান সাম্ভারতি সংস্কৃতি হয়।
১বি তা ভূমার বাধ্য ক্রেনি কন্ত আদার হার্থা স্থা স্থান ১০১৪

ৰাজ, সংশাৰ্তিপ, বস ও গাল অবিকৃত ত্তীৰণ জাভ হয় এব। সৈধাগাৰের ত্য অব্যাক শংকাণ লগাল

বাষ্, নেঘ ও পাকী মন্ত্ৰ ভইয়া চ'লালে এব মেঘ ও ইন্ধেন্ আকাশে ভা সয়া বেড়াইলে, ডাচ জ্যেব লক্ষ্য ।৭৬ঃ

নারনাথ ৷ রাজা ৷ এইফুলি জয়ের লক্ষণ , আবা মুন্দু দিবার প্রেই এইফুলি নিপ্রীয় ইইয়া আরক এ৭৭০

(সুসাক্ষা---) সেলা কথাই হউক বা অধিকেই চাইক, ভাহাতাের একমা<u>স</u> কুমাই ভাষ্যের লাজন ইচা নিশ্চ্য এপদা

্কেলন যোজ। স্বচাত হটয়। অভিতিশাল সেনাকেও ছিল ভিল করে , ভা'র পর বিশেষকার যোজাবাও সেট সেনাকে ছিল ভিল দেখিয়া স্ঘচাত হটয়। পড়েন ঃ৭১ঃ

জলের বেগ ও বিল্লিষ্ট পাত্যাণের ফায় সেট ছিল ভিল সেনাকে আবার সংখ্যম করা অভ্যাস চকর হুইয়া পড়ে ৪৮০৪

(৮+) ছনিষ্টা ডদুহৈৰ বাৰ্রানি।

নৈৰ শক্ষা সমাধাত্য সন্নিপাতে মহাচমুঃ ।
দীৰ্গ ইতাৰ দীৰ্ষাত্যে অবিদ্যালয়পি ভাৰত ! ॥৮ আ
ভীতান্ ভয়াংশচ সংপ্ৰকা ভয়ং ভ্যোংভিবৰ্জতে।
প্ৰভাগ সহসা ৰাজন্ । দিশো বিদ্ৰুৱত চমুঃ ।
নৈৰ ভাপনিত্য শক্ষা সুৱৈৰপি মহাচমুঃ ॥৮২॥
সংকৃতা মহতীং সেনাং চতুৰকাং মহাপতিঃ ।
উপায়পুৰ্বং মেধাৰী নতেত সংকোধিতঃ ॥৮৩॥
উপান্বিজয়ং শ্ৰেষ্ঠমাত্তিকেন মধ্যমন্ ।
জন্ম এন বিজয়ো গো মুক্নেন বিশাংশতে । ॥৮৪॥

कारकटको मुन्दे

নেতি সমাধাতুর সারণ কহিতুম, সভিপাতে বুক্সংগ্রেই, মহ ৪মছের ১৮১০ ক্রীর্নীতি। বিবরতে পাল্যাস মহত্যুক্ত স্ক্রিকার । ব্রুপার্যাক্স শ্লোকঃ ১৮২০

স্থিতি : সংক্রা সংন্ধানাশাস্থা চতুরকা বলাববর্ণণ শিক্ষাম । উপায় পুর্ব-সাধ্যদিপ্রেলপ্রকম্ মেশবৌ বৃদ্ধিনান্ । সত্তোভিত স্থলোভাষী সন ১৮২৮ উদ্ধেশি । উপায়াভাগি সাম্যানাভাগি সংগোধিক উপ্থেতিভয়েম্ ৮৮৪১

ভারতভাবদীপ:

দুংগাণের প্রসাধ প্রক্ষার উড়ি চার ১৭৪—৭০। অভ্যাগ অভ্যুগা ১৭৪—৮০। উপায় বিজয় লাভপ্রকা জায় সাজ প্রাথনকা দানের বা, শঞাল ব চা পাথি শ্রা চনের কা, স্কুশি শ্রাম্পা স্বয় শফ্র (১৮৫টো মুখ্যাঃ নিজ্ঞালয়েশ্য ইয়ার্থ, ৮৮৪০ স্থিশিকার

ভরতন্দ্র । এমন কি, যুদ্ধগাহরের সময়ে বিশাল সেনা একবার ছিল ভিল্ল ভট্যা পদ্ভিলে, আরে ভাছাকে সংঘবদ্ধ করাই যায় না কাবণ, যুদ্ধে বিশেষাভিন্ন যোদ্ধারণে কেই সাঘচাত ইইয়াছে বলিয়াই নিজেবাও সংঘচাত ইইয়া থাকে ৮০১॥

বাহা। ভিত্ত ভিত্ত বৈশ্বের নামাধিকে প্রায়ন করিছে থাকে, ওখন বীর্গণ্ড ভাহাদিগকে আরু সাধ্যক করিছে পারেন ন ।৮২০

অত এব বৃদ্দিমান্ রাভা সর্বল। উদ্ধোগী তইমা নিজের বিশাল চত্বতিনী সেনাকে সভট রাখিয়া উপায়প্রয়োগপৃথক জয়লালের জন্ম করিবেন চচ্চা

নরনাথ ! সাম ও দানভাবা যে জয় হয়, ভাহ, শ্রেষ: ভেদ্যারা যে জয় হয়, ভাহা মধাম : আর স্কভাবা যে জয় হয়, ভাহা অধন ৮৮৪।



হারণা দ্বিং সরিপার্ভুক্তবের কা উচাতে। গ্রুপ্রভাগি সভার বাববৃত্থ ই নিশ্চিলাং ৪৮৫॥ আপ প্রশারণ শূরা ভূলু বি হারণা চল্ম্র আপি বা প্রহার স্থাবিজ্য ভালিকভূম, ॥৮৬॥ (মুখাকম্) ন বৈন্ত্রে গ্রুপ্র প্রশাস ও সহজ্জন্ম। দুকী, ভুপ্রনাহপ্রিণ হারতা। অপি নার্ড। ॥৮৭.

खात्र**क्राभू**की

আন্তুক্ত কিব কাৰ্য হাৰ হাৰ হাৰ লাভ কাৰ্য কাৰ্য হাৰ প্ৰাণ সি সালিক কাৰ্য হাৰ কাৰ্য কাৰ্য

या राज्य प्रकार प्रकार के स्वतंत्र का स्वतंत्र विभागत्त्र विभागत्त्र स्वतंत्र स्वतंत्य स्वतंत्र स्वतं

ভারতভাবদীপ:

हम स्थान अभाव ता नवृत जान नवा नक । वा वा वा वा भाव भाव भाव स्थान स्थान स्थान विकास के स्थान के स्थान स्थान स्थान के स्थान स्थ

কারণ, দেই মৃদ্ধ ইউটে নে কায় ইয়, ভাইন বিজেভার পাকেও আবনভিক্পা হাকাট্র দেখে ইচা না ম জালা ও লায় আধিকন - গাঁর পর প্রশাস পারস্পারের আভিচন্ ইংসাহা, পুত্রজারালিবিধায় আনাসকু এব মৃদ্ধে কুছনিশ্চয় পাঞালিজন বীবিভ নিপাকের বিশালে দেলাকৈ মধন কবিছে পাবে, এমন কি, আপরাব্যুধ পাঁচিজান, ভ্যুক্তন কি বা সাত্তনাৰ বভ ভাই লাম কনিতে সম্পত্র ৷চিত ভিডা

ন্ত্ৰন্দন ৷ কোচনপ্ৰ পিন্তান্দ্ৰ আহাসভাক্ষ্ক আগক সৈয়ের কার ইউড়ে দে এয় অধিক সেধ্যার আশ সংক্রন না তেওয়

৮৯ সপি পদশেশংশুৰ স্কুজি মহত ৩০মু, পি ,

ন ব তলে ন সেনাই জেবা তবতি নিডাশা।

কাৰ্যনা চি জ্যো নাম দৈবকাত প্রায়ণ্য।

জাৰ্যো হি সংগ্রামে ক্ষ্মইন্তা তবন্ততি ॥৮৮॥
ইতি ই ২৯' ভাবতে শতসাহস্যাশ সংহিত্যাশ বৈষ্টিক্যাশ ভীপ্তা
প্রশি স্পূথ্যবিনিপ্তাশে নিফিডাখ্যানে ভূতীধ্যেহ্যাশিছ॥০॥

5 इर्र्था ३ शाशः ।

देवनम्भायन छेवाछ।

ভারতকৌমুদী

্নেতি প্র প্রশাস ৪৫ । বি মার, শারের সংস্থার স্থানার স্থানার

ই ব্যৱস্থার বা ১৭ জানবিস সাম্পান্তর পদন্ত হলে বল্লি হারণে মান লাকস্টীক বাং ভারতবেশ্যাস সম্পান্ত কা নাজসালী অভ্যাত্তিকালে ভূমানে হারণে বাব

একস্থিতি । ধান অংকিবিশভিত্য, অব্লক্ষ প্রেপ্তের ১১। স্টেলি সাকি সংযান সংক্ষেত্রতান্ন লোগিকচিবয়ালে।

বৃত্তৰ দৈয়া হউলেই সকলে। ভয় হয় না কাৰণ, ভয়টা অনি শিচেত; একমায় দৈবই ভাতার তহু। ভাতার প্রমাণ— অকাশ মুগে মাতবো কয় লাভ কৰিমাভেন, ভাতাবাই আবাৰ সপৰ মুগ্দ প্ৰাজিত হইয়া গাকেন' ফেচা

বৈশপশায়ন ব লংগন — কেলবাংস কুভিমান ক্ষরাইকে এইকপ বলিয় চলিয়া গোলেনে, পুত্ৰাপুও সেই সম্ভ ভানিয়া ভাষী বিপদেৰ চিড়া কবিজে লাগি-লোন ॥১॥

(২) ইতঃ পথমু 'বুভরাট্র উথাচ' পি ঃ

काण्यास क्षतिभाष्ट्र सृक्ष सृक्षिकितिकाः । व्यान सक्षिकिति क्षति स्वाहित के विश्व क्षिति । आः भू वित्ति पृथि क्षाहर्ण के पि स्वाहर्ण । भ वा भाव कि किस्तुल के जि स्वाहर्ण ॥ ॥॥ भू ने स्वाहर्ण किस्तुल के स्वाहर्ण में स्वाहर्ण । क्षति क्षति क्षति के स्वाहर्ण के स्वाहर्ण । क्षति के स्वाहर्ण के स्वाहर्ण के स्वाहर्ण । क्षति के स्वाहर्ण के

各种的特殊的

ভাৰত আছি। পুৰৰ ই মুৰ্বতাল ভিছা ক বাৰ বাব নিৰাস আগগ কৰিয়া। নিমাসভিত সভাষৰ নিকন হিমাস কৰিবলম—১০৪

'সজন। বাব ও স্কানাল' এই যাখাবা নানালিদ 'বলবাৰা প্রক্ষরকে আগতি করিয়া আক্রেন এব

এমন কি, ব'জাব হ'বন্ধ তৈতে উচ্চ কবিয় সা তেকবিছে ভাচ্চন না এব মনালয় প্ৰিপুৰ্ব ক্ৰেন্য।১৯

ইচারা সুনির উপরে পার্হ থাপন করিব র ইঞা করিয়া প্রকারণে সহা কার্মনা , সংস্থার সকাশ সানি ন্নে করি — চুনর গুরু বহুসর। সুক্রাশ সুমি ডাই ই আন্ধি নক্ত বল ॥ ১॥

ৰত সহস্য, বহু অধুম, ৰঙ কোটি ন বহু অসুদ কৰি কুক্তেছের সমক্ষেত চইয়াছেন ॥ শ

অভিনয় সঞ্জা ইতাবা যে সকল দেশ ও নগৰ চইতে আ সিয়াছেন, সেই সকল দেশ ও নগাৰৰ পৰিম া আনি ফগ্ৰেখভাৰে জুনিতে ই জা কৰি ॥৭॥

,8) नम्द्र ३ ७ किन। अ ६ नाम हि मिक्टम विस देशवाहकाम् — लि।

দিবার্জিপ্টার্পন যুক্ত হা জানচলুক। পাচার্জিত বিপ্রের্থি সভানি র্র্তক্ষঃ রুলা সঞ্জল উব্চেট

যগা প্ৰকাশ মহাপ্ৰজি । নিমান্বজনানি তে ভাগাৰ্থ

• স্চিজুববৈক্ষণ নমটেও ভব্নন্ত । ॥ ॥

কিবিধানাহে চুডানি হ্লানি ভাবেওনি চ ।

ত্ৰমানাৰ হিবিধা সেনিবভ্ৰেন্ডব, দুজনা ॥ ৮০॥

ক্ৰমানাৰ প্ৰকৃষ্ণ লেও বাজন্ । জবাস্ভাগ ।
ক্ৰম্মানাৰ প্ৰকৃষ্ণ গোলবাং প্ৰকৃষ্ণ ॥ ৮০॥

ক্ৰম্মানাৰ প্ৰকৃষ্ণ বালবাং প্ৰকৃষ্ণ ॥ ৮০॥

ভাৰত্ৰেম্পী

মানুক্ষ্ম কি না ব্র্ম দ ও নিত্রতি। প্রত্যাপ দ্র বংশন ব করে।

ম্পেরি অন্তর্জা হত্ত নাম। প্রতিক্তি দ্রতাপ্ত দ্রতাপ্ত করে।

মুলিন্ত স্থানি অভ্যাতি ভারত দি হতালানি । নি অভ্যাত নাম।

মুলানার্নিতি ভারত ত বহুতে মুলা ভারত দ্রতা স্বাত্ত ব

ভারতভাবদীপঃ

स्वार्षकि ॥ अ — वा सार्षि एवं मार्रिष्, रायार स्राम्यक् रा — वा सिर्निष्ठ स्थान स्थान के स्थान के स्थान के स्थान स्थान स्थान के स्थान स्थान के स्थान स्थान

সভ্যা তুনি সেই অনিত্তেজ, বহাষি বেদবাংগের প্রভাবে পিবার্দ্ধিপ্রদেশ্ধ ও জাননয়নসম্পন্ন হইয়াছ' লান।

সভয় বলিলেন 'নহাপ্রাজা ভবঙ্গের' আনি নিজেব জান অনুসারে আপনার নিকট ভূমির গুল বলিব , আপনি ল রন্যন্থবা দশন ককন। আপনাকে ন্যকার কবি হন্য

এই জগতে স্থাবৰ ও জলম এই দিবিধ সূত। তাতাই মধ্যে জলম সূতি অওফ, মেদজ ও জৱাগুজ হয় বলিয়া ভাষাৰ কাবৰত তিবিধ ৫১০ন

(১০) চভাবি ভ্ৰেৱাদিত কাৰ ৰানি।

নানাৰপথৰা ৰাজন্। তেলতে (লকতে চুকলা।
তথ্য বিলিয়া সপ্ত লাজ্যতা বিলিয়া গ্ৰাহ্য বিলয় গ্ৰাহ্য বিলয় গ্ৰাহ্য বিলয় গ্ৰাহ্য কৰি কৰা বিলয় গ্ৰাহ্য কৰিব কৰা কৰা কৰা বিলয় কৰা বিলয় গ্ৰাহ্য কৰা বিলয় কৰা বিলয় গ্ৰাহ্য কৰা বিলয় কৰা বিল

ভাষডকৌমুলী

नामिडि । नानायणभ्या नानाध्यकारम्थेशः ३५२६

क्षत्र हेति । क्षत्रिकेताः नानायबरणस्यक्ति कायः 🔑

ভারতভারদীপ:

র স । সন্ধ কলামার মধ্যে করাব্ত চল্চে, আবার ওবংষ্ট্রের মধ্যে যাহার, মানুষ্ ও পশু ও হাহার, ১৯৮ ৮১১।

ধালে । ,সই জরাজ চতুক শতাকার, মেই গুলির আকৃতিও মান্বিধ। আবি হাডাদের মধ্যে বকা সংস্বিধ এব গ্রামা সংস্বিধ ॥,১॥

নবন্ধ। সিত, বাছি, ববাহ, মহিষ, হতা, ৮৪ক শ্ব,নৰ এট স্তুবিদ্ ইভ আহিয়েক ॥১০॥

ি আর সাধ্ব বিলিয়াড়ন — ্গা, ছাগ, মেৰ, মনুদ্, অব, ভারতেই ও গ্রেছ এই সংস্বিধ আমা ভার ফুজ খ.৬৬

রাজাং প্রামা ও বর্গতেরে এই চতুদশপ্রকার পাস্ত বেশে উল্জ কইয়ার্ডে, মাহার্মের উপরে সমস্ত যাজ প্রতিষ্ঠিত আছে ১১৫৪

(३२) अक विकेष के निविध्य सम्मान्त्रा का विकास विकास ।

ইছিজ্ছাং স্বাধ্বাং পোক্রান্তেরাং প্রের ভারনঃ।
রক্ষা ওল্ম লভা-বল্লান্তক্ষারা দুগজারেন এবং ॥১৭॥
তেলাং বিংশতিরেকোনা মহাভূতের পঞ্চর।
চ ইবিংশতিক্ষিটা গ্রেম্মা লোক্ষ্যজা ॥১৮॥
ম এতাং বেদ গাম এই পুন্যাং সর্বভূবান্তি ॥১১॥
ভূমে ভরতভেজ স্বাক্ষ্য স্বাক্ষ্য বিশ্বাতি ॥১১॥
ভূমে চ জামতে সর্বং ভূমে স্বাক্ষ্য প্রাক্ষ্য ।
ভূমিঃ প্রতিষ্ঠা ভূতানাং ভূমিরের পর্যেশ্য ॥২০॥

ভারতকৌমূলী

্রামানেক্তি, পুরুষ মান্তা । উপজাবন ভাবন্ধ বন্ধ (১৭) উদ্ভোৱার বুক মান্ত্র, তুর ধার দিক্সা, রাজ প্র ব্যাহ দুনিব হিলা ক্সাত্র বহু, বুক্সার প্রাথমার, বালান্ধ ১১৭

্রেয় নিতি। পাশবসমূহত স্তরাজ পাক্তিনি সহ ১৯-বি সতি । রং রিক । পাকস্মহার্তেশ্ব কিছাপোলে মকাছে ১৯ ডিডি স্থাস্থিত ১৯ ব সতি নার সং র পালবিকার পারেরী, একজনৰ গ্রেষান জিছাপিয় । ১১

মার্ক ছি। এজার প্রকৃতি কিল মুক্ত কর্মণ কর্ম না ১০০০। ভূমাবিনিত প্রতিষ্ঠাম প্রকৃতি কলিছের ২০০

ভারতভারদীপ:

হাম,পিশুর মধ্যে মাধুর ভোল, মধ্য বরাপশুর মধ্যে দিত হাস। সহস্ ভূমই পরস্পর্বরো ভৌরম ধারণ করে। ১১

উদ্ভিদ্ধ সকল কাবের : সেগুলি পঞ্জিগ বুক, ভলা, কড়া, বলী ও চর্মসার ভূগ ১১৭৮

চৰুদ্ধ পশু ও পাঞ্চাৰে এই উন্ধিশাত প্ৰাৰ বিকাৰ, আৰু পাঞ্চাৰ ভূত এই চৰুদ্ধিশাতি প্ৰকাৰ পাল্পাকৈ জগতে গায়েছীয় কুলা বল কইয়াছি ॥১৮॥ ভাৰতভাৱে। যিনি পৰিছা ও স্থভাগতিত এই গায়হীকে যথাপ্ৰাপে চ নানে,

তিনি জগতে বিন্তু চন না চঃহা

(२०)००कृषिद्वव अलाष्ट्रसभ्—वा व वा नि ।

নতা ভূমিক্তা স্কৃণ জগৎ আধ্বহজ্মন্।

তরাতিপুরা ব জানে বিনিত্নতা ব্রেছরম্ ॥২১॥
ইতি দ্রী মহাভাবতে শাসম হাস্কৃণ সাহিত্যাল বৈশা,মিকাণে দ্রীপাকাণি
জ্মুখনেবিনিতাপুনা, দ্রীমনেক্যনে চতুলোক্ষণাণ্ড ॥০॥

----(*)----

পঞ্চমাইধ্যায়ঃ।

d * 1 = 1

মূতরাব্র উবাচ।

ন্দ্ৰিণ পৰি শ্ৰাপ্ত ন্মেট্ৰট নি স্বৃত্ত। ৰুজ, জনপদ,নাক নি চাৰ্ট্ ভূমিমাজিডাঃ ॥১॥

भाव शक दली

रका र अंद कुर्य प्रितृक प्रांत्म एक रेस्ट्रावित अपन्य हाँ कुन्य प्रत्याल से सहरित्र के देश कुन्यप्रतास संद्रों प्रतास तर्वा के तर यह से तर्वी के प्रां से द्रारको पुरुष्य प्रतास प्रतास के प्रचार प्रविक्ति प्रतास प्रदेश हैं देशका प्रतास

ভারত ভারসীপঃ

स्ति पूर्ण रह प्रश्निक प्रकार के प्रकार के प्रश्निक विद्या में देवन के प्रकार के प्रक

हिंद के खनका न देखनक के रदा करने के उन के हुए राजन गई। स्वा

সন্ত বলুই ভূমিতে জংগ্ৰ সন্ত বলুই ভূমিতে লয় পায় এবা ভূমি সন্ত ভূতেৰ আংখ্য ও ভূমি ভীবনধারণের হেরু ১২০৮

সুদ্ধা মংসার ভূমি আকে, ডাগোর স্থাবর জন্মামক সমস্ত জগংকী আকে। এই জন্মই বাজাবা দেট ভূমিতে আভাস্থ অভিলামী কইয়া প্রস্পার হিসা ক্রেম' ॥২১॥

(১) নলেকেয় বিসহত। ভূনিক তিলাল-বাবক নি।

প্রমণিক প্রমণিক ! পুথিবা। মন সর্বশং। নিথিলেন সমাচক, কাননানি চ স্কুন । ॥২॥ (বুগকেন্) সঞ্জ উবাচ।

প্রেক্ষানি নহারাজ ! নহাছুবানি দণ্যহার । জগতীকে,নি দ্বাণি সমাভাত্রনাদিণঃ ॥ আ ভূমিরাপত্থ, বাস্ব্রিরাকাশ্যেব চ । ওলোভ্রণি দ্বাণি তেখা ভূমিঃ প্রধানতঃ ॥ ৪॥

ভারতকৌমুদী

শাস ভাবিবিশন শাস নিবছন্দ চোল্পনিবুদ্ধে চিন্তু বিসম্মূরণ নিচ্বের্থ সংক্ষান্তির শুভ্র টুটোর চন্দ্রনামিতি সালেশ সকলে । নিশ্যমন্ত্রণরণ — ২৮

সংক্ষাৰ সংস্থাত প্ৰশাস্থাৰ সমাজি, প্ৰশাসক সংগ্ৰুৱৰ নীৰ হা বাং । নাম কানি এনি পাসং মাণ কুণনাম হা কুনি বিশিষ্ট আছে পাজালাম নাম কুনা, ভাগ কেমাৰেনা কন্তাৰ নামবাৰ পুণা উত্তৰে পুতা আন পুতা হিছি নিবাৰ না ভালা হালা মানি এন্ত

ভারতভাবদীপ:

শুদ্রাপ্ত বলিলেন — প্রাণ্ড সভয় ৷ নদী, পদৰ, দেশ ও বন এবা অভা যে সকল প্রধান পদার্থ ভূমিকে আভায় কবিয় বহিয়াছে, সেই হুলিব নাম ও পুথিবীয় পরিমাণ ভূমি আমার নিকটে স্বপ্রকারে বলা চচ - ৮

সঞ্জু করিংকান – মহরেছে। আনীবা বলেন – গুণচে বিজনান এই প্র মহান্ত প্রস্পর প্রস্পত্তে সংস্কৃত কবিয়া রহিয়াছে বলিয়া সম্ভূত স্মান ॥ গা

(২, খ্যস্ট্র বাৰ্ডাবি।

শকে, সপ্শণি কল্প বিদ্যালয় সভা প্ৰায় ।

ভূমেরে তে ওপাং প্ৰাক্ত শ্বিলিড ব্ৰেলিডিঃ ॥৫॥

চাংরে হেপ্লুড্গা সাজন্! সফ জ্ঞান বিভাতে।

ক্ষাল্প কল্প ভ্ৰমিটেগ গোলুমঃ।

ক্ষাল্প কল্প ভ্ৰমিটেগ শক্ষালয় ।

ক্ষাল্প কল্প বাৰ্লিটেশ শক্ষালয় ।

কল্প কল্প বাৰ্লিটেশ শক্ষালয় ।

বাৰলেড সৰ্লেটকল্ নাৰ্লিটা প্ৰিটিটাং ॥৭॥

हादश्य भूषी

ন - ্নার্থ বিভাগ বিভাগ নির্ভাগ কর্মী সংশাধার বিভাগ সন্ধার বান বিভাগ বিভাগ বিভাগ মান্ত বিভাগ মান্ত কর্মী সংশাধার স্টুপ্রিলাভ্যা বিভাগ বিভা

ার্থি বিশ্বন বিশ্বন প্রায় ও সমানাক্র সমান্ত্রিক পুরুক্ত দেই বিশ্বন বি

ভারতভাবণীপ:

পুণণ্য হ'তর মণিক সংগক গণ। তাতর সেই মহাত্তগুলির মধ্যে পুণিবীই প্রান ॥৪॥

সক্তা ক্ষিত্র বলিয়াড়েন শাস, স্পর্গ, রূপ, রুস ও গাস্ত্র এই প্রিটীই ভূমির ভাগ lian

বাস । শাস, শাস্ত্র কাপ ও বস এই চাবিটা ভালের গুণ ; কিন্তু ভারাজে গান্ধ এটো শাস, শাস্ত্র ও রূপ এই ডিনটা ,তাহের গুণ, শাস্ত আপুর্ল এই চুইটি বাস্ত্র গুণ এব এই কম্মী গুণোর মধ্যে একনাত্র গান্ধই আকোন্ধের গুণ ॥১৪

বাজা। এই পাঁওটা গুণ স্কলোকাশ্বন প্ৰা মহাচুতে বহিয়াছে; যে গুলিগুলিকে লকা কৰিয়া জীবগুলিছ ডোকুছ প্ৰতিপায়িত কইয়াছে এগা মায়ে বিশ্বনী ভাবনাবিশন্তি প্রক্ষাবন্।
যদা কু বিশ্বনী ভাবনাবিশন্তি প্রক্ষাবন্।
তদা দেহৈদে হিবস্তো বাতিরোহত্তি নাজাবা ॥৮॥
মায়েপূর্বনা বিনশ্যান্তি জানক্তি চাতুপূর্বশঃ।
সর্বাধাপ্রিনাশ্য ত্রদেশা কপ্রশ্বনাথ

काब कटको मुनो

स्प्रिक्ष मस्या क्षेत्र विश्व क्ष्य स्था कर्णा कर्णा कर्णा स्था कर्णा क्ष्य क

भारताम् । प्रत्ने व्या परिचानः स्थान कीन्त्रानः । द स्युण्य वि । व म भारत्य स्थान् । प्रति ।

ভারতভারদীপঃ

"मध चार्ड्ड दिस्र जिस्त दि मध्य उद्धाकि स्वित् उद्धावि मध्यम्मध्यार क्ष्मिक् प्राचित्र क्ष्मिक क्षमिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्षमिक क्षमिक क्ष्मिक क्षमिक क्ष्मिक क्षमिक क

য়খন এই ভূতগুলির সমভাব থাকে, ওখন এগুলি প্ৰশ্ব স স্টু থাকেনা ; আর যখন এগুলি প্রশার নানাধিকভাব প্রাথ হয়, ওখন ছীলসকল দেই ধাবণ ক্রিয়া প্রস্তুতি হয়, অক প্রকারে হয় না ৮৮। ত্র ভত কি দূখাতের ধাতকং পাকেতেইংতিকাঃ।
তেলাগ সমুজাং ভতুক - প্রমাণানি প্রচলতের ৪১০॥
আচিত্রাঃ পলু (ম ভাবান সাংস্তৃত্ব সংগ্রহের।
পার্তিনাং পরণ মত্তিদিভায়ে লকাপম্॥১১॥

सार गरकोषु सी

- २५६, त्रम् वेदा जन २६, १४८ २ घर द्रम् प्राप्तारण श्रद्ध है गाविनाहरू, कारीकावनुवर्गाहरुका सांबाहरुकि कांद्र (३)।

स्वादकावनीलः

এই মহাভূত সকল অনুলোদক্ষে ভাষ, আৰু প্ৰিলোমগ্রে আপন আপন কারণে লয় পায। এই সমস্থ মহাত্তিই পরিয়াণ কর অসাধ্য এবং ইঙলির কপন সম্বেহর স্থা হইটে ভিয়া নহে ৪৯৪

সকল স্থানেট পাঞ্চলিক দেৱপ্রভৃতি দেখিতে পাওয়, ধারু নামুদ্রের। ভক্ষারা সেগুলির প্রমাণ বলিয়া থাকে ॥১০॥

তদশন প্রকামি ছাপে তে কুক্রন্দন।। পরিমন্দ্রো মহারাজ। ছাপেচিফ চক্রদাস্থিত ॥১২॥

ভারতকোমুদী

ইতি। ম্বলানি দানন প্রশোগ্র উচ্চনন স্থাপ্ত শক্তি লাভি প্রত্রহম্ কর্তির লাভির ক্রিয়া লাজাম্, বার্থেক পর, যারু সংক্ষাস পর ক্রি ক্রিয়াল ইবানির ক্রির্ চাতস্থিত্য ক্রমান্মিতা(পর্যাও১)

ভারতভাবনীপ:

এবিষ্মেরণীল শ্রান স্ব্রিষ্ট ত্যার ইতি হৈ স্থানিক ছবি । মূল্য অনুক্ষা আৰু ण भरममिकि हेर्भाद्य द्वापारवाद नव । भन दा भिन्दी हुना ज ए व । १९३० के दा दे स्टि , व महाका अरु १ वर्षा १ कर्षा १ वर्षा महाति । से क्षेत्र महिला का का वर्षा कर्षा है है। द्या के, क्लुंक के एक पूर्वन के एक विद्यान एवं एवं क्लुंक्यु के कार्युष्ट महार है नह थे । क्या न विकासीय महाम प्राम्पत्रकाद्यक्त्याद्यक्तायाक्ष्यों के तका दुक देव हैं निवास करता नुपालि र न्या प्रदेशक राये माध्यम् माध्यपा प्रदेशकाच्या लाग्नमा अवन कि अत्यास अपन विक इव भी हे तक्ष्म । इस ६ भन सब भरक व माध्यवस्ता भावन्ति दशक्ति माध्य अनि को कापि। अनु एवं कृषिक, अनु दे चहरपुर्वन कि नगणत नार, अन्तर किन्न, করার শালন কাম্প্রিক জাতা এক ব্যবস্থিত করার মার্লাক করার জাতা প্রাথিত করার জাতা প্রাথিত করার জাতার করার জাতার করার প্ৰস্থানৰ মুক্তি সং ১৯ শ্রিজু হবি ১ জার ১৮ বলজীবিক্ষক এনে ক্লাড় স্থাপ্তি भार भाषांत्र रामक वर्ण कुर्ति के कुर्ति में कहा है। में वर्ष विकास दे ने म सुक्ता है कि पुत्र अध्यादक दिक्का वाच के किए से दिश्या क्षेत्र, हुक रूप देव रास दिशाह. নেই নানা ও বিকান সংবিধা ব্যৱস্থানন বিজ্ঞালনের স্প্তির প্রশাস্ক্র হাছ বিবা एचं । विकास - वा उत्तर गार असं दिशाहराम्बर न द सक्ता वर्ग कारा शार्टिका নীগৃহ্ছি – ব. ১০০ এই কিন্তু জন্দে ক ব মাকৃণিপুৰাভিনাভূমাণক ক – अभवनाभित्रिः अन्तिन नम् अपृत्किरित्यमण्डाम्पि १०० व्याप्तस्योण दृश्या अक्षां कृषि भार्य । एक सद्दार के प्राप्त के अपने क्षा के विकास स्थान के विकास स्थ अस्तिम् अभाग्या प्रदेश विश्वासात्र वृष्ट्रिय देश देश व्यवस्थ ६ ४४। इति वहा ইতালুক্নি, মি ভাব প্ৰিম্পুল ইসাকা সকাশশার্থকৰ অভ্যক্ষ ইলি ব মান चार्थाय न व छेक. पार इंड कर हेड्राइ 'ह रहा हिला, क''ह विदास महिद्य प्रान्तकक গোলেছে। ভক্তসংখিত ইত্যানৰ ভক্তৰৰ সংখিত সংখ্যান্ত্যকংক্তেভালেৰ বিভিন্ন ভ অন্তুতি শক্ষয় কৰু বাং প্ৰমণ্ডুপৰিনাতে প্ৰসিক্ত, সূচানেন প্ৰিমণ্ডুনোপ্ড সিকাশং

কিনু যে সঞ্জ পদার্থ অভিজ্ঞীয়, তেকঁছারা সেঞ্জির সাধন করা যায় না। যাহ। প্রকৃতি চইতেও উংকৃষ্ট, ভারাই অভিজ্ঞীয়ের স্কৃপ ০১১০

(১३ में भक्त दाद र सिः

न्तिकतः विद्याकारेव हरेशकान्यकि । भूरेत्रम्ह विद्याकारेव हरेशकान्यके छथा ॥३ ॥ उरेकः भ्याकत्तार्भरेतः भय्यक्ता धन्धास्यान् । स्वरूप्त सम्प्राप्त भयन्ति भूरिवर्षि छः ॥३६॥ (वर्ष्त्रम्भू) एव हि भूकदः भर्ष्णप्रति स्थायाक्ताः । उत्र स्वरूप्त महारूप्त हस्य ५८॥ ॥३८॥

ভারত্র গুলী

स्वस्ता व कर्रा से अस्ति विक अस्ति विक तथा । स्वस्ति विक विकास स्वाप्ति विक विकास स्वर्णित स्वर्या स्वर्णित स्वर्णित स्वर्णित स्वर्णित स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्णित स्वर

্ সংসংখ্যা ক কাষ্ট্ৰকাৰ পৰাপ্তিয়া ইনাত হলাস্থ কাৰ্ডিইলা, চন্দ্ৰ মূল্যাস না নাৰ্ভিট নিজ ক সংসাধাৰণে চল কাম্ভ ইতু চাৰ্ড। কা ভিলাইল নাৰ্ভিত বাংলানা হুই কি হুলা প্ৰশিক্ষ হাত হুনাত্ৰ পিজ জুজ্মৰ প্ত ভিলাইলা

ভারতভাবদীণ:

কুক্রকর। এখন অংশনার নিকট শুনশ্নহাপের (ভস্বহাপের) বিষয় বলিব মহারাজ। এই দ্বীপট চ্ছেন্ত ভায় গোলাকার এব নদী, মেছভুলা মীলবর্ণ পর্বতে, নানাবিধ নগর ও মনোহর দেশসমূহে ব্যাপ্ত, আর ফল-পূস্পযুক্ত হুক্ত, ধন ও ধায়সম্বিভ, বিশেষ্ত, ল্যাসমূহে প্রিতেষ্টি হয় ১৯ ১৪॥

(১০) মনী ১% এণি জাল্লা নি । ১ সক্ষণন্ধান্ত্ৰ না, কৰেলন সমূত্ৰেণ বাৰারা নি ।

দ্বিংশে পিথাৰত্ত দ্বিংশে চ শশো মহান্।
স্বৌধনিসমাবায়ঃ সৰ্বতঃ প্রিবারিতঃ ॥১৬॥
আপততেহিতা বিজ্ঞোঃ শেষঃ সংক্ষেপ উচাতে।
ততেহিতা উচাতে চাল্মেনং সংক্ষেপতঃ শূলু॥১৭॥
ইতি শীনহাতারতে শংসাহ্যাং সংহতায়াং বৈল্যান্যাং ভীলা
প্রণি জ্যুণগুরিনিকাতে ভ্রম্নিশ্বীপ্রণনৈ প্রন্থাহ্যাংঃ॥০॥

ভারতকৌখুণী

মানন্দিক বিন্তাত বিবিতি তাত চতুৰ লাজনক হাধনন্দিন, বিচাপে আনহার আহেছি পিলালে নাম মহান্দেশ, বিবাপে আনহার হালালে লাম মহান্দেশ, বিবাপে আনহার হালালে লাম মহান্দেশ সহার হালালে হালালে স্বাদানিক বিশাল, বাবল সমূত্রেণ বেলি হালা হালা

মাংশ ইতি। তার প্রকশাং স্থাপন্থ পাং, আরু আধ্ন, ব্রিছাল ব্রন্ত বিজ্ঞান, কার্থান্ত বিজ্ঞান, কার্থান্ত বিজ্ঞান, কার্থান্ত কার্থা

कृतक करकी मुक्ती अध्यक्षक, स्थाप । क्षेत्र स्थापन कि काम गाउँ किया गाउँ मध्य प्रकार काम स्थापन कर स्थापन कर स

ভারতভাবদীপ:

দ্বাদীকাৰ বিশ্বৈতি ভাষা হবে। ছিলাল উলি তি তেওকালোলে নন্দ লৈ বিশ্বেশ বুলানজালনত মন্দ কৰে। তেওকাল কলা বুলিব লগত ছিল বিশ্বিক বিশ্বেশ কলাৰ কৰি বুলিব লগত ছিলালে মন্দ্ৰ কলালে হিছাল বিশ্বেশ কলাৰ প্ৰতি কলাৰ মন্দ্ৰিক বিশ্বিক বিশ্বিক বিশ্বিক বিশ্বিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰেক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰেক মন্দ্ৰেক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰেক মন্দ্ৰিক মন্দ্ৰেক মন্দ

মানুষ বেমন নিজেব মুখ্যব প্রতিবিশ্ব দর্শনের ভিতরে দেখিতে পায়, সেই-রূপ এই ভগুদাপের শ্লন্মক ভাগের প্রতিবিশ্ব চক্ষমওকে দেখিতে পাথ্য যার ॥১৫॥

এই জন্ম পের এক অর্থ পিয়ল,—নামে বিশাল দেশ এব অপর অংশ শেশ' নামে বৃহৎ দেশ বভিমাছে। এই উভ্রদেশেই সমস্ত ভ্রণি আছে এবং উভ্যদেশই লবশসমূত্রে পরিবেটিত হটমা মহিরাছে ৪১৬ঃ

या, छ। इसा खिला

श्रुवाङ्के डेवाह ।

ইংক হীপজ সংজ্ঞাপ, বুজিমন্। বিধিৰ এলা।

- ৬ছ -১০ সংগ্ৰহণ বিক বং ক্তি সঞ্য । ৪১॥

সাত ন্ভজ-বং বংগতে চুনাংত শ্বলকালে।

তুল প্রাণ প্রাকৃতি তুলি বিকেশি পিঞ্লেম্॥১॥

कार राक दुशी

(4 년 *) 1 전 5번 (주십위에 보는 182) 182 (182) 183 (183) 183

ভারতভারদীপঃ

भवा के समान के समान का स्वाह कर हुना है किया करात हुन मानास्वाद ।

• न व ता तक्ष कर हुना के कर ता ता कर न साम करात है किया प्राह्म है हुन है के साम कराइ देशाएं के कर है कि ता कराइ देशाएं के कर है कि ता कराइ देशा करा करा कर कर ता ता करात मान कराइ देशा है कि ता है कराइ देशा कर कराइ देशा कराइ देशा कर कराइ देशा कराइ द

है । च क्रमकानि देवनकार पार्चन रच दशाला सक्राव्यक्त रहा हरता

শিক্ষণালয়, অনুসভাৱত আগতি এক বিজ্ঞান জুলায়ের হার্য ভ্রারত কলা আনু বিজ্ঞান ভ্রারত আহি সংগ্রহ হার বাব নিঃভ

ধুত্রতী বলিলেন -'বৃদ্ধিনান্সকর । তুমি যধানিষ্মে সংক্পে জাধু-ছীপুথের বিষয় কলিয়াছ , এখন উহার বিভাগে বলা কারণ, তুমি বেদবাদ্সের ধ্রপ্রতাবে সমগ্র জ্পাত্র ভার্জ ক্ট্রাছ ৮.॥

(১) दिल्ला काई लिय स्त्रा।

বৈশস্পায়ন উবাচ ;

এবং রাজে: স পৃক্তিত্ব সঞ্চুদা বাক্রমতানীর। সঞ্জয় উবাচ।

প্রোগানতা মহারপ্রে । সম্ভূতে বর্ষপ্রহার । অবগাত, ভারেনতা সমৃত্যী প্রপ্রিত্নী ॥৩॥ হিমার, ন্রেম্নু টাল্ড নিবরণ্ড ন্যোজ্ম: । নীলাল্ড বৈষ্ঠানতা প্রায়ণ্ড শশিস্থিত। ॥৪॥

ভারতকোম্দী

মাবানিতি, পুনিকাশ হতক শে ভুন তকাশ, কন্তানে নকাল্য নকাল্য ছাশুখাপা জিয় বিহাৰণ শল ভাগছাশ ললাভ্যুতন।

্বন্ধি পালাত কলাপিন্ত প্ৰত কাৰ্য স্থান কর প্ৰিন্ত বাংক সভাপত্য প্ৰত হৈছিল ক্ষাৰ্থক ক্ষিত্ৰ কৰ্ষণিক্ষিত্ৰ ভাৰত ভাৰত ভাৰত পাণ্

ক্সেৰাপের শশনামক ভাগে যত খা.ন ভূমি দেখা যায়, ভাচার প্রিমাণ বল : ভাচার পরে পিল্লভাগের বিষয় বলিবে' : :

বৈশাশপ্রেন কহিলেন গুডবটো এইরপ ভিজাসা কবিলে, সহয় এই সকল বাকা কলিছে লাগিলেন: সহয় বলিলেন মহারাহণ পূব ও পশ্চমে বিশ্বত এই হয়টা বাধপ্যত ঐ উভ্যাদিকে পূব ও পশ্চিন সম্ভে আবেশ কবিয় মহিয়াতে একা

(০, বড়েতে বর্ণকালা পি।

স্বলাভুবিভিত্র-চ শুরুবনে নাম প্রতঃ। এতে বৈ প্ৰাৰাজ্ন। সিভ্ৰাৰ সেবিভাগ nen (যুমকন্) র্ষ্মন্তর্বিভন্ত ্যাঞ্নানি সহপ্রশং। ভুতুপুলা জনপদাস্থানি ব্যাহি ভারত । ॥১॥

ভারতকৌসৃদী

 . १ मण्डानकात्र होत ६ कियद विभिन्न व्यक्तिका अर्थकात्र्यकः देवमृष्यपृद्धः अवन त. र राष्ट्र छहे चटक अवस्ताह च—ा।

and the and the state of the state of the state of the

भावक्रमां क्रायमी भा

न्यु हा कि एक एक व कि देन कुलिबिसि, अनु बन्न किर्गालक ब्रह्मक प्रमाप्त - - र प्र इत चुल्य कर्त्वा विकास सद ग्रहमात्वाका स्वतः । युक् ४.४६६. ট্রাংশার বাবে । পর্বাহ বহল সহপুট্রি বিলাপ্ত ক্ষেত্রনাতি নিজকুত্রকুল প্রায়ার হল कहर पर पर पर प्रतिभाग कर से मा कर के प्रतिक्षित स्थान कर के का ा पन वा १० १० १ वा दा रहे अवत का रमान्योगीत अधनेका निवाल स्वाप्त कहार प्रतिकृति विकास का विकास प्रशिक्ष का प्रतिकृति प्रशिक्ष का प्रतिकृति का प्रति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रति का प्रतिकृति का प्रति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति कारण पर कृत्य नामार पितृ कर प्रथम प्रिमार असु ए कार्य स अरामाद्वासन् मानद्वामि माद्यन • १ ५ द सम् । अन्यापित्र कारामाध्यमिकामी कार त्या नावापिकाणा हेरणाव वश्याः देव मानक अन्तर मह विद्याल लग्न हरण था। दावन माकासददक विकास माईएका विवाद-বিকাৰ ৮০ জন্মত্ৰ পক্ষত্ৰত্বিকাৰে সমুখ্যি। ন্ৰস্ত্ৰস্থানে সমুজ্যু লয় , पर र नत्र पृत्ति का कृष्यित अपका केंग्रिक्ट विकास विकास विकास का का की व स्तान कर कर कर कर सुध अकिता महेल अक्तिक सुक्ति अक्ति स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स १९१० ते । एक केलार, अक्रम्डस्ट, प्रमा क्ष्य । द्वार महि दल क्षांसाइटक विशाहसः भाक्तिकार्यक्ष्या भावति । अस्ति । ् गार्क श्रेष १४ ४६ ५५क १४ छत्। सर्व^{र्}ण १ अनुस्य सर्व सर्व नहरू । **स्थान स्थान स्थान स्थान** स्थान हिन्द्र । লহাত এসমুন্ত্ৰত প্ৰত্য পৰা ব্যাসৰ নেকেকাৰ কালী সিতা প্ৰত্য প্ৰতী ৰ সভাৱৰ পূৰ্ব চাত বিভাৱৰ পৰতে উ কুকাক্তান্ত ভূৰণ মধাত্তপৈতি আৰু মালগ্ৰ अधारत्याच कुर्वाकेद्राण राष्ट्रासह अदिकार वादक छ स्टब्र खार । चावक। सर्वास समुक्त ⊭েব টানি পাল জনুপলন চে ভবতবর্গত ভিকোশ হৃদিব কালা কালচেলীতি দিক্ রাজা (হিনালয়, তেনকুট, প্রেটেখের নিষ্ধ, বৈদ্যামণিময় নীজ, চল্ড-ভুলা খেত এব সংধাত্বিচিত্র পুত্রান্, সিছচারশসেবিত এই ছয়টা

২৭পৰ্ড ৮৮ ৫৮

(৩) সক্ষাতৃশিন্দত পি।

বিষ্ণানি বন্ধ সভানি নানাজ(ত নি সাক্ষা)

ইন্দু দি বন্ধ ব্যা তাতে বিষয়ত দেবৰ নাম।

১০২ কি প্ৰাথবাস বৃদ্ধ হিম্বুর, প্রন্ত ।

১০২ কি প্রাথবাস বৃদ্ধ হিম্বুর, প্রন্ত ।

১০২০, মান্ত্র হার্থ কি স্কুর্ত ।

১০২০, মান্ত্র নি ক্ষু নিম্বুর মের্থ কু এ লাম পর্ব ॥ ॥

১০২ পর ম্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ পর ম্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ পর ম্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ পর স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ পর স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ পর স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়, ॥

১০২ স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্ব্রাধিয়া, ॥

১০২ স্বার্থিয়, প্রাথ্য ম্বার্থিয়া, ॥

১০২ স্বার্থিয়া, প্রাথ্য ম্বার্থিয়া, ॥

১০২ স্বার্থিয়া, শ্রাব্র্থিয়া, শ্রার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, ॥

১০২ স্বার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, ॥

১০২ স্বার্থিয়া, শ্রার্থিয়া, শ্রার্থ

कारक(को मृत्

सक्ष नहा हाना विचित्र विच्या निव्या निव्या

ভ্রম্করের এই প্রত্যুত্ত বহু মধার ঐ দেশ সকল সহও সহও যোজন বিস্তৃত। সহগতে মা সকল প্রিয় দেশ আছে, সেই ফুলিকেই বই বলো আ সেই বহুত লাভ কান হাছিয়ে প্রতিক্ষাক্ষেত্ত কান হাছে প্রতিষ্ঠান

দক্ষিণ'দ্ধে এই ভারতবর্ষ চণা

ভারার পর তিমালয়ের উত্ধে এব তেমক্টের দ্বিকে কিয়রগণের বাসভান হরিবধনামক বৰ কথিত মাছে ০৮০

মরাভাগ। নীলাগনিশ দলিখেও নিষ্দ্তিবিক উত্তি প্রতি পশিচাম বিশুক্ত মালাকান্-নামে একট প্রতি মাণ্ড ।১১

(१, .हम्दर्भः भट्यु भि च वकः - भूकादः भि वः दट सर्थि।

ত্কণ কিৰ্দেশ্যক বিন্যু ইব পাৰকং !

যাজনানা সহল নি চুকালী নিমুন্ধি বহু ॥ ১১॥

ক্ৰম্ম ক্ৰুকালী নামাজনানা মহাপ্ত । ।

ইক্ৰমৰ চি নিমাক্ চ নেকাৰাই লা নিজনি ॥ ১২॥

নাম প্ৰস্থা ৰাপাৰ্চ হ বা সাক্ষ্যা বিশ্ব । ।

হল প্ৰস্থা ৰাপাৰ্চ হ বা সাক্ষ্যা বিশ্ব । ।

ইক্ৰ ৰেচৰ ক্ৰম্ কুলপ্তা গৈতিক হ লা লা বিশ্ব কুল্মা মন্ত্ৰ ক্ৰম্ম কুলপ্তা গৈতিক হ লা লা বিশ্ব কিন্তু কিন্তু কুলপ্তা গুলিক কিন্তু ।

সামান্ধি কিন্তু কিন্তু কুলপ্তা কুলিক কুলামান্ধ ॥ ১৪॥

सारक(को गृमी

ଜନ୍ମ ନ୍ୟାନ୍ତ ବର୍ଷ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବସ୍ଥ ବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟୟ ବ୍ୟବ୍ୟ ବ୍ୟୟ ବ୍

राज्य १४ च च च रुप्ति क्षेत्र स्थार , एक क्ष्रात्व करा एवं कर १८०० राज्य ११ च च च रुप्ति क्ष्रा स्थार , एक क्ष्रात्व कर १८००

ভারতভাবদীপঃ

हरः भारत्वन्त्र स्वास्त्र , १० वर्षा ६ एक व्यक्तिकार स्ट्रिय स्वास्त्र स्व है गृहि व्यक्ति र १ १ १ वित १, ११ अपूर्ण हिम्हण्याचा विशेष स्वास्त्र महत्र (स्व हार व्यक्ति है । १ अपूर्ण विकास व्यक्ति स्वास्त्र है अपूर्ण स्व है व द्वार स्वास्त्र है व्यक्ति । ११ अन्य १०१५ व्यक्ति व्यक्ति स्वास्त्र है । १९०० व्यक्ति स्वास्त्र स्वास्त्र है । १९०० व्यक्ति स्वास्त्र स्वास्त्र है । १९०० व्यक्ति स्वास्त्र है । १९०० व्यक्ति स्वास्त्र स्वास्त्र है । १९०० व्यक्ति स्वास्त्र स्वास्

সেই নজোবান প্ৰাংহত পৰে গ্ৰহণ্ডনপ্ৰাঃ বভিয়াছে এব মালাবান্ও ব্ৰমানন্দ্ৰভাৱ মধো গোলাকাৰ ও অৰ্থয় মেকুপ্ৰভ আছে #১০#

সেই মেকপপত — উল্মন্ন স্থা ও ধ্যশ্য অগ্নিং যায়ে উক্ষল এবং ভৌরালী হাজার যোজন উচ্চ #১১#

রাজা। আর দেই , কলণত চৌরালী যোজন দুগড়ে প্রবিষ্ঠ। এই ভাবে দেই মেকলণত উজ্জ, সধ ও তিয়াক্ দিক্ সকল বাপ্তে কবিয়া র চিয়াছে॥১১॥

ভবতনকন! রাজ । সেই মেকর হারি পার্ব এই চারিটা বিশাল বর্ষ রহিয়াছে, ভ্যাব, কেরুমাল, ভারত ও পুরাবান্দিশের আশ্রায় উত্তরকুরা ॥১॥ ১০) আনি নাবেলালাল পি ব ব ব ব, চরুবলী নিজ্ঞান পি চতুবলীতি-কভিন্ত, বা ব, লোহলাল কিল আন, নি। ১০ অব্যান্তভুৱলীতি, পি বা ব্লানি, ১০, পৌৰ্ণানুধীকা বাষ্য়ানু বা ব্লানি, (सकक हसस्यानास्यानाक अकियान्। करित्यक दिन वदा हत्य किन हा कास्त्रम् ॥५०॥ उस्ति हिन्द वदा वद्य किन अकिया ॥५०॥ ठिल्ला किन सम्बद्ध वद्य क्षिण्यक कास्ति है। अविद्या स्वादा का क्षिण्यक कास्ति है। अविद्या स्वादा का क्षिण्यक कास्ति है। अविद्या स्वादा का क्षिण क्षिण कार्य है। अविद्या स्वादा कार्यक क्ष्मिल दिन है। अविद्या स्वादा कार्यक क्ष्मिल दिन स्वादा ॥५०॥ उद्या किन विद्या कार्यक कार्यक किन स्वाद्य है। अविद्या कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक ॥५०॥ उद्या कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक ॥५०॥ अव्य कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक ॥५०॥

ভারতকৌষ্ণী

বিক্লাইতি আনুশি নাম, জনগত গতছত জুগন ন লেছ, নজানু ।,৬।
নাজ বিশি হ বি ন্যক্ষে হাংসালাহালি । লেছনপথ থনন সংগ্ৰহ ।১৫।
কমিতি , শা নাহম, মহালগানি ভাত হা প্ৰিন্মিণি । ৬।
সাইছি সংগ্ৰা হাংসান লগতিলোভ স্পৃতিহিণি ।,১।
মাহেছি । জন্ম শৈলো মেহেনী ।১৮০।
ক্ষেত্ৰি । সাহ যি নিৰ্বা । গানকা স্ক্ৰা ব্যুটি ।১১।

ভারতভাবদীণ:

আৰ্থিন ন্যুব্দ ১৯০০ - বত্ত পুৰ্বলোধন কাজন ন্যুক্ত কাজ কৰে জাৰ ইবাজ—বিহুপ্ ইতি ম ভাম্বহণৰ এনা সংকৰ্ম কাজনু উত্তৰ্ভ কানৰ প্ৰাণিতি কৰা ১৯৮৪ জ

'শুষ্ধ'নামে গঞ্জের যে পকী। পূর চিলেন, ভিনি প্রেকপক্ষে কাক-হুলিরও সুন্দর পক দেখিয়া ডিভ করিয়াছিলেন ১,৬০

'ক্ৰেকপাৰত যথন উত্য, মধ্য ও সংখ প'কংগণেবভ ্কান ভাৰত্যা ক্রেনা, তথন উচাক্ত সংখি সাগি ক্রিব' #১৩#

ভেজাৰিছোট প্ৰা, চৰং, নকাত ও বালু ইতারং সংগ্ৰাট প্ৰান কিবতাৰে সেই জিমেকাপাণ্ডের সকল দিকে পরিভ্যণ কর্মে ছাডাঃ

মহারাজ ! দিবা পূপা ও ফলস্থাছিত সেই সুমকেপাইত সাণ্ডু'ছাৰ সাই-পাকে ব ভাবনে প্ৰবিধাপু বহিষ্টাছে #1 ৭#

রাজা। দেবগণ, গদ্ধবাণণ, অসুবাণণ ও বাক্ষাগণ অপ্রবাদের সহিত্ত মিলিত হটয়। সর্বদাট সেই সুমেকপ্রবিত ফ্রীড়া কবিয়া খাকেন ॥১৮॥ स्थ्यः सन्देश्वर दिश्वार १० १ । द्रान्यः १८८० में अस्ति दिति द्वार्तः ॥२०॥ स्थाप् १८६५ - सन्देश्वर शक्तार्थाः । १० द्वार - स्ट्रांट स्थाप्ति श्रेष्ट्रीः । १० द्वार - स्ट्रांट स्ट्रांट स्थाप्ति । १७ द्वार्थि स्ट्रांट स्ट्रांट स्ट्रांट । १० द्वार स्ट्रांट स्ट्र स्ट्रांट स्ट्रांट स्ट्रांट स्ट्रांट स्ट्र स्

get a total and a significant and a significant

the second of th

त्र । देव प्रति क्षेत्रकृषानि, एक द्वारवास्त्र । १२० व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र

ভারতভাবদীপ:

ଟ । ଏକ ଓ ନମନ ନାଞ୍ଚଳ ଅନ୍ତ । ଏହା ବ୍ୟିଷ (ମଣି ଅମ୍ବେଶ୍ୟ ଅନ୍ତ । ନାଜିବର ଓ ଓ ଓ ନମନ ନାଷ ବ୍ୟେଷ ।

ইংব নাবে এবল এবলৈ হয় ও ও পাতৃতি গ্লাহ্মার্ম সাইয়া নানাব্য কবল্ল স্বাভ্যাক সম্ভূতি বিয় গ্রেক্ন ॥২ আ

জন ৰ্য ত্মত হা সিং, লগ ও পাল পতি কৰুলো পাজ্যক উংস্থাৰে স্মায়ে সেই সুৰ্ব্ধান কৰিবল আক্ৰম মুখ্য

হু সন্ধান দুখা এই নাম গোলার সাহত দেই সুগান্ত প্রাক্তির ইপরিছারে। ভারত না ক্রেন কল ক্রপুর না বসুদানে সেই কুগান্ত প্রাক্তির হা লা, আরু এই সকল সহল গতান ব্যাহন কলকের্ড্রই বিকাশ গ্রাহ

ভগ্রন কুলের ,সই অংশকপ্রেম হইপেই চুইপিলাগ আনম্ন করিয়া ভোগ ক্রেন এব হংপারে ,সই সংনর ,স ভলভাগের কিম্মান মহস্পাধ্যক সান ক্রেন্থ্য

१२२ देशनेक सहते भाषा र वे गीत देना बहुगति के वादा सि ।

পার্থ বিজে করে দিব। সাই বৃদ্ধুই দিহ তথ্।
ক্ষিত্রক ব্যাণ শিলাক কেম্মুস্ত ব্যা দিয়া।
বৃদ্ধু সাংক্ষ্য পালুপানি দিবলাভূ বৃদ্ধু স্মান্ত হয়।
ক্ষিত্রক ক্ষেত্র ভ্রত্র ভ্রত্রক মান্ত য় ।
ক্ষিত্রক হিলাক বিজে প্রত্র ভ্রত্রক যায়।
কিষ্ত্রক হিলাক বিজে প্রত্র ভ্রত্রক যায়।
কিষ্ত্রক হিলাক বিজে কিছিল সাল্পানিক দিবলা ।
ক্ষুণ্ডপ্যা সিক্ষে আবর হা স্ক্রেণিন, ।
ক্ষ্তির নহি ত্র হৈলাক ক্ষিত্র ক্ষ্ত্রক যায় ।
ক্ষ্তির নহি ত্র হৈলাক ক্ষিত্র ক্ষ্তির ক্ষ্তির ক্ষ্তির বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক

कावजरको मुनी

পাশ্রীতি চিতার ব্যা বি আন্দেশ সন্ধান্ত সন্ধান্ত বিধি । পশুস্থিতি দিব ভাগ পুশাল ভাগনাত দিন সভাগ কি বিধি বিধান বিধান স্থানি । সংগ্ৰাহিক বিভিন্ন পুরু বৈদ্যা প্রিভিন্ন ১৯৭৮

কাজানি সভায়ত ক্রালের জ্বলের জ্বলত লাভ তিব্যাল তরা চুক্র আলা, আলারিনির উল্লেখিন তলন নাম বিশি নম্মান সভায় সলাক লাভা কর

ভারতভারদীপ:

ছার্শালে সংখ্যাতে সালিক কার্থা করণ কর্মার কর্মার করা সাধার হয়। হয়। সাল্ধা বিভারত বিশ্ব বিষয়ে কর্মার হয় কর্মার ক্ষা সকলোর বিষ্ণারিক স্কেলী নিবহার । সার্ভারক সাক্ষার ভারত হয় হয় হয় হয় বিশ্ব পারণেন

্সেই স্থাকিপৰাকৈ ইতাৰণ কি পিলিংসামত তেইতে উৎপয় সকল আ্কুর শু পাই পরিপুণ, অলুল কিন্তু থ মনোত্ৰ একটি কনিক কলন আংশ্ভ ১৯৭৭

ক্ষণতের স্পতিকাশ ভগরান মহাপুদ্র দিবা সক্ষণতা পারতেপিত হট্টা উমাদেশীকে জট্মা প্রমান্সট বন্ধ বিহার কবেন ৮০১৮

ভংকাংকা তিনি চর্ণপ্য।সল হ'ব ক'বিম লা ধ'রণ ক'বিম উদিত তিন্টা। সুংখাৰৈ আয়ে ভিন্তী: নয়নছাৰা আংশে ক'বিস.ব ক'বম হ'বন ॥. ১॥

ভ্যক্রতপজ্ঞাক।বী, ৮০২৩5বৌ ও সভাব লী 'সঙ্পুক্ষের। ভালাকে নালন ক্রেন, কিন্তু পালিদের। নামণ্ড্রবকে দেখতে সম্প্রয় নাম্প্র

ন্ত্ৰণে। তুগাৰ আয়ে ভ্ৰণৰ, বিঞ্লকণ, অপবিমিতা, ভয়দ্ৰপ্তনা-ঘাত্ৰকা, প্ৰিছা, ধাস্থিকভন্দেবিভা, ভগীৰখানীভা ও ভ্ৰদায়িনী গছা সেই

कारक्टको युगी

ng· a か b function end a person fire 5 Michigan Fire and August and August

ভামিকি । ভাগ প্ৰাষ্থ ভাগা ভূতৰপত নকাৰে ।০০।

The state of the state of

भू पृष्टि ४ तुर्व १९ त स्था 👢 १९ तप् अप्यत्समाधा ए व १०००

ষ্ট্ৰ টাৰ নিগিল নিশান কথাৰ বনক বালেক শাভ সাল কোনাৰ সুমাৰোপৰবাৰেৰ শুলা কৰলৈও জাল ৪ জাত্ৰল ,বালে আনাৰবাৰ পতিত কচা যেছেন। সুমাৰাপৰবাৰেৰ শুলা কৰিও জাল নিয়াৰ কৰিয়া জিন ॥১৮ ১৯॥

হাত কুন দাৰ্ব কৰা প্ৰশেষ প্ৰকৃত ভূষণ, ুস্ট গ্লেণ্ড ভ্ৰান শাত স্কুত্ৰ ব্যস্তপ্যা ভূমিহাদেশ নত্তিই ধানন ক'বিয়া ভিলান গাইল।

বারা। প্রমক্পরতের প্রির দিকে কেতুন লনামক স্থান আছে এবঁ চক্দীপে সেই ভারেনই বৃহৎ একটা, দেশও সহিস্তের ৪০১৪

ভর্তনক্ষণ ্ল সংখ্যার মাধ্যমের দশ সহতে বংসর আম্ তেইটা মাধ্যেরী অব্বৈতিক সুম্মাকেরা সক্ষরাদের হলা ৮০০

সে (দেশের মানুষ্টের: সক্ষেতি ই নাছিলের, লোকশ্বস্থা এব প্রয়েক্তির, আর সে দেশে মানব্যণ তথ্যকাঞ্নবর্গ চইমাট জংগা ।০০॥

১৯ প্রক্রীয় প্রত্তের বাবার নি ৩২, ভিবাস্র শিন্তব্যক-প্রাবার। ।

¢

भक्षणान्त्रभाष्ट्रं कृ भट्ट इस्ट्रांश्वरः ॥ १०॥ ।

इक्षणान्त्रभाष्ट्रं वर्षणाः सद्याद्वरः ॥ १०॥ ।

इक्षणान्त्रभाष्ट्रं वर्षणाः सद्याद्वरः ॥ १०॥ ।

क्षिण्याद्वरं वर्षणाः सद्याद्वरं । १०॥ ।

क्षिण्याद्वरं दक्षणाः । भाषाक्षण्याद्वरं ॥ १०॥ ।

क्षिण्याद्वरं दक्षणाः । भाषाक्षण्याद्वरं । १०॥ ।

क्षिण्याद्वरं प्रकारकः । भाषाक्षण्याद्वरं । १०॥ ।

क्षिण्याद्वरं प्रकारकः । भाषाक्षणाः ।

अधिकटकोन्की

सामानि मुस्तान । १००१ । वर्षा वर्षा १५ ।

শংস্কৃতি অপরগতিকার্মরুস্কারা জুল মান্ত লক্ষ্যে সভি গ্রে সাধ্যমুদ্দা ইপিবিঅ সংক্রেক নাম্পর্য ক প্রিম্নানি (২২

তক্ষেতি। উৎপদধর্ণের আন্তর্কান্তি ভা: তেন

कीलाभिति कीलायभास्य , अन्यस्य स्वर्ण्यान ६३

ভারতভাবদীপ:

द्रश्चित्रश्चित्राय भाष्ट्रस्थिति व्यापन प्रमुख्य अहम हे भाजित है गण भाष्ट्र १२० — ३०। छुन्न वर्ग अह्य स्थान १००० जिल्ला वर्ग अह्य स्थान १००० जिल्ला है जिल

গুঠাকরাজ কুবের রাজস্পানের সহিত নিলিভ এব অভ্যার্থণে প্রিকেটিড হইয়া শক্ষাদনপ্রত্তর শৃক্ষে আয়েশে করিয়া পাকেন ধানা

গ্রমাদনপ্রতের উত্রপার্থ কাতকওলি স্কুদাকার ক্ষা কৃষ্ প্রত আছে। ভাষতা লোকদিশের প্রমান্য পরিমাণ একাদশ সহস্র বংসর ৮০৫৭

বাছা। আরে সে স্থেনর পুক্ষগুলি কৃষ্ণণ, তেজনী ও নহাবল এব স্থী। সঙ্গ উপেলবর্ণ ও প্রিয়দশ্র (১৬)

রছো। নীলপর্বতের উর্রে ছেডিন্ধ, সেড্রাসর উত্তে হৈরণাক্রয় এবং ভাহার উর্বে নানাদেশগুরু ইবাবতব্য ॥২৭॥

ভারতকৌমুদী

ध्यावित । एक देवलात्म, महारमकः निवः ४७२॥

खात्र उद्यादनी शः

আনি, দেহের পানিনাদ, আন্ধানা, নাম, ১, ৬কাম এই স্কল হোল উত্রেপ্তিব্যক্তি শোলিখন

ভারতনাকন মহালাজ। ্সহ ব্যক্তিতে মগুরুষক এই স্কৃল ভুগ্রিকিছি। এই চার এই পুথিত লা সকলেই বাং পু হুইন প্রিয় হিচাপ্ত আমন্ত

বাজা। সর্বয়শসমূজ 'কলাস নাবে একটা প্রত আছে, যাতাতে শুরুক্থাবের স্তিভ কুরের আমোদ করেন ১৯১০

७० चाः इन भिरद्रकृष्टि

আন্ত তেবেও কৈলাদা বৈনাক প্ৰত প্ৰতি হৈ ।

তিবলাল্লঃ অমতাৰ্ নিলো মনিলগৈ নিজিঃ ।৪ পা

কাল পাৰ্থে মহন্দিৰ। ভাল কালনবালুকন্ ।

তাম বিন্দুসৰে, নাম বাই বাজা ভালবিও ॥১৪॥

দুক্ষ্যী ভালবিপাল স্মানুবলৈ বছলাং সমাল।

মুল, মনিলোভ ই চৈত্যান্ডলি হিবাসা, সহল (মুলাকন্

তাম কিল হৈ হৈ মিলি সহন্দিল মহলোগ।

মানী, ভূতপতিমই স্মানুলাক নিমান্তনান্ ॥২৬॥

ইলালেন্ত ডিলেন্ডলা মহলুই স্মানুভা

নবনাবাল্লী কলা মন্তঃ অনুভা প্ৰত স্মানুভা

তাম নিলা ত্ৰিপাল্ল মন্ত বুলিক প্ৰমান ।

তাম নিলা ত্ৰিপাল্ল মন্তন্ত প্ৰস্তান প্ৰমান ।

কালোক নিলা ত্ৰিপাল্ল মন্তন্ত প্ৰস্তান ।

কালোক নিলা ত্ৰিপাল্ল মন্তনা প্ৰতিলিক।

কালোক নিলাল্ল মন্তনা প্ৰতিলিক।

কালোক নিলাল্ল মন্তনা আনি প্ৰতিলিক।

কালোক নিলাল্ল নিলাল্ল মন্তনা আনি কালিক।

কালোক নিলাল নিলাল্ল মন্তনা আনি নিলাল মন্তনা আনি নালিক।

কালোক নিলাল নিলা

ভারত্রে মূলী

আবীতি কৈশসমূহতাক কিলাসালনতে উত্তানকে তিলালাল নাম্থান ভালেতি। অসম অনুকলপূৰ্ণি কাজলৈ ও ডিকে বাবুল হয় লা সন্ধাস ন তৈয়ো ক্ষাপুত্ৰ ৪৪৪—৪৪৪

সংবৃতি ইলু গলা কর্ণ আইতি জকাম হুন কৃতল তই লাভত উল্লিটিঃ তিলুকেল হুল কিব, মুটা পাছনালা তড়ি চৰ ভাষ্তিৰ আই বিন্ধুকলি প্রতিশ্ব সাহনালা তথ্য

দেবধিগণপুলিত ভগৰান্মতাদেব সেই কৈলাসপৰতে শীণল ও নৰেত্ব প্রসময় স্থানে স্কলেই উমানেধীর সহিত মব্তান কলেন ॥৭১॥

কৈলাসপ্ৰবেছৰ অদৃৰে উত্তৰদিকে সমনাকপ্ৰবেছৰ নিকাট বিশাল ভাচনা। 'বিবায়শুক নিমে মবিময় একটা প্ৰতে আছে ১৭০ঃ

ভাষার পার্বে 'বিজুসর' নামে বিশাল ও মনোচর একটা ভলাল্য আছে , ভাষার জল ভশ্বন এব, বালুকাগুলি স্থান্য সেখানে স্থার্থ বাল গঞাকে দেখিতে পাইয়া ব্যাস্থান বাস করিয়াছিলেন, সেই স্থানে ব্যাহর সানিন্যু স্থা ও হিবায়ে ম্ভাভবন সহিয়াতে ১৭৭—২০৪

মহায়শ ইন্ত সেই ভানে যাত কৰিয়া সিদ্ধিলান কৰিয়াছিলেন, যেখানে থাকিয়া বন্ধ চিৰকাল সমস্ত লোক কৃতি কৰিয়া থাকেন ॥৬৮॥

আর যেখানে মক, নারায়ণ, একা, মফুও শিব অবস্থান করিয়াভিলেন এব বেশানে ভূতের। সকলদিকে খাহিয়া ভীত্তেকা শিবের উপাসনা করে বিগ্ল

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীপ:

ত্তোজাৰ নৈন কৰে আৰু বাৰ বিশেশ শুলা একৰা কৰ্মণা কিন্তু কান্তীয়ি চৰকেই ব্ মুল্লিলায় কামণা কামন ক্ষেত্ৰ সংগ্ৰাহিক সকল বিশ্বিক ক্ষেত্ৰী ক্ষ সংখ্যাহাৰ সংবিধা সমাস্থা কাম বাৰ প্ৰাৰ্থ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষেত্ৰী ক্ষেত্ৰী ক্ষ

সংগ্রহণ ব্যাংগাক হউতে নির্ভিত্তীয়া প্রমে সেই বিক্সংখাবরে প্রতিষ্ঠা কাত করিয়া পরে সাওটা ধাব প্রাপুত্তীয়াছেন ॥১৮৫

্সই সাড়টা চ'বাৰ নমে — ব'জ'কসার , নলিনা, প্ৰেনী সকলতী, ভাস্বন্দী, সীতা, পদা ও সিদ্ধান্ত

সেই গলাব মহিনা অভিকৃতীয় এবা জালেব শোভাও আলোকিক, আর ভিতি পুশাপ্রভাবসম্বিভা, সহস্থা মঙাৰ হইবল দেবভাষা গাডাত হীরে খ্যাক ক্রিয় পাকেল ৪০০৪

ভারার মধ্যে সংক্ষরী , সই সেই জানে দ্বা ও অন্ধা রইমাডেন। এই অধীয় সপু গলা ত্রিভূরনেই বিয়াত ৮০,০

রাজদের ভিন্ন লয়ে, মজেরা ছেনস্টে (কৈলাসে) এব সর্পের। ও নাগেরা নিষ্ধপর্যত বাস করে, আর সেই নিষ্ধপ্রতে গোক্রনামে একটা তলোব্নও আছে ॥৫২ঃ

(a+) সভাল প্রনোদেশির সংবিদি, কাই বারি।

দেবান্তবংশাকে গুড়া খোতপ্ৰত উচাৰে।
পদ্ধ নিৰপে নিতাং নীৰে প্ৰক্ষাবন্ত্ৰ,।
দুজৰ ন্ত মহাৰজে। দেবানাং প্ৰিদকৰঃ ॥৫ আ
ইনোলনি মহাৰাজ! সপ্ত ব্লালি ভাগশং।
ছুত্ৰপ্ৰিবিকানি গতিমন্তি প্ৰকাশি চ ॥৫৪॥
তেপান্তিবিধা দুজাতে বৈবমানুধা।
আশ্বন প্ৰিণ্ডানুত প্ৰক্ষা, জু বুড়ুবত। ॥৫৫॥
মাং পুজ্ৰি মহাৰাজ। দিবাব্যতাং শশাকৃতিম্।
পাৰ্থে শশ্ভা কে বৰ্ষে উত্তোধে দিকলে, হবে।
কাণো কু শাক্ষাপ্ৰত ক্ৰোপ্ৰীপ এৰ চ ॥৫৪॥

कात्रकरको मूमी

্দেৰে কি গুলাৰ ক প্ৰিসক্ত বিচ্বৰ্থান্ত, স্টুল স্চাং লোক, হোল ইত্যাত কু পুন্দ অৱস্থান্ত দা সহান্ত্ৰ বিহাসান্তা, ভূতানি কালিনা, ইন্তিৰ বিজ্ঞান্তি, তাৰ্থান্তি লোক শ্ৰিম্পি জন্মনানি, এবানি স্বাহন হ'ল হ'ল ক্ৰিম্নি, ত্ৰাণ ভূমান মৃ, ক্ৰি সক্ষ্য, ফ্ৰেম্মনানি লোক নিবাহন নিবা ক্ৰিয়ে,

্দীগ্দিলা কথ্য একা তার্ধক করিছে আন প্রথমিক করেল করে । ভারতভাবদীপঃ

भागान्यद्दर भाषान्य कि स्वतः कि स्वतः होत्र वा स्वतः वा स्वतः स्वतः वा स्वतः स्वतः वा स्वतः वा स्वतः स्व

মহারাক। দেবগণ ও অস্বগণের বাস্তান শেহপ্রতেও আছে এবং লক্ষ্যেরা নিষ্পপ্রণত, আর এক্ষ্যিরা নীলপ্রতে বাস করেন; তারি পর দেবভারা শৃষ্ণবামপ্রতেও বিচরণ করেন এবং॥

মহাবাজ। বিভাগক্ষে এই সাত্টা ধ্যেষ বিষয় কথিত কটলা; জলন ও স্থাবৰ এই উভয়প্ৰকাৰ প্ৰাণীই এই সাত্টা ব্যথ স্বস্থান কৰিতেছে মংগা

সেই প্রাণিগণের দৈবী ও মামুরী নানাবিধ সমৃদ্ধি দেখিতে পাওয় বায়; কিন্তু ভাচার সাধ্যা করা শাক্তর অসাধ্যা। তথে মকলাথী লোক সে সমৃদ্ধির বিষয় শিশাস করিবেন ॥৫৫॥

(২০, জেবাল্লবাল্ল করে। নি। (৫০) আরু পুজ্রি মাণকামন্। বং বার নি, কংশী টুনাল্লীপশ্চ পির। বারণঃ



ন একেপনিরে রাজন্। ই মান্মলনপর্ত। এতকি নীলা বীপেকা দুশাতে শংলা কিত্যু ॥৫৭॥ ইতি নীলকানারতে শত্মাত দেশে সাজিত্যোগ বৈল্যাস্থাকে তালাপকানি অসুথ্যাসিনিক হৈ ভুলাশনিকবিলাশ বিধাহনে ব্যক্তাহ্বর্মিক এ০॥

ভारट(को भूगो

্ন হ'ব স্থাপত কৰা কৰিব হাৰ প্ৰায় প্ৰায়ে প্ৰায়ে, প্ৰায়ে, তুৰ হ'ব প্ৰায়েশ কৰা প্ৰায়েশ কৰেব হাৰেব হাৰেব হাৰেব ভারতভাবদীপঃ

or y to a control of and offer your for engines of light fulle िक कर १ दर को प्रस्ति स्वास्ति के स्वास्ति स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्व कार्या ते कर दा तर किम्बल है के बार कार्य होति । म भ र भ दे भ र १ १ १ १ १ १ मा किस के साम्बर्ग देवा एक स्वाह्य । अस्त इक्ता चनवर्णन् तम् गाह्य तम् इक्ताः गण्डित् अस्तिवकृतिरङ्गाहेस रें में रें के प्रतिकार में देशा है कि के पूर्व कर रें ने स्वर्धनीय क रहत्व र प्रमाण । र भ । त है वर्गनप्रदेश है के माराधाला अवस्थाल के । विश्वी वड - १ - जिल्ला - जन - चनित्र के वनश्र कृष्यनाव्यवद्यान कालान द्रा व पर्याप में ह लागान पर इस ६ नहां है । ज्या ६ को र गर्म इस ६ क्यो इ.स. १० १ ६ १ १ १ मा १४ । उद् क्षाण क्ष्मद्र विस्तान महार मुखिती 東京というとはなる。 ちょうのちゃながれている 李を明また ことをなりまする。 同事をくなる

মহার ছা। আপান আনার নিক্ট এই যে দিবা শশক্ষাতাতানের বিষয় এবে শহার দক্ষিত ও উত্তলগ্রের ৪০টি বংগর বিষয় ভিজাস করিয়াছিলেন, ভোৱা এই আ'ভহিত এইল। ড'র পর শাক্ষীপ ও কানুসভূপে ই শশক্ষানের ভুক্ট কল্পার্প ॥। ব

(१९) र द्वार्यालाल तामसा दान्य , सञ्चलगानावा वाचस्त सि ।

मश्रीकारभागः ।

भूठवाचे हेवाछ ।

0 12 4

মেবোরধোত্র পর্য গুলকাচজ, সঞ্চা। নিবিলেন মহাবদ্ধে। মালাবভুঞ্জ পর্যুগ্রা।

अक्षत हेवाह ।

দক্ষিণের ভু নীল্লা হেরের: পার্থ ৬৮০ ৮৮৮। উন্নয়ং কুবরে, বাজন্ধ পুলা চিন্তনির্গলিকা, দলা

ভারতকৌষ্ণী

ইতি মহ ব্যাহালার ও প্রার্থান্তির প্রাণালন্ত ও সংগ্রাহ । ব্যাহিক । নার্থাকানুষ্ণালন্ত্র বি ভূমিল্লাকী ওশ্বাহ্ন সংক্রম । ।

্মরে বিভি নিশিবেনে গিড়বলদানে নিজ্লামন স্বাদ্ধ কর ১ ভারতি চাবদীপাঃ

है कि भी प्रमान के जिलान के एवं के ने कर के देशार ने के देश

য়াছো। কাল্যান্যলয়পকাটের প্রতিগল তামন্ত তে এই মলয়পকাটেই ছম্মীপের নিটায়ে শশাকৃতিভান দেখিতে পাধ্য সামী ১০০০

পুত্ৰ।টু ব্লিলেন—'মচাবৃদ্ধি সভয়। উহাৰ পৰ টুনি স্থানকপ্ৰতেৰ উত্তৰ ও পুৰুষণাৰ্শেৰ বিষয় এই মাল্যানপ্ৰশাহৰ বিষয় সকল বলা। ॥

ভারতকৌমূলী

पणि करा। पणि सहस्वत्यास्थान हत् दुना है हाराशक के साथ हा।

के दिन चार्च सहस्व देवाल स्थापिक के पूष्ण वर्ष क्रास्त्री के के आ

कि वर्ष के इंग के देवाल स्थाप स्थाप के साथ क्षा के साथ के इंग के देवाल स्थाप के साथ के देवाल स्थाप के साथ के इंग के देवाल स्थाप के देवाल स्थाप के इंग के देवाल स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थ

সকল কলিলোন 'কছো গ নীলাপাক্তের স্থিতি এক সুম্কেপাক্ষেক উত্তাৰ স্থিত ও সিক্সাকত উত্তকুক নুদেশ কৃতিয়াত্যনে

्म (नर्भ कुष्याकुष्यान्थां) देठावन तुक्त घार्छ, अनुक्छ सर्छ सर्छ सर्छ। कुण ७ कल कर्या, (स प्षर्कि अभेगतन्क देन कल्छ सर्छ तस्माय वृक्ष प्रश

বাজে । সার সে লেশ কঙকগুলি রুক মণ্ড, সংগ্রে সম্প্র মানীত কার্য কলকণে জাল্ড, গাল্ড। মননাথ। বিশেষত সে দেশে 'গৌলী'নারে কার্য মনেক বৃক্ষ কাছে ৪৪৪

যে রুজহ'ল সকলেই অষ্ট্রুল। ছয়ী ধসমুক কার কি,সাবন করে হব ফলের ভিতরে বল্ল ও অলভাই উম্পাদন করে হয়ে।

নর্মাথ। বে দেশের সমাও ভূমিই মনিন্স, কর কৃষ্ণ স্থান্তাস্ক, স্কল কর্তিই অ্থান্থ এব কন্মপ্তা, আর সে দেশে, সুখাল্পান, মনোহর ও মাসলময় অনেক পুক্রিণী আছে ১৮৪

বৃশংকত্র দ্বনাধিল ৷—পি

মিপ্নানি চ জাগান্ত দ্বিশাল কৰিব পিনতান্ত্ৰদলি দান।

কৈবিশ তে কাৰিবাং কৰিব পিনতান্ত্ৰদলি দন্

মিপ্নং জাগাতে কালে দনং তচ্চ প্ৰেক্ত।

তুলাকপণ্ডাবেপতা সমাকেষং তামেৰ চালা।

একৈকমনুৰতাঞ্চ জাৰাক্ষমণ বিভোগ।

মিৰামন, শচ তে লোকা নিজাং মুদিত্যান্দাং ॥১০॥

দশ বৰ্ষত্ৰাণি দশ বৰ্ষণ তামি চা।
জীবিভি তে মহাৰাজ গ ন চাত্ৰে অং জহতুতে ॥১১॥

क तन्त्री भूनी

নেহবিদি, শুরু দিজন্দকর নিজ কু চুক । দিছেই কুলে ই লাগ ই ন বিশ্ব লাগ মিখুল নাগত টি নানি স্থাপু সংশাল নি, জ শাস্ত মাতুল ম বি সংখি নত মিখুলনি দ সংগল নাল্য লাগ্য বা মাত্র সভানন্ত সহ নালৈক নিছি। অভ্যান্ত প্রকাশন প্রি ভালত সভাল ভাল নি কু মৃত্য বা লগতে তি ভালত সভালি শালালে সুলল্যের বি তেক ই লাগ্য ত

ভারতভাবদীপ:

ক্ষেত্ৰক হলি সামেলে মিত্র দেশুনে নিজারাহ কামপ্রাপনাল্যার আর্থা, তান ও নানি পুজাতি হেবে বিভিন্ন হা মন্ত্রা আত্রকার ১০ সা প্রক্তিকান বিজ্নাক জনকেন সম্পর্ক পুরুষ্ট্রিন ১৭ — সং ত্রুবাকী সহস্থানী প্রিক্তিশেশ সীন্ত্রা নামত তিয়ালয়ের ছার্শি প্রীর্থ

সকল মাধ্যই দেশলোক এই চইয় সে দেশে দশ গ্রণ করে এবং নিশাল বাশে দিশের ও অভাসু প্রিয়দর্শন হয় ॥৭৮

দিশ্ভি সকল একসংগ্ৰহণ হোৰ কৰে, স্থালোকচুলি সংগ্ৰাৰ হুলা সুন্ধ হয় এবা হোৱা সেই জীৱী স্থাহৰ অমুস্কুলা ক্ষাৰ পান কৰে॥৮॥

জুণি ও পুক্ৰ যথাসময়ে একদা জ্বাড়, ভাছার, সমানভাবে কুদি পায়, সমান কুপ ও ওৰজালী হয় এব ডুকা কেষ ধাৰণ কৰে গঠন

রাজাণ ভাষারা প্রতাকেই চক্রাকদম্পতির হায় প্রস্পারর প্রতি সার্-রক্ত থাকে, সে দেশে কোন হোগ নাই এবং লোকের মনে স্থলাই আনন্দ প্রেশি পায় ৪১০%

মহাবাজ। সে দেশের লোকের। একাদশ সচপ্র বংসর জীবিত থাকে এসং দেশুভিয়া পরস্পর পরস্পারকে পরিত্যাগ করে না (একদ'ই মরে) ৪১১৪

(১= এবহেবাজ্ডলক চক্রবাক হ'ব ব' নি .

ভাৰতে নাম শ্বানান্ত ক্লেন্ত নহাৰত ।

বিশ্বিতৰভীত নহাৰ্তি প্ৰিক্তিত চান্ত।
উত্বা কুবাৰ ৰাজন্ । বাবানানাতে সমাসকঃ।

মাৰণ পাখনত পূল বজানিতে মণ্ডেন্থা জ্যা
কলা মইনিপ্ৰেক্ত অন্তন্ত বিশ্বিত্ব।

সদৰ লাবনা বহু কালা মূল্য মহাজনাঃ ॥১৬॥

কান্যে মুখাবাজি । নি নাল্যেতিয়া জানাহাৰ বাং।

জনমান্য নাজনোহালে বিভাগেতিয়া জানাহাৰ বাং।

কিন্তুলনাগ্ৰহ জনকা, প্ৰিন্তৰ নামানাঃ ॥১৬॥

চন্ত্ৰ শ্বানাগ্ৰহ জনকা, প্ৰিন্তৰ নামানাঃ ॥

চন্ত্ৰ শ্বানাগ্ৰহ কুবালা হবিদ্যালা ॥১৭॥ মুখাক্ষ্)

ভারতকৌমূদী

स्कार्त्त करन स्व , किरापित्र दश्तरणि सामुध्य छ। । व केरुबा देखित स्थामका सरक्षणका ३६००

सर्पि तर्गामा सर्प्रमाणित्व रक्षामा १,६६ १९६४ - कुन्य वाच अस्टानस्य । अस्य वर्णम् ५६

'শাক্ত নাৰ্য ভাজচেলু ও মহাবল পাজাক সুহুৰে পাৰে ভাজাদিগালে সুহু হুইবাৰ নিহাণিত কবিল পাজাহত্যাক নিয়া নিক্ষেপ কৰে ৪১২৪

ক'ছা। এই মাপ্নাৰ নিকটা সক্ৰণে দিবৰকুকান্দেৰেৰ বিষয় ক্ৰীকোমে, এখন যা নিমা-শাবিদ ৰ সুবালকৰ প্ৰদাৰ্ভাৱ বিষয় ক্ৰিয়ে কিল

ন্দ্ৰাস (সংগ্ৰহণ কৰিছে পূৰ্বণাছেই ভত্তিক্ৰৰ মধ্যা প্ৰায় একটা নত্ৰাসকল আছে, মাহাৰ্দ কৈলে,মু নামে একটা মুহাকুক কহিছাতে গ্ৰহণ

মহাংশাজ । কলাশেময় ও সিশ্বহারশগেবিত সেই কালামবুকে সকলাই ফুল e কল থাকে এব ভারার উচ্চতা বরুগোলন গ্রেগ

(১৩) তুম⁶র হরিণরদা নি

সে ,দৰেৰ পুক্ৰেৰা খেতৰৰ, কেছল ও মহাবল এক মহিলাৱা কুম্দ ও

দশ বৰ্ষদহাৰণি ভাতাযুৰ্ভৱতৰ্য । ।
কালা মৰদ্পী নাজে নিৰ্দ্ধান্ত হৈছে হৈছে হৈছি হয়ে বিনাঃ ৪১৮॥
দকিবেন ভূ নী কলা নিৰ্দ্ধান্ত ভিৰেণ ভূ ।
ভাগনিনা নাম মহান্ জন্ম কাম সনাতনঃ ৪১৯॥
সৰ্বকাষ্ট্ৰা পুনাঃ দিছ্টাৰণ্ড্ৰাই ।
ভাল নাল, সমাখাতো জন্ম ৰীপাং সনাতনঃ ৪২০॥
যোজনানা, সহাৰ্থ শত্ৰ ভ্ৰত্ন ভূ ।
ভিৰেশ্ব বুলাবাজ্য নিৰ্দ্ধান্ত মনুক্তেশ্ব । ৪২৯॥
ভাগনিনা, সহাৰ্থ শত্ৰ দিৰ্দ্ধান্ত মনুক্তেশ্ব । ৪২৯॥
ভাগনিনা, সহাৰ্থ শত্ৰি দশ পঞ্চ চ ।
প্ৰিণ্ডিন্ত বুলাল্য ক্ৰান্ত বুস্কান্ত চনাত্ৰ।

काशकरकोम्मी

মাংক স বিশ্বিক স্থানি ক বিনাম পাট্ড নিবল্ব মেন্ত্রী ক বিশ্বি । ১৮। স্থানিব বি সাল কৰে স্থানিক মাজাৰ স্থানিক স্থানিক

নাও "প্রমোজ - শন্ধাসের" ইপাত্র কালি হো সন্ধান্ত শেল ইলোক হোলেনানাজিলি। আলান বিশিক্ষিক স্পর্বস্থাতিক করি ভিজেক্স - পিকেল্ডুক্ বাহ্নেলনী ১৯১৪

শ্রাস নিভিত্য শ্রামির নিক্নিক্সের দুক্তিন ইত্যার । পরিব চেত বিকল্পত্র শাংসাইতি হার্থ । বংশনা নিভাতে অনুমার বিনীয়াত ইতি হুস্কাস্থ্যনা

छादछ हावनीन:

হাজাত ইত্য (১৯ — ১০ মূহ ভিগেত স্ক ভিগক স্কামিতি তবং (১৭ — ২০) যোগান নামিতি। অহণত কালেলত বি তে হ'ল প্ৰশাল্য (২১) তাৰং সভি সাৰ্ভ-চিজাৰ আয়ে ভালবৰ্ণ, স্কাৰা, প্ৰচন্দ্ৰ, চত্ত্বে হুলা কা ভূসিল্পালা, প্ৰচন্দ্ৰ নিভাননা, চিজাৰ কায়ে শীৰ্লাসী ও মৃত্যালীত নিপুণালা, ৬—১৭॥

ভরত শ্রেষ্ট । সে দেশে মানুষদের প্রমায় দশ সহস্বংসর এবং ওছোর। সেই কালামের রস পান করিয়া চিরকাল ভির্মৌবনই থাকে ৪১৮॥

নীলপুৰ্বতের দক্ষিণে এবং নিৰ্ধপৰ্বতের উত্তৰ 'কুদ্র্ন 'নামে বিশাল একটা জন্মপুক্ত আছে, সেট ভিষক।লই একভাবে রহিয়াছে ১৯॥

প্ৰিত্ৰ ও সিদ্ধোরণসৈধিত সেই চন্দ্ৰ ক্ষতি স্ক্রিকার অভীষ্ট বস্থালাত ক্যা যায় এবা সেই ভন্ন ব্যালের নাম অনুসারেই এই দ্বীপা চিরকালা 'জন্মীপা ' নামে অভিতিত হইয়া আংসিতেছে ১২০৪

ভরতশ্রের রাজা ৷ সেই কুকরাজ ভত্ত উক্তা একাদশ শত যোজন। সূত্রা সে বুক্ত গগনস্পানী ॥২১॥ প্রম্নেশন হল্পের পর্ব তি বিপ্লং অন্য্।
মুগ্রিত চরসং বাজ ত এন্ বজনস্বিভন্ ॥২০।
তত্ত জ্বল্পা, করবলে নদী দূহং জন বিপা।
খেকং এনজিনা গ্রুছ সংগ্রেষ্ট্রেবান্ কুকন্ ॥২৪॥
৪ত্ত ক্রেণ্ডান গাতির বিপাল, জনাদিপা।
ছবিন্ কলবলে লিডের বিপাল, জনাদিপা।
ছবিন্ কলবলে লিডের বিপাল, জনাদিপা।
ছবিন্ কলবলে লিডের নাজরা বাদার চাচান্তির।
ছবিনে প্রস্তান জলাত্ত নাজরা বাদার চাচান্তির।
ছবিনে প্রস্তান জলাত্ত নাজরা বাদার চাচান্তির।
হবাং মানবাং।
হবাং মানবাংশন জ্বলে দুখাতে হবাবাটি সল্যা।২৭॥
নাজা সাবারণক, নাম সালগ্রি মানবাংন।
হবাং মানবাংক, নাম সালগ্রি মানবাংন।
হবাং মানবাংক, নাম সালগ্রি মানবাংক, ॥২৮॥

ভারেত্রকামুদ্রী।

পার্কীর বা নামার নি, বিবার ভ্রাল বা ব্যাসসাহাল ,বীপার্থ পুরুষ্ট রা হার করিব নি করা কর্মার বার হয় করিব না করা হয় করিব , জালা কর্মার নিশার করিব সংগ্রাহ সম্পূর্ণ করিব। হোর বা করিবল পার প্রিক্রিক করিবলৈ কর্মার করা হার প্রায় করা হার বিশ্বর করেবলৈ করা হার বার করা হার বারি জানিবল করা হার বার করা হার বারি জানিবল করা হার বার করা হার বারি জানিবল

্সট ব্জের কলভাল রসের বেগে নিজেট ফাট্র যায় এব সে ফলগুলির বাসে সংস্কৃতিসকল অব ৮ (অবচি -বিজ্তকনিসাস্ভাক চড়া ॥১৮॥

রাজ। সেই ফলকুলি সূত্রে পড়িব র সমায় বিল্ল লগা করে এবং সেই স্থানে বৌধ্পার কায়ে শুহুবল রস্তি সরেও করে ৪০০৪

শ্বনাথ ৷ সেই জন্ত কলের বস নদা হটত প্রেকণক শ্বে প্রেলিণ করিয়া উত্তরকুক্দেশে যাইয়া প্রবাহিত হয় ১০১৪

রাজা। সেই যক্ষের বস পান কংগুর মত্তা লোকনিংগর মনে লাভি ক্রেয়, পিপাসা হয় না এবং জর ভারাজিগকৈ আজেনগ করে না ॥১৩॥

সেই নদীর ভীরে ইত্রগোপকাটের ফায় পীতবর্গ, উজ্জন ও দেবগণের অসম্ভার ভাতান্ত-নিংগে তার্নিংপর হয় ১১৬১

সে দেশে মন্তব্যার। উদয়মাম পৃথা বর্ণ কইয়া ভবা গ্রহণ করে এবং মালা-বান্পর্বত্তের শুক্তে সকলেটি অন্তি দ্বিগোচর হতু ॥১৭॥

্১০ পভয়ানানি ভাডাবীষ্ধ বর নি। ২০০ তত কুত কুনভাগি ন শিলাস্-পি।

বোজনানা সহস্তাণি পঞ্চান্দ্রালাবানধ।
মধ্রজনস্থাশা জাইতে তত্র মানবাং ॥১৯॥
রক্ষালাকচাতাঃ সবের সর্বের স্থার্থ ক্রান্দ্রালনং।
ভপস্তপত্তি তে তারে এবস্তি চার্জ্বর হলং।
রক্ষাথিয় ভূতানা প্রবিশ্বি দিবকেরম্॥৩০॥
স্থিতানি সহস্রাণি স্থিবের শ্লানি চ।
অরুণ্ডা হতে যান্তি পরিবার্য দিবকেরম্॥৩১॥

चावदरकोम्गी

নাংশ্বি। পূথপের ক্রাইর পাস নগত হন। হত্যাত্তি পুল্পসমাধনী বন্ধ।
যোগদানানিতি। হরার সমস্থানা পূর্ব ব হন।
ইংগতি। একবালিনে কেন্দ্রকার । নির করা প্রতিকাশ্বি মান্তব্যর সাধানিকার
নির্বিধার প্র ন্তুল্পের হ্লেকিকার। স্থিদানে হলা প্রক বল।
স্থিবিধি ব না সম্বাধ্যালনস্কালি। স্তিব্যর হাত্র হেন্দ্র

ভারতভাবদীপ:

শাহ শাষ্যমন ব্রীনাণ হকা পানিল হো হয় হয় সমাসম করা হার্য্য ক্রমনিল হল বুল বছ এম শোলিনাণ ক্রমীকলবা, পর্বানাল করনী নাম ২২ ২২ সাহিক ক্রমার্থ এবলর শাস্যই প্রাথিকা স্থা একালবান বা । মহাবজাছা ক্রমান সংস্থানাও ১৯২২ ব্রহকোরে ছি যে ইউ, কথাও ব্রহকোরে প্রাথিকায় সাহদুহিক সহদুহিক মান্ত হার্যক ভূমানাও ব্যাধিকা সমস্যুক্ত বিবাক্ষয় অবিশাস্থ হাসমাল পালুবাধি বাও নাম্য সমস্যুক্ত সংশ্

ভরতভোষ্ঠ ৷ সেই কলেপ্থির নাম—'সাববক', তারি পর মাল্যবান্-প্রতের শুক্তে পূর্ববুর দকে কুত্ কুত্র প্রবেশ্যাল আছে ॥১৮॥

মালাবানপ্ৰত প্ৰশাসন্ত যোজনবাণী সে ভাবে মনুস্থা হৰ্বৰ ইয়া হলু এত্ৰ কৰে ॥২৯॥

ভাগ্রে। সকলেই ভক্ষেক্ষেষ্ট্র এবং সকলেই বেদবকা, আর ভাগার। ভৌর ভাগত করে ও উক্ষেত্র হয়, জার পর হালার। পানিগণের কালার জল সুর্যামন্তলে প্রবেশ করে ৪০০৪

সেই ভিষট্ট হাজার মনুস্ স্থামপুল আর্ড ক'ব্য ১কংগ্র মধ্যে সংগ্র গম্ম করে ॥৩১॥

াহ≽ পঞ্চৰ ব্যোদ্ধ কা বা কা কি তদ সংবাদ্ধেৰ সাধ্য নি প্ৰবিশহয় বিধাকরম্—বা বাহা নি । ষ্টিং ব্যস্থানে স্ট্রেব শ্তানি চ আ্দিন্তাপ্তথাতে বিশ্বি শনিম্নান্ত্র। ইতি জী মহাভাবতে শতুস্থান্ত হিত্তি বিহাসিকাং ভীল্পার্করি, জলুবত্বিনিকাতে ম্লেবেছন্নে মপ্রমাধ্যান্য।।

-----(e)-----

অপ্তমোহধ্যায়ঃ।

शृङ्बांडे डेवाह।

বৰ্ণণাইকৰ নামানি পৰিভানাক সঞ্য । আচিজু যে হণাজন্ত গৈচ পৰিভ্ৰায়িনঃ ॥১॥ সঞ্জু উৰাচ ।

मिकिट्सम कू (चडका मीलदेखरूव' व्देशम कू।

ভারত্বে নূলী

ব্রিং রুম্ন কং নাম জ্যেত্র সার্ মান্ধ্রে ॥२॥

क्षित् क क्षान्त्रकार दिवस्य भूति द्वारात् कर्णात्रकात् कर्णात्रकात् । है कि इह सहस्र तार वह विहासिक विश्वासिक वृक्षित नहीं द्वार स्वर्णात्रकात् । इन्हां क्षित्रहीं कृष्ण क्षेत्रीम्बीमदाल एक बीधालकी क्षाप्त पुरिक्षित क्षाप्तकात् । इन्ह

ষ্টার নিসি। তা বার্তিক পরেচান্ত মন্ত্রিক সমানিক র, ১১৫ স্থিবের্নিস্তি। শেকার বৈদ্যালগিরেঃ ৪২৪

ভারমভারদীপ:

(मार्क्स कृथ्या दिव प्रेष्ट्रका वर्षातम्भाग छन्। यस्भादिक गर्ग दिवसि एक्काश्चास्य काञ्चवर्षे इ.च. १०२१

ইটি টীমপকাৰ নৈশকৰিয়ে ভাৰতবংগীলৈ সলনে বৰায়, 191 এবং ভাতৰে ভিষয়ি হাজাৰ বংসৰ সংখ্যাৰ ভাপে সম্পূত্তইয়া চল্ডমগুলে প্ৰাৰেশ কৰে 1998

পুত্ৰাষ্ট্ৰ বিলিলেন— 'সঞ্জ । অজাত ৰম ও প্ৰেছের নাম এক মাচারা সেই সকল প্ৰেছিবাসী, ভাষাদেৱ বিষয় আমার নিকট যথায়গভাবে বল' ॥১॥

সভ্য করিলেন 'কৈলাসপ্দেরিত দ্ধিনে এবং নীল্পণ্ডের উত্থে 'রম্পক-'নামে বর্ষ আছে , সেখানেও মনুয়া ছবে ।২। শুক্তা ভিজনসম্প্রাং সর্বে প্রতিয়ন্ত্রিং ।
নিংসপার্শন তে নবে জাগন্তে তার সন্বাং ॥ গা
দশ বর্ষণং স্থানি শতানি দশ পঞ্চ ।
জীবণ্ডি তে সহারাজ। নিতাং মুনিত্রান্দাং ॥৪॥
দক্ষিণে শুসিণান্দের খেতজ্ঞান্তেরণ ছু।
বর্ষণ হির্থানা নাম যাত্র হৈরণু হা নদী ॥৫॥
যাত্র চামাং মহারাজ। প্রক্রাট্ প্রপ্রেমাং ॥৬॥
মহারাজভা মহারাজ। ধনিনাং প্রিমান্দানাং ॥৬॥
মহারাজভা জনা রাজন্। মুনিত্রান্দাং ।
ক্রাদশ সহ আণি বর্ষ গাং তে জনাধিপ। ॥৭॥

खात छरको मुझो

ভারতি। শুরু ভিডনসম্পত্ন নিজ্ঞত্নমূকা । নিস্তান স্কৃত্তিক লো মাশেকি। এই উল্লেখ্য মানবার এছ। মাশিক ইণ্ড - ভূমিল, এমালোক ভিত্তে, তৈতে শীন্ম লো মাজেকি প্রস্থাতন প্রিক্তেক ব্রহ্ণ। ম্পার্কান্যান্যান্যান্য

ভারতভারদীপঃ

হারণামিতি হয়। স্থিত্বর হিলি হছালি ব্যাল্য দ্বিশে নীত্রক দ্বিশ্ব নিষ্ধু শ্বাছাল নহলে ব্যহ্মপ্রের হারণা হারণার হার্কা নীত্রক হারণার শ্বাহশ শ্বাহশ হার্কা নীত্রক হারণার শ্বাহশ শ্বাহশ হার্কা নীত্রক হারণার শ্বাহশ শ্বাহশ হার্কা হারণার হা

ত্তিতা মাজুবের। সকলেই নিকেবেকুলসম্পন্ন, আতি প্রদৰ্শন এব শক্রন্থ হইয়া থাকে ৪০৪

মহারাজ। আর দাহারা সকলো হাইচর থাকিয়া একলেশ সহস্ত পঞ্ শত বংসর জীবিত থাকে ॥৪॥

শুক্তিপ্ৰহৈতের স্কিল্ এব কৈলাসপ্ৰতের উত্তর 'ইবগ্ৰ নামে কা আছে, বেখানে হৈরণ্ডীনদী বহিয়াছে এক

মহারাজ। এবং যেখানে পজিরাজ থকড়, মার যগাসূচর, ধনী ও প্রিয়-দর্শন মানুবেরা বাস করে ধনা

মর্মাথ রাজা ৷ ভক্তা লোকেবা মহাবল ও স্কাল ছাইচিত হটয়া একাদশ

(ধ) দাক্রেন হুনীবেঞানিংগভোডরেণ হু। বহু হৈরব,কংনাম শিঃ

আগ্রেশ্য ৭০ জাবিত্তি শতানি দশ পশ্য চ!

শ্রেণি বৈ শ্রেবতর্ত্তিপের মন্ত্রাধিপ । ॥ ।॥ (যুম্বম্)

একা মণি মণা তার তথিকা বৌদ্ধন্ত্তন্।

সববর্ষণ কৈকা শবী নিজাগ বসতি শাভিতী ॥ ৯॥
উত্তেগ তুল্লা সমূদাতে জনাধিপ । ।

বস্থিবার গাল বিলাল জাবিতা পার্ম্মান্তন্ত্রা

ন তার স্থাতিপত্তি ন জাহিতিত চ মানবং।

চন্দ্রানিত গালিতা জাহিতিত চ মানবং।

চন্দ্রানিত গালিতা জাহিতিত চ মানবং।

চন্দ্রানিত গালিতা জাহিতিত চ মানবং।

সহালতা সম্বান্ত ভাগালিতা ক ইবাপরং ॥ ১১॥

প্রান্তা স্থাতিত জাহিতিত ভ ইবাপরং ॥ ১১॥

প্রান্তা স্থাতিত জাহিতিত ভাগালিতা স্থাতিত।

अध्यक्षक दुनो

ভাৰত বা প্ৰশাসনি পৰাংশ সাহৰ সতা, প্ৰচুক্তম্বা বা বে ৪ ৪৮০ , বিব ৪ এফার'ল মন্ত্ৰিক ভালি বা পুলি বা ১১৫ ভারতভারদীপঃ

্সেট ভিন্ট শুজেন মধ্যে একট মান্ম্য, একটা আনুত সুধর্ময় এবং একটা বাইন্যু, আৰু ডিন্টা শুজেই গুড়ে পাব্ৰোচিত সেই পাব্ৰে বাধাজানিশা লিনী শাজিলাপুদ্ধী সধ্যাই বাস ক্ৰেন্যুন্

ন্ধন্য। শুলিপকাতের উত্তে সম্প্রমণ্ড ঐরাক্ডব্য , শুলিপকাত নিক্টেথাকার ঐবধ মতাফ ইংক্ট ৪১১৪

শে ব্যাস্থা ত পাদ্যে ক্রেমনা, কিন্তু রাত্তিত চপ্তার দিনে একটা মলাত্রমন অপর সূপারে ভাষ্পকশে পায় আর সে দেশে মার্থেরা ভর, ভীব হয় না ৪১৪

(১১) ছোটেছ চ ইবার্ড: ন ব বা নিঃ

অনিক্ষানা ইকীগন্ধা নিরাধার। জিতেরিকাঃ।
দেবলৈকৈচু তাং সর্বে তথা বিবজ্ঞান নূপ । ॥১ ০॥
এথেদেশ সহল্পনি ধর্মণা তে জনপ্রিপ ।
কাব্যুগ্রন্থ জীবেলি নরং ভর্মুদ্দন্ম । ॥১৪॥
কীবেলিয়া সমৃদ্ধা তবিধ্বোভরতঃ প্রাভূঃ।
হবিব্যুত্তি বিকৃত্তঃ শক্টে কন্তোজ্যলে ॥১৫॥

ভারতকোম্দী

শার্তি প্রপ্ত পথকাশ্য , প্রস্তুত্বর হারদুর । মনিশক ইবিং মনিশক নিনিমের , বির্দাস রাজ্যভাগ্রহ্রালানিপূর্ব ,১৯॥ আরোদনেভি। আন্প্রধান্য করা আনুধা হতে। কাব্যারপ্রেশি ,বকুর মন্ত্রিংশ ভি., শক্ষাই স্ক্রিশের্মার্থ

ভারতভাবদীপ:

एत्यानिन्। १८६—५२६ मन्यान प्रस्ता प्रदूषा है १,८ = 5 - 4 विश्वा एत्यानिन्। १८६ - 5 - 4 विश्व एत्यानिन्। १८६ मिन्यानिक्ष प्रदूष्ण प्रत्याच्या विश्व प्रस्ता प्रदूष्ण प्रत्याच्या कर्षा क्ष्या । देशाना प्रदूष्ण प्रत्याच्या कर्षा क्ष्याच्या । विश्व प्रदूष्ण प्रदूष्ण प्रत्याच्या । विश्व प्रदूष्ण प्रदूष्ण प्रत्याच्या । विश्व प्रदूष्ण प्रत्याच्या । विश्व प्रदूष्ण प्रद

সে দেশে মাজুদ্ধর পদ্ধাস্থি, পদ্ধর্ণ, পদ্ধলভুলান্ত্র এব অংক পদ্ধর তুলা সৌরভযুক্ত চইয়া জন্ম গ্রহণ কবে ১১১৮

রাজা। দেবলোক নট সেই সকল মানুহ নয়ননিমেযণ্ড, আছে পিয়-সৌরভ, নিবালার, জিতেভিয়েও ক্জোগুণরহিত ইইয়া থাকে ॥ শে

ভরতভোষ্ঠ নরনাধ ৷ আর সেই সকল মাজুব তেব হাজার বংসর জীবিত থাকো ॥১৪॥

ক্ষীরেনেসাগরের উদ্ধের অর্থেছিল শকটে (এমনস্মান্ত) ভগদের প্রান্ত্র স্থান্তর সংগ্রহণ করেন ১৯৫।

्(५८) *-- क्शक्*मरप्र—नि वा व दो ।

আইচ দেং হি ভ্ৰয়ানং ভূষ্ ক্ৰ নানাজ্বন্।
আয়াৰনং মহাকেছে জাজ্নন্বিভূষিত্ন ॥ ৩॥
ম প্ৰভূগ সকলে লগাং বিভূষ্ট ভ্ৰত্মিল।
ফাল্জেপো বিভূষ্টিৰ কটা ক্ৰেনিল জ্যা ॥১৭॥
পূজিৰ পেছত কাশাং ব মুক্তেজ্মত পাথিব ।।
ম বজা, সাইভূষ্মতা হাত ভ্ৰাশনাং ॥১৮॥

বৈশক্পায়ন উবাচ।

ত্বসূক, স্পূৰ্মন ধূৰবাৰ্ট্ৰ সহাসন্ধা। ধানম্প্যদ্ভো পুত্ৰি গুডি জনাধিপ । ॥১৯॥

ভারতকৌমুদী

सर्प्र पुष्पुरुष नत् निर्देशका विषय, सम्मादेव स्थाय उत्तर्भ दाना का का स्वाहरू । स्वीतः विषय के विद्यारिक स्थायका स्थाय विद्यास वर्ण्या । स्थाय स्थाय स्थाय वर्णाम सम्बद्धः का विद्यार दाल त्या स्थाय स्थाय स्थाय हरू।

ভারতভাবদীপ:

বিকৃষ সেই যানধান অতচ্জাসম্বিত, স্বযুক্ত, মনেৰ কায়ে জাৰগামী, আহিবৰ, অভাত তেওকা ও সংকৃষিত ৮১৬৮

ভরত্থিয়ে। সেই নিফু স্বতংগ্র অধিপতি, বাপেক, স্বর্গ, স্পুক্রা, ক্রা ও কার্ছিল ৪১৭৪

রাজা ৷ আব দিনিই পৃথিবী, জল, আকাশ, বাসুও ডেজ, আবার সর্ব-ভূতের যক্ষ এবা অগ্নি টালার মুখা ॥১৮॥ স বিচিন্তা মহাতেকাঃ পুন্ধেবাত্রবীলচঃ।

অসংশাসং সূতপুত্র । কালং সংকিপতে জগং।

সজতে চ পুনং সর্বং নেই বিজ্ঞতি শাধ্তন্ ॥২০॥

নবো নারায়ণীশ্চব সর্বজ্ঞঃ সর্বভূতকং।

দেবা বৈক্ত ইতাত্রেশি বিক্রিতি পাল্ল্ ॥২১॥

ইতি ইনিহালারতে শতসাহস্রাং সংহিতামাং বিয়াসিকাং ভীলাপকাণ

জন্মগণবিনিশ্বাণে সূত্রাত্রাক্যে অক্নোহন্যামং ॥০॥

चावज्दको यूमी

এবনিটি ধানা চিথান, আধনমন আনন্দ ১,০০ সাইতি সংক্ষিণতে সাচতৰি বিভতি বিভাগে, আৰক্ত নিভান, ধটুলালে ১৩০ লোক: ১২০০

ভারতভাবদীপ:

इति हो धनकति देशकक्षर्य स्वतंत्र स्वतंत्र प्रशेष प्रशेषा प्रशेष

বৈশব্দায়ন বলিলেন —সর্নাথ জনমেজয়। সভয় এইরূপ কলিলে, মহামন। ধুজরাই মাপন পুর্গাণের বিষয়ে চিত্র করিলেন ॥১৯॥

মহাতেজা ধৃতরাষ্ট্র কিয়ংকাল চিস্তা করিয়া পুনরায় এই কথা বলিলেন 'স্তপুত্র সঞ্জয়। নিশ্চয়ই কাল সমগ্র চগং স্তী করেন এবং সহার কবেন। সূত্রাং এই ভগতে কোন বস্তুই চিরস্থায়ী নহে ১২-১

নৰ ও নারামণ ছই জনই সকলে এক সংস্তুস হওঁ। সেই প্রাণ্ডক দেবতাবা বলেন—'বৈকৃঠি' আর কেদ বলেন 'বিফু' ॥২১॥

(२३) प्रत्मृहक्र मिल, स्वा देवद्वश्री मार्ड्यंट दिक्षिटि अपूर्माल वा ५ हा

नवरमारुशांबः।

भूडबाड्डे खेबाछ।

মদিল ভাৰণ ধৰণ মত্তলং ফুফিছ্লং বলম্। गड्डिको बतुरक ६२९ शुरु ब पूर्यति वर्गा सम्। । ।।। মত্ত্ৰ পাতৃপাৰ মত্ৰ মে মফলতে মনীয়ে (এ বর্ম স্থান চক্ ইং জি মাবুজিলান্ মতঃ ॥२॥ (যুমাকুস্)

সঞ্জয় উব্চি |

ন ৩৩ পাৰিব গ্ৰ': 🤟 বছিল্। বচে। মন। পুরের ভূর্য্যালনাম <u>র শকুনিল্</u>য়াপি কৌবলং আ অপত্র ক'ংয়াট্শ্রের নান,জনপ্রেরবাং । ্য ক্লেড বিচৰ বটোন মুখাতি প্ৰস্থাব্য লগা

स(दट्ट्योश्रमी

নৱতীৰ স্পদ্ৰত স্পাদ্ৰত ত্ৰণ টীৰ ভিডিয়াং প্ৰয়ণ প্ৰসূপ ইটিছ **数(項)** 13(5)

Blanca on a ferrage trains later the abbetter Eine abgeben . - The est bie eine trein beite foll

मिन्हि। मुख्यास्टर रस्तुनि कार्यस् १० त्व , अक्ट्रिसलक्ति। — २० নেদি পাশ্বনগড়া, কা পেতৃসাহনত লাভত লি'লভ্ৰ চেট क्षाब होति। क्षापात एक हो न रही । अ ग्रुह प अ सहरक्ष ६

मृहदायुं देश्वरलान 'मध्यु । ६३ (म हात्रक्षम तहियाद्य, स्थलात्म अहे সকল দৈয়া অংসিং কৃতি পাইহংতে, আমাৰ পুত ভংগাধন মাহাতে অভাত লোধী হটর তে, মাহতের পাঞ্দেশক লুক হটয়, পড়িয়াছে এক নাহাতে আমার মনও আস্কু ত্র্যাতে, ভুনি এই সম্প্র ভারতব্যটার বানি, কর। করেব, ভোমাকে আমি বুজিমান বলিয়া মনে কবি' at —১৪

সর্চ্বলিলেন 'রাজ। অংপনি আমার কনা শুরুন পার্বের। লোভী হন নাই। কিন্তু চৰ্যাণধন এব সংক্ষমকান শক্ষিত লুক তইয়াছেন ॥১॥

(১) একলে ভ্রমদেশ ক র*ল মি*র

छाउद्धरको गृमी

আহিছে। প্রিমৃ, চার্থক ক্রম্মির সাহার্থনা সকরোল্ড কি সালের বৈনার বেলবাজনুক্তা পূর্বা নালন্তত চলন্তপুরক নিত্র ক্রমের পুর্বেষ মহারোলি ধুনুষ্ঠিত ক্রমের সংগ্রাভাগে বিশ্ব হার্থনার নালন্ত্র নালন্ত্র করে। ভিনিত্র করেন্দ্র ক্রমের ক্রমের করেন্দ্র

জাব নমোদেশের জাহীপার অভাগ্র কাতিয়েবাও ভারতব্যর প্রতি শোভী হট্যাভেন , মাহানা লোভী হট্যা পরক্ষেত প্রক্ষেত্র স্থা কবিতেছেন না ॥৪॥

সোধার ইউক ভবতন্তন আমি এখন আপনার নিকট ভবতপ্রের বলনা করিব রাজা : এই ভাবত্রক দেবরাজ ইংকের পিয় এবং বৈবলভম্পু, সেলপুর পুথু, মহারা ইকাকু, ম্যাভি, অস্বীয়, মাজাঙা, মহয়, মুচুকুক, উলীনরপুর শিবি, ঝ্যত, পুরুব্ধা, নগ, ফুলিক, মহারা গাধি, সেমক, দিলীপ এবং বলবান অক্যাল্য সকল ক্রিয়েরই ভাবতব্ধ পিয় জ্লিকঃ মা

অবিক্রম রাজা। আমি যেমন শুনিয়াছি, তেমম ভাবেট আপনার নিকট সেই ভারতধ্যের বর্ণনা করিব। সাপনি হাজ র বিষয় জিজাসা ক্রিয়াছেন, আমি ভাজা বলিক্তিভি, আপনি প্রবন্ধকন্য হাল

(৩) বছ্টেশ্রিক ন (পি। ৮ নোনকর সুহ্টিং কার্ক নি। (১০) মুধ্যের্ম্বিক্মণ কার্ক নি। (১১) বিছাত পালিয়ালের বুব্র নি।



ভেষাৰ সহ বাংলা রাজন্। পর্ব হান্ত সমীপতঃ।
অবিকানাঃ সাববড়ো বিজানানি হসানবঃ ॥১২॥
অতে সংগ্রেপবিজানা হ্যা হুলোপজীবিনঃ।
অতে সংগ্রেপবিজানা হ্যা হুলোপজীবিনঃ।
অতে সংগ্রেপবিজানা হ্যা হুলোপজীবিনঃ।
অতে সংগ্রেপবিজানা হ্যা হুলোপজীবিনঃ।
নাল পিবলি বিপুলাল সঙ্গা সিকুল সহস্কীম্।
কালবিনা মধ্যমাক বাহ্মাক মহানদীম্॥১৪॥
শ্রেক চন্দ্রলাক বাহ্মাক মহানদীম্।
চুমান্দ্রি বিপাশাক বিপাপাল স্কার্ত্রকান্ ॥১৫॥
নাল বেরবর্তীকের কুফ্রোগুল নিজ্যান্।
ইবার্তীকের কুফ্রোগুল নিজ্যান্।
কর্মান্তি বিভ্রাক প্রেক্তাল ক্রিম্ব

ভারতকৌমুদী

া বন্ধ বা বা প্রত্যালয় বিভিন্ন ক্রম এই বা কিন্ত্র বিনির্দিন কর্ম বিভিন্ন কর্ম বিভাগ ক্রম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ ক্রম বিভাগ কর্ম বিভাগ ক্রম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম বিভাগ কর্ম

ন্তেশ, নিশ্য, সহ, ত'জনান, ফফবান, বিহন ও পারিপার এই সাতটা কুলপ্রতি ৪১১॥

বংজা। সেইছলির নিক্টে আছে ও অজাত এব সাধ্বান্ ও বিচিত্রসমভূমি সহস্পত্য প্রতিভাগে আছে ১১২৮

াচন) পদারুগ্রে স্থাপারর বিপুল্লিছেসাথবং —বা ব ধা নি। (১৯) কুফ্রেণীস্ । সা নি কুফ্রেণ্ম রাও ১৩) বেল্লিডি বেল্লিলাস্ পি।

গোনতী॰ ধৃতপাপাঞ বকনাক মহানদাম্। (कोशिकी॰ द्वितिना॰ कुरा॰ विकिता॰ (क्षावित्वावर्गाम् ॥ ১৮॥ বহুতা, লাহকুত্ত'কে সহযুক্ত ভাবৈৰ চা চৰংগুড়ীগ বেত্ৰবতাণ হতিকোমাণ দিশণ ভগ ॥১১॥ শবাৰ হী॰ প্ৰয়োকাঞ্জ বেছাং ভীলেরথীয়লি। কাৰের্যাণ চুলুকাঞাপি ব্যাণ শতবলামপি ॥২০॥ নীবারামহি হাঞাপি ভগ্রযোগ্য জন, নিপ ।। পৰিত্ৰাণ কুওলাং সিদ্ধুণ ৰাজনীং প্ৰথানিনীয়ে ৪২১॥ প্রাভিরালা হারাফ ভীলারেল্বর্ণ তথা। পলাবিনা পাপহরা মহেন্দ্র প্রেনার ব্রাচ্চর ক্ৰিপিণীমসিৱাঞি কুৰ্চারাং মহান্দান্ঃ মকরী প্রবরা মেনা হেমা ছত্রতী ডিলান সা পুণাবভীমসুকাঞ (স্বা! ভাগাঞ ভাবত ।। স্লানীরামধুলাকে কুশ্বারাং মহান্দীন্ ১৬॥ मन्द्रिक्षाः शिवारेकव उथा वाजवरीयशि। ৰস্ত্ৰাণ প্ৰবস্ত্ৰাণ কৌৰীক কম্পনাণ সহিবৰ কিন্ ॥২৫॥

ভাৰতকে মূদী

लावस्। निन्नि सन्धः वर्णिकः नि स्वयंत्रः स्वर्ण व्यवः वर्ण विश्वः वर्णिकः । स्वर्ण व्यवः प्रवर्णः प्र

() है (क दिहाद ने यू - भि । () का प्राक्त का उनन व द द कि । (२) मूछ ती, यू वा वद कि । (२) यह ती यू का वद कि । (२) यह ती व्यवदायू नि । (२) मूदाव ही प्रयक्त के देनद प का नोक प्रावह । दा व वा नि, क्रम है दायू नि । (२) - हो दबकी मनि - भि ।



इसी वादकराकरीय भागान्य प्रकार म् ৰ্শ চৰ্ণ জা বিৱন্ধ বিভ হিড়াশ ক্ৰিছে শাস্থাই আ भर्मकृत्य वह शिक्षद कृती दाक्ष कृती है। देवमन्तर भिक्षत १८५ । हुस्यदेवरा प्रहासमाप् ॥२९॥ বিভিনাং বৃদ্ধবেলক ভাম জ ক প্লামপি। হানু জৰ্মেণ বেলাখান কৰি শ্বেণ মহ,পগানু ২ ॥ শীমাৰ পিশিষ্ট মুক্ত ভাৰহাজীক নিজপাম্য ুকং কভাব কিছপাং কুৰ্ম বৃহ্ন মং চৰ্ছমাম্∥২০৮ ् ' १५ . कि.स. राज्य अक्षाद्यकार अवस्थीय । যুৰজায়ণ ,ৰাছ ক তথা জান্তৰ্যমিধি ॥১০॥ ক্তরসা ভ্রসাং লাসীত স্থারি বরণামসিম্ । নীলাগ ধুৰিত বাইজৰ পৰ্বেপ্ত মহান্নীমু ॥০১॥ মানত রুম-, লৈব তিলামেধাত রুহদম্বাম । ত ৰ'ৰ্চ লাৰ্টে ব্রেল্ড বৈ মহান্ত্রে; জনাবিপ । ॥৩২॥ (কুলকম্) সলাভিব'ছলা কুলুলা মুক্লপুণ ছক্লবাভিভাম | ৰ কংশক মহপুৰীবাং ভূশামপি চলাবত । ∥০০∥

अक्टकार्थी

राष्ट्र ६ मार्गाता अस्तर राज्येत्र स्था १००० १०० स्था ५००० । स्था कस्तर ६६ सन्दर्भ देशका १००० १००० स्था ५००० ह्रास्ट्रा विद्यां विद्यां वर्षक केंद्रिक स्थाप १००० स्थाप स्थाप

दिनस्था, (वर्ष, नांत्रवर्ष, सहासन् भन्ना, रत्रिय, हार्षित्रण (नवाशिय), किल्लिस, हेर्भस, वर्ध, वृत्येय, कर्षा हर्स, रत्ना लिख्स, (न्हा, प्रहासमी कुल्लिस, हेर्भस, क्रिंद्र्य, माइ, केल्लि, य्यु, प्रताय, (नवाचा, प्रहासमी हिंद्र्यान, निष्य, किल्लि, सहासमी, र्ह्यान, निष्य, किल्लि, सहासमी, र्ह्यान, निष्य, किल्लिस, सहासमी, रहेर्थ, प्रदेश, हर्म्य, हर्मा, हर्मा, हर्मा, दिव्यंभस, तक्राव्यमा, दृह्य के प्रदेश, दिह्यों, हर्म्यमा, स्वत्य, क्रिंगी, क्रिंग्यमा, स्वत्य, हर्मानी, स्वत्य, व्याप्यमा, व्यव्य, स्वत्यम, प्रविव्यक्ष, प्रदेशक, प्रवासम, स्वत्यम, स्वत्यम, व्यव्यक्ष, प्रविव्यक्ष, प

(२० दरा दोत्तान करोन व द द नि २५ (स्थम)स् ६वन स् व स हा सि, (२৮) दिनमण कृषावराक्ष—लि। २८) छन्यस् दसम्बद्धा दर समास्। जीवाद स्वरूपोकद व द र नि ११२ डक्षणाक्षण २०४१ द द द नि किर्देशभाव किर्म के म्यान किर्म के भि महामनिष् ॥ २८॥

के किर्म हो समझाल हो भव त्रमाहरण स् ।

किर्म हो समझाल हो भव त्रमाहरण स् ।

किर्म हो समझाल हो भव त्रमाहरण स् ।

किर्म हो समझाल के स्वार समझाल हो स् ।

किर्म हो समझाल के स्वार समझाल हो स् ।

किर्म हो समझाल हो समझाल हो स् ।

किर्म हो समझाल हो समझाल हो स् ।

किर्म हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो के समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो के समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो के समझाल हो समझाल हो समझाल हो ।

किर्म हो समझाल हो के समझाल हो समझाल

छात्रधरकोम्हो

সংগতি। সদ দিবনা নিজি ক্ষাতিশেষণম্। তথা পিতত ক্রাত্তি পুলনার্বাধে বুলনার্বাধে বুলনার্বাধে বুলনার্বাধে বুলনার্বাধে বুলকাম্ সতা দিবীম্বালাণ গ্রালনার্বাধান কর্ম বিবালাল বিবালা

ভবতনদন। আগা ও দেকগণের সহিত মিলির ইইয়া ভারতবাসা অলায় লোকেরা এই নদীংগলিও পান করে। মগা—সর্বদা অংরোগাকারিটা কুলা, মন্দ্রগা, মন্দ্রহিনা, রাজনি, মহাগোলী, ছুর্লা, ডিরেগালা, ডিরেগা, মজলা, বাহিনী, মন্দ্রহিনা, বৈছবা, মহানদী কোব, ড্রিমটা, আনকা, র্যা, লোহি হাা, করভোয়া, র্যক, কুনালা, ছবিকুলা, মারিলা, স্বস্থী, মন্দ্রহিনী শুক্রী। ভবতনদান। ইহার মধ্যে প্রায় নদাই গলার হুলা ॥ ১০০৪

এই সকল নদাই সকলের মাংগুলো এবং সকল নদাই মহাফল উংপাদন ক্রে। অতালত লড ও সহস্পহস্নদা অপ্রেলিঙ অবস্থায় মাছে ॥ ৭॥

রাভ, ়ু সামরে অরণ অনুসারে এই ননীতুলি বলিলান। ইয়ার পর দেশের নাম বলিশ্বতি, আপুনি সামার নিকট স্থাবণ ককন গেলা

शर्का दुन्तास, भोन्यसा, कुछम काखिरका नाह । চলি মহক কলস্খেচ এন চাং সিক পুলিনাকাই ॥১০৮ रें हम, बढ़ मन ने, बढ़ , महल दुब्ह १६६ १६ वर्ष ने मह । প্রাণা, কুল লাইশ্চর নৈকপুত বুলজরার ॥৪১॥ ্বাপ খন'ই কলিক্ৰেড় কাৰ্যাইপৰকাৰ্যই [कर्ताः, तृत् द रेन्ड्य सन्तानि (विक स्टेड । ॥४२॥ क्षा वरमा ६८ छम् १४६व । इरेशवालदक् छम् । ্ব হাৰণ হাৰদ্ৰণ ষ্ট্ৰ বিদ্যা কপ্ৰণতিক[১॥৪৩॥ क्रमा अ पूराहे १४६ ६व (१६६४ हेर कडी हम । क विदेशक जुन 'रा'क6 बहुदा हुक ,कबलम् ॥५८॥। र रुव'रा 'रुव'र ४६ ठार्म (६३३) रुवर भ करि t বিবেদ্ধা অব্দাং সক্ষা আজা বিজয়াত্তথা ॥৪৫॥ যাল ব্লা, কলিয়াতে স্কুলোখান এব চ। ব্দেশ্য গুলুক দা মাজিকা; শশিকাসুধা ॥৪৬॥ र छ गोत, व उंदानांबह ब्यासीनाः कासद्दागकाः । হাধর প্রাং পরাফাল্ড পাশ,লাল্ডকারও মা: ৪৪৭॥

ভারতকৌমূদী

्र रूप है राष्ट्र वर के देश वर्ष है हि सारशहर हति कार्य का प्रतिस्था । अस्य व होत्याच तरक रूप के दे कुछ है हि सारशहर हति कार्य कुछ हुन सकर

दाह व प्रत्या, १ठ दुक्याकाल, साथ, प्राप्तम, छाइल, मृत्यम, भूलिल, दिश्य, प्राप्तम, माल, माल, क्यान (भ साथ, कृषि, काण्यकाल, १६ मि. प्रश्या, क्याम, दिला, मिल प्रतिक्य, हेन्य, मनार्थ, प्रकल, पेरक्य, भक्षान, दिला, देवकपूर्व, प्राप्त, प्राप्त, कृषि, प्राप्त, प्राप्त, कृषि, क्यान, प्राप्त, कृषि, क्यान, प्राप्त, क्यान, क्य

১০, মাল বারুদ্ বাহনা, রুদ্ধ কাশিকালার পি ।৪১ নৈকপুট সুক্ষরা—-ব ব্লানি, ৪২ গোরা মনকবিজ্ঞ ব ব্ল নি। ১৯০, মন্দ্রাং স্থা, ব্ৰহ্মি। ১২০-নগণা অকা, ব্রল নি (৪৯) স্কুরেমানঃ পি।

অটবা শিগরাই-চব মেক ভূতাত মারিষ।। উপার্ভামুপ'র্ভাঃ অরাষ্ট্রাঃ কেক্যান্তথ ॥৪৮॥ কুন্দাপরান্তা মারেলাঃ ককাঃ সামুদ্দিকটাঃ। शक्षा वह वहत्वा ब्राष्ट्रश्च छ विशेषा छ रेपव ह ॥ १३॥ বহিলিবাভেমলজা মণ্ধা মানবর্জকাঃ। मयस्य वाः आतृर्यमा आर्थना का का विश्व । ॥ व ०॥ পুণ্ড হে কিবারা+৪ জনুকী বামুনাভ্যা। শকা নিবাদ নিবধাত বৈধবান কবৈঞ্ছাঃ ॥৫১॥ চুকুলাঃ পুতিমংভাশ্চে কুওলা: কুণকাত্রণ। ही ब आको: स्वरुपना के किका: कराका खप्ता uran বিলভারা মদীরাশ্চ মধুমন্ত: দকুন্দকা:। काणीवाः मिक्रमोवीवा पाखादा मर्भकान्त्रवा ॥० ॥ অভিষ্কা: কুলুডা•চ দৈবল। বাজিলভাক্থা। कर्नीहर जावा कर्वा बा बळांगबट्यांब्याः ॥०८॥ বঙ্বাভাশ্চ কৌৰবা। ভদামান: ভদলিকা:। ব্রাঃ ক্রীবকাল্টাপি কুলির্ন্দাপরাকাশুগা neen

ভারতকোহুদী

ध्वमस्त्र । त्ववन गृतम् मानवाक क प्रावताका छ । वाना प्रावता । प्रावता । वाना है । वि व्याप्ति । व्याप्ति । वाप्ति । वाप

(तक) डेल दुक्षात्रभ दका. श्वरावेषः लि १९) व्यक्तीनात डेल्हान्य रेलवना वर्णस्तिका द्यता. सार्वी ६ वानव क्रक्ताः वा व दा नि ।

ব্যাণ্ডৰ দশপে,খাৰুগ্ল'ণ : কুশ বিনদ্বং । কছে ্থাপোলসকাপ্ত ক্ৰেলাট কুকুৰণভাই ad&n শিকাপা বৰ্ব : ফিছ বৈদেহা প্ৰাছ নিপ্ৰকার : ६ण चक्र मोमरिका । भारतीय । ॥६१॥ (तूलक्य्) আনাপ্তি জনপদ দক্ষিণা ভ্রম্মন্ত ।। प्रविष्ट्रः करणा शास्त्रा कृषिका वसवामिकाः ॥४४॥ ত্র- ত্রিক। ছবিকা বিকলা মুবক্তিথা। भिर्म, तर् त खुल रेन्द्रद (मोक्स, बटक्सनाः ॥**८**३॥ ত ত্ৰুক্ত কৰে চালাঃ ব্ৰুক্তৰা মান্ধা নৱাঃ [करण : क्रक्टोन्छव न दृब्द्यानस्ट्विमा: ॥७०॥ কা কলু হেমব্দাল কান্ত্ৰিক নু, সালেইদন্যঃ। राज्य । क्षत्रवस्त् । १९ छ । महत्रप्रभाषयम् ॥५॥॥ তাগৰ বিজ্ঞাতিকণ পুলিকাৰ কাইলঃ সহা ন বৰ বলবংগৈচৰ ভূমিকাপ্ৰপ্ৰেৰণে ॥৬২॥ मु वन्तरः कालन,रेन्ड्रन मुख्नाः कत्रहेरछ्यः।। ষ্দকাভ্ৰকালাত সন্পো ঘটকালা: ॥৬৩॥

कारकाक पूरी

भारत का देवर कार्य हा एक जा जी का रेजवाद रक्ष हु के राजी जातालू थी. देव में रूप कि जानस्थ है से से से अंड से रूप रिस्त । देव अंग है से प्रदेश देव शिक्षांद को प्रतिक हु देवलू ते अंग जाता, के संबंध के से प्रतिक से प्रतिक से प्रतिक हैं।

ভরতভাষ্ট। উচার পর ভারতব্যর দক্ষিণ ভাগত্ত অপর দেশগুলির নাম বলিতেতি। জবিড, কেবল, প্রাচা, চুকিক, বনবাসিক, কর্ণাটক, মহিষক, বিকল, মৃদক, কিলিক, কুলুল, সৌজন, নভকানন, কে কৃটক, ভোল, কোৰণ, মালব, নর, সমস্থ, করক, কুলুব, অলার, মারিষ, ধ্বজিনী, উৎসবস্থেত, বিশ্ব,

(१९) वेद (अक्षा - र वजा वि)

অনিদ্ধাঃ শিবটোপট ত্ন্যাঃ অন্যান্ত্রা।
ক্ষিত্র বিদ্নাঃ কাকাপ্রপাঃ প্রত্রগাঃ ॥১৪॥ ,কুলক্ষ্)
উত্তরশ্চাপরে ঘেচ্ছাঃ ক্র্যা তরত্রস্ত্রা।
ক্ষিত্র বিদ্যান্ত ক্রিলা দার্রপা রেজজাত্রঃ ॥১৫॥
সর্ল প্রহাঃ কুল্পান্ট তুপাং পার্থান্ত্রে দহ।
তথ্যের রুল্পান্টিনাস্ত্রির কল্পানিকাঃ ॥১৬॥
ক্ষিত্র রুল্পান্টিনাস্ট্রের কল্পানিকাঃ ॥১৬॥
ক্ষিত্রেপানিকেশ্বর বৈত্রপুদক্র নি চ।
শুদ্রাভীরান্ট দর্শাঃ ক্রেলারাঃ পত্রতঃ সহ॥৬৭॥
থাসারান্টিন্তেটারান্ট প্রত্রা বিবিশ্নস্করাং।
আত্রিয়া সভবরাজাস্ট্রের ক্রেপেশ্বরাং ॥৬৮॥
প্রাক্ষান্ট কলিসান্ট কিবাতানাক ভারতঃ।
ব্রাহ্র, ব্রহান্টি উত্তর ব্রহ্ণারাং ॥৬৮॥ (ক্লক্ষ্)

कातकरको पृत्री

ব্যুলনামালি ক্লিডিকা, নাংল সংহতি সনালা, নাংল ন্ন্তে প্রিন্ত বিন্তী। মামুডুবিদ্রাইটি করা বাস্থিকিলাদেশ ধ্যাত্তে ব

ইবের, ইতি বানস্থাক বা মেছক বা বিজ্ঞাই নাল নিশার হানকাম্ আরু চীনপারলিকে পালান কেলকেলছার সকলী ভাগৰকা বাব হ'ব সন ১৯৮ নীজন ছার হাজুল নীজন ভাগরমনিবিশাল হ'বলা ভালত হ'ল ল'বল বৈপলপায়ে। কুলানি দেশায়। পশুভি মার্কি পশুনামালে দেশ সহস্থাত ইতি নাম বনামাণি বশাস কিরামানাত ছাল্ছক কোল্ল নিযু সাল্যু হস্থাই সাংগ্রাহ বহু হয়।

শাখনেনি বৃক্তি, কোকবজ, পোট, সম্বেশবশ, বিজ্ঞান্তিক, পুলিন্দ, বৰল, মালব, নম্লব, অপ্রবস্থাৰ, কুলিন্দ, কালচ, কুওল, করট, ম্যক, তনবাল, নীপ, ঘটস্থায়, অনিদাধ, শিবাট, ডন্ম, সুন্ম, ক্ষিক, বিল্ভ, কাক, ডাল্ল ও প্রভূপ্য যুৱ্ধ – ১১৪

स्वत्रस्थि । अभन भारत्वत्रीय ने इवनिशव में क्रव (सक्तामण स्थित माम विलाखिति। यदन, क्षेत्र ह कार्यक्ष्माम मानव (सम्ब्राधित वाम करता। मकुम्ध्र, कुम्ब, इन, भाविषक, इसव, क्षेत्र ममदास्तिक, कांद्रयाणिनत्त्रम, रेन्स स मृष्ट्रव (मम, मृष्ट्र क वासीहरूद (मम, मदम, कार्योव, भस, धामीब, वासुकात, भक्ष्व, विविध्वद्वद, व्याद्यय, स्वद्यास्त्र स व्याद्यक्षिक। द्वांद्र भव

(৬৪) অটিশাং প্ৰিল ল'ভ ৰাৰ ৱাৰি 😘 মানীবাশন্তৰ বাভ শি

ততে চাকো জনপদাঃ পাচোদি চাকি পৈব চ।

উদ্দেশনতে ন মন্ন দেশাঃ স্থাতি চ, বিজো । ॥৭০॥

মধাতগৰনকাপি ত্রিবাতা মহাকলন্।

ছুহাকের কামধুক্ চ ভূমিঃ সম্যাত্তি তা ॥৭১॥

লক্ষা পুনাল্ বাজ্যনা শুনা স্থাবিধে বিদাঃ।

বে ভাজতা হবে পাশান্বতগ্রাতবিধিনা ॥৭১॥

দেশা কাম্য ভূমিঃ প্রায়েশন্ন ॥৭১॥

মতো ভক্ষাৰ কাম্য ভূমিঃ প্রায়েশন্ন

ভারতকৌমুদী

ইলনা সুটাল ভ তুন বাটাল ভূত সন্ধু অন্তিশালালিক সূত্ৰী, কামান্ সিলিভান ল কলল লাক কন্ত হয় তেওঁ, সুলা সহস্মান্ত লৈ বলা শাভিক ক্ষেয়ামনতিক কামান্তি প্ৰতি ভাতনাম, হয় হলা তুলা কছা, সাহস্মান্ত প্ৰতি ক্ষেত্ৰিক আৰু মানকলা হ'ব নাম্ভত হয় নামত কলা ক্ষান্ত লিছে

জন্ম । শাস্ত্র বা ক্রার্থ চলপুরা, ১বলিনে বলবছ, ১৭২৮ ভারত ভারতীপ্র

হাত। এই সকল দেশ ও অভাতা অনেক দেশ পূর্ববিধেক, উত্তরদিকে এবং ঐ টন্যনিক্তর কোনে রহিয়াছে, কিন্তু আমি এই দেশগুলির নাম্মার বলিলাম ॥৭০॥

মধ্যমিয়ামে প্রমিশালিত ভূমি, কামদাহিনী সেয়ার হায়ে গুল ও মাজি অনু-মারে ধর্ম, অর্থ ও কামের মইফেল দান করিয়া পাকে ৮৭৮৮

বীর, বলবান এবং ধর্মে ও অর্থে বিচল্প রাজার। সেই ভূমির আকাজক। করেন এবং ধনজোলী ইইয়া যুক্তে প্রাণ্ডায় ক'বয়া থাকেন ॥৭১॥

(°২) বণসূদাতর ভ্ন:— (ল।

রাজানো ভরত গ্রেড । ভোজ কামা বল্ল রাম্ব।

ন চাপি তৃথিং কামানা বিলতেঃ লাপি ক্সচিং ॥৭৪॥ (মুখাকম্)
ভ্যাং পরি গ্রেছ ভূমের্য রাজে কুরুপাণ্ডবাং।

সামা ভেদেন দানেন দণ্ডেনৈর চ ভারত। ॥৭৫॥
পিতা আতা চ প্রাশ্চ থং লৌশ্চ নরপুত্র।।
ভূমিত্রতি ভূতানা সমাগ্রিছ হ্দশ্রা ॥৭৬॥

ইতি জীনহাভারতে শতদাহজ্ঞাণ সংহিত্যাণ বৈলাসিকাণ ভীল্পাক্ষ্যি জ্ঞান্তবিনিয়াণে ভারতীয়নদীদেশক্ষামকথনে নব্যোহদাণে ॥০॥

छाउउ(को मुनी

দেশনাথ আন্তর চ মার্ষ্ণরাধান পুরিক্তির চনা প্রক্রনালয় রাজ্য দেখু-দেশনাথ আন্তর চ মার্ষ্ণরাধান পুরিক্তির দেশ । আন্তর দলা পুরু রাজ্যু অক্টোল্লের কাম্বিম্বস্থিতি, তার বাজা নাচলি চ্চাক্তামা সভা আর্লুল সভ্যান্ত সুপ্রিক্তি কিন্তু সভালি কজড়িল লাক মানা স্থিতি লি নাবিদ্ধার বলান্ত্রী

ভারতভাবদীপ:

कारकाः कुकिन्धि, वश्रम्वाः वनस्काः । १२। (अवकारानाः राक्षन प्रश्नमः न र्षण्यान कृषिः लक्षाः व कृष्ण्यः १९०—१९३ हत्यः प्रकृष्णः । १६० त्वकः वर्णिकः वृष्णिकः व्यक्तः व्यक्तिः वृष्णिकः व्यक्तः । १९० व्यक्तः व्यक्तः वृष्णः वृष्णः प्रकृषः वृष्णः विष्णः विष्ण

हैकि की प्रमुख्यांकि देवलक प्रदेश करवा करकारण अवस्थातम । ६ वन

আর ভূমি, দেবশরীর ও মাতৃষশকীরের মধেট পুটি করে। সুম্বা ভরত-শ্রেষ্ঠ । কুক্ব যেমন ভোজনাভিলাষা হটয়। পরক্ষারের পরিস্থীত মাল প্রথ করে, সেইরাপ রাজারাও ভোগারী হটয়া পরক্ষারের ভূমি অপহরণ করেন। ভাচাতে অলাপি কাহারও কামনার ভূপি হয় ন ই ॥৭৩—৭৪॥

ভরতনন্দ্র সেই জতুই কেইবরগণ ও পাওরগণ সাম, দান, ডেদ ও দত-**খার স্**মি প্রতণ কবিবার জন্ম চেষ্টা করিতেভেন গণগ

নরভাষ্ঠ । বগানিয়াম সর্বলা পর্যাবেক্ষণ করিলে, ভূম পাণিগণের পিডা, ভাতা, পুত্র, আকাশ ওশ্ববিদ্ধপ চইয়া থাকে ॥৭৬॥

(৭৬) সমাগদ্ভিত্ত বিনাম্-শি ব

0

लभद्रमाञ्चाराहः।

शृङ्बाहुँ स्वाह ।

ভাৰত আগতে বিষ্ণা ধ্যা কৈম্বত আ চ। তাম শিক শ্ৰেণ সভাগ বিষয়ে পি ভিত্ৰ ভিতৰ্থা সা অন্তিক কি বিজ্বেণ হৰিবল তামিৰ চাহায় (সুপাকস্)

সগুয় উবাচ।

চ্ছাৰি দৰ্ভেৰ্টে সুংগনি ভ্ৰণ্টন। বুধ ১৯০ জিপাৰক হিছিলে কুকাৰ্কনিশনা। প্ৰ কুৰমুণ নাম সৰ্কুলগুলো পাছেল শা। মালকপত্ৰিকা ও ভল্ভিত। প্ৰভিত্তি দা।

ভারতকৌ মূলী

ह र भर ५ र र जा जार रेड मानेक प्रदेशिया । १८०६ रूप प्रशास सम्बद्धाः । १९०० र माने स्थापित । १९ १ वर्षाः १५ वर्षाः १

——(#)——

ন্দ্ৰ কৰিব আন্ধান নিক কৰিব নায়। — ব

যুগারালন (ইলা বজা পথন যুগারলথের চহলগীরঃ এবান বংগ ইনানেল ব্রাহ্রেন ন নগাল্যানন্ধ্রাল র'হ ফুডিম্ম কোন সন্মুখ্য নিয়া কলিযুগ্য, বিয়ান্ত্রান নাম কাশন্ত হয় হয় নি নাহবিমেদিনা ১ঃ

স্তিরাটুর কালেন 'ফুর সজ্য' তেই ভাতত্রস্ হৈন্তত্রস্থ ও করিবস্বাসী মাজুবের মাখ্য পরিমাণ, ল'জে, মহল, মমহল এব ভূত, ভবিসুং ও বর্ষান কাল আমার নিক্ট বিস্বত্রে বল' ১১ ১০

সভয় বলিলেন 'ভরত্থেত। কুক্র লবজন। এই ভারতবর্ষে সভা, মেডা, দাপর ও কলি, এই চাবিটা মুগাই হত্যু থাকে ১০৪

(১) কৰিজ্ঞ চতুদ্ধ পি

मन्द्रयांश्याग्रः।

চহাবি তু স্থাতি বৰ্ষাণাৰ কুক্ষেত্য ।।
আবৃন্দৰ্যা। কু হতুগে স্বান্তা বাজ্যত্য । ॥৫॥
তথা এইনি স্থাবানি , ত হাহাৰ মুক্তানিপ ।।
কে স্থাবাৰ ব্ৰেপ্তে তু ভূবি ভিতান্তি সাৰ্প্তিম্ ॥৬॥
ম প্ৰমাৰ্শি হৈছিল ভিগোহনি, নু হৰ্ষাণ্ড !।
গলভাবি মিন্তেই ই ইলা জ্বানা সিন্তি চালা।
মহাব্ৰ মহানাৰ্য প্ৰজাপ্ৰস্থাৰ হয়ে।
প্ৰমান্ত চাজাৰা প্ৰজাপ্ৰস্থাৰ হয়ে।
কাহাৰ কু হতুগৰ বাজন্ব ধনিনা প্ৰিষ্ণানাৰ ।
কাহাৰ চাজাৰাৰ স্নান্ত বৈ হপোধনাৰ ।।
মহাৰ্যাৰ মহানাৰ্য মানাৰ্যানা, স্বানা্ডিনাঃ ।
প্ৰিয়েশৰ বপ্ৰত্ৰা স্থানিকা, স্বান্তিনাঃ ।
প্ৰিয়েশৰ বপ্ৰত্ৰা স্থানিকা, স্বান্তিনাঃ ।

ভারতকৌষ্ণী

भृतिभिति। भृति क्षित्वसम् ६। जद्य स्ट्यान्त्रस्य स्थान्य स्ट्रिक स्थाः

इ.इ.दी १ स्था प्राप्ता स्थाप्य स्थानि १० स्थाः । स्थाः स्था

রাজা। স্থানি পরে প্রথম সংখ্যা, উৎপরে এটা, ও হার পরে ছাপর এবং ভাষনসূত্র কলিমুগ প্রসূত হয় ধন।

কৌরবপ্রান | বাজ্পেট্র সভার্গে মালুবের আব্র পরিমাণ ছিল -চারি হাজার বংসর ৪০০

নরমাধ । তেতামুগে তিন হংজার বংসর এব মালরমুগে তুই হাজার বংসর মালুযের আগ্র পরিমাণ। এখনও পুথিতীতে তুই হাজার বংস্বের অনেক মালুষ আছে ॥৬॥

ভ্রতশ্রেট। কিন্তু কলিমুগে মানুষের আন্ত পরিনাণের স্থিত। নাই। কারণ, তথ্য আযুষ পটে থাকিয়া কি বা জবিমগরে পার্থ মরে ৮৭ঃ

সকল যুগেই মহাবল, মহাধাবদায়, বৃদ্ধিমান্ও খণবান্শত শত ও সহস্থ সহস্লোক জন্ম ও সভান জনাইয়া থাকে খন।

(১০) প্রিয়নশনা বপুছজা ব ব ব নি

বৰ'ত মুখি জাগান্ত কৰি ল'ং শ্ৰদ্ৰনাং ।

ে বং শংকাৰিল বংগন্ধ দাৰে বৈ চক্ৰান্তিনা ॥১১॥

সৰল শেচ কা ব্যোদাৰ মাণেৰে মুগো।

মাতেখন গা বীৰ্ষাৰত: প্ৰাপ্তিম মুগো।

মাতেখন গা বুকাল ভৌখনত প্ৰায় নৃশা।

মাতেখন না বুকাল ভৌখনত প্ৰায় নৃশা।

মাতেখন না বুকাল ভৌখনত প্ৰায় নৃশা।

মাতেখন নাইল্ডৰ নিয়োজ ভৌৱাৰ । ॥১৯॥

মাতেখন কাইল্ডৰ নিয়োজ ভৌৱাৰ । ॥১৯॥

स्टारहरू भूनो

নার না সভার জনস্মানতি এবং গা । ১০০ এই সাধ্যমিল চ্বিচুমিজ্জি ১১৫ সংক্ষিতি । আগংকা ভার্ষি ১১৭৪

्षक हे चार्यक र दांगा, रिश्वक दुश्यक्षा इ.स. हे चार्यक्षा २० लट्टी से १ विस्ट्रियांच ४८५1

कार्यकार्याणः

— রক্ষাক্র ১৯ কিবৃধ কাশ্রেষ্থ ১৯—১১ পরা হৈছে প্রজান জনয়ছি ১৮ —১০ স্পুত্র বাধারকে ১৯০ —১৯১ সাধারক প্রজাবহিদ্ধিকে জাধ্য ইনি সভ্জা ১২ ১০৪ ইবা লাভ বাধারিক বাদিন্ধু সংগতি কোনাইভিজ্ঞানন্ধ্য মাহো

বাদ সংস্থা মুন, ভাগালী, ধনী, পিয়নশ্ন, মহোংসাহ, মহাজা, সাহিত্য, সহাবদী, সকলাকট পিয়সপে দেশনকাৰী, প্ৰস্তুদেহ, মহাবীয়াও সমুক্ৰমাধ্য ভাগা এব সেইকপ সহান উপ্পাদন কাই হন চুন্ধ

কার । কেমাণ্ডা অধিয়ের উত্য পরিভালের যোগা ও স্কুল সহানীর ইত্যা আক্ষেত্র এব স্কুল অধিয়েই সম্ভিত্তিক উত্ত করেন॥১১॥

স্পান্ত সমস্বাস্থা নাহাংসাহ, বলবান এব সক্ষেত্ৰ ভরাতি-কাষী হটরা সাকে ॥১২॥

সারে ভ্রত্মক্ষ বাজা । কলিগুগে মায়েষ সহতের কোপ্নক্তাৰ, শোভী ভ মিলাবিদি হয়॥১০॥

ভর্তনন্দ্র এব কলিল্ল মানুকের উপন, অভ্যার, ক্রোধ, কণ্টভা, অস্থা, বিষয়ে আস্তি ও জোড় ভ্রম, খন্কে ১৯৪

(३२) अर देवत दालद व व व वि ।

সংক্ষেত্ৰ বভাৰত জন্। জংপত্ৰতবিন্নর পিপ !। ভাগে ভাৰণ হেম্বতং ছবিষ্ঠা ততঃ প্ৰম্যাতিয়া

ইতি ই।মত'ভারতে শতস হকাং সাহিত্না বৈ পিকাপ ভারাপকাণি জ্বু অধ্বিনিয়েতে ভারতবংগ কুল সভুৱেশ্বেনাগুনিকল্যে দশ্যোত্লায়ঃ ॥।।।

---(•)----

(২) ভূমিলা)

একাদশোহধ্যায়ঃ।

शृह्या है खेशह।

জন্ধনত্ব প্ৰতিভা মণ্দ্ৰিত সলা ।। বিস্পুনতা চ কৰি প্ৰিমণ্ডু দিহুৰ এটা

ভারতকৌমুলী

সাংক্ৰাক্টিনি, সংগাসৰ অনুবাৰৰ অন্তৰ্ভানন নকাজ্নাকিন কুল উৎব ভাবিত পালেও , শুক কিং কুল এ একাজন নিজন কৰি দলে প্ৰায় এই। ইবি মাত ঘাতাৰিল অন্তৰ্ভানন কুল কৰ্ম কৰ্ম কৰ্মীৰ ভাবিত কান্নাম্য তে, ন মুদ্ধা এক্সমুক্তিনাম ক্ৰান্ত্ৰত হ'ব।

सर पन है है। जिल्ला जिल्ला प्रतिदार्गी, प्रश्नेका राज

ভারতভাবদীপ:

ক্ষ্টিম্। অধ্য প্রভাগর সংক্ষিত্তম তালে বিলাত লাভি তালকলিক চহন। সংক্ষণো অশানামিতি শেষা ৭৯৫।

है व भी प्रमानिक कि नज़क द न ज़मम दर्शना समा ५ वर्ग । १४ ४

মার্নাশ রাজা। এখন এই ছ প্রমুগণ্য অল্লই আব্দির আব্ছ। ভারতবৃধ্ আপোকা হৈম্বতব্ধের গুল অধিক এব চিম্বতব্ধ অপোকাও চবিব্য উৎ-কুটা 1548

ধৃতরাষ্ট্র কলিলেন 'সভয় ৷ কুমি মধানপ্লাবেট ভগুখাড়ের বিষয় বলিয়াছ : এখন আবার ম্থানপ্লাবে উচার বিশ্বত প্রিমাণ বল ১১৪

(b) বিশ্বমূল প্রবিধি কার বাদি ।

সমুদ্ৰত প্ৰাণ্ঠ সম্প্ৰিচ্নশ্ৰষ্। শাক্ষীপদ যো জাহি কুণ্ঠীপ্ৰ সংগ্ৰা । ॥২॥ শাক্ষিপিৰ হড়েন ভৌক্ষীপণ হটাৰ চ। কাহি গ্ৰেন্থন । সাক্ষাৰ্থণ কোমাক্ষি সুগা॥ ॥

মঞ্জন্ন উবাচ।

ৰাজন্ । তবহৰে ছাঁপা গৈবিদ স্তুত্ সংহ।

সপ্তাশ(ন্থাৰজনামি চক্তাদিকোঁ গতা হথ ॥৪॥

অন্তাল সহজাতি গৈজনামি বিশু প্ৰেন্।

ইট্ শহামি চুণামি বিশুছে জদুপৰতঃ ॥৫॥

শবিধাক সমুদ্ৰ বিশুছে ভিতৰং আহঃ।

নাৰজনপদ কাৰো মনিবিকামতিতি হঃ ॥১॥

ভারতকৌমুদী

সন্দৰ্শেষি। মাজিল নিদিও দলন গতান্ত্ৰত অভাবনন্ত্ৰ এই লংকুলিনিদি। কাৰ্তন্ত প্ৰত্যাপুত্ৰ সঞ্চ বিস্মৃত্য বাহালিকি সংগ্ৰাৰ গুলা হতাৰ কম্পতিক আৰক্ষ্য বিদ্যা মাজিকি বিদ্যালয় বৈজ্ঞ, সংক্ৰমিকগুৰুক্ত প্ৰান্ধ ক্ৰম্ভ ক্ৰম্ভ ক্ৰম্ভ কৰ

ভারতভাবদীপ:

চাৰ্গত টিবি। তে প্ৰে কৰ্ম্য সংগ্ৰেক্ষ্য বি প্ৰে বিনি চ ব্যালনামি বিশিল্প কুমিনকান কৰ্ম কৰ্মালক প্ৰাকৃষ্ণিৰ, কুমিনকিল বাবে পিতৃপ্য ব্যাস্থাবাৰ প্ৰাকৃষ্ণিৰ, কুমিনকান কৰ্ম ক্ষাস্থাবাৰ প্ৰাকৃষ্ণিৰ, কুমিনকান কৰ্ম ক্ষাস্থাবাৰ প্ৰাকৃষ্ণিৰ প্ৰাকৃষ্ণিৰ ক্ষাস্থাকাৰ প্ৰাকৃষ্ণিৰ ক্ষাম্থাবাৰ ক্ষাম্থ্য ক্ষাম্থাবাৰ ক্ষাম্থ্য ক্ষাম্থ্য

সভয়। তুমি শোমার যগায়গ জান অনুসারে সমূহের পরিমান, সাক্ষীপ ও কুম্ছীপের নিষ্যু আমার নিক্ট বল ॥১॥

গ্রহানন্দন। সাল্লিয়াপ, ক্রোকারীপ, রাজ, চন্দ্র ও ক্ষোর বিষয়ও যথাষপভাবে বল'॥आ

সংয় বলিলেন 'বাজা। যে দ্বীপগুলি এই চগাং বালে করিয়া রচিয়াছে, সে দ্বীপ মনেক, তবে আপনার নিকট সপ্ত দ্বীপ, চন্দ্র, স্থা ও রাত্র বিষয় বলিব ।৪।

নরনাথ। এই ভযুক্তি, পূর্ণ অটাদশ সহস্র ও ছয় শত ব্যেজন বিস্তুভাগে

(২) বনুসক্ত প্রমানক পি।

নৈক্ষা সুবিচিইত্রশ্চ প্রইতকপ্রেণাহিতঃ।

সিক্ষারণস্থানিঃ সাগরঃ প্রিমণ্ডার ॥৭॥ (র্থাক্ষ্)
শাক্ষীপঞ্চ বক্ষামি মধাব্যির প্রান্ধির ।।

শৃণু মে রং মধ্যেয়ার ক্রবতঃ কুক্ষান্দ্র । ॥৮॥

ক্রপ্রীপপ্রমার্থেন বিজ্ঞঃ স নরাবিশে ।।

বিক্তেও মহারাজ । সাগ্রেভিপি বিভাগ্নাঃ ।

ক্রিপ্রানি ভরতভেতে । (যন সংপ্রিব্রিতঃ ॥১॥

তর্ম পুলা জনপ্লাক্তর ন ভিন্তে জনঃ।

ক্ত এব হি তুভিক্ষা ক্রমার্থেকের্ডা হি ডে॥১৮॥
শাক্ষীপ্রা সংক্রেণা ম্যাব্রুর্থিত ।।
উক্ত এম্মহারাজ । ক্রিত্রং ক্রমানি তে॥১৮॥

উক্ত এম্মহারাজ । ক্রিত্রং ক্রমানি তে॥১৮॥

काबाउदको भूगी

লাবেলকারে বিশ্ব ভারত বিভাব । ইলানীপ্রমান্টিবিল সহ প্রাণান্তপুষ আভ প্রবিশ নিক্সনিব অভিভাতি স্পরিষ্ঠলোলে ক কার ৮০—৭,

সাব্দসমূদ্রের বিস্তার অধুজ্ঞ অপেকা দিন্তন। টা সমূদ্রের তাবে বহরর দেশ আছে, এ সমূদ্র মাধ ও প্রবালে বিভিত্র, গোলাকার এব সানেক ধারু-বিভিত্র প্রবিভ্সমূহে প্রিশোভিত ও সিদ্ধ চারণগাবে ব্যাপ্রভ

কৌরবমক্র রাজা। এখন আমি যথাযথভাবে ও ছায় অনুসাবে লাক। ছীপের বিষয় বলিব আপনি আমাব নিকট ভাচ। শ্রব ক্রন গদ।।

নরনাথ মহারাজ। সেই শাক্রণ জনুরণ মণেকা থিওণ বিস্তৃত এবং ভরতভাষ্ঠ। যে কীরোলসাগর উহাকে পরিবেটন করিয় ব'হভাগে রহিয়াছে, ভাহার পরিমাণ্ড থিওণ ।১॥

সেই ছাপে অনেক প্ৰিত্ৰ দেশ আছে এব সে সকল দেশে নাকের আকালমূহ্য হয় না, ওডিক আর হইবে কেন। তত্তা নাক সকল কমাশীল ভাতেক্ষী #১-#

ভরতভোষ্ঠ মহারাজ ৷ আমি যগায়গভাবে ও সংক্ষেপ এই শাক্ষীপের বিষয় বলিলাম ; এখন আর আপনার নিকট কি বলিব (বল্ন) ৪১১৪

মূভরাত্র উবাচ।

* কেছিপিক সংক্ৰেণে হয় বলিছ সংগ্ৰহণ । উদ্ভেশ্য মহাপাজা । বিত্তা প্ৰতি ৩ একঃ ॥১২॥ সঞ্জ উবাচ ।

তুৰি ক পৰ্ব কৰেন্। সপুণত মণিভূমিতাই ।

হাই কলান্ত লাল্ডেল্লেন্ন নামানি মে শুনু ॥১৯॥

আনাৰ বিশ্বং সৰণ তত পুণাং জনপ্ৰিপা।।

নিলাগি কৰিছে লাজহাৰ জাল মন্ত্ৰ, নামাপ্ৰিতই।

হাৰ ক্ৰাণ্ডেল্ড প্ৰতিব্যু প্ৰাৰ্থিত স্বাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডেল্ড প্ৰাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড প্ৰাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড প্ৰাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড প্ৰাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড প্ৰাৰ্থিত স্বাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড বাস্বাধি স্বাহ্যালয় ১৪॥

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড স্বাৰ্থিত।

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড স্বাৰ্থিত স্বাহ্যালয় ১৪॥

হাৰ ক্ৰাণ্ডিল্ড স্বাৰ্থিত।

ভংরতকৌমূলী

with the angulary of the state

१ र १ १ १ मार्था मान्याच्या वस्तुविधाः ३०॥

ভারতভাবদীপঃ

সাই চহাৰ নাজৰ তা এই এই এই এই এই সহাজ্ঞালিক কাজনু। পাঞ্চ বা হাজনা বিভাননে বিভাননে বিভাননা হাজনা কাজনুমো

ধুৰৰ পুৰি পালন নামহালাক সজ্য। চুন মধামথ ভাবে ও সংক্ষেপ্ শাক্ষণপৰ বিষয় ব'লকে, এখন মখাধকপে উহ'ব বিজ্ঞ বিষয় বল' ॥:২॥

সংখ্যা বলিকেন — বাজ ৷ এই শাক্র পেও রাজ্য আকর এবা মণিভূষিত সাহিটা প্রতি মণ্ডে, বত্তর নলাও মাজে, আপুনি সেঞ্জির নাম আমার নিকট শাব্য করনা, ঃ

নির্নাধা (সে নেশে সকল বস্কী অভাক উংক্ঠ ও প্রিক্র সে দেশের শ্বেম প্রধ্যের নাম ",মক" ভাতাতে নেরগণ, ফ্রিংন ও গ্রেবগণ মাছেন ৮১৪॥

মহাবাজ ; ভাষার প্রপ্র ৪ পশ্চিমে দাম মল্পবিভ সহিয়াছে ; ভাষ্! ইউতে মেঘ সকল আবি চুত হয় এবং সংগ্র বংকি ক্রণ করে ॥১৫॥

কৌৰবনক্ষন। তংগধে 'জলধার নিধ্যে মহাপ্কাৰ আছে, উল্প ভাছা ইউতেই স্কান উত্য অলু আহণ ক্রেন ১১৬॥ ততো বলং প্রান্থতি বর্তিলে জনেশর।।
উল্লেখিন বৈদ্যালৈ বত নিতাং প্রতিটি লালালে।
বেবতী দিবি নক এং পিশাসকরতে, বিধিয়।
উত্তরে চুরাজের ! প্রান্থেন নাম মহাহিবিং॥১৮॥
নব্যেমপ্রতিং প্রান্থ কলবিহাক;
যতঃ প্রান্থানির স্থাপর। প্রকা জনপ্রের ।॥১৪॥ বিশেষকম্

शृठवाट्टे छेवाछ।

স্থান্দ শেশেরে সেচের প্রেরিকাচন স্থান । ইসা । প্রকারে কথা সূত্রপুর । সাপাপ্তার স্থান্ন চাহিত॥২০॥ সঞ্জ উকাচ।

সংব্রেশ্ব মহারাজ । জীলেন্ কুক্রন্দর । পৌরঃ স্থান্ত বংগা ছো ২০০বন ওরে নূপ । শ্রামো মহাহে প্রতে, বৈ ওও জন মো প্রিং জুবং ॥২১॥

खावडरको पूरी

ত্র ইতি যায় হলক বেস বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধেন্ত বিধিন্ত বিধেন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত বিধিন্ত

ভারতভাবদীশঃ

শ্বারশক্ষার নীমিষ্ট্রের রিজ্যাল একেছে সকলের প্রতিক্রিক ক্ষারিক স্থারিক স্থানিক স্থানি

ন্ধনাধ। অন্নত্ব ব্যক্তে বৃধ হইয়া গ'কে হ'ব ব প্ৰ '্ৰব্ডক'
নামে একটা উচ্চ প্ৰত আছে , যাহার উপরে আক্রেশ সকল ই এব্ডলিক্ষ্
বিভামান বহিয়াছে এই ঘটনা ক্ষ্ ব্যাহ কৰিছ জন বাজ্যাল।
ভাষার উত্তে নূখন মেলের জায় জামবর্ত, উচ্চ, কাছিমান্ ও উচ্ছলম্ভি 'শুনি '
নামে একটা মহালক্ষ্ আছে , বাজ । সাহার হ'ল ভাষ্য লে কেরা আমি বৃশি ইয়াছে এই শুনি এই।

ধৃতর টু বলিলেন 'স্থ্য। তুমি সাহি সামার নিকট ওজতর সংক্রের বিষয়ই বলিলে। করেণ, প্রপুষ। সে কানের লোকেব। শামবর্ণ হর্ল কেন গুলিংশা

(১৪) - হত্ত দিয়াই আলি টিট — শি । ২১ - বে^মর কৃষ্ণত প্রথ, ব বর দি।

उडः भरः (कोरदिसः। प्रशिक्तः। द्रशिक्तः। (कमतः (कमतः)(चा गतः, व डः खनः उटः ॥२२॥ (च्याः (वाक्रमिक्दः) विष्णः भिति।श्रामः। वरः, वि (इतः (कोरदाः) मद्रशिक्तांन प्रमावितिः॥२०॥ प्रशासक्ष्यकार्थात्यः छः वः तृष्ठालाद्यः। कन्नशिका प्रकार्थकः। सन्वादः देशे असूनः॥२४॥

ভারতকৌমুদী

সাংক্ষার । সম্বর তাক ভ্রেটির নাম মুখ্ ভিয়ন্সংগণে এক স্থা শাংম বন হর্ত গান, নয় সর্কা নির প্রে, ন্যা আরুম । চটুসালে চয়ং প্রেটিয়া (ম) ৪

ক নি স নি ল'ব ব হ মবং ল' মহন্তক্তম সজাদ, ই স্থাকিলিব সাংলে । মাজ ক'লে সাম নাল্য বাংল্যত এবং সকলে, ও ল ছ লেবক স্থিত আলোধার সাম কাও ক বিন্ত স্থাতিত লগতে নাম ব নম্য নম, ছ দ্বান্তিক কল্মব (১৯%

ভারতভাবনীপঃ

हिल्ला करण र २ हिल्लाह किया करण है उसे कि उस्पाति । किया करण करण है है के इस करणाहरण कर्मा करणाहरी, करणाहरण सिस्हार करणाहरू करणाहरी है है के इस करणाहरण कर्मा करणाहरू देश अस्ता कर्मा कर्मा करणाहरू है के अपने करणाहरू

इति इतिमास । देनलकत द इति महारम गण इक मानामक । १००१

স্থায় বিগ্লেষ ন',ক রবনক্ষন মহারাজ ৷ স্কল্ ছাপ্টে মায়ুবের পৌর ও কুক্রে এব সেই ছাই বর্ণের নিজ্ঞিত বর্ণ হয়, কিয় স্থানে ভাগ্যপক্রভের স্পার্থ এ এই মায়ুবের ভাষ্থের হায়াবর্গ হর্মা ফুকে, সেই তেতু সেই পক্ষেত্র কৈও ভাষা বলিয়া থাকে ৪২১৪

কেবেবর্ম্থ : ভাষার পর অভাতে ত্রিলৈল, ভংপরের কেসবস্কু কেসর-প্রত, যাত হউতে সামু আবিভূত হয় ১২১৪

কে ব্ৰন্ধন । সেই প্ৰত্যুলিক বিস্তার ক্রমণ: দিখন এবং অভিজ লোকের বলেন—সেই সংগ্রী প্রত্তের নিকটে সাঙ্গা ব্য আছে ॥২০॥

মধ্বজে ৷ মেক্পিরির নিক্তে মহাকাশবর, মল্যের নিক্টে কুণ্টোভুক-বয়, জলধারপবড়ের নিক্তে সুকুমারবর্ধ ১৯৭৪

(२०) १५(भारत, व द दानि।

এकांपर-"१२४४। यः ।

বৈশ্বতা চুকোনার: শ্রামন্ত মণিকাকন: ।
ক্ষেত্রতাণ মৌলকৌ পারেল চুমকাপুমান্ ॥২৫॥
পরিবার্যা চুকৌরবা । দৈনিল ছুদ্রমের চ।
ক্ষেত্রতাপেন সংখ্যাত্রতা মধ্যে মহাক্রম: ॥২৬॥
শাকো নান মহাবার । প্রকা হক্ত সলাসুণা।
ভর পুণা জনপদাঃ পূজাতে হর শহরঃ ॥২৭॥ (যুগাকন্)
তর গছরির সিল্লান্ড চারণা দৈবভানি চ।
শাক্ষিকাশ্চ প্রজা বার্লান্ডমারের দ্শাতে।
কণাং সক্তানিবভা ম চ (ভ্নোইর দ্শাতে।
কণান্দ্রা মহারার । কর্মে হুলিব্লিভাং ॥২৭॥
শাক্ষাত্র বিব্রুত্রে বর্ম, দিব সমুদ্র্যাঃ
নহাঃ পুণাজনান্তর গলা চ বন্ধা গণা ॥২০॥
নহাঃ পুণাজনান্তর গলা চ বন্ধা গণা ॥২০॥

भावकरको भूगो

বৈশ্বতিকৈতি। প্ৰেণ্ডুগাইনলস্থিধনে, মহাপুথান্ত্ৰ হাতেশা। পাৰণে ক্ৰাহ্ম । বৰা প্ৰীতি। ক্ৰোণ পিছীবাং দৈয়াও ইবছক প্ৰিত্ৰা প্ৰিতেই ছে দেশা বৰুত্ব ইতি লোক প্ৰাক্ষীপক হলে। পাৰ্ক তাম হাত ক্ৰমা, মহুই পেন অনুষ্ঠাপ্ৰতমূহাক্ষ্য, সংগ্ৰাহ্ম স্মান্ত উক্তাঃ অনুষ্ঠাপ্ৰতিকী হয় ২৩।

তেয়েতি। চৰাৰ শক বৰ্ণ অধীৰণ বিৰয়। প্ৰদেশকত পুৰুষ্ণন্ত্ৰ (২৮) হণ ইছি। বৰ্ণ অভিনেত্ৰশাৰণৰ প্ৰদেশতীয়ে। সংগ্ৰুত্বিৰ সং এক লে ১৯১ বৈৰতক্ষিবিৰ পাৰ্থে কোনাৰংক, শাম্মিবিৰ নিক্টে মণিক জিনক্ষ, কে স্থ-প্ৰত্ৰে নিক্টে মেনিক্তি মেনিক্তি কোনাৰংক, শাম্মিবিৰ নিক্টে মনিক্তিন্ত্ৰ নিক্টে মেনিক্তিন্ত্ৰ নিক্টে মেনিক্তিন্ত্ৰ নিক্টে মেনিক্তিন্ত্ৰ কোনাৰংক এক ভূকিউপকোৱ পাৰ্থে মহাপুক্ষব্য ১৯০।

কৌর্থনন্দ্র। এই সকল বধ সেই পর্যুভগুলির দৈয়া ও চুম্বা বেইন করিয়া রিহাছে। আনে সেই পাকরীপের মধাস্থামে 'শ্রুক 'নামে একটা মহাতৃত্ব আছে, সেটা জ্যুজিপের জ্যুবজেবই সমান। ভত্ততা লোকেবা সেই ব্যোকই উপতীবী। আর সে দীপে সংনক পনিত্র দেশ আছে এব সে সকল দেশে শিবের পূজা হয়।১৬—২৭॥

ভরতনক্ষন। সিজ্ঞান, চারলগণ ও দেবগণ সে দেশে গ্রন করিয়া পাকেন এবং রাজা। সে দেশের চারি বর্ণ ই আতাত্ত ধাত্মিক ৪০৮॥

মহারাজ। সে দেশে চারি বর্ণই আপন আপন কশ্মে নিরত রহিয়াছে ; তাহারা দীখায় ও অকালে জবা-মৃত্যুরহিত এবং সে দেশে চোর দেখা যায় না যাংখা ফ্রমারী কুন লৈ চ কি কী ্রনিক তথা।

মহ নলা চ ্পার্কা । কথা মান কলা নদী ॥২১॥

চলুকি নিকা । চল নলা ভবঙ্গত্য ।

ব্যাপ্ত ও প্রেটাল নাত ব্যাব্যাকিছা। ॥২২॥

সহ কান ! শতালাৰ ব্যাবা কো ও বাস্বাঃ।

না কলা ভাগত্যে নি প্রিয়ানে তবিস্বাঃ।

কা কন্ত প্রিল হ, জু প্রায়ে তি স্বিভ্রাঃ।

কা ক্রে প্রিল হ, জু প্রায়ে তি স্বিভ্রাঃ।

কা প্রা জনকলাকে হারে তালকার হাং ॥২৪॥ (বিশেষ্কার্)

মল কি মান লাকের মান্সা হ্লাগ্রাঃ।

মল কালেন ভূতি হাং স্ক্রমান্ত ভূপা। ॥২৫॥

মন্তের ভূবালেন, ভূতিকো স্ক্রমান্ত ভূপা। ॥২৫॥

মন্তের ভূবালেন, ভূতিকো স্ক্রমান্ত ভূপা। ॥২৫॥

মন্তের ভূবালেন, ভূতিকোল স্ক্রমান্ত ভূপা। ॥২৬॥

মন্তের ভূবালেন, ভূতিকোল স্ক্রমান্ত ভ্রাবিনঃ ॥২৬॥

ল বংকৌমুলী

কাৰ কাৰ কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰে কাৰ্য

্স নেশাৰ লাশ্যৰ বাজ কলাজৰ নদাৰ আয় কুজি পায় এব সে নেশো পুলিকলা বিচাৰ নদা আছে, খাৰে অল বিভাগ্ৰে প্ৰাতিভ ক্টাভেলিয়াওলা কো বৰ্ণকান ৷ সে দেশে শুকুমাৰা, কুনাৰা, শিষ শী ও বেশিকা এই চারিটা মহানদা এব ম্পত্ত এক, সাধাৰণ নদা গুলুৱা

李称 · 智"至一十年十四十四 网络古农山中山山山山

ভ্ৰত্ৰেট । চকাৰ বহু নিকাৰণেৰ আৰম্ভ ভুইট সাধাৰণ নদী আছে। কৈ ব্ৰদ্ৰেট । সানুৰ্থ পৰিত্ৰলা লাফ লাজ নদা ইতিয়াছে। ভাহার কাৰণ, ইছা সোদ্ধৰ প্ৰচুষ্ট্ৰ কৰা কৰিয়া প্ৰক্ষা। সোন্দাগুলির নাম ও প্রিমাণ ব্লিটে পাবা মানুনা, ভাবে সান্দাগুট্লি প্ৰিত্ৰ। আৰু সেই মাক্ষাপে প্ৰিত্ৰ ও লোক খিয় চাৰিউ কেশ আছে ৮০০ – ৭৭৪

বাজা। সে চাবিজ, প্ৰের ন'ম মজ, মলক, মানস্ভ মক্রা। ভারার মধ্যে মজ্পেশে সকলানিকত এ আগই বভ্স থকে বাস করেন ॥১৫॥

(৬২, ব জুংভনিক ১৪ব পিঃ 🕒 সংক্রেড্র হত্য ব ব র নি।

সর্বান্ধনাযুক্তার শ্রা ধর্মার্থনিকিছোর।
শ্লেম্ব নকণ নিতার প্রকাশ পর্যাধীনিকর ॥৩৭॥
ন তত্র রাজা রাজেন্দ্র । ন লভে, ন চ লভিকার।
অব্যাহণির ধর্মজান্তে রক্ষত্রি পর্মপ্রয় ॥৩৮॥
কার্দের লক্ষান্ত তত্র দ্বীপে প্রায়তিকর ॥৩৮॥
কার্দের চ লেখালের লক্ষাপে মহোজাদি ॥৩৮॥
ইতি শীন্ধাভারতে শ্রমান্ধরণে স্পতিরাধ্য বৈহাসিক্যার ভীম্পর্কাণি
ভূমে শ্রেমান্ধরণে একাদ্যোগ্যাদের ॥০॥

—(e) — ——

खातख(को मुनी

মশকেৰি হি । থাকা পাজা কান বৈকা গৰু , ই, আ গ্ৰাকাক কিবা পাৰ্থি পাছে ১৯৮৯

সাধ্য । পালা সংগ্ৰাকীৰ নিশিত সজান্ত্ৰপাল্য নিশা মঞ্চল্যপাল্য ১৯৪৪

নেকি পালা এই নিজিক পালা হ । ইন্কিলাই মহাতি উকা ১০০।

এ নাকিছি লাকাম্ সল্বাহ্পকাৰে । ম্তেইজিসি স্বাসিনাত মতেইজিল হ হত্যা
ইতি মহান্ত্ৰাপাল্য বিভাৱিত ক নিজাল্য বিশাভাই ভাষা বিভাৱ ভাষাত বাজীকান্ত
ভাব হত্তীন্তাপন সাহাত ভালাকতি ভূমা হাজান্ত্ৰণাল্য ২০৪

হত্রেরের নশক্ষেণ্ড ধংশিকে ও স্কলের অভীউদাত করিয়ের। অবস্থিতি ক্রেন, মানস্দেশে ধংশাপ্তীবী বৈক্ষের বহিয়াপ্তন চল্ডঃ

আরে মন্দন্দেশে কীর, ধর্মার্থজানসম্প্র, ধাল্মিক ও সর্কাঞ্টিপ্রাণী পুরের! বাস কবিয়া থাকেন ৪৬৭৪

রাজ্পের । সাসকল দেশে রাজন মাই, দও মাই এব দত্রে যোগ্য লোকও নাই , উচ্চার সকলেই বাম জানেন বলিয়া আপন আপন ধাই অসু-সামেই পরকার প্রকাশেক রজা কর্বন লাচা

সেই লাকগ্রেণৰ বিষয় এই প্যাস্ট আমি বলিতে পারি। স্ভরার মহারাল। সাপ্নারও মহাতেড়া শাক্ষাপের বিষয় এইটুকুমারই শুনিতে ইইবে' ।৩৯॥

चानत्नाक्शासः।

সক্তর উবাচ।

উত্তেশ্য চ্নাবিদা । ছাল্পেয় লাত্ত করা।

হল ক্লা গ্রহণাজে । স্বত্ত চিল্লেষ হোলালা

হল ক্লা গ্রহণাজে । স্বত্ত চিল্লেষ হোলালা

হল ক্লা গ্রহণাজ ব্যাক্ষর লাগে লাব্য ।

হল ক্লা স্থানিক হল হল হলা জ ব্যাক্ষর ॥ ॥

হল কল কল কল লা স্কুলি নিল্লালাল বিশ্ব ।

হল কল কল কল লা স্কুলি বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব ।

হল কলা কল্লে নিল্লালালাল্য কলা লাভা ।

হল কলা নিলা নিলা বিশ্ব বিশ্ব লাভা ।

হল কলা নিলা নিলা বিশ্ব বিশ্ব লাভা ।

হল কলা নিলা নিলা বিশ্ব বিশ্ব লাভা ।

হল কলা নিলা বিশ্ব বিশ্ব লাভা ।

হল কলা নিলা বিশ্ব লাভা বিশ্ব লাভা ।

ভারতকোমুদী

© शानकारिक प्रान्द्राचीकर वृत्य व्याप्त व्यापत व्य

স্তয় ব লংকান — কুকনকান মহার্ভি। অংশিষ্ট ভাপগুলির যেকাপ উপা-খানি শুনিয়াভি, নেইকুপট মানি ব্লিকুছিছি , আপেনি শ্রণ ককান মান

সেই সকল ছাল্পৰ ভিকাই হাসেকে, ছবিমড়েদকেও প্ৰবাদক সাগার এব: ফলসাগার বহিষ্ট ছে ১১॥

নরনাথ মহাতার । স্বল হাগর পর পর ভিগ্ন এবা সেই দ্বীপ্রালির পর্বত স্কল সমৃত্যে পরিবেধিত ইতিয়াতে হবে

রাজা। নগামর পে ',গার 'নায়ে মলিময় দিলাযুক্ত একটা বিশাল প্রত এবং পশ্চিমে 'কুফ-নায়ে নারায়ণের পিয় অগ্র একটা প্রত আছে ৪৪০

াঠ) আৰু হয় মহাৰ জ ব ৰ ৰ' নি । ও শিৱমনৈ শিলো মহান্ধাৰ বা নি। (ধ) অৰণেশিনুদাসীন, প্ৰচন্ধ্



यमिट्न(२४)१४३ ।

কুশহাপে কুশ্বজো নাগ্য জনপ্ৰস্থা হ।

সংপূজাতে শালালিশত হাঁপে শালালকে নুপ। বাংবা
কৌপনীপে মহাজোলকং পিনী সহচনাকরঃ।

সংপূজাতে মহাজাল । চাতুৰ্বলোন নিৰাদা ধণা
গোমনুহ প্ৰতি বাংজন্ । ভ্যহণন্ সক্ষাভুমান্।

যাত্ৰ নিৰাদি ভী মান্ কমললোচনঃ বাংবা
মোজিনিঃ সংস্কাশ নিজাং প্ৰভুনাবাহণো হবিঃ।
কুশ্বীপে ভু হাজেজা। প্ৰতি বিজালৈকে।
জনমা নাম ভুজাগৈ বিভাগো ভোমাছিল হ।
জাতিমান্ নাম কোনজা । ভুনামঃ কুল্বলা বিবিঃ বাহনা
চতুৰ্বং পূজাবান্ নাম প্ৰথমন্ত্ৰ কুলোলাঃ।

সাজো হবিবি বিনাম সংস্তিত প্ৰতি ভ্ৰহণ বাংবা

छात्रच्हको भूगी

কুৰণেটি কাৰ্যালক্ষণ্ড পুজা, গাধানত্ত কাৰ্যা নিজি হৈছে।

কুনিপ্ৰিটি মহাজীক নাম, বহুচাকে কাৰ্যা হৰি হৈছে।

কোনেজুটোৰ সংগাৰুমান লৈখিক নিমাজান কুন্ত । বিজ্ঞান ক্ৰাণালিক্ষা বাধা ডুক্ৰা, হিল্লাক্ষণবাধান কুন্দ নাম। পৰ্যাস মহাজুন্দ কাৰ্যা

ক্ষ মারাজ্প ও এড়া দিবা বরু সকল বকা ক্ষেত্র এবং প্রভাবের উপরে বেসের ভইয়া ভাষাপের অুপ সম্পাদন ক্রেন ৮০৮

রাজা। কুশহাপে দেশের মধাস্থান্ধরী কুশহুস্কে এব শাল্পনিইপে শাল্যলিকুক্তে ভত্তত লোকেবা বিশেষ আদর কবে ॥১ঃ

মহারাজ ! ক্রেক্ছ পে ররসমূহের আকর 'মহাক্রেক-'নামে একটা প্রত আছে ; রাজ্ব প্রতি চারি বর্ল স্ববেদাট ভাহার অংশ্ব ক্রেন ৪৭৪

রাজা। সেই ছালে আবাল ও সমত্যার্যুক 'লোমফু মামে আর একটা প্রায় আছে, যাহাতে লক্ষ্যীর সহিত কমলন্ত্র প্রভু নাবায়ণ হরি স্বেলা বাস করেন। রাজ্ঞেট। আর কুল্ছীলে 'ভ্লাম নান্যে প্রবালবার্ত্তি ও ছুর্মা প্রথম প্রত, 'ভুডিমান-'নামে ক্রিছুলিছ বিভায় প্রত, 'কুম্ন-'নামে ভূডায় প্রতি, 'পুজারান 'নামে চতুর্ব প্রতি, 'কুলেল্য-'নামে প্রায় প্রতি এবং (৬) কুল্ডম কুল্ছীলে মধ্য ভন্নাম, সহ য করান ১০ মোক্ষিত সক্ষে

(५) दूसल्य क्रम्यात्त्रभाषा क्रम्याम् २० च प्रचानाम् । निष्ठाम् (५) ६०) चनभनमा याय, क्रम्यभनाभ डा, क्रम्यामाम नि, द्रमणसेकः • य्यायानि।



মহাভারতে

्ड्रायस्वद्दिस्य विश्वतः स्वेन्याः । विद्वतः व्ययः दशः (वन्यः , दन्यस्येत् ॥५२॥ दृशीयः स्वयः नाथः ५ हृशः व्ययः स्वयः स्वयः स् रवदः विक्यः दयः भष्टः वर्षः व्यन्तः व्यन्तः ॥५२॥ मुख्यः कर्षात्रः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्वयः । दृश्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्वयः । दृश्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । दृश्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ।

ন তেমু দক্ষৰ, সাত্ত সক্ষ্ণ কোঠেপি বা নুপা । ৪০০ (স্থাকম্)

কোৰঃ প্ৰাংশ ক্ষনং সহঁই তাৰু মাৰ্শ্চ পাণ্টিৰ ।
কাৰি কৌৰু সংক্ষেৰ বক্ষামি মন্ত্ৰাবিশা । ৪১৮।

ম্থাপ্ৰাংশ মহাৰাজ । তাৰং মহাৰাজ । বুগাক্ষ্

कारट(को मृजी

কে হি'ব অসকতিষ্ঠ হতাত ভূতিক হ', স্থাভূতৰ ক্ষণ ১৯২২ ইব'লি ই নাম্প্রাক্তিক সংগ্রাহ্য সংগ্রাহ্য সংস্থানি । বাংগ্রাহ্য বাংগ্রাহ্য সংগ্রাহ্য ১৫ ৮৫। বাংগ্রাহি প্রাহ্র বাংগ্রাহ্য বাংগ্রাহ সংস্থা ৮৮৮৮।

'ছবিধিবি নামে কট পকাত আতে। কুলব। কুলখাপে এই ভয়াই উত্থ পক্ত কহিয়াছে।৮—১১০

সেই পাটাতভালির মধাকুমির নিজার ক্রমণা থিকা। ভারার মধ্যে প্রথম উদ্দিক্ষ এব 'দ্ধীয় বেশুনভালব্ধ ১৯১॥

্টীয় স্বাধ্যক, চ্টুৰ্ণ কম্পাৰ্ক, ছুটিমং প্ৰান্তক, এক প্ৰভাৱৰ ষ্ঠ্ বৰ্ষ হঠতঃ

ষ্টি । সপুন কাপিলবেদ। নধনাথ । কুশন পে এই সাতেট বহা আছে। ভালাতে দেবগণ, গজৰ্মগণ ও মহুৰূপণ বিচাৰ ও চাডি কবিয়া পাকেন এবং সে সক্ষা বৰ্ষে মানুধ আকালে মাৰ না, আৰে সেই সমস্ত বৰ্ষে দিয়া বা স্থেতি-ছাতি নাই ১১৪—১৫॥

কাজা। বিশেষত সে সকল বংগ প্রায় সকল জোকট গৌতধর্ণ ও কোমলাজ। এরমাথ ৷ সামি বেমন তালিয়াত, তেমন তাবেট অবলিষ্ট স্মত্ত (১২) - বিশ্বত্তম্নালি। ১০) ভূতীৰ তথ্য কাৰ্ম ব ব ধ নি । ১৯) মুক্ষ্ডবাং শি । ১৯) কৌবজামে জন, ম্ভাত্ব্যানা ব ব বি নি । Picto

ভারত্ত কৌ মুদী

রেন্দ্রাহিছি স্থান্ত অধ্যাত্ত হৈছি আপতি ।,০।

ইম্নাকাদিনি সংগ্রাহণ ইতি শেষ ১০।

শবাহীত পরাইতি বিলাবেশপুর, বিরয়ে বিজার ২০।

রেন্দ্রিটি । এন্দ্রিকাল লকার্জ স্থিতি হা কুলা জন লল । ০০ছা শ্

क्रिका मित्र। जावत्व हैटि कार्य के, भावत निष्ठ के पना

দীপের বিষয় কলিব, আপনি ভ্রিচিত্ত ভারা খবন ককন মরাবার। ক্রেটাঞ্জীপে 'জেটাল নিব্য একটা মহপেকাত আছে ৮.৬ – ১ ব

রাজ্যাঃ জেনাকের পরে বামন, বামনের পরে ছেকারে, ছারুকারের পরে পর্বত্যার হৈনাক (১৮)

লরমাথ | ইমনাকের পরে পর্বেশস্থের গোবিক এব গোবিকের পরে 'নিবিডু-মিয়ে পর্বেড রহিয়াছে ≋১৯৪

ব শবর্মন। সেই পাসাতিক লার বিভার পর পর হিন্দা: ্সেই ক্রোধা-ছৌপের প্ৰেক্তি আমি বিলিব, আপনি ভারণ ককন ১২০০

কৌরবজ্জার , ক্রাঞ্প্রতের নিকটবড়ী দেশের নাম কুলল বামন প্রত্তের স্মিতিত দেশের মাম "মনোগ্রুগ" মনোগ্রুগত পর উফ্লেল ১২১৪

हिक्स्मर्णव भव जाववर्त्नम्, जाववर्त्सम्बद्ध भव क्षत्र-।वासन् क्षत्र-।वासन्।वासन्

পয় মূনিদেশ চহহচ

⁽১৯) मिनियम नाथ पर्वता--- (प.) २२, अन्तरवाणकृत्रादकः या व व मिन

स्वित्तन्त्र शर्रे क्व (शांठार छ छ क् न्याः ।

शिक्ष्ठावन्त्र होता (शोवश्रारण छ वाहितः ॥ २ वाः

श्रम् व त्र हता स्वाय श्रे हता प्रति हृद्धात् ।

हत्व वित्रा श्रम विश्व (हताः प्रति स्वायः ॥ २ वाः

वा वित्रा श्रम विश्व (हताः प्रति स्वायः ॥ २ वाः

वा श्रम व व्यव वाः (हताः स्वायः स्वायः ॥ १ वाः

वाः श्रम व व्यव वाः (हताः स्वायः स्वायः ॥ १ वाः

वाः श्रम व व्यव वाः व विवयः स्वायः व वाः

वाः श्रम व व्यव वाः व विवयः व व्यव ।

वाः श्रम व व्यव वाः व विवयः व वाः ॥ १ वाः

वाः श्रम व वाः स्वायः व वाः व वाः ।

वाः श्रम व वाः स्वायः व वाः ।

वाः स्वायः ।

वाः स्वयः ।

ভারত্তরে মুদী

হুনাই বের প্রিবেশ প্রত্বরণ জন হিসে। স্ট্রাক হোর হের পুসর রীজ পুসর সমর্থ, মুখু পুজালতির জ্ব হছ ক্ষিকি। পুজালার স্বশ্ব হেরও উন্ধান নি ব প্রক্রির বিশেশিক্ষিক কিছিব। প্রজান্ধ সম্ভাবে হেল

প্র প্রাধান কর পরা কর্মান র বিশ্ব বিশ্ব কর্মান র বিশ্ব বিশ

লোকট গোর্থন এব ডাঙাবা সিক ও চার্গগ্রের সভিড মিজিত ত্রীয়া বিচর্গ করে। মহার জাং এক ক্র'লে দেবগ্রেষ্ট্রের এই সকল দেশ বহির্গ্রে ॥২৩॥ প্রক্রিয়া প্রক্রা বিচর বিশ্বের বিভাগ্রেষ্ট্রিয়া বিচর

পুক্রম পুরুর নিমে ননি ও বর্শালী একট প্রতি আছে ; ভারাতে শ্ব প্রজাপ তদের স্কলে বাস করেন ০১৭৫

ন্ত্ৰপে। দেবতার, ও মহবির সকলে মনের অনুকৃত বাকালার। তার ক্রিতে থাকিয় স্থলাই উংহার উপাসনা ক্রেম ১২৫৪

কৌরবংশ্রে । সেই সমস্ভাপের লোচেতর জন্ম এই ভস্থাপ সইছে নামা-বিধ রয় যাইয়া পাকে ১৯৬১

ভত্তা লোকলিখের বৃদ্ধগ্র, সভা, ইন্দিয়নমন, সংস্থা ও আয়ুর পরিমাণে ভাষাদের জীবন প্রেপ্রে জীপবাদী অপেকা ছিন্তৰ ছিন্তৰ হইয়া থাকে ১২৭॥ স্থারো নওবুজন ক্যমের প্রজাপনিঃ।
বীপানেতান্ নহারাজ । রক্ষণস্তিতির নির্লো ॥ ৯॥
স রাজা স শিবো রাজন্ ! স পি । স পি নামহঃ।
গোপাসতি নরসেতা ! প্রজাঃ সভ ডুপতিতাং ॥ ৩০॥
ভেজনকার কৌরবা । প্রজাঃ ক্যমুপতিত্ব ।
সিন্দের মহারাজে ৷ তিজি ভুজান্তি নিতানা ॥ ৩.॥
ভত্ত পরং সমা নাম দুখাতে কেকেল-ক্তিঃ।
চতুর সং মহারাজ ৷ তামহিংশত মণ্ডনম্ ॥ ৩২॥

खावलको मुमी

এক ইদি হে ভবন্ধ নজন। এই এপৰ এক বৰ্জ প্ৰত্যাহত । এই সমূজি মুজি মুজি এই জনপদ। এতি এপৰ্তত তব্যক্ত প্ৰত্যাহত।

क्रियत क्रिया क्रियत क्रम् क्रम् इक्य क्रम्या र प्राप्त का स्थापना ।

সাইডি। দিবো মঞ্জনকর । বোলগ্রিছ রজনি সভ্নগরিকা আচ্ছনচেকনা তেও ভোলনমিডি। স্থিমের দৈবনিশ্রমের ৪৩১৪

তে হৈছি লোকস ক্ষিণ্য কাতে চেন্দ ইতি মধ্য চতুৰতা চতু জানম, মধুনা সিনি , আম্প্রিশ্য অধাস্থান্থামন্তিনি সম্ভাষ্ট

ভারতভারদীপ:

छात्र विक्रि । ३ वा मान विद्या प्रमाणिक प्रमाणिक क्रमाणिक क्रमाणिक क्रमाणिक विक्रमाणिक विक्रमाणिक

জনতনক্ষে রাজা ! যে ছাপাঞ্জিতে বিভাৱ ,দশা বলা হটল, বাস্থাবিকপারে সে দীপাঞ্জিতি একট দেশ বলিতে হটকে। কারণ, সেসকল দেশে একটাই ধশা শেখিতে পাভয়া যালু ঃ২৮ঃ

মহারাজ। অয় বকাই প্রান্থ ইউয়া দও ইতোলন কবিয়া সবদ। এই দ্বীপগুলিকে রক্ষ, করতঃ অবস্থান কবেন ৮৮১॥

নর্ভাটে রাজা: ডিনিই সে সকল ছীপের রাজ, ডিনিই মফলকানী, ডিনিই পিড়ো এবং ডিনিই পিডামহ, আর ডিনিই চেডন এআচেডন প্রজা-ফাঁকে রকা করেন ॥২০॥

মহাবাত কৌধ্বনদ্ন। দৈবনিন্দ্র খাড়ই সে সকল ঘীপে নিজে নিজে উপস্থিত হয় এবং ভাষাই লোকেরা সকলে ভোজন করে ।১১॥

(৩-) সুণিত, প্ৰণিভাষ্ট কাৰ বুনি। (০১) সিভ্ৰেৰ ম্লারাভ। পি



তার ভিত্তি নুশ্বিরা! চাল্রো (লাকসম্ভার:

কিলাকে দ্বল্ডাত । বাল্নিবার্লালয় ॥ হলা

তাল লাক্রা বাজন্ । প্রতিজ্বর্টার্লাল।

তাল হল পরিমালস্থান সংখ্যা হুলি হোলাহা ॥ হলা

মান হলা সামি বিশা কিলাকার কর্মারা এব হি ॥ হলা।

হলা শ্বা বা বা বালালয় নির্দ্ধি ভালার হলা এব হি ॥ হলা।

হলা শবা হলাকার বালালয় নির্দ্ধি ভালাহা।

হলা শবা হলাকার বালালয় বিভালা: ॥ হলা

শবা শবা শবাব্যা বালালয় বিভালা: ॥ হলা

শবা শবাব্যা বালালয় বিভালা: ॥ হলা

छात्रहाकोश्मी

खार्डकारगील:

ুক কৰ্মন্দন ভ্ৰমৰ্থ হৈ পোলেশে পোকস্মত ব্যেন ও উৱাৰ্ড প্ৰস্তি চারিটা দিগ্তকী কহিমাৰে ৪০০৮

বাছা। সেতি লগা সংগাল সুপার্কনামক কর্তি গাও্দেশ কেইছে সাল্টি মদজন দি ক্রকন কলু,সাহক সাব পার্নার আ মি বলিছে সাম্পান্তি এইছে কারন, নাই কুপান কর্তা সাবন ই উকি, আগ ও পার্থ দিকে সাক্ষাতি আপারিন মিতি স্পাধ্য সাক্ষা দিকু হাইবাহেই কর্তেই হয় লাওল

মহারাজ। তথন প্রকাশ কবিওঃ সেই হস্তিলি পদারুলা, বিশেষপ্রাব-শালা ও ম ক্ষাক বা ভ্রাগ্রারা সেই বংগু গুহন করে এবা সর্বদাই আবার ভ্রাকণাম সে বস্থালিকে শংলাগে মুক্ত করে ॥ ও॥

(०६) चिक्रमधिनगर्भन य व द्वास्तः

খদত্বি চ্যানাস্ত নিগ্গলৈবিক মাক্ত চাঃ। আগচ্ছতি নহবেছে। ততপিউতি বৈ প্ৰজাঃ॥১৭॥ ধৃত্ৰাষ্ট্ৰ উৰাচ।

भटन, देव विख्यात्रकार्यः इतः मध्यतः नीहिन्छः । मस्यितः कीभागात्रसम्बद्धः अकि मध्यत्र ॥ ७৮॥

সঞ্জ উবাচ 1

উত্তা দ্বীপা মহারাজ। গ্রান্ধি শুনু তত্ত্তঃ।
কটানোঃ কৌরবছেত। মাবদের প্রথাবহা ॥৩ ॥
প্রিমণ্ডনা মহারাজ। কচাকুঃ স্থান্ড হে এই:।
যোজনানা সহ সানি বিকাল্যে দ্বাদশাক্ষ বৈ ॥৪০॥
প্রিণাহেন ষ্ট্ ত্রিংশলিপ্রপ্রাহন চান্দ।।
ক্তিমাল্য শুনাক্ষ সুধাং পৌরাণিকাল্ডমা ॥৪১॥

ভারতকৌস্পী

শ্বাহিবিলি জালকর ক্ষরতার, বিজ্ঞি জাবিত জীলি কেন ১০% শ্বাহী সাংগ্রামণ সাজ ন্যবিদায়। উত্তা পুরক্রতারক সিকার্য্ জিকি লাক্স্থে শ্বাহায়ে, লোহাকা, কুল ভীতি কিকামি সহিন্দ্রিকার ১০৮৪

উদ্ধানীতি। প্রশানত ক্রেমের ক্রেমেন সংগ্রেক্ত সমলি পরিষ্টা (১৯১৭) শারীতি পরিষ্টার গালাকার । বিক্তি বিজ্ঞান, ফলে শ্রীপান (১৯৮৪) শারীতি। শ্রিমেরন শারীবিবিভালাক্যা, কর্তিমের সংলাতি হোজন নালার্থ, বিজ্ঞারন

মহার।জাঃ দেই দিগ্রহীর, খাসে হাগে কবিতে থাকেয়া মৃত্যু কবিলে। সেই যালু আসিত্তে লাকে , ভারতেই তথ্যা আলীকা থীকিত থাকে ॥১৭॥

ধুত্রাটু কলিকেন 'সঞ্জ ! জুমি কিশেষ বিশ্বত্রেই জিডাংসিত বিষয় বিলিয়াত, দ্বীপঞ্লির অবভাও জানাইয়াত, সভ্য ! এখন স্বাধিত বিষয়ের উত্তর বল' #০৮#

সভায় বলিলেন—'মহারাজ। তীপগুলিক বিষয় বলিয়াছি। এখন আপনি ম্পাম্পভাবে এছিছ লিক বিষয় শ্বেণ কঞ্ন এবা কৌববংশ্রেই। পরিমাণে করে মৃত বড়, ভাহাও ভারুন ১৯১৮

মহারাজ | শুনিতে পাই ারাজ্গ্রহ মাকি গোলাকার এব উহার বি**ড়ার— ম্বালশ সহজ্ব বেজিন ১৪**০॥

(७৯)-- शहर देव-भवा व वा नि ।

চক্তমান্ত সহায় বি র্জেরেকারণ জুণ:।
বিধান্ত কুকারে ত । রুগজি শার্ মান্তম্ব ।
একোনস্তি বিদ্যুত শীলবলেম হার্ল, ৪৯০॥
সূপ স্থাটী সহার্ণি স্ব চক্তে কুকানলনা ।
বিদ্যুত্ব লগে, ব জন্ । সামা বিদ্যুত্ব সমস্থার আ
কর্তিকাশের প্রজন্ । বিশ্বেরেন চ নমাণ্ড ।
ক্যারের প্রস্থানার প্রক্ষার্শী বিভাবন্ত ॥৪৪॥ (মুখ্যাকম্)

ভারতকৌমুদী

প্ৰিয়েশ প্ৰত্য কৰা কৰা স্থান কৰিছিল কৰা প্ৰত্য কৰা কৰিছিল। প্ৰত্য কৰা কৰা কৰিছিল কৰা কৰা কৰা কৰিছিল কৰিছিল

द्राहरीत पान करता । क्ष्रांच, करता ६५, क्ष्रांच व्यक्तात्म कर्मोवार्ष, विश्वास विकास विकास व्यक्तात्म कर्मोवार्ष, विकास विकास विकास व्यक्तात्म कर्मा विकास व्यक्तात्म व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यक्तात्म व्यवस्था व्यस्था व्यवस्था व्यस्य व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्

ভারতভাবদীপ:

াও বিষয় উন্ধাৰণ কৰিব সাম স্থান সংগ্ৰাহ হৰ সংগ্ৰাহ হৰ হৈছিল। মুক্তিৰ সাম সমস্বাহ কৃষি হয় সমীক্ষিক নি প্ৰতি হ বৰ্গৰ লাও (৪২—৪০) অভিশঃ শীক্ষা, বিষয়েক্ত কৃষ্য (৪৪—৫১)

京『本 一·智田寺で、山田一寺で、 二十四日日 日本 田 田 田 日本 日 丁 12日

নিজাপে রাজ' ৷ পোরাণিক পণ্ডিশেরা ব্লেন সাচ্ব পরিধির বিশালারা -ইউলিশং সহস্থাকেন এব উচাব মধাজান ইইন্ত পরিধিপায়াস্থানের বিভারে ষ্ট্রহার যোজন ৪৪১৪

কেবির শ্রেট। চ্লের বিজ্বে একবেশ সহস্থ গোকন, উচার পরিধির পরিমাণ — এয়তি শং সহস্থ যে জন এব ঐ বিলালমূচি চ্লের মধ্য চইতে পরিমিপার্য ভাষের পরিমাণ একশান্য বাসহস্থাজন ॥৭১॥

কুকাননান রাজা। সুধা বিভাবে দশস্ত্য যোজন, ভাতার পরিধি ত্রি শং (৪২) একোনহত ২৬৬, পি। এতৎ প্রমাণ্যক্ষা নিক্ষিট্যিত নারত । সাব,তৃশ্ছান্যকোতে যথাকাশে মহত্য ॥৮৫॥ চন্দ্রান্তি। মহাবাজ । সংক্রেপোচনস্নাজতঃ। ইত্তাত্ত মহাবাজ । পুচ্ছত গাল্ডকুলা॥৪১॥

সংবিদ্ধান সংগতির তথ্য জ্বনাবাধারি।

মুগোদিনী সংগ, প্রাভিন্ন সনিব্যালনিক জগ্য ॥৪৭॥ (বিশেবকৃষ্)

তথ্য দিবস কৈতিবল গ্রাপ্ত ত্রেগালনা পতি।

তার্মিশ ভবত্র জ্বালিক স্মান্ত ব্যাস্থ্য দেব॥

ভান্য ক্রিক ব্যাজকার সিক্রি স্ক্রিক ব্যাক্ষ্য

कारकारको भूगी

ভরতনক্ষন। প্রেরণিক্মতে চকু, স্থা ও রাত্র এই পরিমাণ নি পর্ট আছে প্রেরা সেই বাজ নিজের বিশালভাবশন্ পুনিন ও মনাংকাতিখিতে চকু ও প্রেকে মানুভ করিম আকে। মহাবাজ। মাধানার নিকটে সংকাপ এই বাজলান আর মাধানি মার জিলাম। মহাবা মাধানি এখন শা দ লাভ করান। স্থির সাহত ভগতের স্মস্ত বিষয় আনি এই ইন্স্লাম্ম বিষয় আনি এই ইন্স্লাম্ম বিষয় আনি এই ইন্স্লাম্ম বিষয় আনি এই ইন্স্লাম্ম বিশ্ব আনি এই ইন্স্লাম্ম বিশ্ব আনি এই

কৌরবনকনা অভএব আপনি এখন পুর হুজে, ধনের বিষয়ে আখার ছটনা চৰক্ষেত্র ফার্মির হুলিলের প্রক্ষেত্র সম্পতিশালী, কৃতকামা ও সজনপ্রিয় হুল এব জানার আমৃ, বল, কীর্তিও ডেজ রুছি পায় ॥১৮—৪৯৪



যা শুগোতি মহীপ'ল। প্ৰকাল বহরতা । বীং জে পিত্ৰস্থা তথৈৰ চ পিৰ্মিছা ॥৫০॥ ইন্দু দেৱত ৰ্ষণ্যত ৰ্ষ্মিক ৰংম্ মূহং প্ৰভিত প্ৰাণ্ডহ্মৰ আগতৰ নিস্ ॥৫১॥ ইতি উ মহ,ভাৰতে শতুস'ত ৰংগে সংভিত্নতো বৈশ্যাসকলে জীলাপৰ্বিশি ভূমো উত্ৰয়পিশনিস ভানবংশন সংশংশহৰলয়ঃ॥০॥

— (e) — ——

(০) ভগবদ্ট ডাপব।)

जरशामरमाञ्चाशः।

বৈশক্ষায়ন উবাচ।

অধ্য ধনান্তির,ক্সংস্থ দেশা ভারত।। আন্থাকদশীস্থিতা ভূতদ্যভবিব্বিহ্যাসং

কাৰতকোসুদী

ক্ষতিব্যি অব স্বত্রন্তন্ত ৮ ছাম্পরত পাল্লন্তন্তন্ত্র্য স্কুন্ত্র সাক্ষ্য

রাজা। আর যে কোন লোক সামত চইয়া প্রকালে এই ভূমিপ্রর খ্রেণ করে, ভাষার পিতুমণ ও পিও মতগ্র সভুষ্ট তন হয় ন

মহাবাজ : আনরা ্যথানে রাহয়া'ছ, এইট ভারতবাধ, আর প্রাচীন ধালিকের যে ভান হইটে ধার্ম প্রবিত্ত ক বয় পিয়েছেন, ভাচার সনত বিষ্যুই আপনি ভানিকেন' ৮৫১৮

বৈশশপায়ন বলিলেন 'ভইডনকন জন্মেজয়। ভারার পর জানী, সমস্ত বিষয়ের প্রভাকনশী এব ভূড, ভবিদুং ও বর্ষানাভিত্র সভয় যুদ্ধ হইতে (২১) প্রৈ: প্রভিত্পুৰাষ্ত ব্রাধি।

ধ্যানতে ধৃতরাষ্ট্রান সহসোৎপতা জুংবিতঃ । আচক নিহত ভীলং ভরতানাং পিতামহম্ ॥২॥ (যুগাকন্) সঞ্জয় উবাচ ।

মঞ্চান্তিই মহাবাজ। নমন্তে ভর্তর্য ।

হতো ভীলাং শান্তন্তো ভর্তানাং শিকালাঃ ॥।

করুল দর্শনোধানাং ধাম সক্ষর্তাতাল।

শার্তলগতঃ সোভিয়া শেতে কুক্পিডালাই ॥৪॥

হতা বীর্ষাং সমানি তা মুদ্ধং পুত্রবাকরেছে।

ম শেতে নিকলো রাজন্ধ সংবাধ ভীলাং শিক্তিনা ॥৫॥

যং সর্বান্ পৃথিবীপোলান্ সম্বেত্ন মহানুধে।

জিগাধিকর্থেটনৰ কাশিপুর্যাং মহারধঃ ॥৬॥

ভারতকৌমুদী

কুটীভিনিয়াভি । পার্যনিধিরনপুত সহাণ । সম্পথ সম্বভন্থ । প্রাক্ষণিত দিকস্থ সাক্ষরতপ্রধানিতি ভার । ৬ সেছে মুখনিকাহ্মত '৪০ গ্রাথ—৭০

সঞ্জ ইতি । তত্তাত সং নত গলা সংগ্ৰিক নিজিব বা বিলালী ল'ছ ব। কাকুলমিলি। কাকুল ভোগে "কাকুল কাকুল ভোগে বুল কাকুলি ই ও নিখা। সাম কৌৰ্যস্থিক্। কাৰ্যলগৰ কাক্তেহ্যাকে পড়িত এব হাজেলি। পুৰাহ ভুৱালেন, নিজত ভাতৰ সন্সাহত সন্ধানি ক

আসিয়া ডংক্ষণাং উপস্থিত চইয়া চিড়ামর স্তলাইন নিকট ছ্বিতভাবে বলিলেন—'ভরতপিডামত ভাষ নিচত ইউল্ডেন' চা—৮॥

স্থায় বলিলেন — মহারাজ। আমি সভয়, ভর্গেশ্রণ আপ্নারে মুম্মার করি। ভর্ডগণের পিশানত শামসুনক্স ভীয়া নিহত হট্যাছেন চল

য়িনি সমস্থ যোজাব মধ্যে তেই এব সমস্ত সম্ভাবগণের গাঁৱবের পার ছিলেন, সেই কুক্পিডামেছ ভাষ আল শর্পবাায় পতিত হটয়া শ্মন করিয়ান ছেন ৪৪৪

বাজা। অপেনার পুত্র হুগোধন বাচার বল অবলয়ন করিয়। বুদারস্ত্র করিয়াছিলেন, সেই ভাষ আচ শিপতিক ইক নিহত হুইয়া শ্রম করিয়াছেন ধর্ম হিন্দু বাজার বিষয়ে সমধ্যে সমধ্যে সকল রাজাকে একরপে কয় করিয়াছিলেন এবং বিনি নিউয় চিয়ে সমধ্যে প্রস্তর্গমের সহিত যুদ্ধ করিয়াল

(a) मृत्या पूजकारकार । वा व वा नि ।

स्वामन्द्राः इत्य द्वामः (योक्युकानलमः स्वरः।

न इत्या स्वामन्द्रान स इत्योक्ष निकाधना ॥१॥ (यूपाक्ष्)

महत्वस्त्रम् (वोद्या देवद्या ह विकायक्षितः।

समू स इय प्राष्ट्रीत्या स्वित्य व्यवस्थानः॥५३

सद्य देव प्राष्ट्रीत्या स्वित्य व्यवस्थानः॥५३

सद्य देव प्राष्ट्रीत्या स्वित्य व्यवस्थानः॥५३

सद्य देव प्राप्ट व्यवस्थानः ।

स्वाम देव प्राप्ट व्यवस्थानः ।

स्वाम देव प्राप्ट विकाय व्यवस्थानः ।

स्वाम विकायक्षः ।

स्वम विकायक्षः ।

स्वाम विकायक्षः ।

स्वाम विकायक्षः ।

स्वाम विकायक

ভারতকৌ মুদী

है कि उन्हाल का किन्द्र के उन्हाल का उपकर्ण किन्द्र के किन्द्र के

মহারাজ। যিনি লেথে ইংলর টুলা, বৈশো হিম লায়র সদ্ধ, গাস্থায়ো সম্পানর সনান এব সহিফু হাত পৃথিবীর দায় ছিলেন আর বাণগুলি হাছার সংস্থান, বয়খানা মুখেন সন্নে এব তবং বিধানা হিলোব তুলা ছিল; আপনরে জ্যেতার হুজার নবসিত্র সেই ভূমাকে আজু শিখ্যা নিজাতিত ক্রিয়াছে ॥——৯॥

গোসন্ত দেনন সিত দেখিয়া ভাষে অভিব চইয় কালিছে থাকে, সেইসাপ পাওবগণের বিশাল সৈতা বাঁচাকে যুদ্ধে উভাত দেখিয়া ওয়ে মাজিব ততীয়া কালিডেভিল, সেই বিশাল সৈতাহয়া ভীম দশ দিন মাতং আপ্নার সৈতা রকা কারিয়, কামিড্ছর কাম্য সাধনপূক্ষ সুখো,র কামে আদে বিয়োছেন ৪২০—১১৪

(३+) नाधकाना दर देशक्षम् का व का नि । (३८) नदिशमा न रेममाध नि ।

মঃ স শক্ত ইবাকেশেলা বর্ষ বাগান্ সহস্রশঃ।
হ্যান মুধি মোগানামবুদিং দশ্ভিদিনৈঃ ॥১২॥
স শেতে নিহতো হুমৌ বাভরায় ইব জন্মঃ।
হব ভূম হৈতে রাজন্। মগা নাইং স ভারত ।॥১৯॥ (মুগাকম্)
ইঙি নিমহানাবাত শভ্যাহজাংশ সংহিতাবাং বৈলাসিকাংশ হীলাপ্রবিদ্ ভগ্রদ্বী ভাপ্রদি, হীলামুলু শ্বনে ত্রাদ্দশ্ভেদ্যালঃ॥।॥

ठ इक्रभाश्याग्रः।

ধুতরাষ্ট্র উবচে।

কথা কুকণামুদ্ধেনা হৰে। ভীলা: শিহছিনা। কথা বগৃহে দ অপত্য পিতা মে বাদ্ধেপেন: ৪১॥

कात्रज्ञाम्नी

য় ইবি। হোকানা বিশক্ষণ নাম্ অবুজা সক্ষা কাম ব্যুগ্রন্থ নিজ্ঞান হ'ব হ করো বাণ্ডর । যথ বাদকানার আই হোগান রাজীয়, মধার বহার ১৯২ — ৮০। ইতি মহারাজ্যাল দ্বাহ লিজবিলাস নিজাপুর স্থৈত ইবিটার বিরাচ করণে ম্বান্ত স্টীকা, ব ভার নাকীম্নীস্থান হ'ব ভাগাল্ডবি স্বাব্দী বাজাক্রণে হ্রান্তের হৈবে (১)

ক্রম্বিন মাত্র কংগণকছো বিকাশসভাম, কার ও গাও গাও গাও কার লোও সংখ্যা। পুরুষভূবনা শঞ্জী ইবি নেকিনী । ভাষম ন্তান, এ বাংশাসম ইন্তুল । এ

----(::)----

ভারতভাবদীপ:

সংব্ৰি ১৯ বা কতুনা ৰাজাৰ মাধ্য ধ্ৰেছ সুনাম্ "কত্যোগৰ আৰু বৃহ্যাক বাঠ্ন ক বাবে" ইবি মেনিনী। সামা, ৰজা 18 -- ১৯ সংলগ্ৰহম নিজৰ । ১- ১৯৫ সংবৃদ্ধা এক টি প্ৰকৃত নামাৰ বা অক্সমন্ত্ৰী আৰু হ' প্ৰতিক্ৰামান্ত ১৯২০

होति हो प्रभक्तिकि दिल्लक प्रदेश करते मानवनीतम् द्वापानामध्य १६००००

১রডন্ধন রাজা। সেই যিমি ইপের স্থায় অকোডা থাকিয়া সহধ সহধ বাণ স্থান করিয়া দল দিনে সুজে বিপক্ষের লক সৈতা সহার করিয়াছেন, আছ তিনি সেরপ শ্রমের অযোগা ইইয়াও আপনার মন্ত্রীর নিধি নিহত গ্রয়া বাল্ডায় রাজের আয়ে ভ্তালে শ্রন করিয়াছেন ।১২ ১০০

(১০) বাড্ডগ্রীর বাবরানি।

কথমাচজনু মে যোগি ইন্ম ভীয়েন সভায় ।।
বিলিনা দেবকালেন ভাৰতে বিজ্ঞা লগা।
বিলিনা দেবকালেন ভাৰতে বিজ্ঞানেত মহাবালে।
মহাসট্ল নবক হৈছে কিং বা আহাজানত লালা।
আ ভা প্ৰাথাবিশতি মন্ত শালিত মে হতমু।
কুলিল মুখল বাৰ্মকলে পুক্ষৰভাল লালা।
কোলা যা ভুমকু প্ৰাথা তে বাজামন্ প্ৰোগনাই।
কেইডিউন্ কে অবভিন্ত কেইছবনি আমগা লালা।
কৈ প্ৰাৰ্থানি ক্ৰিক্ষৰ স্থায় । লালা।
কি প্ৰাৰ্থানি ক্ৰিক্ষৰ স্থায় ।
বাহাকাৰ বাৰ্যানি সহস, প্তেক্ষেম্ব লাভা।

स्टाइटकोश्नी

क दिनि । हो स्वतः । द्रा पिट्रियो व व्यव्यक्ति द्वित्वा । व व्यव्यक्ति । विश्व विष्णु । व व्यव्यक्ति । विश्व विष्णु । व व्यव्यक्ति । विश्व विष्णु । व व्यव्यक्ति । व व्यक्ति । व व्यव्यक्ति । व व्यक्ति । व व्यव्यक्ति । व व्यक्ति । व व्यव्यक्ति । व

পুৰণ ঠু বিভিন্ন কাজ কৰিছেল দাছা পিশ ডিকাইক নিচাড কইয়াছিল। আয়া সামাৰ উপৰ্কা কোজকাভ ৰও কটাত নিপতিত কইয়াছেন। আন

সংযোগ পল, পিড়াই জন্ম 'চলকে নাকর্ত কলায়', সেকতুলা ও মহাবল ভীয় কি প্রকারে আন্ধে 'সক্তবক পরিভাগে কবিয়া গোলেন চলন্দ

মহাপারে, মহ ধর্ণক নহাবল ও মহাগারলারণালী সেই মর্থেটি মিছত ইউলৈ, তথন ডোমানের মন কিলপে হর্মাভিল ৭ ॥৭॥

কামার মন হাকত্র শীদা অভানর কবিং হতিল এক কোরব**্যেট, বীর ও** ধীর সেট পুরুষ্থেট নিচ্ছ তৃত্তুত্বেন এই কথাই যেন আমার মন ব্রিতি-ছিল ॥৪॥

সভ্য। সেই মহাপুক্ষ বিপক্ষের প্রতির বিভ চইকো, কাহারা উচিত্র নিকট বিষ্টিলত করেবা ইহার অহারতী চইক্ছিলত কাহার। স্থেদ ভিলত করেবে, ফিবিয়া আসিয় ভিলত কাহারাই ব ইংহার অভ্যামন ক্রিয়াভিলত্যাল

কিনুমানীর্নপুর—হাক্র নি (৪) মন: সংস্থি কার্বালি।

মন্ত্রেতের উর্প্লেক্ত্ পর্নৈন্ত্রন্তির্বা।
সহ প্রবিশ্বিদ্যাং পর্বাণ ভ্যনাদরত্যাবা
ভারশান্ত্রিক পর্বাণ ভ্যনাদরত্যাবা
ভারশান্ত্রিক করা রাখ পাছুল্পের মাঃ।
শাসম নামীকানি না এনং পার্ক্রিক দানা।
কুনিনা বা ভ্রাণ পার্ক্রিক ।
কনা লাভুনাবা যুক্তে পানাং প্রাণাক্রিক।
নির্ব্রেক্রিক না বন টুল মন্ত্রিক ।
চাপেরা হিনিনা মে ব্যক্রিক্রিক ভ্রাস্কর্যা
ভারশান্ত্রিক মে ব্যক্রিক ভ্রাস্কর্যা
ভারশান্ত্রিক মানাক্রিক ভ্রাস্কর্যা
ভারশান্ত্রিক মানাক্রিক ভ্রাস্কর্যা
ভারশান্ত্রিক মানাক্রিক মানাক্রিক মানাক্রিক স্থা
প্রাণাধ্যা কর্মান্ত্রিক মানাক্রিক মানাক্রিক স্থা
প্রাণাধ্যা কর্মান্ত্রিক মানাক্রিক মানাক্রিক স্থা

छादछ(को मृत्रो

ষ্টা । বাং হাজ্ককার তালকার বিভাগ হাজ্য বাং বাং ক্রাণ করে বিলা প্রাণাল করে বিলাল করে

स्थिति। निकारका दिव्यक्ष्म, १५ ता सादिश्याम्य सामा १८ ता १५ व्यक्त स्थानिक स्

র থিছেএ লৈ আভুত ক'ব ,দই ক'রিয়সি হি বিপক্ষান্ত্য হাকণতন করিছে। আং গাহিলে, ,কান্ বীরেকে: সহস্তি হাক প্তর্ন গায় ছিলি গাড়

সূথা ধ্যান অঞ্কাৰ নাই কৰেন, সেইকাপ সুগালনাল , সভাৰণ ও লাওছায় ধ্যা বীল বিপাড়ালের ভাষ ভাষাইশেষ ও 'ক্যা' বিপালটুলালা নাই কৈ ভিয় ভাগালেন।

সহায়! পাছতথাৰৰ মধ্য যিনি সুকে ৪ছৰ কাথা কৰিয়া ছলেন, সেই আৰুন আমাদেৰ সৈৱা লাগি কৰিছে লাগিলে, যিনি ভাগকে বাৰণ কৰিছা ছিলেন, বিপাকেৰ উপৰে বাৰকেপকাৰা, ছক্ষ প মুক্তনপুৰ সেই হ'মকে পাছৰেল। কিপাক বে বাৰক কৰিলেন গ্লাভ হয়

মিনি বিপাকট্মতা ছেদন করিছে ভালেন, বান মাধাব দ্যুত্ধা, ধরু মহার বিবৃত্তবদ্দেব আয়ে এব মরধাবি মাধার ভিতৰার সদশ ছিল, সই মনকী,

(৭) ইবাংশতন্ধ রর নি (৮) প্রাধ্রনে ব্র কিং ন, সহজাত অম্থিকে ধ্রব নি। উত্তবন্ধ নাগতে বৃধ্য ক্ত্রালং বাবে ভাষে।
পাবেল গ্রহালে না পাচিন্ন ভারতে বৃতি, লা স্থা
পাবেল গ্রহালে না পাচিন্ন ভারতে বৃত্তি আন্তর্গতালী
ক লাগ্রি হব জ্লিল কার্ডিন্টিন ভি নান, লাইল
কার্মান হব জ্লেল কার্মান কার্মান হব লাইল
কার্মান হব লাইল কার্মান ভারতে বৃদ্ধান হব লাইল
কার্মান শ্রি হারতে বিলালন কার্মান কার্মান হব লাইল
কার্মান শ্রি হারতে বিলালন কার্মান কার্মান হব লাইল
কার্মান শ্রি হারতে বিলালন কার্মান কার্মান হারতে ব্যালিক হারতে বিলালন হারতে হারতে বিলালন হারতে হারতে হারতে হারতে বিলালন হারতে হারতে

कारक्टको मुनी

CALA: 874-241

ভিয়াস্থ, চুজার, সাংকাশনর আয়েশে , লাজে শালি ও আপ্র ওও পুরুষধা সার্ক আজনুন কি ক্রিয়া সুংজ্ব নিপাণ্ডিত ক বংশন ৮৮% ন ১১॥

যিনি এম্বর ধরু ও বাংশ ধারণ কবিম উদ্ধারণ জাবিমার বাহার আর্ক লাক্তর মাধ্রমান্ত চয়ন কবিলেছিলেন এর আবেলাগের নিজাল গৈলা মারাক্ত্রমান উচ্চ দেখিয়া সাধন নায় কবিলা ক্রিয়ারে, কাল পর ধায় জুজন, সেই শাক্তর প্রায়ালবাদন আগান্ধ আমার সৈলা রক্ত কবিয়া অভিনয়ৰ কার্যা সাধন-প্রকি ক্রোর কার্যা অভ্যার ভারণের ভারণার নায় নামন-প্রকি ক্রোর কার্যা অভ্যার ভারণের ভারণার নায় নামন-প্রকি ক্রোর কার্যা অভ্যার ভারণার ভারণার নায় নামন-

শেষ যিনি উপ্তেব আয় সক্ষয় বাৰ্ণবিধ কৰিছ দল দিনে গলে লক্ষ্যাক বিপ্তব্যক্ত সভাৱ কৰিছাছেন, সেই ভব্তন্তন ঠীয়া সূত্ৰলয়নেৰ অধ্যান্য স্ট্যাও সংমানই মধনাৰ সোধে মুক্ত নিহত স্ট্যা বা, চল বুক্তৰ ভায় ভত্তল শহন কৰিছাছেন ৪১৫—১৬৪

(১০ মহ- দৈৱাৰু বাব হানি। (১৮) শ্রিপুণাল বেনার ⊷ৰাৰ বানি (১৮) মাচভুগ্নৰ বাব হানি। কথা ভীয়েন সংগ্ৰামণ প্ৰাকৃষ্ঠন্ প্ৰভুনন্দনায়।
কথাস নাজগভীয়ে চেনানে জাকতি সঞ্য । ॥১৯॥
কোন সামহিতে তাই ভাৰনজোৱাকৈ কথা।
হীয়াং পাহৰতা শোজং কথা সানিধনা গ্ৰহ ॥১১॥ (মৃথাকম্)
কথাকাতিবৰ জোন পালালোন লিখাছিনা।
লাহে বি নহতে, মুক্তে লেবেবলি জুৱাসদং ॥২০॥
ম. সাক্ষেত্ৰীৰ নিহাৰ জাহেদানা কমন্ ॥২১॥
কা জাব জাব নিহাৰ জাহেদানা কমন্ ॥২১॥
কা ছবা সন্ধ্ৰী নিয়া মহাবিদ্ধানা কমন্ ॥২১॥
কা ছবা সন্ধ্ৰী নিয়া মহাবিদ্ধানা লাহ্য

छ!तष्ट(को वृक्षे

ক্ষাটিকি নিমাস চন্ত্ৰক পৰকেশ শভাৰণা চিকাটিক ভিত (১০১৪ সাম্বাটিক ভ সুৰ্বত ভ্ৰছ আ হাম আৰু বিচিত্ৰ দিল বাহন হ'ব বিভাগ বাংশ আ কাৰণা বিজ্ঞান কৰে। হ'ব বিভাগ কৰা বাংশ কৰা কুলাক জানিক আৰু তান আনালা ধ্নেন তেতুন, কৰা আ না, নিবিভাগ না আভ্ৰাহণ কেন

ভারতভাবদীপ:

ক্রনির ১—০ অস হন্দিকে বির নাগ নাবন্দ ন নাবন ন তার্বির স্থাবদানন্দ্র হয় স্থান্তর ডি আ শাস্বর্থাশ ন বাজন করে। ১২—২২। অসক পাশ্ববিস্থা, সাংস্থানকান ভীমপ্রাক্তন ভীমাক পেনিয়া কি প্রকাশে ভাগন কার্যিক স্মর্থ হউবা দু ৪৯৭৪

সহায়। পাওৰ বিধান কৰিব সহত কি প্ৰার্থক কৰিবা ছালন । ভীম কোন হয় কৰিছে প্ৰাৰম নাই ৷ আৰু ভাগ ভী বছ থাকিছে এব কুপাও ভাষাথান ্স ভাবন দিশ ভূত দা কৰে ব'ব'আই সই ভ্যা কোন মুই।মুখি পাছিল হাৰীকোন । 15৮—321

ক্রপদপুর সেট (শগতা যুগ্ধ কিপ্লক বে আভলগ এব দেবগালেরও স্থানী। ভীতকে নিজ্ঞ কবিল গুরহণা

সঞ্জা মিনি সকলোট গুলি মহাবল পর্ভব্যের সহত সপদা কার্ছেন এবং সে প্রভাবত সাহাকে এর ক বছে পারেন নাই, ইংকের জুরা প্রাজন শ্লৌ, মহাবত্ব লৈ উহ্পন্ন এব মহাবার সেই ভ্যের ব্যব্ধের সহর আমার নিকট বলঃ যে তেলু আ মুখাপু ভাভ কবিছে পারিভেছ নার্চ্চ —১১৮

(২২) বছারবজুলোচিতমু পি।

स नकः , क सर्वयं माः न कहाः मण्या कृ। हस्।
कर्रात्तनम्य, नेकी, क दीदा, भरीत द्रम् ॥ वका
स व्हर्णकृतः महत्त भाष्ट्रा लोजस्ता, ।
त कर्ष्य कृत्यः भहत् नाक सृद्ध म्हार्ग्य । वस्ता
व्यामात्रस्य कृतः वस्ता स्वतः स्वृतः सम्।
सन्द्र्य श्रुक्तायः स्वतः स्वतः स्वृतः सम्।
सन्द्र्य श्रुक्तायः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः सम्।
सन्द्र्य श्रुक्तायः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य श्रुक्तायः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
स्वतः कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः स्वतः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः ।
सन्द्र्य कृत्यः स्वतः ।

ভারতকোমুদী

के के देन है ने हो। समझारत का दाशार प्राप्त कुरू कर वादर समझार का देन के ते वास के के दार कुरू अरहा बाद्यम् १९७१

the state of the s

Y . 1 9 4. 1 10 12 + 16 4 4 4 4 1 1 1 1

रहे राष्ट्र हे राष्ट्र स्टूबर स्टूबर स्टूबर्स हेन राष्ट्र है।

সভার। হানার পালায় কান মহারপুন্তের ভাগতে ভাগে করেন নাই । এব ভাগে ধানার মালেশে কোন বিশেবরাই বা গতে কে পারিবেটন কবিয়া ছিলেন শুন্তা

সংগ্র পাছেবের সকলে নিগড়াকে মহবতী কার্য যে ভারের অভিস্থে ধারিক চইছেন, কোরবের সকলে কি উপন ভারের সিক্র নিয় ভিলেন সাল্যান্থ্য

ক্ষেণ কান বাজন্ম নিশ্চন্ত পাল্লিনাবনি আহিব কাম্ প্ৰত । ্য কেছু শুক্ষেশ্যাস এ মেৰ বচন বাদ ভানিহাও বিনীল কইবেছে না ১০০০

হায় ৷ ্য হুজ্য পুরুষমেশতে সভা, বুলি ও লাভি এইওলৈ অপ্রিমিডভাবে ছিল, সেট ভ ম কিপ্রাবে সুকে নিস্ত হটলেন ৮০৬৮

বিচিরে জালোক গজনের হায়, বান সকল জল বিশ্বসমূহের চুলা এবং ধরু-্বত, নাচত বাবার নি। (-৪ -১৯০ বিহা_{না}সমূলাম্বার ভালি



ভারতকৌমূদী

শ্ভবিষা কুন্দ সংক্রিমের শ্রুপ অরণজন্মনিক সজ্ঞ সচ, উল্লেখ্য সংক্রিক স্থানিক নিজ করে। স্থানিক এবিষ্ট্রক সংক্রিক সংক্রিক স্থানিক স্থানিক

हेश्वरि, हेगाण न लेक महर इस्तासक मार्गा महर्गित न पा एन प्राच्या के मिल्लिक में कि क्षा कर्णा इस्तासक इस एक महर्गित क्षा प्राचित करें, साम प्राच्या इस एक महर्गित क्षा प्राच्या के स्वाच्या कर स्वच्या कर स्वाच्या कर स्वाच्या कर स्वच्या कर स्वाच्या कर स्वाच्या कर स्वाच्या कर स्वच्या कर स्वाच्या कर स्वच्या कर स्वच

'हार महादमीशः

শু সুন্ধসূত এইও নহড, নুম্বালি জেল জন মারণ মন্ত্রী, পুল হ পাল ব বিশ্বী, মুফ্টাল্ড ফুলাজুল মুক্তাল্ড জন নিলগনিত ব হাবা কোন স্কৃতি বিশ্বী চ ল মন্ত্রী

ষ্টিশাব মহাগ্রের সেলশ ছিল। সূত্রা মহাস্থেপের কায় এ লায়, দান্তস্থ। উপ্তের ভুলা বিপালনীবগণ্ডে সাহার কবিছে থাকিয়া পাকাল ও ক্রয়ণ্যের স্তিত পাঞ্রগালের উপত্র বাণ বহন কবিয়া ছ্লেন ১২৭ -সম

ভাষা ছিলেন একট অংশুৰ ভাষণ ও জ্জাই সম্পূদ, ত হাৰ জাই জিলানা, কি বা তাহাতে হাপাৰ, চেলা জিলানা, সে সম্পূদ্ধ লাগে জলা, সাহাতে নিকাৰী আয়ে গাদ, ও তথকাৰি ছিলা, আৰংকেব (.ডালার) পুলা আই জিলা, ডাই, ইন্ডিসমূহে বাংগু ও মংস্ফুলা, পদাতিগাণে আনপুণ ছিলা, কাম ও জুক্' ডাই লাকাই ছিলা সেই

(১৯ ক অুকোলেগ্যাক্তরমূল পা সম্বস্থ্য — পি ১

हिर्देश, रनस्ट्रंष् क्षा स्थात्व स्थार्थिका ।

हर्ते। वर्तक ना स्थार्थ क्षा स्थार्थ स्थार्थ स्वत् ॥ १९॥

(कर्तक म् व्यार्थ हर्ष्य स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ ।

पृष्ठ र व्यार्थ व्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ ॥ १८॥

(क स्वत्र न्यव्यु द्र्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ ॥ १८॥

(क स्वत्र न्यव्यु द्र्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ ॥ १८॥

(क स्वत्र न्यव्यु द्र्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ ॥ १८॥

द्र्या का स्वत्र व्यु व्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ ।

स्थार्थ का व्यु व्यार्थ स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्य स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्य

चात्रकटको यूमी

सम्बद्ध हेन मनिक्त प्राप्त त्राह्म है। कहाँ राष्ट्र है। सन्दर्भ त्राह्म व्यवस्था (का

সভায় শতিক জনীয় মন্ন মুখ্য ত্যোগেলনত এতের জলাওজ্ন কায়। কবিছে ওলেন, দেশন উচাব সংখ্যে ক'ছাৰ ভিলাগ লংগ।

মন্ত্রের কাল্যার সংক্ষার প্রত্তর করে বিজ্ঞার করে চরার্থ এর কোন্ বাশের দিন নগনে পিছলে ম কয় বিজ্ঞা বার্গার্থ ক্রিকেছিল । 1881

ক হাতা ভ মাকে বৰা কবিছে গ কিয়া ই হার নিকটে সংস্থা অবস্থান কবিছেজিলা। কোন বাবের ই ব ব্যানান ভামের বামভাগের সৈৱা বলা কবিছেজিলোগ্যালয়

সভয়। কাচার নাছের বামচাগোর সৈতামধাে গাকিয়া কাছারাবকৈ সহার করিতেভিলার কাচারাটির মধ্যে গাকিয়, সৈতাশ্রের ও তুজার ভাষাকে রকা ক্রিডেছিল রাজ্য वकाश्रीतः कथा वैदिवद्यालायानान्त । वन ८७ । पूर्वनिद्यानिक्षि नाक्ता छ्वमा यूनि ॥ ७०॥ भवित्वादक्षवद्याव शहराया छात्रालाहः । कथा १० वृद्याल ६० , नाकुः मान्य । भारत्वाः ॥ ७०॥ यद्यान् विद्या मानाव्या युनाद्य कृतवः शहरः । छा निष्यः नवलाया निष्यः । मान्या । ॥६०॥ भाषा विद्याः मानावा मान्य शुद्राः दृष्यकः । न भाष्यान्य विद्राः स्वा मानाव्य प्रावः भित्र ॥ ६०॥ मा श्रुच विद्राः सहेतः मानाव्य एत्या मानव्याः । काल्यान्य, मानाव्य एत्यः स्व प्रवानवः ॥ ५०॥

कारकाम्मी

পর্জে ইটি ক শ্রাতি কর্মত রক্ত সনার বিশেকত হ তথা, ত লাভিম্বর্থি, ব্রুছি, প্রের্জের সংস্থা কর্মত কর্মত কর্মত হাত্

সভয়। কাহাৰ পাৰে গাৰিয়া ভাষকে এন কৰিছে তল সাভাৱাই বা বিপক্ষানের মধ্যে স্থান অবস্থা প্রাপ্ত ইয়া বিপক্ষ ব'লগাৰৰ সভিত প্রতিমৃত্ব ক্রিভেছির গাঁহণা

কুরাবাবের ভারতের রাজ কবিনেছিলেন, ভারত ততালিংকে বালা কবিছেন ভিশোন : আমন সাক্ষায় সেই কুককারের কভিবলে যুগ্ছ ভালয় প ওবলবের সেয়া-পার্ক হয়ে কবিয়ের পারিলেন না কেনাত ॥তেন

স্থায়া স্বলোক বিপাত ব্যাবে হায় হাবতিত শামের উপরে সেই পাত্রের কি ক্রিয়া হতেরে করিকেও সম্পত্তিল গুলাডে

সভয় ৷ কোরবেরা হ'লেব ভায়ে মাহার উপরে ভ্রমা কবিয়া বিপক্ষাবের সহিত যুদ্ধ করিছেছেন, তুমি সেই নব্দের ভীমাক যুদ্ধসাগরে নিম্ন বলিভেছ ৷ ৪১-৪

আমার পুরু কাচ্রে শকি অবলগ্ন কবিয়া মহাবল হটয়া পাওতগণ্কে গণনাট করে নাট, হায় ৷ উপচাকে বিপক্তেব। কি ক বয়া নিচ্ছ কবিল ৮ ৪৭১৮

সেকভার। সকলে পূর্বে দানবস চাবের সময়ে সাচায়ের জন্ম যুদ্ধভৃদ্ধ ও মহারভ আমার যে ভোলভাতকৈ লট্য, ম ইবার ইন্দ্রা করিয়াছিলেন এবং (২২, শর্মেটা প্রভাবতেঃ বি ধাবারা। এবা সহায়ে যুদ্ধন বাধার বি ংক্তিন্ত্ৰ সংগ্ৰহাৰ কৈছিল কিছিল কৰি কৰিছিল।

ক্তিন্ত্ৰ কৰে ১ জ্বাহ্ন কৰি কৰি কৰিছিল।

ক্তিন্ত্ৰ কৰে ১ জ্বাহ্ন কৰি কৰি কৰিছিল।

ক্তিন কৰে ১ জ্বাহ্ন কৰি কৰি কৰি কৰিছিল।

ক্তিন কৰে ১ জ্বাহ্ন কৰি কৰি কৰি কৰিছিল।

কৰি কৰি কৰি কৰি কৰিছিল কৰি কৰিছিল।

কৰি কৰি কৰি কৰি কৰিছিল কৰি কৰিছিল।

কৰি কৰিছিল কৰি কৰিছিল কৰিছিল।

কৰি কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।

কৰি কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।

কৰি কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।

医甲基甲酚 山田子

भारतकारमा शः

বিষ্ণা নাম মা, বিধা নাম পালিমা । তাল বালাক কৰা বালাক বালাক

সন্দ্ৰাস্থ শিলিক, নাজ, দাজ ও মনসং আমাক নিহত শুনিয়া আমা নান কবি অংশাত সভাও নিহত চইয়াছে ১৭০০

সংখ্যা মান মান কর কল মণ্ডপ্রায় বলিব আদক্ষক চেইতে বালবান ভাইংগছে। যে ভেড়ে গাজিক পাধারতাও কৃত্য এব ক্ষাক্ষে ক্ষায়া বাংসালোভ ক্রিবার ইড়ে ক্রিটেগছে ৮২লা

সনাস্থা ও ব'বামাস প্রস্থাম পূর্ণে মেস্ব ছত যুদ্ধ পর্ব ছইয়াছিলোন, কিন্তু ছাম সে মুদ্ধ উচোকে জয় কবিবাজিলেন ॥৭ন॥

(50) when as a men fall

ভারতকৌমুদী

चिष्णि हेल प्राप्ता कर नाम विद्यालया । एक उस् स्ट्रा प्रांत्र अला भाकतिकः प्राप्ता स्ट्रा स्ट्र स्ट्रा स्ट्र स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्र स्ट्रा स्ट्र स्ट्रा स्ट्रा स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र

সল্ম। উদ্দেশ ভূলাকথা এর সংগ্রন্থর সেই নামকে তুনি আনার নিকট নিচত বলিবেছ। সূত্রা ইয়া অপেক অধিক স্থ মার কি হইবেছ পারে ? 88৮8

মহাবীর ও বিপ্রধারত জুন্য প্রভাব মা যুদ্ধ করিবলয়হকে বঙ্বার হয় করিয়াভিলেন, সেই প্রভাবার যে মহাবৃদ্ধিকে বধ করিছে পাবেন নাই, সেই ভীম্বে আছে শিব্যা বধ করিল (১৯৯)

ভাতত্ব নিশ্চমত কুপদের পূত্র নিখিতী, মহাবীর ও স্কর্দিধ প্রস্থানা ইউতে ডেজে, বীষা ও বলে অধিক ১৫০০

त्य निश्व हो, दीत, मृत्य जिलून, मर्कालक्षविलायम, भवनाक्ष्यित । छवडर्थ्यके चौक्राक मृत्य वस कविमार्क १०००

সভয় : কোন বাবের শতুসম্বমধ্যে সেই বাবের অভ্যনন কবিয়াছিল এবং পাশুবলবের সহিত ভাগের থেকপ মৃদ্ধ হইয়াছিল, ছাচ, আমার নিকট বল neen

(৪০) পরবীরনিবাতিন ন ব ব কা নি

বৈ হোল ভাৰবীৰং ,ম ,কৰা পুত্ৰ কালাৰ।।
কাৰণ পৰিব চাল ভাৰি গৈ কোলা ভাৰৰ সামা ॥৫ আ
পাৰিক লা কালালৈ জালাল কৰি কিন্তু মহাজ্যৰ।
প্ৰামান্ত চাৰপুলি ব্বাং কিনি ব্যালাল সালা।।
পাৰা হ মত বাং কিনি ব্যালাল সালা।।
পাৰা হ মত বাং কিনি ব্যালাল সালা।।
ভালালে কালালে কালালে কিনি ব্যালালে প্ৰায়ে কালা।
ভালালে কালালে কালালে ক্ৰি বিশ্বাংশ ।
ভালালে কালালে কালালে কালালে কালালে ।
ভালালে কালালে কালালে কালালে ।
ভালালে কালে কালালে কালালে ।
ভালালে কালালে কালালে কালালে ।
ভালালে কালালে কালালে কালালে কালালে কালালে ।
ভালালে কালালে কালালে কালালে

ভারতকো মুদী

राहर १००० च्या पार १०० वा १००० वा १०० वा १००० वा १०० वा १० वा १

हार्तिक हे हे अध्याप के दिल्लीय के लिक्स निकृत प्राप्ति है है आ तर मान र किस क्षाप्ति के समास्था है

क्षत्रकारमोशः

स्थापिक क्षित्र के अपने क्षेत्र के प्रतिक क्षित्र क्षेत्र के प्रतिक क्

স্থায়। এম নিত্ৰত ক্ৰাণ্য আগতে সেন, ত্ৰ-কুচা পুৰি কায় নিৰ্বভাষ্ট। ইউয়া পদ্য হৈ এই মন্ত সেউ ,সহা প্ৰতিবিধিত প্ৰসেষ্ট্ৰ কায়ি কি কেউবাৰিয়েও উউয় বিহুত্ত শ্ল

মহামৃত্য সকল্লাকণ্ডাক নিভাব পুক্ষকংক অধিক ছিল, সেই ভাল প্তিভ হুটকে, স্থান ছোনোনেক মন কিল্লাক ইনা ছল ১৮:৭৪

সভয়। জগতেৰ নাৰা গালিকে শ্মহাৰাৰ সীমকে ৰণ কৰাইয় আমানুদের কীৰিত থাকিবাৰশ কি শাকি লগতে গল । ।

আমি মনে কবি প্ৰপাৰণানী লোকেৰ পাত্ৰৰ নোকাকে অগ(সভলমগু দেখিয়া যেমন গুলাৰৰ শোক কৰে, ভেমন আমোৰ পুৰুত্ৰ ভীম নিহাত হওয়ায় শুক্তৰ শোক কবিত্ৰতে ৪৭৬৮

চাহুদিশোহবায়েঃ !

যথিত্ব নি মেলা চ নি ভিল্ক গুরুষণ্ড ।

অপ্তাহ দি কুইবে কথা সানিহতে বুলি ॥৫০॥
নি চাইছো ন লোইলৈ উপজ চুহ্ন ন চ
নি পুড়া ন পুনত গে আচু ডাঙে কৰিচ হযুচাইছ ॥৫০॥
কালে খনা মহাবিহিঃ স্বাহন কছুব ন ।

মত্র শান্তন্য ভীলো হতা নাজনি সকল । ॥৬০॥
পুরুষণা ভিল্ভইগ্রা মহল হন চন্ত্রন ।

আন্তেহা পাল প্রাণ ভীলা ক্রান্ত হা চন্ত্রন ।

আন্তেহা সাল প্রাণ ভীলা ক্রান্ত হা চন্ত্রন নাহ।

আন্তেহা মিলাপাল্ড প্রিডা ভূবি স্থান ।

উর্বোধন শান্তন্য কিং ভন্ন প্রাণ্ড হা ১৮॥

कारतहरको भूगो

আনিছি ব্যাহত সভাতত লিংগান কৰ্ম জালাপুন কিন্তু বস্তুত বিষয়েলয় সংখ্যক

प्राचिति । इसने दुर्क । स्वर्णाणी महिल्यदुर्वन स्वर्णन द्वार स्वर्ण स्वर्ण । स्वर्णन वृत्ते स्वर्णन स्वर्यापन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्यापन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्

সভ্যা নিশ্চমই আমাৰ জনয় প্ৰশাহৰ সাধ্যাৰ বিভাই ইইয়াছিল। যে হৈছু পুৰস্থাতাত ভাষাক নিজ্ঞ জনিয়াও বিদাৰ্শ হইংমাছ না এইবা

হায়। যে ত্ত্ৰ প্ৰধ্যেকে অস, বৃত্ত ত নাত অপবিনেয় ছিল, তিনি মুদ্ধে নিহত হইকোন কেন গুলিক।

কোন বাজিট অস, বিশহ, ওপদা, বৃতি, কিয়া বা এবাছের। সূত্র কটাও মুক্তি লাভ করিছে পারে না এবা

সংলয়। নিশচ্যুট মহাশাকুশালী কাল সম্প[্]ল কেল পণ্ডেট অলভ্নীয়। যে কেনু কুমি শাভ্যুনকন ভীয় নিহৰ ক্ৰীমণ্ড্ন বলিয় হাৰংশ ক্ৰিয়াছ ॥৬০৪

সংমি প্রমে পুর্বোকে সমূপ চইয়া গুরুত্ব গুরুত বিজয় চিতা করিয়াছিলমে, পরে মাজ্তুনকান নীম চইতে ডাছালেন হয়। চইবে বলিয়া আশা করিয়াছিলান ৪৬১৪

(৬১) মুহজুধুং বিভিশ্নৰ জি, মুহজুখুম্চিত্তৰু বি

নাহ ্যদাং প্ৰেণ্ড ব বুনা স্থান। চিন্ত ন্।

কেন্ত্ৰ কিনিজন প্ৰশাসি প্ৰত্নিত্ৰ মই কিতান্নচলা

ল'কং ই ক্ষেত্ৰেছেসমূদিভিছ সম্প্ৰতি, ই ।

ইত্ৰ শান্তন্বং হয় বাজ নিজ্পিন্ত পা নব ই ॥১৬॥

বাং বা বাজানিজ্যালোয় হ বি হা মই কিন্তৃ।

ক্ষেত্ৰত্ব বিলেগে পাং নাপ ল'ব জি গুৱ কালেওলা

কলালোন কিনিয়ালো ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ সভ্যা ।

ক্ষানামি কিনিয়ালো ক্ষেত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্ত ।

ক্ষানামি কিনিয়ালো ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্ত ব্যাহ্ণ ক্ষান্ত ॥

কলালানি কিনিয়ালো ক্ষান্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্ত ।

কলালানি কিনিয়ালো ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি কিনিয়ালোক ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি কিনিয়ালোক ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি কিনিয়ালোক ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ নাজনাত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ নাজনাত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ নাজনাত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্তন্ত্ৰ ক্ষান্তন্ত্ৰ নাজনাত্ৰ ।

কলালানি ক্ষান্তন্ত্ৰ নাজনাত্ৰ না

ভারতকো মূদী

সংখ্যা । তাম দিন মধন ভামকৈ সুংগ করাবে ভূকাল পা মত ন্দ্রিয়া ভিক্রেন্ তথ্য তিনি কি কঠবা ক'লয়। মনে ক ক্যাভিলেন ২ ১৬১৮

সভায়। আন্ম অপক্ষ প্ৰশংকর বুদি অগুসারে চিতু, কবিয়া দেখিয়াছি — রাজেনার আব্যক সৈণের কিতৃট অব শই দেকিবে ন ১৮০৮

हाप्र । क्रमरा अहे मध्यन कार्यप्रत्य स्वर्तिसम्बन्धः ,र ,हरू भाउत्वत्। हेपात्क नव करिया नाष्ट्रात स करिनाय हेन्द्र, कान्युक्त अस्म

আমধৰ আন্তৰ্ভ নতাৰত ভীতকৈ বধ কৰাইয়, বাজ কাভ কৰিবাৰ ইচ্ছা কৰিতেতি। কিন্তু অভিযাদকৈ ভিত পুৰকান যাপান্ধৰ অধ্যাধী মহেন ১৬৫৮

সলয় কটজনক বিপদ উপত্তিত চটালে, খন কম ও প্রমশক্তিপ্রয়োগ এই উভয়ই সক্ষনের কওঁবা। কিন্তু ভাহা, শামে ভিল ৮৬॥

কাজাশীল ও অপরাজিত ভাম ধানন দৈছে সতার করিতেছিলেন, তথ্য পাওবেরা উচ্চাকে কি প্রকারে নিবারন ক্রিচ্ছিন্সন গ্রহণ

(৬৮) হণ বুল'ভন'ক নি ব বর'নি

সুবোধনত কর্নির শকুনিন্দ, সি দোরনাঃ ।
সুংশাদনত কি এবাং হরে প্রিয় কিম কুবন্ ॥৬১॥
মজ্বীবৈদ্ধস্থানা ন্রবারণর কি গে ।
শবিশালৈমহাগজ বোমরাজণ মহালে যে ॥৭০॥
আবিশন্ কি এবা মন্দাঃ সভাগ সুস্তুর, মল্যে ।
আগলুৱে আভিদ্যে কেলিয়ার ন্রবিলা ॥৭১॥ (মুখ্রক্ষ্)
ক্রেলার জি গালুর কু লেক্ষ্য নিসাণি লাং ।
আত্যে ভাগালুগ নিনা লাম্যান্ত মুক্তুর মান্য ।
মত্যে ভাগালুগ নিনা লাম্যান্ত মুক্তুর মান্য ।
মত্যা ভাগালুগ নিনা লাম্যান্ত মুক্তুর মান্য ।
মত্যা ভাগালুগ নিনা লাম্যান্ত মুক্তুর মান্য ।
মত্যা ভাগালুগ নিনা লাম্যান্য মান্য ভাগালুগ নিনা ।

कांबदको प्की

क्षिरिति । कुक्तानि द्रार्था, क्ष्या कर्त्या पृष्य क्ष्यिति । स्था ७० इत्योधन के ११ । १२ रस स्वत्यक्षाः । विश्व द्यारातः

যদিছি। উপত্তিশ ভারত হলেক ই কলন্ত্রাম্ম নালালক বিনার হচ্চতে স্থা। শারা, শার্ম হাজ্যাক কেন্দ্র আহ্বা কালক হল্প এই হচ্চ মুক্ষ ভারত মু কিহেন শ্রা, নালা মুখ্যাক্ষ্য ভালা আহ্বা নালাল হত্তি বিন্তিত তথ্য

का है जि. । अन्यानि अधार देशाया अनुन । अधारक विकारि का १५०

এর বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর সাম্প্রেল সংস্থা আরোক বুল্লা সংগ্রার সিম্পন্ন সংগ্

সংগ্রা বিপক্ষ সহাহার কি ভাবে বৃহ রচন, কার্যাভারন, বিকাশ যুদ্ধ ক্রিয়াছিলেন এব কিভাবেই বা আমার এছালতাত ভীমাক নিহত ক্রিয়া-ছিলেন গুড্ডার

ভাগ নিহত হটলে হুংগাধন, হুংশাসন, কণ্ড প্রচন্দন দ্ধ শকুনি ইহারা কি বলিয়াছিলেন গুঙ্হল

মনুষ্, হকা ও অবগণের শরাবট হাড়াছে কোটাছেল এক কাল, শক্তি, মহাভ্রবারি ও ডোমর মাহাতে পালক, আর মুখ্ট সভাকে হাম কবিই ছিল, সেই ভয়ন্ত্র সভাতে (সম্লুজ্ন) আমার দৃষ্ঠ ও মুর্য পুষ্তবং এই ভাবেশ কবিয়াছিল এবং কোন্নর শোলর সেই ভয়ন্তর প্রাবদাভ্রনীত বাংলা কবিয়া-ছিলেন গ (ভাহে) বল) ॥৭০—৭১॥

সঞ্জা শাস্তুনকান ভাষা বাছাত আৰু কাৰ্ডাৰা জন্ম কৰিয়া ছলোন গ কাহাৰ, প্রাভিত্ত ইয়াভিলোন গ এক কাহানাই বা লগা কৰিয়াও 'নপাভিছ হুইয়াভিলোন গুমাই সকল বিষয় আমাৰ নিক্ট বল এ৭০০

(१६) दक क्रीइटफ-न्या व का नि ।

छ। इटको पूर्वी

Eर दे र अ र ते अ कुकर हुँ पट्टा Б कुक्ति€र्वाद्मागाः ॥०॥

া নাম বা, বা নাম বা বা নাম, পুরা নিজাপ পরন লাক্ষার কার্মার হয়।
১৯ জন বা নাম বা বা বা বা সাম বা কার্মার হয়।
১৯ জন বা কার্মার মুখ্যে ১৫৬৮
তালিক বা কার্মার বা নাম বা কার্মার হয়।
১৯ জন বা কার্মার হার্মার হ

্নৰবৰ, নৰজনকল ও চুড়াৰং লা ভালতে নিচ্ছ ভূমিলা আমাৰ সাজি হউতেহয় মালবল

সার্য। পুৰণ্ণেৰ ভানিৰ অধ্যায়ে অনায় নান ক্ৰাছৰ গাঁড়া ভাগািয়া সুহিয়াজিল, টুনি এখন দুঙ্গৰ অধিক জায় এই স্বাদস্থ সেই পিড়ানিলাক উদৌশিক কৰিয়াম ॥৭৪॥

হাগাহিক।তে ও সকালার পায় তীম ভকতর ভার মারণ কবিয়া নিরাস্ত ইইয়াড়েন দেক্য অংমার পুটের শেক কবিংকাছ ইরা মানি মনে করি ⊪৭৫॥

সংখ্যা পুণো সন্কুট দেই সময় ভূষ্ট আংমি ভাষাৰ ৷ আভ্ৰৰ স্থোৱা যাহা অভিয়িতিল, সে স্মত্ত কুমি আংমাই নিকটাৰল চেদ্ধ

সভয় ৷ সূৰ্য হ'ব ধেনের নিজুভিত নিবলন সে ধ্যে জুনীতিস্পণ্য বা জুনীতিস্পার যাহা হটয়াজিল, ডাহ ভুনি আমার নিজ্ট বল ॥৭৭॥

0

शिकनामा श्वास

সঞ্জ উবাচ।

प्रस्ति स्विधित्यस्थितः स्वावाकः । यः इति ।

म कू कुर्यावित्न (वार्यावित्रः प्रः कृत्रः भागाः।

य वार्यात् कुरुति वालकु इत् का कृत्रः भागाः।

कन्मा (इन नाका म हिलावित्र हृत्रः है।।।।

स्वावाकः । प्रसुरम्यु किल्यावरः ।

स्वावाकः । प्रसुरम्यु किल्यावरः ।

स्वावाकः विद्यादिका किल्यावर्षः भागाः।

क । वक्टको मुनो

----(2)-----

আদিতি ত্রগুরু সাধার ইতি হল্প তাংকদিন জাগা প্রথম স্থানির কর্মানির ইতি তানস সালেন আলত চলে নালান্ত বিধার আহমেনেলুল ইত্যালয় একা

ভালু কুৰি জিভি ভাষা কৰা ভাষাৰ কৰিব সেই কুৰি এং প্ৰসাহিত মহা কৰিয়া ভিলুনেন এৰ কে বৰ্টাল্ল ও পাজনী গ্ৰেবে যে তেন, সংসন্ধান যে ভালুৰ কোই মুদ্ধ ও জালু কো ঘটনা কুইয়া ভুলি, সংসন্ধান কুমি ৰল' এছিল গ্ৰ

____;,;____

স্থ্যু ব্লিশ্লন—'সহারছে ৷ আপনি মেনন অভ কবিছে পারেন, এক্ষন প্রশাস কবিয়াছেন। স্করা আপনার পাক ইছা সক্ষর হব্যছে ত্রে আপনি প্রোধেনের উপরে এই নোধের আকোপ কবিছে পাব্যন না ১০০

কারণ, যে লোকে নিজেক দোশে কেডিডিজে হয়, সে লোক সেই দোধে দোধী ব্ৰিয়া অকুকে আৰক্ষ কবিতে পাৰে না ৪২৪

মহারাজ ৷ যে লোক মাসুবের মধ্যে সক্ষেত্রত নিকানীয় কাথা করে, সে লোক সেই নিক্তি কাথা করবে জনাই সমস্ত লোকের বধ্যেগো হয় ৮০৮

(১) অংশক কিনি-লি

निकारण निव्व विद्योखन स्थान स्यान स्थान स

ভারতকো মুগ্রী

নিকার ইবি নিকার সাধার নিক্রিবারে মুখ্র কার নিবল দান ইবিনান্তি শালামেন সাধার কার কার জাননা। বিশ্বীক্রমির ছারীভি শোলা । এ

अस्त्रीत्र गत्र रामण्डलपुर व श्वासीनाम प्राथित

স্থানিতি সাধা, এক পালত না নাৰ্য চ্চাৰ্য নাৰ্য সাধান্ত সাধানিত স্থানিত কৰি কৰিছে। ইয়াৰ বিষয়ে বিষয় বিষয়ে সাধানিত বিষয়ে সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত সাধানিত

প্রাণাত্র তথা প্রের অনাজ্বির সভিত্ত ত্তার অপ্রার অফুভর ক্রিয়ারেন এব বর্ন যাইয় দ প্রাণ যাবং অপনার দিবে চাহিয় সে স্কুল সঞ্জ ক্রিয়ারেন ৪৪%

্স মাতঃ তাইক, কভে,। তাতী, কৰা ও অনিৰ্ভেকা রাজগণের যে সকলা ঘটন, অন্ম আৰু লা দেওৱাছি এব দিবাজগণ্য আমিয়াছি, সেই সময় ঘটনাত আপনি শাবন ককন, শোকেব দিকে মন গিবেন মা। নামনাথা আইন কাপাই যে যানি ম্বিক, ভাতৰে দেবত এইকপাই ভিক্ত, তাতা নিশ্চিম ॥৫ ৬॥

আহি, পৰাধ্যনক্ষন জানী বেছবাসেকে নাইচাৰ কবিয়া সমস্ত ঘটনা ধলিব। বাঁচাৰ অনুবাহে আনি সেই স্বোদ্ধন দিবা জান লগত কবিয় ছি ছব।

রাজা। জারীশিন্ধ বিষ্যু কেব , দূব হটাতে আবণ কৰা , ভূত, ভবিদাং ও বর্তমান সময়ে পাবের মান যাগে হয়, তাত জান, অভয়েভাবে যাত যাত।

(१) अम्बन्ध निकृत्क्यस्य नि, मदक्ष्य निकृत्क्यस्य द, द इ,

শুণু মে বিভারেশেদ বিভিত্ত পর্মান্ত্য।
ভবতানামভূদ্যুদ্ধ যথ, ভাষেন্ত্রণম্ ॥১০॥
কেন্দ্রিকের মাজের লাজের চাবিধানতঃ।
ছার্মানিনো মহারাজ। জুঃশাসন্মথাজনীং ॥১১॥
ছালানা। বংগজ্পী যুজান্তা উল্লেখিশা।
ভানাকানি চামবাণি শীলা হমলুচোদ্য ॥১০॥
ভাষা সামাভিপাপ্তে। বর্ষপুগাভিভিত্তি ।
পাঙরানা মনৈলানা কুরলাক স্মান্ত ॥১০॥
নাত্র কার্মান্ত্য মাজে বংশ ভাষাত্র বলনাহ।
হজানিওপ্তে হামে পার্মান্ কেন্দ্রান্ত বলনাহ।
হজানিওপ্তে হামে পার্মান্ সোম্বাণত সভ্ততার্॥ ৪০

ভারতকৌ সুণী

শুবি ব বিভিন্ন ন বিবন । ভরজনাশ কুকল প্রন্ত কর্ম হয় । তেতিয়ালি । সাত্র পুরুষণ সম্বাজ বিধানকো বুল সূত্র ভ বন আ পিলেমু সংগ পুনাসকোনি আরুল্লার নিজা বিজি সুক্র কেলের । ১২ আইনিলি । অভিবল্লা উপস্থিত, বাংশ্লা ব্যাসকাল স্থান্ত ভিন্ত হয় । নেছি ৷ কংগ ভন্ত্যাল ক্ষা ক্ষা আৰু প্রাণা স্থানি ভাগ

ভারতভারদীপ:

प्रमुक्त के हि। पर स्कृष प्रांतक दिव्य ३०। द्रतम भाषात २ ०० दृष्णिक উच्छाप्त केन के चित्र के दण देण विकासम् २—१०। दृण मृत्र प्रदेश कि भिष्णिक रेस के कि स्वार्थिक के दण देण विकासम्

ছটিবে, পুষ্ঠের ভাষা বোঝা, নিবিছে আকাশে গমন করা এবা ফুল্ফ অন্তের আঘাত না পার্যা, মহাছা বেলবাংগের ব্রে এই সমস্বিধ্যের শক্তি আমি লাভ করিয়াছি ॥৮—২॥

ভারতথ শীয়ণালের দেউ বেমেহরণ বৃদ্ধ থেকেপ হউয়াছিল, সেই বিভার ও পারমাশটো বৃদ্ধান্ত আপনি বিভারক্ষে আমার নিকট ভাবন কলন ॥১০॥

মহারাজা মুক্তের জন্ম মার্বান সেই সকল সৈতা কথাবিধানে বৃহক্ষে ভাপিতে হউলে, ভূয়োধিন ভূমাসনকৈ বলিকোন—১১১৯

'ছু,শাসন । তুমি সহর জীমধে রক্ষা করিবরে জন্ম রুপসমহ নিযুক্ত কর এবং সমস্ত সৈকৃত্তে ওঁলের নিকট প্রেবণ কর ১১২৪

আমি বস্তু বংগর যাবং যে বিষয়ের চিন্তু কবিয়া, আদিছেছি, এই সেই সমৈত কুক্সগাত্রের যুদ্দেশ্যেলন আমার নিকট উপস্থিত হইয় ছে চ১০॥ व्यानिक विक्रमान्न भाषः इनाः विकित्तिम् ।

क्षा हुउ ही शहने भूतः उत्याद्यात वरः स्था ॥५४॥

देव भीद्या विक उत्तर विद्याद्यात वरः स्था ॥५४॥

देव भीद्या वर्ष स्थाः स्ट्यं डिकेन्द्र स्थानकाः ॥५४॥

देव १ वर्ष स्थाः स्ट्रं डिकेन्द्र स्थानकाः ॥५४॥

देव १ वर्ष कृष देन क्षांत्र क्षांत्रम् ॥६९॥

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य कृष्य शिक्षका ॥६९॥

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य स्थायः निविद्या ॥५५॥

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य स्थायः निविद्या ॥५५॥

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य ।

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य ।

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य ।

देव १ वर्ष कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य कृष्य ।

धात्रण्टको मुमी

র্থন সুক্তি একনার ভাষ্টেক করা ভিল্ল সভাকের কার্যাকেই আয়ি আগান বলিয় মান কবিন। কারণ, একমার শ্রীমাকেরফা করিছে পারিকে, উন্টুপ্তব্যস্থাক সুক্তির সুক্তির করিবেন গ্রেছ

বিভিন্ন ও ৮ ম বলিমাছেনত ,শ, 'মানি লিখডাকৈ ধন করিব ন।। কারণ, শুন মাল ও পুৰেব সু' ডিল। কুত্রা মুক্তে উলাকে বর্জন করা আমার শুরবা'॥১৫॥

মত্তৰ আমৰে ইকা এই যে, নিষ্টাৰ হাত হইছে ভীমকে বিশেষভাৱে আনংক্ষেত্ৰ কলা ক'বছে চইবে ৷ সুত্ৰা আমৰে পক্ষতী খোদ্ধৰা সকলেই শিষ্টাকৈ বধ কবিবাৰ জন্ম মহুবান চইয়া পাৰুন হ'লঃ

এব প্রাণ্টার, দাজিবারা ও ট্রব্দেশীয় অস্থনিপুণ যোদ্ধারা সর্ব শেক রে ভীমকে কলা কজন ৪,৭৪

কাৰণ, রক্ষ ল কলিলে, সুৰ বাজেশ মহাবল সিহকে বধ কৰিছে পারে। সুতবা আমৰ কেন শুণালেৰ কাম শিধেনী হাবা সিংহৰ কাম ভীমকে বধ না ক্রাই ॥,৮॥

दार सम- कर नि. (...) (प. व्यारको कसना कारको व करा नि ।

সংবক্ষাণঃ সাধেন ভালেন চ বিবজিত।

নগান হতাদ্গালেন জুলাসন। তথা কুলা ॥২০॥
ইতি দী মহাভারতে শত্নাহ প্রাণে স তি লানা বৈদানিক তি ভালেপাকি ভিগ্রন্থী হাপাইতি জুট্টোধনত শাসনস বাকে পাক্র্তা হেলাস ॥ ।।

বোড়শোহধ্যায়ঃ।

সক্তম উবাচ।

তিতো বজালা ব্যক্তিয়াল শ্ৰু সমন্ধ্যালান্। কোশতাল ভূমিপালানাল কুজালাল মুজারামিতি ॥১॥ শাষ্ত্রকুভিয়োগ্রাত সিংক্রালৈশ্চ ভারত । । হয়তোগ্রন বিশ্চ ব্যক্তিয়াল্যালান্য

ভারতকৌষ্দী

হাম্মিটি, চাজা কৈল্ম কোণা কাক্তিক হ'ব শস্ত জনত জনত জনত, জাস চুহ মাষ্ট্রাহস্থান হশি শিপ্তিকে কোল ভাবদিতি শহংবংক

স্বাকৃতি হি। পাছেনাকানেন, বিব্ভাগ কিছিল কলা গালোল কান কান কা ইতি মহ ন্ৰোপাল ও পতি বিনাসসিক ভূত কালমন্ত্ৰত কিছিল। তাল কালি বা ভাত্তাকীমুদাসমূল কালি ভাত্তাকীৰ নাৰ্নীক লগতি প্ৰদাৰকাৰ । ।

ভাত হীলি ভাতত প্ৰজন হ'ব পি আন চন্দ্ৰ স্থানি গণ্ড সংগ্ৰহণ স সমূজ চাহিলি, এক শণ মুন্দাধনাত হৈ কৰ্ম চিন্দানান মাহণ নাপ্দ সমূলৰ স

---- (::)-----

তালিকে যুগ্ধে আজ্ঞানৰ বাম চক্ৰ বক্ষা কৰিবেন ম্পাম্য এব লাভাল চক্ৰ বুকা কৰিবেন উত্থেপ্তা, মাৰ অজ্ঞান্ত ব্যাহ কাৰ্ডাৰ নিচ্চাত্ৰ ৮,১৮

আভ্এৰ আত্ন শিষ্ট্ৰে বলা কৰিবেন এই টাম ই ইণক ইছন কৰিবেন। এ ভাৰস্থায় সেই শিষ্ট্ৰী ষাহাতে ভীমকে বধ কৰিছেন। পাৰে, হুৰাসন ভূমি আছোই কৰা ॥২-॥

সশ্বয় বলিবেলন —'ভাছার পর রাজি প্রভাত হইলে, হাজারা উচ্চতরে আহ্বান করিয়া বলিতে লাগিলেন —'যুদ্ধসকা কর, যুদ্ধসকা কর ভাছাতে বিশাল কোনাহল স্কতি লাগিলেন »

(১) বৃদ্ধ, অন্যানকুং শি

গল্প নাল ব্যহতাট্যের ন্যাপান্কালি গলতান্।
ক্রিভিডারের ডিলেই লুটেউ ল্বন্ত সবঁতোহতবহ ॥আ (মুমিকম্)
উল্ভিডারেরেরের ! সর্বাধ্যের মুক্তমন্থেতা ।
মুর্গোলয়ে মহাট্যেতা কুক্পাভিব্যেম্বরোর ॥॥॥
বাজেন্দ্র । তর পুর্লোগ পাড়বানাগ তর্গের চ।
ছুপ্রের্থ ডিল্ডারের মাল্ডার ডিলের চ।
ছুপ্রের্থ ডিল্ডারের মাল্ডার ডিলের চ।
কোনাগে পর্ব্যাক শক্তরেরি মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ পর্ব্যাক শক্তরেরি মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ পর্ব্যাক শক্তরেরি মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ বাংগিন্দ্র ভারাক্রিরের ভারাক্রির মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ বাংগিন্দ্র ভারাক্রির মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ বাংগিন্দ্র ভারাক্রির মহাজি চ ॥।॥
ভারাকাগ বাংগিন্দ্র ভারাক্রির মহাজি চ ॥।॥।

ভারতকৌষ্দী

କାଟକ୍ଟର ଓଡ଼ କଥନ୍ତ । ୧୯୬୯ର ଓଡ଼ିଶ୍ୟର , ଅଟ୍ୟାପିଞ୍ଜି ଅଞ୍ଚାଞ୍ୟ ଅବନ୍ତ୍ର ଜିଲ କଥନ୍ତ କଥିବା, ହୁଏ ଅନନ୍ତିର ଜଣ୍ଣ ଓଡ଼

ক্রকুর বতু ক্রমজিছিত কর স্বাধ্যসভাল বিভিন্ন সংগ্রহণ হিসাম বন্ধ ব হাত বছলবে কর তিলে হান্টাত চ হলত সংগ্রহণ

কর্তার। তাত্রধার বালবিশ লগেনগোল কি স্থি। ওতা পি বিশালানি নিয়া কর্মান নাম লাত্রিন অভিনন্ধবিভাগে অপান্ধিক নিয়

ধ্বতন্দ্ৰ । এমে শ্ব ও ত্কু ভ্ৰহ্মনি, সিঙ্নাদ, অব্ধণের ভ্রোরেশ, স্থান্ত্র কাদ, হ'ল্পণের র হিউচ্চন এব পাইনত বী মোজ্যানের সিঙ্মাদ, বাহন মে চন ও ১ লোকেব শালে সকল দিকেই সেই কে লাভল ভূম্ল হাইয়। পাছিল ৪২—১৪

মহারার । তংগরে সুধার করালে, কেনেনপ্ত ও পার্ডপ্তের সুদ্দি সংসায়ে সাজিত সমগ্র বিশালে সৈতা সকাপ্তারেই মুদ্ধের জন্ম ইস্থানী হিইল এন। বাজারেই। এনে আপানার পুর্ণান ও পার্ব পুর্ণাণ্ডর জন্ম আসু, দাগ্র ও কামার সকল উপতি হাইল এক।

ভরতনক্ষ। তাহার পর কুরোর সংকোক প্রাণ পাইলে, আপ্নার শক্ষের ওপ ওবপ্তের অভ্যানী বিশ্লে দৈয়ে দেখে ঘাইড়ে লাগিল্যালা

ভাষাৰ মধ্যে সাভিষিত চাকচিকালালী হাজী ও রপ সকল বিচাংস্মহিত মেখসমূহেৰ ভাষা নিটিপাচৰ হাইতে থাকিল ॥৭॥

্ও টুন্লাসবাস ১৮বং— ব বার নি। (৪) সংহ্রৈষ্ট্র বার নি। (৪) ভূম্পুরুষণি বার্কানি विश्वीक श्रिष्ठ व व श्रिक्ष हिन्द ।
व्याद स्वर्ध ह व श्रिक्ष हिन्द श्रिक्ष व ॥ ॥
ध्युष्टि दर्ग है। अरेष्ट्र श्रिक्ष व्याद श्रिक्ष ।
ध्युष्टि दर्ग है। अरेष्ट्र श्रिक्ष व्याद विश्व हिन्द ।
ध्यित श्रिक्ष है। स्वर्ध व श्रिक्ष व श्रिक्ष है। ॥ ॥
ध्याद श्रिक्ष व श्रिक्ष है देश है। विश्व श्रिक्ष है। ॥
ध्याद श्रिक्ष व श्रिक्ष व श्रिक्ष है। स्वर्ध है। स्वर्ध व श्रिक्ष व श्रिक्ष व श्रिक्ष है। स्वर्ध है।

छाउडस्कोत्र्मी

বংশটি। রগনীকানি বহি স্তানিঃ ভার তবু মধ্যে, এর পিজ ভিতুপথাধ্যে। জীমানেচন

स्थ कृति है। हैमूं इत्ते कि प्राप्त कर्ष के स्थानिकान विकित्त करें कर्ष क्षेत्र है है । स्थान कार प्रमुक्त स्थानका विकास क्षेत्र के स्थानका क्षेत्र है है है । स्थानका क्षेत्र है स्थान क्षेत्र है । स्थान क्षेत्र है स्थान क्षेत्र है । स्थान क

ভূবি ভূবি নগ্ৰহ কায় ভূবি ভূব রখাদেশ হাইতে থাকিল এবং ভাচার মধ্যে অপেনার ভোটতাত ভাম প্রচল্ডের ভায় মত ও লোভা পাইতে লাগি-লোন চলা

যোগারা ধনু, বাং, ভরধারি, গংগা, দক্তি, তেম্ব ও সকারা ভূম সার দেইয়া সেই সৈক্ষাংশ সংক্ষান করিছে লাগিল চল

ন্ন্ৰাথ | হতু, অব, বধ এপদাতি সকল, ৰত ৰত ওসহত সহজ ৰ(ধ্বার (মুদ্ধেশ্ব জালের) আকারে স্মিধিই হইণ ১৮-০

স্পত্তে ও বিপ্ৰকে দীপ্ৰিশালী, উত্তোলিত ও বহুবিধ সহস্ৰ সহস্থ থাজ দেব। হাইতে থাকিল ১১১৪

স্থানুষ্ঠ, মণিব ট্রনের ও হাতিবৃদ্ধ সহস্থ সহস্থ সভাবোহী, প্রক্ষিত অগ্নির কালে দীপি প্রেশে কাশিল ১০০

(স) ধহ[্]ডিক টিভিল ব ব বানি, ছেখনীবেৰু পি (১৮) বাহিটন বা ব রানি।



हिलाहे नव स्रेशिन्टिहे इक्स्वन्य क्रिक्षा । स्राध्यकः श्रापुत्र काम्य वहुन्ता इक्ष्य क्रिक्षा । स्राध्यकः स्रोध्याः न ना स्रावहुत्य इक्ष्य क्रिक्षा । स्राध्यकः क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा । स्राध्यकः क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा । स्राध्यकः क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यकः स्राध्यक्ष स्राध्यक्ष । स्राध्यकः क्रिक्षा स्राध्यकः स्राध्यकः स्राध्यकः । स्राध्यकः स्राध्यकः स्राध्यकः स्राध्यकः स्राध्यकः ।

कातकरको वृत्री

এক কার নাজিন ক স্থন কিছে । ব্যৱসাধিন ধ্যক্ষণ প্রে, মুহম্পির্না **ভারতভাষদীপঃ**

ক্ষা হাত ১—১০ গুরুর সরক্ষা মরেরত্ব স্প্রিক্তার ও—১৭ বর্গ্রাকারের অবিধান্তিক ১৯ ১৮৮ ছত। উত্তর স্ক্রা জন্ম স্ক্রাণ কর্মণ করে বাল্ডারাকারের

উদ্দেশ-সংগ্রহণ উপদেশারের আয়ে মৃক্সজন্ম সজিত ও মৃক্,ভিলারী সেই বারণেন নতিগোচর চর্চ্ছ ও কিল ১৯৭১

কৈতেৰ সত্তৰত বিষন্ধন মতুকা, অংশকা ভাষাত্ৰাকৰ ও তুৰ ধাৰৰ কৰিয়া উত্তোজিত বিষ্ণান্ধ মতুক বা শোভা পাইতে কাৰিলে ৮,৭॥

সুধাসপুর পর্নি, মদধার গালা, সির্বাক রাহ্ব, মাবস্বিতে বিনা ও হার্ বিশা, কৈকেয়াল, কার্থারেরার হাল্লিগ, কলিকারার প্রতান্ধ, রাজা রায়ারেমন, কোলকারার ব্যাল এব সাহত্য শীয় কুত্বারী, এই দশ হান ব্যালারী, প্রচুক-মাকিলালারা, পরিষ্ট্রাবাহ্শালী ও বীব পুক্রভারে, মল মাকৌহিনীর প্রি ইইয়ার্মেন ৪১৫ ১৯৫

(३६) डिक्स पराप्रेर किया वाय स्था ३६, - १६६ वर्ष स्वाहताः या ,

मनकाः मनम्भाष्य (स्वर्नेतिकस्वविद्यः । वक्षक्रवाध्विनः मत्ते वर्षित्ना पृष्टः विनः ॥३६॥ करोः प्रतित्वस्थात्यं प्रकारत्वकात् वर्षक्षः । भग्यो स्थ वर्षक्षः अदिश्व वार्षक्षः ॥२०॥ विद्यम्पन्। ध्वतिनी माठ्यं प्रे (कार्यापाः महत्तिः । ख्वादः भन्तेमणानाः ग्रं वर्ष्यक्षः पाः ॥२०॥ (क्ष्रद्वावामः (क्ष्र्यः (क्ष्र्वव्याः मृत्यः । ध्वादः मन्त्रेष्णः । नीषः हिल्पित्विद्यान् । (क्ष्रद्वाव्याः निष्यः । नीषः हिल्पित्वाविद्यः ॥२०॥ (क्ष्रद्वाव्याः निष्यः । निष्यः हिल्पित्वाविद्यः ॥२०॥ (क्ष्रद्वाव्याव्याः निष्यः । विद्यः व्याव्याः ।

ভারতকো যুদী

शुक्रावणम् स्थानितम्ह, द्राप्ताः कम्प्रताच द्राप्ताः हेता १९७ व्यक्तिकः विश्वान्य स्थानिकः स्थानिकः स्थानिकः स श्राप्तका कम्प्रताद्यं, प्रोणीकः भागः सङ्ग्रहेता १९७० व्यक्तिः स्थानिकः व्यक्तिः विश्वाने । रणात्र विद्यानिकः स स्थानिकः स्थापनाद्यान्, स्थित्युक्तं, स्थानिकः स्थानिकः स्थानिकः स्थानिकः ।

ব্ৰেছি আহাত অধিয়াৰ। শাস্ত্ৰৰে তাম, আছো, নাল শতিষ্ঠ আগল । দানা শোহেছি। বেত হয় স্থান্ত ভয়, আচুনতা ভিতৰে কীৰ্ত্ৰালভট্য নেল। ত্ৰেম্ভি। তেম স্থান্তিক সংলক্ষ্যক্ষাৰ সংগ্ৰহ মঞ্জ তথ্য বাহেছ রক্ষামার অন্যানে তথ্য। ব্ৰোগ্যে ব্যাহৰণ্ড গোলিয়া জীকাশকা স্থানি হয়।

ইচাদিশকে এব অধাত বড়তার ছ্যে।ধিনবদাবতী, নীতিজ ও মুখ্যকার ক্ষিত্র মহারপ রাজা ও যাওপুত্র আপেন আপেন সৈপ্নধান অবস্থান কবিছে ক্ষিত্রতি । ইহারা সকলেই তুর্যাধেনের নিমিও ক্ষডিতে অক্ষােশকে প্যান ক্ষিত্রার জন্ম যুদ্ধে দী জন্ত হইয়া ক্ষুম্থের চক্ষা, মুক্মেখলা ও ধ্যু ধানব ক্ষিত্র অক্ষিত্রালী দ্বারা বাহিনী কইয়া অবস্থান ক্ষিত্রেলন এ ৮ – ২০০

এতি খিল ধাত্র স্থীনারী একাদলী কে ব্রন্ধালেন। সকল সেনার আগ্রা করিয়াছে, যাতাতে লাভত্ন-সন তীম নায়ক বউয়াছিলেন হং ১॥

মহারাজ। শেতবর্ণ উক্ষার ও কেতবর্ণ বর্ম ধারণপূরক কেতাবাসুক্ত কথে আক্রে এবং বীর্ত্ত সুইতে সামষ্ট ভীয়াকে, উদিত চাশের কায়ে আম্বা পেবি-কাম এ২২৪

ভ্ৰমালে তীম বৌলাময় রাখ সাকলান করিছেছিলেন এব সে বাংগ স্থা-(১০) সংশ্বলিকো স্কলালন বাংশব নি চ সহব দেব দিয়া পি



দৃদ্ধী চন্দ্ৰে ভীলং সনকলনত লাভবাং।

স্থানাত মহেৰাৰ ধুনিজ্যেপুৰোলনাঃ এনভা

জানাৰং মহাসিংহা দৃদ্ধী ফ্ৰান্থা নথা।

ধুনিজ্যালয় কৰি ক্ৰী কৰি কৰে মৃত্যালয়।

কালিকাৰং দি জুনী, বাহিত্যালয় প্ৰিবাং।

সাধিকাৰণ তথ্য সপু মহাপুৰুষপালিকাং , ২৬॥

উনাজ্যালয়ে কি কি দুখোলে সাধানাবিৰ ॥২৭॥

বৈৰ নজালাৰে বাজন্য দুনিগ্ৰেম সাধানাবিৰ ॥২৭॥

বৈৰ নজালাৰে বাজন্য দুনিগ্ৰেম বাধানাবিৰ ॥২৭॥

আনিকানাৰ সাম্যালয়ে (কৰিব্যোগ্য তথ্য বিধঃ ॥২৮॥

ইতি উন্নতাল বচ্চ শাসমাজ্যালে সাহিত্যালৈ বৈশ্যাসকলে ভীজাপাকাণি লগাবলকালাপাক্তি বৈল্যাকার্ম লে, মুক্ত ভেবালফঃ ॥०॥ .

अध्यक्त विभी

পাওবৰণ ও সুইইছেপ্লড় চি সহাধন্ত্ৰ স্কুম্পন কৌৰব**লৈকের সন্মুখ** ভী**মকে দে**খিয় কন্পিত কইছে লাভিল্লেন ॥১৭॥

আক্রমণের ভথা পেরবিস্থাবকারা মহাসির্কে দেখিয়া ক্রু সুগসস্কের সাম শুইচারপাড়তি বিপাকের, সক্ষেট ভীক্তে দেখিয়া অভায় উল্প্ন শুইবেস ৪২৫৪

রাজাণ বীর্ণেটোর শোভিত আপনার এই এগার অ্রটভিনী সৈচাকে এবং পার্বগ্রের সাত অ্কেডিটি সৈত্তি নহাপুক্ষেতা কলা করিছে জাগি-লেন ৪০৬৪

উমত মকরমূজ মংগ্রে (খোলাছ) পবিপূর্ব এবা মহাজলভভ্তসভূল প্রালয় কালীন সববেড ত্রতা সমুদ্ধে জায় সেই ত্রতা সৈতকে দেখা যাউছে কালিল ১২৭॥

্বেপ্) সুবাধে সনুদেৱতী থৌ লি।

সপ্তদশোহধ্যায়ঃ।

শক্ষর উবাচ।

মথ সাভাৰ, শ্ৰামিং জ্বন্ত্ৰপ্ৰেন্নহ ব্ৰীছ। তথ্যৰ সহিত্য সংক্ষিমাজগুমহাজিতঃ ॥১॥ ম্ম'বিষ্ণাং সামজ্জিনত প্ৰত্যুপ্তত। দীপ্ৰেন্দ্য স্কেত্ৰিক স্পুমহাজ্ঞাং॥১॥

ভারতকোম্দী

হিন্তি ন জাক দি । ত ত তা তেওপাত্ৰ নায়, জন বিৰ সাহাৰ ইবি নাৰ একা ইকিয়াত বাহাপত ও জিত মন দটিও ছত তত নাই চঃগোতিবিভিজ্জ ত হত হত ন একটী হৈ লো ভাষাত্ৰীমূলীক তা যাত নামাজাপাহতি নালভালীক পাতাহতি হা হত হত তা

----(::)-----

हर्षिक स्थारम् भ ने विकास स्थारम्, स क्ष्मी हर्षा न न्यान् हर्षा हिम्मू कान्, भोक्षत भागन विकाद हर्षात हार्ष्य) भावतीय, सर्वेश, सर्वेश, सर्वेश, सर्वेश, सर्वेश, सर्वेश, स्थापक हिम्मूमकोद्या स्थापक प्रवासन वार न, इरेशन हेर्माहन्, स्थापक स्थापक सम्बद्धिक क्ष्मीच्यान् स्थापक स्थापक स्थापक

তথ্য মোলির নিশিক ন নপারাজন পাগনার সামান্, মামারির সভিনা রামিন্ মুকারপুলিনে, অস্কাস মালে স্বির সমস্ক্র মহার ইব বিজন সাহার্মনিট

स्थाप्रकारमीयः

ভূগ্রন্থ ১৯৭ — ১ বন্ধ হয় দিন বালি মুখ্য হবণনীকাণ কুলব্য টার্থ । ২ —২৬। ভেগাবিখ্য স্থায় ইভি শেষা (২৭—২৮)

है । महामस्य र देश कर्षेत्र महारम दर्शेष्टम हुए। त्यावस्था १,५५

মাছ । সন্মিনিত কুকপাওনসৈন্দের সেইকপ সাঘ্য আনবা প্রের দেখি সাই, কিংবা শুনিও নাই' ।২৮৪

স্থায় বলিংলন 'ভগৰ'ন সেই কৃষ্ণইছপ য়ন বেদৰামে ফেরণ ইংপাছের বিষয় ব্লিয়াভিবেন, স্মিলিভ রাজাব, সকলেই সেইরপ ইংপাভ অস্ভব ক্রিডে মালিকেন ।.।

क्षात हाको धृती।

क्रांतिक के रहा पर सम्मित स्वाह्म सहस्था है ए व का ना स्वाह्म का किर्न्ति मुक्स कि मान्य के किर्न्ति मुक्स कि कि मान्य कि कि कि मान्य कि कि कि मान्य कि मान

मा स्वाद्य स्व विद्याद्य स्व क्ष्या क्ष्या स्व क्ष्या क्ष्या स्व क्ष्या क्ष्या

鞭

ভারতকৌমুদী

নকাৰ লগ সন্ধাৰণ না নৰ্পুত্ৰ নিখি ওৱা, পুৰুত্ব নিজু পাত বুলা নাকলী, কিন্তু কিন

खिल € ६६५ ६६५ मьठल राज ६८२ लूर प्रतिक्रियर <u>दि</u>च्चारयम लाखाउ० खाउँ होत् हुंबई का "कि कुमामनम्बर्गान अध्यक्षा इत्राहतभावता । हो ६ दिनी स्थान का कि व চুমার্থ মনসিভাগ ভীক শুরুলকে ব্যুক্তিন ইতিন কংলাকির বচানন মানু প্রাণ 表现的基础的特殊的情况 医肾髓管 化硫酸 "不是我的"的 前,我也有"少人" 海拔 老山 一种特别是一样 一人 कॅलरदेने देशनक नाम दिने सरमा है ५ देश में मेर में अधित में मे दे रेर रेन दे निनी अध्यक्षक भागमा कर हान मा हो हा १५ था. यहनानन मिला मार्ग न राम पास विकास है क्रिक्ष्यण व्यक्षमञ्चिक्दर व देव "एम अध्य "निष् १६ मान्य वस्त १६ मार्च वस्त वस्त वस्त विष्युत्र मुक्तविकिति, मुक्तदर्भनति है। कुक्तनथम देव तन विकित्त विकित्त में मान विकित्त निक्रित भाषाय रमक्षित्रकरों।" है कि स वक्षप्रदेश - तक्ष तिहोत्र उस कर्यात्व हर, अह कर्या सिविध्या "होष्ट्रमा एका एका एका संदेशकाल प्रमान वर्गन व वर्गन करिक्ट्र क्रावार व्यावर्त्त्वमध् छ। अडदर्ड्डर-५७० ७°६७ ६°६४७० हेर्द्र ० वृत्त सक्ष के हैं दे दे दे हैं। इस कि दिल्लीय गूर्य के ला के देश खड़ में दे वह ते ना करें। 新門[Figures] 東京 大「国 Hamile 有「まる かんかんか」を 京 今日中 g M · サンス इकि 182 मह म् अहला नक हिल्लाल इड जनस्ति । इस ५ इना वर्ग सन ५३ राज्य मान्त्री मान्त्रिय, युक्तकक्ष्मल "यूक्तक्ष क्रम क्रिक्टिक मान्त्र क्रम द्राव द्र्या है कि मान्त्रक द महमार (१९%) 'अहंलव्यक का नाक् , हिमान्यन अल्पाद जिल्लान हु"। तन 'प्र हैया ह युवाह क्षांग्रायमहक्त्रक्षमध्यातः नदन्तः द्रा क्षित्रक क्षाप्र या याष्ट्रमध्य अध्यक्ष শ্ৰুণিয়াৰ ব্যান্ত এই ট্ৰীট সংগ্ৰুত্নত স্থ্

সেই নিনে চশ্ব ভ্রনীনকারে গিয়াছিশ্পন এবং র'ত ও কেতু নির সাতটা, মহাগ্রেই উক্ষম চইয়া আকাশে উভিয়াছিল ।১৮



ভারতকৌমূদী

অত্রার্মিভিছাসসাক্তেপর -ছাত্ত ১৮৫৭ লকাক্ষ্রিসোরপৌর্মাসগভপক্ষ-किराबद्ध, ১৯৪६ वदास्वाद्धकोत्रद्वभोस्य मिलक्षम्भिनम्, ১৯৩० धुद्धेः साम्राज्यस्य स মাসংট্ডক্ৰিৰ্জনিক। ইডঃ প্ৰাৰ্ডিনি নট্তিৰ্লিপ্ৰপঞ্সহস্ত্ৰে वर्षभद्रत ४०८५ व्यक्त क, द्रभोत्री अधिक प्रकार्त्वे क्लाबिन्द्रम इस्मानकार्यभाग मभवादक किराईकार्यम सुनर्दन। मह प्रक्रियात्मात्म वितादिकाञ्च सुसम्। खर्भश्रम् । अतिहेक विभागत्या विश्वाप्ति । भूतिहरू कृष्णाहेम्। भू উত্তরগোতাতে কৌরবৈর সাধ্যকর্মক মৃদ্ধা, ব ভঙ্গতেশ সৌরবৈদ্যাও-মাসক্ত শেষভাগে উপপ্রধানগারে উত্তর সহাভিষ্যক্ত বিবারত গা ৷ তত कायाहाकात का कार्डिकार्कः यात्रक्र छत्त्राहः कृत्रभाक्षतभक्षताम् इत्याक्रमम् (ম) ৬২৫ স্থিসপ্টেন্মে ক(ডিকড্রম্দেশ্যা রেশ্রীনক্তি ইক্স ছভিনানগরে প্রানম্ড। ভতে। ভুর্ফেরদনের স্ক্রিফীক (রে ক্লাক্রেপ-श्रीयामक्ट्रा अध्यानिर्देशम्, कुल्ल्ला ५ वल्ल्या १ कुल्ल्या अस्तित्वस्थित ८भनामियोभाषक हा । अस्कार्स अहात्रामध्यामण स्कूलक त्रामध्याः स्क्रेसी-লক্ষরে কুরুকেরের কুরুপাশুবরে মুক্ষারম্ভত ভ**া একাশ্যদিনে কুর্মপক্ষ**-স্থাময়তে ভাষাজ্য নার্লন্য যোগে পাওলন্ত হত। তেওপাঞ্চল্লিবলৈ মহাধ্যেনী যুক্ত-करमाभकाष मधादकः (जानश्रमः वः। एकमधमन्त्रित्रः क्रक्षक्रकुर्कन्त्राहः

শা) সাম্ধ্য বিশ্ব বিশ্ব প্ৰথম কৰিব হৈ হ'ব হ'ব হ'ব হ'ব হ'ব কাইছি বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

⁽用) 有工作主要的一种企業的企业的有效企业中的 一項 为食品工。

⁽日) 第四回於中央中國 医中央中国 (日本中央中国) 中国中国 (中国中国) (日本中国) (日本日) (日本日)

⁽ছি) বিষয়েশ আখাৰ বাল ক∌পাক ভাৰতপ্ৰ । প্ৰত ভাৰত বুছা নম্ভ বন কৰাত ।" ইছি ক্ৰিডুলাবিজীব্যন্ত দ্বৈত্

⁽ছ) সংগ্রিংশি বাল এক কুল শেলবৈত্ত ত বছল কর্মান

ভারতকোঁসূদী

भागारक कर्षत्यद्व (क्ष.) उपलेषिकार क्ष्यां क्ष्यां स्पार्टक मन्त्रमहरू भागारक इ प्रद्रिमानसमाक्ष्यकः है। उर्द्यामस्य क्ष्योद्धमिन भूमिकित्रमा त्राकानारक। भोभिकित्राकश्चर्यक्षमकः है। भटना साधक्याहिमानः कोच्यमा वर्षारताद्यम् (छ। १६०) कायसूरिमानः कनिम्याद्रष्ट-क्षिकि (७) गाना

ভারতভাবদীপ:

হাণ স্টেটি ৪০ ম বিধাল (সন্দৰ্শিশ কাম দৰ্শি । পিত্ৰ লকাই হল বিষ্ঠে নেল পিতুলে ওওলপত সাম্ব প্রাথ ওব ভাগত লাভ কা বাহা মাল "大京山原 如大花花 斯 河 河原州 即 正代 中部名: 生活各 一 大方子 丁 2 山口 至 一 1 1 1 1 1 2 1 1 व्यालहरू क्षा के से हैं। कार्य हर अमेगर असे कर के किया है है है कि से किए असे किया है है है भीत्वा मृत्यून देशक कि नावृत्ति है है। इत्याचित्र के का का का का नावा है है। प्रेश्न, गुच्या समर्थ मार्बन १ ६ ६ १ ० - दिर्बन मा १२० ६८ नकार र राम्स १ था छ अध्यक्ष अंदर्य का इसमा पाल्ला कर्रा यह काला है। सरका काँकर का र अपर क ई क क्राहित् खद्रमा द्वाम कम इंद्रियान क क्या है कर् क रहे के रहे कर शाक्ष, किन्न मुख्यानवार पुरमारहत्य छ छ । १४ कि महिल १ १ नदर ६ म छ पू के तर ६ । नुम्रोत्य ११६ १ रेक्ट्रेस्ट्रेस महा प्रत्य पूर्णा । स्वत्य कृत्र वर विवर्ण । महाश्या .एठ.भ चिका-लारेर प्राचिक १००० १००५ छ । प्राच्या प्राची । प्राची विकास प्राची । स्थान महाराज्य के किया हुएक का नामण न पार्क रूपार कार्य पार्क मान कर विकृति है है है। भारतेरसद्द नवाक मुक्तनीयं रह पुक्रवयु अस्टर न रहत् ता स्वाह्य है, ५७ नविस्तान सम्बद्धप्रदेश क्योरिह्मयुक्तवार । क र्राकृतिकार कार्यान । इसमा कुर मान रेखान मा १६६ । पात्रम रोप वर्ष क्षेत्रा पर दश्राम । भारत्यक्षम क्षेत्र स्ट्रिस ने में में समाचित्र मक्ष्य के रेख्य हैं है पूर्व के हैं के विश्व के रेजिय के रेजिय है के मार्थ के स्थापन अदमहत्त्व. चित्रद्व अक्ष प्रतिम द्व पृत्रांमांच चत्रात्म । प्रमण्य चित्रात क भविदि (शह कृति) है, कुलन् दियु अरल कृत्यम कोस है के कापूर्य मान्य है के कृत्यार कार्याक हरके महकारण मिनावसाम कराता ता व मुख्यप्रेक हैं दे वर्ष हर्य मिनावस

⁽⁴⁾ Braites & an elegis families. Elegistal

⁽a) place 2 and 2 d 443 4, fat , 4 4555 *.

⁽हे) 'काम'र ह हर के जिल्ला, जल अद । कमरेल ह कर रच है रज है। वे प्रतिहास मुक्तिरों।

⁽ते) पश्च विकृति का रखा वा राज्य के वा कार्य के वा अपा प्रश्च कर कि अधीति सन करण विकृत प्रदेश नाम वा कार्य पुरिचीतिक अधिक खड़ करियम र एक्स के कार्य के प्रश्चेत कर्ण प्रश्चित प्रश्चित प्रश्चित प्रश्चेत कर्ण कर्ण कर्ण व

अनुसारमान्त्र के क्षेत्र दे वरणक 'द्रेड वहन्

⁽b) न रहिलाहरण व अत्रहरूच अध्यानम्

বিশেষত ইবাদিকা উদ্ধান প্রান্থতার।

হলাতা কিনা ভূগে ভালুমানুলিকো বাং ॥বা।
বল কিলোহ লাফ কিনি কোমানুল লাফ বাং
কিনা কাল করিব কি হাং সার্থ কিনা কালাকার।
হাহন্তি কিনা কালাকার কুলালিভাত্তা ।
সংঘত হাহনিকার কালাকার বাং

ভারতকৌসুদী

भिष्य में १६ के में यू कर ते के का निवास है पूर्ण कर के प्रकार के स्थाप के स्थाप के का मिला कर कि प्रकार कर की स्थाप के स्याप के स्थाप के

सार्ट्यावनीयः

কৰ্ম বিভ্ৰম্প কৰ্ম কৰিছে বিভাগ কৰিছে ব Equal - er riches core empres prieta म्बर्ग म कर्मक प्रमाण कर मान्य कर के किन्द्र का मान्य विद्यास ८ वर्षेत्रम् । १ ० घरातः । १ द्वारे १००० च प्राप्तः । १ वर्षाः । १ वर्षा र ६ -११, १४ १ ए १ ता चार्या पर्या १६३ विश्व दा प्राथम । १९४५ मिक्त के उन्हरूपण , १९४ केकण ये, १९४ में जिल्लानक आहे ही , असे ए かからとだってる き ・・・・ から きょ かつかけれたい できい (内)日 बुक्तिरिया बुक्त कर्ण व क्षेत्र हे के जिनम के तर नमता अवस्था है है पूर्वति है The ry my not alterested as a real property to be 化新沙皮工具 医 女 人名 有 明日 明年 中 一年 中山 中山 黄 日子 田田田 五家 我想着你,我 并以从你会下了多些。 中国 () · 中国

উদ্দেশকাৰ স্থলেওলট এন তুট সংগ্ৰহ হ'ত ,দ্যা গিছাছিল এব স্থা উদ্দেশসাধান হৈইন উদিত হটা ছিল্লন হ'ব

মক্রিমা সংহাতী দুগালাল ও কাকগণ ১ ডুলারার লাভ করিবার উচ্চ। করিয়া। উচ্চল দিকে বর করিছেছিল ১৭০

(कोत्रव e भाधवरात्नव भित्रायत देखे होच खर (ह नाइ।श) कते खदिनाम

कृत्यावाह व्याकृत्यावाधिक कृत्यावाधिक विद्यानाधिक विद्यानाधिक विद्यानाधिक क्षेत्र विद्यानाधिक कृत्या क्षेत्र विद्यानाधिक विद्

0145

खात उटको मुगी

আৰু নি ভ্ৰম্প হ'ব দে সহ অব লাক চৰ্ত্তৰ লাক বাং — । প্ৰেছি। পিছা শিলুল গানা লোক ক'ছে, সংস্থাত চাই বাং। ইম্মিটিয়া সহ সহ লোভ হক হ'ল ক'লত ভ্ৰাছ বাং মান আৰু ইটিয়া কাৰ্ছে। নিজা, প্ৰহ্ম নিজি, ধৰা ত'লতু ল'ল ভা কাৰ্ডৰ নুগ

মন্ত হল নাড্যে উচিত সংস্কৃতি নিশ্লেমীবন্দা, সন্তি উত্তি ন

ছাই ভন প্রভারই প্রাত কাংল গাংতোনান কবিয়া সাবত হুইয়া এই ক্যা বলিছেন গো, 'প্রভাগের ভয় তউক' দাবে আদানার পাকে যুক্ত কবিবর সাপধা কবিয়া। ছিলেন বলিয়া, আপনার ভয়াই যুক্ত কবিশ্যন গে ৬।

भग्नु भर्षात विर्मयक ६ (२४वर आश्रम) व ,७,०३। इ । य द अग्रास सामग्रम कविश्रा द्वे वद, द सर्ग- -> अ

'ক্রিয়গন ! আপন দেব অগ্নিমান্য ছক এই বিশাল খার উলচ টিড ছইয়াছে। সূত্র আপনারা এই পালে ইন্ট্শোকে ও ব্যালেকে গ্যন ক্রেন্ডান

প্রচৌন ও অভিশ্রটীনগণের নিনিষ্ট এইতাই আপনাদের চিব্যন প্র মুক্তরা আপ্নার মুক্তে সন্দেশ্সচিত্র আছেগ্রিটি কক্র ১৯৮

নাভাগ, ম্যাতি, মালাতা, নাচ্ছ ও নুগৱাজ জীবনের সমস্প্রায়েজন নিম্পন হউলে, এইজপ কার্য, হারাই উত্য কান হাতে করিয়াছিলেন ৮১০৮ ত্বমান মহীপোলা ইংলো ভবত্যভাগ।

নিশা ক্ষানি হৈনি পোলাইছে ব্যোভনীম ॥১২॥

মাজু সভাইন ক্ষায় সামান্য মহাক্রিল।

মাজু সভাইন ক্ষায় সামান্য মহাক্রিল। ॥২৩॥

ত্যেলকে প্রাক্রিলার, কিলো দশা॥১৯॥

ক্ষানি সাহার শালাক্রিলার, দিশো দশা॥১৯॥

ক্ষানি সাহার শালাক্রিলার, বিশোদশাভিতির ॥১৫॥

ক্ষানি সাহার ক্ষানিক্রিলার ক্ষিতির।

ক্ষানিক্রিলারকার ক্ষানিক্রিলার মহানিক্রিলার ॥১৫॥

ক্ষানিক্রিলারকার ক্ষানিক্রিলার মহানিক্রিলার

क्षांत्रहाको मृती

কাষ্ট্র প্র প্র প্র প্র বিশ্বর নাম্মের আব্রিভিড ক্ষিক/নি বৈলানি এ১২৫

সাজনি অনুধার সংগ্রিক বি নিজন প্রের প্রায়ণ এব অভিনয়ন

গতে নাজেলা আন্নান্য সূচা হল, ভাত স্থা নতে, কিন্তু ক্তিয়া কোত্যম অংশৰ আন তি ন্য মুদ্ধা লাভ ক্রেন, ভাতেই উচোৰ স্নাভ্য বৃশ্বী ১১৪

ভিন্ন্ত্ৰ প্ৰায় কেন্দ্ৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ আপন উত্ন ব্ৰহ্মিয়া আপন অপন ,সজ ,ক ব্ৰক্তিংগ থাক্য নিৰ্ভিত্ত ক্ৰেন্ত, ১৪

মধ্রাজ। ৮ গ, অমাতা ও বদ্রপের সহিত সেই স্থান-দন কর্ণকে মুক্তে অসুভাগি করাইলেন ১৯০০

ভিত্যৰ পৰি আপানৰ পুৰৰত ভিত্য সন্ধ পাজীয় ৰাজ্যৰ। কাৰ্তি ভোগাৰ কাৰ্মি সাহিত্য সংখ্য দিক নিন্দিত ক'বি নুধিস ভাইংলান চেপ্ৰা

রাজা। তাপার কেবজর, গরাক, সভা, হস্তী, আহ, প্রতি এবং রুপদারা সেই সৈয়ে গোড় পাইবুর ল গিল ৪১৭৪

८६६ी, भगव ७ छन्त्र कत सर्व এ१ उ०६० क्रिय भरक भृषियी नाम्यु इडेझ ॥ ७॥ (७०,---ग्रेपन्थ्याविक्रिः—ना च ना नि । काक्षभावनत्त्रगृदेशः कार्यु देवन्त स्वात्रशाः।

काक्षभाभा वावाक्षत्र माध्यः अवंडा देव ॥ ५९॥

गोत्तम स्वतः कीवाः अक्षत्राद्यः दक्ष्मगृद्धः॥ ।

विस्तानि गुम्बान्यद्धाः कृक्षत्रमृद्धः॥ ५५॥

दम् देवीया स्वत्रवान्य वाक्ष्मामा क्वर्त्वतः।

वर्तत्त्र मधाद्यम् वाक्ष्माः आक्षत्रकः ८७॥ ५०॥

म द्रु द्धावाममः निवाः भवितः सर्वत्रक्षतिः।

धर्मो सारक्षत्रक्षम् वाक्षाद्धः अवत्रक्षक्षिः।

भवत्वर्त्वत्रीकामाः सर्वमामधाः विकाः।

भवत्वर्त्वत्रीकामाः सर्वमामधाः विकाः।

वर्षान्यस्य वर्षाः सर्वत्रमामधाः विकाः।

वर्षान्यस्य वर्षाः सर्वत्रमामधाः विकाः।

कात्रजरको यूमी

च कार्याह । काक्रमण्यकाकत्वक च्यूकामण्य मधिन देशः नावद हेन । १० खारमर्गात । जारम्य क तत्वकार्यम, चम डावा धर्मप्रयाणि सक्त्रिष्टु वि यद्य . कम १५४० घ हे डि.। नाथ्यमण्य के प्रक्त, मारम्यम्यक्तिकर्याकि प्रशासनम् । . २६ भ हे डि. द्यान मान . ना नाम्यक्तिय । सामार्यन नामार्थाणाम १२०० भूरम्थि । प्रका प्राप्त वक्षतम् मन् १२४०

ভারতভাবদীপ:

কেছেকপাশ্রহান স্বীকার ১২ — ২০ ব্রুপিরে শক্ত কুত্রস্থা ৪৪ — ২০। প্রেথনিধনম্ স্থান শক্ষেণ মর্থ্য ১২ — ১৭। তারে কাজভূমেন ১২৮— ১২। ব্যোকাসনা তার্জা, ১২০— ২৭।

মহারথগণ অব্নয় জাকন, কেণ্ব ও সমুদ্ধার। উজ্লেশ হটয়। অগ্নিসম্থিত প্রতিত্ব আয়ু শোভা পাইতে লাগিলেন ১৭॥

ভীম, প্রায় কৌরব্সনার সংখ্যভাগে অবস্থান করিছে থাকিলেন ॥১৮॥

ভরতে শ্রেষ্ট রাজা। আপনার পকে যে সকল মহাধর্মের রাজা ছিলেন, ভাহার। লীমের আদেশ অনুসারে চলিতে লাগিলেন ॥১১॥

গোৰাসন্দেশীয় শৈৰাৰছো অভাক ৰাজাদের সহিত মিলিত তইয়া প্তকা শালী সাঞ্যোগ্য বৃহৎ স্কুটিত আধ্যাহণ কবিয়া যাইতে থাকিলেন ॥>৽॥

গুদ্ধের প্রতি গছবান্ পদ্ধের্ অধ্যাসা সকল সৈক্ষের অংগ্র থাকিয়া সিংহ-লাফেলযুক্তগ্রহণালী রগে গমন করিছে লাগিলেন ।২১৪

(১৮)--- इक्टम्पति—वा व ता दि ।



ভালনাম্থনির সাল্যার প্রতিবাহা বিবিশ্ব তিং।

নামে ভূবি শবালৈচন বিশেব তি মহারথই এই ই।

এতে সপ্ত মার্ক্সালা সেলাপু রপুরোগমাই।

কান্যার্ক্সালা সেলাপু রপুরোগমাই।

কান্যানির ব্যালালা শিক্ষালালা প্রেরণালাই।

কান্যানির ব্যালালাই লোভনালা বিশেষ হিছা।

কান্যানির কাল্যালার জিলা।

কে ভূলাকার্ক্যালা সাল্যালার সাল্যালার এই।

কান্যানির কাল্যানির কাল্যালার সাল্যালার এই।

কাল্যানির কাল্যানির কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যালার কাল্যানির কাল্যালার কাল্যাল

ভারতকোম্দী

स्तर्भितः इत्तर्भ इति क्षेष्ठ व्यवस्त । स्वयोग्न त्रीय १२२—२२१ १ रण वर्षि प्रत्याप्त स्तर्भ त्र वर्ष स्वयः प्रविधान । स्वयः प्रवेशिक प्रविधान । स्वयः प्रवेशिक प्रविधान । स्वयः प्रवेशिक प्रवेशिक प्रवेशिक । स्वयः प्रवेशिक प्रवेशिक । स्वयः प्रवेशिक प्रवेशिक । स्वयः प्रवेशिक प्रवेशिक । स्वयः । स्वयः प्रवेशिक । स्वयः । स्वयः

সংক্রন স্বাচ্চলসন্পুর মত, বিবিশ্বিশ্লি, শলা, ভরিশ্রণ ও বিকর্ণ এই সংক্রন স্বাধ্যন বী মহাগল্ভর মহাবধ অভ্যামাকে অগ্রহণী করিয়া রূপে আব্রাহনপুরাক ভাগার হার্লানী ইইংলম ৪১২—১৫৪

ঠাতাদেরও অত্যাত, উদ্দেশ ও কণময় ধংগত। ল রণভলিকে শোলিত করিয়া দীপ্তি পাইতে লাগিল ॥২৪॥

আচ য শেষ দেবের ধর্জ ধরু, বর্ণন্মী বেদী এবং কমওলুর চিছু ছিল ধ্য

মুখ্যোধন একটা হতার উপরে আবেছেবপুসাক বত সহত্র সৈতা আক্ষণ কবিয়া লাইয় চলিলেন; সেই হক্ষীর উপরে বিশাল একটা মণিময় ধর্ম ছিলা।১৬ঃ

তাহার সংখ্যে পেশ্বর্গাড়, কলিছিরাড়, ক্যোজরাড় সুদ্ধিণ, কেন্ধ্য, ও শলা রূপে আবোহণ ক্রিয় অবস্থান ক্রিয়ে লাগিলেন ॥১৭॥

(২৬) তক্ত পৌধ্ৰকালিখকংকেছো; সভ্ৰতিৰণ নৰা বৃত্ত নি

ভালনের মহাটেও কেন্তুর রুম্প্রতির চা প্রকারের সেনারণ মাসেকতা রুপো মনো ॥২০॥ ভালস্থতির দুপুণ রুপের চামন্মিনা। নারদান্ত্রপ্রধাণ পাচানাণ স্তমহন্তর ॥২০॥ মনীকপ্রস্থানি বিস্তন্ বর্ণতের মহাল্পা। উত্তর কেন্তুলানার জাতের জনাদ্রীর ॥২০॥ শতে রুপ্রস্থানার কালেন্স্রানি বর্ণাহার। অকৌ নামস্থানি স্থানির্গানি বর্ণাহার। তথ্য ক্রিপতির, রাজে পালিত্র লাজিনীমুগ্রা। মনস্থানামান্ত্রানি স্থানাম্যতের চা। প্রিয় স্বীকলিক্সানাণ মুগো ক্র্মণা স্থান্ত্রা।

ভারতকৌ মূলী

सामादिक्षित प्रशासन दृष्ट हैक , त्युक्त । क्षाप्त प्रशासन प्रष्ट , राज्य । क्षाप्त प्रशासन प्

কুপাচাখ্য মধ্যসেনা কাইয়া মহামূল্য বাধে গমন ক'বছে থাকিলোন , উচ্চার কাজে একট কুষের চিতু ছিল ১০৮১

শ্বংকালের মেধের হাম সেই প্রধাননীয় বিশ্ব স্থান পুরে কর্ব ব্য় ক্রিছেন, কিন্তু ভ্যান মনস্বী কুপ চাধ্য ব্যাং ক্রিছেল গ্রেন ৪০৯৮

মহামশা জন্মত আপন দৈকেব সক্ষেত্ৰ কৰা বৰ হলাভিত বজৰ্ম্য ইং কুঠ ধ্ৰজ্বাৰা লোভা প্ৰেত্ত থাকিলেন ৮০০০

ঠাহার অধীনে একলফ বহী, অন্তসহস্ত হকী এব ষ্টিসহস্ত অধ্যাধাচা ছিল ১৩১৪

সিন্ধাত জয়স্থ সেই সৈত্যের সংস্থারার হলঃ কবিজে সাধিকেন, তথ্য আসাধ্যার্থ, হতী ও অধ্যুক্ত সেই বিশাল সৈকি শোভ পাইছে থ কিলি একংএ

(৩**০) সনীক্**প্রমূপে ডালিন্---শি।



उन्न भवे उनकामा वार्षावन्त महागकाः।

यन्न व्याप्ताः भन्न विश्व व्याप्ताः ।

अन्न विश्व वि

ভারতকৌম্দী

ভ কারি। সাধ্যম ধার্থার হয় গৈ বুচনপুলিক ক্ষেপ্ত প্রস্তুতির ক্ষেপ্ত প্রস্তুতির ক্ষেপ্ত প্রস্তুতির ক্ষেপ্ত প্রস্তুতির ক্ষেপ্ত ক্ষেপ্ত প্রস্তুতির ক্ষেপ্ত ক্ষেপ

ভারতভাবদীপঃ

অল্ল মন কণপূৰ্বে বৃহক্তির ১৯৮—১৯। বৃহক্ত কেতুর্থ নেতি প্রয়ো ১৯৮—১৬। নিক্ষেত্রপূর্বিধ্যারণ ৬৮।

ইনি নাম্পটা নিশক্ষী হ ভার্যভাবনাপে সপন্ধ করা। হণঃ
কালেজবাজ, কে মুমানের সহিত নিশিত হইয় যাই হাজার র্থী ও দশ হাজার হাজা লাইয়া গ্রন কবিডে কাপিলেন ছংগ্র

তখন কামান, তোমের, চুনীর ও পাডাকেগছার। আনুশানিত ভাতার পাইতপ্রমাণ মহাত্রী সকল শোহা পাইতে লাভিল্যাংখ্য

ক্লিস্বাভ নিজেও, সংগ্ৰেণ উভন ধংক, খোভৰণ ভ্ৰ, কঠালভাৰ ওড়ামের-ভাব লোভা পাউড়ে থা কিলেন #২৫#

বাজা। কেতুনানও, বিভিন্ন নেন্ত হংগ্ৰহ্জ চভাতে আবোহন করিয়া মেম্ভিড সুংঘার আয়ে শ্রেকাশ পাইডে লাগিলেন ॥১৬০

তেকে দীপাুমান ভগদত্যাকা ইত্য হক্তাতে আধোচণ কবিয়া, ঐরাষ্ডান্ত ইপের সায় গমন করিতে থাকিলেন ১০৭ঃ

ভগদভের ভুলা মহাবীর অবস্থিদেশীয় বিন্দু ও অধুবিন্দ হাজিদ্ধে আরে হণ করিয়া কেতুমানের পিছনে চলিলেন ।৬৮৫ স রগানীকবান্ বৃংকো হস্তাকো নৃপৰীর্যান্।
বাজিপক্ষঃ প্ত হা যাঃ প্রহলন্ সর্বভোষ্ণঃ ॥৯৯॥
স্থেন বিভিত্তা রাজন্ । রাজ্ঞা শাস্তন্ত্রন চ।
ভবেশাচার্যাপুর রগ বাহলাকেন ক্পেণ চ ॥৮০॥ (মুখাকম্)
ইতি জীলহাজারতে শভদাহজ্যাং সংভিত্যাং বৈয়াসিকাং ভীলেপক্ষি
ভগবদ্যীভোশ্বণি সৈত্যবর্ণনে সপ্রদশহিষ্যায়ঃ ॥০॥

ञ्छोनस्था२धागः।

সভন্ন উবাচ ৷

ভাৱে মুহু ঠাত মুল: শাকো জন্মকল্পন:।
আহ্রণত মহারজে! ধোনানাগ প্রমুখ্যতাম্ ॥১॥
শাম জুকুভিযোধিশন বার্থানাঞ্জ ইণ্ডিটিঃ।
ধোনিয়েলাবৈ র্থানাঞ্জীব ব্রুজরা ৪২॥

छ। इष्टरो पृती

প্ৰিক্ৰণত, তাৰ্তা বৰ্তি সাইবি। প্ৰতিক্ৰান্তি আৰু হাজ প্ৰাণালনিন কেই জনা ইবি মূল মাহেব্যালয়ে শিক্তিবিলাসসিকাশ্বটোলভট্ডাত বিৰ্ভিত্যত মহেব্যালীকান ব মাৰ্বকৌনুনাসমাসনায়ত ভীম্পকাৰি ভৱাৰণতী হালকাৰি সম্পাশ্যন যা কৰ

----(::)-----

তত ইংক মুদ্ধনি লাহক লাম প্ৰস্থ তালুগুম্পতা প্ৰকাশন গোক নিয়ে সাম হ.ব লংখ্যি যে বাৰ্থনোৰ ততিনামু, বু তিইতকানি ভি । নেমিৰে তৈক জন্মা স্থাইকা বেং

র্থা। স্থান, ও্যোধন, ভীম, অধ্বানা, বাহনক ও রূপ সেই বৃহর্ণা প্রীটাকে নিশাবে কবিয়াছিলেন , র্থিসৈক্ষুক্ত সেই বৃহপ্রীর অভ ভিল হস্তিগণ, রাজারা ছিলেন—মন্তক এবং অধ্যান ছিল —প্র , একেন স্বার্থা সেই ভীষ্ণ বৃহ্ণাকী সহাভামুখে চলিতে লাগিলা ॥১৯—৪॥

সঞ্ম বলিলেন—'মহারাছ! ওদনস্ত কিছু কলে প্রেই জংকপ্রারী মুছালী খেছে মণের ভূম্ল কোলাহল ভন্য থাইতে লাগিল ॥১৫

(৩৯)⊹ পদাস্থ্যবাং⋯শি।

হব নাণ হসং দান গ বাবেনালৈ ব পর্জ বান্ ।
কার্থনৈৰ নহলে ভূমি ক্রেনাল বিহেন্ত ভল ॥ গা
গালে লৈ বৰ সুন্ধাল লৈ ক্রেনাল বহৈন্ত চল ॥ গা
গালে লৈ বৰ সুন্ধাল লৈ ক্রেনাল বহুলি চাঃ ।
মানকাল লা গোলালৈ ক্রেনাল ক্রিনাল ॥ চাঃ
ভার নাণ লা ক্রেনাল ক্রেনাল নাবালিল । ।
কারেনালে লিলে বজুলালি ইব পাবভালে ॥ চাঃ
কারেনালে লাকে ভ্রেনাল কর্নালিল ভালাল ।
মানকালে লাকে ভ্রেনাল কর্নালিল ভালাল ।
মানকালে লাকে ভ্রেনাল ক্রেনাল নাবালিল ।
মানকালে লাকে ভ্রেনাল ক্রেনাল নাবালিল ।
মানকালে লাকে ভ্রেনাল ক্রেনাল নাবালিল ।
মানকালে লাকে ভ্রেনাল ক্রেনাল কর্নালিল লা
কারেনালে বলালিল ভ্রানাল ক্রিনাল লা
কারেনালে গ্রেনালিল ভ্রানাল ক্রিনাল লা
কারেনালে গ্রেনালিল ভ্রানাল ক্রিনাল লা
কারেনালে গ্রেনালিল ভ্রানাল ক্রিনাল হিব ॥ চাঃ
সানকালে সামানকালে ভ্রানাল ক্রিনাল হিব ॥ চাঃ

छाउए को मुनो

চন কৈ চন ১ ল ১ ল ১ জন ১ জন ১ জন ১ জন ১ জন হয়। নাভ প্রনম্ ৩৫ প্রাণামিতি । প্রশেষণ সমাধ্যে সংস্কৃত্য ৩৩৫

The state of the s

শাল ও ওল্পর শাক্ষাক, জাকুগ্রাব বুলি স্থান করে এবা র্থচ্ছ্রেলর নিন্দ্র পুলিবা ক্ষাবিদ্ধ ইউবার থাকিল ৮০৫

्रमा ,इस नवकादी काद्यवर्गद এद ४ कनकादी रशक्षात्रस्य **व्याकान्** ए भूगेनी क्षमकास्पर्भाडे स्थित्वृत इडेग्रंग दल प्रमा

তুল্য ন্ত্রার (আপ্রের পূর্ণার ও পাওলগ্রের সৈ্মুর্ব পর্সপর্ সংখ্যার্থর সময়ে কম্পিত ইউলোক বিলাগ্র

উমন ত জ্পান ও বছসাতে স্বভ্সার ইত্রা করে। করি সময়ের কু'র নিট্রানের ইউল্ভূত ক্লাভ ।

নারনাথ ৷ আপ্নার পুর্বাধের স্বির্গায়য়ক নানাবিধ ধ্রক সকল, প্রাঞ্জিত অগ্নির কাম কোভা প উত্তেজাগিল ৮০০

স্বতন্ত্র । ইতাচ্ধন্দ্র ওব ইতাধ্যাস্থ্রের আয় স্টেস্কের ও বিপাস্ক্রেয়ার ২০ছ গুলি দেশ মাইতে লংগিল ১০ছ

্ত বংকন প্ৰিচাদন বাব বানি। দান্ধ্য অনুনাৰসম্ভানা— বাব বানি।

वाकी निर्मी स्थापः।

क्कर्यानवर दाक्रन्। विशिद्यागृधकान्त्र कीर।

केणरे न्याग्रिधिकरे अस्तरकार भड़ाकिनाः ॥२॥ (यूप्रक्रम्)

क्षण्डाका प्रत्यकार्यानकपृद्धध्यः । स्कृति।

कृष्ठियाला स्व ड.सस्य शृङ्ख्य स्वाधिक्षः ॥३०॥

कृष्ण, मर्च स्विम्र्ड, स्वाध्यक्ष्यक, स्वाध्यक्ष्यः ॥

विविद्यानिक्षित्र स्वर्याः विस्तृत्व स्वर्याः ।

स्वाधिक स्वर्याः व्याध्यक्षयाः स्वर्याः ।

स्वाधिक स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः ।

कृष्ण विद्यान्यः स्वर्याः स्वर्याः ।

कृष्ण विद्यान्यः स्वर्याः स्वर्याः ।

कृष्ण स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः ।

स्वर्याः देव द्वाः स्वर्याः स्वर्याः ।

स्वर्याः देव द्वाः स्वर्याः स्वर्याः ।

स्वर्याः स्वर्याः स्वर्यः स्वर्यः ।

स्वर्यः स्वर्यः ।

स्वर्यः स्वर्यः ।

स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः ।

ভারতকোমুদী

স্থাক্টনবিছি অনুন্ধসম্পূতি, অনুস্থাসন্ত্ৰিছিত, বছক আধুসংস্থান বছ সূত্ৰ তলা ভাগোৰতবিদা বৈশ্যে, অঞ্জিত দিবং সক্তিশাত ৮ এ।

ক্ষর্মতি। অস্তাক বৃহন্তন , অহাবাদ অসংক্ষা হত্ত ইতি বিভাগতাৰ বিশেষণম্, তেখে কৃষ্ণ । একাম্ভাগ হিন্দ বনাজ পুল বাল মতু ১৮৮—১-।

অভাতি, অভাষাতে, নাম দেশবিশেশকরে এক অভাষাতা, ওবংস্থানি শাঘা, শাহর জাগান মংক্র স্থাবার বৈজ্ঞা ক্রিকিট্র দুলা বিক্রাণানাম

বাজা। অধ্য ও স্থোবে কায় উজ্জ্জ অৰ্কৰতে অব্ভেদত ৰার্থকক উজ্জ্জ প্রত্যানে কায়ে দেখা মাউতে গ্রিক এব বিভিত্র অধ্য ধন্ন, জাখিতে-বাবন, প্রাকা ও উল্লেখিত বিভিত্রাস্থ্যারী কোরব্যোজ্পন নিষ্ঠিয়াটর ভইতে শাগিকেন ॥৮--->।

নৱনাথ ব্যান্নয়ন ও মহাধয়ওব ত্নামন, ত্বিক, ত্যুখ, তামত, বিবিশেভি, চিত্রমেন ও মহাবথ বিকর্ণ, আপনার এই কয় জন পুত্ এব সভাবত, পুক্মিত্র, জয়, ভূবিভালা ও শল এই কয় জন বীৰ, আব ইলাদেব অমুপামী বিশেভি সহস্থ বুণি, ইলালা নিখের স্প্রক্ষ হইয়া সৈকের সন্ধ্রে থাকিয়া শোড়া পাইতে লাগিলেন 1> •—>২।

कामीगाइ, भृतरमन, निवि, यमाडि, भाषाविक्रड भरक, अपन, दिशवं, क्ष्यम, भृत्रभोतीत, भृत्रंतमम, अन्तिस्तम এव, উত্তরদেশ এই ছাদশদেশবাসী সমস্ত



অনিক দশস্থে দ্ব কুলার পে তর্বিনান।

মাণাধা মত্র নৃপতি উপধানক মহাশাং ॥১৫॥

রথানা চক্রকাশ্চ পাদরকাশ্চ দল্ডিনান্।

অভবন্ বাহিনীমধ্যে শতানাম্মুলানি ষট্॥১৬॥
পাদালাশ্চালেটোলফেন্ ধ্যুশ্চকাসিপাণাল।

অনিকশ্লসাহত্র, নথবপ্রাশ্নেলিনঃ ॥১৭॥

হাকেছিণো দলৈকা হত্ব পুত্রভাভারতা।

অনুষ্ঠ হ্যালিকা । প্রেক হ্যুনালুর, ॥১৮॥

ই ত টি মহাভারতে শতসংহত্রাণ সংকিদায়াণ বৈষাসিক্যাণ ভীত্মপ্রাণি ভগবন্ধী তাপ্রাধি সৈক্ষণনৈ অন্টাদশোহস্কায়েঃ ॥০॥

ভারঙকৌ খুদী

ম্বাক্ষ্য পূট্পণ্দ চংশ লোকঃ তিও সংঘদক্তত, পোহত ১০ বহানাং বাংশান সমূহেন ৩১৩—১৩৩

অন্তিনি নি তি বিধান কৰিব সামুহ সাহ বিধান কৈ, নুপাছিল দৈৱনায়কঃ ১৯৪১ বিন্নান বা তাল নি নুক্তি সাই ক্ষিতিক তাহাকী ১৯৮৪ পাল কাহীতি চান্ত্ৰিক প্ৰতিক সুধান কৈছি চুকাৰ

প্রেণারিকা ইতি । শুন ক্ষার মধ্যে মত সং, কৈলানা ব্যলস্থার ক্ষিণার্থ। ক্ষানাক্ষীরপ্রকাশ-শিক্তাশিকা ৪১৮৪

ইতি মহান্ত পালাম শিক্তিলালসিকাজন ইপে মইন্চালাবিক্তি হাছাং মহাভাব সহীকার্থ ভাবত হতে নুল স্থাস তথা ভীক্ষণক্ষি ভলবসাই সালবানি অইনের্প্রায় ১৮৯

ভারতভাবদীল:

ার ইতি ।১ -১০ শাংকিমেম্মানি হট সট্শাহারুম্প্রাংনি, ষ্টেল্কালারি মার্ম ৪১৬—১৮র

ইনি ভীত্নকানি নৈলকটাত ভাৰমভাৰ্যাল অইমেশোহগাত ।.৮। বীর মেহতাগে উচাত হট্য। বিশালে ব্যাসমূহত্ব হা ভীতাকে ব্যাস করিছে আক্লেন ॥১০—১৪॥

নশ্দহত্ত বলবান্ ছতিকৈতা এবং যে ব্যিকৈতো মগধরাজ নায়ক ছিলেন, সেই র্থিকৈতাও ওঁমের অভাগমন কবিতে লাগিলে।১৫॥

সৈভামশো রখসমূহের চক্রকাক এবং হতিসমূহের পাদরভাক কোক ষাট লক্ষ্টল ১৯৯

আর ধরু, চর্প ও অসিধারী এক নাখ ও কুকুদারা মুদ্দকারী কর্লক প্রাতি সৈরা অগ্রে অগ্রেচ লিলা ১১%

n w f

উনবিংশোহধ্যায়ঃ।

3#3

ধৃতরাষ্ট্র উবাচ।

व्यक्तिविशे भरेनकाक वृत्ताः मृख्ये। युविष्ठितः । कथमरक्षम रेग्रत्सम क्षाठत्वृत्त्व भ ५वः । ॥ राग्रत्सम मासुभः वृत्त्वः रेनवः शक्षित्रसास्त्रम । कथः श्रीक्षः म रकोरस्यः श्रक्षकृत्व म् भक्षम । ॥ ॥

मक्षय है वाह ।

ধাইবাইবানিকিনি দৃশ্বী বৃতিনি পাত্ৰ। । আনাম্যিত স্থায়ে স্থাৰ জেন্ত্ৰন্থ্য । আ মহাইব্চনাতাৰ ত্ৰহন্তি স্কুল্বিক সংহত বৃত্যাৰ্থন ব্ৰুমণ বিজ্ঞাব্যাহ্য । সা

कात्रकात्रकोत्रको

শুভরাষ্ট্র বলিকোন — পোড়নকন মুখিছির অংনাদের এগার অংকাভিনী সৈকাকে বুভেভাবে স্থিকেশিত দেখিয় জন্ত সৈদ্ধারা কিকপ বৃহত কবিয়া ভিলেন গ্যাম

সভ্য । যিনি মতুব, দৈব, গাভাব ও আ ওয় বৃত্ত লানেন, সেই ভীমের সংখ্যে মৃথিটির কিকপ বৃহে কবিয়াছিলেন গাঁচাঃ

সভায় কহিলেন 'মহাবাজ। ধ্যাতি ধ্যাতি যুদ্ধিৰ আপনার দৈয়ে-গপ্তে বৃহস্তাৰে সন্ধিৰেশিত দেখিয় অক্সকে বলিলেন দগ

'বংসা ধিতুরেদের অধ্যাপকের। মহবি বৃহস্পতির বচন মনুসারে বলিয়া থাকেন যে, অল্লেফ্ডে সন্দিলিত রাবিয়া যুদ্ধ করাইবে, আর বহু সৈলকে ইচ্ছাফুসারে বিভূত কবিবে ॥৭॥ मुद्धिक्या वर हिन्दा महा ।

ब्रिक्ट कर हिन्दा महा है र स्वर्ण करेंद्र ॥१॥

इन्हें क्या कर प्रदार्थन (क क्षित्र ।

इन्हें क्या कर्म कर क्ष्म हिन्दा कर कर्म है ।

इन्हें क्या कर्म कर क्षम है क्या कर कर्म है ।

इन्हें क्या कर्म कर क्षम है कि कर क्षम कि ।

कर रहें क्या कर कर्म दिकित क्षम कर कर कर ।

कर रहें क्या कर क्या है कि कर क्षम कर ।

कर कर्म है कि कर क्षम है के क्षम कर कर ।

कर कर्म है कि कर क्षम है के क्षम कर कर ।

इन्हें कर कर्म है के क्षम कर कर कर कर कर ।

कर कर्म है कि कर क्षम है के क्षम कर ।

इन्हें कर कर कर कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर ।

इन्हें कर कर कर कर ।

इन्हें कर ।

इन्हें कर कर कर ।

इन्हें कर ।

इन्हें कर कर ।

इन्हें कर कर ।

इन्हें कर ।

इ

काशकरको पूजी

ত । ত ইংকু পুন বংগ্রেম্বিশ্রে দেশা দিশান দুন বেল হুন্ত ব ব্যাহিক সাহার্থ করে আহ্ন বন হুল্ল ব বাহ নিজে বিশ্বাহ নাম স্কুল্ল কে সানুদ্ধন নাম নিজ্যার্থ । গাঃ মুক্তি ব হ দ্বাহার করে প্র মধ্য নুষ্ঠিন বিশ্বাহর বলা বুল্ল করে নাম স্বাহার আহ্নার্থ । বাহার বিশ্বাহর বলা বুল্ল করে নাম স্বাহার আহ্নার্থ । বাহার বিশ্বাহর বলা

ত্ৰ বহু শৈশের সার্থ আছে সৈণের বৃদ্ধ করিছে হুটলে, ভাছাদের স্থানুষ বৃহত হুট্রে । একিক বিশক্তিক অপেকং অংশদের সৈতা আৰু মুখ্য এই।

অভ্যাৰ আন্না চুন, নহৰি পৃথকপতিৰ এই বছন আৰণ কৰিয়া বৃহে ইচনাকৰ' এই কৰ ভূনিয় সক্ষ্যুদিনীবকৈ বলিকেন চলা

'বাজ্যন্দ। সভ উন্ধান বাজের আবিষ্কার কবিয়াজিলেন এব যাহার নাম 'অঙল' দ 'বছ টে অ'নি আপনার পাকে ,সই চুকুম বাছ র্চনা করিতেছি॥৭॥

সেই যিনি প্রল ব.েব কাম উপক্ষিত চইয়া মুদ্ধে ৰাজগণের তঃসেই চইয় আহকন, সেই বীর্মেট ভামদেন কামানের সমুখে আকিয়া মুদ্ধ কবিবেন ⊪৮॥

পুক্ষভোচ, বীরগণের অর্থণা রব কৃষ্ণোগ্রিপুণ ভীমদেন আয়াদের সংখ্যে বভিষা শত্রীসংগ্র ডেজ নট কবিশত গাকিয় যুদ্ধ কবিদ্বন ১৯৪

्ष म्हण्य भवत् यस स्थान तर स्वान — लि । । दाव हेरताक हा लि (३०)--- निष्क्र क्षा सुनी हेव— लि ।

कावज्रस्भे भूमी

मिनिति निर्देश स्थापन श्री कार्या का

সিত দেখিয়া মুখ্ মুগসমূত যেমন মত ফু ভ'ৰ তইয় পৰা হন কৰে, সেই কাপ ছ্যোন্নপাভূতি কে বাবের সকলে ইংগকে দেখায়া মাধ্য হ'ব হাইয়া প্ৰায়েন ক্রিব, দেবত ব ্মনন দেববাছাকে আত্য কবেন, আনহা সকলেও তেমন প্রাচীবের আয়ে অবজ্ঞ বীর্থেট কেই ন্ন্নেন্ত আত্য ক্রিব ॥১০—১১॥

ভুগতে স্কুপ কোন লোক নাই, যে লোক ৮৯ছবকণ্য নবাশ্রস কুছা কান-সেনের প্রতি দৃষ্টিপাত কবিছে পাবে ১৯৮৪

ভীমদেন ব্লুসারতুলা দ্যু গলা দাতে করিয়া মর্ণালাগ বৈচন করিছে থাকিয়া সমূহকেও ভক করিতে পারেন ১৯০৮

রাজাণ তংকালে আপনি মহাবল ভাষ্যেলত দেখবেন নবনাথ। কেক্যুলণ, গুইকেটু এব বলবান চাক্ষান, ইহাব অম ভাব্যের সহিত নিলিড ইইয়া ধার্যসাষ্ট্রনাক ক্ষুদ্ধ করিছে থাকিয়া গন্ন ককনা। এই কবা অঞ্ন বলিলেন 858—508

(१६) अद्भ लुख्यरचाम अपवृत्तिमारङ्ग मृत्रा है।

এক্ট্রা হার বংশ্ কলা চল্লে প্রজন্ম ।

বৃংকা ও নি ব গলা শু প্রদান লাজন্ম লা ॥১৭॥

লাজ গোলান্ কুলন্ চৃষ্ট্রা সাংগ্রানাং মহাচম্য ।

গলের পুন, তি নিং স্প্রসমান বাচ্শা ভারতির ।

লাম্যেরে হারণা কয় গুলুজ্ব লাভ বিল্যাব,ন্ ।

লাম্যেরে হারণা কয় গুলুজ্ব পানিব: ॥১॥

বিব তাল্ড এবং প্রচাদ জালাকেই হলার হা ।

মাত লাল্ড প্রান্তির লাভ লাল্ড লা ।

মাত লাল্ড প্রান্তির মাতার লাল্ড লা ।

নাল্ড পুনাম সামান্তির মহাজ্ব লা ।

নাল্ড প্রান্তির সামান্তির মহাজ্ব লা ।

নাল্ড প্রান্তির সামান্তির সামান্তির সামান্তির লা ।

নাল্ড প্রান্তির সামান্তির সামান্তির সামান্তির সামান্তির লা ।

নাল্ড প্রান্তির সামান্তির সামান্ত

ভারতকৌমূদী

ভারত ভাবনীপঃ

ি কৰন ই ব বিশ্ব বিশ্ব বুল্বং কুকার—১৭। সল্লয়ানা কিঞ্ছিত

ভিত্তিদন্দ্ৰ আজন সাইকপা ব লাই ল ও লা, প দুলপাক যু স্কল বুস্কুই সামুক্স বাক, থাক মড় শালম আজ্যানিক পানা সা কিব্ছ ল গোলা ॥১৬॥

মহারাত জানন চক্তার লয়। মেই বাছ রচনা করিলেন এব ভিনি সহর বুলই রচনা করিয়ে শনন করিয়ে জালার্লন ৮,৭॥

ভাষন , নিশ , শলা—পাশুসগাণার (সভ মতাসেন। কে রব্ধাণকৈ আসিতে দেখিয়া পতিপুর্ব শলার ও.য় প্রথমে নিশ্চন থাকিয় পরে একট চলিতে শালিক (১৮)

তংকালে ভাষ্ট্রন সেই স্কের অগ্রাথ না ইইলেন, আর বলসান্ গৃইত্য়ে, মকুল, সহদেব, রাজ, রুইকের এব এক অকেবিবিদ্রো পরিবেটিত বির্টেরালা, ইহারো লাভা ও পুরগাবের সহিত মিলিত হুইয় নীম্মেনের পুট রুলা করিছে থাকিলেন। ১ — ২০০

ইন্য ক্রিপ নব বাব লি ১৯৪ নালাপুরহা হকেললী বুল

ভারতকোমুদী

মহাত্তেজা নকুল ও সহদেব এক আ চন্ত্ৰ সহিত , ৪ শালীর পাকা পুতা, ইহিয়ো বিল্যান্ ভীম্সেনের চঞ্চক্ত চইকেন। - .।

প্রালের জপুর মহারথ রুইর য়, সৈক্ষণ্যা বীব ও ব্যশ্সের প্রজনক্ষণ্যের স্থিতি নিলিতে ছইম, ভাষা নগকে বক্ত ক্রতি কাগিলেন ॥১.॥

ভাৰত আহি । প্ৰাজ্প কৰা শিষ্ঠী আজ্নক ঠুক বিক্তি এবং ঐ আবিনাশের ভাৰত মহবান্ত ইয়া গ্ৰন ক্রাত থ কিলেন ১২৩॥

মহানল সাভাকত অভ্নের পদায়ের হা করেন এব পাহারদেশীয় যুদামফুল ভেউর্মেড উভারচেফ্রফক ভাইলেন ॥২৭॥

কুলীনকান রাজা মুদিদির, জজন প্রেছের রাজা কিলাল ও নত হতিগাবের সহিত মধ্যম সৈত্তে চলিলেন ৮২৫।

ভাত্য পর মহামন, ও পরাজ্যকারে পঞালর ত জপন পাওবগণের জ্যা এক অক্ষেত্রিনী সৈত্তের সহিত বিভাগর ভার মনুগনন করিতে লাগেলেন ১১৬৮ সম্ব্যাস তত্ত্ব প্ৰচাক্ উদ্ধানে মহবেং !

বাতৃতি সহ পুট্ৰুন্চ সৈত ভাইজন্ম নিটাৰম্ ॥২৮॥

এটা না পাৰেসংক বংগৰ বিপ্লান্ কাজ ন্ ।

আভিছ্য ভানিটোকে, ৰাখে তাজে মহাকিপিঃ ॥২৯॥
পান, তাল্লা হৈছেল কাজিল জ্যান্তিপান্যঃ ।

অনেক্শাংসাহাল নিমাসনায় বিজ্ঞান্যঃ ।

শ্বা ক্ষান্ত বিভাগি মানা ইংচিলাঃ তাল।

কাজান্য কাজান মান, ভাগি প্ৰাণ কন্যঃ ।

বাজান্য বিজ্ঞান মান, ভাগি প্ৰাণ কন্যঃ ।

क्षात्रकाम्मी

88 কু^ছ রুবংপুর ন ল ইন্মন কলেলি স্থান লিছি ১৬ ক ৮ –২ ং বারণ হর্মন্ত স্বস্থান সমুদ্ধ সমুদ্ধ হয় সামুক লিছিক সংগ্রহণবিধি

রাজ । তার দেব বাব চন্দ্র সূথে। ব কারে ইন্দ্রের, ধণভূষণে ভূমিত এব মানাবিধ চিজ্ঞাক বিশাল ধর্জ সকল বিরাজ ক বাত লাগিল ১০৭ঃ

ভাচাৰ পৰ প্সিক্ষহাত'ৰ ও মহাবৰ সুধ্যায় আহু দাও পুৰুগণেৰ সহিত্ৰ মিলিভ হুইয় লোকসমহ ক স্পুস বিভ কৰিয়া যুগলিবিক ব্লোক্ষিত্ত খাকিকেন।২৮৪

মহারাজ। একশার নহাবানর হন্দান আপনার প্রের ও বিপ্লের রুখগুলির ধ্রজসমূহকে অভিসূতি কবিয়া অজ্যানর রূপে অবস্থা করিছে লাগিল ॥১৯॥

ভান্দেশনর বাজী বচলাক পদ। চাদৈরা অসি, পাস্তি ও কৃষ্টি ধারণ ক্রিয়। আগ্রে আগ্রে চলিকা ঃং ।

শোধানালী, প্রতপ্রাণ, মদমত ও প্রাসার নস্প্রেলৰ সহস্ত হারী, হার (২০, প্রারম হার ব নি (১১, মহাচ; প্রতির্না হার ব নি। होने दमरा अला॰ हो ग॰ श्रक्षम् अदिराधिमान् ।

क्षात्रके महादेशका॰ इदावर्ष, महामानाः ॥००॥

हमके मिन इराधिमाः इधावित आवक्षमः ।

मार्थिक महिराधिक अहिनी किन्नुमानिक ॥०॥॥

वर्ष मार्थम मान्द्रा मिन्नुमानिक ॥०॥॥

ग॰ शहिन्का (चारता ७८५। शहिन्द्रमा ॥०॥॥

ग॰ शहिन्का हिन्नुमान (चारक आहिन्द्रमा ॥०॥॥

मार्थिक हिन्नुमानिक आहिन्द्रमा ॥०॥॥

मार्थिक हिन्नुमानिक आहिन्द्रमानिक हः ॥०॥॥ (गृथाकम्)

मार्था॰ हिन्नुस्मानिक हिन्नुमानिक अहिन्नुमान्॥००॥

शावाद मध्यादिक वर्षुमित्र अविव्यादिक अविव्याद्यान्॥००।

ভঃরতকোমুগী

সাধ্যক্ষে বেশসুক্ত বি কি দত্র কুট্র কাল প্রাক্তির বিভাগ কুটি কুট্র কুটার ক্রিক ব্রাক্তির ক্রিক ক্রিক ক্রিক বি

ईप्रद्रित श्रीकार शिक्षणायू, अफ्रवर याक्रक प्रामेगण

क्षिणि के कीनामन्त्री सावक्ष्यीय १९६०

ষ্ম ইছি। সংগ্ৰহ সংগ্ৰাহ নিজ্ম মুগানি বৈধাৰক নি হল সা চাপ, আৰু চিচি শ্ৰুবিহুলেৰ মজিন সামুদ্ধা কাম হয় সা প্ৰাপ্ত বিভিন্ন সামুদ্ধন নি ভ্ৰাহিনী প্ৰাৰ্থি স্থান স্থান স্থানিক পাশ্ৰহাতিক জি আছি সম্ভাবিত নাম্

ফালে উপ্লেল চইয়া গওলেশ চইতে নদতল নি সাধণ কবিছে থাকিয়া, ওলপ্লানী পৰ্বেড ও বধাকালীন মেৰসমূহের স্থায় মুখিদিরের পশ্চাং পশ্চাং যাইতে কালিক ৪০১—০২।

ত্তাই ও মহমেন। ভীমসেন প্ৰিম্ভুলা একটা ভ্যাসৰ গল ধাৰণ কৰিয়া। মহাসৈক আক্ষণ কৰিয়া লইয়া চলিংশন হংগা

ভ্যান উভয়প্তেবঁট সেই সময় যোজা, স্থা ও প্রাছলিত অধিব ভাষ ছুম্মেকা সেট ভীম্সেন্কে নিক্টে দেখিতে সমর্থ হটল না ॥১১৪

মহারাজ। আপনাধ সৈকোর বিপক্ষে যে বৃহহ নিশান করিয়া পাওবের। আবস্থান করিছে লাগিলেন, উহার নাম 'বছবৃহহ'। আজুন উহাকে রক্ষা করিছেছিলেন, ভূতবা উহার কোন ভয় ছিল না, সকল দিকেই সৈণোর মুখ ছিল, উহার কাছে বিভাতের আয়ে অর্থহিত একখানা হয় ছিল এব পাত্র-বৃদ্ধিত ঐ বৃহহ মন্ত্রালোকে অভেয় ছিল ॥১১—১৬ঃ

(০৬, ডলফুমিৰ হাতিনীমুহ ব হানি ৷ ০৭ প্ৰবেশ পুলাও বালুনিবছন নি

বিষণ্বাংশত বিৰশনী 'চ. শলবণ নি '।
বলহেনচাকু তে মহত্য হা জ লং কাছে ॥ ৩০॥
প্ৰাত মহতী তিলা ও শ্ৰুমী দ্বত্য ।।
উল্লেখ সাহায়, হলা বংশী তে মহ কন ॥ ৩॥
আন সাহায় হলা বংশী তে মহ কন ॥ ৩॥
আন সাহায় হলা বৈশ্ব প্ৰত্য না হলা ।
কিশাৰ শ্ৰেষ্টালয় বৈশ্ব প্ৰত্য না হলা ।
বংশী হৈ সন্দে চ ভূকনা দ্ব ব্য তা ।
বিশ্ব বহুৰে ব জন্। দিলা স্বাহ্ন চ নান্।
প্ৰেষ্টালয় কালা বিশ্ব স্বাহ্ন চ নান্।

छात्रएटको भूशो

Topic a first the first property to a street that the state of the sta

Note that the second of the following of

May be the transfer to the second to the first

दाने रवीत ताले मा देश मिल र ठक्तार वण का अञ्चलाहस्य इस् इस्ट १७७६

সুধা, দিয়ক (কো নিশ্রার) সহল কালার লাগি (কো আকার্ণ সেঘান) আকিলেও নিঘ্যালন চর্ভিলা গলা এব ভুবার শাসুর সহভার বৃধ্ভিভ ভাইতে আকালিক ১৫৭॥

বাগু ভূমল কইছে কাকৰ আক্ষণ কবিয় লাইয়। সকল দিকু চইছে আবল-বেংগ চেলিছে লাংগাল, দলি উঠিল এক প্ৰেল আক্ৰাৰ কৰাং যা সুত্ৰ কবিল ॥৩৮॥

ভবত্যশ্রণ বিশাল গ্র। স্কল পুসন্ধ রহয়। পাড়ার লাগিল এব সেহালি উপ্যানন স্থানহালের উপ্রেই মন আন, ত কর্ম নহ,শ্রে বিশীর্ ইউট্ডেখাকিল ১০১১

ভব বংশট : সংখ্য মৃত্র জন্ম প্রত হঠলে, স্থ্য প্রতিহীন হইয়া উদয় পাইলেন এব নিগে বসহকাবে ভূমিকপপ হঠল ৪৭০৪

২০০, শকীৰক্ষিৰ পি (৪০) অহ সংগ্ৰহ আৰু নিশ্বেলাইছ জুটাঃ ১৪টাল হু পি প্ৰজ্ঞান সংস্থানাল সহল আৰ্থিকা।

কিজিলিজানিকানিক কাজনাক্থনাক্তিয়ালয়।

মাহত শ্পন্ত কাজনাক্তিয়ালয় কাজনাক্তিয়ালয়।

মাহত কালিকানু কালিকানিকালয় ক্ষিতিনাল (ব্যাক্ত্র্য কালিকার কাল

উঠি ই সহাভারতের শাদসালে দা, সে হিন্দান বৈশাসিকাশে ভারাপ্রবিদ ভগ্রস্থা হাজ্য আপ্রাধ্যকার হেবা হেন্দ্র তেনার সং⊞্॥৩

कातलाको प्रशो

সরক নানি প্রনান কৰা নান্ধ বিশ্বন করে। বহাক বংগাক বংগ

এপনি শ্বেষ্ট্রেষ্টি । সংগ্রেষ্টেম্ট্রেম্ট্রেষ্ট্রেষ্ট্রেষ্ট্রেম্ট্রেম্ট্রেম্ট্রেম্ট্রেম্ট্রেম্ট

যেদিনী হংহ— 'ছঃ প্ৰাণাং প্ৰতান'। স্বান্ধ, সাংকু বাং বাংগ আছেল আছেল আৰ্থানা হংল ৬২০ সাম নাই বা নাজ্যাকৈ বাংলান্ প্ৰস্থাইবৈতি লোজা ভানাসনালই বাংলাভ্যাই নিজস্ক মহ--কঃ।

केरि भेष्युमान्य व देवलको दृद्द का व र क्षावकोतल द्विचीत तर तथा ए ।

র্বত প্রায় রাজা। তথ্য শ্ব ক্রম ভূমল বিদ্ধু চটল, সকল দিকেই বিশ্বর নিমাত্শক জুনা ,গল এবা ডাব বলিজাল দি,ত চটল, ভাচাতে বিজুই জানা গোল না ॥৪১॥

উভিয়াপদ্ধেরট ধ্রেসমণ্ট কিছিলিকাল, সুবর্গনাল, ইত্যাবস্থা ও পাশকা বজা ভূলি এব সে ধ্রেস্থালি কথা কুকুণ্য উদ্দেশ ভিলা, হগাং বালু হং দিয়ে সেই ক্রেডিংক্রিকে কিলিপ্ড ক বিলো, ভালবনে, সমন কোন করা শকা হয়, , সেইরাপ 'বংগ ব্রেশ শকা হুইলা (১২ ৭ণা)

পুরুষ্টোর ও মুদ্ধানে দী , সই পাওবেরা আপনার পুরের (সংক্র প্রিপ্রে এইকপ বৃহে রচনা ক বিষা অবজান করিছে লাগিলেন ১৮৭৪

ভরত প্রের ৷ ভগন সমূপে ভীমসেনকে গল হতে অবভিড দেখিয়া কৃষণকীয়ে যোজ্পলের মহল৷ যেন কলিত হত্যা পড়িল' ৪৭৫৪

६४, अम्ब्रेन्यल एक , वर्ष् दादेश कि



বিংশোহধ্যায়ঃ।

शृहवाह्ये छेवाह ।

সংগোদির হল । বাসু গ্রাব্যাব্যার, জার্গার ইবাসন্ হার গাব বা নাম্বান হারী, পাংলবং ব, দীহন্ন নাজদানার্ ॥ হ হ্যা জ্যাতি হান্ত্রী সবাল ক্ষা সেনা গাপ্তাবিহ ব্যাবহ হয়।

সক্ষা উবাচ।

केर मार्थिक प्रवास का प्राप्त का निर्माण केर का का प्रवास । । किर मार्थिक प्रवास का स्वास की स्वास का का का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास का प्रवास

ভারতকোমুদী

--- (;;)----

নামানি নিয় নিশ্ন ক সাতি সভিত্তত কাল্যনার জালিছালেছে। এবং নীয়ানাম উপায়ালি জন উপায়নালে , সাক্তি কাল্যনালে ১৮ বুল নিনি জন্ত্ৰিক প্ৰায়ণ কাল্যনা বভাগ্যক্ষন ২৮

ভারত তারদীপঃ

শ্বন্ধ ন ম ন ব নিংক সকল ল নীম নত হে নাক পুৰক্ষা হয় প্ৰায়েশ। কুলি নতানিক লোক পুলাক বিবাহ লোক সংযোগ কাল্যক মানুলা আছিল সংস্থানক কুলু কি নাম নামক বিবাহ নাক বিবাহ কাল্যক কুলি কুলি কোলা

পুরেরার বলিলেন 'স্থয়' স্থোলির চইবে, তথন কাহারা প্রথম আনন্দিত হইস্টি যেন নেক্ষে যুহানী চইবংছিল । তীম্পরিচালিত আমার পুরেরাণ না নীম্পতিচালিত পংগ্রের । ৪.৪

চন্দ্ৰ, ক্ষা ও বাষ্ কাচানেৰ পাদিকুল চট্যাছিল ৷ তি পাছৰুগৰ কাচানের লৈকাগণেৰ পাচিচাছিল বৰ কৰিয়াছিল ৷ এব কোন প্ৰেছৰ মুৰকাশের মুখ্যন শ্ৰেম্ম ছিল ৷ এই সমস্থিত্য তুমি স্থান্ধভাৱে বলা »১৪

(व कुना डेन्टान्य ह वे सर १५ कि



अधिकरको भूगो

জীবিভাই বি । সংপার্থানি কর । বাব বি এ দ সাম বি অনুগ্র হা জীবিভাই বি । সংপার্থানি ভাইব সিভি বি জিনিল কিলাল সকল কর হার শাংশালিতি তাল ভাজ সালিব তাল বিত্তার সালিক কর হার এই "তুর্বার্থানালিবী পার বিহিলার্থ্য হার বিলালি সালিক কর বি এই বি এই বি এই বি এই বি এই বি ইন্ধার্থানালিবী পার বিহিলার্থ্য হার বিভাগনের সালিক কর বি এই বি এই বি এই বি হার্থায়ে বিশিক্ষালো পাল্ড জ্বিন্ত্রার্থার সুত্তার লা এ জিলালে কর বিবলি বিবল শীঙ্হারির বিশ্বিকারে বিভাগনের পাল্ড বিভাগনির বিশ্বিকার বিভাগনির বিশ্বিকার বিশ্বি

স্থায় ব'গ্রান--'নহার্ভি। তৃত্যু সেক্ট ্যন সন্ন কণ্ডব্য কর্ত্ত ভূলি; ব্যাভিভিড উভয় সক্ট আনি ক্ষেত্ৰইয় ভিলা, সভয় সক্তেই বনাৰা বি ভূমায় অংশাচয় নিখা, য গ্রেভিল এব উভয় সক্তিত্ত, ক্ষেত্ৰ ও ব'ল পানপুণ ভূমিয়াতা

ভাষায়নশানা। উপর সার্ট ন সাব্দি ন বিশালে এলা, উপর সার্থকারী সারা করা হুদ্র ব'লয়া নো (ইউডিচলা, বিষ্টো খন কালি তেও জার্ট উপয় সৈরাকে সৃষ্টি ক'ব্যাছিলেন এব উপয় সেরান্ধ।ই ব্যাব্যাপ্তার ভালান ॥খা

কুকৰ শীয় ধাওঁৰাট্টেৰা মৃদ্ধানী হইয়া পুৰণ দ'ক প কনা ভবুৰে অৰজ ন করিছেছিলেন এব পাত্ৰেৰা মৃদ্ধানী হইয় প কন ল'ক পুৰুষ্ণ হইয়া ব ইয়া ক্লেন। তপন কে বৰ্ষেন। যেন দৈতাপেনাৰ ও ল এব পাওব্লেন যেন দেব্লেনাৰ ভুলা বলিয়া বাধ হইছেছিল হাছ

পাত্রগণের পিছনের দিকে শীত্র বাধু বহিত্তিছিল, সুণা লগ্নতার হি শ্র চন্ত্রগণ ধার্তবাষ্ট্রণিয়ের প্রতি চাতিত হল করিতে হল এব আপনার পুরের হাতী সকল পাত্রপকীয় হাত্রিশবের ভীত্র মনগ্রহ সহা করিতে পাবিতেছিল না এছা

(B) हुरदारो ही एक्टल य व वार्थि (b) इंटल याप लिय व वा

চন্দ্ৰিল ক্ষেত্ৰ জাৰিক এই কৰিব নিয়া কৰে বিজ্ঞান কৰিব নিয়া কৰে কৰিব নিয়া কৰিব নিয়া

ভারতকৌস্দী

্ব বন এবং কর হল হাত তাত কা বং সাংগ্রহণ কর্মির হিলাপ মুদ্ধে বিশুম্ম স্থাপ্তঃ স্থাপ্তঃ হয়।

Sign and and and a state of

তুর্ব চন্ত্র কান, সর্পাল, জাগালাগ না কান, গাগাল্প আবুভাগুলিও সাধার বিশি ভাজাবি চন্ত্র আগতাল কালায় , ভালাগালার সংগগে কর জন্ত্র ভূগোলার , ভালাগালার নাম, ভানাগালিখা না ভালাকার কালায় ভালায় য

তুৰ্ব ধান্ধৰ অসকৈ একচ চলিক হ'ব ড্লাৰ ভিত ক সংবাহান। কোনা আ ইং ভিল এক গালে কোনা লগুন গালে কামকা ও পালেকট্ৰাকাৰ সাহত মিলিভি হাইয় সকল দিকে নিজ কোনা, কেন্দ্ৰ নাইছে হলানা কোনা

্ষ্তিভাগ ,গাভাৰত, গাভাৰত উজন দ ভাৰতা ব সংখল কাৰিয়া, খাছিলাভা ও সোধামাক বিশং সংক্ৰিত উজীয় বুজ লয় অন্তৰ্ভাৰ আৰু সমস্ সৈক্ষোৱ আৰুগ্ৰামাৰ গামন কাৰিয়েক ভাৰতন ত

ইংহার সের্ন্ধ। ধ এব ট্রে সহলে, ব লোকসেবর কিয়ন শ্লেরাজ এব অফ্ল, সৌবীর, সিলু ও পঞ্চলবৈধার কর করিবেলা অবস্থান করিবেল ছিলেন॥১০ঃ

চ বিশ্ব শ্বর বিশ্ব বিশ্ব শ্বর বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র

७(द १८क भूमी

সংস্থাতি মাংক্ষ বিভিন্ন কাজনি ও জনত তেওঁ বৃহস্থাস্থাতিল, নাক্ষ্যালোক্তি ভাষাবাল বিভাগতিক মান্ত্ৰী

स्वाध्यक्ष्य क्रिक्ट कर्षण स्वाध्यक्ष्य । १००० व्यव्यक्ष्य व्यव्यक्ष्य । १००० व्यव्यक्ष्य । १००० व्यव्यक्ष्य ।

भारत्व कर्म । दुर्भाण भारत्व कर्म १ मध्य स्था स्था स्था स्थाप स्था ।

সকলা বাহাৰ হৃক, মহাকাৰ কলায় প্ৰস্কৃত, বিহুক, মদাধাৰণ আধাৰ-সাধা ও মহাত ,প্ৰচোগৰ কট ধাক কলায় বহুকৰ ভ্ৰাক্ত ও প্ৰ-মৃতিত বুংগ সাংক্ৰমণ্ডক হাজাৰ ভাষা কেলকাম্ভৰ পৰচ হুংগ যা ইংত কাজিকেন ১৯১৪

বাজাকতা, ভ্ৰছিল। পুৰু এই, জয় এই লাখে হ'ব নি নি কৰ্মনালীয়াৰ সংক্ৰাং, আৰু জুটালোধনাৰ কৰিলাই এ খা, ইচিব স্কৰ্মানাৰ কৰিছিল সৈংবাৰে সহিত্যান্ত নিক্ৰমণ্ডেই গমন কৰাত্য ক' লোমনা

মহারপুদ্ধ ও বিভিত্য জে, ,গ সমর শীয় মহ ৯ কুপ চাই। হাকারৰ ভাব আহ্ন ক'বয়া শাক, করি ভ, ইবন ও পহলবেট্স'রের সাহত তা বাংলানার বানভাগ ফাইডে লোগোলোনো চাইকা

মহাবিদ, বীর সলিয়ে, প্রসক ও সহাধ বা র কাসিল, নগাণ্টিদা ও ত্রাট্র-সৈল্লোর মাচাকে বিশেষত বে রগা কাবতে এক এব তামি সহাধ কিন যাগাকে স্বত্যে চাবে বিদ্যাকাবতে ছবলেন, সোপনার মহাল ওকাক স্বী, সংকার হ জিপ্ ভারো কুস্বাদ্যা প্রমা কবিতে পাবিকোন গাণ্ড

(১০, কেবংগতের ১ সার ব, বার না ১০ গরীন সেক্রেড পা।



महित्र महमहञ्चल महित्र हर्ष हर्ष । १८॥

गहमहर्ष हर्ष महित्र महित्र ।

श्रिक वृष्ट महित्र महित्र ।

श्रिक वृष्ट महित्र महित्र ।

श्रिक महित्र ।

श्रिक महित्र |

कातकरको मुकी

সংক্রি ১০ ৪০৭১ জনগণ্ড চন্দ্র নাম্প্রান নাম প্রিক্ষাধন প্রাথোগোলোপায়ার, আস্থিতি কেবং ৪১৫৫

त्र किन्न वार भागा । तार गांच वार्षित शक्ष्य । वार श्रृत्य पुलावण हे स्ट्रासि इस्रोतक (वारताम् । वाष्ट्र का वाष्ट्रकार्युः । वार्ष्युः वार्ष्याच्या १५००-३५३

A AT A CIC MAN MAN PERSON OF THE SAME SPECIAL ENDS

ৰাজ । 'জেল সান্ধ কৰিব জালানকৈ জায় কৰিব, না কয় সনোবাৰেৰ মুকু। জেউবৰ' এককল পা কৰ্ম কৰা, দশসকৰ সংকপ্ত আৰু সাজাৰ সুন্ধিকত বিপ্তৰ্ভোগ্য বিব্ৰা যা দিকে সামন স্থানন, সেই দক্ষেষ্ঠ্য লাং চলা চুচ্গা

ত্র কলকনা অংশনাধ পাকে আগ্রে হয়ক একলক হড়া ছিল, ডাছ ব বাংশিকে হল ব সালে একলত কর্ম বাং, প্রেছাক বাং ব সালে একলত ক্রিয়া, আখাবোহা, প্রিছাক সাধারে হার সহিছাদশ জন ক্রিয় স্কুল্ব এব প্রভাক স্কুলবার সালে একলত কার্ম হার স্কুলবা পদ হি, এইভারে ভৌল আংশনার সৈয়া সাক্টেডিনে ১৯৬ →১৭৮

প্রিনির সাহকারে নির্গায়কে, সাহক ও মানুষ এই চারি প্রকার স্থাতের কোন না কোন বৃহ বচন, করিয়া লাজ্জনকন ভাষা ভাষার সম্পো থাকিতেন ৪৮৮৮

ভীম, যুদ্ধের সময়ে ধাওঁলাওু বৃতি পশ্চনত্য কবিয়া হা পন কবিছেন , সেই কুহের মধ্যে বঙ্গ মৃক্ষ মহারথ থাকিও এব সমৃত্যের হায়ে ভাগের কোলাহল হুইড ১,১ঃ অনন্ত কপা ধ্বজিনা নবেকু। জীনা বুলিয় ন তু পান্ধানান্। তাপৈৰ মত্যে বৃহতীং জুকাৰ্যাং মত্য নেতা কেশকভাজন্মত ॥২০॥ ইতি জীমহাভাবতে শতনাহজ্ঞাং সংহিদানাং বৈদ্দিকাং দীপ্ৰপ্ৰতি ভগৰদ্ধীতাপ্ৰতি দৈত্যৰ্তন বিশ্বশতনাহলাং ॥০॥

একবিংশোহধ্যায়ঃ।

সপুর উবাচ।

রহতা ধার্বাস্থ্য কোনা দৃষ্ট্, সম্ভাতান্। বিধানসংঘদাজা কুলপোৰ ন্ধিটিবং ॥ ॥ মৃ-২০ ভীবেন চাতেলা কলিডে ক্লালা পালবং। অক্লোভামিৰ সংশোধকা বিব্রেডিকানম ব্রীব্ ॥২॥

ভারতকোন্দী

व्यवस्थिति व्यवस्थित। वस्त्र कृष्टि, स्विति ज्ञान भागमाञ्चासवास, दुव रोग घट रोग भ्रष्टामिक्षिमुक्षाभित्रार्थ किकार्थ व्यवस्थात गण वेष्टि । स्वतः वास्त्र १२२० वेकि स्वाद्दामानाम् विविद्यातिकात्रवासिनाम् ५००, विविद्यानामान्य व्यवस्थातिकात्रवासिनाम् ५०० विव्यवस्थाति । इति रकोद्वीसद्यादार कीच्याक्षि क्षत्रव्यवस्थाति विव्यवस्थाति ।

so—১০। ভূমীত টৰ প্ৰত টৰ অপ্ৰক্ষা ট্যাগ্না —০০। নে বহু ডেন চয় sse—১০: অন্তৰ্গ বহুবী বহুবি নাতু পাত্ৰ'না তেলন বহুবী ৰথ পা ডাং এক নীৰেৰ মতে ইক্তি স্থায়াঃ বহুবা

कृषि के पुनुकानि देवलकृष्टिय मध्याप्रभागमानि देनावर । अन्य

নারনাথ : আপনার দেনা বচকপ, ৪ ছ'বৰ হটত, কিন্তু পাওকদেনা সেকপ হটত না , তথাপি কৃষ্ণ ৪ অজ্ন বাহাৰ নায়ক হইছেন, ,সই পাওক সেনাকে সহাম্ভিশালিনী ৪ ছহিব বিলিয়া মনে কবিতান ১০০

अञ्चय तिल्लास —'कृष्टीमन्त्रम दाका वृधिकित एत्या। स्ट्रान्त तिल च देमग्रादक युक्त कतिहरू केण इ.सि.चिसा विषय इंडेर्सम ३८।

____;=;-__

(২) অতেছমিৰ সংপ্ৰেক্ত বাৰ জানি ৷

ভারতকোমুদী

পাৰিষ্থিতীৰ দ্পুন তে আমন্ত লাভ জন্মত এক সংকারে আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি আক্তিনি

'নহাবাও আ'্ল — মান্ত 'নহা হ'ও ইইম 'হন, 'সই সাইবাইুগের সহিত আন্ত সম্বাদেশন বিভাকশন কুক কুল্ডে স্মুখ ইইন ব্যুগ্

মহতেহা ও শার্কণ তাম শাগ্রের বিশান মানুসারে এই অংকাভা ও অভেন্ত বৃদ্ধ বছন। করিয়াছেন গ্রেগ

শাধ্যমন। সকুপাপের সভিত্তী আমাধ্য স্থাপাপাল ভাইয়া পড়িল ম সে, কিপাক বে এই মহাল চঙ্কী ভূম মাধ্যের নিজার ভাইবে ॥১॥

র জা। কুমানান মুদ্দির অংশনার সময় কেমিরাই কোন বিষয় হইয়। প্রিলাল। ভারার পর ধার্থ হাং ন নির্দ্ধির অংলনানা, ব

শবনাথ বিপর্কর অধিক বরিমান, বঁক, ক্পর্নে এব স্থায়ি বভ্তর হরীলেও, মার্স থাকা ,লাকের মাহায়ত ভাচালিগ্রে জয় কবিতে পারে, ভাহা আপান প্রেণ ক্রনাথ। इ.व. ८ इ.च. १ वाक्षम् १ अदकाशियमण्डतः ।
सादम्ख्या गिर्देन हेश्वरामण्डमे ६ १ १७६ ।
द्रम्पार्थमा किला गुरुक्त रम्पाद्यक्तक निर्देशिक्षः ॥३॥
ति इ.घ. १ विच पुरुक्त रम्पाद्यक निर्देशिक्षः ॥३॥
ति इ.घ. १ विच पुरुक्त सम्पादकः ।
स्था महार्ष्ट्र स्थान व्याप्त स्याप्त ।
१ व्याप्त स्थान स्थान । व्याप्त स्याप्त हा ॥ ३॥
त्र स्याप्त स्थान स्थान स्थान स्थान ।
स्याप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ।
स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ।
स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ।
स्याप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ।
स्थान ।

ভারত্রে মুদী

प्रदेशी क्षा क्षा रह भाग साथ दिवा स्टिक्टिक के अस्ता क्षा रहा रहा रहा का स्था है। इस किस्सा के स्टब्स्टिक क्षा का स्था का स्

কিম্বং দিয়াত নোম বিভিনালতে বিজ্যুমিতাক জনগা কৰা দেভিগনিছিল বুঁগোকে নুনদিকা ৰাজ্য ভাষ্, বা ভাৰণম্ নোজনান জন্মি, যাত সালগম সংগ্ৰহ আনুকাল লাভ ভাৰত মে, বাংখন দি মেন ভাজনিছি। স্বাচাৰ নাম কৰাৰ বংম, ভাজ মুখ্যুমিভিগৰ্ভবন্ন সহ বাংবা নাম বাংবা । ১০

টুলানাং স্থান্তৰ প্ৰদেশত মাজ্য হৈ আছি। মাজ্য মাজ্য হৈ আছি। ভাষাৰ ১৯১৪

পাতৃনকান বাজে । সাপনি কাহারও নাধারকার কারন না : ছাই আপনার নিকট সেই হায়ের কারন দলিব। দেববি নাবেন, দাম ও ছোগ শেউপায় ভানেন ১৮৪

भूतिक (प्रकाणनप्रकार समाम् नका এই निष्मा के देखाओं हेखाओं के स्वर्धन्ति । विद्याविद्यास – ॥≈॥

'জন ভিলাষা লোকের। সভা, দন্ত, শহ ও উজনহ'ব বেরপ জন্ম ক'রতে পারেন, বল ও ব'ধ্যন্ত বা সেরপ জন্ম করিতে পারেন ন' ॥; ॥

অভএৰ আপনারা অহলারশ্য হইয়া, স্প্রিপ্রার সংশ্ব ও লোভ ভাগি ক্রিল্, উলান স্প্রাধে যুক্ত কক্ষ, দেখিতেন কেদিকে ধর্ম থ কিবে, সেই দিকেই কর হইবে ৮১১ঃ

(১) এট মরপেনার হিংলা পি ।.. জাহ হপমেরতক লোচার ওমনাক্ষিত ব বার, উজ্ঞানধ্যে সংস্থান হিমানি । ভুগানুহ কা জাগা কুলেন পুজানে হৈ লাভি মাধবন্।

নুক্ষণ বিজ্ঞান্ত সন্ত নিশ্চপেরে ওপালা দেশ আনুক্র কা ভাগাল ।

গ্রান্ত কা লাভিনা কার্য হা ক্রান্ত ভাগালা হৈ লাভিনা
প্রান্ত কা ভবিদ্যাল বিক্রেডি ভাগালাক ।

যোগালা নব্যাদ্ধন বিক্রেডি ভাগালাক ।

যোগালা নব্যাদ্ধন ব্যাদ্ধন কা জাগালাক ।

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীপ:

ह - प्राप्त प्राप्त र स्वयन वस्ति वर्ष वर्ष वर्ष ।

নাজ। তার নার হাজনার লাগ্ন যে, নিশ্চয়ট যুক্ত আমানের জয় তইবে মাতের নারন ত লয়গতন নায় নিজে কফ থাকেন, সেই দিকেই জয় হয় । ১২॥

জয়ই কুলাৰ অয় হৈ, শুহতা সে জয় কুলার পিছতে পিছতেই চলো। অহুএই জয় কোন কুলোৰ এইটা গ্ল, কেন্দ্র গুক্জানের নিক্টে খ্রনত থাকাও কুক্রে আর একটা গুল ৪১৩৪

অসীমত্তের কুল শ্রসম্ভ্যাস। এ ভিন্তুই গাকেন এব জনি সনাত্র পুক্স। আছু এব কুল যেতিকে থাকেন, সেই দিকেই ভয় জয় সংখ্য

পূর্বে দেবালুববুক্তর সময়ে জনি, অকুছাজ্জা ও অবার্থশক্ত জবি ভট্টা বজ

(১৩) প্রত্যাস্থি দি ৮৫ প্রস্থাস দল স্লম্ভ ব বাব লি। (১৫) ০০ বৈস্থাস্থ্যসূত্র কি আৰু কুদাং জংগানেতি গৈকেনাং তার তৈ জিতিয়।

সংপাদ্ধকি তৈতুলাকাং পাপুং শক্তানিভিং তাবৈং ॥১৯॥

তাল লোন কাপোং কাপিনিক পালানি নাৱত ।।

মালা তে জনমাশানেত কিমানুক তিনিকেম্বর ॥১৭॥

ইতি উল্মাধনেত শহদকিলাং দংতি নামাং কৈমানিকাং ভাষাপাকানি

টিত উন্মহালবৈতে শতস্কৈ প্ৰাণ সংকিলামণ বৈয়ালিকা। ভালাপকি। ভগৰদ্যাত্তিবহি মুলিভিৰাজনমণবংশে একবিংশেকেনামঃ॥॥॥

দাবিংশোহধ্যায়ঃ।

সভার উবাচ।

তেতি হৃদিটিরো রাজা আ'' সেনা' সময়ে দেশে। প্রতিবৃহেলনকৈনি ভাজাত ভরত্যভাগ ॥১॥

भावकरको मुगी

भद्धि । यह रगमाय, देशशाय, क्षणम् अङ्ग्रिक्षाः श्रीनातः गण्य स्वर्थस्य स्राप्त, हेट्ट स्वर्थ देशमध्यादय विषय् । उन्हर्मणीय गणीय व्यवस्थान्यस्य व्यक्षिम् ६३६।

সংক্ৰি হা, শালে হাৰ জ্বাহি, বিশ্ব হক সৰস হান হি'ল ব্যৱসা এক এবং ইতি মহান্ত্ৰপথন থা বিশ্বিন সাহস্পাধ্য বিশান্ত দাত বিশ্বিক তা হয় ন বাংটীৰ নাই ভাব সংকীশুনান্য ভাষত ভীত্যকালৈ ভ্যাব্যক্ষিক তালকালৈ প্ৰায়িক সংক্ৰা হাৰ

---(::)----

পুত্রীতি সমাচলন্য লিগে এনীক নি খাগির নি, চাহকে গণিব শন্ধীয়ে সাজ পুতিক্লবৃহত ধেৰ সভিপ্ৰথম্খন।

নিমানে দেবগণ ও অসুস্থাণকৈ ও লয়াছিলেন - ত্যামানের মধ্যে ,কান পক ক্রুলাভ ক্রিতে চাও ॥১১॥

ভগন বাহারা ব্লিয়াছিলেন — সাধর, আদ্মাকে আশ্যুক বিচাই ওয়লার ক্রিতে চাই, সেই ,দশতবেই ভয়লাভ ক্রিয়াছিশ্লেন এব ,সই হারে অফু এটেই ইন্দ্রপার্ভ দশতার তিতুবন লাভ কার্যাছিশ্লেন। ১৬

অস্ত্র ভ্রতন্তন্ত সরস্ত্তী ও ক্রিট্রনাসীখন হয় কৃত্র গাঁচরে জ্য় কামনা ক্রেন, সেই আপেনার ড এয়ুছে কোন মনোকেদনাই আমি এথিডে পাই না' ৪১৭৪ ম্বেছিনটারানিক'নি প্রতার্থনত প'লবান।

মাণে পিথতির হিনাইনাক' বিজ্ঞান কুল্বইনে এন।

মাণো পিথতির হিনাইনাক' বিজ্ঞান সংগ্রহান লগ

মাণাকিক লিজিল বাজন্ন স্বাধানেন পালি হন্।

জীন্তা সংস্থাকেন শ্রেজনের বন্ধান গালি হন্।

জীন্তা সংস্থাকেন শ্রেজনের বন্ধান গালি হন্।

মাহেলনান প্রিলা বংলা নুগ্রাকেন কা ইন্তান হিনা

ম্বিতির কলেন ভালাকে কুল্মন্তির নাগ্রগাল মানো।

ভারতকৌষ্দী

ষ্টার বাং নির্নিধার ক্ষেত্র জন্ম প্রাধার করে।

যার ইপি নাম নাম্যায় সম্প্রাহর করে বাংলার করি জিলা নাম প্রায়ার করে।

শ্বাক্ষার করে।

শ্বাক্ষার করে।

इत्यापनि , विषय, भारतात्र हाँकार स्थान ते, स्तार्थ स्थान सम्बद्धिया हाँ स्थान हाँ के स्थान स्थान हाँ के स्थान स्थान स्थान हाँ के स्थान स्थान स्थान हाँ के स्थान स्थान स्थान स्थान हाँ के स्थान स्थान

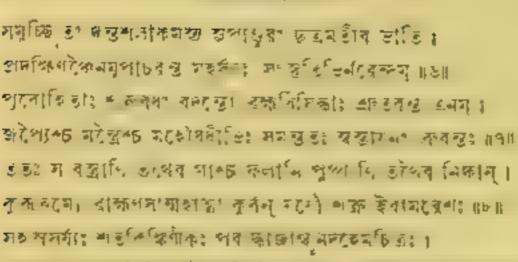
সভায় ধলিকো—'ভবট্ছেল। ভাচাৰ পৰ বজে বুলিসৰ আগন সৈতাগণকৈ শীমাক্তিত বাচৰ পশিবাচনাৰে সন্ধিৰিত কৰিবন ৰাল্যা ভাচাদিগকৈ প্ৰেৰণ কৰিলেন।১॥

কোনা কে বৰ্ণায়াল প ওবেৰা ধৃত্যুক্ত উওম ধাণা লাভ কাৰিব ৰ ইন্ত কাৰিয়া. শূৰ্বো ভাৰতে নিদ্যালয় প্ৰতিকৃতিক পে স্থাপিত ক'বল্লনে ॥ ব

আজ্ন বাবের সংস্থানে শিক্ষার দৈতা ভাপন করিলেন এবং ধৃইছুঃয়া ভাহার মধ্যে বিন্যুক করিছে লংগিলেন, ওখন যান্দ্র ইছাংক ব্রুছে পাকিলেন ॥৩॥

কারা। বীল্পাভার পে ভিত্সাহতক শংশ্য এব উল্লেখ আয়ু দ্যুক্র সংস্কিপারবলৈকের দকিল সাগতকং ক'বড়ে লাখিড্রন হল

ম্ভিটির ছতি দিলানাধে থা কিয় ইন্দর্তের চুলা এব আন ও রাছে বিচিত্র একসানি রাখে আ বাহেণ করিলেন, ভাষাতে মৃত্তির স্মস্ত উপ্করণ এবা অংশ্নয় সহতব যোজা, (,আহ) দ্লি ৪০০



ভারতকৌমূদী

রপোহজনভামিরিবাভিগানী বিজ্ঞানত খেনহল: তচ্জাং ॥১॥

সাম্ভিত নাজৰ চৰ্তিনশনত শেলক এই ৩২, জিলা চুকা বিশোধস্থাৰ চামে, সংসা মুক্তিয়িকত ভিত্ৰ হৈ শেষ, সভুজি ও অন্তিনিয়া গানি ইন্ডিলা বুকা সংয় সংক্ৰীৰ ৮ ডি ছোৱ মুক্তিয়াৰ সংস্থাতিতি মুন তিবাদ্ধ প্ৰিটিকম্, প্ৰতিকাম, উপাচনত চিলিড মানাৰক ৰাজ

প্রবাহিত ইবি। তাঙা শাস্ত্র নাম্যান্ত কাৰ্যান্ত, পুরাহিণা ব্রস্থিকি। বিনাধিক। বিনাধিক। বিনাধিক। বুলিক বুলিক। বিনাধিক। বুলিক বুলিক। বুল

ভগন কোন ভ্তা মুদিদিবের মাজকে ছতিদাখের শলাকাযুক অবিভালবর্থ একটা ছার এ'লয় ধবিল এব ডালা বিশেষ শোভ পাইতে লাগিল, আর মহ্দির হার ক্রিডে গাকিয়া উলোকে অদ্ধিত ক্রিডে পাকিলেন ডো

শাস্তানশালী পুরোহিত, এক ধ ও সৈছগণ সকল দিক ইউডে স্থিপিরের শাক্ষ হাবের আশীরাদে করিছে আকিয়া এমুপান ও ধারালকাথেত্তি নিকেপ করিয়া ঠাতার মহল্লাংডন স্থনা করিছে লাগিলেন ।৭॥

ভখন কৌরবাশ্র মহাত্ম মৃশিটিবও , সই রাজ্য লগকে বতা, গো, ফল, পুস্প ও স্থান্তা হান করতে গাকিল , দেবরাজ ইক্তেব কাম গনন করিতে থাকিকেন চেট

⁽a) সহস্থা:--শি।

ভল্পিত হা কেশব্যণপূহাত কলিকাছে পাণ্ডিবৰণ পাণিয়।

ধকুজারো মাল সমঃ পুলিবা, ন নিজাতে নে দ্বিত কলচিং ॥১০॥
উন্তিয়া স্তব প্রস্নাম ইবি বিদ্যাস সাধিনতি কলচিং ॥১০॥

আন্মুদ্ধ সহ সভুকো ছজালো নবাহনা ব্যাবহু আ কুইনিং নিচ্চ।

সালিকালো মহিলে মান্ত্যা লগতে, ব্যাবহু প্রিমানকান্ ॥১২॥

সালিকা সেন্ত্র সাহত্যাস সংবিশ্য প্রস্তাহ্য হিলালে

ক্রেলিবা বাহণ্যজন্প স্বাহনা সংবিশ্য প্রস্তাহ্য হিলালে

ভারতকৌমুদী

21, 10 x 30 53, 4 may 20 21.

সুন্দি হাৰ নাম বিং লাজন সভাল। দত্ত দ্ধান্থনি বিং নাজন স সহালি, চলা লাজনাত হা বাসপালে, হালা, বা আপু, লাপে বাস্কা হালা, স্বাদ কি হালা ক্ষালাল লাজ চকা লাল লাজনাত স্বাদ্ধান্ত হাৰ, মুল্লাল লাজনাত লাজনাত লালাল লালাল ক্ষালাল হাৰ বিংলা হাৰিল। বা কাৰ্লাল ক্ষালিক আলালিক লালাল লালালিক স্বাদ্ধান্ত হাৰিল হাৰিল। হাৰ্লাল স্কৃতিক আলালিক লালালেক লালালিক স্বাদ্ধান্ত হাৰ্লালিক স্বাদ্ধান্ত হাৰ্লালিক স্বাদ্ধান্ত হাৰ্লালিক স্বাদ্ধান্ত স্বাদ্ধান্ত হাৰ্লালিক স্বাদ্ধান্ত স্বাদ্ধান্ত হাৰ্লালিক স্বাদ্ধান্ত স্বাদ্

আকার্নির করে না, শিষর্থা গায়ুকু আহির কায়ে কোন। পারতে লাগিলে। কাবন, বছরর পুথ ক র বজর্পার, বচ্চাখার কি হৌ, উর্ম সার্থিত সাধারণ ফার্মিকারে এতে বি এই চর্মা জল এব স্রোভির্মিধ্য আসা ও কুন্দর চক্রা ধ্য ভিত জিলা।
না

ইছার টুলা দল্পন পুথিবাবে নাই এবা কংন চইবেও না, ্সই আক্র গাড়াবিধন ও বাণ ধাবে কবিল সেই রখে আবোচন কবিলেন, ভগন কুফা ভাহার অধ্যক্ষ্যিশেন ৪১০ঃ

মহারাজ । যে নহাবার নিবস্থ চটয়,ও ,কবল বাও্যুগলভার সাকুষ, অধ ও হারী বিনাশ করিছে পাবেন, সেই ভান্সেন অংশনার পুত্রর সৈতা ধ্ব স করিবেন বলিয় অভিটায়ণ ফুডি ধারণ করিবেন ১৯১৪

শেই বুকোলর ভীমসেন, নকুল ও সংলেবের সভিত মিলিত তইয়া স্থিতিত সুইছামের রথ রক্ষা কবিতে লাগিলেন। তংকালে সিত ও বুসের আয়ু মাঙার শমনভঙ্গি মতভার সুচনা কবিতেভিল, যিনি ভগতে ইলেব সাণ্ডাধারণ করিয়া থাকেন এব হতিশ্বপতির ভুলাই গাত র দর্শ র ইয়াছে, সেই ভুদিধ ভাষ্যেনক

অনীক্ষ্রো ডিঠিন্ত রাজপুত্র ভুর্মিন্স। অব্বীদ্রত্তেও ওড়াকেল জ্নাক্রি: ॥১৪॥

ৰাহদেৰ উবাচ।

য এম রোগংগ প্রত্যন্ত ব্যক্ষা যো না ক্রেনাং বিশ্ব ইবেকতে ।

ম এম ভীলাং কুক্রণ-ক্রেলুমেন জন্তান্তিশ্বং ব্যক্তিমধার ॥বে॥
এইংঅনীক্রি মহানুল্যর গুনন্তি মেল ইব ক্রিমেন্ত্রম্
এইনি হলা পুক্ষপ্রনার গ ক্রেক্স স্ক্রণ ভরভর্তির ॥১৬॥
ইতি ই মহাভারতে শ্রম্ভিলাং সংহিত্যাং বিশ্বসিক্রাং ভালাপ্রনাং
ভগ্রস্থীতাপ্রতি কুক্রং অন্সংগ্রে দ্বি শোর্ষামিক্রাং লগা ক

कातक्रकोच्नी

সনীকেতি সন্চাচন স্পত্নাক ও কলমস্নম্ ও। মুইডি। প্রসান বিশাস ন্ শাহত ১৬টিখা, বাজন্দ হল্যেন, ১,৫৮

ভারতভাবদীপ:

है कि भी प्रमुख्या किन बकार है हात कर देवार में के नाइक है। या इकार

পারবিদৈকোর সংঘূধকরী কেথিয়া আপনাধ পদকর যোজাবা ভয়ে আকৃল হইয়া কংহিমময় হস্থিত্তির হুটায় অভিধি হইয়া পড়িল ১১২ — ১৩%

এই সময়ে কুক, পাওবলৈছমধাৰতী ছুগুৰ ও ভ্ৰত্ৰেদ ৰাজপুৰ মাজ্নকৈ বলিকেন ১১৪ঃ

কুষ্ণ বলিলেন 'এই মিনি জেনধানলে বিপদ্মিককে সমুপু কৰিছে পাকিয়। আপন সৈক্ষান্ত বহিয়াছেন, মিনি সি হেব কায় আমাদের সৈক্ষণতের প্রতি দৃষ্টিপাত কবিছেকেন এব সিনি ভিন শত অহনেধ মঞ্জের অমুধান কবিয়াছেন, ইনি সেই কুক্র শক্তে ভীম ১১৫৪

মেঘসমূহ বেমন পৃথাকে আৰুত কৰে, সেইজপ এই দৈলগুলি মহাত্ম

चड चनापमधानिः नि मानिः



ত্ৰয়োবিংশোহধ্যায়ঃ। 🥷

मक्षय डेबाठ ।

नाक्षाद्वीतसम्बेष्ट्राहरू सन्दर्शकर्याः राष्ट्रास्य दिन्द्रास्टरका स्टब्स्टर्सर

🖺 ভগৰাসুবাচ।

ভূচিত্র মহলত গ্লাহ্ম নিয়াকে স্থিত। শ্রাহ্ম মাল্লিক হুলা স্থান্ধী সম্মান

ভারতকৌমুদী

होत्र प्रत्ये के त्र प्रत्ये के प्रत्ये क्ष्ये के प्रत्ये के प्रत

ভারতভাবদীপ:

हैक मार पार्त नवर का मार्थिति । १० चार्य के देव इस्तारित । १० कार्य कि स्वार्थ कि स्वार्थ करिया । १० कार्यक्रिय करिया करिया । १० कार्यक्रिय करिया करिया । १० कार्यक्रिय करिया करिया । १० कार्यक्रिय क्ष्मित । १० देव देव देव देव देव करिया नवराय के स्वार्थ करिया करिया । १० कार्यक्रिय करिया करिया । १० कार्यक्रिय करिया करिया । १० कार्यक्र कर्यक्र करिया । १० कार्यक्र करिय । १० कार्यक्र करिया । १० कार्यक्र करिया । १० कार्यक्र

সক্ষ ক্রিকেন প্রায়েশ্নের স্ক্রিকের জন্ম ট্রস্তিত ত্রুম্বেড্র ক্ষেত্র ক্ষেত্য ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্য

কুকাৰ বিবেশন কিছাৰ ভালান (চুনি পৰিত্তিত চইয়া যুগ্তৰ অভিযুগ্ত থাকিয়া শাৰ্ণণ্যে পৰাজ্যেৰ জন্ম হুল হুল প্ৰাণাস কৰা ১০০

মন্ধর কর্মির ইর প্রিন্তির অন্তরপুর কর্মধ্যের পুর্কর কর্মধ্যের পুরক্ষির কর্মধ্যের প্রাক্ষির কর্মধ্যের প্রাক্ষির কর্মধ্যের কর্মধন্যের কর্মধন্য কর্মধন্য কর্মধন্য কর্মধন্য করের কর্মধন্য কর্মধন্য কর

खर्याविक्तान्त्रः ।

সমূর উবার। '

এবন্ধের ছাই জাইন: সংক্ষা বাজ্যপদের বীলাতা। আবতীয়া রধাই পার্থং ক্রোত্রনাত কুর্ঞেলি: ॥ ১॥ আহছিন উবাচ।

নমতে সিহুদ্দনানি । অনুষ্ঠা নান্তব্যদিনি ।।
কুমারি ! কালি ৷ কাপানি ৷ কপিলে ৷ কুমানিছালে ৷ ॥।
ভিন্তকালি ! নমান্তলা মহাকালি ৷ নামেহালু (৪)
চিডি ৷ চড়ে ৷ নমান্তলা ভারিনি ৷ ব্রক্ষিম ৷ ৷৷
।

ভারতকৌমুদী

এইমিটিঃ সংকোষ্ণ অত লগত ৮৯ নি আছে।

নম ই) ই। দিছাং নিশালছব্তাহাতনা ্সনা নাহিত্য জিলেকু নামান ক বহ সাক্ষাধনম্। আহোন ভাল লাভান নান্ধবাসিনিও মন্তৰ্ভাসিক হাজন্ত্র কৈলাসহিষ্যক্তিখনৰ পূব "ইড়াসিলোৱা নান্ধবাসিকাত কুন বল কুনাল বিজ্ঞা মেকে। বালি কালপত্নি কাল লোক ক্ষাত্ৰাতিব উপায়ি কলিলে কুম্পিছেল ভাত্যবিধি ১৯৪

কংখতি। ভলামখনা কাল,তি ভাষ্যু মধ্যোদ সা। এচাক লা মহাকাল প্রিটা চল্ডিং কোপনোন চালু স্থাজ্বন্দিনা সাধিবন বিশাহা চালে শ্রেক্তি। অবব্যানি স্থাসীভাগাহ্যি চালে

ভারতভাবদীপ:

खिनीका मध्याग्नादाग नदाग नवायरा । ११ जगणा ज्याग्य रा इ विकास कि ।
जिल्लाको द्वानिकार द्वानिकार द्वानिकार प्रमुक्त प्रमुक्त कार्य क्ष्मा क्ष्म

সভয় কহিলেন —'বৃদ্ধিমান্ কৃষ্ণ এই জপ বলিলে, পুখানকান অভ্নৰণ হটাতে সম্ৰাজনে নামিয় কৃতাভলি হটয়। তুৰ্ণান্তৰ পাম কৰিছে লাগিলেন' ।ংঃ

আজুন বলিলেন 'সিক্দেনানি। আংগ্য নন্দ্ৰবাসিনি। কুনাবি। কালি। কাপালি। কপিলেন কুকপিললে। অপেনাকে নন্দার কবি ॥১॥

(৪) উন্মান্ত সিভিন্তন । কালি। কলিলে কণালে কণালিছ লা-লি।

কারাফনি । মহাদেশে । করালি । বিজয়ে । জয়ে ।।

শিথি পিছেপ্রজবরে । নানাভবণ দুবিতে । ॥৬॥

জটিশু বপ্রহরণ । পদুপর্থটকধারিদি ।।

গোপে ক্রজানুকে । জোটে । নন্দ্রোপক্লোছেবে ।॥৭॥

হিসাপেক্ প্রিয়ে । নিতাং কৌশিকি । পীত্রাসিনি ।।

কটিহাসে । করেম্থি । নমক্তেই স্ত রণপ্রিয়ে ।॥৮॥

ভারতকোষ্ণী

जन्म के सम्भू मननदार कर्षक के शुर्धानी, वर्ष निद्य सा भावत्राद्वाति दृष्ट र म प्रदान निर्माल र प्रदान में, स्वर्णी र मास्ट , विकास स्वर्ण स्वर्णा मार् स क किया किया प्रदान विकास दृष्ट का स्थलना स्वर्णात स्वर्णीत स्वर्णात स्वर्या स्वर्णात स्वर्या स्वर्या स्वर्णात स्वर्णात स्वर्णात

তি বুলি বুলি প্রতিষ্ঠান কর্মান কর্ম

হার মনি স্থান গ্রেম্ব কৌশাকি কুলিক প্রারণাল প্রিরামিনির পীড়বর্থ বলন হয় নাম্মান সভা সা, কাক্তের মুখ্য হলা সাতে।

उत्पन्न हायमीलः

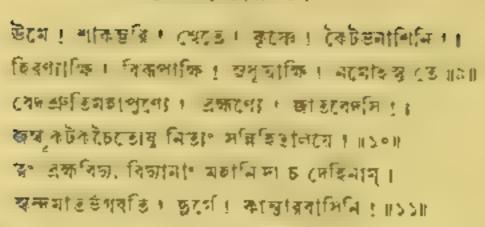
ভদকালি । অপনাকে সমজার, মহাকালি । আপনাকে সমজার, চ্ডি । চ্ডো ভারিটি । বরব্যনি । আপনাকে সমস্ক্রেরন

কাতাবিন : মহাতাবে। বিজয়ে : জয়ে : বিধিপিছে-বেচধ্রে : নান্-ভরণভূষিতে । আপনাকে মমখার ছঙা

মহাব্লারে । বড়াইটিগারিনি । কুফার্ডে । জগংপ্রাচীনে । নল-গোপকুলোদ্ধে । আপনাকে নমস্বার । গা

স্থান মতিব্রজ্ঞিয়ে ৷ কে'লিকি ৷ পাত্রস্মে ৷ অনুচাসে ৷ কাক বদ্দে ৷ রগপিয়ে ৷ আপন্তে নমঝার ৷৮॥

⁽৮) অটুচালেং কোকমুধিং বাৰ্ডলি



ভারতকৌ মুদী

উষ্টিনিঃ উনে। উন্নতি কৃষ্য সুপাধ নিহিছে। উন্নতি নাই কুপ্স নিহিছে।
শশুন্ম নাণ কুন্দা জনামা ইতি কৃষ্য কুদ্ধাম । পাৰণ বিভ্নীতি দ কত্নী ন্তাকুনালা
শশুন প্ৰতিষ্ঠ দ্বলাষ্ বোভা সক্ষ্যক। কুণ্ডা কুণ্ডা হাণ, ন্তানন নিনি।
বৈনিভাগালিকতি দি । তিক্ধান্ধি। শীনন্তান , বিক্লানি বিক্লানাম্য কুন্তালি
শভিষ্মকেক্ষ্য । ১০।

दिरामिति। द्रामम् कार निम् व्यानिष् केविक् केवित्र का इ. कार्यामा । यह पुन क्र. की ईरहर् "व्याप व्याप क व्यानिष्ठ न व न्याति क्ष्मा होता निर्देश्वर पर १,१००० की कि इ. क. क. यू" हेकि व्याद का, द्रश्रामा , द्रम्भित्य क्ष्मा केवित्र का प्रदेश कि का क्ष्मा कि का विकास का विकास का व्याप व्याप कि केवित्र का व्याप क्षमा क्षमा क्षमा क्षमा क्षमा का का विकास का व्याप का व्या

ক্মিতি, বা শিক্ষাণ মনো একবিকা কর ছবিকা প্রিনামর দিশ উপুলিছ চুব। হৈ প্রথমার । ক উল্লেখ্যন্তি। ভলবতি । ক্ষিম্বিকারতি । হব মাধ্যারবাদিনি । মহ বব্ধবাদিনি । মহ বব্ধবাদিনি । মহ বব্ধবাদিনি । ইকাম্বাধ্যারবাদিনি । মহ বব্ধবাদিনি ।

ভারভভাবনীশ:

ফুণ্যা ৰাস্তান্তৰ প্ৰিৰ্ণালি শীৰ্মেছে। বিক্ৰণজি বিবিদ্ধপন্ত নাম নহল কা।
সুস্থাকি মান্তৰেশন এতেন সাক্ষামূক্ত ভবলি। যা স্থানা হজকপ্ৰিপ্ৰ নিমূদ লা সুস্থাকি মান্তৰেশন অবিভাগ অনিক্ষা গড় ব সম্ভ কৰ্মণ প্ৰকাশন সংগ্ৰহণ সুস্থা। জাত্ৰেদনি অনিক্ষা অনিক্ষা গড় ব সম্ভ কৰ্মণ শান্ত সংগ্ৰহ হৈছে মুন্ধৰ স্থান্তৰ নিজাণ স্থিতি ভাষাক্ষামূল হজাত হছ ১৯০০ মণানি লাক্ষ

উমে। শাক্তবি। বেতে। কৃষ্ণো কৈটভনশিনি। শীতন্যনে। কিচুতন্যনে। অভিব্যন্যনে। আপনাকে নমভাব চন

দেবজাত্মহাপুৰের : দেবজিয়ে : প্রচীনজাতে : স্কলে জন্ম ছবি-দেবভালয়ধানি : আপ্নাকে নমকাৰ ।১ - ঃ

কার্টিকেয়ভননি । ভলবতি । ছবেঁ । নটাব্লাফালি । আপনি বিভার মধ্যে একবিভা এবং প্রাণিগণের মহানিলা ১১১।



वाह्यकोतः वना देवत कना काँछ। महत्रही।
भाविदी (वनवाह, ह ह्या, दिनाव हेहारम ॥)२॥
छन्मि इन बहारमित । विद्यासमान्यको सना।
छन्म हत्र बहारमित । विद्यासमान्यको सना।
काला उत्र (व विहान इद्यासमान्यको स्था ।) भा काला उत्र (व विहान इद्यासमान्यको है।
विहान वर्षा भावित हार सुद्ध क्यांन मानवान्॥। ॥।
इन क्ष्यो प्राह्मित ह स्था है। है। छोद्या ॥। ॥॥
इन क्ष्यो प्राह्मित ह स्था है। है। छोद्या ॥। ॥॥
इन क्ष्यो प्राह्मित ह स्था है।

खाइड(को मूनी

ख्राहर के खुडाकर्त ,स्वर्गतन सम्ब्र, खान निव्दार सम्बर्गका रुष्या काला, काले। 5वस काल स्टब्स, अववर्ग स्कृतन वाक ,स्तसात अविद्यो वायकी, स्वाह द्विस्तित हेकाम इसरकार्त , "रुगाचु सम्बर्गा हेग्स स्वाप्तात प्रशा

gener fegrand of the company with the

क वर्ष्य । ज्यानाय, क पार पर पर रहा स्थाना स्थान स्थान स्थाना स्थाना स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान दक्षणु, प्रात्तरसम् इ केकालारमण स्थान

হ্ন - ডি স্থনা বাং, "জন নৈম্ম" ইপি বাংগ্রস্থাং, মোহিনী **র**পেন ভারভভাবদীপঃ

বিলা ১৭৮০ বুক প্ৰায় তুলি ১ সকা সংগ্ৰহণ হাপালপথ । ১০ পাছেতি স্কা-ক্ষাক্রপত্ম বুক প্রাক্রপত্ম কর্ম হয় সালিছালি সকার আনক্ষাক্র উচ্চত । ১২। ক্ষাক্র সকার ক্ষাক্র নিল হাছা অনুভ্রাননিষ্ ভূমান্ত , ১০ সালে বুকার কর্ম বুকার নিল হাছা অনুভ্রাননিষ্ ভূমান্ত , ১০ সালে বিলা বুকার নিল হাছা অনুভ্রাননিষ্ সম্বিশ্বা । সভ্রায় সালে ব্যায় চুকার সভা ক্ষাক্রম নিলা বিলা হালের নিলা সম্বিশ্বা । সভ্রায় ক্ষাক্রম বুকার বিলার কার্মানি ক্ষাক্রমান্ত নিলা ক্ষাক্রমানিক্র ক্ষাক্রমান্ত নিলা ক্ষাক্রমানিক্রমানিক্রমান্ত নিলা ক্ষাক্রমান্ত নিলা ক্ষাক্রমানিক্রমানিক্রমান্ত নিলা ক্ষাক্রমানিকর ক্রমানিক্রমানিক্রমানিক্রমানিক্রমানিকর ক্রমানিকর ক্রমানিকর

জ্যানাল আপনাকে — ধারা, বধা, কলা, কাই, সরক্ষতী, বেদমাতা পায়তী এক উপনিবং বলিয়া থাকেন ১১২৪

মহার্দেরি । আমি প্রিত্তিতে আপনার করে করিলাম। **স্তরা আপনার** অসুমূরে সমর্ভেনে স্কলিট আমার ভয় হউক ॥ ১০

আপ্রি সকলেটি এড়গণের জন্ত মহারপো, ভয়তানে, তুর্ম<mark>দেশে, ভক্তগণের</mark> গুয়ে এক পাতালে বাস করেন, আর মুক্তে সান্ধশিগকে জয় করিয়া **থাকেন ১১৪।**

। १८२ । इस , तमान्य छेऽ। ११० — वा व ता लि। १२०, प्रश्चलाशक्षात्र वास्त— लि। १८०) प्रस्कानी स्माहनी छ - लि। সূষ্টিঃ পুষ্টির তিনীপ্রিশ্চন্দাদি হাবিবন্ধিনী। স্তিজু তিমতাং সংখো বীকাদে সিন্ধচারদৈঃ ॥১৬॥ সঞ্জু উবাচ।

ত হঃ পার্থস্থ বিজয়ে ভক্তিশ মানবৰংসলা। স্বান্তবিক্ষাভোষ্ট গোবিক্সস্থাগ্রহঃ স্বিভাগ্ন এন

ভারভকে। মুদ্র

भाइकारिया, भाष कार्यस्थितभिक्षा दिश्य दितः है क्ष्यः, नाम्यः, स्वाः स्थित्यक्षाः, मधिकार्याणाणाः, श्रद्धाः प्रस्य दश्यस्य ५५ व्या स्थानः नाम्यस्यः, स्यादिशे श्रद्धाः, स्थानी सम्राप्ताः सम्यादिशे । १४०।

কুটিবিভি বুটি সংকাগতিক চনবৃতি, পৃথিৱ ২, হণিশেষ চলাচিয়াবিহিন্দী দীলিবেজা ভূতিম্যাম্ ঐবহ বহাম্ ভূতি সালা, সিংহামে চিকি চালনে, দ্বিহামিকক, সমাক্তা তান্তান হথিন্যাকৃতে ব নে হ বাজা সভত্য

कारक सारकोश:

स्थान , सामी शहुदरणाति हो १२ । इति १८६ त.। पृष्ठि १८८ वृष्टि हो स्थिति स्थान स्थान । यह वाष्ट्र, ६८५ त्राष्ट्र, ६८५ स्थान स्थान व्यवस्थान । यह वाष्ट्र, ६८५ त्राष्ट्र स्थान स्थान व्यवस्थान । यह व्यवस्थ

অপেনি রতি, মো হনী, মায়া, লক্ষ্য, সম্মা, দংগ্রি, প্রকৃতি ও জগতের জনমীকরপা ১১৫।

দেবি। আপনি কৃতি, পৃতি, ছৃতি, চন্দ্ৰ জুংঘাৰ উল্লেখনেরিশ দীপ্তি এবং সম্প্রনিধের সম্প্র, আর ্যাগিগ্র ও পরিপ্রাক্তরণ ধ্যানে আপনাকে ক্ষেয়া থাকেন' ॥১৬॥



দেব্যবাচ !

खरसर्भव ह करियम च कन् (स्विधि भाष्य । ।
भवव्यक्ति प्रका । भावाद्यमहाववाम् ।
स्विष्य विष्ठ विष्ठ विषय स्विष्ट विषय ॥ १ ।
स्विष्ठ विष्ठ विष्ठ विषय स्विष्ट विषय ।
स्विष्ट विष्ठ विष्ठ विषय । ।
स्विष्ट विषय ह । ।
स्विष्ट विषय । ।
स्विष्ट विषय । ।
स्विष्ट विष्ठ विषय ।
स्विष्ट विषय ।

ভারতকে মুদী

ত্রতির ১৯ জিলার সর্ম হাত্র কলল নির্মানিতি নারা চেন। আন্নার না নামত সভাবতত র ইভার, ফার্মর স্থলনির্লাচারাহনী সালিছে। বিজ্ঞান ইলাকা। স্ট্রাহণাহ্যর রেজাকা ৪১৮৪

हेर र १९८२ । जो ५ ६७ स ४,३। संस्था १९८ १९८२६३ अस्ति हारास सरोदिसहारा

ভারতভারদীপঃ

সধ্য ক কলেন ইতাবাৰ পৰ মানবৰংসলা তুলা আজুৱনৰ ভক্তি আনিয়। সংখ্য সংগ্ৰে আকাৰে থাকিমাট কলিলেন ১১৭॥

হাল বিল্লেন - তুক্ত পাত্নকান। তুনি মাহাত অল্লোকোর মধ্যেই শাক্র-গণকে জম কাবছে পাবিবে। কাবেন, স্থা মারায়ণ ভোমার সহায় এবং তুমিও মহায়ি নাবেন স্বাসার স্কুছন। তুমি শাক্সাণের কেন সায়, ইল্লেরও মহায় লাভেন

এই কথ বলিয়, ছণা সেই হণ্নেই অস্তিত চইলেন , অস্থেও বর কাভ করিয়া অংপনাদের ভয় চইবে বলিয়াই মনে করিলেন ৪১৯৮

ভাষার পর অজ্ন নিজের উত্তম রপে আবোচণ করিলেন এবং কৃষ্ণ ও অজ্ন একরণে পাকিয় নিধা লক্ষ্যের ধ্বনি করিলেন ॥২০৪

(३८) ८६ देवत द द द नि (०० क्षेत्र क्षा दक्षाओं वाद ह नि।

ন চাপি রিপবত্ত চাং স্পাতি যে চ দান্ত্রি ।

ন ভাগ বিহাতে ততা সদ, রাজকুলাদপি ॥২২॥

বিবাদে জন্মতোতি বন্ধে। মুচাতি বহনাং।

হুর্থা ভরতি চাবভাগ তথা, চৌরেবিস্চাতে ॥২৩॥

সংগামে বিজ্ঞানিতা লগনী প্রাপ্ত্রে কেবল,মু।

আবোগানলসম্পরো জাবেরবিশত তথা ॥২৪॥

এরপদুন্ত প্রাদানত ন্যা বাসেত বান হ:।

শোহাদেতে ন জানতি নরনারাম্পরেশী ॥২৫॥

তব পুতা হুরালানং সর্বে মন্ত্রাবশাত্র্যাং।
প্রাপ্তকালনিদ বাক্ষা কালপাশেন কুর্বিতাং॥২৬॥

স্থাসকন্

ভারতকৌ খুলী

ষ্ঠীতি। কলো আভাতত এই নি বিষ্ঠিত সাজনি দেশ । ব নিতি, সংক্ষান চাপি বিশাৰে ভৰজাগতি শেষ, দেখা স্পাহান স্থিত কৰিব নি বিশাস বিবাস কৈতি বিষ্ঠান বাধ্যাকে স্থাতি মুখালিও হুমালিও হুমালিও হুমালিও বি স্থাতি স্থাতি হৈছিল। ব্যাহাল মুখালিও বিশাসকলিক সকলে বাধ্যা

ন্ধে নস্কুত হয় কথা জাদেমি সাহ এক নিছি। এক মান্দ্রতা হত বশাওব জোদ দীনাঃ। প্রাল্কারণ কালেওচি সম্, ইন্ হাকাং মদী কুম্নিগদেশতন্ত্রি ন সান্ধি ন শুগুছি আঃ। মাত কালপালেন ব্যবংগ কুমিন ভিতাবভাবনাল হয়। তেওঁ নাম্

যে মানুষ প্রভাতে গারোখান কবিয় এই স্থব পাঠ কবে, ভারার ক্ষনও যক্ষ, রাক্ষণ ও পিশানের ভয় থাকে না ১০১৪

কি বা ভোৱার শাক্র হয় না , আবে সপপ্রত্তি যে সকল দেই আছে, ভাহাদের ভয় বা বাজকুলের ভয়ও ভাহার হয় ন ॥১১॥

মানুষ বিবাদে (মোকক্ষায়) ভয় লাভ করে, বন্ধ লোক বন্ধন চইছে মুক হয়, প্ৰিক নিশ্চয়ই হুৰ্ম অৱশাপ্তাভূতি চইছে উত্তীপ চইয়া থাকে এব গুইস্ত মন্ত্ৰাৰ হস্ত হঠতে নিজ্যে পায় ১২-৪

স্কলেট যুক্তে বিজয়ী হয়, জেট সম্পদ কাত করে এব আগবালা ও শক্তিন সম্পন্ন হইয়া শতবংসর জীবিত থাকে ৫২১॥

আমি, জানী বেদবাদের অসু গ্রহে এই হটনা দেখিড়াছিলাম। কিন্তু ছুই চিত্ত ও ক্রোধের ব্লব্ডী আপনার পুত্রেরা সকলে মোহবলতা কৃষ্ণ ও অজ্নকে নারামণ ও নর ক্ষমি বলিয়া ভাষে না এবং কালপালো ক্ষ চণ্যায় বৃদ্ধি ক্ষমি ইইয়াছে বলিয়া আমাদের কালোচিত বাকাও লোকে না কাল — ১৯৪



্রপান্দা নার্দ্র করে রাজস্থান্য ।

হার্দ্রে নার্দ্র হার নার্দ্র হার করিব বাজস্থান্য বিল হার্দ্রে হারির করিব হার নার্দ্র ।

হার্দ্রে হারির করিব হার নার্দ্র ।

হার্দ্রে হারির হার নার্দ্র ।

হার্দ্রে বাজ্যালিক বিল্লামান্ত বিহাসিক।

ভাসন্দ্রে কর্মান্ত বিল্লামান্ত হিব হার বিহাসিক।
ভাসন্দ্রে কর্মান্ত বিহাসিক।
ভাসন্দ্রে করিব হার্দ্রে এবন,বিংশাহ্রায়ের ।।।।

চতুবিংশোহধ্যায়:।

- 10:----

शृहत्राष्ट्रे डेवाह ।

্ৰণ' প্ৰচাৰ ভাৰতে আৰু মুবাজি সঞ্চা। উল্লেখ্য কৰা কৰা দাখা বিচেতিসঃ ॥১॥

कारप्रकाश्मी

ভারতভারদীপঃ

सर्थि र मार र प्रकार — १० र इ. ४ - १८ ग्राह्म ता पुर्वित हुन्द्र, हुन् भ्रूमा स्थित । सर्वे रावशान र प्रकार मार्थित व क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा स्थापित स्थित । जारशानु र प्रकार न मार्थित । स्थापन प्रकार क्ष्मा स्थापन क्ष्म है जिल्ला । इ. र मोद्रामक स्थापन क्षमा स्थापन व्यवस्था ।

-14 -

কেবামিতাধান্ত স্বস্তার্থ ১৯—১১

द्वारि क्षां मुलक्षा देनक करूता कार्य गान कर तन के कुर्वित (बार्वकारिक स्टब्स

নিপাপ বেদবাসে, নাবদ, কয় ও প্ৰভাগৰ আপনায় পুত্ৰে যুদ্ধ করিছে নিষ্ঠেধ কবিয়াছিলেন , কিছু সে ছাহ। খাহা ক্ৰে নাই ॥১৭॥

যে প্ৰেন্ত্ৰ, কেছ, কেংমজন, লভা, ত্তি ও সাম আকে, সেই প্ৰেই কৃষ্ণ থাকেন এব যে প্ৰেক্ষ মাকেন, সেই প্ৰেই হয় হয় ॥২৮॥

(১) উপল্লন্ন কেন্দ্র লি। (১) ২ চ. প্রথকিলাকের লিকাবর।

কে পূৰ্বণ প্ৰাচৰণস্বত্ৰ মুদ্ধে জনসকল্পানে । মমেকাঃ পাণ্ডবেষ বা তথ্যসভিক, সঞ্য । ॥২॥ क्षा (सन्धानस्य भएक। योन्समस्य ।। বাণুং প্রথকি বেশ্চৰ যোধান মহিলই তাণ্ ॥ আ

मध्य हैवां ।

উভ্যো: (সন্বেশ্স্ত ত্র যোগা জন্মবিরে বদা। ख्कः समा, संगक्षांनाम्हण्यक समृद्धाः ॥॥॥ স হত্যায়নীকানা বুচোনা ভরত্যিত।। সংসং (১ সম্নীর্ণিনাও বিল্পীং ভলভানভূৎ nen

ভারতকোম্দী

. कद विक्रित पूर्व प्रमृत्य प्रदेश विक्रमण्डल के करण्डल कि कि के करणा, বিচেত্তদো বিষয়ভিত্রা আস্ত্রিভি শেষা ১১৫

安全市 · 我们为哪个成品 各种类似的 高性原 有性性 (4)

কর্তি হ। কৃত কর্বতা প্রকৃতি, সেনানা সমূন্য সমূহসাধ্য মান সমূদ্রে পছ সংসাধ কলে ব। অভিনয়েক ব্রনেধ ক্রজিব র জাকিছবী বাহুত্রত ব্রক্তিন্ত প মুকার্রনে , করেশিকার মূল অভারতভাকালী নি ব্যাক্ত ১০৪

किनामानि किन् मान्य करे सामन् वा का नामा, मना, मान गान मा স্মিটি। তে ভ্রম্বন সংক্ষান বিভিন্ন মৃত্তানা বৃহত্ত দং সহিত্তি

পুত্রাই বলিলেন —'স্থ্যু | তথ্ন কোন প্রের বেছোৱা আনন্দির চুট্যু অথিমে মৃদ্ধ করিয়াছিল ৷ কাহারাই বং উল্লাহে উল্লেচ ও ছিল ৷ কাহারাই ৰা কাত্র ও বিষয়চিত হউয়া প্ডিয়াভিল । ॥.॥

সভয় ৷ সেই স্লাক প্ৰনাৰ যুক্তে কোন্পকা প্ৰথমে প্ৰচাৰ কবিয় ছিল 🕆 আমার পুরস্বাণু না পাওবেরাণ ভূমি আমার নিকট ভাচা বল গংগ

কোন প্ৰের সৈয়ন্ধাে পুপ্রালার সৌরভ বাহির ইইটেছিল স এবং কোন্ প্লেরই বা গণ্ডনকারী যোগ্গণের দক্ষিণ দিকু নিয়, বাষু বহিছে-हिन १ ॥ ॥

সঞ্যু বংলকোন -'নহাবাছ। সেই সমবাজনে তথ্য তুই প্কেব যোভারাই আনন্দিত হইয়া'ছল, মুট পকেই পুস্মালা সমান ছিল এব চুই পকেই সৌরভ বাহির হউভেছিল ।৪।

⁽१) तप्रकाशास्त्रीकासाम् काम्ब्री बाद्रीयामाम् वि ।



ভারতকৌমুদী

197 "

many and the second sec

ব সংগ্ৰহণ কাম স্থাপন কা হ' ইনাম্প্ৰাপ্তৰাষ্ট্ৰেছ নাম সাধাৰক সাংস্থাপন কা স্থাপন কা হ'ল হ'ম হ'ব বা নাম্পিনিক সঞ্জুবাবি দ্ব কৰ্ম না কাম দিব হ'ব হ'ব সংগ্ৰহণ বা নাম্প্ৰিক সঞ্জুবাবি দ্ব কৰ্মান কাৰ্য্য হুবুৰ ক্ৰাছি হুবু দ্বাস সংগ্ৰহণ বা নাম্প্ৰিক সঞ্জুবাবি দ্বাস্থানিক হুবুৰু ক্ৰাছি হুবুৰু ক্ৰাছি হুবুৰু ক্ৰাছি হুবুৰু ক্ৰাছি হুবু

নার চালাস ৷ সাধ্য পাদ, সাতালারে সারিবেলির এব সমর্বাহসারে উদ্ভি উভয় সিক্তের সাধ্য ককতের সাহয় হইয়া ছিলা এসো

শাদ্ ও (৮০ র শাস, জাকুনাকু বাংগ্রে শাস এবং প্রশাধ্র পাইনকারী। স্থানদক নারগণ্যের কোংলাক্স নিশিত ক্টকা ভুতুস ক্ট্রাছিল ৮৮॥

ভবতকেট ব্যক্ত ৷ উভয় সেনাবই প্রধান যোজাবা, সাধারণ সৈয়েরা ও ইতিসমূহ আন কাজ তইয় প্রকার দবন করিছে থাকিয়া গ্রনকরিয়াছিল, প্রে ছাহাদের ভ্রতির সাম্প ইইয়াছিল' ৮৭৮

* o *

ভগবদ্গীতায়াঃ প্রক্রিবাদ প্রতিবাদঃ।

ভারতকৌম্দী

উমধা বন্ধান্ত সংক্রিত। প্রমাজানমির শ্বাধানা। প্রমানতির সর তারিক কা হিচাবেকত কা পুত্রতম্ব।

मान दक हिम्मदनना । प्राप्त पर प्राप्त पर प्राप्त कारण विष्ता ने किए । इस किए वर्ष ১ বিশ্বর্ণ প্রতিবৃদ্ধ ভব দুল রং ক্রমণ নির্ভিত ব স্থান নির্ভিত করিছে। क्लिक्शिय्तर, स विचिद, याराजिक ला खराहि खराच्यार रहा , स दृहर, भिन्नि श्राट इंड देरे। व्यक्षा के क्षेत्र कर किएक राज्य प्राप्त के कार्य किएक भारत्य क्रिक्स् १७६५ विद्रमण् पर दिः १८० दिव्यम् । ६ ११९ ९ ११९ ९ १ ४ ४ १ स् वकः छहु कन्युष्य सम्बद्धाः वस्त्रा वस् æर्मिन्द्र स्टब्स्ट क्रिक्ट क् "ମ୍ୟାଲ୍ଲ ପ୍ରଥମ୍ପର୍ବ ଲ (ଏହାଲ ଲ ବିଲେଖନୀ ଛିବ୍ଦର୍ବ । ଅବ୍ୟକ୍ତ ଲ କ୍ରଣ୍ଟ ଲ ବ मध् किरम्भार्यामय इ. ८कोवद १०६० विष्यु इत विषय ५०० वर्ष वर्ष व विस्ति प्रदेश के विक्त विष्टि । विश्व विकास के व अभिनेद्या (१ प्रदेशक प्राप्त के किंग्स में पुरुष्ति के वे के राष्ट्र के के के किंग्स के किंग्स के किंग्स के कि 本"为" 声 10日, 倒日日 日日 人 有民意用"内口子子 医工士 完全 智 八八年 九 文中 九 女中中山 历 कि वहान, अवन्तरी नयू, रहाँत्य नव, रत राम, नयू पर रत नाम दूर त राम मानून आवा है में खार ता के केंद्र होता मेंद्रकर मेंद्रेडर र मेंद्रकर हेर दे कुर रा रेड्डिंडर স্পাস্ অমৃত্রবারৰ দ্বিশ্ন স্বীকৃতি দ্বহ্মতে লক্ষা ব্রামারৰ মৃত্তত ভিত্ত পাল মহ ভাৰত প্ৰায় বিজ্পি ন্ৰ ছা বেৰি দিনপুৰ্বাচ ভূপিৰ বৰ বা টেম্ব জ বছান ৰাছতি विकीर्यक्षा अल्लाहरू कर्णक रहा करूनद गीति सह कर्षिणुक सित्री से वसकाम्

শ্বেষ্টিও ভগৰস্থীতা, পৰা ভীমৰব্যাতঃ । ই চ্যানিজকাৰি জন্মগ্ৰাহ হ'ব আহমেৰ মহানিল ভল সংগীলাল ভাল ২, সমনস্থানাল শিক্ষাকং হত পাৰ্থক স্বাস্থ্যেষ্ট্ৰী মহাম্ভিত।

त्य द्वा संभयास्य ६६ हु हि.स वन महिला।"

हें छि छ महाराष्ट्र या निर्देशय की तालुक कुमा धान थे, व्यावादिक भावान द्वारी ता धान तरण —

ভারেছকৌ মুলী।

क्षाः । इत्तर के सुध्यान इत्य ह भवा एवं महादादशः। समाम्ब मना कृतः।"

----(t)-----

ভগবদ্গীতাসময়ে প্রক্ষিপ্রবাদের প্রতিবাদ।

্লাশিক ও তেলাশি হান্ত নলখাই বলিছ আগজন এই, নাগাকাশিকা নাই দাবিটাইব উদ্ধান্ত লেলাও তেতি এ বছাত্ৰী এই শাক্তি আগজন কলা, কলোপু নি চিছি অনাত সংস্থানি অসমত কলি সমুক্তিকাল অত বছানা প্ৰিক্তিক, ইউলিই

ক কাৰ্যন ন চন কাৰ্যালেকে চুকি যে হ'ল কাইবিন না, নাৰ্পাইকে, চৰ্ণান গীহিং স্থিপাশ্ভৰ ৮ সহ ন শান উপৰিধ কন শুস্থাইনেই

मान्य — मन्द्र देवन के न्य देवन के न्य देवन के निवास के निवास के निवास के कि निवास के कि निवास के निव

কালিপাবলৈ এই বৃদ্ধ কিন্তুলাক্ত , সাজ কট অসু কাপু কুল্লিক তথি।
সাংশান আপান সেন প্ৰিত্ত সোধাৰ কাপাক কৰিব সংস্থান কাপাক সক্ত কুষ্ণ কৈতি সংস্থানিক সংস্থানিক সক্ত কুষ্ণ কৈতি কাপাক কাপাক

श्री हर की -- श्रान्य। इहें ने प्रभावन में द्वाय प्रभाव का प्रशासक क्षिण देश हुए प्रशासक क्षाप्ति इक्ष प्रभाव क्षाप्ति प्रवास क्षाप्ति प्रवास प्रदेश क्षाप्ति क्षाप्ति क्षाप्ति प्रवास प्रवास क्षाप्ति क्षाप्ति क्षाप्ति क्षाप्ति प्रवास क्षाप्ति क्ष

কাশিপাৰ দী—মহাশার দ আংসাধিপাকের আনক উকালেনট মান হাল এমন প্রতিকা শাবকি বে, "আমার মর্কেল এ বাঁট চউন আন থিকি দেই হউন, আনি কাল কাজিল লাক বি কি কাশ্যিক কারিব' আশানারও যদি দেইবলট কাশ্যিক লাক কে, আমি কালিক মুলিয়ার স্বিষ্টে প্রতিশন কারিব, মত হটাল আমার আন আন আনামান কালিক ভালিক

প্রতিষ্টি—'প্রকাৰ জ'বিতি নাই ব, ইণ্সিতি নাই, এই নিজেও তাও নালাও বিলিছা কোন প্রতিবাদ কবিছে পাবিষান প্রতিধা এই কারণার গবেষক মাব হব কবিছ লাই' এইকাশ ইজেলে বলষ্টী হইছ আন্দাৰ ভাষতি মুলগ্ৰাণীত কো পাহিছা বিলিছা ওল, হোছা ইউলো আম্বেক্ত বিভাগে প্রথমিন র জিলার নাই সংবা, সভল্যাত বিলিছা কবিছে হাইবে একাশ কোনি কার্যিকার কবিছে হাইবে একাশ কোনি কার্যিকার নাই বা নাজদাহিকাশ করিছে হাইবে একাশ কোনি কার্যিকার নাই বা নাজদাহিকাশ করিছে

প্রতিক নী— স্বর্গতির । কেন লা, সামন্ব অসান্তর বা দিক দাম সাবিবলাক্ষর প্রাথন স্থানিক ভিলান এবং ডিলিও সেই লি নপ্রতিত্বতার মানে সিউতন দিবলন স্থানিক কার্যার কার্যার মানের বাংলি কার্যার কার্যার কার্যার কার্যার হিলাল কার্যার দিবলৈ দিবলৈ দিবলৈ কার্যার সাবিধান কার্যার দিবলৈ কার্যার কার্যার কার্যার মানিক। মান্তর নিম্নার হার্যার হার্যার কার্যার হার্যার মানিক। মান্তর নিম্নার হার্যার হার্যার হার্যার হার্যার হার্যার কার্যার কার্যার কার্যার হার্যার কার্যার হার্যার কার্যার কার্যার কার্যার হার্যার কার্যার কার্য

व्यक्तिश्वामी—साक्ष्य दहेक। भूत नव्यक्तिक इक्ष्म किंद्रक है मानव गई क बाग्डिय गई शहरिट कि बदा आभिद इस, द क्रिक्ष किंद्रि व गोडिय भट मध्य भन्द्र-म स्व क्षिण्याची मूल,वास् द्वा वक्ष्म किंद्रिक हिंदा इक्षिक, हेट कि किंद्रित विश्व न किंद्रिड भाषिण

क्षित्र प्रतास क्षेत्र कर का स्थान कर विकास क्षेत्र कर कर का स्थान कर कर का स्थान कर का स्थान कर का

क्षित्र प्राप्त के लाल कि सम्बद्ध विद्यालय । इत्तर विद्यालय विद्यालय वि

ক নির্কা— বেন্ত সংগ্রেম ব হন্ত সন ছিলিকা, এবি যা লাইছ আন লাইছা করি কিন্তু করিছা করি কেন্দ্র করিছা কর

कर्त । ता ना रहा १९४ मा ना १९६ मा का वा भाग सह स्थान स्थान

त्र्वंक्ष्यत्त चन अक्षात्त्रो तरमञ्जूक दार्गात त्राल किस् मृङ्कि (स्थाई८७) भारतस्य देव

শ্রবদা সংকরত শাতি সাম সংগ্রহত প্রাশের স্থানির প্রারহারন করিয় লেপি সংক্ষা ইবে ব, জন্ত সামে এ তপ ৪৩ বিলম ভাত, বং প্রকার চল একা ব্য জাতী সংগ্রম এই জাবাধি, সামিকেন নিইরগাই সময় হাত্

ल्धकित्राती - अ मकत विषय य १६ य १८०५ ५ जगहर



ভগবদ্ধী নামদকে প্রজি প্রাদের প্রতিবাদ :

কাৰিব দী নথাৰ , শহৰত য়, দীৰবছানী ও মনুসদন্তত্ত্ব আছু হৈ এই কাৰ্তহ্ কাৰ্মি ৰাম্ভিত্ত এই কাৰ্ড দত্ত উল্লেখন কৰিছা কিছেপছন , ইত্তুম্ভ কীৰ্ত্ত মৌলিকভাই আনাপিত হয়।

আক্ষিবত,—লাভ অভিপাৰ চৌতিকণছ এ বিদিন কাষ্ট্ৰত ন মানুসকান কাৰিত চিত্ৰ বিভিন্ন কৰি আনহিছাল কাৰত, সংগ কাৰি আৰি কি ভিন্ন কৰি আন্তি কান্তি কান দিছিল। বিভিন্ন অন্তি এই কামৰ প্ৰথম আন্তানৰ ভাই কাৰি কামৰ কান্তি কান লাভ ৰ প্ৰথম কাৰ্যিক কান্তি কান্তি কান্তি কান্তি কান্তি কান কাৰ্যিক কান কাৰ্যিক কান কাৰ্যিক কান কাৰ্যিক কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান্তি কাৰ্যাক কান্তি কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্য়াক কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্যাক কানিক কান কাৰ্যাক কান্তি কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান কাৰ্যাক কান্তি কান্তি কানিক কানি

কাহির বি ভার পর কান্য, সকল জন ভূতি ভোক জাত । চলভূগ ভূতি ই মাধানালাকর বিভিন্ন কোনে বিভিন্ন বাসকল উল্লিখন হিলিছে।

ধা সিপাৰ ল' কাত বা হাত হাইলো আহলাই কৰাৰ কাত কাত বা হাত কাত্যকাল কাত্ৰ কোনা বিশিষ্ট বিশ্ব কাত সংগ্ৰহণ হাত কোলাই কাত্ৰ ক

ন্ধানিক নি— হাংগাৰ হাইলো সালাৰ না কাৰণ হাণ নাগৰ ও নিশাৰাক হিলাগ্ৰ মৰামিটাৰ নাম নাশাৰালগৰ্ভ হাৰণাই। সংগাইছে— কামাপানী কামানি হাণাও, কামগুলি সালোক, কাউভালি উপাপ্তা কৰা কি কি কুড়াম সাজে, সালা নাগৰি একক সালি, এই কেচা সাহাৰ ভাৱৰ নিমিষ্ট কি নিমাণ্ডেন, ভাৱতে নাগালো সাই ন

"नदर्शकर कनवष्त्री हा भन्ते को घवनवार-"

ইচার পরে আধার লেখা আছে---

শিক্ষালং হয় পাৰ্থক ৰাজ্যেহৰা নহামটিল। বুনাচাজ নালগালণে ২চ ভুলিবাৰাপন লগত ।"

ভাব পৰ মংবাৰ অংশমেশিকপাল অচ্তিকপ্ৰকাশ কাত ক্ষাই অন্তানৰ নিৰ্থাই অসিয়াছেন—

> "अरुद्रशान्त्राका मृश्यात हेलिए प्र प्रशास्त्र प्रदेशकारण । स्थानिक मना स्थान

বিশ্বসামীৰ পূৰণক ও বৃদ্যাগণ্যার প্রকে আধু নহিৰপাৰ অনুধী নালুকরা (১ আনা য়ে ৪৯ সোক অভ্যাধ বেলবালে আদিলায়ে ভগবলনাম ক কেটা উপদক্ষ কহিছেন এবং সংহার বৃদ্ধান্ত লিলিন ছেন, আধার কুক্ত আলাম্ভিকশান্ত অনুধী নালুকরণে কলনাক দেই ভগবল্যী হার বিষয়েই অরণ করাই সিশান্তন, আমন্ত ত কান কাপট ভগবল্ন শীতাকে স্পাহত গ্রহ হার কিলে প্রকার বাং হার না।

প্রবিশ্বাদা—ইবং হাজ করিচো ছি সেই হাণ ছা কেন প্রবিশ্ব বলি । প্রতিবাদী ডাই ইইটে, সম্প্র হই ভারসটাকেই কিবা নিজেবই প্রতিয়া বলিয়া আহিছে নিয়ুক্তি বিহা বনি।



শ্ৰীমন্তগৰদ্গীতা !

প্রথমোহধ্যায়ঃ।

মূতরাষ্ট্র উবাচ।

ধারকেরে কুক্কেরে সম্বেটা মুদুংস্বঃ। মাম্বাং পাশ্বাংশিচ্ব কিম্বুর্ভি সঞ্য ।॥১॥

शावज्यको पृथी

ার কা কার্যা কাল কাল বিশ্বস্থান বাহ ক্রুড়ে পরিস্থানির বিশ্বস্থান করে।

শহর্ম কাজ কলাই সাম্মুক্ত বাহ বাহ বাহ করে বাহ স্বর্গে স্কর্গিয়ার ইর্গান্ত
শ্বীর্থানু, প্রভাবনাক, নাউকালিবাধী হয়বহা।

নাও ব্লেজ্য বিশ্ব সন্ধানত (হাত্ৰিল স্নাপ্ত ইকি তৃত্ৰ নিং ব্লিষ্ট্ৰ কুৰ্ব না হাত্ৰপাস্থাৰ বাৰ্তিকৰা সভা ব্লেজ্য প্ৰতিবাহীৰ ক্ষিত্ৰ (১) আৰু ব্লিজ্য ক্ষিত্ৰ ক্

ভাৰতভাবদীপঃ

ক্রম হল দিলে ব্লবিদ সক্ষাৰ ব্যক্তি বালক্ষিলো নামে প্রক্তা প্রথম ভ্রহণ নাম কিল্লানী ত সন্ত্রন সক্ষাৰ প্রেলাক ক্রিয়ার আগ সমাব্রে । ভারতে সক্ষারের ও ভ্রহণ করা করে ক্রমের হার্লানির হারের ক্রমের ক্রমের ক্রমের হারের হারের হারের হারের প্রথমের ক্রমের ক

ক্রিয়াছিলেন : ॥১॥



মগুর উবাচ।

দৃষ্ট্য ভূ পাওৰানীক বৃদ্ধ ভূৰোধনভাল। আচাৰ্যামুপদাগ্ৰা ভাজা বচনমন্ত্ৰীং ॥১॥

कारवटको यूनी

দৃষ্ট্ৰি বাজ হলে সনা, তাৰ উদ্ধেশন্মন্ত্ৰালন, পাত্ৰান মনীকা বৈভাষ্ পৃথি বৃষ্ণকাপেল সভিবিধি নিন্দৰ কৰ্তু, আছা বা প্ৰধানতাশিককা কোনায়, উসমাধনা, বলায়ালা বচনামবহিং। সন্বাদ্ভাল প্ৰভাৱ কুলা ভূতিবাৰ্কক কি ইসন্প্ৰাণিক নিন্দৰ চীম্মা ভূতি জাৰ উপান্ধ স্থানাম হাজ বিন্দ্ৰ ভূতিবাৰক কোনায় স্থানাম কৰিব চীম্মা কোনায় স্থানাম হাজ বিন্দ্ৰ ভূতিবাৰক স্থানাক ভূতিক সভিত্য লোক ক্ষাৰোক্ত বিভাগ কোনায় স্থানাম বিভাগত হাজি প্ৰবৃত্তি কালায় স্থানাম কালায় কালায় স্থানাম সভিত্য কালায় স্থানাম সভিত্য বিভাগ বিত্য বিভাগ বিত্য বিভাগ বিত্য বিভাগ ব

भावहसावनी शः

তে (তে দেখা) — দ প্রসকারেই সক্রেণ্ড নিশ্ভ হল্ সদস উনাভ করেন, বিজ সাধাকুপ্র পাল অ্পভাবে নিহত হল্ড এ সেই সামান্ত ও লই সদস্তি লাভ করিছে পারেন।
আভ্রেষ্ট্রেন অবভাত করা কলি, ই স্বি হইছ ভিল, তামন ভাষা মহাহানী বক্ষোমার
আ ব্যাকর ই ভাল হল্ড ও সেনাহ ক্ষাক, উল্ড মুক্তী হট্য সুক্ষিণ্ডেই পালন কি
ক্রিয়াছ্রিনেন; স্কার্থ ভাষ্য ভূমি কিল চল

সঞ্যু কহিলেন 'রাজা জুর্গাল্যন ভখন পাত্রগণের সৈঞ্জিণকে বৃত্তিক্রে স্বিক্তি দেখিয়া ভেল চাল্যার নিকট যাইয়া এই কথা বলিলেন সংস

क्ट्रिक्ट्रिक्ट्री—पृथ्य मध्य श्राम श्राम एक्ट्रिक्ट्र मध्दे राग है रहार कहता। श्राहरा क्ट्रिक् ভীয়েপ কৰি

প্ৰিয়াৰণ কৰ্ণুপুৰাণ লাভাজা । লাভাজী চমুম্ । ৰু সাং ক্ষালপুৰ্ব এব শিৰ্মন দীমতা গুঞা মত শ্বা মত্তস্থা নীমান নদ্মা বৃধি। যুষ পুরে। বিব উব্চ জনপদৰ্ভ মহারণঃ । ।।। इ हेट कड़ दन 5 कि डोमा का ने ना खन्छ दीर्थ (व'न् ! প্রতিত্ত করিব নাজ্মত লৈ ব্যাস্ট নবপ্রস্কর: ॥৫॥ भवावस्थान विकास हे हर शेका क विदेशियां मू । ুখালান তুন গ্ৰেলাকেচ দৰে এই মহারথাঃ ॥৬॥ (বিরশাক্ষ্)

'हादहरको भूगे।

संबुद्ध निकास । १९५ । अञ्चलका ४५ कि क्या ६ द्वा की छूत বুহিনাং, ফুপানপার দু । ত তত্ত্তের কুপানাম, পত্তুর ক্ষ্তির মহারী আলকুমুম্য সংগ্ৰহ আন কন নাৰু প্ৰতিক্ষ ভণ্ডিঃ ६७० ठर्ग वर वर्गाः । वर्गिक् व्याप्त वर्गाद्धाः धनदेशास् । चुँदेखवन ५ अवस्य १८२५ च वृष्ट्य अपूर्ण के अभारता साथ भारतवारका कृतिस्ता गेवीयाम् ८क पक्त कर्नरा हे कि छातः १४।

भाष्यक प्रवेश रूप न कार्य के पाद क्षेत्र मूर्ति शुक्ति, मोपाल्यां के न अमान्ति है, । ସେକ୍ଷ ଏକ୍ଷର ବିଜେବ ଓ ମନ୍ନ ନିଆର ଓ ୨୯. ଅଟଣ ସ ଏହି । ଅଟଣ ଅଟଣ ଅଟଣ ଅଟଣ । ଅନ୍ତିୟ मुक्ति अ म कि असे साम के रेटिंग यह से खार अध्यक्ति देशक व्यवस्थिति देशक म्रात ६ तक्षका , होता । । ११ वह विकास समृद्धा, अकिकामा सक वाक्षमुद्धा, वेषाताम् क केलाकार, प्रविध परिता , कृषि न कार द के, मरपुष्टा (वटाक दाव , दिसारका मुख्यक्ष के विकास में हैं कि अप करते हैं है, है है के पूर्ण पुष्ट के विकास है, (प्रीप्रस्त्र) (प्रोमचा भूद भाग गणक गण माम, ५१'र गण १५५'म्.स. ४०० मास अन् स्टातास्य मास्त्रा ংপন্থোপ সভ্তি , পৰ তাপ পানুব্য নুন্ত বাবা বাংলার বিশ্ব স্বৃদ্ধি হয় যি লোকসুলে ।

'আচাণা৷ অপেনি পাণবগাৰে এই মহামেনার প্রতি দুটিপাত করুন: ফ্রাপদর,জার পূর্ব এব আপনার বৃদ্ধিনান শিকা পুষ্ঠান্ন এই সেনাকে ব্রহকাপে **স্**রিত্রশিক কবিয়লেচন া 💵

क्लोक्ट्रभूमी। इ.च. । क्लारा च च न्य द 'इटलक । हे बृहेजाय पार वह श्रद अवा प्राम्माद वात्त्व अस्ते दे श्रेष दावेर रचम विरम्भक अहे पुरेतुरम् प्राप्ताद जुलियाम् লিকু বলিও। মৃত্যু মাত্রাকট চুত্রতী, ত্র তার বুতে বুতে কেও জন্দর করিছা সাক্ষরীয়ালের । ফুট্রণ অংখনি পাত্রশান্ত আন বিখনত আগতের প্রতি পুরুত্ব স্থেচনতের সুংক্ ট্রাসীর ও কিছে প বিক্রার, বিশেষ সালবিধীর বিকেট উন্ধর্গ বহরারেই আল্লাক পুদা করা ক্তৃব্য । গা

অক্সাকস্ত্র বিশিষ্টা যে তান্ নিবোধ বিজোভন ! । নায়কা মন দৈহাতা সংজ্ঞাধি তান্ ব্যামি তে ॥৭॥ ভবান্ ভীলা•চ ক-শিচ কুপ•চ সনিভিত্যঃ । অধ্যামা বিক-শিচ সৌমদভিত স্থঃ ॥৮॥

ভাষতকৌ মূদী

আরু স্থীতে বিভাগের বা কিন্তু হ্রাণ এই কান্তর স্থাপনকা নাজের মের্নসূত্র তথা চু সাহিত্য স্থান—"হ্রাকার্থপথা প্রত্যান্তর চুত্র ক্রান্তর মুখ্রক। তথাকা বিভিন্ন ক্রোক্রিকের্ম চ্নাপ্রতাহ চুত্রি তা নাজা ব্যবস্থা তে—সং

ভারতভাবদীপঃ

साचीर विश्वभाष्य १२३ अहर्षाका यह या इंद्रांश भनाय एका एका ए एका का हा कि । क्रमानक भड़ या हो राज्य १८३ पृष्टाक का नाम पहुँ छ। , नाम प्राप्त प्राप्त १००० प्राप्त का कि निक्रणाः भारत्य इस्त्रीमारमधाः क्रानिक्षा निवदका निवदक हो। इस्त्र तथा का एक मा विकास मुख्या का स्वर्णन क्रानिक शासार महिन्दिन स्वार्थ अस्त्र इस्त्र व्यक्ति होना । द्राप्त व का नाम क्रानिक स्वर्णन क्रानिक स्वर्णन क्रानिक स्वर्णन क्रानिक स्वर्णन स्वर्णन क्रानिक स्वर्णन क्रानिक

মুদ্ধে ভাম ও অঞ্চনের তুলা অনেক মহাধ্যুদ্ধ ব'র এই সৈত্মধা রহিছা। ছেম। যথা -মহারথ মাডাকি, বিহাই, জন্দ, ধঠকের, চেকিডান, বীধাবান, কাশীরাজ, পুক্তিং, কুড়ি ভাড, নহাত্র্য লৈকা, বিহা মলালী বুলান্যা, বীধাবান, উত্যোজ, অভিময়া, ছেলিলার পুর্ণণ এব হর্ষাংকচ অভ্যি, ইবারা, সক্ষেট মহারণ ॥৪——৬॥

ক্তাক্তপাৰ্ক্য — শ্বৰৰ হ'চ । অংগ্ৰণৰ সলা পৰ বিশ্ব উৎগাৰে সভিছ মুখ কৰিতে হইৰে 18—68

বাধাণতের | আমাদের পাকে যে সকল ভোই যোক আছেন, আপনি ভারাদের নমে ভারত করুন , আর আমার সৈলের মাহার পরিচালক হট্যা-ছেন, অপেনার পরিচয়ের হুলু ভারাদের নমেও আমি বলিছেছি নম্যা

তেই হালাইট্য – মাত্রং মংলানি পার্বালয় নাপক মান্ত হৈছাক নিজ্ঞ মনে ফ্রিবেন না । গা

⁽b) समिद्याविष्यदेश्य छ-मा चना उन्त्रं के बहुनद्य नाह

সাত্ত চ বহর: শুরা মদ্ধে তা জাজীবিতা: । নানালত্ত্বহরণাং সর্বে যুক্তবিশারনাঃ ॥১॥ মালগাপ্তি তদত্মকৈ বন্ধ তীম্পতিবক্তিত্য । শুর্বপ্তি বিদ্যাত্ত্যাং বলং তীমাভিবক্তিত্য ॥১০॥

ভারতকে মুলী

साम क्षेत्र इति । इति कृष्य क्षेत्र विकास क्षेत्र स्थान कृष्य क्षेत्र स्थान कृष्य क

ভারতভাবদীপঃ

শাবাহপতি না বুলবিদ কলম্। দাজাবন্ত আন্তাহে পি পা কর্ণ ক জালন ন্ম, প্রেয়ু আবিদাণ পূর্ব হরে গান কন্ত্র ভূদির নালে। তিকা আন্তাহ কালে বিদ্ধান্ত্র আরি গা জংলগ্রাসক লি কাল্য ১৯ মি মহিল পাত্র জালাল কালে কাল্য কালি বিদ্ধান্ত লি কাল্য কিল্য কালে কিল্য কালে কিল্য আলোক কিল্য কালে কাল্য কাল্

যুক্ৰিজয়া আপুনি, ভাম, কৰঁ, কুপ, অশ্বাম, বিকৰ্, ভূলিখাব। এবং ভয়স্থ (ইচাৰ বিভিট্, ছেলা

ভৌকেপ্ৰায় নইশার অনেক মুক্তি হয় লাভ কৰি হৈনা, ওচভাগ ব্যুক্তি হাছছ লাভ কৰিবনে, এডিগ আশ বহু হার ১৮৪

শলা ও কৃতবম্প্রস্থৃতি মারও বঙ্তর বীর মানার চল্ল চীবনভাবে উদ্ভুত ইইয়াছেন এবং তাঁহারা সকলেই নানাবিধ অস্থ্রপ্রায়ী ও মুদ্ধে স্থুনিপুৰ ৪৯৪ তাৰ্প্রস্থিতি মত্তর ইংহারঃ হাবপ দই মুক্ত ক্রিবেন, এইকদট মাধ্য করি ৮৪ অসমেৰু চ সৰ্বের বলাভাগমৰ্ক্তিতাং। শীল্লমেৰাভিৰক্ষন্ত ভবস্তঃ সৰ্ব এব জি ॥১১॥ তথ্যসংজ্ঞানৰ্ভন্ত কুকতৃদ্ধঃ পিতামজঃ। সিংজনাদং বিন্ধ্যোক্তিঃ শহাং দ্বেরী প্রাত্তিবান্॥১২॥

ভারতকোমুদী

हैन मीन सर्वात्त के नम्मानित्त , द्व वि वक्ष्य व यू न्तान ने यू है । एक व तहता से स्व दि स्व " इह नवार , स्वय सर्वा कि है कि है कि ति में है कि मान्यू प्राया कर विक्रिक कि यू प्राया कर विक्रिक के यू प्राया कर विक्रिक कि यू प्राया कर विक्रिक के यू प्राय के यू प्राया कर विक्रिक के यू प्राय के यू प्राया कर विक्रिक के यू प्राया कर विक्रिक के यू प्राय के यू प्राय कर विक्रिक के यू प्राय के यू प्राय के यू प्राय कर व्

क्षान्तरहरूराञ्चित १८७ कि प्राप्तिकार कर कुछ । १ नामन दृष्ट दृष्ट्षः स्टामित कि, टिमान प्राप्ति । १ समिमा टिमान ११ माइ, मक दृष्ट सम्बद्धः १९मानिकास, स्टामिन व्यापस्थानकार्यान्त सम्बद्धः वित्त किर्द्धान दिवस्त कृष्ट् स्थाप्ति । स्थाप्ति वित्त स्थापति । स्थापति स्यापति । स्थापति । स्थापति । स्थापति । स्थापति । स्थापति । स्थापति

ভারতভাবদীপ:

शित्र के महाभू, येग रेम के कारण रेग रियम प्राप्त है। इसे महार के इसे महाभू के राज्य का कारण महार के स्थान के स

আমাদের এই দৈল স্থায় অধিক, বিশেষতা ও আইচাকে সক্ষেতাভাৱে রক্ষা কবিতেছেন, আর পাওবদের এই সৈল স্থায় কল বে ভীম উহাকে রক্ষা করিডেছেন ॥১০॥

্রাহ্রপ্রায় অমার সভা এগার অংকাণিলি এবং এবা জি দীয়ে ইবা কার্কা ক্রিকাছন আবি পাত্রকের সের নাত্র সাধার্থিকি ও বা তার আবার বি বার (৬মে, উবার ক্রেকার এই বা ও । অসমর নিশ্ববী আন্ধানর জন্মবীবার

আপ্নার সকলেই আমাদের বৃদ্ধর সকল পাধে আপন আপন নিজিট স্থানে অধ্যিত চইয়া ভীমকেই সকল দিক্ হইতে রকা কবিছে ও কুন ৪১১॥

ক্রাক্র প্রায় — হংকারে ্সনাগতির সমস্ত সৈত্ব সহাস ধরিং না ভারাকে ফটনাক্রমে বিশক্ষের পারে ব শিল্পান জাসিং। সেই ক্রেন পতির ক মান্ত কবিবর জাগোপ পার ব একেকে কেলে নাম্য এই জন্ম হ্যোপন প্রথমেই সাম্যক বাসা কবিবর উপ্রেশ হিলেন ১৯১৪

তত শ্বাশ্চ , ধানিক প্ৰবানক্ষোগ্যাণ। সংবৈধানক্ষান্ত স শ্বন্ত্যুব্যাত শ্বং ॥ ৩॥ ততঃ , কিতৃত্য বুকু মহাতি জালামে ভিচ্ছা। মধ্যে পাঙ্ধীশ্চৰ দিবো) শ্বামী প্ৰৱাহুঃ ॥ ১৮॥

ভারতকৌমুদী

হাত ইবিং। এক কালিকাশনো নাম্প্র ন সংগ্রাম এই ব্যক্ত সালন স্থাই কালি বিশেশকা, সংগ্রাম কালেকাশন আনুধ্য সুধ্য সংগ্রাম কালেকাশন স্থাবি একাশুত ক্ষাই নান্ধ্য ভাষাকাশ শালন স্থাবিক সংগ্রাম কাশে কা মুখালি নাম সংগ্রাম কাশ কাল্য কালেকাশন কালেকাশন কালেকাশন স্থাবিক সংগ্রাম কাশিক স্থাবিক সংগ্রাম কাশিক স্থাবিক স

ভারতভাবদীপ:

वर मिहिर "प्रश्त के तद्यानि ए जिसे भी है के जिल्ला कुर्नु क हुन्य का ना द्यागास्ताहारी नृतिक्षित ते ना त्या स्थान करका कर के कुलीत कर कर । द्यागापुर रामका कामग्री राहे दृश्ति कहुण करकाममा किसे के किसे किसे का व्यवस्था स्थानक , कुलाक्ष्य का द्यागालाई

কুককুলকুত্ব প্রতাপশলে ভাষা ওখন হয়ে সেন্দ্র আনন্দ ভক্তির্ভ আকিয়া। উচ্চায়ের সি চনাল কবিয় শাহার্থনি কবির্জন হয়ে।

ত (তেপাহার - এসনালা বর ইংসার নেতিবল, কড়ক এ নালা বল কান বিক। সুস্থার ৬ মার স্থানন নিশাম্পান শুনিন । তান কণ্য বল নাজ এব নালা ১০০

ভিদনশ্র ব স্বাদক্রেরা একদার শাঘ, ৮৮৫, পণাব, মনক ও গোল্পপ্রভৃতি বাজা বাজাইয়ে ইতিলা, ভখন সেই ধানি ভুল্ল ৪ইয় পাড়িল ৪৯০৪

কাৰ্কিনা — কুলপকাৰ কাজাকালকর সন্দান ভাগাল কিবলাল কা শ্ৰ্পিনা কানিয় উচ্চ কালকানি অকলা কেবিকারসন্ত এইকিদ ন্যা ক্ৰি, যুগদান স্কল দিকি কুইনিট কাৰ্মা ক'ল অবস্থা কিবিকারসন্ত এইকদ ন্যা

তেরেবে প্রকৃষ্ণ ও অজ্ন কেড.ব্যুক্ত ইওন ক্থে পাকিয় উর্ম সন্ধ-যুগলের ধ্বনি ক্রিকেন ॥১৪॥

ক্রাক্ত লাল্লার — উপন্যালালার বিশিষ আন্ত নকৌন্ধলাক প্রায় হবা লাগুলগাকে আক্র প্রায় হবা লাগুলগাকি বিশিষ আন্ত নাজ নকৌন্ধলাক দ্বান্ধলাকি বিশিষ্টির স্বাহ বিশ্ব নাজ নাজ নাজ নিয়ের উৎসাহ বছন করিবানন আক্রমণ তেমনাই সমালানি কবিও নিজের উপায়র আনার্থনাকি। তার পর কোবরশাক্ষের ভাগে গাওবলাকেও প্রথম বিশ্ব নাজার নাজার নাজার নাজার করিবার আলানাহের উৎসাহ প্রকাশ করিবানার ১৯৪

পাকজন্ত জনীতকৰো কেবনত নমন্ত্ৰ:।
পোল্ল নতো মহাৰ যা ভীমকন্ত্ৰা ব্যানকঃ ॥১৫॥
আনন্তবিজ্ঞা বাজা কু ভীপুছো যুনিষ্টির:।
নকুলা সহকেবনচ অবেল্যনিপ্রজ্ঞানে ॥১৯॥ (যুগাক্ষ্)
কাশ্যনচ প্রমেল্যনে নিবালী চ মহারপ:।
শ্বাভিন্ন প্রাটন্ড মাতাকি-চাপ্রাজিত:॥১৭॥
জ্ঞানে কৌপ্রেলান্ড মর্শ: পুল্বীপাতে।।
সৌভ্নন্ড মহার(ত: শ্যান্ ন্যু: পুল্ক পুল্ক ॥১৮॥ (যুগাক্ষ্)
ম যেকো দ ব্যানুল্যান স্থান পুল্ক পুল্ক ॥১৮॥ (যুগাক্ষ্)
ম যেকো দ ব্যানুল্যান স্থান পুল্ক পুল্ক ॥১৮॥ (যুগাক্ষ্)
ম যেকো দ ব্যানুল্যান স্থান পুল্ক পুল্ক ॥১৮॥ (যুগাক্ষ্

क्षात उरको मृत्री

কালা ইনিং হে পৃথিবীপাত্র কামন্য গুড়হাটুর প্রম উব্যৱসংক্ষা বছাত্র স্থান্দ, কালা ক দীবাজন, মহারখ্য দিমতাত, গৃহত্য, বিষয়েল, বিষয়েল, অপ্রাজিন, সাহাবিশ্ব ক্ষালয়, হেশিলবেহা ত্রালগুল, পুতা, প্রতিবিদ্ধানহ সঞ্জ, মহারাহ সৌদ্ধান প্রমন্ত ক্ষালয় কালা ক্রিছিলিয়াল, ক্রেছিল্যালয় সঞ্জন, শৃহ বাহ সৌদ্ধান প্রমন্ত ক্ষালয় ক্ষালয় ক্ষালয় কালা ক্রিছিলিয়ালয় ক্রেছিলিয়ালয় ক্রিছিলিয়ালয় ক্রিছিয়ালয় ক্রিছিলিয়ালয় ক্রিছি

ল ইতি। তুকুল সহাধ, সাধ্যাৰ পাওৰপকাৰ পদ্ধান, নামা পৰ্যক্ষ, পুলিষাক, মান্ত্ৰকাল্ডন মাল্ডাৰ্ক সন্ধাক্ত উপা ছাৰ সন্ধীনাৰ মান্ত্ৰ পায়, ইংগানি, যাস্থ্যম বিদীবানীবালত্বাৰ, নিগ্ডিড নাৰ্কিংগ ছ্ৰলীভূমানকে পাওৱান মতে ব

কুলা পালাছত কথা এব অক্ন দেবদর্নামক কথা বাজাইহাছিলেন। ক্রেম ভীমকর্মা ভীমদেন পোণ্ডামক মহাকথ, কুত্তীনজন বাজ, খুলিছিব অনত বিজয় কথা, নকুল সুযোধকথা এবং সহদের মণিপুপ্রনামক কথা বাজাই বেন 15৫—১৬৪

শহারাজ। তংগরে মহাধ্যুক্র কাশীরাজ, মহারথ শিপ্তী, গুইছায়, বিরাট, আপরাজিত সাতাকি, শ্রুপদ, স্থেদিদীর পঞ্ পুত এবং নহাবাক অভিমন্থ্য ইহারাও সকল দিক্ হইতে পৃথক্ পুথক্ ভাবে শহাকনি কবিলেন য় ৭— ১৮৪

(১৯ - চুম্ধে) বাজন দৰ্শ—ইতি কুত্ৰচিমাফিৰণভাপুত্ৰে ল ১.

তিল ব বহিতি শিদ্ধী । ধাতি হাই শিক্ষিপাৰী । গ্ৰেষ্ট শত্সংগাডিত ধ্ৰুকাতি হা পাজিবীঃ ॥২০॥ জনাড়কশাং তুল বাক্ষিকমাত মহীপাড়েও । ।

काङ्ग छेराछ ।

क्रमहाराक स्ट्राक हता द०० क¦ला । মৃত্যু দি । ॥२०॥ (रामकम्)

ভারতকোমুদী

সাহাড্য রপ্রকাশাদিভি ভার । এতা ও গ্রুগ । ৯ ৩/০০ । তিবা বিভি । ১৯৮ মাজেনজিল (১৯৮)

ভারকভাবদীপ:

১৮-১০ তার্থন বর্ণিত বিশ্বনাধ্যাধ্যাধ্যাধ্যাধ্যা

 ১৮৪৮ হার বর্ণ কর্মার্থ প্রতিশ্বর বিশ্বরাধ্যাকর বিশ্বনাধ্যাকর কর্মার্থকর বিশ্বনাধ্যাকর বিশ্বনাধ্যাকর কর্মার্থকর বিশ্বনাধ্যাকর ক্রিকার্থকর ক্রিক্তে থাকের ব্যাহরার্থকর ক্রিক্তের ব্যাহরার্থকর ক্রিক্তের ব্যাহরার্থকর ক্রিক্তের ব্যাহরার ব্যাহরার ব্যাহরার্থকর ক্রিক্তের ব্যাহরার ব্যাহর

गर्गत क्षम्य स्यम विमीर्ग कविश १५३।

রাজ । সংহাব পর পাতৃম-দম মাজুন ধার্তর দুগগরে স্বাদ্ধর জন্ম অবস্থিত দেখিয় ধনু ইংরালন কবিয়া অনুক্ষেপ মারত কইবার পূর্বে ভ্যন ক্ষেত্র নিকট এই কথ বলিয়াছিলেন। অজ্ন বলিলেন 'ক্ষা! আনার ব্যধ্যাধিক উল্লেখ্য সৈত্রের মধ্যমানে রাখ ০২০ --২১॥

যাবনে তান্ নিবাকেছত পোক্কামানবস্থিত। ন্। কৈম্ব। সত গোকেবামজিন্ত্তসমূলকো ॥২২॥ গোহতমাননেবকেছত ব এতেছত সমাগতা.। ধাৰ্বাইত ভব্কেব্কৈ প্রিচিক্সিবঃ॥২৩॥ সঞ্র উবাচ।

এবমুক্তে। জনক্রিশা ওড়াকেশেন ভারত।। মেনমোক-মেনিশ্বে স্থাপনিয়া র্পোড্মম্ ॥১৪॥

ভারতকৌখুদী

সন্ধাণ সদা নাণ কি হাও গাবন কল নি কন ব কুল নান, এ চনকৈছি।
আইম, জিবা কৰ্ণ কলম কৰ্ম নান্ধানক নি কাছ আন্ধ্ৰিন নি নি নিবলা পালা নি, ছিব স্পান্ধ সি শিল ক্ষাভিত কৰি কৰা ক্ষাত্ৰ সালাহ্ৰ সালাহ্ৰ স্থাতি হয়, "মাত্ৰ সন্ধি দিয়া লাম্য" চাৰিকাৰ্ডিক কৰা সাহজনাৰ নিবলালী ভিত্ৰ হয় স্থাতিকাৰ নিবলালী ভিত্ৰ হয়

ভারতভাষদীপঃ

त्रभृष्णभगश्चरण्याम् र —गावनिति । देव अर्थः । याक्ष्याण्याः स्ट्राट् वेदण्याक्षयं चितृत्रम् ॥ अञ्चलसम्बद्धः । एक द्रायाः (क्षणु प्रमाण प्रद्राव व्यवस्थान्तः) हेद्रगण्याक्षयं चन्त्रस्थान्तः। द्रादिक्षम्भानान् न हुनगण्यक्षयाम् प्राप्त प्रद्राव विचाणकृतिक प्रयु प्रमाणकरम्भि प्रद्रावाण

ভোজে পেজায়ি—এও উ ও নন কর্ম এ পর পুর আস্থানর ব্রুপর ও পরন ভিলাইর স্থিতি হইবাছে বেশ্ব

যুদ্ধ কবিধার ইত্যায় অংশপ্তির এই যোজালিগতে আমি যে পায়ায় দেখিয়া হাই, সেই পায়ায় হুন বলগণনা রাখা, এই মৃত্যের উপক্রে কাহাদের সহিত আমি মৃদ্ধ কবিব, (ভারা ভিব কবা আবশ্বক) চংখা

এট মাহার। তুরু দি লুখোনিংনের পিয় কাথা করিবার উজ্ঞানশতই এই যুদ্ধে আসিয়াছে, সেট মুগ্ধানী দিগকে আমি একবার দেখিয় লটব ॥২২॥

ক্রাকে শেষ্টা হাজার হুং াব্নের বিহ কার কবিবার স্থাই হুল্ক মাসি। জে, ভাগ রাই হাল বেল বালুবিক শক্ষা ক্ষরণা সংখ্যাল সহিত্য আহি হান গোল সংখারে মুগর কবল, লাব বিশোলা মনিজ্যার হুল্ফ ক্ষরত ক্রীয়াছেন, সেই নীম্পান্তির সহিত্য কেবল মুগ্রে আমিন্ত কবিচ হাইব। এই স্তেই আন্ত এই নিবীজনান-সং ভিলাচন - এদুং লং সংব্ৰাফ মহাজিকাম্।
ভিলাচ লাল । সাইল লাল্ সম্বেকাম্ কুকলিভি ॥২৫॥ (যুখাকম্)
ভলাপতাং ভিলাম্পাল : পিলুন্থ পিলামহান্।
সাচ বি,,মুখ ভুল্ব বুল্প লাল্, পৌলাল্ স্থাতি তথা।
বিশ্বাস্থাক্ত সম্বেকাভাগেবিপ ॥২৬॥

ভারতকৌমুদী

হার্ম শ্রু বিবাস বিশ্ব বিশ্ব

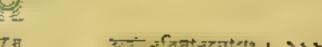
न्द्र प्रभावता स्थान क्ष्या । यह प्रमान क्ष्या । यह प्षया । यह प्रमान क्ष्या । यह प्षय । यह प्रमान क्ष्या । यह प्रमान क्ष्या

ভারতভাবদীপ:

সঞ্য কৰিবল নাৰ্নকাৰ । আজন এইরপ বলিলে, ক্লাউভয় সৈশোর মধাস্থনে নাম এই এই হল সভল রাজাত সন্মাণ উত্তন ব্ধধানাকে বাধিয়া আজ্নকে বলিবল বুলি সম্পত্ত কে তুল্পাকে নামন করী ॥২৭—২৫॥

स्थिति विश्व निष्य कि प्रत्य क्षेत्र मार्ग्य प्रत्य स्थाप स्थाप स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

ভারার পর তথ্য লাজু ন দেখিলেন - পিতৃপ্রাায়, পিতামহপ্রাায়, আচার্য্য,



डोन् सभाका स ८कोट्डरः सर्वीन् वक्र नविक्रिटान् । কুপ্যা প্রযাবিটেঃ বিশিদ্ধিন্য নবাং ॥২৭॥ व्यक्त खेराह। •

मृत्ले मान् यक्षभान् कृषाः । युष्यमृन् मगरविश्वाम् । मीलिंख जन भा दावि मधक अदिसुधि । १२७॥ (वर्षाष्ट्रम्ह नावादेव (म (दामधर्मम्ह कान्द्र । গান্তিব অংগতে হতাত্ব হৈব প্রিকাতে ॥২১॥

ভারেত্কে মুদী

ত্ত নিশ্ব । সাক্ত প্রজ্ঞান ক্রান্ত অবস্থিত নাল সকলে বহন সমাক্ষা নই। भावर, भार प्रवे कुला, कारिशेरा ध्रांत, भारत्व कि एक इन् तिर र श प्रवेशन होता वकाश्वाप वहस्य प्रवेश वस्तरम विकास व । तर र र्या ००० ०००

माहि डि. १९८७ । ए. ४० एक एक का २० २० ५० महिना प्रान्त नहीं। निश्चमानदक्षि । सम्म प्रमाण क्षाप्त क्षाप्त कि एक नाव का कार्य के अन्तर्भ कर्ना क्षाप्त के अन्तर्भ कर्ना क्षाप मुधक प्रियुक्ति (अरकाम्यारिक देवन युक सर्वति । अन्या चार् तरावत अराह्म इमग्र हे ब्रायस मध्य पुरिज्ञाल । अवस्पत्र पि 🗸 🕞

दिसमारिक्षिक (१६ स्था कर्नेशन, उर्माप्त नामार्गा, उर्जात के तामार्गा, घार का अर्था, घार का ষ্টু,, হুজাং, প্রায়ণ কুলিল এতি, হুজ ৪% চালার বর্তার নালার हेशन् पृत्वे अञ्जूतिः १२२। ভারতভাবদীপ:

সধীন অৰ্থান্নীন্। জলন ভাৰতখনে'ন হে কুল জাতন, সাচ অংকনিভিড তিলেম্পুর প্রশাস্থ্যমন্ সাম্পু নিশের র ৮০% - ১৯০০ - ১৯০০ - ১৯০০ মাতুলপর্যায়, ছাড়া, পুত, পে^নরপ্র্যায়, সম, হত্ত ও ভূজদেশৰ ব্যাস্থ্র উভয়**ेनक्षमत्था कविदादक्य १**२७०

আছেনি, উভয়সৈত্মধ্যে অবস্থিত সেই সকল ব্দকে দেখিয়া আৰু স্থ দমাবিষ্ট ও বিষয় চুট্মা এট কথা কলিবলন চ. ৭০

किर्म मिक्सि - वस्ता करित करते । त. करित त देलविकडक च हर्गदेख (३९) व्यक्ष्य निवासन्य-'कृष्य । युक्त करिन इ केन्छ। य व्यवस्थि अर्थ नेष्युनर्थ स দেখিলা কাছে র অজ সকল অবসর চইতেছে এব সুপ ভক'ইছা ঘাইছেছে ১০৮। ভেক্ত প্রায় — ভক্তি, বাং ব অলংবলতঃ গ্রাপের মানব কা উচ্চ, করেছিল(কই Mote करिएक प्रदेश्य १ देवम २ दना १ छ.। इडे करायद करान समान प्रमुख्याम छेन पृष्ट ্টের ভিল স্পর্কার ও এই হল সংখ্যার ই স্পিট্র হর্তির ১৯৮।

 भावत भारता महिक्या वालाक करिरणात न एक । (१४०) महित्या अपना कृष्ण । सुगुरक्त সমূপয়িতম্ নি



न ह न द्वायावक हुन स्थान विकास स्थान विकास ।

निविद्यान ह श्रम्था विकास स्थान द्वाया स्थान ।

न ह द्वाया के स्थान हुन्य । न ह व, सार स्थान ह ।

कि सा दिक्त न , राविन्त । कि तुन्य रित्न वा ॥ १०॥

क्षित्र स्थान के स्थित के स्थान ।

क्षित्र स्थान स्थान स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान स्थान स्थान के स्थान स्

कात्रक्रकोम्मी

द्र १ व्या १८ १ । व्या १ व्या

स्वार्थकर्तिम् । वाद्युत् त सम्मान्यित्व स्वार्थकर्ति । वाद्युत् । अत्याद् । अत्याद् । अत्याद । अत्या

আমোৰ শ্ৰ'ণৰ কম্প ও বে একে আ বহু ভ হুইয় (৮, ইজ হুই(৪ গাওঁবেশস্থ মিশ্বিভ হুইনেছে এবা চাইন্ডে ইপ স্ত হুইয়াত ৮০৯৮

কুৰণা আনি আৰু যেন ইড়োইয়া থাকিছে পাতিছেছি ন এবা আনের মন যেন ঘ্তিহেছে আৰু লকাণগুলিত অভিকৃলত নেখিতেছ ॥৭৯॥

काष्ट्रमान्दि यह द्वाप्त विकास वर्षा स्थाप । यह विकास के आप भारताह स्थाप दक्षेत्र प्राप्त स्थाप के वर्षा स्थाप कर वर्षा है स्थाप । इस्ताहर स्थाप ।

কুষণ স্কে সাহয় সভাকে বধ কৰিছ আ ন মকল দে গতে পাইনা অভিনৰ আমি ভয় চাহিন, ৰাজা চাহি সা এব শুখও চাহি না ধোনি-দি। আমুখিয় অভনকৈ বধ কৰিয়া আমাদেব রাজা, ভোগে কি বা ভাষনজাব। কি ছাইবিং শংলা

ক্ষাক্রপার্যা—আর্থিক্সনার সংগ্রে কবিয়ে রাজনাত করিরেও ভারাতে ক্র ক্ষাবেলা কেনা

অ ৪ বঁটা, পিত্রঃ পুত্রপ্রবৈদ চ পিওলৈছাঃ। मा इलाह चकुबार तुलो हुन्ह भूगान, अस्टिमसुद्रा ४०० । सुपादग्र এবংশ্ব ২ স্থানিজ্ঞানি অব্যাহপি মধ্যানন । । काशि हे दुर्भावार काला (वर्ष) कि सु प्रकेत्र है ॥ अ।॥

ভারতকোম্পী

य के के दिन्दि स्थापन भागि तेन कुल हो है के क्ष्यार्थ है । जा पार्टिक के कि के कि कि कि कि By did so to a so go did to a south a mark a to a to be गामिक्य, मिन्न निपूत्र ए हुई स्टब्स्ट्राइट स्टब्स स्टब्स क्रांड कराइट THERE THERETE ERIPHERED, R. S. . S. P. . . C. W. C. P. विश्व क्षित्र में , द्वारेट्ड , व्येट्डर किट्यामरेड , व्या मुद्र कर रह अने छात्रा देवद देव दर राम भारत में प्रति भारत कि देश में कह राम के प्रति है। य कि मह स्व ह स हव प्रमुख कर म भूमहरण किस ह । ह । ह । ह । ह । म वर अध्य अध्यम अध्यम अध्य अध्य अधिक । इत्य । एक के वर्ष प्रवृत्ति अधिक एक अध्य प्रणा चल्द रिक्षा हरते, पर्हिद्य पर व्यक्ता स्तार प्रणाहण है कि फार्यर ॥ 10 -- 201

भविष्य । इत् अपूर्वना अधीवत्य इत्तरमृद्धित्व । स्थि । स्था विष्य बक्ताम्, देहदतावात् कृष्यः जिल्लात कहत एक एन र वास्तु प्रजनन अस्ता अहर

ভারভভারদীশ:

कि मार्थ में एक एकदावाद कि कुर्रियाम्बन कि एडंग एक एक एक एक प्रश्ना कि मार्थ के एक एकदावाद कि मार्थ के एक एकदा formation of the agent Missinger of a service प्रति ते व एक प्रति हें देव हैं के इस अर्थ भर्ग मही व तिनु र १४ हरें र । इन हरें

मिश्रिको ऐक्किक केन्द्र देखा है। इस्ति के स्थाप के कार्य कार्य के हैं। उसे अने कार्य कार्य কান, পিতৃপ্যায়, পুত্পম য়ে, পিডামড্প্যায়, মাডুল্গ্য, মাডুল্গ্র-भगाग, मुलक्षा ७ क्यांन स्थ क्षांन धान १ महत्व का स्टार के दिया समयाकरम विद्यार्थम ॥०५—००॥

「無事要 MANT - 出行で マラム ルースのは あいた カラト シカ ハ ハート とろと 12(4) काह भागम प्रभा देश व चार्च व चार्च व निवन चार्चित मार्शिक रिक्षां चार्च व इडोर्न ४०० — २०∤

মণ্ডুমন ৷ ইতাৰা হলি কালা লগকে বধ কাবতে পাৰ্ডও হন, প্ৰাণি कामि करन पृथियोव दार्ट्याव कका (कमा समग्री 'उड़रानव दार्ट्याव कवान हैका मगटक यस कांद्र है देखा कवि मा बदनह



িছিল ধাত্ৰাতু'ন্ন, কাজাতিঃ আছিল জন ।। পাপ্ৰেৰাজ্যেদকান্হহৈতানাত্তামিল ॥ ২০॥

ভারতকৌমুদী

পাৰ্ষণালন পাৰ্টাৰ সাধান ইয়াৰ, বাহাৰ সাধান বিষয় বিষয় কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছে কৰিছে ১০০৮ বিষয় ১০০৮

ा मात्र १९०१ के विकास किसान १० वर्ष १० १ कर १ कर १ कर में अपन के स्वर्ण के अपन के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के धूर्व । । । । प्रान्द, ल घाष्ट्री के सन्य प्रिकास का । प्राप् हु। हा । पद्रमान अनु दिहास नामक मान मानु निवास है । शाह्मान स् ह १५ - - - - - । विक्यु का स्वार्थन व्यवस्था वृद्धका संविद्धारि Act to the total degree and in the set of the total that the total पुर्व र र र र में स्वाह के राज्यान क्षेत्र है। प्रकार है तक रहे सा पर के पर के प्रवासी नह 3 并类型 大水 (1) 原的 医自 含 的 自我"问,然 我会 中毒,类 [6] 人 [6] 对对"摩耳。 रेन्द्रास्त्र प्रकारमा ए इस्तानि खन्यस्त्र हेरीय खुप्रकृत्यक्षाति नरेन् 6 6 4 4 7 4 1 2 4 4 5 6 mm 2 . 4 7 5 4 7 1 6 21 5 4 5 7 5 6 1 रा दें जो पर देवले हें। अ अअवाद दें मेंग्रीओं पाँच र राश्चित पाँच पा कर्युं हु १९ च छुन न १ च्या १ प्राच्यार सक्षाहर म् सिक्काम्य ६ १४४४ व्यक्ति समार्थिक मा रेग । तद्वा तत् प्रकृत क्षेत्रमधुद्वद्व ५ रितः, 🔑 व्याच व रचारावारण्य 医大脑性 医电压性 人名 电图 人名英格兰 医二甲基甲酚 医双角 化硫二烷 化二烷甲烷 人名葡萄斯 जिस्ता एक मिल्लिकालक स्वा करान्य माल लाड्ड महिन्दार में करान ल BE A AFM WA CAR AT THE THE THE FRE W. BY BOTHOTOP ARMY BES for a do a mi. Gidig m. of only Bom man and a nagger small इ. १६ हु - म. १८७० मन क में ६ हिन्स मुद्ध हुद म म खू र स्विति वर्द ६ १८३३

জনাজন। গৃতবার্ট্রর পুর্ণণ্ডে বধ করিয়া আমাদের কি আনকটে বা ছইবে বরং এই আভফায়িগণ্ডে বধ করিলে আমাদের পাপট হঠবে ॥ বেঃ ভাতেপ্রিটি - বৃত্যাপুর পুর্ণণ্ডর হালে কেইল ছুলে তিন ও ভূণানেই আমাদের

ততাল'ছ, বয়ং হল্প ধার্তিরাষ্ট্রান্ স্বান্ধবান্। অজনং হি কথং হছা অধিনঃ জান মধের । ॥৩৬॥

ভারতকৌমুদী

ভারতভারদীপ:

পুথিক কর্ । বরণ তা সকলি না প্রিকে প্রকলিক সম্প্রিক বিদ্যালয় । ক্ষুত্র সংকলিক সর্মান আই মনা না বা সাম সকলিনা, কু হলানেক কিছু সানা, না কলা বিশা পালে হয়। কিবাৰ কংশানা লী কা ব্যাহিছে বা সন্ধি এক না মানা হয় নাপ পানৰ মানা না মানাহি বিশোধি আলি প্রিকিছে পানাহিছেল সংকল্প নি কাম সুস্থালয়ে সভা প্রায় ব্যাহিছি সংগ্রাহণ থাল্লাক্ষ্যালনা স্থানাতি ক্রেক্ষে কা লাভ কা না বাব্য হয়। শালাক্ষ্যালয় বিশাসনা বিশ

অত্যাৰ কৃষ্ণ। আম্বা, বাদ্ধবাণের সভিত গাওঁবাটুৰণকৈ ৰথ কৰিছে পারি না। কারণ, আমবা আহীয়প্তনকৈ বধ করিয় কি প্রকারে স্থী হইব ? ॥ ॥

⁽०५) । देव हे त् प्रत्कतान् -हे इ हा किना हानुस्तकामुण्य गाउ, ।

য়ালেবের ম পশ্চন্তি নোচেরপির রচেরনার।
কুলক্ষণকরণ নোসং মিরেরের চের চি পার্ক্ষ্ ॥৩৭॥
কুলক্ষণকরণ ডিরেপিরেরের কিন্তুন্।
কুলক্ষরকার প্রাক্ষ্য প্রাক্ষ্য কুলক্ষ্য স্থারকার।
কুলক্ষ্য কুলক্ষ্য স্থারকার।
কুলক্ষ্য নাস্ট কুলা কুল্যুল্য হেলিক্ষ্য ডিলিক্ষ্য ॥৩॥।

ভারতকে হুলী

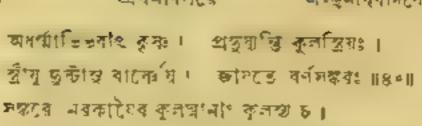
स्त वर निर्माण स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

ন্দ র ও এ এই এই এই এই এই এই এই পাঞ্চিন সুই বি। কুমার মুখ্যার ও এই এই এই এই সংক্ষা সংক্ষার্থক , কুমারী ভূরিকিন্তুসকলিবং

स्था प्रकार प्रकार प्रकार के प्रवास कराया महिला प्रकार कराया करा

জন দন। লেণ্ডে শ ইন টুগালের বিশেক নট চইয়াছে। সূত্রা উচারা মদিও ব শন ব্লিল দোল এব মিত্রামাণ্ডের পাপ দেখিতে পাইতেছে না, তথাপি আমার তার শান দোল এব মিত্রামাত্রের পাপ দেখিতে পাই। আভ্রব আমারা কেন এই পাপে চইতে নিকৃত্রি পাইবার সৃদ্ধি ক্রিশ না ৮ ॥৩৭ ৬৮॥

ভাষিপালী, নাইব তুল লোভির বংগনী হয়। পাণ্ডলিকি প্রেট্ডাছে, কিন্তু মান্যা হ লোভা নহি জুমলা পাণ্ডলিব ভ্রমান্ত্র— ৮।



পাহত্তি পিত্রো হেমধণ লুপুনির্ভাদক্তিয়া: N850

कारजंदको मुम्हे

শোটি 5 ব ৪৫ , পাশেষ পুলক দেখা 5 লাভ দৰি, কুলা সকলে ও নাল লাভ নিইন बातकम्, य द भ नय तथा, अभिन्दि य र अणि, विभानन मारम व्यक्त प्राप्त প্ৰাদিতি ভাবা। উত্থন, পালপুৰৰে ৫০৯।

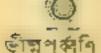
भारति १ १ मा पारवासिस अपन्य कृतकारक) दृशीपर, सम्पासि জেফ বাদিচাৰে প্ৰত্তেও তেব কোষণ আৰু এই জেব ৬৮ বিশ জ্লান বাজের, व्याप्रकारमान पाँच का नाम ह रिम्ह्यकारी क्षा गर्म, मार मार्ग्य अप अवस्ति व्याप्त भिजानियः १९०१

made for made of the top of the time of the time of the কর্মিক লাজ লাও কুর্বকালনে কার্ পালকালেমে, কুলারা কুর্বার কার্য ভূমারক ব্রু **अल्लाक्ष्य ।** कि. प्रति १६० में नुसम्बद्ध के यू. भिष्य के प्रविद्यार प्रस्ति केल, जाने जा हुआकर त মুন্দিকাৰ মুন্ধী দিৱবুলকাৰে আই জন্ম গোলিকা বহাত ভূতিত ভূতিত সভা প্ৰান্ধীত **স্ত**িষ্ট প্রতিবাহে না জনে সংগ্রিকিল সংগ্রিক ব্রুপ্ত ব্রুপ্ত ব্রুপ্ত ব্রুপ্ত বি मा र माक केलानर इंग्रेस रिकार्टाङ्क डेम्ड्डिखार ३ दिलायम लाहिन्द र । मन् अप्तार नाम्मान त अक द्वर पर रह कानकवर्गह्य । युव्य हेन पृष् कित समाप कि क व्यक्ति न्यान व्यक्ति का व्यक्ति का व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्य माजनका यु ज्ञानि एक्टनटक्यम् ४०३०

কুলক্ষ্ম হট্লে, প্ৰশোৱাপ্ৰাপু কুল্ধক্ম নষ্ট হট্ছা যায় এবা কুল্ধক্ম নষ্ট হুটয়া গোলে পাপ অংশিষ্ কুলের অনুশিষ্ট সকল বলেককে আ কুম্ব করে acas 'क्राई'के क्यों मीडे--मुक्क थे हैं। इस देश कुरत्य में क्या मकत महिल्ल के यह जा का अने विकास विकास हिमाका संक्रम किराध क्षेत्र को तक एक संदक्ष मा द्वा दक्षीलिक क्षेत्र संक्रित कार्य दालहकत डेप्ड्राप्टम (दार्भाग के तेर में ६ क ३०३)

বুলিন্দন কৃষ্ণ পপে আসিয় আক্রমণ কবিলে, কুলব্ধবা মড়াস্থ দুষিত চটতে থাকে এব কুলবৰ্ব আতাত দুবিত হটলেট বণ্দছৰ ভ'আতে **电压性 48×1**

তাহ প্ৰা—হংগে নিৰ্মক কল নাই স্বয়াও বিল জন্ম ডে এবং প্ৰমন কাম क्षात्र प्रवास न राष्ट्र अने व्यवस्था कुल पहुंदा। होका कुल ले प्रदास सामा प्रवेश के व्यवस्था करते. स्ट प्रदर्भ क्रम महत्त के जाइ व प्रदर्भ । १००३



्मारेनएडरे हेः कुरुष्य सार दर्गमहत्रकांदरैकः । উহ্দালত্তে জাতিধকাঃ কুলধকাঃশচ শাধ্তাং ॥৪২॥

खाउए(को प्रशी

दसरीशादर्ग । कुल्या मण सद्धारमा रूप मण पुरुष गाञ्च और रूपमध्यकाद्धांकहम देवताहित \$ैर लायुर कारण्या, कार्यिया, कुणन्या उत्तर स्थान्य स्थल, खेश्यासास्य रिमाण ए वे अपन १ प्रमुख १० १८ मा 🔍 💢 💯 हिम्बद देखी है 🥫 छ। १८०१

ভারতভারদীপ:

বলানিক পাত্ৰণ দত্ৰ লাভন তাৰ ভিতৰতি লাভন । ই হা পুত্ৰণ বৰ্ণদ্বন্ধ দী আলু क्रमा राष्ट्रियु भाग । १७ व. व. वृत्रवह सामञ्जू दक्षण प्रदेशिक सद्धानमा स्थापन हो। ५० First distance was a serie a few care as ago asign ste min a send on the same was a new tell of the life of है का रह मध्यमानाथ विद्यान के के देवाइ नदा देव किर्गाहरी है जिला का देवाह दे दे देवाह । इद्वारिश्वम्बर्य द्राप्त र नाम व (७०% र द्राप्त प्राप्त प्र प्राप् इक्षेष्ठ कार्यत्व मिन् विकास्य ह .कर्ण कर्न मूल एक क्विका इस्वक्ष विक्रा च्रा ६५% , कर्षात्रक्ष १४ हेर्न क राग्य मनवहालन न कुरान दक्षात्रक क निरम वृद्धिक देन द र १६ देव दिन कर एक रहित का इस स्थात द्वार का स्थाप के रहे हैं।

সেই ব্যস্তরগুলি ব শ্রামক বালিচার) পুরুষগারের এব বাশের পুরুষ भूताम्बर्गत सत्कर्मारभव एक्टे क्याए। यारक . कात्व, माक छ छलेग भू छि কংশা পুপু হণ্যায় এই বর্ষত্ব দিগুর পিছুলোকের নবকে প্রিত হন ১৮১৮

न्त्रां के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या CQ मणु म अपन्न कार एक भारित्यक्षणका नाम, कार किसका कोड पुरुष साम का के की সম্বতি অব্যাদ্ধ বিভাগ কৰা অধিক পাত্ৰ না আৰু ও ভাগৰ নাত ওলায় উল্লেখ্য পিতৃল্লের কর্ম নাহন। তিত্ব পর শব ও ছার্চনির ছবিদ্যার ক্ষাত্রকুমারী সক্রজীব লাভ টাপালর কলিছে প্রভান কলিছে খুলালের কলকা সাহিত্যকর আহ্বার্থীয়া कि मन, दाव ने प्रकार कर वर्ष विकास अध्यात । वर्षका अध्यात काव अध्यातिकाव आर्क बुहदाहै या प्रवृत्त किरणाम्य कवि, विद्यास धारा म पुर मि वाद्या प्रवृत्त के हेन्द्र कुर्यो व লাউ হলাজ্যে মুলিটির, দীও ও অক্ট্রাক ই পদের কলিব ভি লল, ভারবাং জীহার কেট সুনাধ্য ওলাবে বৈধ কেত্ৰত পূত্ৰ ভিলেন কৰি। পি চুল্ল জানিক মনিক ইণ্ট ভিলেন । ৪১।

কুলনাশক ব্যক্তিটাই পুক্ষণণের বর্ষস্থেকতেক এই সকল দেশের চিরস্থম ফাতিধর্ম, কুলধর্ম ও আজন।দিধর্ম নট হইয়া হার ১৪১৫

উৎসমক্লগর্মাণার সমুখ্যাণার জনার্চন । ।
নরকৈ নিয়ত বাসে। তবতীতাকুত্তমে ॥৪ ॥
মহো বত মহৎ পাপে কর্তু, ব্যবসিদা ব্যন্।
মদ্রজ্যেশকেত্তন হস্তু, ফ্জনমুগ্র চাঃ ॥৪৪॥
মদি মানপ্রীকার্মশস্তুর শস্ত্রপাণ্যঃ।
ধার্তির দ্রী রণে হসুতেমে কেম্বর ভবং ভবেং ॥৪৫॥

ভারতকৌসুদী

উংসারতি : রে জন জন । উৎসন্থ নত , কুল্লম্ম ্যেকে ্য্যাক্ষ্য মুক্তির নার্কে বালে ভারতি, ইতি মান্তক্রম মুনিভা ই ও কেয়া, দশলে পে আন্কর্ত্ত সম্ভাবিধি হালিছে ৷ উৎসন্থানক্ষিকি উ সর্ভ নাক্ষ্য নাম্পুলেলকার্য্য হ্যা

চাতে ইপি। মতে আৰু কি, বছ ,হাল বিং মৃত্য আৰু লা কাৰুণ ব কানি চাত প্ৰকৃত্য । মানমায়াৰ, ব আনুষ্ঠালতে এই আনুষ্ঠা, আৰু হিম্মাক্ষ্ত আৰু হ'ব । আনুষ্ঠানে এই হ'ব লাভিয়েক ভাৰতে, ক্ৰিমাৰ্ড ক্তি বাৰে, কুম্মাক কিম্কালয়ে কেকি ডিব ব ১৯৫৮

अरम्बर विषया पार देव किन्युक्तिका गमन्ता व द्वेट दे देव रेव महि प्रवेरित । वर्ष्ण वहा में देव देव देव किन्युक्ति प्रवेशित के देव देव किन्युक्ति के प्रवेशित के देव देव किन्युक्ति के प्रवेशित के प्रव

ক্রেকেন্সীর নক্ষেত্র জনসংখ্যুক্ষ উৎপদিন করিব তে, সাং নিশ্ব করি সাম পার । স্বীদ্ধরণনের জনিধ্যাদ পুষ্ঠ করা হারার জনস্ব জনস্ব জনিক্ষাল নই ইটা ই বিরা ক্ষার যে ক্ষেত্রে উৎপদিশ্রের জনতি জনন, হতে, লোক্ষেত্রে সামস্থ্রের জনিক্ষালি স্থিত ইয়া ৪২৪

কুলাং কুলাগমাপাভূতি নটু হউলে, নি-চমুই মানুষের নার্কে ধাশ হয়, উচ। আমিরা শুনিয়াছি ।৪০ন

ত হৈ প্রা;— গণ ন চইলে দাদকর হয় ন এবা শণপ থাকিবেট নব,ক বাদি হয় ওল হায়। কি আ শচ্যা। আমেরঃ গুক্তের পাপ কবিতে প্রারুত্ত ইইয়াছি। যে কেতু রাজাসূথের প্রোটে আ শ্রীয় স্কুন্তে বন কবিতে উভাত ইইয়াছি॥ওখা। ভোকি প্রায়া স্বাহীয় স্কুন্তে বন কর তেই সুদ্ধি গণ হয় ওঃ

আমে অসুধারণ করিব না, কি বা বিপক্তেরা অস্থাহাত করিলেও ভাচাতে বাদা দিব না ; এই অবস্থায় অসুধারী দাউবাট্রেরঃ মৃত্যে যদি আমাকে ব্যও করে, ভিখাপি ভাচা আমার প্রে মহলভ্যক হটবে ॥৭০॥

ভাক্ত প্রায় । ঐত্তর চতীলে আমার প্রকে শ্বরর বধ করার একটার পূর্ণে হরীবে না । । ধর।

সম্বয় উবাচ।

ব্যস্তাহ ভূমা স থো ব্যেক্ত উপপ্ৰিক।
বিক্জা স্থাৰ চাপি ,শক্স বিয়েম নসং (৪৬॥
ইঙি ইংমছ(ভাবতে শন্সভাবাশ স ভিন্নাং বৈদ্দিকাং ভীম্পার্কিছি
ভূপার্কী ভূপার্কী পাক্ষি বিশ্বেকাং বাভাগ
গীভাষান্ধ প্রেম্থার্ম ৪০॥

खाउँ छटको युगी

র্ণ - লালাক সমাস প্রায়ণ সংগ্রাধন হল সংগ্রাধন করে করিছে বিজ্নার প্রায়ণ করিছে বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানিক স্থানিক স্থ

ই নামৰ আৰু বাদ নামৰ কৰি শৰ্ম শৰ্ম বিশ্বাহন হা আহাল কৰিছিল।
নামৰ সংস্থান বা বা নাম্পৰ্য ভাগতলগৰ বা পাছ কৰে হয় যে । না বী হোৱাৰ প্ৰাথমিক ধাৰণা এক

ভারতভারদীপ:

प्रतम्बद्धाः स्थापन्य । १००६ स्थापन्य प्रत्य विद्यापन्य क्ष्णुन्य स्थापन्य । १००६ स्थापन्य स्थापन्य । १००६ स्थापन्य स्थापन्य । १००६

তা কা নাম্প্ৰতি নিল্লেটি হাৰ্ডি কৰি কৰি পান্ধি কৰিছে । ১৮৮ ইণ্ডি নৈল্ফটাত্ত শীক্ষাভাগ প্ৰথমেছিলাটা ৮১৫

সংখ্যা বলিলালেন - আ না না না কা মাজিত চিতা হটায়া, এটাকপু বলিয়া, সা**সু ও** বান প্ৰিয়াল কা বা , ফুক্মাংশ ই বিধাৰে উপাৰেশন কা বিলানী আদুছা

প্রথম অধ্যায়ের তাৎপর্য।



বিভীয়ে।২প্যায়ঃ।

সভুয় উবাচ।

ত তথা কুলমাবিইটা এনপূর্ব কুলেক্ষণম্। বিশীদভূমিদে বাকাস্বাচ মধুসুদনা ॥ ॥

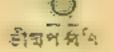
ভরেতকৌমূলী

क्षिति प्रमुष्टमान कृष्णाः तथः । तथा तथाः १२० व्याप्ति प्राप्ति । प्राप्ति ।

ভারভভাবদীশ:

स्वाह दिन मुक्कां प्रमाद स्थान स्थान स्थान के साथ के साथ नाय है। जिस्सी के साथ कर कर कर का साथ कर कर का साथ कर कर कर कर का साथ कर कर कर कर कर कर कर

স্থায় বলিলেন —'আফ্নের সেইরপ দয়, উপস্থিত হরণ, তথন অঞ্জল আসিয়া উ।হার নয়নগুগলকে ব্যাপু ও আকুল কবিয় কে'লল, কুমে তিনি অবসর হট্যা সহিলেন, ভাট কুফ বিহাকে এই বধা বলিলেন' ॥॥



<u>जि</u>ङ्गवासूबाह ।

কুৰস্থ কথান্তিক বিষয়ে সমুপস্থিতন্। অনুষ্ঠানত মেকী নিত্ৰমজ্ম । ॥১॥ সৈবাং মাজ গমা পাৰ্ব । নৈত্ৰুপপ্ততি। জুদা জনম্পীৰ্বাং ভাষ্টান্ত প্ৰস্থা ॥ ॥

ভারতকৌমুদী

न्ति क्षा स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य

ভারতভাবদীপ:

प्रशिष्ट । र म के र विष्ट्रा । । क्रियम्बर क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

কুকা ব্লিলেন 'অস্ক্ন' এই স্থাট্নমধ্য ভোনার এ মোর উপস্থিত ইইল কোন ই উ ভ সংখানের কারা নাই, ফাডিনকও নাই, কাডির কারণত নাই ॥>॥ ভারি পানী। অস্কন' উভাগনার গৃছিল করা প্রস্তুত হালাছ, রাজাতে ইমি পাশুরপাকর হালান সেনালনি, এ অংখার সোমার এ মেই উল্লিড ইইন বেন স স্থানের কোন ভ্রমর কালা পর্তু ইইছ হাম নির্ভিশানানা। জাল্লা এই স্কানের কার্ম নাই, কার্মান মুক্তির বিশ্বান, ইমানেই প্রিয়া স্বাহর এটা ব্যোগর প্রাহর কার্ম বিশ্বান স্বাহর কালা হাম বিশ্বান কার্ম নাই মান্ত্র

(৩) ম ক্লিকা গল কৌক্ষণ ই ত নিবৰণ মিস্কাল লাভ। i

चर्च्य উवाह।

ক্ষণ ভীল্নহণ সংখ্যে নেশক মধুদূদন ।। ইলুভিঃ প্রতিযোগ্তামি পুজাইবেরিস্কন । ॥৪॥

छ।३७(को गुनी

देशक विकास १८ मान १६ स्था १८०० विकास १६६० व्यापन स्थापन स्थापन १८ व्यापन १८६६ देशका १८, वर्ष वर्ष स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स

कार्राहर प्रशासन क्षर्रोण प्रतिष्ठन क्षण्यान्य । विस्ति प्रतिनिध क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष स्थानिक्ष निष्ठ क्ष्रिक्ष क्ष्रिक्ष निष्ठ क्ष्रिक्ष निष्ठ क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक्ष क्ष्रिक क्

ভারতভারদীপ:

दिश्व द इस्ति प्रश्निक का का स्थान के स्थान के

পুখানকান। তুমি কাতর চইও না, , চামার এ কাজেকতং সভাত নাই। ভাতরকারে মান্তাপনা। তুমি ভোমার মনেকেট এট ছুলিত ছুকলেটা ভাগো ক্রিয়া উঠিয়া পাঁডাও' এখা

তিবিল, সাবেশ কাছ দক্ষে কৃষ্টি কাৰ্ড কৃষ্টি আৰু কাৰ্ড কাৰ্ড কৰিছে।

কিবল, সাবেশ কাছ দক্ষে কৃষ্টি কাৰ্ড কৃষ্টি আছে কাৰ্ড কাৰ্ড কাৰ্ড কাৰ্ড কৰিছে।

কাৰ্ড কাৰ্ড কোন প্ৰকাৰেই উচিত কাৰ্ড। সাবি পৰ কোনাৰ কাৰ্ড কাৰ্ড

অজুন বলিলেন শ্ৰতদমন কৃষ্ণ। আনি ফুছে প্তনীয় ভীম ও ছোণকৈ কি প্ৰকালে বণেদায়া অনিপ্ৰহণৰ কৰিব গাড়া

তে কিবলৈ ক্ষা কুমি নি সকলি শতাৰ কৰিব ধাৰ। ভাষাৰ ক্ষাণ---মধুলৈ তাকে সংগ্ৰাক কৰিবাছিলে। অংকটো ভীম ভাটোৰ মানাত প্ৰনীয় ও মানীয়



্কনহত হি মহাকুদাবান্ , শাসে , ভান্ত ুণ দৈকামণীই লোকে।
হয়গকামা সন্কনিবিধ ভূজায় চোণান্ কৰিব প্ৰিয়েশ্যালা।
ন ভৈত্ৰিকা, কত্ৰলো প্ৰীৰ্মা হয় জন্ম যদি বা নো জন্মেয়া।
নানেব হয় স জিজাবিধামতেড হাজি লাং প্ৰায়েশ ধানৱাধীঃ নচন

ভারতকৌমূলী

ভারতভাবদীপঃ

ক্রিয়াল কলা ১ নাল এই নাল প্রিয়াল কলা পুরুবার্থন বিং প্রেরালিক লাখাহে—
প্রান্তি লাল হাল প্রাক্তির প্রান্তির প্রান্তির প্রেরালিক লাখাহে—
প্রান্তি লাল হাল প্রাক্তির প্রাক্তির প্রান্তির প্রেরালিক লাখাহে—
ক্রেরালিক লাখা লাল ক্রেরালিক ক্রিরালিক ক্রেরিয়ালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রেরিয়ালিক ক্রিরালিক ক্রেরালিক ক্রিরালিক ক্রেরালিক ক্রিরালিক ক্রেরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরালিক ক্রিরাল

মহাজুমান গুকুলমদিনকৈ বধুনা কবিয়া ইহলোকে জিলালার সাল সোজন করাও মামার ভালা, কিন্তু মর্থকানী গুলুজনদিনাক বধু কবিয়া ইহলোকে উল্লাদের রক্তনিশ্বিব্যাই মানার ভোগে কালাত হঠাব ধান

কাৰ্পণালোগহতসভাৰঃ পুজানি হা॰ ধক্ষণ-মূচতেতাঃ। যচেত্ৰুয়ঃ স্থানিশ্চিত কহি তক্ষে শিশুতেহত শাধি মাণ হা॰ প্ৰপন্নস্॥৭॥

ভাৰতকৌ সুদী

উত্যব পি দ্বালন্দ হলে নিল্লেজ্য হাছে (নিজি। ব্যুণ ব সংস্কৃত্র হ্য জাবন পি ব অ ব, ভাজন ই না অভান হা ভাজতু, তাহা পাজাহে কানত কানা পালা, না আতা ক্য, বাই বা লাই লা তাৰ, না চ নিল বিশ্বা ভাইন ভাইন পুক্রণে পাল, লোক ব চ ভিজ্ঞ পালাই ভাইন না নাম বা পালাই পালাই পালাই ভাইন বা নাম বা পালাই পালাই ক্য়ালিই লিখি হা বা বেনিলেই জালাই ক্য়ালিই লিখি হা বা বেনিলেই জালাই ক্য়ালিই লিখি হা বা বা বেনিলেই জালাই ক্য়ালিই লিখি হা বা পালাই ক্য়ালিই লিখি হা বা বা বা নাম বা পালাই লিখি হা বা বা বা নাম বা পালাই লিখি হা বা পালাই লিখা হা বা নাম বা পালাই লাখা হাবা, না বিজ্ঞানিই লাখাই ল

পা ভূল সাধাত ক প্ৰিয়াতি। কা প্ৰিয় একণা কোনকাৰ কাৰণ কৰিব নাৰ্যা এলছকু প্ৰক্ হ'বি মাজনকাই আন নাৰ্থাৰণ সাম লিখি শেষ্টাইং প্ৰায়েশিক কেন্দ্ৰিয়ে সংখ্যাক্ষাৰ হৈ । তেনি মাজন নাৰ্যা

ভারতভারদীপ:

আমের। ধাউরাইবাগকে জয় কবিব, কিবা ধাউরাইরো আমে দিগকে জয় করিবে; ইহাব কোনডা থে আমাদের পক্ষে ভাল হউবে, ভাহা আমি বৃথিতেছি মা ভা'র পর যাহাদিগকে বধ করিয়া বাহিতে উক্তা কবি না, সেই ধাউরাইরবাই সম্পূর্ণ বহিয়াছে । দা

ভাষ্ঠ প্রায় — মান্র, বলি লত করি, তেওঁৰ নীক্ষালানানি প্রকলনাধ্য পাপা বইবে, মারে ধার্তবাদ্ধি বাদি লগ করে, ভাষার নিয়া থাকিলে ক্ষেত্রশাক নিবিধ বি । ভিজ করার পাপা বইবে। ভাষার কার্বাল ক্ষ্মী যে ভাল, ভাষা আমি বুলিবাদি না । পার প্রায়ালে ভাষা প্রবাদ্ধির পাত, ভাষানিলকে বাং ক্ষিয়াই লাভিছে ইচ্ছ কলি না , এ কেন্ত্র ভাষার বাহিলাছে। ভাষার ক্ষান্ত্র করে কার্বালিক ক্ষান্ত্র করে কার্বালিক ক্ষান্ত্র করে কার্বালিক ক্ষান্ত্র করে কার্বালিক ক্ষান্ত্র ক্ষানিক ক

নহি প্রপিশামি মমাপারুলাদ ছেকেরছোদ-মি-ডিলানাম্। ফবাপা ভুমাবমণ্ডফুর বাজা তবংশামণি চাবিপ্রাম্মন

সল্ল উবাচ।

এবস্কু। ক্ৰাকেশ ওড়াকেশ, প্ৰস্তৃপঃ। নিমাহিত ইতি যোকিকস্কু। ডুক্টা কড়ৰ হা॥॥

ভাৰতকে মুদী

ଶା ଏହା, ଓ ବୃକ୍ଷ, । ଅକ୍ରିଲେକଟ ଅଟି ଗର ଓଡ଼ ଓଡ଼ ଓଡ଼ ବର ବର କରିଛି । ଅଟି ସଂଗ୍ରିକ୍ୟର ବଂଗ୍ରେ ବ୍ରେମ୍ବିନ ଅଟି ନ । ୧୯ ଜୀବନ କର୍ମ ନ ବର ସ୍ଥା ଓଡ଼େଖା । ୧୯୦, ସମୁଦ୍ର ସ୍ଥାନ ବିଜ୍ଞିକ ନଳ । ୧୯୯ ଜିନ ସେ ନଳ ବ୍ରୁଷ୍ଟ ନ ବର ସ

ভারতভাবলীপঃ

क भीना तेत्वहम् एक व ्ना विष्य कृष्ण कार्य कृष्ण क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्ष्म हिम्स क्ष्म हिम्स क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म कार्य क्ष्म क्

কৃষণ মনেৰ প্ৰালিছা আসিয়ে আমাৰ হাত্ৰিক ভেজপিতাকে মই কৰিম, দিয়াছে এব আমাৰ নন সংঘ নিৰূপণ কৰিছে সমৰ্থ ইউছেছেনা। ভাতৰা আমাৰ পাকে যাত নিশিচত মহালভনত, তত, তুনি বল। আমি তোমাৰ নিয়া এব শ্ৰণাগত, অভএব তুমি আমাকে উপাদেশ দাও এপন

ক্রান্ত প্রায় — মকন প্রায় সকল বিজ্ঞান বিস্নাসক বিজ্ঞান ক্রিয়াণ আমি তেমার বিজ্ঞানি আনাজে , বাং ব ট্লাফেল জন এক জু ইন্ট্রি ,৭৪

যুদ্ধে জয় কৰিয়া নিক্টক ও সন্ধিশালী পৃথিবীৰ রাজহ, এমন কি সংগ্রি বাজহ পাইলেও আমার ইন্থিয়শোষক শোক নই ক্রিডে পাবে, এমন কাইটুই আমি দেখিতে পাই ন' ালা

ভাৰ প্ৰা— মুক্ত এই কৰিছে হটাৰ অধ্যতি আগতি আগতাক বধা কৰিছে হুইংখ। অতৰং ভাষাতে ও পোক ভিন্মিৰ, ভাষা কোনাৰ সালাহতত হাইবে না ভা তমুবাট জনীকেশং প্রহসন্থিব ভারত। । পেনযোক ভ্যোম্থ্যে বিবীদস্থমিক বচঃ ॥১০॥ শ্রীভগবাসুবাট।

মধ্যেতিয়ানস্থানেতিত্ব প্রক্রাবালাণ্ড ভারসে। মতামনগ্রাসুণ্ড নামুখোচন্তি প্রভিতা: ॥১১॥

ভারতকৌমুদী

সংকারণ বিবাসন পালা কে সিক্ষালয় ক্ষেত্ৰ প্রাক্তি নার্ধিক কর্পার্থ প্রাক্তি বিবাস

সভায় বলিংকান —'শার তাপনে আজুন ক্যাকেশ ,গা'বন্ধক তেইকপ বলিয়া তাব 'আমি যুদ্ধ ক্ৰিব ন' তাই কৰ প্রকাশ কার্য নাবশ হাইলেন ॥১৪

ভরতনকন। ভাষার পর ক্ষ একটু হাত করিয়াই এন উচয় প্রকার মধ্যে বিষয়দগ্র অজ্নকে এই কথাগুলি বলিলেন' ১১০॥

ভাষিপ্রিয়াল ব'বর্জনার মতের নিজনে নিজ্য হউলে, নে বিষণে সাল ভার করণ হয়।

মা, কিন্তু অনুন সভাগৈ কর নার বাণিক্ষাই বিষয় হউলে পরিলেন, ইবাই বিশাসের উল্লেখ্য করিব ব, এই ছতুই কৃষ্ণ অজ্যানাক ছিব কাৰণ সাল বিশাস করিবেন।

ভাষে প্র কার্যান্য প্রত্তের বালিক্ষা নেজিল্ডই কেনে কার্যাক করিব আন্দান করেবি মান্য মান্ত্রীয় প্রকৃষ্ণের কার্যান্য নেজিল্ড ক্ষেত্র করিব, হাই বিশি মান্ত্রী সাল মান্ত্রীয় প্রকৃষ্ণের কার্যান্য নেজিল্ড ক্ষেত্র করিব, হাই বিশি মান্ত্রী সাল করিবেন । ১০০



ভারতকৌমুদী

নিধিবা বান " "প্ৰতি পিছিলে (ছেলাৰ্ট ইয়াল নি বাস, নিধি কা ৩ ৪০০ প্ৰা), পৰ্ স্কৃতিকা হি সান্ধ্য সকলোই সংগতিসা, পালাকান নিশালিক " নাৰ্কনা হান, গৰাই স্কৃতিকা পান্ধ ছান্ত সহা কাৰ্ডিলাক ছি লালনান্তৰ না শাহৰি সকলো নাকা গ শাক্তিক পাছে লোক সহা কাৰ্ডিলাক ছিলা কিছিল লোল নাকিব সকলো নাকা গ ছেলি পান্ধ নাক্তিন নাকাৰক নিজাই কাৰ্ডিলাক হান হান হান কৰিব সকলোপ জাতিন ছান্তৰ বাস বাহা হিচান কৰিব কৰি নিজাই কাৰ্ডিলাক নাক্তিন কৰি কৰা লোকনাৰ্কি বাহা কোকা প্ৰায়েশ কাৰ্ডিলাইন কাৰ্ডিলাক হাৰ জাতিক নাক্তিন হাৰিকা কোকা প্ৰায়েশ কৰিব ভবিত্য ভাকিব নাক্তিন নাকা

ভারতভারদীপ:

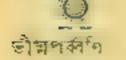
কুকা বলিংকান 'অফুনা কুনি মুক্তে আদার পারে শোকের অনাগো বাকিদিশের জক্তাকে কবিয়াছ, আবার জানের কথাও বলিংডছ। দেখ— জানীৰ মৃত্ৰ জাৰিত বাজিদিশের জক্তাকে করেন না ছে:১॥

ভাকি দেখা — মহানা সুধে দান বিনাধ কলিত হঠাব ইবা মাধা নাবিধ নাথ।
উচিত হিল, বিহা দেখানাই মাই জ্যান্ধাৰৰ তিহিছা চুছিৰ সমন্ত মাধানন কৰিছা
চুক্তেছে উপন্তি ইইইছা, হাই বাপৰ পোন্ধ কৰিছাছা। তাৰ পৰ্বাহাদের জন্ম খোনা কৰিছে হছানা, বিশোধিক জন্মই পোনা কৰিছে। এই সং সকল প্ৰায়ুহ্ছাই নিশ্বিত, দ্বাহা এপুলি জন্পনাৰ্থ ক্ৰাম্পুৰ। অভাবৰ একটু মানি হা জন কলিছা সিলো নামন থোকে হছানা, তেমন দেই প্ৰজ্বনিশ্বিত দেহনাগেও কোনা হওৱা উচিত নহো। এই ন কোকে জাতু নামান হা নেমে জনাধিপা,। ন চৈৰ ন ভৰিষ্যামা সূৰ্বে ব্যহতঃ প্ৰয় ১২॥

छाउउदको पूर्वी

ভারতভারদীপ:

1991 मध्य प्रवास कर्षा प्रदेश हरूना स्थान एक एक वार्त के के समार्थिक एक वार् CREEF THE PARTIES HINGE CHARLENGE TO TE FOR THE FOR ने व्यवस्थित ने व्यवस्था है कार कार्या करते हरिन क्षेत्र कि कर्म के स्थाप है है है স্নাং দ্বি ব্ৰাজ্ঞান কীয় প্ৰকাশ সভাপ ভৰ্ত শক্ষেত্ৰ হ'ব। সাধ্য ভাৰত ভ मान निव्नास् अपन न-न करें न न क्रिक्ट देश निव्दिक्ष न म में कुन रहा AND DESTRUCTED TO BUT OFF MEN BUT BUT BUTTON OF HE BE HE AND श्चा कि शक्क, अनुकर्त के ज़िलाकि का अध्योति । अन्य का ने संदेश के पर का ना विकास के ना पुरुषादः प्राप्तक कानु गण्ड निर्माण समृति के कार्यक किन्द्रः, विकास प्रकार कार्यक्त कीर्या भारति । कर्णा कर - रामाव पुरुषिक संसु क्षेत्र प्राप्त र प्राप्ति री शिन्त कु क्रमां करिय के पार्टिक के पार्टि ला क्योतिहरू प्रशास्त्र । ३६ म ए छात्रण (लादरम्क कुरूल मा मा लाद प्रस्तात क ম্বল্য সূত্ৰ পাল নতাম কুত্ৰজনি মুখাৰ সভাতা তাল জনা দিপ্তুমিলৰ জনু শানিক নতাৰ মুখি আহিনিং কাছাঃ জালি ৪ ্রংলিক শাস্তাহিক্ছেছে, মহা ব্লবস্থা প্রতার করেন विकारण हार मञ्जूष मान (अवश्वकृष्ट्री का रान कर्न्युरक्त विकास (करण राज्य इत्ते स्वतः प्रदेश क्षेत्र व क्षेत्र मन क्षेत्र व्यक्ति व । व त्रेत्र मन्यू वि भवाक राय मा, व्यक्तिवाद की वाह है कर्ण नदाव वाहन का दाहे । का भाग करा है । 'হাছাদেৱ নিশুট্নত ক বাদ হয় উচ্চ দি আনের কলান বলিকে তাৰ হব হুমি মেছেছ প্তিক স্কীয়াছ, স্থিক হ'ও ১৯১৮



্দ্রিপ্রশ্বশিল্প হয় নুহতে কোমারে যৌরনং জরা। নত, নেহ ভারপ্রশিক্তিত ন মৃক্তি ॥১০

काञ्चलको मृमी

ভারতভারদীপ:

द निर्माण प्राचित्र में से देव देव देव देव कि दिन्द , देव पर क्षा क्षा ह्या , देव क्षा के के क्षा के के क्षा के क्षा के के क्षा के के के क्षा के क्षा के के क्षा के क्षा के के क्षा के क्षा के क्षा क

ত নি পুৰ্থে ক্ষনত জিলামান, এমনানত ে, চুনি পুৰ্বে ছিলোনা, ডাছাও মাছে, এব এই নামান, পুৰে ছিলোনানা, ইচানানতে শাৰাক আনিবা সাক্ৰো ইচানাপৰে ঘ্ৰবিনান, ভাছাৰ নাজ ৮,২৮



মারাক্ষণারির কোরের । শীর্থকেরখরু,খনাঃ । মানমাধারিকোচনি লাভা জিতিকর ভারত । "১৪॥ ভারতকৌমুদী

ন্ধিপ্ত বিং জ্পি বৰ লাক, স্বান্ধিৰ শান্ধ স্বহণ- স্থানিকাই মাজ্যি, ম্ণিয়ে শ্ৰান্ধ বিষয় জালাল কাৰ্ড হাতিও হ'ব কৰি লাগিল, বা ভলি ধাৰ হাত্ৰজ্য প্ৰান্ধি বিষয় পালি ৷ এই পৰ্ব ভা কাৰণ নাম্ধিৰ কাৰলি নিৰ্বাশি কাৰণ সাল কৰিব সম্ভাৱৰ কাৰ্ড কৰা প্ৰান্ধিক কাৰ্ডিকাৰ সাম্ধ কাছিল, ব্যান্ধিসমন্ত বিশ্ব, নিজাৰ কাৰণ্ডিকাৰ ক্ৰিন্ত কৰিব কাৰ্ড

ভারতভাবদীপ:

श्रद्ध । वहर नामक्ष्म रक रमानक दू न व्यक्तिक मान द्वाच क्षा करानक करिय मानकार म ताजिकत्रकार मार्थक व दूर्य - वर्ष्युक्त किसेर क्षाप्तक करिर्य र प्राप्त अत्र (अर अरम व्यवणि कुत क्षिति अरस्य । विकार ने मा विकार के मा विकार ध थि।। अरुवा - १६ दक्षिण पूर करोड़ा दक्षिण सारक्ष स्थान स्थान दक्षिण इणि निकार्तात कार्मिकका स्थाद स्वतार्थित, य स्वयानिक स्वतार स्वतार करण स् का रवस मूल जिन कुन्तु जीन नहीं तहा विकित्त इत । अस दल क जिन्दा रिकामिन विभिन्न नव इस्त अस रमान किया देखा । भाषान कर किया किया नारत न मुक्ति व्यापिकार्जिक को उस कार्याको सम्बद्धानिकारक स्मार्थीक मान स्वाप व्यवस्थिति भी वा अद्वृति क व.। अवाक्ष कार राज्यानिक वर्षाति क व विकास राज्या वर्षा वन विकास है भार ह राष्ट्रिय है जो करायम पुलान्द्रिय पुता विस्तु इति वि स्तर्य है। ६ स्वित्यक कार्यून केमर्गातक (क्षत्रेय र 🕒 😅 द्वार (क्षत्रेय र दिश्वासम्म 🗝 व र रश्चात्र प्रमाण्या । छेनाचिन विदाह (अनकान अनका अन्या अनका अन्या अन्या का प्रवास का अन्या अनका अन्या अन्या अनका अन्या अने अने अने अ द्राय (४४) अध्याप्त्रम् १ अधित में अवद्र कृत र्वित THE THE WATER STATE OF THE PARTY AND ADDRESS. এক হৈ জাবি ভূহদ পালে সিহণ তেওঁ তেওলে নিন্দ্ৰিক প্ৰতিষ্ঠাক প্ৰতিমূহত মূহণ পৰে। वार्त हर उन्हें अने सुरक्ष के अनुकार के अन्य के अन्य के अन्य कर कि अनुकार के अन्य कर कि

জাবির এই দুল্দের ধেনন ক্রমণ বালা, দে বন ও লাভকা উপস্থিত হয়, ভেমন অংশ দুল্দের পাপি হইয় পাকে। সুভরা জানী পোক কারাতে শোক করেন না #১২#

তে (তে পাছিল। — ম এব , গন্ম কৰণ সি ছিল্লি আহি ক্ৰ তৰিং কাৰ্ব হাণ্য হাণ



छ!बज्रकोश्रुकी

বুন নাম নাম ক্ষেত্ৰ প্ৰতিষ্ঠা কৰিছে। আৰক্ষ্টি জানিক বিশ্ব কৰিছে।

আৰু বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে।

আৰু বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে।

আৰু বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে।

আৰু বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব কৰিছে।

আৰু বিশ্ব কৰিছে বিশ্ব

स नाम हा रहते न

या र प्रकार र प्रकार प्रकार हो संघान गुरु , कारणा स्थित the transfer of the second of . •4 • 4 1 8 ** 4 ** \$4 ** \$74 ** \$94. ["大大 大大學 大學 不 化化 一个人人 人名阿尔克比例不及此間 阿尔德夫 對於於 一一人之一十十分是日本原本。一次十十年 1年 1年 1年 1年 1年 1年 1年 1年 ताम क्षत्र र र र के भी कि है सक कर में भूजाराज्याता कर के पूर्व ा र ते ते ते ते भी भाग पात्र पात्र दुव्यक्त रहे _{मा} त्रा अवद्वारित दुव्यक्ताह स्वयू सरकर करा राष्ट्राच्या । 'तमारहत महत्र हे स्ट्राच महक्क में ह, हिसा, कुष र प्राप्त सर्द, स तक्ष्यां स्वयस्य हे अधि छात् छ । বিনাশ্ভ আনত পুৰৰ ৰাজ্য আন্তঃ আহত্ত ভাজোৱা ভূপা সুলি স্থা केत्र 🐠 ५६

सि (किन्दि) । इत्यानक व व्यवस्था का नामका नहीं स्थाना, स्वस् भई । इत् व स् त्रात्म मन्य इत्यान सामक हाई । हु / का उद्देश्यान दि ए कित्र मध्यान । १ त्रात्म व स्वत्र । १ दिशाणक व्यव क्षिका, प्रमा इह्हार स्थान । १ त्राप्त स्थानका । १ वर्ष क्षित्व हो। सन् ६%। য়া হি ন বাংগার্ডাতে পুরুষা পুরুষ্পিও।
সমস্থান্ত্রা হার কোরে ॥১৫॥
নাসতে বিভারে সার্বা নামারে বিভারে সহা।
উত্যারশি দুকৌ(হত্তস্থারো হত্তি হি ॥১১॥

७१३७१क१५२)

ন্ধাসন্থানিক কৰি কৰ্মিক হাৰ্থি হিচাপত প্ৰদেশক নাৰ্ভাগ বিধানিক বিধানি

আবাষ্ধ্য লীত্র আন্তির্জনিক্লনিক্লি ব্যুক্তিকলি বা ছাত্র বান্ধান লাভাব বাদ ডি

দিশি না ভবিতুন বাক। এবল প্রকারকরেন চাল্ডের প্রকারকরেন বান বিবার বাদ হাল্ডির

হালি দিশে হালিক হালের। সা এল ছাত্রন্থ্য লীক্ষেত্র করা হল মাল, নাব্র

স্কানিক্লিক্লিক্লিক্লেবেন বিহাল্লেকা, ভানাবার বাল ডাক্ডেক্লেকান নাব্র না নাব্র না

ভারতভারদীপ:

भूकवर्त्रकः । गाहात निकः स्थ ७ ६ ४ महान कर गेरहात आहमान्य इत्याद्य, त्माडेकण त्य भूकवर्त्र कडे रिवर्ण स्मित्रमथक अभन करिय । हार्य ना, त्माडे भूकवडे क्यांकमार्डक त्यांथा ॥ १॥

তে তে কোইটো— মকুন টুনি গণিতথ নতুগৰ সম্মাজন কৰিছে লাগ এবং বিহাৰেভিয়েশ্য তে নাৰ্থিত চকৰ ক'বছ না লগত, সংগ্ৰুহিন চুকিন শৈব লোগা ইউটো: সাম্প্ৰতি শোকত্ম সক কৰু 1500



जातलस्को पूजी

साथ हिस्हाराता प्राप्तित केड्य दर सम मो इ प्रेटाट्या है है 5 इंड म सीति व्याखास्ति, स्व मि महावादमा, व्याच्या दिना प्राप्तित महार साथ विस्तार सहादार प्राप्ति कि कि स्वाविद्याहर प्राप्ता प्राप्ति केड्य केट के स्वाविद्या के कि स्वाविद्याहर स्वाविद्या विदेश व्यविद्या का कि सिंह देशों के इस देश कर प्राप्ति केड्य व्यवस्था कर्म प्राप्तित कर कि एक स्वाविद्या कर्मा क्षेत्र दिन हर

ভাৰতভাৰদীপ:

शास कुलन र र रक्ष भिद्रक स्थादित अल्लाह हिंदूर र त्या पास मेल्य ब्लासकर ह 医大龙 化艾克斯 医自 人名日 美 化 "如果"并不够决定的时间,从此为我不要用 有前面 ア·カインは「まないな さーのとうない かんとくとかり、から、まの ながっ はまは では、 तस वन धनक वन मना कलार किन कि स्था । - अर इ विद् न का वन जिला श्रीत ক লংগ নুগল নত ১ ইয়ানিন নিচুমী ক লাগন লেপুনং গান্ড মুগ্ৰাহতীয়ি নিশাসূচ इस्टेड काम र किन देवर मानाम ने किराहर काम हाम रहामताम प्राप्तिक किन्ति सुल्य अ तथ । अहा जिल्ला १ (१६० व विकृत्यात अव दृश्य हे कृत्यत १ - में कृत्य जिलाहर अवस्थित अवस्था पद्भाव सम्बद्ध अवस्थिति । विस्ताव सम्बद्ध वर्षम् सङ्ख्यादीः र क. च . . . मा मा म निक्षित्विति हु भारत प्रमानक, ६ इन्युरन्यस्थानन मृत्य किंग इर ५ र — रेव किंद्र भक्षांत मक्त्यू देव कहा भक्षांच्या है। अहेत है दिमानिहसाहमू বিজ্ঞান বিষ্ণাৰিত এ টু কৃষ্ণি - বি পাছ নতুহিন কৃষ্ণ সালে পাছিছিল। বি পাছি বিছে বি সকাত্তি সংক্ৰণতি তৃষ্ধ কাৰ্মকাৰ সাহিব। ভাৰ গ সংখ্যাল পাধ্যক্ষিক্ষাৰ্। নাজাঃ, क युक्ति महत्वसम्बद्ध वर्ण यह अस दक्द्रमा 'ला । अन्य , किस व किमेपूर प्रशिष्टिमारि । रुष्ट इन्हानिभ स्वत्राद्वन विकास्त्र र रूप प्रमुख नगर स्वरूप किसिनि क्राम क रत्य ह महत्व प्रकाल मान्य कर्णान महाहत्व न्या प्रकारण व्यवस्थित महत्व न्या व्यवस्था अन्याद्विया । प्रकृत्यक्ष नदे उपकृतिक पुरुष्टिक "स्राह्म विकास करवे साकर्य विकास नामा हेकामका निष्ठश्रकत्त्वस सिद्धानि—हिम्पानिकी १। च्याप् प्राम्। ५ चाप् संका সুজ্বজন বলালাত বিশ্বেলিত হলত হ লাভ্রেলি-প্রপদত্ত বিলিয়ন অলি পারে ধেন कानारक व्यक्त श्रेष्ठ अभि (व एक्कापनन द्राद ए , नष्ट क ग्रामानार्थ प्रश्नापन है-था पा कि । इ कि निकट्ट सब है। के 52 अन् किन तक हु दूर्व स्था महिला तुन्था । यह सम् আলাবলি সাধ্য তাবলি চুলাম্ । এই স্বশস্তের বৃদ্ধে নিকা স্কুল্লেব্যাল্ডের হুল্ছ শ্ৰণ্ডালিকং লগন দিক্ত হিলাল প্ৰপেশ্লন্দি ক ম অনুবালত ইতি চেল স্থলন্দ তি প্রাল্ডব্যাহনলেকার না ব্লাড্ডক করণের স্থাপনি পর্বিক্তিক পাল্ডেছপি देवना न, सर्वात र । ज व वर्षात देवना । एक निव मणा निव देश हा कर कर का प्रदास कर है । देश भ्यन्त्रायाः, मस्त्र । वश्रह्ये ५ तित्र च चित्रव्येष्णि मनन्द्रायेश्वर्ताः व्यवनेकप्रहे । सन्धायतः হুখাটে ক্তে — "নেই ন নাজি কিজন - অসুত্তাবেশসভ্ৰয় ৷ আত্ৰেকাশভূমি হাকিছে

অবিনাশি ভূ ভদিকি যেন স্ব্যিদ তত্যু। বিনাশনব্যেক্তাকান কশিচ্ছ কর্মস্টি ॥১৭॥

छात्रजहको मृत्रो

ভারতভাবদীপ:

सन् मान दम्या अध्यान मदा श्री श्री विषय मान स्थान वाहर देववार मिन् मिन मिन प्राप्त कर्ष श्री कि क्षा के प्राप्त कर्ष कर मान स्थान प्राप्त कर्ष कर मान स्थान प्राप्त कर मान स्थान स्थान

कामर लामाहरूत मनेन। का क्रिक शास्त्र मा , क्रानात मर लामाहरूतक स्था मा ठग्न मा । एउमनीता अने किनिन लामाहरूदे युक्तल , श्रीयहरूकन १, ३॥

অংশুন । যিনি এই সমগ্র শ্রীর বাাপিয়, রহিয়াছেন, ্সই ভাবাছাকে পুমি অবিনালী বলিয়া অবগ্রহণ, কাবণ, প্রমায়া ও জীবাছার ভেদ না থাকায় কোন প্রাথট এই জীবাহার বিনাশ করিতে পারে না ॥১৭॥

তাত প্রা—শবন ও চিংক্তল ও জান্তর, আবার সর্ব লবনাতা ও সীবাছ। জরিল বস্তু । পরাব্য লোকে আজা করা ও তাতের আজুলব লছ বলিতা নেই সীবার সর্বনীর সালী ইয়া আকার কলিপে এই ব এবা নেই সীবাহার বিন লাভ্য না ইয়াও বুজাতে হইবেন ক্ষেত্র না, প্রস্থায়ের স্তিত ইয়ার তাতন নাই। ক্ষেত্র তান প্রার্থ সংগ্রাহারেও নাই স্থিতি পারে নিং ৪৯৭৪



बल्दक्ष हेत्य (महा विकादका छा: व ती दिवः। बन्धिकिथ्रवाक इक्ष्मिक्षक ल(वह ।॥১৮॥

खात्रखात्रकोत्रको

আ হব বন্ধ নাত নাত কিবলৈ কাৰ্যালয় কৰি কিবলৈ বিশ্ব বি

ভাষতভাবদীপঃ

বসুস্বিত গ্রাহালিত মূল ভিত্রতার তার ১৯ ছবলি আরু সা বিলাশীকা जिक कर कुर देश है के उस दिश होई क्यू बुध्य कि है कर सार व दे ह्यो स्वाह र मार्ग्य व्याप व्याप अवस्थित स्थाप हरिक कि स्थाप मार्गिता 有数 有效性 美 医 化正常的 医电影 化 电影 网络 电影 對於 化 有效 电影 医外 對別 制作 दिन पर महत्त्व पाति दाव दिन निक समाबिकदिन क दलावनह । ११ मा पर भवत्र प्राप्त । स्व व भर्ग द्वार प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त व श्रुप्त विव व वह द । भाव व्यवद का कि क द र क क कर्णा कुनकरि - अव है कि क नम निवृत्तिहि महण्याद्व নেম , ৮০ জল তাল্য সমাজ্য সময় স্থান্ত লাল্য মীতি, সাম তত্ত্বৰ জুল জুল লিজিক কুমাৰজ জুল হ' সংগোলি নাম মুখ্য প্ৰথম প্ৰথম কি ar 6 শাল্যালাস সন্ধানী সভ গুলুহালটিভাড় জাভিলাভাই লালু বেশীসটু कुक्त मद् भारत राष्ट्रिय अस्य कुक्त १९६६ दुन्द्र सक्त अस्य क्षांच्य अस्ति। মুলিত, সলু বা সাল্ভাল সভাল সভাল সালিক হৈছি। সার জলভুলালাল রু ক্ত বাল্য দানি । সাম ববিন কিওক বিন কাৰ্ড নাবালি ভুন্ত বিনাকানিতি। স (देशि संभक्तो । हे २३२ क्षेट्र १८३३ अक्षांत्रक द्रम्युक्त शिस १८, संकी केश्वर (व्यवस्था) हि एक चितिक प्रार उद पर नेपीय साहदाह स्कादिक पर धनक्षाहर, जाहा,। जा काल्फ-किन सम रमयूक्त रिमानद्वद्वानस्वतं व प्रक्रिया । विकृति देव कृता क्रमानि क्षार प्रक्रिया ER RR : Q's fagiaurer ies iedfe bier is gannederne guifeum megific অস্বসূত্রি অভাপিন লাগ বিভাগ লাগ ই লাল লগ দেই নাগ কংলাছাহছপরি মতুং নাওঁটিছ প্রনাধীন চাকুণ দল পি ভাগ দ্রিয়ালিক্ষম নাজ নাক্রিন মতুরুল্ল নালা আর্হার জি त्रोतपुत्र जिल्लाकिकाविकाणपरिद्वाच । एक च च स्वयन्त्रात देखि ज (अ मः जिल्लाका কাল পরিক্রেলারণ ভর্জে ব্যবসাধে ন্দ্রে ভ্রমার্থিয়াত উত্তর্ভ্রন্থানির ইপ্রি। নাশং अपनान इस न वि अध्यान, अस अ सुनि जीतम होति चुत्त, अस्त स खुत्वासानी मुन्त-দৈয়ে প্রক্রেলয়ের রাভ্রম । এডস্পিন ১০ দির্মত হান্ডাতে— এপ্রেম্যেতি । তথা চ

য এনং বেতি হস্তাবং মধৈচনং মহাতে হতম্। উত্তোতি ন বিজ্ঞানিতে, নামং হস্তি ন হহাতে ॥১১॥ ভাৰতকৌম্দী

ভারতভারদীপ:

अभिन्ति। श्रीकारिकारिकारक विकास करिया कर्या कर्या विकास करिया कर्या विकास करिया करिय বিজ্ঞানীয়াঝিজামাব্যাব হলন বিজ্ঞীয় দৈবিত লাফিভিজুক ভূম পাতৃত্বৰ 🔍 चार्या है। एक काम के क्षेत्र कि अन्त्र के ता के जिल्ला के कि अप के निवास के किए। के प्र মুসতালা নিখা হালনিত, হাত অধ্যেষ নতপ্র হত্তরা হললালিকত, হব অগাই লালালাট है डि कार्य, 1950 लक्ष संभए दियाद कार है है का संभाग गार गार संग নিংখ্ৰপ্ৰান কয় হা না সম্বৰ্তি মাত সভাতৰ কড় হা তল্পাপ্ত তহক বাচন সভাত হত। क्ष्यर्थ यक का समक्ष (भाक के कि कार के विकास करता करता है। मदक दमक कुरमामाना एक कुन् अने के कार्या कर कार्या कर वह के कर्म कर मार्ग অসচ বিকশং বাহনি অব্যালার মেবাং বাবাহ বাহি বাহিংকং সহজীতি মুস্তনিবনালয় বাহ अविभिन्ति । एक ए क्यामित्रमधात् मा दक्षा दममित ए । क्यार प्रवृत्ति । BIATAIF , रमा हरा दममहित्य ६ . अधी स्टा यह इ टारस्थान म प्राप्त म ६ वर्षा ह दुण्या प्राप्तिकार इ.स. न इन्द्रिक, न दिय कहा स का का न लिए तह अ.ध. ह आर्मिना म्हायम समाद सदा छात्र, एक द निष्टक वकिमम्म पत समादा स हु या है, क्षा म मानामहमानिका क्षेत्र माह मिन्य क्षा माहम । महिम ह क्ष्यानी म-सी व निमन्द्र पन मार्ड म द्रानिधि नेष्ठे कर राका स एकदलक (- लक्ष नाम निधि पन

ভরতন্তন । জানীরা বলিয়াছেন – সবস্থ এককপ, অবিনাশী ও অপরি-মেয় জীখাঝার এই দেহগুলিই বিনশ্র ৷ অভএব ভূমি স্থপ্রকার জ্যা মূদ্র কর ৪১৮৪

তে কিন্তার জীবাত সকল সকলেও একভাবে ব্যাহাত এক উচ্চ ব ইচ্ছ ন ই, দা সভানাই, কিন্তু ইচার টো সেলপুলি পঞ্চু সাবন বলিং বিনাললৈ অসলা ভীম অভূতির সেইও বিনালেকীল, মতএব ভূমি বিনাশন কবিলেও উচা মন্ত কালা বিনার ইউবে। ভারণে ভূমি আলান ক্রিনেজ বলা কবিব ব মন্তু কবি নেলা



ন জাগতে বিশ্বত বা কলাচিলাসং হুছ। ভবিদা বা ন ভুবঃ । হাকে: নিদাঃ শ্বাৰাহ্য গ্ৰাবে, ন হ্যাত্ৰ হন্মানে শ্ৰীরে ২০॥ ভারতকৌষ্দী

্ভারতভাবদীপ:

র বিশিন্ধ বিদ্যালয় সাহিব শার্ল ১০ বালি বিশ্ব বিশ্ব হার্মিন বিশ্ব লামিন বালিন বিশ্ব লামিন বিশ্ব লামি

যিনি এই ভীৰায়াকে হণ্, বলিষা ভাষেন, কি বা যিনি টাছ কৈ হত বলিয়া। মনে কৰেন, টোহাৰা চুই জনই পাঞ্ছ বিষয় ভাষেন না, কাৰণ, এই জীবায়া। অফাকে বধ কৰে না, কি বা অঞ্জন্ত হত হয় ন ॥১২॥

শিংকিংকার নিজন এই নাক্ত্র কন কি, নাই, কুমবাং ভারাত্র হার ক্ষ বাং করেন এবা নাক্ত্র দেশত এই ভারতা উই কেও বাং বাং করিতে পাবেন। সহেএব চুমি , হাহলিকে--'এমান নাভ্ছতিক নি, আন নি ভারতিপাভ বাং করিছে করি নি, বাহ ভুলাচনা

1.

ভারতকৌমূদী

ভারত ভারদীপঃ

क्षिरोशस्त्र दृष्ट्य । संस्था हे हे हे हे प्राप्त दृष्ट्य कर्म क्षित संस्था कर दृष्ट्य क्ष्य । संस्था कर दृष्ट्य क्षित कर स्था कर दृष्ट्य क्ष्य कर स्था कर दृष्ट्य क्ष्य कर स्था कर दृष्ट्य क्ष्य कर स्था कर दृष्ट्य कर स्था क

আরা ক্থনত জ্লোনা, ক্থনত মাবেন, কিবা জলিয়ে, আবাবে পাকেনা। এই আছে, জ্লুজীন, ভিত্তলৈ একরপ এব সকলো সমান থাকেও নিকটে থাকে। অভএব ভূলদেহ বিনাশ করিছে পারিলেও আহাকে বিনাশ করিছে পারা মায় নাজ্যনা

্বল্বিন্থিক নিৰ্ভিষ এন্যজনবাষ্য্। কথা সংপ্ৰকাশ পথি। কং দাত্যতি হাতি কম্ ॥২১॥ ভারতকৌমুদী

সংক্রার চল শালন পা বন্ধ প্রায় সাহার বিশ্ব করা প্রায় নির্মান নির্মার নির্মান নির্মার নির্মা

ভারতভাবদীপ:

ন ক দিং : ্লেপড়ডিজান - লেড সদশং প্রথ নিজে নং সাদ্রত গুলী হুং कृष्ण त १ नद्व, पान मानिस्म नद्व सुनिविष्ट करा कुद भूनव्यासूर्वविधित्ये। करिक र के का क्रिकेट र के अवस्थित प्रशासिक कर व्याव के कि करी वर्षा का शासिक • र मर २ ६ के र राज्य १८ १ ० १ १ १ ० १ ० तक विकास के प्राप्त के स्विधान-दर १ - इर पद अप कि रह अवस्थित वसद्य कि एक दिवर अवस्थ कृष्णि हिन्द्रिय रमणि सार प्राप्त पत , मन निष्ठ तर व दन्तानदिव निष्ठ नेष्ठ निष्ठाद र छाव । व्यानदेनव ए । न प । प । क के के के के के कि द प्राणिम स्थित प्रकृत करिया । इस मध्यांचा इस काल्या सम्मान । व्यवस्था सिहाउ শাস্থ্য ত বৰণ কি মান হার—পুর ভবি পুর বিজ্ঞালিকের প্রাণুলিকের এব , । ১৯ ১৯০০ টিবা বৰ ব্যৱস্থিত মুখ এই বিবেল লক্ষুত ভ্ৰতি কিন্তিয়া भवत्त्र त गण सम्बद्धारः स्टब्स हु त्राव्यक्त इस्त व गण विस्त्र तक्षण्योः। কল্য . . ম বুন্ধ নি ছাই এ খন ভুচ মন্ত্ৰ মন্ত্ৰিল কীন্মতোল ব্রিষ্টার বাল প্রাপ্তার ইপার্ড ভাগেলেন্ড প্রিটিটেশ সাইতি ও জন্তার ব বিশ্বিষ্ঠান স্থানি চাব বিভাগমান এক চাবেদ্যাল নাম সংগ্ৰহ কৰি কালিকা কল চুটাৰ দিন ভজা উপ্পদ্মেশ্ব মাস ইও দিক্সাসংহ ব ইতি দাং। দাং কাইছিল আছে-

মক্ন। যে লোক এই আহাকে অবিনান, চিবকাল একলপ, জনাহীন ও ক্ষয়ীন বলিন, ভানে, সেলোক কোন প্রকাশ্ব কেনে আহাকে ২৭ ক্রাইডে পাশ্ব বা বন ক্বিশ্য পশ্বে ৮ ৪১.৪

বাসা সি জার্থানি যথা বিচাৰ নবানি গৃহাতি নরে।চপ্রাথি। তথ শ্রীরাণি বিহায জীথাতালানি স্বাতি নবানি দেচা ॥২২॥

हादख्क प्रती

ভারতভাবদীপ:

कुशनुष्य भागत । १ व व दश्य मादिक विवास द ११० विवास व वह नम् पर १९ --क दर र शांच मा कि ए करा र चु कर का कर कर कर कर कर कर कर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अस्तर अ estimate for each to a fact the second to the language of the भाषाद्वी विकास मात्रीह मुक्ति देवर के अस्त दे प्राप्त कर प्राप्त कर प्राप्त कर प्राप्त कर प्राप्त कर प्राप्त कर स्थापन प्राप्त तथ्र वर्षि वर्षित्वम इस्त कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष । प्राप्त वर्ष व मा दुरियों प्राप्त देवल मालाह को कार है। से शुरू से कार कर कर कर कर है। है। इसमें वर्षा वर वर्षा वर् देशमास्ता मध्यि माहिद्या वृष्ण । इस्ति दृष्ण मध्य भिष्यतीम । द्रान्त मध्य । वे हुन्दे हम सार भरण मात्र, मि पारिया देखा, पाता द सकाद देशदातर मुर्ग प्रसाद है। र दिवादांशन स्वति वृश्वित होत्रतः भवा । के कि द्वारात करान राज अपासन वेदन । कर्म করিকানবেপ্ট্রার ক্রছিল নত সমুদ্ধার নিত্র সংকলতবিভাগ্রন ত্রেন প্রত্তন ভিত্ ष्ट्राहरूक के के जिल्ला के अवस्था है। अञ्चल किया के द्वार के अवस्था का अवस्था का अवस्था का अवस्था का अवस्था का কাৰে মাৰিল লেশপুৰুত্ব সামন্তিক প্ৰতিষ্ঠাৰিক বুক্ত নি নামৰ মুক্ত भाक्षिक में कर किन के उत्पार्क कर देव अ सहाद है के हैं है जा बिल्ला कि है । बुक्क कुन्नरः । व न ने भेषु दे कुन्न कर्ण कर्ण कर्ण करित । हा हो। साह देश करित । হতুমৰ বিজ্ঞাকত বিভাগ প্ৰকৃত কন এ বিভ্ৰমন্তির কেই নহাৰ ভাই প্ৰকৃত ন भारत के ही है । या रहा के हरण जी कि अपने हैं यह अहर के अध्यक्ष कि राज्य रहत है अ देखाराक्षक वनम अर्थे न वस्तु अर्थ अर्थ अर्थ व दान मिला ना स्थान वस्तान पर नवीं तीत नाम नव म बद्धादिक कर के प्राप्त है में १० व्यव देव कर देव के विकास क्षेत्र हैं कर कर के मार्थ

মানুষ যোৱন জাওঁ ধতু পৰিত্যাগ কৰিয়া অপৰ নতন বহু প্ৰচণ কৰে. আহাত তেমন জাওঁ শ্ৰাৰ পৰিত্যাগ কৰিয়া অক্ত নতন শ্ৰীৰ গৃহণ কৰে ॥১১॥ নৈনং জিকান্তি শহুনে বৈনং নহাত পাবেশ।
ন চৈনং ক্লেন্ড আন্তেশ ন শোষণতি আক্তন ॥২৩॥
আচহুদ্দাহ ব্যন্ধান্ত ভিন্ন ক্লেন্ডেশ্য ব্যক্ত ।
নিৰ্বাচন স্থাপ্তঃ আধ্রহনেন্ড্যণ সন্ধিন ॥২৬॥

ভারতকৌমুনী

্রিরাভারতি সাধানত হার নালেন সভ্রতি সংগীত্রতা নার । বসুতি এর নাহানিস, নাহিলতি দেবাতে কতাংগতিন নালাইতি হাল হালান সুরাজতি হালীজ্যাত্য সাজাত কালান্ত্য নালান সাধানত ভালান

किया । १९१६ देव के इ.स. १९४० व मुख्या के स्थान के स्थान

सारक संदर्भेशः

स्व प्रत्य कर द्वार प्रवास के क्षण व्यक्ति विकास का प्रत्य कर प्रवास के क्षण के के क्षण के क्

वाद्य मकल काद्यारक एक्ष्मन करद न , व्यश्चि केष्ठारक मध करद न। , कल वैकारक व्यक्त करद ना , कि वा वाल विकारक क्षक करद ना ॥३०॥

कार्यक्षा व्याप्त कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक विकास कार्यक कार्य



यकार क्षेत्रय हिर छ। १० सम्बिकार शादिक पृहार है। ত্রেলেবং বিদিট্রনং নাজুবেশাচি ভুনচলি ॥২৫॥

कारहरक प्रामी

क्रमाहर कि इह सराक हैति। क्रमाहरू क्रमाहरू क्रमाहरू क्रमाहरू क्रमाहरू क्रमाहरू क्रमाहरू অভিযাত অৱপ্রান্থতিক বুমপ্রক , ভিত্তন্ত ন ২৬৫২° ইতি জাতে, অধিক হাত বিকার অন্তির এল করা, তথা নির বিভা লাম করা সভালে প্রভাবকালী নকামশ্ श्रीकारक दा ए. म कि नमान कि नहां कि अपने कर द द द शास ह से दि में हिन्द উচ্চ টু সাবেন চ পালীন ব্লানিক কে কিব প্রথম কালিক মধ্যেক প্রান্ত করিক ম পুৰুৰে ব্যক্তিয়াম আন্নঃ ব্যৱসং বিদিও , এনং ভাজাতা হান্ত আব্তশাবিদুং নাই লে, "ভ্ৰতি শোক্ষাত্রবিং" ইতি প্রতেরিভি ভাব: ৫২৫৪

ভারতভারদীপ:

भू । महा- कि १, १ ह , अ वर्गतान भागत में दुवरमा खद देवाका असाह । विकाद विकि कारण क्षा किया किए जिस हु। इत्ते किया का का कार्यकारण हु। अवस्था के अत्या शामकामान १ व पु भकादम महिल त्या दिल्लाहर यह के व जिल्लाहिक में। । ध्यष्ठल 🖟 प्रजीत था र । चार्यक्ष जलपुरु इत्राष्ट्रीय प्रतक नाम दरहरण चार्यक्ष ६ । इत्राप्त राज्य अदर प्रदेश के पुर्वाच अस्त्र र तर ६६ क्षेत्र इ.स.चे हैं से ५ (अर्ग मुक्तिन प्रदेश में ५ व्यक्तिकार है। व्यक्ति काइन बाद भाग । अंदर्क देशमाना किनिक अभावनिकास । अहा स्टब्स में क्रिया केन्स है जा जा अञ्चल हु क्रम, २६ .८ इ.स. १००० वर्ष हिंह । अने हें ११ र अन्यूपनी एक वर्ष कालहार त्याहरू परिहरूकराष्ट्र या अवनाय भवनाम अवस्थान अवस्थान वाराव्याहरू विकास এসন্ত, পরিক্রেন্ডির অন্কল্প ত্তুত্ম ন্তেত্পি কয়ান প্রিন্ধ নত্তি সংক্রি নিৰিদ্ — মত ভূম্বিভ ভূম্পুল সংভ্ৰমৰ । এখ — বুজ্তা স্থান ১৬৮ প্ৰত্যাসকাশি ইং ।

অপু অ। মুক্ত ভ্রম করিছে পারে না, অ'ল ইচ কে দম ক বলে সমর্থ চা না, জল উচাকে আদে করিতে সক্ষ হয় না, কি বা বাসু আংখাকে শুক কবিতে পারে মা। আবে এই কাত চিবকাল এককপ, সকবোলী, ভিত, নিজিয় এবং উৎপত্তি-বিনাশবিহীৰ ৷২৪৷

कांद्रभाशी - १९ मन १६७ ६ ६ १९%, १० रहे द्वनन, महन, अरू ६ ६४ न दर् इतः बाकारभद छ १वे का ए देन ६४८% वृति देवे व पा देल । अपने पद पा पित्रवात धककम् चर्चार १८वाद , मन्त्रवास्थि – चन्ना वन असे दहे ए । । जिल्ला नार नार्य नार्यात्मक, चठन – নিভিত্ন এবং সন্দেদ – উম্পত্নি ইংলাপ্রিচীন দেবং

বেদ ও জানীয়া বংলন-- আল্ল অফ্ট, অভিসুমীয় এব অবিকার্যা । সত এব অজ্নঃ তুমি আয়েৰে এই অবভ ভানিহা ডীমহাভূতির সংখাৰ জড় (भाक कड़िएड शांत मा १२१**३**



লগ হৈনা নিত্যজাত কিত্যে ব মধানে মৃত্যু (ভুল্লি ভুল্লাবাহে, দ্বিন্দ্ৰ ভিত্নভূমি ॥২৬॥

क्षात्र ज्या भूगी

साहित है है के के के के के के किया है है है है के किया है के बहुत ह कि पिता राज्य कर एक प्रकृत कर तर पूर्णिक विद्यासम्बद्धाः विष्ठातुर्वेष for the part of the same of the part of the same of th भ । अर्थ र ६ क्षा अर्थ मा अर्थ में है कि वा का पा अर्थ के कार किन्यु किन्यु के स्थाप रहरू का विकास मार्ग्य के किया है किया है से -

는 '로 는 는 ! 근 나 ' 어'

the state of the s ित अभाग्या का स्थाप अन्तर सामग्री र दक्षिण दूरी क्षा पर एक के जनवान होता कर उन्हें इस्ति विस्तृत हुक विश्व के विश्व सर्वे केस् মুখ দ বছৰ ভাৰত সাম্প্ৰা কাৰ্য কাৰ্য প্ৰত্যুদ্ধ ভাৰত বুলি কাৰ্য কাৰ exists a grant was and grant to market a fe MT ARAPAT AT A A TO COOK TO TO THE TO ATT STATE TO THE ने के निर्माणकार मानु मुख्या गल ना ना निर्मा है निर्मित् का नाम है । विभिन्न का नाम प्रमाण 如本 中 年間 不知 一个人名 明十四 为实业务 人 一个个点 一个 电影电影情 不 於 即至 医皮 香 वित्र राज्य अवर कावर एवं के कि कि कि कावर वार्टिक में, चर- र -१८ - अ क्रयुप्पिट . स किस स्व ५ व्या दूर्वा लाख ए सिसिस्स, ४" है । पात्र हमान्य हमा ने एवं हिन हैं के मूर्त मा ला कर मामने वर्ष प्राप्त स हे दें हे जिस हुई रिका किया का किया है। कि ह स्थानिश्या ।

ক্রাক্র প্রায়াল করা করি লাগ বিভাগ বার প্রায়াল করি করা ব্রিটা हर विकित्त कर कार सार्थ केवर राज्य कर विकास करिए एक एक विकास कर पास जा। सम्बन सक्ता ने प्रकृतिन स्पृष्ट इडक्ष्मडे छ वन क्षाप का मुक्ताकृति ना থাকার টুমি প্রেবে জন্ত পে কাল্বিট্র পার না । ১১৪

ভারে পর মহাবাচ অক্ষা তুমি হলি এরপ্ন ম্মে কর যে, আখার চির-কালেই কম আছে এবং চিমকালেই সূত্ৰ আছে, তথাপি ভীমপ্রভৃতির আয়ার হয় শাক কবিতে পাব না ৮৮৮৮

জাতিতা হি প্রে মৃত্যুপ্রি জনা মৃত্তা চ। সংসাদেশবিহারীছেপনে হ' শোচিডুমার্সি ॥২৭॥ অব্যক্তিনিনি ভূতানি বাংক্সেশ্যানি ভারত। অব্যক্তিনিন্দ্রের তথ্য কং শ্রিদেশ্য ১২৮॥

्र हात्रहरको भूगी

स्था के ने त्र प्रसेश है वे प्रकारित कि एका, का इस काल कुट्ट एक जिस के, स्थान के स्

पर सिक्ति पहा स्विक्तित्व स्विक्ति क्षित्व स्वयं ता सामा । विक् कोदारकाष्ट्र इस्ट इत्वादिक के। द्रास ६ इस्तर र कन्ता नहास्य उत्तर राह् इतिकृति, १ सन्तर पूर्णसंख्यानि क विन्तित्व विद्युष्ट राज्य रहती

ভারতভাবদীপ:

উংশয় বাজিমাতেরই যখন সূত্য নিশ্চিত এব স্তলভাতীয় বাজিরও ব্যন্তব্য নিশ্চিত, তখন সেই অপ বহাফ বিষয়ে তুনি শোক কবিতে পার না ১০৪

ক্রাক্রের নাম্পর স্বল হবল থেখন করিব সাহে প্রাচ্চ প্রাচ্চ প্রাচ্চ করিব স্থান্ত প্রাচিত প্রাচিত স্থান্ত প্রাচিত স্বাচিত স্বাচি



আশ্রেষ্টের পশ্রতি কশির্জন সাশ্রেষ্টির উত্থিব চার্ডির । আশ্রেষ্টের নিজন সভায় শৃত্যতি এই হাজের নাম বিদ্যান হৈ কশির্ম ॥২১॥ ভারতকৌ মুদী

कारताक्षण्यां कर द्रा स्थान रक्ष का का का स्थान रक्षा प्रशासक का प्रमान का स्थान का

ভারতভাবদীপ:

cas to me b > c fo - con a più go - a m fera à m a que epo for main प्रवेशिक स्वान्त्रक कर सामान् के निर्देश नि के के लाई देश दिश्विक ६ तमा ६ तमा कुलावस , साम अवस्ताक रह जिल्ला मार (११ कि.) व्यक्ताले — AND OF THE C AREA HER OF TE STATE A PARTY A FRANKE INTER र म्लानक प्र इ.स. १ में १ में १ में १ के १ है । १ मा १ जा वा में १ में १ में १ में १ हें । में विश्वताल राक्षेत्र एक एक राष्ट्र के रहारीय रहतालाकिन विदारीय कार्यात में पा च मार संयुक्ति व सि दूका प्रस्टर छात्र पूरत इंटरपित्त कृष्ट कृष्टिस हिमार उन् करिट्रनास . (क म निकास जा कि अकर कि कुन महे हैं कि कि कि कि कि कि अपनि अपनित्र इत्या तक तम में मादित का श्रीत्मद्रत निर्देश कृष्टि द्वित्या वा निर्देश करिय साम मान क्षांत्र के रूप नद्रों मकद्रमान से ने मुसिंह रोजना के समावान महिलाकि Dig माझ पान सरा, माहि स्थाद अनेका न ६, अह महिलामा अनेका नेवर अहरालांड 対 × からら まちゃんまは × 前に 2 数 全の विश्वविश्वविश्व श (पृष्ट) (भव क्षांचर अधिकृत्येद 5 अनेत्र शक्ष कृष्य न अध्यापिक हारह स्वयु ्यद्धमानवहत्रः अर्थानद्धानिष्ट् प्रदेशार अस्य, अकानाच्यावानवस्थि एपावस्थान्यस्थ म बच्चत्र । हि चुप्ति चित्र कोष्ट्रण कृष कर छटिकार श्रृष्ट्र अध्यक्ति। १९७० क्ष्या "दाक प्रायमक अस्य प्रदान मानवादनद्व कक्षा अर प्रदान दिन क्षा कर कारने स्वार कर्ण करिय বেলে নত বস্তুপর্বত্রতে স্ক্রিয়াণ্ডিক্স বিষ্টালিত্রপ্রপুর করা করে বলালিবদ্রাল

ভরতনদন। প্রাণিশ্রণিরের প্রথম অবস্থা ক্ষণেষ্ট, মধ্য অবস্থা স্পাই, আবরে মৃত্রে পরের অবস্থ অস্পাই স্তব্য সেই মৃত্যুবিধয়ে একটা বিলাপ কি শুমানা

ক্রাজ্পার্ম্য — গটের নিতার প্র শিরার স্থিতে পাণ্ড সংঘ্রা, প্রসারর পরে নেম হাচ, জাবার মুদুরে পরে স্থাধি উইছা গোলে সেম চাধ্ন। ইরাত প্রতিনিধ্য বাধার। স্থানা মুদুরে জন্ম বিলাপ ক্য উচিত ন্তে বল্ল

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীপ:

হা চৰত হানা হাছত কু হাৰ্চ ত কন্ত্ৰ ব কাজ নক ও শেকি কাছত না শাল নিক বু হাল প্ৰিনাধনিক বু হা চাণাক হাছত হাতা কনা হা তালক নাৰ্থিনিক কাজত হাৰ্ড হাৰ হানাক হাৰ হালক নাৰ্থিনিক কাজত হাৰ্ড হাৰ হানাক হাৰ হালক নাৰ্থিনিক কাজত হাৰ্ড হাৰ্ড

কোন লোক এই আহাকে আশ্চর্থার জায় তথ্য, অশ্ব কোন বাঞ্জি সেইকপই আশ্চর্থার জায় বলে, অজ লোক উচাকে আশ্চর্থার জায় শোনে এবং কোন লোক শুনিয়াও ইচাকে বৃদ্ধিতে পাবে না ॥২৯॥

कार भागा - माय निश्वात क्षता क्षत्र व दाव, भ, ५ ४ स्वात्वकृति । वान सक्षेत्र है । एथानि निर्मादन, एकेइ म, १०१४म स्वाप्त स्वाप्त देव कि भ भागा स्वाप्त है । एथानि निर्मादन, एकेइ म, १०१४म स्वाप्त स्वाप्त है कि भ भागा कार्यात है । एक दे ने इत द दक्षान स्वाप्त है, दिनिय स्वाप्त कार्यात समार प्रश्वम भावाद दक्षान स्वाप्त है। इत कार्यात समार व क्षा दक्षान । ११ स्वाप्त स्वाप्त कार्यात समार स्वाप्त है। इत कार्यात समार स्वाप्त स

ন্দ্ৰী নিত্ৰম্বৰোদিক দেহে স্ব্যা ভারত। ভাষাহ স্বাহি ভূতাৰি নাহা শোচিভূম্ননি নহান

ভারত্যকীমুখী

ভারতভাবদীপ:

the state of the property of t a sy to to gr x no start a for sy to a refe roter every every to go forthe of 30% to a graph TO THE ATT A ALMERT AND A PORT OF THE STATE OF THE लाग्य ते हुन हेर्न इंग्लंड अन्तर न वर्त करून है है है है एक्सिस है सम्बद्धान कर करणा स्वास्त्र क्षेत्र कि विद्वार है , किना तर रज तर अ. में ४१ हद दिव्य में रूपि अ. . भावुम्पर रिविष्य स्टूर् कर्म र ६ ज्याच विकास नेता । जिल्लामा अस्ति । अस्ति दुक्त पूर्व करण करण करण करण करण करणा स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स "अवन्यानि वहाँकार्य स लडा" हैकि अध्यान । १ ५ १० वर्ष प्रतिष्ट "विष्ट . . । पा । ' व र ता राष्ट्रिक हा व विवर प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर व व व विवर प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर व g 40°9 * . . 13 1700 . E'E E 6 8 12 , प्रकारणाम् । इत्रीष्ट महर्भाव ११ र मार्थ सामाना अस्तित विकास दाराच प्राप्ता स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स् सुद्र मा रहे देश व निवादि करते यह में स्किन्युक दिला को निवाहित ।

ভ্রত্যক্ষা সমস্থাপির শ্রারে বিজ্ঞান এই জীবাহ, চির্কাল্ট স্বেধ্য স্থান জন্ম জুলি সমস্থাপির জুল্ট শোক করিছে পার না ৪০০৪ সৰক্ষণপি চাৰেক্য ন বিকৃষ্পি ভূমচলি। সক্ষয়ানি বৃদ্ধাক্তে বৈষ্ঠিত কত্ৰিয়ক্ত ন বিকাঠে॥৩১॥ যদুচহয়া চোপপন্ন স্বৰ্গহাৰ্মপাক্তম্। স্বৰিনঃ কত্ৰিয়াঃ পাৰ্ধ। সভত্তে বৃদ্ধনিদৃশস্॥৩১॥

ভারতকোখুদী

এই বঁহা অন তান নগাৰ অংশুকুতিকলা হয় নিৰ্পাহনুন স্থানাপ নুধ অন্ধানিক কাশা প্ৰমা নিৰ্দিট্যাত কোনি । কিংকতি চাই । না কোনা গৈছ দিয়া আননান্ধনা পান্ধনালে, তিনি চুলাবাং কা হালাক নিৰ্দিট্য নাইনি । তি হছাং, চাইনা হালাক গালাক পুঠানালা, ছবি প্ৰায় কাৰ্যাত কাৰ্যাত পুঠানালা, ছবি প্ৰায় কাৰ্যাত কাৰ্যাত পুঠানালা, ছবি প্ৰায় কাৰ্যাত্ৰণ কাৰ্যা নিক্তি হালাক পুঠানালা, ছবি প্ৰায় কাৰ্যাত্ৰণ কাৰ্যাত্ৰণ কাৰ্যাত হালাক পুঠানালা

মুখ্য হোজেনুপথানাতি চনজ্যতি তুল্পাই কলিয়া কলিয়া নজ্য চাল্ড: রদ শারমুপলিয়া অপার্হনুদ্যান্তিক অপার্থি সাল্ভক্তন নিনিপ্তা হলে কাৰ্ডাই দিছি দাব উনুধা ক্রাংগেশের সুখ্য কলিন সন্তার্ভকার অব্যক্ত হলে নির্মান্তিক আতীবারাব্যান্ত্যাপর ১৯২৪ তু

ভারতভাবদীপ:

मार्डनी राज्यं १०। चाक्रम् प्रमाण्या राष्ट्राच प्राप्ती करण रमार्ट्डा विद्राणिक । इनारी विद्राणिक व्यवस्थित । मार्डा विद्राणिक —व्यवस्थी है निस् । एक व्यक्ति भार्य प्रधार विद्राणिक विद्राणिक है । एक व्यक्ति भार्य प्रधार विद्राणिक न व्यवस्था विद्राणिक है । स्थार व्यवस्था विद्राणिक विद्

তাত পার্যান দ্বির ও এর প্রস্তুতি মর প্রসার সংযোগ বান, ব বা ব নার বান কি একট মণ্ডের সংযোগ বেমনটা অধান সম্প্রাক আর্থ মন্তব বান বার করেই বোক করিছে পার বা ৪০০৪

অক্ন। তুনি আপন করিয়ধশ্যের প্যাধেলাচন করিয়াও বিচলিত ইইড়ে পার ন। কারণ, ধ্যাসক্ষ মূল ভিল্ল করিয়ের মধ্য কোন প্রশাস কথা দাই ৪০১৪

তে কিন্তু নি মান্ত কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব আহ্নাৰ কৰিব পাৰ না, আৰাৰ সুক্ষাত ক্ৰিকেব ধৰ্ম, এই হুইম বিহন প্ৰাক্তিক কৰিব টুমি টুজেব আধাৰ্মান্ত্ৰীত বিচলিত কৰিছে পাৰ না কাৰণ, তুমি ক্ৰিম, জান্ব ভাৰাৰ প্ৰে ধ্ৰাযুদ্ধ হুছো অপৰা কান কাম ই ভেম্ম ক্ৰিম নতে ১০০০

আজুন। উদ্যাটিত বর্গদারস্কল এব আলেচ্চায় উপস্থিত এইকল যুদ্ধক ক্ষাব্যের। সুধী হইরাই লাভ করেন ॥২২॥ তথ ,চত্ৰিমণ ধ্যাণ দা প্ৰামণ ন কৰিয়াদি।
তথা স্বৰ্থ কীটিজ কিয়া পাপমৰাক্ষাদি #০০
তথা উজাপি ভূতানি কথ্যিয়ান্তি তেহৰালাম্।
দ্মাৰিতত চাঠা উম্বৰ্ণদ্ভিৰিচাতে #০৪॥
ত্ৰাক্ত হা ৰত্মতো ভূষা যাক্ষি লগবন্ #০৫॥
,যুখান হা ৰত্মতো ভূষা যাক্ষি লগবন্ #০৫॥

अवस्तरिक मिल

সাধ্য ক্ষেত্ৰ কৰিবলৈ সাং কা পালা সন্ম্য হ সাধারীয় ক বিশেকতি হাথ,।

নাম কা কালা কালা, হাজক সাধা কার্যকার মাজত হাজাবিধার কার্যকার

কালালাবিক কালাক সাধা কলা কালা মালাকার কালাকার কালাকার

কালালাবিক কালাকার সাধা কলা কলা মালাকারিক কালাকার কালাকার

কালালাবিক কালাকার সাধা কলা সাধা মালাকার কালাকার

কালালাবিক কালাকার সাধা সাধা মালাকার কালাকার

কালালাবিক কালাকার সাধা সাধা মালাকার কালাকার কালাকার

কালালাবিক কালাকার সাধা সাধা মালাকার কালাকার কালাকার

কালাকার মালাকার সাধা সাধা মালাকার সাধা মালাকার কালাকার

কালাকার মালাকার সাধা মালাকার সাধা মালাকার কালাকার কালাকার

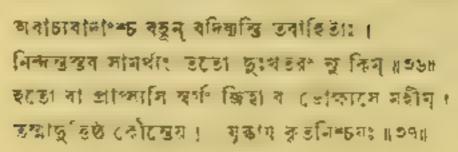
না বহিন পি দিব কৈ বি জুব কাৰীৰ ই দ্বাধিক হব আপক্ষাবৰ্ষীয়া বুই, চাৰ্থ সাহিত্য পান্ধ হোল ব্যান্থ বি কাৰণ ব্যান্থ মন্ধি বুই সাহাস সাহাস কাৰ্য কাৰ্য সাহাস আৰু মান্ধি বি কাৰণ বিব ব্যান কৰি সাহিত্য স্থানৰ স্থান্ধ সাহাস হোল মুখ্য কাৰণীয়া মানু ব্যান্ধ কাৰ্য দুবিব, তা সংক্ৰম হোলায়া, বিভাগ প্ৰিয়াৰ

শাস্থিক প্ৰিট্টি— কলা নিল এ কিংলা প্ৰনান অন্তাৰণ পুৰি কৰা হায়, কেমান অনিলোক এইকল কাৰণজাত সুক্তি, আৰু কৰিব কিংকা নিকাৰ এইক অনুনালে আৰ্থি ইউল কলা কাৰণ লোক ভাৰত ইউল কলি ১৯৩ নাই আৰুলা আৰুলিই উপজ্বিক কৰা হা আৰুলিই কৰিব কৰা হা আৰুলিই কৰা হা আৰুলিই কৰিব কৰা হা আৰুলিই কৰা হা আৰুলিই কৰা হা আৰুলিই কৰিব কৰা হা আৰুলিই কৰ

পকাত্রে টুনি হলি এট ধর্মসক্ষত মুদ্ধ না কর, তবে অস্থা ও মধ্ ভাগে ক্রিয়া পাপ্দার্গিট চ্টানে ১০০ঃ

ক্রাক্রপার্য - বংশ র সারব , এই বাব হুন এবং নিমার হুব ১০০ন নানালিগণদনীয় লোকের চিরকাল ভোষার নিমার কথা বলিবে। গোরবিত লোকের নিন্দা কিন্তু মূহা অপেকার্য অধিক ১০৪৪

তাৰ প্ৰিয়াল চুমি ,ত ন কৰিলে, সংখ চোলে কৰিছে বজিল লোকসমালে চোমাৰ নিকা চৰবে । প্ৰতিবিদ্যাল কৰ নিকাৰ আবাৰ স্থান মণ্ডেকাত অধিক। কন না, স্থার কই সংগ্ৰাং, আৰু লাকনিকাত কই ভিতৰ নী ২০৪।



हादडाको पृष्टी

আগধ ওবিদৰজাণীত ত অবশ্চাতি তুৰ আহিছে। স্তুনে হুলে বনানহ, হর্ সামধাণ নিক্ষা সমু, বছন সদ চার পন্ন নাকক পুক্র নী । আবস্কুৰ বাক নি কৃতিখু। তুলা বহরসভাব দাং, কিল্ছা বাদ হুলাসকুল। গলিকা, আবন্ধা, আনি ফু বিল্লি বেডাবলি কেলা

মধ্যক কি সংক্ষিত্তি হয় ইছি, সক্ষমত কৰিন ,কন্ত, হতে সৃদ্ধ ক্ষি আন্তি হাজা দি, কৰি নী প্ৰকোষ্ট কৰে প্ৰমন্ত্ৰতিনা প্ৰিকৃত চন্ত্ৰত কৰে চাহিন্তা হয় যে ইছি আৰক্তি হৈছে, কিছে কুম্বীত, তাজ্বত বিজ্ঞান কৰি । দীইলাভাত, হাজীত্যা হাস্ক্ষাক্ষিতিক সন্ধী ক্ষিত্তিহাত নক কৰে

ভারতভানদীপ:

हैहेनातमाध्यिक्षेत्र मिन्ह उन्हों है । इस एक एक हि । इस नहा निर्माण स्वाधिकार स्वाधिक

অপক ও বিপাকের মহারথ বাঁবের এটকপ মনে করিবেন থে, ভূমি ভয়বশঙ্ট যুদ্ধ হটতে বির্ভ হটলে এর ভূমি করেবিল নিকট ,গাল্পের পাই ছিলে, টাহালের নিকটেট অবজার পার হট্যে ৪২০

ভাকি পাছায়— টুমি এগন বুক এটাতে বিবস এটালে, স্বান্ত মান কবিব থে, টুমি উট্ হলস্ট বিব্যু হইলো, কিন্তু স্থানেশতঃ যে বিব্যু এটালে, টুফা, ক্ষট ও বিব্যু নাকন মা, ভাকা এটালে, সুক্ষেয়েই আ সিশ্ভ না এবং কাছাবা নাফাব গাঁৱত ব বাজন, উচি,বাজী আধ্যা ক্রিবেস লগাত

ভোমার শক্রা ভোমার শক্তির নিন্দা করিতে থাকিয়া বর্তর অবক্রা শাক্য বলিবে: ভারা হউতে অধিক হাগজনক আর কি আছে গাংখা

ভাষি প্রা—েশ্যার শক্ষ প্রাণ্যন ও হ শাসনপঞ্জি হারার বিষয়ের তীক, কাপুক্র ও বওলিলাপ্রতি বলিবে। বেছলিলাশ্রক হিল, একে বিলেব ও ব ক্রেন্ত্র কার্যক হিল, একে বিলেব ও ব ক্রেন্ত্র কার্যক ক্রেন্ত্র কার্যক হিল, একে বিলেব ও ব ক্রেন্ত্র কার্যক ক্রেন্ত্র ক্রে



গুৰতু থে সমে কুছ লাভাল'লে। জৰাজ্যো। দলো মুদ্ধার খুল্লায় নৈবং পাপ্যবাংসামি এক॥

ভবেতকে মুদী

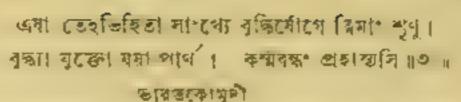
ভারতভাবদীপ:

শিশিশ র শাস্থ্যক শিক্ত কর্লাল করে করিবে এব ভয় ক্রিডে পারিকের র,চা পার্কে, অভবে বৃদ্ধে চক্ত ক্রনিশ্চয় ক্রয়, উঠিয়া শীজাভিয়ালে

का दर्भाष्टी , कि इन समितं पर अग्र रहे के उत्तर है के उत्तर के भाष्ट्र के स्थान के

ত্য ও ডু.খ, লাভ ও কেতি এব জয় ও প্রভিয়ে এ গুলিকে স্মান ভাবিয়া ভাগ্রে প্রস্কুত হও। এইকপ চইলে আর পাপভালী ইইবে না ॥এ৮॥

किष्य महिल्ली के क्षेत्र के इन्हें व अवन संच क्षेत्र क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का वादाव स्थालय क्षेत्र का नद्दीत अने कि के के बाद सक्षेत्र अञ्चल से कार्य का क्षेत्र के कि कि कि विद्यालय भक्षेत्र के विद्यालय के किन्द्र के किया, जात करें से कार्य माल क्षेत्र से क्षेत्र के



ইপান " প্রের স্বযুপনিশন্ সমস্বতি এবেতি। তে পার্ব সম্ক্র মার্চ মার্ড q মনতে বিসংখ্যা উপনিষ্ধ ছক উপনি নি সংখ্যা হল ভালিন বিষয়ে এলা বৃদ্ধিক অভিতিত মনোরনানধ্যেত্রপুর্ব ই স্থানিল, উক্তা। তারে কল্পদ্রভেত্ত, হল তারিং পুরু, খ্র বুক সুক্তম, কছা । বছাৰ্ছ ভাগতে বছা সংসাৰ্জ্য প্রাক্তিস প্রকার স্কাতিস একত

ভারতভাবদীপ:

मिलिया मुक्ति एका प्रदेशि (पादायममी १३) उद्भाग ए उर्ज । इन्हि दिन्ति विवास विवास विवास प्रशासाधकमधन केल., एटड मुख्य मुकारपटि किर्दाण च क अ समन्त्राक नदर मानीमान्द्रत सिट्य कर्षा मञ्जूब होति असल्यत्य प्रभागमानि हो स्थानक व अनिस नित्न अट्यास्ट्रा ব্যবস্থান প্রিটর্লি - এবং ইতি। এব ছে জুড়াম্ মনিশি । মণেত, ন্ধ্যেত্র विकाशिका विभविष्यानि हादवर्तक न्यात अल्डाहरू अल्डाहरू अल्डाहरू अल्डाहरू अल्डाहरू क्षका एक वज्र विश्वन दर्श के कहा। क्रिमिश्वर, एक दिनि अ अ अह अनित रून दर्शन विश्वहरू नुष्तिक से सम्बद्धियन द्व (इ.स. १६) वृद्धिकित करि १६६ । १६५ विका शिरक्ता महम कुश ममदा दश न छेक छ। देवि बकामानगवत विकार, पुन्न अकत्वयनगर (शाहनाथ , दकारि 5 कानकक्षणहरू दिनियाधिकादिक इस-", म १४० चिन विके भूत दक्षांक प्राप्तमा । क्रान्ट्य्ट्यून माध्याना कर्ट्यायन उपनितास प्राप्ति । वर्टन स्मानकस्त्राः प्रमुख्यमद्भागान स्था। हेरू व्यवस्थित हात्र्यास निवस्थाय प्रान्त स्मान বিজ্যব্য ভিগ লোকা পুরুঃ ইমধ্যের বৃত্তি জৌতি স্থান বৃত্তি স্তিল তথা কথা नम् धारायमा पुक्रार्थरेसय क्यार्ड। डिल्टेसर सूल्या दिवित । जिल्हार सम्बद्ध भाग .करम"डि छोट्डा कब्रुदानम् कब्रुद्धाः नगकदिका उर्दर्भ व श्वाह वर्षावस् अति जागिहि CBL अक्तिकामिति अ.स.। उथा हि - "मेनानाक्तिन" मन्त्र १६ विकालन प्रमा रणस्य नारकसंद्रीण ६ शृक्षः कण्डिकसम्। कृत्रात्रद्रद्रण कृष्याति विकारित्रक्षः अ६ । अवः क्षणि नासर्वर हरक खिल कर्य जिलाइ ह नाय । हिंदि क्रिकिट वालावर प्रकृष के स्वर्थ हो। ह ন কলিং কিছিম বেজ্য কঠাং প্ৰভবসি সভাসংভাষ্টাল বন্ত কাৰ্কভ্ৰ জি शांत इसारपहेंत्र १६ भ त् हुइ क् क्कारि ६ कुछ । जदा कुकारि अधि क्यारा रूपा ताखि हैर इक्क क्षणारा अवस्था अवस्थित उपनि । उपन्य वसक्य का प्रमानिकार एक मिर्मिक कर्मरवार्षकर करेक्व सकाव शैर्वारक्विकित विका विद्यारिक कर्परार्थन वि

অজ্ন ৷ ডোমাৰ নিকট এই ব্ৰহ্মজানের বিষয় বলিলাম , এখন কথ্য-জ্ঞানের বিষয় আবেণ কর ; যে জান লাভ করিয়া ভূমি কশ্বর হ্যাগ कतिरव ।०३॥

তে†তেশাহাঁ;—সংকর্ম কবিলে পুণা কর এবং ভাষাতে স্থান ভাষাইবা থাকে, আবার क्षेत्र कृतिहास मा महा अवन कालाहाम अवका आंग दहार, बाटक । अववान मा एकप्रेने दश्चन,



্নহাতি জ্যানাশোহতি প্রসংগ্রে! ন বিসতে : বিল্লাপাতা ধর্মতা ত্র'বতে মহতো ভ্যাব ॥৪০॥ ভারতকৌমনী

স্কুলালাকণি প্রবাহ ব্যাহ ব্যাহিনার কিছিলেটি ইং ক্রাহিনাই ইং ক্রাহিনাই ইং ক্রাহিনাই ইং ক্রাহিনাই কিছিল কিছি

ভারতভাবদীপ:

কাৰ্যে বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় প্ৰতিষ্ঠান কৰিছে বিষয় কৰিছে বিষয় বিষয

এই জগতে নিকাম কথাও নিকাল হয় মা এবা উহাতে অসংখিকলা হইলোও শাপ মাই , আর ইহার একটু ক্রাও মহাভয় হইতে রকা করে লগ্নঃ

তে কিশ্বিটা কাষাকথ কৰি প্ৰশ্ন প্ৰশ্ন কৰিছে সকল হয় নিহাম কথিও কেমন ভিস্তুতি কৰা ইছা মৃক্ষিৰ উল্লেখনী হব বলিছে সকল হয় কি বালাবৰেৰ স্বহানি ঘটিল আবন্ধ কথালাও চওৱাৰ সহল সিক্তৰ না বলিছে পালাহয়, কি বা নিহাম কথেব স্কালনি ঘটিলেও ক'ন পালাত্ত্ন । কাৰণ, ',ব্যন পাতিৰে, ক্ষেত্ৰ কৃতিৰে নিকাৰকস্মাণক এইকপাবিধি স্থায়ে প্ৰস্তাধা নিকামকাৰ্থিৰ বাম কাৰ্ড বা মৃত্ৰি উল্লেখ্যী হয় ব্লিখা কাষ্ট্ৰিক ভ্ৰামৰণত্ব কাইটত নিকাৰ কথে (৪০) ব্যবসাবাল্যিকা বৃদ্ধিরেকেছ কুরুনন্দন !।
বহুণাগা ফানভাশ্চ বৃদ্ধয়েছিব্যবসাধিনাম্ র৪১॥
বালিয়াণ পুশ্পিতাং বাচণ প্রবদন্তাবিপশ্চিতঃ।
বেদবাদরতঃ পার্থ ! নাজদন্তীতিব্যদিনঃ॥৪১॥

ভाउउटको घृषी

মধ্য সাধানিক মানক মণ্ডে কিং বৈষ্ণানি হাতে বাবস চেতি চ কুক্রকর আন্তর্ন ।
ইত নিজাগো কথালি, বাবদ তে ভগ্রনার, ধনা মহা কার্যানি লাম বা নিজায় এবা জ ক্ষণা হলান বা

যা হালুলী একেক পৃথি উবলি । খন বস বিনাম্ উজ্ঞানিব নিজায় বিচাৰ ক্ষণা মহান বা

মহালুল মানুক্রি, বর্লাগে বি কল ৪০ ছাল বহুল, বল ভ্রন্থানিবিদ্যা ই ম বিষ্ণান্তর হলে
প্রাক্তি এব । আত্রব মানস্থাল ইম্বাবহিত লাভাল ও । প্রাকৃতি না প্রাকৃত্যাল ক্ষায়াল বিদ্যা হি লগ্যাল ইম্বাবহিত লাভাল ও । প্রাকৃত্যাল বিদ্যা বিদ্যাল ক্ষায়াল বিদ্যাল বিদ্যালয় বিদ্যালয

ভারতভাবদীপ:

भार्माश्वल पृत्यम् म । हो इ स्वित्र भरक काला लांका हुन नल इ द जिल्ला निर्माण कर । स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वय प्राद्ध स्वित्र हो इ स्वर्थ स्वयं स्व

কুক্নশান অজ্মা এই নিক্ষেক্তে একমাত্র নিক্ষাবিক বৃদ্ধি চলিতে থাকে; আর সেই নিশ্চয়পুর বাজিনিগের বৃদ্ধি বহুপ্রকার হয় বলিয়া জাচা অন্ত ৪৪১৪

তেতিশাহা —নিদ নকাশ এবজন ব কৰিই চলিছে থাকে তে, 'আমি ভগৰানের আৰু সম ই কৰিতে থাকিব আৰু ঐকল নিশ্চানীয় কাহীনিগার বৃদ্ধি বছপ্রকার হয় বলিছ ত হার ইব্য বাংক ন অধীয়ে দ কগন্ত স্থা কাষ্য্য কৰিলা, কগন্ত ই পুঞালি কাষ্য্য কৰিয়া কথা করিছে থাকে গ্রহা

কানগোন অংশিকা জনাক্তা সন্ধান্য । জিলংবিশোসকল্নাং ভোটাপ্তায়িগালিং অভি ॥৪০॥

ভাৰতকৌ মূদী

ভারতভাবদীশ:

নগ্ন ; বন্দ অনেক লোক আছে, যাহারা বেদের একদেশদলী বলিয়া কেবল ভাহার ফল ইবাদেই নিরত থাকে, ফর্গকেই শ্রেষ্ঠ অভাত বলিয়া মনে করে এব বিষয়পুথ ভাড় অপব কোন সুখই নাই এই কথা বলে। তাম পর বিষয়পুথ(ভাগ এব হাহার উপযোগ্য সম্পংপ্রাপির ভক্ত ভাহারা এমন ক্যাও বলে, যাহা পুষ্পিত বিষশভার কায় আপাতমনোহরা এবং পরিবাদে প্রথ-ক্রাক্ত দ্বা—সমন । বল কারাক্ত অভিনিম্ন আছু বটে তবে ভাহা পরন

পুরুষার্থিকের ট্রপার্থী নার কারণ, কারাক করে করে মানুষের কেবল করে ও সর্থের

(अरिषदर्शश्रमहन्तिः इतिश्व इत्हरम्यः । वादमायाश्चिकः वृद्धिः मयाद्ये च विदेश्य इ ॥ १८८॥ । विद्यम्बद्धः । देइछ्याविषयः देवन विदेश्वयः । । निर्वात्स्य विद्यमङ्ख्या विद्यापद्यम्य सञ्ज्ञानान् ॥ १८॥ कात्रक्रको प्रती

ভারতভাবদীপঃ

माध्यम् १६ छन् क नापुर्वर विष्यु वार्षः । १६०० । । व्यक्ति । १ वर्षा वार्षः । भागक्त राष्ट्रकार पुरस्य पृथ्वित अदारको अदाल प्रकादकार्था व वसार दिक कावसार अस्तार অধ্যাত্মিক প্রভাগর বার বার বিদ্যালয় নার দ্বারি । কর্মকৃতি লক্ষ্যালয় বিব্রুক্ত বি कुं भा मध्राद्रो 15-स वाकार सद इ.स. इ.स.वा पानकाच्चा ल्याहरूर स्टाहरू स्थानके আল্পুকরণে বাবসাণ হিল বুলিনী নক্ছীকি বাগে ভ্রম্ব, সভ্তম বাহুট লালামৰ নিজ श्चित्र (इन्हर पुर्वित सर्वार के बाहर एक्ट्राइट केल इटिन्स्याना एक स्वर्धात है सहस्त ेक्क प्राप्त असददान देवें नह तम महिला मानवार प्रदेशन क्षा के के देन दिन्द्र (युनार प्राप्तक क्यांड कुनार (एक) पृथ किरेड्युरान। -व लेक्स र नाम विकास B(बारार्त, बार्स कि 5 कालपुर्वन मा स देखार, "देख मास्टि क्राइत हैं। हा बिट्याटकारकार विशेष पर विशेष पर वार्याविकास है है के व कि मण्यादाहरू ক্ষমিকা, যাহ্ছোরা অদিক পরিমানে বিশেষ বিশেষ কমো কথাই অভিচিত্ত হয় এব মাহার প্রওনায় মাতৃব সেই কাম্কেশ্রই করিছে থাকে, আর ,সেই कामाकार्यात करल मासुर्वत क्या मन्।इ. धरे हिलाएड थाएक, मिरे क्या छिल আবার বকুলোকের চিত্র আক্ষণ করে এবং ভারারা ভলভুসারে বিষয়প্তথভোগ ও ভারার উপযোগী সম্প্রের উপরে অসেক হইয়া পছে। সুভরা ভারাদের সে নিশ্চয়াহ্রিক, বৃত্তি স্বাধির উপ্যোগী হয় না বলিয়াই আমি মনে করি 18২--- 891

শুৰিই ভোগ কৰিন্দ্ৰ। ভাৰণম্ভিৰ জন নিৰ্ম কৰাই কৰা উভিছ । কেন না মুক্তিয়ামৰ অবসংস্থাই, মন ভাগৰ অবসান সাহিচায়সং—১১। ভীয়প্রতি

যাবনিও উদ্পাদ্ন স্বতিঃ সংগ্রেছাদকে । ভাৰান্দকেষু বেদেয়ু বাজনাত বিজ্ঞানতঃ ॥৪১॥

भावजरको भूगो

क्षात्रकहावणीलाः

িনিপ্ত হণ বংশ তথ্য হণ প্র প্র প্র বংশ শালা শ্রামির শীরে আরু লি ল'ত থাব তথ্য স্থাতি আরু লি লাগ্র দান লাগ্

অত্না প্রতিষ্ট ভগত প্রতিষ্ট ভগত বালারক্লিই কর্মান্তর পানক বেদবাকাস্থতের বজুবা বিষয় অভ্তর টুমি সেই ভগত ও ভগতের বালার ভাছিয়া ব্রাক্ষর আলোচনায় প্রত্তত সেই জলা টুমি শীত ও গ্রীম্প্রভূতি ক্তর্থ স্বাক্ষর, সকলো স্বত্তে অভিকিত হও, যাহা পাও নাই, ভাষা পাইবার ওলা চেটা করিবনা, কিবে যাহা পাইয়াল, ভাষা রক্ষা ক্রিবার প্রতিষ্ঠিত ইওন এব ম্কিলাতের জ্লু ক্রবান হও ১৭০॥

ভারতক্রামুসী

ভারতভাবনীপ:

স্কল্ নিকে জলবা শিশুক সমৃত্যু মানুষের হত্ত লি জলপ্রাজন সিদ্ধ হয়, কর্মাও ব্লাপ্রিপাদক বেদে স্কল্ড ও ব্লাকিব ভত্ততি প্রয়োজন সিদ্ধ হয় ॥৪৬॥

कार्ड मान्या — द्वि के विद्युत्त निक्त पांच, करन अन्य निव्य कर्त कर्त क्ष्मिन कर कर्ता पुरू र्व कार्ड मान्या भाग के अवस्थान हो के से दान, विश्व महत्वीपान में से कि विभावश्च क्षित कार्नेट कार्तित ना , आहे नदास पांच, प्रभान पांच स्वयापन से से कि कि निव्युत्ति अम्ब कर्त्यु वाक्षेत्र के दिन्य से विद्युत्त प्रदेशस— मीन व्युत्ति स्वयापन सामित्य सामित्य प्रदेश , प्रदेश কথাণোবাধিকবিছে মা তলেনু কদানে। মা কথাকলহৈছু হুৰ্মা (ৰ সংস্কৃতি স্থকতি ॥৪৭॥ মোগজঃ কুক কথানি, সঙ্গা হা জুণ ব্যক্তন । , মিকাসিকোঃ স্থো হুছা সমহা ,শাগ উচাতে ॥৪১॥

ভারতকোমূদী

নত বন দ বন কথা নিক্তিয় না, ই চাত্রাই না তাল-ক্ষা হয়, সভা কলা সভিত হালে আইএব ইন্সলনাত নিজ সিজা সম, সংগল ভাই কলানি, জা তথা সভা সি দ'ত বিলাল বিলা বিলা বিলা বিলাভ কথা বিলাগি দেই লগতে নাইলে ভাই সভা ইন্সলি সমায় বিশ্বাস কথা বিশ্বাস বিশ্বাস কথা বিশ্বাস বিশ্বাস কথা বিশ্বাস বিশ্বা

ভারত ভারগীপ:

মাজুন! কথাই ভোষার অধিকার হটক, সাহার ফলে যেন ক্ষমত অধিকার হয় ন অধাং ভূমি কামনাপূক্তিক কথা কবিয় ভাহার ফল জ্লাইও না ; অব্যের কমানা করিবার দিকেও ফেন ছোমার মন মায়েন! ॥৪৭॥

ক্রাজেলাখ্যে চুমি কথা করিব হাণ, ভাগার কাণ্ড ডিলালা নাল লাভিলোলী লোক্ষ্য হঠবে , ড লাহতেই ২খা থাকিব। বাইবে ১৯৭৪

দূরেও অবরং কথা বৃদ্ধিযোগান্ধনগুর ।। বৃদ্ধে শর্পমন্থিছ কুপণাঃ ফলতে এবং ॥১১॥

छ। तल्हाम् मृती

ভারতভারদীপঃ

निविधित्या पर भिक्षाविभाष्ट्रभाष, महाम इविधित्रमण्डल न्य क्यानि कु वेली मणक इम्प्याव विभिन्न मिरिस्य विभिन्न मिरिस्य विभिन्न मिरिस्य क्रिया क्रिया मिरिस्य क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

অক্ষা তুনি ফলের আসজি তাগে কবিষ, ফলের সি ও বা অসিজিতে সমান থাকিয়া এবং প্রমেশ্রের ধানে নিম্ম বহিয়া কম করিছে থাক। যোগীরা প্রমেশ্রের ধানে নিম্ম থাকাকেই যোগ বংলন ॥৭৮॥

ক্রাক্ত স্থানি— এই খন করিবল অভ বছর এনেন ইপি হয়, বছনন কম করিবল আছাবছট সহব কল সইবেট ইইবল, অভিলা সহা ই বছন এ কি মাধা বাধান। ভাবে কথা করিবল করিবছ চিন্দু ভিষ্ণি আন নাম আলো মারা সাক্ষা লাভাই মালাবে না ইঠাব বিস্তু মুক্তি প্রমান শবেন আন বিস্কৃত থানে ইলা ইটাব লোক

ভাজ্য । 'আমি প্ৰথমবাৰের আবাধনাই করিব' এইরপ বৃদ্ধিপ্রক মিতাকথা কবং চইতে কামাকথা কবা অভাজ নিক্ট অভাগ্র কুলি সেইরপ বৃদ্ধিকেই আশ্রেষ কর করেব, যাহাবা কামনাপ্রক কথা কবে, ভাহারা কুপাণ 1821

ভাষা প্ৰায় প্ৰায়ন প্ৰক কথা কৰিবনাই বৰু পাণিকৰ বাইবে, বৰুপে বছৰাও বলা হুইবাছে অনুবাং কথা কথা নিতঃকথা হুইছে অসমুছ নিজুই আৰুএৰ চুগি এমন বুলিও সংশ্ৰুষ কৰা, সংহাতে সৰ্মাধ্যৰত ধাং নেই নিম্ন হুইছে পাৰ হুগে বুলি কৰেবন্ধা কৰিছা। বুজিন্তো জহাতীয় উচ্চ জক্ষরতাত। ভাষাদ্যোগ্য যুক্তাল যোগ: করাজ কৌশল্য «৫০॥

खादण्टको भूमी

ভারতভাবদীপঃ

'আমি প্ৰক্ষেত্ৰ আবাধনাই কৰিব' টেইরপ বৃথিয় ক হইয়া যিনি নিক্ষান্তলৰ কথা কৰেন, তিনি ইচ ভাকনেই পূব ও পাপ এই চ্টটোকে ভাগি কৰিছে পাৰেন অভ্যৰ অঞ্ন। ভূমি সেইকপ খোগ ভাগেনৰ জন্ম ইচ ন্যালী হড কথাবিষয়ে সেইকপ কে শংলৱ ন মই লোগ ছাল।

ক্রান্তির নামান প্রানিষ্টের প্রান্তির প্রান্

কৰাজ বৃদ্ধিয়াল। হি ফল চাজু। মনীদিন:। জ্মাৰফাৰিনিম্ভি: পদ গজ্জানাময়ম্ ৪৫১॥ মন তে মোহকলিল বৃদ্ধিব্যভিত্তিকাতি। তদা প্ৰামি নিৰ্বেদ সোহৰাক্ত শত্তিক চাধ্য।

ভारक्रको पृती

मार्भियारण ताल रहा किर सम्बद्धिका इक्षान्ति है। इत्यादि हो पुरुष्क रिष्णुकार, भारत्व देनो वित्र क्षाण्या के क्षाण्यास्त्र स्वाच्या के क्षाप्य के क्षाप्य क्षाप्य के स्वाच्या के क्षाप्य क्षाप्य के स्वाच्या के क्षाप्य के स्वाच्या के क्षाप्य के स्वाच्या के क्षाप्य के स्वाच्या के स्वाच के स्वाच्या के स्वच्या के स्वाच्या के स्वच्या के स्वाच्या के स्वच्या क

ভারতভাবদীপ:

স্কাহীতি তাহ বিশেষ ইমাধে, ধান। এতকোত কাজমিনিঃ বৃদিনুকা সম্ভব্তিনুক। ফ্রিমাণকাজন ফলা ডাক্ মনীলিব। মানানিপ্রসম্মই বৃহ ভ্রতবেশন ব্যোগ সংস্থাহনাম্যা নিক্ষণ্ডৰা পদহ মোকাতা গভাতি ১৭১৪ কল মনীলিবা ভ্রক্ষাত্ত আত—

উক্রপ-বৃদ্ধি যুক্ত মানুধেরা ক্রমণ: জানী হইয়া কথেব ফল সাগ করিয়া ক্রম্মপুর হয় হুজি প্রেয়, নিকপ্রব হক্ষ কাল করেন গাঃ॥

ক্রাপেশার উক্তণ বৃদ্ধি কটা নিম্মান্তর কথা বারাণ প্রিলি চিত্রের না বার্থিকাট্ডিনট ইটা হবে, তথন নিমার দশার নামন ক্রান্তিক পরে তেম্ব নিমান শিল্প ক্রাক্তিকে সম্ভে, তার্থি নামট জান , সই জানের বারেট মাধ্য স্থিতিকার করে বার্থ



≛া ডিৰিপু-িপন ,তমান হাত ডি নি∸চ-া। সম ধাৰচল, বৃদ্ধিত্ব যোগমৰাপ্ৰামি ॥৫ পা

ভাৰত্যক"ুদী

भूदर म दिल्ला मण्ड च । याम वारत राज द चत्र । व १ व म महामा रिद्रित अन्यम T. ME TON OF ACT OF MY THE EST OF THE MENT OF THE TOTAL THE अंदर्ग र रें र देश्ये पर इस्कार्य इस्कार क्ष्म , स्वास्थ्य एवं स्थापन ষ্টেৰ ইড়াছড়ি ভাব্য । বল

ভারতহাবদীপা

্ত্র বাধন নুধ হয় ভিয়ন বাদার কলি সভাপত বাংলালি স্থা of the season of नव दर्ग न मा न मार्गमा न नाम न्या न दे हैं । विष्ट मुख्य मार्ग दूरकी ुर र करवार्थ हा करा राज्य ए स्वीस्ट्रिटर क्रिस्टर संख्या राज्य स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप ্কন ভিন আনু সভ্ভ গ্ৰহ্মণ্ড জন্ম নিধ্য সুপ্ৰবিবিপ্ৰভিস্থ। र ्टिक करणकार प्राप्त काल वास्त्र के अवस्था आहे के स्थाप एक प्राप्त के भारत एक स्थाप स्थापित कार कर कर का अरुप्त विभागे कुछ देव "लाव कार का का का का का का विभागी हुए छ द्रा द्रा किया पून द्रामा करणा किया विकास करणा विकास करणा पूर् महाराष्ट्री নি বক্ত ক ভাল সুনি হয়ৰ ৮ বি কাশনত স্কৃতি স্থি দ্বিষ্টি সভ স্থোৱাল रिकारक समाप्त किलामार्थन के रहे उद्यासनीता क्षेत्र करेड़ा

হাজন ্মন্ত মধন, নাক্তাৰ দুলান (দল বিলোমান্ত্ৰ আভিত্ৰে কৰিবৰ, এখন আৰ্থন বা ভাড বিৰুখের আহি হৈ মার আহলে (আন(ভা) च्याणिटव ॥४३॥

大春太大,你 古人也,也 一 一 一 一 一 一 一 人 本 作 云 中 怎么么 电7间层 寶 贝 [4] [4] 第 1 [4] 第 🚜 म 🗎 । ६ २० च ५ ५ ५५ व्हे हैं कि तक फ़ेल्किन हुन। 🥫 व भव काम भिनास के প্থিতিক ও সং বৃ লাজ্যালত হাত লগাল লগালে কিছেল কেন্তুলী, কেন্তুলী কুলে দেই বংগ্ৰেষ কাম বুলিলার চুল্মন মেই প্রিক্তিক অন্ত পুষ্ঠ সমূহ **বিশ্বক জন্ম**রী **লা কলা পুলারলাস , এক জিলাক নুন্তালেল বন স কে বাংক।**

व्यक्त । इत्राचात र के 'त दम माध ए च्या ज महाशास करेंग अविद्यादि । পুত্রা মেট বৃত্তি মণন বৈধাস লাভ করিয় প্রমান্তার উপরে ছিল বুইয়া ম্যাকিবে, তথ্নত ওলি লোগ লাভ করিবে ১৮৩॥



অৰ্জ্বৰ উধাচ।

বিত্রাজ্ঞা কা লাখা সম্ধিক্তা (কুশ্ব ।) বিত্রাঃ কিং প্রভাবের কিমাসীত ব্রেভ্ত কিম্ ॥৫৪॥ জীভিগ্রাস্কাচ।

পজহণতি যদ কামনে স্বন্পথি। মনোগতান্। আয়তেবছেন, হুকঃ বিভগ্নস্তদোচাতে nean

क्षाक्रकोष्री

ইনিন্নিটার বিদ্ধার্থন ব দ্বাহার বাধার প্রিক্তার বিশেষ্টি ব্রব্ধার।
সংগ্রিপার ব্যালার নাম বি এই ব্যালার স্বাহার স্বাহার বিশ্বর ব্যালার সংক্রার করিব করে করিব করে বিশ্বর করে করিব করে করিব করে করেব করেব সমাধ্যার সংক্রার স্থানিক স্থা

किन्युगन् प्रिञ्जाका न्याप्त्र्यात व ना य । ए ए । ए भार्त प्राप्त वर् म तकन्यर प्रिति न व राम याम भगमानि प्रकाद का याम क्षा का स्टब्स, अपनि वि अकरमत का प्रित् का द्वा व्योमन, का दास्त अक्षण व त हुन्हें स्वति, कर स्थानका, विश्वका देवतन का विक्ति सक्षित्र स्वति का द्वानुक्तित्व विक्रमका, क्षित्विक निक्षि १९९१

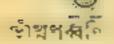
ভারতভাবদীশঃ

কাৰ্সনাৰ ছিবপ্ৰা দৰ্শতে বজাৰ নি ব্ৰহ্মক্ৰজ্ন উৰ্চ—ছিবপাল হ'ব কিছিল কাৰ্যা হানি প্ৰিণীৰ পাল চাজ কৈছে বিভিন্ন কাৰ্যা কৰিছিল কাৰ্যা কৰিছিল কাৰ্যা কৰিছিল কাৰ্যা কৰিছিল কৰিছ

তাত্থাকা — সাহ বাজন আৰু বন্ধ, আৰোৰ বাজন — আৰু এক তেইকল বিভিন্নতাবলয় লাল প্ৰিলি নিলাই আনুলিৰ সাক্ষ্মান আৰু , তাৰ লগত বিচাৰ বিচাৰ কিবা প্ৰৱ উদাৰ লা এক সিধিৰ সাইংলৱ হয় , আলোন গা এই নাৰ পৰিবাল নাইকল স্ফোলালর চইটেল পাবে , যাস ভালাই হবাই আলোক, লাবে নেই স্কি ব্যান বিবাল লাভ আৰু বি প্রি হুইয়া, আৰু আনিশ্ব, ভালনা কুমি যে উইছই,বাংকনা

আজুন বলিলেন—'কুক্ষণ ধাংননিময় স্থিতপ্তের লক্ষ্ কিং এবা শ্যানভত হটকে প্তিপ্ত সাধক কিজপ কথা বলেনং কি জপ উপ্রেশন ফ্রেনং কি ভাবেই বংগমন করেনং । ১৭৪

তে†তেপাৰ্ক্য)—মাধ্যনত সনিখ এইবল চাবিটী কল করার অধানত বন ছিত্রপ্রত কইবার ইন্ডা ফরিছ তল বনিয় মনে হয় লাড।



ছু-ৰেন্দুৰিগ্ৰহন, হৰেণু বিগ্ৰহণ্ড, । বিভিৰ্ণভন্তেশিং ক্ৰিণুনু নিক্চাৰে ॥৫১॥

ভারাদকৌ মূলী

ভারতভাবদীপঃ

হাশ্য কৰা, কৰা হৈ, ৰালি ভান্ত কৰি নাই চললি ভাৰি প্ৰজান কৰা হিছিল কৰা হৈছিল হৈছিল কৰা হৈছিল হাছিল কৰা হৈছিল কৰা হৈছে কৰা হৈছিল কৰা হৈছিছে কৰা হৈছিল কৰা হৈছ

কুত্বিলিকোন 'অক্নণ সংগ্ৰু হ্পন্ন মান্ত সকল কামনা প্রিভাগ ক্রেন এব আপেনাজারা আপনার উপারই সন্ত গাকেন, ভ্যন ভাহাকে স্তি-প্রেজ বলা হয়॥৫৫॥

তাৰ প্ৰা — প্ৰায় আন্দাৰ সাধাৰ কৰা ৰাজ্য হা কৰিছি চইলে সংস্থোধ হা আনন্দ অবিভিন্ন লাৰ্ট চইটে প্ৰায় আনন্দ অবিভিন্ন লাৰ্ট চইটে প্ৰায় আনন্দ বিভাগ কৰিছি কৰে নাম কৰিছে কোন কৰিছে বিভাগ হাৰ আনন্দ আনিক্ষিত সাধাৰ আনুষ্ঠি কৰে নাম আনুষ্ঠি কৰে নাম কৰিছে কোন কৰিছে কাৰ্ড বিভাগ হাৰ আনুষ্ঠি সাধাৰ আনন্দ কৰ্মাৰ

ছঃখ উপজ্ঞিত হইলেও গাছার মন বিচলিত হয় মা, সুখেও গাছার স্পৃহা থাকে না, যিনি ভয় ও জোধ পরিভাগি করিয়াছেন, আব নিজের দেতের নঃ নৰ্ব এনি ভিজেন্ত তত প্ৰাপা কভা কৃতন্। নাভিনন্দতি ন কেন্তি এক প্ৰজ্ঞা প্ৰতিষ্ঠিতা ॥৫৭॥ যদা সংহৰতে চাফং কুল্মোহস্পানীৰ সৰ্বস্থা। ইন্দ্যাণ্ডিমাৰ্থেভা ককা প্ৰস্তা প্ৰতিষ্ঠিতা ॥৫৮॥

ভারতকৌমুদী

"বিশ্বীত বিশ্ব প্রতিষ্ঠাত বিশ্বী প্রত্যাস্থাত করে প্রক্রান্তি ব্রুলায় করে।

আন্ত্রা বর্তীত । এটিত বর্তান্তর্গতি বর্তানি প্রক্রান্তর ক্রিটার সাম্প্রাহে । তথা চ্

সংক্র নিত্রান্তরের, নিবিত্র আভিত্যা সম্প্রত ক্রেটার স্থাস প্রান্ত্র ব্যাস্থার ।

সংক্র নিত্রান্তরের, নিবিত্র আভিত্যা সম্প্রত ক্রেটার স্থাস প্রান্ত্র ব্যাস্থার নাভিন্নপতি

আজিল্পত, প্রত্যা প্রতি ক্রেটার প্রতিশ্বীত ভ্রতি, বিহ্যান্ত্রান্তর্গতি ভ্রেষ্ঠার ব্রুলার্থার ব্রুলার ব্র

মানেতি কথা কছেল, সকলে সহতি জন্মনি কানি কংচ্যান্তৰ সীৰ, আনু সামুক বানে, ইপ্রিয় বি আনি প্রের নামি, ইপ্রিয়ান্তৰ অসং কৰিবান্তা, সংবাহত আহিছাই সাক্ষেত্রতি সাধারতি হৈ, হল সাধ্যক প্রক প্রায় ন প্রিয়ার করিছিত ভর্তি । বিব্যার্থতে প্রত্যা বিশ্ব কর্তি করিছিত ভর্তি । বিব্যার্থতে প্রত্যা করিছি কর্তি । বিশ্বার্থতে প্রত্যা করিছি কর্তি । বিশ্বার্থতে প্রত্যা করিছি কর্তি । বিশ্বার্থতে প্রত্যা করিছি কর্তি । বিশ্বার্থত প্রত্যা করিছি করিছি । বিশ্বার্থত প্রত্যা করিছি বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত বিশ্বার্থত । বিশ্বার্থত বিশ্বারথ বিশ্বারথ

ভারতভাবদীপ:

पाया विभ भया विश्वः दिश्वती विश्व का देशा है। । । । विश्वती विश्व क्षा । । स्वार्थित विश्व क्षा । स्वार्थित क्षा विश्व क्षा विश्व क्षा । । स्वार्थित क्षा क्षा विश्व क्षा विश्व

তে†তে পাথেট্য ব্যান কৰি জালে ভূতিয়া গাণেক, তাং বাংমান উপাৰেক কোন বিষয়েকই আনু চৰ্ত্যান , ন্যটকণ গাং বাংজি প্রম হায়ত ভিবাচইয়া আছে, উংগারও বাজিকেক হাধ, আন, অহুবাল ভ্যান , কোৰ জারিকেই পারে না ১৫১

মিত্র ও শক্রর উপাবে , এর ও ছেল মা থাকায় যিনি সেই সেই মিত্র এবং শক্র পাইয়াও আদের বা দেব করেন মা, (কেবল উদাদীনের ভায় ভাইাদের সহিত আলাপ করেন), সেই সাধ্কের বৃদ্ধিই পর্রাচ্চে প্রতিদিত হয় দংগা

ক্রেক্সেই সাধ্যের মান স্থন লেল ও এবং দুলি এবন বুলিই খাজেন তথ্যই উল্লেখ বুলি হসে প্রতিষ্ঠ নাও করে ১০০।



বিষয়া বিনিবর্তন্তে নিরাহারত নেহিনঃ। বসবজন রুসোহপাতি পরং দৃষ্ট্রা নিবর্ততে ॥৫১॥

ভারতকৌমূদী

स्थान स्थान स्थान स्थान कि भाष्य का वार्य, या स्थान देवर मुं स्वार होता कि वार्य होता स्थान स्थान स्थान होता राम स्थान स्थान

ভারতভাবদীপ:

ক কুপ যেমন ভাষার সমস্ত অস সংক্ষেতিত করে, সেইকুপ সাধক মধ্ন ইছিব কিং প্রভূতি সমস্ত ইন্দিল্কে শক্তাভূতি বিষয় হইছে উপসং হাত রাখিতে পারেন, তথনই উচ্চার বৃদ্ধি প্রব্রো প্রভিন্ন লাভ করে ॥१৮॥

ভিশ্বিশাহার । কন ও সক্ষণতেই ক্তেপ র গ্র হল সংগঠিত কংগা, মারু নাধ্কও বিশায়ে মেখা ভার ৪, ই ও ও ইন্ডিয়েও লোক উপন ভার বাং না ওচন

মধ্য ও বধিবপ্রকৃতি সক্ষম লোকনিগোর নিকট চইতে বিষয়তে।গোর ইন্তা ছাড়া কণা ও পাকপ্রভৃতি বিষয়গুলি ক্ষাব্তই নিগুরি পায়, আব প্রব্ধা দর্শন ক্রায় সাধ্কের নিকট হইতে বিষয় সকল এব সেগুলিব সোণ্ডাভার নিবৃত্তি পায় মধ্যা

তে কৈ শাহান তেওঁ ও বাংল না বাকে ব সভাও বিধ্যক ছিল বে কোকৰ কাম ও শাস প্ৰাচুলি বিষয় গ্ৰহণ কৰিছে পাৰে না বাহে, কিন্তু ভাষাদেৱ এই বিষয় গ্ৰহণ কৰিব ব ইছো যততো অপি কৌষ্টেষ । পুক্ষজ্ঞ বিপশ্চিতঃ , ইন্দ্ৰিয়ণি প্ৰমাণীনি হৰন্তি প্ৰসভং মনঃ ॥৬০॥ তানি দ্ৰাণি সংখ্যা বুক্ত আশীত মংপ্ৰঃ । বংশ হি যাজেন্মিয়ণি উত্ত প্ৰজা প্ৰতিষ্ঠিতা ॥৬১॥ (মুখ্যকম্)

जातल्यको भूगो

छादछङानमोलः

কুরীনকান! বৃদ্ধিবিকোচভনক ই কুমগান, বৃদ্ধিপ্রত র জন্ম মুবান এবা আনী পুরুষের মনকেও বলপ্রকে মধন হরণ করে, হখন এই বোগা পুরুষ সেই সমস্ত ই ক্রিয়েক সামত করিয়া মাণাধ্যেণ স্বইয়া কোন নিন্দি হানে উপবেশন করিবেন। দেখা ই কিয়েগুলি মাহান কাশ আহে, ভাহার বাদিই প্রবাহ্ম কাভিতিত হয় ১৬০—৬১॥

राष्ट्राच्याः— यहान । व्याप प्रकारो पुक्ति मान व प्राप्त वर्णात विकास वस्त्रान्तिक व्याप्त विकास वर्णानिक व्याप्त वर्णातिक वर्णानिक वर्णा

বাদিকে বিষয়ান্ পুশ্স, সস্তেরপজাতের।
সকাহ সকাহতে কামঃ কামাহ কোটোইভিজাইটে ॥৬২॥
কো ধাছবভি সন্দাকি সন্দোক্ত জুলিবি নুমঃ।
স্থানিক কিন্তিনাকে বৃদ্ধিনাক্ত প্রাণ্ডিব নুমঃ।

ভারত্বে মুলী

ইন নীৰ প্ৰাক্তিৰ পান কৰিছে। তা ব্যৱস্থাত প্ৰাক্তিক সংগ্ৰহণ কৰিছে।

সংগ্ৰহণ প্ৰাক্তিক বিশ্ব কৰিছে।

সংগ্ৰহণ ক

स्ति क्षित्र नरण स्वाह दिन्द्र स्वाहित हर है। इतिहास स्वाह सुरुष स्वाह विस्ति नरण स्वाह दिन्द्र सम्वित्ताल इति है। इतिहास स्वाह स्व

कावकस्थाने नाः

বিলি, বাদি ক আগগণিত ক লা হ'ব। আৰু এই সাধক ,সইটিকি ভুগিকে দেয়া কৰিছে। আন বিভিন্ন বিটিন লাল বিজ্ঞিক লাভ নাউপাৰিশন কাৰ বিলি একন না, হাজিনিভাগি ক্ষুত্ৰ এই শেষ্ট ভিত্ত কি বুলিক্স লা, এ ভিন্ন যুগ

ম কুষ বিস্থেব চিকু ক'ব'ত থা কিলেই ডাগের বিষয়ে আসকি জ্পা, সেই আসকে হউতে ভোগোডিলংশ উংপর হয় এব সেই ভোগাডিলায় হউতে জে,শ উপাস্থ্য হয় ১৬১%

তিশ্বশ্বিয়ি— মধ্য বিশাস শহর সমর্ভি ই বিবংগ কি বচ্চী কানার ব্যাধা মুন্তের সংলট নিজ্লিটে সংগতিক জার একা সেগ্রিকে নাপাকবিব এইও চলিটে একা, সেটা সন্ধ কোগ্রি সেটা নাপাবার পর, তার একা ই ভাচার উপত্র কোণ্ সংস্থান

वाशतकविद्योर छ छ विकरण्यिक्तिरेय करत्। या अवतेष्य वित्तरा द्वा अभावमनिष्णक्रित ॥५८

काश्चरको पृत्री

ইন নামন প্রাথান পান্ত বংগতি । বিশ্বার বহু হার শাস্ক লাকে সাদক, আর্থান মন্দ, সংগ্রহ কো, আন্তর বংগত ন, বিশ্বার, মন্ধ্রণত আহার, বাগ জেল্ড কিছু ইপুরেবিল । হিন্তি আহার নিলি বিল্যালয় লাক, চল্ল, স্থান, প্রাথাত তিবলৈ আন মন্ধ্রিক বিশ্বার আহার নিলি বিল্যালয় বিশ্বার বংগতি বিশ্বার নিলি বংগতি বিশ্বার বিশ্বার বংগতি বিশ্বার বিশ

ভারতভানদীপ:

भाषाद काणाद शावित्वकालाद हर्न १० वृश्वित् । १० वृश्वित । १० वृश्व

্কোধ হইতে ভাকতৰ মেহে ছবো, মোত হইতে আৰি চলা হয়, আছিল শ হইতে কুৰিনাশ দেখে এবং কুছিনাশ চইতে মানুৰ নঠ হয় ০৬০।

कि क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट कर क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्र

আচাসে ও বৈবাগাদাবা শাসার মন বলীভূত হয়, সেই সাধক মনের বলীভূত এবং রাগদেশবিমৃক্ত ই লিয়সমূহদার। বিষয় ভোগ কবিতে থাকিয়াও চিতেব নিশালতা লাভ করেন ৩৬৪॥

ভোষা সাহায় - মহায়ে ৬ বৈদ পর মনের এল করা ও এল সিংলাহি ই ইইই লাও। তুলনা চক বাকাপার্ক আ বাংলা মুনাক মাকালে কলিকে লাকান । কাবাং এল সম্ভেই সংধ্যা মাইবার পথে বোনে ক্লাড়ী স্থী সংখ্যানত করিকে সমূক্ত হলালা কি বা এক নাগাজি বা তিন্তা সন্ত্রেশিকেও ছাত্রে বিষয়াল কর্মনা হামা প্ৰদানে দিবলৈ থানাও জানিবক্তাওজালিতেই প্ৰদান্ত হৈছে। আপু কৰিং প্ৰকৃতিজাতি ৪৮৫॥ নিজি কুৰিবিশ্ভাকা নিজালুকাকা দ্বিনা নিজ হবিষ্ট, শা ক্ৰণ্ডিকা কুলি, জগ্ৰাচিচা।

क्टाइएकोश्मी

নিৰ্দ্যালয় কৰিছে কৰিছে কৰিছে প্ৰতিষ্ঠা প্ৰায়ে প্ৰতিষ্ঠা কৰিছে ক

कात्रक्षतान्त्रोशः

চিত্রের নিবালত। জন্মিলে, সংধাকর সন্ত হুংখ নিসুত্রি পায়ে এবং সহরই ভারার বৃদ্ধি প্রশংক প্রতিদ লাভ করে হণ্ডঃ

ইন্দ্রিণাণা হিচৰতা স্মানোচতুবিধানতে। তদতা হবতি প্রজাণ বাসুন্ধিবমিবাস্থিদি॥৬৭॥

ভারত্তক্রির

चित्र विशिष्ट विश्व कि विष्य कि विश्व कि विश्व

ভারভঞ্চাবদীপঃ

स्रिति स्रम्भावत । स्र वृष्ण्याचित्र १ कार्याचे । स्र वृष्ण्याचे वर्षा । स्र वृष्ण्याचे वर्षा । व्याचित्र । स्र वृष्ण्याचे । व्याचित्र ।

গোলিজনোটিত ভিত্নিশালতঃ যাহাবত্য নাই, তাহাব ক্লি প্রবংশাব পিকে মাইতে পাবে না, কি বা ভাচাব রক্ষানিও হয় না , এক্ষানি ন কইলো সমস্থ ত্থেব নিকৃতিও হইতে পাবে না এব সমস্ত ত্থেনিকৃতি না কইলো ক্ষাৰিক সুখাই বা হইবে কি কবিয়া ১৯৬০

ভোক্তিশ্রা রেল বে বেলপ্রতি চিত্র মল তর কের মন হ লগাই চিন্
বিষয়েশ নিকে কিন্দিল্ল হয়, চিন্ বিকিলা হাইলি মার ব'ক রাজক নিকে ঘট ল শাবেল,
কিন্তু উল্লেখ্য বা নও স্বলিক পাবেল, ভাষা না হাইলেই লা আ ক্ষাই ছালালুট্য ব্যা না, ভাগনিস্থিত হাইলে আৰ ভা হাই বা ভাকতো চেন্দ্র

ইন্দ্রিয়ন্তলি প্রচারতই আপেন আপেন বিষয়ে বিচরণ করে: তথ্ন মন যে ইন্দ্রিয়ের অন্তস্ত্রণ করিবে, সেই ইন্দ্রিই বাষু ডেমন জলে কর্ণিয়বিতীন নৌকাকে হরণ করে, সেইতপ মান্ত্রের বৃদ্ধিক হরণ করিয়া থাকে ৪৬৭৪ দশ্লিকস্ত মহাবাহে । নিমুই হানি সর্বা: । ইনিক, শক্তিবাহেই লাস্তম্য প্রজ্ঞা প্রিটিট, ॥৩৮॥ যা নিকা স্বভাৰত উত্থা জাগতি সংঘনী । হাসাণ ভারতি ভূকানি সানিকা প্রতা মুনেই ॥৬৯॥

छादछ(को पृमी

হাত ব্যক্ষ বৃদ্ধিত ত্রু সংগ্রাহণ কর্পতি । ই মাইবের্ড ব সংস্থার কর্পতাত করে বিধান কর্ত্র সংস্থাত সংগ্রাহণ করে বি ইন্সিলেবি, সংশ্রের এই ই মান্তা করে করে তাত তাত করি হাত সংক্রাহ করি নিজন্তি নির্মিলির ইন্সিলিব স্মান্তা করে বি প্রতিশ্ব করে বিধান করি করি স্থানির ইন্সিলিব সংগ্রাহণ করে বিশ্ব কর্তি করে বিধার বিধানির ইন্সিলিব করি বিধার

ন্ধুপ্ত বাধার বিজ্যালয় করা হার্থ হার বাধার বিশ্বরী ছুং
শব পাল্ল হার্থ বাধার বিজ্যালয় বিজ্ঞান করা হার্থ করা করা বিশ্বরী ছুং
ক্ষিত্র পাল্ল হার্থ বিজ্ঞান বাধার বিজ্ঞান বাধার বিজ্ঞান বিশ্বরী হার্থ ব

भारत्वादमीशः

না প্ৰকাশ কোঁ বৰুই ন স্থান্থ সাহ দাব সন্ধান্ত ইন্থিৰে কথা কৈ কি কি ই সাধাৰ কৈ কৈ জনত একটা তেওঁ আছে— লগানিকিঃ শ্ৰুছি—ই বা স্টাল সাই সাধান কি বালীৰ লগত সকলে ইনিক আৰোধ, অসম আনিক আলোধ, সংক্ষাৰ কিছে সাহত কাম কৰা ভাত সিক্তান্ত কাম গ্ৰেই হাইবা মাইবা প্ৰাণে ইংক্ষা সাধান সাধানিক প্ৰতিদ্যা বাহুই নতুল্ভক আ আৰু কি ক্লিব এচবঃ

অব্রব্মন বাত আছিল। অভাগে ও বৈরগো গানের সমস্ ইন্দ্রিয়েক বিষয় হইতে নিগ্রীত কবে, সেই যোগীর সক্তিই ব্রে প্রতিষ্ঠি হয় ॥৬৮॥

কাৰিপোৰ্যা ন না ক আচুৰি ইন্ত প্ৰজাচুমি বিষয়ে মাধ্য ইন্ত না শাৰিকৈ আৰু নাই বিষণালগৰ কমন হটাৰ লগাবন , সধন সাধ্যক বাধান নিক্পান্ত হটা হাজেই প্ৰিলিক লাম কৰে। এই বিজ্ঞান যুদ্ধি নাম ভাষালিয়ে অসাধা নামাৰে নিচুটাত কৰিলে লাব , অস্বাটিভ কৰি লাপাচ নাম ইন্তিলেক স্বভাই নিগুলীত কৰিছে শাৰ্বিক লাভঃ

वि शैद्योधीरात्य

ভाइडरको प्रमी

ভুলার বাচিং দাবন্ত কেন্দ্রমণার ধরে । যাজী, ভাল ভূলার প্রক্**র না পচক** তীক নশনৰ না कुर हो काओं। जिल्ला के अने के अने कार्यक्रम का जिल्ला एक्टर के एक क्षेत्रकार है। भागाहित का का किना के समावाद के कि अनेब जिनाहरू तराक कराक स्वाहर अमार के मार गाइकन भृता ब्रक्त दिस्स के के कुल सम्मानी के "प्रस्ता कि के प्रकार के प्रकार के प्रकार के विकास क्षांपिरत, या भनदायान न नामको रहे एक मा है काला नन उत्पादकारिक পুনশ্ভ ভে প্রাণিক বা জলবভ্রমক বস্তুরসক, প্রতিষ্ঠিক ভাত ও কাম বিজ্ঞানী পরী क्षानिहास कर कर्मन के को राज करिक किए मिल मिल में के मार्थ पर विकास में के कार्य के ISTAL LOSE.

ভারতভাবদীপ:

শ্বমণ কৰিছিলে ছথ বতুনা পাৰা ৰাচ্ছ য লিক্তি হকাণ কুইলুম্জানা শ निर्मित निर्म मण्ड प्रदर्शन्तिक है उस हर नक यन के उस कर पर्यापक नाम प्राप्त कितिम क्षेत्राच कि कि अन्या है कि पाम निर्देश कि कि कि कि कि में मान अक्सिकिता रमक्स रुभट रम्कर किरदेव एक उस ५ स मां महिन्द्र में असा किना म विकाद में देश कि इ विकित्त के प्राप्त प्राप्त के पार विकास के कि संविध कि प्राप्त के प्र भक्षाकि कुरुर्गात कर्षात्र किस्तिन्तु है तहर हैये चच्च सारद सददरायु से अधिक समाहित्य है. व्याचित्रमान्द्र । जना सार्वक्षेत्र (द्राप्टांकरः वा १८६६ । राजा १६५० म द्वा सक्ति व दशक्त १ ठक्ष सर प्रकृतकात । "समय क्रमकर" हर्गात । एतिस्य त हि द्राविधन देवत वह र्ग इक्षाच नर हैव स् इक र अक्षाद विकास र प्राप्त व "अक्तिमाञ्चलाह नि दिवस्य है, पानाप्त पृथ्वित है है अहर पर नि करण कारकार्य कि भुक्त राष्ट्र से नीका मा भुक्त राज सिक्ष ५ तरनर महिन्दर कार्का व्यक्तिहरू से अभित्य (६ का शतक विकास से साम अस्ति । साम इदि । देश १९७७ । त्रिक्त । त्रिक्त । त्रिक्त । व्यक्त । ছাড়ে রাজ্পিলাচ্ব"দিট্র জানবা বিভ্রা, ১৯ পার্থ পার্থ চন ১৯ ১ বর্ষ দ্র্যাল क्षेत्रमाञ्चल च्यापल च्यापक अस्य अस्य निवादिक विकास करेंच्या शाला वा इन्ता वाल অজ্যানী সমস্ প্রাণির পর্ক যেওঁ রা ছ, জানা ভারংতেই ভাগ বত भारकमः व्यातात रमहे वाकामी व्यागता याहाएड छापरिड शारक, रक्तमनी

ভানীর সেইটা রা এ ১৬১৫ ादिम्दी मन्ने सार्थर मन्दि मन्दि । प्रत्ये । प्रत्ये के प्रति । भावासः, किंद्र अपनी महाप्राद्य आर्थन साल कं केट्रायाल राज्यन सामा सामा खा गोदा एए अंग नगढ़ अप अरम एकाम, अस्तरण का साथ एक कराय एक के का नवाझित रोजन कुक्कालीय साथ जनकारक विद्यान्त्रामहे एकामन ४५०।

আপর্যাল্যচলপ্তিষ্ঠ সমূল্যাপঃ প্রিশ্বি যহং। তহং ক্ষা না প্রবিশ্বি সর্বে স শান্তিমারো।তি ন ক্ষিক্ষী ॥৭০॥

ভারতকৌমুদী

জাল কৰা পি না হন্দি ভ্ৰদিকি ছব কনাৰ্ভণ কেনা ক্ম বিজ বিশন্তবাং কথা কথা বাংলালনৈ কা, বা লাজিবিভাগে আপা গতা আলা বাংলাল নি, আলপুলান হালে নালনালনিভিচ কাজুলা, পালন্ধনা কড়ল নিৰ্দিশ প্ৰিকি জিনিহাক ভ ভালুশকা সন্ধন্ধিক , কৰিবিজি প্ৰভিত্য ক্ষণভাচ ভাল লা পালক হ'ব কালে বিষয়ন নালনালিক কালিক কাজুলা ক্ষণভাল কাজি বাংলাল কালে কালে কালিক ক্ষণভাল কালিক ক্ষণভাল কালিক ক্ষণভাল কালিক ক্ষণভাল কালিক কাল

ভারভভাবদীপ:

নতু এওছ দি ল কন্নু ই দে পশি গ্ৰহণ, নিশ্ব স্নাত বিদিনপুসকু-THE AT IT SOME STATE AND SEESTINGS LOW LESS SHE THE सक्तका के दिल स है दिला सामा के किया माहित समान दूरा उन इस उसक्ति है यक्षा इ देश कर उस कि दिवस मा दि है है है । १ के मा की दूर्य प्राप्त प्राप्त कि विदेश कि प्रकार्त के प्रमान कर्म कर देन हैं। जा देन के देन के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार कर कि noticy for not and in dre only to almost be extended to extend सन्दर्भि , दे भाषे अने देशा अधूना को अधून है है । या भूतिक व है है । या भूतिक मेनदार । प्राप्त कर दा प्रकृतकारिक न वदद दा पुष्तिर शिष्टें नदाद के प्राध्यनदार अर्थाद्र कार पादिक विश्व अन्य का द्वा प्राप्त प्राप्तिक पुरुष करण प्राप्ति अन्य का स्वाप्ति । दिन, १। ६० ६२ मनावृत्य एकः स्थापनार्थिति । इति है व अक्षेत्रपृत्ति অসিক্ল এটন স্থান ল' আহে দি এই ৮ কৈ কিবলৈ বি আহোতিকৰ আৰু কেবল নাড্ৰিল পাৰ্যাগুলীয় পুদর্মরা সামর্থি বর্ত্তানাধ্রি বাচার। কিন্তু সাংবেতাসিদ্ধা পরবাসব্যান্ত্রেত প্রহার। निक्युक्य चरित भाग . इरायदे ४ १० म । अध्य भ एका १०ई दलाका विकासिकार की নিংপাপে এন হয় ডার সাল বু এই ছিল হ' সম্প্রিক প ্তর্ম নাক্র নাক্র স্থানি প্তিৰ্গত এই চল হাত হ'ব বকুলে লাল কমলি এক বিশ্ব প্ৰায়ত সংগ্ৰেছ্য ও ও চ ল "म (प्रतिका सक्तम् "उर्देश्यका सक्तम्" स्थ विका स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन আৰা ছিলি কছিলত তাইৰ নিয়েশন ভূম সহ ভূপপাৰন কমেন পুল্লাছন্তা হিছুছে এখ মন্দন্ত ও । মৰ সৰু ২ প্ৰশ্লক বা সভ্ৰত নি সল, কাৰে। কাৰণ্যকতি বিভাগভাগে म क बाद, "दर्शक्षाव" दिक का चाम वद चित्रि क राज्य वाला अध्याद श्लाव वालिका छात्र

বজ্তর নল, মলা, বংল ও বিল আলিয় সম্ভাবে পবিপুন করে এবং তাহার স্থিতিটা চিবকালট ভির , এতেন সমুদ্রে কৃতির হল পছিয়া যেমন কয় পাইয়া

বিহাৰ কামান্যঃ স্বান্পুমাণ=চর্তি নিস্পৃতঃ। নিস্মানে নির্হহারঃ স্পান্তিম্যিস্ভতি ॥৭১॥

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীপ:

বিভাগ, দেশৰ প্ৰাণালি সামালৰণ পদিন হা একেত কিন্তিৰ জাৰপাল ক্ষেত্ৰ কৈ নিৰ্দ্ৰ কৰিছ লৈ কৰিছ লৈ কিন্তুৰ প্ৰেণাকাৰ কিবিধ ন্বাম ন্বিত হা বংশ প্ৰাণাৰ কিবলৈ কা নিৰ্দ্ৰ কৰিছে নিৰ্দ্ৰ কৰিছে কিবলৈ কা কৰিছে কিবলৈ কা কৰিছে কাৰ্যাৰ কিবলৈ কা কৰিছে কাৰ্যাৰ কৰিছে কাৰ্যাৰ কাৰ্য

যায়, সেইকপ জ্ঞানপুন ও দ্যেকাশ প্রক্ষিক যে যোগার ফলয়ে সমস্থ কামনাই প্রেরেশ করিয়া লয় পাইয় যায়, ভিনিই শাঞ্জিভি করেন। কিন্তু বিষয়াভিলাষী লোক শাঞ্জিভি করিতে পারে না ॥৭০॥

क्ष्मिक्षा क्षित्र कार्य क्षित्र कार्य क्ष्मिक क्षमिक क

অভিনান ও মনতাৰ্জ যে পুক্ৰ আগু ভোগা সকল পবিত্যাগ কৰিয়া প্ৰাপ্ৰা বস্তুতে নিম্পুত হইয়া বিচৰণ কৰেন, তিনিই শান্তি লাভ কৰেন এ৭১০

ক্তিক্রার—এই অভূতির উপরে আছেরাক করিন্দ করে পুরক্রের্থিক মন্ত্র থাকিলে, অথ্য স্থাপ্তার কনেনা প্রেলাক্তন তাইবে প পুর ন্য নের্থন সম্ভানিক নাই ১৭১৪

ত্রপা স্থালী কিনি, পার্নি নিনাণ প্রাণী বিমুখ্যি। বিষয়, তামে বুকারে কাপি বুকানিবাপর্কেতি ॥৭২॥ ট্টি টা,মহাড,বচ্ড শংসভেয়েল চৰ্চ্ছাল বৈল্পিকাৰ ভী**য়প্**বি লগ্ৰনণ ভাষণে। সভাবি ত্ৰভিবটাৰঃ ৪০॥

शोडाशास्त्र विजीएशक्ष्यासः ॥•॥

स्रावस्को भूगो

নিং হাৰ সহল ১০০ ভূমহত ১০ প্ৰত্পস্ত সভাত বাহৰি। টোপালীৰ এয়া, সুপর্পতিকুল এটা চুতুর এ এ এ সমূহ নিলালুলি পুলি পুলোন বিভ্রাতি प्रकृता कर असार वर्ष र रहत र म उन्ह कान नाम दिल्लों क कर कर मह मन भग मन र र र ६ र इच्, वर्ण जलाता पुनवादु दिश्विक्त English and make the second second second

Bud with mind a militar with a mention of the contract of the 一日本 新山田 門山 一年 聖皇帝 五年 大月 大月 大田 大田 中国中国的民党 第十四 constant a con

ভারতভাবদীপঃ

क दर्भ व प्रदेश के अपने व व राज्य कर या अस्तर असे करण न दक्षी के हैं है। सार कृति दिन वर्ष मा दारा मा मान १०० मा मान विकास क्षाहर सामामहा आन्याहरू स विक्रण राज्य प्रत्य मन रत रे- र का कि राज्य प्रत्य प्रवाह करिया जुला, smartan t doring to a security were for more a story and in in wall खनार नहीर द्वारा मात्र मा रेक्टो न पूर्व देश माह रहा कि इस्कार्य रहाई निर्मा महत्त्व र ला . स्वरोत्स द मनाव र ए ह अभाग यह क्या अक्टि स्ट्रिटिंग कि देव के पूर्वर मार्क मार्क वर्ष वर्ष कर मार्किक कि ए रेन वर्ष प्रविध 全代研究 医结节 "中国的一年,下人 5 形 中 田 多中 中村 医山口耳中八百年 四年中 中 डाक्षर मन दक्ष म . . । भ ००४१८० वर्ग उप म मिस्ट्रिय १०६१ वर्ग मान्य भश्य महत्त्व विश्व च तथ्य १५० विश्व हर्न इस्तर्यक्षीत्र । ध्रिम्बर । ह अस्तरा अनुकार अनुकृतकाल का का का अन्यादिक अन्यादिक अन्यादिक अन्यादिक क्रामिनियं दलादा १६० दिन छ १ । १४०

> होति के श्रम श्रीत जलकारी प कान न प्रमाण एक विष्ट्रणायमा व प्रमा हे अ अस्तिहरू के अ - दिशाहर देश दे १४३

অক্ন। তেমার নিক্ট এট এক নগার বিষয় বলিলান , মানুষ এই একা-निर्श लाइ कतिए कार स्थाधिक इस ना এर कांग्रेस कारला अहे विश्व निर्शाय शांकिया जिल्लामा कि लांड कर्द ॥५३०

0

তৃতীয়োহধ্যায়ঃ।

্ অৰ্জুন উবাচ।

জ্যাসমা চহ কথাগতে হতা সক্তিনাদান ।। তহ কিং কথানি যোগে মাং নিয়েছিলনি কেংব।॥১॥

ভারতাকগ্রেদী

ভারতভাবদীপ:

ভোক্তি পাথেটা — প্ৰতিশাৰ সময় ইটা সট গৰাৰ সংজ্ঞান সংখ্য শিল্ম স ভিজ্ঞানিয়া কৰিছিল কৰিছিল কৰিছে সাংগ্ৰহণ কৰিছিল কৰিছিল কৰিছে সাংগ্ৰহণ কৰিছিল কৰিছিল কৰিছে সাংগ্ৰহণ কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল সংখ্যালিক স

হাজুন বলিলেন 'কুকা। ভোনার যদি এইজপট মত থাকে যে, নিকাম কংশ আপোকাও জানিই শ্রেষ , ভবে মামাকে ভর্তর যুক্তম্ম নিযুক ক্রিভেছ্ কেনংখ্যা ব্যাহিত একে বাকোন পুক্তি মোকল্মাৰ ন্ম । তদিক বদ নিশিচতা যেন তেত্তি হিহমাধ্যাম্ ॥ সল

ভারতকে মুদী

म् प्रमुख क प्रमुख क प्रमुख क प्रमुख का प्रमु

ভারতভাবদীপ:

পুনপুন্দ থাকি বন্ধ ১০ নত বে জাননিস ক্ষেতিক বা বাশ্বে কুলালি হাণ প্রিমিত করার বা নাম বা বা নাম বালি মন্তিক বা বাশ্বে কুলালি হালে বিজ্ঞানি হাণ কুলিক চা কার্ক কার্ক লাজি হালে বিজ্ঞানিক বালি বিজ্ঞানিক বালি কিছিল কার্ক ক

কুষণ হোমার বংকা যেন উভয়ার নিশিত এব ভাচাছার। যেন আমার বৃদ্ধিটাকে মোহিত কবিংক্ছ অভএব নিশচ্য কবিষা একটা বল, হাহাতে আমি মসল লাভ কবিংভ পারি চন

তাৰ পাৰ্যা কৰা ধৰা বাবলি ছেন— কাহত বাংলা ধ্যাৰ্থ খ্যালক আৰ শোদ বংগা নাই', সালাৰ বলি ছিল 'মছৰ মৃত্যুক শোল এই বঞ্জালে আৰিছাৰ নিৰাক মৃতি লাভ ক'লেই পাৰে' ভাগৰ জান ও কৰেই মাধ্য কোন্য আছে ভাগে ভিন্ কৰিছে। না প্ৰিয়া অভ্ন উত্তৰ বলিকেন। মা



ষ্ট্রী ভগবানুবাচ।

লোকেংকিন্ দিবিধা নিষ্ঠা পুরা পোরণ নধানত।। জানবোদেন সাংখ্যানাং কক্ষ্যোদেন ব্যালিনান্ ॥ ॥ ভানতকৌমুদী

सिक्षां अस्य का स्वतुत्र कि कि कि कि एक स्था । जिल्ला मां स्वतुत्र स्वार्थित विकार के स्वार्थित के स्वार्थित का स्वार्थित

ভারতভাবদীপ:

কৃষ্ণ বলিলেন—শ্নিস্পাপ অজুন। আমি পূর্বে তোমার নিকট বিবিধ লোকের বিষয়ে এই প্রকাব ব্রহ্মনিস্তার কথা বলিয়াছি; ভাগার মধ্যে জানীদের জান্যোগ এক প্রকার, আর ক্ষ্যোগিগণের ক্ষ্যোগ বিভীয়ে প্রকার মধ্য

ক্ষেত্ৰ প্ৰায় — অকলে। আনি পূৰ্বে ,ৰ সকল কৰা বলিয়াছি, ভাগতে বুলি বলি এইকপ সুনিধা থাক বা, কৰ্মণালে একপ্ৰকাৰ সুক্তি কয়, আৰু জন্মনোলে অক্সকাৰ নৃত্তি হয় । তবে ভুলি জু মুখানিত কইয়াত । কমানা, মুক্তি একই , তবে অধিকাবিকেন্দে ভাগতে উপায় বুটিটা প্ৰায়েশ্য সময় বৃত্তি কই বাতাৰ লম ও কমপ্ৰভৃতি একা বিশেক জন্মিনা থাকে, উলোৱ দক্ষে জানেই মুক্তিৰ উপায় , মান ব গাৰ সংকালে লম্মনানি হয় মা, চিল্কে বাল্ডেকানি ব হয়। বাধ, ক্ষিত্ৰ ব শক্ষে প্ৰশাৰ স্থানে কম্মনী মুক্তিৰ উপায় আৰুৰ, ক্ষা কৰিছে ক্ৰিডে চিত্ৰেৰ বাশ্যেশানি ভিৰোধিত কয়, পৰে জান ক্ষেত্ৰ, ত হ ব পৰ মুক্তি ব্ৰীৱা থাকে লো ন কথাপাননার ভূপেরকথা। প্রক্ষেচিখারত। ন চ সল্পনার্দ্র সিদ্ধি সংগ্রিছতি ॥৪॥

ভারতকৌম্দী

ভারতভারধীপ:

দানন পুল কর কানগোল-হছতি নিয়াল প্রসং পুল কার কার বছতী করে। হোলিনার Ga Gener ber fig budt in eine bei bagtebem betrebnie mehr bembene. अन म न विद्यमन् रहत्वार प्रवास पर कहा अनमर र क्या वितास हर्या कर का नाम करेंद्र विद्या भा भाग - हेर अल्ले प्रदेश र केप्रत्य र उपरित्र सम्बद्धि विश्वत देवना मा, विष्णुं त भाग देवक अन क्लावविष्णुं स्थानिक साम्यास साम्या अपन्यासा अवस्ति, अ पर चारत व कालता है की क्यारि क कित सम्माद प्राचित्रक काकरत अहतार। कृतिविदिः भाग्य मार्थ प्रदेशक किया तथा के प्रविद्यम्बद्ध, तम्बद्ध अन्याद्वार्थ । एक्ष अस्ति वि क्या मन्त्रा, वर्ण म अवस्थानम एक निकादमणकोत्त दक्तन अवस्थादार अवशेषका नि हर्गन्यक्षणक व १००४ व १० कि. के विकास मिन्नु विकासिक मिन्नु के व विवासिक विकासिक श्चकायानिमदा कथा सामगु अराधान्यामा कुकितिकता ज्ञानायाच्चकथा आकारकाण है. (शहर प्राया के) त्या प्रेड प्रावहकीयान प्रकार्या एक शहर प्रशासि एक ्रे प्रकृति । इत्र हें क्रियन त किला में कु एक मिटके हैं कि ख्राविताय । महशास्त्र । aferen . " " " men" 's gu met er en miner a un . erten giglecaten fe mint श्याण तक्षमञ्च । अस्तान कल्पित्रम् कल्पि क्षिप्ति प्रतिकृतिकृतिकृति छ करता दशी खरेका स्मर्था क्तार मन्द्र किता । है है है, हिन्द्र से नामनिक्षण उपनिकास कारण की कायी-कियास নিধা হ লো আনামৰ গথ বছত বুল নিময়ালংব্ৰাংগীনৰ নতুতি হয়। তেকা সভাইণ্ডেছ ्राण प्रदे, मेन् महा प्रताल प्रशानिमा किल्क्स्प्राट अध्ययन मर्काट एक्डिक्स्पि र्याटनम् নিক্রার্নে ন্তুতি ওও নিব্রুর জেন্দ্র ও ব্রুক্থ ছে প্রাকৃত্তি তুলা ইতি ।তা भन्ताः, अकाताः तक विकादपार - य कदलाविक कदन प्रकाशन यनावशासनग्रेशनाः देनकार कामिक्री माधारकाम आरापारिक "दिविकिष्टि राज्यमा हेति भागा प्रकाशिनार

মাত্ৰ কমানা কৰিয়া মুক্তি লাভ কৰিছে পাৰে না, কি বা কেবল সন্নাস-মাবাও মুক্তি লাভ কৰে না ৪৪৪

নহি কশ্চিং কণমপি জাতু তিওঁতাকশাকৃৎ। কাৰ্যাতে ফ্ৰশঃ কশা সৰ্বঃ প্ৰকৃতিজৈও শৈঃ॥৫॥ ভাৰতকৌষ্দী

সংখ্যানি বেলে দিলা নি ছাল নৈ ছবিক কান্তু কথা লাল বিক্ল সংক্ৰা প্রিহাইন্কান্তে চুক্লীমানতে, সল নেক্ষা লিভিডিবিক্লীলোহ নহাতি। কান্তিলি ভাল ভালু
ক্লাচিলি, ক্ষান্তিল চ, ক্ষেত্ৰণ উজ লাল ক্ষাণান্ত্ৰণ কুলা, নহি নিয়াৰ নেব স্তু
মইডি। হি মৃষ্ণা, ক্ষাৰ মানাভ্যান, সকা এব জনা, প্ৰকৃতি, স্বুবজন্ন লি ভালি,
কুইন্ধিনি, মৃষ্ণাবালাখন লিভিল, কথা প্ৰবাহন জন লি কাৰ্য, কালে, হাৰ্যান মনলালি
তাৰ্ভিছিলোল প্ৰকৃত্ত ক্ষাৰ ক্ষাৰিল নেক্ষা নালিলাত, কালে প্ৰতি প্ৰিন্ধিলনা
ক্ৰিন্ধিকি ভাৰত। ৩০

ভারতভারদীপ:

ণিভাগ্রেন বিধানাম। এর সন্প্রায়প্রভারত কথ্যা তিতিদিলভার্মত তম, জ সেন বিবিদিলায়াঃ ম্ঞাননা সিখার মু "এত্বের প্রভাত্না লোকমিন্তু প্রভৃতি" রবি আ ইং প্রের কেপ্যের নৈছত নিও জাননির সাধনা একা ন জান্ত, নেছত সাকা প্রেয়া নাম স विवाध अमधारक्ष नवस्र हिट्नमन्त्रास्थार अञ्चलकार प्रकार प्रकार विवाध अहारभार मिकि सर्वात्वक नेपेष्ठ , राष्ट्रभाष । दिखाइहे एक समय, मा अनुस्तारखनण है हैं है সিজে কিমিটিট নৈছমাশ্রমেন 'নম বুফ্ট ইটি ডে' সামা প্রথ কামা হ'চ भाक्ष रमध्र १४% न ११ हुका युवा अधान १५८१ । रेने स्थापन १४ मा हु सावक । विकरित स মুলোন ভাত লি জিল মহত বেন জিম্পদত সিংন গণগতিক তুন মাজ প্রণেইন কাম্যা संवाजीलाः श्रात्मान्यतिष् द्याजीलाः एदम्स ध्वाद्यः एक्ट धार्यस्य र ए ध्या विविधिनामधाना अस दश्य कर्या "अस दिवा के दान दिन दे अपना प्रदेशनार " विदेश्यमाधान दलादेक्समारान्त द्वाप स निक हता हर या है है के अमरिन व वक्त प्राप्त मुक्तिकार्णक वर सक्तिक किनिवह किन्ति है किन दिवह महारमका नि म ए प्रमान है। धन्त किना কানিমের নোংশেষ্ট ইতি আডোমায় হা বিজেপ্রবর্ষ প্রশস্ক স্থিতিল ন তু কা য भविभ सम इतिकार । अभीवा क्यापित मेसाय उपादिकास मृति अस्तार व व्यवसामि मानुन कार्यः। क्षान्धिरणाभिष्ठित्व यस्तृत्व वाण्युका स्वान्त्वयः स्वान्यवान्यः भावा का रेमक्याशाध्या जुनिए जुल ६ थे. . जुनिय स्थाप अकार्णण द्वा पर , तक्या र कार्य क्रेडि क्रिक्स क्षमदास्थान ए किन्द्रिकि, व्याप्त एक्टरप्त व वर्ष्याप्तारम् देवक्षा, महीति १ एवं र ने १६ हि। कथ्य ६ दुव्या अस्त व व मार्था व का मार्था । खेशक कृष्ण क्या कि कृष्ण कर्मक सम्राम कि छाए । अ हि जाना विद्याल असे कृष्ण करी करी कृष्ण मांकृभीरहेश्वा मुक्तमुक्ता अक्ष मनाद्रम्यकि । अहः अवास्त क्षावाद हे-अ हार्यक

क्ष्मिक्ष स्ट्रेड पादा ना तथा

क्रियाचीन् विष्ठाशा विधानिकः म देवत् । देखियाचीन् विष्ठाशा विधानिकः म देवत् ॥ ॥ यदिक्रियाचि यनमा निष्यादिकत् इस्ट्न । । कर्षाकृतेयः क्षर्याययमञ्जः म विभिष्ठत् ॥ ॥

<u>कारकरको भूगी</u>

হারি বিভিন্ন বিশ্বাস কর্ম কর্মের আছু সংস্থানকর ক্রেছেনি। বিষ্ঠায় ক্রাণানি প্রভাৱ হা কান, কর্ম ভ্রাই, মুন্ধ স্বাহ্ণ ভ্রানাকর মে ভ্যাণ চ, সাম্না নিক্লা, মুন্ধ, ই ভ্রাম ন লক্ষণানান স্বাহ্ন আ তেও উপাধিল ন সা নিজ চার ১৯ র দিবিয় কাপটকাবার উচ্চাই অভ্যাণার স্বাহাস ন্তানার কোকাইটান করে ১৯১

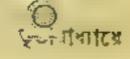
कारकशारमीभः

্কান মানুষ্ধ ক্ষান্ত কাশকলেও কথা না কার্যা থাকিছে পারে মা। কারণ, সত্ত, বজা ও তথে। গুণাভাগত মুক্তি লিগাং, কান ও নোকপ্রভূতি প্রাধীন মানুষ্কে স্কারণ কথা করাইয়া থাকে। গা

ক্রোক্সেন্সিয়া—ম চন জানে ক্রিয় এবং কর্মেন্তিরের লাক নিক্র রাখিয় ব্যাহিনেক মনে মনে তেনান, কোন বিষয় এগবিবেট চা ব্যাহ, সাহা হটানেই একেবারে ক্যান করিয়া থাকা হইবানা বংল

যে মৃচ কোক জানেশিয় ও কংশ জিয়েও লিকে স যত করিয়া মনে মান শকাশশকাল কৈ বিষয়েব চিড়া কবিছে থাকিয় বসিয়া থাকে, ভাচাকে কণটাচারী
বলে ডেঃ

किंदिम्बा—हिन्द नीवाद वक्कार्य मुकाईक भाकिता विषय भवस्या इत्रावद तिथ्य छावित्त थारक, त्यम पुरु त्वाक क कृष कार्यम दिवस था किश कार्याद्य माना दिवस छावित्त पाकित्व, टाझाक द्यांगी नाल मा —क्ष्मक्षेत्राची है नाल ।आ



নিয়তং কুরু কর্মা স্ত কর্মা জ্ঞানো ছাক্র্যাণ:। শ্রীর্মা ত্রাপি চ তে ন প্রসিধ্যাদকর্মণ: ॥৮॥

ভারতকোমুদী

এই বিশেষত তেই নি স উতি ৷ তে আলান ৷ অসতে বিশ্বেষন স্বতিশে লে,
জনত, মনস সত, ই ভার বি আছোলান জ নেভিড বি, নিম্না লবা, ব্রলত লাভবালন সংখ্যা,
কর্মে লায়ে বাক্লানিলানল মূলাকু, কর্মেনালা ব্যন্তিকক্তবন্দান্ত, আক্রানাল করে তু, স্
জন, বিশেষ্ট জনকালিকা প্রক্তাত বিক্তেন্ত্রাস্ক আগ্রাক্তব্যাত । ব্য

णाहरद्वाणभिन्दि निष्पृद्धि। इह व्याद्धः द्वा, निष्ण निष्यः निष्यः, व्याद्धः, व्यादः, व्यादः,

ভারভভাবদীপ:

प्राण्य । य क्षेण्य प्राण्य प्राण्य दिवा । या प्राण्य व्यव विष्ण प्राण्य प्राण्य विष्ण प्राण्य । या विष्ण प्राण्य प्राण्य विष्ण प्राण्य प्राण

অজ্ন। জার যিনি মনের স'হত জানেভিত্ত লিকে স্মত রাখিয়া নিষ্মু কাসজে না হইয়া কর্মেভিত্তভাবা কম করিয়া যান, তিনি প্রশালবে পার ॥৭৫

ত (অংশাহা) — দন্দর দাসদ মনে মান ইবাবের চিত্ত করিছেন, মল চুস্মান চাল-কাশাও চাল ইবান, ভাই ই কাকে সকলে বাজৰি বলিস ্সেইকল নি আসন মন্ত্রী ক ইবারের চিত্তাত বাপুস ব লিছা সন্ত সামারিক কাবা করেন, মণ্ড সামান্ত্র কোন বিশ্বেই অসক চন না, ইকোকেও স্বাল ক্তিই বলে গ্য

আজুন । ছুমি নিভাকশগুলি কবিয়া যাও ; কেন না, কশা না করা আপেকাকশা করা ভাল । তা'র পর একেবাবে কশা না করিলে ভোমার শ্রীরস্কাও হে হইবে নারশা হাজাথাৎ কথাপোহজার লোকেত্যা কথাকান:।

সম্পাশ কথা কোন্ডের । মুক্তন্তঃ সমাচর ॥ ॥

স্কাজা, প্রজাং কর্মী পুরোবাচ প্রজাপতিঃ।

অনেন প্রবিদ্ধান্ত্যের বেতি হিন্দ্রামধুক ॥ ১০॥

ভারস্তকেমুদী

ন্তু মার লাগালে ন ই নিজ ২ করা বনন কলিবলন কথা ব্যাহনক মিছা কৃষ্ণি হিছি ভাষা বিশাহন বিধায় হ ম্ব্যাহি কে কাজত মহ বাক মন হাজা বৈ বজা ইতি ভাষা বিশাহন বাধায় শব্দেশ্ব কাল ভাষাৰ মান্ত্ৰ কৰা, জাত্ৰ বিশাহন বাধা ব্যাহা ব্যাহায় গালা মান্ত্ৰ কাজত মান্ত্ৰ কৰা কিছিল বিশ্বাহান বিশ্বা

কাৰ্য কৰ্মতাৰ বিচায়ৰ কৰি কৰ্মতা সাহছি। এক শণিপ্ৰাণ, পুৰ শ্বী স্বিভানক স, মজন সম্বস্থায়ীত সংগ্ৰহ এক প্ৰাণানীৰ কান্ত্ৰী হানেৰ ভাৰতভাৰদীপঃ

माध्य प्रदे त्रा इत हिन्दि । १० मध्य विषय विषय प्रदेश प्रदेश क्ष्या विषय प्रदेश क्ष्या विषय प्रदेश क्ष्या विषय प्रदेश क्ष्या विषय क्ष्या क्ष्य

ভি ক্ৰিয়া—শব প্ৰকাশ কৰা মন , শাসনপ্ৰতি কৰা দে কৰিছেই চেইপাৰ, সুধি ই বিলি ইইল ভূবে দেশাল সভা সাজ নিধি কৰাৰে লও কৰিছে এক , সংলহৰ 16-9 নিৰ্দেশ ইইবা, কেনা ভানি কৰাৰ, পাৰ নু কালাভ ক বা ভাঙাই ইইছে শাইকাৰ 16-11

কেবল ঈশ্বেৰ প্ৰতিৰ প্ৰকৃত যে কৰা কৰা কৰা, ভাছিল আগাং কামাকৰ্মই মাজুৰেন ৰক্ষন ঘৰাও। সভতৰ সংস্না, ভুমি ক্লেৱ আসকি ভাগো ক্ৰিয়া স্প্ৰেৰ প্ৰতিৰ জহাই কৰা ক্ৰিছে গাক ১৯৪

क्षि महिन्द्र मा भवनात ६० मि स्व प्राप्त - पर १० मि स्व १० मि स्व

দেবান্ ভাবমতানেন তে দেবা ভাবমস্থ বং।
পরস্পারণ ভাবমস্তঃ শ্রেমং পর্মবাপ্সাথ ॥ ১১॥
ইন্টান্ ভোগান্ হি বেং দেবা দাহেন্তে মজভাবিতাং।
তৈদ ভানপ্রদাবৈত্যা যো ভুত্তে কেন এব সং॥ ১২॥

ভারতকৌমুদী

জীবাচ আনানা গ্ৰামা, প্ৰতিজ্ঞা মুখনপি জ্যাগ্ৰিণ্ডাপ্ৰতে, এই দজা, লা মুহাৰিষ্, ইউনি কমান্ কোপ্তেল সংলা হ'লি হ'ল ক'ল সাম কৰা আছা চাল্ডাগ্ৰাম্য কৰা কাৰ্থাবিলায়ে আৰাক,সম্প্ৰমায় সন্সভাৱাশ ক'ল কৰাক্তিনাহ'ল লাল লালা লা

ইয়ানিকি তেলাজান মাজান ভাবিক কৰিত নতা, তেমুমানা ইয়ান ভাবাৰু ধন্দবিক্ৰ সান্ধালাল হি সংগ্ৰহণ মালা, বৈশেকে ক্লালালিক সংগ্ৰহণ

क्रावक स्वावनीय:

স্তির প্রথম সময়ে একা যাজের সভিত্ত সাক্ষণানি মানুষ স্তি করিয়া উল্লেখ্যিকে বলিয়াছিলেন 'ভোমর এই যজকারা উল্লেখ্য উল্লেখ্য কর: এই যজ ভোমাদের অভ্ত ফল দান কর্মক হচত।

ক্রাক্র স্থার সংগ্রহণ কর করিব র ক্ষর বলিয়াছন। তবে দিনি ক্রিবলিয়ালের কল্প কান্ত্র করিব র উপালের নিয়াছন, আর আনি মুক্তিণ এর কল কোমাকে নিয়াক্স করিছে বলিয়েছি ।১০০

তে প্রজাগণ। তোমরা এই যদ্দারা দেবগণকে পরিপুট কর, আবার উল্লায়াও ডোমাদিগকে পরিপুট কজন, এই ভাবে ভোমরা পরস্পর পরিপুট করিতে থাকিয় পরম মঙ্গল কাত করিবে ১১০

তে হৈ শ্রেষ্ট — মাজুক হজ কার, তালোতে নের ছারা পরিপুর ও সমুট হন এবং তথ্য তাহ বা বৃত্তি সুটি কবিছা সেই মাজুকের কজ ও প্রত্তুতি উল্লেখন কবিছা গাকেন ১৯১৪



যক্তিউ'লিন: সর্বো মুগ্রেন্ত স্থাকিছিলৈ:। ভূঞ্জে তে ভ্র' পাপা যে প্রন্তর্বার্ক্রণং ॥১৩॥ ভারতকৌমুদী

বেবেনাং, অপ্রসায় চ্ছাক্রপেশগরতা আন তুষ্ট জনসংগ্রান ক্রান্থ করে। তুলা করে করা করে করা করে করা করে করা করে। ১৮০

हेंगा, य प्राच विद्य समान गर्कांग हास्यान्य, रक्षांग विक्र न य्व गर्दित् स्थान न स्थान कर्षा न स्थान स्थान

ভারতভারদীপ:

देवस नर , ह इक्ष्ण क्षे किया स्वार्य कर के किया के ए हु इक्षण हो से देव के किया से कि

যজপ্ৰিপুট লেবছাৰ, ছোনাজিগতে খেছত ভোগা বস্তু সকল দান কবিবেন। এ অবস্থায় ভাঁচাগুদেৰ দত্ত বস্তু সকল আবাত উচ্চাদিগতে না দিয়া যে লোক নিজে ভোজন কতে, সে লোক চেগ্ৰেইট ভুলা হয় ॥১১॥

কেশিক পান্ধীয় চোল পুর্বের সভা ইবন কলি এন পাক্রে, আও 5 গুলস্কারে কিছুই দেয়ানী , অংশাংশ সালপুর্বেশেশ পর পাল এবং অনুষ্ঠানত বাংশার ই ভোগা করে। সেইকুল দেবাংশানর বিংলাভিত দেবা ইবাংশাংক নাজিং এই লাভিত্রে মৃত্যুক্ত পালী হয় ১৯৮

বাজাগপান্ত ভিনাবর্গ যে তেবে অবশিষ্ট ভোজন করিয়ে, সমস্ত পাপ স্টুট্ড মূজ হন , আর যাহার নিজের জর্ই পাক করে ও ভাষা ভোজন করে, ভাষারা পাপই জোজন করে ॥১০॥

ক্রিক্সিক্টা বেবভা, শিহুপে ক ও অসিধির। গুণায়র নিকট কিছু পাইবার আলা করেন এবং ভার দিল্লে কিছু কিছুলেওয়াও প্থায়র উভিত। কেন্ন, ঘেরভারা ও অনাত্রতি ভূতানি পর্জনাদসভবং । মজাত্রতি পর্জতো মজঃ কর্মদমূত্রং ॥১৪॥ কর্মা উক্ষোত্রণ বিদ্ধি একাকরদমূস্বম্ । তরাং দর্গতা একা নিত্যা মতে প্রতিতিত্যু ॥১৫॥

ভারতকোগুদী

ক পাণ জলত কৰি ছবিত তথ্যতি ভাৰত মেৰ কন্তবানি লাভ ছে কছাৰ। আনুতি ভি ছবি লাল কৰা কৰিছে ছবি লাল লাভ প্ৰিল্ল কৰা কৰিছে আৰু তিবি লাভ কৰিছে লাভ কৰিছে লাভ কিছিল লাভ কৰিছে আৰু তিবি লাভ কৰিছে কৰিছে লাভ কৰিছে কৰিছে লাভ কৰিছে কৰিছে

कर्ष हं त आता । तथा हात शाक्य क्रिया क्रिया हु द्रक्रण , देशार इंद्रत्यु महस्, विश्वि दे हात ति । "उत्तय द्राया हाम हिस्स्त, क्रिया क्रिया द्रक्रण स्वया स्वया महस्राय भवात् । हा हिस्स्त स्वया हिस्स्त हिस्स्य हा क्रिया महाद्रवा हिस्स्य हिस्स्य हिस्स्य हिस्स्य क्रिया क्रिया हिस्स्य क्रिया हिस्स्य क्रिया हिस्स्य क्रिया हिस्स्य क्रिया हिस्स्य हिस्स्य

ভারত ভারদীপ্:

क्षित्व प इविष्ठ तयत " होत । ३० क्षण्यक्षकात्र्वितः हुवान भ तथ विद्याधित। इविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष अविष्यक्ष भरत्वाधित। इविष्यक्ष अविष्यक्ष अविषयक्ष अविष्यक्ष अविष्यक्ष अविष्यक्ष अविषयक्ष अविष्यक्ष अविषयक्ष अविषयक्य अविषयक्ष अ

প্রাণ্ডিশ্রের শালীর আর হটতে উংপর হয়, আর মেঘে হইতে জবা, মেঘ যাজা হটতে উংপত্তি লাভ করে এবং যাজা কশা হইতে সাম্ভুত হয় #১৪#



এবং প্রবৃত্তিই চক্রা নাসুবৃত্তিতীয় যা। অভালুবিন্সিরামে মোকে পার্ম দ জীব্তি॥১৬॥ ভারতকৌমুনী

রেছিনি কিন্দ্রেল্ড, জান বলা, বেনাং নাল কাল কাল কাল কালিছে, তালা হাজা, হজা হাল কালিছে, লালা কালিছে, লালা প্রকাশ কালিছে, লালা কালিছে প্রকাশ কালিছে কালিছে

ভরেডভাবদীপ:

সাজ্য। তুমি স্বগত হও যে, সেই কথা বেদ হউতে নিজার হয় এবং বেদ পারজা হউতে সাবিভূত হউয়াছিল। স্তএব স্কারালী এফা সর্বনাই যাজে প্রেটিড বহিয়াছেন ॥১৫॥

তেই শেষ্টিয় বিষয়ের বিশালে সেই কমা হা, বেল আবার প্রস্কুত নিশাসের তাম প্রবংশ পাইন ছিলা, বাহরণে সেই সংক্ষণ পর্যুদ্ধে লাভ করিবার প্রস্কৃতি নিশাস্থ ভাবে মঞ্জনাই উপায় (১৫)

শেষ্ট্ৰ! যে লোক এই ভাবে বিধাতাৰ প্ৰাৰ্থিত চক্ৰেয় সমুস্তৰ না কৰে, সেই ইন্দ্যস্থাভোগী লোকেৰ আৰু পাপময় এক জীবন বাৰ্থাঃ ১৯

ক্রাক্রিক্রি—প্রর্থ র বংগ্রেষ, বেল হর্তে লোকের কর্মপ্রুরি, কর্মপ্রুরি ক্রতি ম্লা, মল হর্তিক মেন, মেন হর্তের বৃধি বৃধি হর্তান ক্সা, ক্সা হর্তিত আল এবং আল ক্রতিত নত্বাস্থাতিরের জ্ঞানাস্থান্ত মানবঃ। আত্মজ্ঞের চ সন্তুক্তিকা কার্যাণ ন বিভাতে ॥১৭॥ নৈব তক্ত কুত্রেনার্থো নাকুত্তেনের ক্রচন। ন চাক্ত সর্বভূতের ক্রিচন্থ বাপা শ্রঃ॥১৮॥

ভারতকৌমূলী

न्य व्यक्तिनश्च विदेन्त क्ष क्रुवानिश्च ६ ६ द् द्राष्ट्रि, हुन्य, श्कादित ध्या हेनाचा , यन्त्र, य ध्रीन विदेवहरादन एक मात्र माद्रिक ६, न कु रागित्त विदेश हारा व्यक्ति के द्राप्टिन व्यक्ति व

ভারতভাবদীপ:

है कि 12 मा प्रश्नीचारण , यह काल्यका काल्यका काल्यका कार्य है है का कार्य है है है का कार्य है है है का कार्य है कि से कार्य कार्य है कि से कार्य कार्य कार्य है कि से कार्य कार्य

যে লোক আরাটেই প্রতি, আহাতেই ভূপ এবং আরাটেই সমুষ্ট আকেন, ভারার কর্বর কর্ম নাই ॥১৭॥

তে কি পার্ম্য — কম কালাত করিছে মনের বাল , বস্থা ছি তি বাতিত কইয়া যায়, তথন ত কুলান উৎপর হয় । তেওঁ ত বুজানাকট কামের কাল বালিশি ইইবে। সেই ত বুজানাকটি কামের কাল বালিশি ইইবে। সেই ত বুজানাকটি কামের কালে বিশ্ব ইবে। সেই তাবুজানাকটি কামেরিকি কামেরিকি

ভত্মাদসক্তঃ সত্ত কাৰ্যাণ কথা সমাচর। অসক্তো জাচরন্ কথা প্রমাজ্যোতি পুক্ষঃ॥১৯॥

ভারতকৌ সূদী

নেতি কুম্ম কর্ণ, জল জানিনে মানবল, ইং স্পতি কর্ম আই স্থানি-প্রায়েলন্ম, নৈবাজি নিশ্বুশহায়, অসম্পন্ন ক্ষাক্রালন্ত, ক্ষান্ত প্রভাবের নিবাজি, জানেনির ভ্রবালন্য ক্রিক্তি ছাল্ড স্থান্ত ক্রিক্তি, ব্যালিক ক্রিক্তি হাল্ড ক্রিক্তি, ব্যালিক ক্রিক্তি, প্রক্রিকাল্ড ক্রিক্তি, ব্যালিক ক্রিক ক্রিক্তি, ব্যালিক ক্

ভারতভাবদীণ:

্সই দানী কোত্ৰের কশ্বাবাও কোনে প্রয়েজন সিক্ষয়ন, আবাধ কশ্ না কবিবাজেও কোনে পাপা হয় না এব কোন বস্তুত্তেই ঠাচার কোন প্রয়োজন থাকে না ৪১৮৪

তি কি শিষ্ট্য — জানী কোকে জাইক বাং পাৰ্ডিক কান আ চনান এবা অঞ্জাৰাৰে জানা হাইবা বিষণ্ড বিলিছ নিজাম কৰ্মাণ্ডাৰ যে প্ৰতিনাশ্য জানা হাৰ্টাবেন, চাত ও চইতে পাৰে মা, অচবং কামৰ বা ভাহাৰ কোনা আলা জনাই কিছে চানা মানাৰ জানাতিতে পুৰা ও লাপা হাৰ্টাবেন কামনা কৰিবলৈও আননীয়া কোনা পাৰ্টাবান আনহাত্তি কৰা কৰিবলৈও আননীয়া কোনা পাৰ্টাবান আনহাত্তি কিছে গোলাকন বলিব উচ্চাই কোনা আনহাত্তি কামৰ বিলিছ আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তি আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তিক কামৰ বিশ্ব আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তিক কামৰ বিশ্ব আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তিক কামৰ বিশ্ব আনহাত্তিক কামৰ বিশ্ব আনহাত্তি কামৰ বিশ্ব আনহাত্তিক কামৰ

অতএব অঞ্ন। তুমি ফলের আসক্তি তাগে কবিয়া সর্বদা মিতা ও নৈমিত্রিক কাঠা করিতে থাক। কারণ, মানুহ ফলের প্রতি মাসজি তাগ করিয়া কাঠা করিলে, সে মৃক্তি লাভ করে ১১১ঃ

কমিণৈৰ হি সংসিদ্ধিমান্দিত। জনকাদনঃ। লোকসংগ্ৰহমেৰাপি সংপশ্চন্ ক্রুমইসি॥২০॥

ভারতকোম্বী

म निर्मा का राज्यको कि जिन्हे त्यु क्षिण स्टान ह क्ष्यक्ति पर् 'इत हि' होति सम्बद्धका स्थापन क्ष्यका एक हि 'ए' दिने नहता म इत हि वदा' होते कि प्राप्त हि प्राप्त के क्ष्यका स्थापन क्ष्यका स्थापन सहस्य स्थापन क्ष्यका स्थापन क्ष्यका स्थापन स्थापन है स्थापन है, क्ष्यका क्ष

ভারভভাবদীপ:

यमक क्यांकिक्षिण्या, अवका महान काराध्य प्रदेशक देवार केल क्यांकित कराइत, वि स्थार प्रमान् क्यांकित क्यां रहाकित है स्थार प्रदेशक कर र क्यांकित क्

क्ष्या विश्व किया क्षित्र के विश्व के विश्व के किया के त्या के विश्व के वि

প্রস্থা। স্থান ব্যাল ও অপপতিপ্রভৃতি করিবের। কথা করিবাই তর্জান লাভ করিবাছিকেন। তারি পর কথাবিমুধ লোকেরা কর্মে প্রবৃত কইবে এইরপ আলোচনা করিবাও সুমি কথা করিছে পার ॥> ০০

তে মব নেকৰ ভংগৰত না ধাৰিবেও ভোগাই দেখাগেছি কৰিছে নাকেব কৰে ছাই ছাইবে ইছা ভাবিবেও কৰিছে ছাইবে ইছা ভাবিবেও কৰে ছাইবে ইছা ভাবিবেও গোগাই দেখাগেছি কৰা বিহুত নাকেব কৰে ছাইবে ইছা ভাবিবেও গোগাই কৰা ছাইবে

যন্যদাচরতি কেইছ ভাষেত্র করে।

মাধ্য প্রাথা কুকারে ,লাকিউদসুবৈততি ॥২১॥

নামবা প্রাথা কিইবল ভিন্ত ,লাকেইদু কিজন।

নামবা প্রাথা বিবেশ করি তব চ কথা দি ॥২২॥

যদি হাইল ন ক্রেণ জারু করা, গারিজ্য ইং।

মাধ্য বিবাহ মনুষ্টাং পথিছিল ইং।

ভারতকোমুদী

ভরেডভাবদীপ:

ক্ষাৰ্থ হৈ অন্ধাৰণ নিজ্ঞান কৰিবল নিজ্যা কৰা নিজ্যা কৰিবলৈ কিছে কুকুতু কৰাল সংস্কৃতি কৰিবলৈ কৰা অংশ কৰ্ম আৰু ক্ষাৰ্থ কৰিবলৈ সংস্কৃতি নিজ্ঞান নিজ্ঞান কৰিবলৈ কৰা কৰিবলৈ কৰি

আচিত্ত কৰে এক প্ৰান লোক মেউ কৈ প্ৰাণ ক'ল্য। সংকার ক্রেন, ইভার লোক ভাতাতেই অফুব্রন করে ১১১॥

তেওিক প্রিটি ক্রিক ই ইবলের ইন্তি, সলল মধ্য তেওঁ দ কে। প্রান্ত নিকৃতি কোক উৎকৃতি হোৱাৰ হাত সদাং পাব, সমস্থাই উত্ত লোকের মহাক্রণ করে।১৯,০

সজন। তিৰুশনে আমাৰে কোন কথা ই কঠাৰ) নাই এবং আমি ধাহা পাই নাই, পাইব, একপ বস্তুও জগাৰে নাই, তথাপি আমি ক্ৰো প্ৰুতুই সুহিয়াছি ॥২২॥

তা কিশি হিটি — দ দি নিউনে ও পাশাং মুক্তির জন আমার বেল ন বৰ্থা কর্ম ক্রীডে শারে ন আমার বাদ দি পালাম, জালবাং আমি মারা পালিকে উচ্চা করি, আমার পাই নাই, ছোৱা পাইছে এই বাহিছি গাইবার চেট কহিছে গ্রাব, এমন আমার পাকে ক্রীডেই পারে না ভাব হে আমি নিউট নৈমিটিক করি, ভাবা কেবল লোক বিকাশ হয়।

উৎদীদেষ্বিমে লোকা ন কুৰ্যা! কলা চেদহম্। সফৰতা চ কৰা আমুপহতামিনাঃ প্ৰজাঃ ॥২৪॥ সভাঃ কৰা গাবিহাংদো যথা কুৰ্বিত ভাৰত :। কুৰ্যাদিহাংক্পাহদ ক্ৰিচকীয় লোকসংগ্ৰহন্ ॥২০॥

ভারতকৌ সৃধী

মাধ্ন, কৰা কেবং কৰি ন্যাত স্থাতি। তে পাৰ্ধ আৰু মুক্তি, আনন্ধা সন্ধ্ৰি হি, কৰাতি নিমাৰ্থনি প্ৰিক কৰ্মা, আৰু বু কৰ চিম, নাৰ্ক নাৰ্ভৰাজ্য , সৰ স্কাৰ সংক মহায়াৰ, মনাৰম্ভ কাৰ্য, অভ্ৰেষ্টাৰ অভ্ৰেষ্ট্ৰন, মন্দ্ৰ ভুনা কাৰ্য নাৰ্য্যতিভাগে চিমা

अवश्यिकश्या अन्यवाद क्षेत्रभावद्वि । अन्याद्वा यस अनुवा । व व विद्यास का क्षेत्रभी क्षेत्र क्षेत्रभवा कर्त्व क्ष्य कर्त्व वर्त्वम् । व व अवश्य व व व व व व व व क्षेत्रभी क्षेत्र क्षेत्रभवा कर्त्व क्ष्य कर्त्व वर्त्वम् । व व क्ष्य कर्त्व क्ष्य अनुवा । व व्यव क्ष्य व व व क्षिया क्ष्य क्ष्य क्ष्य कर्त्व क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य कर्त्व व व व क्ष्य क्ष्य

ভারতভারদীশ:

बरक्षा एटि मध्या मोम्ब विद्या एट्ड्रिय स्थावर्ड्ड व्या विद्या साम क्ष्री हिए। प्राणिति । प्राणिति

क्षत्र । व्याप्य यकि व्याणकानुक इत्या क्यान कर्या १४१६ न १३, ७१५ जनम् यासुवरे व्यापात भर्य क्लिएन ॥३८॥

ক্তাত প্রায় — অক্ষণ প্রায় হাত্তর মধ্য কে প্রমেশ্র বর্ণি মধ্য করে। এ মান্তর স্থায় হাতি হয় করি না করি, তার মধ্যের দুইবলৈ ও হারণে কর্ম করিবন হয় দ

ত'ৰ পৰ আমি হলি কৰা না কৰি, তাৰে এই লোকগুলি উণ্গয় কটয়া হাইৰে; আৰু আমি বৰ্ণসকৰেৰ কাৰণ কইব এব এই লোকগুলিকে কল্যিত কৰিব ৪২৪৪

তাত প্রা -পূরের বলিংছি যে, প্রাণ হ কুনই লাম কে প্রের্থ বালাং মনে কার, কুরোং ভারার আমাকে কার করিছে না কেছিছ, কার নাল কলার, এমন কি মালন আপ্ন লাভিগালও ভাল্ডে দিয়া অবাধে পরালী গানন করিবে, তারে কেবা ও প্রীণাম ছোল করিছা অবাধে পরাপ্রতার করিছা অবাধে পরাপ্রতার আমাক করিবে, ভালা করিবেই ব্যাহর ভালাত বিবে এই মাল হালা হালা আমাক বালাহে করিবা আমাক বালাহে করিবা মান্তি এই লোকভালিকে কল্পিত করিবাম ব্যাহ

ন বৃদ্ধিতেদং জনকেদজানাং কথা দিছিনান্।
জোষকেই সংকলা দি বিদান্যুক্তঃ সমাচরন্॥২৬॥
প্রকারতঃ কিন্মাধানি ৬টাঃ কথাদি স্কাত।
অঞ্জারবিশ্বাহা কভারমিতি ম্বাতে॥২৭॥

ভারতকৌমূরী

পুন, পুরুণ কর্ সংগ্রে লাগনিধি সভা ইপ্রি, ই দশর পার্ছির হা হা হান্ত বিহুল কর্মি শ্রের সময় সভা, কর্মের হা হা বিহুল হানি লাগনিক ক্ষেত্র কর্মি শুন্স বিশ্ব কর্মের প্রাক্তি স্থানিক নিজি হার নাম

নি ব্যান ন ক্ষাৰ্থণ বিশি ত কল প প্ৰান্ধৰ জাতু উপাল্ল , নি পুন ৰ পাল গ লাখ্য ৰ নামি প্ৰান্ধ জালী ল কাৰ্যা গলাধ্য নি হানামি বিককাৰ নি হৰ্ম মাজন নাম নিন্দু গলিভিত্য কৰা পুনু কাৰ্যা গোলাখুক হি ভি ধুনান প কৰা ল ভাছত আছিল জানা আছিল কুমান কৰা কৰা কৰা কুমান কুইকা হান গালী সন্ধান কৰা নি ক্ৰান্ধৰ নি নাম সাহাজ্য কিলা কৰা কৰা কৰা কুমান কৰা নি

ভারতভাবদীপ:

নৰ বা এক, বাংক হি পা প্ৰভুগৰ না কথাৰি কুলিসাতে সভা, ই এ। কৃথাৰি কথাৰ কুলাপুৰাৰ কৈ এই এই কান্তিৰ, চেক বিছিল জন্ম কথাৰ কুলোল কিছাপৰ কিলাকৰ না নামান নামান কৰা কিছু সন্সাধানি কথাৰি ব্যাধান্য সেৰ্থ্য কিয়াপৰ ক্ৰামান কুলোল না আৰু কি কুলোল কুলোল আভি—

সভাগে ভবতনালন। মাজ লোকের এমন কথাকলে আসকু স্ট্রা ক্রা করে, ভোনন জানীশাও কথাকলে আসকু না স্ট্রা লোকদিগাকে আপান আপান ধ্যা প্রত্ত করাইবার ইচ্ছ করিয় কথা ক্রিবেন ১০০৪

ক্ৰিক্সিক্স-মুন্ধে কৰা কৰা কৰে স্বৰ স্কৃত্যাৰ জানীৰ কৰা কৰিবেন লোকসিক্সৰ কল ১৯০০

জানী লোক, কমানেবত মঙানালিগের কৃতিত্ব স্কুল্ডাইবেন না ; প্রাস্থাত নিজেকথা করিকে পাকিয়া মনোধোগ সহকারে ভাহাদিগকে সমস্থ ক্রা করাইবেন চেল্ড

ভদ্বিভু মহাবাহো। ওণকন্দ্রভিগ্যো:। গুলা ওশেষু বর্তি ইতি মহা ন সভ্জতে ॥২৮॥

कारकरको मुनी

नश विष्वविष्युः नुसाना १२४ वर्षकद्वार प्रत्याद्वार कथा आधान हाताल (लाक्ष्याद्वा) खाद्वा हाति । स्वत्याद्वा हे स्वत्याद्वा स्वत्याद्वा । स्वत्याद्वा । स्वत्याद्वा हे स्वत्याद्वा स्वत्याद्वा । स्वत्याद्वा स्वत्या स्वत्य स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्व

ভারতভাবদীপ:

ইন্দ্রেগুলিই সমস্ কাথ্য করে, ওথাপি অংকার্বিমৃথ লোক মনে করে যে, আংমি করি ॥২৭॥

ক্রাকেশ্রার করা লগ প্রথম করে ব্যাহস্কু কণ দশন করে, এই নাবে ইণ্ডিম ছবিই বাস্তবিক্ষকে সকল কালে কাক, কিছু সেই ইন্দ্রিগুলির উল্কে 'মান্ম জান কার্যা মঞ্চ লোকেরা মনে করে যে, 'মামি স্থানি, আমি নেলি ইত্যালি , এটা 'আমি' আনেল সুল বংগা



প্রকৃত্তিও পদামুদাং সক্তন্তে ভগক্ষান্ত। তানকৃৎস্কৃতিশে মক্ষান্ কৃৎস্কৃতির বিচালয়েৎ ॥২৯॥

स्वादाहरू पूरी

নাৰ্থিকিক সময় বিজ্ঞান প্ৰত্যুক্ত প্ৰস্কৃত সংগ্ৰহ প্ৰস্কৃত কৰিছে। প্ৰত্যুক্ত সংক্ষাৰ ক্ষাৰ্থক কৰে নাম্য ক্ষাৰ্থক সংক্ষাৰ সিমু ভাৰতভাবদীপঃ

हेरिया प्रतिम स तम् दम स ५ म १ म १ । । स १ प्रतिम १ श्वास्थानामा । हैते - १९ के इंड नेका संस्थापिक कि एक जिल्ला कि एवं ने एवं ने के एवं ने कि है ने सह मिक्ट स मार्थ न दि नारे व अवस्ता हुत नारिष्ट् इत महत्व श्रामश्विति हि BYP - & wiles - + als con a clan a wind, a few a greet lateral mines ে ১৯৪ সংস্পৃত্য বৈদু বিভাগ পুরান বাস লাপ্তা এক প্রাত্ত কি নাম প্রাতি নি মিটি মর্মান্ত कट्मिटिक स्थाप अस्त कम्बिक्टा कम कम्बाद्य स्थाप । व्याप किमा भट्या व्यवस्तिक दृष्टा प्र नद्रत् । अवस्ति कादक क्षेत्रता क्षेत्र मिन् प्रविष्ट "व्यवसा भृति वृद्धिक प्रमुख्या निवाद । स्थान स्थान स्थान प्रदेश स्थान स्थान स्थान न्त्र कर्ष्य र प इक् कि. वा क्य किका दिस्त्र देखा करावा है। अवस्थित काले लाहारितर पर इ. . प्रांत्रम वसदमाकार पि मान प्रांतरर यामावार दिवरम छेपा. बरक अधीत, "उम्रक्तितवर्तकर्ती व इत्यानवा छ । त्रार शावादण भावत्ति बददम सङ्ग्रिक्ति भागात । प्राचित्रक होत्राह के नद प्राचन हुवाद , भई हेब प्राचन प्राच अकालाहन क्षामार ने देशका कार्य करते हैं के के कर्म करते हैं के कि मार्थ के विकास करते हैं कि कार्य करते हैं कि হত হাত বিল সংক্ষাত দ দিল লাখিষ্ কুলামেল কৃত্যিত ভাষতনাম্ম আনা কেলাল পুথা ভূমিক कालम् छत् वीष्ठण्डामाद भागप् हा कमानित स्टाणास द्राष्ट्रीत सदा स अव्यादक कर्यान् इक्षित्रका इकाल प्रदेन देवस से न किक कार्यात्र न साक स्वर्धी हार्या । स्वर्थ सक्

কিন্তু মহাবার অজ্না মিনি যথার্থকপে জানেন যে, ইন্থিয় ও ইন্থিয়-কর্মগুলির সহিত আমার পার্থকা আছে, তিনি মনে করেন—'ইন্থিয়গুলি বিষয়ে প্রত্ত হট্যা পাঙ্কে' স্ত্রা ডিনি আর ক্রাফ্রেল আস্কু হন না ৪১৮৪

তেকৈ প্রিয় জনী লোক ইং বিশেষ্ট বে বেণ্ডেন যে, 'ম মি ইন্তিয় নতি এবং ইন্তিয়ের কম্পুলিক আনার কম্মনার ক্রানার, কিন্তু কণপ্রসূতি ইন্তিয় কমপ্রসূতি বিশ্বে প্রায় ইন্তিয় প্রের্থিয়ে আনার বিশেষ কোন সম্মন্ত নাই , ভারবং মি মার পরের ক্রাম্প্রে আন্তর্ভা ক্রাইব কেনা একের ক্রিয়া জানী লোক কর্মনার মান্ত্রন না বেলা

ময়ি সর্বাণি ককাণি সন্তেল্যায়চে তদা। নিরাশীনিকামো ভূষা যুধাক বিগ্তহর: ॥৩০॥ ভারতকৌম্দী

কায় হারেপেন সাব, সম্ব, সাহনি সম্পান্ত অঞ্চলিন, ওন না প্রোয়ানীনার সাধনকি চালা বাল নালক ক্রেদিহ লা কছক প্রথ নিষু বচনানিষ্ট, সজ্জে অরণ স্থামি অরা কামি উড়, সক্ষোপ্তি উজ্জে তথালি ক্রছবিং প্রথজানের সকল, অর্থস্বিল গটপ্ট দিমার্জানের মদব্জান, সাম, মকান মুলার, সাবিচ লয়েং ক্রহেচিলি বাজিশ্যেং, জানক্রোণ্ন্য তার প্রশাস্থ হাত্র

प्यश्वानिन। यदः को नामन कार्यन कर्ष कहाराविकात प्रांतिक "प्रात्तिकार प्रदेश्" "वर्ष्यर्विका भ्रम्य है अपिका कु, क्रिक्ट प्रश्व य प्रतिकार प्रश्विकार स्वाद्य प्रतिकार प्रश्विकार प्रश्विकार स्वाद्य प्रतिकार प्रत

ভারতভারদীপ:

সক্ষো কথাণি বিশ্ব সক্ষণত্বালপুক্ষতান বৃদ্ধিতা অন্যান্ত নামি বৃদ্ধিক স্থানি স্থানি বিশ্ব সক্ষণত্বালপুক্ষতান বৃদ্ধিতা আন্তান সাম্বান্ত কাৰ্যিক আন্তান সাম্বান্ত কাৰ্যিক আন্তান সাম্বান্ত কাৰ্যালয় আন্তান আন আন্তান আন্তান আন্তান আন্তান আন্তান আন্তান আন্তান

অহথাৰবিষ্ট লোকেরা ইন্দিয়ের কার্যো আদক হটরা পছে, তথাপি জানী লোক দেই অসকজে ষ্ট লোকদিগকে কার্ছাড করিবেন না ॥২২॥

काद भारत मान्य कराव दे प्रतान है दे हैं। व्यवस्था विभिन्न विभाग कराव है कि विभाग कराव है क



ষে ,ম মত্যিক নিতামকুকিত জি মানবাঃ। শ্ৰেক্তিকিন্দ্ৰভো মুচাজে তেগুপি কথাতি ॥২১॥ বে (ইউদভাস্থকে) নাকুভিত জি মে মতম্। সংক্ৰাম্বিম্লাণ্ডান্ বিদ্ধি নাকান্তে তসং॥২২॥

छाइड्रको भूमो

ভারতভাবদীশ:

ত্তিক। এন জনাতে মনেনিবেশ করিয়া এব আমাতে সমস্ত কথা সন্তর্গ করিয়া নিজ্যা, মন্ত্রপুত্ত ও শোক্ষ্মগ্রেরিকান ইউয়া যুদ্ধ কর্মাতন।

যে সকল মানুষ সামার পাকে। বিখাস করিয়া এবা ভারার উপরে কোম দে য মাবিষ্যর না করিয়া সামার অভিমন্ত এই কথা করে, ভারারাও কথাব্যান ছব্ডে মৃক্ হয় ।১১৪

ক্রোক্রেশ্রা — "জ নাগাস্থ্যকাণ্যন্ত হল্প ন মান্ত দুলা। তাত্ত ও হা জারিকেই প্রার্থ কর্ম নহার হার হার কর্ম নহার হার বিশ্ব কর্মানীর আবের কর্মনিকার কর্মনার মতের ইপতে সমাধিকার করিব। কর্মনার মতের ইপতে সমাধিকার করিব। কর্মনার মতের ইপতে সমাধিকার করিব। করিব।

সদৃশং চেন্টতে সম্ভাঃ প্রকৃতের্জানবানপি। প্রকৃতিং যান্তি ভূতানি নিংকঃ কিং ক্রিয়াতি॥৩৩॥ ইন্দ্রিংক্তেন্দ্রিকার্ডের রাগ্রেকে বাবন্ধিতে।। উযোগ বশমাগ্রেক্তি হাল্ড পরিপ্তিনে।॥৩৪॥

धारणको पूरी

নাধ শাহর সংক্রমের পুরুষ্ণের্থ ব তার ক্রমের নিজনাছ সাত স্কর্নাতি আমার নিশ্ ক ক্রমের ওবান ক্রিক্তন গল আনাত্রিল, ক্রা ক্রমের ক্রমের তি এবর সূত্রিনি ক্রম্নিক্রমালক্ষেত্র স্ক্রমের উক্তরণ ক্রারেম, ক্রিক্তের ক্রমের ক্রেক্তি এবর সূত্রিনি স্ক্রমের আনি, অক্রিমি উক্তরণ ক্রারেম, ক্রিক্তির তার ক্রমের নিজ্য লগাল প্রস্থানেক্রম নিক্রের, তাল ভ্রমের বিশ ক্রমের বা ক্রিক্তি, ক্রিক্তির নিজ্য কর্মির আহং প্রস্থানির প্রস্তুর্বিক্রিক্র বর মাহিত্ত নিজি নার ১০

ভারভভাবদীপ:

ন হি— সদশ্যিতি। আল প্রকার, করি কার্যান চন এই দৰ্গ হার কার্যান্ত্রণ জ্বানালি ওচইতে কিয় মুখ্য প্রকারত নিয়েল, কিং কার্যানি প্রকারত মহারাজ্য বা নিয়েল, কিং কার্যানি নিয়েলি অনুনামি কার্যানি আর্যানি আর্যানি আর্যানি কার্যানি এবং প্রকারত প্রকারত বিশ্বানালি কার্যানি ক

সংস্থা সারে যাহার। লেষে সাধিকার করিয়া সামার সভিত্ত এই ক্ষের সমূজনি ক্ষেন্, ভাহাদিগকে সমস্ত জান পূজ, শিকেই বিচীন ও বিনই ব্যাস্থা সুমি স্বাধ্য হও ৪৩২৪

ভিশ্ব প্রি)}— মত নের ব্যক্তান হয় নাই বা চটকর সমূহত নাই, স্তাহত হিছি মাবার কথা ওন করে, হবে সংগ্রহণ ব মধ্যত কোটাই হয়ন নাই।

জ্ঞানী লোকও আপেন স্বভাবের অভুক্রপ কাষ্যা করেন স্কুল্ডরা সকল শোগীই আপেন অপেন স্বভাবের অনুসর্গ করে স্বভ্রব শাস্ত্র ইপ-লেশের বাধা গোহাদের কি করিবে «৭০»

্রাক্ত স্থায় — প্রজের ব্যাসকর হ'ব, কর এইই ডিল, তদ্ধান বিচার রাজি লার রাজি লাগের এক এক প্রকার অভাব হয়। তদ্ধী দেই আনাবের অভ্যান করিছে পারে অভ্যান বিধার নির্দেশ বিধার নির্দিশ বিধার নির্দেশ বিধার নির্দেশ বিধার নির্দিশ বিধার নির্দেশ বিধার নির্দিশ বিধার নির্দিশ বিধার নির্দেশ বিধার নির্দিশ বিধার নি

্রালান্ করাম বিভাগ পরবর্গার ক্যুপ্তি রার। অনক্রে নিধনত কোনঃ পার্নামে। ভয়াবকঃ ॥৩৫

जाब्रहरको भूगो

न्द्रशास्त्र क्ष्मा स्थान स्थान क्ष्मा का विश्व का का विश्व का का क्ष्मा क्षमा क्ष्मा क्ष्मा

ভারতভাবদীপ:

प्रस् १६ व भावता च १८० छ १ तम भावता दिस्त विस्त विसे प्रदेश द्वा देव स्था विद्य विसे प्रदेश दिस्त दिस

লাম ক ই জামৰ বিষয়েই রাগ ও ছেম বহিয়াছে আতএৰ বৃদ্ধিনান্ লোক সেই ভুটটাৰ বলীভূত হইবেন না কাৰণ, সেই ভুইটাই মায়ুখেব শাক্ত ৪০৪৪

স্থাক্ত সংগ্রাকৃতি কালে বিষয় লগা এব হাকা বিষয় সালা, এইকাপ এক একটা ইন্তিয়ের কাল একটা বিষয় কালে বিশ্ব কালে, নাই বিশ্ব কালে বাংকা বাংকা কালে বাংকা কালে

মাপন ধর্মে হার না পাকিলেও এব প্রথম স্কর্সেস্পদ্ধ করিয়া অনুদ্ধি করিলেও, সে প্রথম হাইডে সে আগম ধর্ম ,আছে। অভ্তরে আগন ধ্রেম মৃত্যুও ভাল, কিন্তু প্রধ্যে স্পদ্ধ ভ্রাব্ছ ॥:৫॥

वर्ष्ट्रव छेवाह ।

মণ কেন প্রযুক্তভাহয় পাপ চরতি পুক্ষঃ। মনিজ্মপি বাকেয়ি। বলাদিব নিয়োজিতঃ ॥২৬॥

छ!उठहकोश्रमी

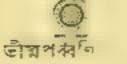
শ্রমণকাম, বিশহত তি সংক্ষিণত্ন নত ভূতং পুন ন ত গাল সামান্ত পি, ক্রক ক্ষীণ ব্যক্তিয়ালয়, শ্রোন্ প্রেষ্ট, পাত্তিশিত প্রত্তন্ত প্রক্ষণ ও শাল্ভিয়িছ লগ ন্বক্রেশানক হাল ৬ ৬ ৫ জনত ও ক্রেছে নিজন ন্ত্রণন লা প্রক্ষিত ক্রি

সন্দিহন পুৰুৱাজন উৰ্চেছ আৰ্তি তিব কাল্ল গ্ৰহণ জাত কৰা । গ্ৰাথ আৰু পুৰুৱাজন জালাৰ ক্ৰানিক কৰিছে আৰু কৰা কৰা লগত কৰিছে ইয়া বয়াজন জালাৰ আৰু কৰা আৰু কৰা জালাৰ আৰু কৰা আৰু কৰা

ভারতভারদীপ:

আজুন বলিলেন 'কুকা। মাধ্য পাপ কবিতে ইকান কবিলেও ডাডাকে মোন ৰালপ্ৰকে ডাডাডেড প্ৰেড কৰে, ফুডৱা কাছাক্ত্ৰ নিযুক্ত চইয়া মাতৃষ পাপ কৰে' ? ১০৬%

্রেশ্রেশ্রাট্র লগুলের করা অন্ধা বিশিল্প পুরুষণাপ করিছে চাল্প , জহাণি তেই ব্যাস ধ্যাস ধ্যাস হালেকে পাপ করাছে। তেওঁ কোস তেখা



জীভগৰামুবাচ ৷

ক'ম এশ ক্রোধ এশ বজোপ্রশম্ম দুবং। মহাশনে মহাপাপা; বিদ্যোশমিক বৈরিণম্॥ ৩৭॥

खात छटको मृती

ভারতভারদীপ:

কুণা বলিলেন—'এই কাম এব এই কোনা বজাতেও হাইছে উংপার হয়; ইহাদের বাজ অভিপ্রার ব ইহারা মহাপাপ্ত কথাইয়া থাকে। সূত্রাং তুমি উ তুইডাকেই এই পাপ্পাবতক শাক বলিয় অবগ্ত হও ॥৩৭॥

ভাইতে পার্যার—ন কলকে হল গাছ নেও । কিছু, রুই মেন্ন ভার র উদর পুর রুষ ন ভারন ক মকেন হল কামা বস্তু নগত হাছ, কিছু রুই হাতা পর রুৱ না, । প্রস্তরাধ কাম একটা, নাক্ষা, এক ধন কেইডল , এই কাম ক্লোপট মানুনাক পালে প্রবৃত্তি করে । ২১৪ ধূমেনাজিবতে ৰহিন্ধানশো মলেন छ। যথোবেনারতো গর্ভথা তেনেদমারভম্॥৩৮॥ মারত ভ্যানমেতেন জানিনো নিভাবৈরিণা। কামকপেণ কোঁতেয়ে । তুম্পূরেণান্তেন চ॥০১॥

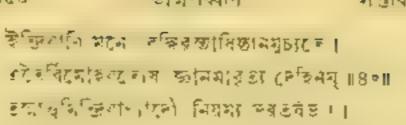
कात्रजरको पृत्री

ভারতভাবদীপ:

ধ্য যেমন অভিকে, মল কেমন দপণকৈ এবং জরায়ু যেমন গ্রহক আক্রণ করে: সেইকল কাম জানকে আব্যং ক্ষেমালন

হ**ে । এপার্যা** ধুম বাচন সন্ধি দাসণ প্রশাস কার কার, মল ব্যন নপ্রে প্রিরিধ প্রিমে দেয়ন বাং করামু নেম্ন নাইন কার্য বাংশিয় আইকে নিক্ত করে, কামান সেইকশ ভানিকে ভার্নিশ্য করিছে দেবানা ওক্ত

আজুনিঃ হাহাকে পূর্ণ করা ছহর এব পূর্ণ করিতে না পারিলে অগ্নির



পাণ্যান॰ প্রজড়ি জোন॰ কানবিজনেনাশান্য ॥৪১॥

ভারতকৌমুদী

नद्भितः त् तः प्रभावस्थितः । १६ स्टब्स्याः प्रभावस्थाः वस्तुः अस्माक्षेत्रः । तम् दशः द्रास्ताः, सिन्न नर्द्रः, क्रास्यः स्टब्स्युटः हिन्हः

ভারতভারদীপ:

তেপ্ৰশোধা— শাংলিকে হয়ন হাওন বাহিম হাও, দেশকল কাম্যাবস্থালিল কাম্ মাহিমটা শাংক লাম কাম্যাবস্থালি হা কিছুগদাই কামের প্ৰশাহত না, আর্জ্ঞানী মে জননের বাংলিকা হা কাম নিয়ে চাক্য প্রতিকেন, কাম ভিত্তাবট দেই আন্তান প্রতিক্ হাজ করে। সাজ্ঞাব কাম জানীর ভিত্তাক (০০)ঃ

ইন্দিদ, মন ও বৃদ্ধি এই কর্টাকে কামের অধিষ্ঠান বলা হয়। সুত্রা। কাম এইপ্রলিঘার জানকে আগতে কবিয়া দীবনাগ্রকেই মোহিত করে ॥৪০॥

তি কিন্তু — বভিচুতি ইপিংব বা — শ্র পশ্রপ্তাচুতি প্রণ বরা, মনের কারা—সহস্কী হবা বুজির বাও, জনার্ম বা, এই শ্রম—শর্পী প্রচিত্র বাও, কার্ম উক্তেই কিন্তু চুতির উপতে অবস্থান বাংশ জানকে নিক্স বাহিল জাব্যাই ক্রিয়াই ক্রিয়াই বিশ্বাহ্যাই বিশ্বাহ্যাই লাভিড ক্রিয়া বিশ্বাহ্যাই লাভিড

ইন্দ্রিবাধি পরাণ্যাতদ্বিন্দ্রিয়ে লাঃ পরং মনঃ। মনসস্থ পরা কৃত্রিয়ো বৃদ্ধেঃ পরতন্ত্র সং॥৪১

ভারতকৌসুদী

বুদ্ধি বিজ্ঞানৰ শাস্ত দিবকি, চ্যান্ত্ৰ, নাৰ্মান্ত্ৰ, কাম নান নাৰ্মাণ্ডনক্ষ, এনা কামষ্টি নিশ্চিত্ৰ, প্ৰচতি প্ৰায়ণ কৰি, মুশ্চিতৰে নাক্ৰনি বাহাৰ ভয়ৰ

ন্ধিভিয়া থিনিয়ানে কালাধিষ্ঠান্ত নানে শক্ষা নামন ভবং করা সিহিব্রিটার ইকিছালিছি ইকিছা পি, পরা নোলাই কই নি অধ্যাহকত হ, হাবে বানি মুন্তা, মন ইকিছেটা, প্রমূপতাইম্ প্রিচ লক চাহা, বহিল মনাসভিপি পরা, মা হ্নিচপ কাল্যাং, চল্লা ব্যাহাণিক পরাত উল্লোধ ক্ষাত্র, সালধ্যাক ক্ষাত্র ইকিছালি পরাত উল্লোধ ক্ষাত্র, সালধ্যাত্র হলেন্দ্র ক্ষাত্র ইকিছালিয়ান্ত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র

ভারতভারদীপ:

वीकानव्यय व धन्तर ६ वह, काल्या नम इराया एक्टालि कहा का न वक्षा नन वन्निहा सामक প স্থাচ ব্যোগ্রেশসভা পারাক্ষ বিভানত বিভিন্ন কিন্তাসনগরিপ সক্তর্গত্র করা ১ রাশরত্ব मम्बद्धा सार्विकार वार्ष्य क्रिकामा प्रदेशक क्षा मार्थिक विश्व प्रदेश हुए मार्थिक क्षा का प्रदेश का मार्थिक स्पृद्धार्क्षकार्यः जिल्लाकं वर्षकार्यः भाषास्थानातं नः स्वत्याकारम् वर्णनः वर्णनः प्रदेशायकाः -ক্ষোৰা সেপ্ত সপ্ততিন এই ভিড়া ছি। আই প্রহণ ক্ষাহ্ন ক্রণ্ড্ন বা বেলাম্। द्रीलियापि उक्तरिक्षेत्र भवति प्रविष्टवृद्धाः भृदिक्षिक भ्राप्त व्यक्त सक्षाविद्धः नियमुद्र चन्द्रित काण्ड (क्यां व व कावन द्वार । क्यां के इकोता न क्यां, क्या कर्मा के व्यवस्था के स्थापन ्रेस्ता अद्युद्धा दल्यक है कि द कानश्रोह कुलकाहरू । अपना मा रूप के पान, प्रतासम्बद्धाराह्याः (सब्द के लहापु (नर्वस का देव के कृण्यको एक हे लाग्य हे अ खेका । हे लिए। कार भवास्य स्वयं एक व भ्रमानि स्वयं भूष रोति । के कि कि कि वास के के देश । उनसे ব্ধার্থটা ইঞ্জিবলাকরা সন্ধি পহিল পরীয়ন ছি পলি মু ্তর প্রত্যাহ বি भागित्व श्रीदेशकम् अन्ति। इस्ति भागि भागित्व । विकास अन्य श्रीति मानि के उपने का श्रीति বিজ্ঞানম্ব" ইবি জারে: মন্দ অধিবাদনা ভাষাবংগে লাখা বাহ্যানিদ্য । সম্বীৰুজেলা। रेमनायन व । ८६९ नुस्का सदस्य मा रख दुन्दम कालना ८ के र रुप्तानिक कालवा देवलकनार अवस्ति ए एरवर्गल स्वकः अ का समार, मिन्स स्थास केवल यक्षेत्र व्यादक ইতি ধাংবহিণ্ডন স্থল ভং চ জাত, "হ ভেল্ছন্দ" আ এওদ অভেলান ল ছনি। জানিম।মুন্থিচনি উদ্শক্ষে ভূজাহ্নি। ইতি এক্তক ৬০তি বল দিবতে শহরণেশার मूरलका मध्नामादद्वनाविकामेत । यदमार्थन दिवद्विक्यार्थक्ष्य क्षाम स्थाद वि न सार वृ को

আত্তর ভরতভার। তুমি প্রেম ইন্দিয়গুলিকে দ্বন করিয়া জানবিজ্ঞান-নাশক এই পাপায়া কামকে বিনাশ কর ১৭১৮

ক্তিপ্রি — প্রের বল বর্গ এই করিছে, মন ও বুলি এই কর্গ ই করের অধিষ্ঠান। করের কান বীর মেমন ভূপ এই কবিছা তক্ষণ শালাক বা করেন, সেইকপ ভূমিও ইডিএল অ,প্রায় নিক্ত কবিছা কামকে বিনাপ কবা হেল। ত্বণ বৃদ্ধে প্ৰণাবক সংক্ৰাছি নিমায়ন।
কহি শালাৰ মহাবাহো। ক্ষেত্ৰপণ তুৰ্দিন্যু ॥৪০॥
ইতি ন মহাভাব্য শালুমাহালণে সংক্ৰাণ্ড হৈনাদিক, বিভাগ্ৰাণ ভগ্ৰদ্থাতাপ্ৰতি সভূবি শোহিদ্যামঃ ॥০॥ বীভাগ্ৰান্ত ভূতিয়োহ্ধায়ঃ ॥০॥

छात्रचरको भूगो

ইংবানাং নার পাল ও পিরতিন সংগ্রে প্রাশাহর । বিঠারিক চা হার ভারতীকানিং সংগ্রে বুলাসন্ত ত নাজ্যকানি হলসে তিবান সংগ্রের্ক হৈ । ১৮৪

উহাতার ভূতীরোহধান্য ।-। ভারতভারদীপঃ

ন্ধ না বিদ্যালয় কৰা কৰা হাৰ সংগ্ৰাহণ কৰা বাহ কা হাৰ কা

ক্লিম ভাত্ৰকালি (নেলক্ষ্ণিয়ে ভাক্ত-ধ্বলায়াক সম্পূৰ্বি কোতিন য় ॥২৭॥ ই ২ নিলক্ষণিয়া কৃতিখন কৃত্ৰি ভাল ফুল কঃ

দের অপেকা ইন্দিয় শ্রেদ, ইন্দিয় অপেক মন শ্রেদ, মন অপেকা বৃদ্ধি শ্রেষ্ঠ এক বিনি বৃদ্ধি অপেকার শ্রেষ, তিনিই প্রমায় ৪৯২৪

ক্রেক্সেন্সীয়— দেই পরমায়লক লাভ কবিলে হটাল, বাংনর মণিদান বলিয় ইভিয়-সম্নেত ক্লার মন এবং দুখিওও ধন্ন করিছে উইবে ১৬৭।

0

চতুর্থো২ধ্যারঃ।

ই।ভগৰাসুৰাচ।

ইমা বিৰপতে নোগা প্রোক্তবান্ত্যব্যস্থ। বিৰপান্ সন্ধে প্রাত্ত মন্ত্রিক্রাক্তব্যস্থাৎ ॥১॥

ভারতকৌ মূলী

भाग स्वावस्थ र राज्य मा प्रश्न का ना का राज्य मा मा प्रश्न हिन्द्र हर जार दिवस्त्र म् स्वावस्थ के हैं। है सिद्धि है हिन्द्र जा कि कुल्य के स्वावस्थ के हैं। है सिद्धि है हिन्द्र है कि कुल्य के स्वावस्थ के सिद्धि है से कि जा का कि कि मा कि सिद्धि है से कि सिद्ध है से कि

ভারতভাবদীপঃ

মহাবাহ অজ্ন ৷ এই ভাবে প্রমাহাতে ব'ক আপক, কেই জানিয়া বুজিমারা মনকে নিক্ত কবিয়া কাম্যকপ হত্য লতকে সভাব কব' ৮২০৮

ভাতি প্রায় নম্প্রত বৃদ্ধি মহাবার প্রকাশ কুনি বহু চুক্ত শান্ত সভার করিয়াছ, এখন এই কাম্ম্কেশ মুক্তি শাল্ড সভার করা সভারত নাম বাংশ সাম মাশেন সৈল্ডার প্রায় সম প্রিকে স্থান্ত করিয়া নেই প্রাত্ত করে কুন্তি তেইনে বাংল বিশ্ব ব

্রবং প্রক্ষরাধ্য প্রমিষ্ট বংজন্য বিদ্যা।

সাকালেন্দ্র মহতা নোলো নাইং প্রস্তুপ ! ॥২॥

সাক্রাণ্ড মান্ত্র বোলা (থাজি, পুলারনা।

ভাজেকিসি যোদ্ধা (চিতি রহজা (ফাল্ড রম্॥৩)

ভারতকৌ মূদী

ভারতভাবদীপ:

सार भारत्वत धार्थिय क स्वीत्र वार्षिक इस्ता उपल्डा स्वात्र स्वत्र है कि स्वत्र क्ष्म कि

কুল বলিলেন— 'আমি প্রথমে এই নিশ্চিত ফলজনক জনম্যাগা ও কথা-যোগ স্যোর নিকট বলিয়াছিলাম, স্থা উচ্চার পুত্র বৈবস্থময়ুব নিকট বলিয়াছিলেন, বৈবস্থমন্ত্রাথার উচ্চার পুত্র ইক্ষুর নিকট কহিয়া-ছিলেন ৩১॥

তেশ্বেশ্বার কথা, বৈধক্ষনত ও ইফুক ইং ব প্রাণ কট আদাধারণ নোক ছিলেন। অ্নতা ইংগা চন এই গাণ গাণ করেছিলেন তান ইছা যে অভিনয় উৎকুট, সে বিষয়ে কোনে সম্পেত্নাই ৪১৪

এইরপ প্রশ্বাক্ষে আগত এই সোগকে নিমিপভূতি রাজ্যিবাও জানিয়াছিলেন। কিন্তু শক্তাপন অভ্ন: দীক্ষাল অভীত ইওয়ায় সেই যোগ বর্তন্য সময়ে লোপ পাইয়াছিল দল

তাৰ পাৰ্য্য সকলে। তুনি শঞ্জিগতে সম্পূত্ৰিয়ে পাৰণ অভানৰ চুনি কাম মুক্তৰ প্ৰাৰ্থ সমূহে কবিয়া এই শোল্য আভকাতী তাইছে পাৰ্থিৰ ব্যাহ্য আৰু ক্ষিত্ৰ

धार्च्न छेवां ।

অপর ভবতো জন্ম পর জন্ম বিবস্ধ হ:। কথনে হলিজানীয়া হ্লাদে) প্রোজনানিতি ৪৪৪ জিভগরাসুবাচ।

বছনি মে বাতী হানি জ্ঞানি তব চাজন। হাল্ডেং বেদ স্বাধি ন ২০ বেশ প্রত্রপ। ॥০॥

ভারতকোম্দী

भिग्ना भर रहते । इस्तर क्रमान क्रमान

ভারতভারদীপ:

পোশায় হা প্ৰশিষ্টি ইয়েছি । অহাত হাতৃত বহু গান বা এ বাংনে টা স্ব প্ৰতিটি । এই কাৰ্যালিটি । এই কাৰ্যালিটি । এই কাৰ্যালিটা হয় কাৰ্যালিটা কাৰ্যালিটা । এই কাৰ্যালিটা কাৰ্যালিটা বিশ্বালিটা বিশ্বালিটা বিশ্বালিটা হয় হয় কি প্ৰতিটালিটা বিশ্বালিটা বিশ্বালিট

অক্ন। চুমি সামার ভক্ত এব স্থা বলিয়া তোমার নিকটেই আরু আমি সেই পুরাতন যোগের কথা বলিলাম, কিন্তু অক্সের নিকটে নতে। কারণ, এই উত্তম যোগ গোপনীয় গুলা

তেওক্তিকাট্য — স্পট্ট লোক সেখন উত্যাস নগালিকা তথা বিক্লা কৰে, কেইক্ল আন্তিকাট্য কাক এই যোগ পাই। বিক্ত কণিতে পাৰে, এই ভাৱাই ইয়া বালনীয়ে এই

অসংন বলিলেন—'কৃষণ। তোমার জন্ম আভিপরে এবং স্থারে জন্ম নামতি-পুরেল। অভ্যান সুমি যে মন্ত আভ্তিবিভ জন্মের পুষের স্থোর নিকট এই যোগের কথা বলিয়াছিলে, ভাহা কি করিয় বুকিব গাঁচনা

ক্রোক্রা — বক্ত ও প্রাণ তুই জনই এক সম্বে এইছানে থাকিবে বাহাদের ধলা ও কেনা হটাত পারে - কিছা গোর ও ফাল্য সম্বান্ধন আহাক স্থিক, কেনা না, ক্যা এও চইতে চতুর একা মতা শক্ষা, ফাল্লবে এই সহাস্থের প্রাণ সম্বা, খোল ফুলি ব্লুকেবির ওক্তে ছালা,বর কোল স্থানিত। জ্বিছিছ। ভারবা মহাব জ্যার প্রাণ হুয়ি ভিক্তিন হাজিল। ক্ষার নিক ট ভোমার এই সোধার কথা হল কিরোপ সম্বাপর ইয়া গুলার

অভেহিপি সহক শাস্ত ভূতানামী হরেছিপি সন্। প্রতিত বাসবিদ্যায় সমূহ মাজিনাসগা ॥৬॥ ভারতকৌষ্দী

নিংশার নিশি কৌ বুল নাংগলনার বুলন্ত ও বছনা না তে আগ্রান্থ করে করা নি নীলোগরের নার নার ১ বছনা করা না বা বছর করা না বছর করা নি বছর নি বছর নার করা নি বছর নি ব

ভারতভারদীপ:

स्वाकारः उत्तर र — वर्ष्ण विष्य क्ष्य क्ष्य है । जिल्ला क्ष्य क्

কুণা বিশালেন 'অপ্ন। আমার ও ডোমার বত জন্ম অভীত হইয়াছে; আসি সেস্মত্ট ভানি, কিন্তুপ্রমূপ। তুমি ভান না হয়ে

ভাতি প্ৰায় — মান সাম সাম সংগ্ৰহণ বলিও নিসা, আৰও ংগ্যার ভাগার প্রিয়া, মাম ীল কৰিও নাভ্যাবহণ বহণ বলিও শ্বাহণ কৰিও কালে অভ্যায় কৰিও নালেও কালেও প্রায়ার কালেও কালেও কালেও সাধে বলার দেই গ্রাহণ করিও তালেও আলে আলে আলেও আলেও বলিও আলেও সমায় ভারেও বিষয়েই আলে করিও আলেও আলেও আলেও আলেও আলেও আলেও আলেও তালেও তালেও তালেও তালেও আলেও আলেও আলেও আলেও তালেও তালেও তালেও তালেও তালেও আলেও আলেও আলেও তালেও তালে

ভারতভারদীপ:

हरी किया इंटेक्टर नी पद इ श्रमकार। च कार्यिका कृतिका क्या प्रदेशक विद्यालय खासि विभिक्षे (मारा अञ्चयावानिष्ठ वक्ष भनाव खन्दंबक्षा कद्यंबक्षा हि भवाक्षा देवनवा পাঠলরারপ্রালিঃ। ন চ 'প্রথম, র 'ব নারাচালাভকাম্যত আন্তালিত ও কর্মানি ভ্রানি चहरमरतमः नदेः छ।यिष्टि म ८४० भूकत्यसः चकृत् यु यक्कत्यम् हे हा वित्र) महभूद्र নার্য্বনাথ্যক্ত প্রনাল্পর, সংলেশ্র পুরুষ সহস্থা সহস্থাতে স ভূতি বিশ্বস্থা বৃষ্ণতাভিত্তৰাস্ত্ৰিটিত , পাৰ্থভাল কৰাঃ ভূতানি বিভাগৰাকামুতা নিবিশাইটিত চুক্তৰ-कुछ छिलाकुक मध वि इ म कृषि या वि १८ क्षत्र के लिल बरीवा अध्याह वा अध्याह मानकार । विकि भागत्त होति वाक्षाम्, मह अन्य शतनात्रक्त वित्रतात्र स्वित्रक विकास वा अपि প্রমেশ্রক প্রকানত স্থান্তিকানা বিজ্ঞ পুন্রভ্যিকার সংগতি ভূমানীতি কামনা ছবতি। নত প্ৰশেষ্ট্ৰেচলি কামন এই সোচকালমুক ব্ৰুজা প্ৰকাশ বৃদ্ধি চেৎ श्रापर्नोपश्रदका स्वयानात श्रिक्ष १७ अध्यक्त यक्त व न्तृत्वति अध्यक्त करण निवादिकतना-মিতি ক্রায় ড নিক্ষতক লালবৈধ ব্যাহতে টা প্রদাস। ওপর্চণ বাসংবাদানক কর্ম विक्रिया कर्षणा जातरकः अर्थायण आमाध्य भागमात्र, एता व क्षेत्रका उत्पत्त अर्थायम् पार्थ्य म (क)विका विवाह एका ए विकित क्षा (क) दिक्त कादार । ए पान्यका पार्थिन স্থিতি। নতু তৃতি ভগৰজ্বাৰত কিন্দালানম্বিশেতি চের প্রম্বাধ্য জ্লাক্রাধ্য कीवाविका छात्र अख्याक शाहमविव दृश्याकारतः। दिवादा दृश्य कि अध्यावादावातात्रात्रात्रः छथाद व छक्षा हर्णकृष कृष्य कियानाचा सगराबद्धा । भवनीत मेलावलवसम-वालाटकोधानरभोग प्रयोगना जिल्लामे जिल्ला है कि १६६, अनु वालकान भाषानिकाय শক্ষামান্ত্ৰমাৰ্থ ১° ইতি অৱমৰ্থ — ক'ৰাত্তানে তি অন্তল্পত প্ৰকৃতি কেলেওলাত্ৰিকাণ

আমি জন্ম মূহা-বিহীন এবা জগতের ইবর হটয়াও আপন প্রকৃতিকে আআম করিয়া আপন মায়ায় জনিয়া থাকি । আ

য়দ যদ। হি ধর্মজ্ঞ গ্রানি নববি নার র । আনুগোনমধ্যেক্স তদা হানি ব্যক্তানকে ॥ ৭॥ পারি হাণায় সাধুনা বিনাশাম চ ভুক্তাম। ধ্যাসংস্থাপনাধায় সম্ভবামি মুগে মুগে॥৮॥

ভারতকৌমুদী

মান ক কৰে সহয়ে হৈ সভ্যস্তাৰে সংস্কৃতি। ই ভাৰত । ভ্ৰত্বালোধন্য। তা ক্ৰুজান্ধক কৰাই সংক্ৰাণি সংক্ৰাণ। যদ কে, তি, দক্ষা ব্ৰাহ্ম বিষু বেদবৈভিত্ত মানুনি মোকস্থনৰ পূল্য সংনিই নি, মান্ত্ৰ দক্ষিবেশিবিনা ক্ৰেনিষেদ্ধিক্ত্ত ইয়াৰ চিত্ৰ নাজ পালত চ, মাভি সংক্ৰ ভাৱেন হাৰণু আআম্যুভ উথান্মাবিত বেল হয় বা বা বা বিষ্ণা, আহানা ভ্ৰত্বিবালিনা কেন্দ্ৰ, ক্ৰোমি মানুনা উম্পান্ধামি হয়। ক্ৰোম্য হয় সংগ্ৰেশ মুখন ক্ৰেনিয়াই প্ৰায়ি সাৰ্না ক্ৰেনাথিছিল। সংক্ৰম কৰা সংক্ৰিয়াৰ ব্ৰাহ্মিক ক্ৰেন্ত্ৰী ক্ৰেন্তি কুক্তাতি বুক্তাতি

ভারতভারদীপ:

भाषा देश विका । व स्वित व स्वित व स्वित विका के से स्टब्स व्या विकाश का स्वित विका व स्वित व स्वत विका व स्वत विका व स्वत विका व स्वत विका व स्वत विकास व स्वत व

ভরতনক্ষন : যখন যখনট প্ৰেন হানি এবং স্বাহিটোভাবে অধ্যেত্র আবিভাব হয়, তথন তথনট আনি আপন নায়ায় দেহ স্টি কবি ॥৭॥

ক্রাক প্রায় — বর্ণ ও আল্লমসকরে ্বলে যে গর্ম কিনিত আছে, নানা কারণে সেই ধর্মের ব্যন কর্মন হাস হইতে থাকে এবং স্বইটোল্ডারে পাংগ্র প্রায়েল্ডার নেথিতে পাওলা দায়, তথ্ন ভগনই আমি উক্ত নিয়েম আপ্ন নাডাই করা এইণ করি ৮৭ জন্ম কথা ৪ মে দিব্যুমেবং যো বেতি তেওঁক:।
ত্যক্তবা দেহও পুনৰ্জন্ম নৈতি মামেতি সোহৰ্জন । ॥১
বাভিয়াগভন্মজাধা মন্দান মামুপা(এতা:।
বহুবো জানেত্পদ: পুতা মন্ত্ৰিয়াগভা:॥১০॥

ভারতকৌষ্ণী

বেদৰিকশ্বনাক বিশ্ব লা পিনপ্ৰেলণ বিনালাত, ছাভাগ্য দক্ষে বেলোক্ত লাখাপন্তন্ত্ৰ আপো বিষয়কুলৈ, বুলে মুগো ইনানী মিব প্ৰিন্নম এক বিশ্বনি সুগো আবদবানেকৰে এইপী লাখ্য স্কুৰাখি মাহল ক্ষু গুলুমে ১৮০

मिनुना प्रस्तानिक ना राष्ट्र के करवार का रह आकृता रह अन् द्रा न देशवाध करना न कु वाध्यनिकारो, भाग प्रामोधिक प्रभान करतावन वाध्यन्त्र, रह यह अनुनिक व कि का कि ए प्रदेश प्राप्ट के ने प्राप्ट विकास कर विकास के का कि ने प्राप्ट विकास कर कर कर के कि का का कि का

ভাগুলকালের ভাবেংস মুখ্যল ভে দুইক্ষেতি বাঁতেতি। বাংগ বিস্নোগাক ভয়া কর্ম কুশ্বসালেতে কথা স্বাধীসাধিক কেন্দ্রকাশিকোনিস্ভিত্তাভিক্রণ বাঁতাকাক

ভারতভাবদীশ:

কুথি: । বা কিম্প্রাস্থানা হাথতা ভক্ষীসাত আহ—পরির্ণোচ্চত উদ্ধাণ দুবা ক্ষা সুপ্রিং পালিনাম, সন্ধ্রামি আবিত্রামি ৩৮। ক্ষা মহামণ ক্ষাস্থান বিবাধ্ অপ্রাক্তা যে। বেলি ড কুণ চেতা পুনা ক্ষাস, কিছু মামেতি ম্যের প্রাপ্তের এতের ভ্রম্বতো অস্থানি কৃথানি চ ভ্রম্ব প্রাপ্তিত্রেন বাচ নীতি চলি সম্বাস্থান চল্পালি ভ্রম্ব

সাধুগণের রক্ষা, গুটগণের বিনাশ এবা ধক্ষাক্ষাপনের ভক্ত আমি প্রচিষ্ণে কল্ম প্রাহণ করিয়া থাকি ৮৮॥

ভাগত প্ৰায় — বালাক ধন পাপন কৰাই আনাৰ কৰাইছোৰ প্ৰায় প্ৰতি কৰা উল্লেখ্য হবে ভাগত কৰাইছোৰ উপায় প্ৰতি , এক -মানুগৰেৰ সকাৰ্ত্ত ভাগে কথা, বিত্তি — চক্ষ্যপৰেৰ বিনাপ চ এই মুইটী কৰিলেই উন্সত্ত থক সভাৱণে কুন আছে। তা ক লব আনি এক মুগ্য ,য একবাৰ মানুই আৰু প্ৰায় কৰি, ভাগ নাই , প্ৰায় কৰি, ভাগ নাইছ , প্ৰায় কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি

আজুন ৷ যে লোক আমার এইকপ অলোকিক হয় এইন ও কৃথ সকল মধার্থকাপে জানে, সে লোক নেহত্যাগ কবিয়া পুন্ধায় ক্ষম এইন করে না, কিন্তু আমাকেই লাভ করে মনঃ

क्ष्मिक क्षमिक क्

ষে যথা মা॰ প্রপন্থরৈ ভা৽তথৈব ভক্ষাম্চম্। মম বস্তু প্রেট্ডের মতুদাঃ পার্থ। সর্বশঃ ॥১১॥

ভারতকোম্পী

বালি চাক্তি হৈছে, মন্ত সকলে মাধ্য চক্ত চক্ত মাধ্যেবালা জ্ঞাল, সনকাদ্যো বহৰ এব কনা, সাদেশ জ্ঞানমূহ প্ৰত্যুক্ত, পাম পাল্যা, জ্ঞান চিন্তুতক্তাৰের কাল্যিকক্ষা সমূহ হ'ব মাস কৃষ্য, মাধ্যা পাল্যা চ

स्थ सिक र करण नारम का सिकादा सर दुवर असि अस दार प्राप्त स्थित एक कर दा का सिना का से कि प्राप्त का से प्राप्त का प्राप्त का सिना का से कि प्राप्त का से कि से का से का

ভারতভাবদীপ:

कार्यव त्यार — वार्षिक त्यार विश्व विश्व कार्य मार (वार्यक्षाण्या, कार्य व्यवहार व्यव

বৃত্ত কোকট আল জি, ভয়ও কোণ ভোগে কবিয়া সকলো মদ্গৃত্তিত থাকিয়া ভক্তিপুকক আমাৰ আংশিত হটয়া জানকপ ভপত য় প্ৰিত্তা লাভ কবিয়া আমাতে লীন চটয়াছেন ১৮॥

ভাগি পানার — ইংগার উপারবাদ— সন্ধরণকণিপুস্তি , সুধা কথা — বাবা, বেবা, ভয় ও কোপপ্রসূতি ভিন্তে মল , কেই মলও পাধানিল লোখনিল চিত্রে ভগবানের প্রকাশ হয় না , প্রাম্বাশ নি ম্বার্থিন ও ক্রার্থি ভারতি পাবি না । আন্তর সেই ভ্রার্ডালাভের ক্রার্থিন প্রাম্বালাভের ক্রার্থিন চিত্রে নিজ্প করিলে ইইলে এবং ক্রিপ্রাক্ত মন্তর্ভন প্রশাসর হার্থিভ হ্রার্থিন ইবার নামর্থিন নামর্থিন ক্রার্থিক হয় হার্থিন হয় ।১০।

যাকারণ যে ভাবে আনার শ্রণপির চয়, আমি সেই ভাবেই ভারাদের প্রতি অফুগ্রহ করিয়া থাকি অঞ্চন। মন্তব্ধণ স্বত্ধারেই আমার প্রের অফুসরণ করে।১১।

ত্ত্বিক সংখ্যা—এই কলতে চাবি জেলিৰ ম চৰ মাত্ত—লীভিত, মধানা, জানাগী এবং জানী। ভাহাৰের মধ্যে শীভিষ্টেশ শীভানিয় হব মঞ্জ মামার শ্রশালয় হয়, আহিও

কাজ্যন্ত: কশ্মণাণ সিদ্ধি বজন্ত ইং দেবতা:। কিপ্ৰণ হি মানুহৰ লোকে সিদ্ধিইবতি কশ্মদা ॥১২॥

स्थान्य कार्या

पाथ विकासनाधिकत्वकृष्टित्व इसा स्वा द्वा इस कथा व कुकारी आहे वाक्कार इति। है प्राथित द्वा तक, कर्षता (सरकाशक केवा प्र क्रिका कर्णक व्यवस्था कर्णक क्रिका कर्णक स्वाप्त कर्णक क्ष्मी, इन्हांकीत्व इस भुकारी क्ष्मी, एक क्ष्मी भुकारी क्ष्मी क्षमी क्ष्मी क्ष्म

ভারতভাবদীপ:

कि देशायामा विकास के के के के के के के किया के मक्षेत्रश्रीक्षः ६५ रमन व्यक्रदर गळ इत विद्यादन व क्षण्य ए व्यव्यादाय अगरकान्य প্রকারেণাতম্পি ভ্রমণ্মি অভ্যমণ্মি। ১ ই মুখ ব্যু ভ্রিত নত ব্যানাত্রমভ্রত্তি काम् ममा मुक्का क्षेत्रम मन्त्रम, भाषा अव १००७ ४६६०० मिक 🕫 मन 🕡 एउन्ह मान्यवाड व्यानिकादक रथा ए. द्वारिक एक्का व करवाहि हाविका का निकाल निकाल कर निकाल का ना रमानक करवाणि । विश्वभूकाणविकारो अविविध्य प्रवास क मार्ग करण माम देवामारामणा । छ।। एकार ट्यादम्ब्यम सम्बद्ध कतान्द्रित महिन्न विक्रिक कर कार्य है। एका মেন প্রাক্তিবর হোন প্রয়োগনের মাজ - কিলাবের কর্ম বিনে ক্লানের বা প্র সপ্রয়োগ क्षारक्षरेश्व भी प्राकृतिकार्यय क्षान्नवर्यनम् अवस्थानन एकाक्य राज्य । क्षाप्रकृतिक क्षाप्रकृतिक क्षाप्रकृतिक भौभव यथ अवश्रेष हैं है अनुभवणानक है है दिल्य दिया है । ते के व्यक्ति है है। कि ग्रामार मानुरम् इसारक कर्मामिकि काम क्षाकरा मुद्रमण मना निकता । वर्गत स ह निक्र न मन्द्रण ban । यह द्रा कन्द्रण मिन्द्र अन्यू हेर्रेटन जिल्ला कार्यक्र कार्यक्र दमक्छ छेखाभीन् गवरण ८३६नि घोषव वश्च धनवृत्व इति शृत्कानावः । ८० ७ छ—. एवन छ CRABISS 第四月限 1531 电整理电影电路 电 电 特殊性 吸用 "你你可以有有 有限 19有影響 क शास्त्र भी शामिनृति कावर। काकि, अस्तात अर्थत मिनिक आधार उत्तर करते अर्थिक खाका मिन्न कर्र मिह दा'क, काल "द कालता त्व कल का करेन कर हात, का दिस फाटाजिनाटक काञ्चलाल कृषि अर्थ का नांच भू कर कहा चार्यात नतमामह कर, भारित तांवा इम्ब पृक्ति अल्लामन करिय वाकि । अल्लून १ टर स्वत यास्य देखारि नदलास्य अल क.व. छ। 81 ता छ च्या वर्षक मार्थ देश व भारत है के देश, देश है के विद्राय समे के चार है है 関係性 (55)(4)

এই মনুখালোকে মনুখোৰ কর্মের সফেলা কামনা করিয়, দেবপ্ৰের পূজা করে, আবার ভাগাদের সেই সকল কর্মের সফলতাও সাহই হয় ১১২৪

ভাবে লাভ দায়ন কৰিয়ে কথা বাংলা, ভাতাৰ কল সম্ব চয়, আৰু নিৰ্মাণ ভাবে কথা কৰিলো, ভাতাৰ ফল মৃত্যি কভি বলৰে চাৰি। বাংলা এই সভাই অস্তিক্ মাত্ৰ সম্ব্যালনাত্তৰ নিম্ভ কথা কথা কৰিছা বাংলা ১২১



চাৰুবৰ্ণি মাণ ফাটি আৰক্ষা কৰ্ণাৰ্শ, । সুতা ক্ষাৰ্থিয়পি মাণ বিভাক লাৰ্ম্বাসম্ ॥১ আ

ভाর ডকৌ মূলী

सारकश्वारील:

আমি হাৰ ও কংশাৰ পাণ্ড। অনুসাৰে একোপপ্ৰ ভ চাৰি ব্ৰ সৃষ্টি ক্ৰিয়াচি। অংশ আমি ভাজাৰ ক্ষা স্টালেও, বাজ্বিকপ্ৰে আমাকে অক্ষ ব্যায়ি অবগ্ৰস্থ কেন্দ্ৰ আমি নি'জ্যুৎ স্টাল্ড বিচ্যুত নহিছি ।

 ন মাণ কথাৰে কিম্পান্তিন মে কথাকলৈ স্পৃহা।
হতি মাণ বাহেছিজানাতি কথাতিন সি ব্যাতি ॥১৪॥
এবং জাই। কৃতং কথা পূৰ্বৈধিৰ মুখুকুছি:।
কুৱা কথাৰ ভ্যাত্তি পূৰ্বে: প্ৰত্ৰণ কৃত্যু ॥১৫॥

গুৰেডকৌ মৃদী

নত বধ্যক ভবান পি কথা কৰোতি ভ্ৰতিম্পাক্তিৰ ভ্ৰত্যাভূপি কথা কলক্ষ্ম প্ৰভাগত নেতিছ প্ৰতিয়াই বেডি। কথাবি কথাকালনি, মাং ন কিন্দান্ধি ন সমূধীয়া কৃষ্ট কথাই নেতিছ খেন বি মে কথাকাল পূচ ন পি প্ৰকাশ্যাহণ য সন ম ম, ইণ্ডি ইথা কথ্যকা নিশ্যুক্ত হয়, ভ্ৰমণ্ডিৰ বিভাহনভাগ অভিক নাতি সংক্ৰান্ত বন বুলালে, সন্তান কথাক কথাকলৈন কথাকৈ ন বিশাহত মংপ্ৰাঞ্জুল মুখ্যক বধুপ্ৰক্ৰ কথাকাল নিশ্যুক্ত কথিছ

ंध पर्य मा अध्यक्षक है हार्गित्वाक हुई एक के स्वत्य सक्ष्मित कुर क्ष्मित हो।
दिश्यमा विकित श्रक हो न वापर हो है कि काषार श्रक है क्ष्मित सार विकित वापर विकित करिया के
भूतिक श्री के कि कुम्मिक सम्मानिक विकित करिया कि स्वयं के स्

ভারতভাবদীপ:

কথ্যকলের প্রতি আমার কোন স্পৃত। নাই বলিয়া সে কথ্যকল আমাকে বন্ধ করিতে পারে না। আর এইভাগে আমাকে যে ভানে, সে বাজিও কথা কলে বন্ধ হয় না ৪১৪৪

তি প্রায় — আমার কার্ন সক্ষাই পূর্ব কিব চে প্রবাধ কার্মকর প্রতি আমার কোন লাকা নাই বাই কার্মকরিতে ম কিবেক ভাবতে আমার বছন হয় নাই কার্মকর আমার আমার কার্মকর কার্মকর আমার বছন কার্মকর আমার বিভাগত বিভাগত কার্মকর কার্মকর কার্মকর বিভাগত বিভাগত বিভাগত বিভাগত কার্মকর কার্মকর বছন কার্মকর বিভাগত বি

কিং কথা কিমকশ্রেতি কব্যোহপাত্র মোকিনা:।
তাত্ত কথা প্রবক্ষামি যজ্জাতা মোক্ষাদেহভূতার ॥১৬॥
কথাণে। ফপি কোজ্যা বোজকাঞ্চ বিক্থাণ:।
অক্ষাণ্ড বোজকাং গ্রুমাণো গতি: ১১৭॥

ভারতকোমুদী

আন নাল ইতি বুন্পতা কথা বা পাবনাহম্, কৰিছক কথা হা কথাছ কৰ্মে হৈ বি নুহাবিত কৰে হাতে। আহ কৰাম স্কল্লেল হাথাম্। তাৰ ভ কথাৰে বিহিছে-ভারভভাবদীপাঃ

আজ্ন। প্রচান মুম্কুরাও এইরপ ব্রিয়া কথা করিয়া গিয়াছেন। আজ-এব তুমিক পুরকালে প্রচীনগণের আচ'বত কথাই করিয়েত থাক ৪১৭৪

কোন্ট কথা এবং কোনটা অকথ এবিষয়ের নিরূপণ করিতে বৃদ্ধিনান্ লোকেরণে সমর্থ চয় না। অভএব অক্তুন। ভোমার নিকটে সেই কথা ও অকথের বিষয় খামি প্রকৃত্তরপে বলিব; যাহা বৃদ্ধিয়া তুমি বন্ধ হইতে মৃক্তি লাভ করিবে ॥১৬॥

তাৰ প্ৰায় – গ্ৰিমান কোকেবাও গড়ি প্ৰিয়া ভাষাকৈ সংগ্ৰহণ কৰিয়া লাকেন। ইতহাণ ব্ৰিমান লোকভিগেও ড লম হয় না, ভাষা বলা যায় না। অভ্ৰেষ সেইকল লম দ্ব ক্ৰিয়েৰ সক্ত কম্প্ৰিমান নিৰ্দিষ্ট কৰা আংশুক ১১৬।

কথাকৰা নিঃ সংশোদকৰাণি চ কথা নিঃ। সংক্ৰিমান্মকুমেনু সংযুক্তঃ কুংলকৰা কুং ॥১৮॥

ভারতকোমুলী

কথ্যপথ্যকৰ বাদৰ মা বিশ্বহণ কিনিক্সকাৰণ সতা কেকাৰ্য্য প্ৰকাশ স্থানিক চাইবং বাক্ষামা ডি কাম, কথা কৰিতব্য স্কৃতি ভাষ্যকাৰ সূপ্য আৰু ম কৰ্মেছিলি মোকিছে: ইডি ভাষ্য ১৯৭৪

বিং তিও কথাৰতব্য হৈ তে কথালাই । তেও কথালা কথালা কথালা কথাৰ প্ৰতি কথালা কথাৰ কথালা কথালা

ভারতভাবদীপ:

বিহিত কংশার ফ্রপ্ত বৃদ্ধিতে হইবে, নিষ্দ্ধ কংশার ভর্ত জানিতে হইবে এবা নীব্রে থাকার অবস্থাত ভারে করিতে চইবে। কারণ, কংশার স্বস্থা বোঝা বড়াই চ্ছর ॥১৭॥

ক্রাংক্রা ক্রের প্রশান প্রাণে শ্রুক্তির ভাল করার নাকর প্রিক্রাং মায়। মার্থ্য ক্রেশনিকশন্ত লামিই ক্রিড্ডি (১৬)

যিনি দের বা ইন্থিয়ের কাষাকে আছাব কাষ্য নহে বলিয়া মনে করেন এবং মিনি ঈবরচিতায় নিমগ্রইয়া নীবৰ থাকাকেই কথা বলিয়া ধাবণা করেন, সেই লোকই সৰকথকারী বলিয়া মাগুকের মধ্যে বৃদ্ধিনান্ত যোগী নামে অভিহিত হন।১৮॥



ভাৰতভাৰদীপ:

হকত্য সভা শীসাৰ কতুম নাল বাংলা কৰ্ম নিভাৱ নাজাৰ । হয় পা, হয়বেখা প্ৰশিক্ষ इदा अर पर रेर अस भारतमा हु छ इर पून भूनवात, रहाँ से छ के. एवं निव्हि मिट्डा भव पर ११ १ ६ म दल १ हुई छ र वद परिचि भाष्ट्रपुर क्षेत्र विक्र स्था-কর জাবাতি বুনন বাহদনি সাড় পধলা সাধিনিংনিতি জ্লসজ্ঞধের নিজাব 今間日 大大門衛門 十一 衛山里 四十一 即任事者 一門衛衛 新八十五日 使产性中国的有166 1 月 देक र न कि अप का वास्तार ३० मारण के नामक मा वृद्धिक महाद्वारण विदिशित किया । 五百分間 面面不可 不可力 不以州 可以不明 有 以各口(於 持衛因及) 持衛因及 可持續 其 成月 有空气 中 (5) 中國 一時 10, 中 中 10 中 國本政學 有对非统则 知识有信 在[[]] (1) कार मार्च के मार्च अस्ति असे अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति व वृत्र विश्व व भाग प्रति है। नाम ५ वनन १४ नाम वाद कर कुर कर स्वाप भाग विकास स्वाप स्वाप कर्या मार्थिक मार्थिक स्थान का नाम कर्ता का विकास कर्या में कार्या কামে বাল বাবাৰ পুৰা কাম কিছে বিভাল লাভি বালম মুন্দাই লাহ হুলি ছিল সংস্কুলন वयन्य क्षार्थ । विकास कार कार कार कार वा व्यक्तिका भारत्याच्या वाद्यावाच्या िकुल तथा रक्षा साथ कथान कथान भावत स्वद्याप्त सुन्दर्शना । एवं वि कथानि का परमात्म त्य परणाहासम्बद्धि भरासक्षति अधिकक्ष हु विकर्णन भूष, सक्रति। स'त क्यू-' क्यूका तम मन् क्षण्य अवस्था यम्म क्यूम करोग मार्थ । अ क स्ट्रियाता ইচাল ছাল চত্তি কথাল, ভত্ততার ভারত প্রত্তিক ভারত ব্রেক্টিল আনাগ্রিকাজনুক क मार्गित व देवत न वेत्र र म क र है है है है अद्देशियामे क्रिक्स मि म क कार्यमिक्स वार् क्ष विवाद । भारत्य । भारत्य । भारत्य अधिकः ॥ प्राप्त एक विवाद प्राप्त भाषा स्थापन न करण न मन कृष्य मित्रमार अक्षेत्रक प्रकार में प्रतिकार के किस्तान प्रकार कार्या । म र रेप्दराज छ र द प्रारंश्यम प्रिक्चान्त । एवं दिवस विकिश वाहीरवाधी एर प्रमुख र मार्थित त्रुकारण का करेन्द्र करोगा, हेन्द्र तृष्य महत्वे भारती म कन्द्र विद्यार्थान

क्षिति क्षिण्डित व क्षिण क्षेत्र क्षे

ভারতভাবদীপ:

विष्यातः। सभि निक्या क एक रहन अहद्देशः ति इ. पति च भारतः अहाभ अते अस्य व वस्ति প্রার্জ্য । এবং ক্রেরপ্র্যোচন ও সহ ান। ক্র লি বালে বিক্থা, জন, প্রয়াক বু, চনি भागर म है। कि बहुन्थर एर्ट्स व कामानुस्थको , इंट्स्किस । इंट्स कि प्राप्त का का प्राप्त का मान भगदक मनुकारने ह विकल्प इक्ष्यदेव । व तथा । हत्यार क्षांक्य विकल्पात्र । वस्य व वस्त विवस तो छा या भरकर म जाने कि पाविक गरक एक क्कानाइनवार का करार अविन निवृत्त रूप। छथ। कि अरविष्टि अपाक एक करीनामानि इस १८ दि या क कामकारन वार कृत्य কাহাক্ৰণ প্ৰকানী হুলে কলা ভ্ৰাণে নিম্বল্ডি চুক্ৰ ন প্ৰেম্ম বুক্ত টাত চুক্ত ব सर्वनिष्यमम्बद्धार्थः, तारव . य १ कि. व युक्तः ह ८४ क्राध्यक्षक्र व ८४१०क् हेर्याल् ८००६ । एस। हि पानपुरि कान्सवास कृते के स्थान कर्षण्याका र स्थानिक । संस्था स्थार विकास कांशांतांद्रश्वकाद्यम् य जिलाम द्वालाद्यः का द्वा या विषयः वाचन द्वाम या अस्य वाचित्रः क्षांशि कुकाछि। अहाता. भाष , अभ अ इपि भका उनके द्व भन् कह निराद्यक द कृष्टिक इलोडि डामिय बार्लिड पक्टड - विशेषक कनक्षुत्रस्य अभवत कर्या दास्त्वी ह कर्ष एक्स्माधनाधिकम् चक्क अरेक्षाविक अन्तरम् करवादि । चर वा युक्तवम विकृतिक समाग्रकः করেছি ভক্ত স্থান্ন সংখ্য ভবতিন হয়তান করে, "১৮ বা এলসকণ প্রার্থিত হ कृष्यिम दलादक व्यविष्ठ समाधि अवकृषादक्ष्विण व्यक्ति वर्गमन्य गायुन वर अ मधुना हु" हुई ह अन्दरः, यह गृहक्षकन्ति निवृष्किकामकाकामनि कददाहि म शहाददनि नामा समितिव्यान भूदय कक्षानका हा वार । अनदर (का विशाविका समित्र ए. व वेश्वर कक्षान र अनु हर अन्तर ह विकार क्षतिकार (क्षति महत्व) यह विविधा ककरि कक्षतन्त्रा नहरू करणहरूका । अव व व व सानिकारमध्य छक्षा है। विकार छहार है। प्रामुख्य क्षा विविध्य क्षा समाम का कार्या कर्णा एकमानारकादक्रमक । उद्यासामि कारकृष्टात कि एकप्रमान का इत्या विश्वित एक नि ব্যাক্তং পূত্র কার্য্য ভ্রমণী বিগ্রুদের রম্মার হায় তে গ্রাণ্ডের বিদের উঠ জন অব্যক্তর कार्या एकनी अकृष्टित्र केश्वर व्यवस्थानमान्याः स्वतास्वत्याः स्वतास्वत्याः स्वतास्वत्याः कश्रास्त्रांक, मध्रतानिज्ञानिज (माध्या युक्त केकुकादक क्षणानाद्य क्षेत्रानद्विक्षणा ह मार्थिति क्रावाकसङ्ग्र किंद्र एक कस्तरायमाकसम्मनः प्राप्तिक माळव अवका दार प्राप्त কুম্প্রকাশ কুলিতি অংশত হয়ে মন্তংহণু দেবংভিম নিবেশ বুলিম নিব। এ ভণাল হালকা বংলার। भगारको ज्याबन किनामणि उत्तिवाद मृत्वाय कराहाकणाड स्माहक हेट्टावक'। उत्तर्व ব্যব্ধানেনাশুভাগুলিঃ। উত্তল হ'ব এবংশুভ অুক্ ইতি লোক ব' অভিভৃতি "ব্যাহণত রশি মে নাজি ভাষ্তাশ্বণ তুলাতঃ , পুলব্লেপিনিবেশ্বশালি কিং দীপ্ত উচ্চ হ ।" वद्या कथ कथा ने वक्तवादका द्वाकतादका (कालिक्या) व उद्यासकत्र वस्त्र में भूति क्षेत्र व्याप क्यानि विटनविष्ण स्टानव क्या प्रामुणिति क्यानिकाम् एक क्यान विज्ञानिका स्टानका कृत्य हात्रवांसकपृथिति दार्थाएय। व्यक्तपंत्र क्याँ रक्षानिक स मध्य उद्गतन न्यासम्बद्धाः कृतिका जल या भरकार काच सम्बद्धाः अक्ष्रीयनगरकार "यहः अकृतहः एकः च्य (इह महर्शीयवम्। भट्टा इह महरम्बा छ, महम्बिवहः व हम्" हे हु कि श्रक रहन । अवस्य प्र इ हः



যক সূত্ৰ সমাৰভাৱ কামসভাৱৰজিত। জ্বলোনি লয়কল বিং সমাজ, প্রিতং বুরা ॥১১॥

ভারতকৌমুদী

ক্ষাদিক্তৰ এই প্ৰাণ ক্ষা ক্ষা ক্ষা ক্ষা কৰে। कर हे असार अवस्था देश कर तह है है अनुदे प्राचिता है है कि पुरुष्टि । THE THE PARTY OF THE AREA MEET OF THE WARRE OF GOTTING + A 有性 中 中 计中央 多头对外的人 网络 化 化种子的 医气息 网络白斑病 有效 异铬镍矿 20140-1221

छात्रफकारमील:

西日本 15日 5日 日本 日本 四十四 安徽 一 日 十 1日 日本安徽 21 在我们村便想 喜田! क्या १६० वर्ष पुरत्म पूर्ण नहाह पुरत देव पुरान देव प करमान इ.म. नद थ . व. महाद्वारा ए । ६० . जिल्ला महिन्द अनाम इकार महिन् , मेरा केला १ मा प्राप्त मा प्राप्त भी अभी हात न का का नारक कि हिं। यह अन्य स्पर्य क राष्ट्रभाग का कार्य कर्न तर्र विकास मान्य मान्य विकास वा अध्यादिशमा क्ष्म बोर्ड प्र^{क्ष} रह राष्ट्रम शास्त्र प्रिकेट कि एक है। ये ठ ए स्वास है। प्रवर्ष दिक्षण रक्षित्वर दिकार मधार प्रति र रहत राज्य है दिक है के एक छ छ। । वृद्धि के वृद्धि है । वृद्धि । 我 如此 为我不受不可以知道 "不知 我 有我因不 我不敢的 人 "在我就是你不 就你就在管上 安有不多 नक्ष्मानी। कु द ६०% ल व नवनह दु नक्ष १० ६ विह्न नक्ष नक्ष नवार कारियुक्त निर्मा तक्ष्मात्व वर्णाय चार्मक क्षाप्त नम्म हेन निर्माण निर्माण विश्वमा क्र के का नाम करी है कि उन्हार कर कर का का अस्ता कर कर को का कि भागित हे दे । मार्थ में क्षांत कि वर्ष देशक विक्रणायन में कि बहुता भावासाहित्यानि

হাতার সমস্ত কাম, ট ফ্লক(নল'বেচীন এব 'আমি করিছেছি' এটকপ অভিযানবজিত, ইচোকেই ব্লাজেবা পড়িত ব্লিয়া আক্ষন এব ভালারট काशिक्ष वाहि क्षेक्ष के शहर प्रश्न के लिए। शहर nb. a

कांद्रभावता - निर्मा कर कार्य करिन कर कारत मा करत वार्यमण म ভিত্ৰ সংক্ৰমত কৰিছে। তেওল, সংক্ৰমত ক্ৰমত কৰিল, সনাৰ এই কৰিল প্ৰতিষ্ঠ কম কৰে এইকল ম ৬০ ১০ই অব্ভাৰ কম ক ৩১ মান, বিনিটা প্ৰতুক পৰিত্ৰ হালার সেই সত্ত নে ওঁহার ওছ গুলির সালজনন্ত নিচ কবিছ নেই, সংগ্রাহ এই হয় CT, अधि ए म ,यहम अवदेव सा, विकार परवासर विकृति वट्ड आव क्षी व सदक ध्यो ल . हर्न मुक्ति देवीर १५ (४०)

ত্যক্তি কথা কিন্তালক নিতালপ্তে নিরাশ্যঃ । কথা গাভিপ্রতেতিপি নৈব কিঞিৎ করেছি সং॥২০॥ নির্কিট্টিডি(ছা ত্যক্তিস্বপ্রিভেছ । শার্থীক কেবলং কথা কুর্বন্ নাগোডি কিঞ্মিন্ ॥২১॥

अश्रिक्टको पृथी

হাজে বি ১. কথ্নতার কালকা পিলা হাজ , নিশ্যাল নিশ্রণতার গ্রানালন
ক্রিপা নির্ভিণ, নিল বিজ্যান আহা ম নিবিষ্ঠা স্থানা হাজ ল কানুক্ত নবজি, সাজন, কথ্যি
নাগাকিংক প্রান্ত ভলাবেই বৈভিত্ত সন্ধারণদল লোড কল্প আভি লগভোভাবেন
প্রান্ত হিশি সন্ধারণদেই বিভিত্ত কথা নাকাব হয়।
ক্রিয়াল সম্ভাবন সংক্রিয়াল কর্ম নাকাব হয়।
ক্রিয়াল গ্রাম ভিন্ন মান্ত ক্রিয়াল ভাষা (১০)

ভারতভাবদীপ:

साध्य विश्व क्षेत्र का प्रति का प्रति

যে বাজি ফলেৰ আমজি ভাগে কৰিয়া কেবল আহানদেই এপু থাকেন এব নিচিত্ৰ আখ্য ভাগে কৰিয় যদক্ষাপ্ৰাণ ভানেই কথা কৰেন, সেই বাজি লোকদৃথিতে সকলোভাবে কথে প্ৰবৃত্ত ভইকেও বাভবিক পাকে কোন কথা কৰেন না ॥২-॥

ভাষা কৰে বিশ্ব কৰে বিশ্ব বাৰ বিশ্ব কৰে । বিশ্ব কৰে বিশ্ব কৰি প্ৰতিষ্ঠ কৰি প্ৰতিষ

যদুজ্জালভদন্তকৌ ভ্ৰহাতীতে বিমহদবং : সমঃ চিভাবলিভে চিকুছাপি ন নিবৰতে ॥২২॥

ভারতকোম্দী

দদ কৃষ্টি নক ন প্রন্ত হয়। সংগ্রিক চন ক্রিক প্রিক্তি প্রক্রিক করিছে। মান্তি নিবিশ্ব কৃষ্টি ক্রিক ক্রিক চন কর্ম করিছে। মান্তির আইটি আনুন্ধিতে লোক ক্রিক করিছে। মান্তির করিছে। মান্তির করিছে। মান্তির করিছে। মান্তির করিছে করিছে করিছে করিছে করিছে করিছে করিছে। মান্তির করিছে করিছে

ভারতভাবদীপ:

শীচার কোন কামন। নাই এব মন ও দেহ সায়ত হইয়াছে, জার যিনি সমস্ত ভোগা বস্তু পবিভাগে ক'রয়াছেন, তিনি স্বারবফার জন্ম কেন্দ্র ভিজা-প্রভৃতি কামা কবিয়াও নিতা ক'মান কবার পাপ ভোগ করেন না ॥১১॥

ক্ৰিম্পিটা — টেৰ্জ নকণ অনি ্মন প্ৰকাশ্য কল সহ কৰে, তেনান ট্লানামূন ক্ৰিয়া কথা কথা নিশাৰ জন কৰে। তুজৰ চিকিজ সন্ধাৰকন জিনিছা কথা ন কৰিলেও মানীৰ কোন শাশ হয় ন , সংগী জানা লাক অন্ত লক্ষাত শিক্ষাৰ জন্ম কিছিছ কথাৰে মাজিনৰ ক্ৰিয়া প্ৰধান ১২১৪

প্রাথনা ন, করিলেও যাগা পাওয়, যায় ভাচ তেই বিনি স্মুট থাকেন, বিনি শীত ও সীম্প্রভূতিদ্ভত্পে সম করিতে পারেন, করেরেও প্রতি মারার বিদের থাকে না এবং সংগ্রিত বস্থু পাইলেও মাহার আনন্দ হয় না, কিংবা না

গ্রদক্ষে মৃত্তক জানাব্ধিতহচতসং। যজাগাচিত্র কমানিম্প প্রবিলায়তে ॥২০॥

क्षांत्रकरको मृतो

ভারজভারদীপ:

है कि । कारण द्वार १६ क. मध मिलन, इन्याद व १० १० १० । कार्क नेवायन स्वादित गामिन। इझाकब्रह्म विष्य कच्चारि कुनिश्चिम कर्ता व्याप्त, माहिला का इनाइमा व्याप्त इंडाक्या एर कि क्यमा मन्त्र समिक्यिक्टिक व कार्यस किए। के प्रित्य महत्र এবের্যাশর বের মুক্তরাশি পুন সাম বল্পজিশ শভান ছিল মুদুপ্রভূতি — বাংস্করের । মতে বিশ্বে গ্ৰথক কাঠ্ডণিন্নৰপ্ৰেল্ডেল্ড নাকৰে নাটুজন্ম বিভাগ্ত স্কান্ত मुक्त पार्क महिन हे हैं है। के ११% विकार के विकार में विकार प्राप्त कर है में का कर कर के श्रीभाविता मानवाद्यद्वारम क कुनारेचे कमावित दशह है हुएकम् पर बाहर साहत है है। मन्द्रकदिष्टिक स्टामिनलक, यह देवतल इत्तप खालिकाळा भ्रमण लि साग्य লাপ্তার মার প্রস্তুত্র প্রাপ্ত কর্মান্তর করা করা করা করা করা করা প্রাপ্তিক अवस्थाक राज्य विकास से अवस्था अवस्था विकास स्थान का नाम का देश कर का अस्त अस्तर का विकास विकास का अवस्था विकास विलीपट बलाइएका व कमाहित्रीय का अविति । व्यक्त कि बायकक्का विवस्तिकाय श्वाकातिकक ८ महार क्रम्बन्नमामधीक अक्रिकेक्यावालसम्बद्धाः । अस्ति क्राह्ममा स्था क्षांना प्राष्ट्र केन्द्रावय अद्योगक स्वदा व से वृत्तावय प्रति प्राष्ट्र विकास विकास हरूप्राप्ति हरूप्राप्ति প্রাদ্ধানী ভবং ভালে সংখ্যা লাপ্তান্ত প্রাদ্ধান্ত উল্লিখ্য না চক্ষাল নিপাত্ত পাপ্ বেনে বিভঃ তক্ষ পুত্র সংঘ্যুপ্ত প্রাক্ষরের সাধ্রকার খিলক পালক আহিছি। বিহুরে পাইলেও বিষাদ হয় না, ডিনি বিহিত্ব নিষিত্ব কথা করিয়াও ভাষাতে বভ हम मा ॥२२॥

্রান্দ্রার সংক্রম সন্মাল পর্য উক্তরণ মরস্থ চইংসংগ্রে। স্থানা জানা লোক বিভিত্র নিষ্ঠিক কম করিলেন, ঐ সর্জন্তপ মান্তি ভত্র সক্ষের কল্নই ক্রিয়া বেক্রম্থ

ক্ষাফ্লের প্রতি মারার আসজি নাই, যিনি রাগাছেয়াদিবজিত চইয়াছেন এব মারার মন ব্যাজানেই নিবিট হইয়া বহিয়াছে, তিনি ইববের পীতিব জন্ম ক্ষা ক্রিলেক, সে সমস্ত ক্ষা ই লয় পাইয় যায় ধনং॥

ক্রোক্রপ্রার — ভাজা ধারনৰ বেমন অভ্যতমান, তেমন জ্ঞান খিলম কর্মের দ কোন মল হয় না। স্থান্তবার জানী, লোকনিকার কর্ম করিলেও সাধারে উল্লেখ ব্যানার্থক



ৰক্ষাপুণি রেজ হবিব জাতে বৈজনা ভ্রম। স্টুলব ্রন অনুবল বজাক্স সমাধিনা ২৪৪

ভারতকৌমুলী

有效 医环境 医生化医学检查 化醇 化电影 化邻磺酚 医高性乳腺 医磷酸钠 歌樂 ण्या रामा राष्ट्रका १ व. १ व. १ व. १५ व. १ व. १५ व M TER THE PROPERTY CH THE THE PROPERTY THE THE THE THE THE THE AND THE ART ARE THE STATE OF THE CAMP OF THE TRANSPORT BETSET 可能表示中的作品 對,可以以下不可以不可以不可以不知,不可以不知识的。 अभीच अलाह्य द्वार्यक कार्यक कार्यक प्रमानिक प्राप्त देखीरहुल प्रतिहास खरालान द्वारात्रक ह down to the court of the form the contempt े - - १८७०मा, पर ४० व १००१ प्राप्त व मान्यासून काश्च नक्षा ह a security of the way to a second to the sec प्रमान करण पार्व कर्म कर्मा । १ , इस्तर विविद्य कर्माद्वीपण प्रातिकार श्र त । । । । वर्ष क्रमानक वर्ष भागत ए । । इति ह ह उपकारन उपनेता 五十十十十 明明"其"并不是不明知明 医性性病的 外教徒 苦 致知 神縣 সাৰ বৈকা বল স্বিত্ৰ সং কুলা গুলা গুলা বছা, চলা কুলি প্ৰাণাংপ্ৰিছ্ণল সুইছারেছি उन्म नर्ग १६ जिल्ला न गर्न, १ नन्द दाल्या स्टर् ११४, क्लाइट स्ट्रिस् के माम भिक्तिया जन्म । जन्म । जन्म के का भागतिकक्षामण्ड, कारक्रिक्षामण्डा परित्र कर गाउँ पर अन्य करका करियम्ब जनमित्र क्रान्टर क्षेत्र निर्माक्ष आस्त्रिक स्थापित प्रशिविभगवनन्त्र क्रिकेटी क्रम्य १२७३

ভারতভাবদীপঃ

भन सार करा जा एवं पानमान है का प्राप्त प्राप्त प्राप्त से भ्या स्त्र क्षिण में भ्राप्त स्त्र मिन्न करा का स्वर के सिन्न के

কৈক্ শক্ষণ ছ'ত পাত্ৰ বক্ষ, মূত ওচক আতৃতি কৰি—ত্ৰা, প্ৰাণতি অগ্নি—বক্ষ, মদনান সামি বহা এব এই কৰিনিকেপত বহা। ক্তরাং 'এই কৰ্মটাই একা এইকপ একাজতিতে যিনি কৰা ক্রেন, তিনি ব্যাকেই লাভ ক্রেন।১৬॥

দৈৰদেৰাপৰে যক্ত্ৰ যোগিনঃ পয়ু গোদতে। এক্সাগাৰপৰে যক্ত যজেনৈবোপফুজাতি ॥২৫॥

ভারতকোম্দী

ইন জানগজানের কে বুলক্তি হা কের্লান ম্মানতে কৈবাতি হাণাল্ন উপাবিদজানিতি কৰা বিল, সকান নিজ নিল্লাহাতি কৈবাত হালা কলা বিল, সকান নিজ নিল্লাহাতি কৈবাত হালা স্বাধানিক মানালিক মেবা পালালে আনালে কুলিছিল, নাপুন, প্ৰোক্ত বিলা জানাল্যালিক মানালেক ম

ভারভভাবদীপ:

या इक्षि द्रेश्व । ११ धार्या तथा इसी द्रक्षाण व व्यम्, यह द्रमणीत स्वयमाध्यास्य एर एक्ष्म द्रम्म धार प्रमाणकार्य व्यम प्रदेश स्वयम प्रमाण स्वयम प्रमाण प्रमाण प्रमाण द्रम्म द्रिया । एर्क्सिक्य स्वयम् स्वयम प्रमाण द्रम्म प्रमाण प्रमाणकार कार्य कार्या प्रमाणकार कार्य । एक्ष्म स्वयम् कार्यका द्रम्म द्रम्म प्रमाणकार कार्य । एक्ष्म स्वयम् वा द्रम्म द्रम्म द्रम्म वि स्वयम् वि स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम् वि स्वयम् वि स्वयम् वा स्वयम्य स्वयम् वा स्वयम्य स्वयम् वा स्वयम्यम् वा स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम् वा स्वयम्यम्यम वा स्वयम्यम वा स्वयम् वा स्वयम्यम वा स्वयम वा स्वयम वा स्वयम

कार कार्या कार्या कर्म के स्वयं के कार्या करते हैं कार्या करत

অপর কম যোগীরা কেবল ইম্প্রেড্ডি দেবগণের উদ্দেশেই দর্শগণ ও পৌর্বমাস্থাগ্রাভূতি করিয়া থাকেন এবং জ্ঞান্যোগীরা যজের নিয়ম অনুসারেই সমস্ত যজ্ঞ এজ্ঞারপ অগ্রিডে সমর্পণ করেন ১১৫১

क्रांच्या — এই ६३ डी राख्यत सामा क्रांच्या जिल्ला व्यक्त सामा क्रांच्या सामा व्यवस्था व्यक्त सामा व्यवस्था व्यक्त सामा व्यवस्था व्यक्त सामा व्यक्त स

েলাহালানীন্দিয়াগারের সংযমালির ছুফাতি। শক্তিব বিষয়ান্ত ইন্দিরালির জুফাতি ॥২৬॥ , ভারভকৌষ্টা

इस का तर कान दार हा । वार्ति के निर्माणक क्षेत्र का वार्ति क्षिण क्षेत्र का कार्ति क्षेत्र का कार्ति कार्त

ভারতভাবদীপ:

मिन्दर देश निमात प्रमाण निर्णा स्टाम मान्य भन्न मान्य मान्य मान्य हा मान्यम् । के प्रमाणिक केचा अधिकादान इ.स. इ.स. १६ श्रक्त पात्रः अधिकादा इलाध्यापात्राः इतापातिः प्रकारित्वः का प्रकार अंदर्भ अर्थन के मा क्राव्यक्ति ६६ के महिला प्रशासनाल क्रेम्सिल्डशहरून खाविलान का भाष्य व विकल्पान इ एद इक्टम विद्यम दिलाए एक ह नायदाः प्रदेशक दिवयदाः महार के भूग १०१ में है है है नहिंद्क क्षेत्र , हरवकातर पूर्वामायवार हान्त्र कि व व १ कार कर पर स्थाप कि जिल्ला के जिल्ला के अस उठ है स्थिए स्थाप का स्टब्र हुन ६ ८ ग्रा । भ ६ व नि कटल व किलाबि एड एक इस अनावरण कारनी अविद्या इंदर प्रति मार्ग व विभाग मान्यमार्थमण स्वीता मादि एक मितिए ए एक सि विभागत ११४१ रू -१ र मार्थ १ मार्थ प्राप्त साथय पर्ध हाया दव था। दवयवार लिएक वा क निकास कत अधिनम्हरण् । एवं दिशादक छान्। इत्यन्त । व वर्णानास्त्रभा स्वतः सम्बद्धः n' .. to and the state babie an umm : manta fette fantfatungungenen. य प्रार्थित । मुद्र महादिन्तिने वृद्धिकारम् विषय । द्रालम सहा य दिक्तियामी विषय अप विश्व भ अप कृताक। देलमा कात कि अप दिन कियां अपना अपना अपना कर दावती स्थ---सम्बद्धान क किस्प्रेलियाचित्रक " देवि १० ६ डेव्ह निविदेश त्याम खुट्याइ-सम्बद्धिति । ্নটিক এখাডাবাৰ কৰ্ণপ্ৰভৃতি ইন্দ্রিগুলিকে স্বাহ্নপ অগ্নিতে সম্পূৰ্ণ ক্রেন; আৰু মুম্যু প্রক্ষের শক্তাভূতি বিষয়গুলিকে ইন্দিয়কণ আয়িছে নিকেপ করিয়া থাকেন ১২৬৮

ক্রাংশ সাম্বার — দিবক লই তার প্রস্কার দা কনা, হারানিগতে 'নৈট্রক আগচারী'
বিশে বার্ধ বার হান ও সমানি এই বিন্তী একসাক চলিবলা, জাহার নাম — 'সাহ্ম'।
ইয়ার বিজ্ঞা ববর পাল্যসদর্শনে আছে। চিইএক্ট রীব্য সমস্থ ইন্মিয়কে নিক্ষা করিছ।
ধারণ, খানি ও স্থাবির বাধন করেন। ইয়ার নাম— 'ইন্মিয়ন্তা। আরু মোকাণী পুরক্ষা

সর্বাণীন্দ্যকথাতি প্রাণকথাতি চাপরে। আসসংযম্যোগোগে জুজাতি জানদীপিতে ॥২৭॥ দ্বাযুদ্ধান্তপোষ্ট্রা যোগ্যজান্তপাপরে। স্বাধ্যাযুদ্ধান্দ্রাশ্র বতরং সংশিত্তত্তাঃ॥২৮॥

ভারতকৌখুলী

भाग्यक्रमाह मद्द्विष्ट स्थाद्य शाम्यक्षात्र , श्रुष्ट, श्रीक्ष्ट्य स्थानाम् भाग्यक्ष्मात्र स्थानाम् स्थानाम् कारम्बिरामाः कारम्बिरामाः वार्याक्ष्मात्र स्थानाम् कारम्बिरामाः कारम्ब्रामाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कारम्बर्धानाः कार्याक्षाः वार्याक्षाः कार्याक्षाः कारम्बर्धानाः कार्याक्षाः कार्य

ভারতভাবদীপ:

इतिशामा क्यां मि नामानि शहन नि । श्रामक्य विध्याद्वार समानि महान प्राप्त । इन्तर स्थानिक सामानि दृश्को माध्या म देव द्याना रुक्ति हत्या स्थानिक स्थानिक प्राप्त दृश्को माध्या में देव द्याना रुक्ति हत्या स्थानिक स्थ

ধ্যানীরা সকল ইন্দ্রের কার্যা এবং প্রাণপ্রভৃতির কার্যকে জানের আলোকে আলোকিও বজ্ঞানিকপ অগ্নিত নিজেপ করেন ॥১৭॥

ত্যতে কাল্যা—কংগৰ ক গ্ৰা—লক্ষ্যণ, হংকর কাল্যা—ক্ষান্তণ, চক্ষয় ক লা—ক্ষান্তণ, কিন্তা ক লা—ক্ষান্তণ ক লা —ক্ষান্তণ ক লা — ক্ষান্তণ ক লা — ক্ষান্তণ ক লা — ক্ষান্তণ কৰা — ক্ষান্ত্

অপানে ছক্তি পাণ প্রাণেহপান তথাপরে। প্রাণাপানগুরী জন্ম প্রাণাযামপরায়ণাঃ॥২১॥

ভারতকৌদুদী

মপর শ্চত্বিব ন্যজনেকে ভাষালা। মপ্ত , মহারাল সকাহ বউলীয়ন্ত হ भगदि पार भारत धाता प्रकृति कम , स्वार सर माना वालिकलार मिला रक्ष प्रकृत प्रशा ⊌ के परिमाणिक महिल्ला के स्वरंगिक परिमाणिक प्रतिस्था । इ.स. १ वर्ग प्रसिद्ध प्रदेशिय के সাম দলি তুল ভূলিবেৰ তাৰ হয় ছে ৷ হ'ল কাল বহু ৷ বদ দিশাপুৰতে জ্ঞান্ত লেখাত क्षात्र स्व न कार्याचलक 🕮 । एकार एक इसर एकक्ष्य अस्तु कार्य किया ने का अध्या कर्तान । इति । वत् व्यापार प्रकार विषय (१४) - १४ । उत् क माउरानवृद्धम् । ५७ লাতিদেশৰ লণ্ডন্নেৰ কল্পা সাল্ভানা হল লণ্ডাু শংলবন লুকে। তুলালিপি ইড্রা प्रमाणकारका स्माप्तिक व्याप्तिक

अलान है। हा अलाव अलाव अलाव अलाव अला अन्या, अस्तान राष्ट्री, अस्ता व दुस् सुध्य उ [如何明明 中方本十十 照明·上文·全衛等 35日 依中日 出日日本四日本日 日日 · 照代日 ব ', ১০ ৮ ব ট ভূমেতি বছকাল, প্রধানামণ কুলার সংগ্রে প্রায়ে মণ্ড হল, প্র केल , अन्य मान नद्वाका गांची मा दक्ष प्रशासदाय, कक्ष विकास कुकुन कुक्कि कुक्कि एक्स

कादण्डलविमाः

三角型作品: 「京 中文5 では から 一本 "本ででもので、本ででは 中中 面 n も 一近50 '名 t 法で 対 411は বালিকপার না প্রাথি বহিংকলিক নালা আছিল্যালানা প্রথম বার প্রত্নালা ভারষ নালা ন্যুলাং र 🐧 🔞 । ज छः । स्व तस्त्रास्थ्यम् । अरका साम्बर्गः कि नवसद्भागः साम्बर्गः वर्णनाः मध्ये हर । भाग प्रकृत्याला स्वाह १८७०, द्राला एक द्रालावका । १५ ६ व्यक्तिशास्त्र क म प्रमुक्त के तेवावमान प्रमुख "नक्षणावर्ष एक रूपर हा एक मुद्र बुद्रियोग म हे हा पूर्व हरण .ए श अतः का , मार ह हे हि । इय प्राथाध्यक्षाः निष्ठाः (तम कार्यन्त ह एक प्राया एक्काः का भाषा पान भारताबरमी भाग निकार माद्र दाक प्रमा पाद्राध्यक का भाका दन्ति । আ ধ্যাহের নাজ ইতি সমাস । মত্তে হতনলীলা সালিত্রতা, সমাক বিভা চাতুং রভুম্ कारिका किया । इसार एक केटि का स्थार विश्वमानम् १२०१ । एक प्राप्त विश्वमान । का रहन केटि । আমার নগানে অপানরাকা ক্রেলি অভিপত্তি প্রতা প্রতার্তির পরভাগত প্রতার্থিক

আ্লার উল্লিড কবিতে যুৱনীল লোকদিগুগর মধ্যে কেছ কেছ দান ও বাল্যকুলাদি নিশ্ম নরূপ যাত্র করেন, আনেকে বৈধ উপবাসপ্রভৃতি ওপস্থাস্থল य 58 करिया भारकन, वच क्लाक रयशिक्षण य 58 करदम, रक्ट रक्ट रवन्याहरूल হজ করিয়া পাকেন, অনেকে শাল্লাভুলীলনকপ যার করেন এবা বভালোক বিশেষ বিশেষ নিয়মূলপ যাজ করিয়া গাকেন ১৮৮৮

ৰূপৰে নিমতাহারাঃ প্রাণান্ প্রাণেদ জুফাতি। সর্বেহপোতে যজ্জবিলো মজক্ষিতকশ্মশাঃ ॥৩+॥

ভারতকোমুদী

শ্পর ইতি। শ্বপরে সংকঃ, নিব ভাতারাং শুরুপরিমি ত্রেলেরাং সঞ্চারার বান, প্রাধ্যের মৃত্যু শুক্তি নিজিপান্তি শীর্মানের বাহ্যু স্পাহান্ সামন প্রবিশালয়ন্তিরাং,) এতে সর্বেরণি ম্ফারিলো সৈবম্লায়ভিলা, তৈরিক্যাক্তা ক্ষিত্র নিজ্ঞানি পাণ নিন্দ্রাণ তেতানুশা এব ভবন্তি ন প্রজ্ঞানম্প্র বিন মুহাফ ইণ্ড ভাব্য কেন্দ্

ভারভভাবদীপ:

অনেকে প্রাণবাস্কে অপানবাস্তে নিশ্তিত করেন (পূবক করেন), বতলোক প্রাণবাস্তে অপানবাস্কে সম্প্র করেন (রেচক করেন) এব কেই কেই আগ ও অপানবাস্ব গতি কল্প করিয়া (কুড়ক করিয়া) অবস্থান করেন ॥১৯॥

काक अध्या एडे दिवित काशास्त्रहें 'झान देश' दान प्रश

অপর সাধকেরা আছার নিয়মিত করিয়া পাণপ্রভৃতি পণা বায়তে প্রাণ প্রভূতি পক্ষ বাম্কে লয় করেন। এই যক্তাভিজ সাধকেরা সকলেই যক্তমানা পাপক্য করিয়া থাকেন ৪০০৪

क्षित्र क्ष्मित्र — ज्ञान, सन्त्र, स्थान, स्थान, स्थान स्था

যজনি ইণ্ড্ৰভূজো যান্তি এক সন্তিন্ধ । নাম ুশক্ষেত্ৰকত কৃতিহ্ম ক্ষমতন । ॥৩১॥ এক ব্যক্ষিণ নকঃ বিভ্তা বক্ষণো মুখে। ক্ষজান্ বিভি ভান্ স্বানেক কাছা বিমোকালে॥৩২॥

ভারতকৌখুদী

স্থানি জ্লাম পাল্যমার জানি, উক্তা জ্লানা নিজেন্ধ ধরণারির কালোর অধ্যাধ্যান ক্ষরতা নকন ইনি সা, সনামনা নিজেল হাল পুরা বিদ্যাহার ক্ষার্থানের জ্লানীন ইবার রাজ্যানিন ক্রেল বা কৃষ্ণান্ত আলানা ক্ষার্থানির ক্ষার্থানির ক্ষার্থানির ক্ষার্থানির ক্ষার্থানির ক্ষার্থানার বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিদ্যালয় ক্ষার্থানার ক্যার্থানার ক্ষার্থানার ক্যার্থানার ক্ষার্থানার ক্যার্থ্যার ক্ষার্থানার ক্ষার্থানার ক্ষার্থানার ক্ষার্থানার ক্ষার্থ

इन्तरङ्गी उन्हें है। इद्याच देव दिव क्षा अक्षान (देव द्या क्षाइन क्षाईन क्षाईन

ভারতভাবদীপ:

হাজ্যন্ত প্ৰায় কৰি হাজ আৰু সভাগ প্ৰচল্পত্ন কৰা বিশ্ব বিশ্

সাধ্যের এই সমস্থ বড়োর সংগ্রে কে কে মতা করার পরে অস্তমন্ত্র করা ভোজন করিয়া সনাত্র রক্ষাত করেন। কিন্তু কৌরবংশ্রে। যে সোক ইতার কোন মতা করে না, ভোতার এই মনুর্পোক্ত সুখ্রুনক হল্পা, ফুর্ল প্রভৃতি আবি হঠাবে কি প্রক্রি ১ ৪৩%

শক্ষ্ম বেদের কর্মকাণ্ড এইকস বহুবির মত বিশ্বর্ক্ষণে উক্ত ইট্যাছে তবে সে সমস্ত স্থাকেই কর্মকাত বলিয়া ভানিয়া রাখ, এইকস জানিয়া বেই জান্যজের ফলে মুক্তিলাভ করিবে ১১১।

कार्य भोदी । तर्र छ द्रवेद (सर मान्यत १/१० स , १८३४ । स रहे पृक्ति । कार्य प्रदेश्य ना र स । अगडर मृक्ति क्या क्रांसरक व्यक्तिक १००४ বেশান্ দ্ব্যময়াদ্যকাক জান্যকঃ প্রস্তুপ।
সর্বাণ কথাবিলং পার্থ। জ্যান্য পরিসমাপাতে ॥৩৩॥
ভবিদ্ধি প্রশিপাতেন পরিপ্রশেন সেব্যা।
উপদেক্ষান্তি তে জান্ধ জ্যানিন্ত বৃদ্ধিনঃ ॥৩৪॥

काश्वरकोव्नी

জানাত কোন হোণানিনি হে প্রস্থাপ পার্য সহ । নার্যাধনসহ হ হুড় স্থাপ্নির্বিভাগে সভাগে, জান্মজা কোন সংগ্রাধন প্রস্থাপদত হস কার্যাদ্দ প্রাহন প্রক্রাধ্য অধিনাম্ অপ্রতিব্যাদ্দি ব্যামিক কার্যাধ্য কথা, সহ ১. ৮ পুর্বেশিক স্থানীকে জানা, পরিষ্যাপ্রতি অক্টবারি, "সাধ্য ভ্রাভিস্থানীত গালিকিছে প্রস্থাতে স্কুক্তিকি" রাতি আলাক, ১০০০

न्यविष्यि प्रदेशना वय उत्तर्भविष्य प्रति । १८ वस्त्र १८

ভারতভাবদীপ:

প্রস্থপ অক্ন। দ্রাসম্পাদিত মজ হইছে জান্যজ শ্রেল কেনানা, বিভিত্ত স্কল কমাই ভানের অসুগতি হইছা পাকে ১০০॥

ভাষা প্রায়ে— অস সধান্য বলিয়া উত্তর জান্দ সংঘটে হয় প্রতংগ ইক্পাছতি লেক্সার উদ্দেশে শে বে মাজ করা হয়, ভারাও এখা উদ্দেশেই বরীয় থাকে। কেনান, ইক্র এখা এই জন্ম সময় জানাই স্থাধানের অধ্যমূত বলং চয়। ২০০

অঞ্ন। তুমি শুরুগণের নিকট ছইতে সেই একপদার্থ বৃথিয়া লইও। তুমি অষ্টান্তে প্রশাম ও পরিচ্যা। করিছে থাকিয়া সক্ষপ্রকার প্রশ্ন করিলে, শুরুগণ প্রসর ছইয়া ডোমাকে জানের উপদেশ দিবেন ॥১৪॥

ভাশ্বা কৰি হন বটে, সংখ উচিবে। প্রভাশভাবে অধনন্দন কৰিছে পাৰেন ন বলিছ। উদ্ধান কিটে সম্পত্ন ন , মার গভাব অধ্যাত্মত প্রিড ব্রিয়াছেন এবং এছনশ্ন ২০৬ মহাভারতে

যজ্জাই, ন পুন্মেইনেবং হাজসি পাববং। শেন ভূদাক্ষেদ্ধি দ্ৰুপজাল্লভূপে। মধি ॥৩৫॥ তালি চেনদি পালিভা: দ্বভা: পাপ্রভ্য:। সর্ব- ভারেপ্রবেটনৰ বুজিনা সম্বিক্ষি ॥৩৬॥

क्षित्र करको भूगी।

िहर्ष्ट्रक कर गर गर । गम ६४ का असम्, अस्य गता दय, अनिवर्ष दहर्ग र स रमें प्राप्त पूजन पूजिल प्राप्त म प्राप्त म किश्व , एस छा हसेन, अस्तिन ष्या प १,७१० ० लाट ६० ६, ८,००० कि १९६ हु॰ स नेका ४७।वह प्राच् MA A FOR BEIT P. TER A P P TEE

্রতন্দপুপর্গদ্ধি বিশ্বর্থনাভাবে শ্রেকিডার একীপে। হে আংস্কার ুচ্ন বুং চনচছন এলেপ পন্পপ্রবুহ হাংকংবের পংপক্রী হিসি ভেতাপ্ ভানত বান্ধ প্রান্তপালে বান্ধ, সংগ বুজিনা লালস লর্ম, সম্বর্জনি : জ্ঞানীক্রানে महिरमण्डि कार्यः ६०७॥

ভারতভারণীপ:

मध्याना । १९७० द्वास्त्र ६ १९६ हेशालाचित भूलदेव ६० लाग मध्या अद्या अभि ६ तम् अद्यान । कृष मा देव विवस्ता भागमा । मार्च इंग्लिक्क (चे मन्द्रमूट अवस्यक्त अकाशि नात्या হান্তি গ্রাক্ত ১ হল্প প্রনিশেষ । ভাগুরুসংক্ষেত্রি মৃহস্রীমানীডি ক্তি কুন্ত তা নাজ বাল বিভাগন পুৰুত জীলালে লিবছ সঞ্জীত ভাতৰ সম্পূৰ্ণ কৰি এই ছন্ত জ্ঞান নাম মনুদ্ধী এই মুখলী পুৰুষ বিশেষণ কলা আইছাড়েছ চাছে।

পার্নজনা রুবি যে জান কাভ কবিয়া পুনরায় এইরপে ছমে প্রিভ হট্ৰেন এব য জানের বলে ভূমি আপন্তেও আনাতে সময় প্দার্থ দেখিতে পাইবে ॥৬৫॥

न्त्रांक भ्यंत्रहा । मध्य १ मना वृक्षा (अहे संबद्धहें तक) उहें द्वम स्व न हड़ेया ,यद्य निर्माद ও সাম্যত সকলেও দিশিব তুপন আৰু 'অ বি অজ্বা 'ইনি কুফা' 'ইনি ভাঁছ এবং 'ঐ স্থোগ' ইক, মি তেল্পান মুক্তির না বিশেষত সে সহায় হঞা, ত্তুমান ও চননপ্রভৃতি সম্প্রী ন্দ্ৰে ব্যৱ ব এন প্ৰেৰ ভাইৰে জানত গাড়মনে (মাত ও লোক প্ৰাভূতি না প্ৰিৰ আপিয়ানে मकारी करिएक आदिएव १००१

अञ्चन । इति यप्ति भवत भाषा व्यापका अधिकशाभकाती द्**रेश** थांक, ভগাপি এক জানকণ পোত্ৰাবা সমগ্ৰ পাপ্ৰমূজ উত্তীৰ্ণ স্থতিত পারিৰে #০%

ত্রাক্রেন্ডিয়া অব্ভান অভিযুক্তন । প্রসংগ্র জাগাতে লাল ও লুবা উন্মুট্ট লয় চইবা य ए, अकर भूग्ये रह हदीराहरू, क्रावेश रह इहीर्य कामर्थ रहाई एक्कारनंत देश रा সমুখ্য দাদ এটাড়ে উকার দান্যা যাহ, ডাডাডেড সন্মের নাই ১০১৩

(da) (एम कुडाकारणस्वत सः।

যথৈশাংসি সনিজেহেলিউপ্লেশং কুক্তেহজ্ন।।
ফানালিঃ সর্বক্ষাণি ভ্যাসাথ কুক্তে তথা॥৩৭॥
নহি জানেন সদৃশং পৰি ক্ষতি বিভাৱে।
হং স্থা যোগসাসিক, কালেনাছানি বিক্তি॥৩৮॥
শক্ষাবান্ লভতে জানা তথপৰং সংগতে ক্ষিণ।
জানা প্রাণ শান্তিমহিবেশ্যিক্তি।৩১॥

काइउरकोश्रमी

क्षित्र वर्षा भवते. इन्हेंपीड , कार्यन मन्ष्य, भविष्य मुक्ष्यना देख, इंट नार्क दिशा ६, निष्ठ के स्थाविष्य भागनाय क्षानिया भागिता । इन्हें का ना नम इक्ष्मा शाहर क्षिति । राज्य कार्य राज्य मानिया, कार्यक्राविधितृत्व भिण्यकिष मुक्षियन, प्रथम द्यांनव, कार्यक्र मान्य मान्य, प्राद्यांन प्रकृतकार, द्या साम्य, दिस्ति क्ष्मण्डार दिस्ति साम्य करार, प्राप्त कार्यकार दिस्ति साम्य करार, प्राप्त कार्यकार क्षा करार, प्राप्त कार्यकार क्षा करार, प्राप्त कार्यकार कार्यकार क्षा करार कार्यकार क

ভারতভাবদীপ:

স্তব্দ দি মধ্য মনি মহি ব প্রান্থে প্রায়েখ্যে চাজ্নীতি ক্ষেত্রপ্রক্ষণ সংক্ষাপনিব ক্রিনিক প্রায়েশিক স্থানিক স্থানিক

অজুন ৷ প্রজিত অগ্নিম্ন কাটসমূহ ভবা করে, সেইজপ জানবজপ অগ্নি এইক সমস্ত কর্ম ভবা ভ্রাক্ত করিয় পাকে ১৭০০

ত্ৰিশ্ৰীয় প্ৰজাৱৰ কংখৰ লগে ইংজাৱ নাই ইইংগাড় এই স্থান ও চুল লোগ কৰিছে ইইংলাড় প্ৰজাৱৰ কংশ শ্ৰুম শ্ৰুম লোই প্ৰনাণাই লাভ। বিন্তু ইংল জাৱে যে সকল কথা ইইংলাছ, সেপুনিৰ কাৰ্ড—স্থান, ক্লান নেই স্ক্লান্ত নাল কৰে এক ছেংপুৰ্জাত কথাতে ভূই বীজেই ভাগ ফৰ্জনাল ভিলাল কৰিছা থাকে নেশ

জ্ঞানের তুলা পবিপ্র বস্তু ভগতে বা বেদে নাই। কথ্যোগে সিদ্ধ হইছা মানুহ যথাকালে নিছেই অন্ধকবণে সেই স্থান লাভ কবিয়া থাকে এ০৮৮

ক্তাক সাধান নাগ্ৰ অভানেষ্ণক অপৰিত্বতা সংগ্ৰহণ আগবিত্ৰ হয়, কিছু জন সেই অভানকে নাগ কৰে বলিয়া অঞ্চানমূলক অপৰিত্বতা সংগ্ৰহণ আগবাহনীতে পাৰে না গ্ৰহণ হক্ত শ্চাশ দ্ধানশ্চ সংশ্হাছা বিনশ্যতি। নাম্ব লোকোহস্থি ন প্রোন ক্তথা সংশ্যালনঃ ৪৪০॥

छात्रक्रियमी

স্কালাকে দাভানা লভাগ ইকাত ভাষাকানিতি সাধাৰ ভাষাকালাকী, আদিলা সকল একপ্ৰেশ্যাকিক বিশ্ব তালি চলা নালিছে আনি জালি আন্তালিক আন্তালিক কালাক আদিলাকালি । এই।

छेक्ष्रिकी हर निक्षित सक्ष है ।। २६ च इस नाराम द्यावना न प्रत्रिक्षण्य वार्ष्णाम् व्यविधानो ह, मानव पर ना न व दिख्य मास्यान साम्यान व्यविधानो ह, मानव पर ना न व दिख्य मास्यान व्यविधान मास्यान है दिख्य विधान विधान के व दिख्य के ना व दिख्य के ना विधान के विधान विधान के विधान के ना व

ভারভভাবদীশ,

ক্রাজন্মার জন্ত নার্থ কর কর্ম কর্ম জন্তর জন্তর নার্থ নায় — অর্থান মুক্তি কইয়া পারের ১০১৮

যে লোক আ হাধ্য জানে না, না নাক শুক্ৰাকো ও বেলাছবাকো বিধাস কাৰ না এব যে লোকের নান সন্দিত, ডাছাদের ভীবনের ফল বিন্তু হয়, ইকাদের মধ্যে আবার সন্দিত্তির লোকের ইহুলোক, পর্লোক বা প্রকৃত মুখ হয় না ৪৪০৪

ভাবি পার্মী তর্কী বান্ত হবং কল মুকি নানুকি সক্রমন্ত লাবের স্থাত পাবেন বিল্লান করিছিল করিছিল

বোগদাভাত্তকাণি জানদাভিন্দাশান্।

আন্তর্গন কথাণি নিবপ্তি ধন্ত্য : ॥৪ ॥

উপ্তিন্দ দাশ্য কোনাতিভোতিত ভারত : ॥৪২॥

ইতি জীনহাভারতে শঙ্দাহজাণ সংহিতাবা বৈয়াসিক্যা উপ্পর্কি

ভগ্তন্তীতাপ্রি ঘন্টাবিশ্য হিলাদ্য

ভারতকৌষ্দী

উক্ৰিজ্প নাগতি প্ৰতি নাগতে কথানি নাগতিক নাগতিক বাদ্যালয় বিশ্বন্ধ নিৰ্দিষ্ট কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানি কথানি নাগতিক কথানি কথানিক কথ

ইপানীং ক্ষুৰাম্পনিকতি উলাপিনি এই চকাছা উলোন সাধারত মহান্ত্যান হৈছিল।
মাধ্যনো মাধ্যা আনামৰ সিং ক্পানেত্যা, মজান্ত্যাই কাম্মান্ত্যা ভীত্যাকে ইপানা ন কাইবিয়াৰা সামান্তির, বোলা ক্লোনোলাই তালিই তাল্যাক জালাল কাইবিকা মুক্তম্ব কুবি হার্বা আক্রোবালিই মুক্ত সভায়ে ভালালে।

ইতি গ্রংমধ্যেলনে গ্রাল্ডবিদানসিদ্ধ ভূব বিলাভট্যতার বিবৃতি ন জাত্রাভ বাইটাকার। ভারতকৌনুদ্যালয়গোলোগ ভাত্মপক্ষি ভগ্রস্থীভাত্যালগা বাংগাহর ই বংল

क्षेत्र हा ह इंदूरशंक्स, इ. १०४

ভারতভাবদীণ:

त्यार्शिति । (प्रार्थन क्षानाकष्ठनेताप्रकार महावादि स्वाप्त प्रवाप प्रकार का शासकार का शासकारित क्षाना दश्च एक त्यार्थमाश्चरक्षामा अस्ति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त किल्ला सम्बद्ध भाषा (प्रदेश शासा व भाषाद्वीत विकृतिवृक्ष, विकृतित कक्षाक्रकार व सक्षार्थाक द्रान का व व्यव क्षा

ক্রেন্ যিনি চিতের একাছত। সহকারে সমস্ত কথা উপরে সমপন করেন, ভর্জান মালার সমস্ত সাম্যুদ্ধ করিয়া দেয় এবং যিনি জানি ও কথা সাধনে ময়বান্ধাকেন, কথা উচোর বন্ধন ভথাইতে পারে না এবংব

প্রে বিশ্বস্থা সাম্ভণ প্রি কর্মে স্থার বর্ষের ব্যারণ কর্ম হা হার ব্যারণ কর্ম হা হার হারণ কর্ম হা হার হারণ

পঞ্চমাহধ্যায়ঃ।

অৰ্জ্ন উবাচ।

সংস্থাসং করেবাং কুষ্ট । পুরয়োগ্র শংস্কি। মকেছুয় এতংগ'রেকং কল্ফ জাহি ভানিশিচতম্ ।।।।।

ভারতকোস্দী

मान । अम्यक्षक म् इत मन प्रकृत ए एक निरंदर वर । इत रिमा क्षा द्वान केंद्र रेक रेक्टर अरम र मिर्ट कि वर मसे पूर्व कर नवल हिंदिए। असमस्या क्षात लक्षकत्तर अक्टेनक्षित एवं र १३३ वर्षिक्ष दिव पित्र १५३ सक्ष्य अहे प्रस्ति देवाह अवन्ति र दश देव तथ निर्मेन्द्रिक अप आदा आदा आदा आदा क राज्य सं, सं राज्य प्रमाण कर सम् पुन । यह । तह । कन्द्र साम करणकु अध्यक्ति । असे पुणस विधिना देशी ए। अन्तर्भ का व्यान रविष्य, देश विध्यक्ष श्रेष्ट श्रेष श्रेष्ट श्रेष श्रेष्ट श्रेष श्रेष्ट श्रेष श्रेष्ट श्रेष श्रेष श्रेष्ट श्रेष श (집) 성도장면 이 모든 장이 때 안 가지 수 있는 나는

ভারতভাবদীপ:

अभुत्य क्रियुत्त जारज पर रक्ष अक्ष अभिनेत्रियान, क्ष्मू आध्यक्ष कर्मा किसम् कर्मा दि क्षा कि से कि है है देन से १ वर्ग के दें ते के दूर तकिया कि कि आ से 1944 से

है । भी प्रभवती देवल वर्ष र इ. १३ - १०% मा अहर विरद्ध देवर १ । १४। Big Landers Da Sgr et 4 14.

---- (::)-----

हु। १, ३। व वर्णाम चन्त्र किल्लिह दिक्ति दिक त्वर निर्मेष्ट स्वता न कर्षण तम राष्ट्रारेश्वरण । भूक मार्कण ए ए र मिल कर्षा द्वार ज्ञानीश्वरण वल कृषण विकासकान्। (है। बस्कम् । কথা পাৰণতিক বকা ই ভাগদিন চতুৰে তুল্ললসভাল দলনৈ ভাগদিল কথাকে ত বেৰ ওপ স ক্লাপেল ক্ষুক্তিনিবলে ১ মত্তিকু ঘ্ৰচ্চত্ৰ কথাৰ কথাৰ কথাৰ স্থাতে বুং

ভ্ৰতন্তন্ত্ৰ কৃষি ব্যক্তন্ত্ৰ ভ্ৰবাৱিখালা অভানসভূত কুদয়জ্ভি এই সাধ্যুক ছেদন কবিয়, কথাযোগ অবলহন কর এব উঠিয়া केकिक, भेडरह

क्रां क्ष्मिक्त्री- क्षांक्र ने का क्षांक्र का क्षांक्र का अपने क्षांक्र कर का क्ष्मिक क्षांक्र का क्ष्मिक क्ष ক্ষাত্রহের পক্ষে কেমন বুদ্ধান্ততি star

क्रिडिंगवासूबांह ।

দংস্থাদঃ কথাবোগ¥6 নিংশোন্দকরাবৃত্তী। তথোত কথাদংস্থাদাৎ কথাবোগে। বিশিশুতে ॥২॥

ভারতকৌমূদী

व्याद्वाहितः विकाद श्वाह शाहाम हे हि । अध्यान कवाहास, कवान (शाहा क्वान्स), व्याद्वाहित विद्यापनस्थों के विकित क्विहान कार्याश्वाहित प्राप्त कर्नम् । किंद्र व्याद्वाहित क्विहान स्वाहित क्विहान स्वाहित क्विहान स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित क्विहान स्वाहित स्वाह

ভারতভাবদীপ:

ক্ষিণা ইতান খন বেপাওম্। সংক্ষানাৰ প্ৰথমিণ বিজ্ঞানি ক্ষানাৰ না বৈধাৰা বিশ্ব বিভাগি কৰে। সংগ্ৰহ কুলি বিশ্ব ব

অক্ন ধলিলেন — কুফা ্ ভুমি কংশরৈ ভাগে আবাৰ কথা কৰা কৰা এই ছ-ট ধলিতেছ অভতে তেই ছুইটাৰ মধ্যে যে একটা ছোৱা, ভাচ বিশেষভাবে নিশ্চয় কৰিয়া আমাৰ নিকট বল' ঃ.চ

ভেশ্বংশার্থা - মংলোক ও স্থাকার এবন এক সহায় এক ভারণ হার কিছে শাবে না, তেমন এক সহয়েই এক ব্যক্তিকে কথাপাপ ও কথা করা ধাবিকে পাবে না। সুম্বাং ঐ উত্যান মধ্যে ১০টা, ভাল, ভাল নিশ্ব করিয়া বলা ১০ ুক্তলঃ স নিতাসলনেসা হ'ন ভেটিন কাজকতি। নিহ কে হি মহাকাতে : তথং বহাৎ প্ৰমৃচাতে ॥ আ

ভারতকোম্দী

ভারতভাৰদীপ:

কৃষা বলিকোন - কৈছাভাগি ও কথা কর এই ছুইটাই মুক্তিজ্মক বটে , তবে ভাতার মধ্যে কথাভাগি অপেকা কথা করাই ভাল এ১॥

মহাবাত অজুন। যিনি কথের উপরে বিবেষ করেন না কি বা ফলকাম্নাও করেন না, ডিমি কর্ম করিছে থাকিলেও উছোকে ক্রমস্থাসী বলিয়া জামিধে।

সাংখামোগে পৃথগ্যালাঃ প্রকার ন পণ্ডিডাঃ। একমপ্রাস্থিতঃ স্থাওভ্যোবিক্তে ফল্যু । ৪॥

ভারতকৌসুদী

नक्षण कर्षाहि, माइन्स कर्षा वस् भावत्त्वि, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति, ध्रम्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति, स्थान्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्म्पुत्ति क्ष्मप्तान्ति क्ष्मप्तान्ति क्ष्मपुत्ति क्ष्मप्तान्ति क्ष्मपुत्ति क्षमपुत्ति क्

ভার্ডভাবদীপ:

ক্রিণ, প্রক্রিরেশি দ্ব বৃশু লোক অনাম্নে স্বার হইতে মৃত্তিলাও ক্রিডে পারেন গুলা

ত্রেক প্রার্থিক বিষয়ে কর্মন কর্মন নাই, তার পরিজ্ঞান র প্রের কর্মনার কর্মনার

য়ং সাংহৈত প্রাপেতে ক্ষেত্র ভল্যেটোরপি গ্রাত্ত। ४०° माण्याक मापिक गा अन्त्रीं में अन्तर्धि ॥दे॥ সল্লাসভ মহাবাহে। তুল্বনাপুন্ধোগ্রং । ুণ্যবুক্তে মুনিৰ কান চিৰেণাধিগছতি লঙা

छ!३ए(को पृष्टी

वर दुर - नगर र तमस् ५ दर्ग प्रमान माना माना र भागा है। ण वास्त्रम्था । यक्षा १ व व्याप्ति मनाव्या कर्णा है। वा

ন্তাৰভন্তাৰদীপ:

तत्र प्राप्ता क रक काँठ का लिल पुरु एत क स्वीतिक अवासन विशेष देश्वालि a the party in a big of empty site from being bil १ वर्गस्य वर्षः । १८ ४ १ १० ५ म मिल्लास्य मेर्गानास व्यक्तिक्ष া বিলাহ বা আন লাভ অভানসন লা লি প্রত্যাহনত বৃত্তি কলম চনত रण ५ त्रप्रकार अपद्रा स्थाप कार्य द्वासार म्, उद्यक्तिम्म । ल्याप्त पर . च वक्ष व्या । साम विशेष विकास सामा विकास का का नामा विकास विकास का का

भूग नाजे कथ्यमहाराम ७ कथायाजरक निष्या काणा नाल, किन्नु शृक्षिरहत्व। নতে কাৰণ, এ উপায়ৰ মধ্যা একপিছত সমাক্ অনুসান কৰিলে, উভয়েরই क्ल नाम कर्ता पांच । १४।

क्रोप्रकारी के के निवास के ते हैं के तह के तह के निवास के किए के कि नहीं के लगा है के कि नहीं के लगा है कि नहीं भाजा राष्ट्रभव नव्य भव संय- वयमतः में व्यक्ति ते त्रेशाव क्या कृतिहरू कृतिहरू टामाच्यासि नहीं। पा व्याह पदाल सामा क्या कराइ पारंच स्टब देशकारन क्या क्याहक "कष्रपुर्वत वर्षात । अवन प्राप्त एक वर्षिण कष्ममा अप एकष्ट से छेड्यूडी खेक 150

জানসম্পাদক কথ্যসভাবিধাৰে যে খুজি লাভ করা যায়, জানসম্পাদক ক্র্রেণ ছেবাও দেই তুক্তি লাভ করা যাত্। অভএব ফিনি কর্মরাস এবং কশ্যোগ্ড এক ধলিয়। ভাবেন, তিনিট সমাক ভাবেন ধ্যা।

ক্ত্রেপ্রার্থ পুর্বাস্ত নির্মান কর্মস্থানের ফলও তথ্য নার্থনালের ফলও উল্ভেখন, ক্ৰাম নেই সভ্তাহনৰ কল্প কেন্দ্ৰিক প্ৰত্যাগ হিনি ক্ৰান্ত্ৰাল ও ক্ৰা ব্যেশকে এক বলি ৷ ধারণা করেন, বংনিটা প্রকৃত জ্ঞানী এবঃ

ভারতকোমুদী

ভারতভাবদীপ:

नित्त प्रश्नित विद्युष्ट्यू । विद्युष्ट्यू का विद्युष्ट्यू हिंदि । विद्युष्ट्यू स्वार्य्य हेर्नित विद्युष्ट्यू स्वार्य्य स्वर्या स्वर्य स्वर्या स्वर्य स्वय्या स्वय्य

মহাবার অফুন : কথাযোগ বাড়ীত কথাসরাসে লাভ কর যায় না ৷ অত্তর সাধক, প্রথমে কথাযোগসমধিত পরে মননশীল কথা স্রাাসী চট্যা অভিরক্তিমধ্যেই প্রক্ষ লাভ করেন ১৬॥

क्षिण क्षिण - महाद शहर हर, अह नहें माल हरेग्य अपन् , एडान शहर हर्ग ने प्र हाहार हालि हरेग्य आप कर पाय न विकास मान्य कर्षण अपन क्षिण क्षेत्र हरेग्य क्षेत्र ने प्रमान क्षेत्र ने प्रमान हरेग्य हरेग्य क्षेत्र क्षेत्र हरेग्य हरेग्य क्षेत्र क्षेत्र हरेग्य हरेग्य हरेग्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हरेग्य हरेग्य

্ষাপ্তুক্তা বিশ্বন্ধ। বিজিতার জিটেপ্ডিয়ে। স্বত্ত রচুতার ক্ষর্পিন নিপাত্ত গণ।

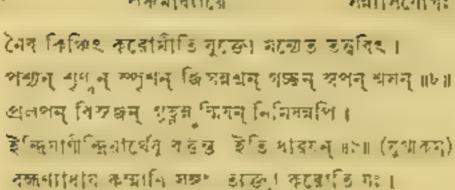
ভারভকৌমুদী

छ। तष्ट छ। वस्त्री शः

The same to the state of the same of the s 化有效的 一日 日本 医生工工程 人名西莫尔斯斯 一进入 网络阿特拉州国际科 पुरिष्ठ इमार्थित्वतः इ. १ १० देव - व. इ. १८ द ५ ५० (ल. इ. इ. श्रोद्द्रभाष्ट्रप्री), ME ES DE STATE POSTER OF SE MER MAIN BAST र भार देवकर पर १६६० वट के. ता सार के कार अप विश्वपाद प्रवास विद्वासिका का कुरुद्ध पुरुष मार्थ पुरुष के अवर्षा पुरुष कर कर्म कुरु के में मार्थ पुरुष कुरु वरणाविक्या के ले का मार्चित्र राष्ट्रिया राज्यात मार्चित्र प्राप्त मार्चित्र राष्ट्र मार्चित्र राष्ट्र राज्या । या সংখ্যা ৮০০০ তুল অংশ, শেষাৰ কৰে সাইছিত তেপেট্ডাৰী ত্ৰাধানা কৰে আছেছ ভাষ্ঠিততি ধাল সাংস্থা মহাভুত হাতুভুত্ম হা হংকুৰি বিগৱত ভশিত্য भारत १६ के तत के तर अस्तिमान्योजन विकास गाउट सन्दर्भन, मुद्दा मानिकासन मानिक 表不知, 我们我们的有效不 我 蒙 化沙 类 阴囊 原文的 经有效 医红色 化 蒙古斯 电 蒙古斯 医毒素 क्षा है कारत के लि का करत है जुड़ है के के दर्दे कर विश्व के अवस्थ है अपने के देवर पहिल्ल के विश्व है कि अभागीता अन्य इत्र ६ ६ ए इ. छर्गात केंग्टर १४४ छेठा ६६, भरण हु छेपामान्य जिल्लास करण न न मा अपेक्क क्षा अध्याध्यवमाह होति विश्वाप्त वस्ता प्रश्वकात प्रदेशकार सरकेतर अवनार्य वाक्ष्मित सहित कुक्स मिल विमार व व्यक्त श्रुक्त नार कुछ। (मनी सिक-दे कि । १ शहस २९ मा तथु । अन्तरहे दलदम्य मन द एक गृत्वे ६९३ ज लिल, क हेट खड़-

নিক ম তেইব, কথা কৰিছে থাকিলে, রাগ ও বেৰপ্ৰভৃতি তিরোহিত হণ্যায় চিন্তু নিশাল হম, শরীৰ স্থাত তেইবা পড়ে এবং ইন্দ্রিগুলি বশীসূত ইট্যা মায়; তেখন সাধক সমস্ত প্রাণীর আহাকে আপনার আহা বলিয়া মনে করেন সুত্রা সেই সমায় ডিনি কলাভিং কামনা সহকারে কথা করিয়া কেলিজেও ভাহাতে লিপু হন না ৮৭ঃ

ভেশ্তশ্রার — নালালো উপেতা প্রে, দে সই বিষয় মতিনিবিট হইলে, তাহার অক্তারা বিষয়ের মতভূতিই হয়ন , মেনন সমন্ত হার চরণে তুলালিকার্ল হইলেড ভাহার



লিপাত্ত ন স পার্পেন পদ্পের্থিকার ॥১০॥

ভারতকোম্দী

ভারতভাবদীপ:

कुममामपाहि—देनद्विष्ट काञ्च व उद्दिश साह नियं विद्यार सहयो है व साह वहार, उद्धादक कुम्म हे किश्वित है सम्मामपुर्व के कुम्मपुष्ट के किश्व कर है किश्व प्रमुख्य है कि मानक कि किश्व है का दिया मुन्द के हैं है सम्माम। चयर हि रहानो न हे कुम्म है। यह सम्मामपुष्ट क्ष्म कि किश्व दे व व मानक किश्व स्थान के क्ष्म के किश्व कि स्थान के क्ष्म के कि किश्व के स्थान किश्व के किश्व किश्व के किश्व किश्व

আয়ু ভূপান হয় ন । এ কো হাও সেইজল, ১ লাল নক সহলৈ আ ও ছালপান, কা উ আই কাব্য ছোকাইডে প্রেরুর এইই ছোনা, উ আই কালগুলি কাম্য উপাস্থান এইছেও কাম বিজ্ঞান অনুভূতি ই হয় না ধাৰ

বৃদ্ধনিবিষ্টিত বহাজ লোক দৰ্শন, সাবণ, স্পূৰ্ণ, আৰু, ভোজন, গামন, নিয়া, আদ-প্ৰাম, বাকো।৪৪বিন, স্ল-ম্মতাগ, প্ৰথণ এব স্থাবিন ও সংখ্যাতন কৰিছে থাকিয়াও 'ইন্দ্ৰিয়গুলিই আপন স্থাপন বিষয়ে প্ৰথণ ইইড়াভ, কিন্তু আমি নিছে প্ৰযুৱ ইইডেছি না' এইজপ নিশ্চম কৰিয়া 'আমি কিছুই কৰি না' এইজপ সনে কৰিয়া গামিন কৰিয়া পাকেন চে— সা

क्ष्या क

কায়েন মনসা বৃদ্ধা কেবলৈরিন্দ্রিয়েরপি। যোগিনঃ কথা ক্বন্তি সঞ্চ ভাজুতি ভূজণে ॥১১॥

ভাৰতকৌমূলী

क्षण हरे ए दक्ष द्विर म वर्षणा शास्त्र स्थ क्षत सिन्दर्भिष्ट युक्ताहा। ए सहदूति, अध्या कताकोक्षा अक्ष्युं, हक्षा भागान्युं, घट, कि. विकित्रहारा अवलीर, क्या वि कि अपनी प्रकृति व व पर कार्या है के अवस्थितिया अपने कर्णानी, भाष्त्रकारित, पराधान दक्ष हरू के सम्बद्ध असे एका का पराधान कर कर लिए हैं के अवश्यादण,

मध्य एक विद्यालि वृद्ध विद्यार कुर्वहरेश के वाद्या है। द्रावित्र के स्वर्गासित , সঞ্জনস্কি ভাক কান অনুষ্ঠি মনস পান্ত্রচিত্যান বুছ স্থানগ্ৰালি, ्कर्रात न प्राप्टात्वम युवान कर्रा जिलाम र्याक्षणे ताल, प्राप्टेस्टाहर रोत कथा कुर्वा कि अपना সতি ভাঙংকৰ এমজনেমেৰ অন্তেটিয়াৰয়ে ১১১।

ভারতভাবনীপ:

ব্যুক্তি হৈ ডিব্নুস্থত ভূমিরতি ন জিলাত সংঘ্রতিধ্রতি পুথতি সৃত্তিহিছিল ARMINION OR SHE GIVEN HE SET BEG TE FAMILY AND A CASE HIMISON HE লিশা সহত্রণ পথালর্থিব চেনা কার্যান্তি কেব্যান্তিরি বিশ্বিধার্যান সংগ্র সম্বন্ধ भागित्र । इन्द्रांस कर राम प्रकृति हाल्या पुरने वर्ग हात मण्डल । इन्त्रेस राज्या हाल्या বেল দি ন বিশ্বক্তিক পুনি ভূপতিক দিবলতা করে নাম্যানি নাম্পা সাত্ত প্রাধ্য কথা कुरोष्ट्र के ब्राह्म । कि प्रमुक्ताधन । एक्टाइटर्गन उनेह्युर्गिटर व दक्षी व अरमव द्वा कुन 1551

মিনি বঞ্জ নতেন, তিনিও যদি মলের আদক্তি পরিভাগে করিয়া শর্মেখ্রে সম্পণকৃতিতে নিভা নৈমিতিক কথা কলেন, ভাচা হটলে প্রপ্র থেমন জলে লিপু হয় না, ডেমন ডিনিও পুণা পাপে লিপু হন ন। ॥১॥॥

ভেক্তিপ্রায় - লাল বেনে নব ক লাইব, মান, পুণ ও , মমন কর্মে প্রেবং ক ব । ভারবং শাশে ভিপুন্ত হৈ মৃক্তির পত্তিক্ষক। সত্ত্র হ্লগ্রে পাশে ব পুণ ক্রমটাই নে হয়, इडिसनम्बद्धि कषा के दृष्ट बडोट्य , एमंड वर्षे विकास डांस १५०)

कन्मरागीत, वाक्कित क्वा क्लात वामिक आर्था कविया (पह, मन, दृद्धि ত কেবল ইন্দিয়বার। কার্যা করিয়া গাকেন 🖫 💵

তেশক্ত প্রত্যাস লগতে বিষয় কর্ম করি বিশ্ব কর্ম করি বিশ্ব কর্ম করি বিশ্ব কর্ম প্রত্যাস বিশ্ব হটাতে রাণ ও বেবপ্রভাভ ভিতর ভিত্রটায়, যায়, ভালন ভিত্র নিম্পর্থ এবং লেই সন্ধ্য ख्युळाल ख्रा, ख्राक्षान कांब्रानडे पृष्टि ३६ । (भड़े क्यूडे क्यूड ग्यान सराज्यातिकार विदिध পাঞ্চিত দেবখাবা শৌখলানারি, চিত্তবংর ধ্যানারি, বৃত্তিখার স্ক্রিকপ্রপ্রভৃতি এবং খ্ন, मारवारम्ख देखिरभनकातः सर्वेन्द्रंबन्यमि कादा कतिया धारकन ३०७०

যুক্তঃ কথাকন ত্যক্ত্যু শান্তিখাপোতি নৈটিকীয় । অনুক্তঃ কামকারেণ কলে সকো নিবধানে ॥১০॥ সর্বকথানি মনসা সংক্রতান্তে তথা বশ্ব । নবদারে পুরে দেখা নৈব কুর্বন্ন কার্যন্॥১৩॥

छ। बङ्को भूमी

বালাক্ষানিভি কশুনিষ্ঠিরত সভাসালনর ককার লা তেজান, মল কলাক্ষ নিশালুভার নিশালিভিওত কথা যাল হলাগে তেজানিভিত কাৰ্যিক সংক্ৰি। কলী বিজ্ঞানিত বিজ্ঞানিত কাৰ্যালি কাৰ কি, মাজত প্ৰিক্তা, কোনে পি কিনিক্ষিক কাৰ কি, মাজত প্ৰিক্তা, কোনে পি কিনিক্ষিক কাৰ কৈ কৰা নিৰ্দেশন লি কিনিক্ষিক কৰা নিৰ্দেশন লি কৰা কৰা নিৰ্দেশন কৰা কৰা নিৰ্দেশ কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দেশন কৰা নিৰ্দিশন কৰা নিৰ্দিশ

ভারতভাবদীপঃ

विभागुक हेडि गुक इक्षमानाय कद गराधित हैक्क्षणवर्षण न के के हैर व भूमणी लेखि देववनाय देविकण मद्भुका विक्षयद्भाषक्ष्रीति । करण द्या इति । करण स्थितियोग क्ष्मक देव देववज्ञ करण मक्ष्म मन् निक्षण व्यव १ १००१ करण देव भी सभावक्षाधिति । क्ष्मि क्षित्रक इत्या क्ष्मिक स्थाप्त इत्युक्त क्ष्मिक स्थाप्त कर्षित क्ष्मक विव प्रक्षे स्थाप्त स्थापति । क्ष्मिक दिल्ला कर्षा क्ष्मिक न स्थापति स्थापति स्थापति कर्षा क्ष्मिक स्थापति व्यव स्थापति व्यव स्थापति स्थापत

রবরনিবিটটির সাধ্য কথ্যকলক।মন, ভ্যাগ করিয় কথা করিছে থাকিয় ব্রহ্মকানিনিপার মৃক্তি লাভ করেন; আর ইখরে অনিবিটটির লোক কামনা প্রেবিভ এবং কথা ফলে আসক্র হুইয়া বছাই খাকে ॥১২॥

র্ভীগ্রপক্ষণি

নকভূফে নকমা: লিকেসা ক্ষেধি এছে: † न कथा वनन स्मापित सन्ति । धने विकास ।

ভারতকৌস্দী

साक्षण कर्ना एक का मामा साहित का का हाई के जिल्लाकि का माना के किया किया की दम् । इस् ए ० ० ० ० १ ता अवस्त लाग का वा ११०० है। इस का रहा १ एक रहता चार्च चार्च चार्च वर्ष वर्ष वर्ष चार्च चार चार्च चार् केंद्रेड स्ट कर्णा है, तसे पायहरूपार्का तुल्लाका राम कर्णाय कर्मा कर्णाय कर्मा कर्णाय कर्मा कर्णाय कर्मा कर्णाय TON THE HE OF THE TRANSPORT TO THE PARTY THE PORTS

- ভারতভারদীপ:

कहर कर , , ' व अलाव दर्भ प्रवर्त के व क कि न मा दर अलग महा क् न क. महुक अर अर्थ वृद्ध पुरुष र ११ वृद्ध १ अ दुख पुरुष कि विदेश भाग ता राज्या १ १ वर्ष । एड एट १ १ १ मा वर्ष वर्ष वर्ष । कार्या १ वर्ष । कार्या १ वर्ष । • स व . १५ मर १० १९ फिल्ल म द । ०० में इन्दे तम म ना ना दे कुरेशाद्य क्षेत्र विकास कर का मान कर कर का का अवदान कर के का कि कि का का कि का का कि का িল ন প্ৰশ্বৰ ব্ৰহ্ম স্তৰ্ভ ব পুৰৱ স্থাৱ কিব্ৰুছ বিভূষ কাৰ্যসাহ্ম এই 明 李子子 不 人名英格尔斯 多情 发动。 117 有知此所明 我有你的明白。 उप (नवाप क्षण्ड के विकास प्रकार कर्ता का क्षण्ड प्रा বিভি. পুর কাম্প্র, সাধ্রাপ্র প্রস্তুতির কল্লালার বিক্ষার क्रम मांभूतिमा । कि इस मनदर्दित साम मान्या । नदर मा कशास देक्षा कि (क्रिका)

कि डे लेग्र (स क मन्यादान सन्य क या श्रिष्टांश क दिया, (सर्यादांव (काम कार्य) में कार्या है, में कदाबेगा महदादयक (नाक खार्य व्यवस्थान करवन ॥५०॥

অধ্যক্ত প্ৰস্থান নি সাৰ জানি, চা ছবি সাধাৰণ, বিভিন্ন মধ্যবৈদ্যালি নিয়া কুলা পুষ্ঠাইনি নৈতি বুলুবা, পুরুবালি কুলুকুল এবং তিংসাপ্রাভূতি নিবিদ কংঘ, মন্দ্রেম প্রাথ কৰি, ুলংখ্যে ও ুক্ন ক্রিন কৰি বিল্ল ক্রেইছে প্রাধী মেছন প্ৰপূৰ্য হ'ল ক'ল সেইজৰ ন্ৰক'ল, ক'ল জিল্পত্ন নিন্ধান কিছে বাস কংগ্ৰা। दाई पूजरन्दर नथ्जी परत त रख् का छ। २८ वर्ग छुटेजी, ठख छुटेजी, न मिना छुटेजी, सुध একটা, পাণু (মন্ত্ৰাৰ) একটা এ * উপস্থ প্ৰকাৰণাৰ) একটা (১০)

নাদ্দে ক্সচিৎ পাপে ন চৈব স্কুত বিভুঃ। অক্টানেনারণ জানি তেন মুহাতি জ্বব: ৪১২॥

छ।दक्षरकोत्र्यो

নাত "গাম কাৰ্য ক্ষাৰ বাহ্ন কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰা কাৰ্য কৰা কৰিবলৈ কৰা কাৰ্য কাৰ্য

ভারতভাবদীপ:

ন হায় কলাচিং প্রকাব নিবন্ধ বাং তালেলা বিবাদ বাং তার হান হানা ক্ষা লাব দিব কালাচিং প্রকাব বাং তার নাম নাম কালাচিং কা

প্রমেশ্র কোন লোকেরই কর্ছ, কাঠা বা কমফলের সহল সম্পাদন ক্রেন না ; কিন্তু জনাদি প্রতিই প্রাবতঃ প্রবৃত হইয়া এই সকল করাইয়া পাকেন 1581

তাত সাধ্যা — প্ৰায়ণৰ কি কাৰ — মধাং বিকি কিছুই কাৰে না , কিছ বিশ্বাসী প্ৰকৃতি (বা মধিকা বা মান্ত পুৱা পৰা কৰা অনুসাৱে ফীৰকে কগন্ধ কটা কৰেন, কগন্ত ভাষাত কাৰ্যা সম্পন্ন কৰান একা কগন্ত কৰা বা মুখ গটাইছ (দন ১১৪) জনানেন তু ভদজানি । যকা নাশি ভগাজনঃ। ভেষামানি কৰেজ জানি প্ৰকাশ যতি ভং প্ৰম্যা আ ভদৰ্জগলাকানেক জিঠা ভংপ্ৰামণাঃ। গজ্ভাপুনৱাহ ভিশ্জাননিধ্ ভিক্লামাঃ ॥১৭॥

छात्रफरको भूगी

য় নন্ধু শ্বাস সংগ্ৰহণ কৰি আৰু ক্ৰিটাৰে সুধান জ্বানন্ধ স্বাধনিক, ছলজা না নালি মন্ত্ৰ সংগ্ৰহ স্থান বাহু, মুলিটাৰেং স্থানান্ধিনাৰ জলানিক, ছেং প্ৰা স্থান্ধ নাজ্য শ্বি নুম্ন স্মান্ধিক সংগ্ৰহণ সং

- भागा त्रामा काश्वास कर्यक्षांत तृष्टिनिक्षाकृतिकाकृत्रायम (११वाक्षाक्ष्यक्षांत कृष्टिनिक्षाकृतिकाकृत्रायम (११वाक्षाक्ष्यक्षांत कृष्टिनिक्षाकृतिकाकृत्रायम क्ष्रायक्षांत कृष्टिनिक्षाकृतिकाकृत्रायम् । इ. १९ व्यक्ष्यकृतिकाकृत्रायम् । इ. १९ व्यक्ष्यकृतिकाक

ভারতভারদীপ:

স্থার কারারণ পাপ প্রধন করেন না, কিবা কারারণ পুলা চরণ করেন না, কিন্তু মজান প্রাণিগণের জানকৈ মারত রাখে, ভাচাতেই প্রাণীর। জমে পভিত হয় ॥১৫॥

ক্ষেত্ৰ প্ৰায় প্ৰবাদিক, বিশ্ব প্ৰায় গলাল লাল প্ৰায় কৰা প্ৰায় কৰা কৰে। কিন্তু আজ্ঞা লোকেৰ এই সমূল কৰি লাল প্ৰায় কৰি কৰা কৰে। কিন্তু আজ্ঞা লোকেৰ এই সমূল কৰি কৰা প্ৰায় কৰি কৰে।

কিন্তু একজান গাংগাদের সেই সজানকে নাই করিয়াছে, ভালাদের নিকটে সুখ্য বেমন সংক্ৰার নাই করিয়া জগং প্রকাশ করেন, সেইকপ সেই ভ্রুজানাই সেই প্রবৃদ্ধকে প্রকাশ করে হাড়।

তাৰ প্ৰিয়ি – নধাৰ্গজানের অভাবই এই যে, সে –ব্যুৱ সংগ্ৰেপ প্ৰণে করে। অভিনেধ এইজান যে প্ৰৱন্ধ প্ৰকাশ কৰে, ভাচ্নতাৰ্শ সভ্তপ্ৰ ১৮৮। বিজ্ঞানিম্পশ্রে ব্রাক্ষণে থবি ইস্তিনি। শুনি তৈব স্থাকে চ পড়িতাঃ সমদশিনঃ ৪১৮॥ ইইংব তৈজিত সংগ্রেকাণ সাম্যে হিতং মনঃ। নিদেশিশ হি সমং জক্ষা তথাণ্ডকানি তে ক্ষিতাঃ॥১৯॥

ভারতকৌমুদী

स्य रिकानभूतव दृद्धि विकार क्रम्याचार केर्निया है दिशार । भिक्रिय साध्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रम्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रया क्रया क्रया क्रया क्रया क्रया क्रया क

অধ সম্পাদন সনান্ধ্যায় আকাশ শান্মণি বার্ণস্থার কর স্থা মারা পুরুতে ইতার ইংগতি বাধা মনা, সাম উজ্বিধিক বিসাম্ভণি স্থান্ধ্য বিভয়, বৈহিনীত্র

ভাৰতভাবদীপ:

सामिन् इक्ष्मा । १० व्याचा क्षित्ति स्वीताह—विष्यति । क्षेत्रमा कार्य ६० वार्षो साम्य ब्रोक्षन स्थापन प्रावासम्बद्ध स्थापना प्रोति देशा श्रम् व स्थापना । यहपाक्षम् -पक्षात्ति क्षिति क्षिया कर्णनाम ८५ हत्त्वस्थाक्षम् । साम्या व्यापना क्ष्मास्था क्ष्मास्था क्रिया क्षम्

যাহাদের বৃদ্ধি একোই নিবিটি গাকে এব কাহাবা প্রকলাভ করিবার ভক্তই যার্বান্, প্রকোই অবভিত ও প্রকাপবায়ণ পাকেন, ভান ভাহাদের সমস্থ পাপ মাই করে : ভগন ভাহাব, মৃত্যি লাভ করেন ৪১৭৭

তে†ত্ৰশ্ৰাৰ — মৃতিকাল কৰিবে হইলে, মহনুৰ সম্ভ সমসন্থেৰ সহিস সম্ভ মৃচ উল্লেখ্য প্ৰব্ৰাহ্যৰ সহিত্য সম্ভ ৰাডাইছে হইবো, ভাষা হইকেই সকলো অফডিছা, অভায়াপিৰ অনুচেই, বাদেৰ উপৰে নিৰ্কাশ এবং অঞ্চলই আহ্ম কৰিছে হইবো, এইজপ কৰিছে প্ৰিডোই সন্তৰ্মন কৰ্মৰ সময় প্ৰান্ত কৰিছ লোকিবো, সেই সময়ে মৃতি ক্ষিত্ৰ ৰঙ্গা

জানীরা বিলা-বিনয় যুক্ত বাহ্মণ, গক্ত, হাতী, কুকুব ও চডালে এক প্রসংকেই দশন ক্রিয়া থাকেন ১১৮৪

ক্রিপ্রার—মান্য ব্যন গ্রাজন, ক্ষজন, পুষ্টিশীর জন, মূত্র ও মাজ একলারই স্থানির প্রতিবিয় দর্শন করে, সেইর্গ জানীত ও অত্যুহত ও অভিনিত্ত প্রাণীতে কিংবা লোট, পাস্থা ও স্থাতিকপ্রকার রুজকেই স্থান করিয়া ধ্যুক্তন ১৮৪ ন প্রকার্থ প্রিণ প্রাপানে নিজিছের প্রাপানে প্রিয়ন্। স্বিবুদ্ধিরসংখ্যান প্রক্ষিত্রক্ষি স্থিতি বং ॥২০॥

ভারভকৌমূদী

ইং লাশ থাৰ, কৃষ্ণ হাৰ ক্ষাৰ্থিক সংগ্ৰাহণ বাৰ বাৰ ক্ষাৰ্থিক হাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ হাৰ ক্ষাৰ ক্যাৰ ক্ষাৰ ক্য

নার স্থানিক স্কারণ বি নাক ১০০ নাক বিশ্ব ব্যাপের স্থান চিলারা বুকার্তিস, অসমর অসংহ সংগ্রানা, বুজ 'বু স বুজবি, 'প্র, পুর নির্গণ কাল পি না ক্রয়োগ, আবাহ্য ক্রান্তিক কাল লাভ, না বা না বা না, বির্গেটিস্পি সংগ্রাহানানা কিনি কা, বিবা

ভারেডভাবদীপ:

শৃতি সহী হাতুৰ শাহনীল ব হাজনাথ দি বিবাৰ লাগত আৰু কৰাই কা আৰু ৰাজি হাইলায় হাজনাথ দান হাজুৰ লাগালৈ কালা হাজাৰ কালা হাজালা হাজালা হাজাৰ কালা হাজালা হাজালা হাজালা হাজালা হাজালা হাজালা হাজালা হাজালা হ

গাঁহাদের মন অসমানেও স্থান্নাবে থাকে, উছোৱা ইহলোকেই সাসার জয় করিতে পারেন। বজপদার্থ বিকারবিটনে ও স্থা। স্বতরাং গাঁহারা স্ক্রিস্মাদর্শন করেন, উছোধা হলেট অবস্থান করেন ১৯৯০

ক্রাক্রেশ্রা — রমজান বারী ই সবত সম্পর্য হান ক্রড খিনি সর্বাহ সম্প্রাক্র ক্রড ক্রড ক্রিলি নিশ্বট ক্রজানী আম্প্র হিনি জীবনুক্রই হন। এলেব বিকার নাত, তাই ডিনি শ্রমণ কেই হল দিনি সাম্প্র হন স্বাহন, বিনি আম্প্রী অবসান করেন করেন, বিনি আম্প্রী অবসান করেন করেন।

বাহ্স্পারেরিসভাত্তা বিন্দ্রাজনি যথ রখন্। স রক্ষণোগর্ভাতা রখনক্ষমগুরে॥২১॥ মে হি সংস্পাজি ভোগা সুখেলোন্য এব তে । মারাস্থ্রতঃ কৌরোম ! ন তেমু রুম্ভে রুধঃ॥২২॥

ভারতকৌমুদী

क्षणाञ्चार प्रशासि स्वत्र हार्रित्यकाच सञ्ज्ञाद्यात्र कृष्टित्यकाच्या होति । ए वि अन्त्रपुत्रात्य होति पुत्रात्य होत् अन्त्रात्मात्र स्वकार्य विवशास्त्रात्वा कात्र होति स्वत्रास्त्रात्मा स्वत्राति

ভারেডভাবদীপ:

স্বিশ্ভি, মোহণ্ডা, রক্ষণিত ও একাজ ,লাক গ্রায় বস্তু পাইয়াও আন-দিত হন না, আবার ক্ষিয়ে বস্তু পাইয়াও বিষয় হন নঃ ॥२०॥

ত্ৰিপ্ৰায় । সলম্য লোক । মন উপতের বৈষ্ট মণ্ডৰ করে না, নেইজপ ব্দশা ন নিম্ম নোক্র ম বিষ্ণার অধার হুলে অফ্ডব করেনান নিম্ম

কেবল আয়াতে যে শান্তিমুখ আছে, বিষয়ে অনাসক্তিও লোক সেই সুখলাভ করেন; ভাবি পর ভিনি সমাধির বলে আপন জীবায়াকে প্রমায়ার সহিত সন্মিলিত করিয়া অফ্ডমুখ ভোগ করেন ৮১১৪

ভাত প্রায় - বিষয়পুর অল এবা অধিক, আব রুজনুর প্রকৃতি প্রকৃতি প্রকৃতি হার করিছা প্রকৃতি হার করিছা প্রকৃতি হার করিছা প্রকৃতি হার করিছা প্রকৃতি হার

শকোতী হৈব যা সোচ্য প্রাক্ শরাববিমাক্ষণাই। কমিকোটো দ্বা বেগা সম্ভাগে স্থানিরঃ ॥২০॥

ভারতকৌম্দী

বৃধীতে, এই ১৯৩ , ছুমনা প্রিন্ধ প্রসান্থ নিজনকর্থ তথপ্ত দ্যাবজ্ঞান্থ ক্রিপড়াশা, মাজাধারত উংপাত্তিনাশার্থান্য, আন্তর তে ক্রোভ্ছ ব্রোজনী, তেথু বিষয়াল শাসুন বন্তন অন্তর অন্তর ভ্রাজনুধ-বোলিছাৎ নিজ্যাক্তেডি ভাষা ১২২৪

নাশাদ্দকার নালা এক জনিক লাজ কান কান কি । এ নাকা, ইক সংসাধা এক, নাক্ষি বিম্যোজনাথ সাক্ষা লাখ কাজ কাম বিজ্ঞান্ত বিশ্বনাধান কাম বিশ্বনাধান কা দেশবা, সানাক্ষাৰ সুক্ষা ভাষ্টি সাধাধানিকাল, জনালা কাম কাম কাম

ভারতভাবদীপঃ

की अभित्य तक भारतक अन्यामिक्त किए । ए प्रति । स्वा तक प्रथमिका है । इस किए । इस किए

আকৃন। বিষয়সংখ্য উৎপত্তি ও বিন্ধে আছে এব সে সূথ ভূষের কাবণ্ডয়, এই জন্ম জানী সোক গে বিষয়স্থাৰ আসক ভন্ম, ॥১২॥

তি হৈ প্ৰিয়েক নিষ্ণালয় কৰে এই ইপ ও ও বিনাশ আগত, ডাই সকলেই প্ৰত্তি কৰে।
ইয়াৰ পৰ একজনৰ জন্ম নিষ্ণালয়েক বিশ্ব জন্ম, স্থান সেই আছে কোক নেই জন্মেৰ ইয়াৰ অৰুটেৰাৰ চেই কৰে, সংহাতে ভূগে হয় প্ৰসৰ্গ বিশ্বক্ষ জুলাৰ কাৰ্ণাই হয় ইয়াৰ জানী সেকৈ ভাষাৰে সংস্কৃতিন ন ,সন।

যে মানুষ এই সাসারে থাকিয়াই দেহতা।থের পূর্ণ কাম ও জোধের বেগ সহা কবিতে পারে, সেই মানুষ্ট বাজ্বিক যোগাঁ এব সেই মানুষ্ট বাজ্বিক সুশী ॥২০॥

ক্রোক্রশাস্থা—বিষয় ভিনাতের নাম— কাম' তামার এবা জালালে মার্থ স্থী, ধ্য ও অঞ্জাতেরা প্রথ কবিবরে ১৮টা কাল, সাতা আলাভ্রণ না চইলেই ভূপ হয়, আবার কোনের বেশ উপস্থিত চইলে শ্বের জগকার করিবার স্কেটা করে। এবা তামা করিছে না শেষ ভঃজবোষ ব্রারাম তথা ভর্তে। ভিরেব নঃ। সংযোগী ভ্রক্ষনিবাণ ভ্রক্ষ চ্ভোচ্ধিগজ্ঞ ভি ॥২৪॥ লততে ভ্রক্ষনিবাণমুখ্যঃ ক্ষাণকল্মনাঃ। ভিন্তিখা বভাসানঃ স্বস্ত্তিতে রভাঃ ॥২৫॥

ভারতকৌ সুদী

নাও ক নকোধোছৰবোদ্ধনমাতে নৈক কিং হোক ভক্নী যাত্ৰ ইতি ত্ৰেল্প, সংগ্ৰহ সংখ্যতে। তথ্য সংগ্ৰহৰ জ্বা হজা সংগ্ৰহ জন্ম পুনকাজনিধা, কৃ, অন্তৰ্ক অনুৱান্ত ক্ৰীয়া বজা সংগ্ৰহ ক্ৰিল্ড সংগ্ৰহ কেন্দ্ৰ ক্ৰিল্ড সংগ্ৰহ কৰি প্ৰায় ইতিমুল, তথ্য বল্ধ, অন্তৰ্গৰ ভোগতি নিক্ত ভাল ক্ৰিল্ড সংগ্ৰহৰ অনুবানিক ক্ৰিল্ড ক্ৰেল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰেল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰেল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰেল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰিল্ড ক্ৰেল্ড ক্ৰ

প্রথানির প্রথিক ক্ষেত্র স্থানির ক্ষেত্র সভাই কি। আনো নির্মিক ক্ষেত্র আনুক্র ক্ষা, তেওঁ জনকে মহাপ্রধিন করা ভিত্রীখনত আনুক্রন ভাল নির্মিক ক্ষান্তর, তেওঁ ক্য

ভারতভাবদীপঃ

যিনি অভূরের সুংখই সুখা ও অভূরেই নির্ভিথাকেন এবা অভূরেই শাহার দৃষ্টি থাকে, সেই যোগী রক্ষা হইয়া রক্ষে লয় পান ৪১৭৪

ক্রাক্রার নির্মার কাল ও মাহিবের আবাম কৰির এক মাহিবের দৃষ্টিতে রাগ ধেরাদি উৎসম্ভয়, আব অন্তরের তার ও আক্রের আব্যায় আহি এবং অন্তর্গতি চিত্ত নিশ্বলাহ্য তার বৃত্তিয়া শিলি আব্যাহ্যকা, আক্রাবাম ও আছালী বন, তিনি ক্রে স্থান্তরের প্রিশ্বত তার নির্মান্তির লাভ করেন মহল।

পাপবিহীন, মন্তার্থকশী, ছিল্পন্দেহ, একধানিনিবত এবা স্কৃতিহ হিতসংগ্রেবাণ্ড লোকেরা একে বার আপু হন ৮০৩৮

ত্রিক্স্কার—প্রথমে নিক্ষেতাবে কর্ম করিতে করিতে সমস্ত লগাণর গয় হয়, তথপরে মধ্যের প্রমিণ জ বিশ্ব দ্বিশোচন চইতে বাকে, তাহার পর গুরুর উপ্লেশ ও শাহাইবংশ শব্দ কামটোলাধবিস্ভানা মহানা মহচেহসাম্। অভিতো একনিবাশ বভুতে বিশিষাক্ষনাম্ ॥ ২১॥ স্প্ৰান্ত্ৰ বহিবাফাশ্চকুট্ৰচবাভুৱে ক্ৰোঃ। প্ৰাণাপানে সংখ্য ক্ৰানাসাভাভুৱচারিশৌ॥ ২৭॥

ভाরতকৌমুদী

অপি ৪ ই কামনি কুমান চাছাল নিষ্ঠান মুজা, ৯ ইকামান বিনাম, ৬ ইনি ।
লিক্তিন ব্যা কাছ্যকাৰ, নিনাম্বাল বিভাগন নিয়া বিনাম নিয়া আৰু ক্ষা কাছ্যকাৰ নিয়া,
আনিত উত্থল, ৪ ই নামল, লিকাল ১৪ ইন্সালিকাল বিশ্বাল বিশ্বালয় ব

ত্য সন্ধাৰ বিজ্ঞান দানৰ পৰ কলান স্থা কৰ্মত মুক্তেন শৰ্পনানিক বিচিনি। ব্যাস্থান কৰে স্থানিক শুভানুত প্ৰতি কৰিব কাম মহেন বিষয়ক না, বহিংবৰ কাম ই ক্ষা নিবোৰেন বিশ্বৰ স্থা হা চক্ৰ সংক্ষা নহৰ্ষক্ষাই হংগা কৃষ্ণ সংক্ষা উল্লিখন ব্যাহ্যক্ষাৰ স্থানিক না চানিক না চানিক কৰা কাম কাম ক্ষাৰ্থ নিবা

ভারতভাবদীপঃ

যাভাষা জিত্তিশিয়ে এব গাডাদের কাম ও কোষ উংপয়ই হয় না, চিত ওলাদেন নিময় থাকে ও একজান জন্মিয়াছে, সাভাদের ভীবিত স্বস্থায় কিয়া মৃত্যুৰ পূৰে নিকাশমূজি বিসমানই থাকে ৪০৬৯

ক্রাক্রার পাল বিষ্ণার সাক্ষা এবং কাম ও ক্রোধ্য উপেক ইউলো আব চিষ্
প্রশাসনাম নিমা, ইউডি পাও না । সাক্রের মুনুক্ লোক প্রথম ক্রিকেটিয়ে ইউরেন ভার তে ক্রাক্রিবছেবল্লাক্ষণ নিরুদ্ধি পাউরে এবং কাম ও কোর নিরে ভিল্ তর্জার তামন সামার্ক ক্রানিয়ে উল্লাব দ্বানে নিন্দ্র ইউলোই মুক্তি ইউবে ১২৮।



ভারতভারদীপঃ

विकास, भारत्यदेवमृतेना देवन्यन पान ने 🗝 ने कि एउ । उद्य दिनए एटक निज उत्तर বিশাসনক দ উতি সভক । তে উল্লেখন সভত্তিকার তিত্ত পুত্তভূপি বিশাসন मरह, दिव नक्षणम्य ५ वन्द्र स्विक्त गृह, स्वरहम्प्रणामस्वित्रह १६ हेडि क्रहासान् মমনে লক্ষ্মীৰ : ভিল ভিল ১৯ কেবছৰৰ - ভাছিলে ন শৌচৰত্বেত্ৰ ভাৰাত্য্বত প্ৰিদ্নানি নিজন" ইবি পুরে ক্তিজন ন কাক কুনি জনাত বিগণ ভব ইত নেন ডেকাং ग्रह्मम्। १५ । वा वर्षप्रदेश देवद्य निम्म अवर्षः द्वाराश्चान्त अवर्षाः व नद्धाराष्ट्र । प्रति अस् । एक दिला ३८० मा. १० इन्छ करिए । १० विद्यान मुद्रिया । १० विद्यान । का कर्यान भारताम् । अप वृत्यानम् दक्षणा भूग दा छ पुणिनः भ भद द्वापक का भारताद्वा । ল ডিচারন প্রস্থানন বিল ডিড্লন্স বৈশহর স্কলি এবাস বল্বস্থান সমলিল্লডিড্ श्रामकाला किन्न में विभाग हर्ष्ट करा के वहुँ भाक्ष्य करा करावच क्षेत्र करी भाक्ष्य क्रिशार्ट - मध्यत्था क्रमप्राधिक सङ्ग्राह । प्रत्ये मार्थ प्रत्ये प्रतिकार क्रिक । विकास क्रिक क्रिकार कामा देशितिह स् उद्वापि दिशद्भक्ष इतिहेश। १०० वि प्रतृत्यनिष्यपति अवद्शक्तिमा পুনর নির্প্রের দিনি পুরুষ্ ভুলিরে । দর্শীক্রপনিত্র ইংকেডাম্টাম ব্যাপ্রস্থ ইয়। सभा। बाग हैं। जि कदाव्यपट्ट व व्यादानाचि हेत्य दश विषय । अपूर विकास विश्व व मुक्त म चिक्ति आर्थन दार दिवद्यास्त्य अस्य क्रिका एक न कर्या नार्त्य दशादनगायान यहर अन्य द्रा । भव कार्यके द्रा यहा भटना अने क के दा खाला । अने व्हार च १००० हु द्राविष्ट स्ट दर्शन । क्ष अध्यभि विविद्ध , याच वृद्ध यका विक्र अका। उत्तरका न, विकास सम्बद्ध याचा का विवृद्धि-आखितनेतालक कृषिक र नविव ए स्थान कि वृद्धिक प्राप्त विव व व र . ह अर्थोक्य क्षाक्ष प्रवास आयोगा निरुक्तनतर हुन हेर्नि स्मार्क्स । व्हान्यक्स्य, र अनिर्निद्देश्यास् অভ্যাত্ত ক্লেব্ৰু, বিভাগ হৈছেক ক্ৰেড্ৰা এছন আছত নিক্ৰেন্ত্ৰিপানেন खन ह कड़िस्य ए.ड. शहरू का कित्र क्यूड़ सम्बद्धान्ति ए इ. केयद्धानिकासार । বি ইবিজ প্রতিপ্রভাবনের ওল চ প্রতিম। বিভক্ত ধরে প্রতিপ্রভাবনি বিভক্ত कि मानवा क्रमकाति सामुद्राकि माइना सरकारमा इत्या मृद्यमा विवाद के भाषामान प्रकार है। इ প্রিপক্ষাব্যতি চ আদিবন নএ ছবেলানত ভিংলানত প্রেবারণ কৃত্তারিত ভূগেলিত ८ आस्म द्विति । ८३० लि लाकाका एका वा व्यक्तिका द्विति । ८३५ लि सूर्यकामापि माम्रहासम् धरताया दिविता. अप 5 मूनकृत वितत एरणकान, एक यानिका दा दिकि सुविक तकाकी हत्। हा हत्वाहर नक द्वालक विका नक्ष्य व्यक्ति दा उद्धि । नावा द्वाला ८ अर्मनान्ध्रीतः । १ अक्षाय क्षायानक्षक कार्यक्रमः १ ५० १ ८० १ भाक्र मानव्यक्तः हे आहा श्रीक्रिक्क क्षांचन्द्र (ए निवस्तीय हे है। ८२° यदनिवन्ति वृश्रमधन करिक्क क्षांचरीन निवस्तांचर মুণকুম্চিত্র হেণী বিবিজে বেশে জালীন সভ্যানতি তাখেন পিবন্যালনববালীকে, एक (व्याम्पा अप्रत्य-"मध्य भुक्ति सक्ष्यक्रियामुकादिविका सम्बन्धासिक्ति মনে ২করবল নাতু চকুপী দনে প্রানিক ভালাগে প্রবোদ্ধে । বিকরতা কাপ্য সমং পরীরা হুনি ক্লাবি মনদ স্তিক্ষা। একে চুপেন প্রত্তেত বিশ্বন্ধেতে। দি স্থাবিজনি এ"

गटङ सियम्बर्गाङ्किम् निर्माण्य भवारणः । विष्ट इच्छाङ्ग्रेटकारिया गण्यमा सङ्घ । এव मः ॥२०॥ (गूपाकम्) कावङकोष्ट्री

काणि (दिक्षाक्षे क्षा भाषाक्षणा स्वाप्ते देश्वे द्वाप्त गिव्यक्ष स्वाप्ते क्षाप्ति व्यव स्वसास स्वक्ष विषयो उत्तर कृष्टका विकारकात्ते, ... स्व द व्यविषय प्रश्वेत्व क्ष्ये विकास स्वयुक्ति । स्वस्ति विकास क्ष्ये स्वयोगिक स्वस्ति क्ष्ये क्ष्ये द्वाप्ति क्ष्ये स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं

ভারতভাবদীপ:

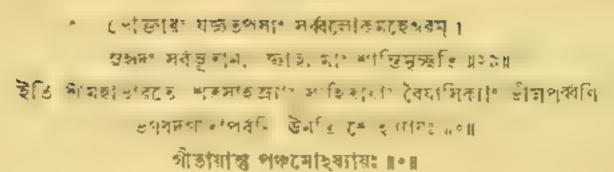
শাল ও ব্যাপ্ত বাহিত্ব বিষয়গুলিকে বাহিত্বেই বাখিয়া, নমুনমুগলকৈ জনুগলের মধ্যে ভাপন করিয়া, প্রাণ ও অপান বামুকে সমাম ও
নাসিকামধাচারী রাখিয়া, ইন্দিয়, মন ও বৃদ্ধিকে সামত করিয়া, এবা ইন্দ্রা,
ভয় ও কে গকে তিবাহিত করিয়া যে মুস্কু লোক স্করেন, ইব্র্যানে নিম্ম থাকেন, তিনি জীবিত অবভাতেই মুক্ত হন ॥১৭—১৮॥

कार भारी।—राहित्व विषय क्षाव कामित साम खनाइ हय मा, त्महे वस वाहित्व विषय वाहित्वह व्याप्त , क्षाव वाहित्वह व्याप्त क्षाव व्याप्त व्याप्त वाहित्वह व्याप्त वाहित्वह व्याप्त वाहित्वह व्याप्त वाहित्वह वाह

<u>কারভভাবদীশ</u>

ভিব্ভাষেণ বিশ্বস্থা অংকলন্দি ৯ প্রাণি সেয়া লগু বিকের নাম হাবদ অংশুল লিভাহে নিভি⊾লণ অং অং 'বহহ'ন ডুপুড় হি সঙল হতিতিলডুকু ডাঙ্ড । লংকলজুকুকুৰ ইতিটেল অসংবাদিং স্পালকাত অৱস্থা হয় কবিছে প্ৰকাশৰৰণমিতি ভতুং प्र ६ छत्। ह, 'द्रांता । इस विविद्य स्थान देश कित्र करण प्राप्त श्री के व्यवस्थित है है। एक 6 ६९ (स्टब्स्टिक्ट्रेम्स्य टाप्टेस श्रुट क्रिक्ट्रेस छात्र रू कि.ए.स. प्रस्त हिन्दुक हातुं क व टाक्क्याकृति कि क्षिष्ट १ जन कु निवनगणामा भटा विश्वया ५४ दक्षाना एवाय काव-बादा अविति देश में बढ़ारिक कर बाद के तमें जाना दोना पाना देशका देशमा देशमा है। ८६ हरण क्रियुर ६ इटल संबदरकार इंदरिस , संदर्भ दरद्दिनद् प्रधा ६३ विक्य हम कित्म प्रतिकारम प्रतिकार न्या कराया मान्या मृद्दि कथानेकाम विद्रा अकीत ম্বিক্রের রে ম্বিক্র লাম্মন পার্স বিলিক্র, বল বিক্রের মানাল প্রাণ্ড সুস্থানের भूक र्पार्त्तरभ्य ६ भारत अवस्था अवस्था अधिक अधिक अधिक प्रतिस्थ अधिक अधिक विश्वनात्र । भूको भारतात्र । अक्षात्में नेकारणे 'क्षान्यप्रवेश में देन क्षेत्रहार हैन कि कारक ने प्रभव मां है। इस 5 क्षार পুরিস্থিতি বিশ্ব হু বিশ্ব বিশ্ব হিল্ডিন লি নাম্য পুরের প্রথম পরিস্থা স্কল্প লানি ভাৰতিত অভাপণ পুত ড্লাছত্তিকা ভাৰণালো ভাৰ্ম কাৰ পুতিৰূপি পাৰ্ডিতুল কীচুৰছি: लगाहित पर्याद्यान एकिनाम । एका येन एका एक नामा है से विक्रिकेट एका विकास शिक्ष ,तार्ति जिल्लाकि हेड्राइट्ट विकास है कि काम प्रवाह कार्यमुख्या गर्म 取成 布 [gr 2] [gr 1/2] [cr 1/2] (अ एत्य अभागता में मिलिकार्मियक व पर करते । तम ५ लक्ष्य इत्रेव्य मिलिकार मिलिकार 5 कामान्तिकत प्राणा गाणि । व्याह कामानिकादिक धाननाथ मुक्तिका मुक्तिकहादा महागण गणिहेन्त्र শিবিশ্বিদ্ধান্ত ক্ষ্মালী বুলে নিনিজ্যালয় লেখা লাখ্যাল জিল্লাল উড়ছ চল । এল পুন क्षित्र मुक्ताबात्म - पविभाष म कृत्रम्य १ महिमान अहिन्छ प्रशासमा मह्ना अहिन छ प्रशास মাকারা ভাবর প্রকাশ সেওল সালদ সম্পিত মে তুলামাল ভারনা পরিজ্ঞা जिमब्द्यमञ्ज्ञानीर हा प्रक्राद्धान व सार्व स्थल स्थल स्थलि । प्राचित्राद्धार्थान । অংগেৰ বিস্থাবস্থাত্দাভিত্যান্ত এক ব एक्र । अक्षात्वर र ्राना तृष्ट । वित्यक्ष दालाविक सकारकारण किन्द्धितिहा biem हरमाञ्चल ए.जिक्किकाल कृतिरिहिं देशांत्र का अल मि कुनामा पूर्व छा। छ। পুত্রমু-"বিশেষ্ণ মার্বিলেছ লিজ মাত্রালিজ লি প্রাণাম লৈতি । বাহু বিশেষ্ণ, পুলক্ষানি এক দ্ৰেভিয়ালি ৬ অতি লগা প্রাম্তার কি অংকারত। লিখনারা মহতব্য ক্ষিত্র अभावः त्यु दि, समावदिश्याः श्रीतिका स् (पारिश्वात देवनांक्यतास्त्रामः । महत्त्वानी विद्यापि श्रीपुरुष्ठ म अर , वेटन् ाप्यन व अर्थिय मिलियान , द्वत्य अतिर्भात्रकः, निक्रमध्यः विविधार हार्टिन ला दिवकरणी क्षा अलगाराय भवा भूतवा छा विविधार देशि एता भूत ए। ११ को अहिवहकारणे १६६० = १६७ वर्षा वर्षातक व ম সুৰোনী চাৰণ তল সংপ্ৰমণ প্লামিটি - এছেয়ু তিয়ু লীনেখ দ কপাওবাং ছিটীলো

বিধালি হতেতাতক বাছাবিশেহসংক্ষা । ভূতিতি প্রকৃতিবার তাতি এড়ালে, সমাধিকৌ ব, সমাধ্র



ভারতকৌসুদী

ইবিন্দানৰ পাত্ৰ পিত্ৰিলালালয় কৰে কেন্দ্ৰত কৰিছিল। হল ক্ষীকাছেৰ নাৰ্থকী নুৰালন্ত্ৰ পান্ধ আৰক্ষী নাৰ্থক স্কুন ইবে কৰা হাত্ৰ কৈন্দ্ৰ অৱশ্যাক হ'ব হন।

ভারতভারদীপ:

আমি ভ্রুগণের যাজ ও ওপজার রকক, সমস্ত লোকের মহেরর এবং সকল প্রাণীর স্থান মৃদ্ধ লোক এইকপে আমাকে জানিয়া যুক্তি লাভ করেন ।১৯৪

তাংকিশার্মী - শক্ষান বাজীক হ'ব হ'ব না, ইচ্চার ক প্রতিষ্ঠা হাতবাং মৃদ্ধি ল'ভ কবিতে হইবে তথ্যান লাভ কবিংত চই বা, মে শক্ষানে আধাৰ 'র্জাই সহা, 'অক স্কল নিখা।' এইবল জান সমত্রে সংম্বে 'সামা বৃদ্ধিণে ভানিতে পারিতেই মৃদ্ধি হুইয়া খাকে ব্যা

0

যহেছাইখ্যায়ঃ।

ই।ভগৰাকুৰাচ ।

অন[প্রিত: কথাফল॰ কার্যাণ কথা করোতি যা। সুসন্নাদী চুবোগী চুন নির্মিন চাজিয়ঃ॥১॥

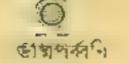
ভারতকৌসুদী

নাজ সংক্রমণি মনসা সাজালা ইতি নেন ক্ষাত্রাক্রণ স্থাত উক্তু, সা কিং ক্ষাবেণু
নিল্মেরণিত অহাত্র ক্ষাতে সন্ধ্র প্রকালি হা আনক্ষেত্র সন্ধ্র এন প্রিছ ইতি ৷ মুং
সাক্ষা, ক্ষাবা ফলা হাইদিকম্, এনা প্রিণ আনক্ষেত্র সনা ক্রমে অবলক্ষ্যত নির্দ্ সাধারেলন দিকা ক্ষা করে ভি., সা সারক, স্থাতে কান্তর্লস্থা, স্বাংশা, ম্যোগী
মুক্ষোম্বাংশা ভবস্থি, ভিত্তাবিশ্ব কান্তর আন হা সন্ধ্রন স্বাংশা, কিন্তু নিন্ধিয়তে প্রি মানিশানিক্রিয়ের দিক্ষা হাল সান্তর্লস্থা নির্দ্ধিয়ত ক্ষা মানিশানিক্রিয়ের দিক্ষা হাল সান্তর্লস্থা নির্দ্ধিয়ার ক্ষা মানিশানিক্রিয়ের দিক্ষা হাল সান্তর্লস্থা সাধারী হার্মিলারিক্রিয়ের দিক্ষা হাল সান্তর্লস্থা সান্তর্লস্থা হাল বিশ্ব হার্মিলার হার্মিক্রার দিক্ষা হাল সান্তর্লস্থা হার্মিক্রার হার্মিকর সাক্ষা হার্মিকর সাক্ষা হার্মিকর হ

ভারতভাবদীপ:

> हेडि में बनकारियमकार ए इस्तरकावनीया कर्नाहरणाइन ए इस्तर क्रिकिटेमलकारिय में न्यून भागार्थकार ए इस

কৃষ্ণ বলিলেন —'যি'ন কপ্ৰের ফল কাননা না করিয়া কথা করেন, তিনিই স্থাসী এক তিনিই যোগী, কিন্তু যিনি অন্তিলোহাদি আগমান করেন, ডিনি স্থাসী নহেন; কি বা যিনি সেতু খাতাদি করেন না, তিনিও যোগী নহেন #১#



নং সংস্থাসমিতি প্ৰতিষ্ঠাতে তা বিভিন্ন পাদৰ । । ন কাল অসুলকালো যোগা ভৰতি কাৰ-নামা

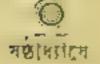
छात्र छ दको भूगो

ভারতভাবদীপ:

ক্ষাত্র প্রিয়া — সধা সংগ্রের হয় — সংগ্রের প্রেরণ শান্ত ক্ষাত্র ক্ষাত্র হার ক্ষাত্র ক্ষাত্র

আজ্ন : ্বলে মংগ্রে সল্লাস বলা গ্রিম্পছ, কুমি সেইটাকে যোগ বলিয়া অবগত গ্রঃ কংবন, ফলক মন: ভাগে না কবিয়া কেইই যোগী হয় না এইট

শ্রাক্তি কৰিছিল , দলত কৰ কৰা — চিত্তি দিনি কৰা আনি কৰিছিল। কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল , আৰু কৰিছিল , কৰিছিল , আৰু কৰিছিল , আ



আক্রক্ষেত্রির্থাপ করা করিণমুচারে। বোগাকচন্দ্র ভবৈদ্যা শনং করেণমুচারে ॥ ॥ নমা জি নেন্দ্রিবেশর না করারলুসভ্তরে। সংক্রিয়ালাকী বোগাক্তন্তে।

ভারতকৌসুদী

ক্ষোধন) ক্ষা যে গাড়াৰ ক্ষেতিয়াই হলেটি এন হি সান্ত ইন্তি, পেশুনান নিবিষ্ঠায়, নাতুমাজনতে ন্যালাটা, কাহতে ইন্তিয়াস্থানাক্ষ্য নাটালিকাগ্রন হাণ্ড নাতুমাজন্ত, ক্ষা স্কামস্থাস্থাসা স্কাত্ত লাভ্যাক মন্ত্ৰীয় সাহাল ক্ষান ক্ষান্ত হাণ্ড উচাত্ত হয়।

ভারতভারদীপ:

কুদিয়ার নাম কক্ষেণারিতি হাতাক শাধা হন্দিনে সহ ল গাণি কি কি বি প্রাণি ব বু বিদ্ধৃতি ভাবন ক্ষ্ণোয়াল এই এক কক্ষে মুনির কক্ষাক কলা ব বাবিক গো সালন্ধার কৃষ্ণ ভ্রতি। তালিক নে স্কল্প নেগল কালীয়ান প্রকল্প বি স্পাদ্ধক্ষ হৈ যা ল হ কৃষ্ণাণ ক্ষা সহ ল কার্বক্ষ লো। নালি কৃষ্ণা ব পুণাই বন্ধ চিন্দ্র বি কৃষ্ণা ভ্রা আছি। বিশ্ব নাল্যাক্ষ্যা স্থাক্ষ্য সুদ্ধি ক্ষা নিন্দিণ ক্ষা ভিন্দ্র হন কর্মা কৃষ্ণা ভ্রা আছি।

মনন্দীল যে সাধ্য জানমাণে আন্তাহণ কৰিবাৰ ইণ্ড কৰেন, উচোৰ প্ৰে নিডা কথা করাকেই সে আবোহণের কারণ বলা হয়, আৰু তিনি যখন জানমাণে আক্ত হইলেন, তখন উচোর সে সকল কথাৰ গেকেই জানপ্ৰি-পাকের কারণ বলিয় অভিহিত কৰা হয় ৮০০

ক্ষেত্ৰীয় — চিত্ৰ বাধ খ্ৰালি খাৰংক জান চইটো শাহন বাংকা কৰিব। কৰা কৰিব চিত্ৰ কৰা খ্ৰালি নবী ভূড কাৰ্যণ কৰিব, এক বাধাৰ আধাৰ জানি আধাৰে আৰু 'আন্ধাৰ কৰা ও আনৰ বাংকিব কৰা কৰিব। ইনা নকল ভিন্তা কৰা নাৰ্থিক কৰিব। আনৰ বাংকিব কৰা ও আনৰ বাংকিব। ইনা নকল ভিন্তা আন প্ৰেম বাংকিব। সমস্ত কৰা ভালি চাই ঘাই আন কৰিব। সমস্ত কৰা ভালি চাই কৰ্ম কৰিব। সমস্ত আন কৰিব কৰা ভালি কৰা ভূজি ক্ষা কৰা

曲



উন্ধ্রেল রাশ রাশন নালান্যবদাদয়েছ। আইরেল আরোনা বক্তাইরেল রিপুরার্ন ॥৫॥ বক্তার্নজ্ঞা কেইনবার হলা জিডঃ। অন রুনজ্ঞাত্তির বড়েডাইরেল শ্রুবহু॥১॥

ভারতকে: **দু**দী

ন্ধিক ব্যৱসাধিত কৰুল লগত বিধাৰ পিন্ধিক ক্ষেত্ৰ ক্ষেত

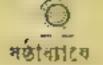
ভারতভাবদীপ:

শ্বন সাধক ৰাগ সংগ্ৰহণ ভাষক সাধাৰ হনাৰ, কিবা ভাষাৰ সাধিক কোন কাংগা বি পুৰ্ভন না, ভাষান স্কাৰ মনি ভাগী ,সাই সাধিকক গোগোৰিচ বিশা হয় ৮৪॥

क्ष्यां के कि का का

বিংবকা লোক সংখনাহ'ব।ই সাথনাকে ট্রাব কবিরেন, বিভু স্কসর কবিবেন্ন। কারণ, মানুব সাথনিই আপনাক ব্যু এব সংখনিই সাথনাক শুকু হুইয়া হ'বক্য ।

ক্রিক্রেশ্রেট্র—বিষ্ণার আনক্র হও এই ক্রেক্রের সহিত্র হার হার হয়, আর বিষয়েনাপে আসক্র আবহন সালক পার প্রিক্রিকর হয় ন । সুস্ব বিষয়ের লোক বিষয়ের ব্যালন ভাগে করি । আপন্তে উকার করিবেন, কিন্তু বিষয়ার প্রায়েলত হইয়া আপন্তে ক্রেক্রের নিন্তু করিবেন ন আক্রিয়েরের আসক্র ন হর্তা আপন্তি আপন্তে ব্যালন হয়। আর ক্রেকেন আক্রিয়েরের আপন্তি আপন্তে ব্যালনি



জিতি, হানং প্রশান্ত ভারমার সমাজিতঃ । শীর্টোকান্তপজ্ঞানের ভারমানাবমানরোঃ ॥৭॥ জানবিজ্ঞানতপ্রায় কটকো বিজিচ্ছেনিং। মুক্ত ইমুচ্চাতে যোগা সম্লোকীশাকাঞ্জন, ॥৮॥

ভারতকোগুণী

মাণা কলা হৈ বাজ কলা কে কলা কৰ্ণকৈছি । না সংগান, সাহান আৰু, মানা, বিশিক কৰা হৈছিছ। এই সন্ধান হৈছিল আৰু, না হা নান কৰা কৰা, সংগ্ৰাহ কৰা হৈছিল। সন্ধান্ত আ সভান্তৰ সন্ধান কৰা কৰা কৰা, কৰা হা নাকৰ কৰা, ব্যাহ্ৰ বিশিক্ষে চালনা নাকিছে। শিকা

বিশীক শ্নামে ন্দাম বৰ্ষ স্থান সংগ্ৰেশ কৰিব সাজ তুল পুত ন্নাৰন্নায়, কিউ পুন সন্মুক্ত স্পান্ধ হৈছিল, পাশ স্থাপ বাগছে নিবৰ কলা চনাল, আন্ত্ৰান্ধ, পৰা কোকাৰ্য, স্বাহিত প্ৰৱৰ্থ, চনাৰ্যান নৱনি, বিশেষ চত্ৰাৰ, চন্দ্ৰাল ভূল, সংস্থাবিকেশ্যাস্থায় হয়।

भिवधः रत्य भाषा केक सकल्य हेट ट का लोगा। अला आवशालपान द्वस विकासना आराण्यान्य छ। हाला लिवून यथा साम थ्यास दाण्य सन्कत्

ভারতভাবদীপ:

আনায়নোহ্মিটচেত্ৰ আয়ে মন এৰ শতা । পা মন্দে কৰে ক্লম্বত-ভিজ্ঞান্তন ইতি শীতোষ্ণদিমু প্ৰথেষু ভিজ্ঞান নিজিকাৰ্ডিড্জান্তি গ্ৰহ্ম ক্লামিকা সম্দিহ আয়ালয় ভব্তি সূত্ৰ সম্দিশিকাৰ মনোজেত্ব মেৰেম্প লৈ সম্দিশিকাৰণী কিল

যিনি নিভিটে নিজের মনকে জয় কবিতে পাবিয়াছেন, উচার নিজের মন্ট নিজের ধৃঞ্, আর যিনি নিজের মনকে জয় কবিতে পাবেন নাট, জাহার মন্ট্ শাকুন তুলা অপকার করিতে ধার্ব থাকে হয়

্তৃপ্ৰাক্তিক নাই মাজ্যাৰ বন্ধ কৰিছে পাৰি ল, এই নাই মাজ্যাক সংগ্ৰাহ ও লিখ কৰে। আৰু মনকে লগ কৰিছে না পাৰিলে সেই মনই মাজ্যাক অসংগ্ৰাহ ভাল কৰিছ নাকে। আৰু এব ব্যক্তিক নাই মাজ্যাৰ বন্ধ একা উদ্ধান নাই মাজ্যাক গ্ৰাহ

য়িনি মনকে বশীভূত করিতে পারিতাছেন, গাহার রাগ ও ছেল নাই এবং যিনি শীত এীম, ভূথ হংখ ও মান-অপনানে সমান থাকেন, কেবল ভাতার ঘদই সমাধি লাভ কবিতে পারে ৮৭০

তে†কিপ্ৰিট্য বিক্ষেত্ৰ পাকিলে মন একংজৰ লাভ লাগাৰ পাৰেন। জাইবাং সেই বিক্ষেপ্ৰ দ্ব কৰিণৰ হইলে প্ৰথম সনকে কিউছত কৰিলে চইংৰ, মন কিছিত কইলেই ভাছাহে আৰু বালংখনানি আ সিত্তে পাৰেন একা কিল্ডীয়াভানুত স্পাদিবিকাল। উপস্থিত হয়, ভাগন সেই মানে ইক্ৰেৰ প্ৰতি একাজত কলো । ১৮



প্রকাশ্বরাধু লোকীন মনক্রেক্ত্রক্রক্র।
সাধুস্থিত পালেলু সমনজিবিশিয়ারে ॥ ॥
বিবাহ পুরীত সালব্যাহানি বৃহসি জিলা ।
এক্টো ধ্রতিবার নির্কীর্পরিপ্রক্রি ॥ ১০॥
ভারতকৌম্দী

বিজ্ঞান সমান গুলাক, জাল প্ৰজ্ঞান লে পুলাকৰণ নাম্প্রাস আকৃতিশা ব্যাপী, গুলাসাংক্ষিত্যভাতে ৮০০

ভারতভাবদীপ:

গাত বানৰ মান লাভ কমান চুলি লাভ কৰিয়াছে, মাহার কোন বিকার নাই, মিনি জিলে লগ্ এবা লাই প্রবাহ সংগ্রাহার সন্মানুদ্ধ জ্মিয়াছে, মেই যোগীকেই যোগাক্ত বলে ॥।।

সাধিক ক্রিটিল শাস্ত প্রক্ত আর্থ করত। ক্রিডিলা, ভর্গর নিমানার, আর্থনি মন তাল লাভার লাভার নিমানার জালে করিবলারের লাভার নিমানার করিবলারের হিনাধারের ক্রিলারের হালা

পুরুত্ব, নিটা, শাক্র উদাস ন, নধাস্থ, নেকা, বহু, সাধু ও পাপিলেখ উপ্রে মুহোর সমান বুজি গ কে, নিনি , লালিকের মধ্য (হুটে ॥২॥

ভগবদ্গী ভায়াং

खर्ठो (कर्य श्रृहिष्ठ, १४ कि ब्रगांत्रयमा हायः । নাভূচিছ ড॰ নাতিনাচং চেলাজিনকুশোভরস্থাচচ। डरेडका≲ः सन्धः कृषा गरु**क्टर्**डन्सियक्तियः। উপবিশ্যাসনে যুক্তাদধোগনায় বিশুরূষে ॥১২॥ (শ্যাক্ষ)

धाउष्ठरको प्रकी

हैं अरक्षात अञ्चल का उत्पाद पार वार्त विद्यास्त है। अरह जा करह पार अरहार है अरहार दाशिष्ठि। दर महास्त के कामि किल्ल विकार कि का का का का किंदाद्वारको प्रदेश किंदर । स.स. सिंद में सिकार, यस्तिया नव क्षेत्र स्टिनीका कर শ্রাহ্রার মার্লা হল , সমস বৃত্ত সংস্থাহালি লিলা বি 🗩 🔻

म्हान्सिनिक कि व प्राप्त स्थानिक विकास कारण का विकास माना, माहिक्ति हर महिम्मा राम प्रमान करम हर्यन केवार राम र मान प्रस्कृतिक भूवार्विष्य के अर्थिक दल्प र वर्गर राज्य है, विकास्त्रम दिया राज्य अर्थिकामा भाइत्थिय, एड घमान प्रांत्म, एक १९० प्रांत्यर ४ कृष्ट, व विवस्तीम प्रा डे लिय माना कि. दिय पनपूर्व । सं नानक, मसं खाउल अन्य विकास दियाल चुनाव्यः द्वभावतंत्रः । अर्थः न्याप्यः प्रश्नास्यः । ३०—३०॥

ভারতভারদীপ:

दा की है। द भा नाम म सन्दर्भ दर्ग द प्राप्त विक स्था म द मा निवास है है স্থাপর বাং সভাগমিতি বৈর্থণ মুখ্য । নিজনিত পলিক্ররণপর নামনেক্তির তাহি भावर्ष्ट्रम सरकात केल अकता भागक मात्र मात्र करण दिन अरणा किल अस আহার সেক্তিরণ পরীরণ চন্স শত্র হা। এর অপরিমুখ্য এক বংহতলি কর্ণপুষ্ত হি ब्दलिशियाम्बर्ग () । । तार पूर्व रण कृष्ण पर्व किला वाद्या । उत्तव क्राम नोग्र व भुग्धा तम्हल हेटा निन्हा भुद्धा प्रकार अस्त्रहात व भूग्या तम्हण स्टब्स अस्तिहासा সুবিভিত্ত কৃত্ত বিভিত্ত নিশ্চলম্বাস কংগগৈতি স্থাপন্ত পৃতি সংনিশ্চল নত চলন্ত মুৱানমৰ পৃতি কং स हु काहबरा भीरम् अभनियात अदास्त्र द्वारी स हुति दा नाह पर सामिनाहः रेह्न चित्रकृत केवान केव्या । वि एक होता किन्दूरण कुद्य किन कुल व देवता करण हा যোগী মন ও দেহকৈ সামত রাখিরা, সমাজ কামনা প্রিড্যাগ করিয়া কর।

ধক্ষল ভিন্ন অতা উপক্ৰণ ন বাখিয়া, নিজনে একাকী থাকিয়া, সংলাই চিত্ৰে পর্রদের সমাহিত করিবেন ১১০।

তাৰেপথ্য-নিম্পান্ত বিভাগে কৰে কোন বিধানে কামন কৰিলে, বিশ্ব বহু आम्यान वाणित्य कियां राक्षण इंडेन्स्डे इंडेर्स अहे यक्त्रे अहे यक्त्रे अहे या

যোগী কোন পৰিব জ্বে আপনাই আসন ভাপন করিবেন, সে আসন অধিক উচ্ও হইবে না এবং অধিক নীচুও হইবে ন., ভাচাতে প্রথমে কুল, ভাহার উপরে হবিশপ্রভৃতির চশ্ব এবং ভাহার উপরে বস্ত্র পাতিতে হইরে।

সমং কাথশিরোথীবং ধার্যমচলং স্থির:। সংগ্রেক্য নাসিকারং সং দিশশ্চানবলোক্যন্॥১৩॥ প্রশান্তয়ে: বিগত্তী র'ক্ষাবিবিত স্থিত:। মন সুখ্যা মন্চিত্ত। যুক্ত আসীত মংপ্রঃ॥১৪॥ (সুখাক্স্)

ভারতকৌমূদী

ন্দ্ৰ বিশ্ব বিশ্ব

छ। बङ्घ छ। यहाँ भः

কানতি হাত্য হাত্য লাগত বুল ইন তিয়া পালা, পালি কুলা দিছি কায়ত নহছি কাল্য না পালা হাত্য হাত্য হাত্য হাত্য কাল্য হাত্য কিবল কিবল কাল্য হাত্য কিবল কাল্য হাত্য কাল্য হাত্য কাল্য কাল্য কাল্য হাত্য হাত্য কাল্য কাল্য হাত্য হাত্য প্ৰতি কাল্য কাল্য হাত্য হাত্য প্ৰতি কাল্য কাল্য হাত্য হাত্য প্ৰতি কাল্য কাল্য হাত্য হাত

ভাকপ্রা-চিত্রিকেশনিবৃত্তির ২০০ শবিহ্র নপ্রভূতির প্রাধেন ১১১—১২। বোগী বিক্ষাক্রাক্রের ভিরপ্রতিত হইয়া, মেক্রন্ত, মন্তক ও গ্রীবাটাকে সরল ও নিশ্চল রাখিয়া, কর্তায় নালিকাগ্র দর্শন করিতে থাকিয়া, কোন দিকে দৃষ্টিপাত না করিয়া, রাগ্রেকাদিশ্রুভিত ও নিউত্ত হইয়া, বুলচারীর নিয়মে থাকিয়, মনকে সংহত রাখিয়া, মদ্গভ্তিত হইয়া এবং আমাকেই আরাধ্য ভাবিয়া সেই আসনে উপ্রেশন করিয়া থাকিবেন ১২০—১৪।

যুক্তরেবং সদারানং যোগী নিগতমানসং। শান্তির নির্বাণপর্যাং মংসংস্থামধিগ্ছেতি ॥১৫॥

ভারতকৌ মৃদী

ন্ধীৰূপা ধানো কৃত ইন্যাহ মুক্তিপি। ভিচ্না বিষয়েত্ব বিক্ষা মনেলা মনো ধান স কৃতি, যোগী ধানিয়ে টি, সদা, একমিক্স, আছোনা মনা, ছুক্তন্ প্ৰমান্তিন সমাতি হা কুকান্ সন্, নিৰাণ্ডেৰ প্ৰমান চৰ্মকলা স্কাকাম্, ন্যাকাষ্ট্ৰ প্ৰমান্ত্ৰকি ভিত্তাম্, লাভিশ্ নিৰ্ভিশ্, অধিপক্তি আহোমতি ১৯০০

ভারভারদীপ:

যোগী মনকে অশা বিষয় হউতে নিবৃত্ত রাখিয়া এব সকলে সেই মনকে আমাতে সমাহিত করিয়া আমাতে অবস্থানকণ প্রম নিকাশেস্ভি লাভ করেন ॥১৫॥

তাত প্রায়ান এই কপ পারে কবিলে কবিলে ছবিলে গুলির স্থানাত্ত পের স্থাপ কবিল। শরমান্ত্রিক হারীর, এর পার , স্থানের এতি মাই এইকপ ১০০। না হালত জ্ব নোগোহতি ন কৈ লিখন লা । ন চাতি পথানীলভা জাগুতে। নৈৰ চাতিন ! ॥১৬॥ যুভাহাৰবিধাৰভা যুভাচেনীভা কথাভা। যুক্ত সংগ্ৰাবাৰভা যোগো ভৰতি দু গ্ৰাম ৮১৭॥

ভারতকৌ সুদী

ভারভভাগদীপ:

অজ্না মে লোক অধিক জোড়ন কৰে, যে লোক আল্লা একেবালেই ভোজন কৰে না, কি বা যে লোক অধিক নিছ, যায় বা যে লোক অধিক ভাগৰণ কৰে, হাইাদেৰ গোড়া ইইটে পাৰে না ॥, ১;

তে কিন্দিনিটা— এই কাজ কাজ কাজন কৰিছে এই কটা কৰাৰ সংস্কৃত্য সাৰ্ভাক । উত্তা মোলস্থানেৰ স্কৃত্য কৈ অভিক ন্যাসন্তান্ত্ৰ কৰিবেন্ন ন্যান্ত কৰাৰ স্কৃত্য স্থানিক চলচ্চাত্ৰ অধীৰ স্কৃত্য কি সাংগ্ৰহণ ষদা বিনিয়ত চিত্রাস্থেতাবৃত্তিত । নিংস্পৃহং সর্বকাষেতো তৃত ইত্যুচাতে তদা ॥১৮॥ যথা দীপো নিবাত্রের নেজতে সোপনা স্মৃতা। যোগিনো যত্তিত্ত যুগুতো যোগনাস্থন:॥১৯॥

ভারতকে। মুদী

विश्व हर्माधिक हर्माधिक निष्युक्त के मेर्म्स का इन्यादिय स्थाद स्थित हर्मा दिवस हर्माधिक हर्मा कि विश्व हर्

হোগিচিত্র সাল্জা এলছি বংগতি । নিবাস ক্রুল্ক নেলে বিচনাতি সাহানুনে, দীপো সবা নাইস্কত না কপ্তে, সা, আহুনা প্রচাত্তিন্দ্র । বা সান্ধ্র বুজতা কাম্যা, গোলিনের বালিনা, বভ্য আহু কাব নিংকা তান সভা, নগন স্থান, ব্যানি চতা নিবাহস্থীশ ইবা ভিবং ভিটিটোত্তাই ১০সা

ভারতভাবনীপ:

দিনি নিভিট্ট সন্ধ্য উপযুক্ত পৰিনাণে ভোজন ও গনন কৰেন, নিভিট্ট সন্ধ্য উপযুক্ত পৰিনাণে আনাদি কাথ্য কৰিয়া থাকেন এব যথাসন্ধ্য উপযুক্ত প্ৰিমাণে নিজ যান ও ভাগৰণ ক্ষেন, ভাগৰত ভূখনাশক যাগ হইয়া থাকে ॥১৭ঃ

ভে†ক্ষাই—একশ লে কের ম্পনাই গালে ওপা খাবে স[া] ালগাল) সাহস্পর হয় 15মা

যোগীৰ স্থাত চিত্ত যথম প্ৰৰ্ক্ষেই অৰ্জ্যন কৰে এবা ডিনি যথম ঐতিক ও পাৰ্থিক সম্ভ ভোগ্যক্তে স্পৃহালিহীন হন, তথ্যই ভাষাকে বাভবিক ধানিযোগী বলা হয় ৪১৮৯



যথে পরমতে চিত্র নিকরণ বেশ্বদেশন।

মত্র চৈলারনারানা পশ্চর, হানি ভুগ্তি ॥২০॥

অথমতি নিকরণ নতদ্রুদ্ধিত ।ক্মতা নিদ্যম্।

বেতি মত্র ন চৈলায় ভিতশচলতি ভঙ্কা ॥২১॥

মা লকুং চাপরং লাভা মন্ডতে নাধিকা ততঃ।

মাজিন্ ভিত্রা ন ভূ থেন ভ্রুণাপি বিচালাতে ॥২২॥

कारक(को मुनो

ভারত স্তাবদীপ:

त्र प्रकृति । त्रिक्ति । त्रिक्त

বাৰ্শ্য হান ভিত নীপ যেমন কজিংত হয় মা, সেইকল প্ৰমাহশাননিট যোগীৰ চিত্ৰ বিচলিত হয় না ৪১৯৪

তি কৈ প্ৰিয়ে নিৰ্দ্ৰিয়ান পানিও অনাধ্যক, মোও কৰি কৰিবছৰ নিত্ত কৰিব শ্ৰম্পুনিৰ প্ৰাৰ্থিয়ান বিচলিত হব নাও একভাৱে প্ৰয়েছ ভাই অৰ্থ নিৰ্দ্ৰিয়া

ধানিভাসে করিতে থ কিয় নিকন্ত চিত্র যে অবস্থায় শান্তি লাভ করে; যে অবস্থায় কালী চিত্রাহা প্রনায়দর্শন করিতে থাকিয়া সেই আয়াতেই সমুঠ থাকেন, মত্রীভিয় বৃদ্ধিনাম্বের আত্রান্তিক যে স্থব আছে, ভালা যোগী যে অবস্থায় জানিতে থাকেন; যোগীয়ে অবস্থায় থাকিয়া ভর্নত হন নঃ

ত্র প্রায় — কমার এল প্রায় গ্রাম গ্রাম নাল্ড থাকিলে ক্ষ্মও ক্ষ্ম কথনত রূপ করে কাল্ড থাকিলে ক্ষ্মও ক্ষ্ম কথনত রূপ এবং কালও জন্ত জার হরী, রাধাতে ক্ষ্মত হার হয়। তাম লাজিলাভ ক্ষিত্র পারে লা, কিছে ফোপ্টের্লে বা, প্রায়ণ নিক্ষা করে লাজিলাভ, স্ক্রেল্ড লাজিলাভ করে। তার প্রায়ণ বিষ্ণাল্প ক্ষমত করে প্রায়ণ ক্ষমত ক্ষমত করে।

ত বিভাদ্জ্যখদ যোগবিধান বোগদ জিত্য।

সানিক্ষেন যোজবো বোগেছিনিবিধ্নত তথা ॥২ ॥ (কলাপকম্)

সকলপ্ৰতবাৰ্কানা ভাজ্য স্বান্ধেষ্ট ।

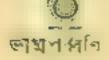
মন্দৈৰে ভ্ৰমণ বানিষ্য সমন্ত হং ॥২৪॥

खावळ(कोश्रमी

द्वित १ वे छ । ि . अ अदि दिन्तरत विष्ट. या . त् १ द्व व्यव , म अवित स्वान रचन स्व अवित । या विष्ट दिन्तर जे इं एस्त १० के अवित अवार जे का अवित स्व अवित । या अवार विक के प्रति विष्ट स्व अवार के स्व किराय स्व विद्या विष्ट हैं । या प्रति विद्या विद्

ভারতভাবদীপঃ

म 454 विषि कि प्रेमिक छात्रकित ए इन्हर्निक उन्हर । १ राम कर्ण कर्णा माणाद्यम अवत्रः प्रष्ट १४३३ व्योगीतः राष्ट्रभवत्य किव्योगार्थम स्वयंत्राचार वर शुन्दभार्याशक माञ्च करामभञ्जल विद्याल ६४ मध्य दिक्कतञ्चनः । उपनम्पक्ति ३० दिवा ६ द्यांत्रकृत्रम् करे। जुलिक्षद्रानिकार्यस्ट्राट्ट अन्त्रकृतिनानपुर्वदेवा स्टब्स्य र प्रकृतवर्थः नि स्थाः ব্রিক্র মিডির লাখ্যন বিশ সু—ল ই ক্রিনির সাহাল্য কিল্ডেন বাবস থেক নিবিরা निर्देशनविक्ति । १६७१ एक एक्स एक कृतिकाल मामने । एक व्याप्त मान केलिक किन्ने कार्तिहरू कृष्, धार्थालया शासा अटलक्षिण क्रानिदिया लाग करनदे छक् विरागशनाटलतः भ्याक्षिमहेकस्य क्रम्यक विशेष्ट्र। एक् विशेष्ट्रमा क्रम्यक एक देवताक एक स्वादलकृतिलय अक्षा अकार दिन्द्रप्राचन भूक. इ. का विकाद इत्याहि देवन स्थान अवस्थि कृद्रनक्षा ্তিছিকা; বিষয়িতে ইটি আম্ম ব্যাস্থ আন অন্তম্মাণব্যস্থতে নানি জোলাও লোকস্থান যোগী সে অবস্থ, লাভ কবিয়া ভাষা অংশক। আর কোন লাভকে অধিক মনে করেন না এবা যে অবস্থায় থাকিয়া যোগী গুক্তর করেন বিচলিত হন না, ছুঃখসম্বন্ধ সেই ধাবভাবিশেবের নামই 'মোগ' ইহা ভানিবে। যোগী উংগ্রা চিত্তে যোকলাতের জ্লা নিশ্চিত্রণে সেই যোগ অভ্যাস করিবেন ॥২৬—২১॥ েডমন চির্ভ ছ': ভালো মেই প্রনায়শংশকণ এক্র ব পাইলে, মন সংগ্রেট ভূতিক शास्त्र, आव উদির অংশেন, কিংব দলা অংশক অধিক ল ৮ কিছু আ ৪ বলিছ, ধারণ করে মা, অধ্বা বাতিতের কিন্তু পিছ বিচলিত হব ন । অত্তরে করী নিধবজিত মগাওপ ৰাভ কৰিছে হইলে গোণ্ড—'এ ছয়ে মা হউক, প্রজন্মে অবক্ট চইবে' এইরণ নিশ্চয় কৰিছ **८माभकारिय अवृक्त इहेर्यम् १२०—२०**०



শ্রৈ, শ্রেকপ্রমেদ্রন্ধ সুভিগ্ঞাত্য। ত রুসাত মন কুই। নাকিকিদ্পি চিপুদেং এইটো (মুগাক্ষ্)।

ভারতকৌমুদী

ভারতভাবদীশ:

तिस्त, -- अध्यान । १६०१ ते । १०११ ते १०१० वृष्यक एक्ष्य । ११ कस् क्ष्य स्थान । ११ कस क्ष्य स्थान । ११ कस क्ष्य स्थान । ११ कस् क्ष्य स्थान । ११ कस् क्ष्य स्थान । ११ कस् क्ष्य स्थान । ११ कर्षा स्थान स्थान । ११ कर्षा स्थान स्थान । १९ कर्षा स्थान स्थान । १९ कर्षा स्थान स्थान

দোগী, সমন্ত সমত কামনা সম্প্রকারে ত্যাগ করিয়া, সমন্বারাই স্কল দিক্ ইইতে ইপ্রিয়সমূহকে নির্ভ রাখিয়া, সে মন্টীকে প্রমায়ার উপরে দুটকাপে ভাপিত করিয়া, দৈধাসপাল বৃদ্ধিরারা সমত বিষয় ইইতে ধীরে দীরে নির্ভি পাইবেন, তথ্য মনে নান্ত কোন বিষয়ের চিত্ত করিবেন ন ॥১৪ -২৫॥

भागित्याणः । ७९९

বতো যতো নিশ্চলতি মনশ্চকলমস্থিন । তত্ততো নিশ্বৈয়তদ,সতোৰ বশং ন্যেৎ ॥২৬॥ প্ৰশান্তিমন্দ হোৰণ ঘোগিনা তথ্যত্তমন্। উপৈতি শান্তব্দশ সক্ষমক্ষ্যমূল্যন্

ভারতকোম্দা

নাথ চকৰ হৰান্দ আ মুখ্য স্থাক হকৰ ব্যাহৰ সংগ্ৰহণ কৰা হৈছে। আন নাম এক চকৰ মুখ্য মাধ্য মাধ্

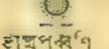
ভारङ्गावगेशः

তে সৰ্কুণ ভিন্তুৰ সহাৰ্থনিক আৰু স্পান্ধৰক্ষণ থলি হাল এক বা পানিক ভালভাৱৰ ভিন্তুল নাগালিকে ভাল কৰি পানিক আৰু কৰি জুনাৰ ভালত হাল কৰি কৰি কৰি নাই কৰি ন

করিতে হাই বা, সাহার পর কর্ম কাম বি ভর বিস্তৃত্যীত নিবৃদ্ধি পাইবি হাইবে এবং আনু চিছি ও দাংগ্ কবিছে হাইবে, ভিংপার মন্দিকে পরন হাব ভগারে সনাক প্রতিষ্ঠিত কবিছে পাবিকে পাবিকে পাবিকে পাবিকে পাবিকে পাবিকে বান বিভিন্ন স্থাবিক বান বিভিন্ন স্থাবিকে বান বিভিন্ন স্থাবিকে বান বিভিন্ন স্থাবিকে বান বিভিন্ন স্থাবিকে বান বিভাগি মন্ত্রী হাবিক সংগ্রাহিক সংলাহিক সংগ্রাহিক সংগ্রাহিক সংগ্রাহিক সংগ্রাহিক সংলাহিক সংলাহিক

যে মন ঘটাবতই চপাল এব নিক্ক করিলেও অভিবই ভাকে, সেমন যে যে বিষয়ে যাইয়া পদিবে, সেই সেই বিষয় হইতেই উচাকে মানিয়া প্রমায়াতেই স্থাপন করিবে ≋ংগ্র

ভোক্ত শিহ্য — এই লক কা গ্ৰেমন কৰে বাক বাক লোগে প্ৰবেশ কৰা শালা পৰ সে ছিব হয়, দেইস্কল চঞ্চন মনকেও বাক বাব প্ৰথম ছাত্ৰ স্থাপন কৰিবল পৰা যে দিব ইউৰে হয়।



মুজ্যাকৈ সভালাকৈ কেকি বিশ্বকর্ম, , হাথেন ব্লাদংশপশ্যভাতঃ অথ্যস্তি ॥২৮॥

ভারতকৌমূদী

কুণ্ডিল নাক্ষ্ম হ প্ৰতিষ্ঠ কুষ্টি লাভ কুষ্টি কুষ্

ভারতভারদীপ:

যোগীর মন যথন প্রমায়ণ্ডে থাকিয়া বিশেষ শাল্পি লাভ কবিল, ব্রোগ্র নিবৃতি পাইল, পাপ ও পুণা বিবেশিংও চইল এব ভাবন্তি আসিয়া পড়িল, তথ্যই এই যোগীর নিক্টে নিব্রিলয় সূপ উপস্থিত হয় ॥১৭॥

তি হৈছিল কিন্তু কৰিব সংগ্ৰহণ একৰ ব্যৱস্থা চুৰ ইংক লাভিছেন, দেয়ান লাব লাভিছিল দেব ভাল চুলি চুটি কৰে লা, বংকালে সক্ষুণ আৰাজ্ব প্ৰেল চুইন ক্ৰেণ্ডুৰ ভাল কৰিব কাৰ্ডিক কৰিব লাভিছিল আৰু কিন্তু কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ প্ৰেল্ডুৰ কৰিব লাভিছিল আৰু ক্ৰিণ্ডুৰ কৰিব আৰু কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰিণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰিণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰিণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্ডুৰ কৰিব আৰু ক্ৰেণ্ডুৰ ক্ৰেণ্



সর্ভুত্তম, রুকে° সর্বভূতানি চার্দনি। উক্তেরে যোগালু জালে, সর্বত্ত সমদর্শনং ॥১১॥

कारकरको भूगो

क्षाना, है विद्यान देवि वह राह हो दुक्षाता दान्यात् एक ही है कि महिल्लिक कर देवि के कार्यात कर देवि के कार

ভারতভাবদীপ:

च किक्रिक्टीम क्रिपुर्वाकि है है देखारिक देखा । एक किन्द्रमुख्य किन्द्रमुख्य अनुद्राहरू— महामार्कि । "तमा हिन्तिकलानिक धर अमा रहतात । तमानाधर ए र महार जिल्लाहा। फुर इन् इनिश्नास १८ कि. मा पान मा पान में केश के नाम कि. कि. मि. मा कि. मा मि. अभिनिष्यक्षात्राच्या । य काल्यका ना अन्ति एक दिला व्यवस्थित काल्यकार्य । तम अनुकार । पन मन विक्षिता कालन युक्त यह नम्भारित। महस्रवृ अभिक्षित्र देव देवसू विभागम् । इत् भन्ना विकासका अक्षा द्वार देवस्य भनेना एक संस्थित সম্দলনঃ তথা ৮ জাল্য — ম্পাল্ডালি ভালনি আ ্তেম লগত লি । সংগ্ৰালী নং हर्ष स विक्रमुलारण र अक्षेत्र ए उर्ज र उपलब्ध उपलब्ध द्वापाद कर्णा हे है " हैना अर्थ १५९५ हुए। १४६ ८ २५६ अर्थ अर्थ अवस्था हु। १५ ,१ अ. ५ हु। व अर्थ हु अर्थ हु अर्थ हु। म माश्राममाक है। । विभाग नम ना दक्त कि पर नामा , मा कि विभावित कर भाक्तिभाकारकात्रक हुन्छ अर्थन्द्रकात्म स्थान्द्रिक्षन्द्रवात्रकाचि सावस या ग्राह्म শোকিত ইতি হল। সন্ধাৰ ভুক আত ক্ৰাছনা সক্ৰি। সমস্ভা সহজি নিজাণ महाद्यान है नहानि कु हिन्दि प्रदा तक का लवलगार । पहेल्य द्वानंबाद हु इचिति मनार । हर-क अवा आकारण मा हिलाबा दिकारप्रकृत इरामितिक करवार्य है जिला का कारण मार्ग अम्बद्धानग्रमात। म ह त्योक एको अवदि दक्षाव कारायक्षा अत्यव्या मध्यकि इसामानिका स्थान देना'मोन्द्रिक् कृत्यादन मिनुक्रमान्य । यान मानिद्रश्य प ल्या हि विश्वामित स्थानित वृत्र मान्द्र मान्द्र स्थित स्थान स्थान । स्थान एवं कि विश्वाम कि वृत्र मान्य

পাপ-পূণা বজান বোগী এই ভাবে স্বদ। মনকৈ প্ৰমাধাতে সমৃত ক'বয়া অনায়ামে বজামকোংকাধনিবন্ধ নিবভিন্ম শুধ নোগ কবিছে থাকেন ॥১৮॥

ক্রাক্র প্রায় — এর বার , এই ক্রান্তর করা কর্মনার চুলি। এই লাভ , ব্যান কিছু কাল কুম্বরাধের চন্দ্র লোক, নেইকল জানালিকে লাভ চন্দ্র থাই এবা স্থান না লাভিলেও কিছু কাল মাধ্যাক্র লাভীয়েই ক ক , সামনা নেই লাভাবে ই লাব স্থাকেলায় ভারতে পারে । ২৮।

্ণা হো সংখ্য দিবর দেবজা মণি প্যাতি। ভিতাহিত ন ভাগভাগমি সাচ সেনে প্রাতিশা হিলা

छाउँछाकोभूमी

ইবন্ধনাল বিবার ইউ ্লাহী স্থার পর , মার প্রায়ের মুক্তির বিবার করা ইবাধান , স্থানি ইউ সাহে মার করা করা করা হাল ক

ভারতভারদীপ:

एक र राज - व्यवस्था वर्षा १००० । व्यवस्था स्थापन हिर्देश कर है है कि किए एक उन्हें के उन्ने का स्थान के स्वार्थ भारत पूर्व के असे व दूर है। १०१६ के स्टेडिंग क्षेत्र में समान हें हुए हैं। 可如 在人 四十年十二十二日 中省 自 州 日日 () 十四 日 直 有 1 日日 中) (1 日刊 1) [] a court of the same and the same of the sa स्तु व रचन वह ता मा पार्ष है है है अध्यान के अपने न के का में में के के अपने से हैं कि ह एक ज रहण कहा है के किया जनका उत्तर एक देशमीय ए व वास्तर — ६ आसिहित। हरेड _क्रिक करण दूषण (द के द _{द म}े कहादू कर्णाह करों कुरदुर्भ सङ्क्रीय क्रिका · 'AL 31 2 2 2 4 5 5 . अवस्था स्टाइट र 35 र द्रा स मृत्या स्वर्गात । भारत्वरण पुर क्षेत्रण १०० रेस पुस्तर, स्थु निष्य, स्थु क श्रेक्ष्व्रका हा छि な あと 可ないない ことになる かん かんかんかい で 明日 明日 日 日 日本の書きて 日本 日 कि र . विकास कर के के अभाग के के किया किया किया कर के कर की हते. ·中·一下り、日明を中·「トリアラ「大日間の日の日本日」「コイナラディ なん「三日本人」 \$. राजक नवा व त व के के कार्या के के के विकास का नामक किस्पाद हास्क्रमण * 場「し、 うかしも 変 石 1 下京 マラン 有味 国 本 3 型 2 型 6 円 (中 2 対文 日代 日刊 27)

সকলে ব্লাল্মী লোগে সম্ভ পদাৰ্থেট আপন্ধে দেখিতে পান এবং আপনাত্ত সকল পদাপ্ট দেখিয় পাকেন ৮-১৮

ভাৰত প্ৰাণ্ডি ক্লাইড, দিবে নালেনই হ'ল কৰিছ লাল্ড কৰেন, ইংহাৰ নিকাট কুমি কমি ক্লাইড, দিবে নালেনই হ'লি কম কেন, কেন

বিনি সকতে আনাকে দশন কবেন এব আমাছেও সন্ধু দেখিতে পান, আমি ঠাতাৰ অনকাত্ৰ নং, তিনিও আমাৰ অস্কুত্ৰন না এংন।

ভোকসামীয়া – একটা ক্ষেত্ৰ প্ৰতিবিশ্ব যেমন সম্পত্ত অসংস্থা স্বাক্ষর ভিত্তির দেবিতে পাওলা মান্ত সেইডল সকল স্থাপি এই আমাত্রত মিলি লবীন ক্রেন্ত, আবাৰ এক ষ্ঠানুত স্থান্ত গোলা সাধি ভাষা হোৱা কৰিছে। ষ্ঠানা বৰ্তি মানোত পি সং সোধা মানি কৰিছে ॥৩১॥ মাহিছীপাষ্ট্ৰেন স্থাত সমাধি প্ৰতিষ্ঠান ।। অধ্যাধী বাদি বা ভূগো সংগোগী প্ৰয়ো সভঃ॥৩১॥

ভারতকৌমুলী

निष्णि मिन्द्र मान्य वर्ष माध्या इत्तार स्थान । १९६९ १९६ कि इत्ति हात्त्र राज्य स्थान । १९६९ वर्ष क्षेत्र स्थान स्थान

বাস্থালোক প্রাক্তির কর্ম করে। এই মাজুন । শাংশন নিবাস লাজান, সকরে সাল্ভ বিষ্, তা ক, হানি ক প্রাক্তির লোকান, সকরে সাল্ভ বিষ্, তা ক, হানি ক প্রাক্তির প্রাক্তির বিষয়েশ করে বিশ্ব করে বিশ্ব

ভারতভাবদীপ:

যে যোগী 'টাৰ ও অঞ্চ এক এইকণ ধাৰণ কৰিব। সক্ষয় দিলিভকপে সামাৰ উপাসন কৰেন, সেই যে গী সকল অবস্থাতেই আনতে গাংকন ॥০১॥

ক্রেণ্ডেরপ্রের নিম্ন কর্ম চলাই বক্ষ, কিবাবি এই ক্রেন্ট ক্রম, বা নিধিও সাহবলই উল্লেখ্য ক্রেন্টেন্ড কর্ম চলাই বক্ষ, কিবাবি এই ক্রেন্ট ক্রম, বা নিধিও সাহবলই ক্ষম জীবনুষ্ট হয় দেখানা হয়ন

व्यर्ष्ट्न डेवाह ।

্ষ্ঠিয় প্ৰান্ত প্ৰাক্ত সাহিষ্যন মধ্যনন । এতজ্ঞাক ন পৰ্য যি চক্ষলভাছ কিছিল কিৱাৰ্ ॥ ২০॥ চকাশ কি মন, কৃষ্য । প্ৰমাণি ক্ষৰ-দুৰ্ম্ । ক্ষাকৈ নিওক মধ্য কায়েশ্বিক অভ্যাৰম্ ॥ ২৪॥

ভারতকৌমুদী

ই কুমান্ত কৰাৰ নাম্বান্ত বা হাৰ হাৰ কুমান্ত কৰাৰ কৰাৰ কুমান্ত কৰাৰ কিছিল কৰাৰ কিছিল কৰাৰ কিছিল কৰাৰ কুমানি কুমান

कार के कारणां ला

সৈজ্ন শিন নাজৰ চুলনাম সকল প্ৰাৰ্থখন ভূখ সমান লেখেন, ইতাদের মধ্যে সেই যে শিকেই সানি ভেছে বলিয়া মধ্য কবি লাভ্য

্জানিক কিন্তু কৰিল, নিনিক দেশ গোলী গোল

শাস্থাৰ বিশ্বেশ ক্ষে শ্ৰেষ হ'লে ভিডিজপ এই যে যোগের কথা ভূমি বিশিকে, মন জোলা বিলয় সামি এই নে গেবে নীম্কালভামির ভাইতে প্রে এমন মনে ক্রিনা এবং

क्कां क्ष्मित्री — द्विभाव विविधान — यहार प्राप्त कहा प्रमाद सद्य हात छिन्द्र स्मान्द्रीत क्ष्मिय से काल द्वर प्राप्त कविश् — रहाते हेट्ट प्राप्त स्व । क्ष्मित् हक्ष्म प्रमान स्वीत्राहरू कृष्टि कविश्वते विविधानका

জীভগৰাসুবাচ।

লসংখ্যা মহাবাহে । মনে ভূমি ল চল্য। মলাদেন ভূ কেতিয়া । বৈধালে চ গুলতে ॥১০॥ অসংখ্যারনা যোগে জন্তাপ ইনি মে মহিঃ। বিশারনা ভূমতল শব্দ্যাল্যাপ্রপালতঃ॥১৬॥

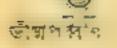
क्षांबद्धां मुद्दी

ভারতভারদীশ:

সুষ্টা ভাষাই দেখা মন সভাপু চপলা, শতার ও ই শিয়গ্রের কোনভনক, বলসান ও বিষয়ে দনসংস্কৃত সুত্রা অ'নি মনে করি বংশ্র আল্লায় সেই সন্নের নিরোধ করা অভাস্থাকর রংখন

কুঞ্চ বলিলেন 'মহাবাহ সহতুন। নন্য চণলা, লাই'র ও হ'ল্যুগুলির বিকেপকারী, বলধান্তবা বিষয়ে দেসস্ক, এ বিষয়ে কোন স্কেচ নাই। কিন্তু যে বীর। সভাস ও বৈর'গাছরা সে মনকেও নিগৃহীত কবিছে। পারেন চহল

ত্য লোকায়—ব ব ব ব প্রনাহাটিভার নাম— মল ক্ষা ব্যাটিভি ও পর্যালী কিল সুখ্টোলেক ইন্দ্র নাম কর ব নাম— বৈশ্বাল, তেই উচ্ছেব মন নিল্ডাত কর । ব।



হয়ান টবংচ।

ভ পরিশ মার্পিল্পর্ধ ত্রাপ জ্লিত্স।এসং। उद्यान । वालम जिल्ला क्षा लिल कुछ र शास्त्र ॥ ६९॥

इत्सर्क पुली

京原性之 大海 "人,我们,我们也不是一个一点的时候,我们就 In a to the me, a ser of the series for any

मुल भी र १६० व १०० १ ने मूच्या म देलाल संभी ere of a comment of the comment of t the same of the sa gm ; ; c e c , r . c + r , e m , 2 m , r . r

হ'ব হ চ্বেট্সে,

(कुर्ने का न करक पर प्रदेश के बाहर पुरुष दूर दूर दूर विशापो विश्व 門頭部門 日 中 日 日 李子 一四 李俊 四 名 五 四米縣 四十四 四日 四十四日日 BALLOW & MARK OF OUR PLANTS OF STREET PARTY OF

মিন সেই সাৰ সৈ ও বেবল এবে। মনকে দন্ধ কবিছে পাবেন নাই, ৬ হার প্রাচ্ছা। সংগ্রাভ ক্রাও্দ্র, মর বি ন সেই উভয়্র র। মনাইক দমন কৰিছে প্ৰয়োগভন এব সিহিলাভেৰ হজা মহুও কৰেন, হিনি সেই केलारध मान्या व लाच करिएन भारतम , देशाह व्यामान मान्या । ॥१५॥

新建門衛門 中華 一日 山 中 中 中 八年 中美 月 人口 中 人類的 別本的 दिशाय हुई नरे जिल्हा ए जा गर्द रूल एक नात कर छाउँ इंटर्स के उठ छ।

काकुन वोज्ञालन-'देखा। कान ,ताक थ्राप स्कांगुक क्रेग्री सान चात्र प्रकृतिन, भार विभिन्न क्यम कार्य कार्य मा भाराय (म भाग व्वेट्ड अहेरिक তুইল: এ অবস্থায় সেলোক যোগে সিন্ধি লাভ না কৰিয়া কি অবস্থা প্ৰাপ্ত 菱葉 7 世 98

ভা**ংগ** প্রায়োদ্ধ বিষয়ে বাল্ড ব্লাহ হাল হালে ক্রিয়াল ডিব্রেখন হে ধানে বাস্তির বার কণিতে পানিবান । ভূমর বিশ্বাবান করার পাপে 7েষ্টি নবকে বাব্γুনা—একটুনাত খান কৰাৰ আবৌ মাইছে পাতে ∕ ইহাই তিয়া আলানকঃ

ক কিলোদিশ বিভাগীতি লাভ্যাৰ নিশাৰি। অপনিছো মহাৰাহেগ । বিষ্টো সকলং পৰি॥২০॥ ৩৬ সোলাশাল কুলাও । (ছড়ুমাই কাশোলাই।। মান্যাং সাধালাকৈ চেছেই, নাই,পাপ্তাইই॥২১॥

প্রীভগবাসুবার।

পার । নৈবেই নায়র বিনাশ স্থা বিভারে। ন চিকুলাগরেই ক্লিচনস্থ না হাত । সহজুলি ॥৪০॥

ভারতকৌ সুদী

সাংশ কিছন আন্তর বিব্যানি কনি কিছিল হয় হান্ত কাৰণ ক্ষাণ বুদ্ধ পরি আক্লাপিছেলো ও বন, আবাত হাল বিহুল বিশ্ব কাৰণ আনি নান বাধার পান্ধ আৰু কাৰ্যান্ধ সমন ক্ষাত্ৰী হাল্যান্ধ আনহাতী কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ সাম্ভাৱ কাৰণ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ সাম্ভাৱ কাৰণ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ সাম্ভাৱ কাৰণ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ সাম্ভাৱ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ সাম্ভাৱ কাৰণ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ কাৰ্যান্ধ কৰি কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ কাৰ্যান্ধ কৰি কাৰ্যান্ধ কৰি কাৰ্যান্ধ সমন্তৰ কৰে কাৰ্যান্ধ কৰি কাৰ্যান্ধ ক

শত্ন বিধ্যাল্ডির ব্রাচার হ্রাজা স্থাসাল্ড আনহার সংকরণ না আনহারি। সংক্রিয়ার বিধার হ্রাজা নাবে বুনিসে প্রস্তাহত, এই নিব্ধা, নাইপ ছার্র বাংলাল্ডি, আ্লিবিং বিজয়

ভারতভাবদীপঃ

ସ୍ୱାନି ନେବସ୍ବର ଓ ନୁ ଜନ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ର କରିବ ନେବନ୍ତର ବର୍ଷ ନେବଙ୍କ ନା ପ୍ର ଅଟି ନିଷ୍ଟ ଅନୁପ୍ର ନି ଭିଟେ ଅଧିକ ଓ ଅଧିକ ନେବ ନିର୍ଦ୍ଧ ଅଷ୍ଟ କରି ବୃହନ୍ତ ବିଜ୍ୟ କରଣ ଅଟି । କ୍ୟୁନ୍ତ୍ର ଓର୍ଡ୍ ଅଟିକ୍ ବ୍ୟୁନ୍ତ କ୍ଷ୍ୟ ପ୍ରେମ୍ବ କର୍ଷ ଓ ଅଟନ୍ତି ବିଜ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଧ ଅଟି ।

মহাবাত কৃষ্ণ। ব্ৰহ্মাণ্য প্ৰ ধানে হইছে আহাব ডিড বিচ্ছত হয়, স লোক কৃষ্ণিয় ও জানপ্য তুই পথ চইছেই বিচ্ছত হইয় নিৰ্বলখন ইইয়। পঢ়ে; সুদ্ধ া স কি বিশিষ্ঠ মেছেব কায় লয়ই পাইয়া যয়। না লয় পায় মাণু ॥৩৮॥

च्छा (अपनिश्चिम १००५ वर्ष १००५ वर्ष । स्वयः १००६ वर्ष १००५ वर्ष १०० वर्य १०० वर्ष १० वर्

কুষা ৷ টুমি সামার এই স্বয়টাংক স্বর্থকারে ছিল করিয়, দাও কারণ, ডুমি ডিল এই স্বয়ের ভেদক কোক পাও্যা ধাইবে ন ' ৪০১৫

তেওক্সায় ভুন্ম কন্ প্রমেশ্য বা বে, সকলই জানা, তাই ন্যাব প্রেট এই সংশ্যাস্থ্য কর্মস্থ্য বিষয়

(৩৯) হারের সংগ্রাক্ষণ র i

প্ৰাপো পুৰ,কুৰণ নাজ কুলিক ৰ শৰ, সন । শুৰীনাণ দী মানা নুগতে সংগল নগাকীৰ লিয়া, কুৰ আগত। স্থাৰণ নাগতিন কৰে কুলুক দৰ কৰা নাই নু। কুছানি মেলাভাৰত না কুছান্ত সংগ্ৰাম

सारकरको मुत्री -

कारक सारमील:

কুণাৰ বিশেষন বিষয়েন সেই যোগে এই লোকের স্কলেণ্ডের আন পাতি ইয়ানী, প্রবিধিকত অধাপতি হয়ান কাবা, ভানত বী কেনে লোকেই ভুগতি ভোগা করে না শ্না

िक्तिंदिक्तों कि चिक्त स्टॉड्वडर प्रदेश तम वरा भर डाईट्ड एड़ इंड, भारक, पार्ट तक प्रदेश कर करते का है (कर दे कड़ामा संह

অপ্রকালিক যোগ্ৰস্থ লোক সাধিক নিগের লাভা কা লাভ কবিয় এবং সেখানে দীর্ঘকাল থাকিয়া সদ চাবসপ্পর ধনিগণের গুণ আসিয় ভুলা গ্রেব ক্রেন ৮৭:৪

হাংকাৰ শোলি নিৰ্দেশ কৰি এক বিষয় বিষয় বিষয় কৰিছে পৰি সন্ধানিক হাংকাৰ কৰিছে প্ৰিলিক কৰিছে কৰ



ৰ ব ব ব্ৰিষ্ট্ৰোগ লন্ত পোৰ্দৈছিকন্ । মতাত্ত ত তাতে ভূগা সংগতিক কুক্ষকলন । ॥১৩, গ্ৰাণি সেনা তেনিক ভূগতে ক্ষক্তে চিক্তি সা। জিকা্ডিকপি ,মাণ্ডা শক্তক তিক্তিত ॥৪৪॥

अविक्रकोश्रमी

भिष्ण प्रिक्ष प्रति । विश्व विष्व विश्व विष्व विश्व व

ভারভভারদীপ:

আনাল ম্কালিক ,্যাগ নাধালক আন্থিত জোনা যে বিশেষ বাংশাই উংশ্র হন। এই প্রকাল ,যাজাল, ভাতা জগতে আ এইলভাই বারৌ ১৭১৪

্লিক পাৰিছে। সন্ধ্ৰণ পৰা ভানিল বং বাহা আনকালক লোগান্ত্ৰ যে জন্ম হৰ হাইছেছে এই সভা ভালতে লোহাৰ এ আল্লেখাৰ জানাই হাইনৰ কৰে বাংলালক কৰে। এইনি জালামৰ সমা আলকাল ভালতে বাংলালক কৰি কৰি আলকালিক কৰি আলিছে। ইহনি জালামৰ জানামৰ ভালতে আলকালিক কৰি কৰি আলকাল

কারণ, সেই দানকা লক যোগ- ৬টা লাক সেই জাতে প্রদেহসমত সেই যোগবুদ্ধি লাভ কদেন। কুকন-দেন। ভাচার পর ভিনি পুনরায় যোগে সমাক্ সিদ্ধিলাভের জন্ম মার্কনিত্র থাকেন ॥৭৫॥

তে বিশ্বস্থিত নাম বিশ্বস্থা । পাও নাম বিশ্বস্থা নাম বাং সে ইন্থার এইটা সংকার স্থান এ , নাম সাম বাংশার স্থান সংকার স্থান এ , নাম সাম বাংশার স্থান সংকার স্থান এই নাম প্রাণ্ড বিশ্বস্থান করিব বাংশার করিব। করিবের করেবের করিবের করেবের করিবের করিবের করিবের করেবের করেবের করেবের করেবের করেবের করেবের করেবের কর



প্রেরাদ্যত্মানস্ত যোগী সংশ্বেকি বিষণ।

মনেকজন্মগণনিক্ততে যাতি প্রাণ গতিম্ ॥১৫॥

১প্রিনোহ্দিকো বোগী জানিতেলাইপি মতেহিধিকং।

কবিছে; দ্রেকিকো বোগা তথাদ্যোগা ভবাদ্যা । ॥৪৬॥

ভারতকৌ মুনী

ভাষতভাৰনীপঃ

ত বাংলালিক প্রজ্ঞান ব্রনিক্র নালালিক সংগ্রাক কর্প কর্পের ব্রানিক স্থানিক স্থানিক বাংলালিক বাংলা

সেই সোগভাই লোক ইচজাশে বিদায়ে আদাক চইয়া পাড়িংসাণ, সেই পুৰ্বেব আছা সাই উচাহাকে যোগের দিকে আক্ষণ কৰিয়া নিছে থাকে, ভাচাছে ভিনি শোগের অকপ্রভৃতি জানিবার ইন্ডা কবিয়াও বেদ্বিহিত কথা ভাগে করেন। ৪৪৪॥

ক্রেক্টির প্রিয় — নিজ অংশক সভা পরণ সাধ্য সাধ্য সাধ্য রাজিক হব থোলক সন্ধা নিজ নাম ন্নাকে পরাভূত কবিল মানুষকে লোগের নিজেই বা বা ভাই সাধা নুষ্ঠানে ক ইংকারা ভোগে মানুষ্ঠানে নামের নাম মার্ডির থাকন এবা প্রিয়ার বেব প্রভাবে নিজাকর ভাগে করেন ১৯৬।

পুর্বপূর্ব জ্বো যোগবিধার যে যে পবিনাণ মত্ন কবিয়াছিলেন, পর্পর জ্বো মোগবিধায়ে ভদপেকা অধিক অধিক যত্ন যিনি ক্রেন, সেই যোগী ভূডীয়জ্যে শিক্ষাপ হইয়া ভান লাভ কবিয়া ভাষাকেই মুক্তি লাভ ক্রেন ১৮৫৮ শোগিনামপি সর্বেষণি মনগতেনাপ্তরায়না।
শ্বাবান্ ভক্তে নে৷ মাণ সামে যুক্তেমো মতঃ ॥৪৭॥
ইঙি ই সহাভাৱতে শতসাহাৰণাণ সংহিতাগণ বৈলাসিকাণ ভীজাপর্কণি
ভগ্রদ্গাতাপর্বি ত্রিংশেহধায়েঃ॥।॥
গীতায়াস্ত বতেহিধায়িঃ॥।॥

চায়ান্ত বভেহেধ্যায়ঃ॥•। ভারতকোর্মদী

ইনানামলানাল গোলে কড়াং লালনাত তে জিনা কোনি সংগ্ৰিন ইনি তুর মাজনাত মোলী ব নিমোলেন লক্ষাওজনাত, সংক্ষাৰ চাতুন জাবাৰ প্ৰদোধিসপজ কাবিভা, আধিছা, আছি , জানিলভাত আ বেল আনালিন লক্ষাবাজ্য নাম কাব আদিছা, উল্লেখ্য সংখ্যী, কামিভা অব্যোগনিক্ষাকা ভ্ৰাণ আনিক মন নাম নাম , ক্ষাৰ্থ্য নাম বহি সংগ্ৰেছ

সধুনা ওপানপ্রারণা স্বধুপদারকরি বোলিন ন্সি । জন, আকালান্ স্থি প্রা-বদবাবৈষ্ণ চ বিবাসনান্ দন নদ্পকেন আছ্রাব্ন নন্ম, মুম, ভ্রতে প্রবাহনে ক্ষর্তে, স্জনা সংক্ষান্তি হৈ পিন্ধে প্রত্তান্তির নকাবিবলৈ ন্যু, মুক্তিন আব্রান ক্মনী মে স্তা, মুম্ব প্রম্মার্থিনি ভাগেত তথ্য

ইছি ম্তান্তোলার যে ইংবিদাসনিকার্য উপত্র চাম বিষ্ঠিত। মত ভারতীক রা ভারতক্ষিন্দ্রমান্ত ও ভারতক্ষিতি ভারতী তার্তি গোচ্চান্য সভা

Rafure nichtheiter neu

ভারতভাবদীপ:

মাধ্যাপ্ৰাম নিক্ষ ব । জ নিন্দ শ প্ৰিলগতিত বল কৰি লক বিবার সভাই তাৰ তেনা স্থাপি কৰিছিল ১ বিবার সভাই কৰি লক বিবার কাল কৰিছিল ১ বিবার কাল কৰিছিল ১

हों है जिसकारियान इक्षिप कारण करणेटल जिल्लाक प्राप्त । हो के देवलकारिया की स्थान करणे कर प्राप्त

্রাং হাংশাহাট্র হিন ও আর সংক্ষিত এইটো সন্ধান্ধ সন্ধান্ধ ইইটা সম্প্রাক্ষিত। উংশয় হয়, হলন ্যালী মুক্তিল। কি বন ১৯৫০

অজ্ন। তপ্ৰী, ৰাজ্জানী এব বজাদিকক্ৰাৰী অপেজা ধা।ন্যোগী শেষ্ঠ। অজ্ঞৰ ভূমি সেই ধানেযোগী হটবাৰ ১৮ট কৰ ॥১৬॥

0

मश्रुरभार्थागः ।

-----tel------

প্ৰীভগৰাসুৰাচ ।

মন্পেক্ত না প্থি । ্বংগণ বুজন্মদাইপেণ। আসংসংশং সমত শ্মাং বিং, ক্ৰেডিনি উচ্ছেপু॥১॥

ভারতকৌমুদী

সংসংগ্র ভাষার , মন ইতু কাষ্ট বানাক নাই নার নাই বি হা পাই কোমারি মাজ্য নি বার মিন জাতা সামালক আমানত আ আলু, ভাষ্টা সামালক সামা , বা বুংনা আন পান বি বালাক নামালক মানার সিন্ধু ক্লাকুর নিমালকর মাণা আজি আজি, আজি, শুরু বালা

ভারতভাষদীপঃ

म्भाग प्राचित्र प्राचन क्रिक्त प्राचन क्रिक्त प्राचन क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त प्राचन क्रिक्त प्राचन क्रिक्त क्

বিনি শ্রহাযুক্ চইয়া অমাতে মনোনিবেশ করিয়া আমার সেবা করেন, উচ্চাকে আমি অক্যাল সকল যোগীৰ মধোট প্রথম যোগী বলিয়া মনে করি' ৪৪৭।

তে (অংশ্যায়ে তিক শক্ষ প্রমেশ্ব, জার অক্তর নের্মার ই চারই বিভূমি। তারৰ মার্কি নের্গদেরী সংগ্রহ প্রমেশ্বদেরীই প্রধান চর্চার

কৃষ্ণ বলিলেন 'মজুন। তুমি আমাতে মনোনিবেশ কবিয়া এবং আমার শরণাপর হুইয়া যোগান্তাস কবিতে থাকিয়া নিসেন্দেরে যে প্রকাবে সম্পূর্ণ ভাবে আমাতে প্রনিত্তে পারিবে, ভাষা শ্রবণ কর ১১৪ জান (১২ছ স্বিজ্ঞান্তিদ বক্ষামানেষ্টঃ। বজ্জার, নেহ ভূয়োং ভাল জাত্র্যবশিষ্টত ॥২॥ মতুমাণা সংক্রের কশ্চিন্যত্তি সিন্ধায়। যত্তামপি সিকানা কশ্চিমাণ বেভি ভালতঃ॥এ॥

ভারতকৌমুদী

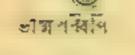
কিছিল না প্রশাস জাননিব। সং প্রথাপু, সার্ব স্থাপে, ইদম্, বিজ্ঞান্ত সাক্ষরতারন সংহতি সাবজ্ঞান্ত, জানা সাস্থাবাধ্য, অংশসত, সাকলোন ব্ল্যামি ইলজান্ত জাহা প্রাণ বিষ্ঠানক প্রনাজ, ইং ক্রারি, হা পুন্রপি, অক্সজ্ঞ ভ্রাণ নাব্দিয়ান অধ্নিধ্ন নামিত না, হবৈর হার্ম বা হা

্জ র প্রবিদ্যা পুনধি ও নব প্রশাসতি হতুল সভিত আবিসন্দ সন । ইত্যু সহলেষ্
সালে, ক লিগেক এব সভ্যু কিকাও প্রদানতা, এতার আবিসন্দ সন । ইত্যু, লাম সাল জিনালালালাল কলনাম্, এ এএই সকলালাকি নিশার্থান নাল মহায়াল্য সহলেষ্ মাধ্যা, বালি সবাম করা সালাকি নালেরি এ মান্ত্রতার বিনা আনেনিক নি মাধ্যালির প্রশাহ্যালির ভাবাহাতা

ভারতভাবদীল:

ভাৰত প্ৰিট্ৰিন এ আৰু মৃত্যুগ ন এইবা ত্ৰুজান ক'ব কৰা মণ্ডুৰ আছে গ্ৰ আনুষ্ধ কৰুৰত কাত ভাৰত মন্ত্ৰ মনাৰ কৰণাপথ এইবা এবা আন্তুল মনোনিৰেল কাৰ্ম আনিয়াৰ কৰিছে এইবাৰ, পাৰ এ মাৰ সহস্য এইবাৰ হয়জন ক'ব কৰি ভ পাৰিকে সেই এইজান লাভ কৰিবাৰ পাই প্ৰন্তুকা বাৰুক্তি ইইবাৰ হয়।

আমি তে।মার নিকটে অপরোক জানের সহিত লাপ্রীয় জানের বিষয় সকল বলিব যে জান লাভ কথার পরে এই জগতে মায়ুবের পুনরায় আব কোন অবশিষ্ট জাতবা থাকে না ॥২॥



ভূমিবাপোরনলো বাযু, গণ মনে বুলিবের চ। অহলার ইতামণ মে ভিল্ল, প্রকৃতিরফীনা ॥১॥

ভারতকে । মূদী

कात्रज्ञायमील:

মাধ্যক্তিন কা বাল বিশাল বা সাধার কার বাল বাকা আন গ্রহণ করিব বিভিন্ন করিব লাগিব বিশাল বিশাল কার বাল বাবা প্রায় আন বিশালিক বিশাল বি

শহর শহর মাতৃষ্ধর এথা কোন এক মাতৃষ্ট হর্জানলাভের জ্যু যতু কবে, হা বার সহর সহর মঙ্গার; তাব্ধ তক্জানীর মধ্যে কোন একজন মধার্থরূপে আমাত্কে জানে ৪০৪

ক্রাক্সাধ্যা নহর্ণনর প্র নিধের মান ব্যক্তানের স্থান্ত নাই, ম্রেয়ালানের মধ্যের সংবাদের প্রবিধান প্রকৃতিন ক্ষিত্রভানে

পদত্রার, রস্ত্র র, কপ্তরার, স্পর্করার, শক্তরার, অভ্যার, বৃদ্ধি ও মূলপাকৃতি, এই মাধ্বিধ-ভেদ প্রাপ্ত মামার এক প্রকৃতি মাছে ৪৪॥ অপরেম্থিতস্থা। প্রকৃতি বিদ্ধি মে প্রাণ্। জাবভূতা মহাবাহে । যুয়েদ ব্যাতে জ্বং ॥৫॥ এতদ্যোনীনি সূতানি স্বাগাসুপেবার্য। মহণ কুংরেডা জ্বতঃ প্রভার প্রবাস্থা।॥৬॥

ভারতকোম্দী

উক্তা প্রকাশ সভাননিত অকল প্রচানর পালল্য সাজান্তিবার আশবৈতি তে মহাকারে । ইংনুক অও হলনিও প্রচানি আনা ও শ্রাভানকর্য আশবার্থী ইও পর্কের্লাম ভাবত্যা ভীর্থকাম শবা চমন্ত উল্লেখ্য পরা নামীম্, মে মন, প্রচানিম্, বিভা ভানতি তা পর হা ভাবত্যা প্রচানীয়ে, মে মন, প্রচানিম্ন ভানতি তা পর হা ভাবত্যা প্রচান

क्टाबक्कशवदीलः

কারবাহয়ে প্রধান ১৪৮ এবং কেরাবিক প্রকিন্তি কেরার রকা সন্ধ — মন্তর বিকি উল্পান্ত সপত স্থান কর্ম উত্তর বিশক্ষণান্ত পরা তেওঁনাহ্ন ম্পন্তাহার সভাগমে সংগ্রহণ প্রকৃতি প্রকৃতি জাবভূতা প্রধান ক্ষতি কর্মান ক্রের্ডি বিক্রিক্রির ক্রির্ডি বিক্রিক্রির ক্রের্ডি বিক্রিক্রির ক্রের্ডি বিক্রিকর ক্রের্ডি বিক্রিকর ক্রের্ডির ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর বিক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর ক্রের্ডির বিক্রিকর বিক্রের বিক্রির বিক্রিকর বিক্রের বিক্রে

ভেশ্বং পাহাঁয় — এই প্রেক ভিত্র প্রকৃতি ইন্ধান প্রকৃতি করি করিছেন প্রকৃতি করিছেন প্রকৃতি করিছেন প্রকৃতি করিছেন প্রকৃতি করিছেন প্রকৃতি করিছেল করিছে

মহাবাল আছুন। এই মাইছেন্ডির। প্রতির নাম—'অপবা' ইরা ভির জীবসারপা আমার আর একটি প্রতি আছে, ভাছার নাম—'পরা' যে পরা প্রকৃতি এই জগড়ীকে রক্ষা করিভেছে।১৪

মত, প্রত্রণ নাক্ত কিজিকস্থি ধন্ত্রণ । মনি স্ব্যালি প্রতি সূত্র মণিপুণ, ইব ॥৭॥

ভারতকোম্দী

भाग पान पर पहिल्ला अस्ति विकास स्थान स्था

হাৰ বিষয় সংগ্ৰহণ কৰাৰ দুবা নিৰ্দ্ধি হয় ইবি হাই স্থান্থ মহাই। মহ কাৰ্য, কিলাৰলি সকৰৰ ইয়াই কৰাৰ কৰা কৰা কাই না শিল্প নাই ছব কই জন্মিল সূত্ৰ বিষয় কৰা হাইছিল। বাহাৰ কাই না কৰি হাইছিল কৰা কৰাই, হোৱাৰ প্ৰতিষ্ঠানি, মানি কৰাই কাইছিল হাইছিল আন আন্ধি, ইচা সাহি নাম্প্ৰিছিলম্ভুত হোই সংক্ৰিলাক। বিশাপি স

ভারতভারদীপ:

আক্রন। চুনি ধির কবিয়াবাধ যে, আনার এই ত্ইটা প্রকৃতিই সমগ্র নাগং ফ্টি করিয়াছে অভএর আনিট ভগতের স্থিকট, রকাক্টা ও বিশাশক্ষা াঙা

ক্রেক্স্মিয়ে স্বৰ প্রতি সাম্রণজি এক পর প্রতি সামার সাপ (মাক্রেন প্রতিবিদ্ধ । কর্তবা তার কাজন্তের কাউ, ক্রিড এনপে করিলে, সারা সামারই করা হয় ।৮। রদোহত্যপদু কোন্তের ! প্রভাজ্যি শশিস্থাযো:। প্রথবং সর্ববেদের শব্দঃ থে পৌরুষণ মৃধু ॥৮॥ পুর্ণোর গব্দঃ পৃথিবরাক ভেজন্চাত্রি বিভার্তের । জীবনণ সর্বসূত্রে তপন্চাত্মি তপ্রিধু ॥২॥

ভারতকৌমুদী

ভাৰতভাবদীপ:

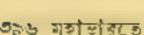
गारित्स अनक गीर्टाइड्याणा स्था दिकादिय्विङ्यं. १०। संस्वत अन्यक्षणाय ग्रास्थिति व्यवस्थानार्ति। स्थान्य व्यवस्थानार्ति। स्थान्य द्वान्ति स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य

আভাএৰ আকৃষ্ণ। এই ভগংস্থী প্ৰভৃতি বিৰয়ে সাম দিয় অকা কোন প্ৰোপ কাৰণ নাই। সুভ্ৰাং মণিমালাৰ সূত্ৰে যেমন মণিগুলি অধিভ গাকে, সেইকপ এই সমগ্ৰ ভগংটাই আমাত্ৰে অধিভ ৰহিয়াছে ॥৭॥

ক্তিকার্থ নিজ্ঞানি সং ও চিংক্রণ। সুস্বংশ মন্ত্রের সৃত্ত মন সকল স্থিতি সৃত্তিই সংক্রিপারে আং মও ভেন্ন সম্পূলন ধ্রি স্থিতিই সংক্রিমা ৮৮খ

আক্রন। আমি জলের রস, চন্দ্র পুর্যার প্রচা, সমস্ত বেদের করাব, আকোলের শব্দ ও পুরুষের উৎসাহরপে রহিমাহি ১৮৪

তোক্ত পার্মান করতে আমি চে ই সকল প্রাথ স ইর মাজি, ১৯ পুকরে পারিকেছ, এইরপ অন্তান্ত পদ র্থেও সংক্রিই বহিংগছি আনিবে দে।



বিজিপ বাং সৰ্বভূত নিংগ বিজি পাথ । সনাতন্ম । বুজিবু জনভালিয়ি তেজন্তেজ্পিন মিছন্॥১০॥

ভারতকৌমূদী

পুনা ইবি হিল চলচ্চ পুথিব। মাপুল, পৰিয়ে জাৰভি একে থাবং, ল**ছো** টাৰ সংঘাৰত তাল বহু তিলা সাহে ১.৬০ছ লাবি শাস্থাতি স্থানসুসকল-আছবিৰু, জীব্ৰণানান ভূজীবনন কমি ভূপজিও মতুন ভাবাদ প্ৰাণ দি এপজাকারিল। B. प्रदेशी बल्ध्यनक्षय स्थाप ४०४

दार्गात् । इत्यास्य स्वतान स्वतान स्वतान क्राव्याचित्राच्यास्यात् स्रविषयम् साथ, राज्य वत्य तिष्य अस्तरः रस्य उस्तरात्तव देवसातिक समिति विक्षित्रका देश कर । किन्ता तु क्षेत्रक कृदक करावित्वद्रार्था । आहम्,

ভারতভারদীপ:

तम महिला पर्याप्त प्राप्त १३ ए । । इ. उत्तर १३६६ विकास्तर द्वार प्राप्त प्राप्त । माध्य तथ कर्णक करावार किया कार करावार करावि करावि (श्राम) स्थापन द् को देवन सूर्ति र न कक्ष र अभाग्या र अगान्या क्षा करण पूर्व कुल खिल दक्षा हा । इन्ह वीका काल अक्षेत्रका (लड्डम इ १४ मा व ४ ० १ दिवासका देख हा कमर्ग

कार्य पृथ्यनोत म न्य कर्क, अहत १६७, अकल शालत आग् द्रव उस्थि-গণের উপস্থারূপে বুহিয়াভি 🕪

তাহপাল্য-গুনিবন্ধলার বল ব্যাপ্ত ব্যাপ্ত বাবা আলি অবিবারী, भाव कुलक्षक दिक्ष वाद रूप एका एका एक अक्षेत्र एवं ए पार्व स्था दल्लाह्मक पद् सरकार मार्थ अस्तास वृत पर्य न तक तर । या एवं अहे सम्मास रहा स्रिकी विकार छ । इक्षण इंडे इक्षित्र विकित्त विक्रियाचित्र विक्षण विक्रियाच्या विक्षण विक्रियाच्या विक्रियाच्याच्या विक्रियाच्या विक्रियाच विक्रियाच्या विक्रियाच विक् শীত শ্রীপরভৃতি লছ করিতে পাবেন চন

অংজুনা তুমি জ নিয়া র ২ যে, জামি নিতা বলিয় ভূত, ভবিসুং ও वर्षमान हताहत मकरणव केञ्चलल । जाव चामि वृद्धियाविद्याव वृद्धि धवः তেজবিগণের তেজ ৷১ ১৷

তাৰিপ্ৰা মানিল মান মান্ত ই পতি হ বিনাশ নই। সুমার বা স্কল ও বর ও জন্ম প্রার্থিতে ছিল, ব্রুবালে আছে এক ভবিষ্তে হট্রে, সেন্ত্রির कारत इत्याद भएक स्वयाद एकान वाला मही। स्वयाद प्राप्ति मिन कति। स्वयाद क्यूनहीं दुष्टिमारमध्य विवाहमा कहिएक कारवम अवर आणि एक्स विका आपात अकारवरे उरक्षीता * চেজ্য কবিছে সমূৰ্য হল ১৯০।

বলং বলব হাঞাহং কামরাগ্রিবজিত্য।
ধর্মাবিককো ভূতের কামেহিছি ভর্তরত। ॥১১॥
যে তৈব সাত্রিকা ভাবা রাজদান্তামদাশ্চ যে।
মন্ত এবেতি তান্ বিদ্ধি ন হহং তেরু তে ম্যি॥১১॥

अध्यष्टको युवी

ব্যথিতি। তে ভর্মস্থ। একম, বল্পনা দ্ধান্সন্তিন্সাম্, কার, অপ্রাপ্ত প্রথোবভিল্ম রাগ্য কাল্যনা তেখাল্ড উচ্চন্দ্র হয়, বল তীলাব্য হন্তিন, স্থালিন্দ্রিক্তির জিলা। জন্ত্রণে ৪ ন্য লে বল্পজা তেখালা, জ্বাস্থ্যানিস্থ, স্থাবিক্তির দ্ধানাস্থাপ্রতিধিকা, কান পুরা শোলনার বিজ্ঞান ভ্রেড থ্রি ১৯১৪

সংক্ষেত্ৰ ভাষানাত হাইছি তে, সাহকা সহস্বস্থাৰ , ভাষা, সম্পন্নিয়া, হাইছ বাহিষ্য ভাষা, কামজোলান্যা, হাইছ নাম ভাষা পোৱানত লগা সন্ধি, সাম সকা নেৰ ভাষান, মাৰ নাম আছিল হো আছিল মনজাক্তিত নাম মান, বি কা আনাতি, ইন্ধান স্বাধিপুলম্বস্থাৰ আন এব ই আলা , সমূভ কোন নামি নাম বি না ভাষাক প্ৰেশ নিলিপু হাৰ, হাত ভাষাৰ মানি নিটালি অনা সম্ভাবিত বা নামাত , নাম

ভারতভাবদীপ:

ভরত শেষ । আনি বলবান্দিশের কাম রাগ বিচান বল এর আলিগণের ধর্মাবিক্ত কাম ॥১১॥

ादिशासी —क्षात व्यक्षात वयुर कार्याकार नाम नवाम करें अन्य वयुर कारमास्त्र न म—दार्ग, तमहें केचान अन्त देन अवाद निक्रण प्रत्य व्यक्त व्यक्ति आस्ति। व्यक्तिमधास भागति निरम्भ नाहे, तमहेक्य कीम्युक्त सम्बद्ध के नवाम मान्स्त्र

द्विष्यु गर्भेद च देश्वरिक्षः अवस्थित छण्ड । হেম,ছিতুণ নাভিজনোতি মানেভাং প্ৰম্বনেম্ ॥১২॥ हेनवा अवा धनकरी सम मारा पुरकारा , মালেৰ ্য প্ৰসভাৱ মালালে ৰাণ ভ্ৰতি তে ॥১৪॥

ভाরতকৌ সুদী

্ৰাষ্ট্ৰত না কৰ্ত্ৰণ ভূতত সংগ্ৰালত নতন্ত্ৰ বিভিন্তি হৈছি । भाग प्रदेश कर भूति । मा मान का विकास प्रदेश रवार साहू, खरेखा । क्ष उक्त भागान रहा ५० ५ । अनुसार हाई न विकास का असर हाई न क्षा हिंदू 建黄铁 "我要说。"

नप्र र वर्ग र भारता र १ सर्ग १६ वर्गा स्थाप हि. प्रमुख् की र र प्रदे हैं। र भ र र रही है र पुरे दे र र रक्क्सरिकी के ही खुनुसूरी रेड मात्र १ १ १ १ १०० ताल प्राप्त कि प्रकारक कि खार प्राप्त स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्

कार्यक सामग्रीभः

का जा वा वा अभ मार्थ पार विकास हा कि मुक्त अवदा प्रमुप्त वा वार्थिक र नहें ता नह कु रायुक्त वर्ताक यहां या यह ना सामा सामा करता है। त्वता च व वर्ष न ५० व वर्ष मात्र ५ वर्ष भाषा व वर्ष है । . इ.च. म . ११ / १४ ११६ के इसर के अक्षा है द्वार प्राचन प्रतिका की द

শাল ও দন্তাত ও ব সকল সা এক ভাগ, ক'ন ও জোনপাত্তি ,য সকল ন জ'সক ৪ব এব ,শাক ৪, াই প্রভৃতি ,য সকল তামসিক ভবে কাছে, সে शास आगाद अट्ट ठडें? वडे हेरलब इडें! वह विश्व, का नवा छड़कां আমি কিলু সেহালিকে ন ট, অথ চ সেহাল আমাতে আছে চাংল

"两个是网络下去 有有有力 在有 有力 有力 有情 有相 有种的有事 有代码表 भ वरण भ राजा । राजा पाठण १४० राज्याचा कुल्लिए प्रकार समाप्त स्थाप अस्ति प्राप्त अन्त कर्म रद्भक्त भाक्ष कर माहित्व विकास समाहित्य विकास स्थाप ।

श्नमम् अर्ट किन्छ कान अर्ट समग्र क्षा १ वस , माहित किन्य, वासियाएक । অবত্র মানি যে এই সকল নাবেধ অভীত এল অপবিধানা, তাতা এই ভলং कारम मा १५७०

西村東部第一日のは、大きち か、日 日本をおするを行って かいまれ、 生物 ちゅ अभिक अधिवित रत्या कर्म दिन्दा भागत कात्र , इन्हेंसल इत्यादिल संदान्ध माध्य -আধানি হে ওল নীক ও অলেখিও নী হ'ত বুক্তক সংগ্ৰান এখা



ন ম'' জুকুতিনো সূসঃ প্ৰস্তুত নৰ্নেমাঃ। মাদ্যাপজ্ভজানা অভিরণ ভাৰ্মাশিকা, ॥১৫॥

कारकरकोश्रमे

শক্ষা নলাভাৱ শৰণ অক্তি, ১৯ এন ২ বু তথ্য মহিন্দ্ৰ, ১৯০০ ১০ আন্দ্ৰীজ্ঞান্তঃ ১৯৪৪

ভাগতিয়া নিজৰণ কৰা সৰ্ভৰ হলন প্ৰাণাণ্ড কৰা বুলালি চুক্তন প্ৰিচিকি নিজৰ বুলালি সিহালি সিহালি

खात्रङ्कावमोशः

करम्म नोज्य का त्र र स्व अवस्थित है। दे अर्थ क अधिक मिनुद्रम कुढरनम जिल्हाम भ्रम হিরাকিত হও মান্দ্রত ও ১৯ ডি স কিলোকারন দেশ দন্ত ১০ত প্রক্তিক্রত কেরিব প্রকাশিক ওপন্টি সর্বজ্পান প্রান্তি ভূবত ন এব নিক্র নাল নাল ভ্লাব্যু सायामना साम्यानम् विशान्तिम् र राष्ट्राण ५ १० वर्ग वर्गम छ । मोनन प्रदेशक सन्दर्भाष्ट्रकट्ट स्वर्टिस हुक्कानाव्याचन व तकिनाताहम एक र । व्याप्त्य के नसव বিভাগপুরে অফ ইলাতে কাল্ডে মাজেপ্র ভাগর হিবিধ্বর সাল বলকু হা বিধ্বত হল मध्यमा अञ्चल अवस्थिष्क्रकरमात रणकण का हेराय्य केवरारावदा में रा केवरण ह মাঘাখাৰ সকাৰট হু√লি। ভল 5 কা ব.⊶িন্ত হ'ব কাছ বিখনেও গুকিংলাকু হ'বে महिक्फ" होति एच है। क्या माराज्य सामाज्य क्या निक्षण है व विषय कि व्यवस्था विष-व्यक्तिवर वान्त्रकार्यपुर १९७७ वर्ष अक्कियादान व वादा पुरुषाताम् । प्रति हो 45 পাশিপক্ষাত্রল র এলজন রগকজন্ত্রণাকারণাদির র দিভারণ ভরজন্ত ডার্বর জলভারে 🕏প হিপ্ত চার্ল নিশ্র সাম্রেররকণ 🕻 ছাব্সাকাশ্রস কাশ্র শহান্থ 🗸 ব্রেরি লাম 📆 ব্যুক্ত ছবি ঈশ্বর ধন বংশল হাতৃ হুজানেন মাম্মণ নতু ব্ভাক্তাকালি নাবে নাস কালবি ম্ সাক্ষিত্র প্রতিষ্ঠা বিশ্বত্রিগত্র লা শুরু রুণলৈ ডেবল কাপুরুরি প্রিয় মুক্তা—টেলৰ মৃহত্তি মুখ্য তেওঁ হৈকক এক জাৱৰ্বসমূহিতা ভাৰণেশ্ৰস্থান্ত মায়েছেবৰনিদি চুঃ⊍ছঃ কুলকরি সকেই হাং প্রপ্তাহারে মান ভ্রশ তাশিম হ⊷ন নারিলি

আমার ক্রীড়াসম্প্রিনী গুণমধী এই মায়াকে আত্তর করা ছকর , তবে বাহারা আমারই শ্রণাপ্স হন, উহোব, এই মায়াকে অভিক্রম করিছে পারেম 1888

ভেতিকাহাট বক্ষণন কৰি। সংশ্বিভয় কৰা বলস্ক্ৰণ নিব্ৰ হ উবং স্থি নিহে, তাৰ সাই ব কা প্ৰেণ, নিশ্ভৱ লগা লোচন এবা বজ্ব অকশা দশন কৰাৰ পাৰ জ্বন আৰু সে সল্নাম ক না , সেইছল নিধা ভালতী ব উপৰে সভা বলিং এই জ্বিলি পৰ 'জাৰাং সভা নিছে' এইছল প্ৰথক। ও বেসাহ্বাকা প্ৰেণ, সেইডাৰ নিজেৰ পৰ্য লোচনা একা প্ৰশাহৰ মিধ্যাই দশন কৰাৰ পৰে পাৰ এই মানা মাৰ্শন ১৯৪১

ভীয়া ধৰেণি ৪০০ মহাভারতে চতুৰিবা সজায়ে মাণ জনতৈ প্ৰকৃতিনোইমন্ত্ৰ ।। আছে। স্বিভালের পথী জানা চ ভর্মরত । ॥১৬॥ ্রণ ও জানী নি লাগু জা এক ভাজি বিশিশারে।

প্রিটে তি জানিনোই বাব সহা সাচ মহা প্রিটাঃ ॥১৭॥

ভারতকৌ সৃধী

११० मा १ मन्य १ १ ११ वर्ष १० - १०११ मध्यान व्यक्ति द्वारात्रम् की हर १७ का र भ भ भ भ भ भ १ वर्ष है । संस्थितिकारिकारिकार किया । कर्त पहुत्त , १९ रम व देवली व नम अस , र निकास, इस विश्वी मृत्यास्त्रास्त कालना अर्थर एकामन छ। येर दमाभागीहरू कि छ। ये. ५५०

ভারতভারদীপ:

स्त प्रता करणा का उपकर्ण कामूबा छ स्टब्स्ट दुम्पादिक्षण दुम्क (सहर • ६४८ ०० वर्ष १०० १० वर्ष विकास विकास प्राप्त प्रमान मू विद्वांकत सामा मार्ग के के के पार्ट कर के देश किया क्षेत्र माद खुलकार या स्थान सम्बद्ध हं र पि । कि । इ.स. २ विकाल क्रिका खाल्यर भाषायाः মু সাজ লড়াল নামাল প্রাপ্ত নামাল মাধ্যেক রাই ।১ব। যে ভাসাই পি মানহর এর ব ব এর বর্ণদার এ আর জিছিল: জীছাপ্রির্বেলী। ভিজ্ঞান্ত্র

सर्वना भ भवान', 'दि'त्वव न, सार्याय हड्यान ७ व्यास्थि-'व्यायाभन्न सद्धारमहा, আমার শ্রণপের হয় না ৪১৫৪

ক্তাত্রপার্ল বিভিন্ন কিলা কলা করা, নিশিত কলা করা এবং ইঞ্জেলাবে इक्षिकार कामन हर , इहे किल साम तासाम क्षाप क्षाप क्षाप क्षाप कि कहाँदा कि मान वेदा १९५ दि १६५ १ का अधारत पाका नाक मान्य मानुहा करिए। ताद्वा का का का किया ভাৰে উপৰি ১ ১ তাৰৰ বাহন নাই লামৰ প্ৰতিশ্য প্ৰভূতিই ক্ৰিছে খাৰে, আমাৰে ভ্ৰমান্ত্ৰিক সংগ্ৰহণ কৰে হ'ব ন

ভরত্রের মজ্ন। পিড়িত, জান্ধী, ভোগলিকা ও জানী এই চচুবিধ লোক পুণাবান হরণল ভাহাব। অমার সেব, করিয়া থাকে ॥১৬॥

তা**ংপাঠা** পিট্ড পেক প্ৰক্ৰ এইলে সীমাৰ উপল্যের ছকু আয়ার সেবা करत, भुगाताम क्रांमणी जाद कामन १५० मिन्दु या याच देनाममा क वियो प रक, हेडरवारिक স্থাৰ প্ৰলোকে স্থান চেত্ৰকাৰ পুৰাৰ নৃত্য আন্তে আ হ'বন কৰেন এবং জানী লোক भुक्तिनार छव बाल बायाच समय अति । अपन्य १०५३

উদারাঃ সর্ব এবৈতে জানী হাতৈরৰ যে মতন্। আছিতঃ সাহি যুক্তালা আমেবালুতনাং গতিন্ধজনা

कादकरको मृजी

নবাধ্যক্ষ পামিবা কা আন হণ ত প্ৰকৃতি তি তেখা চতুবিবান, জনন গামানা, নিউাষ্টা সকলে মেপ্ৰিলাগ কা পিৰ্নহাৰ নকাই সন্ভিত্তি, আনহাৰ আকাহিছেৰ মহি চিকিবজৰ দিবিশাস, জন্ম তিবুৰ নিশিবাৰ সংগ্ৰান ভ্ৰতি কি ছো, আহণ কানিলা আৰু কি পিছি, মাহ্ৰাৰ ডি, সংক্ৰেচ্না চনা, মান্তনকাই না, আ

ভারতভারদীপঃ

মান নিন্দার । তার বিদ্যালয় । জানা ১০ এচ বুলির না নাল্যে (১৯) বিশাসারে বিশ্বার প্রায়ণ বিশ্বার বিশ্বার প্রায়ণ বিশ্বার বিশ্ব

এই চতুৰিধ লোকের মধ্যে সকলে। মামাতে সমাহিত চিত্ত এব একমাৰ মামার উপরে ভক্তিসম্পন্ন জানী লোকই জোই: কাবন, মামি জানী লোকের মতায় কিয়, আধার জানী লোকও আমার মতাস্থ পিয় ১১৭৪

ार्थों — ६३ कर्षक ४थ, घर कर ५ ६ ६ को छो प्रश्न (काशाव माथा भाक—भत्मभुक्तार व स्थार्थक प्रदार । दक्त नः, यन स्वत स्थार्थ भीमा व्याह धरः मानद व्यक्ति विद्वासक्तायव भीमा नाहे दा मान्य न हे , उद्धारित कि साक हरे। स्वार सक्ति महावि माथ है उद्धारती सह । ३०।



বহুনা' জন্মনামতে জোনবান্ মা' প্ৰপাসতে। বাজানেবং কৰ্মতি সে মহার, অসুল দঃ ॥১৯॥ কামিটভাতিক ভজানাঃ প্ৰপাসতেহভালেব'না,। ত' ত' নিখমমাভাষ প্ৰকৃত্যা নিয়ভাঃ স্থ,॥২০॥

ভারতকৌমুদী

পুনৰ প জানিলাছিক। পি ২০ সন্তি বহন নিশ্চ ২০০০ পুণ সক্ষাত্ত ভালুনজান-জন্মনামধ্যে চৰ্মন জন্মনি ব জনৰ সংলিতি জনকান সন্তন, প্ৰাণ্ডতে ভালুনজান-প্ৰিশাকাৰ প্ৰাধ্যাতি। অভ্যাহ সন্ত প্ৰাণ্ড

विभावतास्य मान्नवास्य वा न वा न वा न वा न वा स्वाधित स्वाधित

कावज्ञकावनीयः

ইছার স্কলেই প্রান, তবে জানী লোক আমার আছাই বটেন, ইছা আমার মত কারণ, সেই জানী লোক আমাতে স্মাহিড্চির ছইয়া স্বোর্ম গতিবক্স আমাকেই আখ্রা কবিয় থাকেন ॥ ৮॥

ভানী লোক বহুছয়ের পরে 'বাস্থানেবট সমস্ত' এইরূপ ভানিয়া আমাকে লাভ করেন। স্বভরা সেই মহাম অবিভূলত ৮০০॥

তে (অংশার্থা)— জানীর এক এক জালা একটু একটু কবিব পুখা স্থানিত হব, তাই র শার্ষেই পুরা প্রচুষ রউল প্রিকটি বিজ্ঞানী এবকশ কর্মান জ্যো, সাহার বলেই তিনি আমাকে লাভ করেন, অর্থান জীবনুক রউল যান ক্ষরো ব্যেকশ মহালা অভিহ্লান্ত ব্যেন (১৯) যে, যে: নাং মাং তকুং ভক্তঃ শ্ৰেষণ্ডিচ কুমিছেতি। তথ্য তথাচলাং শ্ৰেষণ তামেৰ বিদ্যামালম্ ॥২১॥ য তথা প্ৰাৰ্থ কৰিছা বাধনমাহিতে। বাহতে চ ততঃ কামান্মীয়েৰ বিহিতান্ধি তান্॥২২॥

ভারতকৌসুদী

ক্ষণ বিশেশ কি এই ই জিয়া হয়। উজ্বা, আজ্ব তাই আন্তর্গুলিক ব্যা এই হ কলামহা লগায় ইতি বিশ্বাসেন হয়। তাই করা নাম্যা নাম হাল করা হলা হলা জনাল ভাগা ভাগান্ত ক্ষেত্ৰ স্কৃতিক লগা আৰু গাহৰ আহলা কিন্তু হিছে হাল্য করা সাধান হলা স্বাধান হলা করা নাম্যা হল্য মান্তিক করা হিছি ভাগায় করা হ

শংশদান কিং জানিত চল ইছি ৷ ৩৮ আ জক্ম আৰু চ্যুক্ত লাভকা, ২০০ ইন্তানি নগৰভাৱনো, বাননা প্ৰাম, সংগ্ৰাহ কৰু ৷ ১৯৫৪ আৰক্ষ ইছাৰ , ৬ হল নান্য বিভিন্ন হান, কান নৃতি কানা চৰণ আৰু জানাম ইন্তানি নগৰানাল মিক্তি কানাম নিহিছে মুখ্যি কান্য কৰিছি আন মিশি স্থিতি কান্য মিশি ক্ষিত্ৰ মুখ্যি কান্য কৰিছি আন মিশি স্থিতি কাম্যেবৈত্যালয় ১২২ঃ

ভারতভাবদীপ:

যে যে এক সাবি কা বাজসভায়লৈ সাধান গৈছা সংলী মাধানৰ নিজলত বলবাকোওলাল কুমাল কৰা কৰা বাজসভায় কৰি আৰু সংগ্ৰাকা কিছু নিজ্ঞানি কেলা সক্ত সাধানৰ আছোল সাহিকাল বাজনীয়া সংঘটিয়াৰ অংশ সংক্ৰিবে এচলত বিষ্ণামি বাজন সংল্ সাহাল আছিল বুজন সৰ্ভাল মূল্যবাবাৰনা সভাধনা কৰিকব্ৰনালতে এক ভি ভাছত কামান বিষয়ন্ত সহায় বিভিন্ন আছোল ক্ষ্ ব্ৰাকাৰ কৰিকব্ৰনালত এক ভি ভাছত কামান বিষয়ন্ত সংগ্ৰাকাৰ বিভিন্ন আছোল ক্ষ ক্ষিত্ৰ কৰিছেন কৰি কৰা সংগ্ৰাকাৰ কামান বিষয়ান্ত বাজনাল কৰিছেন কৰিছেন

আরে কানী লোকেবা দেই সেই কাননায় আক্টচত ও আপন আপন অভাবে বন্ধ চইয়া সেই সেই নিয়ম অবলয়ন কবিয়া অভাৱ দেবভাব উপাসনা করে হংকঃ

ত । কৰিল কুৰেৰেৰ আধাধনা কৰে এবং আৰোগ কৰিল কাৰ্যালয়ৰ পুজ কৰে, ধন কামনা কৰিল কুৰেৰেৰ আধাধনা কৰে এবং আৰোগা কামনা কৰিল পাণাৰ দেব কৰে , এই ভাবে ভাৱাৰ, আৰ্থিনে বিভিন্ন কামনা কৰিল বিভিন্ন নেবছ ব উপাপন কৰিছে পাৰে। অন্বাণ্ডাত দেৱ ভিন্নিনিই কামনা ভিন্নি খালায় বাৰ ব ব ভন্ন হয়, কিছু মুক্তি অন্বাণ্ডাত ধাৰোয় বাৰ ব ব ভন্ন হয়, কিছু মুক্তি অন্বাণ্ডাত ধাৰোয় বাৰ ব ব ভন্ন হয়, কিছু মুক্তি অন্বাণ্ডাত ধাৰোয় বাৰ ব ব ভন্ন হয়, কিছু মুক্তি অন্বাণ্ডাত ধাৰোয় বিভানিক মান্ত্ৰী

যে যে ভক্ত আকাপ্কাক যে যে দেবভাব মৃতি পৃথা কবিতে ইঞা করে, মানি সেই সেই ভক্তের সেই সেই আশুকেই অচলা করিয়া ঘাকি ।২১॥

ত্ৰিপ্ৰা—ইৰপ্ৰতি দেবত বাও অংমাৰ্ট বিভাগ। অগবাং উচ্চাদেৰ পূজা ক্ৰিলেও আমাৰ্ট পূজা কৰা হয়। অগতাৰ আমি ভক্তেৰ আমাকে অগবা ক্ৰিছ থাকি ৪২১৪



অপ্তৰত কলা (ভাষণ ভাষ্ট্ৰ হাল্মেধনাম্। দেবান্দেবদভো যাত্তি মত্তা দাত্তি মান্পি ॥২৯: মৰ্ভি ব্ভিম্পিল ম্তত্তে মামৰুক্ষণ। भवः क्षिमक्षेत्रहा यभावागमञ्ज्याम ॥२५॥

कात्रकरको पूर्वी

कर्षेत्र किल्पेर भूष १८ चर्च । तः चल्पे हेव र अपूर्व तः अद्योगमाञ्च भाद्रांचील के हिन्दोर स्वेत्रकता । घट रहें हैं। तेनी एकेसदे के नोता है दे दे , दे उपित ,श्वदाय प्रेम्भवत् क के, तम व अवदम दिल्ला के के कुत्र हें ते ते स्वामिति है। ুংPবা, নিশু ল'ন্ডৰ পুলি তুলি লগত তেখন উপল নাল গ আপু হা হা কুছি, মাজ্জা म्बर्भ इत्राह्म प्रवर्गमा । १ ल वर्ग याच्या महिला महरूप से महिला देवलि 'अक्ष धरानिक के प्रकार के प्रकार के प्रकार के प्रकार कार्य সহপ্রাতিব্যান্ধ না শাল্প নিক্রজন্ত প্রতিক লিল্লাক্র "নাস পুন্ধার স্থারের हेडि बर्द्धः ।२०४

कार्यक्रकारमील:

भाषत्वर राष्ट्राण र के एक ध्वद्रांत्रक । हुत के के ने स्टब्स के कार्याक, विश्वकार्य प्रकार CHT (क दलका राज्य के हा कर के.क . नदानक का.च्या के के के चुक्क (क्या क्या के क्या क्या क्या क्या के क्या किया क याप भी रिक्ष प्राप्त के का प्राप्त के कुरून का देशके में अपने में अपने में अपने मुख्या में कि भारत्वित्राची र प्राप्त के देश पर अंग एक दुल्य प्रवास महिल्लाम् इति । स्थाप

সেই আজ্সাশ্র ৮৬ ইণ্ডাচ্ড ,দেইটার পূজ করে, ডাহার পর ভাইট ফালা কাভি কৰিম গ'লেকে , সাং আভিতু কিলা আনুনিই দিয়ে আৰু িচে∪া

ভাৰপোলালেশ, ইবল ৯. ইজগড় গ্ৰেণ্ড গ জনবাই বিভূতি। মাত্ৰাৰ कीरांता सक्तान्त व १८ र मा के हम, ५ ८ के मार्ग्ड (१९५० १६९००)

एर्व रमहे एक्ष्रुषि (लाकि मिर्धन रमहे मकल यन विभावन करेगा शास्क अवर শাকাতি দেবৰ পুঞ্জ লোকের সেই মেই দেবভাকে লাভ করে, আর আমার উক্তেরা আমাকে লাভ কবিয়া থাকে 🔛

শাস্থিক শাস্ত্রী নাই লাভ চিল্লে বিষয় বা আন ক্ষিত্র বা এই লাভ করিবলৈ বা ইংগাছি ও বিনাশ আছি , কাৰণ, হারণ ১০০ আছি পদত ও বিভিন্ন কাৰ্তি নিজে এইটন ইন্প্রেইডিল দেব্যাকে স্থাবি প্রায়ে উল্লেখন কবি হয় প্রান্ত সমত্তিন লাক্ষ্ প্রাক্তি । স্থাবি হ মাহার তাহ দের পুজ কবি হৈ উচি দিপাক পাল, ছত বুও তুর দের স্তির্তী প্রালয়কালে বিন্তুত্য, জার স্থানি বিন্যু ব্লিছা স্থাৰ পূজাৰক স্থান্ধৰ পাইছা ক্ষনত বিন্তু इयं सा ।२०१

নাহ॰ প্রকাশঃ সর্বভিত যোগমাঝাসমারভঃ। মৃচ্ছেহিয়ণ নাভিজানাভি কোকো মামজমকামম্ ॥২৫॥ ভারতকৌমুদী

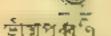
সাধা কথা এই ইবাইজা ভাবা ন জনহাতি হ এনলি । লা সংগ্ৰান সন্ধাৰণ্ড্ৰ সাধাজনী মানা হোগামায় ভাচ সমাধ্য পিছিলসভিজিল, সাধন সাধাস জানিবলা নিলাভিপি, না আৰোধান বিভিন্নতেই। সামাধ্য সামাধ্য মান্ত্ৰ মাত্ৰ হ'ব হ'ব লোক ক্ৰিন্তি হৈ কৰে ক্ৰিন্ত্ৰি মান্ত্ৰিক নামাধ্য সংগ্ৰাহিক নামাধ্য সাধ্য সামাধ্য নামাধ্য বিভাগবহিতিক মামান সাধিত সামাধ্য সামাধ্য নামাধ্য বিভাগবহিতিক মামান সাধিত সামাধ্য সামাধ্য সামাধ্য সামাধ্য বিভাগবহিতিক মামান সাধিত সামাধ্য সাম

ভারতভাবদীপ:

कानाविद्याह—स्वाक्तिहि। स्वाकः श्राव्याविक्याद्य व १००४ वर्षे १००

জ্জানী লোকেবা অতীক্ষিয় এব অবিকাৰী আমাৰ সংবাধম জনস্থানা হানিয়া আমাকে পূৰ্বেই অপ্ৰকাশিও পৰে প্ৰকাশিও বলিয়া মনে কৰে ॥১৬॥

আমি যোগমায়ায় আর্ড থাকি বলিয়া সকলের হৃদয়ে ব্রংশ প্রকাশ পাই না। শুড্রা মৃত মানুসগণ হৃদ্ধ ও মৃত্যুবিহীন সামাকে চিনিডে পারে না ॥২৫॥



বেদাহণ স্মটাতঃনি ব্রথানানি চাফ্ন । ভবিখাণি চ ভূতানি মাসু বেদ ন কশচন ॥২৬॥ ইচ্ছাত্রসম্ভাবন হল্মোতেন ভারত। । স্বাস্থানি সংখ্যাহণ স্থোধি প্রভূপ । ॥২৭॥

ভারতকৌ মুদী

ভারতভাবদীপ:

নাধা হাল চিলা লোক হাল লোক কাৰ্য নাধাৰ কাৰ্য কা

क्टिइक्टर्स्ट्रिंड वर पेडिस स्थापन कर पर्टेश्य है प्राप्त सन्दर्भ प्रश्निक्ष है आलानिय सिन्द्रें प्रक्रिप्रकार स्थापन स्थापन प्रश्निक्ष के प्रमुख्य के आलानिय सिन्द्रें प्रमुख्यकि । अवदर्भाग्यक में सुन्द्र प्रकृत करने सुरुष्

অজ্ন । অনি কুট, ভবিকৃথ ও ব্ধনান সমস্থ প্ৰাথাই ছোনি, কিন্তু খাকু কেইই মানেক্ষেত্ৰ না ॥২৬১

তে হৈ পেশিটো— সংগাদিন ও সংগতিং এ জানাম, করে । সংগাদের সকলে করেনের ও সকল এই শ্বাহন প্রাথই সংগাব জাগান্য ,শ চ্ডাইয়া, করি ছে ছিলি ,কনা সংজ্ঞানিট কোনোর পোচের এই নি । একনাল, সজানীত সানার হ্যাগালী নি এব এগাকে ১২৮০

শক্তাপন ভরতনক্ষা; জগ হইলেট সকল প্রাণী ইছে। ও বেশের বিষয়ীসূত শীত ও ঘীস এব অধ ও ছংগপ্রভূতি বিপরীত ভূট ভূটটা ভাবের মোতে লম্পাপ্ত হয় ॥২৭॥ যেনামন্তগরং পাপং জনানাং পুণাকর্মধান্। তে সক্রোইনিয়ে কা ভজন্তে নাং দৃত্তভাং ॥২৮॥ জরামরণমোকান নামাজিতা নতন্তি যে। তে এক ভ্রতিঃ কুংলেমধাংলং করা চাণিলম্॥২১॥

ञाव उत्को पूर्वी

স্থিতি কিং স্বস্থা বিশেষ নাওচার উসাহাত্র স্থিতি ত্রাধা পুল্কশ্বাত্রনাম পাশম, সম্পার্থ পুলি ক্ষাভিবের নাশলাক্ষ্য হয়, আ ভাজন শ্বামেরেনা নিশ্ব কার্যালয় স্থাতি নাজ সমাধ্য সম্ভাব স্থাতি নাম শ্বামারেনা সম্ভাব কার্যালয় সমাধ্য সমা

ভারতভাবদীপ:

(भारक्ष् व्यविद्यका व कि, उह भरकाम । व्यव कार्य- — विकास कार्य व्यवका कार्या क

পুণ্যার বলে যে সকল লোকের পাপে নট হয়, ভাচারা ঐ খমবিহীন ও দৃদ-মিয়ুমশালী হটয়া আমার উপাসনা করেন ১২৮৮

ক্রেপ্রায়—পূর্ব প্রারে পাশ নই বইবেট অক্সান দানই হয়, সগন জান গ্রে এবং সেট ভাগন্ব হলে মাধুহ আমাকে ভানিয়া আমাক উপাসন করিছে থাকে ৪২৮। ৪০৮ খহাভারতে

माधिक होतिरेन्दर मार माधिरफलक त्य दिकः। পুষাধকালেছপি ৪ মাণ ১৩ বিভুব্ ক্রেচেড্সঃ ॥ ৩০॥ ইতি টী মহাত্রেতে শতসাধ্রাণ সংহিত্যা বৈষ্ট্রিকটো নীলাপকাণি ভগ্রদলী রাপ্র-ি একব্রিংশেরবাংগ্র ॥ গা वी <u>जाराज्य मध्यस्थायः ॥०॥</u>

ভারতকো মুদী

भवन भाषा । एड रच्या नव्या १००० । अवत्य प्राह्मिक । সংক্রিংলিপন , ম প্রণ ভ্লাম আরু ১৫ ৫ আছে ১ জলা আ স্ভূরাবিলৈ বাছাবি সংক্ৰিক দিৰুৰা কিবলম্, এদি জান সাধাৰ ক'দি আৰোধায় যা, কিউল নিংস্কুলাংশ, ক্রানেক তল ন্রান গদলি চুড়ক চল সাম সহ বিত্তিক সভা হলে বিহুলিরবালাস শাবীৰ অন্তি শুভাগত , ন পুন, প্ৰশাসন নিবিকাল কিবলৈ সংস্থাহিশি হাল विषावकी अस्तराः । ००।

ই বিবাহ ন্ত্ৰণ ভা ভিত্তিন সভিভাগত আছিল চুট্ডা পিত্ত কাম মহাভাব জীকাথাং াৰ নাজ্যক টিন্তৰ্গত বিভাগত বিভাগত । বা with the same of the same Gainte unterbatite ter

----(::)-----ভারতভাবদীপ:

প্রত্যাহ লাজেনে আল ব্যাহালিক। মতি সহাতি হাছেলাল ভাষা হাছ হাছেলালি ইক্তে জানেলাভিনি (दमाक्षाविमारका ह १६ महातमाञ्चल कर कृतका दक्ष वितृ , विद्वाहात्रामामक क्रम्य-अक्षादिकः रुप्तार र किस्तर अक्षादा । निकास समाना सामक स्वाहतस्वर करण ব্ৰজাবিলৈ চৰাপ্তৰা ও পিতা ও পিতা বা পান্ধি স্কৃতিকৈ ভ্ৰম্পুৰাপনে মাজ্যালয় त्मद कृत्य कर १ का हरावर्षिक र है नाक तिक साथ कर विकास श्रीक का भूतर कुछ। उथा উन्म ६ १२ भ न म । अने अने अने यहाँन न न विषय न मान द्विद्या सन्न कुछ । इन्नामार्थ বিষ্যাধ্য কেন্দ্র ভার পদা জানালা সাধনা শ্রণ দিক সলা বিস্তাহস্ক। এক ভ্রেপ্টার্থ বিবেকা সাল ব্ভাগত সন । মাধ্য সাহ সময়ালামন নি কম্বিকলানি বিভাৰেশ বক কামণ সংকরণপদ পরতিশাল দিছি তবি । অভিভূতক অভিনেধক ভাভাতে হতিত্ব

गोकाना कर क्षेत्र द्वेरक मुक्त व्हेराद क्ष्म आभारक आञ्चय कहिया। ভৰ্জানলাভের নিনিত্যত কৰেন, ভাষাকাট সেই বল, আধ্যাল্লিক সমস্ত বিষয় এব সমত নিজাম কথা ভানিতে পারেন ১২৯০

क्ष्य भाषा — ८४।१८ २३ वर्ग्य भारत्ये अस्ताया ५ (वर्गाध्याया स्रोतन यह. ভ্রমুদারে বিচার কর এবা ধানে করা, ভাগা করি, র থাকিলেই আমার অভ্রাহে ভর্জ ন ল ভ করিয়া মাজুদ ভুঙার্থ চইয়া বহে ।১৯৮



অপ্তমোহধ্যায়ঃ।

मञ्चन छेतात।

কিং উদ্রক্ষ কিমবারেং কিং কথা পুরুষোভ্য। । অধিসূত্র কিং এখা ক্রমনিদৈরং কিয়ুচাতে ॥॥॥

ভাব**তকে** মূলী

भूकिष राजितासारकर कान दक्षा नम्याप्तरहान् किक स्वत्वन छराउ किति । एक भूकरमाजना विकास का भक्ता क्षा न स्वता करा करा । इर भक्तिका दक्ष किन्। समान्द्रा किन्, क्षा किन्, देश व धाक्य किन् किन् इन चित्रका किन्द्र र का

ভারতভাবদীপ:

সাধি ভূমাবিবৈত্য কথা বিজ্ঞান কৰি হণ সাধিগজ্ঞক মাণ , বিভ্ৰন্ত লাগত ক্ষাত্ত লাগত কৰি ।

মহোল নিজাণ স্থাতি হতি বংশাক মা কংগলক প্ৰভাৱি স্থাকনবাহে লগক বিভ্ৰেব।

ভাষনাল ভাষাবিশ্ব লিক্লি কজ্ঞানিজ প্ৰথম হে নাভ্ৰমেটো ভংগৰতি নৈৰপ্ৰে গ্ৰুত ভাষন

কাইবোলি ভাষা আহি ভূম নিপ্ৰাপ্ত ভগ্ৰানৰ বাহ্য জাৰাতি নোজ্যকে বামানেত

ইতি দীমণাধাণি নৈলক্ষ্মি ন বছত ৰদীংশ তক্ষাণোত্ৰ গ্ৰহণ ১৯১১

है कि देनमा किया में काशाद माग्रदमाहशास्त्र १ थ

পুঠাবিয়ালাটে ম বেলেটি ল এথ জনংক বদমুক্তম্ব, ১৩৪ উত্তন্ত নাম্পুল নিজনলা লাভ বুল কক্ষা মধ্যমান্ত্ৰিলাল ,৬ডি মন্ত্ৰিলালন বা এক সন্ধিত বকা উপ সন্বিদ্যান্ত স্ট্ৰিলা মধ্য প্ৰশ্বিষ্যান্তে এল হন্ত্ৰিমালাটে যে সাইলোকেন নগৰাল ক্ৰিম প্ৰৱ্ৰিকলে ইয়াম্যায় আৰ্ডাতে সন্ধ্ৰিত নাম ক্ৰিমানা এলাফিক কান্যান্ত বুদ্যভাগতন উবাচ-- কি

গাহোর। অধিচূত, অধিলৈৰ ও অধিলভোৱ সহিত আমাকে জানেন, উহোৱা মুহুকেশেও আমাতে সমাহিত্তিত হইয়া আমাকে চিজা করিছে থাকেন গালে।

তাত পাছাঁ — পৰাৰ ধাৰে প্ৰথম ক্ল নিজেই অধিভূতপ্ৰাস্থিত পাছৰ বাং । কৰি বেনা, স্তেৱা এখানে আৰ ভাগ, কৰা হাইল মা। মুচুাকালে প্ৰবন হোগাৰ আক্মাৰে স্কল ই কিছিই বিকল হাই। মা। অভ্যৰ এখন কোনা ই কিছিম বাই কোন কাৰা কৰা লাগ না, কিছি লাগ বা চিবলিন আমাৰ বাংনাৰ বাৰ আলিতেছেন উল্লেখ্য যে মুচু কালেও দেই চিব অভ্যাদেৰ বলে আম্পাৰ ধানান কৰিছে লাখেন, ভাগতে জালাদেৰ প্ৰমান কলাভি লাভ হয়। তাংয়া

হাধিনজাং কথ ।কাধ র পেটেখবিধন্ মনুদ্রন ।। প্রাণাকালে চ কথ । ক্রেয়েখিদি নিন্তা রুলি, ॥২॥ শ্রীভিশ্বাসুবাচ ।

यक्षर श्वयः अक्र खडाद्वाद्याष्ट्रगृहाह्यः । प्रकार्याप्रकृत्या विमर्गः कृष्णम् क्रिनः ॥था

ভারতকে মুদী

সাধি শাধ্যকন অই পকাৰ) হ''পুনাছাকৈ উক সাহান সহ'বামানে, মোজি কি, কাৰ বহু হ' জনকাৰ কৰা আই ই সাহান ক্ষাৰণৰ ভূমাৰণ্ সন্ধ্য কিন্তু কি সং একে বিশ্বতা কোনা প্ৰতাক হ'ব জাবে কৰিছে।

ক্ষা হিছি সংখালা প্ৰশান্ত্ৰণ বজান্ত কৰাই লগত হাৰ্ত্ৰণ কিচাৰাস্থান ক্ষাৰ্থিক সংখালা প্ৰশান্ত্ৰণ কৰা দিছে ভাগাৰ্কাৰণ হৈ বসং, 'তাৰীৰ ভালকাৰণ লগত সংখাৰ ভাৰত ভাৰত হাৰ্তিক কৰা সমূহ তা পাল ভাৰত বাৰালান লগত তা তাৰ্কাৰ কৰা বাৰালান

ভারতভাবদীপ:

ত হল বিজ্ঞান প্রথম হল। শক্ত স্পর্কী লক ১০০ থালিক ক্যাব্রক্ষিক ক ইনি প্রসমত । ক গ জন ইনি সাল সক্ষেত্র সন্তুলাসন্ধর্ম বিজ্ঞালিক ছেও ছিলিছা এক এব হল। তুল্যা স্প্রমূদ্ধ নাম্পিক গুলুলান ন্যক্ষ হ— সংস্কৃতি লাগিতি জিডিঃ। ছাত্র

আজ্ন বলিবেন 'পুক্ষভোগ সেই বস্থা কি চ অধ্যান্ত কি চু ধ্যা কি চ অধিচুত কাহকে বলিয়াছ চু এব অধিকৈবট বা কাহাকে বলিবে চু ॥১॥

ভাষানা প্ৰিট্য — গুলন বুল ইবল বন পাল বি স্থান কৰিবলৈ কৰিব

মধ্যদন। এই দেৱে প্রোক্ত অধিয়ক কি । কি প্রকারেই রা ভাছা ভানা যয়ে । আর স্থাকালেই বা সুনি কি প্রকারে স্মত্তিত লোকদিশের জানধ্যা হও গাঁচ।

তাকশ্যা—ক্ষিণ্ড নিকট ভানাছি—স্থানিজ সেতে হাত্র কার কি চিনি স্থানি ভাবিপ্রস্থানালে তালকৰ ইন্থিট বিকল হট্যা লাহ, তবে হোমাকে স্মৃত্ লোক কি কবিল জ্নিবে । ১১



काइडरको मृती

ভাবজাপি এরা দিলদ নংববিধাবাভাব দক্ষের্মাক নিজাত প্রানিতি প্রাণ্ডিক নিজাপিরত চিদাদিরপর । তারজ চুলত ও পাহিনর ধারজহান ক্ষিত্র প্রাণ্ডিক রুজনা ভাবে ১২বাবিকেন্দ্র দেশাল্লিক ক্ষি । তারজহান কার্ডিক ভাবলার ভাব , মহার লা লেডাদির দা কার্ডিক চুলে ভাবলার কার্যানিরিছিল দা অনুক্রিক তারজহান কার্ডিক নাল ভাবত্ব কার্ডিক ক্ষেত্র ক্ষিক ক্ষেত্র হালিক ক্ষেত্র কার্ডিক ক্ষেত্র কার কার্ডিক ক্ষেত্র কার্ড

ভারতভাষদীপ:

কিং মন্বলোভাতেত বৰ্ষকাৰ পাল্ল প্ৰপতি হাং প্ৰথমকাৰণ সমস্কাৰি , বিনা, মুক্ৰ सक्ता वर्षा कर्षा । "अविवाह क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक व्यवका व्यवका व्यवका व्यवका व्यवका व्यवका व्यवका व्यवका B मर्नेरननग्द्राणि इत्यन्त्रः भारत्याक्रम् प्रदर्भ क्षाप्ति क्षाप्ति । इत्यन्ति । इत्यन्ति भारत्येक्ष স্থাবাৰ, অংক "তালীয়া এলকংশ কালি স্থাবা অভিনদক্ষণ নলগ্ৰহানীয়েছি के विकाम कार्य प्रतिभाग वर्ष प्रकार के का अवदार्थ के प्रति । एक प्रकार कार्या, "करियादक्षत हेका " "इत्या पुरुषक्त इहि में राष्ट्र "कर- धनायद्वानकर हत क्रमाञ्चासारी नट उत्तर अक" इ र मा. ३ ६ मुद्रेश्वर्यक मृत्यरम्य ६ विह्नवि क्या क्रमामक শ্রুষ্ণ ব্রহ্ম প্রম্মিটি বিশোল্ডন নেশ্প দিক্ত প্রধান্ত ক্তা বাবুলি ও নতি ভীৰ্ণা इत्राम्पृक्षिक्षा दक्षक व. २.४व°४ व १४६.क मार्थ द्राष्ट्रभी के प्रति १६६ वर्डभार ,धार र किर मम् अर्थित काल भवमा नि दिश्ममण्ड एकचि एक अभ ने का अपन मांच आर्थान भुदक कृत्य भवत् इव किल कृष्यभूष्यल अधाय । दश्यनि व दश्यक्षित अध्य अव भवत् शिक्ष विद्यादमक गुक्त है यह । अद्यादिन क्ष्याक्रम कृष्य देशक शहार क्षेत्रक कि वर कृष्य । अर्थिक काल प्रकार जाताचा जामवासारमान निष्यक कर करका अध्यक्ति क्यूनमधेल महावाकार्थं अहारहा अक्षात्र अ उपार्वित्ता क्षात्री व क्षाम । इसा व्याप्त स्थाप ভাবঃ অক্ষণ অভাবঃ ওধকুল্প থ সোহধ্য হুত্ত তে। ভাগা তু গলৈব প্ৰক্ষ অধ্যা প্ৰতি (महर खालाभाषाकायः ८४ कायः चन्धायात्रमा ६५६१८३ असा ६नटकम कियोग्ड हेन्सि, दिनातीः (मबर द्रार्थ्यत्मन अवाका अध्यक्ति । द्राप्त म क्ष्मण क्रिका उत्पन विकास - इ. विकास कुष्टामार हादः मादिकामि, बाह्यदे, हेयुदक त्राष्ट्री बदनामकुम्हाद्वापुदकर, । १५ हि. तृषिः क्याम्भ विवृद्धि कथा सुधाविष्ठः अविश्व भाग एए एवं छेषुरवार्थाः वश्यात् अव भागाएक "अव्यो खाखाङ्डि अल्लाव्यामकाभूषविष्ठ है। व्याधिकारम् ६८० दृष्टिन उदश है। स्था स्था में हैं है। स्था

স্থা বলিলেন—বিকারবিহীন পরস প্রার্থ—বন্ধ, দেরপ্রি জীবার্থ— মাধ্যাত্ম এবং স্থাবর ও ভ্রম সমস্ত প্রার্থের উংপ্রি ও কৃত্যিকারী ভ্যাগ ক্ষার্থের অবিভূত করে। ভাবং পুক্ষণচাদিদৈবতন্। অধিমজেভিহনেবাত পেছে দেহভূতং বর । ॥১॥ অন্তব্যালে চ মামেৰ অরশ্ র জুগ কলেববন্। মং প্রমাতি স মতাবং মাতি নাস্তাত সংশ্ধঃ ॥৫॥

ভারতকৌ মুদী

"स्विकृष्ण दिन इक्ष्युं है है। नामान सन्ययमा द्वापार मध्यानार्थिक इक्ष्यानार्थिक इक्ष्यानार्या इक्ष्यान्या इक्ष्यान्या इक्ष्यान्या इक्ष्यान्या इक्ष्यान्या इक्ष्यान्या इक्

छात्रकङावमीशः

कार्य ६६४ विभिन्द्ष ४००० हुए १२००० हुए १०६६ १०६६ १०६६ हुए १०६६ स्थित्वर कृति १४६४ हुए १४६ हुए १४६४ हुए १४६४ हुए १४६ हु

উংপত্তি ও বিনাশশালী পদার্থ স্মিদ্ত, সাদিপুক্ষ এক। -স্থিদির এবং এই দেহে আমিই অধিযক্ষ ॥৪॥

कात्रक्टरको मुनी

हैं भी " अव्यक्ति ह तथ (क्षाराहिक निवास कृति, " हे इ. इत्यमध्या आपार वर्षारेहर्यन अवस्था हैंडि। ये अवस्था मुक् अवस्था हैडि। ये अवस्था मुक्ति मुक्ति मुक्ति अवस्था अवस्था मुक्ति प्रश्निक अवस्था मुक्ति मुक्ति अवस्था मुक्ति मुक्त

ভারতভারদীপ:

धरेची ५८२म् अथरम क्रेन्ज क्षेट्र न इकः हः इत्तर र धर्मन्तर न क्रि सामक अप छित्वामक देखन समन्ते १८४ अने सन् उक्षांक कि हे है है अन्यः किनाम कुरुयुष्पनार्थ উক্তমজনকাপি বস্তত্বিসংহার পত্ত ভাবনগণকাভতীতি নাভাবন কলভূতকালে তথ धार १ अरमकट्या । इ.मी. इ.स. १ व क्या दामान्य कृतक अला दल का एक मा अवत्य ८भक्त थि अष्टक इस अन्दर्शनेत्व कथन किन्द्रा दावानाकाम अकन पुरुष्टित अवस दशकाता क्षि के बन मा देवभवा या भावितनहात्रभाष्य वन काव कावनद्रकाला प्राना ने के प्रकारित कर्षात्वा करणा वर्षात्र, सम्बद्ध र्वतस्य द्रा वर्षात्र १६ वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात् भवमाञ्चल व्यवस्त का करणवन मुक्त विष्य । ए क्या हिल व्यवस्त असार प्रश्नुविक (प्रायक्त ए ही नहाड -- अञ्चलतात , 5 डि. मन्द्र , राज्य सामुद्र अरामध है र इमानामिक्षद्रकान विक क्रकारा एक रहेक के समयक या ग्रामान प्रकानविक्ति गर्यक र ए देव क्रिय रवधु के इद्यांकि दिवसका क्षेत्र क्रायान क्रवांच हात. व्यक्ति व्यक्ति क्रवांच व्यक्ति क्रवांच र इत्य अनुवार एक कुछ दल्लान विकासका दिवायमध्य एना व्यक्ती अभागे एक छन्त । तम प्राप्त छन्त किरकामश्रीर सावकारिकाम म स्वीत किंद्र सामान । ५८ साउटेका विकास सम्भाग । প্ৰেক্ষ্য ক্ৰমেক্দিড়ি .5ব "ন হি কল বাঙ্ং কাৰ্ডতুক্তিং ভূত ক্ষাং লগুল इतिका अध्यादेव स्थान ६ । सहस्यां मु जिल्लाकाड व द्विता उत्तर १६ वर्गा वाह । सार्वाकार CB El श्रामाक , "८२४ पुरिकामधुनि हिन्दे , अबा हर का नवकर अकरन ्सर्क कुन्याम्कार्ज न्दक्षर ६ निव्हापि सहदे को डेंग समाम किए हार्गा वा पिता कुल्लामार्थनार्यत क्रापृक्तिवरम्य १४, न ५ द्व व्यक्ति । ४ रेशासन दक्ष रेशासन दक्ष रेशासन प्रशेष्ट्र नकारः। उत्था शहरहायण श्र क्षेत्रर, अगुन्त्रस्य घरवृद्धः हेलामना हि নাম অনুভূমিকুলবৃদ্ধি, হও অভাগুমে বিকৃত্তিকের সাহবিরণজ্লানিক চুক্তির ३६४ व्यक्तिकार्था देवि वक्त नकाम अव्यक्ति इति । दक्ष पूर्व अवेश्वर्थकार्थका मायाश्चामाञ्चारकशास्त्रिशामिक्षामिक्ष्यानिक्ष्यानिक स्वादमदस्य । वह सं , वतान नागान वे

যে পুৰাবনে লোক মুছাকালে আমাকে অবন করিছে পাকিয়, দেহ ভাগ ক্রিয়া প্রস্থান করেন, ডিনি আমার সাযুক্ষম্'ক লাভ করেন, এবিবয়ে কোন সম্পেহ্ নাই লংগ

ভাবে প্রার্থিক পুরাধান্ লোকনের সমুকারে নন বিকল হল ন বলিছ জান থাকে, ও হার মামাক করণ করিছে পারেন মক ফুজি প্রায় ক বাং, হারব বাংল য° य° द! পি ক্রেন্ লবে । এছ রাজে ক্রেব্বম্।
ত° ত্রেইবৃতি কৌলের্য । সদঃ স্থাবম্বিদঃ ॥১॥
তক্ষাৎ স্বেন্ কালেনু মামলুক্রে যুগ্য ।
মণ্পিরম্নান্ড্রিইবেব্বশাভ ফ্রেন্ড্র

ভারতকৌমুদী

अञ्चल न स्थानिक स्थान

ভারতভারদীপ:

এক দি বাব দৰন কাজাৰত বা নাজ্যৰণ মাৰতুৰ সতুত সংগ্ৰাহ কৰিব বাস সুধী বিধীন বাজ বিদ্যালয় নাম নাজ্যৰ জাত হৈ আন কাজাৰ কৰিব কাজাৰ কাজাৰ

কুথানকন নাতৃস অক্ষকালে যে যে বিষয় 16 ছা কাৰ্ড থাকিয়া দেহ ও গাক্রে, সকলো সেই চিছাম ভদাকাবিল পুচিত হুইমা দেহত্যাপের প্রে সেই সেই বিষয়ই প্রাপ্ত হয় ১৬৪

कार्यक्षिको । ... १ क क द े दे ह , ५ द व प्राप्त ति ति ति ह क द क प्राप्त के प्राप्त के

মটোস্থেগের্ডুকন (চটস। নাভাগালিনা । পর্যং পুরুষ্ দিবং মাতি পার্গালুচিভুমন্ ॥৮॥

ভারতকৌ**সুদী**

ক্ষা কি প্রথাক সাধ্য কাল আন্তর্গলৈ আছিল লিখেছিল, সালপুর কার্যুদ্ধ মুখা চি স্বাহ্রিক সাধা মুখ্যাল ৪। সালত অন্তর্গল ভিল্লেছ্ড সাংগ্রের কার্যুদ্ধ হাজার্থ হাজিক নিজি লাগ্য মান্যাল আন্তর্গী গলাল সন্তর্গল হাজার, এলালি মুখ্যা প্রথ আলি স্থিতি আসাল স্থাপার আন্তর্গালে বি

উকাৰো মুক্তিয়াও অনাক্ষেকি এই দ্বা অনাক পুন্ধুন্ধ কৰাৰ সাত্ত উপ্তেখাপালেক প্ৰকাশ কৰি হয় নামত কিছিল কৰা প্ৰকাশ কৰি কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা প্ৰকাশ কৰি কৰা প্ৰকাশ কৰি কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা কৰি কৰা প্ৰকাশ কৰি কৰা প্ৰকাশ কৰি কৰা কৰি কৰ

ভারতভাবদীপঃ

भ्रम्भ वा भ्रम्भ वा व्यक्ष व्यक्ष वा व्यक्ष वा वा विष्ण क्ष्म विष्ण विष्ण व्यक्ष व्यवक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यक्ष व

অভ্রব অজুন। তুমি সকল সময়েই আনার চিতা কর এব ধ্বন যুদ্ধ কর। স্বল, আমাতে মন ও বৃদ্ধি সমপন করিতে পারিলে নিশ্চয়ই অভিনে তুনি আমাতে পাইবে ৪৭৪

ভাতে প্রায় উচার গুজিও প্রস্থাকে বনা চইন ডে এলান বজুবা গেই খে, মুক্ত ভোষার অসম, কাবলে ডাইন কবিশে চিত্ত শুক্ত চইকে, ক্রমে আনাকে প্রণ কবিছে পারিবে এবং নি সন্দোহ সাহার বাল পরিবানে আমে কে লাভ কবিশে যে।

কাজুন। মানুষ অভ্যাসমূজ ও অনকুগানী চিত্তার। অংশ'কিক প্রম পুরুষ নারায়ণের চিত্তা করিতে থাকিয়া অভিনে তাহাকেই প্রাপ্ত হয় ॥৮॥



হ'ব হ'হাবদীপ

धार भरीत अकर र ७३ इ. जरा खाल खाला है उन्हार प्राप्त साथ पर वर्ष का स्टब्स व. भाषा मा मा गाँ खुन १ द्रांतिक कि क्षेत्र व्यक्तिक प्रश्ते दिवहत्त्वन महर्षि प्रश्ति द्वारा ी पुरित केथा राष्ट्र मानामा करतापुर्वकार एक करा श्राद्ध करा कि अब अवराष्ट्रने के कि कि कि कि का बहुत - " । । । । । हत्र । ता । १० १० १० १० वर्षः कि वित १ ४५ पिकार्यक्षणहित् 医學 设山 化多少型 计一种系统 医多种 电影 医工作 医不管 医医 海色學 বিং ুন্দ্ৰ লাভি য় জুং ব্রাভ্রতিন হাত্রবর শ্রাস লগত হাপি क राज्य र द्वा न विच्च र ए । ११ ११ १९ १५ १५ व ११ १ छा हिन्दु हिनु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु हिन्दु क्षु १७२० । १ ३ ३१५ अपूर्ण अहरू व्हार हिट्या (अगक्षेत्रण द्वास्त्र किश्वासक्का 一「丘 ・1 で 1、4 メ ア 下京会の 4 トル 中の。 下 であり 当なる Pの間 型 中の電機料を付える。 र ६६ र - २ मिन् कत्र मर्ग मर्ग शब्द दिन क लियत अस्तित स् हेडि िस्पर्के ३ व प्रपार्वक्र देविकन्त्राहरू, ∟स्पार्वक्रा । १९४० वि इति । । १० कि तरा रजना अने देश । प्याप्त देशकेल लेताच देलांक है। इ.सी.सी. स्मार पुन का तुर्व वहरू र र रक्षान तथा तुर्वनकृत । पुरुषकुर्वा व्याप्तरिकाः ्कर र र र अ र इस स्वी के इंडिंग सन्दर्धन इसक्या हेक्किन स्वी र ख्या । अध ह भ े १ वर्ष ००० हुन्। बरवाबवन विविद्य विक्रमालका वर्षक माहद स्वा एष्ट्रमा বাং বাংগালিক বাং বন প্ৰকাশ বাংগালিক তথা পুৰুক্ত প্ৰভাগ ভানি প্ৰশিষ্ট মানা নানালে লাভা বাহণ কলালে হা মাধুৰে সামত্ত মেৰভিন্তে, লৱৰণ বিভিন্ন কলং শাপার পানব । । ১ জন্ম ন ১ জনি মহাজে রি। খেন মনস ডাজনি বিশ্ব স্থার এই পান্ত্রার স্থার স্থার বেরার পেজর সিংক্র বিরাই সভাপ্রায়িত্ भेला प्रवारत १६ वन १ १६ वन में पर नाम ने १६ वर्ष मार्थ अध्यान्ति । इन वर्षन १ हामा देवपाय, ्रत पुष्य पुरुष ६ फार पन न एड ६० अन्याप रिना, रेनकरविष्य अभाग । ८७न (६ रम भाग, अपन क्षा भुवता भिवतार गाम स्थापत मार्थित भूतवार अवास माम्ब क्षेत्र तथ्या भूषण हे । भिष्य । भिष्य । इति । स्वयं अस्ति क्षेत्र स्वयं के विभवत हरा लाजक कुछ इस कर्यान सम सद्भाग रहा । जिस्का लाग । उस विकास শ্ৰুত্ৰ ক্ষত্ৰত সভূপত্ত ক্ষতি নামক প্ৰিটাট্ড তিও বিভাগ প্ৰশোচন বিষ্ট भवा भवा भूकरपूर्वा । भव पूर्व भव भव ए प्रदार भवम् प्रस्तरादिवस् । । वर्षववृष्णमनाद्राः

ত্ৰিপ্ৰিয় — সহ কেই সহৰ এই তে, কেনে বিবাহ চিত্ত করার সভাগে করিলে কেন সন্ধ্য সৰ্ধান নাম কিলেও সেই সভাগ্যৰ ভাগেই সেই ডিফ্ল উপজ্ছিত হয়। জুত্রাণ মজুন আন্ধ্যক চিত্তা করাৰ সন্ধান কৰিলে, সেই মাচাংগ্রে প্রবেট অভিন্ন সমধ্যে শ্রম আর চিত্তা, কৰিলে মান্তৰ উল্লেখ্য প্রেই ৮৮৪ কবিং পুরাণমসুশাসিভারমণোরণাধাংশমসুসারেদ্যঃ। সংবিতা ধা হারমভিত্তকেপমাদিভাবর্ণ ভ্রমঃ পরস্তাং ॥১॥ প্রাণকালে মনসাংচলেন ভ্রু। যুক্তে যোগবলেন চৈব। ক্রিবার্থা প্রাণমাক্ষ ভং পরং পুরুষণ্টপতি দিবার্থা১॥॥
(যুগ্রেক্ষ্)

कांब उदक यूनी

ভারতভাবদীপঃ

प्रभिष्क हैन, अना प्रकार करिया । व दा स्वार्यकार अवकार प्रदेश किर्यनम् प्रमुक्ति क्रियानम् क्रियानम् स्वार्यकार क्रियानम् क्रियानम् स्वार्यक्र स्वार्यक्र क्रियानम् क्रियानम् क्रियानम् क्रियानम् स्वार्यक्र क्रियानम् क्रियानम् स्वार्यक्र क्रियानम् क्रियानम्

যে পুণাবান লোক মুড়াকালে লাকমুক হইয়া, মোগোৰ বলে ক্যুগালের মধ্যে প্রাণাবাদ্ধ প্রবেশ ক্যুট্যা, একামচিতে সক্ষে, অনাদি, জগতের শাসনক্ষা, মৃদ্ধ অপেকাণ মৃদ্ধের, সকলের বাবেশকারী, অচিয়নীয়করপ, স্থার প্রায় অনু প্রকাশমান এব ভাষাগ্রেব অতীত প্রমায়কে সমাক্ চিয়া ক্রে, সে লোক সেই চিয়াব বলেই সেই প্রমায়কে লাভ করিতে প্রারে তি—১০%

কুল্ড প্রান্ত - "বর বার্ণ এই ৬ হব অরণ বে কবিশক্ষের অর্থ-- বর্ণন কারী, আর চ শব্দাল্য কোন বিস্থানট বর্ণনা করেনানা, এই অর্পপত্তিকতেই প্রকরণ কবিছা নইছেল।

इष्ट्रे हेड्डा सर्वष्ट्रिय क्षेत्र (२०००) ।



यत्यकरः , बन्धिर्तः, बन्धि दिशास्त्र यन्गन्दः, बाहदानाः। यतिष्करसः तक्कदाः ध्विति तहस् शन् स्मार्कतः स्वर्कतः॥५५ स्वास्ट्योप्यो

स्थिति देश व तथा पञ्च स्थानस्थित त्राच्या प्रतिष् प्राप्त स्थापन्त देशीय देश व तथा पञ्च स्थापन स्थित त्राच्या प्रतिष् प्राप्त स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

ভারতভাবদীপ:

中下的 我的时间 人 人名日本 大人 日本 一州日本 日子 日子 日本 日 有工事行 整下衛行 र महर म भ १० र र मार्थ । दार क्षापुर्दाक प्राप्त के वद्यमित्राई. इ কুৰীপৰ ৰাম মানুত ভূমি সাজা আনা আমান বাদিবলবৰ ভালালৰ বাবহৰ চ 大文· アウィスス アンマン 1 カンス 1 年間 51万 ま 1日 までの町 型列 BB 同「PSI मुन न त पुर पर कारण प्रदान कि उस पर विदा प्राणन सरकार प्रकार अस्ति धनप्रमुख्य स्थ किंदा-भूत्रप्रतिकृत रह र पून्यु हो या सावार ने यास युक्त समझ वहाँ व समझ्याच्याता 如 医电影子 在 好 中 的 多足 不知 如此 如此 不是 家中 原文 形如不明 我们 我只我有什 好你不好 你们有几种书 कुलक्ष के प्रतान के देवर प्रतान करात है। क्षाना प्रतिक प्रतान स्वर्ग स्वर्ग देक मात्र विभाग स्था मा मानुरवद्ध संवर्णना दिव सहिताह हा न तक्ष्रीयना ♦ इ. क्ष्म कर्म वस र र सद्भार कुछ कि ते अनुरत्भ का खेतरविस्तरास्त्र विस्वादित भू बहुत करा अ . अर विवास मान्या मार्च्य के लुकारण असाह्यांना प्राप्त के रूपा किल्ली सा 聖明 我有一次,我们不会 在 对自然成功。我们要是 好 不知,我 如何是 不是我们不 不 生物 要等。 ्य देर करित मुद्र निव्ह कातकन परा मुन्या विद्यासकात । अवाय कुकार कर्ण स्वारियांका भारतपुर जिस्साम र प्रदूरणि स्टोरन साल्य र इसका अराल्य राजार्थ स्टिप्सीत विकास दिन विकास मा मा मा उपकिश्वासमान करा दूमा । भदि कहार विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास তিবল সাই লাক চা কাম কোক তাৰ পাছৰছি । শিক তি কাল্পেনকাল্ডি কিটিবল্লিজ-ANTHON OF BETT GRANGERICH THE PARTY BETTER BERTEN WERTERE MENTERSTER नुस्र के अकारती । इते हैं से अपने वर्षिया है मुण्य के किया के अकारत अकारत सक रहें में अही मुण्यास भुराप्ताइपि न पर पानपूर्णि सुनिष् अतिह अत्य पाट प्रदेश रहा इदेश सा। भूगात मा. . यात त काम ए क र्मड मार्क्यते रहक्त हिन् वही ह मार्थ, भाव महार मुद्राकात के संभारक संकित्त करण मुद्रा क्षेत्र करते, ए काल कर महत्राहर के नि

সক্ষেত্ৰ কৈ সংযায় মনো ককি নিক্ষা চ। মুক্তিৰোৰা হানঃ প্ৰথেম কিন্তো ,যাগৰাৰণ যে ॥ ১১॥

कारहरकायुकी

হার সাহ সন্পাদন ব পুর বন সংক্ষিতি হা পুন বন, সক্ষার দি সাব প্রাথি,
সাধনা নির্পা ব হবিষা নির্পাধি লাজ হলি হলালে নান নালে সাবলা সন্সাপ বিশ্বপথ
মাহতালি লি প্রায় ব বু সালকলাল ব আহন কাল ব ব্যালাল আগ্রাবর্তন
নাহ্যসংখ্যাত্ লাভ বনাল নাল বক্ত ব ব্যালাল বিশ্বপান্তা
ভারতভারতীপা,

আক্ষণ বেদবিদ্যাল গো অবিনয়ৰ বস্ত্ৰ বিষয় ৰশিও পণকন, বিষয়াভিলাষ্থিতীন ভিত্তিভিয়াৰ অভিযান উল্লেখ্য হৈছে আইয়া প্ৰবেশ কৰেন এই মাজচাৰীৰা গাঁচাকে লাভ কৰিবাৰ ইচ্ছা কৰিয়া গুৰুত্ব কথা লাকণে বলিব চালে

किर्म् कार्यो । अध्या १ कार्य व कार्य कार्याका व देन है स्थान के दूर है। 'प नम दन, यहाद के अध्या १ कार्य कार्य कार्याका व दन, है क्रिमाद्य में देन के अन्यक्त कृतिक कार्यकान अध्यक्ष दावेश में में सम्म देश अध्यान के सामित्र के प्रवेश के प्रवेश कार्यक चार्यम । अव्यक्तिकार कार्यका कार्यका महिन्द के प्रवेश के प्रवेश कार्यका कार्यका

সমস্ত উল্প্রেই সংযম, শুনর্মধাে মনের নিরোগ, মঞ্জাতিত সংগ্রহলপ্তে প্রাণবাদ্য ভাগন এই অঞ্চেত উপ্তে চিঙ্ক সংগণন কবিয়া, ব পুণাবান প্রোক ওমিতেকেকিবং ওকা কাহিবন্ মামনুষ্যবন্ । যঃ প্রয়াতি তাজন্ নেহং সামাতি পরমাং পতিম্যার্থা (মুখাক্ম্) মনকতে তাং সততং বো মাং ম্বর্তি নিজকং। তথাকং জনভং পার্থা, নিতামূক্ত মেধ্নিঃ ॥১৪॥

ভারতকৌ মৃদী

ব্যাবি নামি চিত্র শালন সামার পাল পাল প্রত্যাসন, প্রত্যাসকর ব্যাবিধন প্রাবিধা ই এ পালকার সাহ হয় বিভাগ পদ্ধ পালবন উভাগনন পাল সংগ্রাহি বাং ব্যাবিধা ব্যাবি, সভাগ্রাম বিভাগ না, নামার প্রত্যাসন, পর্বিধা প্রত্যাসন, পর্বিধা ক্রিকার ব্যাবিধার বাং

चार्यक चारमें भूत

ক্রেক্স্ক্রি—বেশন ই বি ক্লেই ব ভিল্লে বান বিহা, গুল্পান কৰি ।, মান ম্নের অপর কোন বিষয়ের বিষয় না করিছা, উদ্ধানাটোর পরে প্রাত্তির বৃধ্য মন্ত্রে লাইয় মাইছা, মনটোরে অপদান বা নিশ্চলভাবে সাহারিত কবিছা, প্রব উভ্লারণ ও প্রথ করেব করেতে কবিতে হিনি ম্বিতে পারেন, তিনি নিঠাবদু ও লাভ করেন। ইত ব বুজিও ৮ লোকেব ভাগেশে। ক্লা ইটা তে ১০২—১০। মান্পেরা পুনক্রা সুংখাল্যমশার্যন্। নাধাবন্তি মহায়ানঃ সংস্কিঃ প্রমাণ গ্রা: ॥১৫॥ আবক্ষার্বনালোকোঃ পুনরাব্তিনোগ্যন্ন । মান্পেরা সুকৌত্রেয় । পুনক্রান বিভারে॥১১॥

ভারতকৌমুদী

নায় ভাৰতে প্ৰথম কৈ ক হাত বা নাত বা হাত কুলো। আহাত হাত্ৰ বিশ্বাস ভিতাতে নাম্বৰ্গৰালৰ জনত, নান্ত্ৰী প্ৰথম, ভাৰতে তাভাৰত সাহিত নিজু গ্ৰহ্ স্থান্ত্ৰ নাম্বৰ্থ অভিনয় হৈছে ব্নক্ষ প্ৰহ্ম, না অসুক্ত না কৰু প্ৰিক্ত ক্ৰাত্ৰ স্থানিক নাম্বৰ্থত প্ৰভাৰত ভাৰত ভাৰত হয়।

ভারতভাবদীপঃ

মাৰা গৈ অবলালায়। সকার আন্ত, লাবান কিছা, এক নালায় । লিন্দ নালায়ে বিশ্ব কালায় । সকার আন্ত কালায় হালায়ে বিশ্ব কালায় আন্ত — মানিনা। মানুলায় পুন্ধিনা বালা কথা নালুকতি সকার মূলায়া আদ্বাহা মুন্লাই, কিছিলেজা লাহেছলি মানুলায় নালায় কৰা কৰা আন্ত মানুলায় বিশ্ব কালায় কৰা হালায়ে কিছিলেজা লাহেছলি মানুলায় মানুলায় নালায়ে কিছিলেজা মানুলায় মুন্লায় কৰা হালায় কৰা মানুলায় কৰা হালায় কৰা কৰা মানুলায় কৰা হালায় কৰা হালায় কৰা মুন্লায় কৰা হালায় মুন্লায় কৰা হালায় কৰা মুন্লায় কৰা মুন্নায় মুন্লায় কৰা মুন্লায় মুন্ল

অজুন। যে লোক সন্জাচিত হইয় প্রাচ স্বদা সান্ত প্রের করে, সেই স্কান। সমাতি ১চিত যোগির পাকে অধি সনায়াসলভা চইয় গাকি॥১৭॥

্তি কৈ কিছে। বি এব কা প্ৰতি সকল একা গাড়িত আছে বি কাৰ কা বুন্দিই নি ক মালকাৰে বি লোক মাজনান আভিন্ত গ্ৰুত কৈ কা আছে বুকি মাজনান নিহছ স্বায় মান কা বুকি কাৰ্ডিন লা বিহান ভিত্তিনিন মাম কা মাজনাত কৰাৰ সন্ধান মান কি লোভ কৰিছে পাৰে। অভ্যাৰ মাজনা তুনি মামালক সকল কৰাৰ কা ব্যৱধাৰ সন্ধা

মহাত্রী আমাকে লাভ ক'র্ড – যাহাতে বচতর হথে হয় এব থাহার প্রে ভীব্মও দীংক ল কু.য়ী হয় না, সেই হল আর গ্রহণ করেন না; একেবারে মৃত্রি লাভ করেন চালে

ক্রিক প্রেটি-- এ সানে ভগবা নার মৃতিক ব এই তে, সাংকাল সংকালা কাবাস প্রাথ মাহ দেব চিত্র ক ম্লেপ্সাংগ্রাক লাই । নিজ্ঞ কাইখাছে এবা ভালার স্থান সংক্ষান মাধ্যমি। ইনিলার ইন্যাপ্তা স্থান । নেইকল মার মানের লগক ভলব ন্তেলাত করা, প্রস্তান না ব্রু, এবা মৃতি বাভ করা স্পৃথিসাধ্যম হাত্র দত অধ্বপৰ্য ন্ত্ৰহণ্ড ক্লেণে। বিজ্ । বাজি যুগদহ আন্তাশ তেহহেবিতিবিদে, জন্তি ॥১৭॥

ভারতকোমুদী

কৰিব ধন্ধ্যক্ষিলন ৰ বুজালাকান পাশ হাইছাত মাব্ৰেছি, বাংলাক ভূবনা লাক, কাছ আ, মানত ভিবাৰে ভূবনালালন চিত্ৰা শাল সভালাইজন হাইছা। ইপ চাত কাছ মাজন না কৰাছিব গোলাকা আৰু আৰু চাতু প্ৰজ্ঞনালৈ, সাহিব অভ্যান্ত্ৰিল আৰু বুলি লাকা, পুন্ত হাইল, পুন্ত বুলিল অব্ভি কিছ নিৰ্মাণ, বিভানন সন্নিৰ্মাণ, বিভাগ জালাকাৰ হাছপাল, মনবুলি শালাকা ইন্তি সাক্ষান্ত হিচা

ভারতভারদীপ:

কুণ্টানকন অজ্ন ; বজালোকৰাসী চইতে অক্যাক্সপ্ৰিমী সকল লোকেবই পুমৰায় ভয় চইফ পাকে, কিয় অমিকে লাভ কৰাৰ পৰে আৰ জন্ম হয়ন ॥১৯॥

ভাবি পে সিট্যা — দিব ব দি কৰা কৰিছ পুণ দক্ষে কৰিন, কিছি সভ্জান ল নক্ষেত্ৰ ন হোল বি. ,দেই পুলাৰ সাৰ্ভ্যা অভ্যাত প্ৰাণাৰ বে হা অভ্যাত আলো কামন ক্ষেত্ৰ এক দেই পুৰাক্য হুইলো আৰু মান্তি ভাৱা এইন ক্ষেত্ৰ, আৰু মাহাৰ ভাৱাত ক্ষেত্ৰ ভাৱাৰ আমাৰ্কে ল ভাবা হয় মুক্তিই লাভ কৰেন। ভাৱাৰো ক্ষেত্ৰ আৰু ভাৱা হয় ন এছা

দেবপরিমানে এক সহস্থ সূত্র প্রজার যে দিন হয় এবং সেই পরিমানে এক

অবা ক্রাছা ক্রয়, সর্বাচ প্রভবস্তাহরাগ্রম। बाजागरम अनीमरन डरेडवाबाक्रमण्डरक ॥১०॥ **पृद्धामा म अनास पृद्धा कुछा अनीमहरू।** ब्राह्मांभरमध्यमः भाषं । अन्यत्राह्मागरम् ॥३१॥

ভাৰতকৌ মূলী

यत्रकः च भावतः लाक महिः" हे हे प्रमुख्यमें क्रिक है। उन् ५ धरवासरम् द्रामण किस्तिविधिनामाणिका । यन कार कुरणकिमानक जापनि । दूसमा असे द करा कृत्रकणा । इत्र म इत्रामि, शास्त्रिक व्यविकारिक ३० व छ। ताम रेक्नेन्त्रा द्व राभेद्रा र इंग्रेसिक्ट्रिं, इंग्रेसिक्ट्रिंग, इंग्रेसिक्ट्रिक्ट् बाक्षस्या नयः आचा विकासमा

उद्य लायक लि म मामाविभवृद्धिक ताक कृत्यक एक मार्थ यावन व्यवस्थ मामा क श्रीकरत कारीय म देवार इत्याम, पावनक्षमध्य विभवन, धननायान मुकाला मिरनामां प्रत्यो । अन्यति छै-मन्नत्य, एक बाद्यामद्य ६ क्षाम्पर , अन्यत भक्त विनत् । हार भूम, भूमशास्त्राहरू द्वाकति हुव सुव अलीच र कता, दल्दन त निसंप्रत्यकति। म मातावक्रम नामचूनवानुकार देरवाल द्राय मन्द्र अप के कि का व 1.5

ভারতভাবনীপ:

कि या राहाविद्यात कार-क्ष क्रामिति । यह रेग्यिमण्डिलराएं, अवस्थानग्र লক্ষেত্ৰ ব্যক্তিত বিচাৰ বিচাৰ বৰ্ণনিত প্ৰায়ণ চল আৰু লক্ষ্মিল সভাই। বিচাৰ্ড প্ৰায়ণ प्रदेश च मावरेष्ट्वश्वाक्ष्मण थे । अधा अवस्थात महत्त्व प्रशासन अवस्थित क्ष वर्त्रक्षमध्यमकः मरकार्था । इसीराव्यक इन्द्रवारका इन्द्र लीवहर व ह भारतः, पन अनुकासन्य भूमका अव प्रमान्काराचित्रवृति । এवा अविश्वविद्यारामाध्यविद्याकारम । वि अविश्वविद्या अधिकशृतिका भीशिएक व्यवस्थान एवं स्थानिका आधिकर माहि १.४४ के स्थान क्रांगाना सह সহল মুগে বক্ষার যে বাত্রি হয়, ভাষা যোগবলে মালারা ভামেন, ভালালাই মতোরাত্রবিং ॥১৭॥

कांद्रभाष्ट्री (मह बाद बादिवामक हैकान कार्यन र म कर कर्तक व्यवसाद ম ইয়াও ত্রথার দিনেটা সেখানে ও কিছে পারেন, কিছা বাহিছে নহে। একনান, ভ্রথার ब्राबिट अल्डकाल । कारत अल्डल अल्डल हरी हरी हर भारत हर । १६

বৃদ্ধার দিন হইলে, সেই ভাগবিত ক্লা হইতে ১রচের প্রাণী সকল প্রাত্ত হয়, আবার রাত্রি উপভিত হইকে সেই নিপ্রিত জলাতেই সকলে लगु श्रीष्ठ ॥३५०

ক্ষা**্লাক্সান্যঃ—অ**ভতৰ ব্ৰহ্মৰ দিন ও কাছি ন্যন্ত কইণ্ডাছে ও মাইণ্ডেড, সচকচেৰ দ্বৰ্থন কেইজ্ব উৎপত্তি ও এই পাইছে ছ।১৮।



প্রস্তার ভাবে। হার্ড , হর্ত জাহর জাহর । যাং সাসবেষ ভূর্তির নাম্যাহত নাবিন্তাহি ॥২০॥

ভারতকৌমূলী

ক্ষাৰ প্ৰদেশ বিষয়ে লাজ বিষয়ে সংগ্ৰহণ ক্ষাৰ্থিক নহাটোলনা প্ৰকাশন কৰি ক্ষাৰ্থিক ক্ষাৰ্থক ক্যাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষ্যাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্যাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষ্যাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্য

ভারতভারদীপ:

সংস্কৃত সাপন সপেন কংশার সধান সেই তাধর-জন্ম প্রাণীর। এই বিশ্বে দিনাগ্রে লাস্ড চ চয়, সবোধ ধারি সাধিকে কায় পায়, সুভরা উহারা ক্ষিয়া লয় প্রেডিছে ১১॥

াক্তা ৰিং পাৰিছিল কৰিছে পৰ হ'লকৰ পাৰত এই উপায় এবাৰ পাছৰ আহিছাৰ স্থাপি কৰিছে এই জানা পাৰত হ'ল কৰিছে আছিল। তেখা আহিছাৰ স্থাপি কৰিছে এই জানা পাৰত কলিছে সংসাধাৰত নিধি এইছা বাৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল কৰিছিল। স্থাপিতিয়া কৰিছিল।

কিন্তু সেই বজা চইকে ভিনিন্তু কিন্তু মুক্ত মাজে চন ও নিজ্য ক্ষাপদাৰ্থ সাধ-ভোষা , সানভাত্ত বিনিষ্ট চইকেও ,সেই যি'ন বিনিত্তন না, কি বা সমস ভূত উৎপার হুইকোও উৎপার হাম না ৪১০৪

ভারতার বিষয়ে – বল ও জালের মান্তর, একন ই করের আলোচর বাটনা, ওবে উপ্তরে ভেল এই যে, বলার প্রশাস্তি প্রিমাণ আলোচ একা ভিনি ভূম ভিম্না, আর কৰাত ভাষকৰ ই চুন ক্ৰেমাভঃ প্ৰণাশ গতিষ্। যাশ পাপা ন নিশ্চতিত ভেনাম প্ৰমণ মন ॥২১॥ পুক্ষঃ স প্ৰঃ পাপ । ভিক্তা লভাস্নভাষা। মহাতিকোনি ভূতানি মেন স্বামিদণ ভূতম্ ॥২২॥

ভারতকৌমুদী

स्था धार्क कार्यन मह कार्यक्रक वार्यहर्षि स (स्थान स्थाक हेडि कार्यक्र एक क्षिण धार्म के के इसका प्रकार भवार हुआ है कार्यक्र के कि प्रकार स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

জ্ব হাপ্ত কান্দান কা তুৰ্বাবাৰ পানে জ্বব্দ ক ইমাপ পুৰুষ ইতি।
জুল্ফা, জানায়ালাইলাজ সনাথ। তেপৰ স্প্ৰ প্ৰায় পুৰুষ উপাপ সন্ধান্দিক
জিলা শিল নজিল প্ৰায়ৰ্কিনাশ্ব ইতি লাগ্রাজাজ্যক্ত প্ৰচল্পনি সভাই
সাকায়েৰ প্ৰায়,। ভূম নি এম নিজ্বত হানি জগজি সভাপুৰুষ্প, অঞ্জ নি অভাত্ত

ভারতভাবদীপ:

এট প্রথেগ উংপত্তি ও বিনাশ নাই চকা জনি ভূপণচিয়ানা নারেন, বিংশ্যাস্থাই ও কানি-স্থায়ক বিংশ

এই বৃদ্ধেই আনি প্রের 'অকর' বলিয়াছি, বেদও ভারাই বলিয়াছেন এব বেদ সেই বৃদ্ধেই স্বেরাভ্য গতুরা বলিয়া থাকেন। আৰু বারাকে পাইয়া জানীর ফিবিয়া আসেন না, আনিই সেই স্কোওম প্রকাশস্কপ ডেকা ।২১॥

তাত প্রা - 'ইক' 'তাত এই বপ বনাত ইংটে প্রতি ইইনটো বে, এই স্থান কথা কেবল অ মি বলিজেছি না, সংগ্রহণ প্রতি বলিজেন বেসং মাও ক'তেৰ জনাৰ ভিষাকৃতিকৈক নুমালনি । প্ৰায়াৰ মাজি ভা কানি ক্ৰয়ামি সৰ্ভ্যভা । ॥২ ১॥

भावकरको मुगी

रहीं स. को द्वार र द्वार १९ र दे वे कार्ष , व सार विक्राप्त के से स्क्री "पूकाद्वाराको कार्यक दूस कर्षा कि स्टूडिया १९ दूस १९ प्राप्त दे से इस् इस अवस्था दे स्वृत कर अवस्था १९५० है वे कार्ष देव

के दिस्ता के स्वतंत्र अस्ति इत्यय द्वा कृष्ण । तद अत्य क्ष्रिया निक्र कर्मा क्ष्रिया निक्र कर्मा क्ष्रिया क्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रिया क्ष्रि

ভারতভাবদীপ:

অঞ্ন। সকল মাধুষ্ট অনকগামিনী ভড়িছাবা দেই প্রম পুক্ষকে লাভ কবিছে পারে, ওঁডার ভিতরে সমস্থাম ইতিয়াছে এব যিনি এই সমগ্র কগাকে ব্যাপু কবিয়া বহিয়াছেন ১০-৪

क्ष्मिक । १२।

ভরতবাদ অফ্ন । ধানেযোগীর যে কালে দেকভাগে করিয়া কুন্রায় স্মারে সাত করেন এর কর্মেগীরে যে কালে প্রবিভাগে করিয়া পূন্রায় স্মারে আগমন করেন, সেই কাল্ডেবভাপ্রাণিয় উভয় প্রের কথাই আমি বলিব চল্ল

তেতিশ্বীয়া-এ ভাষের ভারণাচর শ্বভার দের দের ভারের অনিকারী দেবাশ

অতি কোন্ডিকতং শুক্তং ধ্যাকা উত্রাধনন্। তথ্য প্রবিত্ত জালি প্রকাষ প্রকাশন, জনাং ॥১৯॥ পুমো রাথিস্থল কুকাং স্থাকা দক্ষিণ্যনন্। তথ্য চাক্রমণ জোতিকোলে প্রাপানিবর্তি ॥২০॥

कावअरकोश्रमी

মার্তিন্দ্র হু ধুন ই স। মহাতি পুনালং শাস কর্ণতিই নিলোর পরা। তথ ৪ খেটি কুন্তা নি ইর পুন্ত সকান্ত্রকার হা অন ইতি লাবন এই বৃন্তিন নিলেবত, দি তঃ
ক্রেণ প্রাপ্তাহে পিতৃ নিলোল। হালা, ৪ জনসা কো ডিঅইজন কামা কাহি, আলা,
নিক্ত্রের ক্র্কেট্ড পুন্ত স্পালনাক্তি। তথা চাক্তি, ", ৪ পুন্ন ভাত্রিতি বৃন্তি হ্রাজেরপুরং প্রাথ কিছা বিভাগিকঃ বহর্ষ

ভারতভাবনীপঃ

অগ্নিরপ তেকের দেবতা, দিনের দেবতা, শুরপকের দেবতা এব উত্থান্ত ছয় মাসের দেবতাপ্রভৃতি যে পথে শুউয়া যান, সেই পথের নান 'দেব্যান'। স্থান রক্ষের উপাসনাকারী লোকেরা দেহতাগে কবিয়া সেই দেব্যানপথে মাইয়া মৃক্তি লাভ করেন হিলা

ভাতিশাস্থার— নিস্তাগ রাজ্ব উলাসন কর্বন, সুতুর লাব উল্লেখ অভিলেখ্স)
ক্ষেত্র নাল্যে কৃষ্ণ দেব লাইন হাল, তর্ল ব লিবেন্দ্র নেস্ক, অসক্ষর, করণ ও পুরুপজ্জির
ক্ষেত্র কৃষ্ণ দেব এক সার ই পরে উদ্ধারে ৯৬ মুলের নেব্র কৃষ্ণ সর নিয়া মান,
ভাইভাবে নীস্তাইর তিনি ক্ষে মুইছ আছে লীন বল, ই গ্রু মুল সাস্বে মানিজে



ভ্ৰত্ৰক গুৱা কোতে জগৱা লাগতে মতে। এক্ষা বাজ্যনারভিম্মান্বভিত্ত পুনঃ মহতা। নৈতে হ'ল পাধ। জানন্যে া মুহাতি কশ্চন। उद्याद मार्दिष कारकार (माध्याकः, उत्योख्या । ॥२१॥

छात्रडहको घुनी

न संदर्भ कि सुराधित एवं अपवीत के विकास अपनि अपने अपने अकामकाह मुक्का , क्रम अकान नाम ६ क्रमा ४२, गाँउ प्राम्पाधिति सुद्धी गष्टिको, याणार अञ्चलक सर्वक क्षाद्राहरू छन्द्राध्य अस्ट्रह्, साम्बह्ह हि अन्य ने अन्य निर्देश करते हैं । व कार्य - १६ है। वहार वह देखें करते हैं। मन भारत में किया निया है, जमत का असन कर्या कि अस व्यक्त महत्व ने कार्य , 城郊村 香柳 好医。 對此利用各 医皮上海致皮肤的 医原 医阿耳尼亚亚亚

डेका रात्री वन्यसमानतीन व साह साहित हा ताला न पाना काली मा मा मे मे, के हे करें भड़ान, "जन के मुकुल द्वान्यक्ति, ने दुक्षी क्रिक्षित् म अवर्गात प्रकृति हर करा । इत्रामानम् व मु, न्यून्तः वर्णाः स्थाति अवितिष्ठ 64 (33)

ভারতভাবদীপ:

उत्तर हे मूर्य के दिन कारण हिंचा मूर्णिया में विद्यार में बिटा राम कारण में का के किए व्यान मिला में या घाष । अस्य के कि घार प्रमाणकर र- का का र का का साथ हुई स किशामित्र किश इस साथ २ इस पुर निगरित, अवद खड़द अकर इसर ३ - ६८० छन्दी अरली व्यानुकान -বুলিক লোলন কিন নহাত চেল্ডাইছ চিল্লেক চুক্ত কিন্তু কৰ্ম তেওঁ কি

প্ৰের দেবতা, সাতির দেবত, কুলাপ্রের দেবতা এব দ্লিগায়ন হয় মাদের দেবতাপ্রভৃতি যে পথে লট্ডা মান, সেই পথের নাম 'পিতুলানা'। কাম্যকালী লোক সেই পিত্যানপথে যাইয়া কিছু কাল অৰ্ন ভোগ কৰিয়া ক্ষাক্ষের পর আবার আলিয় ভত্ম গ্রহণ করেন ৮০বল

का (का मार्ट्या — उद्यक्त में, वहीं ते मुक्ति वह में आदि १६ वह का का का का कहेंद्र पाय । **अ**त्या कामाक्षेत्रकात वर्षा ६ १४४ मध्य वार्षात कथा हृष्टित प्राप्ति वर्ष १३४४

वाडे एक ए कुछ हुडेजी भव क्यानाओं द भएक खनाकि विलय कानीया यदन करतमः अविषयं मध्या यानिहरानी अञ्चल्य पावेर्ड थाकिया कृत्य पृक्ति लाख করেন, আর কামাকপ্রকারী কুলাপ্রে মাইয়া কর্ণ ভোগে করিয়া আবার সংসারে कारमन १२७॥

ভাত প্ৰাৰ্থ - সংসাধ অনাতি বলিও এই তথ্যুত্তীত অনাতি, ভাচাৰ মধ্যে দেব-মানপথে ক্রানের মালোক থাকে বলিছ ভাত শুদ্ধ এবং পিতৃষ্টেশথে অক্লার থ কৈ বলিয়া ডাডা কুক (২১)

বেদেয় বজের তপতে চৈব দানের মহ পুণাফলং প্রদিকীর।
আত্তাতি তথ সর্বমিদং বিদিয়া শোগা পরং আনমুগৈতি চালার্ ॥২৮॥
ইতি ইন্মহাভারতে শাক্ষাহারণে সংহিত্যেও বৈদাসিকাং ভীলাপ্রথি
ভগবদ্গীতাপ্রথি ভাতিংশোহগাল:॥১॥

श्री डोश्री सु क्लेट्यांक्थराय: aon

छ। दछ को मुनी

বেদে কিছি ৷ বেদেশু অনাকেনু, সাজানু অনুষ্ঠিত বু, সলাজা বিভিন্তনু লামেনু ক্লেনু চ, বহ, পুৰামৰ কিলা পুজাৰ মৃ, জানিত লাখিকজম, জি জানী বানী চ, ইনম্ উত্যোগ কিছে কৰবৰ বিভিন্ন, ভন সৰ্ভান পুজানকম্ আছিছি নিজি কামিতি নাক কামৰা না, প্ৰায় জানেন বালিন চাম না স্থান বালিন না প্ৰায় প্ৰায় ক্ষিত্ৰ কামিত কাম্য স্থানহ প্ৰায় কীটিপজি কাম্যাজ চামান

ইনি মুচাম্বোলাগ্যন্ত বিচাৰিকালসিকাত্ব হৈশ-মুণ্ড বিবাচন নাচ নাব নীকারণ ভারতবিধীন্ত্র আন্ধান চাত্মলার্থি ভব্রস্থীত আহিবলৈ ব্যাহ্যায়ে (১) ই শীভাষাত্ম অইমেচ্যাল কর্ম

ভারতভারদীপ:

प्यासितः स्थार सार्विकिशः विकास स्था । १६। भूनः स्था हिन्द्र ता स्थिति । तन्ति विकास स्थानितः स्थानिति स्थानितः स्थानितः स्थानितः स्थानितः स्थानितः स्थानिति स्थानितः स्थानिति स्यानिति स्थानिति स्थानित

हेडि जी चलकारि रेमलकक्षेत्र भावण स्थवित काद्वित्य काद्वित्य स्थाप । २२। हेलि रेमलकक्षिय जी स्थाप करेद्यां स्थाप । स्थ

পুথানকর। কোন জানা বা ধানী এই ত্ইটি পছের বিষয় জানিয়া মুখ হন না। অতএব অজুনা তুমি সমস্ত সময়েই প্রমেশ্ধে সমাজিতচিত হব ॥২৭ঃ

ক্রেবিন্দ্রার—জনীয়, ধুনালোক মুক্তিন্দ্র ছতুই ১ই করেন, কিছু স্পর্থের লোচে কামানশ্র করিয়া হাম্পতিত এন না বেম

বেদাধার্ম, বজামুহান, ছপস্তা ও দান কৰায় যে সকল পূৰণার কথা শাস্ত্রে আছে, জানী বা ধানী লোক এই পণ ছইটার বিবরণ জানিয়া সে

0

নব্দোইধ্যায়ঃ।

জ্রীভগবাসুবাচ।

উদন্ধ .০ ওহাতমং **প্রক্রামান্যুর্বে।** জনে বিজ্ঞানসহিত বজ্জাহা মোক্রাসেইভাই ॥১॥

ভারতকৌমুদী

গ্ৰহণ হল বছ নাল্পান কৰা বিজ্ঞানিত বিজ্ঞানিত

कार छ हो वसी भा

শবিধানে কিং বার জন কিলের আন্তর্গ রাজবা এলাবর মিল্লা দির স্থালিক বার্যারালার ক্ষেত্র নাল পূথক আল্লাক ক্ষিত্র বার বার বার্যার ক্ষিত্র ক্ষার্যার ক্ষিত্র ক্ষার্যার ক্ষার বার ক্ষার বার্যার ক্ষার ক্যার ক্যার

তা হোপার্য্য — বর্ণ সপার এক এই কেন্দ্র ক্ষেত্র করে বার্গান্ধ হাছে, কিন্তু মুক্তি স্থার কর নাই বার্গান নাই , ডাইজে নীবা ও ধাননীব সেই মুক্তিস্থের মুক্তই লালা থিত বাবেন ।বলা রাজবিলা **বাজভয়: পবিজ্যিদম্ভনম্।** প্রাক্রিমন ধর্মে: ভত্র-কর্মন্দেম্ ॥১॥

ভারত্যক। মুদী

ভাৰেৰ জ্ঞান কেটি বাহেছি উনং জ্ঞান্ত, পৰিছণ প্ৰাণক্ষণ প্ৰন্ত্ৰ ধ্পানন্ত্ৰ ধ্যা মুক্ত শ্ৰেণ ক্ৰেন ক্ৰুণ প্ৰাথিত্ব আৰাহ্যু অক্ষ্ডলক্ষ্যমু প্ৰাণক, স্বাহন, ব্ৰহণ ক্ৰু জ্ঞান স্থানক মুদ্ধিক ক্ৰুণ কি প্ৰায়ে, স্বাহ্ৰ বিজ্ঞান ক্ৰুণি ব্ৰহিজ, বৃদ্ধি ব্ৰহণ ক্ৰুণ্ডি ব্ৰহ্মণ্ডি হিলিক্ষ্য প্ৰায়েছিছ্যালি প্ৰনিল্ভা, ভ্ৰাহুৰ্নিক কাৰ্য প্ৰাথেক।

ए। ब्राइक्टरवर्गी भा

বিশ্বানেনাও ভবেন সহিত্য ন তু কেবলং লাবেংকোন ঘাং জানা জাত সাকা কোনা সভাচাৰ সংসাবানের লাবদে। আই মান সংযোগে জানা হৈছিব সবিজ্ঞানীয়ে লাবদেশ জানা কাৰ্য কৰিছে কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰিছে কাৰ্য ক

কুফ বলিলেন—'অজুন। ভোষাৰ অস্থা নাই , শুত্ৰা আমি ভোষাৰ নিকটে এই প্ৰত্যক জানের সহিত ক্তিগোপনীয় জানের বিষয় বলিব ; যাহা জানিয়া তুমি সামায়বজন হইতে মুক্ত হটবে ।.॥

ক্রান্ত প্রায়া—পরের দোষ বিশ্ব ধের নাম—'অক্রা'। আন্থি জনবরত নিজের প্রপাস, করিতেতি, ইচাকেও ভোমার যে জক্তা। ভত্মিতেতে না, প্রক্ষাণা কুমি উপযুক্ত শিক্তী ব্টা, জত্ত্বের অভিযোগনীয় হউলেও এই জানের বিষয় আমি ভোমাকে বলিব ১১৪

এই জান প্রির, ধশ্বসঙ্গত, অন্যাসপাধ্য, অক্যুক্সভনক এবং প্রত্যক্ষ-ফলকারক। অভএব ইহা জানের খাছা, গোপনীয়ের মধ্যে শ্রেষ্ট এবং সর্বপ্রকারেই উত্তম হংঃ অভানধানাঃ পুক্ষা ধর্মজাজ প্রসুপ।। অপ্রাপ্ত মাণ নিবিউড্ড মৃত্যাশশার্কর নি ॥থা ময়। ভ্রমিদ সর্বণ জগস্কা ভুনু ভুনি।। মহাবানি স্কৃতানি ন চ্ছো (ভ্রক্তিতঃ ॥৪॥

कांबण्टाको भूगी

নাম কৰণ ক্ষুণাৰ সাম বিশ্ব না বিশ্ব বিশাপত বাধান্ত্ৰীয় বা প্ৰায়াল আৰু ধৰা দৰি ভিত্ত নাম সহাজ শাহান্তৰ বিশাসনিক প্ৰায়াৰ স্থানিক স্থানিক প্ৰায়া, ভালন সাম বাধান ভালন বাধান্ত্ৰীয়ান নিৰ্ব্যাহ, দৰা হোৱা প্ৰায়ান সাম কৰা হ'ব বাধা

ভারতভারদীপ:

তেক্ত কৰিছে। এই এই এই আন মজন কৰিব ব জল বিশেশন বে (68° কৰি।১৫

শক্তাপন অজ্ন। অনেক লোক এই জানের উপরে বিধাস ন, করিয়া, প্রকারাদ্যর ধকাচরণ কবিয়া, জানাকে ন পাইয়া, ফর্ছোগের পরে মৃত্যুক্তেশ-মুক্ত সামার্মার্থে ফিরিয় আসিয়া থাকে।।

ভাৰত পাৰ্থায় — চৰ্জান না এইলে জামাৰে পাৰত বাহনা, আমাকে না পাইলে মুখিন হয়না মুক্তিনা এইলেই কি ডিল সামাৰে আমিটেড হয়। ভালৰণ সকলেবই ভাৰজানবাভেত আৰু চেটা কয় উচিক।পা

ভগৰদ্গী ভাষাং

ন চ মংস্থানি ভূতানি পাতা মে নোগমেশ্রম্। ভূতভূল চ ভূতকৈ মমাস, ভূতভাবনঃ ॥৫॥

ভারতকে মুদী

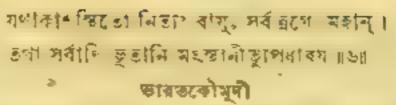
स्थिति । भारत्व स्थाति स्थाति स्थाति । स्थाति । स्थाति । भारत्व स्थिति । स्थाति । स

ভারতভাবদীপ:

বিরুক্তি ভাগতেরার সর্ভত্ত তালের প্রকারণ সম্প্রতার, পানর, প্রবার্থনে ব্রুল স্বা भदरमञ्जू उदश्वमार्त्नामानीत भाग श्राप्ता श्राप्ताच अधन न युन अफ न कृत्यान श्राप्तिन লৌক্ষাব্নি ক্নাণ্ড ব্ডাল্ডেড সন স্পর্ক হন কল্পিড়াকার স্বাহ্রক্ষণ भित्रम रमुख्यम्, अकृतः पुला । पादान्यक मान्य पान्यक्षां क्षा कृति क्षा है। कार्यन्ति है हिन्दी स्व खरिष्कुः, अविद्राणि काराकान्यस् अलिक्ड व अक् र,कारमण जुल्ला स्टिक्टिया कृत् बाडात्य स्थाराम् आरम्बादः यस अविषयः अरुदिन द यहः, स्थार् भारत् स नहत्त्वम अरू बा खेलिडि बार्करका। ज ६३० गर्य जगाउँ छास्य हे राज यस ए नरना सानः म सरक प्राप्तः ed s य है डि. अ. के अराज्य जादना इस अर्थ अर्थ अर्थन अर्थन के विषय (b) विक्रिय है है से । 'व्यानभारकारक शाक्ष के कर अवशेष्ट व व्यवस्थान मृद्देन एक राष्ट्र के प्रति कारण कारण कारण कारण कारण का भाष्ठक्रवादाक्रम् केरलेडि विरम्यमम्। मारान्यम हि क यस पुनियासदार करणाहरा युक्त हि मुख्य भद्दार कर्तनारमाध्य होति विश्वताकार्यन सन्त, महिनश्च होता पार-भरकारोडि। पनि क्षण्यानान्त रक्षण सङ्ग्र्यन ध्रादाध्य देव करेस्वर्गन श्रिणांबारः মহত্যনী সুলেভারত্রতার অভিলানাগতে লাইলেখনসম্ভাবেলান। এতদেবাল—ন চেতি ন চাহণ প্রনানকাত্ত্ব ভূগের কলিও কলি মুটানাবির মুখ অপ্তির নির সেব । বা ক্রম লাপ-त्रकानमाच क्यांक्रकामिकानद्र एकणाल्यकीत्-न 5 प्रश्वानभाष्ट्र। यहा अय. - अण বৈদ্যুদ্ধানত মৃত্যালানকারণমূ "এজ নং তত্ম আৰু আৰু ক কানুচ,তে" ইচি ব জিকাকে

আমি অপ্রাণিত সভিদানকরণে এই সমগ্র জগং ব্যাপিয়া বহিরাছি

এবং সমগ্র জগৃং আনোতে রহিয়াছে ; কিন্তু আমি ভারাতে নাই কা। ক্রেপ্সেরি—ভলবানের এই জনাকভার বা মধুর লা অবস্থা অজানীনের প্রে, কিয় জানীয়া ইংবে সকল ভার ও সকল অবস্থাই প্রয়াক কার্যা থাকেন। গ্র

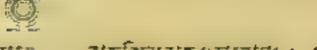


নাম সাংস্থাৰ ভাগৰ ভব 5 জনাগৰ কে নত্ৰ, এছেব লা দিয়ে তি সংস্থিত সংস্থা স্থানীয় সাধানীয় কৰিছে, তেও সাধান ভ্ৰামান, সাংস্থাভাগৰালী নাম নাম্যানীয় জীপালীয় অনুষ্ঠাৰ বৃদ্ধান্ত কৰি নাম বা নাম বিশ্ব নাম বিশ্ব নাম বা নাম

ভারতভাবদীপ:

बंधा नर्भव प्राप्तिक वर्गा १ के इंकिया (५०० ५ लक्षा) । अपन्य इक्काप्तर्वर प्रदेश राज्य । प्रदेश वर्गान न प्रतासकत्त में राष्ट्रिक सम्मान में मान्त्री काल जिल्ला काल कर कि उच्च किया कि के कि नेत्रित हिन्द्री স্পাদিন স্থান্ত , বেল স্পাদ্ধানত স্পাহতপায় বুংস্থায়তের এই নাড হাংস্থালি कुरे भी दूरक्षित ह । अन्य भाषितालय दे छ । दूर १० १ ६० व भाष्ट्राय कुरशस्त्राय स्वाह्य ক্ষা লচুহ জ্লাচু ক্রিছালছ হ—পলা হ্লান্থর্থিড়ি হেম্মন ফুট্ডে সর্ ≰মাশা মু'কিল'না আল লখনৰ কৰি লগন হ'বল লি আগে প্ৰৱেল প্ৰস্তান্ত্ৰিক আনুত্ৰী मन कारणन्योवण हा आहे मानान्य कुण्डुर्गण कुडाण न ५० विद्यार्थक किंद्रकार्थक सिंद्र পদ্ধনেশ্ব চুমপ্রি মাজ না ১৬ সন কারণ পরিবান মন্তব্ এবং করণাচলি পর নক্ষরণে। মনগম সাভূতভাগন ভূগান বুভিত্ত। এড়াজের নজজাতেনি ভূড়ান সংখ্যুপ্টাছিতি। Cका दिलाकर के अपान राज्य कर कर कर कर का जा का कि हार पिक्टिकार व्याकारण भरताहरू हैं। विविध्य में अध्यास १००० । से ज विविध्य स्थान सहित्र मिल्ली स कुर्य । के अपना मा न व व व व लिए पार का कारण कामसायवरक कु का अपने एक देन ह र से ये ये प्राप्त कर जा तकि लगा था । इतन दल इक्टिंग - प्रश्रह कर ति । सिहत, प्रश्राकृति । भृथिय। प्रत्येष प्रतिभू विकास १६ १ । १६ १७ स्वयं स्वयं अधिकार्थन । इक्षा व वाल अव अधिकार्थन । (था दक्षे इति १६ दिन महायामाल वद्युक करित ध्यापाल याज (श्र तर्फाछ)-কোত্রমেখনির ওখনাত তালি অন্তল ১০০০ তেওঁ তাল্ডাইনিলম্প্রাক্র-क्राकामाभारवर्क्य न्य नपुक्तक्यात्राध्यमाराम्य स्वदः कार्यस्य भावित्रहेतिसादाति

অথ চ কথং আমাতে পাকে না এব পরবৃদ্ধকাপ আমি সমগ্র জগৎ উৎপাদন করি ও পালন করি, অথ ১ ভারতির থাকি ন স্তরাং অজুন। আমার ঈশ্ববিজ্ঞাব যোগমায়ের প্রভাব দেখা গ্র



সক্ষেত্রানি কৌতের । প্রকৃতি ধান্তি মানিকাম্। কলক্ষে পুনস্তানি কলতে। বিস্কৃত্যিকেস্॥৭॥

कारणस्कोम्मी

ন্ধাৰণে বৃদ্ধিৰ যোগনাম হন হনি ভালনি নিছালি, কাইপ্ৰালা, চুকুকো এবত উল্লাহ কাৰীতি। তে কোইপ্ৰতা সভভ্ভানি সম্প্ৰাপ্তৰা, কল্লাম্য প্ৰন্ত কাৰে, মানিকাণ মনীয়াম্, আছিছিল সৈক্ৰম্প্ৰালা সমালক্ষ্ম প্ৰাক্ত কাৰ্য কৰি সালকাল্য কাৰণ প্ৰাক্ত নামিকাণ মনীয়াম্, আছিছিল সৈক্ৰম্প্ৰালা সমালক্ষ্ম প্ৰাক্ত কাৰণ কৰিব নামিকি হাব , মানিক প্ৰিলাভি, "লাম প্ৰাক্তি সালকালিছি" ত ত প্ৰতে, "নাল কাৰণ্যায় "উল্লিখিনিক হৈ । পুনা কল্পানি ক্ষিকালে, মান্যায় হাম্য সংক্ৰম না বিক্তানি ক্ষিত্ৰ প্ৰাক্তিয়া বিশেষক কৰা কৰিব, "ভাম কাৰ্য ভামিকাকে বিলাভি কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব। "ভাম কাৰ্য ভামিকাকে বিশ্ব কৰিব। বিশ্ব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব। "ভাম কাৰ্য ভামিকাককে বিশ্ব কৰিব। তালিকাককে বিশ্ব কৰিব।

ভারতভাবদীপ:

আলাবেশ মম হা ভূড বন ইতি (ব) স্থেপক্তেপ্ত কৃত্রে দই ভূমার— মুধ্বিত ক্রা ভূলারুক আকারণ স্বিত নিতার সদ বাধু সর্ভার পরিমানতভ মহান, তথা স্কর্গতি হল নি সঞ্জারত ম্য্রি মদাল্লেনেধ্য বিশ্লীডেব্যুপ্দ বাবসি প্রাক্ত কিং ভারবাস্তি প্রবাস ভার্য স্তম্কুম্ আক্ষরণ প্রমণ ব্রাছটি, অক্ষরণ জা প্রস্তুপ্রাধি এব নিরুপাধিক। এছেই কুম্ব ক্ষর निक्षणाधिका अक्ष (अन्वक्ष्यन वार्षकाणम्। हेम्पना उपाक्षपायन कार्यनार्कका ममूरे प्रशास-प्राची । वाष् प्रशास "वाष्ट्रांसे त्यांत्रमा ए यहाँ मात्र कारणा। सक्षेत्रम ষ্ঠাতি সম্প্রিক্রাড্ড সংগতর্ম। মর নিতি ব লব বুলা পুরুত্ম স মণ অংকালপ্রিতঃ অনুধার নারাপে প্রার্থ সিত্ত । নিতা মতি ক লহাবর্গাল তলাক লগম্ম উক্ত । সরা বি क्षण जिल्लामिकिन्नहे इन्न्यूम चेकली (६३म वर्गर) । दक्षण (ताक अलगाया प्रयास करा साहर मुर्भुटकः छाक्त समान्धः भए। ह चकारण अवारकामत विक्रीत, अवा मानाविभ कीववर्ष উপায়ু, रमायु, आकृ एवं न नहां घाता व ६० कारण यह कार नित्र भवत्व अवक्षमा आन क्रावर्शन अविविधात के ताल । अरमान मान्यकार अमन प्रमाण प्रमाण के कि प्र खा एका अरेक्षत कार के कि कविताहम् १७१ । साध्यम्या धर्यात्र वेद्यत अल्पी, सराव्यक्त वार्या লাত্রি প্রাণক। ১ - সংবিষ্টি সক্ষি ভূত। নি ক্রের এলনা রীবাধি ম মিকার মন নাম বিন, क्षकृतिः द्वित्रशाश्चिकात्मवाः पृक्षकृषाःच दिकाः शाखि अदिनास्, वन शाखि कव्यवस्य। পুনশ্চ হাংলুক ভূতানি প্ৰকৃষ্টে প্ৰশ্বতিৰ সংখ্যাব্যৱনা ক্ষিত্ৰতি একতাং সভানি ক্ষাদে)

অংজুনা স্করেগানী বিশাল বাষু বেনন স্বলা আকাশে থাকে, সেইরপ স্মস্ত জগৰ আ্যাতে রহিয়াছে, ইহা ছিব কবিয় রাপ গংগ

ত্ৰিপ্ৰিয় নিৰ্ভিন্ন সকলে আহণ্ডে গাৰে, মধ্য নাইছেল স্থালেল নাই। মেইকুপ মুগ্ৰিট আমিটিই আছে, মধ্য কাম দিত সংস্থান নাই।১)

কুন্তীনক্র। প্রলয়কালে সমগ্র জগং আমার প্রকৃতিতে যাইয়া লীন হয়; আবার আমি ক্রার্থ্যে সেই জগংকে বিবিধক্তে স্তি করি ॥গা



প্রকৃতি কামবৃষ্টানা বিজ্ঞানি পুনঃ পুনঃ । ভূরতার নিমার কুম্মনবর্গর একারে-বিশ্বি ॥॥॥ নাচ মার ভানি কথানি নিব, ভি বন্ধার । ভিন্তানবন্দীনমূহ ভারতার ব্যাস্থ্যান।

ভারতকৌ মৃদী

ভাষতভাবদীপ:

নাৰ্ভি প্ৰিয়া নিয়া ও সন্ধ এক চাৰ্ক এই চলক কে কটি কৰি, আনাৰ স্থাৰ শুন এই আগংয় আনা ক বাংক এক কেবলৈ লাভট কগংট হাইন ক্ৰাক্তি আনিৰ প্ৰিটিটিট সন্পায়। কামৰ জনকিংক কিছিল স্বাধানিক কৰি স্বাধান

জামি নিজের সেই প্রকৃতিকে অবহর্ন করিয়, প্রাক্তন কর্মবংশ প্রাধীন এই সমগ্র ভূতপমূহকে বার বার কৃতি করিয়। তাকি ৮০

ক্রাক্রেশ্সেট্র — এ পর সু বুজি নাতর, দেই প্রাক্তি ভা প্রিপ্রের গ্রহত কথা অভ্যাবে ছবা ভাষুয় এবং ক্সি, ভিশি ও লহ চট্টা থাকে, কিন্তু সেছলি আহিটি আমন প্রকৃতিশ্বী

मधीनाट्यान थाङ्गीतः नु ८७ नहत्राहतम् । হেছুনানেন কোজেন। জগদিপরিবর্ততে ॥১०॥ অবজানতি মাণ মুগা মাধুণী। সমুমালি চম্। श्रः अविश्वकारानु। सम् इत्यदेशवर्षम् ॥১॥

छात्रक्रदकोश्रमी

सम्बक्षीन क्षा संभागत्कक वर्ष कर्षक ए वर्षिक्ष हाक शाम शामक विशेषक द्रा मध्य ही स्थार प्रदेशिक, एक एकार्यक प्रकार कि कि के प्रकार करता विकास मान भाषा भागत हर अध्यासम्बद्ध हुन कारण द्यान १ वर प्रवर्ण प्रमाण विस् मन्द्र कुलान भड़ी घरेनिक प्राप्त इर्ट १२६ अर्डिस्मान है। देन्द्र नक ६००० मन प्रशासा Mit अस्य । स्थापक, स्थानन यनकाम , अस्य या दुन , विभावत्य व कह निकालन विविधन প্রিশ্যটেক, অকুদ্ধ কলান্তাস্তিক নু পাই ১৯০১

ভারতভাবধীপ:

न्द्रि , मध्यकेत्मा न र ते प्रा अव दिक्ष कि हिन्दीन न केना र सदल्य तकन्त्र Britishe - St. Fr. S. A. THE SHIPS THE STEEL BIS THE SOFTENDEN क्षत्र करहण द्वरण कर्णण अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् अस्त्रम् क्षा प्रदेश सं अवस्थित व्यवस्थान विशेष क्षा कर्णा करते । व कार्य हेमा ह अभारती.— हरका इनके स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर विश्व कार्य के स्वाहर विश्व है। मार्की १६० (कतरता विश्वतिकार हिंद उद्देशक मात्रण मधानकद्र मिविद्या स्ट्रिंग म्। क्षेत्र । १९०१ चार्यक्ष संग्याहर हरा अक्षेत्र करिय करिय करिय करिय अक्षेत्र अक्षेत्र

अक्रम । आधि (भड़े अधि एंड क्यों अभक् इडे ना कर हैन।भारतन कु। भुक्ते व्यवस्थान करिया। युवता (अन्ते कय्यश्चां व्यवस्थान व्यवस्थान करिया करिया व 21 12K

चिक्तिकारी कार्यक महिन्त्र कर कर भाग के भारत, अपने उट व नक्षत हुए, आव मा बाद क चिन्तान न प्राप्त सामा छ भा काना, उन्हें कार विवस्त विवस । एक्टिक्टि বিষয়ে অন্যাৰ সমল প্ৰায় আহি কিছু একেলা ব উল্পান্নতি, আলচ উলাসালনৰ ক্ৰা भाषाः व भाषा के भाषी, होते पुत्र केत्र व प्रकृति पुत्र का स्वर्ण हाई किया दाना, कहील पाना

অফুন! আমি নিম্ভুরণে প্রেম অন্নর হিহুপ্নয়ী প্রতি এই स्थारतकक्षमा एक क्षमा स्थित करत जर का मान असिराननसङ्के कराइ नामा-ভাবে পরিণত হইয়া থাকে ৫১-৪

काकमा -रकाम मुख्यारचय द्वाराम प्रकृष्ट रम मिहन एवं वरिटा पाइन मा. কিছু ভাছে ব প্রেরণ যা ভাছার আহি নেম্ন মটা নিশ্বেণ করে , স্টেরণ কানি নিশ্বিণ কর্মায় साक्तित वामात्र । स्वताम प्रकृष्टि कृतर कृष्टि कर्त्य करा का मान स्वितान । साह क्रियान । कृष्ठि, विकि स क्रमेर कहिंद म मादित सारत पवित्र है व दहेर पारण १३०।

মোগাৰ মে ঘকৰালৈ মোগাজনে বিচেত্ৰ:।

হাজনীয়োজৰাকৈৰ প্ৰকৃতি মোহিনী বিবাং ॥১০॥ (স্থাকন্)

মহাজানত মণ পাৰ্থ । দৈবিং প্ৰতিমানি বংং ।

তজ্ঞানত মন্দে ভা'হা ভূজাদিনব্যেষ্ ॥১০॥

ভাৰতকোমূলী

स्वा वह निर्माण इस वय इरका स न स्व है है है है इक्षा कर यदा मार्थित है । इमाध्य द्वा स्व विका विका विका विका विका स्व है के स्व क्षा स्व है है के स्व क्षा स्व क्

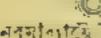
ार व स्टब्रा नाम है कह राष्ट्रा है का, हुक्का, मझाइसाइ इस दें दें भा । जा सकत संभावत इस्त का स्वार नाम दें का स्वार स्थान का धाई है। भूते इस त्रा । सहर अवस्था का विशेष जिला देखा र 'खाइ दें अ दिवा चाह देखा, भा जाहि का , जा कुला ना इस का देशा चार चा चा चार नाम के ब्रिय का है, सन्दान्नार हमाइस् क्षित्राह अदिवास महिम्ब का विश्व देखा का का

ভারতভাবদীপঃ

নোলনা ব্যাবার সূত্র তার পালে প্রচার করার করার সংগ্রাক্তর করা আর্থনো মর্ছেরা আনামনাস্থার সহক ১০১৪ নালহজ্ঞ জ্যাক নামালে বুলির করা আর্থনে ব্যালা এই নোলক মধ্যাবার নিম স্কারণার , নাল্ডানার বিন্যালয়ন বার বিচেত্রসা নিকার্কা হাক কলালা অন্তর্গক ব্যাহ্রাকার নাল্ডানার করার আই এটা অনুনা, ভিন্ত নিভি সাব ক্ষা সাহস্মালার ব্যাহালীয়া ক্রেক্থালো ভ্রাহার্ডান্যালয়

কিন্তু বাধননোৱন, নিজেলকথা, বিজ্ঞাবৃদ্ধি ও বিজ্ঞাবিত সূৰ্য খোকোৱা মোহক বিশি রাজ্ঞাপ্ত ত কি বা অভ্যাপত্তি অবলম্পন কৰিয়া আমাৰ সৰ্ব প্ৰিচালক প্ৰব্ৰভাৱ ভালিতে ন পা বয়া, আমি মানুষস্থি ধাৰণ কৰিয়াছি ক্লয়, আমাৰ্ক ভাৰত কি বয়, খাকে ১১১ ১০০

ক্রাকে সংগ্রা ভারত করে প্রায় করার করা এবং এবং এবং বর প্রায় দ বিবাধ বিশেষ উদ্দেশে আন্মার্থ মাজত সুত্র দর্শ করা করা প্রায় দেশের বিধার আন প্রবাস, ইং নারু মাজত মাল বর্ত হার লোকবা ভ্রমন্ত বা করে আন বার্থ আর্থির অভাব আর্থনে করিও ভুলারুকির সেইছল নিজ্ন কার্য করিও, ব্যাধননাথি হয় ব্রাহার্য বলিও আন্ধারে সংজ্ঞাকরে ১১১ ১২।



महरू के लिया है। मां गरुख के कुछ दहाँ । ন্মতার=5 মাণ্ডভুলা নিত্রেজু উপাস্টে ॥১৪॥ দানিবট্ডেন চাপ্যতে যজ্ভো মানুপান্ত। একটেন পুথৰতহন বতন বিহুত্তামুখ্য ॥১৫॥

कार बरको ५ ली

६ मणी चरमञ्जूष्या है या था था अपराज्य अपने १९५० मार वास के हरूर या विकास स्थापन মার্থি প্রয়োজ ১৯০৪ ক নুলাস ১ - শ্রাল ব তুল কল স্থানিক কর্মের ১৮৪ এই লাভিবলৈ 작용학 pites Pite 작가입어(Piter) - 이 상 늘 수학 시간 pic UT 및 pites 이 상 작 됩니다. भारत ह विक्र सुवर्ग भवीन सक्ता र कृषिक साथ व दूस का तर र क

থেপি চ ভাষেতি মাল্ডপি ১, ভাষম সাংগ্রেশ নথাৰ বাল্যবং সভায়া होत्रात्त्व । अने भक्षाः व्योगांव हुन्तत्त्व न प्रत्यक्षाः, एकव्या व्यव प्रत्या प्रवास । व्यवस्था सरकारमान प्रतान दु पाका कपा एक का निवनमाँ करी, यह गाउ यह त हु, रामदेवन प्राप्त है। देव अस्ति देनन प्रभूष भाग , भाग है जो नेरदेग असान का पुरुष्य प्राप्त सामः इ. इ. इ. व. तम् अर्थे अर्थे १ व. १ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष १ वर १ वर्ष १ কলাচিং অবেন কলচিত পাছত মানুপালার ১৮৫১

ভারতভারদীপ,

কুল গম্ভ তুন অংকদভিত্য ভুপ্রেশাভ ভিড্যসূত বিশ্বন মণ ভুল-দুগার দৈবী। अक्रिक महस्यादाय कार्यक्षा अवस्थानम्, इकाश हाम , दिः चल पूर्व वक्षा प्राप्तन वा अकृष्टिन, किः एकि नया भूकानिः अन्तरभूकन दलम् व्यवस्य काराः कादा भद्र अकृष्टि । . वा क्तकाल क्षा कर्म का कार कि कि का कार के किए शाम भारत के मान का का का मान कि मानो कि আছোনি চেয়া লে লবজালে, নমজাধান মাণ জলচেলয়া প্রতিমানিকাশাল ভাজ্য নিজাযুক্ত : রিবাহবিভিটে স্থাউপাস্টের১৪। আনেহাজন নিজিকল্মহাতিন পাস্তলা একাইন

অক্স। দেৰপ্ৰকৃতি মহাধাৰ। আমাকে জগতেৰ কাৰণ ও অধিনখৰ প্রমেশ্র কানিয়া একাগ্রচিত্র আমার উপাসনা কবেন ১১৩৮

ে তি লাখ্যা— ক ম, তে ধ ও লাভপ্রভৃতি মীলালের ভিত্তা লামৰ কার্থে লাবে না क्षा में हारभन दिए में भाग व कर पहुं है में देन प्र पन, रेग ने मा नह करी करूं, करिन के न नद्यक्त स्थान्य, इक्ट्यिंड करूंका काय न देन बना करिया प दिन १३०।

क उक्छ लि (लाक छ कि भइकार्ड सनमाई सामाव माद्या के वेंग कर्तन, অনেকে দুচ্নিয়ন্ত হইয়া আমার অভুগ্রহ কাতের জল আমার অরিধিনা ক্রেন, অন্য ক্রকগুলি লোক ভকিপ্রবৈক আমাকে নমকার করিছে খাকিয়া আহার উপাসনা করেন এবা অপর অনেক লোক সকলো একাগ্রচিত্তে আনার দানি কবিতে থাকিয়া আনার আবাধন করেন ৮১৩৮

ভেক্তিপ্রাস্ক্র-ভগরানের অভাগন বচল্ডভাবে হটাতে লাবে, সাহার মধ্যে এই স্তিপ্য প্ৰকার্যাত্র বল। হইল ১১৪১

অহা ক্রকাক কাজ, স্বাহ্ম স্থেপ্য মৃত্যু ১২গছল্মৰ জ্লেছ্য লিবই ত্রুম্মিটা

खाश्वरको भूको

my and a region of the contract of the contrac अध्यक्ष भागमा । वार्ष । जिल्हा ए प्रभावता का वितितिह क्या । प्रत्य प्रत्य के प्रत्य के व्यवस्थित • दूस न ४१ दूर १ ००० - द वह ४४ द्रेश्य वृष्टे भूका भीता । अभारत के मा अपन का अपन का कारता है कर ने वाद ने पार के वाद में स्थान · 人名斯特 ·

ভারতভারদীপ:

in were notify and forest properties for foreign इक्ष्य स्वर्तात । १६ व ४ . १, १ क पुरुष हा अवविषय व्यवस्थात विद्यालयुक्त The second of the second secon (सर्व - नक्त कि देव प्रत्य तर सक्त प्रवेश प्रवेश प्रवेश विश्वीर है। विषय वस्त्र गण्डामा अस्त्र ताला गणा गणा अस्ति एउँ व्यापकारणास्था । টুল চৰণ হণুৰেশবন্ধ হ'ল বিশ্ববিদ্ধান বুলু চলা মঞ্চ হনিমান নেনাহ আবাস আবাৰাবাৰ

খল ঘ্ৰুকে ভ্ৰমন্ত্ৰ মুক্তৰ বিশ্বক্ত আমার পূজা করিতে থাকিয়া ভ নার উপাসন কর্বন, অনেকে এক লাতিয়া, বতলোক পুথকু মনে করিয়া এবং কেত কেত বড়প্রকারে জামার আবাধনা ক্রেন গ্রেষ

ार्थक्षा — १ वक्त नाव त्या क वन ३३० देशाव वावन भृत्या वता ११थात । भारतात अव क्षान्त्र, पार्टा पान कार्य प्राप्त मा के प्राप्त पान कार्य मान्यक वि ভাবান, গণার মনে বংলান — সংগ্রাকু হারু, মান সংগ্রাক স', বাই প্রাকরি— মণ, সাব, ও পুদাপ্রভৃতি ।১৫।

कानि के है, कामि गर्क, कान के कि, कामि देवे, कामि मह, मामि देवे, আনি অনুতৰ আমিই হোন 🗈 ৬৫

তাৰ প্ৰা— লাগ বলিং নান সগ্ৰহণ এক ওপ্ৰেছৰ সম্ভূ প্ৰাৰ্থ এগা। অবভাবের বুদ্ধ মান্ত ই চুম্ভণ প্রেক হঠতে উন্বিশ্লেরাক্পখ্য চাবিটী সোকে ক্ষান্ত্র ক্তিগ্র প্রত্বসূত্রপ্র জ্বার ক্রিও নেগুলির প্রথার সেখাইট্রাভন ইচানে অক্সাক্ শ্বলীপৰ থই খে আছে, ইচ বুডিং মাত্রীৰ নাৰ মৰ হে খেংগ্ৰেমিলত বিভাগ কৰিছাই হয়, ভাৰেৰে নাম – এড়া আভাত হৈ লাকানে নালকক কুল কাৰেল কুছনা, ভালাৰ নাম – মুক্ত মাৰ্বের সমায় বাহ "মানুহত নিজেল কর ৭০, ত হবে নাম--'হবি' ১১ ৯

পিতাহমতা জগতে। মাত, ধাতা পিতামহ: । বেলং পৰি এমোজার থক সাম বজুরের চ ॥১৭॥ গতিভারী প্রাকৃত্য সাকী নিবাসঃ শর্ণং ভালং। প্রাকৃত্য প্রাকৃত্য নিবাসং বিজ্ঞাব্যবস্থ ॥১৮॥

स्वारको मुनी

लिहा महिन प्रदेश प्राण लिन ने प्राण कर है, यान प्राण की पान एक करिन ने प्राण प्राण कि एक कि एक

निविधिति । प्रताह सन् न हे हि प्रति, द्या प्रते, प्रशासन्ति । प्रशासित । प्रदेशिय । प्र

ভারতভারদীপ:

আমি এই কগতের পিড, আমি মাড, আমি পোষণকর, আমি পিডমেছ, আমি জেয়, আমি পাপনাশক ভীবসনেপ্রভৃতি, আমি ওকার, আমি কথেদ, আমি সামবেদ, আমি বজ্কেন এব আমি অবকারেদপ্রভৃতি ৪১৭॥

হোকি প্রেটি—আমার সংশ্বিষ্টেগন থাক হ'বি জান আমি এবং মাসাও জামি, আবোৰ আমি আলি ও এব বহিষ প্রিয়েপ্টেবিও জ নি ।১৭

আমি কশ্মকল, আমি পালডিরা, আমি প্রতু, আমি সক্ষেত্রী, আমি আশ্রয়, আমি রকক, আমি শুরুং, আমি কস্তিকক, আমি সহারকতা, আমি গ্যাস্থান, আমি কশ্মমপ্রের পার এবং আমি অধিনাশী বীজ ১৮৮

তাত প্রাঃ ধারাদি বীকেব বিলাশ আছে, টিছ আমার বিলাশ নাই, উচাই বীজ। প্রতিষ্ঠান তপাম্ভমই বন নিগৃত্যু, হস্ত মি চ।

অমূনকৈৰ মৃত্যুক সন্মতাইমন্ত্ৰ । ॥১.॥
তৈবিলা মা' সোমপা, প্ৰপাপ ঘটক বিদ্যুক্তি অ'।ত প্ৰথমি ।

তেপ্যাম্য ল হাৰেক্লোক্মধান্ত দিব্যাক্তিব দেবতে গান্য হথা

कात ज्या करको सुनी

ভারতভাবদীপ:

ভাৰত্ব ২০০০ হল কানি আন্তৰ্গ ভূক আহাৰতা কৃষ্টি লগ নিগৃহানি আইছা মালসমুন্ত ভিতৰি তি তাম নি ১ চৰুষু মালসমুক ভিতিত কা অমৃত্যা জীৱনম্ মৃত্যু নিব্যম্থ আমৃত্যা, স্বাহ্ম বা চা সালু আন্তৰ্গ কান্ত্ৰ স্কিন্ত্ৰ আহ্নাত্ৰ বিশ্বতে, ন মুখ্য মহা ১৯৯০ কৃষ্ণৰ সভাৰ পৰা ১০৯০ কাৰ্মীত ভাৰত ১৯৯০ হেম পুনক্ষেণ্ড পুনা ব্যাহ্ম ক্ষাৰ্ম নি মা না তামে ১৪ কেবল কাৰ্মীত কাৰ্যা আহ্বাহ্মীত পুনু তৈবিশ্বা

আজ্ন। আমি প্যাক্পে যণ সন্ধে তাপ দানকরি এবা জল মাকস্ব কবি, আবোর ম্থাসম্মে দেই জল ব্যানকরি, আর আমিই প্রাণিগণের জীবন ও মৃত্যু এব আনিই সং ও অসং ॥ ১০

সংস্থানিক বিজিক নাম বিজন এই সংগ্ৰহণ করে, ইইন হান হান শালিক কাপে দা একা ইংক্রকার সাহ হাস আ ৪ নে উপটো কে জুকি । সংগ্রহণ ব্যক্তাপে সং একা মাছেক জিলি জুপু কুলা হাস । ই দিছেই এক হাজ, তাং আ নি ১০২০

ক্ৰ্যজ্ভ সাম এই বেদত্ত বিং যে বাজিকেরা মতিটোমপ্রভূতি যজহ ব, আমার পূজা করিয়া ভাষার অবলিট সোনর্মপানে নিম্পাপ কইয়া ধর্মে গমন প্রার্থনা করেন, ইংহার পূব লভা ইন্দ্রোকে গমন করিয়া সে ক্রেন অংকাকিক সেবভোগ সকল প্রাপ্ত হন ॥২ ॥ ভগৰদ্গী তায়াণ

८७ ड॰ पृक्ष्य पर्यक्तिक विश्वाल कीट्य श्रुप्य प्रकारतांक विश्वति । এবং এমীধর্মামভুপ্রসাম গ্রামতং ক্ষেক্ষা লড়ক্তে kault অনতাশিচভুষ্টভুষ মাণ্ডেম জনা: পর্পোদতে। তেষাণ নিত্যভিষ্টোনাং যোগকৈষণ বহামহেষ্ ॥২২॥

ভারতকৌ সুদী

ন্ধাৰ্ণ ভালৰ ক্ৰিক্লম্ , মন কা ক্ৰিনিক্ৰে আই ন , তে সংবৃদ্ধ কৈ বাস रैष्ट्रविद्या, इर दिलाला अनेरल वर पूछा १ द्वान अरेलिनरचात अदा नरम्यायकारम पुरमा, क्ट्रपुरवाट्यात कारण अस्ति भूतद्वाहारकाका दिलाचि चालकृष्टि टराव्याम, कालच हे है कांचा ८ लाग्ना दिवादाका में क देवल है कि के एक पत्र है किया । तमह राक्षक व के के के के प्रकार का विवास अञ्चलकाः भूमक्षित्रेषाभावत रहम असेदर प्रत्य अस् सम्बन्धन पार्थ राज ५ दनदन भा साधार के बद्धा, ज भूजवृद्धि । छाला दिखा य पीर्वेड । देश स्था

बाद एमन इतिकासित द्वारी एम सिक्षा अन्य अनेक इतिहास अन्य व एकमा की वसरी है। নিবার: কথা জাদিরাতে অনুর ইতি ৷ ন বিভাত মন্ত মাত্রাপ্রতির কান্য কোন তু অনকা যে সন্ধ, চিৰ্ধান ধান্ত সভা, মান, শহু, লাস র করি সংক্ষেত্রতারন বাছমন। कादक्षांतिः । सर्वष्टः, फट्यान, किन्द्रांतिवृक्षांभण सरम सर्वाः । इतस प्रवि स्थान व ६६५ मा

ভারতভারদীপ:

ই তিঃ ডিলা ক্ষণকু সংহ্রপার বিশা হেলা . ড হিবিশা ড এব হৈবিলা দে হপা দেখা भाषित्व गाकिका प्रेक्षण विदे भगेति कर्ण आपरश्च निकास मलाकृत स्वयस्य द्वानन स कू भागक्तिकान् १२०१ हरी द्वानकारी एक्षाबुक्त पत्ता दर्शनका क कारका कहक वा दि यक नृहत्. बुंडांबंडर मांड(प्रांडर अर्डर्डास लंडर्प अर्थ के व्य^{र्}र — मृत (क्रांट ६८) एक्रिया व्युट भरताक्ष्मवद्रः १९वृ कथा। এएएक १६, १९७ विस्तृष्टियाः एव मृतृः । स्थानवद्रः च एकि । है कि पहासम्दर्भाष्ट्रमा विकास स्वयाद्या मही उठित दर्भ । ३.३ वर्ष के प्रमान होता है। उठिता

कि दिन्दित्त - पूर्वत्तात । करण (क प्रकृत) अवदार एकरण न एकरण एक्टा है है। कि क प्राप्त (मारामाध्य के के उस्मा) । हो है (Signa केश्य कृष्टि तम हाईन (स्प)

केंद्रादा (महे निवास वर्ष्ट्रलाहकत मन्द्रव्यकात हिलायुव साह कव्यि थुन। क्य इडेर्स आवात्र आक्रिया महास्कारक श्रात्म क्रयन । अहे लाइन , भड़े कामा কশকাৰীরা বেলোক কামাকশ্যের অসুদামপুষক পুষা লাভ কবিয়া অর্গে ও महिं। (क्वन याखाया ३३ कदिएड शहरून १२.।

তেকৈ প্রা -ম্লালেকে ক মাক্ষ কর র ল ব অংশ অন্ন, সভার স্থান বের পার कारोत मरके। कार्यमा, कारोड कामा क्ष कर, माराव केंग श्राम, कार व सहस्र मार्थमा, এই ভাবে সাব বিশ্বাময়ণ কমে।কথকাৰীৰ ভাগে ঘটে ন সভতৰ দৃষ্ঠিৰ বিশ্ৰামগ্ৰহণৰ क्षत्र मक्टलत्डे निक्रम् क्षेत्र प्रमुख्यान केन कर्या क्षेत्री १२०।



বেছপারেদেবত, ভঞ্জ বজাত কম বিলা । তেহপি মাহেমৰ কৈছিল। সভাভাবিধি বৰুম্ ॥২৩॥ ম ভ্রাম্নিকান্তি ভাতন তশচাবতি ত লব্ডল

ভারতকৌ মূদী

६ रहार प्रस्तिक प्रस रक्ट महत्र वर्ग गणार "सहरू । सर्वन प्रवाद के न्रविष्ठ के से छ श्रेष विष्युः" हेड्डाक्कफानिकि विश्वत हेडारंगरः ।३२।

सक्ष करण पर करण नगर नाम नद नत् नद का द नाम दिनि त्याकिश्विणाह the at your engineers of the second s

ভারতভারদীপঃ

कक्षान भी द्वार नद मा व न र - दान ग म न जि यह देवारका राजाम् আহে এই চলত ন সংস্কৃত্ৰত তাৰ নালনা ১৯ ও ইতা ১ - অন্ত প্ৰুপ্তালত প্ৰতিক সংক্রেন্ত ভাত ৬০০ বাত বিলাধ বাত তাত লাভ সভাই ভিটেই পিলাম্। ुरान अभावक वर्ष मार्च के मार्च के मार्च एक मोजून छात्रकार छर भाग सरदान वर नि नार र १०० व . पन कि कि मिन के वे विधान 表面の後見る は ちゅうしゅう コーニュー カヤ 大学 サイラッカ 1 日本 (5) 奈美一一 'আলমী এটন্ৰ ১০ ছাল হিলেন। তি সংগতি ভেলতুক অভ ডিনালবিলিপৰক আৰু

যে সকল লেক অধা কমন, প্ৰশংগ ক'বয়া আনার ধার্টেই নির্ভ থাকিয়, স্কারেটিতের আন্তেই উপ্দেশ করে, সংদ, আমাতে সমাভিতিচিত প্রেই সকল কোকের ভারন্যতানিকাতের উপায়ে আনিই কবি ॥১১॥

क्किक्किक्को क्षेत्रम ह महारह हर ए दल्ल क क्या छन, कार आवस्त करात नुष्य प्राप् त्या क्ष्म न दक्ष वर रे न रू-- क्षा हर भरतेन देन १९व का व वादन केंद्रा मुलिए हे होट्य . अया गर अवन व गर्ड मलन स व वस, वटक हे व दे हैं हावादस्त्र forested the afternet factor, have been as beine ason, it is the भिष्यास्त्र एक संप्रदेश के विद्याल इस सा, ५०० वर्ग र ५०० वर्ग प्रस्त ५०००

অঞ্না বাচাৰ, ভক্তি ও এই মুক্ত চটয়া অক (দৰ্ভাৰ পূচা কৰেন, উরেরেও অভানপুরক আন্রেই পুদ করেন। । ।।

उत्र क्रिक्टी अधि महेक्कन गीला, यह छ , मर गरम क्रिक्टि, हैंड स पृष्टिए सम्बद्ध व्याचा करेंद्र हेस्स होत प्रत्याद किया अवक्षा द्वि 'तह वः एमडे हेस्स हृत्वि गुप्ता कर्मन, हे द्रारक्त एम शुक्त त काक तही हर । दनम म , व नि मंद्रीयहण प्राप्त

মান্তি (দৰরত। দেবংশ্ পিতৃশ্ মান্তি পিতৃৰভাং। इंडानि गांचि \$ (रक्स म कि कन्म किर्नार शि भाग् ॥ भग পাএণ প্ৰসাণ কৰা বৃহধান বিধা হয় ভালা। প্ৰজ্ঞতি। ভদক ভ ভ_াপেক ৰম্লালি প্ৰত্তিক চন্চল

ভারতকে। সুদী

অপে পেনা কে নেম ইন্ত মুর্গালিত মহাতি মন বু সংস্থা (আগালাং पाकिताक मक्तांत्र नाक. कन्द्रत इ.च. १ तर १ इ.स. ६ ६८८८४६ इ.स. প্রায়েজ-রংহ। ইসং সংখ্রহণ বল টু এই নংল কর্ম কর্ম কর্ম জন ই, চাইপ্রি \$190日 司宣(知题中"山东 东水图中台 "图 即3人一年 安二十二

सम्बद्धवाद्यार विसार दिश कर यद स १८०० । १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ वर्ष व পিছুর্মা প্রাক্ষতিপরাকে , পিত্রি নান্ধি বুলি বিল ক্তি বিল প্রা द्यमा ८ है, द्रांति कृति दक्षि मन दिन्दण ५ - ४ वट मनामेना विस्थान क्षेत्र १६ १६ कमा कि विद्यायक्ष करण को स्थानक करण करण करण करण करण करण करण है।

ऋ रवज्ञक्ष विभी शः

অনীয়ভক্ষক ।২০। তি মতে সংক্ষান্ত্ৰ সভাতত চল । ত ত পুল্লত ত B , ସ୍ୟୁଂ ਸଞ୍ଜିତ ଆଦା ପ୍ରଥମ ବିଷ୍ୟ । ଓଡ଼ ଓଡ଼ ଅନ୍ତିଶ मनक् भागनपुर्व प्रकृति । ११ - क १ - क १ - क १ १ १ १ । व विवास মানীকিঃ ক্ৰাথমিকা ৬ লাগ ১০ চুৰক নাম ১৯ বছৰ সৰ্বাস্ত্ৰিক

আমিই সকল যগোৰ ভোকে এৰ ফলনাড, এই বিষয়ত স্বাধ্ৰণৰ ইংচাৰা কামেন না; ভাই উচোৱা নিকামকক্ষণ মুজি বটাত শইবন । ১৭।

चित्रिक्षीर - व्यक्त (प्रवास है, प्रवास एक स्था त्य प्रवास राख्य व চোকাও ফলনাতা আনিউ চটা, কন্না, খান্দক্তকা তথ্য সন্ধ্যক্ষৰ म स्थानियां अनुष्य रम्बरुप्त भाष गर्ने व भूनक न म या । या नाम प्राप्त कर्य कट्चन, देश्वादा दल्ले ब्राह्मद मान्य एक १०, ५ व द छ १ छ । ५ ० १ दन । छ दन देखा १०द भाव मुक्ति हर ना १२६३

व्यक्तांबार्मवंखाणुक्रस्वदा (भड़े (भड़े (भड़े क्यूड क्यूड व्यक्त, (भड़कांबरम्बर्कता পিতৃলোক প্রাপ্তন, চুত্যাভার। দুবন ,২ লভ তন, আর আআর ইপ্রস্কুর। काशास्त्र काञ्च कदिया भारवन १२ १४

월 कदार अक्षाव्यक्षित जालुक के कुर्व है उस प्रति प्रति महिला एक व अपन्त प्रति व महिला आसिए क क्षा, प्राक्त का का राज्य में हाथ लाक गार्थ, उन्हार का का कारण का कि के हर साथ (प्राक्त



য়ং করোষি ম্লশ্সি মৃজ্তোষি দল্পি মং। মত্তপ্তাসি কেট্ডেয় । তথ্যক্ষ মদৰ্পণান্ ॥২৭॥ उल्लेखक देवार (स्वतास क्याकरेना । সম্বাসন্মাগ্র্ভার বিশ্বন্তে, মানুদৈর্দি ॥২৮॥

ভারতকৌমুদী

र भूष्य र सप्रप्र र वस्राप्त ह भद्र है । प्रा', इक्री, ्स्वाक्ष्य, भक्ष हुआकु ए, पुम्पन चुड्यारीकार, अन्य र, अन्या ग्याहरि, श्रास्टीर श्रमताहि , 워크및 현대로 소리에 우리면 아이들으로 소장 소장 글러워 모시 우리 어떻게 가는 데 얼마를 . न भूनदेश हर्दे कर हैन अहर ए अवस्ता है अपन अपन

अर्थात्म अर्थर्थन मार्ग । १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ इ.६ क्या कर्या । इस १ ५ ० १, ०० ५० १ । ४० १, १६ ० ५७ १ वर्षा १ १८ मुक्तम् प्रश्चि व्यालीनः वश्च ए छ। १५४३ कुरूप १२३३

एड म ४ पान , नण के, नण्डकाल क्ष्मिक, उपकार मान्य प्राप्त अपनिव् मा चु स्ता तर स्वान वस्, ति व विवाद । न्हण इह इस्यूरणहरि नणा इस, इसाइस अन्यत कान्यानककाशासिक सामा १२७०

कावज्ञकावमील:

द्राहरिक्ताः , प्राप्त भाष्ट्र मार्थान मण्डामी । । अपनिष्ठ । । अपनिष्ठि इ. १ के इन महर इक्षेत्र सर्वता रहा व्यव सह वालीत कुलिए के पृति है ध्यकाता भि क्षाचानिका अधान्य हात अनाका सका करा । स भाषा धाराव अस्मीना क शिक्षित अव निमाणिक मान क देन निमारे उद्यासका अव कुलाई, कार्याई अवा चार्यक्षित । चाम चाम करण हेट मिट्टें पार क्या करेंग देखान, अवत कुरीन वा प्रमाण करान कर्णवन्त्रीय 制作發展 一本 電 印刷 日本 [5日 中间 [4日子 本情中報] 一种基本 不开 一 戶中衛內 一 對其 門 報行司

ুম পোক ভ'কপুৰক আমাকে পত, পুসা, ফল ও জল দান কৰে, সামি সেই শুর্চিত লোকের ভাজিপদত সে সমস্বস্ট ভোগ করিয়া পাকি ৮২৬॥

क्रोक्ट भाषा - अध्या । अ - याद्य र स्था कर अरुक, इक्टल सह मुक्ताविद्राय है তাত, সপার হয়, অব 5 ভাগার গল সামি নত কর বে বু'ক (২৯)

অভ্না তুমি যে কথা কৰ, যে ভোজন কৰ, অগ্নিতে যে নিকেপ কৰ, যে দাম কর এবং যে ভপভা কর, সে সমস্তই আহাতে সমর্পন কর ॥১৭॥

ভাত প্রা—্ণ কালা কলী বল চইল, সার অকুলু সকল কল্পাবই উপলক্ষ ষ্ঠিমা বৃদ্ধিতে লাইবে । জাগুলা সকল কামাই ভল্বাৰে সম্পূন কৰিবে । সংগ

সমেহিত স্বভূতের ন মে ছেলোছির ন পিল:। গে ভক্তি ভু মাণ ভক্তা মনি তে ভেদু চাপাহমু ॥২৯॥ অপি চেৎ ওছৰাচাৰো ভজৰে মামনভাচাকু : সাধুরের স মত্বঃ সম্গ্র্রেস্টো হি স: ॥৩०॥

ভারতকৌগুদী

ই গাঙ সমূ ই শি। এটা সাসমূলু শিষু পানিয়ু সনা সন্দ্ৰ আৰু এই কৰিছে লি হো प्रभावत्त । भारता मालि, विभावत् भारता । यस करमुक्तिक विकास व वहाव हे साह स्टेरिट फारकाणि , क्ष्म कर्तनिम् अतिथित हैन २०६ ३३६

त्रकृति निक्क विक्रीन्द्र प्रदेशक र क्षणि । श्राह्म र क्षण प्रकार कार्य कत, ६७२ १ ति स म्युर विषय ४०३ है वि स्वयुन १ गत, व ४०००, उपरिण स् अभुरवन सम्बन्ध कि एचार, साइन, स्थाल सा अना यन का का का कार्याल कुल्लाला, . चामाध्रिमभवेगामाभिनिपिति छातः १७०३

ভারতভারদীপ:

क्षेट्रेनमुन्ति ॥२००३ १८७ अक्टर्सन्य प्रदेशक उत्तर विकास विकास अस्ति विकास আহে—সংখ্ ১৯ নিজি। ইতাহতির এক নিশ্বভাত পি সমীপত্ম নতব জীতা ন প্রতি ন স্বত্ম নাং ভূত্য সহত্ সংমত্ত হণ তাৰণ প্ৰাক্তিক মহা কলা লাগত নি লাগতত মিত হা । আনুত্ৰ মুখ্য क्रांगर्थय विक्रिक्त स्थार अप एक प्राप्त कर्माता संक्रिक सम्बन्धन कर साम सामान स्थापन ८ त्यव वर्षः । व्यक्षक्रिक्तारः व मध्याक कृष्ट्रमः २३ प्रश्न विद्रश्य मध्यिक विकासीक्रि

আহ্না এইরপে করিলে, তুমি ওভাওত ফল জনক ক্রের হাত ছইডে মুক্তি পাইৰে, অৰ্থ ক্ৰাফল্ডা;গাঁ ভইয়া জ'বিত অবভায় জীবলুকু চুইৰে এবং দেহত্যাগের পর আমাতে লীন চইবে। ৮।

ভাক্তাৰ্থা — নিহল চটা কথ কবিলে এলা কাম্ব দেৱ লাব ন অৰ্থান ব্ৰিলে, िट खुन कालरक्षण सामृति विद्वादि छ ठवटन अधारात एक्छा सामितान । दवा अधारत अधारत ক্রীখনুজি ও নিকাশমুক্তি হববে বন্দৰ

আ মি সকল প্রাণীর বিবর্ষেই সমান, শুমরা কেচই অভাবত, আমার বিদেশের পাত্র বা প্রীতির পাত্র বাই । তবে মাহারা ভক্তিপুর্ক আমার সেবা করে, ভাহার। আমরে ভিতরে থাকে, আমিও ভাহাদের ভিতরে থাকি ॥১৯॥

তোহে পার্য্য – চলকান ক্ষমক্ষর কলিছে কিনি শ্বাক্তই নিখল, কাৰ কলের চিত্র क्रियम्बद्धे विद्यंत द्या अवदानिय अधिकि एड्डिश भागत । सम्बन्ध महत्वहरूत प्रस्त द्राम्य अकात अक्षित ही कुल्यम्बाहत चर्षात्रीय अक्षित अक्षेत्रण अवस्थान किया अक्षेत्रण चाइक এবং দৰ্শণে বেমন প্ৰতিবিধ ২৪ক, সেইকণ ডাক্কের ডিট্রেন এলবংশু বাকেন ১৯৪

জিপ্রা ৬বলি ধরা, যা শক্তান্তির নিগছেতি। কৌত্তিয়া তাতিহালাই নামে ৬ জন প্রথমতি ॥ ০১॥ মালিছি পাব । কাজাতি বা । গহলি জান পাল্যোন্যঃ। জিলা বৈশাস্থিয়া বাংকেশলি গান্তি পরাশ্বতিম্যা ০২॥

ভারতকো মৃদী

चादक झारमील.

মানুষ পুৰ্পে হৰ দৰ আলংগ্ৰন কৰিয়াও পৰে যদি **অন্সংসৰী হটয়া** আমার সেবা কৰে, ৰাজ্য হটালাও ভাজাৰে সংস্বলিয়াই মনে করি**তে ছটবে।** কেনানা, সে, ফেকল কলায় সভাৱ বৃত্তিই কৰিয় আক্ষেত্ৰতা

ভার্পাইর — নগা থান সহল লাভন হাত মাহত মাহত স্প্রি যে সকল পাল করে, হলবছাজি আ ব সন্তৰ লাভনাই হটা যায়, অসলাং জ্যান সহৈ সালু ব্লিয়েট মনো ভারতে লাভ যা লাভন ন্যাব্তানিক সকল লাভ যে নটাইয়া, ইচা সো কুল্লিয়েল পালি তেল লাভ ই নাডিক কৰি তালিক স্টাবে নাজন

সেই ত্ৰাচাৰপৰ হল এক জানাৰ ভক্তিৰ মাহায়েল সহৰই ধাৰ্মিক হইয়া পাত্ৰ এব ভিৰকাৰেলৰ জন্ম ভাষাৰ হৰণচাৰ নিবৃত্তি পায়, আভাৰৰ আজ্বন। তৃষি আমাৰে এই কলাউশক প্ৰতিভাৱ মত ভানিয়া রাখায়ে, আমাৰ ভক্ত মই হল্পা।০১॥

ভৃতি প্রা লপুর বাব প্রতিশাশন কর্ম ক করিলে, মার্থের পাপ নই হয় এবং মধ্য ভারতে একে। তামতা মান কিংশাল সামু মান কর্মই উচ্চত। ভা**তি পর ক্ষিতি** ভঙ্গালে অস্পতি নাম বিশাল বিনাই হয় না কাবেন, সর্ব্যাই আনি ভার**েক বৃদ্ধা** ক্ষিত্য থাকি ২০১৪ কিং পুনর ক্ষিণাঃ পুণা, ভতা ছাত্র্যস্তপা। অনিত্যনৱধা লোক্ষিমা প্রাপ্য ভক্তৰ মাম্ ॥০৩॥ मधाना उर महरका मध्याकी मां नमक्ता। মানেইৰ্মাদি হুইন্তুৰ্না ভাৰত মহপ্ৰামণঃ ॥০৪৪

ইতি ঐঃমহামারতে শভদাহজাা সংহিত্যাং বৈল্সিকাা ভীল্পকাণ ভগ্ৰদ্ণী ভাপাৰ্বণি এয়ন্ত্রিংশোহ্ধায়: ॥০॥ शैक्षित्र नवटमाध्याहः k+h

चात्र उद्योगणी

রত রুবরে। একেব কেছিল বাস্থার মান্তির তে প্রের তেরাল, প্রেরালার। নিক্রণেংনিক্রান্ত্রেলালার হয়ালা, স্তার, অথবা পুরুক্তব্যারার প্রি, পোরক দিনিব্র। देवचा , ४० भवरमुकाद राज सुर न्ह का , ८७६ मि, प्राय, बाम जिल्हा ६ का । सरवयानाया, सरक्ष श्राप्ति कि श्रीकृत्वन, शाब्दि का धानित । प्रश्राक अने तत्राधिनानित होति छात् १०३३

देकम् हिक्छ प्रमाणनम्बद्ध एकमिटि । भूगार, प्रतिष्ठकुरनायमञ्ज्ञ अ छ । । उप अधिमानक ভাষ্ট্রের ক্রিক ক্রিরাপ্রের কর্মান করে। করে বারির ইনিক, ক্রা कि भूनक्षकृत विकार्य । अष्टत्व ८० अक्तार राक्षित्व, देश्य, अनिश्रम केंग्रम বিনাশ্বভুন, অংজধা বুণ্ডিভুখবটি ভক্, লোকা মহালগেলা আপা, মান ভ্ৰম প্ৰাণ প্ৰিং शाला मापि अलि कुक अभिहा श्रेष्ठ अपाध शाला व दिवस ह महानय, १९०६

क्षात्रक्रकारकील:

स्ति परिवरण अस्ति नद सुन भूना, यह सुद्दर सदर सहित ए मु बद्ध कि विवस् भाकत्वम् देशः यत् (भाकम् प्रान्ति मा अवतम् भावतः द्वरात्रकोनः द्वाता ६ । भवत् द्वानः । ५ वतः (वाकास्त्र अवनान अवगरा स्वार देश हर अविश्— देश (अव्यक्षीवर समादिस न (अव्यक्षी

कार्यका वाहान निकृष्ट्यां है, कि ना श्रीकाहि, या रेन्स काहि, व्यथना শুল্লাভি, ভাহারাও ভক্তিপুক্ত আমার শর্ণাপর হইয়া পর্ম গতিই লাভ ু কুৰে ৷ ৩২॥

किर्मानी - या या व मां किर्वित्रण का विकास माहे, मकरेलहें या नकारी 10 1

অভ্যাৰ প্ৰিত্ৰ বাল্লেগণ এব ধাত্মিক ক্তিয়গণ আমাৰ ভক্ত হইয় যে পর্ম গতি লাভ করিবেন, এ বিষয়ে আর বস্তব্য আছে কি ৷ পুতরা সক্ষ্ ভূমি এই অনিতা এবা অধুধনয় মনুৱাদেহ পাইয়া আনাৰ প্ৰতি ভক্তি कर्त्र ॥५०॥

তাৎপ্রা-এই মুদ্রুদের কণ্ডত্র, কখন থাকে কংন মাছ ভাগ বল যায় না , नित्यव है है है। अञ्चलम्य विकार किर्मुच व किर्मा किरायित कर कामान आहि सब्बर ভক্তি করিতে থাক ৫০০০

0

দশ্যোহধ্যায়ঃ।

ছীভগৰাসুৰচে 1

ভূষ এৰ মহাৰাহো। শূও যে প্রমা ৰচঃ। যতেহহা শীন্দালায় ৰক্ষামি হিতকামায়া॥১॥

छात्र उटको मुनी

भ्यय रचन दाकर्त - १६ स्म ने हुर्मिनिया भग रहित स्त्रान हेटि। स्विस्तन राज्य स्थान १, स्विस्त भ्रत्य क्षण भ्रत्य क्षण स्थान स्था स्वित्य प्राप्त के सन्त जा स्थित अर्थ क्षण स्थान स्थान स्थान र्था स्थान स्यान स्थान स्य

ইতি মহাম্যকাশণ কাম শিক্তিবিদ্ধান্ধিকার কণ্টেশ ভট্টাত ম বিবৃত্তি হাল মহাভ বাত্তিকার ব তার শাক্তিসমূল মাধ্যা ভাগ্যবাহার ভাগবাহার ভাবতে ক্রাভি কোভ্যা হা লাল

Parring maratabille tes

ভারতভারদীপ:

खार में जिनसि विति । १२० इकन स्वर्धन अवद्यान-भवान है हि भाषा व भारत स्था प्रश्न में वा १४० में भाषा की भाषा के स्वर्धन में अभाषा के भाषा की भाषा की भाषा की भाषा के स्वर्धन में अभाषा के स्वर्धन में अभाषा की भाषा की

हिति को भाष्यकाणि देवल देखी ए के वह बादबीरमा इडिक्टिम क्यान्य, १९०४

है है enerality के भए। अनुद्राह्माय, tal

আমার পতি মনোনিবেশ কর, আমার ডক্ত হত, আমার পূঞ্চ, কর এবং আমাকে নমস্বার কর। এই ভাবে মংপ্রায়ণ হইয়া এবা আমাতে চিত্ত স্মাহিত করিয়া আমাকেই লাভ করিছে পারিবে' ⊪ং⊌ঃ

তাতে পার্য্য নিন এক ভাগোটে এবং ভক্তি আর এক ভায়ণার অবজাই গানিতে পারে, দিসার উপরে ভক্তি এবং পুরের উপরে মন ধারে। তব মহকং' এই ভ্রমণ্ট বলিলের ১০০।

ন মে বিজুঃ ভারস্থাঃ প্রভাবং ন মহর্ষ্যঃ। অহমাদিহি দেবানাং মহর্ষীধাঞ্চ সর্কাশঃ ॥ সা

कारक्रको प्रमी

নার অমহিনানা বাংমের কৃষ্টে প্রবিধি, দেই মহর্ষ হাত বন্ধ কীতাবে নেতি। ইক্রম অবলবা মরাচা দেছা মহর্মে, বা, মে মন, জন্বসংখালি ও জান্তব, কংবলা হন্ন বিজন আনিয়ে, তি মধ্য , মহম, সক্ষণ সংকারৰ প্রকার সনক্ষেত্র বৃদ্ধিপ্রকৃত্রের নিমির্থের উলাধনেহ্নে চা, নেকানা মহনীবাকা, মালি প্রাণভাবকার সংকা নাম্পুর লিমুক্তরানি মন্ত্রীতি সাবং হয়।

ভারতভাবদীপ:

अध्यय द्रम्पत्रवारिक वर्षा निकित्वः वृष्णारनाक क्ष्यन्किति वाद्यय एक्टाका निवास एक्टाका स्वास एक्टाका एक्

কুষ্ণ বলিকো—'মহাবাত অজ্না আমি ডোমানট হিতকামনাবলতঃ ইাডিসম্পার ডোমার নিকটে যাগা বলিব, আমার সেই উত্তম বাক্য তুমি আবারও ধাবে কর ১১॥

'ক্রাক্রেশ্রার — মাজ্র গ্রামি হোমার আগ্র দেখিল থাকা করিবেছি হৈ, কুমি আমার কল জুনিধা আনন্ধিত এইছেড, বিশেষ্ট মামি তোমার তিবৈদা। তার্ব প্ আবার্থ আমি সোমার হিতের কর্মানিতেছি । সে

দেবগণ বা মহবিগণ আমার উংপ্তির বিষয় ভাবেন না। কাবণ, সামি স্ক্রকারেই দেবগণ ও মহবিগণের আদি ॥२॥

ত্রিপ্রা —কেবলন বা মহবিলন ধ্যন ছয়েন নাই, চপন আমি হিলাম। স্বাহার ভাগার। আমার আমিও বের বিবর জানিতে পাবেন না, পুত্র পিতার জন্ম দি বিবর করা আমে না এবং



যে, মামজমনাদিক বেভি লোক্ষ্টেশ্বন্। অসংমৃত: স মটোমু সর্বপাপে: প্রমৃতাতে ॥আ বৃদ্ধিত (নমসংমোহ: ক্ষ্ম: সতাং দম: শ্ব:। সূথা জুংখা ভবোহতাবো ভয়কাভয়মের চালে॥

ভারদ্ধকৌ भूगी

শ্রিত্ত নি কিং চন্দ্র চার হার হা। ন কার্য নাবসু আপো, আদায়ুও সমঙ্ঘের বাহিতা, বেং নান্ধ, অনান্ধ আন নতি তং নাম, অনান্ধ আলা জনাবহিংম, বোকানাং ম্যেপ্রা মণানিকারেক, বার জানা ব, সালকাশা প্রসূচ্চী জান নিশ্বিশাপন্ত ইফ্রেক্রিয়াশেরঃ হয়ে

भागपुर्व , संकन्नात्वाच पूर्ण कन व निक् , किविनि 'क शक्तार्थाचा, का नम् साह्म क्विद्वाक, कार्याक व का क्वानित किवान किवान राज्य समाविति श्राह्मकात्रभ्राचेक कि व्यक्त स्व भाग र अव काय, कार्य विविक्ति निवादा, नामाः भाक्षितिक्षान्तिक, अवस् स्व स्व वार्याक किविन किविन स्व केव्यक्ति, स्व केव्यक

ভারতভাবদীপ:

नेष्ण विक्र निक्षित्रमधार न विक्र विद्या ए इ. १९ मा विक्र विक्र विक्र कार्नी के विक्र वि

মন্তেরে মধ্যে নে ইণ্ড যে মানুষ আদিবিহান আমাকে ভগুবহিত এবং স্ক্রোকের নিয়কা বলিয়া ভানে, সেই মানুহ সমত পাপ চইতে মুক্ত হয় ॥৩॥

শ্রে বিশ্বর্থ — ভগ্রানেশ সক্ষা জানাট সক্সান, আবার লো ভর্জানে পাশ নট করে। স্বারাণ থিনি ভগ্রান্তে সনাদি, স্বটান ও লোকনিয়ের ব্লিয় ভানেন, টাচার পাশ শাকিতে পারেনা হেন

বৃদ্ধি, জান, নোচপুঞ্চাং, কমা, সভা, ধতিবিভিন্নন্ম, অস্থবিভিন্নদমন, সুখ, হ'ব, উৎপত্তি, বিনাপ, ভঙ্গ, আখাস, অভিন্সা, মনের নিবিকারতা, অহিংসা সমতা কৃষ্টিস্তপো দানং গ্ৰেশাহনশং। তৰ্ত্তি ভাৰা ভূতানাং মত এব পৃথগ্ৰিদাং দে॥ (যুগাক্ষ্) মহৰ্মিঃ সপ্ত পূৰ্কে চহাত্তো মন্ত্তগা। মূছাৰা মানসা জাতা দেবাং লোক ইমাং প্ৰজাং ॥১॥

ভারতকোমুদী

भन्मः स्वयं मा, दृष्टिः प्रम्कासम् इ सायुर्धः, इतम् देवप्रकृतः, भन्ना कर्षास्त्रं का भारद् स्थानंत्रः भनः स्वयं भावः स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । हिन्सः ६, द्वार पुरुष्टिष्टः (श्राह्मः स्वयं । कृत्रीतः । नविष्यं, कृतिः स्वयं स्वयं स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं । स्वयं ।

লোকসংহশর হমস্তাপি প্রক্রতকি হতিত ইতি। পূরে প্রতান সল মহলত, হিউপ্রকৃত্যা, উপ্লাভি সনক লবে মহলত, কর নামত প্রকৃত্যা, উপ্লাভি সনক লবে মহলত, কর নামত প্রকৃত্যান্ত কুলা ও হার্নির নামে হিলিনি, স্থানা ব্যালা তে মহ প্রানা, মানস বিশিক্ষিক্ষণ নে ম্নস ইন ইতি মানস প্রান্ত মন সকল্প স্থানা ব্যালা ক্ষিত্যান ক্ষিত্যান ক্ষিত্যান ক্ষিত মানসকল্প নামত ক্ষিত্যান ক্ষিত্যান ক্ষিত্যান ক্ষিত্যান ক্ষিত্যাল ক্ষিত্য ক্ষিত

ভারতভাবদীপ:

মনোনিংহাঃ তথ্য কোনে। ছালং হালঃ ভৰ ইংলাকি হাৰ সহ আভাৰকাৰিল। হালা হালা অভায়েৰ চা তৰিলবী হয় হয়। হাজিল প্ৰানান্ত । সন্ত হিছ মিছালৌ সমান্তিয়া । বুলি সংকাশে লাভ লব লাবুকি তাল ইজিংসা নল্কালা লগত লিখি কিন্তু লাভি । হালে চলাই নহিব আজি চিন্তু লাভি আছে বুজালাহাই বিশ্বনিভাগে হাল বালিছিও লাভি জালা হালি প্ৰানান্ত লাভ উজ্মণ্ডলল ভাবালামৰ হাল লবলৈ হাল হালা হালি আজি কিন্তু লাভি আজি বিশ্বনিভাগে হালাই সকল নানানিল ভাব আলো চাইছেই উৎপক্ত কইয়া পাকে লয়—বল

তে†ক্রার — বৃদ্ধি, কান, নোচলক্ত, পথা, সহা, সম, পথা, বাধা, উচ্চিন, সাধান করিছা, মনের নিবিকারতা, সংস্থার, তপতা, দান নাধার এই ভারতলি মাত্রগাধার সংক্ষা আছুমারে আমি দিয়ে থাকি। আবার ও ম, বিনাশ, ভং এবা নিকা এই ভারতলি মাত্রগাধার পাণ্য আসংক্ষা অনুসারে আমিই দান করিবা থাকি এই বাং

ভূষপ্রভিস্তি সাত জন এবং সনকপ্রভৃতি চারিজন এই এগার জন প্রচীন মহর্ষি, আর সাম্ভূবপ্রভৃতি চৌল জন নতু, মংপরায়ণ এই মহাভারা ব্যাক্তী আমারট মন হইতে ভবিষাভিলেন, ভগতের এই সকল লোক বীতাদের সম্ভান হলা

ভাত পার্যায়—ভূপ, মরী চি, সারি, প্রভাগ, পুরুষ, জাতু ন বিশিষ্ট এই সাত জন এবং সন্ধ, সন্ধ, সনাত্র ও সনংকুষাত এই চাবি জন, মোট এগাব জন আবিম মহাবি, আব



এতাং বিভূতিং যোগক মন নো বেভি স্কুরঃ।
সোহবিক্তেশন ্থাবেন যুজাতে নাত্র সংশ্যঃ॥৭॥
আহং সর্বস্থা প্রভাবে মতঃ সর্বং প্রবৃত্তি।
ইতি মতা ভজ্জে মাং বুধা ভারসম্বিতাং॥৮॥

ভারতকৌ মূদী

भाविकामाद राष्ट्रका का त्याराट उन्न स्थान । स्थान स्थान का का स्थान स्य

ভারতভাবদীপ:

যে লোক আমার এই সম্পদ্ধের ইহাদের সহিত আমার সম্প্র যথার্থকংশ কানে, সে লোক অবিচলিত যোগ যুক্ত হয়, এ বিষয়ে কোন সন্দেহ নাই ॥৭॥

ক্তাক্ত প্রায়ে নার্থ মহার এই সকল প্রভাব কানিবা বিদ্যায় আকুল এইছ স্থানাই আমার বাবে করিতে লাগে ।৭৪

আনু সমগ্র জনতের উংপতির কারণ এব আমা হইডেই বৃদ্ধিপ্রভৃতি সমস্ত ভাব প্রবৃত্ত হয়, ইহা বৃদ্ধিয়া জানীরঃ স্থলা আমার পানেপরয়েণ হইয়া আমার সেবা কবিতে থাকেন ৮৮। নিজি তা সদ্গতপ্ৰাণা বোধ্যতাঃ প্ৰস্পাৰস্। কথ্যতাশ্চ মাণ নিত্যণ জুকাতি চ রম্ভি চ এই॥ তেখাণ সত্তব্যাকানাণ ভজাতাণ কীতিপূৰ্বকম্। দলামি পুজিযোগি তা যেন মামুপহান্তি তে ॥১০॥

छादछरकोश्रमी

শ্বসংগ্রেপরকো ভাষনমের সর্পানি মনিবি । মহি প্রব্রাক চিকা গোলাও ছে, মাল পানা পালা প্রাবা থেকা ১৪ নতুপানিকার্ডাংক ইম্মা, ডেব্রুলা প্রকারণ মাণ কোন্ত্রার সভাবৌ জ্ঞাপ্রস্থা, বিজ্ঞানী ক্রডেল্ড সন্মৃতি হিলা মুক্তি চ, কম্পি ক্রডেল্ড নিকুছিল সভাবে চাক্ত

ভারতন্তন্ত বিষয়িত। পাতিপাইকা মহি প্রেমপ্রকামক ন চুকি কিম্বামপ্রকা প্রাথম, আত্তর সাম্ভারত নাগ সকলে মহাসেক্তিভ নাম, তেলা ব্যানমে কা বৃদ্ধেশণ জ্যানকপল্ল পাহেম, আলা দলমি তেন স্কিবেপেন, তেল বৃদ্ধি, মাম্ম উপ্যায়ি হউকিল মহাকাশনিক প্রেম্বন্তি মহি বীল্ল ইডাই ১১০।

ভারতভাবদীপ:

का न । भू पार्टि दृष्ट भाग श्राणा स्वामिति भव उपाय दे । का भू प्रशासिक प्राणाणिक स्वामिति भाग समस्याद स्वामिति स्वामिति प्राणाणिक प्राणाणिक स्वामिति श्राणाणिक स्वामिति स्वाम

ভোক্ত প্রিয় জানীর উক্তপ বৃধিতে গাবন বলিতে সকল আমার ধান এবং আহার প্রতি ভক্তি স্বিতে গাবেদ্য কর

জানীরা সক্ষাই আমার উপরে চিত্ত সমপ্র করিয়া রাখেন, আমার উপাসনার জ্বাই টাহাদের জীবন এইশ্রণ মনে করেন এব সভাপ্রভৃতি স্থানে আমার বিসমূই পরক্ষার বৃদ্ধাইয়া থাকেন, আর শিলাদের নিক্টেও আমার বিষয়ই বলেন; এই ভাবে ঠাহারা সক্ষাই সম্ভই ও নির্ভি থাকেন ৪৯৪

ভাতপ্রা—এবমার মানিই জানাদের গোচ ও আনোচা বিষয় চইয়া বাকি।।
লীতিপুধক আমার সেবাকারী এবং আমাতে নিবেশিওচিত সেই জানিগণের সেইরূপ জাম আমি দিয়া থাকি, যাহাছারা ভাহায়া আমাকে লাভ করিছে পারেন ॥১ •॥ তেসামেবাকুকজ্পার্থনহয়জ্ঞানজ্ঞ তমঃ। নাৰ্যামাজ্ভাবজে। জানদীপেন ভাষতঃ ॥১১॥ • স্কৃতিন উবাচ।

পরা বাদ্ধ পরা ধাম প্রিয়াং প্রমণ ভ্রান্। পুরুষণ শাধ্যত দিবামাদিদেবমঞ্চ বিভূম্ ॥১২॥

ভারতকৌমুদী

নত । বংশা বৃতিশ নবছৰ জান নিজ সংবৃত্ত , নলানিতি। আইয়া, এংলা লবজ নলানত নিজৰ বিশ্বিক কৰা কৰে বিশ্বিক প্ৰবান্তৰ ভাষাৰ জালু হয়। উজ্লোলন, জান নল সালব্যনা, অভ্ৰমণ বা মন্ক ছিল্ম ভ্ৰেত্ৰাৰ বাবেৰ, ক্ষেণা বুৰান মু, আছান বা স্থানিশ্যন ইয়া ভ্ৰম আন ইত্ৰাক বেশালু সমন্ধ্ৰাৰ্ম, নাল্যামিও ভূক্ত বুশাল্য তেওঁৰ ভ্ৰম পত্তিক নিজন নত ১৯১০

সংসংগণ আছে বিভিন্ন বিভাবন আনুগ ক্ৰেন্থ্য — নুগকুৰ্থাৰুনে উৰাচ মুগা কন প্ৰ'ন'ত ত্ৰাপ্তিক দক্ত অভাবন আৰু প্ৰমুখ্য আঞ্জিতিয়েও

ভারত ভারদীপ:

ভাতে পালার ত্রজন বার্তির কার্টাম পারেন আসরত আয়ার সেবার ফরে আ মি ,সরক্ষিণ কার্মন ত্রজন দিয় থাকি, যার্থের ব্যারে আনায় দে মৃক্ত হন ১১০৪

অনি দেবক নিগের বৃদ্ধিস্তিতে থাকিয়া দয়, প্রকাশ করিবার জন্ম উদ্ধেশ স্থানকপ দীপ্দার উচ্চাদের অস্থানাস্কার নই কবিয়া থাকি ॥১১॥

তেকি শাহায়— সম্ভব ব স্কিলে এখন বল পেল হার্ম, তেমন আজান থাকিলে প্রমায়ণকৈ দেখ হায়ন আভাবে মানি জানকল প্রশীপ্যাব। সেবক্দিরের অজানকল অস্কার নই করিয়া থাকি , ভারোগেই উহার অংমাতে হেবিডে লান (১১) আ,জ স্থায়ৰণ, সৰ্বে দেবসিমাৰ্লস্থা। আনিতে নিৰ্বলা বাসে: স্থাকৈৰ জ্বীসি মে ॥১০॥ (স্থাক্ষ্) সৰ্বমেত্নত স্থোহ্যাং বনসি কেশ্ৰং। নহি কে ভাৰেন্ধ বাজিশ বিজ্ঞোৱা ন দান্ধা; ॥১৮॥

ভারতকৌমুদী

्ष्या, गर्नी प्रिक्त निर्माणालां कि विद्या है कि नह एस दि स्कित का अन क्ष्या, क्ष्या क्ष्यों के क्ष्या कि क्ष्या कि क्ष्या के क्ष्या के

ভারভভারদীপ:

निष्टि । ध्राप्ति । १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १० १ | १०

অক্ন কৰিলেন -'দেব। আপনি --পংকল, পংন তেজ এবং শভাস্থ প্ৰিয়া, কেন মা, স্থিৱা স্কংগ, দেবলি নারদ, অসিড, দেবল ও বেদবাসে আপনাকে পুক্ষ, নিজা, অংক্তিক, আদিদেব, জহুলান ও স্কাবা।প্ৰ ব্যায়, থাকেন এব আপনি নিজেও ভালাই ব্যাহেছেন ১১২ — ১ আ

ভাৰিপাৰ্য — প্ৰশাৰ ভাজি ও আৰু উপন্তি হণ্ডাং সংজ্ন এগানে 'ব' ন'বলিৱা '⊕ধাৰ্' ক্ৰিয়ো/চন। সকু ছে ংশহা পাৱে কলা হই'ব চন্দ — ন

কেলবা কৃষি জামার নিকট হাছ বলিলে, সে সমস্থই আমি সভা বলিয়া মনে করি। কারণ, হে ভগ্রন। সেবগণ বা দানবগণত আপনার আবিভাবের কারণ ভানেন না ৪১৪।

ক্রিক্রিক্রিক্রের ক্রিড়ার 'চুবি মার রমজানে 'আপনি' প্রেটার করিয়াকের ক্রিয়া বলিয়াকের, চুমি বলিয়াও এবং কামিও কিছু কিছু মন্তব করি , এই সকল কার্যন ভোমার উল্লিক্তনিকে সভা বলিয়াই মনে কবি ।.২। ক্ষণ্ডেৰাজনাজনা বাৰ ২ প্ৰথমে ক্ষাং।

ভূতভাৱন । ভূতভা । নিৰ্দেশ । ক্ষাংপ্তি । ॥১৫॥

বক্ষাজনাত মেন নিৰ্দাল আছিব ভূতম ।

মানিবিভূতিভিলিকেকিলিলা ভূত বলপা বিভাগে ॥১৬॥

ক্ষাং বিভাগত মোনিব্। হা সন্য প্ৰিচ ভ্ৰান্।

ক্ষাংক্ষাত ভাবেষ চিক্তোহিসি ভাবন্ । মধা ॥১৭॥

ভাবভকৌ भूमी

नद त्रमान स्वाहर हा द्राहर हा इस्तर न्या स्वाहर हा है हुन्। स्वाहर हा के हुन्। स्वाहर स्वाहर हा के हुन्। स्वाहर स्

ইদেনীং সাক্ষমত ব্ৰুদিটিত এই চল্চনা হো , চিকিছ্নিটি, সংক্ষিত্ৰীয় ক্ৰান্ লোক নামা নিজাল, সং, সংস্কৃত্ৰ কিচ্ছা, নিৰা হি এলেইকত কৰা। হাজেইৰ ক্ৰোক ড কিচ্চী হলাল-সংকলেন ক্ৰুন্ত সংগ্ৰহ

তে পুক্ষেত্র হে সমস্থ ভূতের উংপাদক। তে সকল ভূতের অধাষর। তে দেবগণেরও আরাধা। তে বিরপালক। আপুনি নিছেই নিজেকে জানেন 15৫॥ া

ক্ষেত্ৰ কৰিছিল। এই কেই উপালৰ ইউন্ধ উইল লিকেই 'নাক ইন্ন , এই অকুই পৃথিত কৰিছিল। কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল ইউন্ধ শাব হা হন্ন , এই অকুই কেইদেই আৰু ই দ্বাধানত কৰিছিল। কেই কই আনাগা ইউন্ধ পালন ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান কৰিছিল। এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন ক্রেন্ন , এই জন্ম কর্মান ক্রেন্ন ক

আপান যে সকল বিভূতি (সম্পদ) দায়া এই ককাও কাপিয় রহিয়াভেন, আপনার সে বিভূতিগুলি আলৌকিকই বটে। অভএব আপনি আপনার সেই বিভূতি সকল আমাব নিকট বলিছে পারেন হ'ল

্তাৰ পাৰ্যা — অঞ্চন একামে অভুযান কৰিব বলিবেন হৈ, আপনি যে সকল বিভূতি মাধ্য এলাও বাংলিকা বহিবাছেন, নেজলি অনৌকিক। ন চইলে, জান ধাকিলে সানিতে চাহিতেন ন ॥১৬। বিশুবেণার্মো বেগেশ বিভূতিক জনার্দ্ধ ।। ভূষং কথ্য রুপ্তিহি শুগুতো নাল্ডি মেইয়ার্ম্ ॥১১॥ জ্ঞীভগ্যায়ুকাত ।

হন্ত তে কগ্রিয়ানি দিবা। হাজবিভূত্য: । প্রাধান্তঃ কুক্তেন্ত । নাস্তাত্তঃ বিস্তর্জ মে॥১৯॥

कात्रध्यको मृगो

বিদ্যকলনত যে অন্যত প্ৰক্ষায়ন কথানীত বেংগে, চনক্ষিণ হৈলছা ছাত্ৰ কিছু কৰিছিল। তেওঁ বিদ্যালয় কৰিছিল। কথা কৈন্ত কৰিছিল। কথা কৈন্ত কৰিছিল। কথা কৈন্ত কৰিছিল। কথা কৰিছিল। কথা কৰিছিল। কথা কৰিছিল। কথা কৰিছিল। কৰ

ভারতভারদীপঃ

15 বছ তথা পর মুনে বৃত্তলি দ্যার বন্ধ মিজি ১,৬৪ সংগ্রেম ঈশবণ রশন রে যোগিন্।
তথা কথা চশাচল্য বিশ্ব ন কথম্পীতি বিশ্বকাশনীক সীলভাগ মধ্যে কলিলাঘোষৰ কানেষ্
ভব্বতা চিশ্ববিদ্ধ মি বিশ্বকাশনীক বিশ্বকাশনীক বিশ্বকাশনীক নকেই ভ্রেম করে তথা বিশ্বকাশনীক ক্ষেত্র কাশ্যেক ক্ষেত্র ভ্রেম করে তথা বিশ্বকাশনীক ক্ষেত্র কাশনীক ক্ষেত্র ক্ষেত্র কাশনীক ক্ষেত্র ক্ষেত্র কাশনীক ক্ষেত্র ক্ষেত্র কাশনীক ক্য

মহাপ্রভাবশালিন। আমি সকলে ধানে কবিয়তে আপনকে কি প্রকারে ভানিয়ের পাবিব চু ভগবন। আমি কোন কোন পদার্থে আপনাকে হিছা করিব চু ।১৭॥

ক্রেক্সেট্— ভ্রবন । অন্ত গাড় আৰু আৰু বুল, ওলিকৈ আপানি নেধালাপ্ত ভিৰেও আহিছে । এ অংকাই আপন কৈ একার্ডেই আপন কৈ জানিতে পাবিধান । তা'ব পর কোন কোনু পদ বে আপন কৈ ভিজা কৰিব, সাহা ব্যাহিন ৮৯%।

জনাকন। আপনি অবোধ বিভারকানে স্থাড়তের সহিত আপনাধ স্থায় ও সম্পদের কথা বলুন কাবেগ, আপনাধ অমূড্যয় ধাকা ভূনিয়া আমার ভৃপ্তি হইতেছে না'॥১৮॥

ক্রান্ত কর্মার কর্ম ও নব্ম সংগ্রে কাশনার সহয় ও স্থানের কর্য সাংক্রে ব্রিয়াডেন স্তর্থা ওচারে কাবারণ সালা বিশ্ববর্গম বসুন। কেন না, সাংখনার অধ্যানুলা বাকা শুনির শ্রমার সাক ক্ষো মিউ. ইউন ১১৮০

চতু ক্র°তেশহিধারিঃ।

সহ্যাল ওড়াকেশ। স্বত্তাশ্যতি হঃ ; অহ্যাদিশ্য মধ্যে ভতানামভ এব চ ॥২০॥

छात्र छरको भूमी

ভারভভাবদীপঃ

কৃষ্ণ ধলিলেন— কোৰ্বলেয় । সামার বিভৃতি সকল অলোধিকট বটে। তবে তাহাৰ মধ্যে প্রধান প্রধান বিভৃতিট তেওমার নিক্ট বলিব। কারণ, সামার বিস্তৃত বিভৃতিৰ অসু নাই ১১১১

ক্রাইংশ্বিয়া—শ্রমভক মদন জনা শের জন্ম আবুল হইছে নগ্রনের বিভূমি জনিববৈ নিনিও আগত জ্বাশ করিলেন লাগ্র নগরামাও আন্নান্ত ভারনেন এবং 'হয়া-' শ্রহার। দেই আনান্তর হতন করিলেন। মুখ স্তিশি দ্ ছালির সম্বানাত , ডাই সংশোধা ব্রিবার দ্বাই প্রধান বিভূমিশুলি বলিকার আৰু আরু করিলেন।১৯৪ আদিত্যানামহং বিকুংজ্যাতিষাং রবিরংশুমান্। মরীচিম্রতাময়ি নকতাগামহং শুলী ॥২১॥ বেদানাং সাম্বেদাহালি দেবানাম্বি যাস্বঃ। ইন্দ্রিগাণাং মনশ্চাব্মি ভূতানাম্বি চেত্রা॥২০॥

ভারতকে মুদী

ত্র লোগালার সংক্রত সম্ভাব কলনার ব্যালার বিশ্বনার বিশ্বন

্বদানামিতি চরুণ বেননে বাব সামন্ত সাহবোদাহয়ি, দেৱানা মধ্যে ভদ্দিপভিষাসৰ উল্লেচ্ছি, টেকিনালা ব্যাতি সামস্থানিক ইতি ব্যাহাণ্যক প্রতিশ্বিক হিল্পান্য কিন্তি ক্যাহাণ্যক প্রতিশ্বিক হিল্পান্য বিন্তি ক্যাহাণ্যক ক্ষিত্র হাল বিশ্বিক হিল্পান্য হিল্পান্য বিশ্বিক হিল্পান্য বিশ্বিক হিল্পান্য হিল্পান্য বিশ্বিক হিল্পান্য হিল্পান্য

্ ভারতভাবদীপঃ

জ্ঞানুন । আমি সমস্ত প্রাণির স্কুদ্রস্থিত জাবারণ এব আমি সকল জন্ত প্রাপের উৎপত্তি, স্থিতি ও বিনাশের কারণ ১০০৪

শ্ৰেষ্টা— দেশ ক্ষেত্ৰ জ্বিষ্টাৰ, মান্ধ বিধাৰ জান কৰিছিল।
আৰি এবং আনঃ ভইতেই সময় ভিতু প্ৰধাৰ উৎপাধ, স্থিতি প্ৰবেশ চইল পাটেই।
আৰুনাত ভুমি এই দুই হংশাস্মাক বান কৰিছে ২০০

ন্দশ আনিতের মধ্যে সামি 'বিঞ্' মামক আনিতা, তেভাময় প্লাপের মধ্যে আমি ব্যাপি কিরণ শালী ক্যা, উনপ্দাশং বাধ্র মধ্যে আমি 'মরীচি' মামক বাষ্ এবং রাত্তিতে আকাশে চাপ্তিশালী পদাধ্যুজির মধ্যে আমি চক্তাহ্যা

ভাতে প্রায়—'এক এক জেনির প্রাথর হালা বে বাপ্রার্থ প্রধান, দেই সেই প্রাণ্ট কামি এইকপ ছোট কলা কুমিন্র চইবে এবং সেই সেই কাশ ক্ষাব্যক্ষ ধানি ক্ষিবে। ইতাই প্রকৃত উপ্রেশ ১২১৪

ক্ষাণ শক্ষরশহালি বিভেশো যক্ষরক্ষাম্। ক্ষাণ শক্ষরশহালি বিভেশো যক্ষরক্ষাম্। ক্ষাণ প্রিকশ্চালি ,মকং শিশ্ববিধাম্মম্ ॥২৩॥ প্রেক্তিক মধ্যা মাধ্বিদ্ধি পার্থ । রহস্পতিমা।

कात्रच्यको सुमी

সন্নীন্তের জন্ম, সর্লাহতির স্থের: ॥২৪॥

প্রবাস নতি হল সংস্থাসংগ কজপুরে ভিত্রণ সর্বাস্থার প্রেরণ হল হয় বজ্যত ব লব জপুরে ভ্রমণ বজ্য হয়, কেন্দ্রীনার কেন্দ্রীনার স্থান ২০ ব বিজ্যাল বজ্যন্ত সংস্কৃতি ভূমি হল।

ভারতভাবদীপ:

তিন না কে চতুহ্য, আছে তালনি নাম আৰু হেন্য কাল প্ৰকল্পান্ধ বহুনাহাট্ৰোট নিহাৰ বাং তালস্ক্ষিত হৈছে হলতহ্যুহ্য পুতাহ্যত পুতাৰ বিভাগতে কুচল্পাছিত দেৱ-তাল, তিমিয়া সন্মান্ধ সন্ধান হল কাজিক্য স্বাধাত কুচল্পাছিত হৈছে

অ নি চ'ব রেগ্রের নালা সামধেদ, ,দ্বগারের মধ্যা ইন্দ্র, ইপ্রিয়ের মধ্যা মন এবং আন্থিগবের চেভনা ১২১ঃ

ক্রান্ত প্রায় ৪ জ নক চি পান্ত আ কলিছে কন্ত্রত প্রথম, কর্মে করিছে ্লক্ষা ১ -, বকু পান, ৮ ক্ষা ক বা তিনিক্স নাম নল প্রথম বিবলৈ মার্ক প্রথম বিবল করে মার্ক প্রথম বিবলি হিছার প্রকাশ হয়।

্ৰকাৰণ কাৰত নাৰা আনি শিব, যক ও বাকস্থাণৰ মধ্যে আমি কুৰেৰ, অইতভাৰ নাধা আনি অন্তি এত উক্ত প্ৰধ্যতৰ মধ্যে আমি সুন্দেক ॥১৩॥

শ্রেষ্ট্র প্রির থানিক প্রভাবনার বিলি এক কল কর্মের মধ্যে প্রধানি, কুরারির বাহা বা বা বা কার্যের মধ্যে, প্রের সাধি , কাহ্যা ব্রিন আর্বস্থা মধ্যে প্রধান এবং কুম্যালাইর মান্ত উন্ধৃতি, দায়াকের নায়ে, প্রয়োধন

ভাজ্নি। তুমি আমাকে ব কপুৰোকি এগণের মধ্যে , স্টে বৃচক্ষািও বলিয়া আবগতে ১৬ , সনাপ্তিগৰের নধ্যে অংমি কাতিক এব জলাল্যসমূহের নধ্যে আমি সমূহ ৮২৭॥

শুকুকুক্স্মার — বুংলার স্বর্গাছর পুরণতি হার্বিয় বাজপুরে বিজসিংগ্র সংকা এই, কার্থিক নংগোজন পুর্বলিও সেনালবিধানের মধ্যে প্রন্ত অবং সমূল অতিশ্র বিশাবে বৃধিয় ভালাক্ষ্মমুখ্যের মধ্যে শেষ্ঠ ১৮৩৪ মহৰীণা স্থাৰহা গ্ৰাম্থোকমক্ৰণ।

মজানা জপনজোহনি ভাৰৱাণা হিমাল নাহণা

মথ্য সৰ্বুকাণা নেহৰীণাক নাৰন ।

মধ্য সিজাৰা হিছালা কলিলো হৃদি ॥২৬

উত্তেশেকসম্ভানা বিজি সাম্মুট্ গাছ্ৰন্ ।

গ্ৰাৰত স্কেল্ডা নৱাণ্ডে নবানিপন্ ॥২৭॥

ভারতকৌমুদ্রী

মাণধীগানিং । এবং মৃত্যা স্থা তুলু অন্তাৰণ ভারত আন আনুষ্ঠ নাণ কাকানাং মধ্যে একনক্ষর প্ৰত্যাত্তি ব্যৱস্কৃত তাল কাৰ্যক ভূমন," ই বু আ ভঞ্জ ক্ষাম । জাল মধ্যে জল জ্ঞাত্তিক, বিম্নানিংগালেলতে ভূমানু স্থান বা মাণ্য হুম্বি হাছিকি, অনিবিশ্বাধিনি মে বাইন্ন হ্যাহ

শাহাৰ ইপি। আৰু সকলে বা নাম অবহুত হ'ব, ২ ২ সকলা দ্ব সন্দিৰ ক মধ্যে না কৰে। কৰি, সকলেৰ সকলৈ কৈ হ'ব পাছাৰ পালা 'চহসাৰ হ'বি সদনিধানিত ... সিহু নাম মধ্যে। কৰিবলৈ মুনিবিলি, ২ মৰ্গ্ৰহত হ'ব হ'বি বাংশ কৰিছিল হত্যাত জানৈবিভিত্তি অনুমানক প্ৰতিহ' ইভি লাগত নাম

উপত্রিতি, তে সংশ্বেশ মধ্য জনাশ মধ্য গড়ত শহুদেধকক ল উথক কীবোদদাশ্য ভূগ্লাভিকত ভূষ্ উপতি প্রেমণ সম্পদ্ধ লাভক দাণ লগে গড়ত থক বৈধাৰ্ভম্, ন্ধাৰণ মধ্যে ভূমবাধিশা বাজনাশ বিভাজন বিভাগা

আমি মহবিদের মধ্যে ভ্ঠা, পদকপ বাকোর মধ্যে প্রণার, মটোর মধ্যে অপ্যক্ষ এবং ভাবরসম্ভের মধ্যে হিমালয়। ১৫॥

ক্রেক্সেইট্র— ্ড মহাস্থাইড়ের বিবি সহাস্থাকে হতে প্রধান প্রথব (ন্থার শ্রম্থারের বলিও সহয় শক্ষের মধ্যে প্রেট সংগাল্ডে হিল্প নাই বলিও সহা গল্ভের মধ্যে প্রধান এবং হিনালয় অভিবিজ্ঞ বলিও ক্ষেত্রের হতে প্রেট নার।

আমি সমস্ত সুক্ষের মধ্যে অস্পানুক, দেকবিপানের মধ্যে নারস , গছবেন-দিনের মধ্যে চিত্রবাথ এব সিদ্ধানের মধ্যে কপিলম্নি ৪০৮৮

তে কি পাৰ্যায় - মাৰ্থপুৰক্ষণ হ'ব যাম ধ্যা পাৰ কৰিব আৰ্থপুৰ বাক্ত হ'ব। প্ৰায় নাৰ্যা বৈষ্যাৰ প্ৰধান ও কীৰ্ম্মক ৰকিব সৰ্বাহণেৰ মাধ্য প্ৰথম প্ৰকাৰেৰ বাজ ব্ৰিয়া প্ৰথমৰ হ'ব। তেই এবং কৰিব মাজ্য জ্ঞানী ব্ৰিয় সিঙ্গিপিৰ মাধ্য প্ৰধান কৰিব।

অক্ষ্য তুমি কামাকে কাৰের মধ্যে কীব্রালসাগ্রেখণর উইক প্রা, কুন্তিপ্রেক্সধ্যে এরবিত এবং মানুস্থর মধ্যে রাজ ব'লয় জানিও ০০৭॥

ত্রিপ্রা —মাজন ভলবশনের অধিক কাল লাওয়াচ্চের বাজ হয় সংগ্রাস ভলবয়। সুক্ষা বিশ্ব

অ,বুগনামত বছং ধেননামতি ক্ষেপুক ৷ প্রভান্চালি কজর্প, সপাধার্যার বাস্ত্রকিং ॥২৮॥ অন্ত্ৰচালি ন্গেন্ত ব্জুড়ে অদিস্মিহ্যু। পিত্পান্ধ, লা চংশিল স্মত সংগল হাল্যত ১৪। এ,বল।দশ্চানির ভি গানার কালঃ কলমভামইন্। भूतानाक उर्परकाञ्च देवनर स्वन्ध अभिनाम् ॥ २०॥

अ:तक्तको भूगी

ार पुरंत । तर कला राजा १ b राम छ गाँच । असीमानाय क जिट्डमाद सुपक्षाम् । र संघ । प्रमान के पहिल्ला के दिन र कर्न करने के करान साम भित्र भित्र भित्र भित्र करता करान समित्र भित्र भित्र भ সংবর্ধ বন্ধ লাভ্রান্তর লাভ্রালভাপর বিলয়ের কুটার বিহার বাটাবর, সংখ্রাকের জার হয় হয় স

क्षाप्त म है नि अवस्था निवयम् स्थाप द्वारा ५ शहल रम हिन्दी करायहार आधानिर কুৰ্কাসত হ'ব লাভত ১ বলত হুলাল অভনা আলোচ মুগলুত বিশ্বুত, পশ্বিৰাণ মধ্যে ह रेबनटकरहा दिन्यकालुग्या ग्रहका १०००

ভারত ভাবদীপঃ

रका कर्या पर राज्य विकास करिया कुलाई प्राप्त करिया है है अपने मुद्रान में प्राप्त करिया है। প্রাম ক্ষুম্মন বসার ভাষার, জা কম্ ২০০ আজ্বেতিস স্কর্মিল। জলপ্রি কাম্ন র জ नुष्य रेमधुम्परम् । । स्थान । असी वायुवा इस स्थाप प्रत्या अन्द्रवाराष्ट्र, सामग्राह्मा नियमेन

कार्य करलन बर्धा नह, र्षष्ट्रन बर्धा कामर्थस्, करियन मर्धा मछनि উংপত্তির চেঠু কাম এব সংখ্রে মধ্যে বাভুকি ১১৮৪

তাহ্পার্যাল সংখ্যাল দল দর নামান কামা কাল নানারিক, কামান সম্ভারোহ माप्रदेशन एक केर्रास एक्टरांच एक रहा के अन्य दक्षत्रक ने प्राप्त के केर्रा वादक। एक्टराह শৈক্ষাবিলামিপালেলতে মুভূত কাম প্রবান বলিত। সংগ্রিপ্রার্কাশ কাশ এইলেড

আমি নাগের মধ্যে অনভু, ভ্লছভুর মধ্যে বরুব, পিতৃলোকের মধ্যে অধ্যম। এব বিয়মক।রিলপুলর মধ্যে নম । ১৯৯৪

ভাত্প্র্-স্পান ন গাবিনির ভাতীর কালর পুরত্ নিকেল করিলাছেল। শিটের প্রি অভ্যত এর ভারের প্রতি নিখালভালি বহাবধ নিবম্মানেছ , ভাত বালারাও করেন, মুখ্রাপ্র করেন ক্রলা উড়ালর মানা ক্রেড আ মি ১১৯৪ -

আমি দৈত্যগণের মধ্যে প্রফলন্দ, সংখ্যাকংবিগণের মধ্যে কাল, পশুগণের মধ্যে সিত্তব প্লিসমূহের মধ্যে প্রভু ১০০১

পানং পাৰত যিতি বানঃ শস্তুত্তাম্চম্। বাধাণাঃ মকরশচামি স্কোতসামিথি জাহ্বী ॥৩॥ সংগ্ৰাদিবস্তুশ্চ মধাকৈবাহমহত্ন।। অব্যাধিবিয়া বিহানাঃ বাদঃ প্ৰদ্তামহম্॥৩২॥

ভারতকৌমুদী

भवन हे ह अहम्, भव ह भ उपत्राध्य कर्षावार्य कर्षावार्य करता भवतम् द पृथ्वि, स्था हृणाः भवन हे ह अविद्या क्षिक्षिक र उपाय क्ष्यात भवन के "भूनाव म सहस्य भवत्र हे ते एवं एकर्षिक विद्या सम्बद्धाः हृण्यास्तरः इत्या कर्णाः व्याप्त कर्षाः समाचि प्रभावनम् सहस्य साधानार १०५।

ভারতভারদীপঃ

ক ধূলংম্বস্থ, কলং ভংগলগন্য কুপাত ম্থান্ত পৰত পৰি দূলত বেশবসংগৰ ৰ ইয়া লাখকতি, সংঘালনৈ শালামশ্বালয়েশি বিভূতিমধ্যে পদন্দ কোলয়া কথা লাখনা মুক্তৰ জাভিতেদা, কোলগানা নালমাম্বস্থ সিংল

তেকি প্রায়ে – প্রদান বৈক্ষবপ্রের ধারণ বৈশালালের নধ্যে প্রদান করে বংলপ্রস্থার ইনির সংখ্যা করে এবং অবস্থারাই ডিল করে , মারণে । সই স্বান করে । ইরোর মধ্যে বারে প্রধান , কুত্রবি ছোহা ভগবানের ক্ষেত্র ১০০৪

আ্মি বেলগামীদিশের মধ্যে বাণ্, অসুধারিগণের মধ্যে দাশর্থি রাণ, মংস্থেৰ মধ্যে মকর এব নদীর মধ্যে গঙ্গা ১৯১৪

ক্তাত প্রা—বাদ্দরগা,পক অধিক বেগে গ্রন করে বলিং বেগগামীপিশের নধ্যে প্রান, দশক্ষমন্দর বাম ভগছিকটা বাব্যায়ে বধু করিচাভিত্রন বলিছ অপ্তারিগণের মধ্যে শ্রেট, মুক্র গ্রাপেরার বাহন কলিছে মুখান্তর মধ্যে প্রধান এবং গ্রা বিষ্ণালোচ্য পর্ম প্রিরে বিশ্বাহিন করিছ । এই বিশ্বাহিন করিছ । এই বিশ্বাহিন করিছ । এই বিশ্বাহিন করিছ । এই বিশ্বাহিন করিছে । এই বিশ্বাহি



অক্ষর ধানকারে(হবিশ্ব ভব্দ, সংযাসিক্তা চ। অহুমেষ্টাক্ষঃ কালে, সাত্রাহং বিশ্বরুভাষ্থ, ॥৩০॥

ভারতকৌ মূদী

प्रकार १. म. १९६६, ६०० व. १०० व. १ व. १०० व. १८० व

ভারতভাবদীপ:

क् रमारव कर र विष मां उद्यानमां मां मांचा का व्यविष्ठ वक्क कारवर्ष । श्वाम मां ज्ञान का वक्क विष्य के का विषय का विषय

অফ্না আমি ভৌতিক স্থীর আদি, মধ্য ও অফু, বিভার মধ্যে অধাতিবিভা এব বাদ, বিভঙা ও জল্ল এই তিন প্রকার কথার মধ্যে বাদ ॥৩১॥

किष्ट स्थिति भूति विका १८ विक विक्रिप्त क्षिति कार्यात कार्या विषय विवास कार्यात कार्या कार्यात कार्यात कार्यात कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या

কামি অক্রমমূহের মধ্যে ক্রার, সমাসসমূহের মধ্যে দ্রুসমাস, অক্য কাল এবা স্ক্রাণী ক্রাক্লদাভ, বিধাড়া ॥১১॥ মুড়া: সর্বছরশ্চাহমুদ্রকচ ভবিভাগায়। की है: है, क्षाक ह मादीलाल खाडिटर्ममा मुख्य क्षा ॥ १३॥ রুহৎ সাম তথা সাহাণ গায়তী চহক-সামহন্। মাসানাং মার্গলীর্গড়েহসূত্রাং কুজুমাকরং ॥০১॥

कृति दृष्कि मुनी

মুতু বিভিন্ন মতণ তাৰিন গ্চৰক্ষিন গ্মধ্যে ভাসকতাৰ মুতু ভবিভাৰণ ভাৰিসকলনগ সাধাৰ, উৰুষ্ সম্পত্ন পৰ্তিক চু নাম নামীৰণ মান্ত, ক'বই কৰা ৰাজানিমিকা লোক প্রশাস ভেলাড্যানিরা স্বাভ্তার্থ এবহর্ত্তাদি দি সংলাচ, বাক মনে এ ব্রাহিকা যোগ, পুলি, প্রায়েত্রপালে ছত্যাপ পুলি, ১৯৮ মাছেকি ছাছ দিধ বস্পতিক, বুলিপিটি মু, কাম সহিফাল চাহয়েৰ, আন্সালপৰীয়ণত মাজ্যত চৰিভাগত কাৰত আৰু জাম এই ১৯৭১

तुर्वात है। एक सबन सान्यत्वसम्बद्धाः प्रदेश दुरुद साम् दिने क दलामादः है। विकास ব্যাস্থিতিৰংখণ্ডতম্ "ব্ৰদানা সাম্ত্ৰপ্ৰতিৰ ইউ নেন সন্তেশে কৰি ছাত্ৰনাত্ৰ भणि हम, मासस ह उद्य कि वह शाबि विवृद्धि में हिल्हरा स कम है है। विकास । अक्र ह মধুববৈভিবেলে, হাম জাৰ জম্ম মহম্ছকলা ছতুকাৰখনৰ মধ্পত স্থ পাছিছি ভঞানা प्रमुद्ध के अक्ष बोक प्रदेश के देश का अन्य के हैं है कि कि का मान्य हैं। अहा ब्राह्म कि प्र त म नार भागा भागा भागा है। भागा दाराहरण, हासना छ दृष्य लि हा हुल्लाखा देन स्वयम दृष्य । महास् महनाण भटना क्षान्त्र वनमा कुछम कन्द्रत मोन्स्मर र । व्हर

ভাষতভাবদীপ:

প্রক্রিক্ষ্ । এক্ষম অধ্যান্ত কাল কাল পাল পাল পাল কাল কাল কাল হাল সাহ क्षाम्लस्य निवास्त्रः अस्यान्त्रम्। इत्यामानाः ।००० अस्यः स्वार्तः स्व মুখুৰে বিশ্বাহণ দ্বিকল্প থ্যত উপ্ৰেচাহক,সভত কাল দি স্থাক্ষণারণ য়াসা সংস্থানাহরণ মতাক্ষুক হার্ছ বৃদ্ধি কর্মি (১৯) রুহম সাম্ "হানিভি চৰ মহ" ই স্ক মুচি বিনোন্দ সংখ্যার ভোগত বিনিশ্কমিলটালব লা তথ সংগ্রাহমিমি ভলসাং

क्रीक्षण्या - प्रकार मस्युष्या व दर्शन अपम र्यानक भागत अपन अपन স্মান্স সকল প্রের অন্যত প্রেণার বারক বলিছে। প্রণাসর ম্বেণা ভাত প্রের অবিলা ভারবার। करित्र क्या माहि वर्ति । कारत्व सर्वा होड । श्रमाम उत्तर रिनामा जनश्लवही विवय 기취 되어나 100개

আমি স্বহারা মৃত্যু, উল্লিক্টিল লোকদিগের উল্লিখ কাবণ, এব নারী-জ্বাভিত্র মধ্যে কাঁডি, আ, বানী, স্কৃতি, মেনা, মৃতি ও কমা ॥১५॥

ভাতি লাখ্যা—সভা ও এদরপ্রাভূতি ছবণ করে বলিও গারী এবং স্তুচ্ও এবং করে ব্লিখাতালী, তঃকার মধ্যে ফুডুলেমলাত্রণ করে বলিতঃ তারীদের মধ্যে প্রণাল - উল্লিড कार्य अव्यक्ति कांद्र व्यक्ति अधाम अवा भाष्ट्र के देखाइ टिव भाषा , कामजीएक न डेरलके कु गाले उन्न विकास अपने मु इति है न दो (पद भरता अधान १०४)

দ্যত চলয় রাম্পি তেজকেজজিনামহন্।
জ্যোহিন্য বাব্দানেহিন্য সত্ত সত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ কুলানাত বাজনেবেহিন্য পাওবানাত ধনজ্যঃ।
মুনানামপ্তত বাব্দ ক্যানামুশনা ক্রিঃ॥৩৭॥

ভারতকে মুলী

तुष्यम सर्वे तुष्यम र महासा ६८६ , ताल्यान्त कृष्य ६५ । उ उन्याह स्वह इत्या कृष्यम्भावस्थान्त्र भवद्यसम्बद्ध हे इत्याल कृष्यम्पतित्रम् भारत्यस्याः स्थान् स्थान् इ.स्वर्णाद वी १६५ १६७६ १८८ छ। छ २ । इत्याल स्थान स्थान स्थान व रामहित् छ। इत्याल स्थान्त्र इ.स्वर्णाद वी १६५ १६७६ १८८ छ। छ २ । इत्याल स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान

ভারতভাবদীণ:

মাধার ক্টি ভি একজানন কোন্ধর ভা, আন্তর্নতি কুড্মাকার ব্যক্ত এব। বাবসাধারিকর উভানে বা বন কুজানা সাধ্যন আন্তর্গ জন আন্তর্গর কানীনাই সাম্বর্গনের মধ্যে আমি বুছং সামে, ভালেকিছে মধ্যের মধ্যে আমি গায়েনী, বান্টি মধ্যের মধ্যে আমি অভাভায়ের নাস এব ভয়টা আ্রুল মধ্যে আমি ব্যক্ত আ্রুল অভ্যান

আনি—প্রভারণাকারিগণের দৃষ্টেক্টাড়া, প্রভারশালিগণের প্রভার, ফেডাল দিখের জয়, উল্নীদের উত্ন এব সাহিত্যপের ধর্ম, জান, বৈরাগা ও ঐবর্ষা Icon

স। মি মছ্ব শীষ্ণেশের মধ্যে কৃষ্ণ, প্রত্রগণের মধ্যে অভ্ন, মুনিগণের মধ্যে বেদ্বাসে এবং কবিগণের মধ্যে ভুক্রাচ। যা ১০৭॥

कुरिश्मी - यह स्वारक 'मान्य प्रत्य भारत्य प्रश्ना कृषा विकास करण केंद्र है नुवारिय किरला एए, यह कार्यदरण एकपाद द्वार का 'सामि' व "सामान्य वना कहेर (७, ८महे- দেখা দমষ্তাসন্মি নীতিবন্ধি জিগীস্তান্।
মৌনকৈবান্ধি ওকানা জান জানবতাসহন্ ॥৩৮॥
মালাপি সর্বভূতানা বীজ চদহম্মান ।
ন তদ্ভি বিনা যথ স্থাম্যা ভূত চরাচরন্ ॥৩৯॥
নাডোহন্তি মন দিব্যানা বিষ্টানা প্রত্থা ময় ॥৪০॥
জব ভূদ্ধেশতঃ প্রোকো বিভূতেবিস্তারে ময় ॥৪০॥

ভারতকোম্দী

দিও ইতি , সম্প্রণ ওতন্ত্র কুজার গ্রাহ সংগ্রাহ বিশ্ব কিইছিল বিজ্ঞান সহজে নীতি, কাহাশবিধ সন্ধ্রীশসম্প্রি তৃত্ত নাগ্রোপ্রান্ধ হয়ের হুনিভাবের হ্যাহ ডিগ্রেম, জ্ঞান্ধান্ধ তথ্তানিন গ্রাহ জ্ঞান ত্তুজ্নমূহি ১৯১১

যদিতি। তে অংশুনা স্কড়িখানা থাকা প্রবাচক কথম্, ডলপি চাচমের। কিঞ্ মধ্যিন মধ্যিত মহালাম, ৩২ ও পূলম্, চকাচকা ভগনা পাকাক, ভূবা প্রাণান জি , হৈছেকারণের মহাস্কর্ববালনাকি হালেকঃ ১০০৪

থাক্নক প্রবাদ কান্য সাম্পন্ন প্রয়োগতি নেসি তে প্রকৃষণ স্থাস্থান্য ক্ষা_ন । সিকানে কুম নাম্ম্য বিভূতান ইম্যাগালাম্, আর নে হা ন জি। আগতার মধা তু এব বিভূতিন মৈরত আ বিজ্ঞ, সধ্যমন্ত্রালগতে কা লগত মাহিকান্, উদ্দেশতঃ স্তুক্তিশ্ব ক্রোক্তা ব্যক্ত

ভারতভাবদীপঃ

भगनस्थल भए अध्यक्षित विदेश कार प्रमुख्य के अध्यक्षित व्यक्षित विदेश विदेश के अध्यक्षित के अध्यक्ष्य के अध्यक्षित के अध्यक्ष

আমি দন্মকাবিগণের দও, কয়াচিকাষীদিগের নীতি, গোপনীয় বিষয়ের মধ্যে মুনিভাব এব, ভব্জানীদিগের ভব্জান যংগা

ভাৰিপ্ৰি — দম্নক, বিলগ্ৰে প্ৰনেধ প্ৰধান উপায় সত্ত, প্ৰিটাল্লণের সংহ্ব কোই উপায় নীতি, সোপনীয় বিলগ্ৰ মধ্যে নুমান মুনিক ভাক অধ্যা আ মুদশনই প্ৰধান এবং ভাৰতানিবাৰে বাৰ্কানই অকাল কান মধ্যক প্ৰেট কি।

অক্স । সমস্ভূতের যে কিছু বীজ, সে সকলট আমি। সামা বাতীত বাহা থাকিতে পাবে, এনন স্থাবর বা জসম কোন ভূতত নাই ৪০৯॥

ক্তাৰ ক্ষিত্ৰ কৰি কৰিব। আৰু ১ টা কিছু নাই ।২০।

মদ্যবিভৃতিমং সহু। জীমদজিলমের বা। ভত্তিদৰণবৃগজ্ঞ হণ মম তেত্ৰোহণশসভ্বন্ ॥৪১॥ অগব; ধত্বিতেন কিং জাতেন তবাক্ষ্ণ!। বিষ্টভাৰ্থনিক কুংল্লমেকাংশেন স্থিতো জগং ॥৪২॥ ইতি ∄ুমহাভারতে শভুমাহ আৰু সংহিতালা॰ বৈলসিকা। ভীলপ্ৰপ্ৰি ङग्रमही डालवी । इन्द्रिः रणाहसायः प्रणा का श्वांक मनाहमाध्याविक ॥०॥

ভারতকৌমুদী

অনুস্পাকার্যক সভান স্থানান্ত বলিড, হে আছুন্ত ছলড়ি বিভৃতিয়ং अध्या । जिल्ला १ । मान्या विकित्त व व वन्त्र, प्रवाद अध्याप वाष्ट्रमा व विकास वर्ष भग १६ मान वर्ष कर्ण वर्ष प्रकृत कर है । इस अवस्था, इसवर्षक स्थानी कि अध्य

公司 は 智(中 「Cong 「App in App 」 からは 中国できまする 開発され きょ 開発を (中 高野)の बद्ध कार्यक्षम नद किन माम किन्यों सामाध्ये, अत्यद्भान कि शृह्णालम क्वानअध्यापिति 5 वर्ष । सम्बं का का ना विश्वसं का इस अकारण साहित कर साम अव कारण अव शाख्यिक भिन्न । अस्त लोलग्रहाद या वर १६००

≩ির এব নাত পার বাং অব্যৱসাদলিক ক্ষা উপ্দেই চাব, বিব্রিত লগাব মধ্য ভাষ বলীক থাব - এর মানুদাসনার নার ভাত্মপ্রাণি ভগ্রভূপিত হ'ব চতুরি কেবছদাবে বনর

Beiern metafenfin ein ভারতভারদীপ:

abat अर्थकार्थात्, के करण रणप्रत्याच्या विकाम विद्याप्त विद्यात अर्थकार्थका (bet সঞ্জুলানার বীলম্বনি চুক্তে প্রাস্থাকার হারেকা স্থাইর প্রিভূতিবিভূত করেব । তথালি তেন शहरामक श्री । अहा - प्रतिक प्रतिक शहरामक श्रीमिविक हिम्मेनवरायुका मिनका । स्मान व एकर्क्ष्य किल्ला रलका विवर्जन वक्ष वक्ष सम सम , इक्ष्मिक किल्लामयवम् माल र अध्यक्ष ६,दलक्ष क्रमण्ड । ,न इक वर्ष हदम्यक एक स्पन्न क्ष मृति भगदम्भितार्थः ।६३३

প্রসূপ অজ্ন। আমার উত্তম বিভৃতিত লিক শেষ নাই। কিন্তু পূর্বে অপেক। বিভাৱ চইলেও ইডা ্ডামাৰ নিকট স কেপ্টে ৰলিকমি ॥৬০॥

'कुर का भागा - म रियमिय स्थित अ'स व निकृति का समित । 'स्ट्रि मध्य अनेवस আপুলুষ্ সংহণ কলিব্যতি স্কুশ্ৰেষ উচ বিভূম, সংখ্যাপ বিভূতিসাক্ষয় সংশোগ ব সংযোগটো विभिन्नानः । ५०॥

অজ্ন। জগতে ঐথ্যালালী, লোডাযুক্ত, কিংবা প্রবল্ধ যে বের সাজে, সেই সেই ব্যাবেই তুমি আমার তেছের অ'শসস্থাত বলিয়া অবগতে ছও ॥৪১॥

ভাকে প্রায়—১৯ ট কল । ওলাল এব কিছু এলে বছ মাধ্য, লে সম্ভুট মাদাব লাজি-হয়তে বুলিছে অনিছ বাগ ।৪১৫

0

একাদশোহধাায়ঃ।

षण्ड्न डेवाह।

মদকু গ্রহাণ প্রমণ ভ্রামধ্য হৃদ-ভিত্য। মনুয়োজেশ বচকুল মোহেছাহ্য বিপত্ত স্ম ॥১॥

काबख्दकोभूगी

भग भगर प्रदेश ६ मान गर्ण कि इति विकृति है ते हैं ते विकृति है ते हैं ते विकृति है ते विकृति है विकृति है

ভারতভাবদীশ:

উৰ্মাণিক বিশষ্থিতাহ— মণ্টেটি স্থান আ চাত্ত্ৰণ বৃদ্ধ এত বংগৱাৰকৈ এক 'ংগন আকলেশ্যন হনিদা বিউভঃ বাংগা কিছেছিছি। "লাগোচত বিশ্ব ভূপ ডি" ইডি আগত, । তথাৰ প্ৰিক্তিয় দুৰ্শনা তাজ্য সক্ষেত্ৰকৰ্তিমেৰ কুলি চালহ, (৪০)

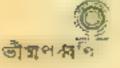
होति क्षेत्रमक्ति रेसेनकश्चिम अस्त अन्तर्भारम अद्वर्णि एक दशा । १९५०

है कि देवलक्किरण किए एक अन्यव्यादका है। १५०३

অথবা অজুন্ এড বড জানিয়া ডোনাব কি চইবে, (এই টুকুমার ভানিয়া রাথ মে,) আনি আমার এক অশ্বাবা এই ভগং ব্যাপিয় বহিয়াছি' #৪২॥

ক্রাক্রেশ্বর্থ — শ্রমণ করে থের এর এর প্রাংশ থেন্ন বর বর এম ও সিধ বেছার, নেরকণ অদীয় রাহের কোমার মাধাযুক্ত আপসমূহে এই বর এক ট রাধান্ত কাসিয়, বেছার তেতে । প্রায়োগ করিবেই আমার বাংন কর হঠবে । ১০।

আছুন বলিকেন—'ভগ্ৰন! আপনি আমার প্রতি অভ্যাহ প্রকাশ ক্রিবার জন্ম গোপনীয় ও উত্তম আব্যবিষয়ে যে কথাগুলি বলিয়াছেন, ভাছাতে আমার এই স্তম দ্রীত্ত হইয়াছে ॥:॥



ভৰাপানে হি ভূৱানা একতে বিভারশে ম্যা। ভুৱঃ ক্মলপুরাক । সাহাত্যমূপি চাৰ্যেষ্ ॥২॥

ভারতকৌষ্দী

আপি 5 চারেরি কানের পর্জাপত্র গাল রবাম করা নহন্দ্রাহাজ সংবা রে ৪ পশা।
রামনা নগার্থি দুরুলাকিক র কাজার মহা, মহারুব সকাশাং, পুরানা, চরাপাণ্ডী
টিন্ধান্ত্রলাহা, বিজ্ঞান ভি বিজ্ঞান বোলের জাগাল মহাকুন্মার সালা আহর আলম্প্রা,
ইয়া, নিহুবলাসলা আক্রিণ সেহা অবাহাজান্য না বান্ধান্ত রাজান বিজ্ঞানিক বৃধ্ন দি বিজ্ঞান বিজ্ঞান করান্ধান করা হ

प्टारक्कानमोनः

ন্তাৰ্প্যা — মৃত লোকেব তই সকল ব বাক্তে লাবেন, বলিব সভাদেব নিকটে ইচ, কোলনায় এবং একন ওলি মৃতি-ই উল্লেখন কলিবা উত্ম। প্ৰায়ৰ ইচা আমাৰ নিকট কলাই মনার প্রতি সম্প্রাই কর ইটিলটো ত ব প্র এম বহু আমি স্বিক্রিয়াভিল ম বে, আমি ভাষণ ভূমিকে বল কর্মন ইংগ্রে 'আমি হয় এবং নীম্ব প্রতি হয়বা এইকপ ব্যুক্তি আমাৰ হুই শ্রেষ হুই আমাৰ হুই শ্রেষ ব্যুক্তিয়াম — আমি গ্রেষ আপ— আমার, বে মারা কাহাকেশ বল কাবন, ব হুয়ে কে কেই মুদ্ধি নাম ক্রিয়াম লাভ্যুক্তি । । ।

হে পদাপলাশলোচন । আনি আপনার নিকট হটতে বিভার ক্রমে জগতের উংপত্তিও বিনালের কথা অবশ করিলান এক আপনার অক্যুনাহাঝোর কথাও ভনিলান । ।। এবংমাভদ্যখাপে ইমার্নিশ প্রচ্যুগ্র ।। দুকী নিদ্ধে নি (ত কপ্লেখ্রণ পুক্রেভ্য । ॥ ॥ মতেকে বলি ভজ্জাল হয় দকী হিছি প্রভাগ। বেট্যেপ্র । তিত্ত যে হা দশ্লছেলেমব্যেন্ ॥৪॥

काउउरको यूगी

हैंसाम प्रान्ध र किन्द्रपुर्व पूर्ण प्रदर्श है अन्यव्यवस्था देश देश है । होत्र, निरुष् असरवरत वार्त, पार अस इसका अस र किंद्र अका अखन गर्दा स्थान, 'मिन (तारह भूकरण यह । जा जा जा अपना कि करिया स्थाप अध्यक्ष कुल हरता छन्न हिन्दु कि हरू। नेशु राम्परित एके किए , 'पार पुर्वाह प्रकृत है के एक छात्र के स्थार कुरान्प्रदे মা জুহ কৰা স্তাশ ক্ষা হাৰ হলি হুংহল্পে স্থাত্তি, গ্ৰহণ তে গাংগাৰাই বেলালন আপ্নিচ্জার হাত্র হত্য, থকা ম্বিন্ত্রম ও চুন্র আক্রার দল্ভ ৭৮

ভারতভাবদীপ:

क्षांत्र और स्टर्ड वर्ष प्रकार का उपाप्त के कि विकास है कि का का का का का का का का कि का का का का का का का का क्षणा गांड पाद्या प्रथम न कर्म कर्मण देखा स्थास स्थार मधा प्राथ प्रथम स्था ८ - इस क्रम् के प्रदर्भवर जिल्लाहरू । इस क्रम् क्रम् । इस क्रम् क्रम् विकास क्रम्प । विश्वकृत प्रतिदेश ने प्राप्त कर्ता प्राप्त को की ने प्रतिहास के शुक्त ने प्राप्ति के स्थानहार राम्हारक, यर ५ वक्षां व ११व कर २६ वर्ष वर्ष भणागा सामग्र १९५ रहेता हैते, हर दैनका भाग का हुन्छ संभी है कि एक एक एक कर्णा - एक अंदर कार करिया है कि द हम्भू प्राप्त हर्ने हु। दह र रलक्ष , राज्य , सम्भूतिय कम्पन गाम द अक्षेत्र सम्बाधित মুলুৱেল মুখ্য মুখ্যি আন্তৰ্ভাৱত বুল প্ৰাণুজ কামজাতি মুখ্য ন্ত্ৰন্তৰে মা আমুখ্য আনুষ্ঠা কৰিছিল মান্ত্ৰিষ্ট্ৰেকাজ বলাত ১০০০ টি হৰা সহাত্ৰণ হৰলেকীতি কৰিছম্, মধোকৰ

कार के क्षिति - दिस्तार को उन्ने के प्रतिक के काल के मार्च के मार्च किएका मान करता প্রাক্ষা ক্রির শভনের এইবন ব সংগ্রাহ্ম ক্রেন্ত কল্প, হাপ্রি হলাকের **गरी, चित्रित श्राण कर्मान, अन्य ५ अभिनाद दिक दल है। अभिना उहार्गद ख्रा एड्स** क्षिप भारतका, या ६ व्याप्त र देवस्य साझे द्वा व्यापति भारत विताल साथ ६ व्यापनात ম্পুলাই। ইডাটে ক্তব্রিব।২০

ছে পর্যেখন । আপনি আপনার স্থক্তে মহো বলিংলন, ভাছা সভা। (সে যাহা ছউক্) হে পুক্ষোওম ৷ আনি আপনার পরনেখবরণ দেখিতে ইছে। করি ।তঃ

ভেক্তিপ্রি—ভগরন আগনি সভাবকণ, জবরণ সভাব লা। ক্রতা খাপনার ঞ্জার উপরে আমি সর্প্র বেট বিশ্ব কবি, উব্রেব সে কর সম্বধ্র বর্ণ । আ

🗐 ভগৰাসুৰাচ।

প্ৰা ্য সংখা। সংখাৰি শত্ৰেছিল সহস্ৰা; । নান বিবানি ভিৰাবি নানাৰ্য ইনিনি চালা। প্ৰা ভিতাব্ৰিমৰ্ক দ্বিধিনে) সকত্ত্ব । বহৰাদ্ধীপ্ৰাতি প্ৰাশ্চিম্বিতি ভাৰত : ৪১০

कावज्र को भूगो

सार साम प्रकृष्य प्रदेश कुर्यात कुर्या कुर्

ভারভভাবদীপ:

महिलारी हरे न किया न कर किया कर विमार क्षेत्र साम कर मा १९४

কুদাৰ সংগ্ৰান - মাজ্না তুন মামার সভ সভ ও স্কল্ স্কল সূপ্ দশ্ন করা, সংগ্ৰান নালপ্ৰার, আলোককি, বভবণ এব বল্ধিশ আকৃতি-বিশিষ্টিশ্বা

তা হিপাস্থা উপর সংক্তি , প্রবাদ কার্মণার স্থাপ্তর বাং হার কুল্ তেতিকার বাংসন বাং

ভবতনকৰ। তুমি জানার কপে ঘাদশ আদিতা, অঠ শস্ত, একাদশ কছে, ছাই অধিনীকুনাৰ, এব উনপ্লাশং বাস্দশন ক্ষ, আবি পূৰ্বে যাহা দেখা মাই, সেইকপ অনেক আশ্চয়া অব্লোক্ষ কর ॥৬৮

ক্রাজেপ্রায়---সিধার সকার বলি। ও বার কাপা, সবা, সামার, মহার, পাছা, পালী, স্থারর কাসকামধানুদ্ধি সমস্থান করি থা বিবে সোধি, কই কার্ডাভির হাম এখানে স্থানির সংগ্ ইট্রকল্প জ্বাহ প্রহলেশ প্রভাগ সচরাচরম্ । মম (প্রে ও দ'কেখ । সভ্যান্ত দক্তি মিজ্জি ॥৭॥ न दु मा भक्षारम मन्द्रे भर्गरेनव यहक्या। দিবাং দশ্লি (৪ চকু: পশ্র মে ্যাগর্মভারম্যাচন

काव उटको मुली

में इक्वममुक्त प्रदेशक कर अरल प्राप्त है देशतालि अस्ति अर परवर्ष । इस कुम्प्रिक्तार महिल्ला व्याप करवाद अवस्य प्रवास द्वार द्वार द्वार है स्ट्रीहरू है ইটি মম লাভ দ্রাপ্রিয়ার আবংশ ডিইডিটির স্কর্মন্ত্রিয়া এ হিছে তানিকা কুলার কার্যাল प्रमूच" के हुं। के द्वार, करेर के आप कि अक्षा के अप পালা ৷ কিন্তু দ্বাংগ্ৰাদিৰ নাম ্টুরুক্ত সভিদ্যালন আন্তালন কাশ प्रदेशिकानि, एमनि गण ३१।

的特性的产品的 医结合的 新聞 [4] 医阿尔德氏征检尿管炎 [4] 医二甲基甲基乙烯基乙烯基二甲基 增加學問人 व्यक्तिकमध्यमम् भाग महा म हे नवारम् प्रेमिन्डनक मार्थक के नवार हे न শিল্ক বিন্যাল্ড হ্যান্ট টুড়িছেল্ডিক ভ্যাপ্তিন কর্ম কলম্ তির চত হয় কায়ত विकास अव विक्रिक के करा जिला करणे विकास करता कर , शुक्त के असाव उस करा उत्पन्तीस्त्रसम्बद्धान्य, एक ए हे हिए। या असा सक्ष पा

ডাবডভাবদীপ:

जिल्लामित हेर प्रस्ति । स्टब्स स्वर्णिय विश्वविद्या का स्वर्णिय है प्रिक्त के विस्ति स्वर्णिय भणा, एक्टरका अंदर्शिया राज्य देवलावदा दंदरिया कृता एक व उर मार्थित स्थान मान कर प्रकार में अध्यास प्रकार पर प्रकार के दिन है। जा राज्य के सामाजित । यात्र व आर्थ । अन्यास का का तमा निवासकात्र वस । के प्रयोग्यवनम् सार्थः । १० १वन छ। व

आक्रुन । कुम ज्यानके कानाव धरे सर्दित जक कार्स किर समय स्थान कक्रम मम्बिक भूमश्र करार कर्णन कर दर व्यक्त मात्र विकृतनेन करिएड हेल्हा कद, ভাষাও प्रश्न कर श्रा

किर्म् महिल्ला - १म गामि विकास का "प्राप्ति अपनाम खर वानकृत दहे अपर यह लिए बहिया है। अपन्य अन्यास पान महिला कहि है दक्तितम-'म सार उन्ने की दह क्षाक अध्यास्त्रिक प्रवास अवस्थित के न भाग कर्यन कर्यन कर्यन कर्यन और अध्यास स्वयस्थ दक्षीयवस्त्रिमाद्य प्राप्त कि व व व व व व प्राप्तिमा के प्राप्त व वदवी एवं त्र महस्यव किए स विभक्तामय स्टन्। एसमा साहित वर्षा के विश्व करियानम् । इस्तान कर्णा नांत्र भारतस्य मदल्हे विश्वत्वर मदर्गत ।१।

কিন্তু ক্ষুত্ৰণ ভূমি ছোমার এই স্বাভাবিক চথচজ্বাৰ সামাৰ কণ দেশিতে সম্প হইবেন ৷ শুত্রা , লামাত্র মানি দেবা চফু নিডেছি, ভাষাদারাই ভূমি আমান্ত ইম্বিক কপ দশ্ন কর' দেন



সঞ্য উবাচ।

दरम् ६ , इर्ड, इ छन्। ५,३१८म,८५५६वा व्या । দৰ্ভিতে পান্সংক্ত ভপাইনভাই<u>য়</u> এলো किर्देशक्ष हो सार्थिक विशेष राज्य रही । केट्रेसकामदान्यर " निवेशाहरू कि शहर में सिने में शहर स

'काव'डरको युनी

र ठीन रूप मा प्रयुक्त एक १९२५, प्राप्तिक प्रदेश कर्मा हुनाह इ.ट.मा ४ , रचार - २०४१ । ५६ छन्। राष्ट्रम् जिल्ला क्षाप्रभाव, राज्य कार्या चार्या अस्ता राज्य का प्रवास का प्रदेशाय । The states that is the family the first the filler person has a few as the action of the terms there is not a first that the second of the

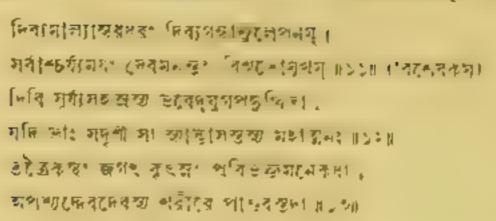
क्षत्रिक्ष अधिकारियः

का देखा है के राज्या कर राष्ट्रिय प्रदेश राष्ट्र का राज्य का का अधिक का अधिक स्थापन विद्राल्य पुरुष । अस्य अस्य प्रायम अस्य प्रायम अस्य विद्रारम अस्य 一十四 好 五 不开 十二 本 本 八 少十月 好 四二 [4月 李四國 如成 二 品 特有無難[編 The travers of the second track the Hole State का देश मा कुरू में मार मा मा मा मा मा कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि

'सर्क्ष्मार';-. ' १६ ६७६ १ को १३ दय से प्रता स्थान स्थान कर कर दे तक

अध्य विश्वस्थ - र छ। । पृष्ठते हे । । २०११ र र र दत कृषा धरेकार কৰিয়া এতাৰ পৰ আভন্তে একবিক শিল্পণ দৰ্শন কৰাইলৈন। সে বিশ্বস্থা বভ্ৰব মুখ, অসাধা নহন, অংনক অভ্ৰচ দৰণ, অংলাকিক অসাধা অলহাৰ এৰ উদ্ধালিত ৰভতৰ অহা ভিলা, আৰ সে কৰেৰে প্ৰদেশে দিবা মালা, প্ৰিধানে সুক্ৰ কল্প এক আছে অংল কিক গভ্ৰাত্ত্ৰ আনুলেখন ভিলা;

निर्देशन निर्देशन के प्रवेश के कि अवदा के ही , के न्यून यह देश देश स्थापित .सभ इतिथा गामा है .सम स १ है। सि का स कि में के दिन्द्रम भावकुलनमें युक्त गान



ভারত(को युगी

কাজ ৮৪ সারকাজি কং, জিলা কাজ তি কাজ লাভ নত লাভ নত লাভ নত নত নতা, বিদ্যা তি কিলীলিয় অন্তম্ অসংন্ন হিৰ্ভি কলাৰ কাজ কাজ লাভ ভূ নি প্ৰত্তন কাজ কিছুত্বি ১১৩

ভারতভাবদীপ:

মাধ্ব নি চন ল'নি হলিবে । বিশ্ব ক্ ন'ৰ ব বি কলা বা লা ল'ব লা বৈধা বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব কৰিব। মন্ত্ৰ কৰিব লাব হলিবি ক্ চন্তৰ ল'ব বিশ্ব কলা হলি দিলেবে কিছিল কৰিব কৰিব কলা কৰিব কৰিব কলা কৰিব কৰিব কলা কৰিব কৰিব কৰিব কলা কলা কৰিব কলা কলা কৰিব কলা

क्ष्रिक्षित्र क्ष्या प्राप्ति का अस्ति क्ष्या स्थान क्ष्या का विकास क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या स्थानक्ष्या,क्षर क्ष्या क्

সাক্ষালে একলা যদি সহস্থা গৈ প্ৰা প্ৰাণ প্ৰ ডাহা হইংলই সেই প্ৰাঃ সেই মহায়াৰ সেই প্ৰাৰ হুল। ইইছে পণ্ৰ ১১-৪

रहः प्रदियः । विष्यो, अन्तिर्यास्य अन्यक्षाः । কুন্ত। শিবস দ্বশ কুরু'কলিরভাষ্ত ৪১৪॥ অভূমি উবাচ।

ক খ্যালি ভূমবাণ ভূষ ন্দ্ৰ । সংহ স্বীণভূমা ভূত্ৰিশেষসংখান্। रक्तार दी* क्ष्रतामदल्यभाष्य मर्गक्तार मर्गक्तार विकास प्रदेश

छाबछ्दको प्रशी

क्ष र नगतन अस्त तर १० १० १० विकास वर्ते विकास के अस्ति। विकास र प्रमण्डल । १ ९ ९० ९४ १६ । इस १००० हें र म्यू कियुष्ट, प्रार्थ हार्डिकेस कर हर १४ के राम कदार तथा अपदार संस्था के जिल्लाकर कुक्तरमर सिर्देश संस्था देव दुरु स्थिति সাধান ক্ষা সাধান ক্ষা সাধান সাধান প্ৰতিষ্ঠা কিছিল সাধানী সংক্ষা স্থানিক সাধানী क्षत्रेयार ४००४

ভারতভাবদীপ:

रुप्त म रक्तमा १ १५६ इति र मण दूर अत्य र म अवद विकास्त्र विविक्रम् रक्षमण्य अर्थ कर्म । क्रु विश्वयद्भाष्ट्रकर अस्तिहर अस्तिका अस्ति । अस्ति । শ্ব বিষ্ঠান কৰা চক্ত গোলন লগতন চকুল অন্তিম্ভানুক মানুক্তনাৰ ব্যাহণ ইতি रा र प्राचन ना प्राचन के का का का का का का का विश्व का विश्व के विश्व के का का शास्त्र के का का शास्त्र का का मा — स्वर में अस्त असमान १५५० अभिवास भारतार अस्ति विश्वस्थित स्वरिया म बुर म म । पर रक्षमा "पर्य १४ वर्ष वर्ष वर्षात्र १५० ११० ११० ११० १ তিকনপ 15০০ নাম সহন্দ এইছ শ্লেষ্ট বিজ্ঞাল বুলে এত স্বৰ্ভুক্ত নেৰ্থনাপু স্তাহত কুলুৰ জন্মতন্ত্ৰ সামুহ্যাহ্যজনিছি ১৮০৭

प्रथम व्यञ्च ,नर्दन्य मध्यायुग्य ,महे मर्गेद्रश्च उक् भार्य माना हार्य বিভক্ত সমগ্র ছগং দেখিতে পাইলেন ৮, ৫৮

শানুক্ত প্ৰায়ে কেকা পুৰ বলিম ভান সং স্থান মুদ্দি আহমেৰ এই প্ৰশিবৰ এক · 我们 "我是 医一种 智 明明 不明的 所名 化工 医大胆 医性炎 医性病 各有 一种管 無費用 1.4.6 克斯·奇 医外科 医圆 阴极的 使 电 的复数形式

ভাচাবাপৰ সজ্ন বিষয়ে বিষয় বাহি ভাষে হট্যা অবন্ত ম্রক্ ভগবানকে নমকার কবিয়া কৃত্যভালপুটে বলিতে কাগিলেন ॥১৭॥

ভাৰত প্ৰয়োজন না তেওঁ নও সংখ্যান বি সংখ্যাও কাংনান চা, সেই বিশ্বৰণ দেশিক, বিশ্ব পঞ্চ এইবেল, উত্ব দেই বে মাকিল এইল, মুদ্ৰাকা ভুক্তি কৰিলে স্কৃতি ্িনি মন্দ্রিক দন্ধ্য কৰিছে কুম্ভুলি ইউছে ভিজ্ঞিস্থান্থার স্বিশ্বেষ বলিছে साधिएलन १५७३

সংশক্ষর জুনেত পশ্যামি হা সকারে হৈ নত্তপন্। নাজ ন মধ্য ন পুনতবাদি পশ্যামি বিশ্বেশর। বিশ্বক্ষ। ৮৯৬॥ কিরীটিন স্থিত চ্জিপ্স (১৫%)বিশি স্বতে, দাখ্যিত্য পশ্যামি হা তুনিৰাক্ষ সমন্ত্ৰী প্ৰান্ধ্ৰিত্যপ্ৰক্ষম্ ॥১৭॥

धारकटको पूजा

বিশ্বনিত্ন দশ্বস্থা বিশিন্তি অন্তে । তাৰিত্বত তাৰিত্বল কাৰ্থা বিশেষতি অব্যাহন কাৰ্যা বিশেষতি অব্যাহন কৰি আন্তৰ্ভ নিত্ৰ কাৰ্যালি চালা ক্ষ্মিক কাৰ্যালি চালা কৰি কিন্তু আন্তৰ্ভ নিত্ৰ কাৰ্যালি ভাৰত কাৰ্যালি অসানানি স্বাহনি হলা না অসমত নিত্ৰ আন্তৰ্ভ নিত্ৰ কাৰ্যালি ভাৰত কাৰ্যালি আন্তৰ্ভাৰ নিত্ৰ আন্তৰ্ভাৰ ভাৰত কাৰ্যালিক কাৰ্যালিক

ভারতভারদীপ:

আজ্নকলিকোন—',দেশ আমি আপনার শারীরে সমস্থাদেকা, স্কল শারী, আপনারই নাভিপত্তির প্রজাপতি বক্ষ, মরীভিপত্তি কবি এব সমস্থ দিবা স্পূর্ণকে দেখিতেছি। #১৫#

বিশ্বরণ। বিশ্বনাথ। আধি সাপেনার সনেক বাত, বত্তর উদর, সদাধা সুধাও আনকে নয়ন দেখিতেছি এবং সকল দিকেট স্পান রূপ দেশন কবিতেছি ; ভাই সাপেনার আদি, মধ্য ও অফু দেখিতেছি না য়ে ৬৪

ভাত্পার্যাল-ভগ্রানের এই স্থান ব ্লালানিক নিম্নুল। জনতা ভাতে এট প্রকার প্রায় আ ৬, ভাত্র ব হ, উল্ল, মুখ প্রথম এইড্গোল গ'করে , ম , চলাল কা মাজুল ইত্র এবক করিছে পারিবে ন । ভাই মাজুন এইকপা বর্গন করিবোন ১৯ম

(১৭ প্রাটিট কর্ড প্রাটি শহর্গ পার (১৭ ছিন্ট কর্ট সম্বলীলব্ডকুছ: স্যক্ষে: প্রিঃ

রুমকর প্রমণ বেদি হয়। ইয়জা বিহুজা পর নিধান্। রুম্বায় শাহতবঙ্গোপু: সনাধনপুণ গ্রুগো স্টো মে ॥১৮॥

ভाश्ख्रको भूगो

साजक कादमील:

ভগৰন ৷ আন ,দ্ধিতিত আদানি মৃত্যু মুকুটা, দ্বিণিত হয়ে কিব বান হয়ে এই সাকল দিকেই দাপ্ৰালী ,ভজ পূজা, আই এন সাকল দিকেই পাছালিই অহি ও কুলে ব আয়ে জু ভিষ্ঠ এই সাকল কানিৰ চেতাকুদানা আপানিক নেখ হৰ্ম ৮,৭০

ক্ষেপ্ত পৌৰ্যাঃ — সংস্থান কৰা সংস্থা কৰা হয়। সংস্থানা ভাৰাৰাও আপনাৰ প্ৰশাসন — না, কিছা আগন কৰা প্ৰায় বিশ্ব কৰুৰ বা কোলি হ'বি ১৯৪০

আপুনি মোজিং বিধাৰ ভাৰতা প্ৰৰুজ, অপুনি এই ভ্ৰতিৰ প্ৰম আৰ্য, আপুনি অবিন্যার ও চিবস্থী ধ্যোত রুজক এব আমাৰ মতে আপুনিই স্মাতন পুরুষ ৪৮০

অন, দিখণা ভিমন ভাৰীয়ামন ভাৰাত্ৰ প্ৰিদ্ধিনে এম্ 🗈 পশ্চামি বাং দাঁ এই চাশক জুং সতে জ্বা বিশ্বমিদং তপার্য ॥ ১১॥ कार्राभुभित्या(विषय सुटः हि सा भ्रः इतेत्त्व विभान्त मर्वाः। দৃষ্ট্ৰাজ্যণ কপ্ৰিলা ভাৰেলে প্লাক্ত্ৰণ প্ৰাধিতা মহারুল্ । ॥২०॥

ভারতকোগুদী

किसमीय दिवान के बुना के बनावरिंग में दिवार के नवस ए के नव, बनाय बीति स्टम्प्रेन्य किन्ति तन रुख्याल चार्रप्रकार में भागमक इर रुख्या पर्देशित विकार प्रकारिया, प्रारम्भ कीला पेनंदा करा । सम्बद्धान का भार प्रकार का भार प्रकार का भार प्रकार का

विश्वदरभा गुरमात रिकार पर पर पर पर पर एक दिन कर देव र देव है हरकासन निषद्भारत , इसा धारणु रता पा करा कमान्य गाम ताथ्य, अस भिणाना व व्या १८०१ १८ वे वार्य वा अ १ न्यू । १ वेश व्यवहरू छ । विश्ववहरू वह श्रवाधिकः करणम नीडिक्य स्टब्स

ভারত ভারদীপ:

A mate - model + a contra a manifesta at his on trace will a contract will, in the circles, बारक चार्क कार्याक्याद व दन व्यक्तिम देवनवाक स्था हम विचार विचारकार ख्लुखा स्टूट स्था स्था अब जिल्ला देशका विकट दिया व प्राप्त है। अब प्राप्त है। भावत्का र राज्या भाषा वि ए मार्थित हिद्दामां कृष्य । दिद्दान्या अवस्था तत सुद्धान्य स्थान भागा देवन ्या किया व्यवस्थान करतन इन्या र या मार्गा । स्व १००१ व्यवस्थान मर्न्दरस्य क्रम्प्रत्याः कृष्य प्रमुलका क्रिक्किस एकोकि कार्याण्यविकि उत्पन्न धनार कि क्षेत्र कर यह उत्ताम होना पानापुरियान बस्ता सनार अन् जिल्ला व खा अन्यदिनम् पर्युक्त होत्रार क्रमा सर्वतिकार अन्य वा दा किस् का अर्थानमञ्जासकार किस ए स्टेर्स আপুনি বেদের বিষামে এক নিজের জ লান ভিরত এই ধর্ম বুজ ভাবতে ১ন , মার আলোন मार्थाध्यक्ष अमाजम श्रीका १३५४

অংপনাৰ আদি নাই, মধা নাই এব অভ নাই, ভা'ব পৰ শক্তিৰও সামা भावे, बाह्रवा म गा। नाहे , भाव नयन छुटेटा छन्द ७ प्रांगाय छाग्र क्लिर्ट्स এব মুখপানা প্রজ্লিত স্থািৰ ভাষে উদ্ভাল কতিয়াছে, বিশেষ্ড সাপ্নি আপনার তেলে এই জগটোকে সমুগ্র করিছেছেন ॥১৯॥

ভাতপ্রা-চন্ত্র ইংল চতু ধ্রিক ন্তের দিবরে এণ ক্যার্রা নিয় Bm श्रभाषिक दिल्बर्णित छेपटब भाज हा हर १०२३

নহাত্মনু ৷ বিশ্বস্পদ্ধে তক্ষার আপনিই এই আই ভাইটার মনাভ্র দেশ (আকাশ) এবং শমস্ত দিক্ ব্যাপু করিয়াছেন। যুদ্ধশ্নের নিমিত্ত আগত তিচুবনের লোক আপনার এই অভূত ও চয়হর রূপ দেখিয়া ভয়ে পীড়িড হইয়া পড়িয়াছে ।২-।

অথী হি হাংল্বন থ বিশ্বি কেচিব্রটা প্রজন্ধ গুলব্রি। বিশ্বাস্থানি, মহনিষিদ্ধন ব বীক্ষাব্রে হল স্থানির পুসানালিঃ॥২১॥ রাজালিতা, বিষ্কোরে নে চ সারা বিশেষ্টানী মকাল্ডে, রালাশ্রি। গুলব্রিকারের সিদ্ধান বীক্ষাব্র হা বিশ্বিকারীশ্রেক স্বৌ॥২২॥

भारकरको भूली :-

িক বি বি পাল । বি কৰা প্ৰায়ণ কৰিব কৰা, কৰিব বাৰ আছি সমাৰ, আমাৰাই সকল কৰিব কৰা, আমাৰাই সকলে কৰিব কৰা, উল্লেখ্য আমাৰাই কৰিব কৰা কৰিব কৰা, উল্লেখ্য আমাৰাই কৰিব কৰা কৰিব কৰা, কৰিব কৰা কৰিব কৰা, কৰি

ভারত ভারদীপঃ

ঠা হৈ পোঠা।—গুৰুষৰ ৰ শ্ৰাহ্ম কৰা নগৰ নাম কৰি লাগৰ ভ্ৰাৰয়েনৰ এই ভ্ৰাৰয় সংগ্ৰাৰ মাৰ্ম মাৰ্ম কৰি বিধাৰ প্ৰাৰ্থনৰ এই ভ্ৰাৰয় সংগ্ৰাহ হ'ব মাৰ্ম কইছিছি প্ৰাৰ্থ

অসুবাবদার এই চুংগালেনপাভূতি আপনার ভিদ্যে প্রেশ করিছেছে, কতক্থলি অস্থাবভার ভাত ও পলাম্বন অসমর্গ হর্ম কুডাকলিপুটে আপনার স্বাকরিকেছে, আর নহয়িশন ও সিদ্ধান 'দুগ্রের মঞ্জা হুইক' এই ক্পা বলিয়া প্রাল ভাতিবাকার্ব। তব করিছে থাকিয়া আপনাকে নিরীক্ষণ করিছেছেন ॥: ১৪

ক্তিকাৰী — অভ্যাপৰ আন্ধান নিৰ্দাশ আৰু নিৰ্দাশ আৰু নীৰ্ণি বৰ্ণাছিল, ভাষা আদিশকো বিভিন্ন আন্ধান বৰ্ণাৰ বন্ধান্তিৰ যে মৃত্যু সহলৈ, ভাষা প্ৰথম চৰ্ণ্যাৰা স্চিত্তইল ১৭১১

(२३) व्यक्ती कि क्षा क्षत्रमार वे है जिल समुख्यसमङ्ख्य अवस्ता।

রাপা মহতে বত্বত নেত্ৰ সহবৈতি। । বভবাছকাপাদন্। ৰহদৰ॰ ৰভদ-ত্ৰাকৰালং দৃষ্ট্। লোকাঃ প্ৰবাধি গাস্থাতম্ ॥২ ৩॥ में इंडल्लुन् भी अग्रत्मक वर्ग वर्गा खानन भी श्रविनाल हम हा । पृष्टे। विकार अवाधि बालाबाद। प्रविश्व न विकासि समाप्त विद्युत । ॥ २८॥

क्षाव अरको प्रमो

कुक्षां भागमा र दाद्य युग्त रूप अध्यय र १ अभिति । इस प्रकार र । प्रश्न प्रकृत বিশাপম, করনি রক্টো নত্তি চাত হা স্তার ব্রহ্মারা দল্পর হামা, ব্রুলি क्षित, विश्वपुर हर, १६० ६० ८ ५ ६० स् स्टब्स स्टब्स्स स्टब्स्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स Pৰানাথাথ্য দাখিতি জনা, প্ৰতিকি ভানাতীলত শুকাৰ সন্মতক্তিতি জাত ଲ ଅବଶ୍ୟର ଓ ଅନ୍ତର୍ଗ ଓ ଅନ୍ତର । ଏହି ଓ ଅନ୍ତର ଓ ଅନ୍ତର । ଏହ विद्यार सद्भागपन्त लहरूर इ.स. ६ इ.स. ६ इ.स.६ ल खनुव्यनम्, घरमारक सामानी र प्रदू वर्ग डा २५, र હું ન જુ के के कि અને નિક્ર ન ३६, न चुनि छ ते के स्मार्ट कि छ एक दाम, नहें हैं, सर्थ के रहत । यह देश के कर देश में कर उसे मुख्या शासिक, स जिलामि व तरह १२००

ভারতভারদীপ:

(लागः म्लाह्यू ६२२। भूत वर्षक इक्षा १५ कर कर कि वर्षक अर्थिया १ क्षेत्री वर्षक । CE महानाहर । एवं कृष कराला का अल् अप ... का काला का का का का वा Cultural 1904 कर १६७ वर तम प्रमा प्रमार - यह है के अह प्रमुख्य प्रमान किया भी ख्या प्रदेश कार्याला दे उसला दिया कार्या संख्यिक नेसदा देवाल प्रकार है। 就就哪个本 有性 時界 化对抗气管 聖母 衛 医 医甲基氏性 丁 中 一日 作品有效 日本 不足一 नामक न किंग प्रकास भाग है, है 'राक्षा । ने भाग कि सामा देन ८ ए । ना है के देव

अकामम कप्त, चानम आफिडा, अर्थ नथ, मानासन, निःचामनसन, अधिनी কুমার্থ্য, উনপ্রাশং বাস, পির্লোক্সন, গক্রব্যান, ম্ফেপ্স, অস্ত্রগন ও মিদ্ধান ইছারা সকলে নিশিতে ছইয়, অ পন কে দেশিল্ডাছন ।১১॥

प्रकृतिक मिलिंड , अवस्था का कुल्या का वाराव्यक्ति का समार्थक सामग्री (सरिहत सामी, प्रमु किन्दु आहे निव्यवद्य प्रभाव मा देशमालाल, राष्ट्री हरल के रादाक (विद्यार देती के उसे १४२)

মহাবাল। সমাগত হাব্দিক লোকগণ মাপ্লাৰ এই বিশাল কণ ,দ দিয় ভাষে আকুল ভটমাছেন এব আনিও সন্ধির ভটমাত কাবন, আপনার এট करण बहु इद भूथ, अग्रज, ब हु, धिक, ५३० छ हेम्द व श्याद्य ध्व समाया दिलाल प्रमुख्याकाम अভिजीधन श्रृहेस्ट वन्द्रेस

ভাতপ্ৰা – ১০ ব বিশ্বস্থান কটা হব বাহ বাহ ব'লবেও কোন বেৰে इस्ता । युवता अस्त स्वास्त्र भाग अया विकाय सामून वर्षेत् 'वक्तक (सर्वा) अवेदण কলেক কথা বাৰ বাৰ বলিয়াতেন হেও



দাষ্ট্রাকরালানি চাত মুখানি দুকৈট্র কালান বসলিভানি। भिर्मा न कर्म न जर ह ह मध्य अभीत (भर्यम ! क्षेत्रीयाम । ॥२०॥ मना ह हो। भूत्राहेख भूता: मह्यं महेब्दावनिभाजम १५: । हीरका (ज्ञान मुक्युक्ष स्थारम) महायमीरेयद्वि (यावर्रेवाह ॥२७॥

ভারতকৌ মুদী

सार्थकरून सम् विभागक ना गर्क गर्भिक ग्राम् हुन । गर्महरून पूर्णि विभाइ हार स्थानिक प्राप्त कि नावार, या चार्या के प्राप्त कर्णकार के उपार्थिक स्थानिक सामा इंदर्व के प्राप्त विकास कर्षा कर्णात वा सामाहत साम्बन्ध नुष्य महत्व केलार उन्ने तथ केला है र मत्त्व न नहीं सुविभाग , या दस वि fanter a grafte to grant and a to be to the total grants. Tooky a to the following the tenth to the te , o e son to 4 31, 4 34 34 34 64 - 124 40 fe [146]4

াৰ্চন অংশনার ক্স গণন্তপুল ক'ব্যু ছে, ই দুসাও আংনক বুর্ণ প্রকাশ প্রিক্ত এব বিশাল ন্যন্ত্র মলিক্ততে , এই কপেও আপনি মুখব্যদান ক্ৰিৱা নতি সংক্ষা প্ৰকা অংশনাৰ এটা কল দ্বিয়া আনাৰ অভ্ৰায়ে, দশ্য হাম ও ব শশ্ভতীয় পাদ্যালের , এতা হা বি শেষ্য ক শংকিল ভ কবিছে णाविद्रक्षि मा ४२ ८४

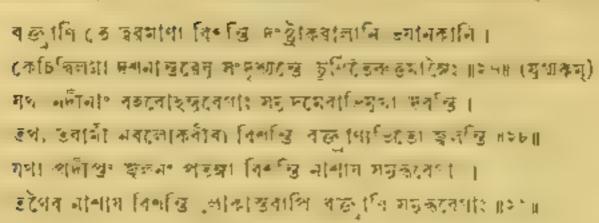
聖本選回(か) ー・こ ま こ 1 多からな いい かりょうれ は マヤラル、 付付する हरू, भ । १९९३मा ६ ट ट्राइट छन्टर ४ में इ. क. 'वटन हे केत्र "भू' व लाख् ६६म उन् १ १ व ८ १ हुइ। म ८ १, ३१ १४ इस ५० ५० ५५ ५ ६ ।

,भर्तद्यतः जाल्यात प्रदर्शन भवप्रतार्भत अधिनाचित शाय जनिर्दर्ष এব সম্প্ৰত বাহিব হাৰ্যায় সেঞ্জিকে ভয়তৰ লেখা যাইচ্ছছে । স্তৰণ এই মুখপুল , ন স্থাই আহি দিল দ্যে প হত তইয়াভি এব সংপ্রিল ভি করিছে পাবিস্ভুড়িনা অভ্তৰ তেডগদ শ্যা অপেনি প্সর হটুন ॥১৫॥

· 其中を中国で 一切を持ちない→ な な ちま を やと らいみ も ま 本かの まるする

ন প্ৰবাস্থ্য পুণ্ডব। সকলে ভাপকাল বাভাগেশৰ সভিত্ই আপনাধ শরীরে প্রেশ করিতেছে ; ঐ ২'ছে, সেবে ও কর্ম মান্দের প্রেবরী শোক্ত

ভাত•প্ৰাβ—মতুদ সাপন বাধন কথা অনুদাৱে অত্তাৰে ভগ্ৰান্ধ বিভিন্ন **প্ৰে** खार्यन कृष्टि भ एक । अ स्वार शांक्षितकत । स्वत्यामा हे तत अरक साथ शिर्वात स्वास सरक এক প্রীব, নিক্ট মাজ পরেশ কার ও ছব সংখা। এসানেও মাছিল সেইকপ্রী



ভারছকৌনুদী

सिक् प्राचीत स्थान स्थान स्थान के स्वार के प्राचीत स्थान के आहे. असी स्थान के स्था स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के

छात्रज्ञातमोनः

গ্রমণার বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব হাল বিশ্ব বিশ্

শেষ্ট ব্ৰেশ সভিত, আপনাৰ দৰ বকট ভ্ৰেৰ স্থনগো সহৰ প্ৰেশ ক বাৰ্ছেন এব উভালের মধ্যেই ক্ৰক্ছিল বাৰ আপনাৰ দণ্ডাৰ স্থায় হইয়। চ্ৰিট মুসুকে রুড্যাডেন দেখা আইং উছে ৮৮৬ ২৭৮

সেহিংলান—দ আৰু নাম সাধানক নাম কুল নামৰ নাম সুগ্ৰাস, আহ্নতা কুলিব কিছিল আহাতি কুলা আছিল কুলিব ক

ন্দীসমূহের বভার দোভ যেমন অভিমুখে মাইয়া সম্প্রই প্রিত ইয়, তেমন ই সমুস্থীরের আপনার উজ্জন ম্যসমূহমধ্যে প্রেশ করিশইছেন ছংগা

ভাশ প্রাল্ভ বং জ্ঞারন, এই স্কুলি স্তুত্র বাহন্ত পুনবার ব্যাহন্ত ১২৮)

জীলপ্র গ্রি

(ललिकारम इमयोगः मध्यारहातान् मध्यान् वर्गभङ् लिहः। ভেজোভিরাপুর্য জগৎ সম্প্রণ ভাসভূরেরের। প্রতপত্তি বিষেধ । ॥ ১০॥

ভারতকৌমনী

· 聖中山 新川東 中部を知り付き 一中では中国東京一日東 とう ** ** ** 「小海 · 新華田(でき সানকার্তিনার বা হা সমুদ্র প্রেক সম্বার্তিন পর বলে ৪০০ চে জাননাল, ଷ୍ଟ୍ର ନମନଃ ପ୍ରାୟାନ ସଂଗ୍ରିୟ ନଣ୍ଠ ଅନ୍ୟାଧୀର ଅନିକ୍ଷ ନାର୍ଥିୟ ଶିଖି छ । ଓଡ଼ିଶୀ अनुक्ता अञ्चल अपूर्ण के प्रमाण के का अन्य का में अपूर्ण के मिला का का अन्य का में अपूर्ण के मिला का अपूर्ण के म হালায় তব্ৰফাৰালি বিশ্বি ১২৯।

अकृत्यम् अन्य अकृतः का चलेन के कृतिका है। दिश्वः । क्षाक्षांभकः। क पुरुष्ये , रम्भू मामू मामू र प्रमुख मामू , मार्स् म् मामस , साह स् पुर्वा मुख्य में द्वार में देशन न पाद का गर में के मा कि में पूर्व प्रवासी मात्र हैं है। 侧侧 医海南原性 一定,一个一个一个一个人,我们,我们没有了好一点这样可以到了 प्रश्रहत अक्रावित स्थापित । १००४

ভারত ভারদীপ:

क्षाक, के के समाचित्र । अस्तिस्थान के प्राथम कि प्रतिकृति के कार्यास्थान स्थाप राम क्षित्र । २३ ६ ५ मण्यूष प्र उपन्यत्वर्ण मा अर्थन प्रकृष प्रिकृतिकारणा इत्याह छ— वर्ष छ १००० छ । ताल्या कार्या भूद्रश्राम् प्राप्ताः । १६ कि उत्तर्भाम् इत् १० च मार्गात्म भाषु इत्यक्षिण व्यवस्थानः companies a farment a new year or one extent any gay of क्लाहरू का मान्या का स्वकृत कला कला, क्लाहरू रूप नता लीखा कुणा

(नशनात प्रक्र क ६) सक्त (गर्म ६ प्रमापन कड़ात कवा धार्यालक মাল্লি মণ্ড, প্ৰেল কৰে, প্ৰতীকণ্ঠ এই বেগবান লোকভুলি মৃত্যৰ জন্তী ভাগেনাৰণ মুখ্যৰ ভিতৰ প্ৰেল কৰিছেছে ৮০১৮

कार्यकारी भोजक मुख्य के नाम है। नाम प्राप्त कर मुण्य के मालिए करते, भान है। भूगक न्यार्थन दर्शक नृत्र पूर्व काल उद्देश काल माना माना नामित , त्यां ह হেছিল অনিজ্ঞান কৰে সন্ধাৰণৰ বাব, সংবিধান নেতিনৈ – আন নামজুছি অনিজ্ঞাপুৰকলী चार भारत भारत सामाद अरोबन के नर शहर है। एक मारा पार पार के पार के किया है किया है किया है किया है किया है किया ম পুরন্ত্রিম র প্রে, ৪, ১'বলপাড়িব ৮ - ১৯৮ স্থার মত রঞ্পেরতের মাপনার নুর্বত্ क्षिप्रत्य क्षर्यम् कविरमञ्जू

নায়ায়ব। জাপনিও উদ্ধেষ মুখসমূহখার সকল দিকের সেই সকল লোককে প্রাস কবিয়া ভাকন কবিছেছেন এব আপন্তর ভয়ত্ব কিব্দগুলি ভেছমার। সথ্য জগংটাকে পরিপুর্ণ করিয় সমূপু করিছেছে ॥১०॥

ক্তাৰ প্ৰায়াল কল কৰা বল্লীয়া বাল্লীয়া সেই মুনল্লিয়া লোক ভবিকো भाष्म्राय कदिए ३६६ व ४००४

कोशाहि (म क उर्वाच्यक्ताना न्याव्य १ ४ तम्बद्ध । अभीता বিজ্ঞাকুলিচছ(লি ভ্ৰত্মাল নচি এজানামি ত্ৰ এইতিল্লাস্থা প্রভাগবাসুবাচ।

কালোহ্সি ্পাকজনকৃৎ প্রক্রো নোকান্ সনাহত্থিত প্রতঃ। আত্তহলি হাং ন ভবিষ্ণত্তি সূৰ্বে ধেহৰস্থিত। প্ৰেনীকেনু যোধাং ॥ এ২॥ **जारकरको प्रशी**

के अन्य अपन्य कर कर का अन्य का अन्य का अन्य का अन्य का करीने के इ नाम महाम, मारानि नाहि । ए इन प्रकारण अहेर कार्या प्रवासकात वा চৰভাষ, বিজ্ঞানুধ পৰিচেতুলিক না এব অনুধাৰি বসাক। এক নাই প্ৰচালবিন।

करी का है। मानगण माइल 15वर कर्तु व व 5 वर्ग हैं। ह बाक्या र व्यवह दल कामर क्यार दिलाकक दो, लदुका इत्यार दुवि क छ १५८६५० म अविद्यार क्रियामी कार्या का समार्था के कार्या विकास के दिन का कार्या का सामार्थित कर सामार्थित कार्या का सामार्थित कर सामार्थित मा इति । आहे ता, अम न वृष्णिय । विचान का मा न मु अर्थ । मा का मा न मा न न न न न न न আহ্বপ্তা, ১৯ সংক্ষ, ভাম ফুল্ড বিনালে তথা তথাবাবিন লীব্যন্ত লাভবিস্থিত সংক্ৰি মরিল্পানে তেবহ

ভারতভারদীপ:

प्रदेशकार्य कर्णय नर्पय नर्पय है कि का अन्य कर्णा दक्रकृति छ। । सार्षि अध्यक क्ष्यानि कथ्य छन्नान नारस्य क्षय द्वारण दिल्ला पृथ्यिकाचि सारस्थि काकृष्टि (५६) स प्राचार्थ १२.० व्हर्भाष्ट्राचन हा ५ र स्वत् छता। व न हरि , हेर्गाकृत् সংস্থানে লোকান্সন্ক্র ভাজিতুং প্রের পরেছে হলন লোকজ্বতং কলে নাম শ্রংম্বংরাছকি এবংক্ষেতা সক্ষেত্র ভাতত পুরুত্ব হণ বিল পি সংকাল ভবিষ্ঠিভু লুনিলুছি।

বেবছোল। এই ভয়মবম্টি আপেনি কে গ আমাকে বল্ন, জগতের আদি-কারণ আপনাকে আমি জানিতে ইক্তা কবি এবে আপনার অভিপায়ত আমি বুঝিছেছি না। দেযাতা হটক, আপনাকে অমি মনভার করি, আপনি প্রসন্ন হউন' ।৩১।

ভাকেন্দ্ৰায় — মালন ক্ষাত চিনিধ্বন, কিছু এ ব্ৰাত চিনিধ্যন না, নাই ক্ষাত চিনিয়ের চাহিলেন , ভার উল্লেখ্য ক্ষাতের কার্যারলিলা অভ্যান করিয়াছিলেন, সেই জুলুই 'काभूर' दक्षित्सम् ।०১।

কৃষ্ণ বলিলেন—'অজ্ন : আমি লোকক্ষ্কারী অসাধারণশক্তিশালী কাল, এখন এই লোক্ডবিকে সভাব করিছে প্রবৃত্ত ভইয়াছি সুভরা বিপক্টসল্মধ্য যে সকল যোদা বহিষাছেন, ভাহার। সকলে ভোমা বাড়াত্ত দ্ৰীবিত থাকিবেদ না ॥১২॥

(७२ कटडर्राम ६ सम्बर्गानकृत मार्रे ।

ওকারেমুনিত মশোলভর জিল শালন্ত্রক্রাজণ সম্কন্। মধিটবৈতে নিজ্ঞান প্রয়েশ নিমিড্যাতণ ভব সবলেপটিন্। ॥৩০॥ মোণজ ভীলজ জন্তনক কলা ভবাতানিকি নোলবীরান্। ময়া হতাশসুং জহি মা ব্যক্তি সুদাস জেতাসি রকে স্পার্ম্॥৩৬॥

कारकरकोश्मी

विश्वस्थानिक र नष्ट ६६ अवस्थिति स्थान्त । स्था नुस्थिति स्थान्त । स्था नुस्थिति स्थान्त । स्था न्यान । स्था न्यान । स्था न्यान स्थान । स्था न्यान स्थान स्थान । स्थान स

নাধ্যার বিবাহ লোক বান্দ্র ক্ষেত্র বা কার্মান্ত্র কার্মান্ত কার্ম

ভারতভাবদীপ:

रक्ष क्षा हर प्रभाव के का गाम पर सर्व ने घन कर्षा कर राज्य है। इस क निक्त स्वयुक्त विकास कर्षा में साथ या या या दिन है का उन्हार स्मार स्मारम् १००० स्व स्वति है जा कर स्वयुक्त कर स्वयुक्त के स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त स्वयुक्त

कारी करा, तरहे या तत्र या भाग करा हा भाग कर या या प्रति उपायम कारी करा, तरहे या तत्र या भाग करा हा भागत या । या विकास विकास करा ता विकास करा विकास करा ता विकास करा व

অভ্যাৰ ফাছৰ । তুনি উটিয়া ন ছাল, ফৰা লাভ কৰা, শন্দিখাকৈ ভাষ কৰিয় সমূজিৰালো বাজন হোগ কৰা আনিট পুকোট ইচাদিগাকৈ নিচাচ কৰিয়াছি, তুনি এগন কৰল নিনিত চড়॥১২৮

ভীয়া, জোল, কর্ল, ভয়রধ হব অকুকুধীরগণকৈ সানিই নিহত কৰিয়া বাথিয়াছি, তুমি কেবল প্রান কর, শোক্রেদনা অফুড্র কবিও না, মুদ্ধ কর, মুদ্ধে শক্ষাসিকে ভয় করিতে পারিধে ॥১৬॥

সপ্তয় উবচে।

এতচ্ছুমা বচন কেশবস্থা কু চাঞ্চলিবেপিয়ানং কিরীটা। নমস্কুত্য সূম এবাহ কুফা সপদ্গদ ভীতভীতঃ প্রণমা॥৩৫॥ স্বৰ্ভন উবাচ।

স্থানে ক্ষীকেশ । তব প্ৰকীত্যা জগং প্ৰক্ষাতাসুৰজ্ঞতে চ। সুকাণসি ভাতানি দিশো দ্ৰুৱি সূৰ্বে নম্ভাৱি চ সিন্ধ্যণয়ঃ ॥৩৬॥

ভারডকৌসুদী

আনক্ষর্কারণ সভা উরাচ এটনিতি তাহং কেলবজ কানকলজ ক্ষাজ বচনা কাছা, জীতভাতি পোকক্ষকরণভাবন দ্দিল্যেন ভাতা, অভ্যান বেশ্যান, কল্পান্ন, কিবাটা অধ্যান, প্রথম প্রকাশন ভাত ভূত নাম্ভান, কালকিন লন্, ভূত এব পুনর্বলি সহ্পাদন ভত ভিক্তিয়া বাশাবক্ষকভাত আল্লাইবাবন স্টেডি মধ্যন্তম্, যার জাত্ব, ক্যায়, আর অবীজি স্থান্ত

স্তারতস্তাবদীপ:

मन्द्रम् सद्भ १०११ । ७१०रे हर्यपृष्क महि भक्तः कि गुरुषि हारणकाशः मध्य देशहः। अधि के हा सिवा कि कि अपन्य कर्या कर

তাহপ্ৰ্য — চুমি কেবল মৰ মাধিকে, অভবাশ কোন কটণ হইবে না 1081

স্থয় বলিলেন — 'ক্ষের এই কথাগুলি ভানিয়া সজ্ব সভাসূচীত, কম্পিত ও অবনত হইয়া নমসার করিয়া কৃতাল্লিপুটে ও গণ্যদশ্বে পুনবায় কৃষ্ঠে বলিভে লাগিলেন' ISCI

তাত পাৰ্য্য –কৃষ্ণ সেই কান্ত্ৰপুৰ্ণিয়ে নোকক্ষণ কৰিবেন প্ৰনিয়া অজ্নের ওণতের এয় ধা সম্পাতিপশ্চিত ইইয়াছিল ১০৫। কথাক তেন ন্যেরন্মহায়ন্। গরীবাদে রক্ষণেহিপাদিকরে। অনস্তঃ দেবেশ । জগরিবাদ । ইয়ক্রা সদস্তহ্পরা য়ং ॥৩৭॥

ভারতকৌমূলী

অক্ন বলিলেন —'জৰ'কেব । আপনাৰ প্ৰকাৰনে জগতের লোক যে আনন্দিত ও অনুষ্ঠ হয়, বাক্ষেৰা ভীত হইয়া যে দিক্ৰিদিকে প্ৰায়ন করে এবং সিত্পুক্ষেরা যে নমভার ক্রেন, সে সমস্ট সক্ত ৮০৬৮

ভাৰত কৰিছে। মাণনাৰ পুণকাৰ্ডন শুন্ত কণতেৰ সং কোকেৱা আননাতি শ অসকক হন একা সিহপুক্ষেং নমকাৰ কৰেন, থাব আসং লোকের একা বাক্ষাৰো আসমৰ একে (আপনি চুক্নিগ্ৰ কাৰেন কমি) শুনুহান কৰে।১৮৮

মহারন্। আপনি একারণ স্টিক্ট, পুতরাং ভগতের মধ্যে প্রধান গৌরবের পাত্র: অভএব সেই সিত্তপুক্ষের আপনাকে নমন্তার করিবেন না কেনা হে অনস্থ। হে দেবেলর ! হে ভগদাখ্য ! কার্যা মহতত্পভৃতি এবং কারণ মূলপ্রকৃতি, সেই উভর হইতেই যাহা উৎকৃতি, সেই একাই আপনি ১০৭৪ বিশ্বরূপদর্শন্য (৪১১

জমাদিদেব: পুরুষ: পুরাণস্থাত বিহত পর নিধানম। বেভাসি বেভাঞ্পরক ধান হ্যা ভত বিশ্বমন্ত্রপ ! ॥৩৮॥ বায়ুর্মমোহ্যিব্রুণঃ শশাসং প্রজাপতিত্ব প্রপিতামহস্ত। নমো নগতেহত সহ বাক বং পুনশ্চ ভূবেহিপি নমো নমতে nobil

ভারতকৌমুদী

क्षिकृत्याद्यकार दलीनि वर्तित । दर समयक्षण सहस्रम् छ । वस स्वाधित्वन, व्यथिमा एक क्रम्मेला, शुक्राम कार्या, शुक्राम, भवा भवत क्राष्ट्रीया, इस, अक्र विवास कृताह , শ্বং প্রধানম, নিধীয়তে অধিংগ্রতি নিধান্য ধার, বেও জাতা, বেলং জেলা এক, গ্রহ भारेखदाक्षाविक उस्, भाम ८३ फलामि, एक क्या वियोग क्यार, एउन दान्यास १०५३।

ৰাষ্থিতি। বৃদ্ধানু, হন, মার, বক্ধ, ক্পাছক্ত । এডং স্বাং ক্রেণ্ডান্ মুপ্রকাশ্য আছাপতি, কলপতাত্তি, প্রশিক্ষত, পিতামহত্তাপি পিত। তথ্য কলতা: क्षणार्थांत्र, कक शिक्ष भवेषीत, महोद्दर्श लिए अष्य, अब क्षण अम्पार्थात लिक्ष, यनाति क्याल केरलावनाय । अञ्चल ६७, मध्यक व अध्यक्षक । मा मा माया मात्र मुनक प्रवाद पि बहतरम्ब ८७ नत्या नमा । १००।

ভারতভারণীপ:

क्या ठा छ। । विकिम्य विकास करे । व्या का का का का कि का विकास करे । व्या किए का का का खडे बाद जुरुष, अक्षापदीयमधी जुरावर जना स्मानाधिम प्रतिमद्यम दिवक क दर भवा मिनाम নিধীমতে হৃতি লিলি বংগ নম্। সাধ্যানা প্ৰাণ প্ৰতিক বাহনতি—্বত জাভ ব্যৱত प्रमुखक ब्रह्मक, सबा (बाहुदवका कार्यक्ष्य काम देकारुम् । का विचा उटा बाला जन्द প্ৰতিষ্ঠাম হে অন্তৰ্গ চিবিগ্লবিজ্ঞান্ত্ৰভণ তেজৰ স্বধেৰ সাভাৱন ভ্ৰইছি —

एक्टरिक्ट क्लोक्टीर--- प्रदेश्व । यस श्रद्ध किन विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य

হে অন্যুক্ত : আপ্নি আদিদেব, আপ্নি পুকৰ, আপ্নি প্রাচীন, আপ্নি এই অণ্ডের পর্ম আছায়, আপনি ভাডা, আপনি জেড়, আপনি মহাতেজ এবং অপেনি জগৎ ব্যাপিয়া বহিষ্ণ্তন ১০৮ঃ

ভাতপ্র-মির্ভিলর ড'ক উংলগ্ন হওলার মান্ত্র প্রথম সংখ্য করিলেন। व्याविद्याच-अक्षाप्रियम्बन्धान्यक भृत्यं एका मननेत (ठाकायका भृत्याच्य सर्व --- तर, १९८० দিনি অবস্থান করেন ডিনে, অবাহ ক'ব ৷ পুৰণে সধ্য পেকা প্রচৌন ৷ সংকাশ এমন প্রক্রাদির আশ্রে, লাপনিও সেইতপ কগালের আশ্রে। বেরা জাতা নৈয়াহিকের মতে কানের আ্রান্ত আল্লা । তেও নুমুকুলানের কোর প্রকৃষ্ণ । প্রব পান মনতে জ এবং মাপনি मद 6 हिर करण क्यार या। एक विवस्यक्र राज्या

আপনি বায়, আপনি যম, আপনি অছি, আপনি বরণ, আপনি চন্দ্র, আপনি প্রভাপতি এক আপনি প্রপিতামহ। অভএক সর্ব্ধার আপনাকে নম্পার করি, আবার বহুবার অপেনাকে নম্পার করি। ১১।



নম: পুরস্থান্থ পৃষ্ঠ হল্ডে ন্মেহিস্তা তে সকলে এব সকলে।।
আন্তুরীয়াশ্ম হ'ব সংমত্ত স্থা সমাজ্যোধি তে হে হে হৈছি। স্বঁঃ ॥৪০॥
মহেতি মহা প্রস্থাত হে কুলং । তে য'লব । তে স্থেতি।
আজানতঃ মহিমনে তবেদ ময়া প্রাণ্ডি প্রধ্যন বাপি ॥৪১॥

ভারদ্ধক্রেশুদী

জায়কভাৰদীপঃ

শ্রানামিল দল্পুর হ প্রতিয়ালপদুশ্বিদি হাজা হৈ অন্ধ্রা

১৯ ১ বালাল স্থান করি নাবন সন্ধ্রাক বিবাহন বেশ্লান সাই ইতি ওব

নাম ল্বেল হাজানাম লাল প্রকাশ স্থান করে হাজার্থি হৈ নামাছিল ।৪০৪

সাহ লালালু— ১ নাম ব্রাহারিক লালাল্য বিবাহন বিবাহন

্চ সকলেকপা। সংখ্য সংপ্নাকে নম্থাত, পুটে আপ্নাকে নম্মার এবং
সকল দিকেই অংপনাকে নম্মার করি হৈ অন্ত্রীয়া। আপ্নার বিদ্যাও
অপার্মিত, আর আপনি সকল বাংপিতা ইতিহাঙ্গেন, সেই জলুই 'স্বর্ধী ছুইয়াছেন 18-৪

জ্যোত্রপার্কটা এয় ন অক্ষুনি নিওটিলয় নাঞ্চিন্নতান বিজ্ঞান ছটার ছটারার ছলিক্ষ্যভান্তন্ত্র

নগ্ৰনণ আনি আগনাৰ মহিমা কি বা এই বিশ্বব্পের বিষয় জানিডাম

মা , ভাই অনবধানতানিবন্ধন বা সোহান্তবলতে: স্থা মনে ক্রিয়া বলপ্রক

(আগনার মহি) হৈ ক্ষা তে বাদবা তে স্থা; এইকপ্রে স্কল ক্ষা

বলিয়াতি , অপবা ভ্মণ, শহন, উপরেশন এবং লোজনের সময়ে একাকী
ভোকেশ্যা—নাম্ধার, হকা, কি বাস্থ বলিত স্থান্তব্যু অব্যাপ্তিয়ার ও

मनाम्ब कर अधिन निष्ठ । तान वर नयान । आर्थक हेमाथडे इडेट्ड मारक, किस प्रधारणीयरक्ष

१९२१ - मोदिन्दान् । इरन्यम् । बेग्ड नवनमञ्चादिन्द्रः न है ।

ণচাবহাসাধ্যসংকৃত্তাহি বিহারশ্যাসন্তাক্তনের। अर्किनिवर्गाक्षरेत । उद्भगकः स्ट क्रांबर्ग द्राग्यस्थार्थयम् ॥॥०॥ (যুগ্ধকম্)

পিটাসি লোকত চৰাচৰত ব্যক্ত প্ৰাণ্ড প্ৰকাশ ৰাখান্। न स्थमहमाध्यास्थात्रका वृद्धांवर्षाः (लाक्ष्याय्थाः अप्रकार । ॥४०॥

कारक्रको पृत्री

五章。 \$En.辛 。 \$En.5 [中 · 《 医 8.5] 中中 · 报文 · 明 · 《 4.5 · 2 · 1.5 · 1 কুতঃ সংগারণবহ⇔কালেন আনকাত্রতাল, আনত্রতান, আনলাল্য ক্রিছা প্রয়েত্র कार्ड्यभवन क्या, ७८ मन्य, भाग द्वार्य एकद मार्गर मक्ष्य वद अवस्थ है कि श्रीचेक्याचेव 185--- 828

अब्द देशके, क्षाद्वेद पृष्टि हे नगर दक्षात एक एक ए का स्थान हा देवती है। हे प्रिकृति । व्यक्तिहरूम जिल्लाम क्षास्त्राच प्रिया राष्ट्रक स्तर अपन्त । इ. यस नम व्यक्ति । देश, भाग ५० ५० ७ वर्ग सम्बद्ध तरा एकण, एम वर्ग । मा वर्ग वर्ग । भार कार भूका. महत्व दमन भूकतीहर करि, श्रक उत्तरह मि, वर्त च मान, तम अब देव. मानिवा कार प्राथमिक प्रकार में एक इंडिया के प्रकार भारता कर्या, ३० मडाधित कर १ हाइचि सरस्य समझा ६ १ १ र १ का वर्ष दा क्षांच उद्यक्ति क्षांचा १६०।

ভারতভাবদীপ:

क्षा भावत व्यापनाथ के कार्याच्या कार्याच्या । अवस्था विकास अस्य दे विकास अस्य विकास कर विकाद राज्य वर्ष केवा (इ. इ.क.) १६ एकर ११ एक पर है कि इ. उस कर हिंदि है। कुछ क्रिका प्रदेश(अवनिधा अधिधाना अहाकृष् अभागत कर का का अभागत अभागत क्षांकिः ज्ञान देव द्वाराज के व्यव देव देव व्यव मार्थ विकार व्यवस्थान वृत्ति स्वेत कृत्याक्षित् । उद्देश में मधीला विद्यालको से न प्रश्नेतक में प्रश्नेतक मान्या न महत्वा न महत्वा न स्य क्षार्थ क्षाप्रदेश प्रविधान्यर्थात्राविधान्य है। बक्रमान्य । एक कक्रान्य विक भास महा छेन्ना भ छ अन्वानभेषार्थः । इतः अन्याद्याद्यतः स्वतः । इतः mungent feineber mit genemeller femfel mit ment urmit murt biefe giet bate অপ্রেমার প্রাটি বি বা অকারে সম্প্রেম সম্প্রেম আপনারে পরিচাস করিবার হুলু যে অবজা করিয়াছি, এখন আমি আশ্লাব নিক্ট সেই সকল অপ্রাচ্ছের ক্ষা প্রাথনা করিটেছি কেন না, ক্পেনার মহিন ক্রেয় ।১১ ১০০ भारत्व क्रियंत क्रम्यत हार्ड मान्या , एक मान्यम वावा व कराव मान्य अस्त्र व्यवस्थान हरीहराक, उनहीं अबही क्या आर्थना वर्षित है के १५७०-६००

ছে নিক্পমপ্রভাব। নারায়ণ। আপুনি এই চ্বাচ্ব ক্পতের পিত, मकरमावरे भूवनीय क नेभर्द्रको उदय मनार्भकारे मध्यक आविद्यय भाव 43

তথাৎ প্ৰণম প্ৰশিধ্য কাষণ প্ৰসাদয়ে হামহ্মীশ্মী দ্যুষ্। পিতেৰ পুত্ৰস্থ সংখ্য সংগ্ৰ পিষঃ পিয়ায়াহসি দেব। সোচুষ্ "৪৮॥ অনুষ্ঠপূৰ্বং ক্ষিত্ৰোংখ্যি দৃষ্ট্ৰ তথ্যৰ চ প্ৰবাধিত সংমা মে। তদেব যে দশ্য দেব। কাপণ প্ৰদীদ দেবেশ। জগনিবাস। ॥৪৫॥

ভারতকোগুদী

ভার দিছি। কাল জাক্ত জনং পিতৃ হা কিকেন্তা, ১০ কেব বা আহম্, কার্মিনা কেইম্, কার্মিনা কেইম্, কার্মিনা কেইম্, কার্মিনা কিইম্, কার্মিনা আইনিবলৈন্দ্রা, ইনা অকলবাম্, উকল জাল প্রাঞ্জ হয়, আকলবা কার্মে কিব্যুলিকা, ক্লা সভাবিক, আহমেনা কিব্যুলিকা, কলি জালুমহানা আহ্বুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, প্রাঞ্জিনা কিব্যুলিকা, বিজ্ঞান কিব্যুলিকা, বিজ্

থানাগ প্রথমত নদ্রীৰ হোলের অন্তল্পী প্রথম ক্রীভ্যম্ বিশ্বপথ দত্ত, ক্রিম অন্তলিক্সিক্সি, হন মন মনশ্ব, তাকো প্রবাধিখন কুরীভ্যম্ অন্তব হে দেবেশ। তাম কল্মের প্রচানাগ ক্যম্পত্নর মে দল্য, হো জগ্রিবাস। ক্রমজ্য । ব্যাসার সভ্যাসাধিন প্রস্তা ভর্মণ্ড।

ভবেডভাবদীশঃ

ক্ষেত্ৰত — হত্যালি বিষয় বিষয় পিল প্ৰত্য সংখ্য কৰে প্ৰতিক আগতি হ'ব কুলোঁ কৰ লক্ষ্য প্ৰথম আগতা আগতা উদ্ধান্ত মূল ক্ষ্য নাল্ড আগতাল ক্ষ্য ক্ষ্য আগতাল ক্ষ্য ক্ষ্য ক্ষ্য ক্ষ্য আগতাল ক্ষ্য ক্ষ্

ত্র বিভূবনে আপনার ভুলা লোকই নাই, সুত্রা আপনা অপেকা প্রধান লোক আর গাকিবে কি কবিয়া ॥২০॥

ভাৰিকে কিন্তু নিজন বিধান কৰিব কৰেব কৰেই ইইতে পাবে, কিন্তু নুনি বা প্রশান নিকেন সংশ্বেইটে পাবে না অপবাং আপনি জলকেব পিছে ও উপসেৱ এবং স্বীপ্রধান স্থানিও আপনার সংস্থানান বাবহার করাও আহার অপবাণ্ট ইইনাছে, ডাই ক্ষা চাহিতেছি ছবল

অভতাব দেব। আমি আমাৰ দেহনীকৈ ভূতলে দত্রে জায় নিপাতিত কৰিয়া আপনাকে অধাকে প্রশাম করিয়া প্রসন্ন করিছেছি। আপনি ত জগতের অধীবর এবং চগতের পূলনীয় স্থান্তরা পিতা যেমন প্রের, স্থা যেমন স্থার এব পতি যেমন প্রিয়ভ্যায় অপরাধ কনা করেন, আপনিও সেইরপই আমার অপরাধ ক্ষমা কক্ষম ১৪৪৪

জ্ঞাজ্ঞার্কার দিনি ইবর ও প্রব্যোগা, ডিনি অশীনের প্রতি ক্যা করিছার শাবেন (৪৪) কিবাটিনা গদিনা চক্রহস্তনিজ্ঞানি হাণ দ্বীনহণ তথৈব। তেনৈব ক্রপেণ চাই হ'জেন সম্প্রবাহেণ । তব বিখন্তে । ॥৪৬॥ শ্রীভগ্রাসুবার । -

মধা প্রসায়ন তথাজনুনেদ রূপে পরা দশি রমায়াবোগাং। তেজোদন বিশ্বনন্ত্রালা কথে হদকেন ন দৃষ্টপূর্বনু ॥৪৭॥ ভারতকৌমুলী

াজাপ সংক্ষাতি কিবিটিননিসি। হে কৰিব্যায় কৰিবলৈ একন্দে ক্ৰিনাপি ধাৰ্থকাৰ আন্ধাৰ কেনিবলৈ ক্ৰিনাথকা আৰু আৰু ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা ক্ৰিনাথকা ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰেবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ ক্ৰিনাথকা কৰিবলৈ কৰিবল

स्थानिक स्थानिक विश्व के स्थानिक स्थानिक। इत स्थानिक स्थानिक

ভারতভাবদীশ:

ধাৰণাৰিষ্য দুজা কৰা যে মহা কৰ্ষ (চৰ) তাৰেৰ ক্ৰমণ্ড—বিবাটননিছি। আৰ্থাক্ষক চক্ৰম্ম কিবীটোৱেশতা চতুত্ব জা সক্ৰাত্য হুশা ধাৰণাবিষয় ইতি দশিঙ্ম তে সংক্ৰাহে । তে বিবাহুযোগ সংক্ৰাক্ষণিক মুখসাজ্যা শেষিক কাশণ ভ্ৰাক্তেটো দৰ ১৯খা এবমক্ৰেন আৰ্থিক্ষণা শ্ৰান্ত ভ্ৰাত্ৰত সংখ্য হৈছিল। তে অক্ৰণা আৰ্থান মন্ত্ৰ কুত মিশা

দেব। আমি আপনার অদ্টপুর বিষক্ষ দর্শন করিয়া আনন্দিত ইটয়াছি বটে, আবার আমার মন ভয়েও আকুশ ইটয়াছে। অভএব হে দেবেশব। আপনি আমাকে আবার দেই প্রক্পই দেখান; হে ভগদাহায়। আপনি আমার প্রতি প্রসার ইউন ॥৪৫॥

্রেক প্রায় – যে বিষয়প অভা কের দেখিছে পাবে না, মণ্টা ভাগা সেণিভেছি , এই চনুই আনন্দিত হটয়াছি , আবাব ভ্যম্য মৃতি দেখিয়া জীত ও হণীয়াছি ।গং।

বিশ্বরূপ। সহস্রবার । আমি আপনাকে সেইরূপই মস্কে মুকুটাকুজ এবং হয়ে গদা ও চক্রেধারী অবস্থায় দেখিতে উদ্ধাকরি অঙএব আপনি আবার সেই ভিতুত কৃষ্মৃত্তি হটন, অধ্বা জন্মের সময়ে যেমন চহুছ্জ হইয়া-ভিলেন, সেইরূপ চতুষ্ক হউন' । এডা

ক্তিশেল্য -- আজন লাধ্যে ভগৰানের ছিতুও ক্ষর্তী গোগতে চারিবেন, পরে ইংল্ডাবশতঃ চতুর্জ নাবাংগত্তী লেখিবার প্রাথনা করিবেন। জীন্ডাগ্রাড আছে—ক্ষ্ ক্যুকালে চতুর্জ হইয়াছিবেন ১৪৬। ন কেন্দ্ৰাধাননৈন দানৈন চ ক্ৰিণাভিন তপোভিকতিছে। এবংকাপঃ শক্য অহং নুলোকে দক্ত, হদভোন কুকপ্ৰবীৰ ! ॥৪৮॥ সাত্ৰ বাধা মাত বিষ্ণভাবো দৃক্ষী কপং ঘোৰমীদৃঙ্যমেদম্। বাপেতভীঃ গ্ৰীৱমনাঃ পুনস্তা তৰেব মে ক্ৰপমিদং প্ৰপাশ্য ॥৪৯॥

ভারতকোম্দী

নেতি : বে কুজ প্রবিধ বিধার ব্যবস্থান প্রথম প্রথম করিব বিধারিক মহারালাকে, ব্যক্তিন করেব স্থানিক মহারালাকে, ব্যক্তিন করেব স্থানিক করিব স্থানিক করেব স্থানিক করিব স্থানিক করেব স্থানিক করিব স্থানিক স্থানিক করিব স্থানিক স্থানিক করিব স্থানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক

ে বিষয় বাহার স্থান সম্প্রমান্ত কলা দট্য সিহক সাভব, বাধা ভয়লী দ্য মাজ্য, বিষয় দাবা মালক নাজ্য কিছু হয় সংগ্রহণ আপপত এই, প্রিমন্ত স্ন, পুনর্গি সংদ্যাস্থান, অপতা জন্মন্তন্, প্রশক্ত আক্ষেত্র লাক্ষ্ড হয়।

ভারতভারদীপ:

কুণা বলিলেন — 'মাজ্ন। আনি তোনার প্রতি প্রসর হইয়া নিজের অধিযা-প্রভৃতি ঐবংঘার প্রভাবে এই ভেছেন্ময়, অবিনশ্ব ও আদিন উত্ন বিশ্রুপ ভোনাতে দেগাইলান, আমার যে বিশ্রুপ টুনি ভির অপর কেইই প্রেবি লেখিতে পার নাই ৪৪৭৪

ভে•্ৰিংস্টাট্ শস্ত্ৰণ কুলি সহাজ্পুৰাবান্ধলিয়া সামৰ এই বিশাক্ষ দেখিতি শাইকো। কেন্ন, এইডপ পাকাড়ীকিক নতে সেকোম্য, ইয়াৰ নাশ নাই একা এইকপ ক্ষিৰ প্ৰেষ্ণ ছিল। সূত্ৰণ ইয়াই স্মাৰ কাজ্বিক ক্ষাৰ্থ

কুরুপ্রীর। মন্ত্রণেকে ভূমি ভির অত কেচই বেদপার, মজশারাধারন, দমে, জিয়া এব ভর্মর তপ্তগ্রাবার এই বিশ্বরপ্রারী আমাকে দেখিতে সমর্থ হয় না ॥৪৮॥

ভাকে পাথ্যে —আমাৰ উপৰে বাংগৰ অচল, ভক্তি বাংগ, দেই বাজিই আমাৰ এইকশ মেখিতে পাৰে , স্বাস্থান ভোমাৰত অচলা ভক্তি আহে যদিংটো তুমি দেখিতে পাইলে ।৪৮।

সভুয় উবাচ।

ইতাজ্নি বাইদেবস্থাজন কল কল দৰ্শনামাস হয়। আধাস্থানাম চ ভীত্যেন ভূষা পুনঃ সৌন্দেবপূৰ্যত, য়া ॥৫০॥ আৰ্ছন উবাচ।

দুষ্ট্েল মাসুস্থ কপা তব দৌমাণ জনাজন। ইলানীম্যা সংক্রং সচেতাং প্রকৃতি গ্রং ॥৫১॥

छादछ(को मृती

ইবিনি। মার দু লাকান কৰিছে, ৰাজ লব কাক, মাজুনন ইনি নাবং, কিছুকারনুক্ কুল প্নকলি, নাম কৰিছে, পাকা জাতীয়ন উপা ক্ষানুষ্টিন, নাবংন ল প্নক । সানাবিলু আহমত কাল ভুজ চ ভাউমেনমজ্নাম, আবোদনাম ল বুববহানন নিজা চকান কাল ভুজ হিছা না জন কাল জীলা ভব সান্ধা শাস্ম, মাজবাপ্ত মাজুব্য কাল বাহান আহমে কাল কুলালুচিন, নাই, জীন নামু সাচিতা আ অভিনেশিকা, মাজবাধ আহম বালাল আন বিবি স্থাপ আহাং, ক্লুসাং সাম্ম হোক্ষা ক্ষাত্ৰ

ভারতভাবদীপ:

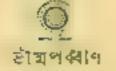
मार्थनात मार्थित है ने साम्य केन्स राजा क्या पर उत्ता स्वा स्व स्व है निर्देश या क्ष्य है के विश्व का स्व क्ष्य है के विश्व का स्था स्व का स्व क्ष्य का स्व का

আৰক্ষণ আনাৰ এই ৰূপ ভ্ৰমৰ এই হ'ব পিয়া তেংমাৰ যেন কৰে বেদনা যা মোহ হয় না। তুমি এখন নিভয় ও সঙ্ঠিতিও ইইয়া পুনবায় সামার সেই কৃষ্কপই এই দুশ্নি কর ১৮৯৪

ক্তিক্সেইট্—মজুৰ চুৰি মণ বাৰ প্ৰৱণ সংগ্ৰ এই নগ হ'ব সভি। ভোষাৰ ভয় বা মোটু হওৱা সজত নহে চেন।

সভায় বলিলেন 'নিকাদয়ালু কৃষ্ণ অভ্নকে এই কপ বলিয়া পুনবায় পুশ্বের কায় স্কীয় কপ দেখাইলেন এব তিনি পুনবায় লাছ্ম্তি ।কৃষ্ণ, হইয়া ভাঙ অভ্নিকে আশ্বাক বিলেন ধৰণা

चित्र स्थिति — न्यार्थ , रयम कार स्व वर्षात् , एवसम कारून व्यम स्व व्यव स्थान ।
 चार्य कर्षा कार्य स्थान कर्षा रक्षा या स्थान क्ष्यपृष्ठि , स्थान कर्षात् कर्षात् ।
 चार्य करिया अञ्चलक क्ष्यपृष्ठि स्थाने स्थान अद्य व्याप्त विस्तृत १६०३
 चार्य करिया अञ्चलक क्ष्यपृष्ठि स्थाने स्थान अद्य व्याप्त विस्तृत १६०३
 चार्य करिया अञ्चलक क्ष्यपृष्ठि स्थाने स्थान अद्य व्याप्त विस्तृत १६०३
 चार्य करिया अञ्चलक क्ष्यपृष्ठि स्थाने स्थान अद्य व्याप्त विस्तृत १६०३
 चार्य करिया अञ्चलक क्ष्यपृष्ठि स्थाने स्थान स्थान विस्तृत १६०३
 चार्य करिया अञ्चलक व्यव विस्तृत स्थान स्थान



শীভগৰাত্ৰাচ।

জন্তুদ্ধৰ, চনা কৰে। দৃষ্টবাননি ধ্যায় ; নেৰ আপাজা কৰিছা দিবাং দশনক। জিল্প, ॥৫২॥ নাকা বেইদন ত্ৰাসং নাদ হৈনন নাডিজাং। । লাকা বৰাবিধান দেউ, দৃষ্টবানসি সাং যথা ॥৫ আ

ভारक्रको मुमो

হা, দেশ ন ক বা না বা না বা লগা নাইব নানি বাল কাপণ প্রথমিষ্
হা কাল্যা বা লগা বা না বা না বা না বা নাবালি বি কাল্যা কাল্যা নাবালি বি কাল্যা বা লগা বা নাবালি বি কাল্যা বা নাবালি

हेक्रमाकः एकम्ममान मह न्यूक्षणाः भूगणाः ग्रामणाः व भाष्युत्। द्र प्रमाणाः प्रमाणाः प्रमाणाः प्रमाणाः प्रमाणाः क्ष्मणाः प्रमाणाः क्ष्मणाः प्रमाणाः क्ष्मणाः प्रमाणाः प्रमाणाः

ভারতভাবদীপ:

অংশ হ'ল বাংলাদেশ লোক দল নাম শংগ্ৰহণাও জানুকৰ মাজি। সংগ্ৰহ জিল্লাদেশ ক'লে জালিক কুল হ'ল । বিষয় নাম কিলি চালা হৈছিল। বিশ্ব নামক কোলা পুনত্ত লোকি ছল্পিন্ত বিশ্ব কিলেন্ত চন্ত্ৰ কোলাহ

আভুন বলিকেন 'কুকা। আন কেন্দ্ৰের এই সে সা মানুষমূর্তি দেখিয়া এখন পাণ্ডির ও পঞ্জিল হইড়াডি' ধণ্ডা

ক্রাকে স্বার্থির নাজার নাজ ওলাম্ট চরীতের, অন্নি ট্রার মালার আনানের সেই সালি ব ট্রারিটার বারি নি আবারার 'তুনি ', রামার' ট্রালি বন্ধেন্তিত ভাষে বার্থির কণি সাল লাভাচ সভাষ্ট প্রেল আমার্মন ন্যে উভিছ বিয়াছিল, এখন আবার হওবার আবার হাত্য পারীরাছি ১৫১৪

কুক বলিলেন - শেক্ষণ তুমি আমাৰ যে রূপ দেখিলে, ভাছ, দুর্ন কর। শেকু মানুষের পকে অভিন্তৰ কাৰেন, দেবভাৱাও সংবদাই এই রূপ দুর্ন করিবার আকাজ্যা কবিয়া থাকেন ১০০॥

তে কিন্তু 'দৰ্শক'ডিক উং ছে ধ্যাই হৃত, শ্লে যে দেখাতাবাও পূবে একশ দেশেন নাই, ধ্যন নেবিডে শাইমেছেন না, ভাষিদ্যত্ন নেবিছে পাহ্রেন না। কার্ন, শের্প পুরা ভিতানেরও নাই ।ধ্যঃ

অভ্ন । তুমি সামাকে যে কলে দেখিকে, এ কলে মতা কেইই বেদপাঠ, তথজা, দান ব যজহার। সামাকে দেখিতে সমর্ভত না ৮৫৩॥

ক্রেকিশ্রম্য — এই বিজয়ণ দর্শন করা অভিযুক্তি উচ্চ বৃদ্ধ উর র অনুষ্ঠ উক্ত বিষয় আধ্যার বলা হইল লেখ ভিত্য হনতাবা শক্য অহমেবংবিধোচছনি !।
ভাকু দক্ষীক ভাষেন প্রকৌক পরতাপ। একমা
মংকজকুসংপ্রমো নতুত্বং স্প্রজিতঃ।
নিবৈরঃ স্বভূতের ঘং স্মানেতি পাঙ্ব। একরা

ইতি ই নহাডারতে শতসাহ ব্যাণ সংহিত্যোগ বৈদ্যাসকলে ছাল্পাসনি ভগ্ৰনগাঁতপের্বনি প্রথাতিশাহিষ্য যা ॥০॥ গাঁতাগান্ত একান্ধোহ্যাবে ॥০॥

काइब्रह्मोपूरी

টু, ম অহানগ্ৰাপাৰ বি শ্ৰিকিক সিদ্ধান্ধৰণীলৈ ভটাচাল্যাৰৰ চিক্ত হৈ নাৰ কৰিছি । মাৰ্কিক সিদ্ধান্ধৰণ বিশ্ব চাল্পৰীৰ বা ভলবজনীক হাল পৰাই কোচৰ ও ১০৪ শ্ৰিক্তাৰ প্ৰক্ৰিক মাৰ্কিক মাৰ্কিক

ভারতভাবদীপ:

teor ক্ষা কৰি চটা প্ৰাথ্যৰ মত ভাজাতি তকা ম্বাধানন অন্তঃ ঘণ ত চাৰ্ভয় স্থাপ্থয় সাধ্য সংগ্ৰহণতিবে জাতুৰ কৰু প্ৰকাশ্বনকৰণত্ব, চুটা ল'বল স্বান্ত, চুট্টন যুখায়েন কৰেইৰ প্ৰকৃত্যাসকাকাশ্বেষ্ট্ৰ এই তে প্ৰমুখ্যান

কিন্তু প্রকৃপ অন্ত্রনা আত্ত্ব অনকাগালেনী ও কন্ত্রাই ব্যাঘ্টার বাবেশ এই
কাপে আমাকে জানিতে ও দেখিতে এবং আমাতে প্রেশ করিছে সমর্থ হয় লবদা
তেক্ত্রা—প্রনাম বাজিব ক্ষিত্র ক্ষিত্র বানেই ভিক্তি, এই ভিক্তি ব্যাঘ্টার উপরে বাবেশ করিছে সমর্থ হয় লগন
আক্রেন উপরে নায়ে, কথনই সেই ভক্তিকে অনপ্রাথিনী ভক্তি বলে পার্থ ও ওকালেশ
কার্য সহকারে সেই ভক্তিয়ার ভগরান্ত জানা হাহ, মনন ও লান সক্ত রে সেই ভাকিছার।
ভগরান্তে দেশ হার এবং প্রান্তহ্বারে সেই ভক্তিয়ার স্ক্রাণ্ডির বাভ করা ছার অর্থাহ
সাল্লাক্তির পারের বার্য এবং



স্বাদশোহধ্যায়ঃ।

----(+) ----

অঙ্হন উবাচ।

এক সত্তবৃত্য ন্য ভক্তাস্থা প্ৰয়োগালতে। এ চাপক্ষেৰ্যক্তি ন্যকাশনক কেন্দাৰ্থকীয়ে। এ

छाउज्यको भूगी

অবিষ্ঠান বিষ্ঠান প্রতিষ্ঠান প্রতিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠা

ভারতভাবদীপ:

कता है एक क्षाप्ति । साथ क्षाप्ति के प्रारम्भ के पुत्र कि प्राप्ति के साथ दिन के प्राप्ति के प्राप्ति के के प्राप्ति के प्राप

हाँ र अन्यक्षार देशता वर्षे य काद र कादशीरण आक्र क र लाक्ष्या य । यह र इ.स. अन्यक्षित्व विकास स्थापना विकास है।

পাড়েনকান । বা লোক আমার প্তাপভৃতি কংগ ই করে, আমাকেই প্রান ভাবে অবলম্বন করে, আমার পতিই ভক্তি করে, পুর্কল্রাদির পতি আমিকি বিহানি হয় এব সকল প্রতিব পশিষ্ট শক্তাল্যা থাকে, সেই লোকই আমাকৈ কাভি করে এবংল

रक्तां क्रिक्ट क्रिक्ट — पूज्यकार १८ .स. क. तथा १९०५ क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट स्थान क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट स्थान क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

শ্রীভগৰাসুব্র ৷

ম্যাবিতা মনো যে মাং নিতাগুকা উপাদতে। এক্ষা প্রযোপেতাতে নে যুক্তমা মতা, ॥২॥

ভারতকৌমুদী

সংগ্রাম এই জ্না প্রতিষ্ঠ টুনিজন সংখ্যালের সাহার প্রতিষ্ঠান ব্যালাল সংখ্যালের প্রতিষ্ঠান ব্যালাল করিবলার স্থাবন ব্যালাল করিবলার প্রতিষ্ঠান করিবলার প্রতিষ্ঠান করিবলার প্রতিষ্ঠান করিবলার করিবল

ভারতভাবদীপঃ

মাধ্যমুগতি, ভাবত গ্রেম ভাষেত্র গরে নিক্সিত তিন্ন নাজন ।

আন্দ্রম্পালনাক প্রক্র সাল্পতিস্থিত বৈত্ব প্রান্তর ভাষেত্র স্থান করা নিকার নিকার নিকার করা নিকার নিকার

অজুন বলিলেন ক্ষণ যে ভাজের সকলে উদ্দেশ্নী ইউয়া এইকণ আক্ষেয়্ক ডোমার উপাসন, করেন এবং মাহারা ইপিয়ালির আগে চ্বনির্কার অবর্গোর অস্তাধন করেন, উচ্চাদের ন্ধা কাঁচারা প্রধান ,যাগ্রিং গ্রাধ

্য হজরমনিকেশ্যমবাজেশ পরু পোষেতে। সংবারণমতি ভাষেত্র হৈমচলপ কাৰ্ম্যাংশা সামিকেন কিলাগেমেশ সাক্ষা সমকুষ্কাং। ১৩ প্রায়োকিকি মান্মৰ সাক্ষাই হতিতে এতাং ॥১॥ (মুখাকন্)

ভाडड(को प्रमी

. ह , स्वयुक्त नह दिश सक्ष्य १ (सहार्ष क्क् र्ता क्स र स्वयुक्त नह रहा क्स र स्वयुक्त नह स्वयुक्त स्व

ভারতভাবণীপঃ

২০, ক বিভাগ বিভাগ প্রত্যান নাম বিভিন্ন স্থা বিধাক । বি মান্ত্র বিভাগ বিভাগ বিশ্ব সমূক যে সকল তাজ সকল উল্লেখ্য কুল্ব প্রত্যান কিন্তু নাৰ্ভিন্ন স্কৃতিক স্থানিক ক্ষেত্র উল্লেখ্য ইংলাজ নাজ সংগ্ৰহণ কুল্ব স্থানিক ইংলাজ ক্ষেত্র সংগ্রহণ ক্ষেত্র শোল্ধিং ইংলাই আমার মৃত্যান

ক্রত্তির করার করার করা বলিত্তেনে ধরত

হার গাহার সর্ব স্থান্ত্রিসম্প্র ও সকল পাণারই হিছেলাবনে নিবত হার, এব তারিগ্রান্ত্রে বিষয়সমূহ হাইছে প্রভাগ্রেভ করিয়া বাকোর অগোচর, হাসুব্যর হাবিষ্যু, স্কার শা, অভিভূতীয়া, কুলে, নিজিন্ন ও নিতা পরবংগার ইন্যান্তন করেন, গাঁহাবাও আমাকেই লাভ করেন ১০ –৩৪



ভারতভাবনীপঃ

শুল নিকপি মু আন এবানি ফরা নি ২) হণ্ড ব্যু স্থান্ত হণ্ড আৰু ব্যুক্ত ব্যুক্ত আৰু চ विषय है अपने अप के लगा में अर्थ बार्ट्ड विकास मान ना द्वाम अर्थ है कि वृक्त न दाँच ग्लाम लो सद्या सम्बद्धि भगुःभाग्यत् सन्ध्यक १०१५ मा भगत् हिल सल्पितान हुन गलना । स যাখাজন - মন এলেই নানিক প্রায়ানমুদাছেল তাহি ৷ ১০ বাহি বাহি ভালু শ্লাকরণ সাকু কিং মলনত কড় সংশ্ৰেমিটি ৷ সত্ৰংশং পুর ছবং ৬ সবছল বা সত্ত সঞ্চ अवर्ष्त्रि दर फलारह दर्जी इसर। अवर अविद - ४० अन्त न्यू वर कार किका मन भने मिनि मन्द्राकृत्य प्रकार है । स्ट के भारत है - ५ किए में है। सह भाषां का कि अह का प्रशंभ द्वाकात्राक्षात्राहरू हुन। नाम न प्रक्तिक अपूर्ण क क. कि. अपरे १९६९ मामि क्यांसार १ अध्यातक मिन र खनार द्राप्त प्रदेश है उन प्रदेश । পমার্থ বংশব ন জাম। ভাজার সাকা শিল্পন ভূজা এল কণ শিল্পন ভূজাব্যুক্ত লাব সঞ্জ भनेपार्द्य तर करणाव्यविष्य वे. . वर भर भिष्टि स्र पान भू सन्तर भन्न न न ৰা'লনং কৰি তেনাবিটানভূত প্ৰদ্ধ ন সংগতিতুলকাম্য প্ৰ— বুহুত বুহুত अभिभि अभिनात संभाम कुले अने वृद्धि वास्त के दुरुपति । भू कहे दुरुपति संभू ८७(सम् छान्यामा व मछि दश्यादियक्षामारश श्रास्थामा दन दिव न प्राप्त एल वल नवान्य, कार्यक्ष दक्ष विदा ६ ६ नाम छात्रह निर्मात नव महत्व हु न पूर रिक्रमाम् व्यवस्थान्त् वार्थार्थः, अक्षायः च कि तद् अवस देवत्यः वर वार्थः वर वार्थः कृतका प्रशासकात्रका । कारास्त्र सिंह १९८४/काष्ट्रा द्रावस मानिस्म । अवश्यक्ष स्ट यान श्रीनम्र ठदंशक्रमणेम् क्रवाचा स एरम्थ्य म दान् भावद क न्यस्त्रीति । अस्तर्थ (६ छ र धुन्ती लखिल महावित विन्देश कावली मन्द्रा कन्द्र का छ। हु से इस उन्न उन्न है। १६६ साथ कान्द्र सुर বজে বিদ্যাৰণত পাদিশ্বিধ আত্মন্তিকত প্ৰাশক্ত এই কল্প দ্বিনালনপুৰো সন্তৰ্ভ ইত্ৰত্ব নাল্যন্ত্রাহ আপুন্তিবভাবে চ জগতারা প্রেছার ভর্পার্ণি তৃত্ব জান आक्रिया किह स्वकृत द्वाया कि, असूप स्टाम प्रस्कार सम्बद्ध कार्यो र प्रकृत पर् न्यु क्षत्रहेशो अञ्चल । श्री में केवरानटेड क्षित्रकेशालकक यन मन्द्र कका न वा । यह वा कि पार्टि हि कहन दिवार मानवाडि न ह अनुरक्ष करवनामान्द्र क इन्द्रायायनामान्द्र कहन्त्री कालांकि अन्दर्भवन्त अवालवाद्याकरक दवलांभव गय - इद्योगित अव १६ कि अव्यानात्म . शायुर्द क्रमानि अवस्पति केन बामावाविदे प्रमु म हे हे पहर, देख म ५ फाइन क्षुक्षित्य । अक्षाः क्षितिकाद्यापादा तालाहत । इ म्लब्द, म ६ लिल्याहतहेलव पुत्र १ अ बिट्डाः विवृद्धारम अव्यामकृत्वन्याययः धशामवाद्यापाद वर्षा, नदशीमणा व विद् ঞ্বমপ্রতেশভাবম্পর্মিভার্ব হল এবংবিধ্বক্ষর ক্রম্পাধনার বিভাত আছে—স এথমে চি मर्गद्ध काइन मदम अइत्या भागिक देनदक्ष मुक्तम्, हेन्द्रियश्चामः मयनकानः कराणि मः नदनः क्षितात्वनाम् वि वर्ण कृषा वकादरम स्विताल्याधायः। स्था हाक्षताक्षेता वृक्षित्रकः , स সম্ব্রহের যে ভবার ডেইপি মামের নিকিকেরা পরা এক পরা কালার প্রাপ্ত বিদ্যা কালিক, শন্ধ প্রাব্ডিটকে আনমানি মনদাসং । বৃদ্ধিক ন বিচেট্ডি ডামের প্রথণ প্রিশানার। স্বাভিত্তিত বৃত্ত ই দানেল সংভূতা ভংগানেল স্থা হেলাহলি খালোক্ষিতি বিনীয়তে ।৪।

ক্লেকৈধিক চৰকেলামৰ, জন্ম জন্চ এসাম্। অংশ জন্মি প্ৰিছু এক নুদ্ধৰ ভূৱৰাপাতে এক॥

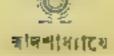
ভারতকৌমুদী

নত । শ শ শ শ শ হার ইবলি পান্ধবি ব নাপ্তির ক নিরাচে কেনের ক নির ক নিরাপ বংশ শালাক পার্তিক ব সারা দার সংগাতির করিবলৈ হিল ম কামিল হার সার বির্থি পালাল পালাল ক্ষা তি বি , লাংক ম নোলাভিন নি দা নার্থি বাব । ভিত্ত কর্ম কাল , বা মন্তি মুল্ল । বা পার্থ, জাক শ্রেশি সারাহ কামিল কর্ম কুল্ল কাল সারা স্থান ক্ষা মুদ্ধান্ত নার্থি সারাহ কামিল বাব কাম্যাল ক্ষা হার ক্ষা সাহাল ক্ষা কিছে বিশ্বিক বিশ্ব

ভারভভারদীপঃ

্সই নিচক চৰকোপোসকগণেৰ অধিকতৰ কেশ হইয়া থাকে। কৰা, মানুষ্ অভিত্ৰেট নিচাকাৰৰকানিত, লাভ কৰিছে পাৰে হথ।

ক্রিক্রার মন্ত্র সংক্র সম্প্রতিশ করা বাংল, কিছে নিরাক্র ব্রব্ধিও কর ব্যার ক্রিক্র মন্ত্র সংক্র রাজন ভিড়া করা অন্যাসসালা, আর নিরাক্র রাজন ভিড়া করা আ সালে আন, সার পর তারি ভিড়াত্তেই ই ভ্রমান্ন করা আবিশক, ভাইতে আবল ক্রেন্ত ইইন গালি, আন্তর্গ আনুক্রের্ণ এই স্বপ্রবাদ করা ইইলাভি। ক্রেন্ত ক্রেন্ত স্থান হাইলের সংক্রেণ্ড স্ক্রাত হাল করাই হয়, নিরাক্তর্লাসান্ত ভাগতেশক অধ্যাক করাই হয় বলি। ই সাক্তর্লাস্কের্ণ ই শেলা বিং



যে তু স্বাণি ক্যাণি ময়ি সংস্থা সংশ্রা:।
অন্যেটনৰ যোগেন মাং লাক্ত উপাসতে ॥১॥
তেলামকং সমৃদ্ধতা ভূতুসংসারসাগ্রাং।
তবানি ন চিত্রাং পার্বা ম্যাত্রেশিততে চদাম্॥৭॥ (মুগ্রেম্)

ভादप्रकोश्रमी

निष्ठ मानावदाल न सम दा (इन इट्डिंग जिसाक वहक्षमाद्मां हुन विद्य विद्य मुक्ति विद्य क्षित है। विद्य क्षित है। विद्य क्षित है। इन विद्य क्षित के विद्या क्षित है। इन विद्य क्षित के विद्या क्षित है। इन विद्य क्षित के विद्या क्षित है। इन विद्या क्षित क्षित के विद्या क्षित है। विद्या क्षित क्षित क्षित के विद्या क्षित क्षित है। विद्या क्षित क्षेत क्षित क्षित क्षित क्षेत क्षे

ভারতভাবদীপ:

অজুনা বাহাৰা আমাতে সমস্ত কথা সম্পূৰ্ণ কবিয়া, মংপ্ৰায়ণ ইইয়া, ভান্যা চিত্তে ধানে কবিছে পাকিয়া, আমার উপাসন কবেন; আনি আমাতে নিবেশিভটিয় সেই ভক্তগণকৈ সহরই মৃত্যুবস্থায়ক সংস্থামাগন ইইডে উদ্ধার কবিয়া থাকি ৩৬—৭॥

তেশ্বেশ্রা — প্রক্রপণে রস নিধাকর ব্রহণা অবহারে মার বণারই কার র আকার কর্মন কর হয়। স্তিত্র সাক ব্রাস্থাপদেন হ স্থিত থাকে একা সেই অবিভা আকাপ্যান্ত মুক্তি ইইটে সারে না , একা আগর কর উঠিল নাই। কারণ, স্থানিই সেই ভিক্তাপ্রাের অধিকা। দব করিবা হারণ্ডিশাক মুক্তিমারণে উর্কাশ করিবা থাকি ০৮ – ১৮



মণে ব মন আবংক স্থি কুছিল নিবেশ্য। নিব্দিয়াসি স্থোব অত উদ্ধান সংশ্য: ॥०॥ তথে চিত্ৰ স্মাধাতুৰ নাশ্যকে।বি স্থি কিরম্। অভাসেধ্যের ততেৰ সামিছে প্রিধনঞ্য। ॥১॥

जात्रक्टको मृत्रो

সাম, সকাবর দেশে সনাত মের জ্না প্রক্রিয়া প্রশাভ্যতি মুখারি হো মুজ্ন হা মাধ্যের সাধার বাজ ও, সভার বিভারতিকা মনা, আধ্যাধারতে, মাধ্যের হারসাল্রকাশ বুদিশ নিবেশ্য তথন কি প্রকাশ হারসালাই হা নিবেশিক্সীটির আগত দেশত বাজ ন, উদ্ধাশরম্ মাধ্যের শর্মারী, নিব সমুস্ত ক্রাত্র, নিবং আসে লাগন প্রকাশ করা আরু সাশ্যে নাজি, নন্ত্রহালাহ বন্ত্রহাহ হা ।

किस भागार जानसभूभाषकार भारतीत। या कारत र मुक्ता प्राप्त भारतीत अभागार विकास कार्या स्थान कार्या स्थान कार्या कार्या कार्या किया क्षित्र क्ष्रिक कार्या कार्

ভারত ভারদীপ:

देकरम भिक्तिकारिक कि विकास ना ना का क्षाविक्तिकारण है — विशेष है स्वा भवावि विकास कि विकास कि विकास कि स्था कि स्था स्था कि स

বাত এখ অজুন। তুনি আমাতেই মন ভাপন কর এব আমাতেই বুদ্ধি নিশেশিত কর, ভাতাতে ইতার (দেহ সাগেত) পরে ঘাইয়া আমাতেই অবস্থান ক্রিবে: এ বিষয়ে কৌন স্কেত নাই জেঃ

ভৌহেশিকী। অভিনা আমার নয় ও অকুপ্ত একপ অধ্যাধারণ যে, নজু নোক আমাতে মন ও বৃদ্ধি নিধাবিশিও করিছ উপাসন, করিছে থাকিলে, আমিই ভারার মজান নই করিয়া এবা জান জনা ইয়া দিয়, সামুজামুকি মান করিয়া থাকি ১০৪

অথবা অক্স। কৃষি যদি আমাতে নিশ্চলভাবে চিত্ত হংপন করিছে না পার, তবে অভ্যান্যোগ্যায়। আমাকে লাভ কবিবার ইচ্ছা কর ॥১॥ অভাবেদহপাদমর্থেছিদি মংকর্মপর্মে, ভব। মদর্থ মিপি কর্মানি কুর্বন্ মিদ্ধিম্বাপ্রাদি ॥১০॥ অবৈতিদপাশ্রভাতিদি কর্তৃত মন্যোগ্যাথিত।।

সর্বক্ষাফলভাগি ভঙঃ কুক ঘড়াছাবান্ ॥১১॥

% दिश्योग्धी

তাৰে পি প্ৰক্ৰণ কৰি কৰি আন সংগ্ৰহণ কৰা কৰি কৰি কৰি কৰিছে প্ৰাথমিক বা অসমৰ কৰি কৰিছে প্ৰাথমিক বা অসমৰ কৰি কৰিছে প্ৰাথমিক বা অসমৰ কৰি কৰিছে সংগ্ৰহণ কৰি মান্ত কৰিছে কৰিছে কৰিছে সংগ্ৰহণ কৰিছে কৰিছে কৰিছে সংগ্ৰহণ কৰিছে কৰিছে কৰিছে প্ৰাথমিক কৰিছে কৰি

উক্তানশি শক্ষণনার অপেনি অধ অধক, র অক্রাণ এছে হবজার, বং করা, ক্ষণপ্রিম অংশক্রাক্ষি, উভজান, ছবি বেংকা ক্ষণহালকলণ সম্ভান, আনি, মন সংঘ্র চিত্তব্যা আহলন ক্ষণে সহলা ক্ষেতি মধ্যভ্রাপত সন, সংহাদণ সভাবন্দন নানাণ ক্ষাণ ফ্রান্থেক্ক। সাহলাহশি ক্ষম্ভিস্কার (১১)

ভারতভারদীপ:

विश्वतम्पायम त्रामका धाम का इ—महर्षित । यदि विद्वेष्ट्य विश्वतम् भाग दि हिंदुः सम्बद्धाः विश्वतम् विश्वतम् । यस्य विद्वेष्ट्याः विश्वतम् । यस्य । विद्वेष्ट्याः विश्वतम् । यस्य । विद्वेष्ट्याः विश्वतम् । यस्य । य

ভোক্ত প্ৰিয়ে অন্ত কৈ ব জানাৰ অধিম, ক ভিত্ত সুধিতে যাব বাব ভিত্ত স্থান্ত নাম-- অন্ত কৈ মান্ত হা সভ্তুকু সমান্ত হয়, সাত আবাই আমান্ত লাভ কৰিবলৈ চেল কৰা একনান, মন মান্ত চকলা, সুন্তাং বৈলাগৰ বালাম সেই মনেক অবিভিন্ত ভিত্ত বাব বাব কৰা বান্ত হুজৰ, কিছু একটা বিলাবের বাব বাব ভিতাত কৰা সংবাদেশ সহজ্ঞান

অঞ্ন। পুনি যদি গৈ অভ্যাদেও অসমধ হও, ভাব আমাৰ প্তালাভৃতি কাথ্যে ব্যাপ্ত হও কেন না, আমাৰ পীতিৰ জল কাৰা কৰিতে থাকিয়াও দিক্তি কাল কৰিবে #>•॥

শ্ৰেশ্ৰীয় অংশৰ জীতিৰ ছব কৰে৷ কৰিছে ৰাকিলে, ক্ষণা বাল প্ৰব্যপ্তিক ভিৰোহিত হওলাল চিত্ৰ নিশ্ৰল বছৰে, তথ্য জান ক আৰ, ভাষাৰ প্ৰেট মৃত্যি চটাৰ ১১০১ ্শাষ্টে হি জান্যভাগাজ জান্তানাল বিশিষ্ট । শান্তাং কথাকল প্রাণস্থাগাছে ভিবনস্থা ॥১২॥ অভেনী সকল নাম হৈ এ: ককল এই চ। নিশামে: নিক্সাবং সমসুংগ্রেখ্য কর্মা ॥১২॥

ভারতকোমুলী

स्था भन्नेत्वस्थात्रवा स्था किंग कर्णा भागात स्था है है। है से अहा शहर अधिकार अधिकार किंदियां कर किंदियां कर कर स्था कर स्था किंदियां कर स्था कर स्था

ভারত দাবদীপঃ

সংখ্যা সংস্ন । তুনি যদি আমোধ পাতির জন্ম কংখ্যা করিছেও অসমর্থ হও, তাহ। ইউলেও সামোর সভিত সম্বর রাখিয়া সামভাচিত ও গছলীলা ইইয়া সম্ভ কার্যোর ফল ভাগি কর ৪১১॥ -

তে বিশিষ্টি—ক্ষাৰ কলা - স্থানি প্ৰশাসনাদিনিবছন অধ্যোগ, ভাচ কামন কৰিছা যদি কমা কৰিং স্থাকে, তাৰে সেই অধ্যোগাই চাইছে সাকিবে, স্থাত তেওঁছা বৃতিষ্টি সাইবে, আৰু মনি কাম্যান সালা কৰা, সাৰে চিত্ৰ শুভ চাইবে, আনন ক্ৰিয়োৰ এবং ভাচাতে মৃক্টি কাচি ক্ৰিবে ১৯১৮,

মধ্যে মধ্যের জান খেট, জান অপেকা ধ্যান ছোট এব ধ্যান অপেকা সংক্রমক্তভাগে (খেট। কারণ, সেই ভাগের পরেই মাজি হয়॥১২৫

ক্রাক্রেশির্ম্যা—কেন পেরবার প্রতিমার উপরে বার বার বিধ সমর্পরিকণ যে অভ্যান, হাচা অপেকা কেই প্রতিমানিটিত এব সাকে জানা প্রের, সেই জান অপেকা তাহার ধানে শেষ, এই ধান অপেকা ক্রাফলত্যাপ প্রেই। কেনানা, বর্ষফলতারে রাগ্রেশপ্রাভৃতি ভিরোহিত কর্যার ভির নিশ্বল কয়, তথন ক্র্যান জ্ঞা, কাচ তে মৃত্যি ভ্যান্তর



সন্তুটা সত্ত বোগা মতাক। দুজনি-চমঃ। স্মাপিত্যনোবৃদ্ধিয়ো মত্তা সংগ প্রের ॥১৪॥ (মুগাক্ষ্,

छात्रखटको यूगो

डेनामीशाहरायाचा रावनीयवलीविश्वन्याम इक्षणान्य प्रमुखेण इक्षणा (स् मन, मनेष्ठाना महादेशरान्य विश्वम प्रमुख १६६० तार महावित्व प्रश्निक विश्व स्वाप्त , ककाम, प्रामुख, निकास व्यव्य विश्व प्रमुख विश्व निकास प्रश्निक विश्व कर्षेत्रा विश्व मण्डा, मध्य म्याहन इच्छण स्व मुद्द प्राप्त विश्व निक्ष स्वाप्त स्व क्ष्य स्थापित्व इस्माद्व , क्ष्यी अन्यव्यक्ति क्ष्याकानी स्व क्ष्य मण्डा स्व क्ष्य द्वा , क्ष्य निकास स्व स्वार्थ वाल् भ्रष्य स्थान , विश्व द्वा स्व क्ष्य स्व क्ष्य क्

कात्रकछावनीन:

८ है । असे हैं कि प्रदेश हैं । असे अवदेशक क्लोक्टरक किया करें के करण कर्यन कि अधिकास १ १९ ५ प्राथित कृष्या कृष्य कार्या — या श्राक्ष मा अप्राथित १००० क्ष्मित mich bite - tun. funcue turg a gur'a er befe an fum ere nie par देशहर का दब ह— मकन है हि । दूस्य ह देशांच क्यार स द पहुँ है या स है के हू-द्रारत्कारि, द्रारुव सरहणान्यदान, नव, नो हेक.. पारुद्र एक नव्य होट दि सम्बन भुकार छ । भुकाशकार वर्षा लक्षणा जिन्द्रकार है है । व्यवकार के अस्तान अञ्चल নির্পাত যাম্বার সানিক্রমার, মাত্রের সামে ভাগপ্রার্থিক তার বা মেতা কা লোক क्यां व्याप्त का विकास का का का का वार्ष का वार মুমুকুরে তান্ ধার্মানত বিলেলি তার। ১৯০৮ লাক্তি মন কাল বান্ত সভা বাল আন হ । সাম রং अनेमा ५ मि आवसारमा स्वाहित्रोहत रतायु सर्वत् र स् वसायात्र क्रांचित আল্লেড্ডেবিস্থে নিশুটে, যাল সুস্টনিশুটোডসভাবন লাকু সম্ভাগতান মহি নিশুলে জ্ঞাধানিতে নিহিতে প্রবিল্লিত ধ মন সম্ভাতিকণ ব্রব্ধন্থ লাভ হৈন্দ भूग, निक्तिहास कृष्यः । अकृत्या । या । या मान मान साम प्राप्त प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त (स्था व्यक्तिया, "का भी दारेश्वद स्था महम्" हेड्र क्ष्म स्टब्स भूकि संद्राक्त स्थापन स्थापन स्थापन হাগনাত জুটন মচল সাচ নির্ভভাৱে বিবিধ সল পাপুলি বিভাভ তার লগত ভ্রেম চ খানুহ—হলুটেট্র হলুমে সমাধিখনে কর্মমারেকে নেভিড ধন রড ড্ডাক্রিপ

আনার যে জক কোন প্রাণির উপরেই বিদ্বেষ করে না, অধ চ নির্ভাবাপর

। দয়ালু থাকে, নমতা ও অহলাবপুদ্ধ হয়, সুমে ও চু যে সমানভাবমুক থাকে,
আপকারীর উপরেও কন, করে, প্রয়োজনীয় বস্তু পাইকোরা না পাইকোও সক্ষা
সম্ভূতীপাকে, আনার আরাধনায় উল্যোগী স্বত্তভাব ও আনার উপাসনায়
দ্বনিশ্বয় হয় এবং আমাতে ধন ও বুদ্ধি সম্প্রকার অবস্থান করে, সেই
ভক্তই আনার প্রিয় হয় ১৯০—১৮৪

एक्क क्ष्मिक्क निर्माण करें क्षम स्थान स्

সন্ধ্যালিজতে লোকো লোকালোলিজতে চাৰঃ। হয়ান্যভাষাকৈ প্ৰেন্দ্ৰ কোনা সাম প্ৰিন্ধ ॥১৫॥ অন্পেকঃ ভূচিন কা উল্ফোনো সভবাৰঃ। স্বাৰ্থপ্ৰিয়ালো যো মন্ত্ৰঃ সামে প্ৰিন্ধ ॥১৬॥

कात्रज्यकोगुनी -

গৰ্ণ দিছি । কে সাধার এল জন, জাক্ষ্যে, নাং বিজয়ত, তেল এনুকা, লাকার সানাবান না জনাত, না হা তেওঁ লাকা হা ক্ষ্যা আনী এলাত আনালা, জনাই আনাধ্যাবিদ্ধী সামাজ্য লালালিক আনালা আনামাজকার চিত্র ক্ষিত হৈ বাভারত এব নুকার, সামাজকার মে বিশ্ববিধার

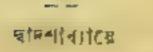
্নাপের হ'ন হয় ক জন, মনপ্রেম সংবংশর হথা নিশ্বং, শুচি বহির্থরে চুপার্ক নাম পাল্লালের নিপুণ, উল্লেখন, সামারিক প্রাণাজনক, বাদরাম থানিই ভুল্লাপিন, লিংকারে বৃত্ত বৃত্ত করু হালা সাহার্থণ করালৈ নিশ্বনিদ্য শ্বাংশ্বিদ্যালী, সুব্য প্রিধারে ১৯৬

ভারতভাবদীপ:

মানুধ হাত। তউক্ত উদ্ধিয় তমু না, আবার যে মানুধ তউত্তেশ ইংশ্বর ভোগ করে না এব ্য সভাবতেই মানন্দ, কোনে, ভয় শ উদ্ধেশবিহীন, আমাব সেই ভক্ত লোক আমার প্রিয় ॥, ১৮

ভাষাকাট্ সমৰ হিলা লোককে কেতিকেই মাজাকে উন্ধাহন, কিছু সাধুকা দশিয়েল উন্ধানত চাইন কৰা আৰু সই উল্ভিন্তন, সনক, হিলা লোককে খেন্ন সংসাৰই নামক কিছু কৰি আৰু ব্যালাক সংসাৰত সংসাৰই নামক কাৰু সমুক্ত কোন ভাষাকাই নামক কাৰু কাৰ্তী নামক কাৰ্যাক আনুষ্ঠ নামক আৰু সমুক্ত কাৰ্যাক কৰি কাৰু কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কৰি কাৰ্যাক কৰে কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি কাৰ্যাক কৰি ক

সামার যে ভক্ত কোন বস্তুর সপুতা করেন না, ভিতরে ও বাচিরে প্রির থাকেন, প্র ও মিত্রে উদাসীন তন, স্কল্পেকার ম্নানিড়া বর্জন করেন এব অক্সনরক্ষণাদি স্বপ্রকার কৌকিক কালা ছাছিল। দন, সেই ভক্ত আমার প্রিয় ৪১৬৪



যো ন ক্ষতি ন ক্ষি ন শেচতি ন কাকতি।
১ বাও বপৰিত্যাগাঁ ভিডিমান্ধ্য স ্ম পি মঃ ॥১৭॥
সমঃ প্রেট চ মিরের চ তথা নানাপ্যানকোর।
শাঁতোক্তবভাবেশ্ব সমঃ সক্ষবিক্তি হঃ ॥১৮॥
১ বানিকান্ততিয়োনি সন্তুক্তা যেন কেন্চিং।
অনিকেতঃ শিব্যতিবিভিয়ান যে পিয়ের নবং ॥১৯॥ (মুখাকম্)

खातकरकोत्रमी

ষ্ঠ হ । জনা, ইচল শেকপি ন জয় ছি, আনহাত প্ৰেপ ন প্ৰিটি, হাংন প্ৰেপ ন শা চ হি, জনাগাঁহমান ন ক'হাংশিবি, আন আভাপারিত গা হো সান্দেল ছু সামন্দ প্রিটি ক্র শীলনতা এটা, মুগা স্নান্দ্রি ভিন্নিমন্দ্রণাট সামন হো সামি চলা।

स्महार । वार्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थान स्थान व्यवस्थान । वार्ष्य क्षेत्र क्षे

তেওঁতে পাছরি — 'কেন ব্যব প্রেক্তের ন' এই ন ব্যবস্থার ধর্ম প্রেক্তির করেন। সং

যিনি ইট্লাভেও কট চন না, অনিট্রাপিডেও ছেব করেন না, ইট্নাপেড খোকোও চন না, অপ্রাপ্ত ক্ষেত্র কামনা করেন না এব স্থাপর কারণ ও হু থের কারণ ইডয়ই প্রিভাগি করেন এব যিনি আমাতে ভড়িনীল কন, ডিনি আমার প্রিয়াগ্রহণ

্তেপ্ত পশ্চায়— এখানে ইয়াৰ আনটাৰ নিৰ্দিশ বৰ্ট স্থিতি কাৰণ, পুৰা ইট, ছাৱাৰ লাভে সংখ্যাজিও জাইখনা, আৰাৰ পাপ আনিই, এটাতে সম্বাচিত শ্বাহানে চেইচ

শার, মিত্র, মান, অপমান, লীড, গ্রীম, সুধ ও ছ ধে বাচার সমান চাব থাকে, পুল ও কলরপ্রভৃতির উপরে বাহার কোন আসজি থাকে না, নিন্দা ও প্রেল সাম বাচার ছাধ বা সুধ হয় না, বাহার বাকা স্বত হয়, মণ্ডলেন মে কোন বস্তুদ্ধ বি সন্তই হন, বাহার কোন ভাগী ২০ থাকে না এবা আমার উপরে বাহার ভাব বৃদ্ধি ও অচলা ভিজি খাকে, সেই লোক মানার প্রিয় হন ১৮ — ১০৪

ক্রাজ্পার্যা এই সমস্ত গুল বাংকিরেও ছফি ভগ্রাবের উপরে ডক্রিন ও কে, তবে সে বাজি সভ্তুলা ১১৮ –১২।



্য কু পৰা প্ৰতিষণ মংগ্ৰাক্ত পৰা প্ৰেয়ালয় ।

কল্পনি সংগ্ৰম ভক্তাতেই শীৰ মে প্ৰিয়ালয় ।

ইতি ই মহাশ্ৰতে শাস্পাহাৰ্ণ সংহিত্যাগৈ বৈষাসিকাণ ভীলাপ্ৰাণি
ভগ্ৰদশী হ'পৰ্বণি স্টু জিল্পোচনাৰ্য ॥ ।॥

গৌলাক্স ৰাদ্যোহ্যায় ॥ ।॥

'काब सरको धूली

প্ৰতা নাধাৰণ নুশাল হল । ই ব চুলাকে হড়াই ছাভাল ছোলাইছি আৰু নুধা বিশ্ব সহায় আৰু নাধাৰ প্ৰতা প্ৰতান আৰু নাধাৰ হৈছি । ই লাল কৰি নাধাৰ কৰি সমাজ আৰু নাধাৰ আৰু কৰি আৰু নাধাৰ কৰি কৰি নিধাৰ কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি নিধাৰ কৰি নিধাৰ

भारतक हादमील:

যে স্কল ভক্ত বৈশ্বাসী ও মংপ্রায়ণ হইয়। আমারই উক্ত অমৃত্রুলা এই ধর্মশালের স্কাপ্রহাবে আদর করেন, ঠাচারা আমার অভ্যুত্ত প্রিয় হন ॥> ॥ ভাকেন্স্যা—বিশ্বাস —সংমার এই শতুকে নামা বলিং খারণাবারী ।২০॥

(২-) হোড় ধৰ ছেডান্দম্টিত পৰচচুত, পাড়



ত্রোদ্ধোইধ্যায়ঃ।

जर्ध्व छेवाह।

প্রকৃতি পুরুষ্টকর ক্রেন্ত ক্রেন্তর্মন চ। জন্তবেদিছুমিজ্যানি জ্ঞান জেনক কেশব ! ॥১॥

ভাৰভকে भूगी

स्व "क महिकि" है कि जनक इस्मिन्ति क्रिक्त इक्षान्ते, से इ ना से संवर्धन का का गाँव संवर्धन का गाँव स्वर्धन का गाँव संवर्धन का गाँव स्वर्धन का गाँव संवर्धन का गाँव स्वर्धन का गाँव स्वर्

ভারতভারদীপ:

শাংশিক হা বিন্ত বি নাম্প্রাধানত কার হয় নাম হিছে , জানা চু ভারত আগপুর পর শোষ সহীর প্রিয়ণ ভারত হা পার বাগমন্ । মুক্তানার হাল বিবে ভার সন্ধুক্র বারত হ হয় দেই ইমার্ম হারত কার্য কান উৎপর হাল্যেকাল হা স্তম্ভার পুর অব্যাহ ভারতে বান ভু সাধনক শিলা। বি ই সাম আ উপ সন্ধুক্ত নাম্যেকাল হার্য হার্য আকি হৌনিচারের সৌরস্কাল নাম নাম সাহক ভারত বি বিনা

স্থাত্র কাত্মপার্কতি নির্ভিত্তির কাত্মপার্কতিশ সভূত্র ক্রাক্তি । ত জ্বাধ্যক্তি ক্রাক্তিয়ার প্রতিশ্ব প্রাধানগঠন, হ তথ্য

সভূমি বলিংলন 'কুষা। প্রকৃতি, পুকৰ, কোতা, কোত্রভা, ভান এব জোয় এই সকল আনি ভ নিংস ইছো করি'।:॥

क्ष्यिक्षा — 'इव्यान इहेर महे कृष्ण हवा है। महत साम्युल कर एय रवा मृक्ति (भड़ेक्षण्डे कार्क, स्व 5 क्ष्यान प्राप्त प्राप्त रिया) क्ष्य मिशाहन — 'शांत क विवस्त कर्ष्य भ्रति क्ष्या कार्यात प्राप्त कार्यात प्राप्त कार्यात प्राप्त कार्यात प्राप्त कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात कर्ष्यात कार्यात क

(১) অলু লোকজ শহর লিবে মধুপ্দরাদিনিকাশপুকরেবরু নারহলি অমনাবলের সরেবের
পুরুকেরু দর্শনাধ্যাদিরহার গুকরে।

শীভগবাসুবাচ ।

ইলা শৰীৰা কে'ল্ভেষ । কেন্দ্ৰমিভাভিধীয়তে। এলন্যে ক্তি এ প্ৰান্তঃ কেন্দ্ৰজ ইতি এদিলঃ॥২॥

धातक(को भूमी

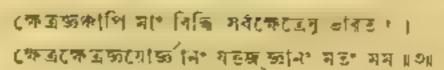
দত্র ক্রান্ত ১ লব্ র ০ শধ্রতে বজনাবর হ ক্রীকট্রকার্ন সংক্ষিপ্র করা কর্জার লব কর্মান কর্মান করাক্র সাজবাদ্ধর হার্মান নির্মিক্তর্নীয়ের লাকার্ম, ক্রোন্ত নির্মিক ক্রিটিন করাক্র সাজবাদ্ধর কর্মান কর্মান বিশ্বক্রা, তা ক্রীক্র, ক্রেক্তর ইতি আর্থান্ত নির্মিক কর্মান ক্রান্ত ব্যাদ্ধর ক্রেক্তর ইতি

ভারতভারদীপ:

サカ トエ メインチェル 明さてみ cモーディが foull 10年10年 東北島10日 「衛管は 将衛利害: র ১,৫১০ শতর্প সান এন এই সা ৮ বিজ্ঞ । রুপালার্ডরেরসমূক্তম । তথা ছাল্লে প্রায় রুক্ত্যানির্দ্র । न्त के प्राप्त करके अस्तर किया के कुर्द्धक कर दिल्ल खंभावाचे प्रक्रमान क्या। अस् प्रतिकृति । स्थानिक । स्थानिक कि एक्किया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया শক্ষান্দ্ৰ নিজ্ঞান সভাল সভাল বংশলা কৰি সম্ভাতনা কীৰেণায়েণেচাত্তাকো ৫৬৪ছ বং হিপুলি হান্দ্র বাদ্ধার বাংক্ত প্রতিবাহণ বিশেষণালণ সংক্রারাণ ভাষার, নারা ৯ সভাবিব্যাল বিভা লালৰ বছাৱত লগত হুনিনিছকে হেছাপি পুলবেছা এইন, সিন্তুতি। र ५ वन १ १ १ १ के वजा ते केटराना अधिकित्यासम्बद्धनुदेवकः। शुक्रवरक्षः शिकाः रेड खना विभाग । वेक वर्ग वंग के का किया वर्ष एक प्रवाद छानु कुल्लिका है। जा खिल का खना कि एक साहित ন পুক্তিত হিমান বা বা ১৪ বাপেক নেও প্রথম ১৬পেসাইব্যপ্রস্থার । না স্টেক্সাল্ডা কালাণ সুখানি কালা প্রিণ স্কৃত আছিল সংক্ষী এক এব ১৪ জন ইতি নিহলা প্রাংশ সংক্ষিত সাহিদ্য বিশেষে প্রিণ বননাগ ব্রক্তনাহত্বং প্রেরেটভক্ত লি কর্নশ্লুনীরপোশ্য দি-्मश्रातित पृत्तत्वरु भ भ दिर ६१ ११० व कु भार हात. क्या श्रीद्रशांतकः स्थापित्व स्थापित (स्थ-च्या हो। इ.स. पुरुषद्व दा च स्वतः स्वतः अव्यक्त अव्यक्ति । अव्यक् ৰ অনিপাদন "নামতি ১৯০ সাণাম্, 'হছ মুক্ত স্কল্পাইত্ৰাভ্ৰুম কেন কা প্ৰেম ইতি মার মবিভাগরত এব ১৭৮০ নাবের পাবিতা হল নাম্ভ প্রবিষ্ঠা করেছ জনানাম্ব শত্র কেব সাবু

কৃষ্ণ বলিলেন—'অজ্ন। জানীয়া বলেন—এট দারীয়টা কেছে। আর বিবেকীয়া বলেন—এই দাবীয়টাকে হিনি ছানেন, তিনি ক্ষেত্রত ৪২৪

শাংশ শিশ্য দশব ন গর স্থাগরের চুতীয় প্রণক হলিবেন—"তংশম সেন সে শাংশ ক্ষিত্র ও ক্ষেত্রকার বিশ্ব স্থান র নিকাট সংক্ষোপ প্রবদ্ধর প্রত্যাগ প্রথমে প্রকৃতি ও প্রক্ষের বিশ্ব স্থানিতে ডালিলেও স্থাগিকটারেরগ্যে ভগরান্ প্রথম ক্ষেত্র ও ক্ষেত্রকার বিশ্ব বলিতে আবর্ষ করিলেন , ইরার বিশ্বত বিব্রণ ক্রমণ্য বলা ভ্রাবে ১২৩



छ। इष्टरको युनी

स्था कि कि विकास के वार्ष कि स्थानिक स्थानिक

ভারতভাবদীপ:

ভরতনক্ষণ তুমি ইচ জানিতা রাখ যে, স্কল্পেকাৰ শবাৰে যে জীব মাছে, ভালা মানিই। অভএব শবীৰ ও জীবের যে ভেদ্যান, ভালাই ভর্জান, ইহা আমার মৃত্যাঞ

知 b 、 有 下下 45 - 有0分 水气肝水气肝水 。 有 1 · が数すでいたのかできる ままな 10mm mg f x 10g B

कारक,को मुनी

and an in many and me a market and and a few artists of the fitters. 57/4 · 41 化族學 神经期间 一面有点 一本人 學 人名米 自不 不知明 法自己获得。 महर्द्धमन मन्द्रकरणण, इत् हम समाग्री है और १४६

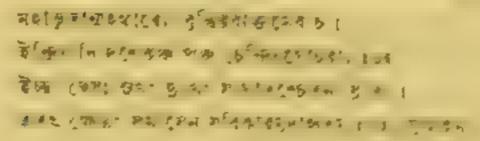
whether earlies for a charging rate of a 医细胞性病 "不是哪一世,不不是是不不当。" 计对象性 不可能的 不可能 美国 "我生物。" with their transfer of the terminal and इक्षिक्ष । व र र र र र र र १९४६ - मान्या प्रकार विकास १९५० । १९८५ मान्युर "And have been the new year always and the sales and the B Mr. . The thirt of the text of the text

कार्यक्रावकीलः

, भारतका १ । अपने २ मा अपने १ ५ - ६० १ १ । ५ अत्यक्ति विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व वि 中中 电双 神色雕饰 中产作业人 自杀 有之名 使输出之中 名 饰 "不是"的现在分词有 \$0个时气简彩 東·養夫(*) かんがうしゅる カラー また 田 ルイ 文献 田 ル イ ま 31 「山 竹 木」 出知 と 覧 (「山村) রম্ভুলি লকাতা রভাতির র বং ব রবাত আলের সংস্কার ক্রম বং নির্ভর্তি, জ্লাবি বিজয়া 京都 変点 · 行宗 · 」 す · 文句: マアンド スポータをい · スト 中間 コレ な ! ・ ガニヤ まゆ 歌 み切 中間: क्राज्यिक कर रेटकर कुट्टर व राज्य राज्य व अकु यह उन्में राज्य कुन्यू कुन्यू मुख्य मुख्य कर्तना कार्याः "我收 有 从 有 3 以 时 2 以 , 其 5 数 4 数 2 以 4 以 4 以 4 以 4 数 以 4 数 数 2 至 数 数 करके स्थान के नेक्रण ने प्राप्त कर ने राजन यू दश प्राप्त अनक्यत्राच मुख्य मी दी श्रमका दुक्क बन मन्त्रविक्षण अकान का ताकार करता करता न प्रकार विकास विकास की कुरश्रद्धिक किन्ना (दर्श केन १८४) किन्न केन्नकिक र दिन्द पूज हिल्ला किन्न है। श्रद्धिक অক্না সেই কেটেৰ মাহ কৰ্প, মাহা দক, মহচা বিকাৰ, মাহা इंडेर्ड देश्म व दा यात्रा करण , बाद ,मडे ,कदरकाव यात्रा सलाव छ (यवर्ग

লক্ষি, সে সময়ই ভূমি সংখণে আমেণ্ড নিক্স আবন ক্ষাৰ্থঃ

·西(近日(方)-- さい サモースペリ 電ぐ サ E() ルルツ スペッセ すむ (4)



कारकटकोश्रकी

7.57 7.4 19, 15.5

er and the test of the same and the Mile tract a market grade to a constant to a constant material and the contract of t . 23 4 78 20 6 4 , 14 4 77 4 1 79 4 4 4 7 4 day to a state that he has been as the terms of a PARTING A STOR AND A CHARGE A A CHARGE A THE P 開發性 电双头 网络中国 化二氯基 医肾髓管炎炎 化电压 医二甲基甲基甲基异 人學大學 不在者 不能是 全型工作 不 一 一 一 一 一 一 一 一 事業的發展 医神经物理 美国教育的中央工作工作 中国主义 中央工作 中国工作 中 भक्षना देशस्त्रीहर तक----१।

मुलिम् छ इंड क मेर डोडी गत्र हार दे रहा विस्त कर रहा रह मुद्र मुख्य 母有時 母有明月日日 正年 司 李月本 四十二 概要 日十四 明月 十十 多學之報 中午 食味 श्रीकाम व विद्यादक्षणाच्या

the wine on the property of the party of the party of चिक्रा के हा कि देशोद्धर के दिए केस कर देश प्रकार के ' केस प्रकार के देश कर

भागा मह हुत, महद र हुन, मह र, भन १ १ १ मह १ ११ १ मा १ ४ मह के लिए प्रव भाग दिल्ला, हे लेगे, ज्या, गुन, गुन, गुन मार्गेट, पहल भाग मार्गिट, मुक्त करें भागत्स् लाइक का प्रत्य दे वाच दे वाच माना करा है।

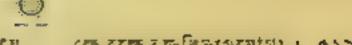
建建物 医甲基甲基 中心 其中 多學 化化二甲酚 化甲 医尿性炎 衛 化化二次剂 电流

্র ইংস্ক্রম্

ভাষত ভাষ্টাপ

्याहर कि केट कर अन्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त कि कि एक विकास अन्य प्राप्त 电线 医皮肤 电压电流 美国 医肾 医甲基二甲基酚 医肾髓 医多种性原则 医性皮肤 有效對不便而不 表有水 有。 医中央性水平 一年時 "你是有什么什么",不 化二甲基 化二甲基 化甲基酚 《竹 रधुकुल रुक्त रुक्त अस्य अह ना रका रक्तर्रत द्वार स्थार — अस्थि दिखा। भ ५+ राष्ट्रकार । राज्य द्वार द्वार देव । १६क नि भाग न समुख्या, नामा अत्य अभि , स्वकार प्रस्त्य व स्वति कत्र भाषा विषय है। विषय विषय है। э पुरवा म . विश्व १ ६ ३ ६ पुणा पात अलाविक , मधा प्राप्ता प्राप्तान कुमने एक न नद्वाच कु कि म नाव १ १९४६ अम अक्ता र सहस्र वामन विक्रिकारेयीः कुमारि महारा । . जाह मार्गात पाका उनके कुरायक। मार्गावा वस्तावा विक्रि स्मारानी 朝州自身中 日本 工作作者 电电子 一 野 电电话外点 化二氢素 有效性 一国有"安全 原有效性毒素 有"锅 ्रमार प्रथन कर्णनक तन्त्र कर करण सम्मानक के कि कि। प्रश्चम ते नृष्टितिकि भारत्यकृत्य अर्था र र र १ व कामा स मार्ष पर्दान तक इस कृत्यात है हि छ। यर करन कर्पाट करण हुन्य चुन प्रति क कुन्यात — हे किए कहि है किएकि में अक्ष brate अर्थ पान के ल'ला । व द्वलक्ष्यरम्बार मिला अन्ति क्षिताति च क्षांदि अप्रकृतक कि एक वर्ष कर है के यह (संकृत प्रति प्रकृत विद्यास्य अके) क्षाक् , के फेल के विकास हर । इस नाम के देश लाई क्यों के से शहर के देशतान मुक्ताका विकास । इस ११० १०० ५ छात्र विकास कार विकास करा। विकास केवल मीन চচ্চত্ত । ১০ ৪০৮ - ১০%। ১৫ ৮০ শিকার নির্মধ্যের বৃষ্টার সংখাদ সাংখ্যাল স্থায় লগত হ'ল হ'ব ল নান্দ্ৰ মুখ্যা গ্ৰহ বিভাৰোল জ হত ইত্যকং हरार - हे क ह, हे के खान व नाग्य र अपूर्वन उत्पृत्तिम म का दे! व देश है है । ५ ५ ५ ६ है । ज्या हुए वर्णानाम । इसे एम में कृषिति व्युट रिट्ट कि. ो प्राप्त हुए । यह दूरि सामाक माला म, आहा कियमा माहा ए अहिक-का स्थान का का का नाम के प्रमाणन द्वार्यकर्ण ने अवकरणा एक का। ८० वना म भागके के वृद्धि देशव कुछ अवभवदा देशन शबदों के श्वापितिक श्री अविभिन्न स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित অন্নয়ণ্ডত্তন পি তেখন হা প্রাপ্ত বর্ণপু পুলবিং ডাত্সি তেত্তন এক প্রতীয়তে সেয়া

প্ৰকৃতিকৈছে (কোন কোন জ ন মন, কুৰ ও সংক্ৰ এই দিন্দু কোই সমূতিকৈছিব সাকৃতি কৰ্ণ ধন ক্টাড় (৪) সংস্কৃত্ৰ সালট কবি কিছা, আৰু একট (মন সাকৃতিকিছা, উত্তৰ মিলিছা। একাৰটো ইন্দিছে লাল, কলাই, কলা, বন ও গছা এই লাডটা কালেকিছাৰে নিৰম আৰু কালে, এইছে, গমন, ভাগে ও সানাক এই লাডটা কৰ্কেকিছেৰে বিষয় ১৮—১।



অস্থি ইমদন্তি ইম্ছিপ্স, ক'ব্রিরার্ডবস্ । আচার্ষেণ্পাসন পৌচ তৈর্মনা রবিনি গরঃ ৪০॥ हे सिमार्ट्यम् देवबाभाग्यम्बद्धाः दव ६ । জ্বাসুভুজিরবাধিপুগেলেখাগুল-নিন্নালে यमस्मित्रमध्यक्षः भुद्रभ्वपुरुष्टितु । নি তাকে সম্ভিত্ত হামিটানিটেডাপেপতির ॥১०॥

ভারতকোর্থী

विकास मध्य मामनावाद पर्वाप, कुलावन । इह विद्या । अन्यानिक वार्वान ह আংগাতে যোকারণমূ, সাদ্ধারণ মন্দ পি সংগ্ৰন মন্তেখনমূ, সংক্ষা ক' ক' ক'বল ভি পর্কী হয় भाकाद्वराञ्च 👊 स्थानन दमनिकृतः 👊 छदा अदल । भूपा 😙 पुरस्का अन्तर भविष्ठाः, বেণীত মুক্ত লাদিভিংসত প্রকালেনা ব ছং ক ২০০ ব দিশানকাম কুল্ম পুশ্র বিভুগায়ত বি च्चित्रकः, आर्थाविनिधाद देख्यिमनान्यः, देखिर १६५ वर्षकान विजय १००० वर्षः वर्षः विद्यानः । কানহত্বে, সকাবিদ্ধরভালে, এব ১৮তি সম্প্র এক সন্তর্গ স্বায়্র্কের বালিসু ভুগ

ভার্ডভাষদীপ:

(६७म भगामा कि हे देमन द्वार किन्न भारतमा ए १० ६ मा मा चारता स्टाह বিচিকিৎস আৰুতাৰ বৃতিববৃতিকীবীনীবাস্থা সভা মনতা হ'লক ন্দ্ৰা মান পুতি হ্মত। এবং ক্ষেত্র বাকারণ গাল সহিকার বিধারক হাত দিল স্থিক কো ১৯০০ টিল स्विष्ट्यूमाञ्चरकृत्यः । नांद्यकान्तर्वाक्ष्यः वार्याद्यः व्याप्त्यः वर्षः वर्षः वर्णः वर्णासः, स्वतः মেৰ স্কৃতি তে প্ৰস্থাৰণ মূপ অপতিব্যাহৰ সভাগ প্ৰায়ণ চৰি আন্তৰ্গ भाषिति अर्थान सम् कार एक अपूर्ण ने कार ने कार कार कार कार्य विकास भूषात मध्य स्था विकिष्टितम्। व्याद्दराज्यमस्य दण १ ००१ ७ ४ - विकिष्ट, भागी याम छ दमका विमाल स्था शुक्त देवि। यमुक्ति विकार है । १६ हमा । अस्त সাধনানি বিগত্ত অম্নিত্মিটো অম্নিত্তি দ ১৮০ টুডুবিলেল নক্তাত 医毛髓病 有面接 有 有限 阿克特特市场 美国 斯州市 医神经炎 医特殊性 电影 机有用电影 হৰতি । এক্স নমিনি কোনমিতুলেদক কমা সাহ বিজয় নিব্ৰিলয় নিব্ৰুটাৰ হন লাগিছে মানিষ্য বাভপুলাধ ভাবে অবহাত প্ৰতিবৰণ সভাহৰ্ কৰে বৰ্নালি

বাক্ষারো আত্রাঘা না করা, মনে সমেও জাত্রাঘা না করা, প্রতি স পরিতাশি, কমা সরলতা, গুক্সেবা, ভিতরে ও বাহিরে পরিত থাকা, দৈখা, ইন্দ্রিরদমন, শক্ষ ক্ষালপ্রভূতি বিষয়ে অমূর্গ নাথাক, গ্রপরিভাগি, জ্যু, मुक्रा, खब, छ द्वारण क् स स स्मार्थिय कार्ताहम देन, भूव, देनव स गुरुश्मद উপরে আসক্তি বা আছি না থাকা, ইষ্ট বা অনিষ্ট উপস্থিত হুইলো হ্য বা ব্যাদ

তেকি প্ৰায় টুৰ্ব একটাৰ বুটটা ওপ অভিনে চলিকেন, এই ওপ্তুলি সহস্থ শাকিলেই ভেড্ডান উৎপ্রত্ত, ভালার প্রমাত্র বৃতিকাত কবিয়া কুলাধ কর্ত সাকে



মনি হ'দ্বাধান ছিল্ববংশিচারিশ। বিবিজ্ঞানগ্রের ইম্মান্সিন ॥১৮॥ অন্যারজাননিত হ' সম্ভানাথ দিশ্নন্। তামস্ভাননিত হ' সম্ভানাথ দিশ্নন্।

अत्र डरके प्रमी

क्षात्रकश्वमोभः

16 करण करण पर पर एक के प्रकार के प्रवास करण करण करण करण करण है। उसे हैं के प्रवास करण करण करण करण करण करण करण মুক্তি লাগ্রহা ভাত্তি ধর্ম । এই । ক্ষেত্র প্রায়ুক্ত বিহুদ্ধু বিহ धानम् १ , तरे १ १ , १ में १ १ १ १ १ १ १ । । हे छह । वस्तु नुष्टेषु धान्य विदेशम् न रुप्रतिष्ठ । रूप्यान्यः रूप्यान्यः प्रशीत् विक्रम् । रूप्यान्यः वर्षास्त्रः म् किस ह नर्ग र कार के भूदान प्रदेशका के क्षा कुरुक्तरहान् ् । १४ - १४ - १४ च ००४ १६ ५०६ ११ विस्तृत्व । १६ १६ निष्ठ प्रश्रीय । इ.स.च. व र्याचा व राष्ट्राच व । इ.स. इ.स. इ.स. इ.स.च्या व म्बर्गात प्रत्य प्रत्य का कि विकास का कि का का कि प्राच्या किया के का का कि देशक प्राचन स्थाप के अपने किया कि स्टब्स के संध्यान सहस्था। विकास अर अर पान मा अर्थ प्रमान विकास अर्थ में अर्थ विकास में रायदा का लाव तर रेता । तार कुरला विवास का लाव निकास्वादाल क्रियोग के के का कारण না হত্য, আমার উপৰে নিয়ত ভক্তি থাকা, পবিত্র স্থানে অবস্থান করা, বিষয়ি স্মাতে অতুরাগান: খাকা, সকলে অধা হজান, আর মুক্তির বিষয়ে আহলচেন, কর।, এই ভূলি শ্রজানের সাধনা, আর এড্ছিল আল্লোঘ। করাপুন্তি অজ্ঞানের স্থিন 🕪 — ১২৪

আংশার ইচারে বিপিত হ সভিনান ও নমস্তৃতি ১৮°ছে ২ কিশোল বার বার বার করে। ভারামুট্যাপ্রতৃতিক সূত্র ১৪°শা ক্রিতি হয় ৮৮—১০॥

জেনা নত্ত প্ৰক্ষানি বজ্জাল্ভিয়ত্বখুৱে। অনাদিন্য পৰা ৰক্ষান সভ্লাসভূচাতে ॥১২॥ ভাৰতকোন্দী

सावककावमीलः

আবা ক্ষেত্রণ বাবি, বি দ চ বে ব্যক্ত নিব্দেশ্যক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক মানিক ক্ষিত্রক বাবিরা ক্ষিত্রক ক্ষেত্রক ক্যেত্রক ক্ষেত্রক ক্যেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষে

যাহ জাতবা, তাহা এখন প্রক্রমণে বলিব। মুম্কুণণ যাহ, জানিয়া মুক্তি লাভ কবেন। অনাদি ও সকলেছি এক জাতবা বস্তু। উচিকে সংক্রম যয়না, অসংক্রলা শায়না ॥১৩॥

ত্র ক্রিকার — ভূমি ও কর্মান্তির রূম রেশকে সং অধার বিজ্যান বলা বাম ন করেব, ভূমি ও কলপ্রভূমির জার রূম প্রায়েক্তরান্ত ক্রিয়ের বিষয় বনান। আবার আক্রেন্ড্রানির ক্রায় রূমকে অধ্য অবার একেবাতে ক্রিয়েরান্ত বল বাং। তকন না, তিনি প্রায়েকেবই অহাজানের বিষয় হন।১০। মর র,পালিপানে তথ স্বর্ছাহবিদ্বির্যালয়। স্বর্জার্চতিমর্লাকে স্বীমার্ল ডিভটি ॥১৬॥

ভারতকৌ সুদী 🗓

ভারতভারদীপ:

শুলকু স্কুডিতক ৮ নক বা শুদিতান প্ৰদ্ৰাণ পৰুৰ্গন্ধকিতক আছেছিন্ত্ৰী ना कुर्या मिल हे था के विकास अने हे हैं। यह अहत अहत है है के प्राप्त अवस्थित अने हैं अके र ८ र अरह र अरिष् देवकारण भारतमा प्रश्ने र रक्षेत्र भारिनाम्य । इता असी इ प्रकर्ण कि व मिन्द्रानि इ एक इर अस इक्किकिन्द नुसन्। असे इर साहित्र सा नदर । अ. क. अक्षेत्र कुछ । दार विश्व अ. चार्य के चार का चार শালিন্দিন পুরু ১৮পর-১৮৮৫ ড ডল ১ জার্থক লে উপ্লিয়াণ পিরুলসংখ্যাক भू विभावपत्रिका अरमन पुरुष्टाचा कुन्द्रमा व तर्वन व न्यान व्यक्त नार्वाच्या नार्वाच्या, Ringtone Burg. bit an feite bie bie bei ten nie aid ir fentig angitaibtin in-कानुसद्या ह कु हि । इ.दा महतलार्गानोर मान सरदाका न गानिहा है। का मकलारानिनी-ষ করণন্যা সংখিতি আন পাণ্যন্ত সন্ত । আজা চাপ তভুতা বুজাতু পুষকু কলা বিপানি প্রান্ निक पत । ६४म लुक्तिया पुरुष्याद्यार्थाली अपविध्यक्षणात्रहरू हा । अ पुरुष्यास्था कांधाकावर-হবন্দ্রত ও ক'মন্ সমুবং চ'হ'ল. ই জুল হলবাম সংক্রাব্রণ। সকলপ্রাধি-ক্রাব্পোচিয়াবেণ কে রুলাণ্ডপ্রি' হা ১৭ বৃত্তি টিচি কাম হার বার্বাণ্ডির সিন্ধু) ৪ কারবাদ ব্যাহণ পোরে তু— অনুনিমাণর এক ন সহরাস ছাত্রীর। মত প্রকার নাক্ষি প্রক্র স্বংলাকার্ন ব্রুমি র রুপানে ব্রুমির ক্রা প্রাণ্ড করা হার ১৯ রুপানির প্রকৃষি सम् रमानाद, ल प्रकृति हाम कि मधन निकृत्त वर्षम के भवम्, मध्या के विश्वासि क्र इभिष्ठ क्ष्मणा श्विद्धा द्वा ए . खरहण्ड्यः प्रतिकाला । इत्या क्ष्मण क्षा का भाषि । स्वास क्षिण क्षा का स्व ক্ষা হি সম্প্রত্তিসং ইচন্দ্র নম্বাহে পাশসালাভ বিশ্ব কা আগকাত উলি । দ্বা

মিনি সকল প্রাণীর সেরেরই হস্ত ও চরণকে গ্রহণ ও গ্রনকার্য্যে প্রবৃত্তিত ক্ষেন, মিনি সকল প্রাণীর সেরেরই নয়ন, মস্তক ও মুধ্কে আপ্র আপ্র ভগৰদ্গী ভাষাণ

এবোদশাদ্যায়ে কে ত্রকে একবিভাগ্যােণা । ৫২৩

महर्वक्षिणकृषा ज्ञान महर्वक्षिमनिविक्ष उम्। অসক্ত সৰ্ভুক্তৰ নিভূপি ভূপতো জ্ । ১৫॥

ভারভকে সৃদী

ব্যাণে ১বছাল র স্থাতি পূর্ণ সংগ্রিক্রণার ১৯ পর্তীনালয় কর্ণানার খোরবালাল'নাক বৃতি কালানাল গুলুন স্কল্লব্ৰণ্ডন ন'ন বালোৱান আভিলেছিড माधुनि सावान्य हैति महाराष्ट्रक प्रकार माध्या । ६ मेर साविन्हे विन्धि १ थ्र निवाद वाद्र्य "अमर्थिल ज कर्राम शक्षेत्र भणामाहण्य स मरनावादावार हेण र मध्यर्थणण । শ্ৰমক মৰ্থিক স্থিত্য, অন্ত স্থা বিভাগী স্প্ৰাভাগী, স্থান্ত ক আনুষ্ঠা সংবাদ है हि च्युरका, भार भिन्नार अद्योग्य रोज्य अञ्चलकार या ५ प्राचीर अद्योग प्रमारि क्रमेड् भरत्रक्षान्य म देव । स - क डेमन बिकारिका देव अले द्रार महि क्षित्। या उ. १ व क्ष्म "वालय म्य लाई । व्यक्तिम्म हेनाकि उत्ता

ভারতভাবদীপঃ

अन्य भूमात तमादा जिल्लाका विकास व्यक्त कार्या, के उम्मानका विकास अन्नाह्य अन्नाहर अविवासन क्षित जिल करायुर का एकरार, अन्ये हुन, ज इ.स. इ. के अल्ला का मा ज दक्षांना देविक्रियाः कारियानि द्वस है हो। ४ अवयाधिकप्रमागाः स्मार्थनारियाः निवसाम्बिहाकः পাৰ অবভাষণ্য বিষয়স্থ দিখেল। নাড দেবজাতিপ্ৰচাতৰ বহুতিকামত সহা না পার মাখিক ব্লভানেন ডল বছালিক বৃদ্ধে সভা ছবিল লাভালিছে: ডলাহ সভাল: भाक्षिणालक्ष लिका अञ्चलका अञ्चलकादानिक लालकामाध्यानिक, इ-अटका सुर्वे हि স্পরিপারিস্কানি ব্লানি ভিডিড লি হয়ের বভাগর বলিক পানি তাহ হালীনি ভটি পার্যান शाक्षण पुरुष्णम् । अ १० विकास का स्थादाः पुष्णा अध्याप स्थाप स्थाप । अध्याप स्थाप । श क्षांत्रक्षक्षा निविधा यथा अस्ता विवश्व है। क्षांत्र हैं व वास्त्र में है वेश न क्ष्णा कुल्पुर्ड व उपनेत्याला श्राध्याकाक त्या विभाव करेत कुड ८०६ है, सुरक्ष स्थ বিষ্টির সম্উতিত ডি ওণ্ন মপুলেলজ্বম্ব নাব আক্ষিতি বি বাজ্য ক্লামি হার্কাম। मन व्यापि वर्षात "सन्भ्यानवाकन्यतात्व्य मध्याता स्थ्या अवः एक्ष्मण्यात्व्य ম্চকু জোরে ভাললা পালাম্পা দল ছাই। ভারের প্রক্রিকিটা বিভিত্ন রক্ষা কর্ণা एकि मने अधारि मायुविस्तानक कि यमका मक्षेत्रिकार वि यह मस्कृति स्थ भारत्याका महिताद पुर्वत् स्विति छ छ । अवक असन अक पाना वधनाद्वाइनि किन कार्या नियुक्त करवन এर मिनि सकल शांधित उपरुक्त है कर्नक खंडपंकारमा বাপ্তে করেন, ুসই ভ'বৰণ ব্ৰহ্ম ভগতে স্কল দেহ ব্যাপিয়াই অবভান करतन ॥५८॥

ভাত্তপ্রত্যা নাগরের মধ্য পদাদি অবচরওলি অচেত্রনা প্রবাশ ত্তার, নিমের। क्लान क साहे को बर्ड भारत ने। , किन्न को बहे साह मिलाक चल कान, कराना अहनान सामा प्रदेशको को कार करिएक प्रदेशक एक की व अध्यक्त, एमडे को नहें असे 1981



ভারতভাবদীপঃ

মট্রপ্তেবির সন্বাহস্থাভন কুল্রপ্রাথবির সংগ্রাস্থাভন কেট্নাক্ডা মধ্যা বিট্নির শ্রীভুরা ক্রমণ ইটাতে — মণ্ডুনিতি ৮ নতু বাহত্যেতং অসভুমিতি সংভূমিতি ৮৮তি, देनम तम मा न ह मदक्कितीयो प्रकारतास्य मामक अप इ एमान बस्कालि वर्षात उन्हास है-खुविद्यारि । स्वतः अन्यक्त विका द्वा नार्ड किंग्या एउ 5, करकाम विविध्य के करण हुन् संदेश देखक क्षण (समाय वादी स्कार साद एक एक देव कि एक दक्किन क्षण क्षण कर है। भूर প্রমায় বিজ্ঞান টেব সভাগে ১ ইলামেল সভা নহিল প্রান্ধ করে বা এই ভাগালিক সভা বু অসে প্রাণ্ডিক बारिटार्टिक अन्यक्ति अन्य अभिविक स्वयं अभव र अस्त स्वयं अस्त कर्म । स्दिकिकिर कता अध्यानामिक अक्ष व सर्वाहक में । १० वृष्टाना पूर्ण निवृद्धारक নাৰিং ল্ৰেড্যস্ক্তে চন্দ্ৰ, স্পষ্ট একমিছ পা সভত ম্ ভাষ্ট লাজ কোনা কোনা ক दिर्गार क्यापित देक महारक एक्क मान व नकुर नकुदि हु छुन्। किन अभ म देवल हर कार्षिद्वामा राज्या सक्षा । अस्तान वर्षा देश विष्यु राज्यात वर्षा । ण रामाद्रमालकः व विक्रकारः । उत्पारक्षक्षक्षणा निक्षः क्रिया । विक्रम मिलान 10 °C 9 अ 5 11 के 11 (र सम्बद्ध सम्बद्ध के पर १ के के दिवस के के के के दिवस के के कि के के दिवस के के कि के कि भाष देशके भर दे एक देशक एक देशकिया विकास के किए हैं। प्राप्त के किए हैं। भक्त भाष भाषा है। श्या छ उर्दिषकरण नव नुष्पाधिमाणा अरमाणिकस्त इस ५ मार्गि — 'धा ए गाव एसप्रस्ता"-८६डि दृष्क मा एक १९ अब छा दह का सराम भा यानी व किया है, पुरक्षा , १० १४) र विभाव छ रमन् । अक्षार रमक्षा तमार मेव सह का का व वहि रमत है । रवह अहिनामहि । बार इस " मान विष्यात अवास वाली र नाजार ठाए अन्यात है का नि अपन छैना विष् इन छ छ ।। स्वतन किया दा तथा हम । इति । अहिन । अहिन । इति । हरता हि "द्वाप दालकायक किन्द्रा करता हरू व १० ६ म अमास्ट्य उत्त मधुक्युक्त নি ও লা ওলাভাক্ত ভালি। ভালে তুলি ও লা সক্তিওল ছিল্লি ভালে তুল্লে আর্তুল हर इ कुका इस स्वित हाता १ के के के किस के कि दे। पा क्या १.११ स्वासक कामक का

ত্রাধা সকল উল্থিব বৃতিগুলিকে প্রকাশ করেন, অধ চ ডিনি সকল উল্যিবিচীন, রক্ষ কোন পদার্থের সভিত মিশিত ন্রেন, অথ চ সকল পদার্থ বারণ করেন এবং রক্ষা সর্তাভৃতিগুণ্বিচীন, অথ চ সে গুণগুলি ভোগ করেন ॥১৫॥

ভোজাপার্যা - রস নিব কার বলিব উল্লেখ্য কেন ইন্থিয়ে নাই, সাহ চ ডিনি সকল ইন্ধিয়ের কাল, ওলিকেই জীবকলে অভ্যত্তর করেন আন চেত্র, আর এলর পদার্থ সকল ছাচ, অত্যা আদ কোন পদার্থক সাহস্ট মিজিজ নতেন, মান চ ডিনি সকল পদার্থই শাবন কবেন এবা আদ সফাদিওক্রিকীন, মহ চ ফিনি সভানি গুলকার্যা অল্প, তু.স ও ম্যোজ ভোগা কবেন। এ সকল ইন্নার মাধান্যেই হয় ১৯০১ ভগৰণ্গী ভাষা*

जित्र निर्मासन्दियः । (काउटक द्राकृषि चार्न्याओः । **४३**४

বহিরত্ত 🗝 চুত্রোগচব চবংমৰ ১ ৷ সুখ্যাহাতদ্বিক্তেন্ত দুৰ্ভত চাত্তিকে চ তথ্য ১৬॥

ভারতকে। মুদী

মালি চিক্তিতি বি জুকানণ ভ্ৰত্যানণ কৰ্তেচান্ধ গ্ৰহ্ম মুন্ত্ৰজ বাহিছে সাইব পিলি হ'ব, মাচৰণ কৰেবল চকা কল্পজ ভূপজ ক' কুজ ক'ব কৰালোৱা এল হ "সংক্ষিত্ৰ প্ৰতি আন্তৰ্ভ । ভ শিক্ষা হুদ, গ্ৰহ্ম চন হুদে । চিকাৰ্শেচ্ছত B हुमलक व किए एर दल, १ का नना २ क्ष्यू स्थालाहा, प्रान्त के प्रिक के के ह প্রাপার্থার এই ক্ষি — সংস্কৃতি প্রাধ্যাতি ক্ষার্থার ও বার্থার ও সমস্থাস সক্ষ্যা হর্ সাক্তাক বাহুত," ১১৮১

ভারতভাবদীপ:

চ কেবলবিধারটেন বাবভিত্র বলিবের,১০০, মচন্ড্র স্থান রাবাজননি लाक्षिक भागविक्षाः भूकतान्त्रमान्द्रकः ५६ स्मान्यकारण ४६ इन इन १५० । अस्तिर्विड भागानानिकन-१२ भूकत्रमाः १००३०० व ६४० विवर्गण , कार्निक , प्रकल्य বিকারেশ্রাঞ্প্রকৃতিযুৱ কেছেল সহার উজ্জ সাচ সহার লাগ লাগুলাল বলি বা চ ফ্রাংসন্ধ্র পুপ্তকৃতিবিভূতিশনিকলি ১০ ১৮ কে এব প্রত্যাক প্রত্যাক্ষ হলবাবক भ्रदेन, शहाशामिकमध्यम् कृतः पुण्यानक द्वा युक्तान । १० श्रावणक व्यवस्था मधक्क इति कूट्ड म २८केड्च म ४१कड्च । अव १० ० च १ प्रतिस्थापः ভূ বিজেপ্ত । এখা লগাকুতার প্রিক্তা প্রিক্তা এছ । সাহার হলাল কলাক্র হলে প্র क्तिया दिल्या अस गुक्तिक, अया मिला भएक क्षेत्रक अस्या द क मानुस्थान कृतिक स्थान प्रश्नीहरू मुकार किर राहीम विकारणाइमाड मार्ग पुछ । प्रति १८६ पुछ न रणा र १८८० छ छ। चित्र 1410. अन्मवाद -- भवका व विद्युष प्र अपनि १० द्वा प्रत्यकार विद्युष १४ स्तक्ष अक्षरण, विकारण केला प्रति तह इस्रास्ट संपूर्ण । पूर्णण इस्र दिवश विका व्यवस्थि। বিষয়াল্য ইপ্তল ক অধ্যার হাব শৃত্র বিষণ দেব কেকমিছি ভালল বিষ্টাল্য এক প্রতিবিষণ

বুকা পদাপ্সমূহেৰ বাহিৰে ও ডিডাৰে আছেন এব ভাৰৰ ও ডকুম সকল পদাথ ই ডিনি ৷ তবে ডিনি কুলা বলিয়া বিশেষকূপে ইচাকে জানা যায় না , আর ভিনি দূরেও আছেন, নিকটেও বহিয়াছেন 🗈 🖦

তিশ্বশার্থা-- খাকাশের উত্ত এক সকল প্রশ্রেরট বাহিল্র ও ভিতরে আছেন, 21'त भर काया ७ काला अक, अध्यापन ७ घुँउक द्वा ४७० ७ वर्ग अक द्वा अवस्था काता हैशा वृधि छ कहेरता। १८६म दक अलामकृष्य वृधित म प्रतानत का नाताहत सम म , আবে ডিনি স্থানীর দূরে এবং জানীর নিকটে থাকেন (১৯)



মাবিদ্ধান চুট্টের বিভিক্তানির ৪ স্থিতন্।

ভূতি নতু ৮ তাল জৈলে আনিষ্পাল প্রস্কারে।

জাবিদ্ধানপি তালেগাতি জনসং প্রস্কারে।
জাবিশ জেবিশ জাবিদ্ধান ক্ষি সর্বস্থা বি**তি** তম্ ॥১৮॥

कारकाकोब्की

বিষ্ ক্তিন্তু নি এই এক, চ্যুকু স্বাধ্যক্ষক হয়, আৰ্ভ্ৰ ক্ৰিক কৰে। বিবিজ্ঞান, গালনাই বিভাব নাল স্থিত সংগ্ৰহণ কৰা ভূম নিবিভাৱি পুথা হা বক্ষণী উদ্ধান ক্ৰিক স্থানিক ক্ৰেক স্থানিক স্থানিক স্থানিক ক্ৰেক স্থানিক ক্ৰেক স্থানিক স

ভারতভাবদীপঃ

প্ৰতিষ্ঠাত বিশ্ব বিশ্ব

্সেই বাদ সংগ্ৰহণ কথাৰে প্ৰেট্ৰ চুক্টই খন প্ৰিত্ত হুইয়, সহিয়াছিন এক ভিনিট সমস্ভূত্তৰ স্থী, গজ ও সভাৰ ক্ৰেন্ড, ৭০

^{(.}e) 'জুদি সংখ্য দিটিংম ইতিনী বহু দিয়ত, পার (

ইতি ক্ষেত্রণ তথা জানে তুলেকোন্তণ সনাসতঃ । মতুক এক্ষিজায় মকুবিটো প্রসায়ত ॥১১॥

ভারতকোমুদী

ভারতভারদীপ:

ও জানলভা বর্তেন এবং সকল প্রাণীরই জনয়ে আছেন ।১৮।

ত্যে প্রায় নতেই লে অধি দ ক্ষাপ্রতি তেন্তে বহু পদ্ধ দিল হাছ, ওছনিও পেই হলেন সংকট তেন্দ্রী হঠাছিল, ভাব প্রায়ুক্তি যে কেনে, ভাবনে হাজে একে শক্তি আদ চেত্র, আন প্রায়ুক্তি জড়, প্রবাং এক কেন নাল, আব প্রকশিপ্রতি বিন্ধান আদ্বার । এতবে দাল ও অদ্বারের কেনন নিপ্রায় হব না, সেইকল এক ল প্রতি গুড়িতির সিপ্রায় হব না সাধি প্র এক সম্প্রান্ত বিনিয়া জনস্কল, প্রধানতঃ জানের ঘোলা এবং জানেই উল্লেক্তির পার্য মন্ত্রিক ক্ষিত্রিক ক্ষান্ত্রিক স্থানেই স্থানের মানির ঘোলা এবং জানেই উল্লেক্তির পার্য মান্ত্রিক ক্ষান্ত্রেক সকলেবই স্থান ব্যায়ী স্থানির স্থানা এবং জানেই উল্লেক্তির পার্য মান্ত্রিক ক্ষান্ত্রেক সকলেবই স্থানে স্থানির ক্ষান্ত্রেক সকলেবই স্থানে স্থানির স্থানির স্থানির স্থানির স্থানিক সকলেবই স্থানে স্থানির স্থানির স্থানিক স্থানিক স্থানিক সকলেবই স্থানে স্থানিক স্থানিক

পক্তি প্রস্কার বিজ্ঞান টিভারপি। বিভারা শচ কেন্টেশ্চর বিজি প্রকৃতিসম্ভবার্ ॥২০॥

कारकरको भूगो

ইনিন পাই লোকন্দেশৰ দেশৰ বিজয় নিন্ধিকাৰণে কন্পিছিল হয় সহা হয় সাংসাধিক কিবল কৰা কৰিব নিয়া কৰাইছে তথা বিজয় লোকৰ কৰা আছিল হয় সহাৰ বিজ্ঞা, আন সিনিক কিবলিয়া হয় কালিব নিয়াক কৰা কৰাক কৰা, এইছে সহাৰ বিজ্ঞা, ইয়াৰ বিজয় না কৰা কিবল কৰা হয় কৰা

त्र ते के प्रशाद कि कि के कि के कि एक एक एक के कि कि कि का कि का कि का कि के कि के

सारङ्खावनील.

আজ্ন। এই আমি তেনাৰ নিকট কের, জান ও জেয়ে সংক্ৰেপ ব্ৰিজান আমাৰ ভক্তইং জানিয়া আমাকে লাভ ক্রিডে পারে ৮১৯॥ ভাৰ•েশহাঃ — হন্ব উপৰে হ'ত ন ধ্বিক অম্পুকে কেইট ল'ভ ক্রিডে

智 [清 符 15年

ভগবদ্গী হাষা॰

কার্য্যকার্থক টুরের কেছঃ প্রকৃতিক্চাতে। পুক্ষঃ অথজ্ঞানাং ভোজ্তুরে হেছুক্চাতে॥২১॥

ভারতকৌমুদী

নত বিকাৰণোগ তালাক পতি কিবলৈ হ'ব প্ৰাণ প্ৰণে ব কি কুনাৰ ইপাতি কাৰ্যাতি । প্ৰাণ্ড পক্ষি, কাৰ্যা প্ৰাণ্ডিকা প্ৰণিকা কাৰ্যানি ভাগত সাহ ধা সাধনান ভাগতি, তেলা কাৰ্যা কাৰ্যা কাৰ্যানি ভাগতে কাৰ্যানি কিবলৈ কাৰ্যানি কিবলৈ কাৰ্যানি কাৰ্যানি কিবলৈ কাৰ্যানি কাৰ্য়ানি কাৰ্যানি কাৰ্যানি কাৰ্যানি কাৰ্যানি কাৰ্যানি কাৰ্যানি কাৰ্য়ানি কাৰ্যানি কাৰ্যা

छात्रह डावमोशः

कार्याक्षान्वकित्र म्यानिक्ष निक्षण क्ष्मण क्ष्मण

আৰু না আকু ভিও পুক্ষ এট ছুট কৈই জুমি সামাদি ও সামৰ ৰিশিয়া আৰুগত হও, আৰু মহত্বপ্ৰভূতি বিভাৰ এব সুখা, হুখাও মাছে এই গুলাকৈ প্ৰকৃতিৰ কাৰ্যা কলিয়া জানিয়া সাধ ১১-১

তি হৈ প্রায় — দলম আন গর ব ব হরটাক আলক পক্তি ও পাল প্রকৃতি ব লিব তেন এবং এই আগানের প্রথম হার দিশাক এক র ও ক্ষেত্রজনামে অভিনিত্ন করিবাছেন, এগানে ভারাবিধাকট আলার প্রকৃতি ও পুকর বলি লান স্তর্ভা পরালার বাম নি ব ব নাই বিকার মধ্যেবিধালভিপ্রকার। যথ — মহম, আহমার, পাল হরাত্র, এক লগ ইন্তিম এবং পাক্ষ মহামূত। ইনার বিশ্বত বিধার সংবাদেশনৈ সংবাদেশন

কপিলপ্রভৃতি সামাচায়েরে ব্লেন—প্রকৃতি লকীব ও ভোগদাধক ই-স্মিক্তিটিলির কারণ এব পুক্ষ বা ভীব সুথ, ছ.খ ও মোহভোগের হেই ॥২১॥

(२८) 'क दोकदगरु हुए हैं हैं 'ड समूल्ममण्ड हैं लाउ. ।

পুক্ষ, প্রকৃতিকৈ হি ভূত্তে প্রতিজান্তগান্। কারণ ওণ্নজোহতা সদসদ্ধেনিজ্লার ॥২০॥

ভারতক্রীমূদী

मार कि कि के प्रमान है। इ. स्वार्थित के का स्वार्थित के का स्वार्थित के का स्वार्थित के का कि के प्रमान के का का स्वार्थित के का का का स्वार्थित के का का का स्वार्थित के स्

श्वाबक छावमील:

क्रां सरका नगरचक पूर्वीय विषयक, क्रांप छ उन्दर्शक्याचि हताचित्राक्ष सुन् र वाशासूक अनुका दशान । च कालि अ दक्षी । दल्दा, कान कार्यस्य কর্মে নি নাড যদি ক, মেনিজন লৈ হেতু সংখ্যা কৰ্ম অক্তিম্বিতি তথ भूतिक छ । भर १ के देन अभागम १३ दुनिष्ट । १ व दि देश के दस्याद्य अध्यक्ष कर अञ्चलक्ष का शहरीत कृष्य गण्यात रुष्य कृष्णरका भागस्थ एए ग्र शाम तक त सूर्ति २५ कणा त माण्यू यह भूकतल कार्याट्स के वर्टन कर्दन ह श्वकारतम भूवण्य में द्वार द्वार दे वर्ष वर्ष वर्ष विकास है। वाहर व्यक्त है। इस वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष व হালানির চেতুদ্ধনি । ত প্রকাশ আ ও লাভ জাব অভাগেলন পুল্মা ব ব্যস্ विकितित दलकाल पास राष्ट्रणान सकाव। अथ कि, क्ष्या इसका इर कारसदक्षिय-तुर्वतम्बरः, मक्ष्यित्रमञ्जादनामानम् (मोन्यावदः प्रथमम्बद्धावदः कात्यावदः अद्धावदः करवामाध्यकारेपविभित्त । अस हिन्द्राः भद्रा वृद्धिः कर्णायात्र छक्ष्यामाध्यमसङ्ग हिन्द ম্যাপে। সোহ্যা প্রার্থিক্ষা, বাকাত্র্থার, দ্বাসরেও কর্বন্মিয়াশ্বানিতং এবতি , সাংখ্যাভিষ্ঠ পুক্রজ ভোকু হয়দি নির্ভু দর্বত অক্ত, প্রায়কি কথী পুক্রো েলাকেতি কর্মান কুমারালিকর্বাল প্রথার। এও ভোকু পুক্ষক নিক্তিক বহুমালি ৰক্তু লক। মিদ্যভাৱ বিভার । স্থাপ্ত ক্ষান্ত পদ পদ প্রমান্যভিদ ব্যাত ইতি ব্রহায়ত भूका आधारि नवद्य नार्थ दः कारतदः कर्षः त्वति विद्यतः। बरेखकर्षानकः सामिनामिकार्यक्तिक्ष्यत्रियानन्छन्याद्य स्वत्यका भिन्दः १२३। तथः दथ। (बोकः कत्रुंदः পুলোরোপাতে এবা প্রেক্ষা ভোক্তর বুজাব্দিলেতা এবা ব্যক্তি-পুরুষ ইতি। दि व्यक्तिक अकृष्टिकः (मह्यक्तिग्रम्मानकः। स्यमानकः खनानाकाः अक् देवार्थः । अकृष्टिकान्



উপদ্বীকুমন্তা চ ভটা ভোজা মহেধর।। পারন(চের্টি চাপুটেজা দেকেইজিন্ পুরুষ: পর: ॥২ খা

ভারতকৌ মূপী

व्यक्ति है जा है विकालिन जुल्लाका वस पुक्त है। जाता देशन दिव जिल्लाक वसावाद देश अर्थित भारत क्रिक्ट क ए अव्हार अर्थक वित्र भूकाष की वे, अवित्र अर्थिक कि भविष नकरभ रन्तर, केन्नरे अही च कन् एहं च कु इस छन्द्र का करना का भाका याचे , "भाषा १८३६ । देवरन निर्माली देति स्मान । अध्यय । भटा किर मिल का नामनिराधातन ভাৰতভাৰণীপ:

图5名 李红色作品中间 每 司 至至至後 医中间上自己 利用 實 经预定实行证实施 (內) 图象作品编辑 नाष्ट्रिक अभाव कुर्यक्षाप्रभाव कर्ण । अधिन माद्यक द्वार प्रभाव अभाव अभाव अधिक है कि मिक्सू र अ कार्नि —" या दे खरमदमान का अपके का क्यानामि " है का खरमदमाद्य गर-दलवाद्यान्य एक कृष्टा अन्य प्रो अक्षण एकवलण एक शृह्या नावादि अने, हिन अने विकास अवस्थित। রপাক্ত অনুহোর সভা ইতি ভারত—কর নিজি আলো পুরুষকা সসসদার নিজ্ঞাই। सभ अवदर्शनिकस्थान एनवण् स्थाना किरमानाकविकान व ना का अन्तरहरानिकसारकार महाराष्ट्र कार्यम् विमालि क्याप् छार्थाम् यक भूतम् अनम्ब स्थापित्विकः कार्यनः रहतु । उथारि मार्गिक, रमन अन्य व दाउम प्रत्य प्रशासन मुल्युर्व्य र व दुसर्वर्शिन-खार्ट्यो अन्यतन्त्रात करमन करनम्। यक डि ठ छेक वक्ति अव्यू " डेहार्मि मध अकृतिहरू रियाल र्याल व अवाल कृतिक भवा शिक्तिकारिक मध्यार । पर कि रिक्सिन विकासि कुत्र से मुझ्टल व्यक्तिय विज् न नुरक्ष न नुप्राहर ইতাৰভাগে—কাৰ্মিক । পুনৰু ১৮৫০ কিছবিকান্তু সভা ভাততিল ছাইছ-निर्देशक में अन्य क्षेत्रकार्याम् । दिन्धांक प्रकारात क्षेत्र में मार्थ नकति (महम्पटक येन पर्देश) CHS1654 मा भाव दर्भ भ छद रमद्वीयद की गत्र स हु एमइलाट्यीवा। यस वदः লেলাভিমান প্রেড তদ নেশ্ব ইতে প্রাথক্ষ্য ব্রক্তা নাডুল বিধানায়ে ব্রক্তিয়া भार का विश्वभविद्यासा सभा लड़ी र इनदश्याच्या सम्बद्धन कावक्रा र भवान् विद्याच्या होति । कावा ४२२॥

পুরুষ, দেহাকারে পরিণত প্রকৃতিতে থাকিয়া প্রকৃতির গুণ সুব, জুখ ও মোহপ্ৰভিতি ভোগ কৰেন এবং পুক্ষেৰ মূৰ, ছাৰ ও মোহপ্ৰভূতিৰ অভিলাষ্ট डीहात हेरकृष्ठे, मधाम छ निकृष्ठे स्थानिएड छर्यात कातन ॥>२॥

তাত প্রা-পুরুষ নতুর, নিবিকার, নিকির ও নিধার একখ ঠিক, তার মরি रमध्य क्लोरक्य महत्र भिन्न कडेव क्लोक्य मृत्य छान् इष, ट्यम भूकवन अङ्गित সহিত মিলিত চইবা প্রকাতর কুখ, ও ব ও মোলপ্রতি চোল কবেন। থবে সেই बाइ डिन माम चिन्निनियंत्रन भूकाभद एए क्षत्रकामन, इह, ताक है उत्थाद खेवम स्वयासि শ্বেনিতে জবিবার কারণ, কুল ও ভূল উচ্ছের কাম্ন; মগ্নে ম্লুছগোনিত্ত গ্রিকার হেছু এবং মেটেইৰ কাৰ্য অধ্য ব্ৰপ্তিক্সন্থ ত গোনিতে সন্মিধ্ব কাৰ্য ১২০।



टी भूभवंद, न

ভারতকৌমূদী

ক্ষুবিলাকিক ক্রিক্টির বিদিন স্থান ক্রিক্টেশিক ক্রিক্টির ক্রিক্টির ক্রিক্টির ক্রিক্টির করে। মার্কিটির বিশ্বর স্থান ক্রিক্টির করে। ১০ করে বিশ্বর করে। মার্কিট্রসন্ধার বিশ্বর সংগ্রাহর, ই ভিড্ পুরতি, মার্কিটির করে।

ভারতভাবদীপ:

िहु कु नद् कल्यु ए स्वाहरू कारणा गुनि दूस व स्थाप व प्राह्म व्यवस्था स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर प्रतिक र मत प्रदेशम अपने एक के कर रे, अर्थ के कि प्रति प्रति प्रतिस्ति । का माह्न तक वहुद्द नदे नन क्षा क्षा वाह्न हुन हुन हुन क या । १९ १ अन्यार स्थलात स्थल अन्यक्ति न एक कुद्रमाञ्चलकार पूर्ण देश स्थल ** इरन्द्राहर के के किया करार मा क्रिक्स नाम श्री मा अवस्थित की मा ्य महताब्दर ६ ६ । तरी अंतमध न्य ४ ६ १६१वर माणी। उट्रायु b हुक्किन ध्रमु मिल् भूमकार । परक्ष भवन ६७ वर्ष । ८० छ वर्षप्रांत्रे, म उत्ते कुलान् दलोक । । "र रत दाइचार हें हु का में । पार प्रकृत के कुर्य सम्मान्यों भ रत १ रणर , १४ र परमा ६९६ ६ चु का ६५%। १४१चु । भक्ष ले सुन् नमुहास ক্ষম কাৰ্য পুৰ্ব এবলি জাল্প কৰিছে সভা, গ্লাহিৰত সভাৰসংক্রতভাৱদলিছে । ६ १४. २ - म ४ ४५ उ४ - ४ अवस्थ इट ११६ भराघाटका छ । ३१६८ नवाटि -"१ मा भुरतकृत्वा भारतर्भु सक्त । १ एक द्रार 'वल दिस्कृताम् वेच्दाः ।" हेल्लि १०६५ १०१० १९५४ १६५४ दिश्यास, १८० पुन रीहा सामि धर्मन् कार्यत । प्रत्य विक्रतम् प्रश्वनाचन् मात्र वर्षत् अवति प्राप्त का श्रास्त । एक् करा छ न इ न इ न करी करेनवार समादत डिमहर्ट मार्ट कार रेंड क्षरमा अब अब अवस्थान र विकास स्टाइन में स्थान स्थान स्थान

প্রকৃতি হততে সম্পূর্ণ তিল পুক্ষ এটা দেকে অবস্থান করিলে, ওঁাচাকে নিক্টবর্তী সাগত, অনুমোদক, রলক, ডোগসম্পূদ্ক, ম্তেশ্র ও প্রমাশ্রা বলা হয় ১২০৪

लिक्ट सिर्मा — स्ट्रिंग व केंध्र व क दा प्रदेश क , याव भुक्य ८००म , उपहार भुक्ष व्यक्ति हरेट मान्ति हिना। (प्रवे भुक्य रूपम एके प्रदेश प्राप्तम, स्थान क किम हिना हिमानीम- कार्य निकार प्रकृति वृत्ति हिमानीम- कार्य निकार प्रकृति वृत्ति हिमानीम- कार्य निकार स्कृति वृत्ति हिमानीम- कार्यम, स्वकृति दा किम कार्य निकार कार्य कार

য এবং বেভি প্রক্ষা প্রকৃতিক প্রবৈধ্য সহ। সর্বথা বর্ত্মানে(হলি ন স ভূবে(হভিজানতে n≥৪॥ ধানেনারনি পশ্রতি কেচিদারান্যারনা। कार्या मान्द्रधान स्थात्थन कक्षरमार्थन अधिहर ॥२०॥

कावयरको मनी

हैंगेरल्ड "निष्कि है क्षेत्रवर्ष है" है । हा पुरुष् १९६५ । है । है के हैं किन, देश ध्रम ता, भूक्ष्य, गुरे महार्थित का अह कहा वहा, वित प्रमादन द देन प्रणुपक्र भाषा, क्टब, स, म करा, मक्कर दक्षार्य वर्षे पुरस भाग स मार कर कर म, का पुर , न

मनुन्न किन्नम् भाष्यानाम द्वाम का एक दक्ष ए एक १० । प्रतिसद्वमानाम १ मा ना ना विद् ्कितिक्रिका दश्राण्या , "हार छाए गेवक्रायात स्थानस्^त हे त प्राण्यातस्वार र जना ति सर समाण भवन्य राज सर्विक्षित्रका प्रश्नाद्वर, या युन युनम, या राज दूरणो, या युना मारा द्वार, পাঠাজি সোকাৰ কুৰ্ভি, অনু হৰ,ছ ৷ পান, সংগ্ৰান আৰু কাৰ্পন্থতি,তান, পাপান BHITER, अक शास्त्र, कका जा क कि एक प्रमुख्य के प्रकार कार्य के विकास मान है। আৰু বান্ধ প্ৰাকৃতি অনুষ্ঠ হৈ ও অপতে অসম, এটা অনুষ্ঠ, কৰা নিছম। সভা কৰন কিছে । ব ধ্যেল আগুলন্দোলায়াপুন, এংডুনা প্তথি ক্ষিক্তিগুল্ভিছ ও ভান্থপুর, সংলগ্ कुर्दक्षि ।२वा

ভারতভাবদীপঃ

ম্পোক্রকণা ছলানে কলমাঃ — এবনিটি প্রতি প্রতিক বে সকা তিবি চল নিশ কল न् क्षां विश्वनार्भाष्ट्रिम सम्बद्धाः मञ्जूष । १०० पुरस्कान लक्ष्य प्रकार विषय । १००१ अत्रादिना श्रमने स्वरुति कर्षत् करणा अस्ति सम्बद्धान का नामा भाषा निर्माण कर्षा । सामा सामा सामा বিবিদিয়ণি তেওঁ নিৰ্মান্ত প্ৰয়েখন্য কৰ্মিকিন্ত কৰ্ম বিনা চা সাম এবি সাম

যিনি এইটাবে পুরুষকে এব মহত্তপ্রভৃতি বিকারসমূহের সভিত अकृष्टिक व्यवसङ इंडेर्ड लार्डन, डि'न भूगा वा लार्ल छाउँ इंडेगाल व्यव क्ष अहम करवन ना ४२८४

कि (क मार्की - क्षेत्र के विकास के प्रति के कि विकास के अपने के प्रति के कि विकास के अपने कि विकास के अपने कि व আৰু পুৰুষ চেত্ৰৰ এইভাবে যি'ন পুৰুষ ও প্ৰকৃতিকে সাজাং ক'বঢ়ে পাবেন, ডিনি भवेनाक्य भूर दा भाग करिए विश्व भूति है व वर्गन । तम न , के धान । कही उद्यक्तांचर अक्र द्वते अत्य प्रमा दा लाल महे देवेर एक ख्रूबरा केटांट व्यक् **物理 支担 41 82.81**

क उक्छ जि स्याभी भरतादादा गाएतद वर्ण आभागक है आ यह नेन कर्दन, অন্য যোগীরা সাধ্যসমাত উপায়ে আল্লসাকাংকরে কাত কবেন এবং অপর (याधीता निकाभ कथकाता का दश्नीन कर्तिहा धाटकन ॥२०॥

মতে হেবমজনেতঃ শংল তেভা উপামতে। েউহপি চ^{ত্}ৰ বৰ্মাৰ মুক্ত উল্ভিপৰ্যন্ত ॥২৬॥

छ। दण्टको भूगो

大大学 为文学、野大学 一种名名 医神经病 [由文文文本 衛 有人] 、 图 在中国国 李 对的主义的 写真的 我 医大体性 化二苯 化 翻的 医水管的 经基金银行

ভারতভাবদীপঃ

1 म मन्द्र धार ४ हर १० विकास वर्षा वर्षा विकास । १८ प्राची विकास मध्यम किन्द्रमा दान अवन वर्षा द्वार विषय कर्षात विषय विद्वारी कार रक्षा रिका को साथ। नाच राष्ट्र राष्ट्रकार हो उद्यान प्राचीत केंद्र प्राचीत करेंद्र आने छन्। राज्य र ता के का इस तुं करें देशों का इसरे अंदर्श अलाहा अलाहा इस का दिस्ता । अहा देश 有情性 一、大學 医分类性性 医二甲基 新 医 的 经产品的证据 解 电线 有效 有效性 化 भू के पा कार्य भाषि कुल्ला, रेन अवस्थ का नहें व भारत रहे प्राप्त रहे में कहा, ने ८ इद्यानका भक्तान्य । याज्य विभिन्न धान्त छह भारत्योगनात्राना पुन्यकान ং ৮ ৮ - 'দেশৰ এই প্ৰেপ্ত বৃদ্ধ নাৰ হৈছিল। মুচ''ই ভা আৰি সাধানা 1. द ६ न्युक्ति को ने ने ने ने ने ने किया के किया के किया है है है है ्रद्र करु क्षुता अन्य ता प्रदेश्वार । वर्षात्रका प्रक्रिया क्षुत्र क्ष्या क्ष्या (प्रतासकार) अस्ति । र्वत् हें र रमाभावत् र कुल्या का बार्वा मा उत्तर भारताचा मा छ । यहारण व्यक्तिमावस्थिति

प्रकृतिक स्थिति । प्रकृति । प्रकृति । अस्ति कार्या कार्या । अस्ति कार्या । अस्ति । अस्ति । अस्ति । अस्ति । ्ग पीट १४८४३६ १, जन ६ शहर पर 5 व कर । पार्ट में निवास अके, अस्तरीय ध bयोगुका बाहेक्स संप्रकारकक्षा दक्षण्यीत कार्या चार्यम् । चार्या अध्यक्ष (घारादा अधारिक्रमाणि নিধায় কম ক'চতে ক'বলে একে ডিড্মুফি ও জনে ল'ভ ক'বলে একদাক্ষেকাৰ লাভ **१९८५** । इ.व.भ्य में इ.व. अकरतही भूक्य इंडि. स्व १२५६

অল্ল বোণীৰা উক্ত দিবিদ উপায়ের কোন উপায়ের না জানিয়। কেবল আয়োর নিকট খান্য কবিয়া ভগ্নানের উপাসনা কবিচে থাকেন; খাব্রে বিশাসকারা সেই যে,গারাও অবশ্র ভুড়া অভিক্রম করিছে পারেন ॥১৯॥

क्रांक्श्या—गाम, प्रकृत न पुक्ति विद्युषक्ष म धनः निष्या क्षा है हात खक्ति। মিনিক বচ্চেন, পারেনা, ডিনি ওপর নিকট মধ্বনেকে করে করিবার সহজ উপায় শুনিয়া, চেই ওক্রাকের প্রেটির ধাক্তিত ভগ্রানের উপাদনা করিছে আকিলা মণ করেশ क्षान्यान् १३वा म् अला ५ कान्न (२५)



যাবং সংজাদতে কিকিৎ সত্ত তাব্ৰজন্ম। কে একে ব্ৰহ্মণযোগ্য হৈছিল ভৱত্য ভা ৷ ॥২৭॥

ভারতকোস্থী।

कें के के के के किया क ध्र रिकि के दे के अन अन् देन, अच्या के ने प्रदान, ज अन्यान, रक्ष्यान धान क्रीकि ह शकि र मद्भार कि इ क्षेत्रकृत्य कर सरकार के अन्तराहर कोर कराहा तिये সংযোগ্য স্থান্ত্রার্ণি বা এর বের।

ভারতভাবদীপ:

ছাসি, জাবণা ডালেখ পৰম্মেনা ্ন জাম ললা হোৱা তহন , সাংলী করুর নিলাট ८ अमार १५ अनुकार के प्राप्त के द्वार के अर्थ का नहीं के राष्ट्र की मानुकार अर्थकानाना (भर्किडि ह द , भारत देक्तर महत्त्व ४ के दे तहत्व १ कि एका है, कार्याव है के छा। ভ্ৰাতি মৰু কুল্মাগ্ৰহ্ণ ম্বিৰুক সভান ভ্ৰাত্ত মাৰু মাল স্বৰ্গৰ্গকালে ম্বিৰ भारत्यक्षा स अन्य मिस्रका अया ६००३ अयाच रचनित्र न्या प्रमानित्रका क्षावरम् दावरावर क म स दव ह हैंस करमान द वदारन क्ष्मां के कासमान मानाद कारवार्थित म्य निध-स्टार्थन प्राथात है है । त क कर्म म प्राथा महाह महार भाष्ट्री भविनकारण भारतस्थान पान प्राची प्राची प्राची का सामा का सम्हास का वा चितिर समञ्जूत महाकृता महाकृति एक चितिरहरू गढ्ड देन अर्थ निविद्द स्थान । प्रानिद्द हर्या যে বিভাগিনানের ভাগালি একন ধার্মি সভাষ্ত প্রভাগ চাত ব্লিয়ার কার্মা। स्क्रिक, हे क काल रकता लोगा, क व कायसक मेर ई हुत है हिस्सित में, काक, व्यायस्थाल भूषांत्रात क्रिकेट कर कुनमक्ष्मक करण करणवार कृति सम्बद्ध हुई। (5) क्यू.

खत अरक्षात चाक्ता कारत e अक्रययक्ष (य किछ तत्र वेश्लव क्य. (म मन एके ८काश क एक बर्काद म स्थारण देश्यम क्या केहा कृषि भावशक काल ॥२५०

क्रिक्ट्रिक्ट्रे विभागति क्रमान नर्वेशक (क्रम विकार एम, अव्यव नर्व थावित मा सुम १८६३ वृण्डिमणास्य भन्नाचेश्व ताल द्राव्य द्रात, इत्रोतार्थः, ज्ञार स्व भएशः व्यक्तित क्षांत दर ७ , अ रता हैताहर रह सिद्द्ह , , अक्रीत्य इंडिंग्यय कड़ भगायंते (क्रा আরে জাব্যক প্রেক্তর বা প্রায় বলিগাছের। তথা প এগণের ক্রণার বলিছ ক্রেক্তগ্রার অব্য প্রকৃতি এবং কেন্দ্রকাশকের কর্ম—প্রহাত্ত এই উন্তর্গ সংগ্রাপ অস্থ প্রস্থারের छिभद्र भवन्मद्वर वार्यत् । १६६३ व मदा छक्त्रभ व १४१न वृद्धि विभिन्न स्मेटरक ক্রিণ ধলি এবং লৌশন কলি। সেই কারেপেরণত, তক্তির দশা কিলেপড়তি नव्याचार । य प्रकार मन करें, व्याराव नदमायाव १थ असान अकेविर व्याप ब्लिश भारता करि। এই আংবাপ अवाद यहित करें। उन्नेक अकृति भूतरम्य मृद्धान देहेर हे अपटल्य सेरणिय हर १२९।

সমা স্বেষ্ ছুত্রের বিজ্ঞা প্রমেখরম্ । বিন্দুংফ্রিন্ডুল্ড মা প্রতি স প্রাতি ॥২৮॥ সমা প্রাকৃতি স্বাতি সম্বাহিত্রীগুরুষ্। ন হিন্দুয়ার্নাজানা তেতো যাতি প্রাণ্যতিষ্ঠান্ত।

ভারতকোমুদী

ত দেশপাস কলা বাবে তেওঁজান নাত সন্মিশি আন লাল , সংক্ষু ভূতেষু পালা বিষ্ণু, সংগ্ সংঘ্না হ'বা হ', বিনাম হ'ব সংবাহন চিল্পেন্ড কৰি হ' কুক্ৰায়, হবা হৈছে সংক্ষু ভূবি হু বাবে বিনাম হ'ব সংবিদাস কয়, প্ৰান্থীৰ পাৰ্য হাল্য, পালাতি বিভাগ আৰিছান শোন হ'ব হ'ব বিনাম বাবে সংক্ষিত হৈছে হ'ব হ'। না লুবিছ্ছ স্প্ৰিমন্থ বা পালানীতি ভাবাং ব্যাল

ন্ত সন্ধাৰণ কৰা কৈ সংক্ৰিকাই সহ নিজি চি হাছেব, সংস্কাৰণ, স্বাহ্ন সন্ধাৰণ সন্ধাৰণ প্ৰতি হাছেব সংক্ৰিকাৰ কৰি হাছেব সংক্ৰিকাৰ কৰি সংক্ৰিকাৰ বিশ্ব কৰি সংক্ৰিকাৰ কৰে সংক্ৰিকাৰ কৰি সংক্ৰিকাৰ কৰে সংক্ৰিকাৰ কৰে সংক্ৰিকাৰ কৰে সংক্ৰিকাৰ কৰে সংক্ৰিক

ভারত ভানদীপঃ

যে গাক সক্ষেত্ৰে সমানভাবে অবস্থিত এব সক্ষুত বিন্তু হুইলেও অবিনাদী প্ৰমেশ্ব প্ৰমাহাকে দৰ্শন কৰেন, সেই লোকই বাস্ত্ৰিক তব্দশী হু৮৮

ভিক্তিশিশীয় নাজৰ বাদ্যৰ সংক্ৰিল দৰ্শন কৰিলে যে দৰ্শন চুল এক ব্ৰুকে বিজ্ঞান কৰিলে চুল এক ব্ৰুকে বিজ্ঞান কৰিলে ভিত্তি সভাজাৰ দৰ্শন কৰিলে ভিত্তি কৰিলে কৰিলে

যে হেড় সেট সমদশী, সকচিত অবস্থিত ও সকনিয়ন্তা প্রমায়াকে সমান দশীন করায় নিজে প্রমায়ার জিলা ক্ষেন না; সেই হেডুই তিনি প্রমাণতি (মৃতি) লাভ ক্রেন ॥২৯॥ প্রকৃতি হাব চ ক্সাণি ক্রিম্মাণানি সর্ক্রণ:।
যাং পশ্যতি তথা সান্মক্তারং স পশ্যতি ৪০০॥
যাল ভূতপুথাস্ভাবমেকস্থানুপশ্যতি।
তত এব চ বিস্থারা একা সম্পান্তত তলা॥৩১॥

छाश्रकटको मृगी

স্থাপালিনীৰ পাক বাজাৰনাই প্ৰতিভাৱি । কিংকাৰি চুলা (১ ১৯, ১৯০ ১৯০) কে কামা বি, প্ৰেটিশাৰ লোহে জিয়িছা হা কংবৰে পৰিচাৰ ৷ হিছেও ভূতিক ৷ ভূপৰবাং পাৰ্থ কিচন তানি, ভিষা খালালিনা পৰ্য হানক, খাৰতাৰ ৷ নিজিছিছাই কাষ্ট্ৰতাৰ, সভাবি ভূতাৰি, মৃত্ৰ পাহাতি সমাধ্যালাতি একঃ

भाष्याचि स्थापनिष्यः द्वान दा तद्य र तत्य प्रत्यक्षणः एत्यि ॥ १०० व्या प्रदार स्थापि स्थापनिष्यः प्रत्यक्षणः प्रत्यक्षणः प्रत्यक्षणः । १०० व्या व्यापि सिक्षेत्राचि । १०० व्या व्यापि सिक्षेत्राचि । १०० व्या व्यापि सिक्षेत्राचि । १०० व्याप व्यापक्षणः । १०० व्याप

कार्डकारवीश:

देव भक्षत् , महत्त्व भव्यक्ति मध्यक्ति मध्यक्ति मध्यक्ति मध्य भव्यक्ति भक्षत् हि एवं भ भक्षत् इत्यक्ति व्यक्ति एक ने आद्राव्यक्ति है यह । विश्व कि ने द्वारामिक्य व्यक्ति के के विश्व के विश्व

তিকি সামা — থিনি সামা তেই, তিনি সকাছই সমান থাকেন কাৰণা প্ৰথাপী।
ব উপর সামা প্রথাপী বলিং সামাছট সমান বহিংগালন আনত্র ভাষাকে অসমান স্থান
কারিলে ধর কর হথ বলিংগ, ভাষের হিংসা কর, হয়, বিশ্ব ভাষে, ন, করিংগা সমান ধর্মন
কার্যি মৃতি হয় কেনা না, সেই সমান্দর্শনই সম্কান ব্যাস

প্রকৃতিই সকল কার্য্য করেন, কিন্তু আত্মা কোন কার্যাই করেন।; এইরপ যিনি ভানেন, ডিনিই প্রকৃত জানী । ১০৪

ভাত পাত্র — প্রকৃতি, দেই ও ইন্থিপ্রস্থিত পারিবত হাইছ কংগা করেন। কিন্তু নিকিং আয়ে কোন কাষ্টে করেন না ব ক্রিটেড পারেন না, ইরাই হথার্য ঘটনা বাহের। সূত্রং এইরপ হিনি ছানেন, তিনি চর্জানী ১০০। অন্ধিজ্ঞানত গ্ৰহাৎ প্ৰমান্ধ্যমকায়, । শ্ৰীৰজ্ঞাহপি কোৱেয় । নিক্রোতি ন লিপাতে ॥০২॥

खावकरको पृथी

নহ কৰি বিশ্বশ্নিকাল কৰে চহলে উক্থ ইব ছবৰ আৰু নিবিধানাম হিনাহিলি বুছিলোগ ভাৰতি হা আন নহলি হৈ এই এব ছবল জহল সংক্ৰামেৰ প্ৰ পিন, মহাপান্ধকাল প্ৰতি হা আন নহলি হৈ এই এব ছবল জহল মানকামেৰ প্ৰ পিন, মহাপান্ধকাল প্ৰতি হা আনু নহলি আনু হা আৰু মানকি হা আৰু কৰিব কৰে আনু নহলি আনু নহলি আনু নহলি আনু নহলি আনু নহলি আনু নহলি আনু কৰিব কৰে আনু নিবাহিল নামক কৰিব ব্যাহিল আনু নামকা কৰিব ব্যাহিল আনু নামকা কৰিব ব্যাহিল আনু নামকা কৰিব ব্যাহিল আনু কৰিব আনু নামকা কৰিব ব্যাহিল আনু নামকা কৰিব কৰে আনু কৰিব আনু কৰিব

ভারত ভারদীপঃ

প্ৰাৰ্থনৈ সকল পদাৰ্থই যাইয়া ব্যাহ্ন পাকে, আবার স্কুৰিবালৈ উচ্চ ইইটে বিস্তৃতি (বিস্তৃতভাবে উংপত্তি) লাভ কৰে , ইচা ম্পন্মাপুষ ভানিতিত পাবে, তেখন সে সকাৰ লাভ কৰে এ১:এ

তা হৈশি হাঁট্য নাল্ডক ৰে অধিক কলিছে সম্প্ৰত কৰিট বাইছ একো লছ পাৰ, আ বাৰ কটিক লৈ অধিকাৰ পান ৰে সেই জন্ম বন্ধ কটাছেই আনিভুটি হয়, ইচাই ম্বাৰ্ক ব, গাৰিক ব,শোৰ। কাহৰণ ইচ জানাই ছক্জান, গোচণ্ডেই মুক্তি কটটা থাকে ১৯১৪

অজ্ন। এই প্রমায়া কার্ণ্ডীন ও গুণ্ডীন ব্লিয়া বিকার্ডীন এবং ইনি জীবরূপে শরীরে থাকিয়াও কোন কর্ম করেন না কিংবা কোন কর্মকলে জিপ্ত হন না ॥০২॥

যপা সর্বগৃত্ত সোক্ষয়ানাকাশ নোপলিপাতে। সর্বাহাবিধিতো দেৱে উপাস্ক। নোপলিপাতে ॥৩৩॥ ভারতকৌষ্কী

আধিনঃ কাৰ্যকলগাভাৰে দ্ধাৰ্নাত হথেছি। দাসলমুগ স্কার্যক্ষণ ম্পা, সৌআংশ স্কার্থ অসক্ষ্য ক্ষম নিভিন্নিগ্রিকাল্ড, স্থান্ত লাইয়ে দেকে আবস্থিত হপি দৌক্ষাদেৰ নিত্তিকালিকক্ষ নান্ধানিকালে

ভারতভাবদীপ:

夏 有代外化 中國分司 可使以 医医学有个性性 人名 1年日,在一日前时间之后,第二日前一日前一年代刊的 त्यामिना निहाल्दाक भवान , वह निहार कराय । यह विहार प्राप्त करा देशन करा है व भाषाः भन्नार्थः । अमाद्या त उन्हरित्त । अस्ति । अस्ति । अस्ति । "मनाद्रदेव देव हुं-='व्यवहर्षिक्षिति । एक व्यवस्थानामाधि केव्यविक्र स्वाद्या हुन्। हेर्न আন্নালিট্রাম । ন্যুলালিভাবিজনে র্যুলিনামেলাভুলে কালত প্রিচ্ছাত হাস্ত তও ব্রুপার প্রিক্রিপ্র নাশাবরত্বারাদন নিহালেলাভ (নশ মাঙ্গি প্রিভেলো র্ভাগ মাজ্) নও भक्षपानुवध्विक्ता में १८६८ अस्थिन्वर्व्यक्षेत्र स्थापन स्थापन स्थित्वयवद्वस्य । द्वासिट्यः । নটি প্রসাল্পর প্রালিগ্রাভিয়ের ভাগ পশ্চিম বাসাক্ষ্য শ্বাহ <u>মহাভ্রবিব্রার হ</u> রেলসং প্রিয়ের্নটোন(রেল সভ ডাড়বিভাড) বেলস্থ তকুৰা প্রিভেশেভলি নাও স্থাপি। [有图图形探询中的[[-244 经对象45A14]] P. 网络田 中中國 中中國 242 医21 [194 , 在田 唯 1 3 ८ क्ट्राइक्क कार्ती जन किया वाकित्यमा कालन कार्यक पुरुष अन्य कार्यक निमाधित का निमाधित हानुका नुक्रमाति मानदा छ। विश्वपद विकित्त । ए दि शुवन वाकालानि अ सार्याना विक्रमा द्वालावित काला व्यात अध्याविक तत्त म ह व्यविक्रमण लाग दक्यकित म देशाविना प्रमी पुर्मी रहे । तनम् चाणः असाधारीमः असाधार स्थानः व दुर्गानिकः प्रदर्शानकः प्रदर्शानकः प्रदर्शानकः स् असर्थ हेडि कति इस इ — वर्ग मुख्यों है। व्यवस्थित इस १००१ सिख्या इस् কার উতি সিক্ষ, অসম্ব তেশেলিগার উত্তে — মুখ বি । হয় অকাশ বুলালিন ন

क्षिक्षित्रीं — ए मनार्गय दिस्मदि ६ छन घर्क, छादाय विकाद प्राप्त तास्त्र विकाद प्राप्त तास्त्र विकाद प्राप्त विकाद विकाद

যোমন আকাল সর্বব্যালী চইয়াও স্থা বলিয়া কোন বস্তুর সচিত্র মিশ্রিত হয় না, সেইরপ আহা সকল শকীরে থাকিয়াও ভাচার কোন কর্ম-মশ্রের সহিত্র সম্বাহন না ॥৯০॥



লথা প্রকাশহতেরক: কুংখ্রা লোক্ষিমা রবিঃ। কে এণ কে ছী ভগা কুংলে প্রকাশয়তি ভারত ৷ ১০৪ (क इ एक इ कुट्याद्विया सह के क्लांस के कुना। ভূতপ্ৰকৃতিয়েগকক যে বিদুধ, স্তি তে প্ৰম্ ৪০৫৪

ইতি ই মহাভারতে শতসাহাল্যা সংকিতা্যা বৈয়াসিকা। ভীলাপ্কাণ্ क्षत्रका होग" मधुर द्रव्यक्तिया ॥ ॥ कार संघ कु उत्यामद्रमञ्ज्ञातीयः ॥०॥

छात्रहार्यो

द न्यु । मा हात मृद्य प्रमाप्त १ करान ही प्रमाणियर व यह प्रमाणियर व ্ট ভ বাসাং । ক বাব্য , ইমা ১ জ সংলা , ক স্বাং, প্ৰাকণাম্থি , সংগ্ৰহ প্ৰাক্ত कुष्णक्षात्राम सर्वाच्य अध्यक्षात्र क्षा स्टिस । स्ट्रिस, त्राप्त द्वाप्त क्षा स्ट्रिस व्याप्त क्षा क्रा क्षा इक्षा कर इस प्रवर्ष रें करोड़िक यह 6" हिस प्रिक्त के धुक्र ने देखाति आहे गर्हें हैं , AND ER THE BY FRE KUBS FREN EMILS LOSE

ভারতভাবদীপ:

तिस्तरक ६२ का अश्वयक्षक । उत्राह्म पुरम्भागमन नाप्रिमाण है होते ,ऽञा न करत है में अपने हैं है पूर्य में नह के व्याप्त हो हम ने हैं कि एक है है। यह दूर्य है प्रमाय सर्वेद्र दिवार काल गर्यात से हैं ये जा वर्षविहें रूप कृतिस्थ होते अपन्ये, एक 500 आवर्षणन ষ্ট্ৰাফ্ৰাৰ দি চন ৮ টাৰ এবন্ধ ডিলাএই ডেলাএক প্ৰধাৰ দক এব স্বধনকবাভূতৰ ডেলাএই इक्त मा रहा छ दर मान द व भागत दशका हर मन्यानहाँ है, इक्ट्रेय्क भूगामामानि मर्ग निम्म १७६१ - १९४८-४ १९५८ - १६५४ - १६५४ - १८५४ - १८५४ - १८५४ - १८५४ - १८५४ wur um fen i fendunge fen bogen bor dag i Ge fent forte benaret ्रेन्स, राष्ट्राच्य वर्त्याच्य वर्ग्याच्य वर्षेत्र वर्षेत्र साम्बद्धानाच्याः कृष्ट्रेस वर्षेत्र क्षा स्ट्रिया কাৰত্য সকাৰুত মূত হ'ল ল'লক। ম ্ক কড়বলন ব ক' ইন্তি (১৪) অধ্যায়াল কুৰ্মানুধ

ভাবস্থা—অন্তের কর্মন্তর সভিত্ত হল সংক্রার (স পারে ন , নামন র ১৭) क्षेत्रात्य प्रति ह ल ५ मध्य इया न । ५ मडेबल क्षे क्रूब-्वह । ५ डेल्विश्रशहरि, ५म क्षे ফুলের সম্মূর্ম হয় নাস্থ র ই ক্রিছে চুন্ন, কিছু মাতা কোন কর্ম করেন্ত ন্না ভাগার फाल्य अटि ह मध्य ५ इस स् । ३०।

ভর্তনক্ষন। এক পুষ্য যেমন এই সমগ্র ভগ্থ প্রকাশ করেন, সেইরূপ এক প্রমায়া স্কল ক্রেকে (মহামূতপ্রতি সম্ভ প্রাথকৈ) প্রকাশ 神を発発 サンタル

ভাতেপাকী নত্ৰের প্রবাধ করার কর্ম—কালেকিড করা, আর প্রথাতার প্রকাশ করার মর্গ— অনুকৃতির বিবর কর' ক্ষেত্র ও ক্ষেত্রীর বিধর্গ পুরের বলা महेदारक् ध्वता



চতুৰ্দশোহধ্যায়ঃ।

ছি ভংবাকুবাচ।

পারত জ্যাঃ প্রক্ষামি জনোনাত জানমূত্যসূত্র মজ্জারা মুননঃ সর্বে পরতে মিজিমিতের প্রাং ॥১৯

छाउट(कोश्रमी

ইপানীং ক্রাভিদ্নাসভিত্যে ইপর্বর্থের্শসংহ্রাত্র করেছে, র্নুক্র জান্তক্ষ শাংশাভাব্যালপ্রেশপ্রিক্তানকাপ্রান্ধনান, এবান্ধনা ভাছ্রাভ্রন্ত্রত ব্যুক্তর হার্থিন কাম্, প্রাভিত্যে, কেরপ্রেইজ্বরা, ক্ষ্রা নেক্ষ্, হ্রাভ্রান্ধনা কর্বান্ধনা কর্বান্ধনা হলা, স্ক্রাভ্রান্ধনা হল

हे हि श्रहाश्राहाल्यमाय चीरविशाममिक च्यारेश्रमच्याहरणः विविधि माणा पर कार्यस्थित । कार्यस्थाकोषुशामश्राहरण हाच्यलकार सन्यवस्थेत्र । सन्यवस्थितः सन्यवस्था

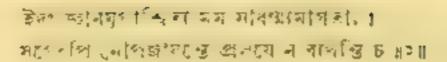
PA A P 通 医PS 研 用 PA HS TO 1 - 1

ভারতভাবদীপঃ

भारत्य — (कार्या के प्रदेश के कार्या के प्रति का विश्व का विश्व का विश्व का कार्या का

हेलि जोधनकारि देवलक्की य क दणकारशीहन अवर्षि १००० व १००० हेलि देवलक्की व प्रकार इटलाग्लाइस, दर १००४

বাহারা জানন্যনে এইরপ গের ও জেরছের দেন এব প্রকৃতি ইউছে আত্মার মৃক্তির উপায় জানেন, জাহারা মৃত্তি লাভ ক্রেন (১১৪ ভাষেপ্রা, - জানন্যনে জানার মুখ্য লাভ ক্রেন (১১৪



७।वहरको भूनी

कर रेन्ड देन हे का नर्ष्यों है डान्स श्री प्राची है स्वार्थिक स्वर्थिक है, इस् कार्य रेन्य ने रे लगीन है , हे भागन वर्थ है। श्री मून्य मा, सकी देवन वे का नाहिन्दि कार्य रे ने रूप प्राची के का रे से का स्वर्थ के का स्वर्थ के स्वर्थ के का स्वर्थ के का स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्

ন সন্ধান কৰিছিল উপত এ সভা বুন্ধান উপত জনাম, উপত্তিত।
মুক্ত কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল জনাম, উপত্তিত।
মুক্ত কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।
মুক্ত কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।
মুক্ত কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।
মুক্ত কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল।

छादछडायमीशः

কুজা বলিংলন - আন্ন তেনার নিকটো সমস্ত জানের মধ্যে মাতাত উর্ম জানের বিষয় পুন্তায় বলিব , মুন্তিং সকলে যে জানিল।ত করিম। এই দেছ-বিষ্ণা হইতে মুক্তি লাভ করিয়াছেন ॥॥

সেই মুনির। এই ভাবে অবলম্নপূর্বক আমার সরপতা লাভ করিয়া স্তির সময়েও আর ভল্পাহণ কবেন ন, এবং প্রলয়ের সময়েও আর বাতনা ভোগ কবেন না ॥১॥

তে কিন্দ্রীয় — এই জ্ঞানের প্রতিত আছিল আগ্রহ সমাইবার সভাই ক্ষা এইজগ শ্রশাস কবিলেন। মোটারণ — এই জ্ঞান বাত কবিলেই মানুহ চরিয়োগাইট্রা বার । ১৮ ম্য শোনিমহিদ্রক তবিনে গ্রাং দধাম্যের। সম্ভবঃ স্বঁজুতানাং ততে। ভবতি ভারত গাওা। স্বঁশোনিয় কৌজেম। স্ট্যঃ সম্ভবতি যা,। তাসাং বক্ষনহন্যোনিবহং বীজ্ঞানঃ পিতা ॥৪॥

ভারতক্ষেত্র

ভারত ভাবদীপঃ

सेनी महर्णन्यास महण्य स्वर्णात् भारत महण्य कर्णन्य हार सा रहण्युमा कर्णात् कर्णात् भारत हिंदि क्षा कर्णात कर्णात हिंदि कर्णात है कर्णा

ভর্তমক্ষর । মূল প্রকৃতি আমার গছাধান করিবার ভাল ; আনি ক্রিব প্রোর্থে সেই মূলপ্রকৃতিতে গ্রাধান করিয়, থাকি। ভাষার পর উচো হইতে সম্ভূপদাপের উৎপত্তি হয়। আ

उत्तर महिला — नादी स्थान नरवद गण भान करियान पान दशा नव गान साहै न वीर श भावितान करने, खादाब गण दाधन साहै नावी हहेर इ महान है गण गए। साहेकण धून धहाँ हैं खाधान महत्व करियाद पान दशा करिय जात. च काथि दशहे यून प्रकृति विकास अपन धक्री महत्व करियाद पान दशा करिय जात. च काथि दशहे यून प्रकृति साहित अपन धक्री महत्व करियाद पान दश करेश क्रियाय कहार गर्द चायाय साहित महत्वनाहरी अस्ति मध्यभाविते साहे अकृति हहेर ह देवन हय । भा



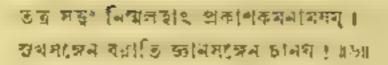
সহারজতম ইতি এব : গ্রুডিসভ্বাঃ। নিকাতি মহাবাহে ! কেছে কেছিনম্বাহম্ এ৫॥

ভाबचरको मृश्री

ভারতভাষদীপ:

মজ্ন। যে সকল শণার সকলপ্রের যে।নিতে জন্মগ্রন করে, প্রকৃতিই সেং-লির করের সংগ্রম, ভার মানি সে গুলির বীজনাতা পিতা চলা

ক্রাংক্ত ও স্বাংক, মত্ত ও প্রশ্নি প্রাণিকে (ম সকল শরীর করিয়াভিল, জরিয়াভিত, স্বাংক্ত ও স্বাংক, সে স্থল্পনারই প্রভূত, বহু সে প্রভূত আবার প্রভৃতি ইইটের মজুত তারর প্রভিত সম্পূল্পীরের ইংলাস্থিতী বলিয়া মালা আরে আমি সকল শরীরে ভারে হুলা প্রায় তিসভাপ্রভিতিশ সম্পূল করিয়া সেন্দ্রিক প্রায়ম্বে নিশাংক বিবি বলিয়া সেন্দ্রির পিতা হো



ভারতকৌ স্থী

अपुरुक भूता केल नद्राराम र उद्दृष्टित इक् अपन्य । जिल्लाम । जिल्हामा (মার্কনার্মান বংলা ১ করে, ১ ১৫ ুবসু এবিবু স্বের, নিম্নের্থর স্কুর্ম প্রের্থ ভ্ৰেমাপুৰক নাৰ্বৰনিৰ দল অংশাৰ মৃত্ত পৰিবিদ ছবি চাল্ড ছব্ আন নহম ইপ্ৰে পৰ্ব-রতিয়া শন্তুক্তে গাং, সহানান ভুগন কারু, জানা সংজ্ঞা সম্পূন্দ জানানা নটপ্টালি अकि मिनिय व मान महम्म मन्दिम का प्रमान का रहा है प्रमाण का देवनारम अमार्य প্ৰবন্ধগতি ভে

ভারতভারদীপঃ

মহার হি ১ ব্লাহ স্বাহর্তিক লিখে পার্লখন পুলবাল বা স্থিয় বন্ধ লাল, পুলা निर्देशिक का । एक के एकन अध्यान अहार इक्त र — अवहरिक के किये हुने कुलाओं असा লিখালাই ক্রেণ্ডাম ন্তর হিলা "প্রেশ পালন লালির স্কান্ত আছে স্বাহ্য বিভারেলীন্ত্র 有解理专行《诗诗书诗》是诗诗《大声智》中"诗诗》 "翻"词声"诗诗"与《诗人 不禁》 ""《意思""文诗诗中的 诗 网络斯里尔 क्षण हा कार्या ह, किया (अस प्रकृतिकार) । वा कार्या के हजा व अस कार्य के हिन

মহাবাধ অক্ষা স্নোধিক ভাষাপথ সৰ, বল ও তম এই বিন্যু, গুণ भक्त (प्रदिष्टे कीनरक दक्षन करिया तर्थ । १३

তোক লাই্য-সর্প্রতি ওয়ের নাম বিবর্গে না ইউ ল সেওলি এন করে। कृष्टिक भारत मा, हेट है से रामने सब मिक छ। यु इदार निकास प्रभीत एम मू हा हु उस প্রতিবিধ্যাক আপনার ভিতরে আব্দার র, ১৮ইছেশ নান বিক্লারণের সম্প্রভূত বিনাট न्त्रम धानिकानी है अञ्चल भवना धान जो अनिष्ठभ और दल स्थापन किया व विकास व द्या । भारत भव देवत्यविकायमान प्रामादक पुर्ण कता, क्षेत्र ए , दक्षेत्र इक स स्थारम् ধুব নতে—এ ওলি দ্বা। কেন না, বৈশ্ববিক্ষরত পুরুষ প্রায়ণ না, বিশ্ব এ স্বালি शुर्व लघु इक्ष कुछ के कि एक सिक्ष महत्त्व हो है जिसके प्रकार के एक दल करे. ভালার কারণ—ইতারা জীবকল প্রাক্ত কোনর ভিতরে বছন কলিছা বাংখে বলিছা , স্বাং भ्रम्बद्धत्वक्ष्यक , प्रदेश खन वन इय, सर्व ध्रमित दिलके सर्वादक अरहेकन खन वन इय १९६

নিকাণ অভ্না ভারার মধ্যে নিকল বলিয়া প্রকাশকারা ও লাভ भवश्य वानामि व्यविकात अकार्य स्थ । विषय्रवार्यत व्यक्तिकात कीरहरू বন্ধৰ কৰে মতা

ত্যুক্সমিন্তিৰে মধ্যে সৰ্ভণ নিমাৰ ভাৰত সৰ্পত্ত ভাষ সেই সক্ষণ আল্মার ডিডবে পত্তিত চিংপ্তিবিশ্রণ ভাবকে এবং মতাজ বস্তাক প্রকাল করে, সার सुग्रह्मात्मत् सामिक स दिवस्त्रात्मत् सामिक व त्वदानियांनी कीत्रक सावस व त्व । अध



ৰক্ষে বাণাত্ৰ। বিভি হৃদ্ধ সভ্সম্ভূবন্। ভলিবল্ল ডি কোনের । কলাদকেন দেছিনম্ ॥৭॥ ত্যপুল্লারজা বিদ্ধি , মাত্রা সর্বদেহিনাম্। প্রমানালকানি দ্যভিক্তবিব্যাতি ভারত দাটো।

ভারতকৌমুদী

वक्राम वक्रमध्य प्राच तक है है। इ. के प्राच चर्च व्याप ध्राम्, बक्रार छ माप्तित ए दे वे के वा में दे दे में के किए के एक हैं। इस केल केल खेलां काला किलाह. या मन इस काम हिन्द्रतिम दश्राह्मत अर र अप्रयुक्त अपाद आतनाया, तिस्ति सार्विति प्रदेशकान्य के के रे. के प्रति प्रति के प्रति के भी में के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति का कि की की कि प्रति लाक्य प्रवेशन मेर पर समा की देश मिनहारि मामा द लाद कुर्य है है।

राम तक्तालक प्राप्त किन होते हैं है। इसका शकुरवादमारिकम्पार एका हिस्सिंह। इस कुलक त्राम साम कृत्य वक्त साम का हर का सक्या, शर विकास अरहसाह्य का जिल् Tagran के मान प्रदेश प्रदेश कर दिन प्रभावित है। इस अपना हम्स अह. আহম নুকুম কন্ত্ৰ কুম মালপুৰ কুম কুম সংক্ৰিম কৰুমণ্ড ভূচিতু থেতিয়াৰ নিৰ্থাতি সংসাৰে প্ৰবৰ্ণ 🕶 🤛

ভারত ভারদীপ:

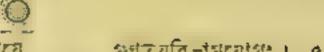
व्यक्त । व्यवकार्य वर्ष वाच्या वर्ष रहत दशहर दिक हु। श्रामाधार्य क्रमरण १८.० प्र. वच्या क्षेत्र नर नर रहारम् वच्छ प्रक्रमण्डण १७ म् निवशास्त्रिकः পা নম্মিন্ম হল গুলার পুলার বিলেপরা স্থানা সাহাত্ সাহর্ণপ্রিকাটে উল্লেখ্য নাম বিভিন্ন সংস্থানা পরিনার মাধনা ভাতিবের হা। প্রাথানেওনাবহিত হা भ ६ अठ्ड गानकान्ति ततो । अन्तका प्रकृत प्रकृति अपनि । छेड्य ৰ ঘনিতোগনী মুমুগুল্পন তুলুনিক মুনিজ্ঞাহ নিম্বা ৰহাতি তে ভাৰতে।

অজ্ন। তুমি জানিয় বাধ যে, বাজাগেণ হটাতে রাগা, পুলচা ও আমিজি कर्म कर रमहे तर्काञ्च कार्या अर्थ हिलाबा की तर्क वस्त्र करत अपा

কাজপাঠ্য-বল বিস্ফান্ত্ৰত, চুক নহলু বা বছৰ পাল্যভিনাৰ এক मामक- च भावपार कि एवं पर भाग ल । तहे तालाकः, भागाम क्रमानि लेकिक करण মৰা ভাগ্যানৰ নাৰি ভাগালা কৰা কাজ আৰু দুজার জীবকে আবেদ্ধ করে ৰখা

ভবতন্দন। ইহাও তুমি অবগ্র হও (মৃ. এমেণ্ডিব অজানি হইডে উংপর হয় এব সকল প্রাণীর ওম টংপাদম করে, আর প্রমাদ, আলস্য ও নিম্বাহারা জীবকে বন্ধন কবিয়া রাগে ১৮৫

তাত্রপর্য্য- १३ রেশ্রে সবদেও লগতে অধ-জ নিভিত্ত সকল প্রাণী। বেল না, ক্ষানিপণের শ্রম হব না ১৮৫



সত্রণ কল্পাতি বজা কলানি ভারত।। ক্তানিমারতা ভু জনঃ প্রথানে সঞ্চল্ডার গ্রা রজন্তমশ্রাভিত্য সত্ত্বভিত্তাপুত্র । 1 রজঃ সহুণ উল্লেখ্য তমঃ সহুণ রজস্তাণা ৪১০॥

च।दहरकोध्रशी

আলোধক পুল কম্মিল বিধায় প্রতিভাগ সহিল্য সহত্তাত সহ্লিডি । তে ভ্রাসং मकु धन, प्रांत सक्षा त कान क्षा का उपित्रामके कार हिं। वाक धन, क्यांनि केट्रिक প্ৰিহিকে ৰ কংক প্ৰান্তন তেতিনা সভালি। তাম প্ৰায় সভকাত আনম্ অৰুকা दिरवादाय, सन्ति वर्षतः अपनादशाम केन्या अनुकालक यान्यांमणामा ह, সহায় ডি প্রায়ারের নেতিন্নাস কালতে সি ১৮

भन्दि प्रमुखनम्मन्दर्भ नवस्र कद ७७६ स्वतः भाग स्थितः । ४५ डेन्सः । १ स्टब्स्स कक्षा असा, दाक अन्य अन्याअसक, अधिकृष्ट दिकित्त, तदित कमादिक्ताता, उस ह ছ প্রয়েল্ডিমন্ত্রের লেভিন, অপ্যের ভাষ্ট রাজি রাল বাক ওলা, কলাচর সর্ব প্রণা ভ্রমণ্ডলার ভিত্ত ভাগতী ভালবাসম্ব । এই নাজে প্রভ্রমণ সমস্থাবেডলি গুলা কথা ষাংপ্তিনে মাঘণ ইম্পের। তথ্ তানেওলত কলগতির সন্ধু ওবং বামে ও জুড়িছুর ভাৰতি তৰ চ জগড়খালসভাবহণি ততিন আমাৰ মালজনিখাদেও ব ভাছভ हे शक्तिक्षाप १३००

ভারতভাবদীপ:

১মতিনামিতাজনতীতে ৮০ সত্নুম্ভতী সম জনত প্ৰত্যাসন্দ্ৰত সঞ্চতি সংগ্ৰহণ কন্ত্ৰিত अवश्युवप्राणि काम क्राम्य कृता क्रमाय कृता क्रमाय अवकार क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय व्यवसार्याः श्रामदक्की नारभावः अस्य नदाधानि स्टान अकोत्राध - एक हेर्न । दक्षण्यानी अस्तिस्थ স্থা ভৰ্তি ৰ্থাত্ত এবং বংঘাহণি স্বাম্মী আনভ্য চৰ্তি স্থা সংঘাহণি স্বাব্দলী

ভর্তন্দন। সব্ভণ ভীবকে সুধে আসক্ত কবে, র্ছোগুণ ভারাকে কংশে প্রবৃত করে এব ভ্যোগুণ জানকে অংশ্ভ কবিয়া জীবকে প্রেমাদ, আলেক্ত ও নিহাপ্রভৃতি ব)পোরে নিযেক্তিত করে ॥১॥

ভাত্তাল্যা—স্থ, শাহি ও জানপ্রছবি । য কিছু ভাল, সাহ ই সহস্থাের কালা, क्षेत्रीय, उच्चम स क म । काम कि एर विस् यकाय, त्मक्षति वाका अस्य किए , अन्य कामान, स्पार, आशक क निमाक होते १४ कि हा निकट, एक एरमा अस्पत वालाव । ना

ভরতনক্ষণ স্বস্তুণ, রছ ও ত্মোহণকে অভিভূত করিয়, কখনও প্রেক হয়; রাজে। হণ, দার ও ভাষোত্দকে ভার কবিয়া ,কান সময়ে কৃতি পায়; আবার ত্যোগণ্ড, সূত্র ও ব্রোগুণ্কে প্রাচ্ত করিয়া এক এক সময়ে অধিক হটয়া থাকে ৷১০৷

স্বৰাবেৰ দেহেংকিন্ প্ৰকাশ উপজানতে।
জান- হল তলা বিজাৰিত্ক সহ্মিকৃতে ॥১১॥
লোভ: প্ৰতিবাংক কথাণানশ্যঃ স্কৃতা।
বজ্যেতানি জানতে বিশ্বে ভবত্ৰত ।॥১২॥

ভারতকৌমুদী

ন্ধুক্ত কু পুৰুষ্ট্ৰ পদ উপাৰত হৈ কিছিল কিছিল কিছিল। কুজাৰ প্ৰথম সন্ধাৰণ কিছিল। বিজ্ঞান সংক্ষাৰ বিজ্ঞান কিছিল কৈছিল কিছিল কিছিল। কুজাৰ প্ৰকাশ্য কেছিল। বিজ্ঞান ক্ষাৰ্থ কিছিল ক্ষাৰ্থ কিছিল কৰা সন্ধা আৰু ক্ষাৰ্থ কিছিল। কুজাৰ কুজিমালিল মূ বিজ্ঞান ক্ষাৰ্থ কুজাৰ কুজাৰ

ক্ষেত্ৰ ৰ জালাশনাৰ ১ চাহি তা শতাৰ্ভণ বজাধ বাজাগুৰে, বিশ্বজ্ঞ বিশাসন পৰা আৰু সাধ, বলাভ কৰিবল শাজ আন্ত্ৰণ ভাজ, আহুতি কাৰ্ব্ৰনা সন্ধান কৰে। কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ নামুক্তি কাৰ্ব্ৰনা কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ নামুক্তি কাৰ্ব্ৰনা কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ নামুক্তি কৰে কাৰ্ব্ৰনা কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ নামুক্তি কৰে কাৰ্ব্ৰনা কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ কৰে কৰে কৰিবলালাই সমান্ত্ৰণ কৰে কৰিবলালাই স

ভারতভাবদীপ:

रहिंद्दे प्रति । प्रति । अधिन् । अधिन् । अधिन् । अधिन् । प्रति । अधिन् । प्रति । प्रति । अधिन् । प्रति । प्र

ক্ষেত্ৰী সহয় হৃত শহীনে নাৰ্য পুষ্প মোজপ্ৰতিৰ সম্ভৱ সাংকল্প ক্ষেত্ৰী ক্ষেত্ৰী কৰিব সাধাৰ সাংকলিও পুষ্ব স্থান কৰিব ক্ষেত্ৰী ক্ষেত্ৰী কৰিব সাধাৰ ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী ক্ষেত্ৰী কৰিব কৰিব ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী কৰিব কৰিব কৰিব ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী ক্ষিত্ৰী কৰিব কৰিব

এই দেহের সকল উদ্দিয়ে সধন জানকাপ প্রাক্ষণ উপস্থিত হয়, জ্বান সংক্ষাবুদ্ধি পাইয়াছে ব্যাহালিকা হিংগা

ভাৰাং শিহা — দিও দানা, হাং ই সহস্পাৰ্থ কাংগা, কংবাহ সম্পূৰ্ণ কাইবাই াম কোন বিসাধ লাল । আভ্তাগ মণনা, কোন বসুৰ ভানে কইবা, তপনাই বুৰাবি দেখা, তেপন আনাৰ সময়ণ প্ৰাৰ চইবা,⊊ 155:

ভরতশ্রেষ্ঠ । রভোক্তন বিলেম বৃদ্ধি প্রেট্র লোভ, কার্যোর চেষ্টা, কার্যারন্ত, সাশার সনিবৃদ্ধি এব সন্ভালাতের টক্তা এইন্ডলি উৎপর হয়॥১১॥ অপ্রকাশোহপার ভিশ্চ প্রয়ালো মোহ এব চ। তমস্তোনি জায়তে বিরুদ্ধে কুক্নকান । ॥১৩॥ যদা সত্তে প্রত্তকে কুপ্রকাশ বাতি দেহভূৎ তদো ত্রবিদাং পোকান্যলান্ প্রতিপ্রতে॥১৪॥

ভারতকৌসুদী

বিষয়েও কুলিবিশ্বাস্থ নিগতি অভাগ ধা ইংবা। তে বুজনকনা ব্যক্তি সংগানুত্যু বিকুম্বে বিশেষের কুলি প্রাথ্যে স্থিত, অপ্রকাশ স্কুল্ডিন কর্ম দ্বাস্থা বিষয়েলাক অন্তব্যাস, অপ্রকৃতি কর্মবাস্থাপি কর্মান অভাজ, কুলি লাভাল বিষয়ালাকে ব্যাহের কন্ত তাল্ডি ভাগেল্ড সন্সি আল্ডিন্ড টুলাল ক্রিক্স আন্তব্যালাকের এড়াল

ইনানীৰ সহাজ্যেকিক ভাৰত হৈ দুৰু কৰা বজনে কাৰ্যা কহনৰ কাৰ্যা হয়। তেওঁ জি মুন হাত্ৰম চ মাধেতি। সাহ ভাৰ প্ৰত্যা সাত হু, তল কি, দেহ চুৰ প্ৰত্যা দুৰু মান হিছে বিভাগ জিলাসা, সম্পান্তিক বান, উন্তৰিলাম ইছে হাত্ৰ দ্বজ্ঞান নাম, বাবান ইছে হোত্ৰ দীন্, কাৰিপ্ৰতে কাৰ্যোতি ।১৯॥

ভাৰতভাৰদীপ:

বির্দ্ধে সহি এটানি নিজ নি জহার ত তব্যক্তি। ১৯ সাম পি তেখাকে পুর্বিদ বছাকাল সংকাশ প্রকাশ রুদ্ধা আপর্ভিশ সাম পি প্রবৃতিনি মতে বৃদ্ধাণ প্রবৃত্তির । প্রধান কাশাৰে বাবিবেকরাহিত্যমুদ্ধান হৈ শিল্প স্থানিকপ ১৮১৮ প্রধান সংগ্রাহ উত্তিলাং

ক্রোক্সের্যা—এই তবি সম্প্রাক্তিক কৃতি নাংগ বাবে জন মন্ত্র কৰি সাল ৬ , আরু এই জুলির মধ্যে এক একং, জুলি বাব নিবে ে, ব্যক্তিন বিভিন্ন নিচ সাই । ১ অস্থিত লোভজক্তি বজোলনের কার্যান্ত্রতা

কুকনকান। তমোগুল অধিক কৃতি পাইলো অজান, কওঁবা কাখ্যে অপ্ৰাকৃতি, শ্ৰণ দি কাখ্যে অম্যোগেতিক শ্ৰম এইগুলি উপস্থিত হয়।১০৪

ক্তেশ্বং প্রিয়ে— এই প্রনি সকল ভবিবে ভালাব এ, সংমাধন বিশেষ কৃতি পাই । ৯ , আন্ধ্রকটি ওলির মধ্যে ভূটি একটা অস্থিতে কৃতি ব । ১ , সংমাধন কিছু প্রতঃ এই তে উক্ত অফ্রামেশ্রভূতি মধ্যেশুনের কার্যা ১৯৬৮

সমুস্থা বিশেষ কৃদ্ধি পাইকো, যদি প্রাণী প্রাণভাগা করে, তাবে নে, উত্যাদেকভাসেক্দিগ্রেক প্রাণ্ড নিকোষ কোক সকল প্রাণ্ড হয় এছে।

ত্ৰিক ক্ৰিয়ে— এ শ্ৰেষ্ড সক্তাপেৰ বৃতিক ভাৰত্যা অধ্নাতে জ্ঞান লাকেব ভাৰত্যা বৃত্তিক ক্ৰিয়ে। শ্ৰুল কথা—সৰ্জ্যাৰৰ এ এই সময়ে মুজ বাজি এই লাকে গ্ৰুল কাৰ্যাৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষুত্ৰতে সক্তাপ ব্যক্তিকাৰ নিমিষ্ট ভূষুত্ৰতে ক্ষুত্ৰতে সক্তাপ ব্যক্তিকাৰ নিমিষ্ট ভূষুত্ৰ বাজিব ক্ষুত্ৰতে ক্মুত্ৰতে ক্ষুত্ৰতে ক্ষুত

বজনি প্রান্থ গাই ক্ষেদ্রিণ জানতে।
তথা প্রানিশ্বনি মৃত্যোদিশ জানতে ॥১৫॥
কথানা তর্তভাতি সাহিক নিম্না ফলম্।
বজনত ফলা পুল্মমজানা তম্মা ফলম্॥,৬॥
স্থাই স্থানতে জানা বজ্যো নাও এব চ।
প্রান্যোধে নম্যা ভবতোইজান্যের চ॥১৭॥

ভার হকৌ মুদী

বিশ্বনাথ সংখা । নাগাবজনাতি শ্বনাধান বিশ্বনাথ, সুসু,য়া, বিহ সংসা, মঙ্ক কৰাৰ অসু কালকিল সামিকিকৰ সে কুছু মন্ত জ্বু অন্তর্ভ । এই ডি বিশ্বনাথ, পাল মাধ্য মন্ত্ৰ, মুল্ল নিয়ু প্ৰাণকিল কেবল্লিয় কৰাইছে। এইছ

ার প্রকাশস বিজ নিশার নেশারি । এক তাও, নকান্ধ করা ভ্রমণা হা ক্ষার ইছি।

গাঁহ হাল লাগাল স্থান্ধ কর্মার কর্মার হার প্রকাশ করা প্রকাশ তার্থীনার,

সাহকা লাগাল ক্ষারে করার, আত্মান বিজ্ঞান করা প্রকৃত্য ক্ষিক্ষার্থ

স্থানী নাম হা ভ্রমণা করা হালান্ধ, ভ্রানিক ভূমণানার ভ্রমণানার ভ্রমণার ক্রার্থীর হা

সামানিক ক্ষা হালা বিজ্ঞানার পিলেন লাগালিক ক্ষারিক হা

সামানিক ক্ষা হালাব্যার প্রকাশ করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান করা করা বিজ্ঞান বিজ্ঞান ব

ভারতভাবদীপঃ

ব্ছোগ্রের প্রবল কর্তায় মাওল মৃত্যুর্থে পতিও চইয়া কথাসেও মন্ত্রু-্যানিতে হল গ্রন করে এব সংমাগুলের বৃদ্ধির সময়ে মাওল দেইভাগি করিয়া পাও পানী ও স্থাবর্মানিতে উৎপদ্ধ হয়। ১১॥

ভাৰত কৰিছে — এলগানৰ বাদে জন এবং সংনাজগাত কুছিল সাৱসন। সমুদাৰে কাৰী সভ্যা নি কুলিং লো নিজে সংহাৰ ভাৰতনা কুনিকে চতাৰ ১৮০০

ম্নির, বলেন —প্করেশ সাধিক ধশক্ষা করিয়া থাকিলে ইর্লোকে মানুধের নিশাল সুধ ও জান উংপর হয়, প্রভাগে বাজসিক কার্যা করিয়া ধাকিলে ইহছায়ে ছুখ চইয়া খাকে এবং প্রভাগে ভাগসিক কথা করিয়া গাকিলে ইহলোকে অজান উংপর হয় ॥ ৬॥

ক্রোক্সেইয়ে— গতের নিশাল প্রস্ত জানে হউচে দেখা হাত, তিনি প্রাদ্ধে বা বিক ধ্যাবাধি ববিহাছিলজন বলিয়া বৃধিতে হউবে । সমূত্র এই হল সমূহেছে। ১৯৪ উদ্ধাণ চহন্তি সত্তা যথে ভিততি রাজ্ঞাং। ক্ষতাওণকুতিত। অধো সক্ষতি তামসাং॥১০॥ নাতাং ওণেভাঃ ক্টারং যদং দ্রকীত্বশহাতি। ওণেভাশ্চ শবং বেভি মত্বিং সোহধিপক্ততি॥১১॥

धातकरको मुगी

সংখ্যান শাধাৰের কলনার সংক্ষিতি । সর্ব সর্ধান প্র পাল্ন জানা স্কারত বিজ্ঞান কর্মান প্র সংক্ষাত প্র সংক্ষাত বিজ্ঞান প্রাথ প্র বিজ্ঞান কর্মান ক

हिमाना स्वानिध्नक मा लग नन न होता गरित । यह कार्या राष्ट्र ह न्यानियान र स्वावयामावित विव्यवस्थन विविधान त्राव्यक वर्ण । यन ६ स्वावयामावित विव्यवस्थन विविधान त्राव्यक वर्ण । यन ६ स्वावयामाव कार्याण विविधान स्वावयामा व्यवस्थित एक कार्याण प्राव्यक । यन वर्णाया विविधान स्वावयाम् व्यवस्थित व्यवस्थान व्यवस्थान स्वावयाम् विविधान स्वावयाम् व्यवस्थान स्वावयाम् स्वावयाम् स्वावयाम् व्यवस्थान स्वावयाम् स्वावयाम्यायाम् स्वावयाम् स्वावयाम स्वावय

ভারতভাবদীপ:

সন্ধানিকি ১৯৭৫ চন, সর নিজেও আনোনানি ক বস্থাত, সহ নির্ভকারে প্রাথিকি কর্মিরির আনোনার ক্রিয়ের ক্রিয়ের ক্রিয়ের ক্রেমের্যান্ত্রমন্ত্রমান্ত্র ক্রেয়ের কর্মের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রিয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রিয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রিয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ে

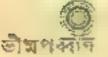
া বাধানতঃ সক্তাপ ছইতে জান, রজেয়েণ হইতে লোভ এব ত্যোগ্য হইতে অজ্ঞান উংপর হয়, খাবার সেই জান হইতে সুখ, খোভ হইতে তুখ বাবং অজ্ঞান হইতে প্রায়াল ও মেতে জবো ৪.৭৪

हिर्म्प्री — द्राप्तास धा दहे धालक कथा कार- १११ कार्या ५ भारत द्रारी, रवदेर द्रारास कर, हार हे अर्थान दला देती, कार्या

সত্তবের কার্যকারী সাহিক লোকের উদ্ধে সভালোকপ্যাত গমন করেন, রজোগুণের কার্যকোরী রাজসিক লোকেরা মধ্যে ম্যালোকে থাকেন, আর ত্যোগুণের কার্যকোরী ভাষ্যিক লোকের নীতের দিকে প্রাম নরকৈ যায় পরে প্রামিরোনিতে ভক্ষত্রণ করে ॥,৮॥

ভাষ্থা—এগানও সাহিতাদিকালের ভারতমা অভুসার করেবন ভারতমা চটবে সলিচ বুঝিতে সটবে ।১৮।

(Db)--- स्पन्न स्पन्न स्थान-- है। क जीवनका के. गाउँ- ।



ভোনেতানতীয়ে তীন্তলী ,দহসমূহবান্। জনামুগু জৰাত গৈ বিষ্ঠভোগমূলমধ্যে ॥২০॥

कात खरको भूगी

स्मान् भागमा ५ इक्टमा १ इस्सूच्यू १ इक्ट्रूच १ १ विश्व विद्या विद्यार विद्यार १ विद्

ાલત પાલ્ય લાઇ છે. અંકર પ્લાં કોલા, કરમાં સપજીવા પ્રાથકિષ્, લાધન સ્પાનનું કેમ પાલ્ય કાર્ય જેમલી જેમ વિલ્યા, ઉલ્લેક્ટ્રાઇલ લીધ શિમિનિ વિલ્યાન્ટર ધન્ય પ્લામ, કર્યા લીક કે પ્રાથ

ভারতভাবদীপ:

প্রকৃতি ও পার্ক কিবল দেই ও ইংশুমানি ভিন্ন আপর কেই কাম্য করে না ইছা যাধন জীব বৃদ্ধিতে পাবে এব প্রকৃতি ও ভাছার কাম্য দেই ও ইন্দিয়ানি ইউড়ে দিল কলা ইছা মধন জীব জানিছে পারে, তথন সেই জীব আহ্মান শান্ত করে ৪১৯॥

ভূৰ্প্ট্ — উচ্চ সভাৰ কৰিল আনাৰ নামই সুক্ষান। ভাৰণ সে ভাৰজান অংশান বুজামান ভাৰত সংগণ সভ্ৰপৰ । না

মানুষ, দেশারেষ উপপাদক এই ভিনিট ভ্ৰক্ত আভিত্রন করিয়া জাতা, মুকুট ভিজাবার তুপা হউত্য মৃক্ত হাইয়া মৃক্তি কাভি করেছিল।

্র (মুক্তর্ম) — সংগ্রহণ প্রত্যা এই বিন্ধু ও ই জলামের ও দেৱের উৎশাসক এবং ট্রাসিন্ত, ওপের সন্ধান এইট ডালামেই জন্ম মুনুন ও জগর ভাল ওপের করিছে হয়। অৰ্চ্ছন উবাচ।

কৈলিছৈব্ৰীন্ ওণানে হানহাঁতে। ভবতি প্ৰভো ।। কিনাচারঃ কথকৈতা ব্ৰীন্ ওণানতিবৰ্ততে এ২১॥ শ্ৰীন্থবাসুবাচ।

প্রকাশক প্রায়তিক মোহমের চ পাওর।। ম বেস্টি সংপর্তানি ন নির্তানি কাজ্মতি ॥২২৮

ভারতকোম্বী

क्रीरमण्य प्राप्त है है। धीराध्य मृत्यद्ध है जातकर्त खुराकी एक क्राप्त है। खुर्गाणि हर्माणाएक क्राप्त है क्रिक्ट क्रिक्टि, द्व खुर्ग । खुर्गाण क्राप्त क्रिक्ट क्रिक्टि, द्व खुर्ग । खुर्गाण क्राप्त क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

ভারতভাবদীপ:

मृक्तिश्वकारत केरक्षत प्रकानकारि पृक्ष्यक्त केराठ—रेक्टिशि रेक्टिश्किरेक्चीयु क्षणात्मकान् व र्याशास्त्र होर्ड छवडि स्थान् रह श्राहा के हि किराहातः रक द्याहातः स्था रक्त ह श्राहातः होर्ड छवडि स्थान वहर्षा कर्षा रक्षणात्मकान् स्था रक्त ह श्राहात्मका स्था रक्त ह श्राहात्मका स्थान स्थान स्थान हर्षा कर्षा कर्षा कर्षा क्षणात्मका स्थान स्थ

আজুন বলিলেন 'প্রচুণ বিনি এই তিনটা গুণ অভিক্রম করেন, তিনি কীদৃশলকণসম্পন্ন হন । ভাহার আচারই বা কিরপে হয় ! কি প্রকারেই বা এই তিনটা গুণকে অভিক্রম করা যায় ।' ।২১৫

তাত পার্ম্য - দিনি ডিএট প্রথক অভিক্রম করিছে পারেন, নিনি জীবিত অবস্থাতেই মৃক্তি সাভ করেন , ককেব এই কথা জনিয়া অঞ্ন দেই ডিনটা প্রথকে অভিক্রম করিবার ইচ্ছ করিয়াই এইকণ শ্রম করিলেন ঃ২ঃ। উল দ্বিৰদ,দাৰে নালেই না বিচালনাত। তেখা বাড্ড ইট্ডাৰে মোহৰভিত লি নাজেইড ॥২০॥ সমস্থাকৈ, কজা, স্মালাকিশ্যক্ষেনা। তুলিক্শতালে ধাৰে স্বানিকা ক্লিছিল।

भागकरको प्रमी

কুষ্ণ ব'লংগন—'অফ্ন। সহস্থেৰ কৰ্ষ্য প্ৰদান, ইছোগুণোৰ কাৰ্য্য প্ৰতি এব ত্ৰোগুণোৰ কৰ্মী মেতে এইগলি ছুখ্যনক ক্ষয়। উপস্থিত হুইলেও দিনি ওগুলিৰ উপাৰ বিশ্বেৰ ক্ৰেন্ত্ৰ এব সেগুলি চলিয়া খোলেও আবাৰ মুখ্যনক বলিয় স্থালির আকাজক ক্ৰেন্ত্ৰ, নিতাকে গুণাভীত বলা হয় (গুণকায়ো দেব বা লগন ক্ষাই গুণামাত্ৰে লক্ষ্য) বিনি স্কান। উন্সীনেৰ আয় অবস্থান ক্ৰেন্ত, অধ্য সুখ্য হাধ বেংকে বিচলিত হুন্ত্ৰ।

(১০) এল ব্রস্থান নালকসমূহ, পড়, চেড্ছেছিয়ার পর্বন্ধান দুল্লায়ে । মানাপমানহোপ্তলাপ্তলো: মিত্রাবিপক্ষয়ো:। স্বাৰ্থ-বিভাগে ওপারীতঃ স উচাতে ৪০৫॥ (কলাপক্ষ্) ভারতকৌষ্দী

- ভারতভাবদীপঃ

মাঞ্থোহ্বাভিচাবেণ ভক্তিযোগেন সেবতে। সাঞ্গান্সমাগীটেয়তান্ একাভুগায় কলতে ॥২৬॥ ভারতকৌমুসী

ভারতভাবদীপ:

±াশন ব্যক্তি লিকাভাবাত্ত নিজ্যেন হৈছে বাধ নিক্ষা চাব্দ পর্বাষ্ট্র এব ভালত—
হাবনাটি হান তি প্রক্ষিক কৃষ্টকার পর্যক্ষ লাভা বিনারের বা হার ব্যক্তিয়া নাচ ভালাভাবি
হারনার নাম , মুন্স ভাভাবি বাধাতে ভালাভাবি হার চারভাতে। এবং বিহান বৈধার
হারনার নাম বাধান লাভাব্ ভালা মান প্রান্তে কা নিজাবিপার্থাকা হুলা এবা না ব্যক্তিব
হানাম প্রান্ত হার বা হারনারভাতে কাছো ভালাভাবি হীতু চালাল সকলে পদার্থান কাই, হারবা
হারা কলা হান প্রান্তিত কাই ভালোক্যাত বিহ্নান সাধ্যক্তির ভিত্যা ভালাভাবি স্থানার প্রান্ত

যিনি অনকাগালিনী ভিজিপার। আমার সেধা ক্রেন, ভিনি এই গুণ্ঠলিকে অভিক্র ক্রিয়া মুক্তি লাভ ক্রিডে সম্প্রন ⊪্ডা

তে তে কিন্তু কৰি কিটাবিল ভিজিত সহিত ও জান প্ৰ, আন্ধাৰণ কেন ম, ভাৰজান ৰাজীত মুকি হয় না। তাৰি পৰ এই জন্ম ৬ সেই স্বালি তিন প্ৰেণ কাৰ্যা। সাহৰাম ক্ষুজান সংকাৰে ভাজিপুক্তি ভ্ৰত্যনেৰ সেই কৰিছে প্ৰিলে, সেই ক্ষুম্ম ভ্ৰত্যনেৰ ক্ষুম্ম এই জন্ম ও কেই অভিজ্য কৰিছে, উ,চাতে সীন হৰ্যা যায়। মধ্য ব্ৰদণে হি প্ৰতিষ্ঠাত্মন্ত ভাষায়ত চ।
শাষ্ত্ৰত চ ধৰ্মতা স্বৰ্থতাকান্ত্ৰিকতা চ ॥২৭॥
ইতি শামহাভাষতে শতদাহতা। দংহিতামা বৈদাদিকা। ভাষাপ্ৰশিন ভগৰদ্বী হায়ামধ্যকিংশোহধাৰেঃ ॥০॥ বিভাগান্ত চতুৰ্দশোহধাৰেঃ ॥০॥

ভারতকোম্পী

'মবৈশিশ্রক ভূবা কৃষ্ কভিনত উভাত প্রথম ইবি। বি আছাতি, আরম্ভ আয়ুছাপ্রসাধা আন মুক্তিকপ্রসাধার আন ক্ষান্ত ক্ষানির হিন্দেশ্য সভাত চি, একলে প্রস্তৃত আমার্কেরি মার্কে, লাক্ত কি লাক্ত হলাক হলাক চি, জীকান্তিক মুক্তিক মুক্তিক কি নাম কুলতা চি, প্রতিষ্ঠা আমার্কি, লাক্ত কি লাক্ত নি লাক কুলতা চি, প্রতিষ্ঠা আমার্কি, নি ভাষ্কা নি ভাষ্কা আহি কুল্মু ক্রিক ক্ষিক্ত ভূলক বলা অব্যাহর হিন্দু ক্রিক ক্ষান্ত বলাক বলাক কুলাক্তি কিছে।

हेडि भ्रश्माद्रशामानाम् विविधानिकास्यार्थेन इत्विका विविधिकाराः अस्य - द्रशीकः सः अत्र १८को पूर्णाममानास्याः अध्यक्षित् अनुवक्षेत्र साहार्थे प्रत्य असाम । ।।

উত্থান চতুদলেহগার (+) ভারতভাবদীপঃ

भाव-भार १६ है। एक शावरका मान क्षणांत्र क्षणांत्र मुक्तकृतिकारमण क्या देवलक्षाः (काछश्छ क्षवाधिकाद्यम वृत्रक्षवानक्षविष्टन अवग्रहादवन याद क्लर्यन रेजल कात्रान् श्रान् अधानिक विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान अध्याद अध् रमारमा। अवीष्ट । हरत क व केलि करा एक एवं काल १२०३ दिवर अधने व व विकास राजा व विनीयहर कृष्मिमाड- अकाना रोगीत। अकान ये कि अकान (अनक क्रांटिक के क्रांटिशन भूषे वश्रामप्रामग्रहराव व्यव्हाच क्षेत्रहा स्वानमान्यावाद्युवशास्त्रच व्यवस्थ यम निद्रामनपूर्धाः क्तरिकोक्त्रवर्षक्ताः (प्रतिक्षाक करकन्त्रक वात्रक्षात्रक्षात्रकार्यात्रके या वार्यायकार्यस्य अन्तात मिलागारसाहत्व (यहाविककारकालकानय कृष्यक त्यक मारलाग मुम्मेनव न्यन নির্বেত্রবামিতি বিচারণাথ্য কিলায়া কৃত্রিকজন। তেতুক্তর প্রধানমূরেন প্রভেক্ত গল অধ্যাপ কৃষ্ণিত — বাৰ্ড কেলি। কামাধ্যৰংকললানেন নাৰভোৱান ভগৰতা কাত দি । क्षेत्र भाष्यः विविधिकाधिमार्क्तारक्षाय स्थापात्रः भाष्यस्य स्थापात्रः । अयम् व्यक्ति भवमा धामा कनप्रकायतः एव केवाविक दिवसम्बद्धवादन कि दिवसम्बद्धवादन (माक्रयूप' उक्ताणि अधिक्षे भदाकाते चहामय । अवा निक न्यर्क्य दिव्यक्ति देखक विक ক্রেড্, ভবতি সেই ক্রেড্রাবা; প্রথম ভূমি: মত্র পরাং প্রাণ ভূমিয়ারো, মণ্ডুল প্র পুৰা ভূমিক্প্ৰিডাটে, বৰ গানেৰাখনি প্ৰতীতাত নিচিধাননাশক্তা সংখ্যাস विकाय हात्रान कचा कर्षाट्यां वेश विकास सबर १२१।

हेडि की भनश्राणि देनल क्षेत्रक का बाद का क्षीरण अहेडिए लाक्ष्म कि कि । का का



প্রকাশে ধ্যায়ঃ।

- জ্রিভগবাসুবাচ।

উক্তরতার শাধ্যমধন প্রেকর্মন্। জ্লোজন কাপন বৈ হতুত্বদ সাক্রিব ॥ মা

- ' ' ভারতকৌমুদী

कार्षा १५ क्षेत्रक के अधिक के जावार है में केटिक स्थाप कर के स्थापना सम्बद्धा ग इत्यो का , जुरूर केष्ट्रक, र प्राप्तक पेटारक्कारम्, विस्तरका समाविक प्राप्त हमन ोरचंद्रताचु एक प्राप्त के देश के कि जिस के देश के शहर के शहर शहर शहर शहर के देश हैं। मु रहार । पुनावरण्या । १३ मेरी अनावर शकुद व इव्हिल १६ व । अव्याद अनावर समझा क्रमणा रूप के प्रचारिक के रूप में के के शिक्ष ते स्वाधिनी कर्म के केटर में साथ में मार्थ के मार्थ में मार्थ के मार्थ में मार ge o v 19 है। नेप प पिछाल पाँची के दें दें देन के पहले के अप असी निवास के शेर् क व्यवक्र प्रकार का प्रवास का किस्ता का का प्रकार का किस (प्रवाहित) ९०० प्रमाद्वार स्थाप्त वाच्या वाच्या स्थापत व्यापत व् সক্তি , এছ ভাষা, সম স্থাস্থল যা সভাম, ,বল জনা ব, সভালে (বল[©]ব)লিছু চ 🕒 চ ওখা B এক আ "এক শংখ্ বিধা লাভ এক বার প্রকারণার নাম উৎপরাস্থ কার্য়ের সামার্যাক সকলে স ∉ব্লঃজুগজাক উত্তেখ 'হৈ জানাম শংলাদক বলম, ভঞা চে জন ভিলা এব বেল বিশিলায় ছি भोप्य देश ल , भागपण क है है के अवसमय लक्ष सामन मनुष्यान भोपदेशिका ह উদ্ধাননি প্রায়ণ বাংলাল জাত্র, অন্তল এব ন্দীস্বিল্পুবেশ্য সংগ্রহণ भारति, सहार मध्य ६३६

আজুন। সাৰি মৃতিকপ সহিন্দ্ৰ একং, চিকস্মী ধৰা এব একং স্থিক সুধ্যের মাধ্যা ॥২৭ঃ

তেক্তি নিয়ে ওছ বছ দুজ্যতাৰ এছ আনি, প্ৰাচ্ছণে চিৰ্মুনী দুখা আনাটে আহে এবং নিব্যক্তিই অস্থ্যদেও জন্ম আনুষ্ঠা আনাইত । গান জান ভান, ডিনি কুজুটা চন কোন



মণকেচারিক পাত্রতিতা শার্থ ওলপ্রেম বিষমপ্রালা:। মনশ্চ মূলতিত্বত গানি ককাত্রজীনি মতু চিনাকে ॥১॥

ভারতকৌ ধুদী 🛒

মান হ'লক স্বাক্তিভাগত নদ্ধানের ব্যক্ত প্রতাদক ক্ষেত্রক ক্রিয়া আনহাত । বাহনকাল: সক্ষেত্রত হৈ তাহত ভাক্ত তুকু প্রতাপুত্র ক্রিয়া ভারতে ভারত ভারতীপত

ক্ষা প্রতিষ্ঠিত কর্মান্ত প্রক্রিক বিষয় বিষয় কর্মান্ত নুধার কর্মান্ত কর্

কুষা বলিকোন বিদ ও নহিণিত বলোন — এই সামারটা এক সাম্প্রক কারপা; উপা (প্রব্রা) ইহার মূল, বিদ্যা হঠান স্থাবর্গালি সমস্থ প্রাথ ইহার শাষ্য এব ভিল্ল ভিল্ল বস্তুর প্রাহ্ম নাশ হইলেন ইহার স্থান্যর নাশ হল্প না, আরু বেদের কথাকাত যাহার পর্ব, শিনি ভাচা ভানেন, গাহাকের বেদ্ধির ক্লা হল্প ৪১৪



- ভারতকৌমুদী

डे सिनम इ नाम्म्यांडलनम्याक अन दारामाः सहना रामाः एक् नृत्यम् द्वानमस्वार हे साम्य का स्थानमायि । इ न हिन्दा स्थानमायि । विश्व कि हिन्दा स्थानमाय । विश्व कि हिन्दा कि हिन्दा कि हिन्दा स्थानमाय । विश्व कि हिन्दा कि । विश्व कि हिन्दा कि हिन्दा कि । विश्व कि । विश्

ভারতভাবদীপঃ

সেই সাধাৰণকোর কতকগুলি শাখা নীচের দিকে এবং কতকগুলি শাখা উপবের দিকে বিশ্বত হট্যা রহিয়াছে, সোমকল শাখাই কল্মারপ সত্ত, রজা ত ত্যোগণে কৃতি পাইয়াছিল এব শব্দ, স্পর্ন, রস ও গত্ত সেই বুক্ষের পল্লব্যরূপ হট্যা আছে। আর নীচের দিকে ও উপবের দিকে বিশ্বত ম্থা-গুলি মন্তালোকে কর্মা,ভুটান করাইয়া থাকে ॥২॥

ক্রান্থানান্তির নিত ও তলে পতিত অবস্থানের কতক্তনি শাধা নীতের নিকে এবং করকত্বন পাস উপতের নিকে থাকে। আর সে লাগান্তনিতে পর্বও থাকে এবং কেলাগান্তির পূর্বে জলান্তনে বৃদ্ধি লাইগান্তিন, এনিকে সামারের জীবন্ডনির মধ্যেও আনের লাগ হলার পাসকল্প অনুসারে নীতের নিকে অর্থার পজুলার নিকেই যোনিতে ক্রিয়ান্ত, বাবার অনেক লাব পুরার্থ্য অনুসারে উপত্রের নিকে অর্থার দেশ্যাপ্রান্তির উৎকেই যোনিতে ক্রেয়ার্থ করিয়াছে। বৃদ্ধের অনুসার উপত্রের নিকে অর্থার দেশ্যাপ্রান্তির উৎকেই যোনিতে ক্রেয়ার্থ করিয়াছে। বৃদ্ধের অনুসার অবহর যেন্দ্র অনুসারের ক্রিয়ার্থ করিয়াছে। বৃদ্ধের অনুসার অবহর যেন্দ্র অনুসারের ক্রিয়ার্থ করিয়ার বিভাগ করি পালে এ সামারের ক্রিয়ার্থক করিয়ার বুল্লি পালের আর্থার প্রান্তনিও সেইরপ সত্ত বুলি ও বুলির পাল্ডার আর্থা প্রার্থ আর্থার বুলির উপত্রের নিকে ও

ন কপ্যক্ষেত্র স্পোপলভাতে নাজে। ন চাদিন চি সম্প্রতিতা। অধ্যায়েন ভাবিক্রম্লম্মজনজেন দুক্রে ছিল্লা॥৩॥

ভারতকৌখুণী

ভারতভাবদীপ:

সুক্ষাই মানুহের নতু ব্যহ্পি ভাতুনন্ত পেতৃলাভ প্রতিক্ষণবিনাদ্বিকান্সভুন্তপে ব श्रीकारितरक्षताहर्कताह, नादा माम रखड दुकाक्षण राममाना कथानक रोप कृत्र प्रत्यानाचान्त्र हा द्वारा राज्य नाष्ट्र विकास करा। अन्त अन्त चार्य नामिननो "द्वार्य कर्या वार्यकार" विकास भविष्ठवर्षि । अभिविष्ठ विष्ठवर्ष्यक्ष्यक का श्रेष्ठावानम रोक । या शास मार्थ प्रस्तु विश्व हेस कोवरहाद नहा एवं शृक्षिक नम्भद्रा एक इन्तर्भकारण कानम्भ स्। राजन ध মুধার্থভূদ্রীবক্রেজ্যিতু ভূম্ এটেনাভূপ্রভারত হ্রচানন স্প্রকাশ নাগে বিক্ষান নাগ রূপ্রতা बीकानिकाल सक्तातान्ति। एति सर्वतिमान्यक प्रत्या प्रकार । यह सर्वनाम स क्षिमानद्वता मृत्य क एक प्रमृत् इक्ष्यान छ युक्त हे ये वे वेद प्रत्मक्षि হাব্য পালিত বেহাতে — লাও সম্পূৰিক হাত প্ৰতিক্ষণ কাৰ্যনা ব্যক্ত হানিত্ব নাৰি। न हारा जन्द दिक (सा द्या क्षेत्रक ल द्राप्त न प्रदेशमध्य जन । कार्य स्था महाय , कि कर्ष कुक्त्रकालयाकामध्यामा कृष्य क 🗷 वस्त विसर्दे स्पृतकालक वस्ता । अवह का सक 5 इक्ष्मद्रम् । कुरक्क्ष्मर-निकित्र प्रशास स्वयानिकात्रः , प्रथम एक वर्षप्रदर्शः । धारता ভ্রত্বলভ্রতাভূত্র ও নিজ্ম ভ্রেণের প্রিম নেশেলভূমে ইতি মুক্তন ব উম্। ভূমেন্য্ৰ্ব ব্ৰেন্নে লাল হা ভূবিক হুলা মাত্ৰহুলম্পাদলপায়েৰ প্ৰে নিজ বিভাগ আ ৰুকি,ভুৰ্জনম্মলয় সাত্ৰ ৰজং শভন লগেন কৰিল কন্তিছে। তাজং পদং কংপাৰি, বিক্ৰা মিতা ধুরের রুখ্য । এক বি পুলকু কুর্ংে সংলার ও বলক কুসুংখ্য করছের ভাগত , মন ইপ্ন ল-বাসনাভিব্য হয়বোহস্কাহতনীয়তে তথালি বাসনামূলত জানত জানভাতাতে ব সভগালু ন खर्वा छ । खर्च विकित्रव्यक्षणां साहारमञ्ज्ञ कादमणदे वर्णालाम् व माधाः एको ४ विकाण दिना के एकास মুংলাল্ডে লোলবুংগ একবছক বর্গবন্ধ প্রাধ্নত্প: কত্রতে ন তু চাক্লেন্দ্রির কর প্র নাড়ের দিকে বিশুত শিশবওলি নতেষের পাকপাচাত বহুত্ব কথা সভাল কবে, চা সাধারেও विश्वादेशसङ्ख्याकृष्ठि मीडकारदेश्य अवृत्रि अवः मध्यामञ्जूति छेछकारदाय अवृति महत्त्र महारेख भीभक्ष व भूगाकाचेद प्रश्नात कराईद वाल १४६

তিতঃ পদা হৰ্ পৰিষণী এবাং যাজিন্ধৰ। নানিকভিত্তি ভূষঃ। ভাগেৰ চাতাং পুক্ৰণ পাপতা যাতঃ প্ৰভিঃ প্ৰতি পুৰাণা ॥৪॥ (ৰ্থাকৃষ্) নিমানিমাতি জিবসকলোমা অনাতি নিজা বিনিক্তকামাঃ। দুক্তিবিশ্তাং অবজ্বামাইজেপিছাভাব্যঃ পদমবাসা এই ॥৫

कात्रस्को भूगी

বার্থক, সাভা মাজ্য প্রাণ, প্রজান বিকারণ নি কাল, সামে চা আ জাম্ কালো ভবং
স্থিতির, পুর্মণ পূর্ব লোক কমান বির্দাননা পরি বিজ্ঞা সঞ্জালা কালো স্বাধার ইক্তিব বি, স্বাধার বিজ্ঞান স্বাধার সংগ্রহণ কমা আলোক বিজ্ঞান সঞ্জালা স্থাকন আন্তেইবাং কাজেবাং মিভার্কি, নোর প্রকার সংবিদ্ধানি কমান ইতি আলোক, এই—বির ভারভাভারিদীপার

এই দশতে কেন অওন না লোকই এই সাসাবস্থানৰ পুষ্পেই ক্ৰিপা আৰক্ষা পুৰিশত লাবেন না, কিনা উচাৰে আদি, অনু ও মধ্য জানেনা, (সে বাচা ছাইনা) মৃদ্ধে লোক পচ বেৰাপাকেশ অপুৰাৰী দুচৰজমূল এই সাসাবস্থা আধ্যাপুক্কে ভেলন কৰিয়া ভাচাৰ পাৰে—'নাজুত যে পালে যাইয়া আৰু ফিৰিয়া আদিল না এন বাচা ইউছে অভিপূৰ্ককোলে এই সাসাবস্থা উৎপন্ন ইউয়া বিভাৱক্তমে চলিয়া আধিছেতে, সেই আদিপুক্ষেই শ্রেণ লাইলামা এই-ক্রপ ভির কৰিয়া সেই প্রবংগার অব্যেষ্ণ কৰিবেন্তা ১৪

ভাৰত ক্ষিত্ৰ কৰিব প্ৰতিষ্ঠা কৰিব এই সংগ্ৰহণ সহাত্তিক বা ইং, কিব প্ৰতিষ্ঠাত এই কৰিব ইং কিব কাৰ্যালয় বিশ্ব কৰিব কাৰ্যালয় কৰি

(व) स्थय अभाव. देखि यहकारता मिन्छे ना मास्त्रम्

ন ভদ্যাসমতে সুধ্যো ন শলাকো ন পাবক:। বদ্ধ হা ন নিবভূত্তে ভদ্ধান প্রমণ সম ৪১৪

ভারতকোপুর্নী

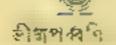
वर पन निकासी होता। प्राप्त पर नय स्था प्राप्त में क्रिया स्थान स्

ভারতভাবদীপ:

भारतार श्राविक ने का एर स्था रिक्षेत्र का निर्देश के देश है। हिंद कर दिवस दिवस दिवस दिवस दिवस दिवस दिवस के स्था के स्था कर स्

হার্দের অভকার ও মোহ পাকে মা, রাগ্রেষপান্তি স সর্গদোষ ভিরোভিত হার, যায়, অংশাম্বির্হেবট আলোচনা চলিতে থাকে, কামনা একেবারে দ্রীভূত হায়া যায় এবং সুখ ছু ব ও কীত গ্রীমানিষ্ক্সভিফ্টা থাকে, সেইরপ জানীরাই সেই বিকারবিহীন পর্বক্ষে লাভ কবিতে পাবেন লাল

ত্র প্রায় সাক্ষ্য প্রকৃতি হয় নার । বা ব্যাহ্য প্রকৃতি উপ্রক্ষেত্র বিশ্ব প্রকৃতি প্রকৃতি হয় নার । বা



भरेभवाष्ट्रना, श्रीवटलाटक केंद्रिक्ट[।] समाहना । মন,বড়ানী বিদ্যানি প্রতিভানি কর,ত ॥৭॥

श्वात उरको मुमी

त्र मान क क किया, करता के अपूर्ण । अने क दिल्ला, के पूर्व पूर्व डि छ दिन्स । इड देश द अधिक देश निवृद्ध के हैं। नस्य से लि से यू हैं है है है क्रमुक्तरत्वक र स्थानि क्षेत्र भवत्रक इत पान प्रतिविधः, के दर्शान के पिछणीहः, ভারভুটে ব্রংপ্র জালাস সদার লানির বর, ডিছপ্রিরিপ্রেরেলেড্না ম্ম ভারতভারদীণ:

明天聖書節 一年 "多 京衛" 不安 大學 医影,好人 人名伯格特 医伊斯曼氏病 田 海州人 भक्षात्र संबद्ध हे हे छात्र हुए भूम र बच्च मान्त्रहरू । सालि स्वर्धक छात्रहरू मुक्कि वाह रहा अद्राप्त कार मारायम क स्वा हैन बाल कर "युक्त करा मिन्यू " के हि 野大, 好成人 内与人名人用心人 "如与智不可称"系统 可有格" 南京, 知识和现代的 1 形形 मानुष्ट्रात के प्राथकार केल अग्रिक्ष के स्थानमा कर स्थानमा मानुष्ट्र स्थानमा स्थानमा स्थानमा स्थानमा स्थानमा स কাল্যমুগড় ১৯৫ টার জিকানিভি সকানিবের্গরতিক চলুভিপর্টিত তথ্যসম্পর্যুগ্র तुनुक्रमण्डल नमा क्रम्पूर के किन्द्रमाद्देश प्रदेश भवाच्या ता के सिन्दे हैं। इत्युम्पक ते के असी tegri, ଜଣ ଓ, ସମ ଓ ଓ ନରିକ୍ର । ଅନ୍ତର ୮୬୩% ଅଟେ ଅଟେ ଓ ଅଟେ ଅଟେ । ଲ ଲିଟେନ୍ୟୁ ନିମ୍ମିଶ का कराति । वह र का विकार स्थाप द्राप्त करता वात साम कि में हि मो कार्य स्वाहता कार्य है कार का द्वार प्राप्त का प्रवास का का का प्रवास का का का प्रवास का प्रवास का क पूर्ण रनस्य अन्य पुरुष के रनस्थ अप राज्य अने अक नाम जावर निवक्तर । अनिकारका ि 'र इटकिस अवदा कुमा क्षणांना है सिन्द्रमा के वृत्ता खेत्र छ। अञ्चल सिक्टक tudiou का तो विकास के देश हैं है कि कि कि कि कि कि कि कि छवा शास्त्रक क्षा कृत किलागात्वार अस्ता, जालपुरू विकास स्वाद्धक हर देवक देश समार्थक है। यह সংখ্যাবিত আভাদ ও পুন্ন নিবিওলু ই ভ বংগ্ৰালভা, ভালাগে না কুপ্ৰাঞ্চেই ভাগে প্ৰভি উ 🛪 বাল্ডি 🚈 । নথ বলি প্ৰ হান্ত ভাগালণৰ । কেত্ৰল চালি মণ বিক্তি বলৈক

যোগাঁৱা ব্যাহাৰে লাভ কৰিয় আৰু ফিভিয় আনুসন্না, সেই পর্বক্ষকে স্ধান প্ৰশে কৰিছে পাৰেন না, চলুক না এক অভিভিন্ন। সেই পৰ্ম ভেছেই আংমি খড়া

काकारी - भरदेश यथक संदर्भ करोग । अस्तर्भ इस, युगा ६ व्यक्ति स्पर्धन ভোনাবিপেক আহল করিতে পারে না, সেইকপ প্রবুদ্ধেও জ্যা, চত্র জ ক্রি প্রাণ কবিতে পাবেন না , প্রত্যাত দেউ প্রভ্রমত হয়, তত্য ও অধিপ্রভূতিকে আক্রি मंत्रिरसम्बद्धाः



ভারতকৌমুদী

मिन्नार्थ प्रश्निक्ति स्थित स्थान स्यान स्थान स

ভারতভাবদীশ:

क्षित्रकार करत एकि एक इक्षण अभवत्व प्रातिश्चक्राट्य किविति एक शुरू का उन्तर है। अ हि व्या (क) रावल, वांवयरावर्गात्म ।क । व्यवस्थानका ह वालाविष्यान विका वद्यार [हिक्कि — भेभरत्यि एक एक मोजान क्रमाय्यक महोतम क्रमायिक के दल है। अही है व्यक्तिश्राह्म । "इर व्यक्ते । कामवाक्ष्य "वन्द" हे इस्मिक्क प्रिक्तः विषय हत वय स्वता । इस एकाव्या कर्षा, व्यक्तिक काकत्व व एवं का त्रुक्ष वं , कव्यार्य क व्यव व कार्य व नाम व ক্ৰিব্ৰ প্ৰিটিটে অধিট কাৰ্য্যিক কৰ্মিনিট স विषय अन् 5 देशकामित पाप १ दृष्याकान्तरतात अभावत । कोवन्त साम मानामाः সক্ষাদকর্শাভ্রাম্পতি বক্রো ধন্তার কুর্তিপুতিক বুভ্র প্রার্থিত করি এই এত আছেলে। বুংক্তবভাতি বভিত্তিকর খেন সংখ্যাল পরতাল প্রতাল প্রতিক হত্তি ব্রো মেল, প্রিমাণ্ক আগতা ল নতাত এখানি তুল দিল্লায়ের উত্তর করাপুল্চণাত अध्यक्तिक व्यवस्था विश्व विश्व के विश्व कर्ष के विश्व कर विश्व कर प्रविद्या कि वि अक्टर्स्टर्किम्प्रियानम् छ अञ्चलि प्रेयक ग्लाहिका गिक्रान्स । ० व्यक्तिकारः ५० व ह कर्मी भारक स्थाप उप इ अहि ने वृष्टिक र नाइक रन स्टाइक र रहार दार रहा সূতৰ ইতি "সম পুৰিব। সংখ্যাৰত নাম কৰা নাৰ্কন সম এতি ক'ন্তে কৈ বাছ চ। বল চ नियुत्तिक विकारवन्तं हु रक्षाण्यः। द्वा क्षाप्तविष अधिकत्तं हु देखा । दास साम कुछ माम। अध्यक्त विकास किएन के के के का मार्गिक्ति विकाद पादालय का एक्स अवस्थित अक्षान्यविक्रमाण्यिम्बन्धः निदार्णकामाण्यिकञ्च । এলোপ হাত সাত্ৰ জীবভত क्रेबर्ट प्रदेशवरण होता रना क्रमट स्टब्स यन वहर एतु सान यन यह स्विति हिस्सि कि अर्थ स्वासि ইন্দ্রিষ্ণাণ প্রকৃতি, মভাবে বিষয়প্রাক্তণ সত্র মিতানি । কর্মতি অপিপ্রশংস্থা দিকালেণু শারীরে স্ক্রাট্যাতি স্ক্রাপ্রকাম রীম্বর । মুক্রীট্রটানি সংবাতি বাসু ক্রানিবাশ মাহ ॥৮॥

छात्रक्रको पृती

ভারতভাবদীপ:

শান্ত হা ত্রিষ্ তার্লাকে চরস্থায়া জ্বৈর্গে গ্রা হত্যা চলিত্তিছ এব শান্তার সই পতিবিশ্ব ভাবই প্রকৃতিক ইন্দিয়গুলিকে মনের সৃহিত কাক্ষণ ক নয়, ক'ন্যা অধ্বক্ষায়া প্রকৃতিক ক্রিয়া থাকে ॥৭॥

বাৰ যেমন পুসং প্ৰতি হততে গছ লেইছা গ্ৰাম কৰে, সেইজাপ চৌৰ যাখন এই দেহ কইছে বাকিব হয়, কি বা মতা দেহে প্ৰবেশ কৰে, নেইছাই সময়েই মনেৰ সভিত এই ইন্দিয়েও লকে লেইয়া যায় ৮৮ঃ

েলা ত্রণ চকুঃ কপ্শন্ত রসন্থ মাণ্ড্যর চ। অবিভয়ে মনশ্চাঞ বিধ্যাসুপ্রেবতে ॥১॥

ভারতকোস্থী

নত হ'ব হতাক লৈ যা কৃষ্ণৰ কাৰণতি ভাবনকালে কিং কৰে তামতে । পুত্ৰি, আনা নেতিকি সা ভ্ৰামে ভাঁক, আন্তা কৰ্মা, ভক্ক, সপুসাৰ মান্তিতি সংস্কা আহম, কাৰণ তিবৰ ল, মান্তি কাৰণ কৰি ছতিবিভি, মি পঞ্চ ভব ক্লাম নি ক আছি লি পাম চ, মহাবিভিতা হনতে, অভিন্ত আ আহিছ, বিসহত সংস্কাৰ, উপ্লেশত মনভ্ৰাক নিজিকেছিলি মান্ত্ৰাক্ষ্যীভাগাঁচ হয়।

ভারতভারদীপ:

प्राचित्र में एक मा ए मि हुई दे तार हरता कि करने मोताप पान महिला हिंदी में अधिक ह वारमान्तरीक्ष क्षत्र दिश्वाम् नकामानुगामदा कळालाग्यः, गामा, चला इ द्राप्तः, देतनदश्च । कालकर व वर्षि विविधान महार व १६६ करू । हता व ११०० विव १ राजान व सारमान्य प्रान्त प्रदेश के कि अभि क्षा भी कारत्यम् । अर्था वि १ वर्ष १० वि १ वर्षा वि ामिन छुद्रा वह परम, रमहेक्स सदय द व भावत घार घार ६ , वर्ष सका विवादा रमा कोब भारत के बहुत समा उसे, उसे कर क्षत्रे १८१८ वर्ष मा असार वहें के दे कर लातक द्वार क्षा करियहे के हेन स कि द सामाही के हैन के का कर करिया कर करिया करिया भार प्रतापक न जिल्लामा कर भारतीय भारताम अर्थात अर्थात गर र प्राप्त तीला, कर्य न चार्टिका, जान भन चाह्यकान्य, जुन्स तक्षान अभीतान विकास सामान आर्थिन अभिनेत বেমন নেটা বধান, মে প্রবেম্য হয়, তেমন মাছতের জিলালত প্রত্যাল বাবস্থা প্রিয়ন एरवारल प्रचार व व्यक्ति व व्यक्ति राष्ट्रिक प्रवास का प्राचीत व्यक्ति प्रचार का प्रवास ना भूति होता अस् त्य कार्म रणहें काउमरमंत्र मान्य म हते न क्षत अहे निवादमरत्त अति क कीदा ए व विद्यालय हरू से , जारा रहें मुद्र करण घाता ए , जारे विकास स्थाप के देव हैं स्वाक स्टाइ इकिया पान अवन अस्वताल एनई लिकानात व कि. हे अन्द पुनामात प्रातन कादन , दुई लाग्नाकार नह नह सामान्य वा मानवा । यानविष्ट्य कारन याकान नहें हहें। र कोद हु, व ित्रक्रिक्ट व एमड़े पुरु मार्ग सब जाई हुई। १ व. व जान मान्य एसा एमड़े क्रमण स्वाद्या विविध , हर्म करणाई अध न ह , श्रेष, अ व विविध जनम । १४६ छन् পর্মারার অভিবিদ্ধ কর চেই বিশ্বস্থের ও ছিচ্ছ পর্ম হার করি এই এন জ্ব कितिय जाएमन न । हेश्य नायहें-'मृह्नि' तन्।

এই জীবামা কৰ্ব, হকু, চকু, ভিচৰ, নাসিকা ও মনকে অবলয়ন কৰিছ মধাকুমে শক, সপুৰ্, রূপ, বস ও সক অকুদুৰ ক্ৰেন চন্চ

তে বিশেষ্ট্য — সংবাধা নিজিত চইলেও মানের অনাধেই এই মন্তন্ত কবিল লাকনা। এই শীৰাম্য বাক্, পালি, পাদ, পাদ্ধ উপস্থাবাও হও কমে বাকাজ বণ, এইণ, গমন, পুরীষ্তাগৈ ও আনিসাহ্ছৰ কবেন ।সা উত্তব্যন্ত কিন ক'প ভুগানা ব ডংকিডেব্। বিলন ন,ৰূপশুভি পশুভি জানচকুষঃ ॥১৭॥ সন্ত , গাগিনশৈচনা পশুভা(ছাত্ৰবিভিন্) মন্ত ড'হপাকুড' হানে। নৈনা পশুভাটে ইমঃ ॥১১॥

ভाद्यकरम्पी

म् निक्षिण परित कर्याच्या स्वार्थकार क्रियास्थ्या विद्रार्थकार क्रियास्थ्या विद्रार्थकार क्रियास्थ्या विद्रार्थकार क्रियास्थ्य क्रियास्य क्रियास्थ्य क्रियास्थ्य क्रियास्य क्रियास्थ्य क्

ান্য নিৰ্দাৰ কৰি জনাচাৰ্য ইংক আপুজনজনাস্থিত কৰে বিব্ৰোচিত বিদ্ধান্তি কৰিছে লগতে বিব্ৰোচিত বিদ্ধান্তি কৰিছে লগতে বিদ্ধান্তি কৰিছে লগতে জনাম কৰিছে লগতে কৰিছে লগতে কৰিছে লগতে কৰিছে লগতে কৰিছে লগতে কৰিছে কৰ

ভারত ভারণীশ:

इक्षा मा मा स्वाहित विद्या स्वाहित विद्या । । इत्याह शामा महामहे सिर्धा मा स्वाह स्

সুস-ছুখ মেরেবিত জাবাছা সধন দুল্পের চইতে চলিয়া যান, কি বা সুল্পের গাকেন, অথবা বিষয় ভোগ করেন, ডখন স্ভানীর, ঠাছাকে দেখিতে প্যুমা, কিন্তু জাবা জাবন্যনে দেখিতে পান হালা

লাক্ষাপ্ৰিং কি এজন কৰ্মত হৈ এব অসক্ষে অবহু কাৰে বিনিয়া হাহাব, স্থিতি স আৰ্থা কেও সিংহি সংয় না, আৰু জনাপ্ৰে (দ আৰ্ক্ষ ২)কো না ব্ৰাথি হাহাব স্থিতি স্পান্ত ব

মর্শান ও সনাহিত্তিও যোগীবা আপেনাতে অবস্থিতকপেট প্রনামাকে লেখিতে পান, কিন্তু অশোধিততিও নিকুইটেড। লোকেনা মর্বান্ ইইয়াও ইহাকে দ্বিতে পায় না ॥১১॥



নদাদি তাগত তেতে জগতাননতে হ্যিলা । নদাদি বাদি বিজ্ঞান হৈছিল। বিজ্ঞানক ন্মান হা পানা বিশ্য চ ভুলানি ধাৰমান্য হ্যোজন। পুৰ্যামি চেন্ধা, সৰ্বাং সোধ্যা ভুলা ৰুমান্ত ॥ ৩॥

ভারতকৌ মৃদী

নধ্য হন কুই বি কিল্ল প্তাৰ্থিক হানি ই। আন্তৰ্জানু কুণ পুষিণ চন্ত্ৰ, কিছিল আৰ্, নাং ই প্ৰক্ৰান্ধি উদ্ধানি পুলি হানি ক্ৰান্ধি কৰিছে। আৰু ক্ৰিছিল ক্ৰিছিল ক্ৰিছিল ক্ৰিছিল কৰিছে। নাংকাৰ নাংকাৰ কৰিছে কৰ

ष्टात्रकछ।दशीनः

অংশুনে। স্থাবিতিয়ে তেজ ৪০কাক্তিয়ে যে তেজ সমগ্র হণং প্রকাশ করে এবং স্থাবিতিয়ে যে ১৯জ সমস্থার প্রকাশ করিয়া থাকে, সে সকল তেজাই সামার বলিয়া তুমি অবগত হও॥১১॥

ভাত প্রা — মজ নাবাও চক্ত, পথা এবং অনির সেকেবেশ আহাত দেখিলা হাকে ২টে, একে নাম নাম আহাত লালাহা। কেন না, বহনুকে সপরপে দেখিলে ভালা বাক্তবিক বন্দ্রশীন হয় বা ১২৪ টি ব



অহণ বৈশানরে, ভূষা প্রাণিনাণ দেহমাশিতঃ। প্রাণাপানসমাযুক্ত প্রামালণ চঙুবিলন্॥১৬॥

ভারতকে মূদী

प्रकृषिति। प्रदेश, देवचानवर प्रिकृष, भागिना एवद एक्ट्यूम्नमासिकः, स्थान-भाग मा यहार प्रयाक मन्द्रीय प्रकृष्ट मन्द्रीय प्रकृषित हुना हुना हुना एक्ट्यूम्स्ट्रिट हुन्यान रुश्च, यहा इक्ति मा प्रदेश, यह भिण्यालका महाग्रीय प्रदेशियान्ता । तहाराम्य, भागान प्रवाद प्रकृष्ट हुन्यान एक्ट्यूम्स्ट्रिट, स्थान प्रवाद प्रवाद हुन्यान हिन्द्रीय प्रवाद प्रवाद प्रवाद हिन्द्रीय हुन्या एक्ट्यूम्स्ट्रिट, स्थान प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद हुन्यान हुन्यान हुन्यान हिन्द्रीय प्रवाद प्रवाद प्रवाद हिन्द्रीय हुन्यान हुन्यान

कारक्छान्त्रीशः

भागात ननम्परी च प्रवर्ण हु भू देश विष्ण है। इस वहदा भागाय प्रवेद प्रवर्ण विष्ण है। से भी विष्ण है। भू भी विष्ण है। भू भी देश के स्थान के स्थान के स्थान है। से भी विष्ण है। भू भी देश के स्थान के स्थान

আমি পৃথিধীৰ ন'চে ষাইয়ে অন্তুনাগকপে আপন শক্তিতে পৃথিধীৰ সহিত সমস্ত দুত ধাৰণ কৰিতেছি এব জলময় চন্দ্ৰইয়ে ধালা ও যবপ্ৰভৃতি সকল ধ্যধি পৰিপৃত্তি কৰিতেছি ॥১৭॥

তে†তেপাহাঁ) সংমি পৃথিৱ ধৰা কৰিং এ বাধিবে, চহ ত পৃথিৱী শাংলা হাইদ, কিংবা স্থাত সন্ধিতি চইটা লক্ষ্টত হাইছে, সাৰ থানি স্বাৰ চকুক্পে কিন্তিল্যাধা ধাৰু, বৰ, বৃদ্ধ লাভাপাছতি পৰিপুঠনা কৰিলে, সেপুলি বৃদ্ধিত পাইছেট না, প্ৰাহৃতি শাৰ্হিন মৰিয়া খাইড ১১না সর্বস্ত চাহা কৰি সন্ধিবিকৌ: মতঃ স্মৃতিত্র নিম্পোচনক।
বৈদৈশ্চ সবৈবিত্তমেৰ বেজো বেলান্তকুছে নিম্পোচনক।
হাবিমে পুক্ষো লোকে ক্ষত্তাকৰ এব চ।
ক্ষা স্কানি ভূতানি কুট্রোহ্কর উচাতে ॥১৬॥

ভারতকোমুদী

নথ থাকা কোন কান্ত্ৰিয়াট সকলেতি, আলি চহা সকলের পানিশা দ্দি, সমিবিই, জীবকালন জিলা, "আনন জীবের চুন ক্রাবিক নাম কাক্রনান" ইবি কাবেই, মত্রব মতে মন সকলেচ্ছের, প্রতিনাণ ক্রিক নাম লাম প্রাণ্ডাম বিশ্বতিবজ্ঞানক প্রক্রিক কিয়া ই প্রাথনি পুরুষ্ণ ইবলা "আল্লু বাবে স্থানা" ইবালিছিং সাব বাব নাম, মতনের, তেল্লুক্তাল জ্ঞান বিশ্বতিব বেলবাল নিশালয়ের, তথা বেলবাল ক্রিক্তানিক বাব নাম প্রাথনিক প্রক্রিক বেলবাল নিশালয়ের, তথা বেলবাল ক্রিক্তানিক বাব ক্রিক্তানিক ক্রিক ক্রিক ক্রিক নিশালয়ের স্থানিক বিশ্বতিব স্থানিক বিশ্বতিব স্থানিক ক্রিক স্থানিক বিশ্বতিব স্থানিক স্থানিক বিশ্বতিব স্থানিক বিশ্বতিক স্থানিক বিশ্বতিব স্থানিক

ভারতভাবদীপ:

আমি অগ্নিট্রা, প্রাণিগণের উদ্বের ভিত্রে দাকিছে, প্রাণ ও অপান বানুঘারা রুদ্ধি দাইয় চঙুবিধ ভুকজবা পরিপাক করিয়া থাকি ॥১৭॥

তি†হেপ্সাৃি— সাএ বংশ্বাধ বাহাৰ বাই ধাকে। সংখ্যিত হাং এবং স্পান বাশ্বাব, বাহাৰ হা হাৰ ভুক্তাৰ বাপবিশাৰ কৰে। এ আন্তাৰ সাহৰ দৰ স্থা ভুক্তাৰ মান , ডাহা চাবিপ্ৰকাৰ, বল —চবা, ১৮ছে, ১০ছ পানশ্য চাৰ।

আমি জীবরণে সকল প্রাণীর ভাগরে বৃতিয়াছি; মুছর। আমা চইছেই প্রাণিগণের পারণ ও জাম এবং বিশারণ ও অজ্ঞান হটয় থাকে। বিশেষতঃ সকল বেদেরই বেল আমি এবং বেদামুসম্প্রদায়প্রবর্তক আমি, আর বেদজাও আমি ৪১৫৪

তাত পাইছিল মানি কাৰ্ডণে প্ৰাৰ্থণেৰ হ্ৰাছ থ কি ব্লিটে সংগ্ৰেৰ আ ত প্ৰায়ভূতি চুইছা থাকে এবং সন্ধাৰিশেৰে বিশ্বতি ও সন্ধাৰতি হয়, কিছু দীৰ্জণে আমি না থাকিলে তাম্বাৰ কোনটাই তথ্য। তাৰ পৰ সন্ধাৰণেই আহাকে বৰ্ণনা স্বিধান্তেন, সামে বেলব্যাস্থাভূতিকপে বেগাস্থাপ্ৰণত প্ৰাৰ্থিণ কৰিছাছি এবং সমগ্ৰ বেলব সাহিদ্যালয় ব্লিছা সামিত প্ৰজাত ব্ৰহ্বিং ১৯০৪



উত্যঃ পুরুষভুতঃ প্রমায়েজ্নেকের:। যে লোক্ত্রমণ্রিশ্য বিভত্ত কেবলেও মা

ভাবতকो पूर्वो

উত্তৰ প্ৰতি ছাল কৰি উপৰ ই ব ত এ সাধাৰণ নাম, ইন্ধা মালিনানালেই।
ছুলা বিকি হিলেন ট কুল্ল প্ৰত, পৰা, শিষ্ঠাপ্ৰই আ বা সকল কাইবালেই কৈঃ
ছেলিৰ মাচৰল নামৰ ত এইলি চোৰ বি এ চাৰ প্ৰত হ বা সকল কাইবিলাকৈ কৈঃ
আহলাৰ মাচৰল নামৰ ত এইলি চোৰ বি এ চাৰ প্ৰত হ বা সকল প্ৰতিব আহলাৰ মাহলাৰ মান্ধান্ধ কাৰণ , কৰাৰ হাৰ্ছিল আৰু চাৰ উক্ত প্ৰায়া,
আশান্তিৰ বা হাৰণ , গাৰ্ম কাৰণ নামৰ বা বি ৰাজ্যিৰ ১৯৭২

ভারতভাবদীপ:

िन को सक्त महार्थित कर्षा वा पार्थ क्षेत्र वा भाषा पर जा कुमार्थन क्षा कुमार अभूषाय किराय परार द्वावारितियक का साम प्रमाण क्षा किराय के प्रमाण का प्रमाण का स्थाप का स्थाप का स्थाप का साम किराय के प्रमाण का साम किराय के प्रमाण का स्थाप का स्थाप

বিবেকীর। বলেন ভগতে কান ও আগতন নে দিবিধ পুত্র আছে। তাছার মধ্যে সকল শরীর কাব পুক্ষ, আব সেট ভানাবসমূহতিত ভীবে অকার পুক্ষ ৪১৬৪

ত হিপ্তি — সংগণদৰ কৰা বিক্ষান্ত, তাৰ সংগণ পৰ ক্ষা-বিকারবিধীন। সংবাং সংগণেৰ সম্প্ৰতি বিক্ষান্ত বিকারবিধীন বিকারবিধীন বিদিয়া সংক্ষান্ত বিকারবিধীন বিদিয়া সংক্ষা ১৬৪

যিনি সেই ক্ষর ও অক্ষরিলয়, তিনি উওব প্রায় বং পুরুষোর্ম ; জানীরা টাছাকে প্রমালা বলিয়াছেন বিক্রেব্রান এব আপ্ন মায়ালার। স্ব-মিয়ন্তা যে প্রনালা এক্রনে অধিটান ক্রিয়া ডাছা রক্ষা ক্রিতেছেন ৪১৭॥ ষ্ট্ৰাই কৰম হাত্তাহ্ছমক্ৰাদ্পি (চাত্মঃ। অভোহত্রি লোকে বেদে চ প্রথিতঃ পুরুষোত্রঃ॥১৮॥ শো মাহেৰকসপ সুতে, জানাতি পুক্ৰোভ্যন্। ম স্ব্রিছজ্ডি মাণ স্ব্রাবেন হার্ড । ॥১১॥

छात्रक्रकोधनी

भ द्वा अंगद्वा व्यक्तां व अधिक इ द्वार्णिक वटा यद , वाद छ र स्वीत सी देशमूट मिल ठ छेड्य दिवहमार, हे १४०६ , दूरर उत्तर उत्तर मुक्ता है दि न्द्रिक क्षित्क करिया । इस कारण एवं र र कर्म-"हिन्दिरिय पूर्व र एक खुका । सदय 지역 -- 일하다 조건이와 위점에 기업적이 되면 그녀에게 이번에 되는 모든다.

আটালাল্যাপ্তিজনেক্ষাত মৃত্তি , ১৪ ভাত্ত আগ মুহা মাজৰ আৰাধ্য কুৰু है कि मान्य केत प्रकृत्य स्था, भाग, भाग, उत्यू हे अध्यक्षक प्रकासिय सामाधिक अध्यक्ष স্প্রবিহ নদত্র কেনে বুস্পজ্জ সন, স্পত্র কর বাহন কা, হল্প ৪৮, খাল্প, জন্মতি লেবটো ৪১৯৪

छात्रक हावशेश:

द्याहि देवतह कार्यन दवहानी, १८०१ १९६ मिल्ल का कानुन विकास १६ मा निवास गाउ क्षेत्रका विरोधककारणाकचार्याल कि इनका कार्यात प्रदेश के अवस्था के पूर् क्षतकम कुमार्गकरकृत्वकुमानिताम। कार सामक्षर । वा मध्युक उत्तर्ग प्राप्त भावित विभागति किरीका मार्ज मान कर या गाँउ मा कुछ या कर हि हा रहक रा असामाहत्व

ত্রভাগ্য কর বিক্রাপর ব্যাহনন এব অসৰ জীব চেচন ক্টলেও প্রমায়ার आर्थितिक, सुभवा भवश्रद, का.करो, ८५०म এक ४६७४ वर्षण्य भाग छ असव হাইকেট ক্ষেষ্ট ট ই কি নি উভ্যাপুক্ষৰ পুক্ৰ ভূম চা⊞ক

আমি যে তেওঁ দাবের সভাত এব অনার মাপেকাণ উত্থ, সেই চেতু भाभि (लाहक ७ (तहम भुकरमा उम विलय । श्रीमध्य दरेगा ५ ॥) ५०

ভাতেশ্যাঃ আনি সংলংকর ও একাবর ও ১৪৬১, সার করা স্থা বিকার-भागी नवांत्रभुष्ट अक्करवव काव काठाना। छ द्वा अर्थिक कर व्यानक, तेवान । ३ व भव आधि विष, भाव अकर अवीर विकार्गदान की कामूह अव व व्यक्ति । अहा ध्र माधि अकर देही इच डेंच्या । यह बस्हे स्टब्स्याक स त्यान वामान 'स्वर्गाड्य' यद्वा , ए हे व्यक्ति 'शुक्तत दुध' न तम अभिक १३७।

ভর্ডন্দন ৷ মোহবিহীন যে লোক আনাকে এই ৰূপ পুরুষোভ্য বলিয়া হানে, সে লোক স্কল্ড হইয়া স্ক্প্রাত্তি আমার সেবা করে ১১৯।

ইতি ওয়াত্যণ শাস্ত্রমিনমূকণ ম্যান্য ।।

তেল্বুকা বৃদ্ধিন্দ্ আহ কৃতকুত্যণত ভারত । ॥২০॥

ইতি ই মহাশেরতে শতদাহ আলং সংহিত্যোশ বৈষাদিকাশ জীলাপকাণি,
ভগবদ্ধান্যতে হারিণ্ডশাহ্যাদ্য ॥০॥

বীতাশাস্ত প্রদেশেহ্যায়ঃ ॥০॥

काशस्त्र भो मुनी

শার্কী স্বার্থসাহর ভ্রাণী দর তে আন্ধান নিশা প্র ভারত হাই স্থান্ধ হাল ১০ বর্ণ সংগ্ৰহ নাম ক্রাণ্ড করিব পাল্ড কুরু মাল ১০ বর্ণ নাম, ব্যান নাম, বুলিনান্ত ব্যান্থন ক্রাণ্ড ক্রাণ্ড ক্রাণ্ড ক্রাণ্ড মাল্ড ক্রান্ত মাল্ড ব্যান শাল্ড মাল্ড মাল্ড ক্রাণ্ড ক্রাণ্ড নিশ্ব ক্রাণ্ড ক্রা

র নাম্য নাম্য নাম্য নিম্নির্গদিক স্বাইল্ড হাত্রির্চিষ্টার মহানার হটাকায়ে।

নাম্য কান্য সন্মান্য বা ভাগালালি ভব্রস্থী হাত্ম্য হ্রাবিব্যবাহ্য যে এব।

শী ভাগাল প্রশাস্থাকি দায়ে ৪০৪

ভারতভাবদীপ:

> টানি – স্পাস্থি নৈতা স্থানি ভাব সভাবসাংশ উন্নাচ হা বিংশে হয় । সংস্থা টানি নেতাকলি যুক্তি সংখ্যা পঞ্চপ্ৰাভ লা মুং বছার

সূত্ৰ প্ৰিয় কৰ্মান একজন মাধ্য এইকল ধ্ৰণাৰ নামই এপানে নাহে, পেই মেহামান্ত বান কে, সংগঠ আনগাক উক্কাশ প্ৰায় কৰি বিবাহ দানে, সেই বানিক মান্যভ্যাৰেই সভাজ চই, সকাপ্ৰধাৰ আনাৰ উপাদন কৰে। ১৯

নিপাংশ ভরত্নকম : আনি ভোমার নিকট এই সতিগোপনীয় শাস ধলিলাম, মায়ুহ উহা জানিয়া জানী ও কৃতকাম্য হয় ॥২০॥

স্থিতি প্রি:— এই বিদ্পাস্থ সকল আন্যায়ণ ছেব সাব বৃতিয়াত সাহবাং ইন বৃত্তি আন হওছে সম্পূর্ণ স্কুলন্ধ। সাহত্র সেই আন্তর্গত বলে নাম্য স্কুলন্ড স্থিতি প্রে:১১।

0

বোড়শোহধ্যায়ঃ।

ঐভিগ্ৰামুখার ৷

মান্ত্ৰণ সামুদ্ৰ শুক্তি কিবোগৰাৰ স্থিতি ।

দান দমৰ্চ নজন্চ সাধানত জাপ আজিবস্থা । ।

অহিন্দা সাহামট্টোৰ স্থাপন শাক্তিবলৈ কৰা ।

দমা সূত্ৰসলোক পুন মান্ত্ৰণ হাৰচাপলণ্ ॥২৪

ভারতকৌসুদী

रिश्वरक द्षान्ति हा दिक्षण्य हरण होन प्रकास रूपक्रिया प्रदेश कर्णा कर्णान्ति प्रदेश कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णान्ति कर्णा दिवास प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्वत्र कर्णान्ति अक्षिति हा स्थापित क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कर्णा कर्णान्ति क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा कर्णान्ति क्षेत्र क्षेत्र कर्णा कर्णा कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा कर्णान्ति कर्णा क्षेत्र कर्णा क्षेत्र कर्णा कर्णान्ति कर्णा क्षेत्र कर्णा कर्ण कर्णा क

ভারভভাবদীপ:

स्वार्तारा व क्षेत्र कार्य के किया १६६ विश्व के क्षेत्र के क्षेत्र के कार्य के क्षेत्र कार्य के विश्व के विश्व के विश्व के क्षेत्र के कार्य के कार्य के विश्व के विश्व के कार्य के विश्व के कार्य के कार के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार के कार्य क

কৃষ্ণ বলিলেন — ভর্তনক্ষম। নিউয়তা, মনের নিম্মণ্ড, জাননিলা, মোগাভাগে, লান, বলিরিক্রিদমন, মজাকুলান, কেলপাস, তপ্তা, সর্লতা, প্রোণিহি সামা করা, সভাচেরণ ক্ষা, জোধ্বভান, সন্ধাস, অভু-ক্রণদমন, খ্লভাপরিভাগে, প্রাণিগণের উপরে দ্যা করা, কোভ না করা, কোমলভা, তেজঃ ক্ষা প্রি শৌচনদে হো নাতিম,নিতা। ভব্রি সম্পূল দৈবাম হিজাতেজ ভারত। ॥আ (বিশেষকৃ) দয়ে, দপোহতিমান-চ জোধঃ পাক্ষ্মের চ। মতানকাদিজাতিজ্ঞ পাধ। সম্পূন্মার্কাম্ ॥৪॥

भावज्यको पूरो

্তি কৰা কৰিব নৰ'' সম্পদ্ধ নাই ইন্তৰ' বছৰতে নাইনাজৰংগ সম্পদ্ধ ভিষ্ট ৰ মাধ্য ইবি , বাজ্য সম্পদ্ধ আসা নাধ্য শাস্ত্ৰ সম্পদ্ধ ক্ষ্ট কৰা কিছিল। তেওঁ পাৰ্থ আয়োজনাই সম্পদ্ধ কৰু বিল, অনি লজা কুল। আনজন পুৰুতক, সন্ধা ক্ষ্ট্ৰাৰ্ড বা, 'ক্ষ্টিভ্যা ভারতভাবদীপাঃ

क क् निमान न नाय नायों इस्स् हरा किए यह ए आर म्हा स् इस् माना अनुस्ति के कुत्रण मान महाण के ए महिला कर महिला है एमहा किए कर कर नहीं कु कि स्वार कर स्वार कर स्वार कर कर नहीं कु कि स्वार कर स्वार कर स्वार कर कर नहीं कु कि स्वार कर स्वार कर स्वार कर स्वार कर स्वार कर स्वार स्वा

তেক্ত প্রিট্য — এই ভাগওলি গ্রার গ্রে, ডিনিটা উত্তর্গন লাভে সমর্থ হন এবং সেই উত্তর্গনের বলে মৃকি লাভ কবিং, কগ্রেগ্রেই, মান ১১—১। দৈবী সম্প্ৰিয়োকায় নিব্ৰায়ান্তৰী মতা। মা ৬৮: সম্পদ্ধ দৈবীসভিদ্ধান্তাচ্চি পাওব। ॥৫॥ থে ভূতসংখা লোকেছফিন্ দৈব আন্তর এব চ। দৈবো বিস্তরশঃ প্রোক্ত আন্তরণ পার্থ। সে মৃত্যু ॥১॥

खावण्टको मृगो

বালিদেশ্যালগ্য টিটান্ব, দুপ ক্রা, ক্রিয়ান, ক্রেয়ার, চকুরা প্রান্ত্র প্রান্ত্র নিট্রেট্র্যার, চকুরাজ্যেলাল্যাল, হেলানে বিবেক নারা, চকুরান্ত্রাল্যালয়ণ্ড চুর্যুটিত প্রাহারসূত্রি, ১৪ঃ

উভিয়েবের সংগ্রে, সলা ব্রামি কৈবালি প্রাক্তর কৈবা সলাং, বিয়োজার কান্যনামন বা নিবালয়কার, আর্থী সলাক, নিবার অভ্যানপ্রাক্তর সনাধার নিবারের ব্যারের মাধারের মহিলাই, জানিতি উলক্ষার্গেনার্থ আর্থা সলাক্ষ্যান্যক্ষা মাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যা মাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বানি কাল্যনামক্ষ্যাধারের বান্ধারের অর্থান্যকাল্যনামক্ষ্যাধারের বান্ধারির অর্থান্যকাল্যনামক্ষ্যাধারের মাধারের আর্থান্যকাল্যাধারের মাধারের মাধার মাধার মাধার মাধার মাধার মাধার মাধার মাধারের মাধারের মাধারের মাধার মাধারের মাধার মাধা

प्रभावन्त्र राज्य भूवकन्यकार विकास धाविति । भावत् रव व समयम्बन्धः सः विद्व क्ष्मः। भावत् । भावत् भावतः भावतः, देनव भावत् क्ष्यः क्ष्मः। भावतः । भावतः भावतः । देनवः भावतः क्ष्यः । विद्वतः । विद्व

ভাৰতভাৰদীপ:

আর্থনী সন্সন্ধনিকক, জাতজ নক্ষি কে শাসা । চা আনবেত সন্দানের কার্যায়ার— দৈনীতি। দৈনী পূলোক আক্ষরজালয় কিন্ত্য জ্যা সন্দানি কাণ্যাদ্রীতি তামপ্রদৃতি মাজ্য ইতিবংক যোগিবিশ্বে ক্ষুদ্রালী কৃত্য আভাবোধে মধ্যন কার্যাল অর্থিক

আজুন। কপট্ডা, গকা, অহমার, এজার, নিলুব্ধাজি ও অজ্ঞান এই দোষগুলি অসুবপ্রকৃতিযুক্ত লোকের জনিয়া থাকে ৮খা

্ত্রাত্রশাহ্যা--- পি কর্মের চা এই চক্রম র প্রেক্ত চপ্লম প্রেকি গৃহত করিছে । ইউবো, আর 'ম্রানেক' টেড চক্রম র প্রেক্ত অসুক্রিপ্রসূতি পরতে হববে ।ও।

পাচ্নক্ষ। জানিগণের মত এই যে, দৈবী পাকৃতি জান কলাইয়া মৃতি সম্পাদন করে, আই আফুরী প্রকৃতি অজ্ঞান রাখিয়। বছাই চালাইতে থাকে। আজুন। তুমি দৈবপ্রকৃতিসম্পান হটয়টে ভবিয়েছ। স্তবা শেকে করিও নালাল

তে কৈ প্রায় — মাজন । সেনার সংকুলে এর, মহা ও ধ্রণ ছতি বলিং।ছে বলিং। তুমি দৈনপ্রকৃতি মুক্ত হই গাই জরিছ ভ এই হপই মনে কবিও, কিছু নিজের আত্বী প্রকৃতির আশহা করিয়া কুম্পিত হইও না ।ধং প্রত্তিক নির্তিক জনা ন বিদ্যালবা । ন শাঁচা নাপি চাচাবো ন সভাগ ভেগু বিভাৱে ॥৭॥ আগতামপ্রিজা এই জগদাহ্রনীপ্রস্। তথ্যস্থান্ত্র বিষ্ঠাৎ ক্ষিতি চুক্যু ॥৮॥

खारकरको मृतो

માદિષ્યુ લાકા અમેરિમ્યુલા

ভারতভাবদীপ:

বিশেশ করা নিধা করা নাজনকার লাভা বিজ্ঞা, সংখ্যাদকার বিষ্ঠি নিঠাই মুক্তানিক্তি ব, ই নিঠাই । সাংগ্রাম বাংলাল নালা করা প্রতিষ্ঠাই সংগ্রাম বাংলালয় বাংলালয় আন্তর্ভা করা আন্তর্

অধ্ন। এই কগতে পদক ও আত্কী এই দিবিধ প্রকৃতিমুক্ত মনুসুক্তি দেশা মার, ভাগার মধাে দিকী প্রকৃতি বিভ্রত্মে বলিয়াছি, এখন আমার নিকটি আয়েরী পাকৃতি শ্বং কর্চচা

তি কিন্তি — নব্ধ অকাশ্য—"বাজসাধান্তবাশ্য হোতিনাত প্রকৃতিং জিলা," এইজনে যে ব্লানী প্রকৃতির করাও বালিনেতন, ডাঙে যা যে অন্তর্গালাক্তির অন্তর্গাল কলিয়া জানিবে । আ

অত্রপ্রতি লোকেনা ধর্মে প্রবৃত্তির বিষয় বা ভাগার লাল, কি বা অধ্য চইতে নির্ভিব বিষয় বা বাগার শাস্ত্র জানে না এব তাগাদের ভিতরে ধা বাহিকে প্রিস্তা থাকে না, কোন আচাক থাকে না এবং সভাবাৰ্থারও ধাকে না ॥৭॥

তাৰেপ্ৰী-ৰূপ ৰথ —অভবপ্ৰকৃতি ,লাকের (অভাচার) রইভাপ কে। গ।

এবাং দৃষ্টিগ্ৰফীতা নাটা স্থানোচস্ত্ৰয়ঃ। প্ৰত্যস্থা গ্ৰহণাথঃ জ্যাৰ জগতোহহিত্য । কাম্যাশিতা সুস্থাৰু দ্ভুমান্মদাৰি শং। মোহাৰ্ণুহী মহিসদ্যাহান্ প্ৰতিক্তেভ্ডিট ভাং ॥১০॥

ভারতকোম্পী

भारतिश्राभारको एकाम्याङ दाहाँपाहि । दाहानुका नृष्टि कालमा, घारद्वा दा भिहा, सहीत्रावनिकालक का द्वारम दृक्षा एकार एक, महद्वाद करा, एक स्थापनाय क्रमा, सिंदा हि आधार्य क्यों र शार , इ. धारद्व महिन, नद्वा अस्, जाह का प्रकार निवास, सिंदा क्रियास अल्लास्ट्या । ३०

संविधि । १४ क्षणीत तक्षता भागादक्षण प्रत्य १० विषय १० विषय १० विश्व । १८ विश्व । १८ विश्व । १८ विश्व विषय । १८ विश्व विष्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्व विष्व विश्व विष्व वि

ভারতভাবদীপ:

खारे, नीय प्रवाद भवन्ना का वाक् रामार क्षा व्यावक स्थान । अ मार क्षा द अध्या विवाद स्था विवाद का विवा

সার ভাষাবা বলে ভগতে বেলপ্র সংগ্রেমান) নতে, ধর্ম বা সংধ্ মাই, একটা ঈশ্রেশ নাই। আর অধিক কি বলিব, ভাষাবা বলে কাম-নিবন্ধ স্থাপুক্ষের প্রস্থাগ্রেইডেই স্টিপ্রাচ চলিভেড়ে ৮০

क्तिंद्रभाष्ट्रां—हेंशक, बाल्डिक प्रमुख्य करिए हे प्रदेश कर कर कर निर्माण

ক্রের প্রারণার আভায় কাইয়া ভ্রত্তি ও অঞ্জুতি সেই অস্বরভাব লোকেরা ভগতের শক্তইয়া এক ভ্যাবেছ (হি সাহক) কথা কবিছে পাকিয়া ভগতের দ্বাসের অক্ট প্রস্তুত হইছে থাকে ।১।



हिन्तामभविद्यमाक अन्यान्यायभाविद्याः । কামোপতে গিপ্রম। এতাব্দিতি নিশ্চিতা: ॥১১॥ আশাপাশনটেত্রিকা: কামচেক্রাধপরায়ণা:। ঈহত্তে ক্মিট্রেগ্রিফার্যনার্যক্ষান্ ॥১২॥ (মুমাকন্)

कारक(को युगी

किय भीता अभविषय अध्यक्ष अध्यक्ष भीत्र इत्राह्म मू, अध्यक्ष अवयाविष्य, ित्र प्रमानि विद्या पाठन म्, के पश्चित्र काला, करम च न गाया प्रमान प्रमान नि क निकार कर्मना । देश के विकास के यह भूकत " 'दान करेवक, भूकत में हैं। ह कारण्याक राहाभाग करते. काम प्रमाण मा अहा भाग रहारा महिन्दाहर, सहाम-्क मुच्छ । कार ए प्रकार पार्ट कार्या, कार कार कार पार्ट कार प्रकार कार किया है जाता । सामी सम्मान प्राप्त 4m6 Am, Be & 25 gr 58 W 155-246

ভারতভানদীপ:

Weller Burge bei find bei bei bei ber ber ber ber ber bei beit beite beite ber beite क्रमार प्रात्म वर्ष वर्ष एक वर एक इन ए के महनान अव भूकताने है हि कि हात हो। ह লি প্ৰাং, নিৰ্মণ্ড : জল ১ ড ড প্ৰাংশ সাহম্ নাঠেড জবিশিত কাছে, পুৰুষ " "কাম এবৈক পুরুষ র ই ৪ b i . . এ মন্ত হেন পরবজনগলিন মার্মকহান্ ধনতালীর ঈর্থায় বিশ্ব স্থ

इल, भश्याद ए महणायुक्त ध्व सामान्य नियमाली (महे साम्बयकार ,লাকের ওপার্কার কাম অবলম্বপুর্বক ভ্রমণ্ডঃ ভ্রমং অভিনিবেশ আয়ায় क दिस अधिक नामा प्रतानिकात्या अदि व वस १००१

তেপ্ত প্ৰায় প্ৰায় কথা বস্ত ১০০২ চউক ন কেন, ভগাপি কামেৰ প্ৰাহ্ম ନ . ଏହି ଓଡ଼ି ଓ ଓ ଓ ଓଡ଼ିଆ ବଳ ଓଡ଼ିଆ ଅଟି ଓଡ଼ିଆ କଥିବିଥିବେ ଓ ଅନ୍ତିନ୍ତି । ଓଡ଼ିଆ मा ग्रंडर ने भाष-भागम ग्राह ४५-४

যাহার। মৃত্যুকলেপ্য। ও অধ বা বিষয়েবই চিতা করে, কামোপ্রভাগকেই শ্রেষ্ঠ বলিয়া মনে করে, "এতিক প্রথই ভে,গা, কিন্তু ভোকোনা থাকায় পার-লোকিক অব ভোগ্য হইতে পাবে ন' এইকপ কৃতনিশ্চয় হয়, শত শত আল -পালে বন্ধ থাকে এব কাম ও ক্রেন্থের বশব্ধী চইয়া চলে, সেই অন্তর্গভাব লোকের। ক্ষিত্রেংগ্র জন্ম অক্সায় ইপারে অর্থসঞ্জ করিবার চেই। ক্রিয়া 朝代車 452 --- 294

তেকৈ পাৰ্যায় নৰাব্যিকলপৰে ক্ষম আছে—"ভিত্তবিভিত্ত ক্ষম প্ৰকৃষ্ট "কাম এবৈকঃ भूकताथ." व्यवं ६ टेंड इन्हें के त्यार के पुक्त कार्य कार्या कार्या स्वाप कार्या कार्य অব্যাহন করিব, অভবস্থার লে, কেব, একম এ ক মুহুর স্কর্মের একট কালা ও অক্তার ইদমন্ত মধা লক্ষমিদ প্রাপেদ্য মনোবংস্।
ইদমন্ত মধা লক্ষমিদ প্রাপেদ্য মনোবংস্।
কাষ্টোদমপি মে ভবিষ্যতি প্রকর্মাপি।
কাষ্টোহমহ লোগে মিছেভিছ বলবাল্ ন্তুমা ॥১৪॥
আলোহভিজনবানপিয় কোহতোহিতি সন্ধা মধা।
যাক্ষ্যে দাক্ষামি মোদিশ ইতাজানবিয়োহিতাং ॥১৫॥
অনেক্ষিতবিজ্ঞান্ত মোহজালসমারতাং।

প্রস্তার কলিডোলের প্রতির নরকের ৬৫৮ (৮.৬) কেলাপক্র)

कांत्रकरको मुनी

रूप श्राध्वातीया यहम् दृष्ठातीय स्वक्त हर्ण हर्ण हर्ण ह्रा क्रिक्ष क्रिक्ष हिम्स क्ष्य क्ष्य हेशा यहम् हर्ण राम द्राप्ति हिम्स क्ष्य स्वा हर्ष्य क्ष्य हेशा यहम् हर्ण राम द्राप्ति हिम्स क्ष्य स्वय स्वय क्ष्य क्ष्य क्षित्र हिम्स क्ष्य क्ष्य

कारङहादगोभः

'অৱা আমি এই ধন লাভ করিয়াছি, এই অনী ৪ ছবা লাভ করিব, এই ধন আমার ঘরে সঞ্জিত আছে, আবার এই ধন আমার হববৈ। আনি এই শাব্রুকে বদ করিয়াছি, অপর শত্রু প্রকরেও বদ করিব, আমি প্রক্রুকে মানি চলার করিব। আমি বলবান, আমি সুখা, আমি দনী এবা আম সংকুলভাত। অভএব আমার ভুলা অপর কে আছে গ আমি যথ্য করিব, মানি করিব এবা আমোদ করিবা এই রূপ অভ্যানে বিগোছিত, বঙ্বিষয়গামি-চিত্রকর্তৃক ঘৃণিত, মাত্রুপ ভালে পরিবেস্টিত এবা কামতেণো আসক অভ্যান প্রকৃতি লোকেরা অপরিক নরকে পতিত হয় হা গ—১৬০

ভেশ্—ংশ্যঃ— 'আমি হজ কৰিব ও দ'ল কৰিব' এট হুৱট ৬ ম টাচ দেব স্থান কোল মনোসুভিট ধৰ্মেৰ দিয়েক নংগা, যে ব শাহ 'আমি হজ কৰিব এবং দান কৰিব'

(३०) जक्षियर आरम्भायस्य त्रभ्यं सीलकश्र्यस्थान् ।



নার্মন্ত,বিকা, ত্রা, ধন্যান্যনান্তিলা; । বজনের ১ ম ব্রৈজন্ত দহেল্যাবিবিপূর্কম্ ॥১৭॥ অংকাকে বনং দপা কামণ জোধকা মংগ্রিকা; । মামাজিপবদেকের প্রথিবতোহ ভাস্মকাং ॥১৮॥ সুথাক্ষ্)

डावकरक भूमी

ম কথা যা বাৰত হৈ বাৰত বাৰত বাৰত বাৰ বাৰ বাৰি চুক্ত কথাৰ কোৰ কোৰ কোৰ কাৰত কৰি কৰি কোৰ কাৰত কৰি কোৰ কাৰত কৰি কৰি কাৰত কৰি কাৰ কাৰত কৰি কাৰ কাৰত কৰি কাৰত কৰি কাৰত কৰি কাৰত কৰি কাৰত কৰি কাৰত কৰি কাৰত কৰি

ভারতভাবদীপ:

নিজেবাই নিজেবেৰ স্থানকবো, ধনা বলিয়া অভিমানী ও মত, অহলাৰ, বল, দপ, ক ম ও জোধমুক্ত, ভাবেৰপে নিজ্পেছে ও প্ৰদেহে অবস্থিত আনাব উপৰে বিকেবক,নী এব ভূমিগণেৰ উপৰেও দোৱাবোপকাৰী সেই অভ্যৱস্থাৰ বোকেব, ছল ক্ৰিয়, বিধিল্ভানপ্তাক বজা ও দান কৰে ১৯৭—১৮৯

ভিশ্পুর — এইজপ আ ব সন করাই কোনেই পুর, হয় না, অপচ সভাপুকারী শ্লশ্যপাশ ২ইটাই দাকে। ২ জ সেই হাস্বৰ্ভাব কোনের ভাইকে গ্রান করাইবাইণ নালা তানহণ দিখতঃ জনুধান্ সংস্থেরের নবাধ্যান্। কিপাসাজস্মত ভানাস্থাহের কোনির ॥ ১২॥ ফাস্তবীণ মোনিযাপলা মুচা জন্মনি জন্মনি । মামপ্রাবৈধের কোঁত্তিয় । তেতা মার্থিয় গ্রহিম্মহত॥

ভারতকোমুদী

হেশার ব্যালয়ের হালাক কর্মান্ত ও ওক্ষার ১৯ থকা কুলার, ০ ব ন্
হিশারের, সংগ্রের অভ্নতান্ স্থেবি অভ্নতার, ১৫ বে ৮ সামবিশু লব বলার, বাল অভ্নতার বার ক্রান, অভ্নত্র অলবক্ষা কর্মান সক্রামান, ৩০ ছব বে নিশু অভ্নতার বিশ্বস্থার প্রায়োগে, সিংলামি লবকালারে ব্যালয়ের।

ভারতভাবদীপ:

स्ताः स्तीतः धनः हिल्लानियायकः वर्णे स्वाक्ष्यः नार्गः । १ नार्गः १ नार्गः । १ ने भागितः वर्णे वर्णे वर्णे वर्णे । १ नार्णे भागितः वर्णे वर्णे वर्णे वर्णे । १ नार्णे । १ नार्णे वर्णे वर्णे । १ नार्णे वर्णे वर्

আমারে উপধে বিদেশকারী, ক্রেরসাব, লোকের অনসলজনক এক স্সারের মধ্যে মরধেম সেই সকল লোককে আমি অনবরত আধ্বা যোনিতে ক্রেরণ করি ॥১৯॥

ভাৰ্থিকা — দ্বান কৰিব মৃত্ৰ পৰে এবংক বা দিব বা পৰে বানি উপনিশ্ৰে আকুরস্থ বাধের লোকের পূর কৰিব। উপনান কৰি, সে জন্মণ ভাৰাৰ সেইএল কাজই করে, ভারাবিভারকা বাংলি বাংলি সেইএল ভালাকর উওপেই জ্যাইন বা কি। সূত্রাৰ অধ্যক্ষাৰ প্রেক্তিক ভারতি করিব করে। বাংলি বাংলি

তিবিধা নারকজেদা স্থাবা নাশান্ম হিনা।
কামত কোষজাল লোভজামাদেওজাল ভাজেছ ॥ ১॥
তাভিবিদ্ ভাত কোজেজা । তামে স্থাবিজ্ঞিনির ।
আচনজাজনত ভাষেত্রতা মাতি প্রাণ গতিম ॥১২॥

ভারওকে। মুদী

ত্র করে কিংগারে। মার্ব নতি হে কোছেনে মূল স্থাবে ক্রেন অক্টরে। কর্ব মন আয়া, গ্রহর স্থান স্থান, সাল্বাস, নিন্পর, স্থা, মা ন্ধ্র প্রিন্ধিয় মুগ্রাপার, এত মার্ব স্থান হল, অব্যাস সংগ্রাম ক্রেকাট নির্দ্দিয়, নাথি আলোহান্তি (২০)

ত লাম হারা । তম শাল্ল না হারাল্ড কর করে বিরুপ্তিক স্থি বিধামতি । কর্ম এক বাজ ৷ ৬ । ইলা নালকক নাবক করে প্রিবিধা স্থার্থ, আহুনে না শান্স্ অসপ বাজনক লাগেতে , আহুলো । ক্ষেত্রাক্তি কনা , শান্ধামন্য এবহ এখা হোৱাৰ হার্

ক্ষত বাংগ এই কিং করা ভবন সভাই হবিতি। তে কো আলাং নরে, কামজিবংশ ছকীশ । হ'ল, তান খাবি তাম বহুলন্ত্ৰখারি, বিভূকে, বিশান, সন্, আগ্রান, স্বাস্থ, যে তাম শালনা সাকাৰ, আচকতি কবি তা তালক, প্রান্তন স্থ, গ্রিমবশ্যে, ব্যক্তি ক্ষেণ প্রাধ্যেতি বহুৱ

ভারতভারদীপ:

নিটি ত্রনা নার্ম বিধার প্রক্রিক শাব (২০) সাংক্রেরত স্থানিত নার্ হিবিশ্ব দিব লা কান করিছে প্রক্রিক জানত শাব— এই হাব হা তানে ছবিব হন হন্দে নার্কজান্ত বান্ধার্ক জাখাত ভূমি বিশ্বন সন্ধার্মন নার্মন করে শাব সংক্রের ধন দিক্ষ্ মাচরদি। নাম পরা পাতা মেশিকা বিধি সংক্রে ক্রেরিক্রা ভ্রাক্তিভি চন্দ্র না

অজ্ন। মৃচ লোকের, প্রচাক জকেট আগুরী যোনি প্রাপু চট্য। আমার প্রক্রিণ পর্ন। প্রয়া ক্রণ, তাহ, হইতেও সধ্য গড়ি প্রপু হয়।২-॥

ভাৰত প্ৰিয়া— এই উহল্লেখন পতি ভাল হয়— মধ্য প্ৰথম সংগ্ৰেষ্ঠাৰালত মুকুৰ্ভটাৰ এই কৰি চুক্তিৰ কৰি কৰি কৰি ও ক'ই প্ৰায়ুখ্য কৰা মুকুৰ্ভটাৰ

কাম, কোষ ও লোভ এই তিন প্রকার নরকের হার এক আয়োর ভাষ -পাতভ্রমক দোষ। অতএব আহার উল্ভিকামী লোক এই তিন্টাকে ভাগে করিবে ॥২১॥

ক্তোক্তিশ্ৰেষ্ট্য—ম কৰা বেমনা বাধা নিজে পুৰুত্ব ভিতৰত প্ৰধেল কৰে, সেইকণ কৰি, কোৰ নালেন এই নিন্দাৰে অধনখন কৰিছা নবকে হ'ব হ'ব। যঃ শাস্ত্ৰিধিমূৎকৃত্য বউতে কামকাৰত: । ন স সিক্ষিবাজোটি ম তৃথা ন প্রাণ গডিম্ ॥২০॥

ভারত্যকী নৃদী

ভারভারদীপ:

दक्तना काक्रेड्सिय्य कामानिका सम्दर्भाव्यक्त स्था निकार का स्था निकार स्था न

আত্রব আক্রা মানুষ নরক্ষারক্রণ এই তিন্টাকে পবিভাগ করিয় নিজের মক্ষ্যনক সংকাষা করিছে থাকে, তাহার পর টবন গতি লাভ করে ॥২২॥

ভাৰত পাৰ্য্য — অধ্যক্ষত বাগল লাক্ষ্য হনি বলপ্ৰীক কাম, তেওঁ ও এব চাক ভাগাৰু ক্ৰিয় সংকাৰণ কৰে, ভাবে ক্ষেত্ৰ ক্ষ্যত উত্যাহিছি লাভ কৰিছে সাধি গ্ৰহণ

্যে কোকে লাক্ষের বিধি পরিতাগে কবিয়া আপন ইচ্ছা অস্ত্রণারে ধরাকায়ে। প্রেক্তর্য, সে কোকে সে কার্যের ফল পায় ন, স্থা লাভ করে ন এব মুক্তিলাভিও করিতে পারে না সংখ্য

ভীক্ষপৰ্ববিশ ভক্ষাজ্য স্থা প্ৰাণ (ত কাৰ্যাক্ৰিব্ৰেৰ্মিটে)।

জাহা শালুবিধানো জ' কম কম্মিহাহদি ॥২৪# ইতি জীলহাভাৰতে শত্ৰাহাল্যা সংহিত্যা বৈষাসিক্যা ভালপেৰ্বি ख्यवन्त्रा स्था^० कद्रांबि॰ ट्रमार्थ्यायः ॥०॥ के डामान्ड ८मा इटनाइसामः ॥०॥

ভাৰতকৌমুদী

ত্ত বৰ্ষ সাম্পতি হৈ সংখ্যা হাম্বি, তে তাৰ, কাৰ্যকাল্যব্যস্থিত। व्यानीकित दिवाद केवन नकेवनीनक वान, के वायव व्यवस्था केवनाय व्यवस्था व्यवस्था কাৰাৰ শাসা জাই শাস্তিলাৰ কাৰে কাৰ কাৰ্মহলি ৷ তেন চ কাৰ্মিক বিকিত্যু हीं जाका कि रुप्त पुष्टिय पुष्टिक के वा राजा।

है जि मन पार्ताल र , लेन दिनामसिवासूद केन्द्र है हात, दिवहिनापाद भ्रता धात ही कादार स व भावतेतृत महाभागा । अञ्चलका व छलवनदेश हारा छ वादिगटलाक्ष्मास्यः व ०व Palata entacethente: tet

ভারত ভারদীপ:

নাৰতেল দিখন সংখ্যাত অভিয়া ভাষতদিকত একা নালে দি অভাচেত ভাৰ ভাষ্টাদিকলৈল ল প্ৰথমৰ প্ৰথম বিং কংবল কিং ন কংল মিশোপায় বাৰ্থ্যান্থ এবং কাৰ শাস্ত্ ৪৮০ কথৰ হিলান কপুৰ নিতি শংসনা বেদালাভদম্, বিশংসকা তেওুলকানে আভিস্থাপান্যুঃ ष्यति गाहाकावर्गवरः (अवस्थान्यविकात विभाग कृष्ण मिका आहिक कृष् । अक्षर कामिकावरण-হয় দে সভুংপতির রাগ্মিনমব্যেত্তি অকৃত্ব কাংলি তুম্ বাস্থাবিধানক ভাত্যামুক্ত কথ ইর মত্যালাকে স্বাহালি । বেলেছেরে কর্মন্তিকারা ন=িভূমিতভূলিক্য । ওলেরা লাখ্যপুরাঠন এব চিত্রখয়ানিকা নালাভত্তি নিম্ম ১২৬১

> ই)ত শীমপক্ষি নৈলক্ষিতে ভাৰতভাৰ্নীপে চৰাবিংশাচ্দাবে ব্যান্ত दे कि देवलक्ष्रिया के छात्राम द्वा छ्टबा छ आप । १३ ५३

> > ----(±)-----

অতএৰ অজ্ন। তেমের কঠবা ও অকর্ণা নিছারণ্বিষ্যে শালুই প্রমাণ ছটক এবং সেই লাল্ল জানিয়া ভাচার বিধান অনুসারে এখন ভোমার কার্য্য করা উচিত' #২৪#

छार्थ्यम्;—"मद्रिपत्र विकित्य्" व्यदीर कवित छत कविता क्रीविका निकाब করিবেন, এই পাত্র অনুসারে তে।মার মুক্ত কর একংক উচিত ১২৩६

0

সপ্তদশোহধ্যায়ঃ।

অভ্ন উবাচ।

শে শাস্ত্ৰিধিমৃৎক্ষা গ্ৰুচ্ছে আৰুশাৰিতাঃ। তেশাং নিঠা ভুকা কুলঃ। সন্মাহে। রজভুনঃ #১॥

कार उस्को पृथी

"या मामिविभिन्दण्या विदेश व यक वह है है हो हती । संप्रतिन्द्रिक मानि काम के प्रमाणिव के विभिन्द के स्वाधित के सम्माणिव के सम्

ভারতভাবদীপ:

"उथाकाश अमान (को हेकि क्यती प्रमुख्य हाक्य केंग्रिका महिला । या भूकता बाधिविद साम्म्रिका अधिमान विकास क्षेत्र साम्म्रिका क्षेत्र साम्म्रिका क्षेत्र साम्म्रिका क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्

অধ্যুন বলিলেন— কৃষণ যাহার। শাসের বিধান ভাগে করিয়াও এজায়ুক হট্যাই দেবপ্রাপ্রভৃতি করে, ভারাদেব নিলা কি প্রকার –সাবিকী ? না বাজসী ? না ভাষধী গুটাটা

ত্ৰিপ্ৰ — "ব্যৱন হলিনী হলা ছোকৰ৷ পৃষ্টি ক্ষন্ মাহৰি চালা ছিপিতে ৰ হা ছিলিনী হল্ড ইইডে 'অম ভোজন কৰিছে এইজপ পছে আছে, অস চ ঐ ডিমিৰ পৃষ্ঠা ইলি প্ৰিপ্ৰে আহু হিছিল। কাৰ্য কৰু কোন বংলে প্ৰচলিত হহিছাছে, একে ত্ৰ উক্ পাল ৰখি লজনে কৰিছে আনন ক্লাচাত্ৰে বিশ্বসমূক চইলা হে লেক প্ৰতিপ্ৰে আহু হিছিল। কাৰ্য কৰে, তাহাৰ সে বিশ্বাস ৰ আহু সাহিক। ল — বাহ্যিক। ল ভাইনিত সংগ্ৰহণ

গ্রীভগৰাসুবাচ।

িবিধা ভবতি শক্ত , দহিনাং সা স্ভাব্জা। সংশ্বিকী ৰাজ্যী, ,6ৰ তাম্যী, চিতি তাং শুং, ॥২॥ সভাস্কাশ সৰ্বজ্ঞাকা ভবতি ভাৰত।। শাক্ষামোট্যং পুক্ৰে ্যা মহ্ছুছিং সাএৰ সাং ॥৩॥

कांबखरकोश्रमी

নিব্যালাল বা হিহি বহি তদনিবা হাত্যবাম, প্ৰাব্য সাস্থ্যন্ত ইতি প্ৰাক্তি সংগ্ৰহণ বাহ্য হৈ স্থানি চাম হিহিল ন্ধ্যি হৈ অভ্নান ২০ ডিবিলমের জন্ম প্র হল স্থান্ত ব্যালাল সন্ধান প্রতিষ্ঠান জন্ম হু কেবন সাহিষ্যোগ্যবাহী হিশ্বিত স্থান

ন্ধ শতা দৰ্শ কৰি বিশ্বৰ সাধিকাৰ সন্ধতি হিংকাণ সভা পিৰিছ্নুচ হ ইনাগে চেনা এই চালা সকলৈ কিন্তুল, সহজা মন্ধান্ধ মহজাপুৰ্ব। আনুধানি আনু

ভারতভাবদীপ;

াবা সন্তৰ সূত্য কৰ্ত্য কৰ্ত্য সভ্পৰাস্থাত — বিবিধেসি, স্থাবা প্ৰাধ্ বীথো ধান ধা । বা বা সামৰ্থ কৰি প্ৰাধানৰ স্থিতে ধেৰ্ডাপুক্ত দিবলোকনে নহিনিক বা এক স্থান কৰি প্ৰাধান কৰিছে। যদি বা সংস্থানিপাত কণ্ডতি কাজাৰে। সাম্বাদ্য কুলাপ্ৰভানিপুত ভলক্তি ভাষ্টা প্ৰাৰ্থ ভৰ্তি। এবা ভিবিধ পান কেতিনা কেলালিনানৰভাগ হৰ্তি ভাগ্মহা বা মাল্লমানাগ পুনু ।বা নহা প্ৰাধানিক ক্যান্তৰ ভাল পাক্ষিতি প্ৰাধান আহুনাৰিন সাধ্যান্ত্ৰক্ষম্ভাগে কৰা

কুমাং ধলিবলন 'আজ্না মায়াখৰ সভাবভাৱ সেই শ্ৰেষা সাধিকা, সাজসী ও ভাষসী এই ভিনপকাৰ হইয়া থাকে , তুমি ভাষা শ্ৰেণ কৰ ॥১॥ তুহিপ্যা—সভাবন স শ্ৰুষ্ণ এইবল বলম ইলাই পুডিত চইল যে,

स अक्षान्यत्व अप अस्य इति विकोडे डडीव ।२॥

ভরতনক্ষ। সকল মানুষেকেই অভ্যতাপৰ অনুক্ৰ প্ৰান্ধ ইয়া থাকে। কারণ, এই সামাৰী মানুষ্থলি অন্ধায় প্ৰিপুণ স্থাত্বা, যাখাৰ যেরূপ আদা থাকে, সে লোক সেইকণই হয় ১০৪

ক্রেক্সেন্ট্রে—বাচার মন্ত্রেরে সর্ভার ঋণিক, তাচার আর্ভ সার্কিট এবং সে বিজেও সার্কি, মতার মন্ত্রেরের ব্যোজন মহিক, ভাচার আ্রাও ক্লাটা এবং সে

गक्र ख সাহিকা দেবান্ গল বকাং দি ব'লদাং । (अडोन् इड्यपां कारिस मकर उ डायमा कना: प्रत अलाञ्चविक्रितः (भावः उलार छ (ग तर्भः छन्।ः। भक्कांद्रकांद्रमण्यु ढलाः काणवाशयकाःचित्रहाः ॥४॥

अविड्रको पृत्री

प्रकृष्णान । वार्गाम् इस देवितार्यकृष्ण वर्गा । इत्यक्ष वर्णि । अस्तिक इस्ता भदान्, বালিস মন্তি ইক্রেলাটিল গ্রাফ পুলর্মি । হার ১৯৮ হল ত এন ভূমবার প্র रक्षा । जनसम्बद्धन भूकासुक्षम् अस्ति । व । व ।

ভাৰতভাবদীপ:

रेको वे सम्पन् हास्मन (5151% है गाउ भाट-म कृति। अन्य विद्याध ना सर्ग र मन्द्र वृष्ट्रियुः राष्ट्रियः व प्रश्नः व अध्यवस्थव र दिवार्गाव्यमः अवस्थितस्य । अ त्यार्थन्य নিশ্চয়াহিক আছে পি ভত্তি ভেগাংগ পুরুষাংগি পছন্ত আছেলোন চে যাজ্ঞ ६९ १६) व्यवस्थात्वाकः सञ्जदसङ्गिकः सर्वत्वः व्यवस्थाः इ.स.च १९४४ ४४ ४४ ४० ४ भारतका मध्यम हेकि अन्य मृति यकि हा एक्स एकः भूमेलुनावसाका मा (मनवस्त्रका न नाई प्रदेश विका श्रुष्टली विधिष दशका अञ्चलकृति किया विद्यार एक महिन्द्रमा एक महत्व अट्टमालि । মলি হুনা ম্প্রাদিন, সিখা পুরুষ সন্দান থাদিবখা মতুহে ডদ ডা বাছসা বাছস यक, व्यवाद्यपुरुष्ति। नाम्य कामकावयरण निभावक्षणालया । वस्त्रव्यन्तद्वर्थान्यः नाद दमबालाभतानी बरेकाचा हुए सकारण । यक्ति करा एक स्थित आहर स्थान । एक रामि हाँ में अलग प्या नाता व्यवस्था विका कृषा भूषदादीति दश्त के का वर्ग विकास व्यवस्थानाम বিশ্ব কা ভাষদা প্রেট এবাইগুরুদ্ধি কুল্ডে শোদবাক নবাক ল সভান্ত বেল কুল এইনেবা क्षा दक्ष प्रवाद अर्थिक प्रवासी सर्व मधाया है गाउँ एक है है। एक प्रवाद कर विकास সাহিকানা দৌলত মতিতেরতাত — মেশাজে ম শতা বেল ল পছিল হিল কৌন কাভাশামেন বিহিতে মোৰে কমা-সংগ্ৰেন আছল কহি সামিন বা নেৰ্য সমুৰ্বি ছাত্ৰ-८६ क्यान्त्रश्राद्य उत्ताध्यक्तिकसम् विक्रीत ६६ मध्यः, अस् द्यमण्डिद्यं, वरकारः স'বাৰু পুথাৰেৰ কিবাভাগ সংগ্<u>ক প্ৰহাৰ বিক্</u>ষাভিত্য হ'ল সংহলেনগীৰ বিষয় নিজেও ৰ মুদ্ৰি, আৰু ৰ হাৰ আৰু কৰণে চামে পুল অধিক, সংগ্ৰ আছু দ্বাসালী এখন

সে নিক্ষেত্র ভাষতিক হল

সাধিক লোকেরা দেবগণের এবং রাজসিক লোকের, যক্ষ ও রাজস গালের পুরুঃ করিয়া আকে : মার ভামসিক লেকেরা প্রেডগণ ৬ ভূতগাণের भूषां करत्र ॥॥॥

তে তে কাম্য্র নির্বাধনের প্রার সাহিক প্রকৃতি এর পর্যাতি ও বা, শক্ষ ব কাম্ मिरनेन भुषाम वाष्ट्रिक भुष्टकगर्मन प्रमुख्याकि छेरलम इय ८४° । धार ४ ए मण्डान भुषाम ক্ষামূদিক পুতক্ষিণেৰ মন্তমণ দৃংকি বাত হয়।১০

কশ্যন্তঃ শবীৰকা ভূত হামমচেত্যঃ। মাকৈবাত শ্বাৰকা তান্ বিদ্যালয়নিশ্চমান্ ৮৬॥ (মুখাকম্) আহারত্থি স্বতা ত্রিবিধাে ভ্রতি প্রিয়ঃ। মুজ্জপ্রতা দানা ্ত্রাং (ভ্রতিম্যাং শুনু ॥৭॥

ভারতকৌমুদী

বুজ্পতিন্দ্ৰ পি নিজ্জনত ছালা মুগাবেল সাধাপুতি লগত বিষয়াল জিব বলাল ক্ষা মুখ্য মুখ্য ক্ষা মুখ্য মুখ

ন কৰণ এক ভি বিশিষ্টাৰ বিশিষ্টাৰ কৈছি লোকে জেয় ই মাই আহাৰ ই ছি।

> ক জ বন্ধ বিশেষ আই কলি ন কেবল আৰু কিন্তু মাধ্য, সাহিকাদিছেল ব হিবিছে।

দৰ্শ কৰা বিশ্ব স্থা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিবল ভ্ৰমি। কেবল আহাৰাদিশে

চতুৰ্নি, ইমং ময়া উচামানং ভেমং পুৰুষ্থ

ভারতভাবদীপ:

কলতভা, অহমার, কাম, আলোক ও শক্তিযুক্ত এবং বিবেকবিহীন যে সকল লোক শবীবভিত ভূতসমূহকে এব শবীবের অভ্যন্তবন্ধী জীবরূপী আমাকে উল্থাসাদিয়ার, কুল কবিতে পাকিয়া শাগ্রে অবিভিত্ত ভ্যন্তর ওল্পা করে, তাহাদিগকে অসুষ্পুকৃতি বলিয়া ছালিবে ১৫—৬।

ক্রোক্ত শেক্ষ্য — শরীবাধিত ভূত — পৃথিবা, জল, তেজ, কামু ও সাকাশ। অধিক উপ্রাণ কবিলে এই ভূতপুলি কশাক্ষ্য হ, সংগ্রেছ সংব্রুত্ব কৃপ কইছ পাছে লে — ৮০

কাজ্ন। সমস্ত লোকের পার আচারও ডিন প্রকার হুইয়া থাকে এক মজ, তপস্তা ও দান বিবিধ হয়, আমি সেগুলির ভেদ বলিডেছি, তুমি প্রবণ কর্মণা আনুংসত্বলারোগায়ধ্বীতিবিবর্জনা:। রফাঃ স্থিয়াঃ ভিবা হকা আহারাঃ সাত্তিকপ্রিসাঃ ॥৮॥ পন্টু মলবণা হুফে গ্রীক্ষকক্ষবিলাহিনঃ। আহারা রাজসক্ষেদ্য ভূঃধ্যোকাম্য প্রদা: ॥১॥

भाराक्रको भूगी

সাহিকাতারা নিক্সাতি অস্বিতি অস্থিতিনতা সহন্ত্রণার কলা প্রিষ্ অংশালা প্রাজীতি কড়িক বিলোধন হয়ন্ত্রীত হয়, বুলা, স্বলা, ভিত্ত অনুষ্ণ, বিধা সাব্যয়, স্বাল্যান্ত্রা, স্বিত্তিক লাল

রাজনিক চৰমাধ কটি্ডি, কট্টিছ দিং অছণ্ডিকাদি লবল দৈছত দি অসুন্ধ প্রামিক, তীংস্থা ম্বীচাদিং কাক লাজ দি, বিল্লী চলগদ দিকে, দুলং ,ল কন্ত্রালয় আন্ধা বোগ্য প্রদান বালুলা আর্থ বাজনত ভন্ত হঠা (২)

ভারতভাবদীপ:

भवन्यभदः वला सक्तिः। काद्वाणाः द्याप्ततः विकास व्याप्ततः विकास । क्ष्यां व्याप्ततः विकास । द्याप्ततः व्याप्ततः । व्याप्ततः व्याप्ततः व्याप्ततः व्याप्ततः व्याप्ततः व्याप्ततः व्याप्ततः । व्याप्ततः व्यापतः वयापतः वय

ভাত্তিশ্বনিভাষ্ট থেয়ন সাহিত্য, বাজসিকা ও সন্সিকা এই নিন প্রকাশ, নোকের মাহাব, যজ, ভাগজ এবং সংলও সেহতাপ সংহিত, বাজসিক এই ভিন্তাকাশ হইয়া বাবে গাঃ

আয়ু, অধাবসায়, বল, আরোগা, সুথ ৪ জীতিবিবছক এব সুবস, প্রিষ, সায়েবান ও অনেশক্ষনক সাহার সাহিত লোকের প্রিয় ৮৮

ক্রোক্রা—এটকদ দ্বা হ্র ও চ্চলচ্চি আর বই সাবিক আরাব স্থাবা এটক্রস আরাব বিবের প্রিচাকেই সাবিক কোক বলিও ছানেব চে।

ত্থ, অনুভাগ ও বোগতনক এবং কটু, অনু, লবণ, অধিক টক্ষ, ডীক্ষ, কক ও আলাকাশক আহার রাজসিক লোকেব প্রিয় ॥১॥

ক্রাক্সিক আহার এবং কটু -নিরপ্লাক্তি, অস—েইছুলপার্তি, লবন—সৈরবাদি, অধিক উফার্তি, নিরপ্রিক আহার এবং কটু -নিরপ্লাক্তি, অস—েইছুলপার্তি, লবন—সৈরবাদি, অধিক উফার্তি, নিরপ্লাক্তি, বল—সঙ্গ হউপার্তি এবং বিনালী—জালাকার্তি স্থাপ দি এওলিশ রাজ্যিক আহার। স্তর্গ এইকপ আহার নাগবি লিছ, সেই লোককে রাজ্যিক ব্লিয়া আনিবে ধন



মাত্যালং গ্রহণ পৃতি প্যুপিত্থ যথ। উভিন্ত বিল্লিড চামেবল ভেজিনা বাসস্থিয়স ॥১০॥ कामनाका कि - वेटका विधि कि कि। य डेका है छ । মন্ট্রব্যেরেডি মনঃ সম্পায় স সাভিকঃ ৪১১৪

ভারতকোমুদী

शहत करता र देन र १ साम्राह्म का तरमन किंद्र रूपांच विचार हा । स्थाप का साम्राह्म प्राह्म গ্ৰু জিলা কিন্তুলৰ ক, ই জিলা প্ৰভূত বালাইৰ, অয়েবাম্ অপবিভ্ৰাপ চালাহে, ভালোজন থাল্য, ভাষ্যত ক্ষত প্রিয়ম্ ১৯০১

उन्होंने एक कुन के ने सभी है के अवसान कि कि निर्देश कि दिशा रक्त का स्वाह है। সাত্তৰ জন্ম অনুষ্ঠালনি আন্তৰ্গৰ জিলান, তত্ত্বামনাত্তিক জাইনত, মইবামের ভারত-च प्रभवित व को एक करना अव, है कि हैक दिन ता, एम, मधानाध अकाध अक, विभिन्निक क समित्र (१ एक), १०१४ वर्डी प्रेफ, अला १०१क श्रेष्ठ १००१

ভারতভারদীপ:

इत्राप्त रहा. प्रकार का कार्याच्या का दक्षण विद्याला गाउमा हार्य । यह स्थापन प्रकृतक अनेताल राष्ट्रा स्थानाद्राक्षक ६ होते अवस्था सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा स्थाप कुर्याक्ष अनुवास कर अस्य द्वाप्यां तन्त्र । कि क्षित्रं कुक विविध्य, अद्यक्षा यक्ष स्थ्या । र मा प्रकार का कार्या मा कार्या । एका अधिवास का मा प्रकार का विकास का वित्र का विकास বৈতি ভূমত মেৰ্ল চুমজনে স্থলত বাংলা প্ৰাথৰ মিডি মনঃ সম্প্ৰসম্ভিত কুম্

शाह, पाक करांत्र पान এक धहर अहा ह हहेशा गांग, गाहाद भागा म शाहक व , माठ प्रतिक, माठ भए। मिछ (तामि), माइ, के छिट्टे (बहुबाब करू व-বিষ্ঠা এব মাহ, অপবিত, সেই খার ভাষ্ঠিক লেচেকর খিয় ।১০॥

ভাক্তার— , মার এবছল আন নার হে, ১৩ দিল্কে ভাষ্ঠিক লোক বলিয়া कानिध्य ॥. - व

গৈত্র কর একাছ উচিতা এইকপ ভাবিয় মন্টিকে একাল কবিয়া এব ফল্কান্ন ন, কর্ম শাস্ত্রায় বিধান অভুমারে এ যতা করা হয়, ভাহা সাহিক 祖師 1221

'किंदिश्रेश' १m भिन्दक र-भिन्, निम्नद एवं भाग १००४मा अभावत ক্রিম্মীমত ন কবিলে প্শত্ম, সূত্রিখা স —ক্রিছেক্রিকি। নিমির্নিকিলো रैस्सि कुक्स" दकान "निस्ति ए एक वन हर, माहा देनीयिकिक, यस -- खरे कुल नामि। কাম্নত, নিশ্ব লা কাম্য্য কৈ নাক ননাক বিবাহ হাছে, করা চহা ভাত কাম্যা । মালা---भुष्ठपाशामि । डेट व विष्युत्र विवयन मुक्तेशीयाम्बालमान महेवा । उद्धार न "यहेवस्थादिकि" ২লায় নিডোম্ভ কৃতিত হুইচা(ছ ।১১।

অভিনয়ান চু কৰা দ্বাপ্যপি তৈব সং।
ইয়াতে ভৰৰশোষ্ঠা তা নকা বিদ্ধি রাজ্মন্॥১২॥
বিবিহীন্মকটালা মনুহান্মকজিলন্।
শ্রোবিরহিতা নকা সম্মান্ম পরিচক্তে ॥৩৩॥
দেবজিজ্ঞকপ্তিপ্তনা নিচিম্কবন্।
বিজ্ঞানিকিলা চুল্বিবার নপ্তিন্তন্ন।

अविक्रकोश्रमी

বাজনিকং ধ্রমার জাতীতি। হে ভর্তপ্রেমা। দলং স্থানিক্স, অভিস্থান্তীক্তি, সম্পার্থণি চৈ বাজিক র্লালন্তে, স্ব্রাজন্ত কর্তিক্স করেওগুলিক্স, রং স্ক্রম্ রাজন্ বিশ্বিক্সানীক্রিচন

শিষ্ঠা ইজান্দ্রতীয় বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর দিন দুর্ভীতিনা বিন্তুনিয়ে ন কর্ত্বর বাদিশালিকে। ন দুর্ভীত বিশ্বর বাদ্যালয় স্কলি বাদ্যালয় স্কলি বাদ্যালয় স্কলি বাদ্যালয় করি আনুষ্ঠান করিছি বিশ্বর বিশ্বরি শ্বর মাজে স্কলি আনুষ্ঠান করিছি বিশ্বর বিশ্বরি শ্বর মাজে স্কলি আনুষ্ঠান করিছি বিশ্বর বিশ্বর প্রতি করিছি বিশ্বর আনুষ্ঠান করিছি আনুষ্ঠান করিছিল আ

· ভারতভাবদীপ:

বে মার ইম্বার সাম হিল ১৯১৮ সংগ্রামণ সম্ভোগত ক্ষান্তির বিধার বিধার বিধার বিধার ক্ষান্তির বিধার ক্ষান্তির সংগ্রাম সংগ্রামণ বিধার বি

ভরতশোষ । কোন ফল কাননা কবিয়া কিবা ধালিকতা প্রাণের জন্ম যে যক্ত করা হয়, ভূমি শে যক্তকে তাজনিক যক্ত বলিয় অবগত চও ॥১১॥

তে কিন্তু ক্ষার — "ক ম এব এই দ এব ব্যোগ্যসন্থ্য " এ এই ন কামন ই বাই জানব ক্ষা। প্রাণার কামন থাকিলেই দে কল্পতে ডাক্ষিক ক্ষা ব্যালা দাবন কবি ম হইবে। তাৰে প্র ক্ষার হালা দাবন কবি ম হইবে। তাৰে প্র ক্ষার হালা দাবনি ইব হেও হ ল ভিল্ল ম্বাং হ্য বিব ননাই সুমাইল। তাহ্যং সেও কামনাবিশেষ মন্ত্র গ্লে ভিল্ল হ জ্য কবি ল ডালাও হালাকিকই ক্ইবেরস্থা -

যে যাতো শাল্লীয় বিধি বিধান থাকে না, তাজগণা ভূতিকে সল্লান কর। হয় না, মলুপাস করে না, শাল্লোক দকিবা দেক্যা হয় না এর বিধাস থাকে না, সেই যালকে ভামস যাক বলা হয় ॥১০॥

তাৎপর্য্য—মারিক, বাছনিক ও হান্দিক ব্যঙ্গে প্রশাব লেখ লাস্টে ছার্ছে ।১ গ

আৰুত্ৰণক্ষণ ৰাজ্য স্থা পি ভিংক স্থা। আৰুত্ৰণক্ষণ ৰাজ্য স্থা পি ভিংক স্থা। আৰু প্ৰতিক্ৰিক বাংশ্যাল কৰি উচাই ও ॥১৫॥ মূল ক্ৰিন্তি কৰে ক্ৰেন্ত্ৰ ম্ৰেক্ট্ৰেড মান্ত্ৰ

खात्रउदको भूगो

্ত্ৰ হল নত ত্ৰাৰ ল কাৰ পাছৰ তেওঁ চহচ্ কৌনাই ক্ষাৰ কাৰ্য্য সংগ্ৰহ কাৰ্য কাৰ্য্য কৰি প্ৰথম ইংগ্ৰহ কাৰ্য্য কাৰ্য্য জন উচ্চত ৪১৬।

क्षांबङ्गावद्योशः

ন্ধ নি ন্ । পাজান বিদ্যাধি দেৱৰ। নাম বাধান বাধান বাধান বাধানিক। নাম্বিন্ত বাধান বাধানিক। নাম বাধানিক।

ং দিন গান্ধ দান বিজয়, বিজয়, চকা ও পাজেব্লাকে দিয়ের সোধা কলা, হান ন্য বিজয়ক, নিজগিনুধিক স্বল্ভা, আসি স্থানী কৰা একং প্ৰায় বিজয় প্ৰায়াধ কৰা, এইছা লাকে, কংগুকি ভপ্তা কলা এছে।

ক্ষেত্ৰপ্ৰায়—সং বৃধ, ব্যাহিত আ আন্তেখন আপাপ থেমন হিবিধ, ভেনন ব ব্যাহ ১৯ আন্তিয়েল এই ব্যাহ মধ্যায়

্য ৰাক) পৰের ইংল্ল ক্রমে না, সাত্য হয় এব পর্যের পাঁহি ও হিছ উপ্পান্ন করে, আর বাব বার বে কেন্দ্র করা হয়, সাহাকে বাচনিক ভিপ্তা বিশেষ>০ঃ

্রাধ্বার্থি হয়। হ — বাহ্য নাম ব্যাস হয় সাহায়। বোলা হা বালা হা, সংবাহ পাজে হয় কেনা প্রাথম বাধান বাহনিক হপজা (১৭)।

মনের প্রস্থান, নানে রাগাছেদাসি না থাকা, মানে মানে প্রের মাসলচিত। কবা, আটিফকামনা না কব এর মানে প্রপ্রার্বাধির চিছা। না পাকা, এইফলিকে মানসিক ভিপ্ত বলা হয় ॥:১)

∄(হুপ্র); — বর্গনার নামার নির্মণ লগতেই নামাধিক ত্রপতা বরণ হইব ।১৯।



अला । शहरा । खु । इलकु र दिस् भरेडः । অকলা কালিকভিত্তি ভাল ভিকা প্রিক্তর র ১৭॥ मदकोदेश'न९कोषः उट्या भट्यन हेठव गर् । জিনাতে তলিত জোলি লা কাজ লা চন্দ্ৰ কৰম ॥১৮॥ य अद्योद्धमा इद्या यह भे छन। क्रियह र छन्। পারক্রোহমাননাথনি বা তভাগসমূলকৈ যে ॥১১॥

छात्र छटको प्रको

ইন নীং সংলেশ হৈ হিবল্প প্ৰজ্ঞ সূত্ৰিল নন ব্রুলিল নন ব্রুলিল ন माहिकाह सक्टरिं। अन्य के व्यान पर न प्राप्त र र ्राया के छ ,रेड्फ मोर्चि, भेर्चक क्षाप्ता, भेरका नहीं देव रिका, इन्हरून केराब 'दे रे व् क्राक्ट के रहत हमी বিশ্বরেশ্পাত্র লপ্তার্কম, প্রিজ্পাত্র বিভিন্ন নাম

त क्षा १ वर्ष स्थल हरिंद स्थल । अरुप्त काल काल प्रत्यान करिंद्र ट्यों इंडक्ट्र्न भूक नवर्गित (बन रेफ कन ग्राह्म करते के इस्तावन क्रिक्स के इस के इस के इस के इस के इस के इस আধাসন্তের পুষ্কর কল্লান চা, এবি কাল ও, জুলা কান্তি ৮ জনা, চলা সং নতার কা নিক্রাক্ষ্ 衛門司司 可同 物并不用的水下等别。其及 意味。古 など 大 今 美 以 之 1/1 其

বিশ্বস্থাপুর সির্বর্ণ হাত্র, আহাত্রন হাত্রণ পান ওপাশ বাং প্রাণ্ড বিশ্বস্থাপুর

ভাষত ভাষদীপ:

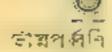
व्यक्तिक किरोत् महत्र नमा हम १५ मा १००० मा मान्य के रहता कर मान कर है है। कार्यको भूग । मुख्यान द्वास स्वत्रेण धन ५ वर्ग वर्ग वर्ग ५ । १५, १४ भागतम् व्यक्तिविद्यसम्बद्धाः म् । व अत्यक्तिम् पूर्णाः , र प्राप्तः स्थानाः

कलकाननाविकान ,नारकता श्रकाध उन्छ इहेर, भ्रत्य स्वा अवक रहे ,य हेन्स তি বাধ ভাপান্ত, কৰবল, মুলাক , সাই ভাপাকার্ড সাল এই হপালা বালেল এই লাল

"मृद्रम् अनुकार विकास प्रमाण का कारण का अन्य मृद्राया" वास्त्र साम का का प्रमाण प्रमाण का का स्कार माध्यक रुपाल १००० १०० व काल मा अस्य मा का का का का प्राप्त का नाम माज विद्यास्थ भ का व्यापकार । अके के व्यापकार कार्य के प्राप्त कर कर कर कर का रहा 12 11

जाडे क्यार्क ,जार्कत विकृष भाषा अवासत् १९ तत् ए धना महार्थित क्या कान- नाम्बिक डा ध्रकारलन लि' यस भाग्न (म अध्या कर्त, मूलना अर्ज अध्यारक র্জিসে ওপাসা ক'লয়াক্ত্ন, ভাত র কাগা ক'লক ও অ'নয়ও।১৮।

भावितर्गतात प्रश्न वर्षः भावाव क्षण्य स्थल स्थल स्थल स्थल । क्षण्य स्थल । क्षण्य स्थल स्थल MENTE SIE A GENT A'BUILMEN ADMI



সন্তব্যক্ষিত নদন্দিশ দা তেওকুপকারিলে। দেশে কালের স্থাতির চাত্রদাল সাজিক আত্রম ॥২০॥

ভারতকৌ মূদী

কিং ক্রিভিচ চ≽সঃ

ाम का राज्य र प्राप्त स्वास्त्र र राज्य स्वास्त्र स्वा

क्षतक शतको भः

শিল ব্য লংগ্র লংগ্র হ বলনা প্রান্ধরের লাব্ডেন কুলাল ব্য লাব্ডির নি কুলাল ব্য লাব্ডির নি কুলাল ব্য লাব্ডির নি কুলাল ব্য লাব্ডির লাক্ডির লাক্ডির

মৃথবিধাবিশ মঞ্চল ব কৈছিল ছে। জন্ম হয়। মঞ্চল যে ভিশ্বতা করে, কিল, প্ৰের হার্মেশ ভালা, মৃত্যতি অনুষ্ঠ ভাগ_ন্তিবা নেই ভপ্রাকে ভানস ভিশ্বতা বলায়াভিল ছানা

হা দেশাহাট দুনৰ এই লগাও পাকৰে। , সংগ্ৰেছিৰ আৰ্থেৰ চশ্বে থাবেৰিল ক্ৰান্ত্ৰ নাম এই লগাও লগাও লগাও লগাও লগাও লগাও আৰু শ্ৰাণি আৰু নিৰ্দিশ (প্ৰেছ নেনা) লগাও কইবে। নাম্ভৰৰ বাধা বান্নাম্প্ৰান্ত বাবে

'আমার দান কর। আবশুক' এইরূপ মনে কবিয়া পুণাস্থানে ও পুণাকালে অসুপকারী পারকে যে আয়াজিত প্রবাদান করা হয়, ভাহা সাহিক দান ॥২০॥



যত্র প্রত্যাপক(রাপ - কলমুদ্দিশ্য বা পুনঃ। দীৰতে চ পৰিক্লিউ॰ ত্ৰান্ত প্ৰাক্লমণ আত্ৰু ৮২১৮ जारमन्ति यस्तिमशाहद्व । कि भीगहर । समर्कृष्ठभवकता उ॰ उ अधिमान्यभाक्ष उन ॥२०॥

ভারতকৌ মুদী

.पिटिश हुरू का शिक्सामार्थम के एक देश क्षाप्त र देश ने के ने स्थापित दर्भावन भी वर्षभारत । विभि करत व उदिक्छ इलक वल ५ प्रम्, च अन इरलाविकः फना था हिमिला, भूतर भविद्वित कर्यत्वेत्वर मान है । प्रताहर हुन र लाक्स, धर भी पटल, जिल्लाना उपलग व्यक्त । इटलन उपलग माना दि द्वार र र फिल्लाका ।

अभिने भागम्भ अवृत्ति च्युप्तताति । च्यान्यस्य एवल न्यान्यस्य च्यान्यः च्यान्यः প্ৰপট্যবেলনাম লাবপূৰ্বে স্থান্থ, অপাত্ত ভা মুখি ব্যৱতি দিও আ, এবৰ কৰা এক ভয়বিং सप्तरकृत्य भारतग्रह्म, अनुकारचंदचा चेत्रका वर अनुदुर ४०, मामा प्रस्ता का प्रस् उपानर उन्नभू डेन कुरुपूक् भूनि छ रत्रा

ভারতভাবদীপ:

कर्परमञ्ज्ञातम् अन्यात्राय कर्त्वता हेत्। दूल गणुका एव धार एव । १०६ । विस्तानम् ∎মারঃ অনুষ্ঠান প্রিন্ত্রণালি প্রকাশনাম সমূহের সুন্ধালক দরিত্ব মন্তর্ভাগ লাভ্যাব

दक्त में जोरिक आकृत्मकाव राष्ट्रित आगान्या, द्रामान क्वारा, १९९७ वर्ष माना वर्षा व वार्यक्षात् कार्याय व विकास्त्र होये विकास सम्बद्धाः स्था, सामा स्थापन स्थापन सम्बद्धाः स्थापन वार्यभक्त भागा कृत कृत कर्माल क्ष्मा यस व व व प्राप्त क क क क व व थाया कर द्वा मान कर हत, हहाई में द्वमन, हर ने पुलन प्रतिस्था है, मन अभिक १९८४ ।२०॥

भृतरकृष्ठ छिलकारतत भावरमारसर छछ, किया ग्रम काम भाइ,भाकाव भाष्ट्रिगांत्र कालास, वालया भाष्ट्रलोहकक यललाह्चय प्रेटक्ट्स, कि.व. अन करप्रव মাহিত যে দান করা হয়, সে দানকৈ রাজাসক দান ব লয়, ছং নবে ॥ . . ৰ

किंदिक्षां - अवस्थित सार्व अर्थ के प्रतिक प्रतिक मान के साथ के के मान दी है। प्रति इहेर्द, दिन्नु प्रदेशना अनुविधिक इहेर्ट्स अगान मान मान मा है, यू रेक मार्गत में, मा পড়িকে (২১)

অপ্ৰিক্সানে এব অপ্ৰস্কালে অসংলাক্ত যে লান কৰা হয়, কি বা প্ৰিকুছানে এবং প্ৰশ্ৰহণালৈ সংপাত্তিত অনাদ্ৰ বা অবজাপুৰাক যে দান ক্রা হয়, মুনিরা ভাচাকে ভামসিক হান বলিয়াছেন ১২০

তেইত প্রায় — মভাগ্র জিত প্রয় দানও জাম্সিকলানের মরো পদ বর্ণর (২২)



ও তথ্ সদিতি নিকেশে। বজাংস্থিতিবৰ, স্মৃত্য়। ব্ৰাক্ষণ জেন বেলাল্চ বজ্ঞাল্চ বিভিত্তাঃ পূরা ॥২৩॥ তজালোনি হুলে,জতা যজালানতপ্যক্রিয়াঃ। শ্বেতিন্তি ।ববানে, ভাষে সততা বজাবাদিনান্॥২৪॥

ভারতকোমুদী

ি জ হ বিলং হছের ল বছ ও বলং ই হল ছি থালা হা জান কথালা বেল আনানানা বিলাধি বাং লালা হাছের লালা বাং লালা বিলাধি বাং লালা কথালা বেল আনালা বিলাধি কথালা কথালা বেল আনালা বেল কথালা কথালা বেল আনালা বেল কথালা কথালা বিলাধি বিলাধি

क्षात्रककारणील:

্ৰদ, পুৰণ এল কোবা 'ও ড' সং' এই বিনপ্লক ব শ্বংক বংপাৰ নাম স্লিয়া অব , ক ব্যাত্তন এব প্ৰাকাৰে বজা এই নাম ইতাৰৰ কাৰ্যা আপাৰ-স্বেৰ ক্ষি, বংশৰ প্ৰাশ ও মডেন্ৰ আগ্ৰহাৰ ক্ৰিয়া ভংগন চল্য

ক্রিন্তির অবংশ কর্মান করার বাদ্ধানা বাদ্ধানা বাদ্ধানা বাদ্ধানা করার করার বিষয় বাদ্ধানা করার বিষয় বাদ্ধানা করার বিষয় বাদ্ধানা করার বিষয় বাদ্ধানা করার বাদ্ধানা করার বিষয় বাদ্ধানা করার বাদ্ধানা করার বিষয় বাদ্ধানা করার বাদ্ধানার বাদ্ধান



ভদি চানভিস্কাষ কলং বজাতপংক্রিয়াঃ। দানক্রিয়াশ্চ বিবিধাং ক্রিয়ের মোক কাজিকভিঃ ॥২৫॥ ভারতকৌমুদী

भारतियों नेतान सुन्त विकेष्टात्रात्ति स्तार विकास । निष्य करिया स्थार ने प्रश्ने का स्थार के प्रश्ने का स्थार का स्थार कि स्थार कि स्थार का स्था का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्था का स्थार का

হলিদি। নোকেরাজিন এটা নাটি নাম্পত্র ৮ কাল্যার স্থানিক থ অপুশিকা, কিবিদ এজালব্যি, নাটি কাল্যার্থ

ভারতভাগদীপ:

सामाय स्थिति मान्याम स्था है र स्था हुन्य हिंद है दिन स्था हिंद न राष्ट्र राष्ट्र स्था है स्था का स्थ

অভএব বেদবালী লোকের। 'ও' এই শব্দ উচ্চ বণ কবিও সাহলা বেদোজ মুজ, দান ও তপজা আরম্ভ কবিয়া থাকেন ১১৭।

क्ष्या क्षित्र क्ष्या क्ष्या

মুসুকু লোকের। 'ডং' এই রূপ ব্যাহ্র নাম উন্ভাবণ কৰিয়া কলকামনা না ক্রিয়া নানাবিধ যায়, তপাতা ও দানকাথা ক্রিয়া থাকেন ॥১৫॥ সভাবে সাধ্যাবে চ সভিত্তাত থ পায়জাতে। পাশতে কথালি তা সজ্জা পাথ ! যুজাতে ॥২৬॥ যাজ কথাসি দানে চ স্থিতিঃ সভিতি চোচাতে। কথা চিব সদলী ৷ স্থিতিঃবাভিগায়তে॥২৭॥

ভার ভরে ই মুদ্দী

े से किस्ता के ता निवाह त्यां निवाह नकता क्षति का कि विकार हार प्राथित के विकार हात कि विकार हात है कि विकार हात है कि विकार हात है कि विकार हात है कि विकार है कि

ভারতভারদীপঃ

में करणाहि पुष्ण इन्त कृति, इतु । (द्राच्याच्युक्त चित्राहित द्राच्यम्, ऐक द्राष्ट्र विभिन्न द्राच्या च्या द्राचित हित्राच्या विभिन्न विभाग क्ष्या विभिन्न हित्राच्या विभाग क्ष्या क्ष्या

ভাষ্থা — ত নেওবল ব পূ ক ক গতি প্ৰাইট ভিল বলিই বৃথিতে ইইবে ধবন।
আকুনা শিষ্টেরা বিভাসনেতা ও সাগুড়া আর্থে 'সং' এই বলোর নামটী
আয়োগ কবিয়া পাকেন এব প্রশাস্ত কার্য়েও তাহাবা 'সং'-এই শন্দের প্রয়েগে
করেম ১৯৪

তাপ্পাৰ্য — সংক্ৰম প্ৰান্ত প্ৰজ বুজৰ কুমান ক্ৰমৰ বিভাগন, সাধু ও আশত কাৰ্য জন্ম ইয় সংক্ৰমণ অশ্বন্ধতিতে পার্ধ ।

অস্তি সূচ্যতে পার্ধ । নাচ তথা প্রেটা নাইর ॥২৮॥
ইতি শীনহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈদাসিকাং ভীলাপকাণি
ভগবদ্গী তামামেকচহারিংশোহধ্যায়ঃ ॥০॥
গীতায়াস্ক সপ্রদশোহধ্যায়ঃ ॥০॥

ভারতকোমুদী

नश्च म्लाइदेवकरलाइणि व इर महिन्दि निर्देशका क्षण भाषण छा , उपा प्रश्चान कृषण क्षण क्षण हिन्दि रह भाषण प्रश्चान कृषण दिन्दार प्रश्चान दि रह भाषण प्रश्चान विश्वास क्षण कृषण दिन्दार प्रश्चान विश्वास कृषण कृषण हिन्दार प्रश्चान विश्वास कृषण कृषण हिन्दार प्रश्चान विश्वास क्षण हिन्दार प्रश्चान विश्वास क्षण है है।। इस इस अवश्चान कृषण विश्वास विश्वास विश्वास कृषण है है।। इस इस अवश्चान कृषण विश्वास विश्वास विश्वास कृषण है है। इस इस अवश्चास कृषण विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास कृषण है है। इस इस विश्वास कृषण है है है। इस इस विश्वास कृषण है है। इस इस विश्वास विश्व

होति स्थासत्यालान वर्ष लिखामिनिक्षण्यत् द्वेल-द्वेष्ट्राण दिविक्ति । ॥ ११ - व रशिकादार स्थानुक्तिन्त्रामस्थान । ११ सामानद्वित स्थायनग्रेत । ॥ १५ ६ विष्टा १ वर्ष दिस्तादा क्षायाल्याका ॥ १५ ६

ভারতভাবদীপ:

भाषाधिकः न्तर्वि । २ १६ भाषाधिकः भाषाध्या १८ हृद्वि । विश्वद्वा १८ व । विश्वद्वा । विश्वद

हिंह की बालकारि देन लक्कीरव कार्य एक उन्हों से देव देव देव है। इस अध्याद कार्य कार्

যুদ্ধ, তপ্তা ও দানে একা গ্রহারে পাকাকেও শিষ্টেরা 'দং' ব ল্যা থাকেন এবং ঈশ্রেপাসনার কার্যাকেও উচ্চারা 'দং' বলেন ৮০৭৮

ত্ৰেষ্ঠ — এখানে ভগৰাৰ পদ্বাচায়। শাহাৰ নামে হলিই চল — 'জে, দাৰ ও ভগলাপ্ত হিছে কাল, ম্যাভিক ৰ অন্ধান স্টালেশ হাজাৰ লাম 'ওঁ হল সং' ইং বা বে হাল, মাবিক ল অন্ধান্ত হয়।" প্ৰম্ভানপ্তিৰ অন্ধান " মৃত্যুলন্ত্ৰ হ'ব হৈ বি নাম্য লিখিয়াছেন — যাহাৰ এক একটা অব্যৱ এই কথা মাহায়।সংগ্ৰহ, সেই অন্ধ্ৰ নাম 'ওঁ হং সং' এই স্পুৰ্ব শ্ৰুটীৰ মাহ যে ব কৰা আৰু কি বিনিৱ"।২২।

অজুন। অভাতাপুর্কার যে যক্ত, দান, তপ্তা বা অন্ত কর্ম করা হয়, শিষ্টেরা সেগুলিকে অসং কশ্ম বলেন এব সে কশাগুলি ইচ্লো করা প্রলোকে কোন ফল উংপাদন ক্রেনা' ॥১৮॥



অপ্তাদশোহধ্যায়ঃ।

অবহুন ট্ৰাচ ৷

স্থাসিকা মহাবাহে। তত্থিজানি বেদিভূণ্। ভাগিকা চ হনীকেশ । পুথক্ কেশিনিয়নন ! ॥১॥

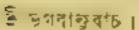
ভারতকোম্দী

छ। उट्छानमी भः

स्थार विकास कर राज्य के स्थार कर साथ कि दा के दिवसी एकी इस्तर के स्थार स्थार कर स्था कर स्था कर स्थार कर स्था कर स्थ

স্থাৰ্থিয় — এজন হা শিব এই বাজাৰ দুলা সাম্বাহা না আ বাজাৰ কোনা কাম বিলাম আইবিড লাওৰ না। অভ্যাৰ সেকাজে ইন্তো, কও লগা বাংনা এই প্ৰ লোকেও জালীবাধ কি হা না ২০০৮

অজুন বলিলেন — মহাবৈছে ৷ জলাকেশ ৷ কেশিদানকবিনাশক ৷ সলাকে ও ভাগের পুথক্ত ধুআনি জানিতে ইছে। কবি' ॥ ॥



কাম্যানাং কর্মনাং আসং সময়সং কবলো বিস্তঃ। সৰ্কক্ষেক্লভাগিং প্রভিত্যাগিং বিচ্যাণাঃ॥২॥

भाराहरको मुली

ভারত ভারদীপঃ

কুক শলিলেন—'পণ্ডিভেরা বলেন—কমোকপাছনাগ কর'ব নাম—'সন্নাস' আবির পণ্ডিভেরাই প্রকাশ করেন—সকল কপের ফলকামন্ডাগ করার নাম—'ডাগি'গংগ



ত্যাজ। দেশবলিত্ত্যকৈ কথা প্রাত্যনাধিন:।

যত দ্বৰণ কথা ন ত্যাজ্যনিতি চাপরে ॥খা

নিশ্চ শুন্ যে তাত্ত ভারিগ ভরতসভ্য ।।

বা গোন্ধ পুক্ষব্যাদ্ধ তিবিধঃ সংগ্রহাভিত্য ॥॥॥

ভারতকোমুদী

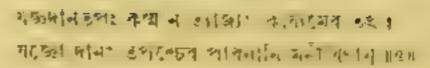
स्वार मार्ग्य प्रत्य प्रत्य प्रदेशमाला प्रति कि करवार हव व कार्ताना निकार र स्वार किला कि । एक नार्ग्य प्रदेश प्रदेश मार्ग्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र हैं प्रति प्रति स्वार प्रति प्रति विश्वास्त्र स्थानिक स्

ভাৰতভাৰদীপ:

ক্রেকিন্টা কাননার কালত কান্তক্ষালোর ন(ন—ক্রিন্তু ব্যানির্ধি ইউ, ধার কাল কালে কবিন কথা কবিতে থাকিলে, ভাততে চিন্তুর রাল্যেক্সি হিরেকি চাহন, ইবল জালে করে, সংলার পার মুদ্ধিতর প্রবাণ এসালে হ্যাস্থাতেক লয় যাল সাল্যাস্থানির অবাচন্দ্র বিশেষ তর্ম নাম্য

সাখ্যাচাধ্যের বলেন-- দোষগুরু কথা তালে কবিবে; জাবার মীমাং-সকেরা বলেন -মজ, দান ও ওপজারপ কথা দোষযুক্ত হউলেও তাহা তাগ কবিবে না গে।

कर्ष्यान्यान्य न्यापात्र विश्व श्राप्त विष्ठ श्राप्त विश्व श्राप्त विश्व श्राप्त विश्व श्राप्त विष्य श्रापत विष्य श्राप्त विष्य श्राप्त विष्य श्राप्त विष्य श्राप्त विष्य



कात्रक्षत्रको सुनी

ভারতভাবদীপ:

ভরত্যেও পুরুষ্পিত ৷ শেই ভাগেবিষয়ে আমি মহা নিশ্চয় করিয়াছি, ভাষা খাবণ কর ৷ দেখ — আচায়ের বলিয়াছেন ভাগে ভিন প্রকার এখা

্ত্রা হিনিধ সাহিক, বাজসিক ও ডাম্সিক এই ডিন্মুকণঃ । বা বসং

য়ার, দান ও তপজাপ্রভৃতি কাষা তাগে কবিবে না, স্বস্থ হাংগ কবিবে। কারব, মজ, দান ও তপজাপ্রভৃতি কাষা নিক্ষে বিবেচকসংগর পবিষ্ঠা কাক গগা

खार महिला - निया के निमित्रिक स्था भवन ज्याहर वाच नहे छ। हत हानी भाग हर्द्द (प्रत्ना, क्षांताहरू एक के दन व्यक्ति ५ १०, १००० व्यक्त व्यक्ति प्रतिस्थाप एक्सान प्राप्ता, क्षांताहरू प्रकार व्यक्ति स्थान



এটারাপি রু কম, নি সজা টাক্ কমানি চ। ক্রবানে হৈ যে পান । নি ভিচনা মন্ত্রম্যাচাঃ নি তাল হু সল সেং কমারে, নাপেম্যার্ড। নে হিল স্থানিতা, ভাষায়ে প্রিকী, ভিডি । ১৭॥

ভারতকৌমুদী

एडिड हावमीर्गः

গাজুন। হলের প্রতি মাসজি ও ফলের কান্ন, পরিসাগে করিয়া এই স্কল কাথ্য করিবে, ইচাই উভ্যকপে নিভারিত আন্রেন্ত ॥লা

क्ष्यिक्ष्णि -कार्य क्षि सम्बद्धाः क्ष्यक्त-स्थे स्वयं प्राप्ति क्षिति । स.नेद शेष स्वयं किष्य (मध्निष्ठ न नव प्राप्ति । स्व क्ष्यक क्ष्यक — स्थार स्थे स्वयं स्थानित (स्वरेक, देरे क्षिक स्वयं । यात स्थान स्वयं । प्राप्ति क्षित् द्वना देव भूष्टि बहुद्धान देव, ११ आहे

फ.विनिहार सद कचा कासरक ध्या हार**क**्ष म क्रा अक्षमः आंशः देवत आंशकनः सर्वद का कर्शितिहान यथ कथा निगडा कियह रव्हरून । । हा छा। मन्न कल्ट्रेक्ट म हाईपः महिद्का गरे, ॥३॥

ं ভারতকৌ সুদী

ক্রব্যানিকি প্রাক্তিকা নি কলা সংখ্যা পরিক্রের, বং সকলে পালিকি স্কু করে খ্ল দিকাশি বোধাস্থক

विक्तित । भूति हरू न त्रा त्रा त्रा विकास वर्ण प्राप्त कर व भूत्र के देशक र । इन्द्री र एट र इस्लाबक वृज्ञी राज्य र उर्वाचन वृज्ञ 105771-25

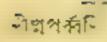
ভারতভাবদীপঃ

মুদ্ধেতির ১০০ পূর্বক নিত্রতারতার হাঁজে কুম্ব সভাস আন্দান বাংলার হা मुकारेड क्या के प्रतिकार एक स्थाप के किया है है। उन कर कर कर क्या का स्थाप के पूर्व भ रायुन, भानत येन अपन्यत्व । कारन प्रतिक प्रतिक । १९० वन प्राय्या Transparence to the terrest of the t कि मुचित्र मुक्ता नव न का लाक्ष्म कर्म देव चे का विकास के अनु रेस् पुत्र देवता काता तेलु । पार. मार प्रमहरूरायम् । यह या प्रस्केत्रायः । प्रदेश काला । या प्रदेश भावना गडे हे के अक्रमाच्यान कर्णानीत के कालाई लेडाई अध्यक्ति काला करताहि 48 कि विश्ववित्त्रम् एक करते कि देशन मुख्य तक मुख्य के देशन के नाहि । इता मूक्ति कार कर्राष्ट्रचिर देवत व दारि, दिन करते है दलक व स्टब्र र ने र ने या के तदरहित

বিভাকশ্যের প্ৰিভাগে স্কৃত চুট্টত পাৰে না, ডগাপি অনুবৰ্গ , য ডাহাৰ প্ৰিতাগে, ভাটোকে ও মলিক তথাপ বলে ১৭৫

現代之間右手一気を有象のなるはなるとなるない コーニ 日のの事をを見るすり अहे कथा करिएक १९१म कामाज्य इहेर्न हेड । विद्रा कामाइमान छर्म যে নিৰাকশা ভাগে করে, (, সই ভারেগর নাম -বাছসিক শাগে কেন না,) সে ভাগে কবিয়াও মাতুৰ ভাগেগৰ ফললাভ কবিছে পাৰে মা মদৰ

क्तिक कार्या - व वाहरणद स्थ्य निश्वका आता कांशन कि व व वहालामि कारक विद्यो विक् सुक्षि हर्म , अस्त्र काल्य इस्त रे. भूकित रे. में स्वर्ण राम स्वर्ण राम िप्तिके हुँके प्राप्त क्षत



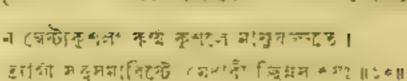
ভार इस्को पूर्वी

विभागनाम भिवित नामन्द्र मा १ ६ ६६ दब्द्र मा द्रम्म प्राप्तमं क्षित कि विभाग के प्रमुख्य के प्रमुख्य के कि विभाग कि कि विभाग कि प्रमुख्य के विभाग कि विभाग कि कि वि विभाग कि व

ভারতভাবদীপ:

देनदेवरको। २ वृष्ट्यन्त नाम भवत् । १५ फ्षितं धनाकृष्याधितं । जोक्षिकर বিবেজিনাং প্রত্রাভিত ব্রাভিত ব্রাভিত এবনা ছবি উপ্রাশ্বে বিবেজিনাং করুছে প্রভাতি উ अरवार मात म तथन है के अवन अर्जु अर्जु कि अर्जियाम के हि। यह पन यूना मार्जिक पिmiges griedinare intrinite ginner miger farfeit und faun fager fage forung क्षद्रपुरुष्याचा २ ६ क सार त्यासाम्य । ३४१ **७ अस्टि:—"वेश्वादाधाविमः अका** प्र भव्रवस्थान । स्वतः व्यवक्षा वाच व्यवक्षा प्रवासक्षा । ज्ञान्तः अभार्षः विकार ৰ পুন্তে দিলা বং পান্ধ নানা বুল স্থা স্থানা কোন কাৰ্থেন স্তিয়াৰ স্তিয়াৰ ক ভূষৰ কাজু ছংক্তিন লগত বলল ভূপত বিশ্ববাৰ ভূম জুৱা মাধুৰ, সঞ্জামাক ধৰী কণ্ড স্থিকৰ ল ক্রেলি, তার আন্ত্রতাংকি কুম্বের তার গছার ইন্রেলি এবং ক্রেলি বিজ্ঞানীনি कपुदारिकाल राज्। कुछ रखन नवरत्यका व कविशाहित। व्यवक्षित्यक्ष उरताचा सक्य ন্ত্ৰাকাৰ, প্ৰিয়ণ সৰ্পত্ৰ হ। প্ৰাজ্তাৰত কথাৰি ভিড, বিশেক্ত সন্। । এশং আহি म कुर्युर मांक्षा न याचा विभाग सामार वार्षा के हा । हेन्यूबर भूत्रपुर व्यवस्थ स्थापन । व्यवस्थि स्थापन कृति इ कदा ॥ र च क अल जिल्लामाः क स्वत माधि किः आकृताविधि छ्र अ अ आदे ভব্ৰধ্বনা হৰুত্ব কৰা, হ' কাম কি নিজ্বজ (ব্ৰেন্ড্ৰাপ্নাস্থ্যাম ৷ তথা চাপ্তম — "इन्द्रिक रह पान प्रानि मान करता ने मान के मान मान मान करा नाम करा नाम स्मान मान भागा भागा রুদি। আত্র্যিক কর্ণান্ত, না স্পাতি, অকর্ণে প্রেরোজ্যুর। প্রিরেয়া প্রায়েশ্রে শ্রিতার, ও বৃদ্ধি ১৯০৭, সাল্পার পণ্লন্দ্র, ১° টার্ল্লিনা 5 নিম্বাম্পি কথ্যে ফলং

মজ্ন। 'নিত্যকশা সৰ্পাক্তবা' ইছ ভাবিয়া যে সেই নিতাকশোৰ ফলের প্রতি আমতি এব' ভাছার ফলকাননা ভাগে ক্ৰিয়া নিতাকশী ক্র হয়, সেই ভাগের নাম সাভিক ভাগে হয়।



ভারতক্ষিম্দী

ভারতভাবদীপঃ

PUTCH ATT TO A A A A A CAP CAP A A A A A A A अभाव भी यो तह राष्ट्र के रूप राष्ट्र व भूग्या र पूर्ण के किया र स्वर्ध ह A SPECIAL SPACE OF THESE SPACES AND A SPACE AND A SPAC िहिल्ला क्षा के क्षा के के अंद्रांश के प्रवेश के प्रवेश के कि लिए के के प्रवेश के की कि 林俊新作品 不 我 我 不 不 海龙 高电子 不 电 五 化 一 五 中 一 門 the policy of the property of 49 mer representation to the second Eld + 20 c oc cab + com 2 m. dic + francis comment of the second grant bear and an arrangement of the against the man to a first the agree of the first the all form of for weather the the second to the second the second that भव न क्या भ वाक्ष । अ मा ६ मा १ ८०५ - १ न्या देश है । ५० अदिनार कृष् कर्मात्र करून से वृत्त प्रकृत प्रकृत ताल विकास अवस्थित प्रकृत ेवचे प्रसम्हद्वेष प्राप्त । अनुष्यंत स्वर्णात्र । अवर्णात्र स्वर्णात्र । अन्तर्भावत्र स्वर्णात्र । 野村的 1 一個 3、日本 李明十日十四十日 万五十 5 十 5 十多十日日 11 日本 可以2000年 在1951年 中国 1951年 1951年

ভাগতিক কিন্তু লিক কাজ ইবল । সাধ্য কৰা বাংশা কৰা কৰিছে প্ৰাণ্ডিক কৰা হয়, ভাষা নিক্ত ইবল । সাধ্য কৰা হয়, ভাষা নিক্ত ইবল । সাধ্য

মহি দেহত্তা শক্যা ভাজে ু' কামাণ্যশেষতঃ। যন্ত কামকলতাশী স তাগোডাভিনামতে ॥১১॥

ভারতকৌ মূদী

स्वत् विवेद्याप्त्रमण स्थापं क्ष्यानाम् साम्य क्ष्याप्यमानां देव (स्वामिनात्त्र स्वीपि । १०० हृष्ट । १०० विकास साम्यामा साम्यामा क्ष्यानि । १०० हृष्ट । १०० विकास साम्यामा साम्यामा साम्यामा विकास क्ष्यान्त्र साम्यामा साम्यामा साम्यामा साम्यामा क्ष्यान्त्र साम्यामा साम्यामा साम्यामा क्ष्यान्त्र साम्यामा साम्य

ভারতভারদীপ:

ষ্ট্ৰানি তি কাছে দুলা বিভি নৰ্থ নৈয় নাম ভাগেদ গোলান অন্যত্য , আৰি বাধানা গাছে লি নিছিনাৰ লোভ ভাগাৰ লোভ কাছে। সংগ্ৰেন্ধ কাছে গালি নিছিনাৰ কাছে লালি নিছিনাৰ কাছে লালি নিছিনাৰ কাছে লালি কাছে লালি নিছিনাৰ কাছে লালি কাছিল। সাহালি বিশ্বানাৰ কাছে লালি কাছিল নিছিনাৰ কাছে লালি কাছিল। সাহালি কাছিল কাছে লালি কাছিল নিছিনাৰ লোভ লালি কাছিল। তালি কাছিল কাছিল কাছিল কাছিল কাছিল লোভ লালি কাছিল কাছিল। কাছিল ক

স্থিকু ও সংশ্যাধিত নাস। ওক ভাগালী লোকে, কেইজনক কংগ্ৰের প্রতিভ কিছেম কর্মেন। কি বা সুস্থাক কংগাড়ি সংস্কৃতন না ॥, ০॥

ক্রাক্ত প্রিয়া দ বৈও ধ পদিবেধ বাগা,ব্য ঘটক ন, তাই উমর বাগ্যন্ত ধ্রিয়ামের প্রায়র সময় মন কলানেও অসক তাইন বার্ধার হাত, করেনানা, কিবো ভূমজনক বলি। মহাবিদ্ধের সংঘ্ প্রায়ানের প্রতিভ বিভ্যাক্ষিত হাত সিংগি ক্রেনানার্থনা

দেহধারী লোক স্কল কাথা পরিতাগে করিছে পারে না। অভ্যব বিনি ক্রেত্র ফলকান্নামার ভাগে কনিছে পারেন, উচোকেই ভা,গী বল। ইয় ॥১১॥ অভিনেট্নিট্ৰ মি অৰু ত্ৰিবিক কল্পান, কলাৰু ৷ ভণতাতা[গিনাণ প্রত্যুক জুলরালিনা- এচিং ॥১১॥ প্রেক্স,নি মহাবার্গা ় কারণানি নিবেবি মে ৷ ষা ধ্যে কুতাত্তে প্রোজানি মিন্তবে সর্বজ্ঞানার ॥১ আ

छात्रक्षको भूगी

यःविनार सामानिविधवर्षकाविनाभिकाले, उत्तरा अञ्चल अभिता भेग १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ ইউং জেক্সালিক্স, মিলাণ ও ডা ভিনেপ্তানিত নৈত্ত, গণ নত হাকৰি ডি বনং কথানা माता ७१८। विद्वारत समार मा द्वार, विभाग कारण मा ६४ मार दिवस सामान-বিশ্বদ্ধি ক্লাভ্ৰাত, ১৮৪৭ মৃতিৰ তল জ<u>লাজ বিশ্ব</u>দ্ধি হ'ব ১ ৷ ২ ৷

ভারত ভারদীপ:

सञ्चलका के के कि के कि कार कार्य के अन्याद्य में अन्य के कि कि निवास के कि कर्मभक्त-भाष्यक्र के अभिन्न भाषा भाषा । भवन्य देश रामक सक्ष्य भिन्ना में अस्ति के हैं। के कार्यन कार्यापा के प्राप्त कर है देविता होते हैं। देव देव समूर्य कार्यास के परिवार परिवार মুখ্যকাষ্ট্ৰভাগ চৰ্বি মুখ্যেই সিল্ভু ল'ক চুবুৰ বা ত্ৰলা কড়ছানিমাল ७ व(६) धालु हु इक्तिक क्षित्र द्वान क्ष्यां तम है। । १० १ व मा का कार्यानिह न्तृत य कर्ण्य न द्व अन्य या अन्य अन्य अन्य र प्रमाण विश्व अन्य स्थाप न व्याप न देवता भूभाभक्षाति । । द्रमुख्यक, भिन्ना के दिल्ला भी कृदिति । ये के भू के मा अ मुख्यकार करेगा स्मार नि পুরাক্ষালার দার্ক রকা বিলেষ্ক সন্ধান। বেশিপ্র ক্ষিণা ভাষা তার নিজনপি সালক্ষাভিবেশ अधिकारि वामकृत्य क्रम्यनिम्बेरनम त्यालस्थापित्य पूर्व प्रकार वा साहा एका श्वतिक अविकृतिक त्राकृष्टि १६३१ । सन् श्वतः विकारमण्यिक १८०३ देवामाना उद किर इय जिल्डिन्टे सिद्धादारे पुत्र दाखनस्य जनविद्यापाद हर्डादमा, संग म चनुनेह क कुद्दि दिवासार समाव कुद्दे सव का बाद के कि हा महादेश कर विकास महिल्ला महिला मह

क्टांक्श्यां -मध्य भवन देवम कार इ, ल व वास महिद्दान अवत दलेकिक कार्गा उत्तास कृतिहास भारत सा । कारण, आवारभणाञ्च आत्म कृति स प्रतिह धार्कि कहे भारत में अहरत स्थापिक केया व देशम क'या क'तरक अधार फलकायना एनान कविरवारे छा है हव । ১১॥

কান্যকথকাবিগণেৰ প্ৰজ্ঞে অনিষ্ঠ, ইষ্ট ও তত্নয়নিশি চ এই ডিন প্ৰকার হশ্ফল হয় : কিন্তু ভাগী দিগের কখনও কোন কথ্যকল হয় না ১৯১০

তাক্পাঠ্য-মান্ত দল-প্ৰচাৱ পৰ, পকাৰ বুজন মধ্যেছতি বুলুচা, ইই ফল---দেবত প্রভাৱ হ হয়। এক মি'ল্লাক ফল ন্যাল্ড লভার । কিন্তু সর তা লাগ্র তাতার কোন फलहें हुए से! , कावर, डेव्हारहर मुक्ति दक्षांच साथ प्रवाहें कर से शारा

()७) शरेकडानि--इंडि कडिर शक्षि ।



द नड ना १ , दे हे दे दे हैं है न ने दे । विवस्ति पुरुष्टि हैन तिवत् व अक्षान् ॥ अस

ভারতকৌ মূদী

9 1 25 1 1, 14 6 414 1, (2 11 2 2 23 24 , 42 4 64 ment to the expense of the thing the first to 如本主义 十年 中 中國 大 新工物品 本人本 中 二十四日 山野 安仁的 ना कि मार्थिक के कि ना का का कि का का कि का कि कि कि का का कि का कि মে মম সকাশার নিবোধ পুরু ১১৩৮

A CONTRACTOR OF THE STATE OF TH "तर १५ त २९, १ b ६ १६ १६ १६ १९ छन्। er a character to a second a second a प्रमाणकार कर्णा भूद्राव क्ष्रांस. the second of the second of the second

क्षांबक कारकोल:

The second of the second of the second of the second the state of the s 有 医原状性病 大大 用本 医二 医子 医自治性原始性 医人 医阳子 明2年至4年5年 कण्य प्रकृतिक कार्या द अवस्थित अवस्थित विद्यास्था के विकास भारताच्या वा का विकास स्वाप्त प्राप्त सम्बद्ध । विकास स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्

 মহাবাধ অর্কা। সন্ত-ক'র্যা সিদ্ধির প্রতি এই পাঁচটা কারল ভরি আমার নিত্তী কাইণ করা, এছলি চর্ম'সভাত্তকারী সাখাশালে উক্ত 3 2 3 4 5 1 . All

कासमाना-नाम न हरू हैं। इह ने पह दाय दर्ग प्रशासन कर्तित ন ৷ একানে ক্লেপ্তেপ ন ন জন দি জোককক্ষ এবং নিতা নৈমিছিক ও কামারণ भारकारक कथा निवर इ इंडरन । अ



পাৰা বৰং প্ৰৱাগতিৰ্যন্ত কল্পে ১ বেচৰ ১ এক 👔 धारा व विभवाद व भरेकर इंड इंड इंड म.व डर्बंब ऑं र कंबॉबर कार ,कंक्- के पर 1 भित्त के हर्त अहम मा भागी - कुर्या - . . Sull

फारकरको भूमी

रका द्वे अस्ति। इव अभाव द्वार, र का का अरे, राज्य का क की रहेश व नवर्ग इन प्रत्य के, किन शाक्ष रहे हैं के सह नहीं देशवर्षको अवर् ७५% कथादव - ४ ५५ र एक राज्य काल्या कर्मा व उपराद के राज्य प्र भेटिक अधि गरीनक र विद्याप्ति गरीन द्वार द्वार द्वार के रूप रूप रूप

ভারেডভারদীপ:

िल्ला र इ.च. १८१ ते. दिल् च ८ ६९ १८ ११ १५ मा साथ है । दूरिल यू क्रिक्षे क छ । त्राहरू हा साहत्य नवल वल विकास के विकास का विकास कर अपने हुए विकास कर मृत्या प्रवर्षात् प्रकृत संस्कृत । यह द्वार प्रकृत । यह देव वद वद CASE GHE MALE MA HE TO THE SUPE OF THE THE ME TO SEE THE रिकार्शिक्ष्र कर्मा अस कद में कर इंग्लिम किन्स असे पन क्षेत्र में के द क्रायाण प्रकृष्ट ११० था ५ ६ प्रकृष्ट्रायण विकास स्थाप । १०, ७५७ भकाम र अमहमञ्जूरण, या विभूत्रीय अकता दिल स्व मह र द छोल्या है। डोना न्यं व क्रायांना भागप्रिका वर्षात्र । द व्यान व एक नोज व प्राप्त हो हन न कृष्टियान कर्या खड्टमहिलामात । ए इस र तिरह मेच के इस या निहिन्द

স্তলাপত, জ ব, নানাপ্কাৰ ই কায় প্ৰকৃপ্তৰ্ই ক্ৰয়েৰ নান্ত্ৰৰ বুলি ব जनः देशांत्र घटमा शक्त-टेमन १८९॥

医性医科型了一种,可可有特别是有一个有时间 医性 原有 医皮肤性性 电影中 केर्निमांच ए महारोजिस मान्या चार्या एक एक एक एक एक एक क्दि र अल्ला विभिन्न कर स्था करणात् हर भारति स्थापन हर का प्राप्त

भाष्य महीत, वाका स्वयन्ति क्रिया ना अलाग (य क्या कर्व, अहे প্রতিটিই ভাই র করিব চারে।

किरिमार्थी जनाम रहिन् करा रह हार एवं जिल प्रशास रहेर थाएक, गुला - म बेर्रिक, ब हिल्ल छ मार्गामक, अहा दिल कवत्व वर्षात दह काउन केन्द्र मान् सहार्थ के व



ক নাংলা, ৰা দাবেল বৃদ্ধিত ল নিপাত্ত । হয় বি স ইন'লে কিন্ ন হ'ও ন নিব্যুত ॥১ ॥

काबक्रको यूनी

ুক্র নাজ নাম্প্রাল কা ভালা করা করা করা কলা নাজ নাজ নাজ কৰা ছিলা 为 出作中 有人 生物 医水类 4十 点,我也像 大 好 医心脏 电影 高 1 知 生 有時 夏特里 电影好象 ন প্রতিসমূহ ন মরতে র১৮৮

तर र वर्ग स्वरंत र वर्ग रकारक स्वरंति, संदूर्ण, सिक्ष व प्रविधित सीस् un b ta एक देश होते से जिल्लाहर में क्षेत्र भागित स्वताल कुल्लाक्स - - न न देवरे हे "इंडर र न विन्द विद्यानिताल है र प्रान्द्र में कर्णक कर १९१५ र प्राप्त किंद्रम्य १० क्या घरम्य निर्मान्य ২ ক বি কর্ম ক্রম ক্রম স্থান পাছে, নাগ্রিক ভব ক, পর্কৃথারা भ व्यवस्था । इ. १० म. १ इ.स. इ.स. १ १ । व्यवस्था हा भ मा भारतीय हा नहीं स ब्याधक में केन्या वृत्र है, ह द्यापाय १, ११

ভারতভাবদীপ:

कि तर र पार र अप का रहा है। इस को प्रमुख क्यांकि अवस्थान का भक्ष र हो है है वार इक्काइयम एका इक्काय "र को इक्काइया मान्या है र मा र अवस्थ सम्माद्या व्यक्तिम् राज्या व व व व व व व व व व च्चा हा प्राप्त स्व सङ्ख्याहिन अवस्थान स्व मा , अन्तरन र्ष्टु — स्वटार्याक स भि र व पर नगर भरतमार समय नग पुर अर्थित अ कुन्दुविष्टिविष्टि राष्ट्रक रहिक्छक स १७४ ३% ६ । अनुभाव स्थादम में नेयादा अलग्न असम द ना, प्रांत एकारवाला छ এবং তাল ব্যাহ প্রায়ণ প্রায় পুরিবার, কর্ম নর্প। হ্রারের পার ই ব কার্য । চল্ল বিশ্য প্রথম সন্মত মাজতি। যাল প্রমাতৃতি বং প্রতাহন হল্পত আলু নাইছত। আহ্নির কুটোর্থক রুমান হাত কুটোর্থ চল্ড ছওল, না। হয়। বুলিনালেল রুভ আনহাবেন

এই-রপ হর্লে, যে লোক অস পুত্রুদ্ধিরনিবন্ধন নিজিয় আহাকে ক্রা বলিয়, এনে কৰে, বিবেছবিহান সেই লোক যথাৰ্থ বিষয় বোলে না ॥১৬॥

ভাষ্য প্ৰায় – শাস্ত্ৰ লাল, জনত উচ্চেশ ভাবিচ বছ বা মালাব বুলি পৰিবাহিত হয় म है, हाद एक "मन कुर्य के बरना अन म दिन दिन्द्र सर्दन ना, टम्हे आधारक 특징 4 학자 및 대 주소 및 시행 보니 135.

'অবিক্র।' এইকপে আখার উপরে বঁতার কর্ডাভিমান থাকে না, কিবা গাঁচার বুজি কথানিবন্ধন চম বিষাদে লিপু চয় না, তিনি এই সকল लाक यस करियां इ यस कर्तन ना वा यह इन ना 1591

জান (জন পৰিজাতা ত্ৰিবিধা কৰ্মটেট্ননা। क्रब्रंग क्या कर है डि बिनियह क्यूम ध्रह ॥ ५५ ॥

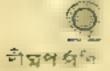
स्टाइक्केय्मी

"নহতিব নিজধারে" উপেয়াৰভূপপদেবিতুল'ক জনন্তি। জানম্পন মণেগণানন-বিভি বোধন, জেলে কৰিলবে চনকি, পৰিকাৰ সভালন এই কাই কাই বিলিধা क्षार्कानता क्षाप्त कर्षा । इस्ति " इस्ति कि का सरकेका नवसम् इति भूकिया । भार । अवस्थायो , १५ मन अवस्थायक विविध्यान वर्गात्रमा प्राप्त कर्ना प्रशासाच के नेमिन्तर कर्त वहर कृति केका लेखा लेखा नेका नेमिक कर्त । देश करता प्राप्त कर्ता मधानि, क्या कर्तुः भित्रकृत्यः १०%, सक्तु वृत्यः कि. अ. १०% कि. ८० दिनितः क्षणानाहः मानुसारक आव उम न म हे दि आगत, वक्षण म शह, क्षणानाह, क्षणान निष्परको शासर्वन धारायन एडेगान, यमानानान सह मार्क कर उप न छ न छन्। क्रव्यक्तिमार भरकीयराष्ट्रव दिश्वरदाक्षक । १००० व्यक्ति व दल्ल व्यक्ति वर्णा व व्यक्ति B भवता नेपार्याण माध्या अटिक्सिन तमात्र हेका का १६७०

कविक्रभावनील:

ব্যিকার জবতি হক্ত বুংখ্যানিবিজ্য হুনং স্থাত বুলিবছা কণ্ডার নাহান द्यानावरथ हे ह कहारहर नियं किविनियाम । एक ह र ुष्टाल्य रचन १ वृष्टा न अध्यक्ष है। व वृद्धि एवं १५ वना अन्य व १६ वक्ष विकास विकास विकास वाक्षा है। विकास व सम्बद्धारम वावहर द्वेरिक दुवानिमामनोग्नरवानन (सङ्क्रमान स्वास्त्र) (हर्दान अ ইনিংলোক।এ তথিন নিৰ্দ্ৰে ইতি হু প্ৰিংহে ক্তুল্পৰ বুলন ধ্যাহ। मिष्टिकार्यः केन्द्रकृति वर्षि हासम्बन्धारा अध्यक्तिक त्राप्त्र । अधिक केन् । १ का हास অব্রিক্ষক ভূমণ ৯ বংলাক ভণক মে সংগ্রিক কার্মিন নলি নজা সংলোগ হাত্র কার্মী সং क्रिक्या स्वाहित्यक्रिल संस्कृत्यिः ≱३, धनतम अनेत्यः – च अन्यान ४० तः ५१ ० अर्जाह क्रिक्टकुरी सम्बद्ध रहे हे व अवश्विम में भिरुष्ट में उठका। सम्बद्ध से दिन का गण्यम ने देन कर ने स्त्री यो श्राहित इंक कुर हे सेन कुन स्वाहत है। यह है है व के कुन के के कि कुन है के कि মাত্রে কোনো কার্যামার্ক, না কার্তিক না ১৯৭০ সাল্পিক কার্তিক কার্তিক সন্ कि निम्मा क्षाप, कर्ष, क्रवंत, क्रवंत, क्रवंत, क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत क्रवंत खानाशित के प्रमाणका । अहे कृत नाम, चलापुका देव के हिंद । छ कि ह ८६ कृतुक्रमश्रम् करित । भन्य एका कृत शक्षात् य वेदेव अर्थनुवित्र राज्यको । अर्थ अस्त्रीय विक्रित, के के पर, भूतिक (प्रांतिक प्रांतिक प्र क्षांद श्रुक्षण एक कृष्य ने विद्यास कृष्ट्राया कालम् क्षांक्याणि कृष्ट्रा वस्य । अध्यादन प्रवास प्रवास

कार मधी।— बक्रिकेट मकल काणा करतन, यादा, विकृति कारत न । सहतार चांकृष्टिन विश्व करोत् बाला व विश्व करा कटोर स् प्राप्त कर कर कर का भारत या छात यक रूपन अमधन १३ वर



स्वारक्षात्रकोशः

िकिस कुण्य राज्योत साम्ह्रा वर अवस्था साहित्यो की राज्य का वा स्थित है। Shall Be to seem a regard and a region of the ent of the a new transfer of the season and the season of the season TO A 1 S A PART OF A A SOUTH A PART OF THE The sold and a sold a sold and a sold a sold and a sold a sold and a sold a sold a sold and a sold a sol want to the same a second of the same and th त्र व र र र म र म , करें , क्षर कि क्वरियमा कि नू एवं क्षर्म , का तर का कार के प्राप्त कर का अध्यक्त (चारा क्षा का का का क्रम कर भर क्षा कर सम्बद्ध का भी केवल स्वता कर कर का का कहा वह दिवि है सरहस्राध सर cargod said - no b & for the expect for my a for the comment of a state of the state of t with the term of the term of the term of the term Be for with an season we take a final water with the the second second the second seco to the second of to a great the second of the territorial transfer for the territorial tran 人名英克特克 化光色 有人 化石 医内 有人 知识者 "我没有 化二种对抗对象 ed a programmed de la companyate de la c िक्ष का १९६ - १९ - १९०० का अन्य मार्ग अवस्थित वर्ग सहिला का

কল্ম প্ৰথম হিনা প্ৰণ, যাথ জনান, চুম্ম ও জন্ম। এব কিলাল আৰু কল্ম প্ৰণৰ বিনা প্ৰণ, যাথ কল্ম, কমা ও কল ১,৮৪

জ্ঞান কর্ম চ কর্ত। চ ত্রিবৈর ওণতেদতঃ। প্রেচিতে ওণসংখানে ন্ধাৰ্<u>জ্</u>প তাত্পি ॥১৯॥

ভারতকোম্মী

উপাধিধ্যতিবেক্ধাস্থানা গুণ্মখনে নাজাতি দলাতে অমান নামাণ देइ বিশ্বাহার জানাম্ভি । জালা, সক্রজন্মাণ্ডি সন্তু আ তার জান আছে এ জালা माणाना माण्याच प्राचित्, प्रानाम महत्वप्रताम (५४७), 50 मा ८५०, द्या १८० b. स्थावद भुगू १५३१

ভারতভাবদীপ:

5 द्वित्रम् । इत् कान्कायन्थाः ककन्द्रिन्द्रम् । अवन् कथन ध्र कथ स्ट কাটো হাথ, ৷ তেলা আনে বিষয়প্রকাশনপ্রির । ক্রেরা বিষয় প্রকাৰ আনুষ্ঠান প্রা CSITE , जारेन्द्रण कथानि क्राट्स्टिन्सि व 15 वर्ष । ८३१ प्रमा इ. अ. क्रम अर्थि भाग्य निर्मित एका कुट्यन अक्टूबर अन्युक्त केंग्रह नामा । पार्ति कि का नामा, नामक विकासिक्ष विकासिक्ष स्वरूपक का भूदेरिक समाज्ञा कार्यान, काबुरका रदेश अपूर्वना रदान्य । जाला विकास আনুষ্ঠা মুখিবকারণ প্রাকৃতির ভারত নাল্ডলাগেলের পার্কার সামান্ত করে মানিক পর िक्षाचाः कथान्त्रवाद्याद्यः मुध्यम्। कपुरकित्रियादगान्तः कियाविकाव्यवादान्यवादे । वाचन (भागप पुर हर) एए का ना क्षाचाननिकार्यात १६४ विद्यांका महिला क्षाच ना ना प्राप्त শেরক্ষি ভত্তত্ত্ত্তাকুর্তারেশ্বেক্রনের ভূতিবর্ণে । তের প্রার্থেকের করে এ ন নিম্নির প্রিজ্ঞাত ক্ষু ডৈক এরেবলি প্রিশিট প্র, তেল্প সংক্রের পার্জান্ন বিভাগ হায় लारथ एका,कर्यप्रयोष्ट्रकृष्यायुक्रेक्षायकञ्चलाः अधिकान्यार्थः छ्यामारयय अधिकानः विकासका বিধবীত অণিক্লীতে—ক্সামিতি। কালা কথা কমা কমা হৈছে ছেলেৰ জ্বান্ত্ৰতিক। म १६ ८६० कराय । अयुम्पशादम का चिरल अ १६ एक प्राणि को उक्का अपा । अप प्रथा কাণ্ডি ডে প্রতি ওভা: সংখ্যুত্র ২ , ভারতিক সংখ্যকত গণ আছে হ জং প্রতি জল রুজ উদুসভাষ। ভিকামের স্পর্গ , ব্যক্ত প্রতি স্পত্য-উচ্চর যা প্রসংগ্র সংগ্র ভাব वा। भाग है कि काणिनामार एकएक इन्द्रांकिंग देवविभाग छन्छिन्। काणि छान्य स्व अकटेकर भुष्टम विविद्यहर्षम श्रीहरू श्राद्यांत्रस्य, ज्यांच भवस्र । भूष्टं क्रवावस्था निया ने याद । अहा महिला के कुम्प्रदाहित्य अहा देश महिला महिला महिला है। अहा महिला महिला है। क चुक्र कहरियु म अकाल है डिम स्थव करशकिविवय व १४, ६८७ अवस्थि:

काकृत। माध्यामारच काम, किया ६ करी अहे दिनतीय प्रायकी कहे স্বাদি গুণ্ডেদে তিন প্রকার বলিয়া ক্ষিত হইয়াছে। তুমি ভাচাও ম্থায়খ-फार्रिय अविश कर्न ४००४

তাৰ প্ৰায় –নিকের কথার বিশেষপ্রাধার্শিন্ন কর্ট সাণ্ড লাগের ভালের করা स्ट्रेन । कन्ट्रब्य-मन्, अस स महामाध्यान मध्यम्बर देवम्या १०२०

স্বাধানত হাত্ৰ হাত্ৰ হাত্ৰ বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব স্থানিক হৈছে ।
আবিশ্ব বিশ্ব কৰা কৰি কৰা কৰি কৰি কৰি কৰি দিবলৈ ।
কুন ব্ৰেন ভূমজ্জান নানা দাবাৰ পুৰ্মিবলৈ ।
্বাধ্যাবেৰ ভূমেন ভজ্জান বিভিন্ন কৰ্মান্য স্থানিক

ভাৰতকৌমুদী

्रक्ष स्थान विषय । इस्य राष्ट्रिक स्टब्स प्रान्ति । उप हर्ष्का स्टब्स स्थानिक स्थानिक प्राप्ति । उप हर्ष्का स् इस्य प्रान्ति । उप हर्षे क्ष्म स्थानिक स्थानिक प्राप्ति । उप हर्ष्का स्थानिक स्थानिक प्राप्ति । उप हर्ष्का स्थानिक स्

ভারতভাবদীপ:

म्मार । ता १० १० १० १६ १० दिवसा वर्ष छ दिश्व छ स्वेद्दिन इत्या छ स्वाधान स्वा

মার্য যে জাণ-ব শলে ভির ভিররণে অবস্থিত সকল আগাঁতে অবিভিন্ন, অবিভিন্ন ও জন্ম দিবিকারবিজান আহোকে দেখিতে পাল, সেই জানকৈ ভূমি সাবিক জানে বলিয়া অবগাত ৪০॥১১৮

তাক্ষ্পিয়া— মুধ্বর মালার প্রায়ার ক্রিটারে চেন্দ্র একর ছি করা সংক্র থাকে, মেইত্রস ছবারের প্রায়ার প্রায়ার একই আয়ার সথক আছেন, এইড্রস্ক্রান্ট্রাফ্রিক জ্ঞান । এই জ্ঞানেই বুক্তি হয়, স্থার রাজন ও সামেল জ্ঞানে সন্ধ্র প্রতিয়া যার বহন। মত্ত ক্রমেবদৈকধিনে কার্যে সভ্তন হৈছুক্স। অভ্নাপ্রদল্প ভত্যসমূদকৈ হয় ॥২১॥ নিমতং সঙ্গতি ভ্যামান্ত্রতঃ ক্রম্ব। মত্তবংশংস্থা, ক্যামত্ত সংক্রিকস্চাতে ॥২৩॥

भारकरको भूमी

हैनान्त क्षाता देवविव क्षित् छान्य माहिका क्षाता विकारित । व क्षा, विकार विकारित विकार क्षेत्र, भाषां क्षात्र विकार मान्य क्षात्र कार्य कार्यका माना नात्रा है। कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका है। कार्यका क

ভারতভারদীপ:

বাৰিষ্ঠন হাত নিজাঃ ১.০ ব আন্ধান কৰে কংগাছ দেৱা আন কাৰ্য কৰিছে প্ৰিয়াল কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰি কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কাৰ্য কৰি কৰি কাৰ্য কৰি ক

সাত্র যে জাত্রর বর্গ দেকের পাইকারশতঃ ভিরভির পাণ্ড ভির ভিন্ন প্রকার বভত্র আহা আছে বলিয়া ধারণা করে, সে জানকে ভূমি বাহস কান বলিয়া অবগঞ্জ ও ৪২১॥

图12时前了 这三年中 \$14-1-24年日,罗克尔· 至2 2年 4 4 4 4 4 4 12 12

'এই শ্বীক্টিই আর' এব 'এই প্রতিমাণানিট প্রমেশ্ব' এইচাবে কোন একটা শ্বীবে কি বা কোন প্রিমাপান্টি পদাপে ম জান সংক্রিষ্ট্র স্থায় সংলগ্ন থাকে, যে জানে কোন মুক্তি পাকে মা, যে জান বিখ্যা এক যে জান অর বিষয়ে নিব্ভ পাকে, ভাচাকে ভাষস ভাল কলে ॥১১॥

क्टरेक्ट भाषा । — यह सार अपन सम्बद्ध में मात्र पाला है। एउन प्रधाप पिया प्राप्त १२२३

মত্ক হৈ পদ্নাক আনাহত চৈৰ বাপ্ন:।

ক্রিচেত বহু বাবাদ ত এক জনমূলক হয় ॥২৪॥

অনুব্রণ কাশ হিলামনপ্রেক্ত চ পৌক মন্।

ক্রিচালির ভাতে কাল মত ভানমমূচাতে ॥২৫॥

क्षांद्रक्र(को मृत्री

हर त्याह तह कर कराष्ट्रक कर भन्याहास इस आधार आधारित्र हरून, ५- १९६६ भष्टा से अप १००० इस्तीय स्थापित्र देश कड़ी, यहन से भून त्याह देश में १९ वस इक्तिश्व, एमें कबा, बाज्यक्रास्थ्यू केस्ट्रिक्शिक्ति । २११

ভারতভারনীপ:

মাহা 'নামা ব, নৈশন'রক, মাহাতে অরজাবের স্পাক আকে না এবং মার্থ মলপানী ইউছে 'কাবা বাগাবা ক্ষেবলত, মাহা না করে, সেই ক্ষাকে সাহিক ক্ষুবলা হয় ।২০।

ক্ষেত্ৰপ্ৰায় –এইডপ সাহিতকাম মনের বাগাছন লি ভিৰোহিত তাওয়ায় মন শুদ ইয়, অসম জ্ঞান কমে, ভংগৰে মুক্তি হয় ১৯৩১

নাও্য কলপ্রাট কিব। অভয়াবস্ক ভট্যা বহু পরিশ্রমে যে কার্য্য করে, সেই কাষাকে রাজস কর্মা বলে ১০৭।

তি হিশ্বা— এই রভেদক থে। নান কান বংগা ও ক্ষেপ্রভূতি থাকে বলিখা মন অহল হও ও জন জনান কুড়বাং বছ খাকিছা হয় ১০৬।

ভাগী অসকল, শ্কিলয় ও অর্থক্য, পর্লীড়া এবং আপ্ন শ্কির প্রাা-লোচনা না ক্রিয়া কেবল মেহিবশভঃ যে কার্যা আ্রেছ ক্রা হয়, ভাহাকে ভামস ক্ষু বলে ১২৫। নুজনকৈ হিনহণবালা পুতুৰে লাহসমন্তির ।

শিকাশিকোনি বিশ্বারং করু। সাত্তিক উচারে ॥২৬॥
রাগা ক্থাকলপ্রেপ্যুর্কি। হিংলাছকো হুছি: ॥২৭॥
হুম্পোকালিতং কর্ডা রাজসং পরিকার্তির: ॥২৭॥
হুমুক্তঃ প্রাকৃতঃ কুকঃ শ্রে। নৈলু বিশেষ লাহ।
বিষ্কী দীর্ঘদ্রী চ কর্ডা তামস উচারে ॥২৮॥

ভারতকোমুদী

মাৰুন ক্ষা বিধান বাধন্ প্ৰেমণ কৰিবল ক্ষাত্ৰত মুগ্ৰাণ ন্তৰ্ভ কৰা কলাস কৰ্মন সং, না মহনিধি কাল বিধিত জনহাৰ ল' আহম কাহত, তুল লাম্ম ইন্সাহ উল্লেখ্য সেহত ক্ষাৰ্থিত, সিদ্ধানিক্ষাণ ক্ষাত্ৰত নিশাৰ্থিত না ক্ৰাৰ্থিত সংগ্ৰহণ ক্ষাত্ৰত ক্ষাত্বত ক্ষাত্ৰত ক্ষাত্

বিজিলা কটা বন্ধ কাবে, এ। কথা কাম কুলচিত, আমত্র কম ব্যক্তি হা কাম কি নি, বুজা প্রথমিক লিয়া, জিলা প্রক্তিজ্ঞান্তি আমত্তি মন এই লাজ লা, আমতি প্রিমাণ্ডা, কম্পুলালিক্সায়ে এইপেনাকা বিজ্ঞান কম ব্যক্তি স্থিতি ক্

ভারতভাবদীপ:

क्षेत्रम कपूरेद्रविभागात—भूकात्वासिता भूकामकात्वाका विश्व विष्य कर्ण विभाग विभाग विश्व विभाग विभाग विश्व विश्व विभाग वि

क्षित्र भाषा । ११ जन दृष्या महत्त्व द्वर पुत्र १२१३

ফলাসজিবিচীন, মাচকারশ্বা, ধৈষা ও উৎসাহস্কু এব ফলেব সিদি ও অসিদ্ধিতে নিবিকার কঠাকে সাহিত ক্রা বলে ৪২৬০

ক্তাত প্রামানক লর সিভি ও স্থিতির নি বিকার—মধার জনসি ও স্থান বিকার এবং মূলের অসিথিতেও বিবাদস্থা ১২৬৪

কামযুক্, কথাফলাখী, লুক, হি প্রসভাব, অপবিত্র এব ফলসিভিতে চহযুক্ত ও ফলাসিভিতে শোঝাসিত কথাকে বাছস কথা বলে ১০০

ত্যুক্ প্রায়—এগানে অভিচিশক আন্তর্তিক অপবিধ বর হউবেন করে।
হাণী ও প্রিম, ছাকল্মেট আন্তর্তিক হাগ ও বেব পান্যা আন্ত, নাতা গালিকেট আ, চাম্বিক অপনিত্র হয়। কাহতো এ ছানের মন্ত্রিশকের অস্কান লাল কর্ম হাতিহেও অপবিভারত্যা

(२६) भारत रेसकृतिस्काक्ष्मका वा।

বুকেনেশন পূৰ্ব হৈছিব ওপত জিবিবা শৃণ্। জোচনমান্যকোষণ পুথক্তেন ধনজয় । ॥২১॥ প্ৰস্থিক নিৱাভক কাইনকোটো ভ্যাভায়ে। বুলা মোকাও যা বেলি বিভিন্ন, পাৰ্থ। সাহিকী ॥২০॥

ভরেত্রক মুনী

হয় কৰা হাত আৰু কৰা আনুকা কথা আন্নাহে হৈ, প্ৰকৃতি, আৰুত, আনিকিছে, কুল সংগ্ৰহত চুক্ত পি গ্ৰান্ত, ক হলক বা, নৈক্ষিক, সংস্থিতিক্ষেক, আলম ক কম গ্ৰাহ্য বুলা, বুলা চন্দ্ৰ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ আনুকাৰণ প্ৰকৃতিৰ দিল কুলান সংগ্ৰহত কলা, কুলাৰ হুৱা, কুলাৰ ক্ষাত্ৰিকাৰ আনুক্ৰীৰ বৈহিছিল নাম্য

হান বা হাল বা এক হিচাপে সাধিত নাগল বাংগলিক হাল প্রতিপ্রথণ সাধান নাল্যালয় বাংগলিক হাল বাংগলিক হাল স্থানিক সাধ্যা বিভাগ স্থানিক সাধ্যা বিভাগ সাধ্যা

•६ के रहा कार्यन ने के प्रतिभाग के से ध्रम्भ में के लेगा दु क्रमांड प्रदृष्टिनिर्दित । इस विद्या प्रतिभाग स्वयं के रहे के तु व्यक्ति व स्वयं क्रियं प्रदेश के क्ष्यं क्ष्

ভারতভাবদীপ:

কাংগ্ৰেমনেশ্যণী, মনা চাল, অন্ধন্ত, কাংস, প্ৰেরে ব্ভিচ্চেদিক, অকাস, বিষ্টাদ্শীল ও দ্ধসুধী কওঁ কে ডেমিস কওঁ বলা ১৮৮৮

re- (তে পার্মা) । কড়র এর বির্দিশ । মনুসারে জাগারও হৈবিদ্যু জানিকে গ্রহণ।

আহেদুন। সহ, রজ ও ওমোধংবের ভেদে বুলির এব বৈধ্যারও ভিন প্রকার ভেদ হয়, সে সন্ধ আমি পুলক্ পুলক্ ভাবে বলিডেছি, কুমি ধাবণ কর ॥২০॥

তেপ্তেপ্তিয়ি— শ্ৰেষ্ট কুমি ব্ৰাধাৰিকী, ৰ হনী ও ভাষ্টা ধুকি একৰ



যয়। শ্রান্ধ্রাঞ কার্যঞোকার, মের চ।
অনুধারৎ প্রজানাতি কুজি: সং পার্থ । ক্রান্থ্রী ॥০১॥
অনুধার ধ্রান্তি যা মহাতে তুম্নারক।
মরাধান্ বিপ্রী হাংশ্চ কুজি: মা পার্থ । তাম্না ॥০১॥

ভারতকৌ মুণী

ৰ ক্ষা বৃদ্ধিনাক কৰা নি এই পাৰ্থ মতা । বৃদ্ধে সংগ্ৰহণৰ, কালাৰ আৰু চি কাৰ্যকাৰ কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰা কৰা কৰিব কৰা কৰিব কৰা কৰিব ক

জাসদাংশ কুনিনার আদ্ধানিতি । আহি লি মান কিনি ন জন শাস্ত ন ন, দিবং কলালে কুকু হাস্চাবেলে জম্। মন কুকোলা । ১৯ সাল বা সংকলাল নাম ভাগন বছলাকালে শাকিছে, মাকুলি, আন্ধান কাজুনি হজা সালে, স্কলি কি স্থানিতি, সালি বালু, সকলা বিষয়োজন বিস্কোশন মকুলে, সাকুলি, সমান বাহন

ভারত ভারনীপ:

লিবেলিভাগনিকলে। ক্ষেণ্ড কুলিস বল আপোন সকল নিন সকল নিন নিধা বাজনী উত্তেশা ভাষাভাষে কাষ্যাক সনি মধান বাজ নি কাষ্য য এই দি য বেন ও প্রাবাহ কার্ম কাম্ব্রেলিভাবেল। বৃদ্ধি সালাধান সংক্রিকা লাম। আন্নারহ সংক্রেজ করন ব্রাহা ক্ষেত্রতাহ লেভা আবিশান্তি নিলবাস্থানি শ্রিকার্সাল বল চল্লা

অফুনা মানুৰ যে বৃদ্ধাৰ। কথানা ও সংগাসমাৰ্থ, কৰবা কথা ও অক্টব্য কথা, ভাষেৰ কাৰণ ও ভয় ন, জন্মাৰ কাৰণ এব পদেৰ তেওু ও মুক্তিৰ হৈছু জানিজে পাৰে, সেই বৃদ্ধি নাম সংগ্ৰিকা বৃদ্ধি । বি

रक्तर्व्यक्ष्यां} - बडे आविको युक्त यहत भावत पुक्त वास्त कार्य, याच वा वा व कामनी वृद्धिक सक्त वास्तिश यह कारण

অংগ্ন । মাজুষ যে বৃদ্ধিবারা ধর্ম, অধ্যা, কওবা এব অক্তবা বিষয়কে অয়থায়ণভাবে জানে, সেই বৃদ্ধিকে রাজসী বৃদ্ধি বলে ॥২১॥

ত্ৰিপ্যা— মণ্ড ম্প্ৰাৰে জনে নিক্ষাৰে বুকিলে পাৰ না মধ্য ইপিলান ক্ৰিৰ কি নাপ আপ্ৰিছি পা আমাৰ অস্ত্ৰা কি না মাহ শাহণেৰ কৰিব কি নাপ পৰেব উপ্পীপন মানাৰ ক্ষ্তা কি নাপ এই লাব মাহবান বুলিখাৰ সংগ্ৰহ সংক্ষ কৰে, পেই বৃথিই বাজ্যী কৃতি কেচ।

আজুন। মায়েষ ভ্যোগুণারত যে বৃদ্ধিনাৰ পাপকে পুনা বলিয়া ধারণা করে এবং সকল বিষয়কেই বিপরীভভাবে বােষে, সেট বৃদ্ধির নাম—'ভানসী বৃদ্ধি'॥৩২॥

ত্ৰিপ্ৰ — বিশ্বতি দাৰ্থ — স্থাই উটি বৃষ্ট ই এন্দী বৃদ্ধি কায়। বেখন আবিশী চনকে ধশ ধনিয়া মনে হয়। এবা চানকে লাগ বলিয়া ৮ বৰ কৰ । ২২। श्रुवा, यथा नांत्रद्व सन्ध्य, त्निस्यक्तियाः । त्याद्यनांवाजिहादिना, श्रुविः मा श्रार्थः । भाष्ट्रिती ॥ २०॥ यथः द्रुवाश्रकायार्थान् श्रुवाः भाष्ट्रपट्टिश्ड्निः । धमद्रम्य कनाकोडको श्रुविः मा श्रार्थः । ब्राङ्को ॥ २९॥

ভারতকৌসুদী

ইন ন ; গণে ব বাংনা প্রিমাণ প্রিমাণ পুরে।তি তেলাখা। মেলান চিন্ন গণা পর্ন, দেব ৮৪ কন্ন মন্তল নতা, দিব পুণা, মন্ত প্রাণাত ইন্থিতি। চ্যালা কি সম্মাণকর্তন্তলন্ত সপ্রাণ কর্মাণ কিল্লাল্ড বাংলার ন্ধ্র প্রাণ্ড কর্মান ক্রান্তল্পন্ত ক্লাক্রোটার, মানুষ্টাক্রা কথাতে ৪০০০

া প্রতি ত হাতি । ই পার্থ সংক্রা প্রতিষ্ঠা তর্মণার হৈ প্রথাসকার ব্রাহালের স্থান সংক্রা বা প্রথাসকার বা প্রথাসকার বিশ্ব স্থানিক স্থানিক সংক্রা স্থানিক সংক্রা স্থানিক সংক্রা স্থানিক সংক্রা সংক্রা স্থানিক সংক্রা সং

ভারতভাবদীপ:

भूक ६० निष्ठ वन स्थान इत्तर ६० आगामिकार कियादिकार समझ धामदायामा स्थान नेपाद त्या । तम कियाद विभाग केमार्थान के स्थान के स्था के स्थान के

তাজুন। সভুষ চিত্র এক ছিল্ম আনকাগ্মিনী যে ধৃতিছার। মন্ আনে ও তালিয়ের কাম জলি যোগের সমুক্লে ভাগন করে, সেই ধৃতির নাম — 'সাধিকী ধৃতি' ॥২০॥

ভূতিপুৰ্যা — তৈ বৰ নাম বুলি, বকৰ, প্ৰেটি বলা হট্যাছে মনেৰ একাছালৰ বলে বেলুভি বেৰল সমাৰে বিবাহন প্ৰেড আৰো, ভালেৰে আবাভিচাৰিলী কৃষি ৰাজ। মেট দুলৰ জানেৰ কালেৰ বা , —সমল্ল ৰ বিজ্ঞা, আনেৰ কাল্য—আন ও আৰান এবং কালে ভূতি টালাৰে কাল আৰুৰ ৰাজনাল ভূতি লোকেৰ অভ্যুক্ত চলিছে থাকে, আন্তৰ্ম কুতিৰ নামই বাহিনী কৃষ্টি ১৯০০

মানুষ পূর্বপূব ফলভোগ করায় পর পর ফলভোগের আকাজন, করিয়া যে মুডিদারা ধর্ম, কান ও সংগ্রে অনুসান করে, সেই ধৃতিকে রাজনী ধৃতি মূলে ॥১৭॥

ভাত্পুৰ্যা –টাৰ প্ৰতিক্ষেৰ মাক জাই খাকে, কিন্তু মুক্তিৰ স্বাসকল থাকে না চলচ गमा ख्थं ज्या त्यांक विभाव महत्य ह।

न विभूकि क्रिमा धृष्टिः मः टाम्मा महा॥ १०॥

छथः दिल्ली जिविमा भृष् (म उत्रह्त ।।

च्यामा प्राट्ड यह प्राथा स्था निष्ट् हि॥ १५॥

घटन प्राय विक्रिय প्रिमा स्था हिमा स्था ।

द्रिमा महिक (था उन्या स्वृद्धिमा स्था ।।

ভারভকোম্দী

ভাষণী সুদিম্লাইবতি হংগীৰ ভূবিৰা, প্ৰম্প্ৰণাৰ বৰ্ণজয় এৰু গঠন, যা। সুশা, সংগ্ৰান্থ নূপ্ৰ, ভ্ৰম, শোকম, বিদ্ধান্ধন্ধ বিষ্কাতি নাভাজ্যি, সাধুতি, সাম্যাস্থ (মুলি'ছে, ১৯৪)

ভার্ডভাবদীপ:

भूकरमा मृद्धि स्वार्थम् स्वार्यम् स्वार्यम् स्वार्यम् स्वार्थम् स्वार्यम् स

সূৰু কে লোক যে ধৃতিখার। নিজা, ভায়, শোক, বিষাদ ও বিষয়স্থম ডাঙা ভাগে করিতে পারে না, সেই ধৃতির নান—'ভামসী ধৃডি' ॥৯৫॥

তাত্পর্যা — মাত্র এই ভাষদী পুলির প্রভাবে সকলে। অকরণা বইবা মাতে । ১২১

ভবতে ছোট অজুন। তুমি এখন আমার নিকট ডিন প্রকাব ক্ষেব কথ। ভাষণ কর। মানুষ বার বার অফুটান করায় যে সমাধিকুখে বিশেষ আবাম

(৩৫ পুডিঃ সাপার্ট ভান্সীইডি পাডারুরম্।

বিষ্টোভিন্স ধ্যোগাধ্য উদ্ধেশ প্রাক্তিশ মস্।
পরিগামে বিষ্টাৰ উৎ স্থাপ রাজ্য স্থান্ত ।
ক্রায়ে চালুবক্ষে চালুপণ মোহনমার্লিক ।
নি দ্রালক্ষ্ প্রমাদেশপণ ভত্তামসমূলকৈ হম্ ॥ ।।

धात्रवरको भूगी

न प्रमान । वहाँ । वहाँ

ক্ষ্মণ প্র বুল বাং বাং বাং ক্ষ্মির ক্ষিত্তি আন্তর্ম ইপ্রিয়ালা স্থান ব বাং প্রব মন্ধ্রত ১ কেন্ট্রিস্ট্রিস্ট্রিস্ট্রের ইডির এবংগ উন্মৃতি আন্ধ্র

ভারতভাবদীপ:

কুৰ্প্ৰিয়ি— শন প নিমেপাদুলি , যোগালোৰ সময়ান কৰিছে আনাস্থ কাই কর কলিছা পানম অপাত হ'ব আন্ধানক সকল হ'লেক অভাই কোছা হয়, সকলে পৰা , থাই যোগালোগালি আহাপাত হীয়া, বাংলা যে অগাই ক অনুধানক চুলা। কলিছা, মাহাৰ মনো কৰে এবং যা গা একজি নে উৎপায় হয়, বাংলা হৈ জাই যা বিক কুলা ভালা— শা।

ইন্দিয় হোগা বসুর সহিত ইন্দিয়ের সমৃদ্ধ হইতে উংপল্ল ও জনংখ্যাপিদ যে সুথ প্রথমে সমৃত্যে কুলা এব পরিবামে বিধের সমান বলিয়া বোধ হয়, সেই সুথকে রাজস তাধ বলে ॥৬৮৪

কোৰ প্ৰিয়া — সম্নতিষ্টা নিৰ্মন কি কথ হয়, কোনা উচ্চালেই কিটি উত্থাপন কৰে, পৰে কিন্তু প্ৰেল্ড স্থানি কথা যু এবং ভিত্ত ভিত্ত কোনে পাপও উৎপাদন কৰে স্থিয়া ভাগ্ৰহ কাৰণ হয়। ক্তৰণ সে ক্ষা প্ৰথমে অমুভেন্ত ভূলা এবং প্ৰে বিশেষ সনাম। অভ্যান বিবেকীয় ভাষ্য ভাগ্য কৰাই উচ্চিত্ত হসলা

न उपछि भूभिना। वा मिनि (भरतन् ता भूनः। সত্ত প্রকৃতিকৈর্ ক্রণ মদেভি: স্থাতিভিড গৈছ ॥ দণ॥ उक्तिमक्तिस्विभाः गृह्याभाक भवत्रभ । । কর্মাণি প্রবিভক্তানি সভাবপ্রভাবেও বৈং ॥৪১॥

ভারতকোমুদী

মটো প্ৰথম চ, মহুৰ ও প্ৰভাৱ, সংস্থাৰে। মেড্ৰাড্ৰেড্ডেড্ডেম্ড্ৰাড্ৰিলাড লেড্ডিড্ৰাল ত্পন্ত ভববিষ্ঠে নব্ডি, মাতে প্রিভিৰ্কাং, কেং প্রথম, সংঘদনুন ভারম্ভার

नेष्ठ क्ष ६१८ स्टब्रिस्टान् क्रियाकारकामानाः । इत्तरा एकद्वपुरुष्यः ५६ किः एदेन्द्रान्। नि भूतार्गि पुर्वकृति द्वारक दक्ष यात्र द्वार्थ हर्षिकाचार अर्थकर्य क्षेत्रकाच र अर्वकर्यन दियम दक्ष इया हा एक हिए। "सङ्बद्धायमार सामानिया काल का है है है है है वा राज्य सामा वया প্রাপ্তানার প্রধানাহের প্রক্রিকশার্থাকু হার ব্রেকার্ পর স্থার নত প্রক্রিকণ করিছে । वस्त्रम् १७० ५ शक्र स्थाप्तिमान्यार स्थाप्त प्रकृत स्थाप देशि । अस्ति अध्यक्षणायाकोमा विष्टि हेना, यः अदा जनाय, युक्ता दिनाना सार दिया अपूर्णा अदयु भृषिकार घर्ष्य विश् व, निवि चर्च रमस्यु वर् भून समार सामारत नामा नद् ता, नामि , भागादिक्तिकालाः भद्यस्तरत्व दिख्नपद्याः ।१०।

ভারভভারদীপ:

प्रदेश निमालियम् । अ। अध्यक्षित्यम इद्याधकाति साम्बन्धन अवस्थिति स्व क्राणिकारम्, हेन्युललकारः अञ्चलिक्षक दिक्षितिकाददारः। अप्रतिहेक्ष्यक्षयास्य मुख्यान्द्रभाक्षावरेक्ष्यरं रिक्षण्येक्षाः । ५५ता व्यवस्य १६-६ १०५० व्यवस्य मान्य व वृद्धवरक्षणस्य फिया भरा भाग म निवन्धिक्षकम्, वदायानाकमभादामभागतः, किर नावनकमनाभाग क्रेर क्षेत्र क्राप्तातक विक्तान क्षेत्रकृष्ट्या । जे क्राधान क्षाताक न रोष्ट्रक क्षेत्रण अब, अवर्गात, ন হা কাল সুৰ্ভিপ্তিবাদিওবেন প্ৰাদিনাকালঃ সংক্ষাত্ত ক্ষ্তিভূ কৃষ্, স্থাপঃ শংপ্ত ও । भादत्रशालाः अस्तिकेत् च व्याचित्रभावत् सूच्यमण्याः शामाकः कत्रम । हुः । अन्तिन सूच्य दन्ति । প্র পারেত টিন । শুরংগ্রসম্পেররবং বেলান্ডিকার। । পুরত্তাকুলভারতি স্থ

মিছা, আলতাও প্রমাদ ছইতে উংপদ্ধে তুব প্রথমে ও পরে আবার মোহজনক, সেই সুবের নাম—'ভাষদ সুখ' ।১১৮

ভাত প্রাঃ—নিত ৰ স্মতে, আনতক্তর সময়ে এবং প্রমানের স্মান্ত একটা, তার বহু, কিছু সে কুখ কাছাৰ মোহ ছয়াছ বলিছা ভাতার অভতৰ হয় না ১৯১১

প্রকৃতির এই ভিনটা তাৰ মাহাতে নাই, (আমা ব্যঙীত) এমন পদার্থ পৃথিবীতে, কর্মে বা পাডালে নাই ব্যব্দ

তাতেশ্রা -একর'র আছাই নিজব, ভাষ্ট্র জন্তের সম্প্র লম বর সন্তব, অধাং स्पर्तित स्वत प्रार्थिहे स्व, यस छ स्रायाच्य पार्थ। पार्थि स्वर्थित स्वत प्राप्तिके সাধিক, রাজ্যিক ও ছোম্পিক এই জিবিধ বলা বাছ । ৪০।



ভাৰতকে মুদী

ভারভভাবদীপ:

ুৰতুমত—হাৰ বৰ্ষ কাঠ বি আৰু বাহাৰক পাতৃ ৰাজিলা হিন্তু টুলৰ আহিছেব। ১০ টুলোৰাং यून तक र दर्गण भारता केव यक्तिक । देवह यानादाल क्ये छेपरक भारता तथ, कुछानि पंत रह के प्रवास प्रवास में हैं। कुलर प्रवास करते होता प्रश्ता प्रवास स्थान मनो अ अर्थका समाजिल हु विकित इ.च. नोद अधिकता सावदानाया समाज्य । अ इ.स.व. आ हान कृत्य र मर्थ्य रकत न्यूष्ण र सन्सर्व चित्र वृष्ण व रहेतुः व देश्व विवर्गायम् भित्र ये हर पर के दूर दालगर यह भन नवर द्वह भग दह किन्द्र महिला महिला रायानाह ফান্নণ নক এক এন চলুকু তথা ডি দ্ভিস্তুজ্ব**ক্তি** ,কীব্যানিকা ঐবড∏দিশু ক হাছ লাভ্যাত তথ্য তথ্য তথ্য লাভ্যাত কৰে সংক্ৰিক কৰিছে বিশ্বৰ প্ৰায়ণ কৰিছে স म न १८० व कर्ष द स्व अ वट १६५ द अर्थक लि मध्येष मुक्तर म मुस छ । ৰ ১ ১ বাংক স্পতি সংল্লেখন বিশ্ব নিটিবৰ কাম্—নাস্থান সংল্লেখন ক্যালীলয়ানুকাকা হংগা भूत । स्वराय २६ स्टब्स्ट । हा द्वास्ट हेर्ड खूका 👸 एका "परेक्च सकार छ कर्ना। गुक्र ही क्रमान चुन्द्र । १६ ४॥ स्ट्रिट अली । ३० माण्डि ए सिव्हिट्यर ६^० डेडिंट १ कर्ण ट्रक्षा छ प्रश्ना ⊭ নাহ — "হৰু,বিলন" চহালৰ হজনৰ হজনৰ কৰা সালং আহি প্ৰট্কেৰ আছেপালীৰ ম্কল্লয় প্ৰভাগ বজাণ দাননিজ গোচন মৰ চ বিবাহেত্প্ৰসঞ্জিঞ কবিচাল সম দিশম » भुक्षाः दक्षण भाग भ्रमाधि ६० ६६ छ । अन्यस्य दुनिकारः दुनिकारः दिल्लाकः कृष्टिस्य छ । अन्यस्य তু প্ৰজ্ঞ কৰু কৰা সম্প্ৰিম । একেন মৰ বা লগ ভুদ্ধামনকম্মা । ইডি। কথাম প্রণদেশ্য হে এজনে বাজনে ব দুছার সাহের জাখন ইডাভ বিবলিভিষ্। "এম মে

লাক্তাপন অক্না সাহিতপ্ত ত অবসার উৎপাদক সর্পান্ত থাও অকুসারে একান, ক্রিয়, বৈতা ও পুতথ্যের কথাগুলি আমি বিভক্ত ক্রিয়। দিয়াছি ১৪১৪

क्तांक्रम्क्त्र - व क्ष्मांक्र कार्कि विकास अप अप अर क्ष्म अस्तात्व क्ष्मेशक्रिण, हेट "काकुर्य - मधा खड़ी अनुक्षितिकाणमा" अर साहन बना क्ष्मेशक क्ष्मेश

শ্যো দমস্থাঃ শৌচণ কাভিরাজন্মের চা জানং বিজ্ঞানমান্তিকাং প্রক্ষকশ্ম স্বদাবজন ৪৪২॥ শৌর্যার কেন্দ্রে। প্রতিদ্ধালন্ত হক্তে চাপ্রাপ্রবাহন । লানগাঁখৰভাব-৪ কাত্ৰ: কথা অভাবজন্ ১৪০।

खावस्त्रेप्रमी

स्य के लिए से क्या ग्राहिक क्ष्मण्य दिविक अस्तर स्था के क्ष्मण्य स्थान के क कियोगारि ने में हैं है। स्था अविशिष्ट्रिया है है। यह विश्व राम्या हम प्राहरण्यास्य (१९) पुरुष राजा र दान वादारक्त कर रामल काम क्षा महिस्सा, मा पूर्ण स्टासर भारता न, काना भारता श्रांत्रक १६५ व. रिकामा न विनेता, तृत्व, व विकेस अवदर्धन विकित्रिय में, उत्तर महाम्, यह नवा माहिकादम मान, उत्तर द्वारा वर्ष क कि विकाद से अन्य का अन्य का अन्य निकास । जना

कार हा प्रदेश के प्रतिकारिक देवा के किया ष्ट्रीत का स्थापित देवपास, अकार काक रामना रामन उसके उसके उस, उपक्र का पास पास पास वास वास वास वास वास वास वास भ नम्, क्षेत्रकातः अवाष्ट्र का हुदकः, ८७६ मकः वारात्वः अदः रान अदः पार पार पार 李恪 Sulle Bet - Eige mage fie a 有情 to te

कारक सारकोण:

নাতুশ্যন্তালানি নতি ভাষেত্রিভাষ্ট্রেভর স্থিত ভার আরু তথ্যসভাষ অক্রিটেরের আন্ধ্রত সভাগমি'ত দিক ওচা আমারত বাছারত বাছার নাম জালাল সাম আনুকার নিজত হ लगर । बारक के निर्मादक प्रमान । इता संदर्भाका मार्गाच मानामा दि त मानामा ধাহণ মৃণ্ডলভাগৰাভাত্তৰ ভাৰত্ত্বিশা ক'ব কন ক্ষতিনা হ। ভালা ग. छ'ा, कथ्रदक्षविष्ठ्य विकास एउट्ड म छ । इक्ट म कर । इक्ट प्रदेश अभावत्व अभावत्व अधिवासका कष्य च अविका अधिवासकाभ उपम् ५ । १०३०

শ্ম, দম, ওপজ, প্ৰিম্ভা, ক্মা, সরলভা, ব্যাজন, শাহজনে এব আজিকতা এইকলি তালগের যাভাবিক কথা দেৱা

ভাইপার্যার প্রা-অভ কর্পের ধর্ম, দর এবলিবিভিগ্রেশন্ম, সপত ভিপর দানির दक्षण महा कर , स्मीत— चालाविष्टा कार्यदेश महिल्लामा । देश कर्मा प्रमाण प्रवास स्थाप भवित्रम, क्षमा – बाक्त भाकामद्वत भाषद्वित छति छे ज्या देव । अध्यक्त अध्यक्त आर्थ । जात्रक बाल्याको हेवाव एर वार्तिकम द्वारा एक, उन्ह स्थानक अनुमान अस्त साहिकाम प्रतिष्टिक दृष्टिक इंडेटन। अहेकन स्टब्स्क कृष्टिन एउन एक का महन १५०।

বীরৰ, তেজ, ধৈখা, দকতা, মুদ্ধে পলায়ন না করা, দান করা এব প্রভুষ ক্ষা এইছালি ক্রিয়ের স্বাভাবিক ক্ষা লেংল

क्ट†क म्लक्ष्या—टलीका वा कीटाइ देशहरू कत, ८०३ घटनव देव, देवण विभासक স্মধ্যে প্রিক্ষাকণ্টেক ভ — এক প্রেমে নিপুর্ক — অর্ভুনি পরে তেও

কুৰিলোৱকৰাথিজাং বৈশকেশ্বসভাৰজন্।
পৰিচনায়েকং কথা শৃদ্ভাপি সভাৰজন্ ॥৪৪৪
খেন কে কথাণাভিত্তং সংসিদ্ধিং লভতে নৱং।
খকথানিকতঃ সিদ্ধিং নথা বিশ্বতি ভচ্ছুণু ॥৪৫॥
খনং গুন্তিভূমিনাং নেন সক্ষ্মিনং ভত্যু।
খকথান কেন্দ্ৰাভাগি বিশ্বতি মানবং ॥৬৬॥

ভারতকৌমুদী

বিশালার কর্মের ক্রানির ক্রানির ক্রানির বিশ্বর করিছে ক

ক বিশ্ব বিশ্ব করি করি নার, সাংক্ষাক্রক ক্ষাক্তি নির্পে ক্ষানি, বিক্রিক ক্ষানি, বিক্রিক ক্ষানি, বিশ্ব বিশ্ব ক্ষানি, বিশ্ব ক্ষানি

ভারতভাবদীপ:

কুল, পত্পালন ও বাল্জি, এই গুলি বৈশাজাভির স্থানাবিক কথা, সার বি সাং, দা'এই ও বেক্জাভির প'রচগা। করা শুস্তাভিব স্থানাবিক কাথা ॥৭৪॥ শুস্পাশ্যা মধুনাবিত অভূতি ছবে বুজনাধিকাভির আর্থ ক্তব্ধনি কাথাকে সুক্তিবাহানি নিজ্বল হ'ল, একানে সম্ভিত্ত ছবিক করিছে হঠার ১৪৪॥

মাতৃহ আপন আপন কৰে ব্যাপুত থাজিয়, সম্পূর্ণকূপে সিদ্ধি লাভ করে। অজুন। প্রকংশ ব্যাপুত মাতুষ যে ভাবে সিদ্ধি লাভ করে, তাহা প্রবশ কর ১৪৫॥

তি কিন্তু ক্ষেত্ৰ কৰিছে কৰিছ

(६४) कामरमात्रकात्रका प्रकास् है हि लक्ष्याविद्वारः भ के. इ

শোনান্ অধ্যোষ্টে বিওপঃ পর্ধাহাৎ অনুষ্ঠি হাৎ। সভাবনিয়ত কক্ষ কুর্বন্ নাজোতি কিল্লিখন্ ॥৪৭॥ ভারতকৌষুদী

ভিলাত নাগালের হাত ইতি । যাত প্রমাধ্যন ক্ষালাং, দুজন শানুর বুলপত্রিকার প্রাথিনাম, প্রত্তিকারপত্রিকার হৈছে, শার্কে বা ইয়ানি ভূমানি কার্কে ইন্যালিকারত, মেন চ প্রমাধ্যন, ইনা সাধ্যালয় । ভূমা সম্ভোগন হিলাপে চ সাংগ্রম ভূমা ব্যক্তিকার স্বাধ্যালয় । কাল্যালয় ভূমা ব্যক্তিকার স্বাধ্যালয় হিলাপে চ সাংগ্রম ভূমা ব্যক্তিকার স্বাধ্যালয় হিলাপে প্রমাধ্যালয় । কাল্যালয় নাম, ব্যক্তিকার স্বাধ্যালয় হিলাপের স্বাধ্যালয

न्य प्राण्य १६६ । विद्यान प्राण्य विष्णा प्राण्य प्रा

ভারতভারদীপ:

যাতে, হইতে জগতের উংপত্তি কইয়াছে এব দিনি এক সমগ্র জগংগাকৈ ব্যাপু কবিয়া বহিয়াছেন, মানুষ আপন আপন কম্বাতা সেই প্রবাহার উপাসনা কবিয় সিদ্ধি লাভ কবে ।৭৬।

ভাবিক থাকিবে, ক্ষণ, কাম, কোধ, বাগ ও দেকপানুগৰ প্ৰথম কৰিছে নাৰ উপাসন কৰিছে থাকিবে, ক্ষণ, কাম, কোধ, বাগ ও দেকপানুগৰ হৈ তথিক দেশভূতিক। প্ৰথম তথ্যান কাম, নালাৰ পৰ মুক্তি হব। ক্ষেত্ৰ মানুগৰ প্ৰথম কুক্তিৰ কামণ একক।
স্বাহ্য মুক্তিৰ কামণ একক।

আপন ধর্ম গুরুবিদীন হউলেও তাহা—স্মাক্ সমুদিত প্রধ্য অপেকা ভোষ। সূত্রা মানুষ শাস্ত্রিভিট অসভাতীয় কম করিয়া পাপভাগী হয় না ।৪৭॥ সহজা কথা কৌতেয়া। সনোধনপি ন ভাজেং।
স্বাৰ্থ হি লোগেল পূমেন মিরিবার্ডাঃ ॥১৮॥
অস্ত্রের স্বার্থিভায় বিপ্তস্পৃহঃ।
নিজ্ঞাসিরি প্রমণ স্থাসেনাধিগছেতি॥৪১॥

ভাৰতকৌখুদী

य नष्य प्रान कर प्रश्वित्व व क्ष्यु क्ष्या क्ष्यु क्ष्या क्ष्यु क्ष्यु

নাং সার কার বা আ আ বাজা কার্য নাগার আমা কার্য আমা কৈক বাণাক পি প্রাণার বা লাগার আমা কার্য আমা কার্য আমা কার্য আমা কার্য কার্য কার্য কার্য কার্য কার্য কার্য কার্য আমা কার্য আমা কার্য আমা কার্য কার্য কার্য আমা কার্য আমা কার্য আমা কার্য আমা কার্য কার্য কার্য আমা কার্য কার

ভারতভারদীপ:

১০০০ কর সংগ্রাম বাং বর্ষ সোহা পর সংস্কৃতির কাড স্থিন কি থিবপুসাল তেওঁ ব্যাহত বাং বুজ কাছা কাছা সংস্কৃতি হিলামি অম্পিন সংক্ষেত্

কাংক্রপ্রা হার তাকের দেব। বলকর প্রশাক তার অংশক লাগ্ণাক সরা তেনি বাংলা কাল , সেইকল পুণ্ড মা প্রশাস হাংলাক নিজ্ব স্থান্থ মাজ্যার পাকা ক্ষেত্রতি এক ই সরা অসারে আক্ষন কাল্যাক হিংলালের থাকিলেও হাংলা হোমার স্থান বাংলা বাধার কাল্যান লামারেক সেই কাল্যান ক্ষুত্র ১৪১৪

আনা ব্ৰহাত কৰা দে,ৰছই হইলেও মাত্ৰ ভাষা ভাগা কৰিবে মা কাৰল, মানু দেনৰ পুমাৰ্ভ থাকে, সেই**রপ সকল কার্য্ট দোৰ্যুক্ত** হইয়া গাংক শুদ্ধা

লাগাৰ পাহিছি তিৰিলাৰ ক'ল প্ৰেন আপন কান বিধ জালা কৰিবেনা, কেনন মাত্ৰ আপন লাভু এ ক' কোন না কোন কৰিছি হাইকোও পাছা আপাৰ কৈবিবেনা, আৰোৱাৰ নী হৈছি লোক বেনন লোক বিভাগাৰু কৈ বুলি আজি তাৰে কৰিছিও কোনো আফুনিছা ভোগা কৰে না, মাইকোল মাত্ৰ ব্যৱস্থা কৈ কোন্দুই কোষ্ট কৰিছিও প্ৰিল্ডী কৰানা, ১৯৮২ मिकि॰ श्रोटला गर्था उक्त उपाध्याति निर्वाय दम।

मगदिमर्गन (कोरलग ! निर्छा कान्य मा भवा तक।

दक्ता विक्रकर युर्डा श्रद्धाकान निर्मा ह।

सकानेन् विक्रकर युर्डा क्या बायरको नुष्टि ।

ভারতকোসুদী

ভারতভাবদীপ:

পুর্কলরপ্রত সমস্ বিধয়ে অনাস্কর্তি, বলীক্ততির ও "প্রাণ্ড লোকই সমস্কর্ম ভাগে করিয়া নিধাণমূকি লাভ করেন ৪৭৯॥

ক্রাই শাহার — নিজ্য কথা করিতে করিলে ত্র্প্তন লাভ কর। ১, ড বের নে ক্রার ভাগে করিতে চয়, জালার পর মুক্তি লাভ করা হ'ল ১৮১৪

আজুন। সাধক জান লাভ কবিয়া যে প্রকারে বলগাভ কবেন, তাহা তুমি আমার নিকট সংকেপে শ্বণ কর; যে বললাভ ভানের চবন সীমা গণা

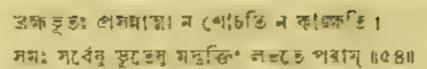
ভাহপথি—এজনা - জানেক চব্ম সীল - অসাহ পাছকাছানে উপস্থিত প্রকাশ আন ব্যান মনে বাহনের প্রায় কন বাকে না, সেইজগ এজনাত স্কাল পোলে আবি জানেক কোন শ্রেক্তর থাকে না, সেইখানেই জানেব প্রিক্ষান্তি হয় কোন বিবিজ্ঞানী সম্প্রি মহবাক্কায়মানসং। ধ্যান্থোগপরো নিত্যা বৈর্থোগ সমুপাশিকাং ॥৫২॥ অহস্কাবং বলং দপ্রিমাণ (ফ্রোধ্য পরিত্রম্। বিমুচ্য নিজ্মত শাস্তো জক্ষায় কলতে ॥৫৩॥ (বিশেষকম্)

काइकटको भूगी

ভাৰতভাবদীপ:

देश ह स्वीवन्द्रः स्विति विकास का विकास कि स्वार्ति स्वार्ति स्वार्ति स्वीर्य स्वार्त्त हिन्द्र । स्वार्ति स्वीर्य विद्यान । स्वार्ति स्वीर्य विद्यान । स्वार्ति स्वीर्य विद्यान । स्वार्ति स्वार्ति स्वीर्य विद्यान । स्वार्ति स्व

নির্পালবুজিযুক্ত হইয়া, গৈয়েরে প্রভাবে দেগটাকে সংযত রাখিয়।; শব্দ, স্পর্শ, রপ, রস ও গজকে পরিভাগে করিয়া, চিত্ত হইতে রাগ-ছেব সরাইয়া



स्टाउटको प्रतो

मध् खर बहेबरभी कि देव हे हैं है। है दार्क र अध्यात अध्यात अध्यात है। वि कि के ভারতভারদীপ:

উপ্রিক্তির ডাপ্ত আং ১৭ চনি নাল-শপুলি বাপুলে নিবাস সমুস্থত পথ হবে গোলাকার क्षत्रिका न कार नाम नक्ष न मुद्रा क व्यक्त प्राप्त कि , ज्यान व्यक्ति क्या "स्र यर देशाक प्रमुख अर्थन के रेन के रेन के प्रमुख में के प्रमुख के किया है। के प्रमुख कर किया कि BY " कमान् उद्याम ६% ६ के अपूर्ण कर्मा के कि ज वर्षा अपन्न कि लावर (म bullun = वाल प्रकार का कार में कालामांस में दिश्य में कार है दिल्ला के हैं है कि द भागताम् रे.। १५ मार्गन्तर पुष्पित्रकार भागमा मार्गन्त मार्गन्तामा वर्णम् व्यक्त रनरेनेन्याच्या मांत्र , कक्ष रचन वाष्ट्र प्रार्थाण मण्यान कार्यन पुनर्यन महस्यन factors mitge for the matters factors come quinte frequencies. काल्याक ला स प्राप्त प्राप्त के कालाई, । कालायाह — या क विविधि प्राप्त है । एक मुख्यामरमार्थिक विकास देवत । १ । १ वर्ष विवयविद्य विव्दर्शत विव्यवस्थातः निष्ठ एवं एक स्थार एक द्रार प्रश्ने व्यवस्था । माभवीया प्रमाणका भाषा भाषा वार्षा है से भवारता कि करते हैं नवर है । वार्ष भाषा वार्षा है क्रम हो इ. भक्ष प्रति मन्त्रान् वादा विक्टी है इ. इ. इ. इ. इ. इ. इ. वास हो इ. इ. इ. इ. दक्त ध्वान अवति । उत्ता भान्यम नता, कृतामा विकृतिमहिन्दा मुख्या प्रदेश प्रदेश নশানীতি। সংখ্যা সকানগড়বভূমহত বানব বিষ্ঠ সম উম্বান্সকান বিষ্কাত। শহতারবিমে কেইপি নিম্মারণ জাপন লড়েলু বিধানের ম্যান প্রায়ে সভাচতার নিমিলার্থত। विषद्विक्षा अल्य क्षात्राक्ष्यात्र किल्याद्व किल्या छ । ए ए ए ए ए प्राप्त किल्याक्ष विद्याधिकक्षत्रका ६६ मी अक्षत्राय कसाय १४०। कोणवानाम् (क्रामा) দিয়া, অভদাত, বলপ্রেগে, দপ, কাম, কোধ ও অবেশুক প্রায়ীত অনু সংবা প্রহণ একেবাবে পরিভাগে করিয়া, পরিত্র অথ চ নিজন স্থানে থাকিয়া; আর আহার করিয়া, দেহ, মন ও বাকাকে স্মত বাখিয়া, বৈবাদা অবলগ্ন ক্রিয়া এবং মনতাশৃক ও বিষয়চিতাবিতীম হউয়া স্বলা ধ্যান্প্রায়ণ হউত্ত পারিলে দাসক বক্ষাৰ লাভ কবিছে সমর্থ হন (৫১ — 🕬

काद भाषी - म नद ५ विलय ए (प्रिन्त कात) रूप्ता भन रा (मान, स्टान व कि (नहें বৃদ্ধি নিজ্ঞ হয়। সাধক এইডগ্ৰে সক্ষয়। ব্যৱশান ক ব'ত প'বিলে ব্যাধাকাংকাৰ লাভ ক্রেন, ভাষ্যর প্রেট প্রস্থার ব্রিণ বান , স্থাতেট নিবালমুভি বা প্রমণ্ডবার वृद्ध १६५--१७३



ভক্তা মামভিজানতি যাকান্যকালি তর্তঃ। তথ্যে মাং সমূতে। জাহা বিশহেত তদন্ত্রম্ ॥৫৫॥

ভারতকৌমুদী

ক জ্ঞাদি, শন্তমপ্রিপাক হা তথা সাকিব্রুক ময় আচলিবু, কম, সমানদৰী সন্ধ্রয়েষ্ মিন্তে বিভাগ বাং শীজগলী চাইছু জালামখন আন লক্ষ্যন্ত ছিলা নম ভজনমুপালন্ত লাহতে বিভা

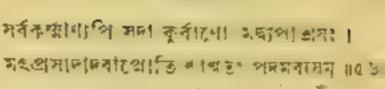
জ্যত লচ কিং কুলাং হ'লাং হ'লাং কাজার কাজা, আর্ এন ধ্যাবিষ্ণা, মুং সালি নালকাল বি ক্রিক কাজান, কাজা উক্তান্তলকার উপাধনত, মান্তি হানার স্বাহাত কাজালাকের কালাকের কাজান্ত আছে, ভালন্তবিশ্বত আহিল্ডি মুখ্যাবিশ্বত ভালাকির

ভারতভাবদীপ:

१२ को देवा कर सम्बद्ध के हैं। इ.स. १८ के स्टार्थ के व्यवस्था के किस विकास देवा की कार्य देव क प्रतास कर कर हुन होता कर्त स्थापिक अपने विभावत का अपने विभावती वर्ष अमृत्यालय कर नद्य न प्रमान नक्तरण न ८० के व स्थ्या न न, चाला व क्यां क भार मक राज , ६ म्यु ६५ व समुल्या अल्प्यान लक्षा निष्या देशमा विकास सम्भावाद सम्बद्धाः त्यारम्भः व प्रतः । कारमान लक्ष्यः । भावतः वा वा वा वा व्यादन भवतः कृतिः लाक कर्माल कहार विकास के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार क का अ क क माराज्य के पुरस्कार माराज्य अस्था है के प्रशास्त्य के दूरशा कर के कारनी 有" [1] · 中国不同" 4 中国中国" 4 中国 4 。 191 · 斯伊 · 斯特 · 自《有數 山田野村山 · 斯(香) मुक्त र प्राप्त है। अञ्चलित नाम काली अभित काक लाला का अविनीन ্ষ্য বন্ধ বন্ধ বিষ্টাবলতি প্রের ক্রিকার বিষ্টার বিষ্ স্বল্য না ত্রাণ । অভ্নত্ত বিভূত প্রাণ না স্প্রকৃতি পুরু বিদ্যান্ধ প্রাণ্টিপুরু-द्राप्त कुर पारंज्यान मध्यक्षा चार अवसम्बद्धाः काम वा अस्त मार्क प्रार्थ । इस्ट्राहिक শন্দ্রন্তিক করিব করিব করিব নিজ নিজানিক নিজাব করেব বার্কির বারিক। ষ্টা জালাৰ ডিছাল ভোড়াৰ কয়ন্ত কুন্ধলিত আন্নগান, বেডি উপ্তঃ मकी मार्ग्या हो। वर्षा वरा वर्षा वर या प्रतिकृतकारक अविध्यास ते । कार्या कृष्य कृष्य कृष्य कि कृष्यिक अन्ये सर्यन्त्य का इति । कार्याध्यस्ति स्वि

ব্লাগলাটে যে লাও নিশ্লেটিও সেই সাধক কোন নই বিষয়ের জ্ঞাও শোক কবেন না কিবা অপ্লাপ্ত বস্ত্রও আকাজনা ক্রেন না, কিন্তু স্কাঁট্ডে স্বাধনী হইয়া জান অভুসারে সামার উপাস্নাই করিছে থাকেন এবংগ

ভাশুপার্য্য — দিশর চিও চইটের কম, জেশি, বাবা না খেমপ্রভূতি দ্বীভূত তইয়া সাত, উচোর এক কাকামন কটাছেই পাবে না এবা ভিনি সকলে প্রাণ্ডেই নিজের মত দেখিতে মাজিক জানপুক্তি ভগ্রানেবই উপাদন, কবিতে গাকেন ১৫১৮



ভারতকোম্দী

অথ বা ধনু শকাতাবাহকজন বিষয়দা দাত্তসভিত্ত হয় নজিং হা লবে নি হল পীপুলবজা জাদিবাহ সংক্ষিত। সন সক্ষত্তানি নিজ নি নৈনি বহুনি হ বহু বি কুর্বাধ্যাহলি, অহমের বাপ্তলাহা ভ্রাহিবের নাল্ল ব হুল স্বন্ধ কর ক্ষাধ্যাহলিক বি হ, কলা ব্যু ন স্বন্ধ করে আর্থানিক বি হ, কলা ব্যু ন স্বন্ধ করে আর্থানিক বি হ, কলা ব্যু ন স্বন্ধ করি আর্থানিক বি হ

सादकतारमोश:

মতি স্ক্লেশ্যে জ্বা লবাহি এবং জেন্ত ৪ ল চা বিকি সক্লেল্ড্যু mintegring, mitten auf bege beinem ne eg e ge portemite विभिन्न के प्रथानकान का व काला करा करा करा समान मान राज स्थान कि.ची , "अल एदम अनेखन कर्ना हेरीन अला एक ना हार कानमहार का भी । मानी श्वादम अध्यापुक्ता दि हादा , राम दा दूस है कि महेला अता कर्ता है है है है है 可推好 選絡 意思的代码之下 書意 印刷作用作品 我你不知? 医河 电流分别点 医原心 医医外外科 अक्षक वाक्षांकांका अधिकारण भूगम् अक्षता क्षित अधिकानक्ष्म । १०५० व वास्तात है कि इक्ट्रेंग, कुका अर्थ विकट र सर्वारकार्य का रुक्टिक दिवस्ति कार्य में के के के किसी क्षित्र का का का विश्व का विश्व के विश्व विश्व का विश्व के का व अवाह प्रदेशन स्थानस्थान , को क्षांचा कि के वस्ताप्त कि समान प्रकारका नुक्तिया । स्वतः भव भूका ए न्यान नक्त रहिता था सूत्र स्वतः वह स्वतः स्वतः व CHEMININGS TO A FRANCE FORM & A STATE OF STATE STATE STATE नितृत्वाय क भाषाचाः भूमांनदृष्टिः दमक्षांत्रम् कमामः वास्तः स्ट । सः । वेदः । मद्देशील मध्य विकाशद्य कड़े किका अवद्याद्वनार्ग म्हे हैं अद्याद कदल में कर है है, उन्हें पूर्ण न मानकृत्य अविद्यार दिन्द्र अर्थि किविष्यात । एका विश्वविक्रमा प्राप्य अन्तर्भद क्षीरशुक्त्रारणका अवदा छेक्न-'डे क्ष्म है । के क्षान क्षान विद्या है । विष्या क्षा अक्षा विकास विकास विकास किया करते हैं के किया करते करते करते हैं के विकास करते हैं कि विका कुलबारप्री क्रांत्रन कानारहेड्या हाल भाव नाम्युन क्षत्र मान्य न सुरुवाद । स्थानन क्ष

ভাগার পর — সামার যে পরিষাধ ও যে রূপ, ভাজি অনুসারে সেই সেই ভাবে সামাকে প্রভাক করেন এব যথাধকণে আমাকে প্রমাজ কর্মা ভ্রপরে আ্মাতে প্রবিষ্ট হন ১০০৪

ভাৰ্প্ৰীয় — এট প্ৰাণ কৰাৰ নালী — 'হৰ্জান' এব' এই প্ৰেশ কৰাৰ নামই দ শ্ৰমণদ্যাধি বা মৃতি চৰ্গা



চেত্রণা সর্ক্রাণি হ*ি সাক্রা* হ**ংপর:।** কৃতিযোগমূপ(ভিত্য হচিচতঃ সত্তং ভব ॥৫৭॥

ভারতকোমুদী

ইন নাৰ শৰ্ম কৰি, বন্ধ কৰৰ নুৰ্নি চিত্ৰ মাজন চিত্ৰ চিত্ৰ মাজন কৰিছে কৰিছে বি লাগৰ নিৰ্মাণ কৰিছে বি লাগৰ কৰিছে বি লাগৰ কৰিছে কৰ

ভারতভাবদীপ:

किर्मा र माणि व क्या र क व प्राप्त रोज वार्ता क्या पा वार्ता कार्यक्षा क्रम्म क्रिक्ष व्याप्त क्रमणि व्याप्त क्रमणि क्या र माणि क्या प्राप्त क्रमणि क्रमणि

থাবে, মানুষ স্বদা নিশাও ,নমি ওক সকল কাষ্টা করিতে থাকিয়াও যদি দঢ় ভাজি সংকারে আমাকে আভায় কবে, ভাষা হুইলেও সে, আমার অনুস্তিহেই নিতা ও বিভাববিহাম ব্যাপ্দ লাভ করে এও।

স্প্তাৰ্থ নিকা সোলাপ জ ভগৰন কলাভ ক বৰ্ণৰ উপাধ নহয়। কাৰ্ব্, ব্লগুৱেই কাৰ্য্য বিজ্ঞান হয়, নিকান কৰে চিঙ জাক কলা পাৰ কান জাল জান আৰু কাৰ্য্য কুলি কাৰ্য জান কৰাৰ লাভ ক বৰ্ণৰ শাক্ষা হুটী শাপ জান ও ভিক্তি, ভাইৰে নিধা জান জাতিহুকৰ এক দাৰ্যক শাক্ষা, আৰু ভিজি জাকৰ আৰু চ অনুকালনাৰ। আনি আৰু ভগৰানাক লাভ কৰিবাৰ সভা এক আছি ভ কাৰ্য আছিলাৰ শাক্ষা একাছ সক্ষা লাভ

অজ্ন। ভূমি মন্দ্রো সমস্ত কাথ। আমাতে সমপ্র করিয়া, মংপ্রায়ণ তইয়া, স্কার সমদ্শনরূপ জান ম্বশ্হন করিয়া, স্কান মনগ্রতিয় হও এ৫৭॥ মজিডঃ সর্বস্থানি মংপ্রসাদা তবিশাদি। অথ চেতুমহস্কারার শোশুদি বিন্তম্যাদি ॥৫৮॥ শদহস্কারমাশিতা ন শোশুস্ত ইতি মহাদে। মিধ্যেৰ ব্যব্দাশক্ত প্রকৃতিস্থাণ নিধ্যাক্ষাতি ॥৫৯॥

खात उरको मुनी

আৰ শেষ মে কিং ছবিধানী আত্ৰ নাই তে আৰু মৃথি চিতা যাত্ৰ ধাতি তত্ত্ব, মান আমাধানত প্ৰাণেষ্ট্ৰ মত কৰি কৰি কৰি সংখ্যাবৰ বি কামাকান কিনিকান নি আন্ধানি, তেৰিকাৰি আ হাড়েলা বিনালি আনিক্মিণলি অব লক্ষ্যাবৰ, চেন্দ্ৰি, হয়, আইকাৰ ম্ আহ্বাৰ ম আহ্বাৰ ম

নধ্যে) বিনালোচনি না ক্রেন্ত হল পি বক্ষণতে মুহ দক্ষা না কা বক্ষা বালি । আই আই বিশ্ব পিন্তি ক্রেন্ত বিনালি কা বিশ্ব কা বিশ্ব কা কাৰ্যা না ইন্দ্র কিন্তি ক্রেন্ত বিশ্ব কা কাৰ্যা না কা বিশ্ব কি কা বিশ্ব কা বিশ্ব কিন্তি কা কাৰ্যা কাৰ্য় কাৰ্যা কাৰ্যা

ভারতভাবদীপ:

खन १६६। हम् क्षित्राम्य कराय युन्नकराम स्थानकराक—प्रित्न हे हि। इन पि खाशास्त्रिकामित्तिकिक्षिति अवदेशित अवद्याता युक्त दिन कियाना न त्याकि । यू दर्श छन्दि तिनद्वापि कृत्यालेकाल इदिवृत्ति। १८। अन् प्रार्थः दर्श्या न करिया ने भागाम्य १— यक्षित् । यूर्णान व्यवद्य दा अस्तरिक्षण न त नाक्ष यूका न करिया देशि नवस्म १६ ६६ छन्द्र वाद्यात्त्र, निक्द्र विश्वा एष्टर श्राकृष्टि क व्यवस्थातः ३० विद्याक्षणि । श्राकृष्टि गावि

তৃৰ্ভ স্থায় — সম্প্ৰত্ম — এতিক সংলোধ কৰা দি তথা সংলোধ সহাব্যালালি সম্পূৰ্মা। পৃথিত গ্ৰহম সমস্ভাল ব বনৰ প্ৰিক্ষমনৰ জাৰ বিষয়

ভূমি মদগত্তিও চইয়া আমাৰ অনুস্তাহে সাধাৰৰ ভূপৰ হাথ সকল আছে। ক্ৰমাকবিতে পাৰিবে - পাঞাজুৱে যদি ভূমি পাজিতা।ভিমানবলত আমাৰ কুণায়ু বিশ্বাসানা কৰিয়া এই উপদেশান শোন, তবে বিন্তু হইবে ॥१৮॥

ত্রপ্ত প্রায়ে—বিনট হইবে— মজ ত মজ্জানীর জার জনেম বাঁদ ওলি মার্গ প্রদয় মার্গ এইতেই বিচ্যাম হইবে। সংহাতে সোধাৰ নতাক বানন্দ সমস্তব নছে কোন

ভাবি পর অর্জুন। ভূমি অভিনান অবলম্বন কবিয়া মনে মনে যে নিশ্চয় করিতেছ—'আমি যুক্ত কবিব না' এ নিশ্চয় কোমার নিক্ষাই হইবে। কেন না, ভোমার শভাবই ভোমাকে ধৃক্তে নিগুক্ত করিবে ১৫১॥

(e>) भिर्मशास बहुबनाहारण देशेंड भारतास्वस्



সালবিজন কেবিজয় । নিষ্কঃ কোন কামণা। কট্ৰ নেজ্সি ব্যোগাই ক্ৰিয়াজনশোষপি এই ৪৬০॥ স্থাৰঃ স্বভূৱনোৰ জন্মেশেইজন । তিউতি। প্ৰেণ্ডি প্ৰান্তি ব্যাক্ষানি মান্যা ॥৬১॥

ভাষতকে দুবী

নিপানি স্থিত বিজন শা না নাই এই এই নাইন আন', বাং সুদ্ধ কিওক নাইছি , সালে বাং সাহাল ক'ল কাই এই এই এই এ, আলি আক'ছেল আকিলাল কৃষ্ণ চি, নিবিক বাংকি কাই স্বোলিক'ল কাই এন ধাই সাল, সাল, মুখ্য কা বাংকি। এ এ সাহাবিকামী জি ভাগাহে ১৯০৪

स्ति स्ति । प्राप्ति चित्र स्ति । प्राप्ति । प्राप्ति

ভারতভারদীপ:

কাৰ্ম পৰিয়ে নিজ এক বাহৰ সংস্থাম কোন কোৰ্ম কোন প্ৰায়ে প্ৰথেব কোন জনশা কোন কুনিক হিছিল, এই এই মাজত কাজ প্ৰায় মানিক মাজে, জুৱাই এক একা বাহৰ কৈছিল জাত মাজৰক মাজ হ'ব' শক্তাবিক মাজনাৰ কিছিল। বুলি বুলি এক একা বাহৰ সাম সুক্ৰ কবি । কাজ পাৰ্কিন একাল

ক্রেন চুনি নন্ধণত, যে যুক্ত করিবার ইচ্ছা করিতেছ না, স্থানভাস্ত ডেল্লে এব নিজের প্রাক্তন কল্পে নিব্দ ও মাস্তপ্ত হুইয়া চুনি ভাষা স্থানী করিবে॥৬০॥

ক্ষেত্র ক্রিয়া— ক্ষেত্র ক্যেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্য

ত্রের শ্রণ° স্কু সর্বভারেন ভারত ।। বংপ্রমালার প্রাং শা,ডিং ভানং প্রাংলাসি শাগ্রম ৪৬২॥ **अध्यक्तिक क्षेत्र**

भिकि सभावता स्थानुष्य ६ किन ६६६ कार्यका चित्रकृति अधिति । एक स्टेब्लि । स्था, स्थान एका मकी एक १४ वर्ष १ वर्ष १ के वर्ष १ के प्रति । १ वर्ष १ एक अमाम्यान शहर, भनायुक्त व. म. धा अदियम्कम हेर हेट वृद् छ। सामा कि हाँ प माप्रत्य । त्रास्त्र ६ रत्य, माच्या १, त्रास्त्र वरका, रत्य, प्रका धावा नि । न्य

'डांटड डांक्टोल:

मध्यो प्रदेश - मुक्तिक के अध्यक्षिक क्षेत्रकार स्वाप्तिक के किल्लाक विकास के किल्लाक के किल्लाक के किल्लाक के कर्म देवा विकास कुम्रकार मा उन दिस्ता केल अभिनिक्ष अभिनाम अभी स्वापान মু বাবে পাক্ষা । স্থাপু বিষয় সভায়ের ভিয়েলয় । সের ৮ ছ ১০— নিক্ষিণ ব্যক্তিকাল আহল প্ৰস্থাতি । সংগ্ৰহ আছি নে আই আহলে পাতুন্তৰ ইনিন্দান পঞ্জ নি শ্ৰহ भन्देर । प्राप्त साम सा सामका सामका प्रतिभाग क्षा सामका मा सामका प्राप्त का सामका मा सामका प्राप्त का सामका मा अनेक्षा १ र शह प्राप्त, कृष्णम् वर्षत्त्व कृत्यकान्त्राचित्र सर्वत्तः । क क्षत्रकः स्व कर्म र रित्त हुन करामक्ष्मित स्वीतः एत राज हेट्स स्मि दिश्वरिश्वरूत वास्तूत स्थारे कृत्रकार्य वरकायमक रहा यानि दशक्ति कृत्रि स्थाप वर्षक वर्षकार्थन कर स्, भाग प्रति महक्य भी रक्षा व व्यवदारायोग कियानकण वा विक रिकारी से गरि विवर्ष ह देल ग्रेड्ड वर्षा ह अश्वासन क्षेत्र देव र अवस्थित वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा (कहु म कर कमा कका पाक्रम वनका वसारह त्यारण । एरम्बर क्यांन सम्पर्ध स सर्य काल तरण वकाय कर्ष इंट्या एकल वृत्य प्रकृतिक का बाद कि १५, र काद व प्रवास मारी-१९४४ मध्य कुरू वित्रवेश स्थाप वाक स्थाप मार्ग्यम मार्ग्य प्रमुख्याच्या प्रमुख्याच्या । विद्यासिक वित्रवास

বিৰেষ্টা, অভ্না পুৰ্ধাৰ (বাজীকার) যেমন আপ্নকেশ্ল ম্লাক্ট कृतिम भूक्यरक (भूज्यरक) मधानित करिएक शांक्या भग्निवर्ण (वाप्रक) তাবস্থান কৰে, সেইকণ ঈশর আপন মায়াছারা সকল প্রাণীকে স্কালিত কৰিছে थांकिया, भक्त अभीत क्रमस्यव क्रिएटर व्यवस्थान कर्त्रन ॥५:॥

তাকে স্থায় – মাম র দুর বিশ্বাস—দেই উল্বেপ তেমেণাক অবলই গুড়ে প্রাটিত क जिस्का १७३६

অভএব ভব্তন-দন। তুমি স্ক্রপ্রকারে সেই ইবরের শ্বণাগ্ড ছও। ভাহ, হটলে ভুমি ভাহারই অনুগ্তে প্রম শাস্থি এবং নিহা স্থান লাভ क दिएव । ७२॥

ক্ষেপ্তা-কৃষ্ণ পুৰুষ (পুতুর) যেমন প্তগাৰের । বাজীকারের। অভ্যাত दिलाय ल छ करत, दुलिय तम्बल देवरदद चक्छार देवरताक छ भवरतारक ए प्रायस्थित ছু ধনিবভি এবং বিজ্ঞালরম পদ লাভ কবিবে।১২।

ইতি এত জ্ঞানমাধারে ওকান্তক্তরত মন। বিষয়কৈ তদৰেশ্যেক যথেক্ছিলি তথা ক্কা ৬ খঃ স্বাভ্যান্থ জুলঃ শুন্ধে প্রমণ্বচঃ। ইক্ষেত্রি যে দুওমিতি ত্রেগ্রক্ষামি এত হিত্যু ॥৬৬॥

छ। यज्यको मुमी

সংগণিত নুজাত সভাত প্ৰতি । তে আমান নাচ, ই পান্ধক্ষন এই ইবা সন্ধিশ, প্ৰায় নাম লাভ ক্ষা সভাত সভাত, প্ৰায় ইবা আমালিকেনে প্ৰতিল্লা ক্ষা আমালিকে ক্ষা

ভারতভাবদীপ:

स्य दिनिश्चाद्य के इत्या क्ष्य क्ष्य क्षिणि विशेष व्यापित क्षिणि है। या नाम भाग विद्यार भाग नाम क्ष्य क्ष्य के विश्व के

তাজুন ৷ অমি তেমার নিকট এই গোপনায় ছইছেও গোপনায় জানের বিষয় বলিলমে : ভূমি আনাব এই বাক্য সকল বিশেষ বিবেচনা করিয়া যেসম ইচ্ছা কর, ভেমনই কর ৪৬০০

্তিক্তশ্রায়— কথা-র হও লে প্রায়, মারার সাহ এইবার্থ আদিক বে প্রায় জ্ঞান। কোনা মা, অনুষ্ঠার নো ক্ষিপোর নিক্র টার বারার, সংগ্রা থবজা, করিয় ইচা স্থিতার করে ১৯০৪

অজ্ম। আবার স্কালেক। অধিক গে,প্রায় সামার এই উর্ম বাক্য শ্বেশ কর। তুমি আমার অভাস্থ প্রিয়; সেই ভক্ট ডোমার নিকটে এই হিতের কথা বলিব ॥১৪॥ ম্মান। তাৰ সন্ধ্যকে। মদৰাজী মাণ নমস্ক । बादः देवणुमि महाः ८३ श्रीरिकाद्य श्रिद्याः मि ॥५३॥

लश्वरुटको महो

कि अभिकार साम अध्यान के है। (ते सक्तान अप गाँव भरताय व करने स्का म भवासी कर, यस नक एक्ट्रिया कर कर कर कर कर नव, यार प्रतासन एक र अ अवदाय हत्, मा सम्यक्ष ५ । अवस्थि मा गावन छा न अव १ १ १४ । अवस्थि मा भिन बारम खिलारिक विकास अन्यास है। अन्य अन्य स्वयान क्षेत्रक द्वार्य अन्य भ गए हिंद्रात कर्मा अभून अभूना मिन्द्रिय अपिति । इस्कार अप्यासिक विकास अपिति । मान क्षार्त पुष्ट्र ह प्राप्त छ । । प्राप्त भागक मानवार के एक प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त नमक्षक वेडि (धरा

ভারত ভাবদীপং

টিয়হার বিভালন্তে বিজ্ঞান্ত সংগ্রাপ হ'ব এবজা বজাবানি ও ৮ ব. ১৮৪ জনের 5 ছাত্রণ বিভ্যাতে নার্ন ট[্]ড আরণ প্রভাগ হান্তিনত না পারণ ব্যান্তন্ত ব্যান্তন্ত येश में इस्तार नव राज्य देख इंग्लिक केला केला के देखा है देखा है है है । क्षर्यत-विष क्रांचित्र। तक्षरक्षर चाह-१६८क छन। उत्तर स्वयं स्वयं 制制制的中国 自治學 一次 医精髓性 學 医原原性 医肾髓炎 化二氯 医二氯化二氮化 医特别氏征性神经病 শীলৈ ভৰাঃ তাৰে কথাজবৈদ্ধ মাল্যকুক যে কিচুত ৷ নতুষ্ক ভগৰনস্কিরণনাস্থাবিত म तिथा विकास कराया । एक उत्तरमु किएमार्ग । अक्ष कार्य । ५, ५ द्रिया । । वह नवा व মা ন্যথক প্রাকৃত্তভাত ব প্রতিম্নের ভলব্যার সংকাশত ব্যাপনির লগ্ধ বালন अभागानाम्हरू । प्राप्त के वृक्षान्त्रम् अभागानीका एक दन्न वर्णा — ए अन्तर्भ स्थान है ह ह छ, देव सम देहि दि द्वाप्तमा हविता है हि छ। अवनुक्त प्राप्त स्थए करण समाहित भाभिति। भाष्य परम्बाद्धा सम्वत्यास्त्रास्त्रा म कंदन मक्ष्यां क्ष्यारे दुवनार वस् अगु म তৰ পুৰা মতান অৰাণি মধ্যভূত প্ৰিজানে কাহিছে শক্ৰেছিন নান্ধলন ত পিল, কৰি খে বছকা খে মন জিমেতিনি অভা প্রাণবিশানতে হয়ি সামান্ত হয় ব্যান বিভাগ বান বিভাগ

क्तिक भागा । यथग भराष विष्यान तकद विकास स्थाप प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त कि कि विकास स्या निवास भारक , आहे अर्थिय , महे दो अवहे असुमयन कदिए हिंह , ५५०

আজ্ন ৷ তুমি মলগত চিক্ত ত লামাৰ ভক্ত হল, আমাকে পুদা কৰ এব. আমাকে নমকার কর , ভাচা চইলে ভূমি আমাকেই খাভ কবিবে । অজ্না কুমি আমার পিয় ধলিয়া ভোমার নিকট এই সভা প্রতিজ্ঞা কবিলাম ॥৬১॥

তাৰেপ্ৰা কল এবং শিশুশালপ্ৰতিশ শত্ৰাৰে ম্লাইডৰ ছিল ই ই ম্যাব ভক্ত গুলুৱাৰ কথা ব'লব্যে। ভাৰ পৰা অংশাংক প্ৰিলন হ'ক কৰা বছট হুক্ৰ, এই ख्य आभारक भूषः कवितान डिमारम वितास, डिमक्तर म माध्याय भव समीत कविर ड मा भारत, एरव क दिक, बाहिनिक दा मान्दिक नवकात कर । १६०



সর্বশুমান্ পরিত্যজা মানেকং শরণং জজ। অহণ হা॰ দৰ্বপাপেতেলা মোক্ষ্যিকামি মা ৬৮: ॥৬৬॥

छ। यह दको भूगी

म अभि दर अक्तर महत्यान अदिन्द द मेन् दर्भवान् अक्षामाना अन्यत्य न् यु'म त' म प्रदेशवर्ष म् मण्डिक्स न नगडान् वाष्ट्रां क् भावित्रको अवस्थि, उपन्यान्यः হণ পৰন চুনস, পৰবন আন্তুলি আলল বিগত কেলে কিড কেলেপ্ৰিড কাং क्ष कर - (१ म कर्ष प्रदेश में यह वह देश मिला प्रदेश विद्यालय विद्य भवन्त ४५% - क क पार्षका, एक करिए कि एक इति के विकास कर्षा कर्षा कर्षा कर् 1 + 1 + 1 4 + 2 1 + 35, 414 - 445 (+ 5 % 4 4 1 1 1 1 1

ভারতভাবদীপঃ

र मार्थ के मा किन्द्र मार्थ के अपने किन के लिए के प्राप्त के प्राप्त के किन्द्र के किन्द्र के किन्द्र के किन्द्र и • • । १००% अ. अ. १ ६ द्वापालिक आदा • ना उत्तालहरू । एडवर्ग ६ र व्यापाल मुद्दा कर र ए हाँ ब देशा न म्युक्ति हा नगर ने में में में में में मिर्मियां। राज्य मुख्या गा प्राप्त के क्षेत्राक क्षेत्र मिल्ली स्थल के क्षेत्र के किया के किया रिक्क रण मान एक करेल जात नाहा का लाव एक का कि कि अरमक स्वरूप करवार की ह क्षा । जन इस अस इ वालवाद के विश्वद वहुवा के छिता है। असिमा १३ एल ल नवार अक्षित्र के एट कुन् "स्वताकुवस्तित भव प्रवासक्ति" हा । १९५५ ७५० ७६ वर्षा का घाटा 🖘 🚾 🗢 📆 हा 🗸 🗸 🗸 🗸 🗸 अहर क्षेत्र हानरहा 🕫 आधुर ही . र । कटामान टॉसम् कुका करण का का का द्वारा अधिकारमा । अस्ति। हो श्रामार्ग स পার্ক লগেট্ডা ব্যক্তির হৈ পুদ লোকগম কানী। এল কি প্রয়োলক। শালবেল, লোকড্বলক সঞ্জুনিখুনিজনিভ্যু আন্তিম্যত্নপানা নার্থণ প্রেড্য क ्माप्ता ल पर- म अय सरके स्था चाला के मार के प्राथित देव सरके सा आलाप्ता म এবা (বন) স্বতি প্ৰেম্পুবিম ভাত্ত ক (মৃত্যু বং লোক একত্নভুগলুগা ইতি ক্ষিত্র হার্থ করে। প্রেল্ড ক্ষুল্ল ক্ भक्ति हर महार देशा केन दश्यान (एडाकोना नुक्रा का का का विविद्य हान का कर

অফুনা তুমি অভাস্মত ধ্য প্রিভাগে ক্রিয়া একমার আমার শ্রণ, গত ছও, মানি ভোমাকে সকল পাপ হটাতে মুক্ত ক্ৰিন, ভুনি শোক कवित्र न १५५४

ভাব্পার্য্য-- একমাত্র ভগবানের প্রদালত ভাষ্টাটেট সকল প্রাথম্থ কিব কারণ এই চপ্রতার প্রথাপত চলতার বিবিধ প্রকার শিল্পালবভাদিপ্রয়ে বিভাগভাবে বণিত व्यक्ति । इन्ह

ইদ° তে নাতপ্ৰাণ নাভজাগ কদচেন। ন চাতজাগৰে বাচ্য° ন চ মাণ বেহিভাগনতি ॥৬৭॥ ম ইমণ প্ৰমণ ভজাগ নতুৱে জালিধাকতি। ভজিশ মধি প্ৰাণ কুকা মামেৰৈক্তগ্ৰণণ্যং ॥৬০॥

ভাৰেডকোমুদী

শী নিশি সংশ্বাহাণার স্থাপে কার্যার সমস্থার বিশ্ব ক্লমন্ত্র নি হর্ত নক ক্রার্থ কার্যার কার্যার

সম্পান,বিপ্রবর্তনে নিজ্যানভিদারেদানে সংগ্রহণ, ক্রুজন্দান সংগ্রহণ কর্জ কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিল কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন ক্রিক্তিন কর্জিন ক্রিল ক্রিল

ভারতভাবদীপ:

মজ্ন। যে লোক ভপথী নহে, ভজ নহে, বা ভজ্যাকাৰী নহে, কৰা গে লোক আমার উপরে দোষাবোপ কবে, ভাষাদের নিক্ত ক্যন্ত । ম এই গীড়াশাস্ত্র বলিবে না ।৬৭।

्रिश्मी — स्थानी, स्टब्स, एकर स्थलत कारी, किया स्थान हेला न स्थान हरात स्थी (नाकतित्व निक्त हेस नित्त, हेसा क्षित स्टेश प्रदेश, प्रतास, स्थान हेसाव स्थान स्थितिह स्थित ना प्रथा



ন চ এবা কর্যোগ কলিচকো পিশক্তম:। ভবিত, ন চ ্য এবংগিকাং পিশিত্রো ভবি ॥৬১॥

ভাৰতকৌ খুদী।

स्व हर हा व स्व क्षा क्षित्र स्थान क्षा किलान स्व क्षा स्थान स्था

ভারতভাবদীপ:

মান বিশ্ব নিজে মানবে উপাব ও মানবে এই সকল টাজেব উপ্ধে নিগেশেই ইইয় এই মানব উপৰে প্ৰম ভক্তি কবিয় আমাৰ ভক্তগণের নিক্তে এই প্ৰম বিপ্নায় কিবাগড়েব বাখে। কবিবেন, তিনি আমাকেই আভ কবিবেন।ভালা

স্তুপ্রাস্থান হয় বারণে বারণের সংক্ষান উৎশগ্রহারে, এবং সেই রাজা মৃত্যি লাভ ক্রিকেস (১৮)

মনুস্মলে কোন মনুস্ট সেই বাঁতাশাস্থাখোত অপেক। আমার অধিক শিখকংগ্রেরারা নাই, কিব। পৃথিবীতে উচ্চা অপেক। অপর কোন লোক আমার অধিক আতিকারী ইউবেন না, বা প্রকালেও ছিলেন না ॥৬৯॥

ভাৰত বিশ্ব প্ৰতি কৰিব কৰিব কুৰিবেন, তিনি আন্তৰ নিবতিশ্বপা হলাবীট হউবেন ১৯৮১ অধ্যাতে চাম ইনা ধর্মাণ সংবাদমান্তা: । জানমজেন ডেনাছমিন্টঃ জানিতি মে মহিঃ॥৭০॥ একাবাননদূর=চাশ্রাদিপি বে. নবঃ। সোহপি মুক্তঃ ভাইন্লীকান্ প্রায়াহ প্রাক্তান্য ৭০॥

कात्रकरको भूगी

ভারতভারদীপ:

তারি পর যিনি আমাদের এটা ধশ্মসভাত স্বাদ্যার পাস কবিবেন, ডিনি জান্যজ্ঞার। আমার পুজাই ক্রিবেন ইচাই আমার বাবণা ৫৭০॥

क छित्न रुख्यु रा शांध । इत्यकात्यः ८६ रमा । ক জিলজানমুক্তোইঃ প্রনার্ভীতে ধনপ্রব । ৮৭২॥

ভারতকোম্দী

नि,शु त र तम १८ ५ छ। । भारतेवा है त छ असम्मूनाइनिद्यासम्बन्धामानि । इसकाकाना व (व পুন্ৰপুদন গাইন শা নাপ্ৰতিক ভানিতি । এই পাধান আহা, একাইগোল অনুন্তিকিইছে 佛文文《文明 为《》,《《报、 中華 》题。 班子《默文》明《有意智斯、中国文章中国首者 人名西鲁 別處 भीतार कार राज्याताल हैनराव एक वह सम्बद्ध एक एता स्थानम् 我的 我的 一条件 "这种 有 我有 医 人物"正下方像 一年 有法则 有一种红色 布鲁特等事物 医多种 य प्रत्य १ तक प्रकार पृष्ट एक नार्वहक्ति शावश्या, अवह अवस्था माजरानान 4 4" Mill: 4 182 1451

ভারত ভারদীপ:

 र र रेन्द्र ११ स्थाप्त अध्यक्ष द्विष्ठ स्थाप अध्यक्ष व्यक्त विकास स्थाप का प्राप्त । ने के र भाष्ट्र र प्रकार पूजा पूजा प्रकार के उद्योग के उन्हें के कुन किस में देव मेहादा सर्भ _करभू भन्दरस्य क्रमा कस्त्रवा कंग्रास्थ्य सम्बद्धिति । क्रिकिटिक का सारिका । व भारत । वद ६० ६६ ६५ १५ १ अझा छव। अक्टराह्य मन्ह ६५ कवानिह मान के को के रेन पूर्व पूर्व वा कि निका कर को स्वीत । को स्वर्ष के कि खब अका सक्र है? মাজ্ব বিদ্যালয় বিষয়ে এক প্রক্ষালয় চলপ্রকারণ ইতি স্থিতিবাচলি নত

भ न, म ,ज्यान ८३ में व लारश्चन हेलान व निवास इडेम, अन हेडात कुष्रत (क.स. ए गार्व पाना कविता हैका (करण ख्वाप करतन, व्हिनिस अगस्य भाषा करेंद्र युक्त करेंगा भूताका विष्यात आशा अञ्चलसम् वार्थ अवन नाक 神の原理 895年

ভাত প্রায় - বে া । প্রবেশ - পর এর উপরে অচল, ভাতি ছালা বলিই অসংলারণ भूत है , अराज्य म् अ प्राण_{नी}क इट च्युपेल न क्यूबर (ख्टे च्युपेस हैशाय पृथ्यि है হতার , , তুন ⁶শভ সাথ ধনশংকের মুন্ন বুকিরা সাথাধন করিলেও মাুম মেম্ন সে ए सं भारत रहा, उमरक राजान अभ सं मुक्ति भाग का चन्य करिस्तान उपनास समारन উপাত্র বন । পাত্র ও প্রার তার উপার পালার হাইটার কেনা। এ করা প্রিকামী বরং भ्रमुष्ट्रसम्बद्धाः स्था । स्था । १५४॥

অজ্ন। তুমি একাল চিত্ত আমাৰ এই কথাগুলি শুনিয়াছ তণু ধনময় ৷ ভোনাৰ সেই অজ্ঞানসংখাত বিন্তু হুইয়াছে ও গ' ৪৭২৪

किर्द्धिकोत्र- प्राप्त । एकम्बर्धनारत दहेत्व निषय पारह त्य, विकास वराह বুলিবে, সেই পাছেট প্ৰেকে ওকর বলিতে হতার। জাতুরণ তুল্পি হলি আমার কথাওলি। ন অ'ন্য' ধাৰ, বান বুলিয়াপাক, তবে আবোরভাবলি। আর হলি ভুনিয়ার থাক এব' বুট্টাও থক, তবে ভাষ্ঠভূতির পর্যারের উপরে তোম্বর আহ্মনুদ্ধিরণ এন এবং

অৰ্জ্ব উবাচ।

নকে নোহঃ আহিলক। হৃৎপ্ৰসাদান্যচাচুতে।। সিতেহিলি গ্ৰনক্ষেহঃ কৰিয়ে বচন ভ্ৰাণ্ডল সক্তব উৰচি।

ইতাহণ ৰাজদেৰতা পাপতা চ মহারান:। সংবাদমিনসংখ্যমন্ত লোমহর্ণস্ধ্যম

छात्रकरकोश्रमी

स्वरमम विविधिका ने प्रदेश में भूनक्षण नार्षण मार्कोडि काम्विद्वारम केवाइ नहें हैं जि । इस स्वृत्ति मार्चित स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वरति

कारण्यावमी शः

कानिए। भाक्ष्म रताचित्य वर्ण भूकाचीणार्थः । १२। उत्तर भूदः या कृष्ट्रहारण कानिए। भाक्ष्म के विद्यान के विद्या

করিবঃ মুক্তের উপার অভ্নতন্ত্রভানতপ হম ত্রণার 'মুখ কবিব না' বলিখা যে মোচ জ্বিয়াছিল, ভাঙ বিশ্ব ক্রইয়াভ ভাগ । ৭২।

আজুনি ধলিলেন—'কুজা। তোমার অসুধারে আমার দে নোহ ডিরোহিড হইয়াছে, আমি শুভি লাভ করিয়াছি এবং আমার দক্ষেত্র গিয়াছে। অতএব আমি আজ হইতে যাবজাবন ভোমার আদেশ পালন করিব' ।৭০ঃ

তাত প্রা—মোর কিবণ, তারা প্রাপ্ত কল। ইইয়াটো 'আমি করিছ, আমার মুক্ট কর্তন,' এই স্থান আমার—হোমার উন্দেশে করিয়াছে। অবএব অছ হ্টাতে তোমার অধ্যেশ দানন কবিব, অধান হোমার আবেশ হটালে এগনই যুদ্ধে প্রবৃত্ত হুট্টা বিশ্ব ব্যাসপ্রশালাচ্ছু, ইবানিম' ওকানহ' পরম্। যোগ' যোগেরবাং কৃষ্ণাং সাক্ষাং কথ্যতঃ অযম্॥৭৫॥

ভারতকৌ সুদী

সকলাধ অকাজন বন্ধা কথা জনসাধনকলা গীলামনত পক্ষমজ্মধন ধূলব ইং প্রি সময় উচ্চ ইনিটিঃ তে বাজন আহম মহাজুনা কাজনেবত প্রেক্তিচ, ইতি ইন্ধু, আধুসমুম্ভালপ্র গালাম্ অসাধন তলান্তইনা তেমাক্তনকম্, ইনা সাব গ্যাল দখু, আহলীয়া জাতনান্তি এপনঃ

मण्डितिवर्गि दिवस्ती द्वा दिनानमध्य क्रमध्यक्षिता. क्रकाक्ष्मध्यतिमा भाषान भारत्ना क्रमध्योभावतः इ नारमान् क्ष्यम्, दामक क्षमध्य "क्ष्यिक्षित रणगृष्ट भशक्षकः भारत् इ" देन निवदन एक्षणक्षातार, क्ष्यम द्वीनन, अस्मस्किद्धं क्ष्यकृत्, एगणक्षय सम्भाना पृष्टुम्बद्धान्यकः क्ष्याः, भवद क्ष्म, ख्या व्याक्षित्व, द्विम द्वान्यक्ष्म, भृक्षामाद्वर सम्भाना पृष्टुम्बद्धान्यकः क्ष्याः, भवद क्ष्म, ख्या व्याक्षित्व, द्विम द्वान्यक्ष

ভারত ভারদীপ:

সভয় বলিলেন—'বাজা। (গুডবাই।) মহামা কুফাও আজ্নের এই-কপ অফুড ও লোমহবৰ এই স বাদ আমি খাবৰ করিয়াছিলাম ॥৭৮॥

তেতিশীমী —প্রধান কুলবাটুর প্রশ্ন আহ্পারে সক্র কুল্পেন্স্বানকণ উচ্চ ক্লিডে আবস্ত ক্রিছাছিলেন, এখন ডাঙা সম্পন্ন ক্রিয়ে হিনা ক্রেকানীন নিজেব অবস্থাই কুট্যাটুর নিকটে বলিতে লাবিলেন এপন

⁽१६) अञ्भुष्ठकपदः भदम् हेत्रि मीलक्षेष्ठाः भावः।

ৰজিন্! সংস্থাতা সংস্থা সংবাদমিষমস্তম্। কেশবাজ্যময়োঃ পূণ্য ক্যামি চ মৃত্যু ভিঃ॥৭৬॥ স্কাসংস্থাতা কপ্যভাস্ত তবেঃ। বিশামো যে মহান্রজিন্! ক্যামি চ পুনঃ পুনঃ॥৭৭॥

ভারতকৌমুদী

েন চ কীদৃশী হৰাৰ্থ ও চেন্যার বাজবিছি। তে বভন্য ধৃত্রাইন খ্রুষ্, ইম্মকুড্ম, পুনাং আব্ধেনাশি পু ভেনক্ম, কেলবাক্নয়ে, স্বাধ্ম, স্পুন্ স্পুতা, মুত্যুবং, হয়েয়ে মানন্ধ্যে এবামি, নগ্রম, সাজবিহ্বপ্রের ১৭৮।

ভারতভারদীপঃ

যোগেশার কৃষ্ণ নিজেই অক্নের নিকট বলিভেছিলেন, সেই স্বস্থাতেই প্রম গোপনীয় এই মুক্তিক্ষক বাকা সকল আমি বেদব্যাসের অভ্যাতে ভানিয়াছিলাম ॥৭৫॥

ाद्रभ्या - धरे क्षेत्रभाक्षित्र विशेष प्रशास करित व.६—१३दा हेव निवति प्रशासन क्षेत्र व.६—१३दा हेव निवति प्रशासन क्षेत्र क्षेत्र करित करिता कर्य स्थापन क्षेत्र क्षेत्र करिता कर्य स्थापन क्षेत्र क्षेत्र करिता कर्य स्थापन क्षेत्र करिता करिता क्षित्र करिता करित

রাজ। আমি কৃষ্ণ ও অক্ষেত্র অধুত এব পুণ।ছনক এই সংবাদ স্বণ ক্রিয়া ক্রিয়া মৃত্যুত্ আনন্দিত হইতেছি ।৭৬॥

তেওঁতে পাৰ্যায় — সংখি সংগ্ৰহণ মুখ্য চইচাও সংকাং নাৰাহণেৰ সুগেৰ এই সকল কথা। ভানিতে পাৰ্যাহ অন্বৰ্ত আনন্দিত চইচেছি এম্পঃ



যত যেবিশ্বঃ কুকো যত পাৰ্থে। ধ্যুদ্ধিঃ।
তত্ৰ উ্বিজ্ঞাে ভূতিক বা নাতিম্বিদ্ধা ॥৭৮॥
ইতি জীমহাভাৱতে শতসাহস্যাে সংকিতামা বৈদাসিকাা ভীক্সপ্ৰবিদ্ধি
ভগবদ্গীতায়া দিচসাবিংশাহসায়ঃ ॥০॥
গীতায়ান্ত অকীদশোহসায়ঃ ॥০॥

সমাপ্তেয়ং ভগবদ্গীতা ॥

ভারতকৌমুদী

ভারডভাবদীণ:

তেম ব্যক্ষে বিশেষ্ট টি কালতে। আবহি কা নিমাদিক কা ক্ষণবান্ধক ব্ৰুটবান্। ভচ্চ অসংট্যানিকাৰিকজনক সঞ্জলতিকি আছিল নিমাদিক কৰে কাম

"অহীভানাগ্ৰহ বৃত্ত বীকাতে কৰ্মিৰ্থই ৷

द्यानी स्वद्यसद्याविष्टि ना. अवृति कृतः ।

स्वादि स्वयम् स्वरं स्वरं वर्षः वर्षः वर्षः ।

स्वीदि स्वयमितिकात्राद्यस्य स्वरं वर्षः ।

स्वयमितिकात्राद्यस्य स्वरं व्यवस्थात्रस्य ।

स्वयमितिकात्रस्य वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ।

स्वयम्बद्धार्यस्य वर्षः ।

स्वयम्बद्धार्यस्य वर्षः ।

स्वयम्बद्धार्यस्य स्वयम्बद्धार्थः ।

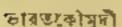
द्यात्रिक्षस्याद्यम् स्वयम्बद्धार्थः ।

स्वयम्बद्धार्यस्य स्वयम्बद्धार्थः ।

स्वयम्बद्धार्यस्य स्वयम्बद्धार्थः ।

देनव पृष्टेः कृष्टिर स्वयम्बद्धार्थाः ।

देनव पृष्टेः कृष्टिर स्वयम्बद्धार्याः ।



क्षेत्रका यार दिवृत्तिर हकार क्षेत्रका क्षेत्रकृत्यनकः। एक्ष्तिरवारमारु व मानार क्ष्मारङ्गः एक्ष्मारकः 'विव्रक्षिति स्थान्तर' ॥५॥ स्थान क्ष्माति व्यविद्य स्थानिका। य्यव्याक्षात्रमामस्यक्षः स्थान्तर्थात्रमामस्यक्षः स्थान्तर्थात्रमामस्यक्षः स्थान्तर्थात्रमामस्यक्षः स्थान्तर्थात्रमामस्यक्षः। स्थान्तर्थात्रमा मरस्यर्थन्तर्थः गर्थः। स्थान्तर्थात्रमा सरस्यर्थन्तर्थः गर्थः। स्थान्तर्थात्रम् स्थाः सरस्यर्थन्तर्थः गर्थः। स्थान्तर्थात्रम् स्थाः सरस्यर्थन्तः। स्थान्तर्थात्रम् स्थान्तर्थः। स्थान्तर्थात्रम् स्थान्तर्थः। स्थान्तर्थात्रम् स्थान्तर्थः।

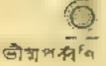
ই ডি মহাম্যোপাশ্যার শিক্ষরিলাসসিকাপুর্থেল ভট্টালাগ্রিক্ডিরারণ মধ্যভারস্টীক হাণ ভার হক্ষেম্নাশ্যাস্থায়ণ ভাষপাশীলি ভলবলটো নারণ বিভার। বাংলাহ্যার, চনা শীর্থেক অইলেপোন্যায়ং চন্দ্

সমাপ্তেষণ ভগৰদ্গীতাৰ। ভারতকৌষ্কী।

____(*:) ___

ভারতভাবদীপ:

शृज्यक्षाद्वे: >, प्रतिप्राधनः >, मक्षः >>, ज्यक्तः ४०, इक १०० (श्राकान् भाउदे भवतीर ।
 शृक्रताम => + २ + ०> + ४० + ४०० - २००



ভারতভারদীপঃ

इ. १ % सक्ताति हो इत्त व कह मान्यक्षाति १३ ना

আৰু, ৰাজ । কংকাৰ সেই অভাতেষ্য বিশ্বজ্ঞপ শ্বৰ কৰিয়, কৰিয়া আনাৰ ক্ৰছৰ বিশ্বয় জনিত্তভো এব বাব বাব শ্ৰীৰ বোমাধিত চউত্তেছে।৭৭॥

া প্ৰে অধ নাপ্ৰত কৃষ্ণ ব'হয় ছেনে এব নাম প্ৰে অধিভীয় দ্যুখ্যান্ধা আছেন অবস্থান কৰিব এছেন, সেই প্ৰেই ব'ৰহস্পাস্ ৰহিয় ছেই প্ৰেই ক্ৰিয়েছি, সূত্ৰা সেই প্ৰেই বিশেষকপ্ৰে ভয়লাভ হইবে, বাভাসপ্সত সেই প্ৰেই অভ্যোজাবিনী এব স্থাস্ত ন'ভিন্ধান্ত প্ৰেই প্ৰেই ধ্ৰিবে' মণ্ডা

ক্ষাংক্রপ্রেটা একত এক সংখ্যার প্রেশ স্থান এইছ ছাক্রিকেও এখনই প্রেট্ডেরস্ট্রস্থিক অংশন্র উচিত্রখন।



(৩) ভীমনগলন ৷)

ত্রিচত্তারিংশোহধ্যায়ঃ।

সঞ্যু উবাচ। ০

ততো ধনত্য দৃষ্ট্র বাণগান্বলারিলম্। পুন্তের মহানাদ বাক্তন্ত মহারণাঃ ॥১॥ পাণ্ডবাঃ ক্রয়াকৈচর যে চৈধামকুলালিন:। প্রদান্ত্রিঃ শ্মান্ধারাঃ সাগ্রসম্বান্॥২॥

क्षांबक्षकोश्रमी

भीव भी शिष्ट प्रमिति हिंद मुख्य क्ष्य । अहा यह अब्यु क्ष्म दिन है दिन्द अन्तर । इस्ति क्ष्य क्ष्य दिन है क्ष्य अन्तर । इस्ति क्ष्य क्ष्य दिन क्ष्य अन्तर । इस्ति क्ष्य क्ष्य

পাওবা ইডিঃ সাগ্ৰসম্বাৰ্, আভতৰ বিশ্ দলনীনি হাপেই ।।।

সদাহ বলিলেন—'ভাচার পর পাত্রপক্ষি মচারপেরা অজুনকে উক্তিও এবং বাণ্যান্তীবধারী দর্শন করিয়া পুনরায় মচাপে চনাদ কবিলেন ৪১৪

পাত্ৰগণ, স্ঞুয়গণ এবং ধ্ৰোৱা ট্লাদেৰ সমুগানী ছিলোন, সেট বাংৰৱ। আনন্দিত চুট্যা সমূহতাত সম্সমূহের ধংনি ক্ৰিলেন চল

इ. श्रिष्ट १ विक्रम् १ देनाच्यादन छेना । १ देन, स्वरंत न स्वरंत १ विकर्ण ।
(वाष्ट्रमध्योदर) , या व्या व्याना इक म्यवप्य विनिर्णता । भक्त द्वारी वी या भक्त द्वारा । इति । भक्त ने विवर्णता मक्त देन यह । ये इत्या । विकर्णता । भक्त ने विवर्णता इति । विवर्णता विकर्णता । विकर्णता ।

তথা ভেষণেত প্ৰস্তুত ক্ৰম্না গোবিষালিকাঃ।
সহবৈধান্ত সংগ্ৰহণ ক্ৰম্বানাহতবং ॥ আ
অথ দেবাঃ স্থান্তীঃ পিত্ৰণ্ড জনেখাৰ !।
সিদ্ধান্ত্ৰণাশত স্থান্ত দিদুক্ষণা ॥ ৪॥
ঋনবন্ধ মহাভাগাঃ পুৰস্কতা শতক্ৰমু।
সমীলুক ব সহিতা দেউ ভূতিৰশসং মহৎ ॥ ৩।
৩) গুলিন্তিৰো দৃষ্ট্ৰ যুদ্ধান ভ্ৰম্যাতে।
তে সেনে সাগৰ প্ৰথ মৃতঃ প্ৰচলিতে নূপ! ॥ ১॥

कारक(कोश्मी

ত্থিতি কোনাৰ্থক নামন বাজাবকেয়া। অভ্তন্ত অবাছাৰ চকা বাবেতি সাংগুত্ত স্থা কিন্তি চুড্তবৰ্তনাইছে । লগ ভূম, ইংজা পুতৰুত, অধ্যাত ক্ৰা, ক্ৰক্তুমিক্ষ্ চিবেস মাবীষ্ট্ত ভূমত ক্ৰুত কন্তালন অধ্যাবক্তি ধ্যাত্তি ক্ষেত্ৰ

ভারভভাবদীপ:

শ্বী হা প্রাণ করবা ইন্দ্র স্থা, পদ্র প্রাক, লৌইছর প্রায়ের অবং বিহ্নী করে নর্না হয় বানা কর্মিছি। অবক্ষ সম্মূলি পাওবানামিষ গুজ্বদানু হাছা-প্রায়েশক ক্রিবালি, সম্ভূমি বলবসভ্যাহ্য, অক্সেম্য ক্রিবালামিক সাল্যমানের নিব্যার ক্রেণার হব লাভি দল আনু , ক্রাব্না অহণ ক্রেম্যুক্সান্থমার হবেহর ক্রেম্বালিক হিছু স্থা বিব্রা হ্রা—সংখ্যান ক্রেমিটি স্থাবি চাতি ক্রেমিটি স্থাক্ষা ক্রিয়ে ব্রন্থ ভ্রেমিটার ক্রেমিটিকে,

সার সেই সন্মেই চেরা, পেশী, ক্রচ ও গোবিষার বাজিয়া উঠিল; তথ্য সেই শক হুম্ব হুইয়া প্তিল াগ

মহার।জ। ভারাব পর দেবগণ, গজধগণ, পিতৃগণ, সিদ্ধাণ ও চারবগণ যুদ্ধ দশন কবিবার ইড্যায় সেস্থানে আগমন কবিকোন ॥॥॥

এব, নহাথা অধিতাশ দেবলাজ ইন্দ্ৰকে অগ্ৰবৰ্তী কৰিয়া সেই মহাধ্য দেখিবাৰ জন্ম শব্দিত হইড়া সে ভাষে উপভিত হইতেন (৫)

রাজা। ভারার পর যুদিকির সম্ভর্কা উভয় সৈতকে সুদ্ধের নিমিত সম্ভঙ্ ও অনববত অগ্রসব হইবার জ্ঞা আগ্রাভিড দেখিয়া মনে মনে তং-কালীন নিজ কর্মবা ভিত্ত করিলেন । ৬।

⁽৩) -তত্তালেধ্যক তানি। (৪) পেধ কেব(১৮বানি। (৬) মূভাধ্যক্ষিতে ---রানি।

विबृह्य क्रिक बीट्ड) निकिला ह दहांत्रम् । অবরুহ রণাভূপি পদ্যাদেব রুভাগুলি: ॥৭॥ পিতানহমভিত্রেক্য ধর্মরাজে। মুধিতির:। বাগ্ৰতঃ প্ৰায়ে বাঙ্মুদ্ধ। রিপ্ৰাহিনীমু ॥৮॥ (মুখাকম্) ত অধান্তমভিপেকা কুন্তীপুরো ধনলয়।। অবতীৰ্ণ ৰথাত্ৰণ আহুছি: সহিত্যভ্ৰণাৎ মানা वास्तरम्य ६ ६ अस्ति । शृष्टेर अध्यक्षणां । ম্বাসুস্থি বাজানত" সমাজ্যা কুহ্তকা: ॥১০॥

व्यर्क्त छेवाह ।

কিং তে ব্যবসিতা রাজন্ । সমস্যানপথায় বৈ ৷ প্রামের অমানেহিদি আঙ্গুমে। রিপুরাহিনীগ্ ॥১১॥

भारकरको दुगो

বিষ্ডেরতি । ধবাসুগমুজি এবং দক্ষ । ব লাগত হং লাবিবং, দাতে বৈশ্ব ন্ধণ ১০১ स्थित । अवन्य य पुलिक्षितरमनाञ्च स्थान । 🙉 व अस्पत है। है। भूषार अधानमनिकत्रा हि यदाम ।भू १३०॥ কিমিটি। তের্য, ব্যেপিট্মভিলেসম্ । ১১৫

ভারতভাবদীপ:

अखदा प्रस्कर्भ सुकार्था स्वापा मृत्हे सार्थः १० १० १० इत्हार प्रसार १००० १००० কাহলাং। একচা দ্বদ্ধান। লোবিদানিকা প্রাদিশক বি সংসালুগুলাধৰ অভাবকৃত্ আৰাখ্য ১০—৬। বৰ মূল প্ৰত্তিমন্ সৰকজ মহতীয় ৫৭—৮০ তেন বিভয় থেনে ख्यन समाताझ तीत प्रिष्टित कत्रह प्रिष्ठा ता यह , सम् প्रतिकाश करिया, র্থ হইতে সৰর অবতীর্ণ, কৃতাঞ্লি, মৌনা, বৈধানীল ও পুরুষ চইয়া, চালের প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া শ*ক্লৈকোর দিকে পদর্গেই গমন করিতে*

माधिरणम् ॥१---५॥

উল্লেখ্যে সমন করিতে দেখিয়া কুড়ীনন্দন অজুন সহর রথ হইতে অবভরণ ক্রিয়া লাভাদের সহিত মিলিত ক্ইয়া ঠাছার পশ্চাং পশ্চাং ঘাইতে माजिएम्ब ॥३॥

র্ভি। সেই সময়ে কৃষ্ণ উলোব পিছনে চলিলেন এব আধান আদাম বাছারাও উংক্টিত হইয়া ভাঁহার অসুসরণ করিতে থাকিলেন ১১ •ঃ

(৮) - अध्योदी त्यम ^इल द। व कः (म) व्यवसार मि। १००) वाक्रमवन्त्र उत्तवान् गर्भने जा।



डीयरमन खेताह ।

ক স্মিশ্বদি বাজেন্দ ! নিকিপুক্ৰচাৰ্ধ.। দংশিতেশ্বিলৈক্তিশু দাভূকুংকজ্ঞা পাদিব।॥১২॥ নকুল উৰাচ।

এবং গতে ২য়ি জোজে মম আত্রি ভারত। ; লীমে জুনোরি কণয়° কহি গড়া ভবান্ক সু॥১ আ

भरुद्धव खेवाछ ।

অধিন্ রণসমূহে বৈ বভ্যানে মহাভাষে। মোজাব্যে ক বু গ্রাসি শক্তেনভিয়বো নুপ । ॥১৬॥ সঞ্যু উবাচ।

এবমালাক্ষমাধ্যেছিপি আতৃতিঃ কুক্রনক্র ।। নেবাচ ব,গ্যতঃ কিঞ্ছিপ্সচহতোৰ কুমিটিরঃ॥১৫॥

कारकरको गूमी

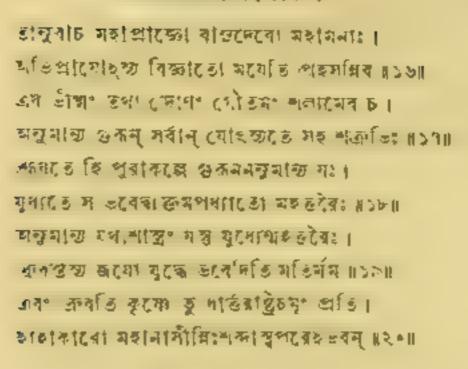
ভেতি। নিক্সিক্রচ মুখ সংক্রম হ । স্থিতের স্বশ্বস্থানত ১২২২ এক্সিটি । কাড প্তর্তিতি প্রস্থিতে । তাজেও সম্বাধানাক্রমভ্যম্ ১৯০২ আক্রিটি । বাসমূহে বড়ভিং ক্রিক্র বেল্ বঙ্গু বংলবু ১৯৪॥ এক্সিটি । বাসমূহে বড়ভিং ক্রেক্র বাবানিবিক্ত হাদি মুক্তর, ১৯২॥

তথন অসুন বলিলেন -'রাছা। আপনার অভিয়ায়ট। কি 🕆 আপনি যে আমাদিগকে পরিভাগি কবিয়া পুর্বস্থ হইয়া শতুংসিজের দিকে পদবজেই গমন করিতে লাগিলেন' ॥১১॥

ভীমদেন বলিলেন—'রাছেভাগ রাজা ৷ শৃষ্টাক্ত যুদ্ধসভায় সভিত্ত বহিয়াছে, এই অবস্থায় আপনি কবচ ও অস্ত ফেলিয়া আহুগণকে পরিস্থাগ ক্রিয়া একাকী কোপায় মাইবেন গ্রাহ্ম

নকুল কহিলেন—'ভর্ডনজন। আপনি আমাদের জোচ বাডা চইয়া এইভাবে শক্ষণের দিকে গমন করিছেছেন বলিয়া ওয়ে আমার ক্রন্যু সমূপু চইডেছে, অভত্তব বলুন—মাপনি কোথায় যাইবেম ৮' ৮১ ব

সহদেব বলিংশন -'রাজা! অভিনয়ন মৃদ্দম্য এই উপস্তি হইল বলিয়া, এ অবস্থায় আপনার সৃদ্ধই কঠবা, ভগাপি আপুনি স্কুগণের দিকে কোথায় গমন করিবেন ?' #\$84



खात्रकाम्नी

জানিতি। বিজ্ঞান্ত জন্মনাধ্ৰপত । ৮০ এই ইবি । এই মুনিটাইন । বেটি সংক্ৰম্ব, অনুন্ত সমাক (১৭০ ক্ষুত্ৰ হ'। প্ৰাৰ্থ প্ৰতিন্তুলনাথে ৷ বাজ্য জন্ম, অপ্নাটে সভিশ্যান কৰ অনুতি ৷ মানুবিত কল্পনাম ক আৰুব নিশ্চিম (১৯৮) এবলি হ'। ২০০ কৰে মুনিটাকল শিতাচাবেশ ক্ষেত্ৰ সন্ধ্যান হ'বে এইন

ভারস্ত হাবদীপঃ

সপুষ্ কহিবোন 'কুক্নকনণ ছাডাবা এইকপ বলিতে লংগিলেও খৌনী মুখিছিব কিছুই বলিলেন না, যাইডেই লাগিলেন ছাজা

ত্থন মহাবৃদ্ধি ও উদারচেত। কৃষ্ণ হাসিতে হাসিতেই যেন ভাহাণিগকে বলিলেন 'মানি টহার অভিযায় বৃকিয়াছি ॥১৬॥

ইনি ভীম, ছোণ, কুপ ও ললাপ্রভৃতি সকল গুক্তনকৈ স্থান প্রেশন ক্রিয়া প্রেশ ক্রগণের সহিত মুক্ত ক্রিবেন ॥১৭॥

প্রাচীন স্থলারে শুনিতে পাই— যে ্লাক শুক্জনের সম্বান্ত। করিয়া যুদ্ধ করে, সে লোক শুক্জনক ঠুক সভিলপ্ হয় যেলঃ

আর, যে লোক শাস্তাল্সারে গুক্তনের সম্মান করিয়া পরে ঠাহাদের স্থিত মুদ্ধ করে, ডাহার নিশ্চয়ই জয় হত। আমারও এইজপই ধারণা ॥১৯৮

(११५) । द्यार कट्ट मानिस्यक्ति कि -- वि देर ।



कृते। युषिष्ठितः वृत्राकार्डवाद्वेष्ण रेमनिकाः।

श्रिशः मक्रश्याककृत्वरमा वि क्लर्राः मनः ॥२५॥

यास्तः श्री व देवार जावि दाकारमा श्री मामस्विक्य्।

यूत्रिष्ठितः मरमान्द्राः न्यत्रार्थः श्रशावकः ॥२२॥

यनशर्य कथः नार्थ भाष्ट्राद्व तरकान्द्व।

नक्रम महरम्य व श्री व्यव्हाव कर्षाः व भाष्ट्यः ॥२०॥

न न्नः कविष्युत्व कार व्यव्हाव व भाष्ट्यः ॥२०॥

व ग्री किष्युत्व कार व श्री व श्री प्राप्ति व स्था व ।

यथात्रा क्रमः वो वस्त्रमञ्जा मः यूर्ण ॥२॥॥

व वर्षाः स्थान्याः मर्व श्री भाष्ट्यः भृषक् ॥२०॥

कर्षाः श्री वस्तरमा स्था क्रमान् स्था स्थान्।

कर्षाः श्री वस्तरमा स्था क्रमानि स्थानः भृषक् ॥२०॥

व वर्षाः श्री वस्तरमा स्था क्रमानि स्थानः भृषक् ॥२०॥

ভারত(को यूमी

ষ্ট্ট। মিণ পরক্ষরম্। এব ই । বিস্পর্কালভোৱা আর বিজঃ ব কান টা অভিক্রমাক্রফিকসম্। সংসদিধ আহতি, বহ ১২২১ বন্ধন ই ২। নাথে বজ ক সতি। পাত্রে গৃতিদিয়ে নাল

নেতি। এই যাত আন্তর্জ আন্তর্জ, সংস্থা মুখ্যে, "সন্ত্যা প্রত্তের ন বিশ্বজ্ঞ বিজ্ঞানী ইতি প্রথমত সমুগ্র নহনাই সৈনিক। সুদিটোরা না প্রজ্ঞানু, মুদিটারার স্থায় বাধ্যিতে, চাম্মনিত মত্রাজিকাত ১৮ বী ভ্রেন্ত্রেক হ'ল চাক্য নাম নিশ্বিত তব সাহিত্য

रहारी । क्षण रुष्टि १६, युविविद्याद्याराचा । दल , १६० १६८८। १४४८ । १४४ । अनुसरम्ग विदेशको ६५१ , ६७ साचि वस्त चि, ६५० । वस्त ग्यास्थ , ११ १०८८ हराच्य १२४॥

কুষা এইবাপ বিশাপে, ভূগোনিনটাগ্রেবে কতক আংশ গুরুতের হাছকোর উঠিল এব অপৰ আশা নীবৰ রহিল ৮২ন।

ভ্যোধনের সৈক্ষেরা দূর চইচে যুদিন্দিরকৈ আসিতে দেখিয়া পরস্পর এইরপ আলোচনা কবিতে লাগিল "এটা কুককুলের অধ্য ২০১৪

কাৰণ, ঐ ৰাজা যুধিস্থিতা। নিশ্চয়ই ভীত হইয়া শ্ৰণাগত হইবাৰ অহা জাভাদেৰ সহিত আনাদেৰ নিকটৰতী ভীলেৰ নিকটে আসিতেছে এ০০০

ভীম, অজনুন, নকুল ও সহদেব রজক পাকিছে এ যুগিদিরটা ভীত হইয়. আন্সিটেছে কেনে : ১২০৮

নিশ্চয়ই এটা কগংপ্রাসিদ্ধ করিয়ব শোক্ষর গ্রহণ করে নাই: যে হেতু এই সুক্ষে লোকটার মন যুদ্ধে ভাঁত চইয়াছে ৩১৪৪

(২০) দুটাযুদিটির ফরে: পি । (২০, বাকুং ডাড টবাডোটি হা ব্র নি । (২০) পাওবেচ কুকোলরে ডীডিবডোটি পারবম্ নি ব । (২৯) ছাত: সংপ্রদিতে ফুবি---মিরা। বানিক্ত ততঃ সর্বে লোধান্ত এ বিশাণপতে । ।
বুলিছিরণ সম্পাদয়াণ সহিত্য কেশ্বেন তু ॥২৬॥
তত্ত্ব কৌরবণ সৈত্তা দিব্রহণ তু যুদ্ভিরন্ ।
নিংশক্ষভবত্ত্বণ পুনবেব বিশাণপতে । ॥২৭॥
কিং কু বক্ষতি রাজাদেশী কিং দীলাঃ প্রতিবক্ষতি ।
কিং দীমঃ সমর্দ্রাখা কিং লু কুফার্ল্নাবিতি ॥২৮॥
বিবিক্ষিত্রণ কিম্নেতিত সংশ্যা ভ্রমতান্ত্র ।
ভূবিখাঃ সেন্দ্রা রাজব্ । মুদ্ভির্বতে তদা ॥২৯॥
সোহব্যাক্র চন্ন্র শ্রোং ব্রদ্ভিন্নবিত তদা ॥২৯॥
সোহব্যাক্র চন্ন্র শ্রোং ব্রদ্ভিন্নবিত লাম্।
ভীল্যবেবাভাষাত্র্বণ জ্বাহ্নির প্রিব্রের সংগ্র

कारकरको भूगी

বংলিকাশ্বির বালিক্স কেলিটাটিছ লৈ বন্ধন্নসভাষন নগা ভাতত্বি ক্ষিত্ৰ বিশ্ব কি বিশ্ব কি বিশ্ব কি বিশ্ব কি বিশ্ব কি মতি নিৰ্দিত কি বিশ্ব কি বিশ্র কি বিশ্ব কি

भागवस्थानमील:

প্রাচীন্দ প্রাচন চলচ বিভাগ কর্ম, এ বার ও ও পর্নার থাকি বস্থা বাস্ক্র নির্দ্ধ ন্যুক্ত নামুক্ত আর্থার স্থান্স্ভিত্ন বিভাগের বিভাগের আর্থা প্রাচিত্র

ভাষার প্র দেই সেকোরা সকলে আন্তিত্য ও নির্বিত্তিও ইইয়া কৌরব-গুলের প্রশাসা এব পুথকু পুথকু ভাবে বহু কম্পন ক বঙে লাগিলে ॥১৫॥

নরনাথ : ভাতার পর মোদ্ধারা সকলো নার্থণ ও কুলোর সহিত মুদিন্তিরের বিশেষকপ নিন্দা কবিতে লাগিল চেডঃ

নরনাথ। তংগধে কৌবনসৈলোব ম্ভিজিনক বিকাব দিয়া পুনরায় সংহট নীয়ের হউল গ্রাম

জ যুদিদির, মুদ্ধোঘাকারী ভীম এব কুক্ত ও সংখ্য ভাষকে কি ব্লিবেন, আর ভীমুট বা ওহাদের বাকোর কি উত্তর দিবেন চেচ্ছ

বাল্ল । বিশেষতঃ ধৃথিদির কি বলিতে উচ্চ কবিয়াছেন, এইকাশে মুধিচিবের জন্মই তথন উভয় সৈন্দোরই গুকুতর সাশহ উপস্থিত চইল মুখ্যা

(১৬) বাদ্ৰত হত কা, বাদ্ৰত তথ সংক্ষাত্ৰণত বি বা (১০) মতবাৰ কৌৰবং গৈলস্থাৰ বি বা।



ৰম্বাচ ভৱঃ পাদে) কৰা আং পীম্য পাদ্ৰঃ। এলিং পাতুনৰ ৰাজ্য যুক্ষাৰ সমৰ্ভি হন্॥৩১॥ সুধি**তীয় উবাচ**।

ক মনুধে রাণ দুক্ষি । হল গোৎস্থান্ধে সহ। অনুজানীয়ি মাণ তাত । আনিষ্ঠৈতন ,নাজন গুজা। ভীকা উবাচ।

মতেবং নাভিংক্ছেথ, সুধি মাং পুথিবীপতে। • পেনং হাং মহারজে। পরভাবায় ভারত।॥০০॥ ৬তেবংশি বাজন। সুবাস জংমাগ্রহি পাদেব।। নাবেহভিন্যিতং চাতাতদ্বাগ্রি সংস্থে॥০১॥

ভারতকৌমুদী

न प्रति । भारती ही पाक क्ष्यांगी, भी भारता प्रति १ भारताय प्रति । । । भारत्य हो । भारत्य प्रवस्ति प्रति प्रति के का अभारताय । । १६ १ मा १ । भारताय भारताव्याः । भारता भिष्ठ काष्ट्रपामिक मा स्था यू । आ भारता के । भारताय भारताव्याः । भारताय ८३ व लिल्लिक्ष, । भारताय व १८४।

ভারতভাবদীপঃ

বিভাত ক্রেছিলির ১৮৭—২৮। বিশ্ববিদ্ধার সমুদ্ধিম ১২০ ১৮। পর ভারাধ সধ কুম লবংকু ভারত সংক্রাম সংখ্যাম বাংক্তিক । প্রক্রেছিলি বিহারেছিল

ভবপ্ৰে মৃথিটিৰ আহ্বানে পৰিনেপ্তি হইয়া বাণ ও শক্তিত প্ৰিপূৰ্ণ শুকুইস্কুমধ্যে প্ৰেশ ক'বয়, ভীয়েৰ অভিমূখেই সহর গানন ক'বলোন ॥৭০॥

ওদনত্ব ব্যঞা মৃশিকির ইস্কৃত্যলথাকা, মৃদ্ধের জন্ম অবস্থিত শাস্ত্রনালন চীমের চরণমূগল দাবণ করিয়, উচ্চাকে বলিলেন ১২১৪

মুদিকিক দলিলেন — 'জ্ঞাস পিতামহ । মানি অপেনাকে মাজনান ক ক্তেছি, আমারা মাপনার সহিত সৃদ্ধ কবিং, আপনি আমাকে অভ্নতি দিন এবং আশীকাদে ককন ॥২১॥

ভীম বলিলেন 'ভবতনক্ৰ পৃথিৱীপতি মহাবাদ ৷ তুনি য'ল যুগ্ধ এই ভাবে মানার নিকট না আসিছে, ওবে অমি প্ৰাভবেৰ ছল ভোষাকে অভিস্পাত কৰিতাম ॥২২॥

(७১) युक्तम अनुभक्षिक्रम्—न य व सि. (७२, व्यक्तिनफ भ्राटाकान्ते सि.) (७৪) श्रीहरू।अस्ति भुद्धाः युक्तम् यह श्रीहरू।असः सुद्धाः युक्तम् य सि বিশ্বাক বরং পাথ ! কিমন্তে চাহচিক সি।

এবং গতে মহারাজ । ন রবান্তি পরাজ্যং ॥ হল।

অর্থ প্রত্যা দালো দালপুর্ণো ন কজাচিং।

ইতি লতাং মহারাজ । ব্যোচন্ত্রাপেনি কৌর্ণেং ॥ হতঃ

অর্থাং রাববছারাং বর্বানি কুরুনন্দন।।

পুরেহিল্যাধেনি কৌর্বা! যুদ্ধানতাং কিনিজ দি॥ হণ॥

সুধিতির উবাচ।

মধানে মহাপ্রাজ্ঞ । হিতিহয় মন নিতাশ:। মুনাস কৌরবাহেগ বৈ মইম্য সত্ত বর:॥৩৮॥

ভারতকোর্দী

ভারতভাবদীপ:

ষা এখাপ্রি এক কথা তবৰ পাছত উদ্ধানৰ বৃতি হুছি কো—কথা ঐপিবং জোকাজ ক্রজা স্থানজানিতি অধিক সংক্রিয়া কাস্ত্রহ, চ্ছান্থানিত স্থা প্রাচিত্রীয়াই

কিছু পাড়ন-দন গ্রামা। আনি এখন ছোনার প্রতি সঙ্গী চইয়াছি, তুমি যুদ্ধ কথ ও ভয়লাত কর, আরু যুগুনিধ্যে ছোম ব অহা যাহ, সভাগী আছে, ভাহার লাভ কর ॥২৪॥

পুথানকান নহাবাজ ৷ সুমি আমাৰ নিকট চটতে কি লঠতে ইন্ডা কর, সেই বর প্রহণ কর এইরূপ চটলে আর ছোমাৰ পথাছয় চটাৰ না চাংলা

মহারাজ। সাত্র অধের দাস, কিন্তু অর্থ কচোরত দাস নহে, ইছা স্তা সুত্রা কেবিবের অধ্যারা আমাকে বলীভূত কবিয়া রাপিয়াতে ॥ ৬॥

অভএব কৃত্য-ক্ষা আমি মপু সংক্ষ সায় ভোষাকে এই কথা বলিতেছি যে, এ যাবং কোববেরা অমাকে অধ্যাবা পোষণ করিয়াছে। সাহবাং কুক্মক্ষা ভূষি আমার নিকট যুজ্ভিল অফ কি লইডে ইঞ্চ কর, (ভাহা বুক্স

(০৭) খলপুৰে কুজনজন দৰ্শী, মণবাম্বা। (০৮) মছবৰ মহাবাচে । ব নি।

ভাক্স উবাচ।

ধাজন্। কিম্প্র সংস্থাতে ক্রেবাম ক্ক্রন্দন।। কামা নাথকো প্রকাতে, ক্রিম্ভে বিবাসিভ্যু ॥৩১॥ সুধিন্তির উকাচ।

কং জাগাল স্থানে চৰক্ষপৰ জিক্ষ্। এইবো সমুগ্ৰ হল গুলি প্ৰেণ্ড প্ৰপ্ৰগুলি ॥৪০॥

ভাঁগ উৰাচ ৷

ন রং পশ্য স কোঁতেয়ে। যো সাং স্কারসাক্রের। বিজ্ঞাত গ্রন্ধ শিচনপি সাক্ষাজ্ঞ জ সুং এ৪১॥ বুলি**তির উবাচ**।

তক্ষ প্ৰায় হল হাণ পি শ্ৰহণ নিমান্ত তে। অংশপাৰত বৰাতি হ্যায়ন, সমূৰে পৰি, #৪০॥

ভারতকৌ মূদী

রাজারি ছি। সহা দেশ য়। এর গ্লহণ সার্গরিংশার্কুকুষ্ণসক কার্নিছি। আরু কার্নিজাল দিন্দ্ পাশার দাকর হয় মতা দা। গ নাতি সুশাস্থা নামিন্দ্, মত কাম্বাক্র বাদ্ধার্তিশারে।

যুদিদির বলিলেন—'নহাপ্রাজার আপুনি সংস্থা আমার হিত্রী ছইয়া মধুণা দিন, আরে কে বব্দের জ্ঞা যুদ্ধ কর্মনা, ইছাই আমার স্ক্রে। আপুনীয় বর' ॥২৮॥

ভাষ বলিকোন —'কুকনকন বাজ। আমি ইচ্ছায়সারে বিপক্ষের জন্ম মুদ্ধ কৰিব। প্রেরা আমি এখন তোনার কি সাহায়া করিছে পারি, সে বিধয়ে তোমার যাত বলিব র ইঞা থাকে, ভাতা বল' #:১॥

স্থিদির বলিংশন 'পি হামত। আপনি কোখাও প্রাভিত হন নাই। অতথ্য আপনি যদি আমার মহল সম্পাদন করা উভিত স্লিয়া মনে করেন, তথে আপনি আমার এই তিংহর কথাটা বস্তুন যে, আনি কি প্রকারে অপিনাকে সৃত্তে ভয় করিব' ৪২০৪

ভীম বলিলেন 'কুলু'নকন' অংমি সমহাজনে মৃদ্ধ কৰিছে লাগিলে, কোন পুক্ৰ আমাকে জন্ম কৰিছে পাৰে, এনন পুক্ৰ আমি দেখি না, সাকাং ইম্মণ আমাকে জন্ম কৰিছে পাৰেন না' ৪৭১৪

(৪১) নৈনা প্তথিম নি ও । (৪০ হয় পুজ্যার হলাভাষ্ বংশাপাথা বংগতি আমু নিরা।

ভীপা উবাচ।

ন আ ডা ডাঙ । পশুনি সমরে (বা জয়েও মানু। ন ডাবমা ছুকোলো (ম পুনরাগ্যন কুক ॥৪৩॥ সঞ্জু উবাচ।

ততো মুখিটিরে, বাক্য ভীজাত কুক্রন্দর !।
শির্দা প্রতিজ্ঞাই ভূষত্বভিষাত চ ॥৪৪॥
প্রায়াং পুনর্মহাবাত্রাচার্যাত রখা প্রতি !
শশ্য ভাগ সর্বদৈতানা মধ্যের জ কুভিঃ সহ ॥৪৫॥
স জোণ্যভিষাতাপ কুই। তৈব প্রদক্ষিণ্য ।
উবাত রাজ্য তুর্ক্ষ্মা মুনিংশ্রেয়সা বচঃ ॥৪৬॥

कारकरको पृकी

ख्यानिति, या गरेत अह सम्रत्य व्याद्य क्राह्मणाह हराति छोड । ६२३ मिछि। त्याहि शासन्तर्थ व्याद समृत्यात हेराले १६२। क्षण हेखि। क्षण भूनत्रि । ६६६। ज्ञाह्मणिति । भट्ट नाह्मणाहित, य ठावाल , सामणाहित। भारति द्वारास्म, ज्ञाह्मि (ज्ञाह्मणाहानः स्थलकर्म्।६५)

ভারতভাবদীশঃ

(৩৭--৩৮) সংজ্ঞার হাষ্চেস। তেওঁ, প্রশাসনি হণি বকু" মধ্মিণ মঞ্জে সহি ষ্টেপ্রের ।৭ন—৪ন। সংখ্য সমস্তি ।৭৩--৭১। আহমিনিপ্রেমণ অবিভস্গন্ম ।৭ন

যুষ্টির বলিলেন—'অভএক পিডামহ। আপনাকে নমসাক কবি এক' ভিজোসা করি—সকুর সহিভ কুজে আপনি আপনাব ভয়েব উপায় কগুন ১৭২॥

ভীয় বলিলেন -বিংস ! সূত্র আনাকে যে জয় করিবে, এমন পুক্র আনি দেখিতে পাই মা, কিব। এটা আমার মৃহাকালও নহে আচএব আবার আসিও' #৪২#

সপ্নয় বলিলেন—কুকনক্ষন। ভাষার পর ব্দিপির পুনবায় ভীমাক অভিবাদন করিয়া ভাষার সেই বংক্য মস্তকে ধারণ করিলেন লগণ।

ভংপরে আবার মহাবাজ মুধিদির আহ্গণে পরিবেটিত রইয়া দশনকারী সকল সৈক্ষের মধ্য দিয়, জোণাচার্যোত রখের দিকে গ্রম করিলেন ১৮৫॥

ভাহার পর রাজ। যুধিছির ছোণকে অভিবাদন ও প্রদক্ষিণ করিয়া ভাহাকে নিজের মঙ্গলজনক এই বাকা বলিলেন—॥২৬॥

(so, ন ডাবলু হুকোলেছলি নিৰা।

আহিল্যে ইণ ভগবন্। মাংক্তে বিগ্রক সমে। কথ জ্যে বিশ্নু স্বান্দ্র ক্রেয় ছিজ। ৮৭॥ ভেগে উবচে।

হলি মা লাভিত হৈছে গা যুদ্ধান কুলনিল্চন।

শংপান হা সহাৰজে। পৰাভাৰতে সৰ্বশ্ৰাছেল।

গুলমুদিট্ৰ ভ হুক্টোহাতে পুজি হল্চ হথান্য।।

অনুজনোমি মুৰ্দ্ধে বিজ্ঞান সম্বাজুহি ॥৪৯॥

কুৰ্বা ৭ চ , ই কামন ক্ৰহি মহে বিব্যক্তিম।

হৰ পত্ত মহাৰজে। মৃদ্ধানতহ বিনাহছিল ॥৫০॥

হন পত্ত মহাৰজে। মৃদ্ধানতহ বিনাহছিল ॥৫০॥

হন কুল প্ৰত্য লাকে। নামস্বৰ্ধে লক্ষ্যিতহ ।

হবি সভাত মহাৰজে। বজোহত্যাগে লক্ষ্যিত্য ॥৫১॥

ভারতকৌষ্ধী

स्थित । श्री क्षा विकास कर्ण न्य न्य स्थानिक स्थानिक । स्थानिक स्थानि

মোরার নালা বাজন। আমি আপনাকে আহবান কবিভেছি। আমি এখন নিজোৰ, অপেনাৰ অভ্নত চটকো মুক সাক্ত কবিতে পাবি। কি প্রকারে স্কল্পত্কে ভয় কবিতে পাবিব, (ভারা বসুন) রেখন।

্ণে বলিকেন -'নহারাজ ্টুনি মুক্তের জল কৃতনিশ্চর হটয়াও যদি আমার নিকটন আসিতে, তবে অনি স্বত্রকাবে প্রভিবের জল তোমাকে অভিসম্পাত করিভাম ৪৪৮৮

কিন্তু নিস্পাপ যুদিনির। চুনি সালিয়া আমার সংখান করিয়াছ, আমি ভাহাতে সভ্ঠ হটয়াভি। শুভারা অনুমতি করিতেছি, চুমি যুদ্ধ কর এবং জারু শাভ কর ৪৪৯৪

মহারাজ। তুনি মারা বলিবার ইচ্ছা করিয়াছ, ভালা বল ; আমি ভোমার অভিত সম্পাদন করিব। কিন্তু রাজা। এই অবস্থাতে ভোমার পক্ষে বাইয়া মুখ্য করা ছাড়া আর কি ইচ্ছা কর, ভালা বল এ৫-এ

(৪৮) পরীভারটে সংলণ—বংনি। (৫০) করি অন্তিকাতিম্রানি।

ত্ব হয়। ক্লাবৰছাকা তেবীনি ক্লনন্দন । গোংক নি কৌরবজাগে ত্বাশাকো জ্যো নগা চহন মুধি**তির উবাচ**।

कशमानाम्य (य दक्तम्। यञ्चल ६ यक्तिहम्। गुक्षास्य (कोदनक्षार्ट्य दह अव दुर्द्धा यमा ॥कथा

ছে!৭ উবাচ।

भाषा विकास देशकान् । या बहुत विदेशकाः । या बार्या देशकानीय करने भारत्न (विदेशकाः) ॥ वस्ता यह सम्बद्धाः कृष्का गरः कृष्ण छहि। क्षाः । युमाष विकास कोहस्य । शुक्क वां कि नवीसि हि ॥ वदा।

छात्रकरको मुनी

ষ্ঠার। আলাক ব্লীকাল ব্যক্তির (১৯১)
সংখ্যিতি আলালক ও শ্রীকালবৈষ্ণ কর (১৯১)
দুল লামি। অভিস্থানী, ভারতিম্পিক্তর বিষ্ণাল, হর্ম লাভা মুক্ত লামি। অভিস্থানী, ভারতিম্পিক্ত বিষ্ণাল, হ্রালাভা

মানুষ অপের দাস, কিন্তু অপ কাচারও দাস নতে , ইং সংগা। পুত্রা কৌববের। অপ্লার আমাকে বলীভূদ ক বিয়া বাধিয়াছে ছঃ ॥

ভারত কুক্নক্র। আমি ভারতেক নপুসক্তের ক্যা বাকা বলিতেছি— আমি কৌশব্দেক জন্ম মৃদ্ধ কাবৰ, অপ চ ভারতার ক্যালতের জন্ম আলীকাদ ক্রিব' ॥৫২॥

মুখিটির বলিলেন 'সাসান। আপুনি অনাব ভয়সাভোৱ আশীকাদ ক্রান, আনাব ভিতের সমুল, দিন এক কোবংগের জন্ম মুলা ককন, এই বর আমি বাহণ করিকাম' হবকা

্লেণ বলিংলন শ্বাভাগ আয় কৃষ্ণ গাঙাৰ মধ্য, উচাৰ ভয় অব্শুট চট্ৰে। আমি ডোমাকে জানি, চুন যুগ্ম অঞ্গণ্ডে ভয় কৰিবে গ্ৰাগ

কুন্তানকন। যে পাকে ক্ষা থাকে, সেই পাকেই ক্ষা থাকেন এব ্য পাকে কুন্তা থাকেন, সেই পাকেই জয় হয়, অভ্যা হু ন য ও, যুদ্ধ কৰা, আৰু য'দ কিছু ভিজ্ঞান্তা থাকে, তাৰে ভিজ্ঞান্তা কৰা, আনিই বা ভোমাকে আৰু কি কুলিব—বলা sees



সুধিতির উবাচ।

পুজামি হাং হিজকেও । শুণু মে স্থিবকিত্য। কথা জন্মান সংহামে ভবন্তমপ্ৰাজিত্য ॥৫৬॥ ভোগ উবাচ।

ন , রহজি বিজয়ভাবদ্যাবদ্যোৎভাষ্টেশ বলে। মুমান্ত নিধনে রাজন্ত তার্থ সহ সোদরৈঃ ॥৫৭॥ সুধিতির উবাচ ।

হন্ত তথ্যসমহাবাহে। বংগাপান বলায়নঃ। অভাগা প্রশিপট্ডার পুরুষ্মি হাং ন্মেছিস্ত তে ॥৫৮॥ জোন উবাচ।

ন শতের তাত । সংখ্যামি যো মার হতা এতে কিতম্। স্থামান ভাষারকা শর্বব্যাঘ্যমিণস্যারভা

ভারতকোম্দী

পুরু । বা নাম , বির্ণালক করু মিইয় লেক।

নাম । কা নাম দী দির হৈ হেলামি , হাম্প্রে ছবি হেলা

হার না বা ক্রি চা হারত , সাবাজ আন নামে আবি হেলাহেলাহে লেক।

নোজি । প্রশারক্ষ্ম আবি ইয়াকর্ষক।

ভারতভাবদীপ:

মং বি নতার বিজ্ঞানির সন্তথার ক্ষাত্র প্রত্যানির কর্ম করেছিল বিজ্ঞানির করেছিল করেছিল

বোৰ বলিবলন 'আমি যে পথাতু সম্বাজনে যুদ্ধ কৰিব, সে পথাতু ভোষাৰ ভ্যত্তীৰে না অভ্যাৰ চুমি আডাদের সহিছে মিলিভ ইইয়া স্থ্য জামাৰ নিধ্যাৰ ১৪টা কৰা ৪৪৭৪

স্পিটির বলিংলন "মতএব মহাবাত। আপনি আপনার বধের উপায় বলুন, ফাচায়া। আনি এই অশিপাত করিয় আপনাকে জিলাসা করিতেছি। আপনাকে নম্মার কবি । ৫৮৮

jent utangetrujer ben fall :

শতে প্রাণেশত ব্রজন্। অস্থপস্থতে তন্ম। হতাবাং বৃদি বোধানং সভামেত্রত্বীমি তে ॥১০॥ শস্ত চাহণ রূপে জ্ঞাণে শ্রেষ জন্ত্রপ্রিম্ম। হ'জেয়বাক্যাং পুক্ষ'লেডং সভা প্রবিদি তে ॥৬১॥ সমূর উবাচ।

এইচছু হা মহারজে। ভারত্তিক স্থান হয়। অসুসালি উমাচালি প্রায়াক্তারত গুডি ॥৬২॥ সোহভিবাল কুপা রাজা কুছা চাপি প্রক্রিণন্। উবচে জুইবিউসা বাকা বাকাবিদা বরং॥৬৩॥

छात्रक्रको भूगो

ষ্টে ইডি , শতে বিল , প্রধান মব্যার বিশ্বিষ্ প্রধানক ন মুকা টুলা বার্লাহোরপি" ইডি বিশ্ব নিতঃ ৮০% ও তেন্ত ন হল্লাহার ১০০।

পশ্মতি। অধাণ সংক্ষেত্র আক্রেণ সংগ্রাজিক বিশ্ব কর্মণ কর্মণ । ১৯৫ এডেকিডি। ভারমাজ্য সোলক। অধ্যক্তি পুনন্দ্র বিশ্ব কর্মণ কর্মণ

সেশ্ব বলিলেন— বংস। আম বংগ গাকিয়া অভাস্কুছ চইয়া বাব-সমূহ বধনপূক্ত মুক্ত কৃতিতে লাগিলে, আমাকে বুগ্ছে যে ব্য কৃতিতে পাৰে, এমন শক্ত ত দেখি না ৪৫৯৪

রাজ। ব্যস্তাধি করিয়া অচেত্রের ক্রায় এইয়া মব্শর জন্ম অবস্থান করা ব্যতীত আমাকে যোজাদের মধ্যে কেচট বধ করিতে পাবে না , ইচা আমি ভোমার নিকট সভা বলিত্তিছি ১৮০॥

যাহার বাকেঃ বিশাস করা যায়, সেইবাপ লোকের নিকট হাকতর অপিয় বাকা শুনিয়া আমি যুক্তে অস্তরণাগ কবিষা থাকি, ইচ ও ভোষার নিকট স্ভাবলিকাম ।৬১॥

সভয় বলিকেন – মহাবাজ। যুখটিল, জানী ্ঞালাচায়ে, ব এই কথা ভনিয়া পুনরায় উচ্চার স্থান করিয়া ক্পচোষ্টোব নিকট প্রন কবিলেন ৪৬২॥

বাক্যবিদশ্যের মধ্যে জেল রাজা মুধিছির কুপাচার্যাকে নমস্বার ও প্রদক্ষিণ ক্রিয়া সেই মহাত্র্য বীর্কে বলিলেন ১৯৩৪

(৬৯) কেবা ফু সঙদলিবৰু নি ৰ ৬০৷ কৰ, চণাভলৰকিবমু পি ১

অনুমনেকে হাণ গোৎকামি ওরো । বিশহকল্মাঃ। জ্যোগ্য বিপন্ স্বানস্কাহত্যান্য । ॥৬৪॥ কুপ উবাচ।

মদি মাণ নাভিচেছেখা যুক্ত যা কু উনিশ্চনঃ।

শাপেনা হাণ মহাৰাজ । পাবাভাবিষি সবশঃ ॥৬৫॥

আগ আ প্ৰত্যা দামো দাম কুপো না কআছিং।

হাতি সভা মহাৰাজ । ব্ৰেছিআহেখন কেইবইনঃ ॥৬৬॥

"পাম্পে মহাৰাজ । মাজবামিতি মে মাজিং।

আহ্বা কুৰ্বিদ কৰা মুক্তিন্ত্য কিহিছেবি॥৬৭৯

যুধিতির উবচে।

হতু । পুজন্মি তে ভালালে, চার্যা । শুণু নেম বচং । ইতুন ভাগ বালিতে তাজা নেবৈছি গভাচেতনঃ ॥ ২৮॥

ভারতকৌমুদী

সাধার। ১৯৯১ন সমান হলত সম্প্রতি নেজা সমাতি প্রতি ক্রমণা ১৯৮২ ২০ ৮৮% জন্মতীনকক মৃত্র আবিজ্ঞান্তি বিশ্ববিশ্ববিশাশ্বেশ্বেশ ব্রহামিনি ব্রহার কৌববাশাশ্বেশন হল্পনে ১৯০০ সার্থান বিভাল স্থাস ক্রমণার মধ্য হ ১৮৪

প্রিকাপের হ্রাদের। আন্স আপ্রাকে সংয়ানিত কবিলাম, এখন বিক্ষাস্থ্যী আপ্রার হর্মনিকানে যুক্ত কবিল এব সকল লাগকৈ জয় কবিল ॥৬৪॥

কুপ বলিলেন—'মহারাজ। চুমি মুগ্রের তক্ত কৃতনি-চয় চইয়াও খাদি আমার নিক্টন আসিতে, এবে সক্তর্কার প্রভিবেব তক্তই আমি ভোষাকৈ অভিস্পাতি ক্রিডাম ॥৬১॥

মানুৰ অধিব দাস, কিছু অধ কাচাব্য দাস নহে , ইচা সৰা সভ্তব মহারাজ। কোলবের, অধ্যাবা আমাকে আব্দু কবিয়া কাশিয়াছে ১৬৬৮

আত্রব মহারাজ। আমি কে বন্দের ভগুই যুদ্ধ কবিব, ইহাই আমাব মিশ্রে। শুভ্রা আমি নপুসকের আয়ে ,ডামাকে বলিডেভি— এমি যুদ্ধ ভিশ্নমন্ত কি চাও ৫৮৪৪

(৯৪) অকুমার্থে হাণ যোগপ্রেচ্ছর নিব। (৯৪) ধনি নাণ নারিগ্রেছ্ডা, পি।

শন্তব উবাচ।

ই পৌত্য প্রাকৃষিত বিজ্ঞান ক বিবজি হন্।

আবংশাহেত মহাপাল । যুন্দে জ্যমাপুতি ॥৬৯॥
গাঁ বিশেষতি সিন্মানত জন হব নবাধিন ।।
আশানিয়ে সলোধার সনাম্মতন ইনিমি তে॥৭০॥
গতি শহর মহাবাজ । পৌন্মক বিশ্পেরত ।।
আকুমান্ত কুপা রাজ, প্রাকৃষি কেন্দ্র মন্ত ॥৭১॥
সালামানিব্রোগ কুষা চালিপ্রদাকিবন্
উবাচি রাজা ভুজিল্লালনি শ্রেম্মান্ত বিশ্বেশ্যা।
উবাচি রাজা ভুজিল্লালনি শ্রেম্মান্ত বিশ্বেশ্যা।
অনুমান্য রাণ ভুজিল্লালনি শ্রেম্মান্ত বিশ্বেশ্যা।
সালামানিব্রোগ কুষা ভালিপ্রদাকিব্যা।
স্বান্য বিশ্বেশ্যা।

चावष्ठरको भूती।

যুদিষ্ঠির বলিকেন সহএব সচোধাণ সনি সাপনাকে জিলাস। করিডেছি, আপনি সামার কথ ভত্ন'— এইটকুমাত বলিয়া রাজা যুদিষিক যাগিতেও অভেডনপ্রয়ে ইইয়া কিছুই বলিতে পা বলেন না ॥৬৮।

স্থায় কহিলেন — কুপাচাগা সুনি ইবের সালবার বিষয় বুকিয়া উল্লাকে বলিলেন — বৈছি ৷ আমি অবসা , তথাপে এমি মুদ্ধ কর ও ছয়লাভ কর ॥৬৯॥ নারনাথ ৷ এমি আমার নিকট আসিয়াছ বলিখা আমি ভোমার প্রসি সন্তুষ্ট ইইয়াছি শুভরা প্রেট্ড গারোখান করিয়া আমি ভোমার জয় কামনা করিব, ইহা ভোমার নিকট সভা ব ললাম ॥৭০॥

নরনাথ মহাবাজ। রাজা গুলিছির কুপাচারেগার এই কবা শুনির নমজার-ছার। পুনরায় উহোর সম্মান কবিয়া— ব্যানে ললা ছিলেন, সেই বানে গমন কবিলেন ॥৭১॥

ভাষার পর রাজা যুধিষির ছাইব শলাকে অভিবাদন ও প্রথমিণ করিয়া নিষ্কের মজলজমক বাকা বলিলেন—॥৭১॥

(१०) कटरदः य गरान् बाववश्का उच्छ। (वल्न्--व, वि, चरद्वक लरान् काकन्। न्या (

भना डेवांह ।

দি মাং নানিগ্রেছ্থ: যুদ্ধান কুলনিশ্চম:।

শপেষণ হাং মহারাজ। পরাভাবায় বৈ রবে ॥৭৪॥

কুল্টোহন্মি পুজিতশ্চান্মি নং কাল্সাসি তদস্ত তে।

অলুজানামি তৈব হাং মুধান জনমাপ্রাহ ॥৭৫॥

কহি তৈব পরং বার । কুনাগ্য কিনিজ্বসি ॥৭৬॥

লগ্ল পুরুষ্টো লাসো লাস্থাধ। ন কপ্রতিং।

ইতি সতাং মহারাজ। ব্দোহ্মানেগ্রেন কৌরবৈঃ ॥৭৭॥

ইতি সতাং মহারাজ। ব্দোহ্মাপ্রেন কৌরবৈঃ ॥৭৭॥

स्टब्स्को पूरी

হানীতি। প্রাণের ন্যাগাতেনিকন্ ১৭৫।

তুই ইতি। আছজানামি মুক্তরপারেতি শেষ ১৭৫।

কাশান তেন ব্যান, অপায়ের প্রায়ে জনা সিংস্কিশান শেষ, । লারে স্থিমে ১৭৯।
আগজেশি আগৌ চাই প্রতিক্ষ রূপা এব, ২০৯ ইনাম্ গ্লাকনু কৃষ্ ১৭৭।
ভাষিত্তব্যাসনীপা:

নেদ—তথা প্রসংশ বর্ণার নিষ্ট্র, অচেট্রণ বেশেবলের আঞ্চলেট বেশিরণ মধ্যে কশিবলিটি শেল দেন। জয়শ সাংজ্যে, অঞ্চলেশকার আশের্ডেরার এছ.— ৭২২ পরার্ ভিজ্ঞা আমি আপনকে সম্মানিত কবিভেডি, পরে নিদ্দোষ হট্যা মুক্ত কবিব মহাবাদ। অপেনার অভ্যতিক্রনে আমি শক্রাণ্ডে জয় কবিব এছল

শলা বলিংকন 'নহারাজ ় তুমি যুদ্ধে কৃতনিক্র ইটয়াও যদি আমার নিকটনা আমিতে, তবে আমি যুদ্ধে পরাত্রের জন্ম তোমাকে অভিসম্পাত ক্রিভাস ॥৭৪৪

এখন ক্রি সমান করার আনি সম্ভ হইয়াছি: সুভরা তুমি যাহা চাও, ভাচাই ভোমার হউক। সামি ভোমাকে অধুমতি দিছেছি, তুমি মুগ্ কর এবং জয়লাভ কর এপংগ

নীর। অবে সুনি বল, কোন বল্ডখারা ডোমার প্রয়োজন সিদ্ধ হটুনে, আমি ভোমাকে কি দিব : মহারাজ ! একপ হটুলেও যুদ্ধভিল কি চাও, (ভাহা বল) ১৭৬॥

মাস্থ অংশব দাস, কিন্তু অর্থ কাহারও দাস নহে; ইচা সভা। মহারাজ। ভাহাতে ভীম, জোণ ও কুপ যেমন অর্থনার কৌরবদের নিকট বন্ধ রহিয়াছেন, আমিও ভেমন নিজের প্রতিজ্ঞানারা কৌরবদের নিকট বন্ধ রহিয়াছি॥৭৭॥ করিয়ানি হি তে কান ভাগিনেয় ! যথেপির চন্। রবীস্তঃ রাববাহা মৃদ্ধাদতাং কিমিচছসি ॥৭৮॥ মুধিতির উবাচ।

মসুদের সহারাজ ! নিতাং মন্ধিতমুভ্যন্। কামং যুধ্য পরভারের বংমেতং রুগোমাহম্॥৭১॥ শব্য উবার।

বিষক্ত কৰি সাক্ষা তে করোমি নুপ্যন্তম !। কামা মোহতে পরভাবের্থ বজোহতারের কৌববে: ॥৮০॥ সুধিতির উবাচ।

ম এব মে বর, শলং । উদ্বোধে মনুগা কুত,। সূতপুত্ত সংগ্রামে কার্যভেকোবগড়্যা ॥৮১॥

धातप्रको मुगो

ক্ৰিয়ানীতি, ভণিক মাণে সদ্ধিত্য হাগিবেৰেছি ধৰে বন্ধু চা। মহাবেছি। মন হি চা হি কজনক্ৰিয়ম্। কুনা গ্ৰেছমু ধুনা ধুনাৰ চা কিমিডি। সাধাৰ ধাৰ বৃদ্ধি আধিন প্ৰাৰ্থাণকন চেন্দ্ৰ সুইডি। উদয়োগে মুখোলাম্যকাৰে উদ্বাল্কন্তি ক'বং কল্বা চেন্দ্ৰ

অভএব ভাগিনেয়। আনি নপুসকের ভার ভোনাকে বলিংছি, সুনি যুদ্ধ ভিন্ন অজ কি উক্তা কর, (বল), আনি উক্তানুসাকে ভোনাকে অভাই সম্পাদন করিব' ॥৭৮॥

যুধিন্তির সলিলেন 'মহাবাজ। আপনি আমার বিশেষ হিতেব মহণ দিবেন, অথ চ ইজ্ঞানুসাবে বিপক্তের জন্ম যুদ্ধ করিবেন, এই বর আমি গ্রহণ করিলাম' এপ্লা

শ্লা বলিলেন—'বাছপেট । আমি কৌরবদের নিকটে প্রতিচালালে বন্ধ রহিয়াছি। অভএব ভাষাদের জক্ত যুদ্ধ করিব। স্কুতরা এখন জোমার কি সাহায্য করিভে পাবি, বল'।৮০॥

যুখিছির বলিলেন—'মদরাজ। মুদ্ধের উদ্যোগের সময়ে আপনি যে বর দিবার অসীকার করিয়াছিলেন, আনাত সেই বর—(অর্থাং) যুদ্ধের সময়ে আপনি কর্ণের ভেজোহানি করিবেন ॥৮১॥

^{্(}৭২) নিভাশ যকিওমু পি। (৮৮) ভূডেছিয়াবেন পি

শল্য উবাচ ।

সম্পংস্থাতে সাতে কানঃ কুর্ণপুত্র! যুধিন্তির।। যথেচহণ গচহ যুধ্যে প্রতিজ্ঞানে জ্ঞাণ তব ॥৮২॥ সঞ্জ উবচে।

অসুমাভাগ কোঁছেযো মা কুলং মদকেশরস্।
কিন্তাম মহাদৈতাদ্ভাত্তিং পরিবারিতং ॥৮০॥
বাজদেবস্তু রাধেষমাহবেহভিজ্ঞাম হ।
তত এনমুবাচেদ পাওবাপে গ্লাপ্তলং ॥৮৪॥
ভাতে মে কুল্। ভারাত্ত ছেলাথ কিল ন যোগতাদে।
অস্তান্ বর্ধ রাধেয়। বাক্তীরো ন হততে ॥৮৫॥
হতে তু ভারো রাধেয়। পুনরেক্সি সংযুধ্য।
ধাওবাইত সাহাদ্য যদি পশ্চিম চেৎ সম্যুধ্য।

सावकाको प्रवी

সামতি। স্প্ৰেশ্য স্থাব, চৰিপতি। প্ৰতিভাবে প্ৰতিভাবৈৰ ব্ৰীমে চেৰা ক্ৰিছি। ক্ষ্মান স্থাবা। পৰিবাৰিত পৰিবেশীতা চেনা বাক্তি। বালেয়া কৰিয়, ক্ৰেৰে সম্বাক্তন। সম্ভ তদ বাজা ক্ষ্মেণ প্ৰতি ক্ৰেই ক্ৰেই চেন্দ্ৰ ক্ৰম্মিতি। ক্ৰান্ত ভাষ্ট্ৰমূলাম। ক্ৰ্মিন্ প্ৰেৰ্থক স্বাধাৰ্থ বিভাগ তত্তি তে বাৰ্যা ক্ৰেছ্ম্য প্ৰত্যেত সমাপ্ৰান, হলি বাধান্ত্ৰিক স্থাধান ক্ৰেক্ক্ৰয়া প্ৰায় ম্ফাৰে, সমাভূ চীজে তাত দ ক্ৰাইপক্ষ ক্ৰেম্যুগ্য প্ৰৱেশ্যী চিলা

শল্য বলিলেন -'কুখুনি-দন মুধিদির। ভোমার দে অভিলার পূর্ব হইবে। অভএব চুমি ইচ্চারসারে গমন কর এবং মুদ্ধ কর। আমি প্রতিভাগুর্বক বলিভেছি--ভোমার জয় হউবে' ৮৮১॥

সঞ্য বলিলেন 'ভাহার পর যুগিটির মাতৃণ শলাকে স্থানিত করিয়া আতুগণে পরিবেটিত হটয়া সেই মহাসৈক চউতে নির্গত চউলেন ৮০খ

কিন্ত গদের জোওঁ হাত। কৃষ্ণ সমরাজনে কর্ণের নিকটে গমন করিলেন, ভংপারে তিনি পাওবগণের জন্ম কর্ণকৈ এই কৃষা বলিলেন —॥৮৪॥

কৰ্ব। আনি ভনিয়াছি 'আপনি নাকি ভীমের প্রতি বিধেববলতঃ মৃত্ করিবেন না; ভাষা ইউলে যে পর্যাত্ব ভীত্র নিহত না হন, সেই পর্যাত্ত আপনি আমাদের পক্ষ গ্রহণ করুন' (৮৫)

⁽৮২) সুস্থেত্তের তেকাম: - বাব হানি। (৮৪) - অভিমলাম বৈ - বাব রানি।

কৰ্ণ উবাচ।

ন বিপ্লিয়া করিয়ামি ধা উরাষ্ট্রস্থ কেশব !। ভাক্তপ্রাণা হি মাণ বিদ্ধি ভূর্য্যোধনহিট্ডবিশম্ ১৮৭॥ সঞ্জয় উবাচ।

তচ্পানা বচন ক্লাং সন্বত্ত ভারত।।
মুখিতিরপুরোগৈত পাওবৈ: সহ সন্ত: ॥৮৮॥
অব সৈতাতা মধ্যে কু প্রাজোশং পাওবাএজ:।
নোক্ষান্ রুণোতি তমতং বরুষে সাহকারণাং ॥৮৯॥
অব তান্ সমভিপ্রেকা মুগুংগুরিদমন্ত্রীং।
গ্রাতালা ধর্মরাজান ক্লাপুত্র বুধিতিরন্॥৯০॥
অহং বোংতামি নিষ্তঃ সংযুগে ধুহরাটুজান্।
মুগাদব্র মহারাজ। যদি মাং রুণুষেহনদ।॥৯১॥

छात्रक्रको पृती

কর্ষ আপেনি যদি উভয় পক্ষেই সমান দেখেন, কিবা যদি ছুর্য্যাধনের সাহায্য করা কর্বা মনে ক্রেন, তবে ভীমা নিহত হইকে আবার ছুর্য্যাধনের প্রাধ্যাস্থ্যক্ষাস্থ্যনে মুক্ত

কর্ব বিল্লেন—'ক্ষ। আমি ত্রোধনের অপ্রিয় করিব না। কারণ, আমি ত্রোধনের ভিতৈষী। অভ্যাং আপনি জানিয়া রাধ্ন যে, আমি ত্রোধনের ভক্ত প্রাণভাগে উভত রহিয়াছি' চেপ্ন

সঞ্যু বলিলেন — ভরতনন্দন ! কৃষ্ণ কর্ণের সেই কথা শুনিয়া ফিরিয়া আসিলেন এবং যুদিছির প্রভূতি পাত্রগণের সহিত মিলিভ ইইলেন ফেল্য

ভাষার পর মুধিছির সৈত্যগণের মধ্যে উচ্চকরে বলিলের—'যিনি আমা-দিগাকে গ্রহণ করিবেন, আমার সাহায্যের ভক্ত আমি ভাষাকে গ্রহণ করিব' ॥৮৯॥

তংগরে যুগ্ংস্ সন্তুর হইয়া পাশুরগণের প্রতি সৃষ্টিপাত করিয়া কুস্টীনন্দন ধর্মরাজ মুধিছিরকে এই কথা বলিলেন বঙ্গা

(৯১) অনুহ হোহজামি ভৰতঃ বাৰ বাৰিঃ

ভীগ্ম—

যুধিষ্ঠির উবাচ।

একেই সর্বে যোহতামন্তব আতুনপণ্ডিতান্।

যুত্হদেং ' বাজদেব চ বছক কম সর্বশং ॥৯২॥

রুণোমি হা মহাবাহো ! যুগাজ মম কারণাং।

হুণি পিওচ হস্ত হ হুত্রাষ্ট্রত দুখাতে ॥৯৩॥

ভজনারান্ রাজপুত্র ! ভজনানান্ মহাহাতে !।

ন ভবিষ্যতি হুবু কির্পাইবাইট্রাহ্ডাহ্বণঃ ॥ ৪॥

मक्रम डेवाह ।

ততো সুমুহজঃ কৌৰব্যান্ পৰিতাজা জতাংজৰ। জগাম পাতৃপুত্ৰাণাং দেনাং বিভাবা হুসুভিষ্ #১০॥

कात्रकरको मुगी 🕝

रह जि. १ - १८ है के दिस्तीहरूल यू में , करण, साला (३३)

रह को कि । कि प्रत्य क्षेत्र अवश्वन स्थाप विश्वपाद कर विश्वपाद कर का

ବ୍ୟ ଖଣ୍ଡ । ଏକ ବ୍ୟକ୍ତ କ୍ଷ୍ୟ ଅଟି ଅଟି ଅଟି, ଅଟେଣ, ଅନୁ ପ୍ରଥମକ୍ତ କଥା

পার্থনে ১০০ - টেলা বজাম্পাল্ডনা সুলিমিকা আনাপ্রকীয় ১০০। ভবারণ ভবাস্থকী মিল্ল ইলি পার পশাস্থাবেলি এলগ্র, ১৯১০-১২১ উল্লেখয়েছিন বিজিয় শিল্পকা, আঞ্চ মার্ল নবিষ্ঠা এ দাব, ১৯০১ - ৮৫কেছি অভজ্মান, স্বেচ্ছিপি মুখ্রাইপুল্লে ন ভবিয়াভি

'নিজ্ব,প্মলারার । আপনি যদি আমাকে প্রণ করেন, তবে আমি আপনাদের ভবা সম্বাসনে দশ্নকাকী ধাওঁরাইগাবের সহিত মৃদ্ধ করিব' ॥১১॥

মৃথিটির বলিলেন -'মৃম্বস্থু। এস এস, আমবা সকলে ভোমার মূর্থ দাভূগানের সভিত্যুক্ত করিব। কুক্ত আমবা সকলে মিলিত ইইয়াই একথা ধলিভেছি ।৯২।

মহাধার। আমি ভোনাকে প্রচণ করিলান, হুনি আমার জন্ম করা; ধুত্রায়ের পিও ও ব শরক। তোমাতেই দেখা ধাইতেছে ১৯০০

মহাতেজা রাজপুত্র। আমব। তোমাকে অবলম্বন করিলাস, তুমিও আমানিগকে অবলম্বন কর, অতান্ত অসহিন্দু ও ছ্বুজি ছুর্যোধন থাকিবেনা' ॥১৪॥

(০১, হবি ছম্বক শিল্পক শি।

ততো যুধিতিরো রাজা সংগ্রহনতঃ সহাতুজঃ।

জহাহ করচ ভূষো দী প্রিমং কনকোজ্নস্ ॥৯৬॥
প্রভাগতান্ত তে সর্বে ফরধান্ পুরুষরভাং।

ততো বৃহে যথাপূর্ব- প্রতাবৃহত্ত তে পুনঃ ॥৯৭॥
করাদয়ন্ ভুকু ভীংশ্চ শতশাশৈচর পুরুষান্।

সিংহনাদাংশ্চ বিবিধান্ বিনেতৃঃ পুরুষধভাঃ ॥৯৮॥
ব্যক্তান্ পুরুষবাজান্ পাওবান্ প্রেক্তা পারিবাং।

ধূষ্টভ্রাজ্যাদ্যঃ সর্বে পুনুজক্ষিরে তলা ॥৯৯॥
কৌরবং পাঙ্পুরানাং মান্তান্ মান্যভাগ তান্।

দৃষ্ট্রা মহাক্ষিভতাত পুরুষাঞ্জিবে ভূশন্॥১০০॥
ভারতকৌমুনী

লবাংলোচা মুম্বজন পাত্ৰপূজ্য গড় ইছি। ভুকুছিল ভুকুছিক নিম্ন, বিহাৰ। একীব্ৰনানেৰ বিশেষেৰ আৰ্থিয়ে ১৯০০

সভায় বলিলেন—'মহাবাজা ভাষাৰ পৰ যুক্ত আপনাৰ পুরগণকৈ পরিভাগে করিয়া এবং ভাষাদিগকৈ হৃত্তিগলি ভনাইয়া পাওবলৈক্ষণো গমন করিলোন ১৯৫৪

ভ্রমন্ত্র ৷ রাজা যুধিছির আভ্রাণের সভিত আননিতে চইয়া পুনরায় সর্বধান্তি উজ্জ্ব কবচ সকল ধারণ কবিলেন ১৯৮৮

ভংপরে সেই পুক্ষয়েছটের। সকলে আপন আপন রণে আরোইণ কবিলেন এবং উচ্চারা পুনরায় পুরেবর কায়ে বাহ সজিত কবিলেন ⊪৯৭৮

বাভকারের। শত শত চ্কৃতি ও পুকর বাজাইতে লা'গল এব পুক্রজেট বীরের। নানাবিধ সিংহনাদ করিলেন ।১৮॥

ভংকালে রাজার। ও ধুইড়ামুখ্রভৃতি বীবেরা সকলে পুরুষ্থ্রের পাওনগর্থক মধারত দেখিয়া পুনরায় আনন্দিত ইইলেন ॥১১॥

পাওবেরা মাননীয় ভীমপ্রভৃতির সমান করিলেন দেখিয়া রাজাবা ওপন ভাহাদের শিষ্টাচাবের বিশেষ প্রশাসা করিতে লাগিলেন॥১০০॥

(>>)---प्राचा चनाश्रती यशकृषा---णि।

ত্ৰ মহাভারতে

দৌহদক কুপাকৈব আপ্তকালং মহারনাম্।

দেশক জ্ঞাতির পরাং কথ্যাকজিবে নৃপাং ॥১০১॥

শাধ্ সাধিতি সর্বত্র নিশ্চেকঃ প্রতিসংহিতাঃ।

বাচঃ পুলাঃ কীর্ত্তিমতাং মনোকদয়হর্ণাঃ ॥১০২॥

মেজাল্চার্যালচ যে ত্র দদৃতঃ শুল্বসুথা।

রতঃ তং পাঙ্পারালাং কক্রস্তে সগন্পলাঃ ॥১০৩॥

হতো জ্লাম্বানেভান্ দল্লাহ সহস্তা।

শাহাংশ্চ পাক্ষারনিভান্ দলাহ ক্রি মন্ধিনঃ ॥১০৪॥

ইতি ই মহাভারতে শতপাহ্যাং সংহিতালাং বৈংশাহ্যায়ঃ ॥১॥

ইতি ই মহাভারতে শতপাহ্যাং সংহিতালাং বৈংশাহ্যায়ঃ ॥১॥

ভারতকৌসুদী

সৌহাধমিতে। আৰক্ষণ কাৰ্য্য কাৰ্য্যক্ষণ কাৰ্য্যক্ষণ কাৰ্য্যক্ষিত্ৰ প্ৰশাস্থ্য সময়

সামিতি অভিসাহিত্য প্ৰশাস মুক্ষণ কাৰ্য্য পাত্ৰ নামৰ হা মনা সময়

কিকলা লক্ষ্যক কৰ্য হল কা নিজ্যক কিক্ষ্যকৰণ হাৰ প্ৰতিশিক্ষা হয়-২০
হোল ইছি। বুলা চাৰ্যমূহ কক্ষ্য অনিকালনি নুমুনু হান্তঃ

কাৰ্যী হা বিশাসাকিল না প্ৰিয়েক সাম্যক্ষাত্ৰীৰ হাত্ৰী কিছিল।

ইছি নিজাবিতাৰ কাৰ্যিক স্থিক ক্ষ্যক্ষাত্ৰীৰ হাত বিশ্বিক বিশ্বিক স্থিক ক্ষ্যক্ষীৰ হাত বিশ্বিক বিশ্বিক স্থিক ক্ষ্যক্ষীৰ হাত বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক ক্ষ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বিক বিশ্বিক কাৰ্যক্ষীৰ কাৰ্যক্ষীৰ বিশ্বিক বিশ্বক বিশ্বিক বিশ্বক বিশ

ভারতভাবদীপ:

মরিরাটী সাথা, ১৯৪— ৯৭। পুসরান্ গাম্বাহলান্ একপুরর নিশি পাচে স্বস্থান্থ ১৯৮— ৯৯। বেশীবরা মান্তর্ম ১১০০। সেশিকনা হৈবাশ জপাশ এবং সংগা পর্যাপ প্রাধেশভাষ্য ১০১৬ কাজিমভাগ পাত্রানাশ ক্ষিত্র হিছা ব ৪ ইটির সংখ্য ১১০২। আগেটা ক্রীনাশ, রুবা চবিত্য। মধ্যাসন্ধী নামেবাগ্নকা অন্যাসা বিভাগ ১০০ ১০৪।

है कि की प्रश्नमंत्रिय देशमकक्षेट्य काव हु का विशेष्ट दिस्त देश हैं अपने अपने

মহায়া পাও্ধগণের সোহাক, সাধারণের উপরে কৃপা, কালোচিত বা্বহার এব' ভাতিধর্গের উপরে প্রম স্থাব বিষয় লইয়া কাভাবা প্রস্পুর আলোচনা ক্রিতে পাকিলেন।১০১॥

যশ্বী পাওবগণসহকে 'সাধু সাধু' ইঙাকোর প্রশাসায়ক আনক্ষমক কাক্য, সকল দিকেই নিগতি হইতে লাগিল ॥১০১॥

যে সকল আগ্যাও মেন্ড সেইখানে থাকিয়া পাশুবগণের সেই চরিত্র দর্শন এবং প্রবণ করিলেন, তাহারা গদ্পদ্ধবে আলোচনা করিতে থাকিয়া আনন্দাক্র মোচন করিতে থাকিলেন ॥১০০০

0

চতু•চতারিংশোঽধ্যায়ঃ।

शृहदाहुँ छेवाह।

এবং বৃদ্ধেরনাকের মানকেরিওরের চ। কে পুনবং আহরংস্তত্র কুরবং পাওবা স্থ কিন্মসা সঞ্জ উবচে।

ন সুস্থান পদরা পুরো জুলোদনস্ব।

ভাসং প্রায়ণত কুলা প্রায়ণ দেন্যা সহ॥।

তথ্য পাওবাং সর্বে ভামদেনপুরোগমাঃ।
ভালেন বৃদ্ধবিদ্ধান প্রায়ণ কিলকিলাশকাঃ ক্রকচা গোবিষাণিকাঃ।

(ভালিকাশকা ভাক্রবিদ্ধান্ধাঃ ৪৪॥

ভারতকৌমুদী

আৰ্থিতি। বৃদ্ধু বৃধ্যকশেশ স্থিবেশিছেয়ু, স্নীকেষ্ সৈজেৰু চল প্ৰাতৃবিভি। বাসুত হাগনত, ভ্ৰচন্ত্ সংগ্ৰহণী ভ্ৰন্থেশ্য হয়। ভূথেতি। ভীন্যেনঃ পুজেপন স্থাৰ্থী হেল্ডিড। ভীক্ষেত্ৰত হয়।

ভারার পর শত শত ও সহজ সহল মহাডেরী বাদিত হইতে লাগিল এবং আমন্দিত মনসীয়া গোহুগড়লা ভ্রবর্শখনস্ত বাজাইতে লাগিলেন' ১১-৪৪

ধৃতরাষ্ট্র বিশ্বেন 'সভয়। আমার সৈত ও পাওবদের সৈত এইকশে বৃহস্থাবে সরিবেশিত হইলে তখন প্রথমে কাহার। প্রহার করিয়াছিল। কৌরবেরা মা পাওবেরা । ॥১॥

স্তায় বলিলেন—'মহাবাজ। আপনার পুর ছ:শাসন, বাডা ছর্যোধনের সেইস্কুপ আদেশবাকা ভনিয়। ঐমকে অগ্রবন্তী করিয়া সৈত্যাদের সহিত গমন করিতে লাগিলেন ॥২॥

সেইরপই পাওবের সকলেও শীমসেনকে অগুবরী করিয়া ভীমের সহিত যুদ্ধ করিবার ইচ্ছায় আনন্দিতচিত্তে অগুসর হইতে থাকিলেন গংগ

(১) তুর্বং % ওবাত্দা –িদ, কুববং পাওবাত্দা—বা। (২) আছুডি: সহিতো বালন্। পুরং সহ কেন্ডা—িন বা। (৪)- বুলবনিংখনাং—িন বা। উত্যো: শেন্যেক্ নিং ভত তেংকান্ স্মাধ্বন্।
বনং সান্ প্রতি নক ভত্ত গ্রী ভূমলং মহৎ ॥৫॥ (মুখাকম্)
মহাজানীকানি মহাসম্ভে যে স্মাশ্যে পাশুবধার্ত্রাষ্ট্রায়।
চকল্পিবে শহম্পজনিকনৈ: প্রকশ্পিতানীর বনানি বালুনা ॥৬॥
নবেন্দ্রাধার্বথাক্লানামভাগেতান্যেশিবে মুহুতে।
বস্তু খোগ্রমূলকমূলং বাতে জি তানামিক সাগ্রাণাম্॥৭॥

ভাৰতকৌ মূদী

্কেড্ডার্ক এক। ব্রাগ্রাজন্ত ব্রাজনিক্রিয়ে সংগ্রাজনিক্রিয়ে প্রাজনিক্রিয়ে স্থানিকর বিশ্ববিদ্যালয় বিশ্ববিদ্য

হ্যকোন হাত্ৰ সন্ত কাজ নামান্ত সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ, সমালাম সংখ্ৰাত্ৰ, প্ৰস্থাৰ ধৰাইৰ মুখ্যি বুলি বুলি বুলি কাজ হৈ হিলালা ন, মনীকানি লৈকানি, প্ৰায়ণখানা নিকান নাম্য, বাৰ্ন প্ৰতিশ্ব ন বনানীৰ, চকজিবাৰ তেপু । গ্ৰ

নবেশ্ভ হ। নাবাশ্ব বাজতি ন গৈছাকছিঃ সংশ বাংলা আক্লানা বা প্রানাম্ অভ, প্রনাধ প্রজাতন ভিন্ন লাভানাম্ চহ্নাম্ উভ্যাসাধ দেনান মৃ, আহতাজ্যানাধ্ স্মৃচালি বন্ধ স্থান নিব, আলবে অন্স্লাকার ভবিন্ মৃহাজ, ভূম্বো মোবো করে। অফুব রখা

ভারত ভারদীপ:

স্বান্তির স্বাৰ্ত্মণ নত্ত ভীমাক বিজন্মি ভাষাক স্বাভিশালী ভীমক কর্মনাই ব্রংগ্লাগ ১১ — শা হল্মা সিংহন বাং, স্বজাং ম্মবাং, ম্বজাং ক্লম্মলাং ১৮৪ সন্দ্রন মধ্যে জাসক অনুবন্ধির সংগ্রাম্মুক্ত স্থাহেতিয়া মই ১৮ — ৭৪

ভ্যন ইভয় সৈরোরই সি চনাদ ও কিলকিলশক হইছে লাগিল; ক্রেচ, গোবিষাণ, ভেরী, মূদক ও মুর্ভবাল বাজিতে পাকিল এবং হস্তী ও অব সকল অ পার্ব কবিতে লাগিল ভাষার পর পাণ্ডবেরা আমাদের দিকে ধাবিড ইউলোন, আমরাও গাজন কবিতে আকিলা উচ্চাদের প্রতি ধাবিত ইইলাম। ভগ্য ভুমুল মহাকোলাইল ইইডে লাগিল এদ — গা

সেই মহাসংখ্যলনের সময়ে বাস্কশিশত বনের জায় যুগিটির ও ছুর্ব্যোধনের উন্নত ও বিশাল সেক্তসমূহ শহা ও মূদকের শকে কশিশত হইতে কাণিক ॥১॥

রাজগণ, হ'ছেগণ, অবগণ, ও রগসম্হে পবিপূর্ণ উভয় সৈজা যথন পরস্পর সংখ্যবতী হটল, সেই অমজলনয় মৃত্তে বাধুসক। লিভ সমুজের ভায়ে ভাইাদের ভুমুল কোলাহল হইতে লাগিস গণ।

⁽a) উভয়ো: কেনয়োরাজাভাত: শিখা, ভেশা ব।।

তিলিন্ সন্থিতে শব্দে তুন্দা রোমহর্ষণে।
ভীমসেনে। সহাবাছিঃ প্রাণদন্দার্শে গ্রালালা
শব্দুক্তিনিয়াক বারণানাক রুছিত্য।
সিংহনাদক সৈকানাং ভীমসেনব্বোহতা ভূখ ॥।
হলানাং হেল্যাণানালনীকের সহপ্রকঃ।
সর্বানভাতকছকান্ ভীমস্তা নদতঃ স্বনঃ॥১০॥
১০ প্রেহা নিনদং ভ্রম্ত সৈন্যান্তর বিভ্রম্তঃ।
কীমূলক্ষের নদতঃ শক্রাশনিসম্বান্ত্য ।
কীমূলক্ষের নদতঃ শক্রাশনিসম্বান্ত্য ।
শব্দেন ভ্রম্ত বার্ক্ত সিংহক্ষের্ভরে মূলাঃ॥১০॥
দশ্দিন্ গোর্মাত্বানং মহাক্রির নাদ্যন্।
বিভার্যান্ত্রন স্বান্ত্রান্ত্রির নাদ্যন্।
বিভার্যান্ত্রন স্বান্ত্রান্ত্রির নাদ্যন্।

छ। इक्टको मृत्री

ভালিছিতি। গোৰু বৃধা হাজাই, বনীকেছে চে।
শাংক্তি । বার্থানা হাজিনামু বৃতি হাং ধানিমু। আনাভূম আনিভূত বান্তন
হ্যানামিছি। হ্যান্থ্যানামু, হেগ্লোনা সভাত মৃ। নগ্ডে। সভাত ১০০।
ভানিতি বিভান্নী হালে। কীমৃতকে মেমকে। অভাক্ষিক্ষ্যান ধানে হল নগাম ১০০।
বাহনানীতি ৷ বাহনানি হজাবানীমি , প্রাধিক্ষ্য ৷ মুলা প্রধান্তন

সেই রেমের্যণ ভূম্ব শব্দ উবিত হইলে মহাধার ভাষ্ঠেন বলাব্দের ভূম্ম গক্ষম করিতে লাগিলেন ৮৮॥

ভীনদেনের সেই গক্ষনধর্ণন শব্দ ও ছুন্দুভির শব্দ, হস্থিগণের কু হিতরব ও সৈয়াগণের সিংহনাদকে অভিভূত করিল ১১॥

এবং গ্ৰহ্মকারী ভীমসেনের সেই ক্রথকনি, সৈয়েস্তি শ্লক্রী সহস্ সহস্ক সংগ্রহ সকল শাসকে অভিভূত করিল ॥১ -॥

ভীমসেন মেষের ভার গঞ্চন করিছে শাগিলেন, তথন আপনার সৈভার। ইন্দের বজ্ঞপাতশংশের তুলা সেই শক্ষ প্রবেগ করিয়া বিশেষ ভীত হইয়। পড়িশ ।১১।

সিংহের গ্রন্থনে অক্সাত্ত পশুগণের ভায় সেই বীর ভীন্সেনের গ্রন্থ হতী e অক্সাত্তি বাহন সকল বিহাঁ ও সূত্র ভাগে করিভে লাগিল ৪১২০

্চ) শশহুকুভিনিযোষান্ শি। (১০) ভীম্পেনক নিংমনা—শি। ১১০) দীস্থাকে স্তাংকর তার এডান্ সম্ভাষাং—শি ব । ভ্যাথান্ত মহেশ্বাস সোদ্ধায় প্রধার্যন্।
ভালয়ন্তঃ শর বাতৈয়েন্দ্র। ইব দিবকৈরম্ ৪১৬৪
দুন্দোধনত পুত্রন্তে দুন্দু ধ্যে দুন্দুইঃ শলঃ।
দুঃশাসনতানির্বস্থা দুর্যার্ণা নূপ। ৪১৫৪
বিকিশ্বিভিদ্নেশ্বা বিকল্ড মহারথ,।
পুক্ষিত্রে জ্যো ভোজঃ সৌন্দভিত বার্থনান্ ৪১৬৪
মহারাপানি ধুর্যন্তা মেদা ইব স্বিদ্রান্তঃ।
আন্নাতি নার্চান্ নিয় ভাশিবিযোপমান্ ৪১৭৪ (কলাপকন্)
অব তে ভৌপদাপুত্রাঃ সৌভদ্ত মহারথঃ।
নকুলঃ সহদেবত ধুক্তিদুদ্ধত পার্ধতঃ ৪১৮৪

छात्रकाको प्री

মুল, বিশিষ্ট মুল বিশ্ব মুলার্ম্ম ইব ন সংক্ষাবাল কুকাবিলি ন দশকালৈ বিজ্ঞা চুলুলি, কুলালাকন দ স্বত বুলি মুলানিবলৈ মাই ভানিছি। মাহেছালা মুহ ধ্রুছিবমু, মোদহা হু লাধনালয়, লাহাদনাল লাহালী হুই শদমুহৈ, ৷ তে তেও পুত্র ইতি সৌম্বাধিই বিন স্বত্র স্থানিক হুই কুলাকি শালাবাল, সুব্দ কুলাকি স্বত্র ইতি স্বাধিক ভানিক হুইছি সুব্দিক ভানিক হুইছি স্বাধিক হুইছিছিল স্বাধিক হুইছিছিল স্বাধিক হুইছিছিল স্বাধিক হুইছিল স্বাধিক হুইছিছিল স্বাধিক হুইছিছিল স্বাধিক হুইছিল স্বাধিক হুই

লোকুলো বলীক্ড আই. চেন সভি ভূং মতিভূডকান্ চহ— ১০৯ বৈজা, সেনামুখাট 1১১—১২৪ নামধন্ নামং কুকান্ ১০০। সোলটো কাজাজুলা ১১৪—১৮৪ নিমুক্তাঃ মুক্তকভূকাভানী

ক্রেম ভীমসেন নিজের ভয়ত্ব মৃতি দর্শন করাইয়া, মহামেঘের ভায় গ্রহন ক্রিয়া এব আপনার পুর্গণকে ভীভ ক্রিয়ে থাকিয়া ধারিত হইলেন॥১০॥

রালা। মহাসমুগ্র চামদেন আসিতে লাগিলে, আপনার পুর স্থাোধন,
গুলাখ, গুলহ, লল, অভিরণ ছালাসন, ছার্মণ, বিবি শতি, চিত্রসেন, মহারথ
বিকার, পুক্ষিত্র, লয় ও ভালে এই বার লম সংহাদর এবা বলধান ভূরিপ্রবা
ইয়ারা সকলে—মেঘ যেনন বিভাহ কল্পিত করে, সেইরূপ অর্থচিত মহাধ্য
কল্পিত করিয়া, নিম্ভিকজুক (সোলসভূত) সংশীর তুলা নারাচ সকল এছণ
করিতে থাকিয়া—মেঘ যেনন বারিবর্গদারা স্থাকে আবরণ করে,
সেইরূপ বাণসমূহদারা ভীমসেনকৈ আবরণ করিয়া ভাহাকে পরিবেইন
করিলেন ১১৪—১৭৪

(১৫)---धुर्यदरमा नृगः---न्नां नि ।

ধার্ত্তরাষ্ট্রান্ প্রতি নব্রক্ষণ্ডঃ শিতিঃ শতরঃ।
বিজ্ঞানি সভাবেতিঃ শিধরাণি সরাভ্তাম্ ॥১৯॥ (মুথাকম্)
তিনিন্ পাগমদ গ্রামে তীমজ্যাতলনিস্থানঃ।
তাবকানা পরেসাকে নাসাং কলিছে পরাভ্যুখঃ॥২০॥
লাঘব দোণশিখাপামপাল ভরত্ত্বত ।
নিমিত্রেহিনাকৈর শরালুহক্জত ভূশম্॥২১॥
নোপশামাতি নিয়োধা ধলুবাং ক্জতা তদা।
বিনিশ্চেকঃ শরা দীপ্তা ক্যোতিংশীর মত্ত্বাহে॥২২॥
সর্বে হয়ে মহাপালাঃ প্রেক্ষা ইব ভারত।।
চদ্তদ্শিনীয়াত তা তীমা জ্যাতিস্যাগ্রম্ ॥২০॥

ভারতকৌমুগী

क्षा कृति । विषयानि मृक्षानि, भवाक्ष नाम भक्ष शानाम् । इति नमः अन्यक्षाः । मृष्टः भूष दृश्यो । विषयानि मृक्षानि, भवाक्ष नाम भक्ष शानाम् । ३०---- , ३।

ভশিদ্ধিতি। ভাষ ভয়ত্ব যে ভাষো ওচ্ছপানা ছলানা ছলবাৰণানাক নিশ্নাং শ্লাকৈঃ । ভাষক নাণ ভ্ৰ সৈৱানাম, প্ৰেমা প্ৰক্রেনাক মৰে। যেন।

লাঘৰমিতি। বাদৰা জনত সংক্ষেত্ৰ লোভাষ্ নিমিত বেলিনাৰ ক্ষাবিদঃ কিন্তু হৈ কিন্তু ক্ষেত্ৰ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ ক নেতিঃ কুমতাম মধ্যকৰ প্ৰাৰ্থি এই হিলি নিক্ষাবাৰ কৰে। স্বাই ইতিং ভীমা ভ্ৰমৰম্, জ্ঞাতীনা স্মাধনা মুক্ষা সংক্ষেত্ৰম্ভৰ ক

ভাষার পর জৌপদীর পুরগণ, অভিমন্তা, নকুল, সহদেব ও পুরতর শীর ধুইছাম ইয়ারা — মহাবেগ বজ মেমন প্রত্তপুঞ্চ নিপীড়িত করে, সেইজ্প নিশিত বাণ্যারা ধার্রাইগ্রহ নিপীড়িত করিতে থাকিয়া ঠাহাদের অভিমুখে আগমন করিকেন ৪১৮—১৯৪

সেই প্রথম যুদ্ধে আপনার সৈতা ও বিপক্ষিত্তর মধ্যে কোন লোকই ভয়গ্র আদিক এবং ভলবারশ্বকেও পরাত্ত্ব হয় নাই ৪০০৮

ভরত্ত্রেষ্ঠ। তংকালে বাণক্ষেপকারী ও লক্ষাবেদী জোগলিক্সাণের অন্তান্ত লঘুসন্ততা আমি দেখিয়াচিলাম ১২১।

ভাষন অন্যান্ত শক্ষারী ধাসুগুলির উল্লোচ বিরত হয় নাই এবং আকাশ হুইতে নক্ষ্মশুহের ভায় উজ্জাল বাদ সকল নিগতি হুইডেছিল এ২২।

ভরতনদ্দন ৷ অন্য রাজারা স্কলে দর্শকগণের স্থায় স্থানত অথ চ ভীষণ সেই আভিসম্পোদ দেখিতে লাগিলেন ১২৬৪

(২০) ভীষ্ণ,গড়লনি,খনে দৰ্গ নি চ

(२२) कृष्या दशः अ वि ।



ভততে জাভদংরভাঃ পরস্পরিক ভাগদঃ। बर्गागुरुशक्षेत्रा वाकन् । वागिष्ठ् छ मधावधीः ॥२८॥ কুরুপাওবদেনে (এ হত্তার্থ্যসমূলে। শুশুভাতের রণেহতীর পটে চিত্রাপিতে ইব ॥২৫॥ তততে পাথিবাঃ মর্বে প্রগৃহীতশ্বাসনা:। সহসৈকাঃ স্মাপেড়ঃ পুত্ৰত তব শাসনাৎ ॥২৬॥ ্ডেশামাধাৰত।* ততু গজাঝকলিলো মহান্। भि॰६नामरदर्गाम्य काः भ अह छतीययाकुलाः । ব্যাব্রিজপুরেবাত অসিং কুরারিবং অন: #২৭॥

ভারতকৌমুদী

ুহার বা হার্ডাব্র উল্লাচ কাল , লেন বি প্রক্রাবেশ রুড়ানি আলোগাংসি क्षमत्त्र देशका नेश्वद्रास्ति तरसः अक्षत्र कृष्णवर्षा अभिनेत्र । वारास्त्रस्य गुरुका वार्षास्य-मकुकीन् (१३८)

कुत्र के कि विद्यापन कर कि कि चर के कि दिएक, स्थल कि कि का कार 19 वह

्यत ॥ १ । अवस्थान कर्यक्टमन कन्दिल शहरन स्थित हेडाओं यात्रियातः श्रदला के के स्वाप्त के अस्ति वर्षों के बंदाविक्ष के । विश्वतिकार देश (अर्थका कर प्र

ভারতভাবদীপ:

বিষ্ঠিপন্ধি বাংক স্বান্ধ সংখ্যা ভীন ভ্রম্বর মানোপ স্থান্ধে নিংখনা মুখ্য । ১০।। লাংখ্য জিপুরব্ধ ম 'চনির' লজান ২০—১০। ∸'থ' ভ্রেরতম্বত। ভাতসংর্ভাতির ক্ৰাণ্য ক্ৰণবালাৰ, ভাগমাহলি বাংলা দ্বীৰ টুল্মামনে ক্তালবাথোন ১০০ টুকেন্ন প্ৰশৰ্পৰিত। ৰ হজ্ঞ বা বিচ্ছা ১-৪। পটে ইতি **স্পুন্তন্**।২৫—২৭।

काछ.। डाइ।व भर काउटकार ७ भरण्यात स्मातासकारी (मेडे प्रहाराध्या প্রক্রের স্প্র বগতে বাহোম করিতে করিলেন ৮১৬ঃ

হতী, অস্ব ০ বলে পরিপূর্ণ সেই কৃকলৈয়া ও পাওনলৈয়া ভংকালো পটে অভিতে ছটটা দৈত্তিতের আয় সম্বাসনে অভান্ত লোভা পাইতে লাগিলে ৫২০০

তারার পর অপেনার পুত্র হুটোাধনের আনেশে কুফপ্কীয় সেই রাজারা সকলে ধরু বাবণ কবিয়া সৈত্তপ্রের সহিত ধাবিত হইলেন #২৬%

সেই রাজাবা যখন ধাবিত হউলেন, তখন হতী ও অখের গর্জনে পরিপূর্ণ, সিংহনাদ্মিত্রিত এবং লখ ও ভেরীর শকে ব্যাপ্ত মহাকোলাহল হইতে

(२१) अध्यक्षाकः वासिनाचि ।

মুণিন্তিবেও চালিন্টাং পাথিবাতে সহ বৰণং।
বিনদন্তঃ সমাপেত্নং পুত্ৰতা তব বাহিনীয়ে ॥২৮॥
উভয়েং সেনুযোজী রং সৈতামাণ স সমাগমঃ।
অন্তন্ধীয়ত চালিত্যঃ সৈতোম বন্ধদা রতঃ ॥২০॥
প্রকানাণ প্রভানাণ পুনবাবর্তিনামপি।
নাত্র স্বোণ প্রেশাণ বা বিশেষং সমদৃত্যত ॥৩০॥
তব্দিন্ অভুমুবে যুদ্ধে বর্তমানে মহান্য়।
অতি স্বাণানীকানি পিতা তেহভিষ্যে হৈত ॥৩১॥
ইতি শীমহাভারতে শহদাহ ব্যাণ সংহিত্যাণ বৈ্যাসিক্যাণ ভাষাপ্রানি

ভারতকৌমুগী

মুখীতি। পালিবা, পান্তৰপক্ষীয়াই বংকিনীণ সেন মুখন।
উত্তয়ে বিভিন্ন মন্ত্ৰীক্ষেত্তি অভালমাভাৰ অংগী: । সৈণকুন লৈয়ে পাং পালিনা বনৰ
প্রেতি। প্রযুদ্ধনাণ প্রকাশীর মুখ্যানানান, প্রভালা পরাধিন নাম্বিদ্ধা উপ্রিতি। অধ্যানা প্রকাশীর ক্ষা, তি পি ভাষা, অভিন্যোভিত্র কার প্রামান্তর ইতি মহাম্ছোপাল যে স্থানিক্ষা প্রায়েশ ভাষা বিজ্ঞিকাশ নাম্ভাব ক্ষিত্র কার্যানান্ত্রীকাশ্যা ভারতক্ষীমুদ্ধিসম্পোদ্ধা ভাষাপ্রিণি ভাষাব্যে চতুক্ষ হাবি পোচ্ছ যা বন্ধ

ভারতভাবদীপ:

অসুধীরত সংগ্রিত: শার্ডার অবার সিরেন সেনার বন বেদ্রারত করি। শ্রিক্ষা ১০১৮

ইতি ভীত্মকানি নৈলকভাৱে ভাৰতভাৱতীলে চতুল কালিকে ওলামা তথ্য

লাগিলে; লোকেৰ অহিক্লে ৰাষ্যতিত হউতে গাকিলে উপেলিত সম্প্ৰের গ্ৰহনের কুয়ে সেই কেলোহল শুনা মাউতে থাকিল মন্থা

ওলিকে যুধিপ্তিরের আদেশে পাণ্ডবপর্জায় সহস্থ সহন্দ বাছারো গঞ্জন করিছে ক্ষিত্ত আপুনার পুত্রের সৈয়োর দিকে ধাবিত হইকোন মন্দ্র

ভ্যম উভয় সেনার সৈত্যদের ভীর সংখ্যন হইল এব সৈত্যদের উত্তোশিত ধুলিতে অধিত হইয়া সুখা যেন অঙ্ডিত হইলেন ১২৯।

ভংকালে ক্তক্তলি সৈতা ভূষ্প বৃদ্ধ কবিতে লাগিল, মনেকে প্লায়ন কবিল, আবার বহু সৈতা কিবিয়া আসিতে থাকিল। সূত্রা স্থাক বা প্রপ্রেক্ত কোন বিশেষ দেখা গেল না ॥১০।

(७)) छन्दिश सुमूल ब्रह्म-नानि।

0

পঞ্চভারিংশোঽধ্যায়ঃ।

সঞ্জ উবাচ।

পুৰাছে ভন্ত ৰে দ্বা যুদ্ধহন্থে বিশা-পতে!।
প্ৰান্ত মহাবোৰ ৰাজ্যা দেহাবক্তন্যু ॥১॥
কুকণা সঞ্জানাল জিগালুণা প্ৰস্পাৰ্যু।
সিংহানামিৰ সংহালো দিবমুৰ্বীক নাদ্যন্ ॥২॥
মাৰ্মাই কিলকিলাশক স্থলশভাৰবৈই সহ।
ক্ষিত্ৰে সিংহনালাল শ্ৰাণা প্ৰতিগজতায় ॥৩॥ (মুখাকম্)
ভল ভাভিহতকৈৰ জালিকো ভৰতৰভা।
প্ৰান্ত পদশকত বাজিনাক মহাবনঃ ॥৪॥

ভারতকোমুদী

পুকারে ইতি। বৌধ্র ভ্রমক্ত, মহানার সালগ্রাম। বেংকা অবক্তরা ভ্রমক্র। ক্রপামিতি। সাত্রাসে লম্মন্ তলা ভ্রমে ভ্রমক্রম হল তা

সেই মহাভয়ত্ব অভিকৃষ্ণ মৃত্ত চলিতে থাকিলে আপনার জ্যেষ্ঠতাও ভীম সকল সৈতকে অভিকৃষ কৰিয়া বীৰ্শোভায় শোভা পাইতে থাকি-লেন' ৷০১৷

সভয় বলিজেন—'নরনাথ। সেই ভয়ধর দিবসের পুর্কাছে রাজগণের দেহকেদের কারণ অভিদারণ বৃদ্ধ চউতে লাগিল ॥১॥

সিংত্রে স্থার পরক্ষার ভয়াভিলারী কৌরবসণ ও সঞ্মগ্রের গ্রহ্মনশন্দ আকাশ ও পৃথিবী শন্তি কবিয়া বিচরণ কবিতে লাগিল, সৈল্পণের কিল্কিল-শন হউতে থাকিল এবং তলত (ধতুব গুণের আঘাত বারণ করিবরে জন্ম বাহতে ধৃত চামভার ইদির নাম—'ভগত') ও লভাববের সভিত প্রতিপ্রক্রমকারী বীর্গণের সিংহনান চলিতে লাগিল ১০—৩৪

(২) স্থ্যনেক স্মান্থ বিভিগ্নতাম্ লি বঃ। (৩) তল্ভাভিচ**তটেক্ ক্যাল্ডাঃ** পাৰ্যকাক---তামি।

পঞ্চ হারি শেহিধ্যায়ঃ ।

ত্যে বাক্শনিপা চন্চ আযুধানাক নিজন:।

যতাশাক্ষ নাগানামতে তাত্যভিষ্যক হাল্ ॥৫॥

তিয়েন্ সমূদিতে শকে কুল্লে রোম্ভর্ণে।

মন্ত্র রগনিগোম: পর্জতানিন্দোপম: ॥৬॥ (বিশেষকম্)

তে মন: জাল্মাগায় সমভিত্যক জাবিতা:।

পাওবানভাবত স্থান এবাজি ওপ্লোলা: ॥৭॥

মন: শাস্ত্রনে রাজমভাগাবজনপ্রম্য ।

প্রেয় কাম্ম্ ক: গোরা কাল্মগোমান রবে ॥৮॥

মন্ত্রনাহিশি ধনুগ্রি পার্ডিব লোক্ষিশাত্য ।

আভাধাবত ভেক্ষী পালেঃং রশম্ক্ষিন ॥৬॥

ভারতকোমুদী

ভব্তেতি। ভল্তাভিচতে আন্দেশবেশানিবাসেন্ধের । শ্রীনাশ্পথাজীনাম্ ভোশ্র কল অঙ্গত ভয়েনিপাত অন্যান্যালিভাঃ নালানাশ হলিনাম্। সম্থিতে সমিলিভে। প্রতিনিধ্যালয়ে মেগ্রজনভুলা । ৮— ১ঃ

ন্ত ইড়িং কে বেশবর্থা, সাধার বিধার, স্বভিত্তক ক বিশ্ জীবন প্রারেশভারত হণঃ
শ্বনিতি। পাশ্বরেশ তীক্ষা। কালগ্রেশেষা বন্ধণ প্রকার্থন অঞ্চল ইতি। পুরু গুরীরংঃ সালেখা তীক্ষা বন্দ্রান সমনালনে বন্ধ

ভারতভাবদীপ:

भूकीरह हे छि । एकारू भूकीर्थ भूकेश्वरण । । अवद्याना नाकाकर कानाम् ॥ ३० छनाः साम्राज्यसम्बद्ध ६००-६॥ एकारः असम्मनः स्वत्कारः स्वतृत्तमाकारम् ॥ ४०-७॥ ४०-

ভরতপ্রেষ্ঠ : ভলতাঘাত্তমিবন্ধন ভ্যালক, প্লাভিগণের প্রশক্ষ, অধ্যাপের বিশাল হেবারব (অধ্যের গ্রুনের নাম -'হেবারব'), কশা ও অঙ্গ আঘাতের শক্ষ, অন্তের লন্ধ এবং প্রক্ষার অভিমুখ্যাবিত হতিগণের লন্ধ, এই ভূম্প ও রোমহ্বণ শক্ষ সকল স্থিলিত হউলে মেঘ্যাঞ্চনের কায় গ্রীর রথনিয়োব্র হউতে থাকিল 18—৬৪

কৌরবেরা সকলেই আপেন আপেন মনকে করিন কবিয়া ভীবনভালে উল্লভ হইয়া ধ্যক উত্তোলনপূর্বক পাওবগণের প্রতি ধাবিত ইইলেন ৷গা

রাজা। স্বয়ং ভীম ব্যদত্তের তুলা ভয়কর ধন্ধ ধারণ করিয়া যুক্তে কর্তুনের অভিযুক্তে ধারিত হইলেন ১৮৮

ি(৬) ভবিষ্পধ্যিতঃ শক্ষম্লো লোমহধন, পি বা। (৭) জ্বমার্থি পি বা। (৮) ভার শার্ষকা-শরানি। ভারতে ক্রণাদ্তল প্রক্ষাব্ববৈদ্ধে।

গালেষত্ব রুণে পার্থণ বিদ্ধান্ধিলা ॥১০॥

তথ্য পান্তবা রাজন্ত ভারণ নাক্ষ্পান্ধ্যি।

সাত্রকিন্ত স্থেলালা কৃতব্যালয়ভাষাৎ ॥১১॥

তথ্য স্বভ্রমাণ কৃতব্যাল সাত্রকিষ্ ॥১২॥

মাত্রকিঃ কৃতব্যাল কৃতব্যাল সাত্রকিষ্ ॥১২॥

মাত্রকিঃ কৃতব্যালিক ক্রন্থাল প্রক্ষাব্যা

তে শর্চিত্রবাদ্ধি ভারতি মহাবলী ॥১৯॥

ব্যাল্ড পুল্লাব্দেশ পুল্লিতাবিষ্ কিল্ডকেশ।

ক্রিত্রার্থিকাদা বৃহ্দল্মধ্যাধ্যথ ॥১৪॥ (বিশেষক্ষ্)

क।इड्टको मुग्री

পোৰ ক্পৰ্কেশ্বৰশ্বনি মূহৰ সংক্ৰিছি লেগ । নংকৰণ্য- প্ৰায়ক্ত ডিলুচছোম ৰচন্দ্ৰ প্ৰেটি ৷ ইণন্ৰ গুৰু মূজতি কিল্ড নেন্ত ইয়াসে হয়, স্চানিয় সো মুক্ত স্থান্ত ৷

सर्वादि । इन्तर संतिभवमः, संभक्षत्वः संकानवादासङ्गः । सक्षमार्थो सन्दर्भको । सर्वादिभागः व्यवसायनाम्बर्गानाः । भूष्यः । सर्वादे विदिशो १२२—५४।

েজনী অসুনও জগতিসনাত গাওঁবৈধকু ধারণ করিয়া সমরাসনে ভীকের দিকে ধানিত হউলেন ॥১॥

সেই কাৰ্যশ্ৰেপ্ৰা গুই জনেট প্ৰস্পাৱের বধাভিলাষী হউলেন এবং ধলবান্ ভীগা বাৰ্থ্যো সৃত্য অজুনকৈ বিদ্ধ কৰিয়াও কম্পিড ক্রিডে পারিলেন না ॥১+॥

রাঞা : অজ্নত সেইরপই ভামকে বিদ্ধ করিয়া মুদ্ধে বিচলিত করিতে সম্প হউলেন না আর মহাধ্যুদ্ধর সাভাকি কৃত্যুদ্ধির প্রতি ধারিও হউলেন ৪১১॥

তথন সাভাকি ও কৃতবর্ণার কুমুল ও লোমহবর মুদ্ধ হইতে লাগিল, সাভাকি কৃতবর্ণাকে ও কৃতবর্ণা সাভাকিকে ভয়ন্তব ধার্ণবারা প্রস্থার ওাড়ন করিতে থাকিয় একেবারে আর্ড কবিয়, কেলিলেন। তথন সেই মহাবল বীরেরা হুই জনে শরব্যাপ্ত দের হইয়া, বসন্তকালে পুপাবিচিত্র হুইটা কিংশুক্তব ক্ষের ভায় লোভা পাইতে লাগিলেন। ওদিকে অভিমন্তা মহাধন্তরের বৃহত্তরাভার সহিত মুদ্ধ প্রস্তুত্তর হইলেন ১১২ —১৪৪

ত চঃ কোণলকো রাজা দৌভদ্রতা বিশাংপতে !।
প্রজং চিজেদ সমরে সার্থিকাভাপাত্রং ॥১৫॥
দৌভদ্রতাত্রং কৃদ্ধং পাতিতে রপদার্থে।।
রহদলং মহারাজ। বিবাধে নবভিঃ শরৈঃ ॥১৬॥
তথাপরভাঃ ভলাভাঃ শিতাভামিরিম্ননঃ।
ধ্বজনেকেন চিজেদে পালিংমেকেন সার্থিক্॥১৭॥
মত্যোত্রক শরৈঃ কৃদ্ধে উত্জাতে পরক্ষরক্।
মানিনং সমরে দুপুং কৃতবৈরং মহারথক্॥১৮॥
ভার্মেনস্তর ভাতং ভুর্গেধিনম্যোধ্যং।
ভার্মেন স্বাধ্যালা ক্রম্যালা স্থাভিম্যে।
বিকাশ কুম্মালা ক্রম্যালা রিজনেনি ভিত্তানিক্নি)॥২০॥

छात्रश्रद्धी पूर्वी

ছাত্ত টিলি কোনলক, কোনলদেশানিপতির চন্দ্র, সৌন্দক আনিয়ারণ, বাবে। সৌকস্তাইজি। বিবরণে আভ্যামাস ১৯৬৮ তথ্যতি আর্মিকন, থৌজ্য । পাক্ষি পুদর্শক সাক্ষিতির কম্বান অক্টোক্সিতি। কুম্বৌ সৌজ্যুর্গমনৌ, তেজ্যাতে তন্চ চাত্তে । কুম্বির বিস্নান্ধিনা।

कावकशावनीय:

মুদ্ধনি সমবাদনে ১৯—১০০ সংগ্ৰাসা ম্যানিক সে প্রগত ১১১—১০০ মানজ চু. পাছেও ২৮৪টা ভক্ষ দৌ ভন্তুকাংগো ১৯০০ পুৰিল, শ্রনৌ বিভাগে বিশ্বনে প্রতিষ্ঠ স্থানিক ১৮৪—১৮৪ শিক্ষাব্যাং ভৌক্ষ হয়। প্রকাতিক্ষেত্রক কর তারেন পাকি পুষ্কে দম্বাকন সংক্ষিম্ভি

নরনাথ। ভাষার পর কোশলদেশের রাজা বৃহথল যুগ্দ অভিমন্তার ধ্রজ ছিল ও সার্থিকে নিপাভিত করিলেন ॥১৫॥

মহারাজ। রধের সার্থি নিপাতিত হইকে অভিন্যু গুল্ফ হইয়া নয়টা বাশ্বারা বৃহত্তক্ত ভাতৃন করিলেন ॥১৬॥

এবং শকুমজন অভিনয়া নিশিত তৃইটা ভারের একটাবারা বৃহদ্ধার ধ্রঞ্চ ও একটাবারা ভারের পূদিরক্ষক শার্থিকে ছেদন করিলেন ৪১%

এইভাবে তাহার, শরস্পর কুন্ধ হইয়া পরস্পারকে আঘাত করিছে লাগি-লেমঃ এদিকে ভীমশেন অভিমানী, মুদ্ধে দপ্রালী ও মানাভাবে শক্তা-

(১০) ভতঃ কোশলর ভাইলাবভিনভোবিলাপেতে । ব নি, প্রপার্থথ র , । বাশাত্ত্য—নিঃ (১৮) অংকারণ শবৈদ্ধীকৈওতকতুববিক্ষেণ বি বন। বিজ্ঞাং দক্ষণ ভাষণে সন্প্ৰত ভাষত।।
ছন্দাসনস্থ নকুলং প্ৰভূদ্যায় মহাবল্ধ।।২০॥
আইনাজিলিটেডই গৈবছভিমায় ভাষত।।
ভাজ মান্তিভা কেছুং দশ্যক শ্রাদনন্ ॥২০॥
ভিছেদ নিশ্বিভাগৈ প্ৰদায়িক ভাষত।।
আগৈনং প্ৰতিশালা কুলকালাং সমাপ্ৰং ॥২০॥ (কুলক্ষ্)
প্রস্তু তব ভূজপো নকুলতা মহাস্বে।
ভূজপাংলৈচৰ ভিজেদ ক্ষেত্ৰিক আপাত্যং ॥২৪॥
ভূজপাংলৈচৰ ভিজেদ ক্ষেত্ৰিক আপাত্যং ॥২৪॥
ভূজপাংলিচৰ ভিজেদ ক্ষেত্ৰিক আপাত্যং ॥২৪॥
ভূজপাংলিচৰ ভিজেদ ক্ষেত্ৰিক মহাবল্ধ।
বিবাধি শ্যুব্ৰিন মৃত্যান্থ মহাবল্ধ।

साराहरको पूर्वी

কুক্ষুকোটা নকৰিব পৰা দিছি জাত সন্ধান স্কনিপুৰেছি। সন্ধ্যাত সন্ধ্যাত সন্ধ্যা কাৰুণ সন্ধ্যাত আনাজ শাসন্ম্যাপ্ৰধাৰ সমাস্থানৰ স্বাধান্ধ সম্পতিত আৰী কথাত নাল — ২ আ পুত্ৰ উভি - জুজি ই স্থাল্ডি জাত প্ৰধান এই আলোভাত ১০০৫ জুজুল উভি। অসনানা অৱহত্য মহাত্ৰ মহাযুক্ষ্টিইছ

কারী মহাব্য প্রথা ধিনের সহিত যুদ্ধে প্রবৃত্ত হউলেন। নরপ্রেট, কোরবপ্রধান প্রহাবল ভান এব স্থানিধন বাব ধ্যাব কবিয়া সমরাসনে প্রস্পর বিশ্ব করিছে লাগিলেন। ভবহনকান মহাবল, যুদ্ধনিপুণ ও বিচিত্রনাধী সেই স্থাই জনকে দেখিয়া ভত্র হা সকল লোকেন বিশ্বর জন্মি। তথপরে স্থান্মন মহাবল নকুলের দিকে যাইয়া মন্ধানেন বিভ্রুত্ব নিলিভ বাবজার উল্লেক্ত বিদ্ধানিক বিশ্বর কবিলেন। ভরত্তনকান এই সময়ে মকুল হাসিত্র হাসিত্ত বিশ্ব নিশিত্র বাবজার তথাপ্রধান করিলেন। ভরত্তনকান এই কবিলেন করিছেন করিলেন এই প্রথাবিশ্বর বিশ্বর বাবজার স্থানিক বিশ্বর স্থান করিলেন এই প্রথাবিশ্বর বাবজার ভালিকেন এই প্রথাবিশ্বর বাবজার স্থানিক বাবজার স্থানিক বিশ্বর বাবজার স্থানিক ব

ওংপরে সাপনার পুত্র হয়ণ ও শাসনও মহাযুক্তে নকুলের সংখ্যালকে তেওঁলন কবিলেন এব ধাজ*ভাকেও* কাপিয়া ফেলিলেন ১১৬৮

ওদিকে আপনার পুত্র জন্ম মহাবল সহদেবের অভিমুখে গন্ন করিয়া বাপ্রথগদার, মহাবৃদ্ধে যড়শীল সহদেবকে বিদ্ধ করিলেন ॥২৫॥

(२४) বংশৈকবিদ্যভিত্তিকশভিম্মিতিট্টিভিলে দি ধা। (২৪) - তুর্জাংশিট্টিভ্লে মানৈদ্যজ্ঞিকভি দাহের্থ—রা নি।



শতক ভূগ ঠাকো ভূজু থকা মহান্ত্রে।
শতক ভূগ ঠাকোন পাত্যানাস সার্থিন্ ॥২৬॥
হাবকোকে সন্মানা সমরে মুন্তকানী।
ক্রামন্ত্রেলা শতকানিক সমরে মুন্তকানী।
ক্রামন্ত্রলা শতকানিক স্বাজ্যানাসভাবার।
ক্রামন্ত্রা স্থাজা নামভাবার।
ক্রামন্ত্রিলা ক্রাপ্তের মুন্তির।
ক্রামন্ত্রিলা ক্রাপ্তের মুন্তির।
ক্রামন্ত্রিলা ক্রাপ্তের মুন্তির।
ক্রামন্ত্রা শতকানিক বিশ্বনাসভাবার।
হাবেলাস স্কুজিভিত হিত্তিতি চার্বীর ॥০০॥
মুন্তির্লেক্তের ক্রামন্ত্রিল চার্বীর ॥০০॥
মুন্তির্লেক্তের ক্রামন্ত্রিল চার্বীর ॥০০॥
মুন্তির্লেক্তের ক্রামন্ত্রিল হাবেলা দ্বত ভারত।
হলা ক্রামন্ত্রিল ক্রামন্ত্রিল চার্বীর ॥০০॥
মুন্তির্লেক্তের ক্রামন্ত্রিল হাবেলা দ্বত ভারত।
হলা ক্রামন্ত্রিল ক্রামন্ত্রিল হাবেলা দ্বত ভারত।

कानकरको मुनी

কংকাক মহাস্থাৰ মহাপুৰে ভূপ গাজ্য আনি প্ৰচাৰেন (১৯) হ বহি । কুল্লা সংবাদেশ প্ৰতিকৃতি সিশো প্ৰতিকৃত্যি কৰা হলা লা । ১৭। সুৱালি । মান্ত আন নাম সময় কৰে আই । (ই মাতিক। আহা । ১৯) হালা উচ্চ আন স্থানিকান, বেলাৰম কোলান কালালেন, লাম্বল কৰা কৰা । ১৯। শুক্ত ইতি আহা ম্পিটিকা, সহলান ইবস্ক শিলাই দি উপাৰ্চ লগা (১৯০ কোলা ১৯০ কি

ভাচাৰ পৰ শৰ সহদেৰ একটা অভিস্থাৰ বলেয়ালা মহণ্যুক হুমুখেৰ সাৰ্থিকে ৰথ হউতে নিপাভিত কৰিলেন ১৮৮৮

ক্ষে বৃদ্ধুদ্ধ প্রস্থা ও সংক্ষে প্রকৃত অপরাধের প্রকার করবার ইচ্চা ক্রিয়া বৃদ্ধে পরস্পর পরস্পরকে পাইয় ভীষ্ণ বাণস্মর্থার সক্ষেত্র ভয় ক্যাইতে সাগিলেন ৪২৭৪

মাননীয় সহারাজ। তংপাবে রাজা আয় যুধিদির নধ্যতে শংলার থিকে ধাবিত হইলেন, তথ্য শলা ভাহার ধ্রবানাকে তুই মতে ভেদন করিলেন ১৯৮১ পারে কুয়ীনকান যুধিদির সেই ছিল ধ্যু ভাগে কবিয় বেগে বাগকেপ্

ক্রিবার যোগা ও ভূদত অভ্য একখানা ধতু গ্রহণ ক্রিলেন ১০১৮

ভাহার পর অভাজকুত্র রাজা যুধিটির অবন্তপ্র বত্তর বাণ্ডার। মদ্রাজ শলাকে আবৃত কবিলেন এবং 'থাক থাক' এই কথা বলিকেন ১০০॥

্বচ ত্রু মুখ্যাসভাগে বিশ্ব চিক্তের শস্তাস প্রিক্তির স্থানির কেন্দ্র স্থানির ক্রিক্তির স্থানির বিশ্ব



ধনুনিচজেন সমরে পাঞ্চালান্ত মহাজনঃ।

শবকৈর মহালোরে কালনগুমিরাপরম্ ॥৩২॥

প্রেম্যানাস সমরে সোহতা কায়ে গুমান্তর ।

আনাল্ডকুরালাম সামকাংশত চাইকাশ ॥৩৩॥

দেন জলনপুত্র স্ত প্রতিবিকাশে সংযুগো।

তাবলোকে অসংগুলো চলাইঃ অভশং রণম্ ॥৩৪॥ (কলাপকন্)

সৌমনতিং রুলে শ্রো শভসং রভসো মুবি।

শ্রুলম্যে মহারাজ। তিওঁ তিওঁতি চারবীং ॥৩১॥

ব্যা বৈ দক্ষিণ বারো নিবিভেদ রুলে স্কুজন্।

বে মনতিত্বা শহং জ্জালেশে সমাহনং ॥৩১॥

ভाরদকে। মূদী

पृष्टीर प्रशास भागा स्थाप प्रशास विश्व कार्य स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

১০ চনত হল্পত্ত সমত্য লগি বিকর্ণলোগ ভাষ একর ১০৬৪

ভারতভাবদীপ:

ট 12 ১ ~ . ১৮ প্র শাস্ত ১৯ শাস্ত ১৯ শাস্ত লাগ্রের পার্ছিত—৩+। শাস্ত কর্মান মান্দ্রনাম্ভান ১৯ — ১৪০ প্র সংক্ষা মহর্ম ১৯৫৭ সার্মিক শাস্ত ক্রেরিক

চন্দ্রনালন। তংশার দৃষ্টিরার স্থাবের দিকে ধারিত হ্রলেন; তথ্য প্রেণি মত ভূরক চর্ট্যা মহারল দৃষ্ট্রায়ের লক্ষ্ট্রাঞ্চনক ও দৃদ্ধ ধ্রুধানাকে ছেনল করিলেন এব কলের ম্মন্তের ক্যার মহাভ্যুক্তর একটা বাধ নিক্ষেপ করিলেন, সেই বাণটা মাইয়া দৃষ্ট্রায়ের লকীরে প্রেশ করিল। ভাহার পর প্রস্থার অল ধর্ম লইয়া চে কলা বাব নিক্ষেপ করিয়া যুদ্ধে মোণকে প্রতিবিদ্ধ করিলেন, এই ভাবে টাহারা মতাম্কুক্ত হইয়, পরক্ষার অভি ভ্যুক্তর যুদ্ধ করিছেন। এই ভাবে টাহারা মতাম্কুক্ত হইয়, পরক্ষার অভি

মহারাজ : এদিকে যুক্ত বেগবান্ লখা যুক্ত বেগবান্ ভূরিআধার দিকে ধারিত চউলেন এব 'গাক্থাক্' এই কথা বলিলেন ৩০০॥

বীর শ্বাধ্য ব্যবহার। ভূতি প্রবার দলিক বাছ বিদারণ করিলেন এবং ভূতিপ্রবাদ বাবহার। শ্রের করস্কিকানে আহাত করিলেন ১০৬ঃ

(৩২) হিণা চিভেন সমরে পাঞ্লোর রু কালুক্য্ রা নি ।

ত্রেক্তিন্তবদ্যুদ্ধ ঘোরকপণ বিশাংপতে।
দৃপ্রয়াঃ সমরে পূর্বণ রত্রবাসব্যোরিব ॥ হন।
বাহলীকন্ত রণে ক্রুক্তি কুর্মহারশঃ ॥ হন।
বাহলীকন্ত মহারাজ। পুন্তকে হুর্মহারশঃ ॥ হন।
বাহলীকন্ত মহারাজ। পুন্তকে হুর্মহারশঃ ॥ হন।
বাহলীকন্ত মহারাজ। পুন্তকে হুর্মহারশঃ ॥ হন।
চিদিরাজন্ত সংকুত্রে ব হলীকং মহারহঃ ॥
বিশ্বাধ সমরে হুণ মতে, মত্নিব দিপন্ ॥ ৪০॥
তৌ হত্র সমরে কুক্রে) শন্তে চ পুনঃ পুনঃ ।
সমীয়ন্তঃ হুসংক্রুদ্ধাধ্যারক্রুদ্ধাবিব ৯১১॥
রাক্ষণ ক্রুক্র্যাণ ক্রুক্র্যা ঘটোহকচঃ ।
ক্রেক্র্যণ প্রেক্রিটারকঃ ।

ভারতকোমুদী

তেথাকিতি। দৃশ্বযোগনিকথা:। কুর্বাসন্থা কুর কর্তকাথাকিব। কর্মধানার্থকুছি, কুর করু নিজ্পানপুত হল্ল।
নার্নাক ইড়ি। আন্স্রুথ অপীচন্থ, সিংচ্ছা নাম কর্মনার্থের কর্মণ কথাকা।
চেনীড়ি। চেদিবাকো বৃহত্ত কুল। মধ্যে বিশ্ব বিশে হাজন্ম হল্প।
তথেকিতি। স্থীকুলুল স্থিতিকো বৃহত্ত কুল বংগ ম্লাল্যণ তথ্য
কুল্পানিতি। স্থীকুলুল স্থিতিকো বৃহত্ত কুল বংগ ম্লাল্যণ তথ্য
কুল্পানিতি। স্থাকুলুল স্থাপানিকো বৃহত্ত ক্ষ্মবিশ্ব ম্লাল্যণ তথ্য

নরনাথ। গাধিবত শব্ধ ও ভূবিশাবার সেই মুখ্র পুথবকালে ব্রাপ্তর ও ইন্দ্রের মুদ্ধের ক্রায়ে ভয়ত্বকাবে হউতে কাগিল লগে।

রাজা। অসাধারণ বৃদ্ধিমান ও সহাধ্য সৃষ্টকের ক্রুত্ম হউয়। কুত্র বাজনীকের শ্রেষাবিভ স্ইলেন ৪০৮৪

মহারাজ। ওখন বাহলীক বঙ্ডর বাংগাবা ক্রেছ গুইকের্কে পীড়ন করিয়া সিংহ্নাদ করিশেন ॥৩৯॥

পরে মঙ্হতী যেমন দক্ষারা অপর মঙ্হতীকে বিছ করে, সেইরপ দুষ্টকেতু নয়টা বাণ্দারা মুদ্ধে সহর বাহলীককে বিছ করিলেন সংল্

ক্ষে বাহলীক ও ধৃষ্টকেট্ অভাযুক্ত তইয় বাব বার গঠন কবিয়া অভিক্ত সকলপ্রত ও ব্ধমতের কাম সন্মিলিত তইলেন ৮৮১৮

(৩৭) অংখাঃ স্মান্ত্র কুলি লেবলান্ত্রের পি বা (২৮) বাংলীকর বংগ বাজন্যু দুটকেত্মন্ত্রিং বা লি।

মহাভারতে

মতিহিক্তভ্তঃ লুকো বাজ্যণ তা মহাবিলায়।
নবাৰ, সানকৈ প্ৰতিজ্ঞান বিষয়াস ভাৰত গ্ৰাহণা
ভালত্বান্ত সমলে লৈম্পেনিং মহাবিলায়।
বিশ্বানিকেলাৰ মহাবিলায়।
বিশ্বানিকেলাৰ হ'বলৈ সমতপ্ৰতিল ॥৪৪॥
বালাজেলাৰ ভাৰতেই ভু সংসূত্য শৰ্বিকতেই।
যথ দেব সেৱে স্কো বলশাকো মহাবিলোঁ ॥২৫॥
বিশ্বানা সমৰে ব'জন্ধ চেনিকেল্পিছেল্য্যন্ত বলী।
তথ্যায় তথ্য জ্ঞানিক ভূগানিকাল্যন্ত ॥৪৬॥
লাব্দেনিক প্ৰতিশ্বানিকাল ক্ষাবিলায় মহাবিলায়
বাৰ্নিকাল প্ৰতিশ্বানিকাল লাভ্যান্ত ॥৪৭॥
হ'বলন ভূগানেনা বিশ্বানিকাল নিশিবভান চা
তথ্য জ্ঞান্ত ভাৰত বিশ্বানিকাল নিশিবভান চা
তথ্য জ্ঞান্ত ভাৰত বিশ্বানিকাল নিশিবভান চা
তথ্য জ্ঞান্ত ভ্যানিকাল নিশিবভান চা
তথ্য জ্ঞান্ত ভ্যানিকাল

ভারতকোমুদী

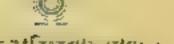
१ । ६६ ६ । १६ ६ म । स्वार स्वित्ति छातेतः आ देवत्ते । १६०। स्वार वित्ति । १६ १ म । स्वार स्वार प्रति वहस्य । इत्ता स्वार (वहस्य) । १६६ । वीत्र वित्ति । १६ १ म ६ स्वार मार्थ । स्वार स्वार (वहस्य) । १६६ । १८ १ म । म्याप स्वार प्रति । १८६ भूग्य । १६५ भूग्य । १६५ म्याप ।

পুর্বের জিলা, বন্দ ক্রান্তারের করি ধারিত চইয়াছিলেন, সেইরপ ক্রান্তার ক্রান্তারকচ, ক্রকশ্বাবাদস অলপুষ্বের প্রতি ধারিত চইল ৪৭১॥ ভ্রান্তান্তার পর মটোংকচ জ্বা চইয়া নক্তিস ধাক ভীক্ষাণ-দ্বা, সই মহাবল রাজস অলপুষ্কে বিদীর্শ করিল ৪৭%।

অলপুষ্ঠ মৃশ্জ অবন্তপ্ৰ বভ্সাবাক বান্দারা মহাবল ছটোংকচকে বহুস্থানে বিদীৰ্শ করিল ৪৪৪৪

পুর্বে দেশতাবিষ্ধান মহাবিদা কলনামক আতার ও দেবর(জাইন্দ্রেমন সংগাচা পাইয়া'ছেলনে, সেইরাপে দিব বিকাত ঘটোগক্ত ও আলপুষ যুগানে সোহা। পাইতে কাংগালি আহিংল

রাজা। তদিকে বলশান শিখাণী মুক্ত অস্থামার দিকে ধাবিত হটালেন। ভাষার পর অস্থামা ক্ত চইয়া একট, স্তীক্ষ নারাচ্ছারা উপস্থিত শিষ্ঠীকে ১৯০০ ঘটাংকার সঞ্জ শিকা। ১৯৮ শিশারন্দ্রিক্স শিকা। ১৯৮১ বিশ্ব ব্যক্ষায় —শিকা।



क्षमकः तर्थ मृदः विदार्षे वः विद्याभि है। । बाह्यसं दिवरका देखः अर्थः । युक्तग्रेष काद्यकः । विदार्षे। अपन्तकः भद्रत्यं काद्यकः । बाह्यस्थः स्मान्कः द्वा स्थरमा हत्ये।, देवं विद्या ॥००॥ क्षमक्षक कर्नु वं विद्यापे अ्थितिका विद्या । कृष्टिमामान समस्य स्मान स्मान्य । कृष्टिक द्वा देवरक्षा कृष्टः स्वित्रा गर्मे । कृष्टक द्वा देवरक्षा कृष्टः स्वित्रा गर्मे । कि कृष्टः सद्वर्षं क्षाम्यामाम् । विद्या ॥०२॥

ভারতকোমুদী

সংগ্ৰিষ্ট ভূপদৰ্শ কাৰণ বিশেষকম্য আৰু শাস্ত্ৰত হৈছি । বিবাস ইডি ৷ পুৰ ইংক্তি ভিত্ৰপদ্ধ বৈক্তিকম্পত দক্ষি সংগ্ৰহ নংগ্ৰিষ্ট উদিভূমিভাৱনন বিবাসে ছলি প্ৰস্থান ক্ষাত্ৰ শাস্ত্ৰ ৷ বুশ্মিতি ৷ বৃত্যক্তিশ্ৰাম, কৈকেবা কেক্ষ্টেশ্ৰ, শাক্ষ্ট পুৰু ॥২০॥

ভারজভারণীপ:

আনুসংখ্যা ১৯৭—০বং বৃথকের বিশ্বন লওক কল কল কলা সন্তি অংক্রেক্তর্থন সম্প্রিক্রের ১৯৯—০বং সমান্তব্যাধিক বিশ্বন প্রক্রের্বির করিয়া বিচলিত করিবেলন। রাজা। তাপেরে বিশ্বনির বিশ্বনির করিয়া বিশ্বনির বান্তব্যা স্থান করিয়া বিশ্বনির বান্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা স্থান করিয়া বিশ্বনির বান্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা স্থান করিয়া করিয়েলন। বাহ্নির বান্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর করিছে করিয়ার বাল্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর করিছে করিছে করিয়ার বাল্তব্যা ব্যাহর ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যাহর বাল্তব্যা ব্যাহর বাল্তব্যা বাল্তব্যাহর বাল্তব্যা বাল্তব

রাজা। ওদিকে সেনাপতি বিধাটরাজা স্থে সহব ব'ব জগদত্ত্য প্রতি ধাবিত হইলোন; ভাচার প্র সাহাদের মূজ আর্ড হইল ৮৭১৮

ভরতনক্ষণ মেঘ যেমন ফলবধণহারা প্রবাহকে আবৃত করে, সেইরপ্ বিরাটিরাভা অভিনয়ক ভাত্তীয়া বাণ্ধ্যপ্রারা ভগদত্তি আবৃত করিবেন এর ন

ভাষার পর মেঘ ঘেমন উদিত সুধাকে আছোগন করে, সেইকপ ভগদর সহর ব্যেক্ষণ করিয়া সমরাজনে বিভাটবাভাকে আজেদেন ক'বলেন গেংচ

ভরভম্পন ৷ ভংপরে শর্মানের পুত কুপাচার্যা কেক্যুবাজ বুর্ংক্তের প্রতিশ্যন করিলেন এবং শর বহণ করিয়া তাহাকে আকৃত ক ব্লেন ছে-খ

(४०) जन्मकृष ए॰ कृतेर विद्योजे॰ मृथ्यरीभर्त । भिन्न (४०) दृष्ट स्थाप वासि। ে তিমঞ্জ তদা ক্ ক. শবর্কী লোপুরবং।

তাবিকোনি হ্নান্ হয় ধলু শহু হা ৪ ভারত। ॥৫০॥

বিবলাবদিহ্নায় সমায় হুরমন্দা।

তাবিজেনি ক্ল্যু জাল গোবকপাল ছুরাসদম্ ॥৫৪॥ (মুখাকম্)

জাপদার তেরা রাজা দৈছকল বৈ জ্যাদ্রপা।

মাহান্যনে হাল জালাল ক্লিপ্রিছিল।

তাহান্যাস সমরে স ৪ তা প্রতাবিকাত ॥৫৫॥

তাহান্যাস সমরে স ৪ তা প্রতাবিকাত ॥৫৬॥

তাহান্যাস সমরে স ৪ তা প্রতাবিকাত ॥৫৬॥

বিকাশ ভারতিকাল ভালালক্রেমারিক ॥৫৭॥

বিকাশ ভালালক্রিনাক্রেছার হুল্যাব তার ॥৫৬॥

আলালালক্রিনাক্রেছার হুল্যাব তার ॥৫৬॥

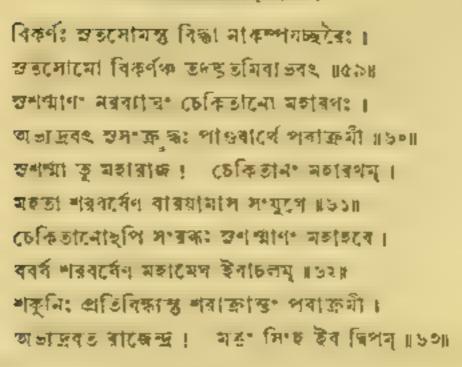
फातकटकोश्र्मी

ভাষার পর শক্তপেনকারী ও অভিকোপনস্থার ক্রেপদরাজা **আনন্দিত-**চিত্ত নির্বাল জন্মধের অভিমুখে ধাবিত হট্লেন ॥৫৫॥

তংপরে কয়ত্রপ তিনটা বাগদাবা যুদ্ধে ক্রপদরাভাকে তাড়ন করিলেন এব, ফ্রপদরাজাত তাঁহাকে বিদ্ধ করিলেন ১৫৬৪

শুক্তার ও নদলগ্রের আয় জন্প ও ভয়স্থার সেই যুদ্ধটা দৃষ্টিতে ভয়মার, বস্তুত্ত ভয়মার এবং নয়নের স্থাতিজনকভাবে হ**ইতে লাগিল ॥৫**০॥

(६७) (जोड्स टेककर क्का ना ना (६६) (एरवक्षण ख्वाक्सम् वानि।(६६) -- अस्तिम्यरपो क्वेक्ष वानि। १६९) उद्योधमञ्ज्यमपुरुष् वानि



ভারতকৌ মুবী

विकर्ष होति विकर्षक विश्व जाक्यमादिशिति स्वश्वः, स्थवन्यनम् १६२। स्वन्यानिथिति । नवता या वीवदानिज अवस्थानम् १५०। स्वन्यति । वाद्यापात व्यापपात श्रीत्वत्वयः ॥५३। १६७० होत् हेति । नावदः स्व । भदादाय महासूच । व्यक्ता वर्षा हम् । वर्षा नव्या महासूच । व्यक्ता वर्षा । व्यक्तिविक्ति । श्रीतिक्ताः सूचितिक्या सूचितिक्या स्वाप्तिक व्यक्तिविक्ताः स्वितिक्याः सूचितिक्याः स्वाप्तिक व्यक्तिविक्ताः स्वाप्तिक व्यक्तिविक्ताः स्वाप्तिक व्यक्तिविक्ताः स्वाप्तिक व्यक्तिविक्ति ।

এদিকে আপনার পূর বিকর খেগবান্ আর্শুলির ফ্রগমনে সংরই ভাষের পুর ফ্রসোমের প্রতি গমন করিলেন; ভাহার পর ভারাদের মুক্ষ আর্দু হুট্লাকাল

নিকৰ্ব বাণখার। স্ভাসোমকে বিদ্ধ কবিয়াও কশ্পিত কবিলে পাবিলেন না, আবোর স্ভাসোমত নিকর্ণকৈ বিদ্ধ কবিয়া বিচলিত করিতে সমর্থ স্থালেন না; সেহ ঘটনা অদুত্তের মতই ইইল ।৫৯।

মহারথ ও পরাক্রমশালী চেকিডান অভ্যস্তকুক ধ্রয়। পাওবগণের *ভরা* মর্মেষ্ঠ সুশক্ষার দিকে ধারিত হইলেন ৪৬০।

মহারাজ। সুশশ্ম বিশাল শর্বইণ করিয়া মূরে মহাবর্গ চেকিডানকে বার্থ করিকোন ৪৬১৪

মহানেল যেমন প্ৰহৈতৰ উপৰে জল বৰ্ণ কৰে, সেইকপ চেকিভানও কুক হুইয়া মহাযুক্ত ভুশক্ষিৰ উপৰে বাগ বৰণ কৰিছে লাগিলেন ১৬২৪

(৬০) নরবাছেতেকিতান: য়ানি। (৬২) আক্রেমড্মির্ভন্তাছেছ ব নি। (৬৬) নরবাছেতেকিতান: য়ানি। ,



যোগিতিবস্ত স জুক্ষা সৌৰলা নিশিটিছা শবৈ:।
বালাবনত সংহামে মহাবানিব দানবন্ ॥৬৪॥
নকুনিঃ প্রতিবিক্ষান্ত প্রতিবিধান্তমান্তব।
বালাবনমান্তাপ্রভাগে শবৈঃ সমতপ্রভিঃ দঙ্গে।
ব্যালিকান্ত বাজেক্। কাজোকানা মহাবিধন্।
প্রতিবিদ্যান্তমান্তমন্ত সংস্কোনা মহাবিধন্।
ব্যালিকান্ত বাজেক্ । কাজোকানা মহাবিধন্।
বিদ্যালিকান্তমান সাহাদেবিং মহাবিধন্।
বিদ্যালিকান্ত বি মিনাক্ষিৰ প্রতিম্যান্তমা

भारतकाम्मी

্ষেষ্ট্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র শকুলিম্। ন্যাবান্টির চেয়। শকুলিকে এ সাধ্বিদ্ধে প্রাণ্ড বাংশিক পারশার্থম্ মহাপ্রাক্তি কুমুক্তি চেয়াঃ

लुक्षण प्रकार स्टब्स मार । जान्यमानुद्व अन्तिमहान के स्थाप

পুরার র ১ ১ ১ বি সংগ্রেপুর্য কার্সেন্স্ এটেন সাহিশিকার কর্মার সংগ্রেপুর্য করিবরাধ্য নিনিত্র ক্রাজিলমার ব ১ র ব শুন্ন অকুছে ক্রাক্রেশ্য সংগ্রেপুর্যে মাজিপকাবিরোধ্য ক্রাহ্রচণ্ড

বাজনেটের সিত্নমন মড্ছস্টার দিকে ধাবিত হয়, সেইকপ প্রাঞ্মন শালী শকুনি প্রাঞ্জ জু অতিবিজ্ঞার দিকেই ধাবিত হইজেন ॥৬০॥

পৃথ্যকালে উপ্রেম্ম বিপক সামবকে বিদীব্ কবিছেন, সেইরপে তৎকালে প্রিকিল অব্যক্ত হট্য মৃদ্ধ নিশিত বাপসমূহভারা শকুনিকে বিদীব্ কবিলেন ৪৬৪॥

প্রতিরিক্ষা মৃক্ষে শকুলির প্রতিক অঞ্চ বাণ্বিক করিলে, মহাকৃটবৃদ্ধি শকুলিও নতপ্রতিবাণসমূহছার। প্রতিক্ষিকে বিদীর্গ ক্ষিলেন ॥৬৫॥

বাজ্যোওঁ। অজ্নপুত্র শাংককা সহদেবপুত্র শাতসেনের সহিত মিলিও চইয়া যুদ্ধে প্রাজ্নকালী কাংখোজনেশীয় মহারথ সুদ্ধিশের প্রতি ধাবিত হুইলেন ৪৬৬%

ভখন স্থাকিব যুক্ত সহদেবপুত্র নহারণ শাতসেনকে বিদ্ধ করিয়াও মৈনাক-পর্কচের ভাষ ভাঁহাকে বিচলিত করিছে পাবিলেম না ৫৬৭॥

(৬৪) ন্যৰ ইব পানবন্দি বং ৬৫) প্ৰতিবিদ্ধান্ত প্ৰাক্ৰমা প্ৰাক্ৰমা পি, প্ৰতিবিধান মহাচৰে বংগ स्वित्वा उत्तः कृतः कार्याकानाः महावयम् ।
सरित्वे विद्यानक कि व्याप्ति मर्दरः ॥ ७५॥
देवानानय मः कृतः का द्याप्त्य मर्दरः ॥ ७५॥
क्षा्त्राचे पर्य गर्तः गरुक्यः अवद्याः ॥ ७५॥
व्याप्ति व्याप्त्र मर्गत् द्यान् वदा महादयः ।
सन् वित्याप्ति व्याप्त्यः महर्त्यः भगत् द्यान् ॥
किव्यान भनार्यः द्वा गृक्यः वद्याः भगत् द्यान् ॥
किव्यान भनार्यः द्वा गृक्यः वद्याः भगत् द्यान् ॥
किव्यान भनार्यः द्वा गृक्यः वद्याः भगत् ।
किव्यान भनार्यः द्वा गृक्यः वद्याः म्याप्ति व्याप्ति ॥
किव्यान भनार्यः व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति ।
क्षां वित्यान् व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति ।
क्षां व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति ।
क्षां व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति ।

ভারতকৌ সুদী

ভারতভাবদীশ:

हेट्बर्डामक्रिय वं १४०--१९१ - इन्हार त्या, श्राहरण घर देवन श्रीमित्र १४० -४२१ - ६५ किन्हारन प्राह्मक्ष १४०--१४० - देव्यानम्बन्धका १५२--१०१ - यम द्यार पर द्वार १४० -१८० - संस्थापन द्वार

ভারার পর ক্রভক্তা ফ্রেছইয়া বচতৰ বাগছবো কারে জনেশীয় মচারথ বুলকিশের সমস্ত অস বিসীপ করিছে থাকিয়াট যেন টাচাকে আর্ড ক্রিলেন ভোলা

তংগরে অঞ্নপুর শক্তাগনকারী ইবাবনে যর্কীল ও ক্রুড় হটয়া যুক্তে যুদ্ধীল ও শক্তমমনকারী ক্রুড়াযুব প্রতি ধাবিত হটলেন। ১১২

ক্ষে মহার্থ ইরাবান্ যুক্তে ক্ষায়র মধ্য লিকে বধ ক্র্যা বিশাল সিংহনাদ করিলেন, সেই সি হনাম সমস্ত দৈয়া পূর্ণ ক্রেল ॥৭০॥

ভ্ৰম শৃত্যমূ অভাতৃত্ত হট্যা গলরে অগ্নেশবার। মৃত্য ট্রাবানের অবভলিকে বধ করিলেন , ভাগার পর ভাগানের মৃত্য চলিতে লাগিল ॥৭১॥

(१०) एर रेश्वर द्राज्यक्षर—ितः (१०) अस्त्रापृत्र द्रारः कृषः व नितः (१०) • मस्त्रार ग्रह्मम् व्यानितः তত্ত্বিত্তনপশাম ত্যোঘোৰং প্ৰক্ৰিমন্।
মনুধ্যেতাং স্থিকো ভূৱা মহতা দেন্যা দহ ॥৭৩%
মনুধ্যেতাং স্থিকো ভূৱা মহতা দেন্যা দহ ॥৭৩%
মনুধ্যেতাংকত তং ভূবং শ্বরাতৈর্বাকিবং ॥৭৪॥
কৃতিভোজভাতংচাপি বিল্লং বিব্যাধ দায়কৈ:।
স চ তং প্রতিবিব্যাধ তদ্ভূত্যিবাভবং ৪৭৫॥
কৈকেয়াং প্রতেবং পঞ্চ গান্ধারান্ পঞ্চ মারিষ্!।
মানৈতাং সহদৈতাংস্ত বোধ্যামান্তবাহ্বে ॥৭৬॥
বীর্বাভ্গ্রু তে পুত্রো বৈরাতিং ব্যুস্তুমন্।
উত্তরং যোধ্যামান বিব্যাধ নিশিতেং শ্রৈঃ ॥৭৭॥

कावकरको मुनी

णरत्र कि प्रशादक्यन कृष्टिकारक्षन मह दूष्य देख्याव्यकाषुक्रम्।द्वयिति काद्र । १००१ स्थापक हे कि । अवस्थाप के देश स्थापक, प्रशादिक्य काद्रशाय ॥१९॥ द्वर्थाति । व प्रशासक्य क्षिति । प्रशासक्य क्षिति । प्रशासक्य द्वर्थाति । प्रशासक्य । १०॥ देवर्थात द्वर्थाति । द्वर्थाति । प्रशासक्य । १०॥ व द्वर्थाति । देवर्थाति । देवर्थाति । देवर्थाति । १०॥ व द्वर्थाति । १०॥ व देवर्थाति । १०॥ व देवर्याति ।

এদিকে অবস্থিদশীয় বিশ্ব ও অভবিশ্ন, সৈতা ও পুরসমণিত ধীর ও মত্বণ কুণিংডোপ্ডব সভিভি মুখে মিলিভ হইলেন ≋৭২॥

ভগ্ন টাচাদের অভাস্থ ও ভয়ম্মর পরাক্ষা দেখিতে পাইলান। যে চেমু ভাচাবা বিশাল সৈংক্রে সভিত ভিত্ত হইয়া মুগ্ধ করিতে লাগিলেন ॥৭০৮

্রামে অনুধিন্দ গদায়ার। কুন্তিভাতকে ভাড়ন করিলেন; কুন্তিভাতিও সূত্রই বাণ্সমূহহার। টাহাকে আবৃত্ত করিয়া ফেলিলেন ॥৭৭৫

কুম্ভিত্তিৰ পুত্ৰ বাণ্যাৰা বিন্তৃত বিদ্ধা কৰিলেন, বিন্তু ভাঁচাকে প্ৰতিধিত কৰিলেন - ভাঁচা যেন আশ্চয়া বলিয়া ৰোধ হইল ॥৭৫॥

মাননীয় বাভা। কেকয়নেশীয় পঞ্চ আতা আপান সৈতাগণের সহিত মিলিত চইমা সৈতসম্থিত গানোবদেশীয় পাঁচ জন বীবের সহিত মুক্তে আঙ্ত হইলেন ১৭৬।

এবং আপনার পুত্র বারবাভ বিরাটরাজাক পুত্র রখিজেট উত্তরের সহিত মুদ্ধ আরম্ভ কবিলেন এবং নিশিত ব্যাসমূহকারা উত্তরকে বিদ্ধ করিলেন ॥৭৭॥

(৭৬) কেবং ছাত্রা মইসরাজে সমৈরাকে রানি।

উত্তরশ্চাপি তং বাঁরো বিবাধ নিশিকৈঃ শাবৈঃ।
চেনিরাট্ সমরে বাজনুলকং সমভিদ্রহ ॥৭৮॥
তথিক শরবর্ষণ উল্লকং সমবিধাত।
উল্লক্চাপি তং বাংগনিশিকৈলোমবাহিছিঃ ॥৭১॥
তথ্যেয়ুদ্ধি সমভবদ্যোরকপং বিশাপেতে।
দরিয়েতাং সমভবদ্যোরকপং বিশাপেতে।
দরিয়েতাং সমভবদ্যোরকপং বিশাপেতে।
দরিয়েতাং সমভবদ্যোরকপং বিশাপেতে।
দরিয়েতাং সমাল্কাবিভাল্লমপরাজিকে।
দলিনিকি সমরে তব তেশাক সম্বান ॥৮১॥
মূর্তমিব তদ্যুদ্ধমানামুদ্দদশিন্য।
তত্ত উল্লেব্লাজন্। ন প্রাকাষ্ত বিশ্বন ॥৮১॥
মূর্তমিব সমরে বর্থা চ রিখনং হলে)।
মূর্তমিব সমরে বর্থা চ রিখনং হলে)।
মূর্তমিব সমরে বর্থা চ রিখনং হলে)।

काउए हको यूगी

উত্ত ইতি। তং বীৰবাহম। চেলিবাই বৃহকেতৃণ, ইনকা শতুনিপুৰ্ম। ১৮। তথেতি। সম্বিদাত চেলিবালি সংগ্ৰুতি , তং চেলিবাছণ সম্বিদাশেত ওপকা । ৭০। তথোবিতিঃ সাব্ধেতাং বিদাবিত্ৰকোশ অন্ধান্ধ আৰু ১৮০। তাৰ্মিতি অন্ধানকোশি অসংস্কানি মৃত্যুজ্ঞান অংশন্। নেলা শালুক নাম ৮০। মুকুকুমিতিঃ মুকুক্দনা অপুঞ্লা, ১৯ উন্ধেশ্য উন্ধানন না বিশ্বালম্পান

নীর উত্তরও নিজিত বাদ্ধার। বীর্বাচ্চক বিদ্ধা কবিলেন রাজা। তংপারে চেদিরাক ধৃষ্টকেতু সম্বাসনে উল্কেব প্তিধাবিত চইলেন ॥ দ॥

এবং ধৃষ্টকেছু বাৰ বধণ কবিয়া উল্ককে বিদ্ধ কবিলেন, আবাৰ উপ্কর লোমবাসী নিশিত বাৰ্থাৱা ধৃষ্টকেছুকে ভাছন কবিলেন । ৭১।

মরনাথ। এইটাবে তাহাদের চয়ম্ব যুগ্ত চইতে লাগিল। ক্ষে অপ্রাঞ্জি সেই ভূই বীর অভাযুক্ত ছইয়া প্রক্ষর বিদারণ করিছে লাগিলেন ৮০০

রাজা। এইডাবে আপনার প্রের ও প্রেবপ্রের রথ, ছতা, ক্ষ্ ও প্রতিগ্রের সেই সঙ্গ সমগ্রহনে সহস্থ সক্ষ মৃত্যুত্ব হউছে ল শিল ১৮১॥

রাঞা। সেই যুদ্ধ মুহত্কালমাত্র মধ্বদর্শন ছিলা, ডাছার পর উল্ভেব ফায়ে ভাহাদের যুদ্ধ চলিতে লাগিলা, ভাছার কিছুট ফানা গেলানা ।৮২।

(nb) তং ধীরস্বানি। (৮১) সত্বম্—^{শি}

তত্ত মুক্ত অভ্কৃষণ বাক্সিং সমপ্যত।
শ্বানাং সম্বে তত্ত্ব সমাস্থিত ব্যব্ধন ব্যাদ্ধ।
তথ্য দেবৰ কিন্তু সমাস্থিত ব্যাদ্ধন ক্ষিত্ত আছিল।
বিশ্ব ভাষণ ব্যাদ্ধ ক্ষেত্ৰসমা ভূবি ॥৮৫॥
তাত্ত্ব ক্ষিত্ৰ ক্ষাদ্ধালি মান্ত্ৰ ।
মান্ত্ৰীয়া প্ৰশ্বিত বিশ্বীত সম্মান্ত ॥৮৬॥
তাত্ত্ব অভ্নাত্ত ব্যাদ্ধন সূত্ৰ ভ্ৰাচিকা ।
মানিনাৰ ন্বৰ্গত্ব স্বাহন সূত্ৰ ভ্ৰাচিকা ভীলপ্ৰিনি ভীলব্বে দক্ষ্ত্ৰ প্ৰভাৱি ব্যাদ্ধান্ত ॥০॥
ভীলিনাৰ ক্ষ্ত্ৰ প্ৰভাৱি প্ৰভাৱি বিশ্বীত স্বাহিন্ত্ৰ

कावक(कोश्रम)

ভারতভাবদীপ:

সংসক্ষম হাত্য হাতাৰক লা হাতত তে এব ৰাশ পালা নাত— অভাবিক ইতি হাত লগা বাধা পাহ বাধানুক্ষ লা—লবা বিশ্ববিদ্ আনংক্ষম্যলয়—লগা ইতি লীখনকা নৈলকজ্ঞান লাবনৰ কাশে প্ৰচাহ বিশ্ববিদ্যালয় হচৰ।

শেই সমরাজনে হতা হাজার দিকে ও রখী রখীর দিকে গমন করিছে লাগিল এবং অব অবের প্রতি ও পদাতি পদাতির প্রতি ধাবিত হটল ১৮০॥

ভ্রমন্ত্র সেই সমরাজনে ব্যবগণ প্রক্ষার পরক্ষারকে পাইলে পর ভারাদের মতিহ্রিব সমূল যুক্ত হইতে লাগিল ১৮৭৪

সেই স্থানে সমাগত দেবস্থিত, সিছাগণ ও চার্লগণ পৃথ্বীতে দেবস্থা মুজারে তুলা সেই ভয়কর কৃষ্ণ দেশন করিতে লাগিলেন ৮৮৫॥

মাননীয় রাজা। ভারবে পর সহল্ল সহল্ল হস্তী, সহস্র সহল্ল রখী, মবারোহিসমূহ ও পদাভিসমূহ —পূর্বে যে এন্মে মিলিভ হইল্ছিল, ভারবে বিপরীত ক্রমে মিলিভ হইল ১৮-১৪

0

ষট ্চ ভারিংশোই ধ্যায়ঃ।

সগুর উবাচ।

রাজন্। শতসহস্থিতি হত হত পদাতিনাম্।
নিত্যগাদিং প্রম্কানি হতে বক্ষামি ভারত । ৯১॥
ন পুত্রং পিতবং ক্ষেত্র পপিতা প্রমৌরসম্।
ন আরা ভারতং তত্র স্থামিয়া ন চ মাতুলম্॥।
ন মাতুলস্ক স্থামে ন স্থামং স্থা তদা।
আবিদী ইব মুদ্বে পাওবাং ক্কিভিং স্ক ॥। (মুখাকম্)
ব্যানীকং ন্বব্যামাং ক্কিভিংপতন্ স্থাম ।
আভ্জান্ত মুধ্বিবেব মুখানি ভ্রত্যভা ॥।

कारकरको भूगो

शास्त्रिष्ठि । जिल्लाका मृद्याताविक एक काञ्चन व्यक्ति न काञ्चित दृष्ट ठेक्न ३३। जिल्ला व्यक्ति काञ्चान व्यक्तिया शासित्वतः व्यक्तियो हुण विक्रिष्टाः ।३----आ व्यविक व्यक्तिकः व्यक्तियो देशक्त्रः । युगानि दश्याविक गाम क्रि।। • शासकामावादिकः

রাজনিতি। নিশাস্থেম্ অংলস্ব বৃহত্তি প্রপুটি সুখা ক্রবজি। এ জাজাজাতবংশ্ ভারাকালে, শাসীয়ে ভালিনেয়া হয়। আগবিট ইব ফুলানিন পুলাস ইব চন স্বানি

মর্থ্রের তংপরে রথী, হতী, পদাতি ও অবাধোচ'দিগকে সেই সেই হামে মৃত্যুত যুদ্ধ কবিতে দেশ। গেল' ৮০।

সম্ভয় বলিলেন —'ভর্তনক্ষন রাজা। শতসহল পদাঙি সেই সেই স্থানে যে যে রূপ যুদ্ধ কবিজে লাগিল, ভাহে, আমি আপনার নিকট বলিব ॥১॥

তংকালে পুত্র পিতাকে, পিতা উরস পুত্রকে, খাতা ভাতাকে, ভাগিনেয় মাতুলকে, মাতুল ভাগিনেয়কে এবং স্থা স্যাকে চিনিতে পারিল না; আর তথ্য পাত্রেরা খেন ভূভাবিট হইয়া কৌরবদের সহিত বৃদ্ধ করিতে লাগিলেন হে—া

⁽২)- পিড়াবাপুর্মেরসম্প্রীয় নচমতেল'-বানি : (০) স্থাডথা-বানি :

सर्थन्। इत् तर्थन्। कि कर्ता, तथन्त्रेतः।

ग'करेटः म'कटाः (कृष्टि भवस्त्रविक्षः। १॥

ग (नक्ष्विक्षः) (कृष्टि मिश्रितः तथा तरेथः।

शक्ति स् महाकारः महिलादः तथा तरेथः।

वह्मानाव्यम् वृक्षः विद्यारेगिति इत्तर्थम्।

मत्वावन् स्वाविद्यारेगिति इत्तर्थम्।

मत्वावन् स्वाविद्यारेगिति इत्तर्थम्।

मत्वावन् स्वाविद्याः। विद्यारेगिति इत्तर्थम्।

मत्वावन् स्वाविद्याः।

विद्यान् स्वाविद्याः।

विद्यान् स्वाविद्याः।

व्यान्ति।

व्यानि।

व्यान

छाउष्टको भूमो

ব্যব্দাইছি। ইশা বৰ্ণক সাম্বিশেষা। স্থাইছিলিটিছ, সাহত। মিলিভার এব। নোল। স্থাবত, মিলিছা। অভিনি মুদ্ধ বিশা। মুদ্ধেরেনু অভিনান, বিষ্টেণ্ মধ্যো বাবেশা স্বাহণক ক্ষিন্ত্ৰত বাধ প্রথমত ক্ষিত। মহ লগ্মস্থাইছিল। ১৮—৮। ভারতভাবদীপাঃ

আধ্যায় 'তিৰ নি ন কৰি ছোঁ। বামধ বাধনায়, বাধাৰ স্থিকীৰ, সন্ধানি, সন্ধানীয়ে, সহিছা নিবিভা কে। সভিদৰ নিকিছা অভিভাতভাতভাত দেয় বিশাশৈষ্ট্ৰ, সোৱাবানি ৮৮ুক্ৰমত্প কৰ্তা অফলত ক্ৰিডা 'অমাক'' ই ক দ্বকে আনিদ্ভা হাহাবি প্তাকাশ্য তথ্যিৰ

ख्तहर्श्यमं। कहक्ष्ण व्यमान लाक वृत्य व्याद्वाहर कविया व्यादेशरण्य पिटक मानिह हहल , ख्यन यूनकामधादाहे यूनकामे सकल ख्ला हहेर्ड भाकिन ॥९॥

বিধদও তথ্দওদারা এবং রসক্ষর বধক্ষরভাষা থও খণ্ড ইইডে সাগিল। এট সময়ে প্রস্থার জয়াভিলাফী কভক্তলি সৈয়া যাইয়া, মিলিডি ভাপর সৈহাদের সহিত মিলিত হইল #?#

কতকগুলি বৰ মণৰ বৰ্ণমন্তের উপরে যাইয়া পতিত হইয়া আর চলিতে পারিল না। ক্র, মদ্রানী শ বিশালদের হথী সকল অপর হস্মিন্তের সহিত মিলিত হইয়া দ্বানা বল্পকারে প্রশ্বপরকে বিদীর্ণ করিছে লাগিল এবং মহারাজ। সংধারণ করিসমূহ যাইয়া উপস্তিত হইলে, ভোরণ ও প্রাকান্ত বিশালহাতীয়া ও গ্রহাতীয়া দ্বায় সেগুলিকে আঘাত করিলে, সেগুলি তুপ্ন চীংকার করিছে থাকিল র্থ—৮ঃ

(৫) রুপেয়াত রুপেয়াভি, সকটেত, স্কুলা কেডিং প্রশ্বেজ্যাল্যর—য়া, রুপেয়াত রুপেয়াভি: স্কুট্ড: সহিত্যা কেডিং প্রশ্বেজিয়াল্যক হা নি। প্রতিষেক্তি সংস্কৃতি কৈচিত্র মহাগজা।
ক্রেকিব্রিন্দ কুরা ছুক্তবৃং সর্বতো দিশন্ ॥১০॥
সমাক্ প্রণীতা নাগাশ্চ প্রিলক্টামুগাং।
মান্তিতোমরনারাটেটিনিকিন বর্বারণাং ॥১১॥
বিনেপ্রভিন্নপ্রাণো নিপেতৃশ্চ পতাসকঃ।
প্রাদ্রন্ত দিশঃ কেচিল্লয়েও কৈব্যান্ রবান্ ॥১২॥ (সুথাকন্)
পজানাং পাদরক্ষাশ্চ বৃদ্ধোরকাং প্রারিণং।
মান্তিভিশ্চ গল্পভিশ্চ বিষ্টেশ্চ প্রথবিং ॥১৩॥
স্লাভিন্ন স্টেশ্চিক্ত বিষ্টেশ্চ প্রথবিং ॥১৩॥
স্লাভিন্ন স্টেশ্চিক্ত ভিন্দিপার্কাং স্টেল্যব্রং।
স্লাগ্রিণ প্রিলিশ্বিত নিজ্নিশ্বিন্নবাং শিক্তং॥১৪॥

खावक(को मृत्री

भाजीति निकारितः निकाशितः, भाजित्याशास्त्रवाशास्त्रवन् निकाशास्त्राति । ८०। दि इत्ती ठम्भति द्वा सङ्गीनन्त समाद छ। , भासितः भागिनगरितः अवा , अन्तिकानाः समदातियाः समानाम्, सभूदर्गं व्यक्तिम्थाः स्टका यस् ॥ ॥

প্রেটি। প্রটিরস্থিতাবিভি,। কৌক্রং কৌক্রজিরং ভ্রুত্ব পদ থাক্ষিরে । ১০০ স্থা লিভি। প্রণীরে দিকিছা, নাগ হতিন, প্রতিরানি মণ্ড বীণি করও মুগ নি শানোপরিভাগা বেষণ (ড়। স্বইনদীনি মণ্নীপুন রুপ্রণি। প্রথাবেশ সুখা, ১১১—১২৪

ু ভারতভাবদীপঃ

অন্তর্গের্ক্ত রং —৮১ - অভিনীতা, জালিকি হ', অন্তর্ভিক্ত সত্তিক্রনা, সমুদ্র চম্পত অন্তোল্ডলমূস ইভার্য রে —১১৪ - জালিভা, প্রস্কুত, ছটার হলকেলাট, ক্রভলা বিক্রাবিদ্যা "ক্রাভূগি ইতি জালিকা, তোমৰ দীমণতা হলগ, নাবাচা মহ ললা বিশ্ববিদ্যাক্ষ

শিকিত অমদকাৰী হতিগণ দও ও অৱশ্বার। ভাড়িত হটয়া সক্ষৰতী মদকাৰী হতিগণের অভিমূপে যাইতে লাগিক ।১॥

ক্তেকগুলি মহাহতীও মদসাধী হতিগণের সহিত মিলিভ চইয়া সেধানে ক্রোক্পকীর আয় শব্দ করিয়া সকল দিকে প্লায়ন করিছে থাকিল ১১০০

মদশ্রবী ও শুলিকিত হস্তিগণ এবং মহাহস্থিণ কাটি, ভোমর ও নারাচে বিশ্ব ও বিদীবহিদয় হইয়া নিনাদ করিছে লাগিল, কতকণ্ডলি আণ ভাগে কবিয়া পত্তিত হইতে থাকিল, আৰ কতকণ্ডলি ভয়মর গক্ষন করিয়া নানাদিকে প্লায়ন করিতে লাগিল ॥১১ –১২॥

(১১) সমাক্ এটাতাক ভ্রমানন্দি। (১২) প্রকেছ্ডিরম্থাণ রা নি, প্রধার্থি দ্বিত্যক্তিকেশ্বি। প



প্রথাতি তেলাব্দা দ্বনাধান্ত প্রতঃ।
বাদ্যান্ত মহাবাদা প্রতাপরিদ্যালনক। ॥১৫॥ (বিশেষকম্)
আজমানান্ত নিজিলাঃ সংসিকো নরশোগিতৈঃ।
প্রদান্ত নিজিলাঃ মানিকো নরশোগিতৈঃ।
আবিকি প্রেশ্রানামধীনাল বারবাজ্ভিঃ।
সংজ্ঞে হুমুলঃ শ্বং পত্তা প্রথমার ॥১৫॥
সদান্ত্রভানাং বিশ্বানান্ত ব্যাসিভিঃ।
দ্বিদ্যাব্দিয়ানাম্ভিনান্ত ব্যাসিভিঃ।

ভারতকৌমুদী

স্তিনা ন শাল্পকো শাল্পকোৰ, বৃধনার্থ বিশালনকাল, পাণা বংশ হয়াকার, ব বাহুধান কন্ধা, নিশ্লিকবিদি লা, প্রাপ্রীকিল বৈশা, সাল বক্ক আভাবৈঞ্জান ১৯০—১৫। ব্যাহ্য আজ্মান উজ্ঞান, নি প্রাপ্ত, আল্যা । ১৮। মানেকি অব্যাহিক অবস্থা স্কাশিক ক্ষেত্রাম্বাহ্য।

ভারতভারদীপঃ

লকুং ১১. ১৯। লকুৰণ্ড কুনাৰ্থ ১৯মা ভিন্দিশালৈ প্ৰশীৰ মুশ্বাইৰ শিংশাক্ষণ ইড় অফিন্দ, পৰিশ্চিত্ৰ, নিজিশীল ধ্ৰীজ্ঞা ১৯৪৮ জৰ্মণ্য দাৰ্থ্য ১৯৫—১৮। কাৰ্যজন্ম নদুৰ নাম মনোমূণ পৰিজ্ঞান প্ৰেৰণ মুখ্যে প্ৰভাষ্ঠীনামিজি স্থয়, ১৯৭১

মহাবার । হাজ্যবের পাদবক্ষক বিশালবক্ষা যোজ্যবা ঋষ্টি, ধরু, নিশ্বল পরশু, গলা, মুসল, ভিলিপাল, সোমর, লোহপ্রিম এবা শিলালাণিত নিশ্বল দেববারি ধারণ করিয়া অভাযুক্ত ও প্রস্থারভিদ্যান্ত হট্যা মানাদিকে ধারিত হটতে থাকিল—দেখিলাম ১১০—১০॥

প্রস্পারের প্রধাবিত বীর্গণের ভর্বারিগুলিকে উদ্দেশ ও নামুখরকে সংসিক্ত অবস্থায় দেখা কটিছে লাগিল ১১৬১

বার্থণ যে সকল ভর্বারে নিকেপ ও স্কাল্স করিছেছিলেন, সেগুলি সংইয়া বিপক্ষণণের মন্মদেশে পভিত ১ইতে থাকিলে, ভূম্ব শব্দ হইতে কালিক 1591

ভাষতন্দ্ৰণ কোন কোন স্থানে সৈকলণ বিপক্ষাণের গদা ও মুধলের আঘাতে চুর্ব বিচুর্ব চইডে লাগিল, কোখাও বিশাল ভরবারির প্রহারে বিদীর্ণ ইইডে থাকিল, সঞাজে স্থানে হক্ষীর মন্থায়াতে ক্ষত-বিক্ষত হইডে লাগিল

(১৬) বাজমান ও নিজিপালা ও নি। ১১৮ মুবি এনাক মধ্রিভি:—ধাৰ বানি।

তত্ত্ব মৰোখানা কোলতামিত্বত্ত্ব ।
তথ্যকল কিলা বাচঃ প্ৰেতনানিব ভাৰত । ৪১১॥ (নুমাকন্)
হবৈৰপি হনাবেলাগৈচামবালি চুলবিভিঃ ।
হ'লৈবিব মহাবেলৈবতোভ্যমিনিকিছাটোঃ ৪২০॥
তৈবিম্তা মহাপ্ৰাম কাফ্ননবিভূষণাঃ
আশুণা বিমলাজীকা সংপাত্ত্ প্ৰেলোপনাঃ ৪২১॥
অবৈৰ প্ৰাক্তিৰ বিলা ৰিনোক্ষালিকঃ ৪২০॥
বিলাজিনিৰে বিলা ৰিনিনাক্ষালিকঃ ৪২০॥
বহুনপি হয়বেলাৰ্ ভট্নঃ স্থাত্পক্তি ।
বলী ক্ষান সংপ্ৰাপ্ত বাংগোচৰম্গিত্তি ।

ভারতকৌ সুদী

শ্পেতি। ভাজ শ্বিদাৰ, ভিলা বিশাবিদা, অবভিলা জালা, আছিল। যদিক ব কেশেতাৰ বালিৰ সদত্যমূহ তেল্পানৰ বীভ্যসান্ধ্যমনিবিশেশবিদ্যুত্ত দুদ্ৰ হথৈবিশি । হথৈবলৈ, চাম্বালী চ্থাবিভিল অংশাছ মেই চাম্বশ্লেষ্ট্ৰন দুদ্ৰ হৈবিভি হৈছ্যাবেন্ত্ৰ, মহাজ্যাসা বিশালক্ষা আছেল আইলামিন দুদ্ৰ মহাজবিদি অধ্যাজনীক্ষ্যাহেবলৈ। অস্পাদিনা আহাত্তি বিশা স্কুল্না

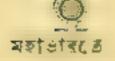
ভারতভাবদীপ:

কারণীরামাত থা, দিরে নিক্রাক, অবলির ক্ষার । ১০০ প্রাণার নারক নাম্ । ১০ চলৈ ক্রাক্তির চামবালী চাল্ডান্তব্য নাল প্রাণিশি ক্ষান্তব্য তাল ক্রাক্তির ক্ষান্তব্য করিছে । ক্ষান্তব্য করিছে লাভিক তালি ক্ষান্তব্য করিছে । ক্ষান্তব্য করিছে লাভিক তালিক তালিক তালিক আরু কেনিক ক্ষান্তব্য ক্ষান্তব্য করিছে প্রাণার চর্পের নিক্সেল্ডার মানিক তালিক থাকিল । তালিক তালিক ক্ষান্তব্য ক্য

অধাবেছৌ সৈঞের। আপন আপন কোনেবই চামর ও শেষরদারী, মহা-বেরালালী ও হাসের ভায়ে ও শ্বর্গ অংশ আবেছেন করিব প্রশারের প্রতি ধাবিত হইল ॥২০॥

ক্রমে ভারার, সপের রুলা দীর্ঘ, কর্মধনে ভূষিত, নিকল, তীক্ষ ও জতগামী কুমুসমূহ নিকেপ করিশত থাকিলে, সেগুলি ঘাইয়। বিপক্ষের উপরে পতিত ইউতে লাগিল হংসা

কভকগুলি বীর আপেনাদের বিশাল রথ ছইছে লাফাইয়া পড়িয়া বেগবান্ অথে আবোহন করিয়া গুড় ষাইয়া রথারোহী ধীরগণের মক্ত ছেদন করিয়া লাইতে লাগিল ৪২২৪



नवद्भवश्रदीकानान्हाकिया इद्याम् ग्रहाः।
थारिनद्दद विभृतृत्ति ग्रहाः कनकष्ट्यपाः॥२८॥
भाषायात्रम् कृष्ट्रम् भाष्ट्रभिष्टि ह वाद्रपाः।
आरम्बिम्पिडाः (क्षिप्तिष्टः भद्रभाष्ट्रदाः॥२०॥
भाषाद्राद्रान् द्यान् (क्षिप्तिष्टः भद्रभाष्ट्रदाः॥२०॥
भाषाद्राद्रान् द्यान् (क्षिप्तिष्टः भद्रभा वद्रदाद्रपाः।
भद्रमा विक्रभुष्ट ह मद्रद्रन् देवद्रद्र मृद्धि ॥२८॥
माधाद्राव्यान् विभागादेशक्ष्यक्षमा कृष्णान् गृङ्धाः।
द्रापोधानिव्यानुष्टः मासङ्गानिव्यक्षमा कृष्णान् गृङ्धाः।

श्राद्य (क्श्रेम्सी

बहु महिर्दे हर द्राराम् अवश्य दिन । द्राप्ताशिका व ग्राह्माम् ॥२०॥ महर्गान । आक्ष्मा हेर्डाल इत्या ल ग्राह्म । दिवस्थि यश्रद्धि ॥ १८॥ भारत्य महिर्दे द्रार्थ द्राप्तमा अवश्य कृष्टि । दिह्मपुष्टिकावा इत्यू ॥ १८॥ भारत्य । हेन्द्रारा मिणिया । अवस्थित, प्रति व्यवदेशास्त्र ॥ १॥ अस्य - दिन महिन्द्राप्ति अस्तिका १०॥

ভারতভাবদীপ:

या श्रम । विश्वस १४। महा प्रतिक ६६८०० स्था । अने समित्रक १६ क्या है के स्थाप । स्थाप व्यवस्था । स्थाप । स्थाप

বিধানি নাড্পাবর ভিল্লাহার বিধানি লাগের বিভারর আশারোহীকো বধ করিতে শাসিলা হেঞা

ন্তন নেগের জায় নীলবর্ণ ও কর্ণ চ্বতে মত হাজিগণ শুভ্রারা আখ-থালিকে উভোলনপুকাক সুভলে নিজেপ করিয় চর্ণভ্রা নিশ্যেণ করিতে খাকিল চহনঃ

আবার বীবেরা কুমুখারা কুমুণেশ ও পাশ্রেশ বিদারণ করিকে কৃত্যগুলি ইক্টী অভাকুলিভ্ডিতইয়া হ'ংকার করিয়েত লাগিলে ১০০০

সেই ভয়কর সক্ল বৃদ্ধ চলিতে থাকিলে কওকগুলি নিশাল হকা, আহোহীর স'হত অস্থালিকে উত্তোলন ক্রিয়া ডংকালাং নিকোল ক্রিডে থাকিল ॥২৬॥

সন্ধেক হক্ষী, আবোচীৰ সহিত অবশুকাতিক দমাতো তুলায়ো লাইয়া ধাংকের সহাতি বহুত্র ৰথ মদ্দন করিছে গাকিয়া বিচ্হণ করিতে লাগিলে ⊪১৭#

(১৯) শাণালৈববয়পুথের সভালে পি, আগালৈববয়পুথি বা। (২৫) আইশ বিনিয়তা বালি (১৬, কাংকিছেখনা বালি। পূণস্থাদতিমদ হাজ কেচি উত্ত মহাপজাঃ।

মাথাবোহান্ হ্যান্ জঘুঃ করৈঃ স্চর্টণস্থা ॥২৮॥
প্রতিমানের গাতের পার্থেপি চ বারণান্।

মাঠাপা বিমলাজীকোঃ সংপেতৃ ই জ্পোপমাঃ ॥২১॥
নরাথকায়ান্ নিভিন্ন লোকানি ক্রচানি চ।
নিপেতৃবিমলাঃ শতেরা বীর্যাহ্ডিরপিতাঃ।
মতোজাপ্রিমা পোরাজ্জ ভত্ত বিশাংপতে । ॥২০॥
দীপিচস্মাবনজৈশ্চ বাংগ্চস্ট্রেরপি।
বিকোটেশ্বিমলোঃ গাউড়গ্রভিক্স; প্রান্রণে॥২১॥

ভারতকৌ মূলী

পুর্যাধিতি । পুরস্থাং পুরস্থান মহাবলকাং । করে পুরাভি ১২৮।
বাংশীরি । প্রশিষ্ঠানু পরাটেষু, "প্রতিমানমার্ডিক ১২" উত্তর্জ আপুর বাং ১২৯।
নার্চি । প্রস্থাং পর্যা । অপিড নিশিকার । বাং ১৮৫ লেব ৯৮ আর্ব্রানি
ব্যাধিতি । শ্বাপিনে বিভিন্ন ব্যাধিকেশ্বা । বাং ১৮৫ লেব ৯৮ আর্ব্রানি
ব্যাধিতি হৈ ২০১৪

ভারতভাবদীশ:

পুৰে ছাংলেক্য অভিনয় কৰিবন্ধ হৈছিল। প্ৰতিমানৰ পৰা নামু বাবছৰ সংকৰ্ষ যাবনানতি গজন মতিকা সাধাৰী ছিতীয়, সংক্ৰম বাবনা স্বাধেনত নিভি প্ৰাক্ষা ইতি প্ৰায়েছক। স্বাধান ক্ষম ক্ষম ক্ষেত্ৰত জ্বৰ মহোৰ প্ৰতিম ইতুল্ভাবন স্কৃত্ৰ, ১৯১৪ ছিল্লি চিন্তৰ যোগ বিধেনাকৈ, প্ৰয়োগকাৰে অভীস্পাতিকাশন স্পানি ভাগতিস্থাস্থ

ক্তক্তলি মহাছক্তী পুক্ষকনিৰ্দ্ধন মহাবল ও অভাক্ষত বলিয়া তণ্ড ও চৰণ্দাৰা আৰোহীৰ সহিত অধ্ত লিকে বধ কৰিতে থাকিল ৪২৮৪

আধার নিশাল, তীক ও সংশ্ব হুলা দীঘ বাণ সকল মাইয়া হস্পিণের ললাটে, গাত্রে ও পাৰে পভিড হইডে লাগিল ⊪১৯০

নরনাথ। বিশাল উকার জায় দীঘ, নিশাল ও ভয়ত্তর শক্তিসমূহ বীরগণের হস্তনিকিল্ল হইয়া মানুষ ও অংশর দেক এব লৌককবচ ভেদ কবিয়া সমরাজনের নানাস্থানে পভিত কইছে থাকিল ১০০৪

পূর্বে যে সকল ভরবারি বিভিন্ন ব্যাহ্মতাই ও সাধারণ ব্যাহ্মতাইর কোষের ভিতরে থাকিড, ভংকালে সেগুলেকে যাতির কবিয়া ভাতাহারা বাবেরা কৃষ্ণে বিপক্ষপদ্ধে বর করিতে লাগিলেন ১০১৪

(२२) 'अब्दाद्वादेशक मध्दव क्षिमानिक्षिकक के के के मानवदा मूक्ष्म प्रवेष-या नि ।



অভিপ্ন ভ্ৰমনিকুজন্মকপাৰ্থ বেলারিত্য ।
বিদশ্য ক্তঃ সংপোত্র গুড়গ চন্মপর্থ হৈছে ॥৩২॥
কেচিলাজিপ্য ক্রিণঃ সাধানপি রথান্ ক্রিং।
বিক্ষরেটা দিশঃ স্বাঃ সংপোত্র স্বাশন্ধাঃ ॥৩৩॥
শকুভিদ বিতাঃ কেচিৎ সংভিদ্নান্ধ পর্থ হৈছে।
হ'ত ভিদ্নান্ধ তার ক্রিং জুলান্ধাতে ভ্রপ্ত মাণ্ডল
ব্যন্তিনিক লেক নিক্ষান্ধ পর্যধেঃ।
ব্যারিলাশ্য নরা র'জন্। তার তার ন্ম বাজ্বান্থ ॥৩৫॥
প্রান্তি পিশুনতে জান্ন্দ সহ বজ্ঞিঃ।
মানু বান্ধানিক লেকে প্রান্ধি চাসংগ্রেশ ॥৩৬॥ (বিশেষকম্)

ভারতকৌমুদী

থান্ত হ'ব আ কৰ্ম ন গ্ৰন্থ কিছে। তথ্য প্ৰকৃতি ক্ষাত্ৰ আৰু ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ কৰিছে। বিশ্বস্থ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ কৰিছে।

্ক'চান' দাং করি শুলু বি সংস্কান বাংনাদান গুলু স্থান্থৰীয়ি এই ১০০। শস্থিতি ব শস্ত শাহকাশৈ বন্নাশ নে মতিশাসকলীয়া নিজ্বাশিকাল, নিজ্ঞাশিকা ব জাশস্থান্তন দমকুলন। শ্বেক, পাৰপ্তগে। সংখ্যা বুলে ১০৪—০৮।

ভারতভাবদীপ:

অনেক বীর ভরবারি, চাল ও পবশু লইয়। সংগ্রেষ সমন, ওচন শ্নপূর্বক সমন ও পার্শে সমন দেখাইতে থাকিয়া বিপক্ষিগ্রে আফ্রেব্ ক্রিডে থাকিলেন বহন

বিংহনাদপ্রকৃতি সকল শংশর অনুসর্গকারী ক্রক্তলি হস্তী পুরুদ্রের শ্বের সহিত্র রগস্তুলিকে ধাবন কবিয়া আক্ষণ ক্রড: সকল দিকে ধাবিত ফুটডে লাগিল ৪২০৪

রাজা। কেই কেই লোইসকুষারা বিদীন, কেই কেই প্রস্তারা খড়িত, কেই কেই ইস্টিবণে নদিত, কেই কেই মধ্যের খুরে ফান্ড বিজত, কেই কেই ব্যাহকের আগাতে দিল এব কেই কেই প্রস্তার। আচ্ড ইইয়া সেই সেই (১৪) শক্তিগারিকাং পিঃ (১৪) বিকোল'ছ নলাং বি। বিকীণীপুটা ক্রবহরে। ভয়সক্পাশ্চ ভারত।
বাহ্যভিশ্চাপরে চ্ছিটেল পার্লেষ্ট চ বিদারি হাং।
ক্রেল্ড: সমদৃশ্যান্ত ক্রন্তশা জীবিতেপাবং ॥৩৭॥
তুম, পরিপতাং কেচিদক্ষমরা বিশাংপতে।
হুমো নিপতিতাং সংখ্যে মুগ্যাঞ্চিত্রে জল্ম ॥৩৮॥
রাধিরৌগপরিক্রিলাং ক্রিল্ডমানাশ্চ ভারত।।
বানিন্দন্ সুখ্যাল্লানা তব পুরাংশ্চ সংগ্রান্ ॥৩৯॥
অপারে করিয়াং শুরাং কুত্রেরাং প্রশ্পরম্।
নৈব শন্ত্রং বিমুক্তির তর পরক্রের্ম।
ভারতি চ সংক্রিলিও ক্রেলির চ পরক্রেম্।
আদিশ্য নশনৈন্দাপি ক্রোধাং শ্বং নশনক্রম্।
সুক্রিক্তিলেরকৈন্ত্রং প্রক্রিড চ পরক্রিরাং ॥৪১॥
সুক্রিক্তিলেরকৈন্ত্রং প্রক্রিড চ পরক্রিরাং ॥৪১॥
সুক্রিক্তিলেরকৈন্ত্রং প্রক্রিড চ পরক্রিরাং ॥৪১॥

भारतहरको मृत्री

বিক্রীব্রাত। বিক্রীক্ষা বিভিন্ন চারিবেশগা, ভরদক্ষ ভরোবর । স্ট্শালভয়া প্রোক্র ৪০৭৪

कुरम्हि । क्षत्रा कृत्रम् , भरिष्ठा चाकाश्वा, चक्षत्रः इकेलोहर , १००३ कविर्तिति । चाचाना कानिकन् युकाल्यनाय, उन भ्रष्टान युकानिय राज्य

আন্ত ইডি। নৈৰ ক্ষণি কৃপ প্ৰকৃষ্ণ ক্ষণ স্থাবিংকাৰ কৰ্ণনিৰ্দি কৰন কুন্ম ব্যৱস্থানক, পূত্ৰগণকৈ, ব্যৱস্থাক, আইম্মাণকে, মাতুলস্থাক, ভাগিনেয়গণকৈ এব অক্সাক্স লোকস্থিয়ক আহ্বান কবিছে পাকিয়া আইনাম ক্ৰিছে লাগিল ॥৩৪—০৬॥

ভর্মনক্ষণ আংড়ী বিক্ষিপ্, উজ ভয়, বাত ছিল এবা পার বিদীর্ণ ছইলোও জীবনাথী বত্তর সৈজকে অভিজয় ফ্রন্সন করিছে দেখা গেল ॥১৭॥

নরনাথ। সম্বাচনে নিপ্তিত ক্তক্ত'ল ছুকলে সৈক ভ্কাত হট্য। জলের অবেষণ করিছে লাগিল এখন

ভরতন্দ্র । অভ্যস্থীভিড ও রক্তাক্রমের বর্ডর সৈল নিজেকে এবং জাপনার (মৃভরাষ্ট্রে) পুর্মিগকে বিশেষ নিন্দা কবিডে থাকিল ৮০৯৮

মাননীয় মহারাজ। পরত্পর শক্তাকারী অপর বীর করিয়ের। গুজতর গুজুত হুইয়াও অসুভাগি বা ভোগন করিলেন না, বরং ক্রোধে দলুদ্ধি। ওঠ

(७९) कृदिहा स्रोतिरक्षणना-वानि । (७६) - क्लाक्षार प्रदेशनक्ष्यम्-वानि ।



নিক্জাং সমপ্তত্ত দৃত্দত্ব মহাবলাং।
অতে চ বিববাং শুরা রথমত্তত্ত সংখুগে ৪৪০ঃ
প্রাথয়ানা নিপতিতাং সংক্ষা বরবাবলৈং।
অশোভত্ত মহারাজ! সপ্পাইব কিংশুকাং ৪৪৪॥ (কুলক্ষ্)
সংবস্থাবনীকেষ্ বহবে ভৈরবত্তনাং।
বউনানে মহাজীমে ভক্ষিন্ বীরবরক্ষে ৪৪০॥
নিজ্ঞান পিতা পুত্রং পুত্রক পিতরং রণে।
ক্রাথো মাতুলকাপি ক্র্যামকাপি মাতুলং ৪৪৬॥
স্থা স্থামক তথা সন্ধান বাহ্বং তথা।
এবং যুদ্ধিরে তত্ত্ত কুরবং প্রতিবৈং সহ ॥৪৭॥ (যুগ্রক্ষ্)

कारकटको पूर्वी

আন্ধেম্পাম্ব প্ৰকাষ প্ৰকাষ কাৰ্ড হৈ নিৰ্ভা নিৰ্ভা নিৰ্ভা স্থান্ত স্থান্ত , দুচসন্ত , দুচসন্ত , দাহিলহণ্ডাৰ বৰ্ষ । প্ৰাথিনাং প্ৰাথিছা, ৰাজ্য ভ্ৰাৰ্ডনাং ছেন—৪০।

সংবদ্ধবিভি ৷ অনাকেৰু বৈকেৰু বিব্ৰৱণ কাৰ্ড বিজন্ত আন্ছেৰ।

নিৰ্ভাবনিত ৷ অনাকে ভ্ৰিনেক ৷ সংকী প্ৰাৰ্ডি ১৪৮—৪৭।

দাশন করিয়া জাই হইয়। সেই সেই স্থানে থাকিয়া প্রশাব তর্জন করিছেই আগিলেন এবং ভ্রুটীকৃতিল মূখে প্রশাব দর্শন করিছে থাকিলেন। দ্য অধাবসায় ও মহাবলশালা অপর বারেরা বাগলাভিত, ক্ষত্রিক্ষতদেহ ও ক্লিই হুইয়া নিশেক অবস্থায় বহিলেন। আব, মহারাজ। রপশৃত্য অতা বারেরা মহাহাজীর আজেনণে ভয়গাত, রক্ষাক্ষদেহ ও সমরাক্ষনপ্রিক্ত হুইয়া অপবের বপ চাহিতে থাকিয়া প্রশাবহিত কি ভ্রুকৃক্ষম্ভের আয়ে শোভা পাইতে লাগিলেন হয়-—৪৭॥

শ্ধান শ্ধান বীরনাশক সেই মহাভয়হর মুছ চলিতে লাগিলে, উভয়প্কের সৈথের মধ্যেই বহাতর ভীষণ শক হইছে লাগিল ৩৭৫৩

পেট যুগ্তে পিত। পুরকে, পুর পিতাকে, ভাগিনের মাতুলকে, মাতুল ভাগিনেরকে, সণা স্থাকে এব স্থস্থা অপর স্থস্থীকে ব্য করিভে জাগিল। অইভাবে কৌরবের। পাত্রগণের সহিত মুদ্ধ করিছে থাকিলেন ১৪৬ – ৪৭॥

(৪০) অংক তু বিরখাঃ শ্বাং শি বা। (৪৬) অধনসূ শিভঃ পুরুষ্ শি বা। (৪৭) এবমেণ করোবৃত্তঃ শূর্বঃ শি বা। বর্তনানে হথা ছবিন্ নির্মানিক ভ্যানকে।

নির্মাদার পার্গানাং বাহিনী সমক্ষণত 1854
কেতুনা পঞ্চাবেণ তালেন ভরত্রত । ।
বাজতেন মহাবাহেকছিছ তেন মহাব্ধে।
বঙ্গী ভীলতেন বাজন্ ! চকুমা ইব মেকুল, ॥২০॥
ইতি ইন্মহাভাবতে • ত্যাহ আদি সংহিতায়াং বৈষাদিকাণ নিজপক্ষি
ভীলব্ধে প্রমানিক্সমৃত্রে বই চ্ছাবিংশোহ্ধ্যায়ং ॥০॥

लाबहरको युगी।

বিশ্বমান ইংশন ক্ষিন চুক্তি নিম্পুলে সঞ্জোৱা পাইনাৰ পাৰ্যনান ন কেন্তুৰেশি। কৰুন কংকেন, সঞ্চাৰ কাৰ্যাৰ কাৰ্যাৰ অবস্থিতিক নাম কনা সংকর হোলাক্সক্ষে প্ৰাৰ্থ কাৰ্যনি অংকেন, জাক্তিক জিলা প্ৰাৰ্থ প্ৰাৰ্থ 1626

क्रीति सहास्तानाभावताय दिनदिनामसिद्धान्त्व देशसङ्घ अन्यादिविक राग प्रमान व क्षीत्रात् संद्राणको कृतास्थ भागवाग सोधानवंदी सीधानद्व सहस्रकादि दसरस्य १५ १०।

----(#) -----

ভাৰতভাৰদীপ:

সুদা পিশাসিং জাল্পর বিধাবনিক সং র্গবাক্তিরে হাচাক্ষাক ও ও বংলার বংগার নিক্স নিক্ষাক বিধাবক প্রাথম অধ্যান মধ্যানালী নিগালিক র ও বেজার্ম । বংলার কর্মার বিধাবক র ও বেজার বিধাবক র ও বিজ্ঞান কর্মার কর্মার বিধাবক র ও বিজ্ঞান কর্মার কর্মার বিধাবক র ও বিধাবক কর্মার বিধাবক র ও বিধাবক কর্মার বিধাবক বিধাবক বিধাবক কর্মার বিধাবক বিধা

होति हैं। पुनुक्ति है जबके ए छात करवनी भाषा क्षेत्र क्षाति है। इस प्राप्त करवा

সত্ত ও ভয়ানক সেই মৃদ্ধ চলিতে খাকিলে, পাণ্ডববাহিনী ভাষকে পাইয়া কৃশিতে হইতে লাগিল ॥৪৮॥

ভরতশেষ্ট রাজা। চল্ল গেমন স্থানকপ্রতিখারা শোচ পান, সেইরপ তংকালে মহাবাত ভীম আপন মহারপে থাকিয়া প্রশ্বনিরাযুক্ত, ভালিওক-শ্বমাণ, রৌপানিম্মিত ও উট্টোলিত ধ্রজ্বারা শোভ, পাইতে লাগিলেন গ্রহণ

⁽SE) ব্রেখানে ভাষ ভবিষ্ নির্বাচন মহাক্রে বি নির্বাচন মহাক্রে বা।



সপ্তচহারিংশোহধ্যায়ঃ।

সঞ্জয় উবচে।

শৃংশ্বাস্থ ভূমিতে ভূমিলহনি দাকলে।
বহমনে গুলা নৌলদ ব জন্। নৱবৰকাৰে ৪১৪
ভূমি মা কুৰ্বাসাত হব পুৰুত্ব টোলিভাং ৪২৪ (মুখাক্ষ্)
গ্ৰেণ্ডিবলৈও প্ৰ প্ৰভেত্ত হয় হয়।
প্ৰেণ্ডিবলৈও প্ৰ প্ৰভেত্ত হয় হয়।
প্ৰেণ্ডামনীকানি বিজ্বাহে মহারবং ৪০৪
১৮দিকাশিকসংখ্য পাঞালের ৪ ভাষ্ড ।
ভূমিত বহুষা ভ্লিডিবকে কুন্দুস্ত ৪৪৪
সালিবাসি বংগাহবিশাং ব্যাংশ্চ সমুগ্রহজান্।
নিচক্ত মহারব্য হার্ণাইলোং ব্যাংশ্চ সমুগ্রহজান্।

कारकरको मुही

ধং রাজি সংশ্যা সিক্রা গ্রাহ্ম ছিল বৈ এক দিনপুরে এ বাং কুর্ম হরণা আংশুকা মাজা সামান নার্বর গণা কার বিনালে হাত্রে ছাতুলো বাংল। ভূগুপুর্কুল, আহ্মাখ্য কাল, ব্রাধ্যা ভূগে ব্রেন, চালিক ব্রোহিকার ১৯—১ঃ

এক ব্যাহ্য কলি হয়। বিজ্ঞানত প্রবিধের, ন্তার হা ভাষা (১) ১৮টানি ১৮ বিদেশটোলতে ছিলার চলবে মুক্তক্ষকত বর ।

সহায় বলিলেন—'রছো। সেই এক্সর দিনের প্রাত্রের অধিক অংশ অতীত চইলে এব প্রধান প্রধান দৈরানাশক সেইকপ ভয়ন্তর মুদ্ধ চলিতে অধিকলে, আপনার পুর ত্যোধিনের আন্দেশে তুল্মণ, কৃত্রশ্বা, কুপাচার্যা, শলা ও বিবিশ্বতি ইচার পাচ জন মাইয়া ভীমকে ক্ষা ক্রিডে লাগিলেন ১) — সা

करे थी। इस अध्यय याद्य वक्षा कतिहा थाकिल, स्वाहतामहास्त्रे व महात्व कीय गाद्या थास्त्रदेशकास्त्रा अहत्य किल्लास्थ

শ্বরতনক্ষণ চেলি, কালী, করুব ও পাঞ্চাল্যলীয় দৈয়াগণের মধ্যে ভীমের চঞ্চল তালধ্যক বল্পকারে দেখা যাইছে লাগিল রব্ধ

(১) বেট্ডে মহাবীরববজ্ঞ —বা নিঃ (২) বিভ্লাহ ম্ডার্গ পি। (৫) স শিরাপি রণে বাবঃ পি বা।



সপ্তচন্থারি°লোহধারিঃ।

পুতাতো রুণ মার্গের ভাষাতা ভরতর্পত।

হশ্যা উপরণ চ কুর্নাগা মার্থনি তাদিভাং মাঙা

হাতিমকাং ওসং কুছেং পিশারৈ স্থর্নান্তীয়ঃ।

মণ্যু ক্রণ রখমান্তাম প্রামার্থীয়েরখা প্রতি মাণা

ক্রাম্নানবিচিত্রেল কুলিকারেল কেতুনা।

মাঙাবাউত ভাষাক ভাগতৈনে রপমন্তমান্ মাঙা

মাতালকেতেভিনিক্রেন কেতুনাত তা পরিলা।

ভিত্রেল মুলুধে নীরক্তাত চালুচারৈং সভা মানা

কুতবর্বাণিয়েকেন শলাং প্রক্রিনান্ত্রিণ ।

বিদ্ধানবিভর্নিক্রিচিক্রিটিং প্রপিতামত্য মাঙা

বিদ্ধানবিভর্নিক্রিচিক্রিটিং প্রপিতামত্য মার্চান্ত্রিকর

छाउपस्कोत्रकी

সাইখি। সাভীয়া গুলিককেবিলেবৈদ্য হৈছে সাহছি হান নিচৰ বুণিচাছেল (ব) নুহাত ইতি নুম হা অনক্ষত্ৰেলস্থালনার হা কুকাত ইব। নাগা হালনা ছোল ভালতি পিলালৈ পিলালবারী। অবাধা অবাজ্য আনাম স্বাজ্য । যা ভালুন্দ্ৰি। কানক ব্ৰাকশিকাৰভকনিশি ভানা সান্ধ্য সান্ধ সাইছে। সাক্ষেত্ৰাভীয়ায়া। পত্নি বালেনাকঃ

ভারতভাবদীপ:

রাংগতি। বাজতানীক পর্ববার্থ ভূমিবের ভাবে থাব্যরহনি ১৯— বর ভূমিবের নুজানিব কুরবারঃ ১৬। নিজাজঃ পি্যাবের ১২। বাল্যাব্য করিকাবেরচারালংমন ১৮১

ভীম মহাবেগ্লালী ও অবন্তপ্কা ভ্রম্বাবা মুক্তে শক্তব্যে মফক এবং সুগাঞ্জি ও অভিনুম্ভিত রুগ্ধ ক'ক ,ছিলন কবিতে থাকিলেন যায়

ভরত্তের । তংকালে তীম যেন রখে ধাকির। নতা করিওে লাগিলেন, সেই অবস্থায় তার্যার বধপথে স্থিত হণ্টা সকল মামণেশে তাড়িত হট্যা অতাস্থ আর্থেনাদ করিতে লাগিল ১৬৪

এই সময়ে অভিময়া অতাস্কুক তইয়া পিকলবৰ চটক যুক্ত বংখ আনোহণ করিয়া ভাষেত্র বংখন দিকে গমন কবিলেন ॥৭॥

স্বাধিতির ও কলিকাবর্কনিশিত কর্ডশালী অভিনয়া এন্য ভাষের এব ভুশু শংগু ভূতি র্গিল্ডেপগণের অভিমূখবনী হইলেন ৮০।

গুলোর পর ধীর অভিমন্তঃ একটা জীক্ত বাণছার। জীক্ষের কাজে আঘাত করিয়া জীক্ষ ও ঠালার অফুচবগণের সাজত মুক্তে অসুও হটকেন ॥২॥

(a) ७ क ठाक्रवरेना नक-र व दा (ता (be) नज्या नक्षिताहरेका नि ।



পূনীর তবিহু কৌন সমন্ত্ প্রনিতিতেন চ ।

লেজনেকেন বিবাধ জাত্মদপরিক্ষাং ন্যাসস্থ দুল্য থক্ত কু ভালেন স্থাবরণ ভোলনা ।

জহার সার্থেং কা য়াজিবং সমারপরণ ॥১২॥

প্রতিক্রেন ভালেন কা ভূমারিক্সির্ম ।

রপক্ত নিশিতাতেন তাংশ্চ তীক্ষেত্র। শরৈং ॥১০॥

কথান প্রমানুকোন ভূমারিক সহাত্র।

তক্ত লাগ্রমূরীকা কু মুব্দে ব হা অপি ॥১৪॥

লাল্যক্তবা কামেং সর্বে ভীল্যাখা র্লাং ।

সম্বভ্যমন্ত্র সাক্ষানির ধনপুথ্য ॥১৫॥

সম্বভ্যমন্ত্র সাক্ষানির ধনপুথ্য ॥১৫॥

ভারতকো মূদী

हा क क स् शुरस्ता देश द्वालक्ष स्वादश्यक, स्रामिकारक के देश 1000

ुर्यु का कर के प्राप्त देश देश केल व सर्विद्यासित । व ।

रक्र क. ता विद्याविकृष्यिक वानासक्षक्ष्य , काल क्रम क्षामा किया स्थापन

ভ । না,সভান গমত কথা মান্তা লাগত জনত সংখ্যা বা হা মুখ্যা। না স্কৃতিক কৰিব কৰিব, কুম্মত নাতাৰ গালি কাহিবেছি

त ६ ५ ६६ - ६४ हुल्दे, तथ विश्व अञ्चलका तलतक्ष्म । ०१

डावडडानमील:

শ্যুক্ত দ্যালোল ৮ ।ই-— ,বা প্ৰতিভবিষ্টার হ'বৰ ক্রমার্ক্র, প্রতিভিত্তির ,তাংক্রি ১৮ ,বা কার্ডিমর ক্রমের, জান স্কান্ধ্যত— ,৭৮ বাংক্র মাভিম্কোর,

াত্র একটা, বাগদার। কৃতবন্ধাকে এব পাচ্চা বাগদার। শালাকে বিক ক্রিয়া নয়ত নিশিত বংগদার। ভাঁমকে বিদ্ধাক্রিলেন ॥১০০

এব পুলাকট কাম্যেক নিকিন্ত ও সমাক্ষ হৈও একটা বাণহাবা ভীমেৰ ফাৰ্লিড মন্ত্ৰীকে বিক কৰিলেন ॥১৩॥

আৰু স্বং ধৰণভোলী ও অৰ্নজ্পক একটা ভ্ৰছাৰ। ছুৰাছ্থের সংক্থির ভেত্তভাতে স্থাক ভ্ৰণ ক্ৰিলেন ১১১॥

পৰে অভিমন্তা একটা নিশিত ভল্লার। কুপাঠাগো ব অবভূষিত খড়া ছেমন কৰিয় বঙ্ডৰ ভাক্স বাৰ্লার। জুক্সপ্রভূতিকেও বিভাকতিলেন ৪১০।

অভায় কৃত্য সভিম্মা এতঃ করিছে গাভিয়াই যেন শক্ষৈণাস্ভার করিতে লাগিলেন। তংকালে ভাঁচার কমূহকুতা দেখিয়া সেবভারাও সমুষ্ট হইলেন ৪১৪৪ তত্ত লাঘ্ৰমাৰ্থমলাভস্পপ্ৰভন্।
দিশঃ পৰ্যাপতভাপে গাণ্ডাৰ্মিৰ ঘোষৰং ॥১৬॥
ভ্ৰাদাত মহাৰেগৈভাঁপো নৰভিৰাভগৈঃ।
বিবাধ সমূৰে চূৰ্ণমাৰ্জুনি প্ৰবাৰহা ॥১৭॥
ধ্ৰজ্ঞাত ভিভিউল্লেভিড্ছেল প্ৰমৌজ্মঃ।
সাৰ্থিক ত্ৰিভিবিবৈৰাজ্বান মহাৰতঃ ॥১৮॥
ভব্ৰেৰ কৃত্ৰখা চ কুলঃ শ্লাভ্ৰ মাৰিষ ।
বিজ্ঞা নাক্ত্ৰ্যং কৃত্ৰিং মৈনাক্ষিৰ প্ৰভন্ ॥১১॥
সাত্ৰ প্ৰিয়তঃ শুৰো ধাত্ৰগৈত্বমহাৰগৈঃ।

छाउक्टको यूनी

বৰ্ষ শর্বৰ্ষাণি কাফিঃ পঞ্চ রথান্ প্রতি॥২০॥

ছকৈতি। কাৰ্যাক্ত কন্ত্ৰণাত্ৰপৰ্ক্ষ্ম, ক্ৰাড্সপূশপ্তৰ উপাক্ত হোষ্ণ্ড হিছিল। ক্ৰিড্ৰিড্ৰ কন্তৰ্ভাগ্ৰহ কৰ্মক্ষ্ম কৰ্ম

ক্রবং ভীত প্রভৃতি রগীরা জভিম্নার লকাতেদরৈপুর্য নেবিয়া ভাষাকে সাক্ষাং অক্ট্রের ভুলা বল্লান মনে ক্রিলেন ॥১৫॥

গাণীৰদন্ত আয় শক্ষারী, লগুচস্তভা দেখাইবাব স্থান এব সায়িস যুক্ত কাষ্ট্রতের আয়ে উজ্জল অভিমন্তার ষতুপানা তংকালে সকল দিকে স্বিত্তে লাগিল ১৯৬৮

বিপক্ষবীরহয়া ভীম মুকে অভিমন্তাকে পাইয়া মহাবেগশালী নয়টা বাগ ছারা সহর ওাহাকে বিভ করিলেন ১১৭৯

এবং চিরস ধ্যপ্ত ভীম তিন্টা ভ্রতার। মহাত্তেলা অভিমন্তার ধ্রে ছেলন ক্রিলেন, আরু ভিন্তা বাগ্ডার ভাহার সার্থিকে ডাড্ন ক্রিলেন ॥১৮॥

মাননীয় রাজা। সেইরপই কৃত্ধশা, কুলাচাথা ও শলা রাজা সভিম্পুকে বিদ্ধ করিয়াও মৈনাকপকাতের ভাষে ভাষাকে বিচলিত করিতে পারিলেন না ॥১৯॥

প্রত্যুক্ত বীর অভিমন্থ বিপক্ষ মহারধগণে পরিবেটিত তইয়াও সেই মুশ্বুখপ্রভৃতি পাঁচ জন রথীর প্রতি বাশব্যণ করিতে লাগিলেন ॥২০॥

(১৭) সাভ্যাসভাবেপের ঠীভান পি ব । । সং সাইতা পরিছুলাপুরির পি ।

0

মহভাৰতে

শন্ত কৃষ্ণ মহাস্থানি সংবাধা শবহাইছি।।
নালে বলবং কাকি হাঁলাৰ বিজ্ঞান পৰান্ ॥২১॥
হত্ৰাক্ত ক্ষত্ৰ দাজন্ । বাজে বলমদৃশ্যই।
যত্মানক্ত সমৰে লাজমজনতঃ শকৈঃ॥২২॥
পৰা ক্ৰান্ত হুকৈৰ ভাজেইপি পাছিণোচছৰান্।
সাহা শিহছেদ সমৰে হাঁলচাপচুত্ৰান্ শবান্॥২৯॥
• তে. ধ্ৰজন্মাঘেষ্টালক নবভিং শকৈঃ।
চিত্তিদ সমুৰ বীৰক্ত ইচ্চ কৃষ্টনাঃ ॥২১॥
সাহাজ্ব মহাক্ষ্ডালো (ক্ষৰিভূপিতঃ।
সাহাজ্য মহাক্ষ্ডালো (ক্ষৰিভূপিতঃ।
সাহাজ্য মহাক্ষ্ডালো (ক্ষৰিভূপিতঃ।

ভারত্তক্ষ্দী

১৮৪ চন ব্যামনার ললাল, বলবং প্রকৃতি ক্রারাণ চলিউটেই' ইতামরঃ ১৯৯৪

STEEL STOP SHATE I BENEVE SECTIONS

भट्टी । १ मा मा नम मा कमा द । व्य विद्यार कृषित्वर (१०)

• - इ · अर्थ प्रमु अद चेत्राम किन्नु । किन्नु कुणे दल्ला छ।

अहं के, जान व विभाव केल मानिश्वाद (म् अस्य, व्यव)

১ হ'ব পৰ হাজন্ত্ৰৰ ম ভ্ৰমণা বাগৰ্যণদাব উচ্চাচেৰ ভাষণ অগ্ৰ সকল নিব্ৰণ ক'ল্যা ভাগেৰ উপৰে বাগজেপ কৰিছে থাকিয়া বিশাল শিকনাম কৰিলেন (২১)

বাছা। আছিনতা ধণন পুৰু মাৰান ভট্যা বাগ্ছাৰা **ভীমকে পীড়াৰ** ক'বছে লা গ্লেন, ভ্ৰম দ্বাৰ সাভিত্য বাত্ৰল দেখা ঘাইছে লাগিল ॥১২॥

অভিনয় এইকপ প্রক্রেন প্রকাশ করিছে গাকিলে, ভাষ্ট ইহার উপরে স্বাক্তিপ করিছে অকিলেন, তথ্য অভিষয়াও মুদ্ধে ভাষ্কাশাক্তিনিস্ক সাব্দ্ধিকে ভ্লন করিছে লাগিলেন ১২০০

তংগ্রে অবাধবান বীর অভিমন্তা ময়টা বাল্ছারা মুক্তে ভীয়ের ধ্রজ্ঞীকে কাটিয়া ফাল্লেন, স্তাহাতে ভব্ত। লোকেরা বিশ্বয়ে মহাকেলোহল করিয়া উতিল ৪১৭৪

ভ্রতনক্ষ। তথন বেংপাময়, মহাঝ্র ও অবভূবিভ সেই ভালধ্রতী। অভিনয়রে বাবে ভিরতইয়া ভূতকে পতিভ হইল ॥২৫॥

্ত ননাদ্বলহান্ভাকিল বুনি, ১০) চটকাৰ বানি।

ত তু সৌনদ্বিশিথৈ পাতিত ভর্বপ্ত।।
দৃষ্ট্য উয়ে নাব্দাজি সেই দ্যতিহ্বসন্ ॥২৬॥
নথ ভীলে মহালাগি দিব্যানি চ বহুনি চ।
লাপ্ততিক মহারোদে করে তিম্ম্ মহাবলং ॥২৭॥
ততঃ শ্রমহারে দেশিভদ্ধ পজিতামহং।
ঘাবাকিবদ্যেলারা ভদ্ম হমিবাভবং ॥২৮॥
ততো দশ মহেসামাঃ পাওবানা মহাবধাঃ।
রকাশ্মিভাগাবস্তু সৌভদ্ধ হবিতা রুখেঃ ॥২৯॥
বিরাটঃ সহু পুরেণ মুক্তারান্দ্র পার্যতঃ।
ভীমশ্চ কেক্সালৈত্ব সাত্যক্ষিত বিশা পতে। ॥৩০॥

सारक्री प्रे

শুরিধি। কোন্দ্রিনিটার, অভিমন্তরণের এই বা আন্দেতি দিবানি অনীয়ানি আআদিনি আন্দেতে অনিমার কলবি । বার ভুতু ইছি। প্রশিষ্ঠান্ত দেই এড়াইজন, সাহ রীমা । আন্দের আজে বিশ্বা । বার ভুতু ইতি। মান্দ্রে সাম্প্রক্ষরণ । তেই এমু অনি লক্ষ্যাক্ত । ১৯৫ ব্যান্ত সংক্রাতে বির্দ্ধি ইতি। পুরুষ উক্রাম্থান কেক্ষ্যা ক্ষা ২০০।

ভরতশেষ । সেই ভাগের ধ্রেটাকে অভিন্যার বাবে নিপাছিত দেখিয়া ভীমসেন অভিন্যাকে আনন্দিত করিবার হল উচ্চত্রে সিত্নাল করিয়। উঠিপেন ১২৬ঃ

ভাহার পর মহাবল ভীমে সেই মহাভয়থক সমতে অভিনয়ার উপরে সংগীয় বিভ্তর মহাস্থানিকেপ করিকোন #২৭#

তংপরে অসাধারণ গৈব্যুলালী ৮'য় বচস্থাক ব্যুল্যারা অভিন্তাকে একেবারে আবৃত কবিয়া কেলিলেন, ভাচা যেন আভ্যা বলিয়া বেধি হইল।২৮।

ত্থন পণ্ডিবপ্ৰের দল ভ্ন ন্তাধ্যুদ্ধর মহারথ রুখে আংবাহণ করিয় অভিময়াকে রুক্ষ। করিবার জন্ম সহর উহোর দিকে ধাবিত হউলেন রুংস।

ন্ননাথ। পুত্র উত্তরের সহিত বিবার, প্রতংশীত কুইছ্।র, ভানসেন, কেব্যুদেশীয় পুঞ্চ নাডা এবং সামাকি (ইছারা সেই দল চন) ৪০০।

(२५) सरका स्मोडलदिनिरेशः भागभा उद्यान्तः । हुई अस्यान्यमध्येः नि त (२५) सिवासि द्यवहसि ६ रस्य अस्मिन् द्यानि । (२५) व्यवस्थानः अस्यस्य मुख्युक्तिम्यू-सि । জবেনাপত রা , ৪৪ ° ৬°য়, শান্তন্তের বংশ।
পাঞ্চলি তিনিবানজ্য থ সার্কি নবভিঃ শতরং ॥৩১॥
গনাত বিশ্বটোন জুরের নিশিরেন চ।
ব্যক্তরেকন চিল্লেল নীল্লেনজ্য পত্রিণা॥৩২॥
জাল্লেন্যং কেছুঃ ক্ষরা নরসভ্য ।
পপাত ভীলেনজ্য ভীজেল মধিলের বংগাং ॥৩৩॥
৩৫৬, ভীলাল্ভিবিদ্ধা ভীজে শান্তন্ত্র রংশ।
কুপ্লেকন বিবর্গে কুত্রস্থাণ্যন্তিভিঃ ৪৩॥।
৩গুলীবার হত্তন বৈরাটিরপি লব্তিনা।
আন্তর্গত বংলান মন্তিবিদ্ধা ভীজেলি

ভারতকৌ মুদী

শ্ববস্থ বলবভ্ষ্যতে। 'থল শশ্বত ত ম্যালেশক কম্মত্রকার্মিভার্থ ১৯৮—২৯। পুলি গ্রাবল ১০ ১৮৮ কলবা দিলে, ১৯৮—২৪। প্রত্যাভাগ্রক্তের কুলুলীকুত

টোচার। বেগে আসিটে লাগেলে, শাক্ষনকান ভীয় কৃত্যে তিন্টা বাগ্যার। ধুইছায়কে এব ন্যান বাগ্যাক, সাভাকিকে শীভন কবিলেন ॥৩১॥

হার ডি ন সাক্রণ্রইক্থেদ্কনিজিপ, নিশিষ্ঠ ও কুর্ধার একটা বাণদার। ভাষ্টেশ্নের ধ্যে ভেদন ক্রিটেন ∉হস∎

নার্শোটা তথন ন'অভিচর, অর্থাচন ন সি ছচিভিছে সেই ভাষ্টের্নর অংকটা উচেবে রগত চল্ড পতি ভ চটল গণ্য

তাহার পর ভাষ্টেন যুক্তে ভিন্ট। বাল্ডার। শাস্থ্যনন্দন ভীশকে বিশ্ব করিয়া একটা বাণ্ডাবা কপাচার্যাকে এব আইটা বাল্ডার। কুডব**র্যাকে বিদ্ধ** করিলেন ধণ্ডা

্বঃ) দেবাং ক্ৰেন্পে ড্লেষ্ডে নিং (১০) আপুন্দময় সীমান্ কেস্বী স নবোল্যাং কানিঃ ত্ত বারণরাজন্ত বেশেনাপাততো বলী ।
শল্যো নিবার্থানাস বেগমপ্রতিন রূপে ॥৩৬॥
তত্ত কুন্ধং স নাগেল্যে রুহতঃ সাধুবাহিনঃ ।
পদা যুগমধিতায় জনান চতুরে। হয়ান্ ॥৩৭॥
স হতাথে রথে তিওঁন্ মানাধিপতিরাগদীনে ।
উত্তরাত্তকরীং শক্তিং চিকেপ ভুজগোপনাম্ ॥৩৮॥
তথা ভিলত্ত্ব তাগঃ প্রবিশ্য বিপুলং তমঃ ।

खादक (को मूनी

স প্রণাত গ্রুক্তাং প্রস্থাত ক্রার্ডার রামর: ॥৩,॥

ব,বংগদ্রুতা বিজ্ঞান চিচ্ছেলার মহাকর্ম ॥৪০॥

সমাদায় চ শল্যাচ্সিমবপ্ল হা রুপ্রেড্মাৎ।

ফাক্টি। বারণবাজ্য কনাজ্য নিব বহমে স্পাবৈবিধি দেখা ২০০৮ ছংক্টি। জ্যানলাভ সুহছে বিশালনে, সলুক্তিন সহাধাৰত দৰ্শন ১০১৪ স্টিডি। আহ্সীশ লোগমন্ত্ৰ উত্তৰত অধাৰবীশ নাপ্তনিক স্থানন হংবিতি। নিল্পত্ত না বিনীপ্ৰথা, ৷ হংম মৃক্ষ স্থাননঃ সমালাবেতি সার্গ্রেক ক্রীক্ষা ম্লাক্রা বিশাল্যার স্থান-

এই সময়ে নিরাটরাজার পুত্র উত্তর উত্তোলিহড়ত একট বিশাল চড়ীছে। আব্রাহণ করিয়া মজ্বাজ শলোর দিকে ধাবিত চইলেন। এয়া

সেই মহারজী বেগে আগমন করিতে লাগিলে, বলবান্ শলাবাদা বাগদার। যুদ্ধে সেই হজীয় অভুলনীয় বেগ নিবারণ করিলেন ১০৬৪

তথালি সেই মহারস্থী আসিয়া পদ্ধার। অসারাজার রপের যুগকার্চের উপরে উরিয়া ভারার রপের বিশাল ও সমাক রপচালক চাবিটা অশকে বদ করিল ॥১৭॥ সেই সময়ে মন্তরাজ শলা সেই হতাশ রপে থাকিয়াই উত্তরের বিনাশসনক

স্পতুল্য একটা লোচনিন্মিত শক্তি নিক্ষেপ করিলেন ॥:৮॥

ভ্ৰম শক্তিটা যাইয়া উত্তের বন্ধ ভেদ করিয়া উচাকে আঘাত কৰিল, উত্তর ভাষাতে মৃক্তিত হইয়া হস্তীর অভ্নশ ও ভেমের (অছবিশেষ) ভাগে করিয়া সেই মহাহস্তীর কল হইতে মিপভিত হইলেন ঃ:১ঃ

তংগারে শলারাজা তরবারি ধারণ করিয়া আপন রথ হটতে লাফাইয়া পড়িয়া বিক্রমপ্রকাশপূর্বক সেই মহাহজীর মহাত্ত ছেলন করিলেন ॥৪০॥

(০৬, সংবনাপততে) রংখ সংগ্রিম করৈ:—য় নি। (৪০৮ স্থিমজার শ্রো। হুলি অবস্থা তক্ষমগুরুরসক্ষ চিমেছবাধ বানি।

মহাভারতে

ভিলম্মা শ্রবাট্ডিশিভ্লহতঃ স বারণঃ | ভীম্মতিকর° কুছা প্পতি ৪ মলাব ৪ ॥৪১॥ এতনীদৃশক কৃত্ব সদরাক্তে। নরাধিপ !। আক্রোহ রখণ হুর্ণ ভাসরণ কৃত্রশ্বাণঃ ৪৪২৪ উ हवा देव इंड॰ पृष्ठी देववार्षिः इंडिक हमा। কুতব্যাণ, চ সহিত্য দৃষ্ট্য শল্পেব্সিত্য ৪৩% খেতঃ কোষাং প্রকল্পাল হবিষা হবাবাড়িব। স বিজ্ঞান্ত মহজ্ঞাপ- শক্তাপোপন- বলী ম৪৪৪ व्यन्तिविक्ष्यां मन् देव मलाः महाविशः वसी । মহত। রথবার্শন সমস্তাহ পরিবারিত: ॥৪৫॥ (বিশেষকৃষ্)

ভারতকৌ মুদী

िट्टिंड - चित्रभव मुनिद्यंत, लवान । खातेला अध्यक्त, किस्टकांक्समुख, इत्राह कार महि। काम के सदर्भनायाम्। अध्यक्षत्रम् । अरा के ठवरिएकि दिवशक, विव केलानव, श्रद्धः स्थापक अन्य पूर्वियमास्य सन्ध्वाधिकः মাৰখু। এৰ বটু অভি - কিংশেশৰু চ্ছমিজনু। এখানাম বাংশেৰ স্মূচেন ।৪০—৪৫। ভারতভাবদীপ:

ক্ষরাব্যেণ চেত্র কর বেলমিতি সম্বাচন রথে রথোপরি ১০৮। ডক্স প্রাক্ষে রুচজ্ঞ णुरे स् मानुरु दिस्त, मद्रान्त्वरसन्तिनास् । २९--- ८७३ । इदः ८२'१ वृ. अधुकः इक्षान्तिवर्षक्तानिकः एक ४०० - ४२६ - इ.स. महिन्द्रकारदम्, देवद हैं, सम्बन्ध ४५० - ५५४

हेटि ही बालकरि देनलक देश्य नावाह हा बनी इस मण्ड वादि र माहि । । ।

ব্ভত্তর বাণের আঘাতে পুর্বেই সে হস্টটার মশ্ম বিদার্শ ছইয়াছিল, পরে আবার ওও ছিল ইইল বলিয়া সে হকী ভয়ত্ব আর্থনাদ করিয়া ভূতলে পডিও হুটল এবং পাণভাগি কবিল unbu

নরনাথ ৷ মছরাজ শল্য এইরূপ এই কাথ্য করিয়া সহর যাইয়া কুড্বশ্বার উক্ষলরথে আরোহণ করিলেন ১৭১৫

ভখন বিরাটরাজার অপর পুত্র খেড, ভাডা উত্তরকৈ নিহত দেখিয়া এবং শলাকে কৃতবশ্বার সহিতে অবস্থিত দর্শন করিয়া, মৃত্যারা অধিব ভাষে জেন্ধে चित्रा डेडिएनन । उथन दलनान स्पट्टे (चड, महराक सलाहक दश कतिवात

(৪১) শরশটিঃ রানি। (৪৪) ইউ: সোকাং আভুড়ানশ্বশব্দাধার্থশক্ষি শতি-ত্যলোক্দব্যয়ে এবং শিকান্সপুত্তক বছমানকামপুত্তক চান দুক্তে, অভান ভূ স্বতিক পরিক্লান্ডে। সভচ্চতে চালো বিবাটক বর্ণু হরাং।

पृथ्न-त् वागमः वर्षः आयाक्तावयः अहि।

हर्गाण्डलः मः द्र्याणा मह्नावगिविक्यम् ॥६६॥

हर्गाण्डलः मः द्र्याणा मह्नावगिविक्यम् ॥६५॥ (यूमक्य्)

वृद्याण्डलः वृद्याणा मृद्दाणा द्रुष्टलाः भृद्याण्यान् ॥६५॥

वृद्याण्डलः क्ष्याप्ताः क्षयः स्माण्डः अहाण्याम् ॥६५॥

विकास्विक्यायायस्ताः कार्याक्षणः अहाण्याम् ॥५५॥

वृद्याक्षयः मायानः देमक्षयणः क्षयः ॥६०॥ (यूपक्य्)

मानावगिविद्याणि मन्ष्यः क्षयः क्षयः ॥६०॥ (यूपक्य्)

मानावगिविद्याणि मन्ष्यः ह्यायाविव्यविद्याः ॥६०॥

विकासिव्याणा वृद्याः ह्यायाविव्यविद्याः ॥६०॥

विकासिव्याणा वृद्याः (अह्युक्ष्याणा ह्यम् ॥६०॥

निमाणा स्वर्याक्ष्यः वर्षः (अह्युक्ष्याणा ह्यम् ॥६०॥

निमाणा स्वर्याक्ष्यः वर्षः (अह्युक्ष्याणा ह्यम् ॥६०॥

ভারতকৌমূদী

মুক্তিরিটি । মৃত্যারণবিজনে মুধ্যতিত্বসাধিকমধ্য গোৰকনা বংশকীংগৈয়ানাং মধ্যে । অভীক্ষয়ের কিতৃমিক্ষয় ।৪৮-৪৭।

বুংখন ইতি। বেশিকার কোললমেশাদিশতি। দৈখন কিছুবালং (৪৮—৪১) নানেতি। মহাল্লা বুংখলালীনা সন্থানাম। দূলজে ম, সোধানৰ মেগেৰু (৪০২ ত ইতি। নিসাধান্তে ব্যাকালবেদানে, মনিলে ছাত্ত মুধানি মাণ, নামে প্ৰচে ১২১।

ইচ্ছায়ে ইপ্রধন্নর তুলা বিশাল ধন্ন বিক্ষারিত করিয়া, সকল দিকে বিশাল স্থিসমূহে বেস্তিত হইয়া ধাবিত হইলেন ॥৪০—৪০॥

এবং বাণ্ডধন করিতে থাকিয়া, শলোর বংগর দিকে শমন কবিলেন। সেই সময়ে মত হঞার হুল্য বিক্রমশালী শেশুকে আসিতে দেখিয়া আপনার প্রেয় সাওক্ষন র্থী, মৃহার স্থাচ্যস্তরস্থী শলাকে রকা করিবার ইচ্ছা ক্রিয়া উহাকে সকল দিকে বেইন কবিলেন ৮৮৬—৪৭৪

রাজ)। কোশলাগিপতি বৃহত্তন, মগধরাজ জয়ংসেন, শংলার পুর প্রতাপ শালী রুশ্বন, অবস্থিদেশীয় বিন্দ ও অফুবিন্দ, কালোজাধিপতি স্থদকিব এবং মৃহংক্ষের পুর সিভুরাজ জয়জ্ব (এই সাভ জন শল্যকে পরিবেটন ক্রিলেন) 18৮—৪৯৪ ্

ক্রমে নেথের উপরে বিভাতের স্থায় সেই মহাবল সাত কন বীবের হজে। সাত্যানা ধর বিকারিত হইতে দেখা গেল ॥৫০॥

মহাভারতে

उदः कृष्क भरवसागः मथ्डरेनः छर्डकरेनः।

भन्-सि । उत्रामिष्टिण मगनः পृड्नालिः।

निक्षाण्य डानि चा सगन्भा छ डावडः । ॥६२॥

८डर्छ ठू निर्म्माकार खडाल्णम् धन्-सि छ।

मथ्र रेवि श्रद्यान्य । खडर्ष्णालियान् ॥६०॥

१ इः श्रद्यान् । इर्नेन मथ्डिकाम् ।

निष्ठक महावाङ्र्याः । हर्नेन मथ्डिकाम् ॥६४॥

(७ निक्ष्यान् । श्रद्यान् । भर्षा ।

वयः छनः लक्ष्माम्मा विरम्हरेच्यान् स्वान्।

काबकरकोभूमी

ত হৈছি । মন্ত ভাৰ সংগ্ৰহ প্ৰথম স, পুনন্দভিত্তপ্ৰবিন () সন্ধাৰ্থিক বিশ্বনাশ্ভিত । মাস বিশ্বভাগত কৰি হল যে সভূপাৰ হল নামাৰ হৈ হল হল । সংগ্ৰহৰ মাজ হল কৰা কৰি স্থাক ল'ব বাৰ লগত । কৰি সামাৰ কৰি সামাৰ হল কৰি সামাৰ কৰি সমাৰ কৰি সমাৰ কৰি সামাৰ কৰি সামা

বধাকাল মতীত হটলে বাস্পঞ্জিত মেঘ যেমন প্রয়েও উপরে এল বর্ষণ করে, সেইরূপ ইছোরা খেতের মতুকের উপরে বাশ্বর্ষণ করিছে কাগিলেন ১৫১॥

ভবতনকন। তংপৰে মহাধয়কৰ বিবাচ্চনাপ্তি খেড কুক চইয়া অতিটোধার সাত্টা চলজাবা বৃহত্তপ্রভূতি সাত জনের সাত্যানা ধ্যু ছেলন কবিয়া ঠাতাদিগকে পাড়ন কবিলেন, আমবা তখন সে ধ্যুগুলিকে চিল্লই শেকিলাম ৪০২৪

ভাগরে পর জারার। নিমেধাক্ষমধ্যে ক্ষপর সাভিধানা হয় প্রহণ করিলেন এবং ব্যেতের উপরে সাভিটা বাণ নিক্ষেপ করিলেন॥১০॥

ভদন্ত্র অসাধারণ ধৈথালালী ও মহাবাত খেতে পুন্রায় ক্রেগামী সভিটা ভিল্লারা ,সই ধ্যুদ্ধগণের ধ্যুদ্ধি ছেদন করিলেন ॥৫৬॥

বিশাল হয়গুলি হিল হইলে সেই মহার্থেরা সহর রথখন্তি নিজেপ ক্রিয়া ভয়ছর গঠন ক্রিলেন। ভ্রতভোট : ত্যন সেই স্ভিটা র্থশক্তিই থেতের রংগর দিকে গ্রম ক্রিডে লাগিল sees তত্তা স্থানিতাঃ সপু মহেন্দ্রাণানিনিস্নাঃ।
স্বাপ্তাঃ সপুভি নইন্নান্তক্তেদ প্রমাপ্তবিং ॥৫৬॥
ততঃ সমাদায় শরু সর্বকায়বিদারণম্।
আহিণোদ্রতক্রেষ্ঠ ! সেতো ক্রেরণ প্রতি ॥৫৭॥
তত্তা দেহে নিপ্তিতো বাণো বছাতিগো মহান্।
ততো কর্রণো রাজন্ ! সাম্বেন দ্রাহতঃ ॥৫৮॥
নিস্মান রপোপত্ত্ব ক্যান্ত চাবিশ্বহে ।
তঃ বিসংজ্ঞা বিসন্দা হর্মাণ্ড সাব্ধিঃ ॥৫৯॥
আপোরাহ নসংলাজঃ স্কালোক্ত প্রতঃ :
ততোহ্তান্ ষট্সমাদায় স্বেতা হেম্পিছ্বিতান্॥৬০॥
হ্যাংশ্চ তেমাং মহাবাহ্ণম জ্লীর্মাণাপাত্তং ।
হ্যাংশ্চ তেমাং নিভিন্ন সাব্ধীশ্চ প্রতুপ ।॥৬১॥
শবৈইশ্চনে স্মান্ত্রীয়া প্রায়াজ্বন্ত্রণ প্রতি॥
তত্তা হলহলান্ত্রর সৈত্যের ভারত।॥৬০॥ (ক্লক্স্)

खात्रकरकोश्रमी

যুক্টার । ত রুগ্দ্রীঃ। অত ল সনালত এব। প্রনাগ্রিং ব্রং থেকা ব্রক্তিঃ প্রাতিশেষ প্রক্রিণ রে কর্মের উদ্ধান্ত প্রাপ্তর্কণ তথ্যতি। বছা তিলো স্থানিকবেলা নির্দান উপ্তিশেশ, কর্মের মোচন্ত্র আলো বিমন্সর্বিক ত্তিব্য, মানস্থাক বিস্পান্ত্র। মনোলে ত বেত্সস্থান্ত্যালয় মাস, নস্মান্ত্রে বীর্তির, নির্দান কর্মের প্রক্রিণ কর্মের ক্রিল্লান, কর্মের বিক্রেলেরিডারান্। স্মাক্টা মাজ্যে। তল্ভান্য আল্লান্ত্র ক্রেক ক্রেটিং বিস্তৃত্যা

ভ্যন ইল্লের বছের তুল্য শসকবৌ ও প্রথলিত সেই সাওট। শক্তি না আমিতেই প্রমাথ্বিং খেড সাওটা ভর্ষারা সেহলিকে ছেদন কবিলেন ছথ্যা

ভরতশ্রেষ্ঠ ৷ ভাষার পর খেত সকলের দেগবিদারণক্ষ একটা বাণ এইণ করিয়া সেটাকে রুম্বরখের প্রতি নিকেপ করিকেন ৮৫৭৮

তথন বছ অপেকা অধিক নেগবান্সেই মহাবাণটা যাইয়া কলনধের দেহে নিপতিত হইল। হাজা। তংপরে কলন্তথ সেই বাণদার অভাস্থ আছত হইয়া রগের উপরে উপ্রেশন করিলেন এবং অভাস্থ মোহপের হইলেন, এই সময়ে ওাহার মার্থি অস্থিব না হইয়া সহরই বিক্তিচিত্র ও মৃতিত প্রায় কল-

(४৮) पृक्ष कार्यः—व: ४७०) व्यालायात्र सक्तमासः य । (७२) नटेवरेकनान् स्यात

ত্র মহাভারতে

দৃষ্ট্বা দেনাপতি হুল নাল্ড শল্যেবণ প্রতি।
ততা ভাষা প্রকৃতা তব পুরো মহাবলঃ ॥১০॥
রহস্ত স্বদৈত্যেন প্রাথাছেন্ত্রবণ প্রতি।
ম্তোরাজ্যনপুরাপ্ত মদরক্রেম্মোচয়ৎ ॥১৪॥ (মুখাকন্)
ততা মুক্ত সমভবভুমূল লোমহর্ষণন্।
তাবকানা প্রেমাঞ্চ ব্যতিষ্ক্রপ্রিপন্ ॥১৫॥
কৌডছে ভামদেনে চ সাত্রকৌ চ মহার্ণে।
কৈকেয়ে চ বিরাটে চ স্কুত্রতারে চ পার্যতা।
কাবে নরসিংহের চেলিমহজের চৈব হ।
বর্ষ শরব্ধানি ক্রেরকঃ পিতামহঃ ॥১৭॥ (মুখাকন্)

বৰৰ শৰ্বব্যাণ কুৰুৱজঃ পোতামহঃ ॥৬৭॥ (মুখ্যকম্) ইতি টী মহাভাবতে শতসাহস্ৰাণ সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাণ জীৱাপ্ৰাণি জীৱাৰণে প্ৰথমনিবসমূজে সপ্তচ্ছারিণ্ডােহধাায়ঃ॥•॥

धावकरको मृती

দাই বি । সেনাপতি বৈ হয় পাত্র হ্রে প্রা । আজা মুধ্যু ১৯০— ১৪৪
১০ টাতি ব ডিবজা প্রাশেষ মিলিডা রগদিশা রগিনো চন্দারের চিন্দ্র হয় এব ১৯৫৪
কৌন্দ টাত। করকার কৈকেরজাতুলকাক। শিত্রহতের ভাষা ১৯৮৮ ৯৭৪
টাত নতাহতে লাভ যে শিত্রিলাসনিদ্যান্ত্রাইশভাইডোগ্রিকিড গ্রেণ হলাভ রভটীকার্যা
ভার বা ক্রিলাসনাদ্যাল ভাষ্যপ্রাইশি ভাষ্যব্য সন্তর্গবিশ্বনাভ্যায়ে ১৯৪

নিশ্বে স্কলের স্মালেই সেন্থান হাইছে স্বাইছ, লাইয়া গোলা। ছাহার পর্
মহাবাত বেড কণ্ডের অন্ত হয়ট, বাণ লাইয়া অপর হয় ভ্নের ধ্যজের
ইছি চাগ কাটিয়া ফেলিলেন এব শক্তাপেন ভরতনক্ষন। বাণদায়। ভাহাদের
আৰ ও সাব্দিদিগতে বিদাণ করিছ, আর উহাদিগকে আবৃত ক্রিয়া শলোর
স্থের দিকে সাবিত হাইলেন। তংপরে আপনার সৈত্যাণের মধ্যে হলহলাশক
হাতিত লাগিল ৪৫৮—৬২৪

বির ট্রেনাপতি খেত সহর শলোহ রপের দিকে গনন কবিভেছেন দেখির। আলনার পুত্র মহাবল হুয়োগেন ভীত্মকে সন্থ্যে রাখিয়া সমস্ত সৈতে পরি-লেপ্টিত হইয়া খেলেব রপের দিকে ধাবিত হইলেন এব মৃত্যুর মুখপ্রবিষ্ট শলাকে মৃত্যুক করিলেন ১৯০—৬৭৪

ভারার পর আপনার পক্ষের ও পাত্রপক্ষের র্থি*লৈয়া* ও হক্তাবোহিলৈয়া প্রস্পর মিলিভ ইইল এবা ভুমুল ও পোমহর্ষণ মৃদ্ধ হউতে লাগিল ॥৬৫॥

(৬৬)⊷তৈৰ হি + বৃদ্ধঃ কুঞ্চিতামহঃ—বা ব ।

অষ্টচভারিঃশোহধ্যায়ঃ।

-1+1---

য়তরাষ্ট্র উবাচ।

এবং খেতে মহেল সে পাতে শব্যবণ প্রতি। কুববঃ পাওবেয়াল কিমকুর্বত সভয়।। ভালিঃ শাস্ত্রবঃ কিং বা তথ্যসাচ্চ্ পুচ্ছতঃ॥১॥ সঞ্য উবাচ।

রাজন্ ! শতসহজাণি এতঃ ক্রিমপুস্বা:। খেত দেনপিতি শ্বং পুরস্কতা মহারগা:॥२॥ বাজেন বলং দশ্যস্ত্র পুরস্ক ভারত । শিশভিনং পুরস্কৃতা ভারত মহারগা:॥। (মুগাকন্)

ভারত্যকাম্দী

এবমিতি। মতেখাসে মহাগান্তকো কি বা আকুকত নুষ্ঠান্তিয়া সূকা।.। ব্যক্তিটি। সেন্দ্তি বিৱাহীকাৰ, বেগছ নিহাস নহাবিক লৈ চহুপতিন্তিত ব্যক্তিমান্বসন্ধান ক্ষিত্ৰকাল গানুবলকীয়া বলং অপ্তিম্। আতু বেডমান্ত না

এদিকে অভিনয়া, ভীমদেন, মহাবধ সাতাকি, কেকয়দেশীয় পকারতো, বিহাট ও পৃষ্ডনকান গৃষ্টায় এই সকল নরপ্রেদের উপবে এব চেদিদেশীয় ও ম্বসাদেশীয় সৈকুগণের উপতে কুকুকুক ভীম বাণ্ডবণ করিছেলাগিলেন ॥১১ ১৭৮

ধৃতরাষ্ট্র বলিলেন—'সভয় ৷ আমি জিজাস৷ করিতেছি -মহাধমুদ্ধর খেড এই ভাবে শল্যের বথের দিকে ধাবিত হউলে কৌবনের, ও পাওবেরা কি করিলেন এবং শাভ্যুনন্দন ভীমই বা কি কবিলেন, ভাচা তুমি অমার নিকট বলা ৪১৪

সময় করিবেন—'ভরতনন্দম বাজা ৷ তাহার পর পাওবপকীয় শতসহর মহারথ করিয়াছেও, বীর ও বিরাইসেনাপতি বেডকে অগ্রবতী করিয়া, আপনার পুত্র তুর্ঘোধনকৈ আপনাদের শক্তি দেখাইতে থাকিয়া, শিষতীকে সম্পূবে রাখিয়া, শেওকে রকা করিবার ইছো কবিবেন ১০—গ্র

মহাভারতে

ভাষতকৌমুদী

मानीका विश्वासन् कृता (स्थान विदेश मिन समाहित । । सहर पुरुष् । सह पुरुष् । सह पुरुष् । सह पुरुष् । सह पुरुष् । विदेश मानिका । सह प्रदेश । सह प्रदेश मानिका । सह प्रदेश मानिका । सह प्रदेश मानिका मानिका । सह प्रदेश । सह प्रद

ভাগার। ভংলের ফর্ণালয়ত রপের এব বিপক্রিনাশাভিলানী যোজ্যস্ত সুধায়েধনের ক্রিয়ুপে থাকিলেন, তথন মহাতুম্ক বৃদ্ধ চইতে লাগিলে।দন

ভংকাকো আপনার পজীয় সৈতগণের ও বিপকীয় সৈতাদিগার যেরেপ মহামারীজনক ও অণুত মুদ্ধ চইয়াছিল, ভাষা আমি বলিব এবঃ

ভগন ভাষ বত রগকে আরোহিশ্র করিলেন, ভাহার মধ্যে আবার এই কামাটা বিশেষ অদুভ করিলেন যে, বাগমারা প্রধান প্রধান রগকে আরুভ করিয়া কেলিলেন ৩৬৪

পূর্য উদিত ইউতে থাকিয় কিরণবার। যেমন সক্ষার অপসারিত করিছে থাকেন, সেইরপ সুযোর টুলা প্রতাপশালী ভীম যুদ্ধে বিপশসৈভাদিগকে সকল দিকে অপসারিত করিছে থাকিয়া বাগদার। স্থাকে আবৃত করিয়া কেলিখেন গণ্য

রাজা। ভীম যুক্তে করিয়নাশক এব মহাবেগ ও মহাশক্তিশালী শত শত ও সহস্ব সহস্ব বাণ সমরাজনে নিকেপ করিতে পারিকোন এন।

⁽৫) महादेवलसम्बद्धाः । রা নি । (৬, করৈরাক্সরখোত্তম: —বা ।

পাত্ৰামান শ্ৰাণাং শিরাংসি শতলো রণে।
বাজন্ কলটকালৈচৰ বাঁৰা বিগতমন্তকাঃ ॥৯॥
বথা ৰথেৰ সংসত্য বাদ্ভাত বিশাংপতে!।
বংশা ৰথং পৰ্যবৈভিত্বসন্ত চুৰসমন্॥১০॥
মূৰানং নিষ্ঠং বাঁৰং লক্ষানে সকাল্পকন্।
উলালাভ হথা ৰাজন্! বহন্তত ত তত্ৰ হ॥১১॥
বজ্ঞভূজানিস্পাশ্চ বিধ্বস্থিনির্দা হতাঃ।
শতশং পতিতা ভূমো বাঁৰণাবাত শেৰতে ॥১২॥
প্ৰস্পান্ত ধাবতঃ পতিতাঃ পুনক্ষিতাঃ।
উথায় চ প্ৰাৰ্শ্যে বৃন্ধ্যমবাধাৰণ্ না

ভারতকৌখুদী

শৌশ মূদ্রে বীরগণের লও লভ মফক নিপাভিত কবিংত গাকিলোন , ভারণতে সেই সীরগণ কবচাসুভদের থাকিয়াও মজকবিলীন হইতে লাগিলেন ॥১॥

নধনাথ। কোন কোন ভানে দেখা গেল -রথগুলি মাইয়া অভাগ্র রপে শানিয়োছে এবং কোন বথ অফ রথের উপরে উচিয়াছে, আর কোন অধ অপর অধ্যের উপরে আরোহন করিয়াছে ॥১॥॥

রাজা। কোন তকণ বার নিহত হইয়া ধণ্ড ধারণ কবিয়াই আপন সংখ কুলাতে লাগিলি; তখন তাহার যোড়াগুলি লাফাইয়া লাফাইয়া নানাস্থানে তাহাকে বহন করিয়া লইয়া চলিলি ॥১১॥

ভ্রবারি ও ভূগীরধারী শত শত বীর মতুক ছিল চওয়ায় নিহাত ও ভূতল-পতিভ হুইয়া বীরশ্যায়ে শয়ন করিতে লাগিলেন ১১২৮

বহু দৈয়া পরস্পারের প্রতি ধাবিত হইয়া পড়িয়া গেল, সাধার উসিল এবং আবার উঠিয়া দৌড়াইয়া যাইয়া দশ্বমুদ্ধ করিতে লাগিল ॥১০।

(৯) বিরাক্তি পাত্রামাজ্বীরাণা বাংকে বংগ গজান্ কটক্চরাসান্ বংলাগ বিলোদ্যান্ ।—রা নি ঃ (১১) ১ একে বংগ প্রাধ্যাধ্যাধ্যাধ্যাধ্—রা নি ঃ (১১) স্বলং নিহতং বীষ্ত্যাবা । কিছিলঃ পুনবজোকং লুইজো রণম্ভনি।

সচাপাঃ সনিষ্কাশ্চ জাত্তরপপরিস্কৃতাঃ ॥১৪॥
বিজ্ঞান নহালে শতশং পরিপীছিলঃ।

তেন তেনাভাগারত বিশ্বজন্ত ভারত । ৯১৫॥ (মুখাকম্)
মতে, গজঃ পর্যারতভ্রমাংশ্চ হতসাদিনঃ।

সর্থা রথিনশ্চাপি বিম্নুতঃ সমস্ততঃ ॥১৬॥
ভালনালপত্য কশ্চিলিসভোহভোন সামকৈঃ।
হতসার্থিরপুট্ডেঃ প্পাত কভিবদ্ধঃ ॥১৭॥
মুধামানতা সংগ্রামে বৃত্তে রজনি চোথিতে।
ধত্য ক্জিতবিজ্ঞানং ত্রানীয়ে প্রতিম্বারতঃ ॥১৮॥

ভারতকৌমুদী

ৰীটিছ চা উটিন সান্ধলন সভূতিবাং, জাতত লগাৰক চাং অধিকৃষণ ভূষিতাং। বিশ্বৰণ বিশ্বক ব্ৰামী চাত্ৰ হৰণেশ্বক হথা জাতেখা হ'ল, বিশ্বক'লা বীৰা থৈলো। তেন তেন মাৰ্কেন। বিজ্ঞাধা আলাৰি কিল্পাং ৮৯০—১৯০

यक्ष इति । यदक्ष वाच , हामार मार्ग्य व्यादशहित्य प्रकार साम्, स्थानकाम्, व्यानकारे इति, व्यवकृत्यम् वर्षः । अवय विविक्तरानि, सम्बद्धः, विष्णुतका पृष्णिकाम् देवसाम् स्थापकाः, भ्रादकार्याक दक्तविष्णवर्षाम क्षत्रीका ३३७॥

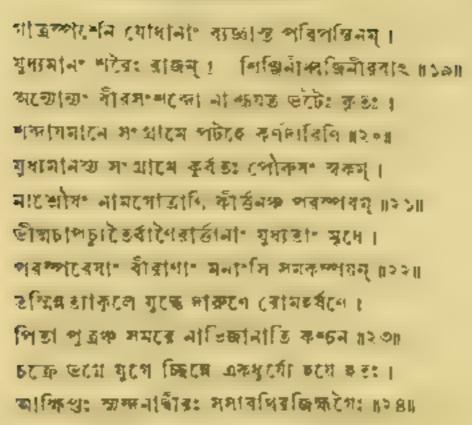
কুক্রালতি পুক্র হার্যা। পণ ভারম পুর্ণাণ্ড বিবাস ভাবের ১০৭ সুন্তি বৃত্ত লাভে ওত্য কুলিছেন অবাস্থাকের বিকানসবস্তির ১৮৮।

ভব্তন্ত্র। আবার সৈক্ষের। সমর্পেনে কৃষ্টিত কট্যা পরস্পার পীড়ন করিছে পাকিল। কোন কোন ভাবে স্পত্তির ছবিত এবং ধরুও তুপধারী বীরগণ বিশ্বভাবে বিপক্ষ বিশ্বগণকে সভার করিয়া, আবার অপর বিপক্ষকর্ত্ব শত পত্তভাবে আহনত ভইয়া, অসুক্ষেপ করিছে থাকিয়া নানাপারে ধাবিত হইছে লাগিল ৪১৪—১৫৪

মত হতিগণ আংরাহিশ্র আধাণণের প্রতি ধাবিত হইছে থাকিল এবং বথীরা রখের সভিত সকল দিকে ভূতিলপতিত সৈক্ষদিগকে মধ্য করিছে থাকিয়া বিচৰণ করিতে লাগিল ১৯৬১

কেছ অংশুর বাণে নিছাত হইয়া রথ ইউটে পভিত হইল, কোথাও সাইখি-শুশু কোন উচ্চ রথ অফু রথের ধাঝায় কাসের কায় কাং হইয়া পড়িয়া গেল ॥১৭॥ সমরাজনে গাতে শ্লিজাল উবিত হইলে কোন যোগ্য। ধমুর অব্যক্ত শক্ষে

প্রতিযোদ্ধাকে বুঝিতে থাকিল ১৮৮



ভারতকৌমুদী

পাছেতি। ব,কাল অব্ধান। লিভিক প্ৰণা ক্ষিতা সেনায়া যে ব্ৰক্ষণ ১৯১৪
ক্ষেত্ৰক্ষিতি। বীৰ্ষণালয় দি হন্যা দি, ভাউৰ্যাধিয়ে পত্তে চকায়স্থান।
বুধেনিতি নাজেবিল, পট্ডপ্ৰাহেন্ত্ৰ কাউনা গ্ৰাণালয় ১০১৪
ক্ষিত্ৰিলি বুধে মুক্ষেৰ স্থানিক্ষণ ক্ষিত্ৰানাতি স্থানায় হয়।
ক্ষিত্ৰিলি বুধে মুক্ষেৰ স্থানিক্ষণ নাজিলানাতি স্থানায় হয়।

কোন কোন খোদ্ধা গাত্রস্পূর্ণে বিপক্ষিগকে চিনিছে লাগিল, ভাষার কেহু কেহু স্কঃখিক শুনিয়া ব্লেয়েছাকে ভির কবিতে থাকিল ১১৯৪

সমরালানে কর্ণবিদারক চকাশন ছউছে খাকিলে, যোগালের পরস্পার বীর্নাম শুনা ঘাইছে লাগিল মা ১০০৮

ধীরগণ গুদ্ধে প্রার্থ হটয়া আপন আপন পুক্ষকার প্রকাশ করিছে থাকিয়। প্রস্পার নাম, গোত্র ও বীরন্ধর্ণের করা বলিতে লাগিলেও চাকের শব্দে আমি সে স্কল শুনিতে পাই নাই ৪২১।

মুদ্ধে ভীয়ের বসু হউতে নিগত বাগ দকল যাইয়া মোজপণকে শীড়ন ক্রিতে লাগিলে উভয়পকের বারগণের হৃদয়ই কম্পিড হইতে লাগিল ১২২॥

অভিসত্ত, দাকণ ও রোমহণণ সেইকপ যুদ্ধ চলিতে থাকিলে, কোন পিডাই পুরকে চিনিডে পাবেন নাই ঃ২০ঃ

(২১)- - নাজেরবীরাম্পোজোজিন্ বা। (২০) তাখন নিধাকুলে - শিতা খনোবদং পুরুষ্ বার (২৪) চকা ভগা সুগলৈর একে ধুংখা গ্রেচ হতা বা।



এবঞ্চ সমরে সর্বে বারাশ্চ বির্থীকুলাঃ। তেন তেন আ দুখাতের ধাব্যানাঃ সমস্তঃ ॥২৫॥ গজে। হতঃ বিরুদ্ধির মধ্য দিরং হবো হতঃ। অহতঃ কোহপি নৈবাসাভীলো নিছতি শাহবান ॥২৬॥ থেতঃ কুজগামকরোৎ ক্ষমং ভব্মিন্ মহাহরে। রাজপুতান্ র্থোলারানবর্গাছ ঃসংঘণ: ১২৭॥ bes म विश्वा वाटेगः भिता शि छव हर्व छ । । সাজলা বাহবট্ৰচৰ ধনু-বি চ সমন্ত হঃ ॥২৮॥ बर्णना॰ वधक क्रांति इंगावानि युगानि ह। ছু থাতি, চ মহাতাতি পতান্দাশত বিশাংশতে । ধ্রুম

ভারতকৌমূদী

Bie द्रिक गुन्त वेपण अक्तिश्वत्य, अवसूत्या अवधात्रभ वय द्रिनि स्थान्नवज्ञानार, हत्य कार्य । ज्यानिकार मण्डित, क्रममार वतार, व्यक्तिको परेक्षर नारेना (२४३

ध्येत महिला विवर्धीक के कि में से एक एक एक मा संग्रहर के প্রতি শিংক্রিয় আন্ততির নিল্পিনিস্। মততে, অন্ধতে এসভা (चंड है है । चंडर श्रादरकृतित प्रत्मनाथ है । द्राधानातान् विश्वकृति । ३६। ि कारणीय कि केन रच का नामना, नाजमूत आहत्यिका, एक मि ह कियानि अन्त ভাখের বাবে চক ভয়, মুগ ছিল্ল এব অবশিষ্ট একমাত্র অপও নিহত হুইলে, রুপের আবোহা বাব ও সাব্ধি নিহত চুইয়া রুথ হুইছে পড়িভ ছইছে থাকিল ।১৪৮

ভাষ মুদ্ধে এই ভাবে দকল বীর্কেই রথবিহীন করিলে, দেখিলাম -উচোর। নানাদিকে ভিল্ল ভিল্ল পথে ছুটাছটি করিতে লাগিলেন ॥২৫॥

ভাম শঞ্ম হার করিতে লাগিলে হতী নিহত, মন্তক ছিল, জ্বন্য বিদীর্ণ এব অস বিনষ্ট চটতে খাকিল , এমন কি কেচট অমাহত থাকিল না 1201

এই সম্যে সেই মহাযুদ্ধে বিবার্দ্দনাপতি বেতও কৌরবপ্রের কর কবিতে লাগিলেন। তিনিও শত শত বধিয়েছে বাজপুত্রকে বধ কবিলেন ॥২৭॥

ভবতকোষ্ঠ। বেত বাগদার। সকল দিকের ব্যথগণের মন্তক, কেণ্নের ষ্ঠিত বার্ত এবং ধনু ছেদন করিছে লাগিলেন ⊪৯৮⊪

ংবর বিশুরে ভিল্লাক চ বরে ও বিব্লীকৃত্ত যে ব্যালাঃ প্রশার্ম—ব । (১৬) ৰো হতঃ শিবদা ভিলো মনভিনিত্তে হতঃ বা (২৭, অংশ ভবিষন্ বা) (২৯) सद्धवाय् - का नि ।

হণীবাদ্য রথৌঘাদ্য নরোঘাদ্যের ভারত !।
বাবণাঃ শতশাদৈত্ব হড়াঃ স্বেত্ন ভারত ! ॥৩০॥
বাবণাঃ শতশাদ্যতা বিধায় রথসভ্যন্।
অপসাভাত্তবাদ্যতা বিধায় রথসভ্যন্।
অপসাভাত্তবা পশ্চাদ্রিভূগ পশ্চাম স্কেবঃ ॥৩১॥
শরপত্যতিক্রমা কুরবঃ কুকনন্দন ।।
ভাগ্রণ শান্তনবং মুক্তে ছিতাঃ পশ্চাম সর্বশঃ ॥৩২॥
অধানো দীনস্বয়ে ভীগ্যোহ্যাকং মহাহবে।
একত্তেতা নরবাদ্যে গিরিনেক্রিরিচনঃ ॥৩৩॥
আদ্দান ইব প্রাণান্ স্বিতা শিশ্রিভাত্যে।
গ্রতিভিরিবাদিতাত্তের শর্মরীচিমান্ ॥৩৬॥

ভারতকৌমুদী

ব্ৰেশানিতি। ব্ৰজা ইলাং দকেবিলেক্ষ্ চিচ্চেন খেত ইডাড্ডিব । ১৯৯ ছাটোলা ইলি। ব্ৰেশা হালিনা । ১৯৯ ব ব্ৰনিডি । বিৰুণ বালানা হুংগা বন্ধ, হুফাবা প্ৰদান স্থি ১৯৯। সংবৃতি । প্ৰপালা ক্ষেত্ৰ বাৰপত্নভানিষ্ । স্কাশা সংবৃত্তি । ১৯৯ জনাৰা সক্ষেত্ৰ , দীনসমূহে শেড্ডিক্ষাৰ কাত্ৰতাক লৈ । ২৯৪

ন্ত্ৰাথ। তিনি—স্থের দও, চক্র ও যুগ এবং ভূপিব, আব মহামূল্য ছব্র ও পাহাকা সকল কাটিয়া ফেলিডে থাকিলেন চলা

ভরতন-দম্মার খেড — অখ্রণ ও নেকসমূচ এব শত শং হতী ব্যক্তিলেন ॥০০॥

এই সময়ে আমর। অভাবত: নিউয় হইয়াও খেতেব ভয়ে ভীত হইয়। উদ্ধানপ আগ ক্রিয়া যুদ্ধের পিছনে কাইয়া রাজা হুংগা।ধনের সহিত সাক্ষাং ক্রিলাম ০০১॥

কুক্রকান। আমরা কুক্পকীয়ের। সক্লেই খেতের বাণপ্রনের খান অভিক্রম করিয়া যাইয়া সমরাঙ্গনে থাকিয়াই পূব চইতে সাজ্যনকন জীমকে দেখিতে লাগিলাম ॥২২॥

আমাদের সেই কাডরতার সময়েও একমাত্র নরক্রের ভীমই কাডর না ইইয়া মহাযুদ্ধমধ্যে সুমেরুপধাতের ক্রয়ে অচল কইয়া রতিলেন ॥৩০॥

শীতকাল অতীত হইলে সুধা যেমন জল আক্ষণ করেন, তীমও তেমনই বিপক্ষৈয়াগণের আন হয়ণ করিতে থাকিয়া কিংগদম্থিত সুধোর স্থায় যাণসম্থিত ইইয়া অবস্থান করিতে লাগিলেন ১০৬৪ म स्रमित मर्ह्यामः भवमः चामर्मकः।

भित्रम्भित्राम् भयरव व ज्ञभावित्रियाद्यवान् ॥ ००॥

८३ वश्याना जीर्यान श्रक्य छ महावस्य ।

प्रमुधानिय ८३ मृथास्युकः ज्ञीय नास्त्रम् ॥ ००॥

३८मद्यभनर्षियाद्य युकः भाउदान् भतिर्यात्यम् ॥ ००॥

छार्यात्रम्भित्य युकः भाउदान् ।

भाउद्यात्रम्भित्य विद्यात्म भावत्यमः विभाग्यद्य ।

भावत्यम्भित्य भित्रात्म ।

भावत्यम्भित्य भित्रात्म ।

भावत्यम्भित्य ।

भावत्यम्भित्यम्भित्यम् ।

भावत्यम्भित्यम्भित्यम् ।

भावत्यम्भित्यम्भित्यम् ।

भावत्यम्भित्यम् ।

भावत्यम्भित्यम् ।

भावत्यम्भित्यम् ।

भावत्यम् ।

कांत्रकटको भूगी

আন্নান ইছি। প্রশিষ্টি শিষ্টা প্রম্বীতিমান্ রীয়া ১০৬। সাইছিও সার্থ নিজন্বিনাশ্যন, অনিকান্তন্তন। তেইছি তে প্রিক বিল্লেখন প্রমান্ত স্থা, প্র্থান্তন্ত ইপ্নিমিন, তে তের সুলাই সৈন্তব্যাহ, মুকা বিশ্লেশ কৃষিক গালিকা মহাবলা হা ভীয়া আছেছা ১০৬।

र्रात्रि र त्यहम्, ध्वर परेम्छान् विनागदस्म । एकः स्राठिनिविष्टेष्ट्य १०१६ के दर्शति । ११ क भारतस्म १६ । पाहणभाग श्रेष हेडि स्वयः १०७६ श्रुवरुषि ह। धनीत्र नि कोदवर्गस्थानि । एन्याविष्टः भास्त्रवानाम् १००।

পুৰ্বকাৰে ইন্দ্ৰ যেমন অভ্যৱস্থাকে বিনাল করিতে থাকিয়া নানাবিধ ধাণ-সমূহ নিজেপ করিতেন, সেইরপে মহাধয়গুর ভীগাও মুদ্ধে শ্রুগণকৈ সংহায় করিতে পাকিয়া নানাবিধ বাণসমূহ নিজেপ করিতে লাগিকেন ৫০৫॥

মহারশ্য যেমন আপন মূপ হইতে বিভিন্ন হয়, ভয়হরমূর্ত্তি ও মহাবল ভীষ্মত ভেমন আপনার সৈতাসমূহ চইতে বিভিন্ন হইয়া বিপক্ষণকে বধ করিতে লাগিলেন, তখন ভারার, উাহাকে পরিস্কাণ করিয়া প্রায়ন করিতে সাগিল ৪০৬৪

শক্তাপন রাজা : বেত এইজাবে আপন দৈয় সংহার করিতেছেন দেখিয়া একমাত ভীমট উৎসাহিত ও প্রজুল চইয়া পাওবগণকে শোকার্ত করিতে থাকিয়া তথ্যাধনের প্রিল্কার্য্যে অভিনিবিট হইলেন ১০৭॥

নরনাথ। ভীম ছ্স্তাজ জীবন ভাগে করিতে উন্নত হইয়া এবং সেই মহাযুদ্ধে ভয় পরিভাগে করিয়া পাওংসৈক্ত বিনাল করিতে লাগিলেন ১০৮॥ শ ভীখাং শরকালেন মহতা সমবাকিবং।
সৈতকাপি তথা ভীখাং শরোধিং সমবাকিবং ॥৪০॥
ভৌ ব্যাবিধ নক্ষত্তো মতাবিধ মহাদিপো।
বাজাবিধ প্রসংস্কাবভোজনভিজ্ম হং ॥৪১॥
ভারেররাণি সংবার্থা তত্ত্তো পুক্ষরতে।।
ভীমাং সেতক মুমুদে পরক্ষরবাধিনিয়ে।
ভারেং পরমসংকৃদ্ধো যদি খেতের ন পাল্যের ॥৪০॥
পিতামহং তত্তা দৃষ্ট্য স্কেত্র বিমনা হুছ্র ॥৪৪॥
প্রহর্ষণ পাওবা ক্যাঃ পুত্তের বিমনা হুছ্র ॥৪৪॥

ভারতকো সৃদী

সাইছি। সংখ্যাং সম্বাকিত্য স্থাপুণে ১০০। ছাবিছি। নগলো গগলো হেলার্থে আসংবস্কৃতে ১০০। অধৈবিছি। ভীয়াং খেছক অকৈবয়ানি সংবাধা মূদুৰ, ডাসংগ্ৰাপুন্ধতে) প্রকাশ ব্রিবিধী বজ্বভূতিতি সম্ভাগেত্য

প্রং সম্বেশাচ্ছতি স্থার:। একাজেতি। আ শহাধনস্থানার, ১৭%।

ওদিকে বিরাটদেনাপতি খেত আপন দৈক সংহার করিছেছেন দেখিয়। আপনার জ্যেষ্ঠততে দেববুও ভীম স্থর উহিলে অভিমুখে গমন করিলেন ১০৯৪

তথ্য খেড বিশাল শরভালে ভীমকে আরুত করিলেন, ভীমও সেইকপ বাবসমূহদার। খেডকে আছের কবিলেন ॥৬ -॥

সেই সময়ে ত্ইটা বুষের জায়, তুইটা মত মহাছতীর খায় এব তুইটা ব্যায়ের স্থায় উহিলো হই জনে অভান্তকুক হইয়া গছনে করিছে থাকিয়া প্রশাস আঘাত করিতে শাগিলেন ১৭১০

ভীম ও খেত অনুধার। অসু নিবারণ করিয়া ধুক করিতে লাগিলেন। ভাহার পর সেই পুরুষভোষ্ঠেরা পরস্পর বধাভিলাষী হউলেন ॥১১॥

যদি খেও রক্ষা না করিতেন, করে অভিজুক্ত ঐম একদিনেই বাণদার। পাওবদৈয় সংহার করিয়া ফেলিডেন ।৭গা

ভদনস্থ খেড ভীমকে প্রামুধ করিয়া ফেলিয়াছেন দেখিয়া পাওবের। আনন্দ লাভ করিলেন এবং আপনার পুত্র ছ্যোধন বিষয়চিত হইলেন এ৭৪৫

⁽४४)---विमनाश्चवय---वां नि ।

হতো দুর্ব্যাধনং কৃষ্ণ পার্বিরং পরিবারিকঃ।

দর্শিকাং পার্বানীকমভা দ্বত দাবুর্গ ॥৪৫॥

হুন্মু বং কৃত্র্বাচ কুপং শ্লো বিশাংপতিঃ।

হুন্মু ভ্রুব্যাদার তব পুরেন নোদিতাং ॥৪৬॥

দুন্মু। ছু পার্থিবং দর্বৈর্গ্রাধনপুরেগ্রিনং।

পার্বানামনীকানি বধানানানি দংগুর্গে॥৪৭॥

শেতো গাল্মেয্র্স্কাতব পুরুক্ত বাহিনীম্।

নাশ্রামাদ বেগেন বামুর্কানিবৌজদা ॥৪৮॥ (মৃথাকম্)

দ্বিয়িল চমুং রাজন্। বৈরাটিঃ রেনাধ্যুদ্ভিতঃ।

আপত্র সহদা ভূয়ো যত্র ভীল্মো ব্যক্তিঃ ॥৪০॥

বেই হ্রোপ্যতের বাজন্। শ্রুবির্গি মহাবলী।

অসুর্বোতাং মহাদ্বানী ম্রেণ্ডের হ্রুবাদ্রো ॥৫০॥

ভারভকে। মুদী

দিকালংহাতি। তে সৰ পুৰু ভূগোৰন, বিননা বিশচ্চৰ এনন ভাত ইবি । শাতৰ বিন শবিৰেটিত । সামূৰ্য সম্বাজ্যন এবং । দুকুৰ ইবি । বিশাৰ্শতি, বাজা । জ্ঞাপু ব্ৰক্ষা । নোদিভাং প্ৰেৰিডাং এবন দাত্তি অনীকানি দৈকানি গাংকাই শীক্ষা । শুজাপু ব্লেন এবং ৪৮০ দাক্ষিকেটি । বৈবাটি বিব টেকুলি । বাজং, কোন্ধেন স্কিতেই চদকান এবং

ভাষার পর তুর্যাশেন ক্রন্ধ ও রাজগণে প্রিবেটিত হটয়। আপন সৈক্ত কাইয়া মূল্যে পাওবলৈকের প্রতি ধাবিত হটলেন ॥৭৭॥

এব জুন্ম, কুভবন্ধা, কুপাচার্যা ও শলা রাজা ইচার। চ্রো।ধনের আদেশে মাইয়া ভীমকে বক্ষা করিতে লাগিলেন এ৭৬ঃ

ভষন ভূষোধনপ্রভৃতি রাজার। সকলে যুক্তে পাওবলৈয়া সভার করিতেছেন দেখিয়া বেভ ভীমকে ভাগে করিয়া—আপন বলে বাগু যেমন বুক বিনাল করে, সেইরপ বেগে ছুযোগেনের সৈতা বিনাশ করিছে লাগিলেন 18৭ ৭৮॥

রালা ৷ তদনভূব বিরাচপুত্র খেড কৌরবলস্থা দমন করিয়া কোধে হাডজান হউয়া—যোগানে ভীম ভিলেন, সেট খানে পুনবায় জ্ব গমন করিবেন ৪৯১৪ অভোগ্যন্ত মহাবাজ ! প্ৰস্পাৰবধৈনিথা ।
নিগৃহ কান্ধুকি বেচো ভালি বিবাধ সপ্ততি: ॥৫১॥ (গুথাকম্)
প্ৰাক্রণ ভত্তত প্ৰাক্রমা প্রক্রেমী ।
ভ্ৰমা ব্রেশ্যাস মতো মভ্যিৰ ছিপম্ ॥৫২॥
বেচাং শালুনক ভূল: শবৈ: সম্ভপ্রভি: ।
বিবাধ প্রুবিশভায় ভদমু হলিবাভবং ॥৫৩॥
তং প্রভাবিধাভশভিতাম: শান্তন্ত্রাভবং ॥৫৪॥
শ বিদ্যানে ব্রেলা নাক্রপত মধাচন: ॥৫৪॥
বৈরাটি: সম্বে কুরো ভূশমান্য্য কার্যুক্য্ ।
আজ্লান ভ্রেটা ভালে বেড: ক্রিয়ন্দ্র: ॥৫৫॥

ভারতকোমুদী

ভাবিতি। উপলংগী নিলিটো, প্ৰেণ প্ৰচেষ্ট্ৰ নিগা উল্লেখন নিগৃত্ব নিশী চা
পুৰ পুলাপুৰেতাৰ । সংগতি কৰি বিতি প্ৰেল্ড হল নাইছ প্ৰেটি । ডিজ বেল্ড, প্ৰাজনী চামা । ডাৰ্স বলেন থিপা হলিন্দ্ লেনা ক্ষেত্ৰীজি । একন প্ৰবিশ্বাহা প্ৰৈলাভন্মেৰাভুত্মিসি চাৰা লেনা গুলিডি । সংগ্ৰহ, ডেন চীংম্বা । মাচৰ প্ৰছো লেনা বৈর ক্ৰিডি । সংগ্ৰা আক্ষা । ক্ৰিডাৰণ নন্দা প্ৰিপ্ৰাণান্যন্ত্ৰ, লেনা

মহারাজ। শংক্রেজ উজ্জল, মহাবল ও মহাখা ভীম ও বেট সেই স্থানে মিলিত ও প্রস্পাব্ধণাভিলাষা হট্যা ইন্দ্র ও বৃত্তাস্থ্যের স্থায় প্রস্পার মুদ্ধ ক্রিতে লাগিলেন: ভাষার মধ্যেই পেড দট্টাবে ধতু ধার্থ ক্রিয়া সাডটা বাগ্যারা ভীম্বে শিস্ক ক্রিলেন (৫) ৫১৪

ভাষার পর পরাক্রমশালী ভীম পরাক্রম প্রকাশ করিয়,—মন করী মেন অপর মত হত্তীকে বলপুকাক বারণ করে, সেইরূপ খেতের পরাক্রম বারণ করিকেন ২০২০

ছংপরে খেড অবন্তপ্র প্রবিশ্বতি ধ্বহার। পুন্রায় ভীমকে বিদ্ধ ক্রিলেন; সে ব্যাপাষ্টা যেন অভুত ধলিয়াই বোধ ছইল রণ্ড।

তখন শাভ্যনদন ভীমত দশটা বাণহারা বেডকে প্রতিবিদ্ধ করিলেন, কিন্তু বলবান্ খেড ভীমকর্ক প্রতিবিদ্ধ হইয়াও প্রয়েচর ভায় কম্পিত হইলেন না ॥৫৪॥ সংগ্রহণ ভাগ বেরং ফ্রিণা পরিসংবিহন্।
ধকুলিচ্ছেদ ভাগিত নহছিদ শাধা শারৈঃ ৪৫৬॥
সভাগ বিশিগদৈশৰ শারং লোমপ্রাহিন্দ্র।
উদ্মান্ত ভত্তেশা ধর্মজনীয়া মহায়ন, ৪৫৭॥
কে হুং নিপতিতং দৃষ্ট্র ভাগিত তন্যান্তর।
হতং ভাগিমন্ত্র পেত্তা ব্যাধিত্য ॥৫৮॥
পাওবা অপি সংক্রী দেশাঃ শারান্ত্রমান্তর:।
ভাগিতা পতিতং কে হুং দৃষ্ট্রা ভালে মহায়নঃ ॥৫৯॥
ভাগেতা প্রতং কে হুং দৃষ্ট্রা ভালে মহায়নঃ ॥৫৯॥
ভাগেতা ভ্রেণাধনঃ ক্রোধার স্বানীক্রনোদ্যর।
মতা ভাগিং প্রীংশদার স্বানীক্রনোদ্যর।

ভারতকৌমূদী

জাত টিলি , অনীকা সৈক্ষ, অনেনাদ্যে ইপ্রস্তাহ, কিনুক্ত আনেনান্য্যিতার সা**র্** লোকেন যুৱা হরবত সভি যুখ্য প্রীক্ষকণ পরিশ্রক্রম্ব্যুদ্ধ

ভদনস্থর বিবাটপুর করিয়ানন্দকারী খেড কুদ্ধ ইইয়া ধনুধানাকে অন্ত্যস্থ আক্ষণ করিয়া যুক্তে ভীমকে আঘাত করিলেন ॥৫৫॥

ভাষার পর খেত হাত করিয়া ওলপ্রাস্থ লেতন করিছে ও।কিয়া নয়টা বাণখার। ভাষের ধরুধানাকে দশ গতে ভেদন করিলেন ॥৫৬॥

তংপরে বেড শিধাশ্য ও করপরসূজ একটা বাধ সক্ষম করিয়া মহাত্মা ভীমের ভালধ্যের উপরিভাগ ছেদন কথিয়া ফেলিলেন #৫৭#

তখন চীমের ফজে নিপতিত হটল দেখিয়া এবং তিনি বেতের বশীসূত হটমাছেন লক্ষা করিয়া আপনার পুতেরা তাঁহাকে নিহত বলিয়াই মনে করিলেন গণনা

ভীমের তালপ্রজটাকে পতিত দেখিয়া পাওবেরাও আনন্দিত হইয়া সকল দিক্ হইতে শত্ধ্বনি করিয়া উচিকেন ১৫৯॥

⁽⁴⁵⁾ প্রেছে চরণে বেডে বা। (৫৯) পার্যাকাপি শুখ্যমুদ্ধার্ডাঃ রানি । (৬০) অমনীকনচোলন্থ বা।

মা নং প্রাপশ্যমানানাং কেতান্ত্রমবাংসাতি।
ভীন্নং শান্তমবং শ্রন্তপা সতাং ত্র্বামি বং ॥৬১॥
রাজন্ত বচনং প্রন্তা বর্মাণা মহার্থাং।
বলেন চতুরকেণ গালেখনস্থপাল্যন্॥৬২॥
বাহ্লিকং কৃত্র্যা চ শলং শলাশ্চ ভারত।।
ভালস্থো বিকর্ণত চি ত্র্মেনো বিবিংশতিং ॥৬৩॥
ভ্রমাণাস্তরাকালে পরিবার্থ সমন্ততং।
শান্তমুখি ভাতুমুলাং খেতভোপর্যপোত্যন্॥৬৪॥ (নৃথাকন্)
ভান্ কৃদ্ধো নিশিইভ্রাবৈশ্ব্রমাণো মহারথং।
ভাবার্যদেমেখারা দশ্বন্ পাণিলাম্ব্য ॥৬৫॥
সমিবার্থ তু ভান্ স্রান্ কেস্বী কুল্বরানিব ঃ
মহতা শ্র্বর্ণে ভীন্নভ ধ্রুবজ্নির ॥৬৬॥

कारकरको मुन्नी

भिति। तः महातम्, जनक्यासासाः जनकरम् १५५। दक्षिति। उद्यक्ति स्कृति रक्षाप्यस्थनश्चातिकभाषि एक . इस १५०। कृति एक एक महात्र्य, हे २३१३ वादिलक हेति। भविषाया (१८६८) १५० -५५॥ कृतिहि। कृत्यसान् कृतकरम्बि, ८५७, मामिलायस इस्नीयहम् १५४।

ভদনপুর ত্যোগেন কোষে আপন সৈত পেবল কবিলেন (এব বলিপেন—)
'ভোমরা যারবান্ হইমা সকল দিক্ চউডে বকা কবিতে থাকিয়া চামকে
পরিবেটন কর ৪৬০৪

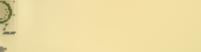
অংমি ডোমাদিগকৈ স্তঃ বলিতেছি—খাষ্ট্নকন মহাবীর তীম যেন আমাদের সমক্ষেই বেভেব হতে মৃত্যমুখে পতিত না হন' ছে:॥

রাজা হুর্য্যাধনের আদেশ ক্রিয়, মহার্থেরা হ্রাছিড চইয়া চতুরক সৈত। লইয়া হাইয়া শীহকে রক্ষা করিছে লাগিলেন ॥৬১॥

ভবতনক্ষা বাহ্নিক, কতবর্মা, শল, শলা, জলস্ক, বিকর্ণ, চিত্রসেন ও বিবিংশতি এই স্কার্থেরা সেই ধ্রার সময়ে সহর কইয়া সকল দিকে বেইন করিয়া সেতের উপরে অভিজুমুল অস্তব্যু করিছে লাখিলেন ॥৬০ ৬৭॥

তথ্য ক্র, মহারথ এব 'অভেয়শজি বেডও সহর হট্য। লঘ্রস্ত। দেখাইতে থাকিয়া নিশিত বাৰসমূহছার। ভারাদিগতে বারণ কবিলেন ॥৬১॥

(৬১) ভা=তে প্রমানাক্ষন্ বেডেংক্রমধ্যাকা° সভা র্টীমি তে—ব । (৬৬) স্নিব্ধিঃ তু ধত্রাছিন্ম—বানি ।



তত্তিহিতান্তম্বাদায ভাষা শান্তনবো বুধি।
শেতং বিবাধি বাজেন । কলপত্তিঃ শিতিঃ শবৈঃ ॥১৭॥
ততঃ সেনপেতিঃ কুজা ভাষা বহু হিরাম্টেশ।
বিবাধি সম্বে বাজন্ । সর্বলোকতা পশ্যতঃ ॥১৮॥
ততঃ প্রের্থিতো রাজা ভাষা দৃষ্ট্য নিবারিত্য।
প্রেরং সর্বলোকতা খেতেন যুধি বৈ তলা ॥১৯॥
নিঠানকন্চ অমহাশত্তব সৈতাতা চাত্রহ।
তং বারং বারি শাদ্দী। খেতেন শর্বিকত্য ॥৭০॥
হলং খেতেন মতান্তে খেততা বশ্যাগ্রহা।
তেঃ ক্রেধ্বণ প্রাপ্তঃ পিতা দেব ব্রত্বে ॥৭১॥

छात्रकरको मुगी

সনিধি কেন্দ্ৰি ক্ষিত্ৰ, স্কৰণৰ ইন্দ্ৰিণ ক্ষিত্ৰ প্ৰতি ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্

ত্র সিত্থেমন চতিগণকে বারণ করে, সেইকপ পেত উল্লেখর স্কলকে বারণ করিয়া বিশাল শ্রব্ধগ্রাবা ভী্মের ধ্যু ছেলন করিলেন ৪৬৬॥

রাজ্যের । ভারার পর শাসূত্রকার ভীম অতা ধরু লইয়া করপেত্রসূক নিশিও বাবসমূহভারে মুক্তে বেডকে বিজ্ঞারিকেন ১৬৭৪

বাজা। তংপরে বিবাটদেমাপতি বেছও জেলুক হটয়া বড়তর লৌহসয় বাশবারা সমস্থ লোকের সমক্ষে যুক্তে ভীমকে বিদ্ধা করিলেন ॥৬৮॥

ভিদনসূধ খেড মুক্তে সমস্ত লোকের মধ্যে প্রধান বীর ভীমকে তথ্য নিবারণ করিলেন দেখিয়া, রাজ্য সুয্যোধন বিলেব ত থিড হইলেন ৪৬৯৪

শেত মহারণির ভীমকে শরবিক্ষান্ত করিয়া বারণ করিলেন দেখিয়া আপনার দৈয়গণের গুক্তর ভয় উপস্থিত হইল #৭০#

এব ভরতা লোকেব। মনে কবিল যে, ভীল লেতেব বণীচ্ত হইয়াছেন ধলিয়া নিজ্ডই ছইয়াছেন। ভাহেরে পর আপনার জোঠভাত ভীল কুল ছইলেন ঃ৭১ঃ

(७१) कदमरेबः लिलान्दिरः—याव। (१०) क्वीवः इतिरुप्ति। याव।

स्वक्ष्यविकः मृख्या डाक (मनाः निवादिकाय्।
स्वकः श्रिकः श्रिकः विकाद्यः मायकान् वक्षन्॥१२॥
डानायां इत्य (भर्ता डीजाक इतिमाः वदः।
स्वान्ध्रिकः ज्ञान भूनत्वय शिक्रकः ॥१०॥
डेदरका कार्याकः वाक्षन्। जारम्यः (क्रामयृष्टिकः।
स्वायः कार्याक्रमानाय विभूतः वत्तवस्वय्॥१८॥
डेव मक्षायं विभूतान् इज्ञान् मश्र लितालिकान्।
कङ्किः स्यानायान् (भवक भृतनालिकान्।
कङ्किः स्यानायान् (भवक भृतनालिकः॥१८॥ (गृथाक्ष्म्))
स्वकः पानाकः विरुद्धः मश्रामय के मायर्थः।
स्वितिकः कर्तानायान् कार्यायः मायर्थः।
क्रिकं स्वायम्वरं माय्यावकः मायर्थः।
स्वायम्वरं माय्यावकः मायर्थः।
स्वायम्वरं माय्यावकः मायर्थः।

ভারতকোম্দী

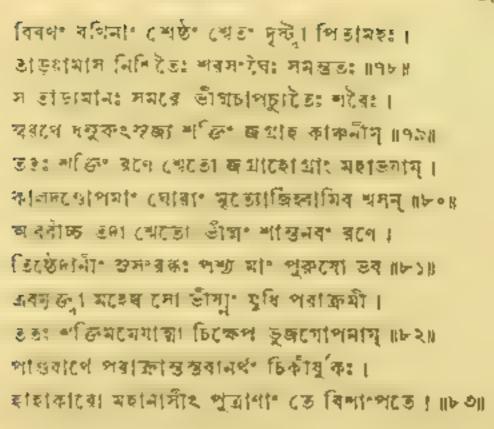
শংক্ষিতি। উন্ধিত চিন্ত্ৰ ব্যক্তি বিশ্ব ক্ষিত্ৰ বিশ্ব বিশ্ব

মহারছে। ধ্রম্প্রটাকে নিপ্তিত এবং সৈত্রগণকে নিবারিত দেখিয়া জীয় খেতের প্রতি বহুত্র বাধ নিকেপ করিলেন ॥৭০॥

বথিছোষ্ঠ খেত যুক্তে সেই বাণগুলিকে নিবারণ করিয়া ভল্লখারা পুনরায় আপনার জ্যেষ্ঠভাত ভীমের ধহু ছেনন করিলেন ।৭০।

রাজা। তথন তীম ক্রোধে অধীর হইয়া সে ধরুখানাকে তাগে করিয়া, বিশাল ও স্থৃদ্দ অর্থ একখানা ধরু লইয়া, তাহাতে লিলাশানিত সাডটা বিশাল ভল সন্ধান করিয়া, ভাহার চারিটাম্বারা বিরাটসেনাপতি খেতের চারিটা অধকে বধ করিলেন ১৭৪—৭৫৪

এবং মহাবিক্রমশালী ভীম অতাভ্রুক হইয়া ছুইটা ভল্ছারা শেতের ধ্যস, আর একটা ভল্লারা তাঁহার সাব্ধির মতক ছেদন ক্রিলেন ॥৭৬ঃ



कावस्टरकोम्मी

বিত্যাধি পিট্যত, ভাগ্স সম্ভঃতঃ দেহজা স্থাজ দিকু (৭৮) স্থান্ধ সাধ্যাধ্যাধ্যাধ্যাধ্যা

ত্ৰ উ.শ. অভাৰতিখ্য, কালনভোগনা মহাভাগে, মৃত্যাভিছৰানিৰ খোৰাম্বাচনৰ

অনুবাদি র । ভূদাবর অস্বৈত্রা লোম। বিশ্ব প্রাথ্যেতি ভবি, দেখা

তাব্ ও সার্থি নিগ্র চুট্লে ন্রার্থ বেত রখ চুট্তে লাফ্ট্রা পড়িয়া ত্যোগে অধাব ও বিশেষ আকুল চুইলেন ॥৭৭॥

তখন ধবিছের বেডকে বগবিলীন দেখিয়, ভীম নিশিত শরসমূহধাবা উতার দেতের সকল দিকে ভাড়ন করিলেন ॥৭৮॥

ভীয়ের ধরু ভইতে নির্মান ধাণসমূহ আসিয়া ভাষন করিতে লাগিলৈ খেও আপন রপে হতুসানাকে নিকেপ করিয়া একটা অর্থচিত শক্তি প্রহণ কবিলেন ॥৭১॥

খেত নিশ্বাস ভাগে করিতে থাকিয়া যুদ্ধে যে শক্তিটা গ্রহণ করিলেন, সেটা অভাগতঃ উপ্রসৃদ্ধি, কালদণ্ডের স্থায় মহাভয়ত্বর এই মৃত্যুর জিহবরে স্থায় ভয়নিক ছিল ১৮০॥

ত্রখন ব্যেত অভায়কুছ চইয়া যুদ্ধে শাস্তমূনকান ভীমকে বলিলেন— 'এগন থাক, আনাকে দেখ এবং পুক্ষ চও' ১৮১৪ দৃদ্ধী শক্তিং মহাবোরাং মুর্লোদ ওসমপ্রভাব।
প্রেত কর্নিশু জাং নিশু জোবসদ্ধিতাম্ ॥৮৪॥ (বিশেষকা)
অপত্র সহসা রাজন্ : মহোক্ষের নততলাং।
হলতীয়ে তুরাক্ষে তাং হালাভিরির সংস্থান্ ॥৮৫॥
অস্থান্তরণ রাজন্ । পিডা দেবতত্ত্ব।
অক্টির্নিভিজীমাঃ শক্তিং চিক্ষেদ প্রিভিঃ ॥৮৬॥ (মুখারম্)
উৎকৃষ্ট্রেমবিক্তা নিক্তা নিশিকৈঃ শবেঃ।
উচ্চু কুন্ততেঃ সর্বে তারকা ভর্তর্ভ। ॥৮৭॥

छात्रक्षटको भूगो

নাৰ্মিতি ৷ মাংচ্ছাংক মহাধ্যন্ত থেছা ৷ ডিবীৰুক, কঠুনিজ্ন ৷ তাৰ্থ ক ৷

কাৰেণ নিশ্ব কা নিশিলাম্ নিশ্ব কো নিশ্ব কাৰ্য দ উৱলা দল্লাদ্রিভাম্নত — ৮৭॥

অপ্সাহিতি ৷ জালাভিবভিতি আদ্ধান্ধ কিব, শ্বিত এব ৷ মাই ভালবিভিবাবে,

নাৰ্ভি, মইল্লা, আা শক্তিৰ ভিজেদ, মাইভিজেশ্য নাৰ্যত এব ভবিছি ৮০০ - ৮৮॥

উল্লেখিত ৷ উম্ভাইন জেল বিক্ত মহিলা, নিজ্ত নিবাৰত উজ্জুলা
আন্দেন্টেল্ড, কোলাহলা চাৰ্, ভাৰক স্থান্ধ কাৰে তেখা

মহাধনুদ্ধন, প্রাক্রনালী ও অনেয়পতি (বত গুলে ভীমকে এইরপ বলিয়া, আপ্নার (ধৃতরাট্রের) অনর্থ ঘটাইবার ইক্ষা করিয়া পাওবগণের লয়ের জন্ম স্পতুলা সেই শক্তিটাকে ভীমের প্রতি নিক্ষেপ করিলেন। নরনাথ। তথ্য মহাভ্যমত, যমনতের তুলা উদ্দল এবং নিস্ফু স্পের সমান দংগ খেতহত্তনিক্ষিত্ত সেই শক্তিট দেখিয়া আপ্নার পূর্গণের মধ্যে মহা হাহাকাব উপক্তি হইল ॥৮২—৮৪॥

রাজা। বিশাল উক যেমন আকাশ হউতে পতিত হয়, সেইক্রণ সেই শক্তিটা বেগে ভীমের প্রতি ধাবিত হউল। বাজা। তথন আপনার ক্রেইভাত দেবতত ভীম ক্রি থাকিয়াই আটটা বাল্যারা শিখাবেউতেব ক্যায়ই যেন আকাশে জাজ্জামান সেই শক্তিটাকে নয় গতে ছেলন কবিয়া কেলিলেন ৮৮৫—৮৬৪

ভরভাছের। ইত্রমক্রিটাত সেই শক্তিটা ভীমের নিশিত শরে প্রতিচ্ছ হুইল ব্লিয়া আপনার পক্ষের স্কল লোকই আন্দের কোলাহণ ক্রিয়া উঠিল ৮৭।

⁽be) আলাভিৰভিদাৰুভাষ্—ৰ বঃ (bn) উৎভটাহমবিজভাং ভিক্তাৰু বা নি।

শক্তিং বিনিহ্ছাং দৃদ্ধী বৈরাটিং ক্রোদমূর্তিইছে।
কালোপই ইচেছার করিবাং না হাজানত ৪৮৮॥
কোদমংস্টিইটো রাজন্। বৈরাটিং প্রাহসনিব।
গুদাং জ্বাহে সংক্রেটা ভাষাক্র নিধনং প্রতি ॥৮৯॥
কোদেন রক্তন্যানো দণ্ডপাণিরিবান্তকং।
ভাষাং সমন্তিটোর জলোঘ ইব পর্বভ্রম্॥৯০॥
ভক্ত বেগ্যসংবার্থাং মহা ভাষাঃ প্রতাপবান্।
প্রভারবিপ্রমোক্ষার্থাং মহদা ধর্ণাং গতঃ ॥৯১॥
কোহা কোদম্মাবিটো ভাম্যিহা তু ভাং গ্লাম্।
বথে ভাষাক্র চিকেপ যথা দেবো ধনেপরং ॥৯২॥
ভ্যা ভাষানিপাতিয়া স র্থা ভক্ষসাং কৃতঃ ।
সালজং সহ সূত্রন সাখাং সহযুগক্ষরং ॥৯৩॥

छाउउटको भूमी

শক্তিনিটি। বৈকাশি কোটা নাডাজানত নিশ্ববিদ্যানাশকোম ১৮৮॥ কোথেতি। নিশ্বা পতি নিধ্নেজাম্ভাই, ১৮২॥ কোণেশনতি। বজন্মনা কেড., জন্জা শ্যে বেশ্য ১৮২॥

তে তেতি। এই ইবিরানোকার্য সধায়াও বিজ্ঞারণাভার্য, ধ্রণা পাড়ে। জুমার্যরুষ্ট শক্তিয়ে রখা প্রাক্তির ক্রানিকেশোপ্রমা সাই লাগিয়ে (১৯)।

६च है है रिक्षा भागवंदा कुरददा, जिल्लामि सम्राट्याभि हया कामिटका अभवत

কিন্তু স্থানিক প্ৰতিষ্ঠ দেখিয়া ক্ৰোধে অধীয় ও কালোপক্তচিত্ৰ হুইয়া অথ্যে কওঁণা ক্ৰিক্তি পাৰিলেন না ॥৮৮॥

ভালার পর খেড ক্রোধে অধীর অথ চ সংস্কৃত হইয়া হাসিতে হাসিভেই যেন ভীমের নিধনের জয়া গদা ধারণ ক্রিপেন ৮৯॥

ভংগবে জালের বেগ যেমন প্রস্তের প্রতি ধাবিত হয়, সেইরূপ ক্রোধে আরজনয়ন মেত দওধারী যমের ভায় ভীমের প্রতি ধাবিত হ**ইলেন ॥১০॥**

থেতের বেগ অনিবাধা মনে করিয়া প্রভাপদালী ভীম খেতের প্রহার হইচে মুক্তি পাইবার জন্ম তংকগাং রখ হইতে লাফাইয়া ভূতলে পতিত হউলেন ১৯১৯

এদিকে ক্রোধানিট বেড কুবেরদেকের ফায় সেই গদাটাকে ঘূর্ণিত করিয়া ভীয়ের রথের উপরে নিক্ষেপ করিলেন ॥১১॥

১৯১) প্রভাবনিপ্রযোক্ষর্ম বাব । (১২) বেও: ফোর্বলাবিট: না । (১০) -মার স্থুব্যসূত্র—মানি । বিরপণ বিধনাণ জেন্তি জীলাণ দৃষ্ট্যা রপ্রোভনাং।
আভাগবিত্ত সহিতাং শলা প্রভ্রত্যা রথাং ৪৯৪৪
তত্তিহিন্তা বপনাকাষ পত্রিকার্যা জুক্ষনাং।
শনকৈর ভাগতিজ্ব তা পালেখাং প্রহদলিব ৪৯৫৪
আহমিন্তাকে হালাং শুলার বিপুলাণ গিরম্।
আকাশালিবিতাং দিবামোরানো বিত্রসম্ভ্রাম্ ৪৯৪৪
ভীলা। ভীলাং মহাবাহো। শীলা গরণ ক্রপ বৈ।
আম হালা জ্বে কালো নিন্তিটো বিশ্বোনিনা ৪৯৭৪
এইচ প্রায়া ভূবচনা দেবদূতেন ভাস্তিম্।
সম্প্রিকটানা ভূৱা ব্যে হলা মনো গ্রেম্মান্তম্।

ভারতকৌমুদী

ভূখন ভীত্মনিপাতিনী সেই গদাট, যাইয়া ধ্বন, সাব্দি, কথা ও যুগকর-কাঠের সহিত সেই রপথানাকে বিধবত কবিল ॥২০॥

এট সময়ে রখিছে। ভাষকে রপবিহীন দেখিয়া শলাপ্রভি বধিষ্ঠে। সুগারোহীয়া সন্মিলিত হইয়া বেডের দিকে ধাবিত হইলেন ৮৯৪॥

এদিকে রখ্বর সনিবন্ধন তৃঃখিত্তি ভীম্প অক্সবংশ আবোচণপ্ককে ধন্থ বিক্ষারিত করিয়া ধীবে ধীরে সেতের দিকে ফাইডে লাগিলেন ॥১৫॥

এই সময়ে শ্রীম — আকাশ হইতে উচ্চাৱিত, নিজের হিডাননক ও মনোহর একটা স্থীয় বাকা শুনিতে পাইলেম— ১৯৬।

'শীম। ভীম। মহাবাদ। তুমি সহর পেতকে বধ করিবাব জন্ম চেটা কর। কারণ, বিধাতা এইটাই উলাব ভয়ের কাল নিদিট করিয়াছেন' ১৯৭॥

ভীম দেবদুভের এই বাকা শুনিয়া আনন্দিত্তিও হইয়া খেতের বংগ মুমোনিবেশ করিলেন ১৯৮১

(৯৬) - আকালোদীরিভাষ্ হিতসংহারাষ্—বাং

বিবরণ ব্যন্ত প্রান্দ্রে দ্বালু প্রান্ত ।
সহিত্য লবত ও প্রান্দ্রে মহারপাং ॥৯১॥
সাহাকি ভীল্দেন্ত প্রতিয়াল্লচ পার্যতঃ ।
কৈকেলাে প্রতিকে চুল্চ অভিন্নালচ বীর্যবান্ ॥১০০॥ (যুগাকন্)
কলাপতালাে দৃষ্ট্য দেশিলাকেলৈঃ সহ।
অবার্যদ্রেলা র বারিবেলানিবাচলাঃ ॥১০১॥
সাহাককেল সাবেল পান্তবন্ধ মহাজ্ঞা।
কেল হত্য লগাক্ত ভীল্লে ধ্যুবাজ্যিন্ত ॥১০২॥
ভলপাক্ত নলুলিভ্রণ দ্বনাধাঃ পিতামহঃ ।
দেবল হবচঃ ক্ষ্মা বনে হজ্ঞ মনো দশে ॥১০৩॥
ততঃ প্রচর্মণে র পিতা দেবত্ত্ত্ব ।
অতাং কা্ল্ম্কিমানাৰ ব্রহাণাে মহারথঃ ॥১০৪॥

ভারতকোমুদী

বিরম্থিতি প্রক্ষাত্ত বকিতৃথিকেও পাইছ পুর্মণীয় ১৮৯—১০০৮ আম্নিতি আপত্ত আপক্ষাং আমেধ্যা আজ্ঞেনক্ষিতীয়া ১১০১৮ স্বিক্তেছিতি পত্তমূপত্তপদ্ধীয়েৰূপতাত্তিক জড়তিৰূপ-১৯৯ ভিনিতিং অপতাপ্ৰিল্পাঃ পিজামতা ভীম ১১০০৪

এই সময়ে সাতাকি, ভামদেন, প্ৰভনকান গৃইছায়, কৈকেয়, গৃইকেছু ও বলবান্ সভিমহা এই মহাবপের। রখিজেন্ঠ শেতকে রথবিতীন ও পাদ্ধারী দেখিয়া গাঁহাকে রকা কবিবাব ইজে, করিয়া সন্মিলিত হট্যা ওাহার দিকে ধাবিত হইলেন ।১১—১০০।

অভ্যেপরাজন ভাম ইতাদিগকৈ মাসিতে দেখিয়া প্রোণ, শলা ও কুপের সহিত মিজিত তইয়া পকতে যেখন জলের বেগ নিবারণ করে, সেইরপ ইতাদিগকে নিবারণ কবিলেন ৪১০১॥

পাওবপগীয় মহামাবা সকলে নিবাবিত চইতে খেত ভরবাবি আকৃষ্ণ কবিয়া ভীয়ের ধন্ত ছেদন কবিলেন ॥১০১॥

তথন লীম সেই ভিল্ল সমূ ওলগ কৰিয়া দেবস্তের বাক্য শুনিয়া সমূর শেতব্যে মনোনিবেশ করিলেন ৪১০০ঃ

(২২) - স্বিসাস ক্রব্যু প্রীক্ষে ম্বারগাং—বং। (১১১) এরানাগ্রতঃ স্কান্ রানি। (১০২) সামিককেমুক্রা নি। ক্ষণের সজানকবোজ্জানপেন্যপ্রভন্।
পিতা তে ভরতবর্জ । খেতা দুট্যা নহারগৈঃ॥১০৫॥
রতা তা মসুজ্বাত্মেনীনদেনপুরোলনাঃ।
আন্বর্ভত গাস্কের খেতা সেনাপতি। ক্রতন্ ॥১০৬॥ (বিশেষকম্)
আপতন্ত তত্তা হালো হামদেন প্রভাপবান্।
আজারে বিশিবৈং ষ্ট্যা সেনাতা ল মহারধং॥১০৭
মতিমসুঞ্জে সমরে পিতা দেবপ্রত্ত্ব ।
আজারে ভরতপ্রেষ্ঠিক্রিলিং সম্ভপ্রতিঃ ১০৮॥
সাতাবিঞ্জাতিরাকৈ ভরতানা পিলামহঃ।
স্কুট্যুক্ত বিশোলা কৈক্ষেকাপি প্রকৃতিং ॥১০৯॥
তাশ্চ স্বান্ মহেলাসান্ পিতা দেবপ্রত্বে ।
ব্রিয়িরা শ্রের্যেট্রং খেত্মেরাভিক্সন্বে ॥১১০॥

ভারতকৌমুদী

জ্য ইতি। প্রচন্ত্রণ, অভিদানন । সভা সভ্যন্ত (বিধিন্তি নিয়ান জন্ম সংগ্রাহণ বিধিন্ত বি

ভাষার পর আপনার ভোষ্টাত নহারথ ভীম সহব ইল্বয়র হলা অর একখানা ধর লইমা অপকালমধ্যে ভাষাতে গুলারোপণ করিলেন এবং ভরত-প্রেষ্ঠ। ভীমসেনপ্রভৃতি নর্মুন্ত নহারপেরা বেত্রে পরিবেটন করিছে আসিতেছেন দেখিয়া বিবাটসেনাপতি বেতের প্রতি জত ধারিও ছইলেন ৪১০৪—১০৬॥

ভাষার পর অভ্যতম সেনাপতি ভীম্যেন অংসিতে লাগিলে, প্রাণশালী মহাব্য ভীয় ব্যাস বাণ্যারঃ ঠাগাকে আঘাত কবিলেন ॥১০৭॥

এবং আপনার জ্যেষ্টভাভ ভরতশ্রেষ্ট জীম তিন্টা অবন্তপ্র বাণ্ছারা মুদ্ধে অভিনয়াকে প্রহার করিকোন ১১০৮৮

ভংপতে ভীক্ষ মুদ্ধে শতস থাক বাণদ্ধি সাভাকিকে, বিংশতিস থাক বাণ দারা ধুইপ্রায়কে এব, পঞ্স যাক বাণদ্ধির কৈকেয়কে ভাড়ন করিলেন ১১০৯৮

(১০৯) । बुक्द कर देखर्बबन्गारेशः --- सो ।

মহাভারতে

ভারতকোমুদী

প্রতীতি। তারস্থনা স্কল্পজাট্ডদ্যাধ্যম্থ বিরুদ্ধন্য ক্যা (১৯১) আপতি এস খেল এফ সময়েল ভলাম্যাধিনা স্বল্পমন্থা পুঞ্জিলে কছপ্র-ধারিপম্চস্থা

संदेशि । इक्रांचारका प्रश्निम्बर्गारक १८५०। सन्दर्भिति । स्थान सम्बर्भित (चन्।) यादा एच, क्रांविण कीत्रस्थ। १५५१

এই চাবে আপুনার জে চতাত দৌখ ভয়ন্তর বাবসমূহধার সেই সকল মহা-মুক্তিবকৈ বাবণ করিয়া বেশের প্রতিই ধাবিত ইইলেন ৮১১০ঃ

ভাষার পর মহাবল ভীত ধরু অকিখন করিয়া মৃত্যুর তুলা, স্কল্লকা ভিদকার, উত্য ও তুর্ধ একটা বাণ স্কেরে অভি সন্ধান করিলেন ৪১১১৪

তথন দেবসং, গছৰ, পিশাচ, নাগ ও রাজ্পের। ব্রহান্ত্রে হিছেছিও ও ক্ষপ্রধারী সেই বাণ্টাকে দেখিতে লাগিলেনে ॥১১২॥

ক্ষম মহাবদ্ধের জায় উজ্জ্ব সেই বাগটা ফাইয়া। অমিতদ্ভেজা খেতের কর্চ ও হুদয় ভেদ করিয়া ভূমির ভিত্রে প্রবেশ করিল ১১১%

অভোত্ত কুলা তেখন নিজের কিবণ লইয়া সহর আজাচলে গ্রন করেন, সেইরপে সেই বালটা আভের দেই ইউড়ে উভার ভীবন লইয়া গ্রন ক্রিল 1559।

তথন আমর। দেখিলংম—পর্বতচ্যত শৃক্তের ভারে হার ভীমনিহত নর্প্রেট বেড সূত্রেল পতিও হউলোন ১১৫॥

(+३३) समानस भ्यासम्— १ ति । (२२२) मनवित्रात्रोधनः सायः (३३०) मनाम क---वानि । অশোচন্ পাওবাসত করিয়ানত মহারথাঃ।
প্রক্রিয়ান্ত হারাস্থান ক্রেয়ান্ত মহারথাঃ।
প্রতা ছুনাসনো রাজন্। প্রতা দৃষ্ট্য নিপাহিত্য।
বাদি জনিনদৈর্ঘারের তাতি আ সমস্ততঃ ॥১১৭॥
ভবিষ্ হতে মহেলায়ের পিক্তিপ্রয়াহবংশাতিনা।
প্রেপান্ত মহেলানাঃ শিক্তিপ্রয়াহবংশাতিনা।
ক্রেয়ারণ শ্নেন্ড কুনিহতে বাহিনীপতে ॥১১৮॥
হতেহিবহার: দৈলানা তব ভেষাক ভারত।।
হারকানাং প্রেয়াক নদিভাক মুহত্তঃ ॥১২০॥

कारकरको मृत्रो

ভ্যতি। প্রশাস্থা কৃত্রে পুরস্থা ১১০।
আলাচ্ছিছি। ক্ষিয়া বিব স্থান । সুন্দা সংক্ষা হুটো পন দ্বার্ত্যা
ভঙ্গতি। সমস্থা অধানে স্কাশ্য দিক্ মুণন্ ১৯৭।
ভগ্নিছি। সংক্রানের বীশ্বাক্ষা ব্যাশানিক ১৯৮।
ভঙ্গতি। বাক্ষেয়া কৃষ্ণা আলোকর ব্যাশানিক ১৯৮।
ভঙ্গতি। বাক্ষেয়া কৃষ্ণা আলোকর । আন্তর্গ কৃষ্ণিব এন ১৯৯।
ভঙ্গতি। অনুভাবে কৃষ্ণিবর্গনা আভাগতি শেষ্টা হোণা শাহ্র ন ম্বার্থী,
ন্দ্রিয়ালের কৃষ্ণার্য্য ক্ষান্য প্রেষ্যাক্ষ্ণিব্যাশ্য বিশ্বাধ্যা বিশ্বাধ্য বিশ্বধ্য বিশ্

সেই সময়ে পাওৰের ও পাওবপকীয় বিবাটপ্রভৃতি মহারথ ক'র্যের। খেতের জন্ম শোক করিতে সাগিলেন, আর আপন্ধে পুরুষা ও অনুসকল কুরুপ্কীয়ের। আনন্দিত হটলেন।১১৬।

রাজা ৷ ভাছার পর ছংশাসম শেতকে নিপেডিত দেখিয়া ভ্যত্র বাজস্বনির সহিত সকল দিকে গুরিয়া গুরিয়া এতা কবিতে কাণিলেন ১১১৭॥

যুদ্ধলোঠী ভীম মহাধযুদ্ধর খেতকৈ বধ কবিলে শিখাদুপ্রভৃতি মহাধযুদ্ধর র্থীর, কম্পিত হইতে থাকিলেন ॥১১৮॥

রাজা। বিরাটদেনাপতি শেও নিচত কটলো অক্ন, ক্যা এব অক্ সকলেই ধীরে ধীরে সে দিনের মত যুক্তর অবসান করিলেন ১১১১৪

ভরতনন্দন : ভাষার পর আপনার পক্ষীর সৈত ও পাওবপক্ষীর সৈত গণের এবং মৃত্যু হ: সি চনাদকারী আপনার পক্ষীর ও পাওবপক্ষীর সেনাপত্তি-গণের যুদ্ধবিবৃত্তি হইবা #১২০॥

(३२०) एटए।६२३।वर टेम्ब्रानाम्डरस्य क काम्छ । नकाछाः वर्गशाः सना-ना ।



ভীগ—

পার্থ বিদন্দো ভূষা কবর্ত্ত মহারথা:।

চন্তবন্তো বধা ঘোরং ছৈর্থেন পরত্তপা:॥১২১॥
ইতি শীমহাশারতে শত্সাহাস্যাং সংহিতাহাং বৈহাসিকাণ ভীলাপ্রিনি
ভীলব্যে প্রথমনিবসমূকে শেতব্যে অস্টচ্ছারিণ্লোহ্ধায়ঃ॥০॥

উনপঞ্চাশভ্ৰমোহধ্যায়ঃ।

ধৃতৰাষ্ট্ৰ উবাচ।

বেতে সেনাপতে তাত ! সংগ্রামে নিহতে পরিঃ।
কিমকুর্বন্ মহেষাসাঃ পাঞ্চালাঃ পাণ্ডবৈঃ সহ ॥১॥
সেনাপতিং সমাকর্ণা শেতং মুধি নিপাভিত্রম্।
তদর্থা যতভাকাপি পরেষাং প্রপ্রায়িনাম্॥২॥
মনঃ পাণাতি মে বাকাং জয়ং সয়য় ! শৃগুতঃ।
প্রভাবায়ং চিন্তয়তো লক্ষাং প্রায়েগিতি মে বহি ॥। (মুখাক্স্)

ভারতকৌমূদী

নালু টাত্র বাং হোজ, দৈবংগন দৈবতম্বেন (১২১) টাতি ম্বান্তোপাধ্যার জ্বিলাসসিদ্ধান্তবাধীক মনুচাবাবিরচি বারা মহ ভারতটীকার্যা ভারতক্ষমুলসম্প্রান্ত ভাক্ষক্ষিতি ভীক্ষবংগ আইচর বিজ্ঞাহবার্যা বের

---(::)-----

্ৰত হাত তে ডাড । বংল। সভয়। পৰিচীয়ালিভিঃ।সং সেনেভি। ডলবং কেডকেজালম্। অপনাধিনাঃ বৃত্যক্ষ সমাকৰণভোগ মেমনঃ আনামি আনিম্ভুড্বতি ডগুড়ে স্কৰ ভ্ৰেন্ত ৰাকাঃ অকীয়া ভয়ক পুৰ্বং, আঙাৰ মং

শ ৯ ডাপন ও মহারথ পাওবের। বৈর্গগৃত্ধে ভয়ন্তরভাবে ভাষকটুক থেতের বদ চিন্তু। করিতে থাকিয়। বিষয়চিন্ত হইয়া নিবৃত্তি পাইলেন' ॥১২১॥

ধৃতরাষ্ট্র বলিলেন—'বংস সঞ্স ় বিষাটমেনাপতি খেত মুদ্ধে ভীমকর্তৃক নিহত হইলে, মহধেনুদ্ধৰ পাঞ্চলৰ ও পাঞ্চালগৰ কি কবিলেন ; ৫১॥

(১২১) থোক কৌব্ধাকাং প্ৰস্থা — বা । (০) প্ৰকৃষ্ণাণ চিত্ৰখন্ত স্ক্ৰাই কলেভি মে—বা নি । স হি বীবোচ্নুৰ জশ্চ বৃদ্ধং কুকুপভিত্ন।
কুতি বৈশং সদা তেন পিতৃং পুত্ৰণ ধীমতা ॥৪॥
তত্যোদেশত্যাকাপি সংক্রিং পাওবান্ পুরা।
সর্বং বলং প্রিরাজা তুর্গং সংক্রিয়া ভিজতি এল॥
পাওবানাং প্রতাপেন তুর্গদেশং প্রবিশ্য চ।
সপত্রশতসংবাধে সভ্তাবং সমব্দিতঃ ॥৬॥
আংচর্গং বৈ সদা তেবাং পুরা রাজ্যং গুলুম্বিঃ।
তত্যা যুদ্জিবে ভিজঃ কথং সম্মুয় ! স্দিতঃ ॥৭॥

ভারতকৌসুদী

শাওবেৰ স্থান পাশাচরণম্, চিক্সকোঙলি মে মনং, কজাং নাই প্রারোজি, স্বত্রণক্ষিতা-মক্ষেনাকুলীকুডবালিডি ভাবং বং—২।

থেতি নিহাসমাত চতু দিং জোগিছা । সাইদি । সাইগের, সুজ্জ সুক্দতি দীয়া, দিল আছো, খেতং প্রতি জন্তরক একালীম । কিছু শিতৃ বিবাটক ধীয়ত পুরেণ খেতেন, তেন সুক্ষণতিনা সহ সদ বৈধা কৃত্যু, উস্তেশে গ্রহাম শ্রমিস্তাপ্যাপ্য । ১১।

ত্তেতি। তত টাম্প, উৰেপেন প্ৰয় মুক্ত ভয়ৰ্ উৰেপভয় তমান। স্থাপদান শী স্থানঃ। ভিট্তি শ শেক ইলি শেষঃ ১০০

পান্তবারামিতি। সল্বল্ডলাবাদে বস্তশক্ত্রীভারত্বহলি। ।

দেশ সভয় ! বিরাইসেনাপতি কেত যুক্তে নিপাতি হ হইয়াছেন এবং উহার বকার ভয় বহুবান্ বিপক্ষেশ পলায়ন করিয়াছে এই বৃত্তান্ত শুনিয়া আমার মন শীতিই অনুভব করিতেছে, কিন্তু শোমার বাকা ও ভয়ের বৃত্তান্ত শুনায় পাওবহুবের প্রতি নিজের অভায় আচরণ অরণ করিয়াও আমার মন লগুল পাইতেছে না ॥২—৩ঃ

বীর ও বৃদ্ধ শীম প্রধ্যে স্থেতের স্থাতি অভুবজুই হিলেম, কিছু উদ্ধ-গোগ্রাহের পর হইতে বিধাটপুত্র বৃদ্ধিমান্ স্থেত শীমের সহিতে স্কানিই শাজতা ক্রিডেন; (অহাতেই শীম সেতের বিদেশী হইয়াছিলেন) । ১১

স্তুতরাং ধেব ভীয়ের আশকায় ও তত্তে পৃথেই পাণ্ডবগণের আশ্রয় লইয়! ভিলেন এবং নিজের সমস্ত দৈশু ভাগে করিয়া হুর্গ অবলয়ন করিয়া পাকিতেন ॥१॥

বস্থ শক্র আক্ষণসভাবনা থাকিলেও খেড তুর্গ আশ্রয় কবিয়া পাওব-গণের প্রভাপে এয়বং মুস্থ ছিলেন ॥১॥

(৪)- ক্লান্তবৈশ্ব, বা। (৬) প্ৰথম দেশ নিৰেক্স চ সপড়ান্ সভাজা বাধ্যাবৃদ্ধিমঞ্চ চিতঃ—সানিঃ (৭) আভাগ্যাবৈক্তৰা। श्राक्ति था निष्य हा क्यू इस् श्रु हा तम भूकमाधमः ।

म युक्त त्वीहर्य ही एका म हाहायाः कथकम ॥६॥

म क्रिंगा म ह नाक्षां वी माद्य मक्षयः । त्वाहर्यः ।

म विद्या महिन्म विद्या धर्म वाक्ष्म ह भाष्ट्र । ॥५०॥

म हिर्मा महिन्म मिल्ला में माक्ष्म ह ॥५०॥

मामित्राम वाद्या वाद्या वाद्या ह महिन्म ।

मुद्दी । युक्त महिन्म ह भाष्ट्र ।

मुद्दी । युक्त महिन्म ह ।

मिल्ला महिन्म ह । (विद्या विद्या । । ।

ভারতকোমুদী

আধান কিবলে কত প্রস্থার ক্ষেত্র কিবল আনি নিত্যত আধান বিভিন্ন পরে তেলাং ক্রমান নিত্র প্রস্থান করে, আক্রমা সাভিত্যের, ক্রমাতা আভীববৈরদ্বিত্র কিবলীং ক্রমা, ভিত্ত স্থিতির প্রস্থান পার্ট্রস্থান হ কুনিছিরে উক্তা আভবং। তে স্ক্রা ক্রাক্তিস্ট্রা কুর্মার ব্যাস, কর্মানিকাতিতে ভাষেত্র

हेलानेक कृत्यत्वसम्बद्धाः अपितः अपितः अपित्यस्यः, श्रष्टः वर्णामीनाः श्रियः, कृतः अन्नत्रं भागत्वात्वाः । अपितः अन्य

নেতি। বাংক্ষো বৃক্ষিবংকীবং ।সং

নেতি। যান্ত নত্তসংগ্ৰেষে। ছ্যামানে ছবিভূমি**জ টাডি পেনঃ আৰ্থায় অবল্যা,** সৌবলজ্পকুন পাত্ৰান্পাত্ৰান্ত বীষ্টাদি প্ৰশান্ধ্য-১২।

পূর্বে (পদিশ্রোগ্রহ্ণুকে) স্পর্কাদি রাজার উপরে কোচ আচাল্রিজেনী ভিক্রেন, পরে মুখিলিরের অনুরক্ত হউয়াছিলেন। সভারা এ হেন পাছিকে ভীত্ কি ক্রিয়া নিপাভিত ক্রিলেন। এখ

আমার পুর পুক্ষাধন ছুর্যাধনটা অভিরবৃদ্ধি, কর্পপ্রভূতির প্রিয় এবং অল্পুড়ি। কেন না, স্লয়। ভীম বা স্থোণ কোন প্রকারেই যুদ্ধ করা ভাল মনে করেন নাই ।৮ব

আর কুপাচার্যা, গান্ধারী, আনি, বৃক্তিংশীয় কক এবং ধশ্বরিদ যুধিন্তির, আমাদেরও যুদ্ধ করার ইচ্ছা ছিল না ১৯॥

তা'র পর ভীম, অর্জুন, নকুল, এবং সহদেবও যুদ্ধ করিবার ইছে। করেন নাই: বয়ং, আমি, গালারী, বিহুত, জনদ্মিনন্দন পরভারাম ও মহায়া বেদব্যাস, তথ্যতি ব্যানন বৈরিণ মত্যে প্রাপ্তিন্ত নহার !।
প্রেত্তা চ বিনাশেন ভীয়াতা বিজ্ঞান চ ॥১৯॥
সংকুদাং কৃষ্ণসভিতঃ পার্থঃ কিমক্রোদ্যুধি।
আজনাদ্ধি ভবং ভূগতামে তাত ! ন শামাতি ॥১৪॥
স হি শূরণচ কোত্তেমঃ কিপ্রকারী ধনপ্রথঃ।
মতো শবৈং শবীরাণি শক্ণাং প্রথমিত ॥১৫॥
ঐলিন্তিম্পুল্লসমং মতেজ্ঞান্ত্রণ ববৌ।
আমোগ্রেগ্রন্থ কুমমং মতেজ্ঞান্ত্রণ বিষ্ণুদ্ধন ॥১৬॥
ভবৈণ বেদবিজ্ঞানো জ্লনাক্সমতাতিঃ।
ইন্তালিবিদ্যোগায়া প্রপতন্ সনিভিত্তাঃ ॥১৭॥

कारकरको भूगो

তকেতি। ৰ সন্ধ্ৰিশগম্। আংশবুপৰি হম্ ১৯০১ মাজুক টাৰি। পাৰে ৬ জুনা। জুলা বচলম্ ১৯০। মাইতি। কিপকাৰী জাতাতকৈলী। প্যধিকতি আংলাড়হিছিৰ ১৯০।

केश्विकि । एक शक्य । केश्विष्ठक क्षण्यवस्थ्यम्, वर्ताम्बरक्षणम्भयः, व्यवस्थाः । व्यवस्थाः ८काभग्यको एक उत्त, केश्यिम् केश्विष्ठक्षणस्थाः पृष्ठं , रवा सूचाकष्, यस , किः व पृष्यकः विश्वविक्तिसम्बद्धिक कार्यः ॥३००

ভাগেতি। অসম কৃষ্যভূতি, স্মিত্যাসুকার্তমান, আপাসন্ ক্রারের, সাম্ভিক্ত স্ক্রেড। ১২০

আমারা সকানাই মৃদ্ধ করিতে বারণ করিয়াছি; তথাপি পাপকারা ছ্যোদন কর্ন, শকুনি ও ছ্লোসনের মতাত্বলী হইয়া সকলো মৃদ্ধ করিবারই ইচ্ছা করে , ক্লিয় সঞ্জয়। পাত্রগণের বীর্মপ্রভৃতিক্তন করেন করেনা ॥১০—১০॥

অথ চ সঞ্জা। বেতের বিনাশে ও ভীমের করে ছ্যোগ্নের ভ্যাংর বিপদই উপস্থিত হট্যু ছে বলিয়া আনি মনে করি ॥১৩॥

কুক্রের সহিত নিজিত অজ্ন অত্যন্ত কুক হইয়া যুক্ষে কি করিয়াছিলেন। বংস। সময় : অজ্ন হইতে আনার যে গুকতর ভয় আছে, তালা কিছুতেই নিবৃত্তি পার না #১৪০

কারণ, কুড়ীনক্ষন অক্সন বীর e কিপ্সকাবী। স্বতরা আমি মনে করি ডিনি বাণদায়। শতুপকের শ্রীরগুলিকে নম্বন ক্রিয়া থাকিবেন গ্রেণা

স্থয়। বৃদ্ধিতে কৃষ্ণের তুলা, বলে ইন্দের সমান এবং অব্যর্থকোধ ও অব্যর্থসকল অজুনিধে দেখিয়া ভোমাদের মন কিব্রপ হইয়াছিল । ॥১৬।

সন্তন্ন উবার।

পূণু ৰাজন্ত ভিৰো ছয় ত্ৰাপন্তনো মহান্। ন চ ভূচে বিনে দোৰ্মিমনাধাতুমইলি ॥২০॥

कातकरको भूगो

বিজ্ঞানি বিশেষক নিক্ষেত্ৰ, সঞ্চালেন্ত্ৰ আংশৱ কৰণে হাজ হ্ৰ স. ১৯৮৪
সাহীতি । কিমৰ বা , কোৰৰ বা মাক্ষ্ণেইবাৰ হৈছেছিত লগা ১৯৯৪
পুৰ্বিদি স্থান্ত্ৰ বিষয়ালালিনাৰ হাজাহিবল । হৃত্যুক্ত বা কলা ১৯০৪
কোনি হি হাজা বন্ধা কাশন কাছেল কাশন কাল কাল বা বা, নালেহেছে সাকল ১৯৯৪
কোনিই, বাই, আহ ও সংখ্যার হুকার ভেজ্ঞা, ইন্দ্রাপুত্র ও অভ্নেয়েকারি।
আজু না যুক্তি যাইই ইন্দ্র কবিয়া আনুক্তা এইবল

আৰু মহারথ অজ্ন বংসর হলা অস্থ নিজেপ কৰেন এব ভ্ৰনাবি আৰুক্ণ ক্ৰিয়াই সিহনাদ কৰিয়া ধাকেস ১৮৮ঃ

সল্ম । মুকে তেওঁ নিপাতিত হঠকে দ-পদরাজার পূত্র মহাপ্রাক্ত ও বলবান গুউতায় কি করিয়াছিলেন ১ ৮:২॥

আনি মণন করি আনোদের পূক্ষেত্র অপরাধে ও সেনাপতি কেশের বংশ মহাল পাওবগণের মন কোধে অলিয়া উঠিয়াছিল ১০০৪

স্থানের নাবহাবে পাওকাণের যে জেনার জবিয়াছে, ভাচা চিফা করিয়া আমি দিনে বা বাজিতে কোন সময়েই শাস্থি পাইতেছি না । সে যাহা হটক, সঞ্জা কিরপ মহাযুদ্ধ হুহয়াছিল, দেহার সভাস্ত সকল বলা ৪১১॥

সঞ্জয় বলিলেন—'রাজা। ভির হইয়া জবেণ করুন। আননারই ত গুরুতর স্থাতি। অভবা আপনি স্থোধনের উপরে এ দোবের আরোপ করিতে পারেন না ॥২২॥ গতেলৈকে সেতুৰজো যালুক্ ভালুভ লালিতৰ।
স্কলিতে ভলনে যহৎ কুপতা ক্ষমণ ভলা ॥২০॥
গতপুৰী ছুভ্লিটো ভালিলহনি দাক্ষে।
তাৰকানাণ প্ৰেষ্থক পুন্দু ক্ষমৰ উভ ॥২৪॥
কেতন্ত নিহত দৃষ্ট্য বিষ্টেতা চন্পতিন্
কু হৰকাণ চ সহিতং দৃষ্ট্য শক্ষমৰ হৈ ॥ ॥২৫॥
শহঃ জোনাৎ প্ৰজ্বাল হৰিন, হলকাছিব।
সাবিকাৰ্যা মহচ্চাপণ শক্ষমতাপোপন্ধ বুলা ॥২০॥
মাতা বিল্যাণমন্ বৈ শক্ষাণ মান্তিপণ সুধি।
মহতা বুণসংঘন সম্ভাহ প্ৰির্কিতঃ ॥২৭ঃ বিশেষকুম্
কুল্ বাণম্যণ বুষি আলাল্যকাবণ প্রতি।
ত্যাপভত্ত সংগ্রেক্য মতবাৰণবিজ্যন্ ॥২৮॥
তাক্ষানাণ বুণাং সন্ত সমন্ত্রাং প্রাক্ষমন্ত্রা।
মাত্রাক্ষানাণ বুণাং সন্ত সমন্ত্রাং প্রাক্ষমন্ত্রা।
মাত্রাক্ষানাণ বুণাং সন্ত সমন্ত্রাং প্রাক্ষমন্ত্রা।
মাত্রাক্ষাণ্য প্রিণ্যান্ত্রা মৃত্রা, গত্তী তুরণ স্তন্।
মাত্রাক্ষাণ প্রিণ্যান্ত্রা মৃত্রা, গত্তী তুরণ স্তন্।

कारकटको मृगो

सुधि है। अन्यस्तार आकृष्टियः । जुरस्यायम् । आप हुमारामाणि हुस्वारेशः सर्वेट । स्व स्थारक यह र । अस्पेरलः आध्यान १८४, ३० ८ वट लगानी रामस्वारेशः सहस्रति । स्व. स्टब्ल कृष्टिशं यहना एण यक्त रुखिन् । स्व

্ৰহ্ম স। অনাসাণ লোক নানাণ সপচ্ছ বিশোধন কোৰস সংক্ষাতানা কোক ভণুকীক হৈছিল। আনুক্তি দৰবিষ্ঠান লোক কোনা কোক কিছিল কোক কোনা লোক কোনা কিছিল। পুত্ৰাৰ ৷ এই বৃদ্ধানি ৷ ভিষ্ণসন্ত অধিকান সময়ত সকলেও পিছা । সংক্ৰমণ

মহারাজ। জল চলিয়া গোলে খেমন খালে সেরুবজনের বৃদ্ধ এবা গৃহ দয় হইয়া গোলে পর যেমন মেই অগ্রিকাপেশের ছক্তা কুপ্যন্তের ইচ্ছা, এখন আপ্রার এ বৃদ্ধিও সেইকপই ॥২৩।

সে যাহা হটক, সেই ভয়স্থ দিনের পুক্রাকুণ আধক আল আভাত হইলে আপানার পকীয় ও পাত্রপক্ষিয়াক্তর পুন্রায় মুগ বিভূ হইল ॥৮৭ঃ

বিরাটরাত্রার সেনাপতি বেডকে নিহত দেখিয়া এব শলাবাভাকে কত-বশ্বার সহিত একরথে অবস্থিত লক্ষ্য করিয়া সংগ্রের মান্ত্রির ক্যায় শহা কোধে অলিয়া উঠিলেন এক বলবান্ শহা ইন্দ্রের হল্য বিশাল ধর্ম বিভারিত করিয়া সকল দিকে বিশাল রথিসমূহে পরিব্যক্তি হুইয় সুক্ষে মন্ত্রাক্ত ব্যক্তিরার ইন্ছে। করিয়া ধারিত হুইলেন ১২৫—২৭৪



রহবন্দ কৌশনো ভ্যংশেন্দ মাগবং।
হণা করবণো রাজন্। পুত্রং শন্যক্ত মানি হং॥৩০॥
বিন্দ পুবিন্দবিবিশ্বা কাম্যোজন্দ অদক্ষিণঃ।
রহংকত্রক্ত দায়াদঃ দৈহবন্দ জ্যত্রথং ॥৩১॥ (কলাপক্ষ্)
নানাধাক্তি দ্রানি কাম্মুকানি মহা রানাম্।
বিক্ষারি হাক্তদুশান্ত ভোষদেষিক বিদ্যান্তঃ ॥৩২॥
তে কু বাণময়া বর্ষণ নাম্যুক্তি বিদ্যান্তঃ ॥৩৩॥
তি হু বাণময়া বর্ষণ নাম্যুক্তি নাম্যুক্তি নাম্যুক্তি হাল্যুক্তি
হল কুন্দো মহেলাদ্য সপ্তভালেঃ সভেজনৈঃ।
ধনুংবি ভেষামান্তিল নাম্যুক্তি পুত্রাপ্তিঃ ॥৩৬॥

कारकटको भूगो

ক্ষমিত প্ৰদ্ধিতিশন্ত সন্ধাৰণৰিক্ষা মন্ততিত্বাপর ক্ষম্ । প্রীপাল্যা বিজ্যাক্ষা কৌশলা কোলন্দ্রাধিপ্তিঃ মাধান মহন্ত্র, ঃ আবহ্য বিষয় পেনী ব্যাহার কাষাব্যক্ষা সাহাল্য প্রা, কৈছব, কিছুব্যক্ষা হচ্চ ২০১৪ বালবি। নাম্পত্রিভিন্ন কাষ্ট্রিভিন্ন বিজন্ধানুসভিন্নি কোন্দ্রাধ্যাক্ষ্ত্র বালবি। নাম্পত্রিভিন্ন কাষ্ট্রিভিন্ন বাহন্দ্রসভিন্ন কাষ্ট্রালব , ন্ধা প্রত্যুদ্ধিত।

এব শ্যা ব ব্যবহা করিছে থাকিয়া শলোর র্থের দিকে গ্যান করিছে লাগিলেন বাজা। তথ্য কোললাজ বৃহদ্ধ, মগধ্বাজ ভ্যুংসেন, সন্মানী শলোর পুত্র করবণ, অবস্থিদেশীয় বিন্দ ও অন্তবিন্দ, কংখাজবাজ তুদ্ধিণ এবং কেংকানের পুত্র কিন্দুরাজ ভ্যুজ্ব, আপনার প্রের এই সাভ জন ব্যামিত হবার ভূলা বিক্ষালালা শ্যাকে আসিতে দেখিয়া, মৃত্যুর দুখের ভিতরে গোবাইর লায় অবস্থিত মহারাজ শলাকে রক্ষা করিবার ইচ্ছা ক্রিয়া, সকল দিক্ ইউতে উতাকে বেইন ক্রিলেন ১০৮— ১১॥

সেই সন্ধে আমরা দেখিলাম—মেঘের উপরে যেমন বিভাং প্রকাশ পার, সেইরপ সেই মহামাদের হাতে মানধাতুগড়িত ধরু সকল বিভারিত ইইয়াতে ॥৩২॥

ভাষার পর গ্রীমবেসানে বাস্চালিত মেঘ সকল যেমন প্রতের উপরে জল ঘর্ষণ করে, সেইরূপ সেই সাত জন র্যী শভ্রের মৃত্তের উপরে রাণ ব্র্যুণ করিতে সাগিলেন ॥১৯৮

(८०) । समा देव अराहा कत्र (५३) ।

ততা ভীলো মহাবাহবিনন্ত জনদো যথা।
তালমাত্রং ধরুস্থ শব্দমভান্তবন্ধ । ০০৪
তম্ভান্তমূদীক্ষাথ মহেবাসং মহাবলম্।
মন্তবা পাণ্ডবী সেনা বাহবেগহতের নোঃ ॥০৬৪
তত্তার্লহ্রনং সংহরিতঃ শব্দান্তমিং পুরংসরঃ।
ভীন্সাদক্ষোহমমন্তেতি তক্ত মুন্তমবর্তত ॥০৭॥
হাহাকারো মহানানীদ্ যোধানাং যুধি মুধ্যতাম্।
তেজতেজনি সংপ্তামত্যেবং বিশ্বমং মন্তঃ ॥০৮॥
তথা শ্লো গদাপাণিরবর্তীর্য্য মহারথাং।
শব্দে চতুরো বাহানব্দীন্তর্তর্যভাগ্না

ভারতকৌমুদী

তত ইতি। তেমাং স্থানামের, আজিত সমাক ছিয়া, প্রনাপতি। পথা ।০৪।

তত ইতি। তাল্যারং তাল্তকপ্রমাণ রুহং, গৃহ গুরীয়া ।০২।

ত্যিতি। উত্তরং মুখাংগাত্ম, উদীক্ষা দুই।। নৌতরিং ০০০।

তত্তি। পুরংসরং অগ্রহী। ইতি নন্দি বিভারেতি পেরং ০০০।

হাছেতি। যোগানামূভ্যপকীয়াগানের। সংপুক্ত স্থিতি মুলত।

অথেতি। চতুরা চতুরংগাকান, বাহান্ অবান্।০০।

ভাহার পর মহাধয়জন শহা কুক হইয়া শিলাশাণিত সাওটা ভল্লারা ভাহাদের সাত জনেরই সাত্রানা ধয় ছেদন করিয়া গার্মন করিতে লাগি-লেন ॥৩৪॥

তংপরে মহাবাত ভীম মেথের আয় গর্জন করিয়া ভালবৃক্তমাণ বিশাল ধ্য ধারণপূর্বক শংখার হাতি যুক্তে ধাবিত হইলেন ৮০০॥

ভদনস্তর মহাধমুর্কর ও মহাবল ভীমকে যুক্তে উভত দেখিয়া পাওবদেনা বামুবেগভাড়িত। নৌকার ফায় ভীত হইয়া পড়িল মঙ্গ

'আজ ভীম হইতে শথকে রকা করিতে হইবে' ইহা মনে করিয়া অজুনি তথন সৰুর ঘাইয়া শথোর অগ্রবন্তী হইলেন। সেই সময়ে যুক্তারম্ভ হইল ৪০৭॥

এই সময়ে সমরাঙ্গনে যুধামান যোজগণের অভান্ত হাহাকার উপস্থিত হইল এবং 'একটা তেজ অপর তেজে মিলিড হইয়াছে' ভাবিয়া ভাহারা বিশ্বয়া-পর হইল ॥১৮॥

⁽৩৭) ভভোচজুন: ভতে। মৃত্যু বা নি। (৩৯) বাহানহনং । ন।



ম হতাখাদেশত শং খালামাদার বিক্রতঃ ।
বীভংগোশ্চ রথং প্রাপা পুনঃ শান্তিমবিন্ত ॥৪০॥
তেরা ভীলরগাত প্রংপতন্তি পত্রিণঃ ।
বৈরন্তরীক্ষং কৃষিশ্চ সর্বতঃ সমরন্ত ভা ॥৪১॥
পাঞ্চানান্য মহলতাংশ্চ কেক্যাংশ্চ প্রভদ্রকান্ ।
ভীলঃ গ্রহরতাং প্রেজঃ পাত্রামাদ প্রিভিঃ ॥৪২॥
উংস্থ্য সমরে রাজন্ । পাঙ্বং স্বাদাচিন্দ্ ।
আভাদ্রত পাঞ্চালাং ক্রপদং সেন্যা রত্র্ ॥৪০॥
প্রিয়াসম্থান্য রাজন্ । শরাংশ্চ বিকিরন্ বহুন্ ।
আমিনের প্রদ্ধানি বনানি শিশিরান্তায়ে ॥৪৪॥
শরদ্ধান্তর্শান্ত সৈত্যানি ক্রপদ্পত্র হ ।
আভাতিউদ্রেধ ভীলো বিধুন ইব পাবকঃ ॥৪৫॥ (বিশেষক্ষ্)

ভারতকৌ মুদী

স ইতি। স শহাঃ বিজ্ঞানে গতা সন্। বীভংগোরজ্নভাভ।
তত ইতি। উৎপত ভি উড়াংজে অ, পত তিপো বাণাঃ। সহংজ্ঞা বাাধা ১৯১৯
শাকালানিতি। প্রেরতাং বোজ্গান্ঃ পতিভিবাগৈ ১৯২৪
উদিতি। অভাজরত অভাষাবং। প্রিচেশভিনা ভৌগভা৷ শিতৃহাং। বিকিন্
নিজিপন্। শিশিবাভায়ে বীভাগগ্যে। অভাতি ঠং অভিশ্যেন শ্বিঃ।৪০—৪৫৪

ভরতক্ষেষ্ঠ। তাহার পর শলা গদা ধারণ করিয়া রথ হইতে নামিয়া মাইয়া শ্ৰের চারিটা অধ্কেই বধ করিলেন ১৩৯।

তথ্ন শৃথ তরবারি ধারণ করিয়া হতার রব হইতে সংর মাইয়া অজুনের হথে উঠিয়া পুনধায় শান্তি লাভ করিলেন ১৪০ঃ

ভাহার পর ভীত্রের রথ হউতে সহর সহর বাণ সকল উভিতে লাগিল; যে বাণগুলি যাইয়া আকাশ ও পুথিবীকে সকল দিকে ব্যাপ্ত করিয়াছিল ॥৪১॥

ওদনস্ত্র যোজ্প্রেষ্ঠ ভীম বাণ্ডারা পাঞাল, মংজ, কেক্য ও প্রভয়ক-দেশীয় সৈত্যগতে নিপাত করিতে লাগিলেন ॥৪২॥

রাজা। তখন তিনি যুদ্ধে পাত্নকান অজুনিকে পরিতাাগ করিয়া বহুতর বাব নিকেপ করিতে থাকিয়া সৈতে পরিবেটিত প্রিয়সম্বন্ধী পাঞ্চালরাজ

⁽s-) সত্তাৰো বধাং--ততঃ শালিম্--পি বা। (ss) তিবং সম্ভিনং বাজন্। শতান্থশিবন্ বছন্--রানি।

মধানিকে ব্যাদিতাং তপশুমিব তেজ্ব। ।
ন শেকঃ পাওবেয়ক্ত যোধা তাশং নিরাকি হুন্ ॥৪৬॥
বীকাক কৃঃ সমস্তাতে পাওবা ভাগনীড়িতাং ।
তাতারং নাভাপজন্ত গাবং শীতাব্দিতা ইব ॥৪৭॥
সা হু যৌবিজিরা সেনা গাঙ্গেশবুপীড়িতা ।
সিংহেনেব বিনিভিন্না ভরা পৌরিব গোপতে ! ॥৪৮॥
হতে বিপ্রব্রুত সৈতে নির্হুদাহে বিনব্রিত।
হাহাকারো মহানাসীং পাঙ্নৈতেয় ভারত ! ॥৪৯॥
ততা ভালা শান্তনধা নিতাং মণ্ডলকার্ম্কঃ ।
মুমোচ বাণান্ দীপ্রাগ্রানহীবিধানিব ॥৫০॥

ভারতকোম্দী

মধান্দিন ইতি। ইবশন্ধ স্থাবনাথাম্য পাত্ৰেছে মুখিটিবত হচনা
নীকামিতি। বীজাকজুদিনুত, সম্ভাহ সংগ্ৰে দিছে। আহাৰং বহুকম্ হেনা
স্থেতি। বিনিচিলা সংঘাদিলেধিতা, ভক্তোনেন তথা পেনাথা অধি ভক্তবিজ্বাবিষ্থা
স্চিত্ৰ, একেবশ্বং স্থাবনথাম, হে বোপতে। পৃথিবীপতে। ২০০।
হত ইতি। বিজ্ঞাত প্লাহিতে, সৈলে পাত্ৰসেনাথাম্ হেনা

জ্বপদের দিকে ধাবিত হইলেন। রাজা। ক্রমণা বসন্তকালে অভিনয় বনের ছায় জ্বপদের সৈত্যগণকে ভীত্মের বাণে দক্ষ হইতে দেখা গেল। পরে ধ্নশৃত্য অধির ছায় ভীত্ম সমরাজনে দৃঢ়ভাবে অবস্থান করিতে লাগিলেন ৪৪০—৪৫॥

ক্রমশঃ পাণ্ডবসৈগ্রের। মধ্যাফ্কালীন তেলোদীপ্ত স্থোর ক্রায় ভীমের প্রতি দৃষ্টিপাত্ত করিতে পারিল না ধ্রহা

ভংকালে ভয়পীড়িত সেই পাওয়দৈকোৱা সকল দিকে দৃষ্টিপাত করিতে লাগিল, কিন্তু শীতাই গোগণের স্থায় কাহাকেও রক্তক পাইল মা ৪৪৭৪

রাজা। সিংহ যেমন ওজবর্ণ গোসম্ককে ফ্রচাত করে, সেইরূপ ভীত্যের শর সকল মুধিন্তিরের সেই সৈতকে পাঁড়িত করিয়া সংঘচাত করিল এওচন

ভ্রতনন্দন। অনেক সৈকা নিহত, পলায়িত, নিকংসাহ ও বিমন্তিত হটলে, পাওবসেনার মধ্যে গুরুত্ব হাহাকার উথিত হটল ছবন।

ভাহার পর শাস্ত্রনক্ষ ভীম সর্বদা ধর্থানাকে মণ্ডলাভার করিয়া ভীক্ষ-বিষ সপের তুলা উজ্জলমুখ বাণ সকল নিক্ষেপ করিতে লাগিলেন ।৫০॥

(৪৭)---आडातः मादाग्रक्ता--दा मि। (६৮) च्या त्वांवः नि नावि। (६२) इडविश्रक्यर---नि।



শবৈরেকামনীকৃর্বন্ দিশঃ দর্বা বতরতঃ।
ভাষান পাওবরখানালিন্ডাদিশ্য ভারত। ॥৫১॥
ভতঃ সংক্ষেত্র ভাষাত্র মাণতের চ সর্বাশঃ।
প্রাপ্তে চাতঃ দিনকরে ন প্রাভ্যায়ত কিক্ষন ॥৫২॥
শীল্প সম্নীর্যান্তঃ দৃন্ধী পার্থা মহাহবে।
ভারথ সম্বীর্যানাং ভরতর্বত। ॥৫৩॥

ইতি শ্রীমহাভারতে শতসাহস্রাং সংহিতায়াং বৈয়াসিক্যাং ভীক্ষপ্রকৃতি ভীগ্রবধে শুঝুমুদ্ধে প্রথমদিবসাবহারে উনপঞ্চাশতমোহ্ধায়:॥।॥

ভারতকৌমুদী

তত ইতি। মতদা গোলাকাল কাপুকিং যাল সা। আশীবিষান্ ভীপুৰিধান্ বেংর ।
নবৈবিতি। একাননীকৃপন্ একমান্ত্রীকৃপন্। যুত্রতক্ষিবরপ্তবা্রতের ভীপা।
আদিল আদিল বিমান্তং বাহি ইতোবমালাশ্যালাশ্য বেচর

তাত ইতি। তারের সামানিচাতের। কিকান ন প্রাক্তারত অক্ষরাবারবাথ চরহ।
ভীমনিতি। সন্তীপালা শালনিবালাগোলালন্ । ক্ষরতার মুক্তরিরামন্ । কতা
ইতি হতামানোবালাক-শিহরিলাসনিকাল্ডরাস্থানভারাচাণানিরচিতারাং মহাভারতটাকারাং
ভারতকৌর্নীসমান্যালাং ভীমশুর্ববি ভীমব্বে উন্প্রাণভারমাহ্বারিঃ।
।

ভারতভাবদীপ:

বেত ইতি ।১---। একাবনীকুলন্ একমার্গাঃ কুলন্ ।৫১--৫৩। ইতি ভীমপর্কাশি নৈলক্ষীয়ে ভারতভাবদীপে উন্পঞ্চাশভযোহ্ধায়ে ।৪৯।

ভরতনক্ষন। চিরসংয্যা ভাষ সমস্ত দিঘ্রগক্ষেই নিজ্বাণের একমাত্র পথ করিয়। আদেশ দিয়া দিয়া পাত্রপক্ষের রখিগণকৈ বধ করিছে লাগি-লেন হতার

তংপৰে সমগ্ৰ পাঙৰদৈত সাহচাত ও আলোড়িত হইলে এবং স্থা অস্ত গেলে, অন্ধাৰ উপস্থিত হওয়ায় কিছুই জানা গেল মা ॥৫২॥

ভরতভোষ । তথন পাওবগণ ভীমকে মহাযুদ্ধে অপক্ষিনাশে সম্ভত দেখিয়া আপন সৈতাদিগকে যুক্ত হইতে বিরত করিলেন' ॥৫০॥
